परम पूज्य तपश्चर्या–चक्रवर्ती पट्टाधीशाचार्यश्री

सुविधिसागर जी महाराज

के

50 वें जन्मदिवस के पावन अवसर पर

सुविधि–परिवार के द्वारा आयोजित

जिनवाणी-महोत्सव

सहस्रग्रन्थसंग्रह

❊ जन्मदिवस 19–03–1971 ❊ मुनिदीक्षा–11–05–1989 ❊ आचार्यपद– 20–06–2004

पट्टाधीशपद– 24–12–2010 (20–06–2004 को की गई उद्घोषणा के अनुसार)

परम पूज्य आचार्यश्री सन्मतिसागर जी महाराज के द्वारा की गई उद्घोषणाः–

हमारी समाधि के पश्चात् आपको इस संघ के संचालकपद पर नियुक्त करते हैं।

(अंकलीकर वाणी–जुलाई 2004) (अक्षयज्योति–अक्तूबर 2004)

गुजराती
हिन्दी शब्दकोश

संग्रहकर्त्ता
गणेशदत्त शर्मा

प्रकाशक
जयदेव ब्रहर्स
बडौदा (गुजरात)

(परम्परानायक)

परम पूज्य चारित्र-चक्रवर्ती,
आचार्यश्री आदिसागर जी महाराज
(अंकलीकर)

(द्वितीय पट्टाधीश)

परम पूज्य तीर्थभक्त-शिरोमणि,
आचार्यश्री महावीरकीर्ति जी महाराज

(तृतीय पट्टाधीश)

परम पूज्य सिद्धान्त-चक्रवर्ती,
आचार्यश्री सन्मतिसागर जी महाराज

(चतुर्थ पट्टाधीश)

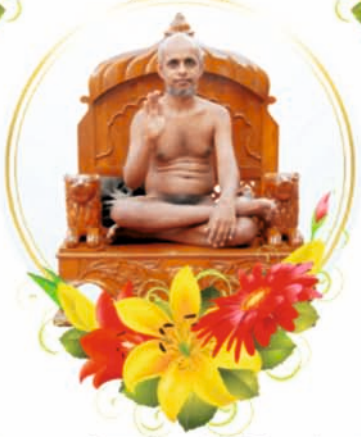

परम पूज्य तपश्चर्या-चक्रवर्ती, आचार्यश्री सुविधिसागर जी महाराज

दिगम्बर साधु निरन्तर पगविहार करते रहते हैं। ग्रन्थभण्डार को साथ में रख कर विहार करना अशक्यप्रायः होता है। फलतः उनको ग्रन्थों के सन्दर्भ देखने में असुविधा होती है। उनकी सुविधा के लिये इस कोश का निर्माण किया गया है। इस कोश के निर्माण में किसी भी प्रकार का व्यापारिक हेतु नहीं है।

आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न श्रावकबन्धुओं से निवेदन है कि वे ग्रन्थ का विक्रय कर अध्ययन करने की परम्परा को कायम रखें।

मुखपृष्ठ पर हमने ग्रन्थकर्त्ता, अनुवादक, सम्पादक, प्रकाशक आदि के नाम दिये हैं। किसी संस्थान का कर्तृत्व हमने लुप्त नहीं किया है।

इस कोश के लिये आवश्यक ग्रन्थ हमें अनेक स्रोतों से प्राप्त हुये हैं। हम उन सभी का आभार मानते हैं।

सुविधि-परिवार

गुजराती हिन्दी शब्दकोष

(२७००० शब्द)

संकलन कर्त्ता

विद्यावाचस्पति,

पं. गणेशदत्त शर्म्मा (गौड़)

प्रकाशक

जयदेवब्रदर्स बड़ोदा

प्रथमवार १९२४ मूल्य ६ रुपये.

Pages 1-320 printed at the L. V. Press Baroda and the rest printed by Mr. C. I. Patel at the Laxmi Electric Printing Press Bhaukal's Lane Baroda and published by Anand Priya B. A. LL. B. for Jaidev Bros Baroda

30-5-24

ओ३म्

समर्पण

श्रीयुत नन्दलाल केदारनाथजी दीक्षित,
बी. ए. एम. बी. पी.
विद्याधिकारी बड़ौदा राज्य

मान्यवर,

जो अखंड परिश्रम आप गतवर्षोंसे बड़ौदा राज्य तथा गुजराती प्रजा में राष्ट्र भाषा हिन्दी के प्रचार के निमित्त कर रहे हैं उसको देखकर यह ग्रन्थ आपकी सेवामें सादर समर्पित किया जाता है.

गणेशदत्तशर्म्मा.

गुजराती हिंदी शब्दकोष

विद्यावाचस्पति

पं. गणेशदत्त शर्मा (गौड)

ओ३म्

प्रकाशकीय वक्तव्य

हिन्दी प्रचार के लिए इस समय भारत में जो आन्दोलन होरहा है वह प्रत्येक हिन्दी प्रेमी को विदित ही है। वह भी प्रत्येक राष्ट्र प्रेमी जानता है कि कोई भी देश अथवा राष्ट्र जिस की बहुतसी भाषाएं हों वह उन्नति के शिखर पर नहीं पहुच सकता। एक भाषाका प्रचार होने से देशमें शीघ्र उन्नति होता है इसी लिए जब हम भारत में एक भाषा के प्रचार का ध्यान करते हैं तब हम प्रतीत होता है कि 'हिन्दी' ही एक ऐसी भाषा है जो भारत वर्ष की राष्ट्र भाषा हो सकती है। इसी उद्देश को ध्यानमें रखकर हमने 'गुजराती हिन्दी शिक्षक' नामा पुस्तक सन् १९१८ में प्रकाशित की थी और हम प्रसन्नता होती है जब हम देख ते हैं की हमारा इस प्रयत्न से बहुत कुछ हिन्दी प्रचार भी हुआ।

गुजराती साहित्य में दिन प्रतिदिन उन्नति हो रही है एवम् हिन्दी जानने वाले भी इस भाषाके साहित्य रत्नों का अध्ययन करने के लिए आकर्षित होरहे थे इसी उद्देशको रखकर हमने विचार किया कि यदि एक कोष गुजराती से हिन्दी में हो तो जनता का कितना लाभ पहुचे खासकर उस दशा में जब कि गुजराती साहित्य के बहुतसे ग्रन्थ हिन्दी में अनुवादित हो रहे हैं। हम इसी न्यूनताको पूर्ण करने की धुनमेंही थे कि हमें पाठकवर्य पूर्व श्रीयुत विद्याव्यासंपति पं० गणेशदत्तजी शर्मा ने पत्र लिखा कि उन्होंने एक कोष तय्यार किया है जो कि यदि हम प्रकाशित करना चाहें तो वह दे सकते हैं। हमें अतीव हर्ष हुआ जब हमने देखा कि हमारे एक मित्रने इस कार्य को पूर्ण कर दिया है। तब हमने नये कोष बनाने के विचार को स्थगित कर दिया और पंडितजी से भी पत्र व्यवहार द्वारा तय किया जिसका फल स्वरूप यह गुजराती हिन्दी शब्द कोष आपके सम्मुख है।

हमें कदापि यह आशा न थी कि हम इतने महत्व पूर्ण कार्य को सुचारु रूप से संपादन कर सकेंगे परन्तु ईश्वरकी कृपासे कई अडचनों के होते हुए भी हम इस कार्य को पूर्ण कर सके हैं.

हिन्दी प्रचार के लिए अनेक वर्ष हुए कि काशी की हिन्दी प्रचारिणी सभाने एक वैज्ञानिक कोषको प्रकाशित कर जनता का भारी उपकार किया था और उसके पश्चात हिन्दी साहित्य संमेलन के परिश्रम से हिन्दी भाषा के लिए एक सच्चा और भारी अनुराग इस समय सर्व देशसेवकों के हृदय में उत्पन्न हो गया है। यह देश के सौभाग्य का शुभ तथा महान् चिन्ह है। इसके अतिरिक्त **महर्षि स्वामी दयानंदजी सरस्वती, कर्मवीर श्रीयुत महात्मा गांधी विद्यामूर्ति देशहितैषी श्रीमंत सयाजीराव महाराज** और आर्य संस्कृति के उपासक आर्य जाति को एक सूत्र में संगठित करने वाले देशभक्त श्री **पंडित मदनमोहन मालवीयजी** आदि के पुरुषार्थका फल है कि सर्वत्र हिन्दी को राष्ट्रीय भाषा बनाने के लिये सज्जन अब उत्साहित हो रहे है। इनसब उत्साही सज्जनों के हाथ में हमारा यह **गुजराती हिन्दी शब्दकोष** एक उपयोगी साधन सिद्ध होगा ऐसी दृढ आशा है। देशमें हिन्दी प्रचार के लिए जितने भी वाचनालय, पुस्तकालय, राष्ट्रीय विद्यालय, पाठशालाएं गुरुकुल तथा अन्य जो भी हिन्दी प्रचार के निमित्त संस्थाएं हैं वह इस कोषको अपनाएंगी ऐसा हमारा दृढ विश्वास है। ईश्वर हम सबको राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार के लिए व्रतधारी बनावे यही प्रार्थना है।

हमे पूर्ण आशा है कि जनता इस पुस्तक की आवश्यकता को अनुभव करती हुई हमारे इस महान् कार्य में हाथ बटाएगी।

हम **श्रीयुत शांतिप्रियजी** का धन्यवाद करते हैं जिन्होंने इस कोष के प्रूफादि देखने तथा प्रकाशित कराने में पूर्ण सहायता प्रदान की है।

श्रीयुत छोटालाल लालभाई पटेल मैनेजर **कर्मी इलेक्ट्रिक प्रेस** बड़ोदा धन्यवाद के पात्र हैं जिन्होंने इस कोष को अपने प्रेसमें छापकर हिन्दी भाषा प्रचार में भारी योग दिया।

विनीत,

आनंद मिश्र
बी. ए, एल. एल. बी.
प्रकाशक.

बड़ोदा.

प्रस्तावना

किसी भी कोष के साहित्य का अंग अपूर्ण माना जाता है। जिस भाषाका कोष सर्वांग पूर्ण होता है वही भाषा पृथ्वीपर सर्वोच्च मानी जा सकती है। जब से हिन्दी भाषा को 'राष्ट्र की भाषा'' होनेका पद प्राप्त हुवा है तबसे इस बातकी बड़ी भारी आवश्यकता उत्पन्न हो गई कि लोगोंको एक दूसरे प्रांतकी भाषा का ज्ञान होना बड़ा जरूरी है। यदि बंगाल का रहनेवाला हिन्दी भाषाको सीखना चाहे और इसी तरह हिन्दी भाषा भाषी बंगला भाषाका ज्ञान प्राप्त कर उस साहित्य से लाभ उठाना चाहे अथवा बंगाल में हिन्दी प्रचार करना चाहे तो उसे दोनों भाषाओंका ज्ञान करना जरूरी हो जावेगा। इस आवश्यकता की पूर्ति के लिये सबसे पहिले अक्षर ज्ञान होना चाहिए और उसके बाद फौरनही कोषकी बड़ी भारी आवश्यकता आपड़ती है। अक्षर ज्ञानके लिये प्रायः सब भारतीय भाषाओंकी हिन्दी में पुस्तकें तैय्यार हो चुकी हैं किंतु कोषोंका अभी तक बड़ा भारी अभाव है। यह कोई साधारण अभाव नहीं कहा जा सकता बल्कि एक ऐसा भारी अभाव है जिसके बिना साहित्य पंगु (लंगड़ा) कहा जा सकता है।

भारतीय भाषाओं में से हिन्दी भाषाही राष्ट्र भाषा हो सकती है—यह अब निर्विवाद सिद्ध हो चुका है। आर्य धर्म्म के पुनरुद्धारक महर्षि श्री दयानन्द सरस्वतीजी महाराज ने अपने श्री मुखसे आजसे कईवर्ष पूर्व एक गुजराती होते हुवे भी अपने सत्यार्थप्रकाश में यह बात कह चुके हैं जिसे कि आज प्रत्येक भारतीय मान रहा है। उन्होंने लिखा है

कि " हिन्दी भाषा को राष्ट्रभाषाका पद दिये बिना भारतकी उन्नति असंभव है । " इसी लक्षको आगे रखकर उस महात्माने अपनी सारी पुस्तकें अपनी प्यारी मातृभाषामें न लिखकर राष्ट्र-भाषामें ही लिखीं। पहिले पहिले उनकी लिखी हुई पुस्तकें बहुतही अशुद्ध रहीं किन्तु उन्होंने लिखी हिन्दी मेंही—कारण इसका यह था कि वे इसबात को अपने तपोबल द्वारा देख चुके थे कि आगे चलकर एक न एक दिन आर्य भाषा (हिन्दी) ही राष्ट्र-भाषा होनेका अक्षुण्ण पद पावेगी। यही हुआ भी। जबसे हिन्दी साहित्य सम्मेलन की स्थापना हुई तबसे उसका लक्ष्य हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनानेका था। अष्टम हिन्दी साहित्य सम्मेलन जोकि प्रातःस्मरणीय महात्मा मोहनदास कर्मचन्दजी गान्धी महाराजके सभापतित्व में बड़े समारोह के साथ मध्य भारत के प्रसिद्ध नगर इन्दौर में हुआथा उस समय हिन्दी भाषा ही राष्ट्र भाषा होने योग्य है इस बातका शंख, बड़े ज़ोरसे फूंक दिया गया। उन्होंने अपने भाषणमें अपने श्रीमुखसे कहा था कि " आज हिन्दी से स्पर्धा करनेवाली दूसरी कोई भाषा नहीं है।" " अन्त में उन्होंने कहाथा कि " हिन्दी साहित्य सम्मेलन शीघ्रतासे एक दूसरे प्रान्त की भाषाका ज्ञान कराने वाली पुस्तकें बनवावे इत्यादि। भारत के प्रसिद्ध प्रसिद्ध साहित्य सेवियों तथा नेताओं ने जैसे श्री० रवीन्द्रनाथ ठाकुर, विदुषी एनिबिसेण्ट, लोकमान्य बालगंगाधर तिलक आदि महापुरुषोंने भी हिन्दी को राष्ट्र भाषा के पद पर बिठाने के लिये अपनी अपनी सम्मतियां दी। सारांश यहकि विविध प्रान्तवासी पुरुषोंने भी हिन्दीकोही राष्ट्रभाषाके पद पर बिठाना योग्य समझा। उसके बाद सम्मेलन ने पुस्तकें वगैरः तो जैसी प्रकाशित कीं वा लिखाईं वे सब लोगोंको मालूमही हैं किन्तु मद्रास प्रांतमें हिन्दी भाषाका बहुत कुछ प्रचार हिन्दी साहित्य सम्मेलनने महात्मा गांधीकी सहायता से किया और अच्छी सफलता रही। महात्माजीने द्राविड़में हिन्दी भाषाका प्रचार होने के लिये अपने श्रीमुख से कहाथा कि " सबसे कठवाई मालूम

द्राविड भाषाओं के लिये है।" अर्थात् महात्माजीने अन्य सब भाषाओंको सरल माना है। सब भारतीय भाषाओंमें गुजराती ही एक ऐसी भाषा है जो अत्यंत सरल और थोड़ेसे परिश्रम से ही समझ में आ जाने वाली है। सबसे बड़ी विशेषता यह है कि गुजराती लिपि बिलकुल हिन्दी लिपि (देवनागरी) से मिलती जुलती है। यदि थोड़ा बहुत फर्क है तो ज, ई, फ, ख, ध, ञ, झ, फ, व, भ, इन अक्षरों में है। यह भेद ऐसा थोड़ा है कि एक बार के देखलेनेपर ही सब समझ में आजाता है। बंगला लिपि में यह बात नहीं है और न द्राविड़ देशीय भाषाओं में ही है। हां एक लिपि और भी है वह लिपि पंजाबी (गुरुमुखी) है। उसके अक्षरभी अधिकांश हिन्दी लिपिसे मिलते जुलते हैं। वहभी गुजराती भाषाकी भांति बहुत ही सहज है। किन्तु उसभाषा में इतने उत्तमोत्तम ग्रंथ नहीं है जिनको देखने के लिये उसे सीखना जरूरी है। सिवाय धर्म ग्रंथों के ऐसे और ग्रंथ नहीं हैं जो साहित्यमें अपना पद उच्च रखते हों। पंजाबी भाषाका ज्ञान करलेना जरूरी है और मुझे जहांतक स्मरण है "पंजाबी हिन्दी शिक्षक" नामसे एक पुस्तक भी प्रकाशित हो गई है। अस्तु।

गुजराती भाषा बड़ी मनोहर और मधुर है। इसके माधुर्य्य की प्रशंसा प्रायः लोग किया करते हैं। वास्तवमें गुजराती ऐसीही है इसका साहित्य भी हराभरा कहा जासकता है। गुजराती किसी प्रकार हिन्दी भाषासे कम नहीं कही जा सकती। इसके ग्रन्थों और पत्रों के पढ़ने से मनुष्य के ज्ञानकी वृद्धि होसकती है। गुजराती जान लेने के बाद लेखों तथा ग्रन्थों का हिन्दी अनुवाद और इसीप्रकार गुजराती भाषा भाषियों को हिन्दी पुस्तकों का अनुवाद करने से दोनों भाषाओं के साहित्य की पूर्ति हो सकती है और अपना भी लाभ हो सकता है। लेकिन दूसरी भाषाको सीखलेना ग्रन्थोंका केवल यही है हरकोई नहीं सीख सकता। यद्यपि गुजराती और हिन्दी भाषा में अधिक भेद नहीं है तथापि उसे सीख

लेना सहज भी नहीं है । ऐसे स्थानों में जहां गुजराती या हिन्दी भाषा के जाननेवाले नहीं हैं और यदि हैं तो वे एक दूसरेको लिखना पढ़ना बोलना वगैरः नहीं सिखा सकते । ऐसे स्थानमें पुस्तक ही एक ऐसा साधन है जो दोनों को एक दूसरे की भाषाका ज्ञान करा सकती है। इसी लिये " जयदेव अदर्श बड़ौदा " ने " गुजराती हिन्दी शिक्षक " पुस्तक प्रकाशित करके हिन्दी भाषाके जानने वालों के लिये गुजराती और गुजराती भाषा के जाननेवालों के लिये हिन्दी भाषा का सीखना सुगम कर दिया है । अक्षर ज्ञान होनेके बाद शब्द ज्ञान होना आवश्यक है और उसका एक मात्र साधन शब्दकोष है ।

गुजराती भाषासे मतलब गुर्जर देशीय भाषासे है । इस देश में समय के हेर फेर से नये नये राज्य हुए और नाश भी हुए । इस उलट फेर और घटा बढीका भाषा पर भी प्रभाव हुए बिना नहीं रहा । बहुत से प्रांतों के मनुष्यों तथा धर्मोपदेशकों के यहां आने से उनकी भाषा के शब्द भी गुजराती भाषा में आगये, इस प्रकार गुजराती के शब्दों में भरती वृद्धि हुई और यही मुख्य कारण है कि अरबी, फारसी, संस्कृत, लेटिन, अंग्रेजी, मराठी आदि भाषाओं के शब्द भी बिगड़े रूप में इस भाषा की वृद्धि कर रहे हैं।

गुजराती के ऐसे बहुत से शब्दकोश हैं जो गुजरातीसे गुजराती या गुजराती से अंग्रेजी हैं, किंतु उनसे हिन्दी भाषाके प्रेमियों को कोई लाभ नहीं । अभीतक हिन्दी भाषा में कोई गुजराती कोष नहीं है, हिन्दी साहित्य में यह एक बड़ा भारी अभाव था । वर्षों से यह अभाव मेरे दिलमें खटक रहाथा और इसी ताकमें बैठा रहताथा कि शीघ्रही किसी गुजराती हिन्दी शब्दकोष के प्रकाशित होने की बात सुनाई पड़ेगी । किन्तु मुझे निराशा पूर्वक दिन काटने पड़े । दिन प्रतिदिन व्यग्रता ने प्रबलता धारण की । मैंने कई गुजराती हिन्दी प्रेमियोंको ऐसी पुस्तक के लिखने को कहा

परंतु किसीनेभी स्वीकार नहीं किया। मैं यह चाहता था कि कोई अनुभवी विद्वान ऐसी पुस्तक को लिखता तो साहित्यका बहुत कुछ उपकार होता किन्तु दिनोंतक मैं अपने विचारों को दबा न सका। व्यसनी व्यक्ति के व्यसन की तरह मेरी व्यग्रता बढती ही गई। तब यही इरादा किया कि खुदही इस कार्य को करूं। प्रस्तुत पुस्तक उसी विचारका फल है। उस परम पिता परमात्मा की कृपासे मैं अपने इस कार्य में आज सफल हो सकाहूं।

मेरी मातृ-भाषा हिन्दी है, ऐसी दशामें इस कोष में अनेक त्रुटियों का रहजाना संभव है तथापि मेरे इस अनधिकार परिश्रम के लिये मैं अपने को क्षम्य समझता हूं। मैं अपने गुजराती हिन्दी जानने वाले पाठकों से नम्रता पूर्वक प्रार्थना करता हूं कि इस उपस्थित कोषकी त्रुटियों से मुझे या प्रकाशकों को अवश्य सूचित करते रहें ताकि इस के दूसरे संस्करण में वे दोषभी दूर कर दिये जावें। ऐसा करनेसे मुझपर तो कृपा होगीही किन्तु साथही हिन्दी भाषाकी सर्वांगपुष्टता का भी साधन होगा। मुझे पूर्ण भरोसा है कि भाषा प्रेमी महाशय मेरी इस प्रार्थना को सदा ध्यान में रखने की कृपा करेंगे।

एक बात यहां और कहनेकी है कि गुजराती शब्दोंमें ह्रस्व दीर्घ के प्रयोगों मे कुछ शिथिलता है इस लिये कोष देखने वाले सज्जन इस बातका ध्यान रखें कि यदि शब्द ह्रस्वमें न मिले तो दीर्घ में और दीर्घ में न मिलें तो ह्रस्व में देख लेना चाहिये। इसी तरह श, ष, स का हाल है—ज़रा इस बातका ख़याल रखना चाहिये। साथही यहभी कह देना ठीक समझता हूं कि कोषोंके लेखक "क्ष" को "क" में "त्र" को "त्र" में और "ज्ञ" को "त" में लिखजाते हैं क्यों कि ये तीनों अक्षर संयुक्ताक्षर माने गये हैं। किन्तु मेरी यह इच्छा थी कि जिस प्रकार ये अक्षर वर्णमाला के अंतमें हैं उसी प्रकार मैं भी रखूंगा। परंतु

खेदके क्ष और ज्ञ ४क तो खयाल रहा और त्र के लिये भूल गया अतएव वह तो अखर में आगया। मैं अपनी इस भूल के लिये पाठकों से क्षमा चाहताहूं। आशा है आप क्ष त्र ज्ञ के लिये इस प्रार्थनाको नहीं भूलेंगे।

इस कोष के लिखने में मैंने वैसे तो कई कोषोंकी मदद ली है किंतु "नर्मकोष" गुजराती अंग्रेजी कोष और "गुजराती शब्दकोष" से विशेष सहायता प्राप्त की है अतएव मैं उक्त कोषोंके लेखकों का आभार मानताहूं। अब अन्तमें मैं अपनी भूलचूकों के लिये अपने सहृदय पाठकों से क्षमा चाहताहुआ इस "प्रस्तावना" को यहीं समाप्त करताहूं "बधिरःकोष विवर्जितः"

शांतिकुटी,
आगर मालवा
रामनवमी सं. १९८१ विक्रमीय.

प्रार्थी
गणेशदत्तशर्मा गौड़.

शब्दोंके लिये व्याकरणशास्त्र विषयक संकेत.

(सं०)	=	संज्ञा
(क्रि०)	=	क्रिया
(स०)	=	सर्वनाम
(क्रि.वि.)	=	क्रियाविशेषण
(उ०)	=	उपसर्ग
(विस्म.)	=	विस्मयादि बोधक
(वि०)	=	विशेषण
(अ०)	=	अव्यय
(____)	=	कहावत वगैरःकेलिये।
(____)	=	

कोष पर सम्मतिएं.

सुप्रसिद्ध राजोपदेशक श्री स्वामी विश्वेश्वरानन्दजी सरस्वती (सिमला) "इस कोषकी वास्तव में बड़ी आवश्यकता थी जिसको पूर्ण कर आपने देश, जाति और राष्ट्रकी भारी सेवा की है। प्रत्येक हिन्दी प्रचारक संस्था तथा महानुभाव सज्जनको इसके प्रचारमें योग देना अपना पवित्र कर्तव्य समझना चाहिए।"

देशभक्त कुंवर चांदकरणजी शारदा अजमेर "इस समय मुझे बंबई प्रान्तमें घूमने का जो अवसर मिला उसमें मैंने अनेक स्थलों पर गुजराती भाषा भाषी सज्जनों के लिए इस जरूरत को अनुभव किया जिसे आपने गुजराती हिन्दी कोष द्वारा पूर्ण किया है। इस सफलता के लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। आपने देश राष्ट्र और हिन्दी भाषाकी ऐसी सेवा की है जिसका वर्णन हो नहीं सकता। आपका यह कोष प्रत्येक देश हितैषी सज्जन के पास होना चाहिए। इसकी विशेषता एक यह है कि इतना उपयोगी होने पर बहुत सस्ता है।"

राजरत्न पं. आत्मारामजी यज्ञ्युकेशनल इन्स्पेक्टर बड़ोदा "यह कोष मैंने विचारपूर्वक पढा। मैं इसको न केवल गुजराती बंधुओं के लिएही एक परम उपयोगी वस्तु समझता हूं किन्तु हिन्दीदानों के लिए भी यह एक बड़े कामकी चीज है। जिस देशमें शब्दकोषोंका अभाव है वहीं कभी कोई सभा, विद्यालय, पाठशाला अपना पूर्ण काम नहीं कर सकती, सच तो यह कि एक शब्दकोष सौ मास्टरों से भी बढ़ कर भाषा प्रचारका साधन है और मैं कह सकता हूं कि आपका उत्तम तथा उपयोगी कोष राष्ट्रीय भाषा हिन्दी प्रचार में एक प्रबल और अपूर्व साधन सिद्ध होगा। प्रत्येक हिन्दी प्रचारक देशहितैषी सज्जनको इसके प्रचार के लिए भरसक प्रयत्न करना चाहिए।"

अंग्रेजी दादिवाचकाना श्री. छोटालाल र. भट्ट लिखे छे अने स्वेच्छिवाल्लिखे छे, " आ गुजराती हिन्दी शब्दकोषनुं आवेलुं पहेलुं पुस्तक अने बधाराना बीजा भागनां खरेखर पार्श्व हुं जोई गयो हुं अने असाधारण प्रयत्नथी शक्तीय [illegible] तैयार थएला आ अतिउपयोगी ग्रंथनी गुजराती प्रजा पूर्ण कदर करे एम इच्छुं हुं ज्यारे हिन्दी भाषाने राष्ट्रभाषा तरीके स्वीकारवानुं देशना दरेक मुख्य नायकोने आवश्यक लाग्युं छे त्यारे आवा एक कोषनी अगत्य अनिवार्य छे ए तो देखीतुंज छे. गुजरात विद्यापीठ जेवी प्रजाकीय संस्थाओमां अने बडोदरा राज्य जेवी देशहितचिंतक राज्यमां आ पुस्तक टेक्स्टबुक थाय तो आ मोंघा वर्षमां देशनी घणी जनताने एक भाषाद्वारा एकथी वधारेनो सुयोग आप्त थाय. एवो एक प्रयत्न मात्र सेवा दृष्टिबीज आदरीने तेने सफळ पार उतारवा माटे श्री जयदेव ग्रंथमाळा बडोदराने अनेक धन्यवाद घटे छे. "

भारतीय पत्र सूची

भारतवर्ष भरमें प्रकाशित हिन्दी, गुजराती, मराठी, उर्दू, सिन्धी, तामील, तैलगु, बंगाली, अंग्रेजी, भाषाओं के पत्रों की सूची तथा पता बहुत उपयोगी संग्रह है. जनवरी १९२४ में छपी है पांच आनेकी पोष्टकी टिकटें भेजनेपर भेजी जाती है।

जयदेव ग्रन्थमाला बडोदा.

ओरम

गुजराती–हिन्दी–कोष

અ

અ–गुजराती वर्णमालाका प्रथम अक्षर निषेधार्थ उपसर्ग, (जिस शब्द के आगे आता है, उसका अर्थ विपरीत हो जाता है)

અકર (सं) बनावट, दिखावट.

અકડબાજ (सं) छैला, (गु. सं.) चटकीला, भड़कीला.

અકડા અકડી (सं.) स्पर्द्धा, रीस,

અકડાઈ (सं.) भड़कीलापन, गर्व, दिखाना, अकड़ [ठनना

અકડાવું (कि.) शेखी करना, बनना

અકથનીય (गु. सं.) अकथनीय,

અકબરી મોહોર (सं.) अकबर के समय का एक स्वर्णका सिक्का

અકર્ભ (सं.) बुराकाम

અકર્મક (गु. सं.) अकर्मक (क्रिया)

અકર્મી (,,) कम्बख्त, अभागा,

અકરાતિયું-ચો (गु. सं.) मुखमरा, अधिक खानेवाला

અકરૂ (गु. सं.) उकडू, एक प्रकार की बैठक–पंजों के बल बैठा हुवा।

અકલગરો (सं.) रीढ, काँटा, अकरकरा। [बुद्धि–चातुर्य.

અકલ્પ (गु. सं.) बुद्धिमान, अकल्प-

અકલ્પિત (गु. सं.) अकल्पित, सत्य,

અકલ્યાણ (सं.) कम्बख्ती, दुर्भाग्य।

અકસ (सं.) कीना, बुग्ज लाग रखना [करनेवाला।

અકસખોર (गु. सं.) कीनावर द्वेष

અકસ્માત્ (सं०) अचानक घटना

અકસર (कि. वि.) प्रायः, अगर, शायद

અકસીર (गु. सं.) अकसीर

અકળ (गु. सं.) बुद्धिसे परे, समझ से बाहर, जो समझा न जा सके।

અકળ વિકળ (गु. सं.) घबराया हुवा, परेशान [बेचैनी

અકળામણ (सं.) व्याकुलता,

અકળાવવું (ક્રિ.) घबरा देना, थका देना, या दिक करना.

અકળાવું (ક્રિ.) थक जाना, घबरा जाना, दिक हो जाना।

અકાળત (गु. सं.) गूढ, गुप्त

અકાબર (सं.) बड़ा आदमी, भला मानस

અકારણ (गु. सं.) अकारण व्यर्थ,

અકારત (गु. सं.) बे फायदा, नाहक, फलहीन।

અકારૂ (वि.) अरोचक, नापसंदीदा।

અકાલિક (वि.) असामयिक, कुसमय। [काल।

અકાલ (वि.) असमय, अप्राप्त-

અકાળ મૃત્યુ (सं.) बेमौत, असामयिक मृत्यु।

અકીક (सं.) संगे सुलेमानी, एक प्रकार का मूल्यवान पत्थर

અકીર્તિ (सं.) निन्दा,

અકુપ્ય (सं.) स्वर्ण अकूपार (सं.) समुद्र [कुलका।

અકુલીન (वि.) अकुलान, नीच

અકૃપા (सं.) अवकृपा, नाराज़ी।

અકેક (क्रि. वि.) एक के बाद एक।

અકોટી (सं.) कान की बाली।

અકિંચન (वि.) दीन, गरीब।

અક્કલ (सं.) बुद्धि, समझ, जिहन, बोध, ज्ञान [बांका

અક્કડબાજ (वि.) अलबेला, रंगीला

અક્કલમંદ (वि.) अक्लमन्द, बुद्धिमान,

અક્કલ હોંશિયારી (सं.) कुशल बुद्धि, राजी खुशी से।

અક્ષ (सं.) पांसा,

અક્ષત (सं.) छिलके सहित चांवल, धान,

અક્ષય (वि.) बेहद, अनन्त

અક્ષર (सं) हुर्फ, अक्षर, ब्रह्म,

અક્ષરગણિત (सं.) बीजगणित, एलजबरा।

અક્ષરે અક્ષર (क्रि. वि.) हर्फ व हर्फ, अक्षर, अक्षर, शब्दशः।

અક્ષાંશ (सं.) अक्षांश।

અક્ષિ (सं.) नेत्र, आंख, नयन,

અખંડ-ડિત (वि.) सम्पूर्ण, पूरा, अविभाजित।

અખંડનીય (वि.) संपूर्ण, अखण्डनाय।

અખંડસૌભાગ્ય (सं.) सदासुहाग,

અખંડ્ય (वि.) अकाट्य, जो खंडन न किया जा सके। [खबर, सन्देश।

અખબાર (सं) सम्वाद, समाचार

અખત્યાર (सं.) अधिकार, ज़ोर

अभ्भारनवीस-नीस (सं.) सम्वाद दाता [प्रसिद्ध फल
अभरोट (सं.) अखरोट नामक
अभाडाहरवा (क्रि.) अवहेलना।
अभाडो (सं.) अखाडा, मैदान, दंगल [गड्ढा।
अभात (सं.) खाड़ी, खलीज,
अभिल्ल (वि.) समस्त, तमाम, अखिल। [पार न हो।
अभुट (वि.) अनन्त, जिसका
अभोड (वि.) अखरोट, निर्दोष
अभोऽन (सं.) एक स्त्री-न विधवा और न जिसका बच्चा मरा हो।
अभ्तारो (सं.) परीक्षा, परख, जाँच।
अभ्भाणुं (सं.) एक प्रकारकी दक्षिणा, जो अन्न या फल रूपमें पुरोहित को त्यौहारपर दी जाती है।
अग (सं.) सर्प, सूर्य, पर्वत, एक वृक्ष।
अगडदंभ (सं.) मोटा, स्थूल।
अगणित (वि.) असंख्य, बेशुमार, अनन्त, बेहद, अगणित।
अगत्य (सं.) आवश्यकता, इच्छा, चाह, जरूरत,
अगत्यनुं (वि.) आवश्यक, जरूरी, ध्यान देने योग्य, उपयोगी, प्रधान।
अगथियो (सं.) एक प्रकारका पुष्प
अगन-ग्नि (सं.) ताप, आग, दर्द,
अगम (सं.) भावी घटना, भावी वृत्तांत।
अगम-नगम (सं.) भूत भविष्य
अगमचेती (सं.) दूरदर्शी, अग्रदृष्टि, पूर्व ज्ञानी, पूर्व विधानी, भविष्यवक्ता।
अगमबुद्धि (सं.) दूर अंदेशी, अगम पूर्व विचार।
अगमबुद्धिवाळु (वि.) दूर दर्शी
अगम्य (वि.) गंभीर, कठिन, गूढ, पहुच से बाहिर।
अगर (सं.) नमक के कढ़ाव समुद्रके निकटस्थ गड्ढा जो नमक बनानेके काम में आता है। अगर यदि, कदाचित
अगरछे (अ.) कदाचित
अगरनहीं (अ.) यदि नहीं, अन्यथा
अगरबत्ती (सं) अगरबत्ती, लकदबत्ती, सुगंधित पदार्थों द्वारा तैयार की हुई एक लम्बी सलाई, गन्धशलाका
अगवड (स.) कठिनता, मुश्किल, दुख, पीड़ा, बाधा। [रहनुमा
अगवो (सं.) अगुवा, पथप्रदर्शक,

अगाड़ि-थी, अगाडी-थी-(क्रि. वि.) पहिलेसे, पेशतरसे। [पाछ।
अगाडी पछाडी, (क्रि वि.) आगे
अगात (क्रि. वि) पूर्वकालमे, पुराने वक्तोमे।
अगाध (वि.) बहुत गहिरा, अधिक औंड़ा, अगाध।
अगार (सं.) भवन, मकान, घर
अगा-सी (सं) चबूतरा, छत, कोठा।
अगीआरा गणुवा (क्रि) भाग-जाना, लेभागना, रफूचक्कर होना।
अगीआरी (स) सिघड़ी, अंगीठी, बरोसा, आग रखने का स्थान।
अगुणी (वि) कृतघ्न, अधन्यवादी
अगोचर (वि) बेसमझ, अदृश्य, न मालुम पड़नेवाला, अगोचर।
अग्नि-(सं) आग, अग्निदेव।
अग्निकुंड (सं.) हवन की वेदी। अग्निकुड।
अग्निकोण (सं.) पूर्व और दक्षिण के बीचकी दिशा, आग्नेयकोण।
अग्निहोत्री (सं.) वह ब्राह्मण जो नित्य अग्निहोत्र करता हो, उस अग्नि को सदा सावधानी से सुरक्षित रखनेवाला।
अग्र (सं.) सिरा, पहिला, अग्र।
अग्रगामी (वि.) आगे चलनेवाला।
अग्रज (वि.) पहिले पैदा हुवा, बड़ा। [लोक।
अग्रभाग (सं.) आगेका हिस्सा,
अग्रवादी (सं.) मुद्दई, वादी।
अग्राह्य (वि.) अलीन, नापसन्द, नागवार, [मनुष्य, अन्यत्र।
अग्रेसर (वि.) अगुवा, एक खास
अघ (सं) अपराध, पाप, अधर्म।
अघटित (वि) अनुचित, बेजा।
अघरणी (सं) प्रथम गर्भ, सगर्भ।
अघड़ (वि) कठिन, सख्त।
अघाभक्षु (सं.) अतिसार, संग्रहणी। [पक्षियो का शिकार।
अचार (सं.) चिड़ियो की बाँठ।
अधोर (वि) खतरनाक, भयंकरता, हानिकारक, दुष्ट, [आलसी।
अधोरी (सं.) निर्दय, हानिकर,
अंक (सं.) अक, संख्या, अदद, अक (नाटक)
अंकगणित (सं.) अंकसंबित, हिसाब किताब। [खींचा हुवा।
अंकावयुं (क्रि) चित्रित, रेखा
अंकोडाबंध (क्रि. वि.) एक पंक्ति में एक सतर में।
अंकोडो (स.) अंकुश, आंकडा, हुक,
अंकोळ (सं.) एक प्रकार का छोटा वृक्ष,

अंग (सं.) शरीर, हिस्सा, भाग, खंड, टुकड़ा, अंग।
अंगअधिआर (वि.) उधार लिया हुआ, कर्ज लिया हुआ।
अंगअहीरी (सं.) शरीर पत्थर,
अंग अचलता (सं.) फुर्ती, तेजी, चपलता।
अंगजा (सं) बेटी, पुत्री, नन्दा, सुता। [जिस्मानी-ताकत।
अंगशक्ति (सं.) शारीरिकशक्ति,
अंगरक्षु (सं.) अंगरक्षा, कोट।
अंगरोग (स) देहरोग, शरीररोग अंगरोग। [देहका भाव।
अंग-लक्षण (सं.) शरीरके लक्षण।
अंगवर्ण (स.) रूप-रंग,
अंगवस्त्र (सं) पोशाक, दुपट्टा, रूमाल। माशूक। [अंग स्थित।
अंग स्थिति (स.) दृढ भाव,
अंगारो-रा (स.) आग का अंगारा जलता हुवा कोयला या अन्यवस्तु
अंगीकार (स.) स्वीकार अंगीकार
अंगीकार करणु (क्रि.) स्वीकार करना, मंजुर करना।
अंगीकृत (वि.) अंगीकृत। स्वीकार किया हुवा। [अंगोछा।
अंगुछणि (सं.) रूमाल, तौलिया,
अंगुठी (सं.) अंगूठी, मुद्रिका।
अंगुठो-ठु (सं.) अंगुष्ठ, अँगूठा।

अंगूर (सं.) अंगूर नामक प्रसिद्ध फल।
अंगेठी (स.) चूल्हा, भट्टी, भाड़, अंगीठी [के निवासी इंग्लैंड,
अंग्रेज (स.) यूरोपखंडन, इंग्लैण्ड
अंगोळ (स) स्नान, मुँह हाथ धोना [नहाना।
अंगोळणु (क्रि.) स्नान करना,
अंगोअंग। (क्रि वि.) प्रत्येक अंगमें।
अटकणु (क्रि) ठहरना, अटकना, हकलाना, डगमगाना, रुकजाना, हिचकिचाना, आगा पीछा करना सन्देह करना तुतलाना, हटाना
अचकावणु (क्रि.) अकस्मात ठहराना, अचानक रोकना, रोकना, अटकाना, अन्त करना।
अचरा, अचरो (सं) एक प्रकारका फल जो अचकिया सेला करता है।
अचंचल (सं) सुस्त, सुस्त, मन्द, स्थिर शांत, अचंचल।
अचानुअ (क्रि वि.) अकस्मात, अचानक एकाएक,
अचंभो (क्रि. वि.) आश्चर्य, अचंभा, घबराहट।
अचर (वि.) स्थिर, स्थावर, अचर
अचरज (सं.) आश्चर्य, अचम्भा, विस्मय

અચરજી (સં.) અચંભા, ધરરાહટ।
અચળ (વિ.) અચલ, દૃઢ, મજબૂત।
અચ'ર (સં.) અચાર, અથાણા,
અચાનક (ક્રિ વિ) અકસ્માત્ એકાએક [સે બાહર, અચિંત્ય।
અચિંત (વિ.) અશોચ્ય, સમજ
અચૂક (વિ.) ઠીક, સહી, ઉચિત,
અચેત (વિ.) બેહોશ, નિજાદ, અજ્ઞાની, અનાડી, અનજાન।
અચેતન (વિ.) દેખો અચેત
અચ્છુ-ચ્છા (વિ.) ઉત્તમ, ઉમ્દા, અચ્છા, શ્રેષ્ઠ, ઠીક, બહુત ઠીક।
અચ્છેદ્ય (વિ) જો કાટા ન જા સકે
અચ્છેર (સં) આશ્ચર્ય, દો પાવ આઠ કઠોંક
અચ્યુત (સં) અવિનાશી, ઈશ્વર, અન્યુત। [દુષ્પ્રાપ્ય,
અછત (સં.) ખાલી, કમી, રહિત,
અછપ્પા (સ) એક પ્રકારની ચેવક
અછોડા (સ.) નાથ (બૈલકી), જંજીર।
અછોવાનાં કરવાં (ક્રિ.) ખુશ કરના, ખાતિર કરના, મન રખના, પુચકારના, પ્યાર કરના।
અજ (સં.) બ્રહ્મા, ઈશ્વર, બકરા, અજન્મા, જો પૈદા ન હુવા હો।
અજગર (સં.) બડા સાંપ, અજગર;

અજબ (ક્રિ.) અદ્ભુત, અચીજ, વિસ્મયકારક।
અજમાવવું (ક્રિ.) અજમાના, પ્રયત્ન કરના, પરિશ્રમ કરના, પરીક્ષા કરના, જાંચ કરના, પરખ કરના।
અજમાયશ (સ.) પ્રયત્ન, પરીક્ષા, જાંચ, પરખ। [મોદા।
અજમો (સં) અજવાયન, અજ-
અજમોદ-દા (સં.) અજમોદ.
અજમોમોડી (સં.) સુરાસાની અજવાયન।
અજરામર (વિ.) અમર્ત્ય તથા અજર જો ન મરે ન બૂઢા હો। ઈશ્વર। [ઘટના।
અજસ (સં.) મૃત્યુ, અદર્શ,
અજવાળવું (ક્રિ) ઉજાલના, ધોના। [ની સે પ્રકાશિત।
અજવાળી (વિ) ચાંદની, ચાંદ-
અજવાળું (સં.) પ્રકાશ, ઉજાલા, રોશની, જગમગાહટ।
અજા (સં.) બકરી, બજા।
અજાણ-ણ્યું (વિ.) અનજાન, અજ્ઞાન, મૂર્ખ, અશિક્ષિત।
અજાયબી (સં.) અદ્ભુત, વિદેશી, અનજાના।

અજપાલક (सं.) गडरिया, भेड़बकरी पालने वाला।
અજીર્ણ (वि.) जूठा, उच्छिष्ट।
અજીત (वि.) अजेय, जो न जीता गया हो, अजीत।
અજીર્ણ (सं.) बदहज़मी, अजीर्ण, कुपच। ताज़ा, नया।
અજીવ (सं.) मात्रा "ऽ"
અંજીર (सं.) अंत आखिर,
અંજન (सं.) नेत्रों में लगाने का अञ्जन, सुरमा, काजल।
અંજાવું ભવું (कि) चौंधिया जाना, ठगे जाना, धोका खाना।
અંજીર (सं.) अंजीर नामक प्रसिद्ध फल। [बचाव, क्षमा।
અજ્ઞ (सं.) बहाना, खुटकारा,
અટ (सं.) इण्डस नाम्नी अटक नदी, कुल नाम, पद।
અટકાળું (वि.) हानिकारक, दुष्ट, बुरा, रसिक, ठट्ठेबाज़।
અટકણ (सं.) स्तंभ, आश्रय,
અટકવું (कि.) ठहरना, इन्तज़ार, करना, प्रतिज्ञा करना, रोकना अटकना। [अटकळ, अनुमान।
અટકળ (सं.) अन्दाज़, कयास,
અટકળ બાંધવી (कि.) अनुमान करना, अंदाज़ बांधना, कयास करना।

અટકાવ (सं.) बाधा, रोकटोक, मानिक—वर्म, रुकावट, रुकावट।
અટકો અટકો (सं.) खड़े रहना, अटक अटक। [अभाव।
અટક (सं.) प्रवास, यात्रा,
અટપટું (वि.) अटपटा, कठिन, घबरानेवाला, पेचदार, उलझा हुआ, [विचरना।
અટવાવું (कि.) घूमना, भटकना
અટામણ (सं.) पलोवन, चांवलों का आटा जो गेहूँ की रोटियों को कठोर बनाने के लिये प्रयोग किया जाता है।
અટારી (सं.) ऊपरका मकान, दूसरी मंज़िल, अटारी, अट्टालिका,
અઠવાડિયું (सं.) सप्ताह, हफ्ता, सात दिनों की अवधि।
અઠીંગવું (कि.) विश्राम करना, आराम लेना, झुकना, संभालना निहुरना, टेकलगाना सहारा लेना।
અઠ્ઠાવીસી (सं.) पैरों में पहिनने का एक प्रकार का आभूषण।
અડ (सं.) बाधा, रोक टोक, अटकाव। हठता, धुन, हठ, ज़िद, सरकशी
અડવું-અડપું (कि.) भिड़ाना, लगाना, मिला लेना, पहुँचाना।

અડકાઉલી (सं.) रजखला स्त्री ।
અડકાવવું (क्रि.) बंद करना, ठहराना ।
અડગડી (सं.) ठहरानेवाली, अड़गड़ी जो द्वार पर लकड़की दरवाजा बन्द करने को लगाई जाती है, आगल । [बाधा ।
અડંગો (सं.) अड़ंगा, रुकावट,
અડચણ (सं.) कठिनता दुख, पीड़ा, बाधा, तकलीफ ।
અડતણો (स.) रक्षा, शरण, बचाव, पक्ष, आश्रय, पनाह, सहारा, खम्भा ।
અડતું (वि.) निकट, समीप, पास,
અડથલ (वि.) मजबूत, दृढ, बड़ा, बलवान, साहसी, मोटा ।
અડથલો (सं.) एक बड़ा रोक ।
અડદ (स.) उड़दकी दाल, उड़द ।
અડદાલો કહાડવો (क्रि.) बुरा तरह से पीटना, काठण दण्ड देना ।
અડધું (वि.) आधा, $\frac{1}{2}$,
અડધો (सं.) अठन्ना
અડપલું वि.) दुष्ट, ठठ्ठेबाज, व्यर्थ दखल देनेवाला, अनधिकार चर्चाशील, हस्तक्षेप करनेवाला ।
અડફટ (सं.) घूँसा, मुक्का, मोंढ़, पेंच ।
અડબંગ (सं.) मूर्ख, बेवकूफ, जिद्दी ।
અડવું (क्रि.) छूना, स्पर्श करना, (वि.) सीधा सादा । सादा ।
અડવાણ (सं.) उपानह, नंगे पैर ।
અડસો (सं.) कूत, जांच, आंक अटकल से कूत ।
અડાયું (सं.) कंडा, छाना, ऊपला ।
અડાળો (सं.) बरांडा बरामदा, उसारा । [अड़ियल ।
અડિયલ (वि.) हठी, जिद्दी, मूर्ख,
અડીવેળા (क्रि. वि.) आवश्यकता के समय, जरूरत के वक्त, कठिन समय
અડુકદડીયું (वि.) उथला पुथल ।
અડોઅડ (वि.) निकट, पास, समीप बराबर !
અડોસી પડોસી (स.) पड़ोसी, पास रहनेवाला, हमसाया ।
અડોળાઉંધું (वि) निकम्मा, बेकार । [कड़ा, मजबूत ।
અઢળ (वि.) दृढ, पक्का, ठोस,
અઢી (वि.) ढाई, अढाई, २$\frac{1}{2}$,
અઢેલવું (क्रि.) विश्राम करना, आराम करना । टिकना, झुकना ।
અણકસબી-કિસબી (वि.) बेहुनर, अजान, अनाड़ी ।
અણકૂટ (सं.) अनकूट

અણુખત (सं.) पक्षपात, ईर्षा, डाह, घृणा, अरुचि, [नाखुश।
અણુગમતું (वि.) अप्रसन्न,
અણુઘટતું (वि.) अघटित, अनुचित, बेजा, अयोग्य.
અણુચિંતું (वि.) आकस्मिक, एकाएक अचानक।
અણુછતું (वि.) गुप्त. खानगी, घरू।
અણુદીઠું (वि.) अनदेखा. अदृष्ट, अलख।
અણુબનાવ (वि.) झगड़ा, अनबन, नाराजी, दुष्टता।
અણુમાનીતું (वि.) अमान्य, कृपास वाचत, अप्रिय।
અણવટ (स.) एक प्रकार का चादर का आभषण।
અણવર (न) दुल्हा या दुलहिन का साथी। विनायक (विन्दायक)
અણસમજુ (वि.) मूर्खता, बेसमझ,
અણસારો (सं.) इसारा करना, सैन करना, नजारा मारना। आँख झपकाना या मटकाना।
અણહદ (वि.) असीम, बेहद।
અણિમા (सं.) अष्टसिद्धियोंमे से एक।
અણી (सं.) नोंक, भेंग, छोर, लिखनेकी पत्ती, नाजुक समय। पैना।
અણી કાઢવી (क्रि.) धार करना, पैना करना, तेज करना।
અણીઆરૂ-દાર (वि.) पैना, तेज, निशित।
અણીદાર ખીલો (सं.) खूंटी, कील।
અણીશુદ્ધ (वि.) सारा, पूर्ण, बिलकुल,
અણુ (स.) अणु, परिमाणु,।
અણોસો (सं) छुट्टी, तातील।
અંટવાવું (क्रि.) घबड़ाना, फँसाना, उलझाना।
અંટસ (सं.) दुश्मनी, फर्क, अन्तर. विराध, वैर, शत्रुता।
અંડ (स) अडा, अडकोष वृषण।
અંડજ (वि) अंडा देनवाले। अण्डज। [शकल, अडाकृति।
અંડાકૃતિ (वि.) अंडे की
અતડો-ડુ (वि.) चुपचाप, दूर, चालाक, अलाहदा। [विदेशी
અતરાબી (स.) अदभुत, विचित्र,
અતરે (क्रि. वि.) यहाँ, इसजगह।
અતલસ (सं.) एक रेशमी मरीकी कपड़ा। [नवेला।
અતાર (सं.) खुशबो, अत्तर
અતિ-તી (वि.) अधिक, अति, अत्यंत, बियादः, बहुत।

અતિકાળ (सं.) दीर्घकाल, काळान्तर, देर। [जियादः ।
અતિશણું (वि.) अत्यधिक, बहुत
અતિત્ (सं.) जोगी, फकीर, भिक्षुक, संन्यासी, योगी, अतीत ।
અતિવાદી (सं.) शूर, वीर, बहादुर,
અતિશય (वि.) अतिशय,
અતિશયોક્તિ (स.) अतिशयोक्ति, बढकर बोल, अत्युक्ति वाक्यविस्तार ।
અતિસાર (सं.) एक प्रकार का रोग, अतिसार, दस्त लगना ।
અતુલ્ય (वि.) अनोखा, अनूप, बेमिसाल, अनूठा, अद्वितीय ।
અતુળ (वि.) अतुल, जो तोला न जा सके ।
અત્તર (सं.) इत्र, अत्तर, सुगन्ध।
અત્તરઘડી (क्रि. वि) अभी हाल, एकदम, इसी क्षण, शभी अभी।
અત્તારી (सं.) अत्तार, इत्र का धन्धा करने वाला, गन्धी ।
અત્યંત (वि.) अत्यंत, बहुत ।
અત્યાર પછી (क्रि. वि.) इसके आगे, इसके बाद ।
અત્યાર લગી (क्रि. वि.) अद्यावधि, अभी तक, इस समय तक ।
અત્યારે (क्रि. वि.) अभी, इसी वक्त । [जगह ।
અત્રે (क्रि. वि.) यहाँ, इसी
અથ (क्रि. वि.) अथ, आरंभ, शुरू ।
અથ ઇતિ (क्रि. वि.) आद्यंत, आरंभ से अंत तक । अथ इति ।
અથડાવું (क्रि.) टकराना, मटर गस्त करना । [वेद ।
અથર્વ (सं.) अथर्व वेद। चौथा
અથવા (अ.) या, यदि, अगर, कोई प्रत्येक, एक न एक, अथवा ।
અથાગ (वि.) अथाह, अगम्य, बहुत–गहिरा ।
અથાગ ખાડો (सं.) गहिरा गड्ढा।
અથાણું (सं.) अचार, मुरब्बा, अथाना ।
અથોડી (सं.) हथौटी, हथकडा, चतुराई, चालाकी, अनुभव ।
અથોડો–ડો (सं.) हथोडा, घन ।
અદકું (वि.) अधिक, जियादः ।
અદકોલું (वि.) अदखुला, अर्द्धविकसित ।
અદગધ (वि.) बेदगा, बेजला, अदग्ध । [गरांव, नम्र, अदना ।
અદના (सं.) नीच, कमाना,
અદબ (सं.) अदब, मान, इज्जत।

અદ્ભુત (વિ.) વિચિત્ર, અજબ.
અદલ (વિ.) ઉચિત, વાજિબ, નિષ્પક્ષ, ન્યાયી, સત્ય, શુદ્ધ.
અદલબદલ કરવું (ક્રિ.) હેરફેર કરના, અદલબદલ કરના।
અદલા બદલી (સં.) હેરફેર, પરિવર્તન, અદલ બદલ ।
અદસરતું (વિ.) અધમરા।
અદા (સં.) ભાવ, ચેષ્ટા, અદા, વૈર, વિરોધ, ઘૃણા, નફરત, દ્વેષ।
અદા કરવું (ક્રિ.) ઋણ ચુકાના।
અદાલત (સં.) અદાલત, ન્યાયાલય। [દુશ્મની, શત્રુતા।
અદાવત (સં.) વૈર, વિરોધ,
અદીન (સં.) ધનવાન, દૌલતમંદ।
અદીયે (સં.) ભેટ, ઉપહાર।
અદેખાઈ (સં.) ઈર્ષા, ડાહ, કુઢન, જલન। [વાલા।
અદેખું (વિ.) ઈર્ષાલુ, ડાહ કરને
અદૃશ્ય (સં.) અદૃશ્ય, અલોપ।
અદ્રવ્ય (વિ.) જો ન પિઘલે (પિઘલે) અદ્રવ।
અદ્યાપિ (ક્રિ. વિ.) અભી તક, ઇસ સમય તક, અદ્યાવધિ।
અદ્રક (સં.) અદરક।
અદ્રિ (સં.) એક પહાડ।
અધ (વિ.) અર્દ્ધ, આધા, ½।
અધકચરું (વિ.) અધકચરા, નહર બેપકા, અધપકા, અધસીજા।
અધણીધારું (વિ.) બે માલિક, સ્વામિહીન, અનાથ।
અધધધ! (વિસ્મય.) ઓફ! હા!—અહાહા!
અધમ (સં.) નીચ, જઘન્ય, નિમ્ન, કમીના, ખળ, નિકમ્મા, અધમ।
અધમા (સં.) નીચ સ્ત્રી, દુષ્ટ ભાર્યા। [ઘાયલ, ક્ષત।
અધમુઓ-વો (વિ.) અધમરા,
અધર (વિ.) લટકતા હુવા, ઝુલતા હુવા। બે સહારા। અસહાય। (સં.) નીચે કા ઓષ્ટ, અધર।
અધરણ (સં.) વહ પાની જો ચાવલ, દાલ આદિ વસ્તુ ઉબાલને કે લિયે ચૂલ્હે પર પહિલે સે ચઢા દિયા જાતા હૈ। [સર્વ શક્તિમાન।
અધર ધરનાધર (સં.) પરમાત્મા,
અધર્મ (સં.) પાપ, દોષ, અન્યાય, અધર્મ।
અધર્મિક (વિ.) અધર્મી, પાપી, બેદીન, ભ્રષ્ટ। [અધર્મી, ધર્મચ્યુત।
અધર્મી (વિ.) બે દીન, વિધર્મી,
અધમુવું (વિ.) અધમરા, અર્દ્ધમૃત
અધિકમાસ (સં.) લોંદકા મહીના, પુરુષોત્તમ માસ, અધિક માસ।
અધિકાર (સં.) અધિકાર, હકત્વ।

અધિકારી (સં.) અધિકારી ।
અધિપ (સં.) સ્વામી, માલિક, પ્રભુ, અધિષ્ઠાતા અધિપતિ ।
અધિપતિ (સં.) સંપાદક, મુખિયા, સાશક, અધિપતિ, અધિષ્ઠાતા ।
અધિરું-રો (સં.) બેસબ્ર, ઉતાવળા અધીર ।
અધિરાઈ (સં.) અધૈર્યતા, બેસબ્રી ।
અધિષ્ઠાન (સં.) અધિકાર પ્રધાનતા, શ્રેષ્ઠતા, ઘર, મકાન સ્થાન ।
અધુરુ (વિ) અધૂરા, અસમાપ્ત ।
અધુરે જવું (ક્રિ.) વથા હોના, ઉલટ જાના. ગર્ભ ગિરના ।
અધોળ (વિ.) $\frac{3}{16}$ શેર, $2\frac{1}{2}$ તોલા ।
અધ્ધર (વિ.) બેસહાર, આશ્રયહીન, લટકતા હુવા, અધર । [અધ્યક્ષ ।
અધ્યક્ષ (સ.) અધિપતિ, સરદાર,
અધ્યયન (સ) વિદ્યાભ્યાસ, પઠન, ધ્યાન, અધ્યયન । [અધ્યાય ।
અધ્યાય (સં. ખણ્ડ, પરિચ્છેદ,
અધ્યારું (સ) પારસી મહજબકા પુજારા ।
અધ્યારણ્ય (સં.) રિક્તસ્થાન જો મરને કે લિયે ખાલી છોડ દિયા ગયા હો । [અન્ન, અનાજ ।
અન કિ. વિ.) બિના, બગૈર (સં.)
અનંગ (સં.) કામદેવ, પ્રેમ, પ્યાર (વિ.) દેહહીન, અનંગ ।
અનંત (વિ.) અપાર, અનંત, જિસ કા અંત ન નહો, ઈશ્વર ।
અનંતશક્તિ (સં.) પરમેશ્વર, સર્વ-શક્તિમાન્ । [અનન્તશ્રેણી ।
અનંત શ્રેણી (સં.) અનંતમાલા,
અનગળ (વિ.) બહુત, બેહદ, સબ, અપાર ।
અનર્થ (સં.) નિકમ્માપન, અનર્થ, નાશ, ભંગ, ક્ષય, વિધ્વંશ, વિપદ, દુર્ભાગ્ય, વિપત્તિ ।
અનર્થક (સં.) વ્યર્થ, ફિજૂલ, બેમાની
અનનાસ (સં.) અન્નાસ નામક એક ફલ । [ક્રોધ ।
અનલ (સ.) અગ્નિ, આગ, અનલ,
અનશન (સં.) અન, ઉપવાસ, અન્ન ન ખાના । [હજ, અનાહત ।
અનહદ (સં.) હાનિ, નુકશાન,
અનાગત (સં. ભવિષ્યકાલ, ભાવી, આનેવાલા સમય ।
અનાચારી (વિ.) દુરાચારી, વિધર્મી અધમી, લંપટ, અત્યાચારી, પાપી, દુષ્ટ ।
અનાજ (સં.) અન્ન, અનાજ, ધાન્ય ।
અનાડી (વિ.) મૂર્ખ, શઠ, બે અક્કલ, બદા, બેવકૂફ,
અનાજનો દોડો (સં.) અન્નકા બાલ ।
અનાથ (સં.) દીન, કંગાલ ગરીબ, ત્યાજ્ય, અનાથ ।

અનાદર (સં.) અપમાન, તૌહીન, બેહુરમતી, અવજ્ઞા, તિરસ્કાર, નિરાદર, અનાદર ।

અનાદિ (વિ.) સનાતન, નિત્ય, આદિ રહિત, સ્વયંભૂ, અનાદિ ।

અનામત (વિ.) ધરોહર, થાતી, બન્ધક, અનામત, ગિરવી, જમાનત।

અનાર (સં.) અનાર નામ સે પ્રસિદ્ધ ફલ ।

અનાવૃષ્ટિ (સં.) સૂખા. દુર્ભિક્ષ, કાલવૃષ્ટિ કા અભાવ, અનાવૃષ્ટિ ।

અનાશ્રય (વિ.) આશ્રયહીન, અસહાય, બેમદદ. અનાથ, લાચાર, અશરણ, અનાશ્રય ।

અનાસ્થા (સં.) અપક્ષપાત, બેતર-ફદારી, બેપરવાહી, ઉદાસનિતા ।

અનિત્ય (વિ.) કભી કભી, થોડે દિન કા, નાશમાન, અનિત્ય।

અનિયમિત (સં.) બે કાયદા, ગડબડ, અનિયમિત ।

અનિલ (સં.) પવન, વાયુ, હવા ।

અનિવાર (સં.) વિશેષ, અધિક, હઠી, અડિયલ, માનનીય, અત્યાજ્ય, અવશ્ય, અનિવાર્ય ।

અનિષ્ટ (સં.) હાનિ, બુરા, અનિષ્ટ, (ક્રિ. વિ.) અવાંછિત કે ચાહા !

અનિશ્ચિત (સં.) સંદિગ્ધ, નિશ્ચય-રહિત, અવિર્ણીત, અનિશ્ચિત ।

અનીક (સં.) સેના, બલ, ફૌજ, દલ, રિસાલા ।

અનીતિ (સં.) દુર્નીતિ, અત્યાચાર, અન્યાય, દુરાચાર, અનીતિ ।

અનીશ્વરવાદી (સં.) નાસ્તિક, જો ઈશ્વરપર વિશ્વાસ નહીં કર સકતા।

અનુકરણ (સં.) નકલ, ઉતાર, મેલ અનુકરણ ।

અનુક્રમ (સં.) ઢંગ, તર્જ, તૌર, તરીકા, વિધિ, તરતીબ,

અનુક્રમણિકા (સં.) ફિહરિસ્ત, સૂચી, ભૂમિકા, વિષયસૂચી, અનુક્રમણિકા ।

અનુકૂળ (વિ.) મુઆફિક, ઠીક, યોગ્ય, અનુકૂલ, ઉચિત, ફબતા હુવા ।

અનુગ્રહ (સં.) કૃપા, દયા, અનુગ્રહ।

અનુચર (સં.) સેવક, ભૃત્ય, નૌકર, અનુચર, પરતંત્ર,

અનુચિત (વિ.) અયોગ્ય, ગૈર મુનાસિબ, અશુદ્ધ, અનુચિત ।

અનુજ (સં.) છોટા ભાઈ, અનુજ ।

અનુતાપ (સં.) પશ્ચાત્તાપ, પછ-તાવા, પ્રાયશ્ચિત, તોબા, શોક, રંજ, ગમ ।

अनुनासिक (वि.) नासिका सम्बन्धी, नाक का, अनुनासिक।

अनुपकारी (वि) कृतघ्न, अधन्यवादी, उपकार न करनेवाला।

अनुपम (वि.) बेजोड, बेमिसाल, उपमारहित, अनुपम।

अनुपरेखा (सं.) एक के बाद दूसरे का प्रवेश। एक के बाद एक आने वाला। [सुधारक।

अनुपान (सं.) विषनाशक दवाई,

अनुप्रास (सं.) यमक शब्द, अनुप्रास, वह शब्दालङ्कार जिसमें किसी पद में एक ही अक्षर बार २ आकर उस पद की शोभा को बढावे।

अनुभव (सं.) तजुर्बा, भोगविलास सफलता, अनुभव। अनुभूति, परीक्षा, जाँच।

अनुभाव (सं.) अन्तर, भेद, श्रेष्ठता, बड़प्पन, मर्यादा, पदवी, शक्ति।

अनुमत (सं.) प्रसन्नता, मान, सहमत, सम्मत, अनुमत।

अनुमान (सं.) अन्दाज, अनुमान। (क्रि.) अन्दाज करना।

अनुमेय (वि.) जो अनुमान किया गया हो, अनुमेय।

अनुराग (सं.) प्रेम, स्नेह, प्रीति, प्यार, अनुराग। [अनुवाद।

अनुवाद (सं.) मुवाफिक, मेल,

अनुशासन (सं.) नियम, कायदा, अनुशासन। [मुवाफिक।

अनुसरतुं (कि. वि.) अनुसार,

अनुसरवुं (क्रि.) अनुसरण करना. पीछा करना, प्रसन्न होना।

अनुसंगी-साथी (सं.) दोस्त, साथी, संगी।

अनुसंधान (सं.) ध्यान, चौकसी. अन्वेषण, तहकीकात, अनुसंधान।

अनुष्ठान (सं.) पूजा, कर्मारंभ।

अने (अ.) और,

अनेक (वि.) बहुत, कई, अनेक।

अनेकवचन (सं.) बहुवचन।

अंतःकरण (सं.) मन, अन्तरिन्द्रिय, दिल, अन्तःकरण।

अंतःपुर (सं.) जनानखाना, हरम, घर में स्त्रियों के रहने का स्थान।

अंतकाळ (सं.) अंतिम समय, मृत्यु समय, मृत्यु शय्या।

अंतर (सं.) फर्क, फासला, अन्तर।

अंतरगळ (सं.) कोषवृद्धि, अंडवृद्धि, फोते में एक प्रकार का रोग।

अंतरजामी (सं.) ईश्वर, वह जो दूसरों के मन की जान ले, (वि.) सर्व ज्ञानी, अनन्त ज्ञानी, अंतर्यामी ।

अंतरपट (सं.) पर्दा, वस्त्र की आड़, अंतरपट ।

अंतरधान (सं.) दिखलाई न देना, दृष्टि से बाहिर, गायब, अन्तर्धान ।

अंते (क्रि.) अन्त में, आखिर में, सब के बाद, निदान ।

अंदर (उ.) भीतर, में, अन्दर ।

अंध (सं.) नेत्रहीन, अंधा, सूरदास ।

अंधार (सं.) अन्धेरा, तिमिर, (वि.) धुंधला, उदास, गड़बड़ घबराहट ।

अंधेर (सं.) गड़बड़, कुप्रबन्ध ।

अन्न (सं.) अनाज, दाना, भोजन, अन्न ।

अन्नदाता (सं.) स्वामी, ईश्वर, मालिक, अन्न अथवा अन्य इच्छित वस्तुओंका देनेवाला अन्नदाता ।

अन्नोदक (सं) नाजपानी, अन्नजल ।

अन्य (वि.) दूसरा, अन्य (सं) विचित्र !

अन्यथा (क्रि. वि.) नहीं तो, नोचेत, अन्यथा, दूसरे, इसके अतिरिक्त ।

अन्याय (सं.) गैर इन्साफ, अन्याय अनीति, जुल्म ।

अन्यायी (वि.) दोषी, अपराधी, कुसूरवार, अधर्मी, अन्यायी ।

अन्याअन्य (वि.) परस्पर, बुतर्फा ।

अन्वयी (वि.) मिलानेवाला, सम्बंध करानेवाला, अनुगामी संबंधी ।

अप (वि.) जिस शब्द के आगे लगाया जावे उसका अर्थ बुरा हो जाता है ।

अपकार (सं.) अनुपकार, अधन्यवाद, नमकहराम, बेवफा ।

अपकीर्ति (सं.) अपयश, बदनामी निन्दा, अपकीर्ति ।

अपक्षपात (सं.) पक्षपातरहित, निष्पक्ष, न्याय, इन्साफ, उचित ।

अपंग (वि.) लंगड़ा, लुला, जख्मी.

अपच (सं.) कुपच, अपच, अजीर्ण, बदहज़मी ।

अपजस (सं.) अपयश, बदनामी, कम इज्जती !

अपतिव्रता (सं.) अशुद्ध, व्यभिचारी, असाधु, कुलटा, वेश्या, पतिव्रतहीन

अपतीत (सं.) अविश्वास, बे यकीन सन्देह, शुभा बे ऐतबार ।

अपद्वार (सं.) पीछेका द्वार, बुरा मार्ग।

अपभ्रंश (सं) बिगाड़ अपभ्रंश।

अपमान (वि.) मानरहित, कमइज्जती, तौहीन, बे आबरू,, अपमान।

अपरिमित (वि.) अगणित, बे गिनती अनन्त, अन्तहीन, अपरिमित।

अपराजित (वि.) अजेय, न जीता हुवा

अपराध (सं.) कसूर, अपराध, गुन्हा,

अपलक्षण (सं.) दोष, कमी, त्रुटी, अपलक्षण।

अपवाद (सं.) निन्दा, कलङ्क, झूठ, अविश्वास, अपवाद।

अपवास (सं.) व्रत, उपवास।

अपवित्र (वि) अशुद्ध, मैला, गन्दा, अपवित्र।

अपशब्द (सं.) बुरे वचन, गाली गलौज, निन्द्य शब्द।

अपशकुन (सं.) बुरे शकुन।

अपहरण (कि.) ले भागना, निकाल ले जाना, चुराना [चुराई,

अपाय (सं.) बदी, नुकसान,

अपार (वि.) जिसका पार न हो

अपारदर्शक (वि.) अस्वच्छ, धुंधला।

अपासरा (सं) जैन साधुओं के ठहरने का स्थान

अपुत्र (वि.) पुत्रहीन, निपुत्र, अपुत्र। [अधूरा।

अपूर्ण (वि.) जो पूरा न हो

अपूज्य (वि.) बिनापूजा। बे-पूजा।

अपूर्णकाल (सं.) अधूरा समय।

अपूर्णांक (सं.) टुकड़ा, भिन्न, कसर

अपेक्षा (सं) इच्छा, चाह, आवश्यकता, जरूरत। [अपमान।

अप्रतिष्ठा (सं.) बदनामी, बे इज्जती

अप्रमाण (वि.) असीम, प्रमाणहीन जो प्रमाण न हो।

अप्रमाणिक (वि.) मिथ्या, बे सबूत कपटी, घटिया।

अप्रसिद्ध (वि.) धुंधला, गूढ़, अधूरा, अज्ञात, जो मशहूर न हो।

अफरातफरी (सं.) गड़बड़, घबराहट।

अफलातून (वि.) घमण्डी, अहंकारी मगरूर, अफलातून, [अफवाह।

अफवा (सं.) समाचार, चर्चा,

अफसोस (सं.) रंज, गम, शोक, दुःख, अफसोस।

अफल (वि.) व्यर्थ, फलहीन फल-रहित, निकम्मा।

अफलाना (कि.) पटकना, डेमारना

અફીણી (સં.) અફીમ પી (સં.) અફીમ ખાનેવાલા, અફીમચી ।

અબજ (વિ.) ૧૦ અર્બુદ, દસ અરબ, સંખ્યા વિશેષ ।

અબધૂત (સં.) ઘૂમનેવાલા તપસ્વી, તપસ્વી, ફકીર, અવધૂત। [મોડલ।

અબરખ (સં.) અભ્રક, અબરખ,

અબળ (સં.) નિર્બળ, કમજોર, શક્તિહીન ।

અબળા (સં.) સ્ત્રી, ઔરત, અબલા।

અબીલ (સ.) અબીર, સુગન્ધિત ચૂર્ણ, ખુશબૂદાર બુરાદા ।

અબોટ (સ.) ચૌકા દેના ।

અબોટિયું (સં.) રેશમી વસ્ત્ર,

અબોલા (વિ.) મૌન, બેબોલા ચુપ

અભંગ (વિ.) સબ, પૂર્ણ, કુલ ।

અભડામણી (સં.) રજસ્વલા સ્ત્રી, કપડો દુઈ ઔરત। (વિ.) બિગડા હુવા, કલુષિત ।

અભડાવવું (ક્રિ.) બિગાડના, ગંદા કરના, અપવિત્ર કરના ।

અભણ (વિ.) મૂર્ખ, બે પઢા, અજ્ઞ, અશિક્ષિત ।

અભય (વિ.) નિર્ભય, નિડર, ત્રાસ-રહિત, અભય ।

અભય વચન (સં.) રક્ષા કરનેકા વિશ્વાસ, અમાનતકા બીમા, રક્ષણકા વાદા ।

અભરાઈ (સં.) તાક, આલમારી, સમુદ્રકા રેતીલા કિનારા ।

અભરા અરણ્ય (સં.) દીનબન્ધુ, નિર્બલોંકા રક્ષક, પરમાત્મા ।

અભરામ નંદાવા (સં.) ત્યાગ, મુક્ત, રિહાઈ, છુટકારા, ઉદ્ધરણ, બેદા-ક, રસીદ,

અભાગિયો (વિ.) બદકિસ્મત ફૂટી તકદીરકા, અભાગા ।

અભાવ (સં.) અરુચિ, ઘૃણા, અનિચ્છા, કુસ્વાદુ, શત્રુતા ।

અભિજ્ઞ (વિ.) નિપુણ, પ્રવીણ, જાનકાર, પરિચિત ।

અભિજ્ઞાન (સં.) પ્રત્યેક બાતકો જાન લેનેકી શક્તિ । [સમ્મતિ ।

અભિપ્રાય (સં.) વિચાર, સમજ, રાય

અભિધાન (સં.) નામ ।

અભિમાન (સં.) ગર્વ, ગુમાન, અહંકાર ઘમંડ ।

અભિલાષ (સં.) આનન્દ, હર્ષ, ખુશી, ઇચ્છા । [ઉમંગ ।

અભિલાષા (સં.) ચાહિયે વાહ,

અભિલેહ કરવો (ક્રિ.) ગાલ કરના છિડકના, રાજપદ પર નિયોજના

અભ્યાસ (સં.) મુહાવિરા, પઠન, અભ્યાસ ।

અભ્ર (સં.) આકાશ, સ્વર્ગ ।

અભ્રથું (વિ.) વ્યર્થ, વૃથા, નિષ્ફલ।

અમન ચમન (સં.) આનન્દ મંગલ, ચૈનચાન, ચહલપહલ ।

અમર (વિ.) મૃત્યુરહિત, અમર, જો ન મરે, દેવતા ।

અમૃત (સં.) પરાગ, ખુશગવાર-દારબત । કોઈ બહુત મીઠી આનન્દ દાયિની વસ્તુ, પુરાણ કથિત દેવતાઓંકે પીનેકા પેય પદાર્થ। અમૃત ।

અમર્યાદ (વિ.) અપમાન, હતક, આચરણ શૂન્ય, મર્યાદાહીન ।

અમલ (સં.) અધિકાર, રાજ્ય, હુકૂમત, શક્તિ, દબાવ ।

અમલદાર (સં.) હાકિમ, અધિકારી ઓહદેદાર ! [નિરર્થક ।

અમસ્તું (વિ.) ફલહીન, અકારથ,

અમળાવવું (ક્રિ.) પકડના, મરોડના કષ્ટ દેના,

અમળાટ (સં.) મરોડ, પકડ, ઐંઠ ।

અમાપ (વિ.) જોનાપા ન જાય !

અમારું (સર્વ.) હમારા,

અમાસ (સં.) અમાવસ્યા, ચન્દ્ર માસ કા અંતિમ દિન, ૩૦,

અમી (સં.) અમૃત, દયા, કૃપા, અનુકમ્પા, નમ્રતા, રસ ચાટ ।

અમીન (સં.) પંચ, ન્યાયકર્તા ।

અમીર (સં.) કુલીન, બડા આદમી બડા, ભલા । અમીર ।

અમુક (વિ.) કોઈ, કિસી, વિશેષ, ફલાં, અમુક ।

અમુઝણ (સં.) ઘબરાહટ, ઝંઝટ, પરેશાની, ચિંતા, સોચ, દમા, સ્વાસ ।

અમૂલ્ય (વિ.) કીમતી, બહુમૂલ્ય, બેશકીમતી, અનમોલ, અમૂલ્ય ।

અમે (સર્વ૰) હમ, મૈંકા બહુવચન।

અંબાટ (વિ.) તેજાબ, ખટ્ટા, તુર્શ ।

અંબર (સં.) બૈકુંઠ, એક ઉત્તમ અમૂલ્ય જનાની પૌશાક ।

અંબાડી (સં.) હૌદા, હાથીપર બૈઠનેકી અંબારી ।

અંબાર (સં.) ઢેર, ઇકઠ્ઠા ।

અંબુજ (સં.) કમલ પુષ્પ ।

અંબોડો–ડી (સં.) ચોટી, જુટિયા।

અમલસૂત (સં.) કાંતિયુત, સૂર્ય કા પાર્ય ।

अयाल (सं.) अयाल, पशु के गर्दन पर के बाल।

अयोग्य (वि.) नालायक, अनुचित, निकम्मा, अयोग्य।

अर्क-अर्क (सं.) अर्क, मन।

अर्घ (सं.) देवता या सूर्य को जलदान। अर्घ्य। [पत्र, अर्जी।

अर्जास-सी (सं.) प्रार्थना, प्रार्थना-

अरण्य (सं.) जंगला मैदान, जंगल, वन।

अर्णव (सं.) समुद्र, जलनिधि।

अरबी-अरब्बी (सं.) अरबका, आलू। [के जहाज़।

अरबार (सं.) जहाजी बेड़ा, युद्ध

अरमारी (सं.) आलमारी, बरतन रखने की आलमारी।

अरविंद (सं.) कमल का फूल।

अरसपरस (वि.) परस्पर, एक दूसरा, दुतर्फा, आपसका।

अरि (सं.) बैरी, शत्रु, दुश्मन।

अरिष्ठा (सं.) रीठा, अरीठा नाम से प्रसिद्ध फलादि धोने के काम में आनेवाला फल।

अरिष्ट (सं.) दुर्भाग्य, विपत्ति, आपत्ति, बदकिस्मती, अरिष्ट।

अरुचि (सं.) अनभिलाष, कुस्वादु, घृणा, अरुचि। [प्रातःकाल, भोर।

अरुण (सं.) सूर्य, सूर्योदय,

अरुणोदय (सं.) सूर्योदय के पूर्व का लालिमा का उदय [ओफ!

अरेरे (विस्म०) अरे! ओहो!

अरे (विस्म०) ओ हो, अरे, ऊफ!

अर्चन (सं.) पूजा, अर्चन।

अर्थ (सं.) माने, मतलब, इशारा, अभिप्राय।

अर्थशास्त्र (सं.) सम्पत्तिशास्त्र, पोलिटिकल एकानमी।

अर्थसिद्धि (सं.) कामयाबी, इच्छित कार्य की पूर्ति।

अर्थात् (क्रि. वि.) इस वास्ते, अतएव, तस्मात्, इस कारण से, अतः। (अव्यय) याने अर्थात।

अर्थालंकार (सं.) शब्दालङ्कार के विरुद्ध अलङ्कार, जिसमे अर्थ का चमत्कार दिखाया गया हो।

अर्थी (सं.) मतलबी, ज़रूरतमंद।

अर्थे (क्रि. वि.) वास्ते, लिये।

अर्ध (वि.) आधा, $\frac{1}{2}$।

अर्धमीलन (सं.) अर्द्धवृत्त, निस्फ, दायरा। [सरीखा।

अर्धसंदिग्ध (वि.) दोज के चान्द

अर्धरात्रि (सं.) आधी रात।

अर्धांगना (सं.) हिस्सेदार, साझीदार, पत्नी।

अर्धांगवायु (सं.) लकवे की बीमारी, वह वात जिस से आधा अंग शून्य हो।

अर्भक (सं.) बालक, बच्चा।

अर्वाचीन (वि.) पश्चाजात, नवीन, हालका, इदानीन्तन।

अर्श (सं.) बवासीर की बीमारी।

अलभ्यत (सं.) जायदाद, धन।

अलग (वि.) दूर, फासलेपर, जुदा, निराला, अलग।

अलंकार (सं.) आभूषण, जेवर, अर्थ और शब्द की वह युक्ति जिस से बोलने में या काव्य में शोभा हो, अलंकार।

अलबत्ता (वि.) निष्फल, बेफायदा, व्यर्थ, बेकाम।

अलबत्त (क्रि. वि.) बेशक, अवश्य, दर हकीकत, वास्तव में।

अलबेला (वि.) सुन्दर, खबसूरत, चटकीला।

अलभ्य (वि.) प्राप्ति के अयोग्य, जो न मिले, अप्राप्य।

अलभस्त (वि.) दृढ, मजबूत, वीर, बहादुर, निडर। [सम्बन्ध।

अलगे (सं.) दावा, अधिकार,

अलामला (सं.) खतरा, भय, जोखम, कठिनाई, अलाबबलाय।

अली (सं.) सखी, पत्नी।

अलीशान (वि.) अति प्रतापी, आडम्बरी, बड़ा, बहुत बड़ा।

अलेखटप (सं.) अंदाजी, कयासी, अटकली।

अलोप (सं.) गायब, अदृश्य।

अलौकिक (वि.) लोकातीत, अमानुषिक, असाधारण, अलौकिक।

अल्प (वि.) थोड़ा, कम, छोटा।

अल्पज्ञ (वि.) थोडा जानकार, कम जानने वाला।

अल्पे (वि.) मूर्ख, उल्लू, शठ।

अवकाश (सं.) अवसर, मौका, फुर्सत, छुट्टी, आराम, वीं, अवसर।

अवगणना (सं.) दोषारोपण, कम इज्जती, अपमान।

अवगति (सं.) आफत, विपत्ति, कठिनाई, बला की चाह।

अवगुण (सं.) दुर्गुण, दोष, ऐब।

अवघड (सं.) कठिनाई मुश्किल, दुःख, पीड़ा, बाधा।

अवज्ञा (सं.) अपमान, हतक, ना फरमाबरदारी।

अवड (वि.) अव्यवहारिक, जो काम में न लाया गया हो, अनभ्यस्त।

अवतरण (सं) उद्धृत भाग, उतार, प्रमाण, हवाला, अर्थ, टीका। [प्रसिद्ध होना।

अवतरणु (क्रि.) उत्पन्न होना,

अवतार (सं.) जन्म, पैदायश, किसी देवता का पृथ्वीपर जन्म।

अवदशा (स) दुर्दशा, कंबख्ती।

अवधि-धी (सं.) अंत, आखिर, सीमा, हद। [इच्छा, ध्यान।

अवधान (सं.) मुकाम, रुख,

अवनवु (वि.) नवीन, नया, अद्भुत, अजीब, अनोखा।

अवनि (सं.) पृथ्वीतत्व, पृथ्वी।

अवनिज्ञ (सं.) जन्म मृत्युका चक्र, आवागमन।

अवर (वि.) और, दूसरा, अन्य, (वि.) हमारा (सर्व.) हमारा.

अवरा (वि.) व्यर्थ, फिजूल, निष्फल,

अवरोध (सं.) अटकाव, बाधा, रोक, रोकटोक।

अवल (वि.) पहिला, उत्तम, उम्दा, अच्छा, अव्वल।

अवलंब-ब (सं.) चटनी, पतली औषध।

अवलोकन (सं.) देखरेख देखभाल जाँच, पडताल, छिद्रान्वेषण-दोषानु सन्धान, परख, निगाह।

अवश्य (क्रि. वि.) जरूर, निस्सन्देह, बेशक, अवश्य।

अवसर (सं.) मौका, समय, माजरा, मृतके लिये एक जातीय कार्य, उत्सव, अवसर।

अवसान (स) मौका, आसान, अन्त, खत्म।

अवस्था (सं.) हालत, दशा।

अवज्ञ (वि.) हठी, चिड़ी, चिढ़ करनेवाला, चिड़चिड़ा।

अवशु (वि.) जिद्दी, हठी, उलटा विरुद्ध, विपरीत, विपक्ष, औंधा।

अवाप्त (वि.) गूंगा, बे बोल, बे समझ।

અવાજ (सं.) ध्वनि, आवाज, उच्चारण, स्वर।

અવાજ કરવો (क्रि.) शोरमचाना, फूटना, हल्लाकरना।

અવારનવાર (क्रि. वि.) बारी-बारीसे, अदलबदलकर, अनुक्रम, एकके बाद एक।

અવાસ (सं.) निवास, रहन, घर मकान, डेरा, स्थान। [भाग।

અવાળું (सं.) दांतो के नीचे का

અવિચળ (वि.) अचल, स्थिर, कायम, दृढ, अविचल। [अज्ञान।

અવિચાર (सं.) अविचाररहित,

અવિનાશી (वि.) नाशरहित, अमर, ईश्वर, सर्वशक्तिमान।

અવેજ (सं.) हेरफेर, एवज।

અવેજી (वि.) बदली, एवजी।

અવ્યય (सं.) एकसा रहनेवाला। व्याकरणमें वह शब्द जिसके रूपमें कभी विकार नहीं होता।

અવ્યવસ્થા (सं.) कुप्रबन्ध, बद-इन्तजामी, गड़बड़।

અવ્યવસ્થિત (वि.) घबरायाहुवा, व्याकुल,

અશક્ત (वि.) कमजोर, शक्तिहीन निर्बल, दुर्बल।

અશક્ય (वि.) असंभव, गैरमुम-किन, जो न हो सके, अशक्य।

અશરફી (सं.) मोहर, अशरफी, प्राचीन कालका सोनेका सिक्का।

અશરાફ (वि.) दयालु, महरबान, बडा, शरीफ, कुलीन, सुशील।

અશાંતિ (सं.) अभाग्य, दुर्भाग्य, तकलीफ, कष्ट, क्लेश, बेचैनी, व्याकुलता। [खराब, अशुद्ध।

અશુદ્ધ (वि.) अपवित्र, गलत मैला,

અશુભ (वि.) अमंगल, अमंगल-कर, अशुभ।

અશોક (सं.) एक प्रकारका वृक्ष।

અશ્રુ (सं.) आँसु, अश्रु।

અશ્વ (स.) घोडा, तुरंग, अश्व।

અશ્વત્થ-(પીપળો) (सं) पीपल का पेड।

અશ્વત્થામા (सं.) द्रोणाचार्य के पुत्र महाभारत युद्ध के महारथी, अश्वत्थामा।

અશ્વમેધ (सं.) घोडेका बलिदान एक प्रकारका यज्ञ जिसमें घोडे के मस्तक में जयपत्र बांधकर उसे भूमण्ड-लमें घूमने के लिये छोडा जाता है, और उसके पीछे २ सेना सहित रक्षक रहते हैं। सेना के विजयी

होकर लौटने पर घोड़ेका स्वामी बड़ा भारी यज्ञ करता है, जो चक्रवर्तित्वका सूचक है।

अश्वविद्या (सं.) अश्वपालन, अश्व सम्बन्धी विद्याएं।

अष्ट (वि.) आठ, ८, अष्ट।

अष्टावधानी (वि.) कपट,

अष्टाना (क्रि.) कमजोर होना, दुबला–होना, मुर्झाना, सुस्त होना।

असंख्य (वि.) अगणित, जो गिने न जा सकें, असंख्य।

असत्य (वि.) मिथ्या, झूठ।

अस्तर (सं.) अस्तर, बुहरी पोशाकके नीचेका कपड़ा, ढक्कन।

अस्तरी करना (क्रि.) कपड़ों पर इस्त्री करना। [उस्तरा।

अस्तरा (सं.) छुरा, क्षुर, अस्तुरा,

असहरमी (वि.) विधर्मी, निंद्य-धर्मका उपासक, बेदीन।

असभ्य (वि.) गँवार, जंगली, अशिष्ट, बदचलन, बेढंगा, बेहूदा असभ्य।

असमर्थ (वि.) कमजोर, शक्तिहीन।

असमान (सं.) आकाश, आस्मान, (वि.) ऊंचानीचा, असमान।

असमानी सुलतानी (सं.) दुर्भाग्य विपत्ति, आपद।

असंभव (सं.) गैर मुमकिन, जो संभव नहीं, असंभव। [असर।

असर (सं.) प्रभाव, फल, दबाव,

असल (वि.) मुख्य, खास, प्राचीन उत्तम। [चढ़ाहुवा।

असवार (सं.) आरोही, असवार,

असवारी (सं.) सवारी, आरोहण, निकासी, जुलूस, ठाठ।

असार (वि.) सारहीन, निस्सार, निकम्मा, अयोग्य। [खड्ग।

असि (सं.) कृपाण, तलवार,

असील (वि.) कुलीन, सुशील, दयालु, कृपालु, (सं.) मुवक्किल यजमान। [प्रकार।

असुं (वि.) ऐसा, इसभांति, इस

असु (सं.) सांस, दम, स्वास, जीवन, ज़िन्दगी, आत्मा, जीव।

असुख (सं.) दुःख, कष्ट, तक-लीफ, बीमारी, रोग।

असुर (सं.) राक्षस, निशाचर, पिशाच, दुरात्मा, भूत।

असुरं (वि.) देर, अबेरकरके, उचित समयके बाद।

अस्त (सं.) अस्त, गायब, तारेका अस्त, ग्रहका अस्त।

अस्तित्व (सं.) स्थिति, जीवन, हस्ती, वजूद।

अस्तु (विस्मय.) आमीन, ऐसा-ही हो, एवमस्तु।

अस्त्र (सं.) मंत्रित हथियार, फेंककर चलायेजानेवाले हथियार, बाण, तीर।

अस्थि (सं.) हाड़, हड्डी।

अहंकार (सं.) गर्व, घमंड, स्वार्थता, अहंमन्यता। [स्वार्थी।

अहंकारी (वि.) घमण्डी, गर्वी

अहर्निश (क्रि. वि.) रातदिन, प्रांत-दिन, रोजाना, दैनिक।

अहिंया (क्रि वि.) यहा, इधर।

अहींतहीं (क्रि. वि.) इधरउधर यहा-वहा।

अहोरात्रि (क्रि. वि.) सारादिन और सारीरात। अहोरात्रि २४ घंटे। [अयोग्य।

अळभाभळुं (वि.) अप्रिय,

अळगुं (वि.) दूर, अलग, जुदा।

अळवी (सं.) एक बूटीका नाम।

अळसी (सं.) [illegible] प्रसिद्ध

अळीछीछी (सं.) अठखेली क्रीडा।

अळुंडो (सं.) छोटीछोटी फुन-सियां जो ग्रीष्मऋतु होजातीहैं। अलाई।

अज्ञान (सं.) ज्ञानहीन, ज्ञानशून्य मूर्ख, बेवकूफ।

आ।

आ—गुजराती वर्णमालाका द्वितीय अक्षर। (सर्व.) यह, ये

आंक (सं) गणना, मूल्य, कसौटी जांच, परख, पहिचानेकाधुरा।

आंकडी (सं.) आंकड़ा, हुक, टेढा मरोड़।

आंकणी (सं.) श्लोक, दोहा, छन्द शासक, हाकिम, अधिष्ठाता।

आंकवुं (क्रि.) लकीरें करना, अंकित करना, परख करना, कीमत करना, मूल्य करना।

आंकी (सं.) चिन्ह, निशान, कूत, हद, सीमा, किनारा।

आंकोडिया (सं.) नसें, पसलियां।

आंख (सं.) नेत्र, नयन, चक्षु, दृष्टिबोध। [की पुतली।

आंखनी कीकी (सं.) पुतली, आंख

આંખ આડા કાન કરવા (ક્રિ.) અજાણતાં કરવું, મૂકવું, ગુજરી જવું। [નેત્ર બંધ હોવા।

આંખ આવવી (ક્રિ.) આંખ દુઃખવા

આંખ કાઢવી (ક્રિ.) કાઢવા, બુરા ભલા કહેવા, ધુરકવા, તેવરી બદલવી, ધમકાવા, ગુસ્સે થઈ જવા।

આંખ ચોરાવવી (ક્રિ.) નિગાહ બચાવવી, ધોકા દે કર નિકલ જાવા, દૃષ્ટિ બચાકર ભાગ જાવા, સટક જાવા, ચુપચાપ ચલે જાવા, ચુરા લે જાવા।

આંખ મારત કરવી (ક્રિ.) ઇશારા કરવા, સૈન કરવા, આંખ મારવા। [બંદોબસ્તી।

આંખિયો (સં) મૂર્ચ્છા, અચેતનતા,

આંગડિયો (સં.) દુકડા, કીમતી સામાન કા રખનેવાલા યા લે જાને વાલા।

આંગણું (સં.) આંગન, ઘર કે સામને કા ચૌક। [એક ઇંચ।

આંગળ (સં.) એક અંગુલ કા માપ,

આંગળી (સં.) અંગુલી।

આંગળી કરવી (ક્રિ.) અંગુલી સે છેદ કરના, છેડના, ચિઢાના, ચિઢાના।

આંજ (સં.) દર્દ, દુઃખદાય, હાનિ, (ક્રિ.) સોજના, મદકના, પ્રજ્વલિત હોના।

આંજણ (સં.) સ્તન, ચૂંચી, થન।

આંજવું (ક્રિ.) આંખોં મેં અંજન લગાના, આંજના, ધોખા દેના, છલ કરના, અંધેરા કરના।

આંજણી (સં.) આંખો કે પલક પર કી ફુન્સી, ગુહેરી।

આંટ (સં.) ગાંઠ, ઉધાર, દુશ્મની ઈર્ષા, હસદ, ડાહ, નામદરી, બલ, ગુહરત, લાગ, આડ। [આડમ।

આંટણ (સં) આટણ, ચાલપર

આંટી (સં.) ગાઠ, ધાગોકા ગુચ્છી, ઈર્ષા, વૈર, ડાહ।

આંટો (સ.) ઘુમાવ, ચક્કર।

આંડવા (સં.) વૃષણ, અંડકોષ, ફોતે।

આંતરડી-ડું (સં.) દિલ, આંતે।

આંતરવું (ક્રિ.) બાંટના, હિસ્સા કરના, કાડા લગાના, અપોહિત કરના।

આંતરે (ક્રિ. વિ.) બારીબારીસે, અન્તરપર, ફાસલેપર।

આંતરો (સં.) ભાગ, હિસ્સા।

આંદોલન (सं.) आंदोलन, लंगर, लटकन, हलचल । [कीड़ा ।

આંધળું (सं.) अंधा, छिद्र, एक

આંધિ (सं.) आंधि, तेज हवा, उद्दंड-वायु, कुहरा ।

આંધ્રેલું ધાંધ્રેલું (सं.) घबराया हुवा, भूला हुवा, मिलाहुवा ।

આંબટ (सं.) खट्टा । [इमली ।

આંબલી (सं.) इमलीका वृक्ष, फल,

આંબો (सं.) आमका पेड, आम्र, रसाल, आम ।

આંબામોર (सं.) आम्रपुष्प, आमका बौर, एक प्रकारका चाँवल ।

આંબાવાડી (सं.) आम्रकुंज, आमोंका बाग ।

આંબા હળદર (सं.) आमी हल्दी,

આંબિલ (सं.) जैनियोंका एक धार्मिक प्रण जिसमें कि दिनमें एक बार भात खाया जाता है ।

આંબોઢ (सं.) नाल, नाभिसे लगी हुई नस, जो बालक के जन्म के समय उसके लिपटा होता है ।

આંબલાં (सं.) आँवले ।

આંશ (सं.) भाग, अंश, किस्मी ।

આંસુ (सं,) अश्रू, आँसू ।

આકા (विस्म.) अहा, वाहवा ।

આર્ય (सं.) माता, मा, दादी ।

આકન (सं.) कानून, रीति चाल, नियम, कायदा । [महँगा ।

આકરું (वि.) सख्त, कठिन, कठोर,

આકર્ષ (सं.) खींचनेका कार्य ।

આકર્ષણ (सं.) खिंचाव, लुभाव, फुसलाव, लालच ।

આકર્ષિત (सं.) खींचा,

આકળવિકળ (वि.) व्याकुल, घबराया हुवा । आकुल व्याकुल ।

આકાંક્ષા (सं.) इच्छा, चाह ।

આકાર (सं.) सूरत, शक्ल, बनावट, चिन्ह ।

આકાશ (सं.) आस्मान, आकाश स्वर्ग, ऊर्ध्वलोक ।

આકાશગંગા (सं.) देवनदी, वह चिन्हजो निर्मल आकाश में धुंधला और स्वेत एक सीधमें लकीर सा होताहै । देवमार्ग, कान्तिवृत । छायापथ ।

આકાશગામી (वि.) वहजो गु-
આકાશચર) ब्बारेमें बैठता है, पक्षी वायुयान । [तरहका खेल ।

આકાશબલી (सं.) बाजीगरका एक

આકાશ દીવો (સં.) આકાશકા પ્રકાશ, આકાશમેં લટકાઈહુઈ લાલટેન। [અતિ ઉંચા માર્ગ।

આકાશ માર્ગ (સં.) હવાઈરાસ્તા,

આકાશ મુની (સં.) ઊંટ, ઉષ્ટ્ર।

આકાશલોક (સં.) સ્વર્ગ, ઊર્ધ્વ લોક। [આકાશકે સમાન રંગ।

આકાશવર્ણ (સં.) નીલવર્ણ,

આકાશવાણી (સં.) દેવવાણી, અંતરિક્ષકાશબ્દ, ઈશ્વરોક્તિ।

આકાશવાસી (સં.) આસ્માનમેં રહેનેવાલે।

આકાશવૃત્તિ (સં) અનાયાસ પ્રાપ્તિ-આસામાયિક લાભ [ભરોસા.

આકીન (સં.) વિશ્વાસ, યકીન,

આકુડી (સં.) એક પ્રકારસે અધિક નશેદાર બનાઈહુઈ ભાંગ।

આકુળ (વિ.) દુઃખી, બેસબ્ર।

આકુળવ્યાકુળ (સં.) બેચૈન, ઘબરાયાહુવા, અધીર। [આકૃતિ

આકૃતિ (સં.) સૂરત, શક્લ,

આક્ષેપ (સં.) અભ્યાસ, ખેદ, અર્જી, પ્રાર્થના।

આક્રંદ (સં.) દુઃખ, રંજ, વિલાપ।

આખડવું (ક્રિ.) ઘૂમના, મટકના। [શપથ, સૌગન્દ, કસમ।

આખડી (સં.) એક પ્રકારકી

આખર (સં.) અંત, સિરા, પરિણામ। [મૃત્યુ દિવસ।

આખરસાલ (સં.) અંતિમવર્ષ,

આખરે (ક્રિ. વિ.) અંતમેં, આખેર-કાર। [જો બધિયા ન હુવાહો।

આખલો (સં.) સાંડ, વહ બૈલ

આખાબાઉ (સં.) વહ મનુષ્ય જો એકદમ બહુત લાભ ચાહતાહો, લુટેરા।

આખાડા (સં.) મઠ, મન્દિર, અખાડા, દંગલ।

આખું (વિ.) સારા, સમસ્ત, સબ તમામ।

આખેટ (સં.) શિકાર, મૃગયા।

આખેર (સં.) અંત, આખેર, સમાપ્તિ, પરિણામ।

આખ્યાન (સં.) કિસ્સા, કહાની, કથા, વર્ણન, બયાન।

આગ (સં.) અગ્નિ, આગ, ગર્મી, જ્વાલા, પાવક।

આગ સળગાવવી (ક્રિ.) આગ સુલગાના, આગ લગાવા મઢકાંવા લડાઈ કરાના।

આગ હોલવવી (ક્રि.) आग बुझाना
આગ લાગવી (क्रि.) आग लगना,
આગ મુકવી (क्रि.) मृतकको जलाना, अग्निसंस्कार करना।
આગગાડી (सं.) रेलगाड़ी धूम्रयान।
આગતાસ્વાગતા (सं.) अतिथि-सेवा, मेहमानदारी, आदर, सत्कार
આગબોટ (सं.) जहाज़, धूम्रपोत स्टीमर।
આગમ (सं.) धार्मिक कृत्य, प्रारंभ, आदि।
આગમચ (क्रि. वि.) आगे, पूर्व समयमें, पूर्व पेश्तर, पहिलेही।
આગમન (सं.) पहुँच, आगमन।
આગમનપત્ર (सं.) बुलावा, बुलानेकी चिठ्ठी, सम्मन.
આગ્રહ (सं.) उद्योग, धुन, हठ, जिद्द, आग्रह। [सकी बीमारी।
આગરૂ (सं.) एक मुखरोग, मु-
આગલું (वि.) अगला, पहिले, सामनेका। [विशेष।
આગવો (वि.) निवारक, अनोखा,
આગળ (क्रि. वि.) पहिलेसे, आगेसे, पूर्वसे, पेश्तरसे। [पुराना।
આગળનું (वि.) पहिला, प्राचीन,
આગળપાછળ (क्रि. वि.) चारों-ओर, आगेपीछे, इर्दगिर्द।
આગળી (सं.) चटखनी, सांकली, पलस्तर, अस्तर।
આગિયો (सं.) एक लकड़ीकी चटखनी जो किवाड़ बन्द करनेके लिये होतीहै। डालनेवाला।
આગિયો (सं.) एक चमकदार कीड़ा, जुगनू, खद्योत।
આગેવાન (सं.) अगुवा, प्रदर्शक, मुख्य मनुष्य। [मन, अनुशासन।
આગેવાની (सं.) अगवानी, हक्-
આઘાત (सं.) प्रहार, चोट।
આઘું (वि.) दूर, अलग, न्यारा, असमीप। [छुपना, गुप्तहोना.
આઘું પાઘું થવું ર્વું (वि.)
આથે (क्रि.) दूरीपर, दूर.
આચકો (सं.) धक्का, घूमी, खींचतान। धक्का, टक्कर।
આચમન (सं.) थोड़ासा जल पीना, आचमन।
આચરકુચર (सं.) मिला हुआ सामान, बे पका भोजन। [आहरण।
આચરણ (सं.) चालचलन, वर्ताव,
આચરવું (वि.) अनुसार कार्य करना, चाल चलना, बर्तना, व्यवहार करना।

આચાર (सं.) चाल, ढब, रीति, व्यवहार, बर्ताव।

આચાર વિચાર (सं.) दस्तूर, चलन, व्यवहार, अभ्यास, रीति, चाल।

આચાર્ય (सं.) गुरु, उस्ताद आचार्य।

આચ્છાદન (सं.) ढकन, ओढन।

આછા (वि.) कम, थोड़ा, अप्राप्य, दुर्लभ, पुतला। [धुंधला, मन्द।

આછું (सं.) पतला, अपूर्ण, थोड़ा,

આજ (कि. वि.) अभी, आज, इस दिन।

આજકાલ (कि. वि.) आजकल, इन दिनों, वर्तमानमें।

આજન્મ (कि. वि.) जन्मसे, आजन्म, मृत्युतक, आमरण।

આજપછી (कि. वि.) इसके बाद, आजके बाद, भविष्यमें।

આજમ મહેરબાન (वि.) बड़े दयावन्त, अत्यन्त कृपालु।

આજલગી (कि. वि.) आजतक, इस समय तक।

આજાદ (वि.) स्वतंत्र, निरंकुश, आज़ाद।

આજારી (सं.) बीमारी, मर्ज़, रोग।

આજારી (वि.) बीमारी, अस्वस्थता,

આજીજી (सं.) विनती, मिन्नत।

આજીવિકા (सं.) रोजगार, रोजी, रोटी कपड़ा, निर्वाह।

આજુબાજુ (कि. वि.) चारों ओर, सब तरफ, चतुर्दिक

આજ્ઞે (सं.) नाना [खासन।

આજ્ઞા (सं.) हुक्म, आज्ञा, अनु-

આજ્ઞા માનવી-પાળવી (कि.) आज्ञा मानना, हुक्म मानना।

આજ્ઞાંકિત (वि.) आज्ञाकारी, कर्तव्यनिष्ठ, वफ़ादार।

આજ્ઞાપત્ર (सं.) परवाना, वारंट, आज्ञापत्र। गज़ट, सरकारी अखबार।

આટલું (वि.) इतना अधिक, ऐसा अधिक।

આટોપવું (कि.) पूर्ण करना, खत्म करना, तमाम करना।

આટો (सं.) आटा, कुचलन, भंग, हाथ, विच्छेद।

આડિયો (सं.) बदमाश, दुष्ट, नाच, पाजी, दुर्जन, पापिष्ठ।

આઠે પહોર (कि. वि.) आठोंगिरे, रात दिन, सदैव।

આડતિયું (वि.) देखदार, देखी-तिर्छी, बोदवार, भूल भुलैया।

આકસ્મિક (સં.) भूल, भटक, चूक।
આકરીરો (सं.) दूसरी दस्तावेज,
આકાશી (सं.) चकला, काठका वह तख्ता जिसपर रोटी वेली जाती है।
આકૃત (सं.) आढ़त, एजेन्सी दलाली। [एजेन्ट।
આકૃતીઓ (सं.) आढतिया, दलाल,
આકાર્ષ (सं.) हट, जिद्, सरकशी।
આકી (सं.) आड़ा, बेंडा।
આકીતર (सं.) लड़ोका बेड़ा, डोंगी, घाटकी नाव।
આકું (वि.) टेढा, बेडौल, बेढब।
આકું અવળું મૂકવું (क्रि.) इधर उधर रखना, यथास्थान न रखना।
આકું અવળું સમજાવવું (क्रि.) बहकाना। कुछका कुछ समझा देना।
આકે રસ્તે લઈ જવું (क्रि.) भटकाना, कुमार्ग पर लेजाना।
આકો આંક (सं.) अत्यंत कैलाश, बड़ा अभिनोग।
આકોશી પાકોશી (सं.) इक्षवाका पड़ोसी, निकटवर्ती।
આક્ષ (सं.) आक्ष, चक्षुष, दीपन्द, आंख सम्बन्धी।
આખવું (क्रि.) लाना, लेआना।
આખુંકિર (वि.) इस ओर, दूसरी, बाजू, इसके अलावा, इसके अतिरिक्त।
આખું (सं.) पत्नीको उसके पिताके घर से बुलाना। गौना, विदा, द्विरागमन। [वार, ऐतवार।
આતવાર (सं.) आदित्यवार, रवि-
આતસ (सं.) आग, अग्नि, गर्मी, ताप, जलन।
આંતરડાં आँतें, अंतड़ी, दिल।
આતિથ્ય (सं.) सत्कार, आतिथ्य मेहमानी।
આતુર (वि.) उत्साही, लवलीन, इच्छुक, फिक्रमन्द, चिंतित।
આતુરતા (वि.) उत्साह, शौक, चिंता, सोच, उत्सुकता।
આત્મઘાત (सं.) खुदकशी, आत्म-हत्या, आत्मघात।
આત્મદ્રોહી (वि.) आत्मद्रोही।
આત્મબુદ્ધિ (सं.) स्वार्थ परता, आत्मबुद्धि। [आत्मशक्ति।
આત્મશક્તિ (सं.) आत्मिक बल,
આત્મા (सं.) जीव, चेतन, प्राण, आत्मा, रूह।
આત્મારામ (सं.) महात्मा परमात्मा।

આથડવું (क्रि.) घूमना, भटकना, रमना।
આથમણું (वि.) पश्चिमी, पश्चात्य।
આથમવું (क्रि.) छुपना, अस्त होना, गिरना, बैठना, अंत होना।
આથવું (क्रि.) खारा करना, आचार डालना, खमीर उठाना।
આદત (सं.) स्वभाव, मुद्राविरा, आदत।
આદમ (सं.) आदम, मनुष्य।
આદમ જાત (स.) मनुष्यजाति मनुष्य। [आदम के वंशज।
આદમી (सं.) मनुष्य, मानव,
આદર (सं) सत्कार, मान, इज्जत, आदर, सन्मान, आदब।
આદરણી (सं.) सगाई।
આદરભાવ (सं.) देखो આદર
આદરમાન (सं.) मान, इज्जत, स्वागत, सत्कार, स्वस्तिवाचन।
આદરવું (क्रि.,) मान करना, सत्कार करना।
આદર્શ (सं.) दर्पण, टीका, टिप्पणी, नमूना, आदर्श।
આદેશ (सं.) रोग के पहिचानने का ढंग, आदेश-पत्र, रसीद।
આદોષધ (सं.) अदरखद्वारा बना हुवा पदार्थ। [बीमारी।
આધાશીશી (सं.) अर्धकपाली, आधाशीशी, आधा सिर दुखनेका
આદિ (वि.) प्रथम, मुख्य, मान, अमला, आदि।
આદિઅંત (क्रि.) प्रारंभ से अंत तक शुरू से आखिर तक।
આદિક (वि.) इत्यादि, प्रभृति, वगैरे, आदिक,। [अस्ली सबब।
આદિકારણ (स.) मुख्य कारण,
આદિત્ય (स.) सूर्य, सूरज, वार, रविवार, एतवार।
આદુ (स.) अदरख।
આદેશ (स.) हुक्म, आज्ञा, आदेश।
આધાર (स.) आशय, आश्रय, अधिकार। [मिक दुःख।
આધિ (सं.) मनकी पीड़ा मान-
આધિવ્યાધિ (सं.) शारीरिक, और मानसिक कष्ट।
આધીન (वि.) वश, आज्ञाकारी नम्र।
આધીનતા (सं.) आज्ञाप्रमाणे वर्तन, मुतालबा, कर्मोपरदारी, नम्रता, वशीकरण, आज्ञाधीनता, आधीनता

અઢુનિક (વિ.) નવીન, નવા, ટટકા, તાજા, સામ્પ્રતિક ।

આધેડ (વિ.) અધેડ, આધી ઉમ્રના ।

આનન (સં.) મુખ, મુહેં ।

આનંદ (સં.) હર્ષ, સુખ, આહ્લાદ।

આનંદ કંદ (સં.) ઈશ્વર, પરમાત્મા, બ્રહ્મ । [સુખકારક, હર્ષપ્રદ ।

આનંદકારી (વિ.) આહ્લાદકારક,

આનંદમય (વિ.) પ્રસન્ન ખુશ ।

આનંદાશ્રુ (સં.) પ્રેમાશ્રુ ।

આનંદી (વિ.) મગન, હસમુખ, ખુશ દિલ ।

આનાકાની (સં.) ટાલટૂલ સન્દેહ ।

આની આનો (સં.) એક આના ઇકની, ચારપૈસે, $\frac{૧}{૧૬}$ રુપયા ।

આપ (સર્વ.) ખુદ, સ્વયં, આપ ।

આપ અખ્તયાર (વિ.) સ્વતંત્ર, ખુદ મુખત્યાર । [અપને મેં ।

આપ આપમાં (ક્રિ. વિ.) હમમેં,

આપકમી (વિ.) સ્વાવલમ્બી ।

આપખુદી (સં.) સ્વયં પ્રબલ ।

આપઘાત (સં.) આત્મઘાત, સાવધ ।

આપણે (સર્વ.) હમારે, હમ, હમારે લિયે । [વિપત્તિકા સમય ।

આપત્કાલ (સં.) દુઃખકર દુર્ભાગ્ય,

આપત્તિ (સં.) વિપત્તિ દુઃખ ક્લેશ ।

આપદા (સં.) દુર્ભાગ્ય, કમ્બખ્તી, આફત, વિપત્તિ, વિપદ ।

આપનાર (સં.) દેનેવાલા, દાતા, દાની।

આપ મતલબી (સં) ખુદગરજ સ્વાર્થી।

આપમતિયું (સં.) આત્માભિમાની સ્વેચ્છાચારી । [ખુદમુખત્યાર ।

આપમુખત્યાર (વિ.) સ્વતંત્ર સ્વાધીન,

આપવે (ક્રિ.) બદલના, પરિવર્તન, કરના, ઋણ દેના ઔર લેના ।

આપવું (ક્રિ.) દેના ।

આપી દેવું (ક્રિ.) છોડ દેના, દેદેના ।

આપસમાન (વિ.) ખુદ સરીખા, સ્વતુલ્ય, અપને સમાન ।

આપોઆપ (ક્રિ. વિ.) અપને આપ, ખુદ, સ્વયં, સ્વેચ્છાપૂર્વક ।

આપ્ત (સં.) વિપત્તિ, દુર્ભાગ્ય, આપદ । [ધામ, સૂર્ય પ્રકાશ ।

આપ્તાપ (સં.) સૂર્ય, સૂરજ ધૂપ,

આપ્તરીન (વિસ્મ.) શાબાસ! વાહવા ! [અચ્છા ।

આપ્તરો (સં.) પેટ ફૂલનેકા રોગ,

આપ્ત (સં.) પાની, જલ, વારિક, પ્રવાહ, ઝરણ, વારિધારી ।

આબકારી (સં.) जल अथवा नहर विभाग, एक्साइज डिपार्टमेंट, आबकारी । [वर्तन ।

આબખોરિયું (સં.) पानीका छोटा

આબદારગીરી (સં.) राजकीय छत्र ।

આબનુસ (સં.) आबनूस केन्द्र, तिंदुक । [नामवरी, नेकनामी ।

આબરૂ (સ.) इज्जत, मान, यश,

આબરૂ ખોવી (ક્રિ.) इज्जत खोना, मान गँवाना ।

આબરૂની દરિયાફ્ત (સં.) अपवाद पत्र, बदनामीका लेख ।

આબરૂપત્ર (સં.) मानपत्र, साक्षी-पत्र, प्रमाणपत्र ।

આબરૂ લેવી (ક્રિ.) कम इज्जत करना, अपमान करना ।

આબરૂ લેનાર (સં.) निंदक ।

આબાદી (સં.) विजय, कामयाबी सफलता, बरासत ।

આબાદ (વિ.) उपजाऊ, फलदायक, जरखेज, सफल, भरापूरा ।

આબેહૂબ (વિ.) ठीक, चटक, मुकम्मल ।

આભ (સં.) आकाश, बादल ।

આભડછેટ (સં.) अपवित्रता, नापाकी, अशुद्धता, दर्शोदर्शन, मानसिक धर्म ।

આભડવા જવું (વિ.) मृतक के साथ जाना, मातम में जाना ।

આભરણ (સં.) सजावट, शृंगार, आभूषण, अलंकार, गहना ।

આભલું (સ.) बादल, मेघ, आकाश ।

આભાર (સં.) कृतज्ञता, एहसान-मन्दी ।

આભારી (વિ.) एहसानमंद, कृतज्ञ,

આભાસ (સં.) सादृश्यता, समानता, धुंध, धुंधलापन, कल्पना ।

આભીર (સં.) गोप, अहीर, ग्वाल ।

આભૂષણ (સં.) अलंकार, भूषण, गहना ।

આભ્યંતર (વિ.) अन्दरूनी, अन्दरका, भीतरी ।

આમ (ક્રિ. વિ.) इसतरह, ऐसे, आंतों का मरोड़ा, संग्रहणी, पेट चलना, आँव ।

આમની સભા (સં.) साधारण सभा, सार्वजनिक भवन ।

આમજ (ક્રિ. વિ.) इसीतरह, ठीक इसीप्रकार, ऐसेही ।

આમાશય (સં.) आँते, अँतड़ियाँ

આમનેસામને (ક્રિ. વિ.) आमने सामने, पारस्परिक ।

આખ્યાતસારો સંજ્ઞા (સં.) ઑખ-ધાતુ-ગંધક।

આગમની (સં.) આય, માલમુ-જારી, પ્રાપ્તિ, લાભ, અર્થાગમ, હાસિલ। [બુલાવા

આમંત્રણ (સં.) નિમંત્રણ,

આમલી (સં.) ઇમલીકા વૃક્ષ ઔર ફલ

આમવાયુ (સં.) અતિસારદ્વારા પુરાની ગઠિયાવાતકા રોગ।

આમળાં (સં.) ઑંવલે।

આમળીયું (સં.) બચ્ચોંકા આભૂ-ષણ, કડા।

આમીન (સં.) ઐસાહી હો, એવમસ્તુ,

આમોદ (સં.) સુગન્ધ, આનન્દ, હર્ષ, કૌતુક। [અર્થાગમ।

આય (સં.) આમદ, લાભ, પ્રાપ્તિ,

આયનો (સં.) દર્પણ, શીશા, મુકુર।

આયંદે (ક્રિ.) ઇસકે બાદ, ઇસકે આગે, આઇન્દા।

આયપત (સં.) આમદ, પ્રાપ્તિ, લાભ, પૂંજી, મૂલધન।

આયો (સં.) દાઈ, ધાય, દાસી, માયા। [પહુંચ।

આયાન (સં.) આગમન, આમદ,

આયાસ (સં.) પરિશ્રમ, મિહનત, ઉદ્યોગ।

આયુધ (સં.) હથિયાર, શસ્ત્રાસ્ત્ર।

આયુષ્ય (સં.) ઉમ્ર, આયુ, જીવન-કાલ। [આર।

આર (સં.) નુકીલી લોહેકી કીલ,

આરજ્જા (સં.) જૈન તપસ્વિની।

આરજ્જે (સં.) દર્દ, દુઃખ, કષ્ટ,।

આરડવું (ક્રિ.) ચિલ્લાના, ઢકા-રના, જોર સે શબ્દ કરના।

આરથુઆરથુ (સં.) કપટ, બહાના, છલ, શક, સન્દેહ, દુવિધા।

આરત (સં.) ઇચ્છા, ચાહ, આવ-શ્યકતા।

આરતી (સં.) દીપક જો મૂર્તિ-યોંકે આગે ઘુમાયા જાતા હૈ। છન્દોં કે ટુકડે જો સાયંકાલકો પઢે જાતેહૈં।

આરપાર (ક્રિ. વિ.) ઇધર સે ઉધર।

આરસપહાણ (સં.) સંગમરમર, એક પ્રકારકા ખૂબસૂરત મૂલ્યવાન પત્થર।

આરસી (સં.) દર્પણ, શીશા, કાચ।

આરંભ (સં.) પ્રારંભ, ઉપક્રમ, શુરૂ।

આરાધના (સં.) उपासना, सेवा, परिचर्या, शुश्रूषा ।

આરાધવું (ક્રિ.) पूजा करना, सेवा करना, नमस्कार करना ।

આરામ (સં.) चैन, सुख, विश्राम, उपशम ।

આરામ કરવો (ક્રિ.) सुख करना, चैन करना, मौज करना ।

આરામ થવો (ક્રિ.) सुख होना, विश्राम होना, आराम होना ।

આરી (સં.) करवत, कुरपण ।

આરીયું (સં.) छोटी ककड़ी, छोटा खीरा, आरेया । [नक्षत्र ।

આર્દ્રા (સં.) आर्द्रानामक छठा

આરૂઢ (વિ.) सवार, चढा, आरोहित । [हठी, जिद्दी ।

આરેડું (વિ.) हानिप्रद, बुरा, दुष्ट,

આરો (સં.) किनारा, सिरा, हद्द ।

આરોગવું (ક્રિ.) भोजन करना, भक्षण करना ।

આરોગ્ય (સં.) रोगहीनता, आराम, स्वास्थ्य, रोगाभाव ।

આરોપ (સં.) दोष, बनावट, मिथ्या रचना, कल्पना ।

આર્જવ (સં.) सारल्य, सरलता, कोमल, विनय ।

આર્ય (વિ.) कुलीन, श्रेष्ठ, मान्य, पूज्य (સં) हिन्दु ।

આર્યા (સં.) श्लोक, दोहा, छंद, एक प्रकारका छन्द ।

આલમ (સં.) संसार, विश्व, जगत मनुष्यजाति । [मकान, घर ।

આલય (સં.) गृह, वासस्थान, गेह,

આલવાલ (સં.) एक प्रकार का वस्त्र अलंकार ।

આલાપ (સં.) कथोपकथन, संभाषण, बातचीत, कुशल ।

આલિંગન (સં.) अंगमिलन, हृदयसे लगाना, लिपट, गोदी ।

આલંબન (સં) सहायता, मदद ।

આલિશાન (સં.) बड़ा, चौड़ा, दीर्घ, विस्तृत ।

આલુ (સં.) बेर, एक जातिवृक्ष । कन्द विशेष, एक प्रकार की तरकारी ।

આવક (સં.) आदमद, आगमन,

આવક જાવક (સં.) आगमन, आमद रफ्त रोजनामचा, लेखे हुए कागज । [आदर ।

આવકાર (સં.) ग्रहण, अंगीकार,

આવજા (સં.) વારંવાર આવવાનેનું કામ । [વિશેષ, ગુણ ।

આવડ (સં.) વિદ્યા, ઇલ્મ, હુનર,

આવડત (સં.) દેખો, આવડ ।

આવડવું (ક્રિ.) જાનના, સમઝના ।

આવડું (વિ.) ઇતનાબડા, ઇતના અધિક, ઇતના ।

આવતું (વિ.) ભવિષ્ય, આનેવાલા ।

આવરદેા (સં) નિયુક્તસ્થાન, મૃત્યુ, અંત, સિરા । [સત્કારભાવ ।

આવભાવ (સં.) માન, આદર,

આવરણ (સં.) લપેટન, આચ્છાદન, ઢકનેકી વસ્તુ, ઢકના, ઢાલ ।

આવરદા (સં.) ઉમ્ર, આયુ, જીવન ।

આવરેા (સં.) હિસાબકીકિતાબ, બહી, રજિસ્ટર, રોજનામચા, બહીખાતા । [આદ્યોપાન્ત પઢના ।

આવર્તન (સં.) પઢાઈ, બૅંચાઈ,

આવલિ (સં.) સતર, પંક્તિ, પાંતિ, શ્રેણી, કતાર, લાઇન । [આના ।

આવવું (ક્રિ.) આના, સમીપ-

આવશ્ય (સં.) આવશ્યકતા, જરૂરત, ચાહ । [જીવનમરણ ।

આવાગમન (સં.) આનાજાના,

આવાસ (સં.) વાસસ્થાન, રહેનેકા ઘર ।

આવાહન (સં.) દેવતાઓંકેનિમિત્ત બુલાવા, આદરપૂર્વક બુલાવા, પૂજાકા અંગ ।

આવી પડવું (ક્રિ.) આગિરના, હોજાના, વાકૈહોના ।

આવી પહોંચવું (ક્રિ.) આજાના, આપહુંચના, પહુંચજાના ।

આવી ફસવું (ક્રિ.) આફસના જાલમેંફંસજાના ।

આવીપનવું (ક્રિ.) હોના, વાકૈ હોના, અન્તતક પહુંચના ।

આવી રહેવું (ક્રિ.) આરહના, થકજાના, આબસના ।

આવું (વિ.) એસા, ઇસતરહકા ।

આવૃત્તિ (સં.) છાપા, છપાઈ, સંસ્કરણ,

આવેગ (સં. જોશ, બલ, પૌરુષ, દુઃખ, ઘબરાહટ, ચિંતા ।

આવેશ (સં.) અહંકાર, હઠ, દુરાગ્રહ, ક્રોધ, ભૂતચઢના પ્રવેશ ।

આશ–ા (સં.) ભરોસા, આસરા, પ્રત્યાશા, ઉમ્મિદ ।

आशिक (सं.) प्रेमी, रसिक, चाहने वाला, आशिक ।

आशिक बनना (क्रि.) प्रेमोन्मत्त होना, प्रेमी होना, आशिक होना ।

आशिक माशूक (सं) प्रेमपात्र और प्रेमी, आशिक माशूक ।

आशंका (सं.) सन्देह, शक, डर, भय, संशय ।

आशमान (ई.) आकाश, ख,

आशमानी (वि.) नीले रंगका, नीला,

आशा संधि (वि.) आशायुक्त उम्मीदवार । [रहित ।

आशाभंग (वि.) निराशा, आशा

आशीर्वाद (सं.) आशीश, मंगलवचन, शुभकामना । शुभेच्छा ।

आश्चर्य (सं.) अचंभा, तआज्जुब हैरत, अद्भुत ।

आश्रम (सं.) झोंपडी, मठ, विद्यार्थियों का वासस्थान, मंदिर, अखाड़ा । [आधार ।

आश्रय (सं.) आसरा, सहारा,

आश्रित (सं,) शरणागत, आश्रय प्राप्त, आधीन, अवलंबित ।

आसक्त (वि.) लवलीन टेढ़ा, मुब्तला ।

आसन (सं.) बैठक, एक प्रकारकी औषधि, ढंग, दशा, स्थान ।

आसनाद्यासना (सं.) धीरज, दादस, मेहमानदारी, आतिथ्य ।

आसपास (क्रि. वि.) चारोंओर, इर्दगिर्द ।

आसव (सं.) मद्यमात्र, शराब, सिरका, मादक औषधि ।

आसरा (स.) सहारा, अवलम्ब, सहायता, कृत, आँक, जॉच ।

आसाओश (सं.) सुख, चैन, आराम, विश्राम, दिलगी, प्रसन्नता ।

आसान (सं.) एहसान, कृतज्ञता ।

आसामी (सं.) पुरुष, जन, धनाढ्य पुरुष । [अलग २, जुदा२ ।

आसामीवार (क्रि. वि.) भिन्न २,

आसुरी (वि.) असुर सम्बन्धिनी,

आसो (सं.) आश्विनमास, कुँवारका महीना ।

आसोपालव (सं.) आसापालाका वृक्ष, एक प्रकारका वृक्ष ।

आस्तिक (सं.) ईश्वरभक्त, वेदानुयायी, सदाचारी । [मन्द ।

आस्ते (क्रि. वि.) धीरे, आहिस्ते,

આસ્થા (सं.) भक्ति, विश्वास ध्यान ।

આંહાં (कि. वि.) इधर, यहाँ ।

આહાર (सं.) भोजन, खाना, भक्ष्यपदार्थ । [खाऊ ।

આહારી (सं.) खानेवाला, पेटू,

આહીર (सं.) अहीर, गड़रिया ।

આહુતિ (सं.) यज्ञकेसमय घी और सामग्रीका अंश बार बार मंत्र पढकर देवताओंके निमित्त अग्निमें डालना, बलि, होम ।

આહેડી (सं.) शिकारी, मृगयार्थी ।

આળ (सं.) दोष, अपवाद ।

આળપંપાળ (वि.) व्यर्थ, निरर्थक ।

આળસ (सं.) सुस्ती, ढील, आलस, तन्द्रा ।

આળસીજવું (कि.) सुस्तहोजाना, अलसाजाना, मुरझाजाना ।

આળસુ (सं.) ढीला, सुस्त, बेफिक्र, आलसी ।

આળેમાળું (वि.) दुष्ट, बुरा, नुकसान पहुँचानेवाला, नाहक दखल देनेवाला, हस्तक्षेप करने वाला ।

આળુ (वि.) शब्दके अंतमें यह शब्द लगाया जाताहै तब उसका अर्थ " कापूरा " होताहै, जैसे " દયાળુ "

આળોટવું (कि.) लुढकाना, लपेटना, मथना, बिलोना ।

ઇ–ઈ

ઇ–ઈ=वर्णमाला का तृतीय और चतुर्थ अक्षर ।

ઇકબાલ (सं.) भाग्य, किस्मत, होनहार, प्रारब्ध, यश, सफलता, प्रताप ।

ઇકરાર (सं.) कौल, करार, वचन ।

ઇક્ષુ (सं.) सांठा, गन्ना, ईख ।

ઇખલાસ (सं.) मुहब्बत, प्रेम, स्नेह, प्यार । [अंगरेज ।

ઇંગ્રેજ (सं.) योरोपियन, गौरांग,

ઇંચ (सं.) इंच । $\frac{1}{12}$ फुट

ઇંચવું (कि.) गलेतकभरना, नाक तकभरना, एकदम बहुत खालेना।

ઇચ્છવું (कि.) इच्छाकरना, चाहना । [वाञ्छा, कामना ।

ઇચ્છા (सं.) चाह, लालसा,

ઇચ્છાફળ (સં.) વાંછિત વાત । ત્રૈરાશિક का उत्तर ।

ઇચ્છિત (વિ.) मनोभिलषित, मनवांछित, इच्छानुसार ।

ઇજ્જત (સં.) मान, आदर प्रतिष्ठा ।

ઇજ્જન (સં.) निमंत्रण, बुलावा ।

ઇજા (સં) हानि, नुकसान, हर्ज ।

ઇનામ (સં.) पारितोषक, इनाम ।

ઇજાર (સં.) पायजामा, खूसना ।

ઇજારદાર (સં.) ठेकेदार, किसान ।

ઇજારો (સં.) ठेका, विक्रयका अधिकार ।

ઇજારવું (ક્રિ.) मुरझाना, लटजाना, रंजीदा होना ।

ઈંટ (સં.) ईंट

ઈંટાળો (સં.) ईंटे बनानेका साँचा ।

ઇડા (સં.) मिट्टी, भोजन, खाना कला, गुण ।

ઇંડું (સં.) अंडा,

ઇતબાર (સં.) विश्वास, यकीन ।

ઇતમામ (સં.) सवारी, ठाठबाठ, संस्थापन ।

ઇત્યાદિ (વિ.) वगैरः, प्रभृति ।

ઇતરાજ (સં.) अभिमान, घमण्ड, आत्मस्तुति, आत्मश्लाघा ।

ઇતરાજી (સં.) अप्रसन्नता अवकृपा, अरुचि ।

ઇતરાવું (ક્રિ.) शेखी मारना, गर्व करना, बड़ी २ बातें मारना ।

ઇતિ (સં.) अंत, सिरा, समाप्ति ।

ઇતિહાસ (સં.) तवारीख, वर्णन ।

ઇન્તેજાર (સં.) चिंतित, उद्विग्न, चिंताशील । [बांका ।

ઇત્તરબાજ (વિ.) अहंकारी, छैला,

ઇદ (સં.) मुसलमानों का पर्व दिन ।

ઇનકાર (સં.) नकार, अस्वीकार ।

ઇનભીન (વિ.) थोड़ेसे, चन्द, कम, इने गिने ।

ઇનસાનીયાતાલા (વિ.) हरिइच्छा, ईश्वरेच्छा । [मनुष्यजाति ।

ઇનસાન (સં.) आदमी, मनुष्य,

ઇનસાનિયત (સં.) मनुष्यता, तर्कशक्ति, लियाकत, उपयुक्तता !

ઇનસાફ (સં.) न्याय,

ઇનસાફી (વિ.) यथार्थ, ठीक, उचित, न्यायानुमोदित । [भेंट ।

ઇનામ (સં.) पुरस्कार, उपहार,

ઇનામ આપવું (ક્રિ.) पुरस्कार देना, भेंट करना ।

इन्द्र (सं.) शचीपति, देवताओंका राजा, इन्द्र, शक्र ।

इन्द्रि (सं.) इंद्रिय, अंग, लिंग, उपस्थेन्द्रिय ।

इन्दिरा (सं.) लक्ष्मी, कमला, धन की अधिष्ठात्री देवी ।

इन्दु (सं.) चन्द्रमा, चाँद, सोम ।

इन्द्रजव (सं.) औषधी विशेष, इंद्रजौ ।

इन्द्रजाल (सं.) मायाकर्म, छल, कपट, बाजीगरी ।

इन्द्रधनुष (सं.) शक्रधनु, सूर्यकी किरण, वर्षाऋतु में दिखनेवाला धनुष ।

इन्द्रायण (सं.) औषधि विशेष एक प्रकारका फल, इन्द्रायण ।

इन्द्रनील (सं.) नीलमणी, नीलम,

इन्द्रियगम्य (वि.) ज्ञानगम्य, प्रत्यक्ष, दिखाऊ ।

इन्द्रिय गोचर (वि.) इन्द्रियोंका विषय, ज्ञानगम्य, ज्ञानपथवर्ती ।

इन्द्रियजित (सं.) अपनी इन्द्रियो को दमन करनेवाला ।

इन्द्रीदारी (सं.) सूर्ख, मन्द ।

इंधन (सं.) ईंधन, बलीता—रो (सं.) एक प्रकारका भोजन ।

इंहा (कि. वि.) इस तरफ, इसं ओर, इधर ।

इबारत (सं.) शब्द रचना, बनावट ।

इभ (सं.) हाथी, गज,

इमान (सं.) निश्चय, विश्वास, यकीन, धर्म, सचाई, मत ।

इमानदार (सं.) सच्चा, विश्वासी, वफादार । [णिकता ।

इमानदारी (सं.) सच्चाई, प्रामा-

इमानी (वि.) विश्वास योग्य ।

इमाम (सं.) मुसलमानों का पुरोहित ।

इमारत (सं.) गृह, धाम, हवेली, कोठी, बनावट ।

इमलु (सं.) एक प्रकारका क्रीड़ा ।

इरखा—र्षा (सं.) डाह, द्रोह, द्वेष,

इरादा (सं.) अभिप्राय, इच्छा, फल, प्रयोजन, आशय, आकांक्षा ।

इलाका (सं.) पवर्ना, उपपद ।

इलम (सं.) विद्या, हुनर, जादू, टोना, इन्द्रजाल । [पढ़, गुणी,

इलमी (सं.) चतुर, होशियार,

इला (सं.) विन्ध, पृथ्वी।

ઇલાકો (સં.) અધિકાર, સ્વત્વ, અમલદારી, અધિકાર, પ્રાન્ત, ભિન્ન।

ઇલાજ (સં.) ઉપાય, ઔષધોપચાર, હિકમત, તદબીર, યત્ન।

ઇલાયચી (સં.) ઇલાચી, એલા, ઇલાયચી।

ઇલાવૃત્ત (સં.) જમ્બૂદ્વીપ કે નવ વર્ષાન્તર્ગત એક વર્ષ વિશેષ।

ઇશ (સં.) શાસક, પ્રભૂ, પતિ, ઈશ્વર, સ્વામી (વિસ.) હિશ, હુશ।

ઇશ્ક (સં.) પ્રેમ, ચાહ।

ઇશ્કબાજ (સં.) મતવાલા પ્રેમી, લંપટ, અત્યાશ, કામી, રતાભિલાષી

ઇશ્કી (વિ.) છેલા, અલબેલા, રસિયા, રંગીલા, કામી।

ઇશારત–રો (વિ.) આંખોકા સંકેત, સૈન, સંકેત, સૂચના।

ઇશ્વર (સં.) પ્રભુ, સર્વશક્તિમાન।

ઇશ્વરસ્તુતિ (સં.) ભજન, પ્રાર્થના ગીત।

ઇશ્વરકૃપા (સં.) પ્રભુકી દયા।

ઇશ્વરી (સં.) દૈવી, પવિત્ર,

ઇશ્વરી નિયમ (સં.) પ્રકૃતિ કે નિયમ, વિધિ વિધાન।

ઇશ્વરી પુરુષ (સં.) પવિત્ર મહાત્મા, બુદ્ધિમાન।

ઇશ્વરેચ્છા (સં.) પરમાત્માકી ઇચ્છા।

ઇષ્ટ (વિ.) વાન્છિત, પૂજિત, માનિત। [ઉપાસ્ય દેવ।

ઇષ્ટદેવ (સં.) કુલદેવ પૂજનીય,

ઇષ્ટમિત્ર (સં.) પ્યારા મિત્ર, સચ્ચા મિત્ર। [સ્થાન, ક્રમ।

ઇષ્ટરાશિ (સં.) (ગણિતમેં)

ઇષ્ટિ (સં) યાગ, યજ્ઞ, અભિલાષ ઇચ્છા। [કે સીરાપાટી।

ઇસ (સં.) ચાર પાઈ કે બાજૂ, ખાટ

ઇસકોતરી (સં.) લિખનેકા ટેબલ, છોટી સન્દૂક।

ઇસ્તાદી (સં.) રોકનેવાલી, ઠહરાનેવાલી। [ઈસબગોલ।

ઇસબગોલ (સં.) ઔષધિ વિશેષ

ઇસ્પંદ (સં.) લોબાન, એક સુગન્ધિત ગોંદ। [આદિરસકર।

ઇસ્તેહાર (સં.) વિજ્ઞાપન, સૂચના,

ઇસવી (વિ.) મસીહી, ઈસાઈ।

ઇસવી સન (સં.) ઈસાઈ સમ્વત, સન્ ઈસ્વી। [કી ઇસ્તરી।

ઇસ્ત્રી (સં.) કપડોં કી તહ કરને

ઇસ્પાત (સં.) ફૌલાદ, ઇસ્પાત।

ઉ–ઊ

ઉ—ઊ વર્ણમાલા का पाँचवाँ और छठा अक्षर।

ઉકરડો (सं.) ऊपलों का ढेर, कंडो का ढेर, कर्कट का ढेर, कचरेका ढेर

ઉકલવું (कि.) पढने योग्य होना (लिखा हुवा)

ઉકળવું–કાળવું (कि.) उबालना, गर्म होना। गर्म करना।

ઉકળાટ (सं) ताप, गर्मी, घबराहट, हैरानी।

ઉકાળો (सं.) काढा, उबाल, गर्मी।

ઉકેલ (सं.) चालाकी, निपुणता, चतुरता, सुलझावट, मुक्त।

ઉકેલવું (कि.) पढना, पढ़ने योग्य बनाना, निर्णय करना, उधेड़ना, खोलना, समझाना।

ઉખડવું–ખેડવું (कि.) तोड़ डालना, बरबाद कर डालना, अलग करना, खोलना, उखाड़ना।

ઉખર (वि.) बिना उपजाऊ, ऊसर, अनुपजाऊ।

ઉખરવટ્ટ (सं.) नई आबादी, उपनिवेश, नई बस्ती।

ઉખલ (सं.) खरल, ऊखल, उलूखल।

ઉખાણું (सं.) पहेली, प्रावालहिका, गोरखधन्धा, बुझौवल, गूढ प्रश्न।

ઉગમ (सं.) निकास, उद्गम, उदय।

ઉગમણું–ણી (सं.) पूर्व, प्राची दिशा,

ઉગમણું (वि.) पूर्वी, पूर्व दिशाका।

ઉગરવું (कि) भागना, बचना, खोलना।

ઉગવું (कि.) उदय होना, उगना, निकलना, फूटना, प्रकट होना,

ઉગામવું (कि) उठाना, दिल बढाना, [मुनाफा।

ઉગાર (सं.) लाभ, बचत, फायदा,

ઉગારવું (कि.) बचाना, रक्षा करना, छुड़ाना।

ઉગી નીકળવુ (कि.) निकल आना, प्रकट होजाना, [कटु, क्रोधी।

ઉગ્ર (वि.) उत्कट, रौद्र, तीक्ष्ण,

ઉઘ (सं) उंघाई, नींद, निंदास, नींदका प्रथम रूप,

ઉંઘવું (सं.) झपकीमें होना, नींद आना, आराम करना, लेटना, सोना। [निंदाड।

ઉઘાડું (वि.) सुस्त काहिल,

ઉઘણસી (वि.) निंदासा, नींदसे भरा हुवा, उंघाया, आलसी।

ઉમડું (વિ.) આળસી, ઢીલા, ધીમા, દીર્ઘસૂત્રી, મન્દ ગતિ ।

ઉમડવું (ક્રિ.) ખોલના, साफ होना, (किस्मत) खुलना, बादल हटना ।

ઉમરાણી (सं.) आवश्यक मांग ।

ઉમરાણું (सं.) चन्दा, दान ।

ઉમરાત (सं.) मालगुजारी का संग्रह, महसूल संग्रह ।

ઉમરાવો (सं.) भोजन अथवा तरल पदार्थ परसनेका बड़ा चमचा ।

ઉમરાવવું (क्रि.) एकत्र करना, इकट्ठा पाना । [आकाश ।

ઉમલ (सं.) स्वच्छ ऋतु, निर्मल

ઉમાડવું (क्रि.) खोलना, ताला खोलना, प्रकाश करना प्रत्यक्ष करना ।

ઉમાડી રીતે (क्रि. वि.) खुलमखुला, प्रकट रीतिसे, दिन दहाडे ।

ઉમાડું (वि.) प्रत्यक्ष, खुला, साफ, नंगा, शृंगारहीन ।

ઉમાડું કરવું (क्रि.) खोलना, प्रकट करना, प्रत्यक्ष करना । [शरीफ

ઉંચ (वि.) बड़ा कुलीन, ऊँचा,

ઉંચકવું (क्रि.) लेवाना, उठा लेना।

ઉંચણ (सं.) टीका, सगाई, मंगनी ।

ઉંચકામણ (सं.) भार लेवानेकी मजदूरी ।

ઉંચકાવવું (क्रि.) उठवा देना ।

ઉંચકો (सं.) दुष्ट, नीच, पाजी, बेवकूट ।

ઉંચનીચ (वि.) छोटा बड़ा, ऊंचा नीचा, विषम, असमान ।

ઉંચરવું (क्रि.) कहना, बोलना

ઉંચાઈ (सं.) उच्चता, ऊंचाई, बड़प्पन ।

ઉંચાટ (सं.) व्यग्रता, बेसब्री ।

ઉંચાણ (सं.) ऊंचाई,

ઉચાપત (सं.) अपहरण, अनुचित कार्य, दुरुपयोग ।

ઉચાળા (सं.) घरका काठका सामान, घरकी सामग्री । [योग्य ।

ઉચિત (वि.) ठीक, मुनासिब,

ઉંચું (सं.) ऊंचा, ज्येष्ठ, महान ।

ઉંચું કરવું (क्रि.) उठाना, पकड़ना ।

ઉંચું નીચું કરવું (क्रि.) ठीक ठीक करना ।

ઉચે (क्रि. वि.) ऊपर, [अड़चि ।

ઉચ્ચાટ (सं.) व्यग्रता, उदासि,

ઉખાડન (સં.) उत्पाटन, जगहसे उखाड़ना, किसी मनुष्यपर मंत्र द्वारा आपत्ति लाना।

ઉખાણ (સં.) उच्चारण, कथन।

ઉગિળ્યું (વિ.) जूठा, खानेसे बचा हुवा पदार्थ।

ઉચ્છેદ (સં.) छेदन, काटना, विनाश।

ઉચ્છેદક (સં.) नाशक, विध्वंसक।

ઉચ્છૃંખળ (વિ.) अनियंत्रित, अनर्गल, विशृंखल, नटखट, बेरोक।

ઉચ્છંગ (સં.) गोदी, छाती, हृदय।

ઉચ્છરંગ (સં.) परमानन्द, अत्यानन्द। [ऊपर आना।

ઉછરવું-ઉછેરવું (ક્રિ.) उठना, उगना,

ઉછળવું (ક્રિ.) कूदना, उछलना।

ઉછાળવું (વિ.) नटखट, उच्छृंखल, अविचारी। [कर्जा।

ઉછીનું-નું (વિ.) ऋण, उधार,

ઉછેરવું (ક્રિ.) उत्पन्न करना, पालन करना, उठाना, उत्काना, ऊपरलाना। [ऊसर, अनुपजाऊ।

ઉજ્જડ (વિ.) सूनसान, निर्जन,

ઉજ્જડ કરવું (ક્રિ.) उजाड़ना, सूना करना, निर्जन करना।

ઉજવવું (ક્રિ.) देखभालना, एक धार्मिक संकल्पको बखूबी पूर्ण करना।

ઉજાવું (ક્રિ.) तेल लगाना चर्बी, लगाना, ओगना, मंत्र शक्ति से अच्छा करनेकी दम भरना।

ઉજ્જળું (સં.) सफेद, स्वेत, शुभ्र चमकीला, खूबसूरत।

ઉજ્જળું ઓટલું દૂધ નહીં-सोने के समान कान्तिवान, दूध समान सफेद।

ઉજ્જળાઈ (વિ.) चमकीलापन, स्वच्छता, सफाई।

ઉજાગરો (સં.) सावधानी, सजगता, चौकस, जाग।

ઉજાણી (સં.) दावत, जेवनार, त्यौहार, भोजन।

ઉજાસ (સં.) प्रकाश, चमक उजेला।

ઉજ્જત (સં.) हठ, जिद्द, सरकशी, हुज्जत।

ઉજ્જવું (ક્રિ.) कुदेरना, काटना।

ઉજ્જરો (સં.) खरचन, चीरफाड़।

ઉટ (સં.) उष्ट्र, ऊँट।

ઉટકવું-ટવું (ક્રિ.) निर्मलकरना, चिलाकरना, चमकाना।

ઉટવેદ (સં.) मिथ्या चिकित्सा।

ઉદ્યોગ (સં.) પ્રયત્ન, કારીગરી, ચાલાકી, અટકલ, કયાસ। [ધીરજ।

ઉદ્વિગ્ન જીવ (સં.) ઊંટકટારી કે

ઉદ્વેગ બેસતાં (વિ.) પ્રાય, અક્સર, અવતવ, હમેશા, સદૈવ।

ઉદ્વેગ (સં.) બેચૈની, બેઆરામી, ઊઠક બેઠકની સજા જો પાઠશાલામેં વિદ્યાર્થીયોં કો પ્રાય. દી જાતી હૈ।

ઉદ્વેગણું (સં) માતમ, અથવા શોક માનનેકા અંતિમ દિન।

ઉદ્વેવું (ક્રિ) ઉઠના, ખડા હોના, જાગના, ઉદય હોના। [મદ્કાના।

ઉદ્વેડવું (ક્રિ) ઉઠાના, જગાના,

ઉદ્વેડી મેલવું (ક્રિ.) વિકાલ દેના, દૂર ભેજ દેના, બાહિર કરના।

ઉદ્વેડી લેવું (ક્રિ.) ખીંચ લેના, ઉઠા લેના, ભુલા લેના।

ઉદ્વેતરી (સં.) કૂચ, પ્રસ્થાન, રવાનગી।

ઉદ્વેપ (સં.) ચાહ, પૂછ, ઇચ્છાઈ।

ઉદ્વેવણી કરવી (ક્રિ.) આક્રમણ કરના, ધાવા કરના, ચઢાઈ કરના।

ઉદ્વેવવું (ક્રિ.) ઉઠા લેના પ્રકટ કરના।

ઉદ્વેહી જવું (ક્રિ.) નિકલ જાના, ગુજરના, ચલા જાના, વિદા હોના।

ઉદ્વેવું (વિ.) બેસહારા, નાદાર નિર્મૂળ, ઉડના, ફૈલનેવાલા, ભૂત સે લગનેવાલા, ઉડનેવાલા।

ઉદ્વેમ (સં.) મૂર્ખ, હઠી, બિદ્દી

ઉદ્વેવું (ક્રિ.) ઉડના, ફૈલના, ભૂત સે લગના।

ઉદ્વેળ (સં.) ગોદ, આલિંગન।

ઉદ્વેળ થઈ જવી (ક્રિ.વિ.) ગડબડીસે, ઘબરાહટસે, બેપરવાહીસે, અસાવધાનીસે।

ઉદ્વેહ (વિ.) ગહરાઈ

ઉદ્વેવુ (વિ.) અતિવ્યયી, ઉડાઉ, દાની, અપવ્યયી, ખર્ચીલ, ફુજૂલ ખર્ચી,

ઉદ્વેવવું (ક્રિ.) ઉડાના, ભગાના, અલગ કરના।

ઉદ્વેહ (વિ.) ખર્ચ, અપવ્યય, ચંચલ, અધીર, બેઠિકાના, (સં.) લુચ્ચા, લંપટ। [અગાધ

ઉદ્વેંડું (વિ.) ગહરા, ઓંડા, ગંભીર

ઉદ્વેંડુ (સ.) ભાર લેજાને કે લિય સિર પર કપડે કી ગોલ ચડી કરકે રખી હુઈ ઈંડુઈ, ચૂમડી, ઈંદુર

ઉદ્વેડુ (શં.) તારે, નક્ષત્ર,

ઉદ્વેઢા (સં.) નવ વિવાહિતા

ઉદ્વેંબ (વિ.) ઊંચા,

ઉણું (વિ.) ન્યૂન, કમ, થોડા, અપર્યાપ્ત, અપૂર્ણ, ઊર્ણા ।

ઉતરચઢ (સં.) વાર વાર ચઢાવ ઔર ઉતાર ।

ઉતરડ (સં.) વર્તનોંકી શ્રેણી જો એક કે ઉપર એક રખા હો ।

ઉતરડી નાખવું (વિ.) ઉધેડ ડાલના, છીલ ડાલના ।

ઉતરણ (સં.) ઢાલ, ઉતાર,

ઉતરતી (સં.) ઘટતી, ઉતાર,

ઉતરતી ઓળખી (સં.) કમતા. ન્યૂનતા । [છોટા, નીચ ।

ઉતરતું (વિ.) અપ્રધાન, માતહત,

ઉતરવું (ક્રિ.) ઉતરના, સવારીસે ઉતરના, નીચે આના, ઘટના, કમ કરના, આગે ચલાના, રાસ્તા દિખાના, પાર કરના, ટિકના, બસના, ધરના, નીચે હોના, બૈઠના, ધીમા હોના, મુરઝાના, કુમ્હલાના, નકલ કરના, ઉતારના ।

ઉતરાયણ (સં.) સૂર્યકા ઉત્તર દિશામેં ગમન, ઉત્તરાયણ ।

ઉતરાવવું (ક્રિ.) નકલ કરના, નીચા કરના, નીચે લાના, ઉતરાના ।

ઉતરી જવું (ક્રિ.) બિગડ જાના, નષ્ટ હોજાના, ચુકના, ઢલના, ઉતર જાના । [ચના,

ઉતરી પડવું (ક્રિ.) સિરે પર પહુઁ-

ઉતારવું (ક્રિ.) ઉતારના, નીચે કરના, નકલ કરના ।

ઉતારી પાડવું (ક્રિ.) ધીરે સે બાત કાટના, નમ્રતા પૂર્વક બાત કાટના ।

ઉતારૂ (સં) યાત્રી, મુસાફર,

ઉતાવળ (સં.) જલ્દી, ત્વરા, શીઘ્રતા

ઉતાવળું (સં.) બેસબ્ર, જલ્દબાજ,

ઉત્કંઠા (સં.) અભિલાષા, ખેદ, વ્યાકુલતા ।

ઉત્કર્ષ (સં.) ઉત્તમતા, શ્રેષ્ઠતા, પ્રધાનત્વ, યશ, પ્રતાપ, વિજય ।

ઉત્કૃષ્ટ (સં.) ઉત્તમ, ઉમ્દા, શ્રેષ્ઠ, પ્રકૃષ્ટ ।

ઉત્ક્રમ (સં.) ઉલટા કમ, અતિક્રમણ।

ઉત્તમ (સં.) સબસે અચ્છા, નફીસ, અચ્છા, બઢિયા ।

ઉત્તર (સં.) જવાબ, નતીજા, અદાલતમેં ડિફેંસ નતીજ, ઉત્તર દિશા,

ઉત્તરક્રિયા (સં.) દાહ કર્મ, અન્ત્યેષ્ટી

ઉત્તર ધ્રુવ (સં.) ઉત્તરીય સિરા, ધ્રુવ નામક તારા જો ઉત્તર દિશામેં સ્થિર હૈ ।

ઉત્તરોત્તર (કિ.) અધિકાધિક, ધીરે ધીરે, ક્રમશઃ।

ઉત્તેજક (વિ.) ભડકાનેવાલા, પ્રેરક,

ઉત્તેજન (સં.) ભર્ત્સના, પ્રેરણા, વ્યાકુલકરણ, તેજી।

ઉત્થાપન (સં.) ઉઠાના, ભડકાના, જગાના। [આવિર્ભાવ।

ઉત્પત્તિ (સં.) પૈદાયશ, જન્મ,

ઉત્પન્ન કરવું (કિ.) જન્મદેના, પૈદા કરના, રચના, બનાના, કારણ હોના।

ઉત્પાત (સં.) ઉપદ્રવ, અશુભ ઘટના આપદ, દુર્ગતિ, અપશકુન।

ઉત્પ્રેક્ષા (સં.) ઉપમા, અર્થાલંકાર, મિલ્યન તુલના।

ઉત્સર્ગ (સં.) ત્યાગ, છોડ।

ઉત્સવ (સં.) ત્યોહાર, ખુશીકા અવસર। [સાહસ દુલસ।

ઉત્સાહ (સં.) હિમ્મત શક્તિ,

ઉત્સાહ ભંગ (સં.) હતોત્સાહ, સાહસહીન, ટૂટાદિલ।

ઉત્સુક (વિ.) ઇચ્છુક, શૌકીન।

ઉથલપાથલ (સં.) ભડકદ, ધબરાહટ, ઉલટ પલટ, ખોટ પોંટ,

ઉથલાવવું (કિ.) ઔંધવાના, ઉલટ જાના। [પલટાવ।

ઉથલો (સં.) જવાબ, ઉત્તર, ઓટકેર

ઉથાપવું (કિ.) આજ્ઞા ભંગ કરના, અપમાન કરના।

ઉદક (સં.) પાની, જલ।

ઉદધિ (સં.) સમુદ્ર, વારિધિ, સાગર

ઉદભાત (સં.) ગર્વ, દુઃખ, વહી, નુકસાન બુરાઈ।

ઉદય (સં.) પ્રકાશ, યશપ્રાપ્તિ, જ્યોતિર્દીપ્તિ ઉત્થાન।

ઉદર (સં.) પેટ, જઠર, પેડૂ, (કિ. વિ.) વહાઁ, ઉધર।

ઉદર પોષણ (સં.) જીવિકા, સત્ત્વ, ભોજન, રોજી।

ઉદર નિર્વાહ (સં.) જીવિકા, રોજી,

ઉદરાવો (સં.) ચિંતા, સોચ, ફિક્ર।

ઉદર (સં.) મૂષક, ચૂહા, ગણેશવાહન।

ઉંદરપાઈ (સં.) ચૂહે પકડને કા ફંદા। [ગંજા સિર।

ઉદરિ-દિ (સં.) મૈલયુક્ત સિર,

ઉદાર (વિ.) ફય્યાજ, દાનશૂર, દયાલુ, દાતા, ચતુર, ઉદારદિલ।

ઉદારતા (સં.) ઉદારપના, ફૈયાજી, નેકી, મહાઈ।

ઉદારતાથી (ક્રિ. વિ.) उदारतापूर्वक,
ઉદાસી (સં.) रंजिश, खेद, शोक।
ઉદાહરણ (સં.) दृष्टांत, मिसाल।
ઉદિત (વિ.) प्रकाशित, आविर्भूत, ऊगाहुवा।
ઉદ્દેશ (સં.) अनुसंधान, अभिप्राय, इच्छा, निशान, लक्ष्य।
ઉદો (સં.) हलका नीला रंग, ऊदा रंग। [उजड्ड, नटखट।
ઉદ્ધત (સં.) गँवार, भड़काहुवा,
ઉદ્ધતાઈ (સં.) गँवारपना, उजड्डपना, बेअदबी।
ઉદ્ધાર (સં.) बचाव, रिहाई छुटकारा, मुक्ति, अभ्युदय।
ઉદ્ધારવું (ક્રિ.) बचाना, छोड़ना, मुक्त करना। [पैदायश।
ઉદ્ભવ (સં.) उत्पत्ति, जन्म,
ઉદ્ભિજ્જ (સં.) पृथ्वी फाडकर उत्पन्न हुवा, वृक्ष, वनस्पति आदि।
ઉદ્યમ (સં.) उद्योग, कोशिश, परिश्रम, साहस।
ઉદ્યાન (સં.) बाग़, वाटिका, उपवन।
ઉદ્યાપન (સં.) समाप्ति, पूर्ति, अंतका अंत। [उद्यम।
ઉદ્યોગ (સં.) यत्न, चेष्टा, उत्साह,
ઉદ્યોગશાળા (સં.) उद्योग पाठशाला। जवान वा कमसिन अपराधियोंके सुधारनेकी पाठ शाला।
ઉદ્યોત (સં.) प्रकाश, चमक, आलोक, उजियाली।
ઉદ્વેગ (સં.) व्याकुलता, चिंता, विरहजन्य दुःख।
ઉધઈ–ઇ (સં.) धोकविकी,
ઉધરવું (ક્રિ.) ऋणी होना,
ઉધરસ (સ.) खांसी, घाँस, फेफड़े की सूजन।
ઉધરેલું (વિ.) उधार बेचाहुवा,
ઉધાઈ (સં.) सफेद चिउँटी, पतिंगा।
ઉધાન (સં.) ज्वारभाटा, समुद्र के पानी का चढाव जो शुक्लपक्ष मे द्वितीया और पूर्णमासीपर होता है (વિ.) तीन।
ઉધાન પાપા (વિ) विपथगामी, अव्यवस्थित।
ઉધાર (સં.) उधार, ऋण, कर्ज़।
ઉધાર પાનું (સં.) हिसाब की किताब में नामें लिखने की ओर।
ઉધાર લેવું (ક્રિ.) कर्जपर खरीदना, नामे लिखाकर मोललेना।
ઉધારો (સં.) देरी, विलम्ब वादा, नियम, वचन, शर्त।

ઉદ્ધત (સં.) બેવકૂફ, મૂર્ખ, અવિવેક.

ઉપર્દ (ક્રિ. વિ.) ઉપર, ઊંચા, અધિક, (વિ.) ઉપરવાલા, ઉપરકા ।

ઉપિયું (વિ.) મિટ્ટીકે પાત્રમેં પકી હુઇ ભાજી તરકારી ।

ઉપી પુતળીનું (વિ.) હીન દૃષ્ટિકા કમ નજર । [ભાગ, નીચે ।

ઉપું (વિ.) ઔંધા, ઉપરકા

ઉપું મારવું (ક્રિ.) ઔંધા કરના ઔટદેના ।

ઉપે ભહોડે (વિ.) મુહઁકેબલ

ઉન (સં.) મેષલોમ, ભેડ઼કેબાલ, રોમ, ઊન ।

ઉન્મત્ત (વિ.) વિક્ષિપ્ત, બૌરાહ, મતવાલા, પાગલ । [શરીફ ।

ઉન્નત (વિ.) ઉચ્ચ, ઊંચા, ઊર્ધ્વ,

ઉનવા (સં.) ઉબલતાહુવાપાની, એક પ્રકારકા રોગ । [બર્તન ।

ઉનાભણો (સં.) પાની ગર્મ કરનેકા

ઉનાવું (ક્રિ.) ઝુકના, મુડ઼ના ।

ઉન્હાળો (સં.) ગ્રીષ્મ, ગર્મીકા મૌસિમ ।

ઉન્માદ (સં.) ચિત્તવિભ્રમ, પાગલપન, અચેતતા, મદ, ખુશી ।

ઉપકરણ (સં.) હાથિયાર, ઔજાર બાસન, સામગ્રી । [ભલાઈ ।

ઉપકાર (સં.) કૃપા, સહાયતા, ઉપકારકરવો (ક્રિ.) ઉપકારકરના, કૃપાકરના, ભલાઈકરના ।

ઉપકાર માનવો (ક્રિ.) કૃતજ્ઞતા અદાકરના, ધન્યવાદ દેના ।

ઉપક્રમ (સં.) આરંભ, શુરુ પરિશ્રમ, યત્ન, ઉદ્યોગ ।

ઉપગુરુ (સં.) છોટા અધ્યાપક, અધ્યાપનગુરુ, નાયબ મુદર્રિસ ।

ઉપગ્રહ (સં) તારે, રાહૂ, કેતુ, ઉપગ્રહ । [વતૌર ।

ઉપચાર (સં.) સેવા, ટહલ, ઇલાજ

ઉપજ (સં.) પૈદા, જન્મ, ઉત્પત્તિ આમદ, આય ।

ઉપજ નિપજ (સ.) ઉત્પત્તિ ઔર ઉન્નતિ, જન્મ ઔર વૃદ્ધિ ।

ઉપરામણી (સં.) વૈવાહિક રીતિ, પહરાવની, દહેજ ।

ઉપડવું (ક્રિ.) રવાનાહોના, શુરુ કરના, અદૃશ્યહોના, તેજ હોના, જહાજ઼ ચલાના, નિકટ પહુઁચના, બિના તુતલાહટકે બોલના ।

ઉપડવું (ક્રિ.) ફટકના, પછેરવા ઝાડના । [બખેડ઼ા, વિદ્રોહ ।

ઉપદ્રવ (સં.) ઉત્પાત, અન્યાય,

ઉપદેશક (સં.) શિક્ષક, ઉપદેશ, ઉપદેશકર્તા । [મંત્રવાન, રાજા ।

ઉપદેશ (સં.) શિક્ષા, હિતવચન,

उपधातु (सं.) कच्ची धातु, जिन सात उपधातु कहाती हैं— सोनामाखी, नीलाथोथा, हरताल, अभ्रक, खपड़िया, सुर्मा, और मैनसिल ।

उपधान्य (सं.) छोटाअन्न ।

उपनाम (सं.) वंशपरंपरा गतनाम, कुलनाम, पदवी ।

उपभोग (सं.) विलास सामग्री ।

उपमा (सं.) मिसाल, उदाहरण, सादृश्य । [दृष्टान्त ।

उपमान (सं.) बयान, वर्णन,

उपयुक्त (सं.) ठीक, योग्य, उचित, मौजूं ।

उपयोग (सं.) इस्तैमाल, प्रयोग औचित्य, लाभ । [मन्द, अनुकूल।

उपयोगी (वि.) उचित, फायदे-

उपर (उप०) पर, ऊपर ।

उपर उपरथी (क्रि. वि.) थोड़ा थोड़ा, ऊपरी, हलकेपनसे ।

उपरचेाटीयुं (वि.) डाँवाडोल, अस्थिर ।

उपरणेा (सं.) छोटासा कपड़ा जो कंधेपर डालाजाताहै, दुपट्टा ।

उपरति (सं.) मृत्यु, उदासीनता,

उपरवाडियेा (सं.) एककृषक उस-गाँवका न रहनेवाला जिस गांवमें वह खेती करता हो ।

उपरवास (सं.) भूमिपर न रहने-वाला दुमंजिलेमें रहनेवाला, ऊपर-रका चढाव,

उपराउपरि (क्रि. वि.) प्रायः अब-सर, शीघ्र, तेज, वेगवान

उपराछापरी (क्रि. वि.) लगातार, परंपरागत, अनुक्रमिक, क्रमानुसार

उपराणुं (सं.) स्थापन, पुष्ट, रक्षा

उपरान्त (उप०) अलावा, पीछे, बाद, अतिरिक्त

उपरी (सं.) प्रबन्धकर्ता, अध्यक्ष ऊँचा, बड़ा, श्रेष्ट, उत्तम ।

उपरीपणुं (सं.) हुकूमत, अनु-शासन

उपलब्ध (सं.) अधिकता, शेष, बचत, बढती, आवश्यकतासे अधिक हिसाबमें नहीं लिया हुवा ।

उपलक्षणु (सं. वह शब्द शक्ति-जिससे निर्दिष्ट वस्तुसे भिन्न तत्स दृश वस्तुका ज्ञान होताहै, उपलक्षण ।

उपलुं (वि.) पूर्वका, ऊपर लि-खित, उपरोक्त, कथित ।

उपवन (सं.) बाग, उद्यान, वाटिका ।

उपवास (सं.) व्रत, अनाहार, लंघन, दिनरात भोजनाभाव ।

उपशांति (सं.) कमी, घटी, धीरज, शान्ति, तसल्ली, स्वास्थ्य ।

उपसर्ग (सं.) आफतलगाना।
उपसवुं (क्रि.) बढ़ना, फैलना, अकड़ना।
उपसागर (सं.) खाड़ी।
उपस्थान (सं.) उपासना, अप्रकट-पूजा, मानसिकपूजा।
उपस्थित (वि.) आनाहुवा, जोताहुवा, सुधराहुवा, बोयाहुवा।
उपहार (सं.) इनाम, भेट, नज़र।
उपहास (सं.) ठट्ठा, मजाक, हँसी। [लेना
उपाडवु (क्रि.) उखाड़ना, खींच-
उपादान (सं.) प्राप्ति, ग्रहण, बयान, कथन, हेतु।
उपाधि (सं.) झगड़ा, छळ, हुज्जत।
उपाध्याय-ध्यो (सं.) पुरोहित, शिक्षक।
उपान (सं.) जूतियाँ, पदत्राण।
उपाय (सं.) इलाज, तदबीर।
उपायन (सं.) सम्मानित भेट।
उपार्जन (सं.) प्राप्ति, हासिल।
उपार्जित (वि.) अर्जन, धनादि संचय, संचित, एकत्रित।
उपासक (सं.) पूजा करनेवाला, अनुगामी।
उपासना (सं.) सेवा, टहल, पूजन, देवपूजा, मूर्तिपूजा, सुश्रूषा।
उपेक्षा (सं.) अनादर, त्याग, उदासीनता। [प्रस्तावना।
उपोद्घात (सं) आरंभ, भूमिका
ऊष्ण (सं.) गर्मी, हरारत, जोश, रक्षा, पोषण, सहायता।
ऊष्णाळुं (वि.) गर्म, गुनगुना, कम गर्म। [द्वार।
ऊंबर-रो (सं.) देहली, थली,
ऊल्ट (सं.) कै, वमन, छर्दि, उलटी, उछाँट।
ऊसाडिवुं (सं.) बारबार आगका भड़कना और शांत होना। आग-बबूला।
ऊसाणो (सं.) इंधन।
ऊर्णी (सं.) नाजके भुट्टे, सिरे, गेहूँ अथवा जौकीबाळ।
ऊभय (उप.) दोनों, दो.
ऊभयचर (सं.) जलचर और थळचर, जल और पृथ्वीपर रहनेवाले। [दोनरफ।
ऊभयपक्ष (सं.) दोनों दोनोंपक्ष,
ऊभयलोक (सं.) दोनोलोक, इहलोक और परलोक।
ऊभयान्वयी (वि.) मेल, सङ्गम।
ऊभयार्थ (वि.) गोळमोल, दो आशयवालीबात, सन्देहपूर्ण, संदिग्ध। [स्पर्शज्ञान, बोध।
ऊभरो (सं.) उदय, और फैलाव

ઉભરાવું (ક્રિ.) ઉપરસે બહનેલના ઝુંડ, ઇકઠ્ઠા હોના, ભીડ ।
ઉભરણી (સં.) કમરેકી ઉંચાઈ ।
ઉભળવું (ક્રિ.) પલટાવ, પૂર્વદશા મેં આજાના, ઉધડાહુવા, ઉબલાહુવા
ઉભું (વિ.) બહુતઠાઢ, ખડા. સિરકેવલ, સીધા ।
ઉભું થવું (ક્રિ.) ખડાહોના ।
ઉભું રાખવું (ક્રિ.) ઠહરાના. ખડારખના, રોકના ।
ઉભેળવું (ક્રિ.) બલનિકાલના, ઉધેડના, ઔંટખોલાના ।
ઉભ્યાં ઉભ્યાં (ક્રિ. વિ.) તત્ક્ષણ. ઉસીદમ, તુરત, ખડેખડે ।
ઉભોમાર્ગ (સં.) ઊંચા રાસ્તા. મુખ્ય સડક । [પ્રસન્નતા ।
ઉમંગ (સં.) આનન્દ, ખુશી, હર્ષ
ઉમદા (સં.) બડા, ઉમ્દા, શ્રેષ્ઠ પ્રસિદ્ધ ।
ઉમર (સં.) આયુ, અવસ્થા, ઉમ્ર ।
ઉમરાવ (સં.) કુલીન મનુષ્ય, શરીફ આદમી, નવાબ ।
ઉમરાવકન્યા (સં.) નવાબકી લડકી ।
ઉમરાવકુમાર (સં.) નવાબકા લડકા।
ઉમળકો (સં.) ગૌરવ, અત્યંત-પ્રેમ । [શિવા, ગૌરી ।
ઉમા (સં.) પાર્વતી, પિંજા,
ઉમેદ (સં.) આશા, ઇચ્છા, લાલસા આકાંક્ષા । [ભિલાષી, પ્રાર્થી,
ઉમેદવાર (સં.) અભિલાષી, પદા-
ઉમેરણ (સં.) જોડ, સંકલન, બઢતી ।
ઉમેરવું (ક્રિ.) બઢાના, જોડના ।
ઉમેરો (સં.) જોડ, વૃદ્ધિ, બઢત ।
ઉર (સં.) વક્ષસ્થળ, છાતી, દિલ, હૃદય, ગોદી ।
ઉરગ (સં.) સાંપ, સર્પ, પન્નગ
ઉરબવું (ક્રિ.) લટકના, ઝૂલના, ટાંગના । [ઉર્ફે ।
ઉર્ફે (વિ.) યા, અથવા ઉપનામ,
ઉર્મિ (સં.) લહર, પ્રકાશ, તરંગ, ખુશી, આનન્દ ।
ઉરાડવું (ક્રિ.) ફેકના, ઉડાના, દાવા રદ કરના ।
ઉલંગવું (ક્રિ.) લાંઘના, તોડના, ઉલ્લંઘન કરના, ભંગ કરના ।
ઉલટ (સં.) ઉત્સાહ, જોશ, ઉમંગ, આનંદ, પ્રસન્નતા, હર્ષ ખુશી ।
ઉલટ પાલટ-પુલટ (વિ.) અવ્યવ-સ્થિત, સ્થાનચ્યુત, ઉલટ પુલટ ।
ઉલટભેર (ક્રિ. વિ.) આનન્દ સે પ્રસન્નતાસે, ઉત્સુકતાસે ।
ઉલાળવું (ક્રિ.) ઔંધાના, ચોટ દેના, ડૈંડેલ દેના ।

ઉલટી (સં.) વમન, ઓકિ, કય ।
ઉલટી કરવી (ક્રિ.) ઓકરના, ઓદના, વમન કરના ।
ઉલટું (ક્રિ. વિ.) વિપરીત, વિરુદ્ધ વિપક્ષ, (વિ.) ઔંધા, ઉલટા ।
ઉલાળો (સં.) એક પ્રકારકી કાઢ કી ચટખની, ઠંડી સાંસ, ઉબકાઈ ।
ઉલટો અર્થ (સં.) અશુદ્ધ અર્થ ।
ઉલટો અર્થ કરવું (ક્રિ.) બાત ફેરના, વિપરીત અર્થ કરના ।
ઉલ્કાપાત (સં.) બિજલી પતન, વજ્રપાત, અચાનક આપદ્ ।
ઉલ્લંઘન (સં.) અતિક્રમણ, પાર પહુંચના, આજ્ઞાભંગ, ઉપરસેજાના ।
ઉલ્લાસ (સં.) આલ્હાદ, આનન્દ, ખુશી, હર્ષ,
ઉલ્લુ (વિ.) મૂર્ખ મૂઢ, શઠ ।
ઉલેચવું (ક્રિ.) મૂંઠા કલંક લગાના, અપયશ દેના । [ઉંડેલના ।
ઉલેચવું (ક્રિ.) ખાલી કરના,
ઉશ્કેરવું (ક્રિ.) ઉત્તેજિક કરના, ભપકી દેના, ઉભાડના, ઉસ્કાના ।
ઉષ્ણ (સં.) ગર્મ, તાતા
ઉષ્ણ કટિબંધ (સં.) ગર્મ ઘેરા, ઉષ્ણ ભૂકટિબંધ ।
ઉષ્ણતા (સં.) ગર્મી, તાપ,
ઉષ્ણ માપક યંત્ર (સં.) ગર્માંમીટર, તાપમાપક યંત્ર ।
ઉષ્ણોદક (સં.) ગર્મજલ, તાતાજલ ।
ઉસ (સં.) કાર્બોનેટ સોડા, ગલા, સોંઠ, ઉસ । [મજબૂત, દૃઢ ।
ઉસ્તગાર (સં.) વીર, બહાદુર,
ઉસ્તવારી (સં.) શક્તિ, બલ, પૌરુષ ।
ઉસ્તાદ (સં.) શિક્ષક, અધ્યાપક, ઉપદેશક ।
ઉસ્તાદી (વિ.) મક્કારી, ચાલાકી, હોશિયારી, ચાતુરી, હુનરમન્દી ।
ઉસીકું (સં.) તકિયા [કરના ।
ઉસેડવું (ક્રિ.) ફેંકના, નિર્મલ
ઉસેડી નાંખવું (ક્રિ.) ફેંક દેના ।
ઊંઘું (વિ.) નહીં, મત ।

ઋ

ઋ=ગુજરાતી વર્ણમાલા કા સાતવાં અક્ષર ।
ઋણ (સં.) કર્જા, ઉધાર,
ઋણપત્ર (સં.) કર્જેકા તમસ્સુક ।
ઋતુ (સં.) વસન્ત આદિ છઃ પ્રકારકા કાલ, સ્ત્રીકુસુમ, રજોદર્શન ।
ઋતુદર્શન (સં.) પ્રથમ રજોદર્શન ।
ઋતુપ્રાપ્તિ (સં.) બહાર આના, મૌસિમકા આરંભ । [મદન ।
ઋતુરાજ (સં.) વસંતઋતુ, કામદેવ,
ઋતુવંતી (સં.) ઋતુસ્નાતા, ઋતુમતી ।

ઋષભ (સં.) બૈલ, વૃષભ, સાંઢ।
ઋષિ (સં.) મુનિ, યોગી, તપસ્વી।
ઋષિકેસ (સં.) વિષ્ણુ, [પંચમી।
ઋષિપંચમી (સં.) ભાદોં સુદી
ઋષિપત્ની (સં.) મુનિભાર્યા, તપસ્વિની।

એ

એ=ગુજરાતી વર્ણમાલા કા આઠવાઁ અક્ષર। [ઓ। એ।
એ (સર્વ૰) યહ, વહ (વિસ્મ૰)
એઉ (સર્વ.) વે, યે,
એક (સં.) એકાઈ, એક।
એકએક (વિ.) પ્રત્યેક, નમ્બરસે, ક્રમશઃ, એક એક કરકે।
એક કાલિક-કી (વિ.) સમવયસ્ક, તુલ્યવયસ કા, હમઉમર, સમકાલીન। [એક બાજૂ।
એક કોરે (ક્રિ. વિ.) એક તરફ,
એક ચઢે (વિ.) બઢ़ા, આલા, સર્વ શ્રેષ્ઠ, પ્રધાન, મહાન, પરમ, પૂરા, બિલકુલ।
એકચિત્ત (સં.) એક મન, એકાન્તી, અનન્યમનાઃ। [બઢ़ા।
એક ચ્ચે (વિ.) સર્વ શ્રેષ્ઠ, મહાન,
એકજ (વિ.) એક માત્ર, એકહી, એક સાઁ, ઉસી તરહ, સમાન, સદૃશ। [મનુષ્ય।
એક જણ (સં.) એક આદમી, એક
એક જગ્યે (ક્રિ. વિ.) એકત્ર, એક ઢેરમ।
એકજાત (વિ.) સજાતિ, એકસા, એકરંગ, એક સમાન, ઉસી તરહ કા।
એકઠું (વિ.) ઇકટ્ઠા, એકત્રિત।
એકઠું કરવું (ક્રિ.) ઇકટ્ઠા કરના, સંગ્રહ કરના, ઢેર કરના, મિલાના, જોડ़ના। [મિલના।
એકઠું થવું (ક્રિ.) સભા કરના,
એકડે એક (સં.) ગણિત કા નિયમ જો સંખ્યા લિખના સિખાતા હૈ।
એકડો (સં.) એક કા અંક, હસ્તાક્ષર, ચિન્હ, નિશાની।
એકડો કરવો (ક્રિ.) હસ્તાક્ષર કરના, ચિન્હ કરના।
એકદાણિયું (વિ.) ઢલાવ કી છત, ઢાલૂ છત।
એકદંરે (ક્રિ વિ.) લગાતાર, બરાબર, એકમત સે, સર્વ સમ્મતિ સે।
એકદરે (ક્રિ. વિ.) એક ઓર, એક બાજૂ। [દારી।
એકદરશી (સં.) પક્ષપાતી, તરફ-
એકતાર (વિ.) એક બરાબર, ઇક તારા, એક તાર કા વાદ્યયંત્ર, તમ્બૂરા।

એક તાલ (સં.) રાગ કા માપ તૌલ, સમતાલ, એક સ્વર।

એકત્ર (વિ.) ઇકઠ્ઠા, મિલા હુવા।

એકત્વ (સં.) ઐક્ય, એકા, નિજ-ભાવ।

એક દંડી (સં.) અંતિમ સ્વાસ।

એકદમ (ક્રિ.વિ.) ફૌરન્, તુરંત।

એક દિલી (સં.) મેલ, એકલય, મતૈક્ય, એકમતા। [દૃષ્ટિ।

એક દૃષ્ટિ (સં.) ઇકટકી, ઇકટક,

એક દેશી (વિ.) એક દેશ કા, સ્વદેશી, એક નગર કા।[વાલા।

એકધારી (વિ.) એક ઓર ધાર

એક નિશ્ચય (સં.) દૃઢ વિચાર, દૃઢ સંકલ્પ, પક્કા ઇરાદા।

એકનિષ્ઠા (સં.) વફાદારી, એકહી વિષય પર આસક્તિ, ઈમાનદારી।

એકનું એક (વિ.) સિર્ફ, કેવલ, વહી, એક સમાન।

એકંદર (સં.) ઇકઠ્ઠા જોડ, કુલ, સબ, તમામ, ઇકઠ્ઠા। [વિચાર।

એકમત (વિ.) એકરાય, એક

એકમાર્ગી (વિ.) એક પથ પર ચલને વાલા।

એકમેક (વિ.) મિલા હુવા, પરસ્પર દુસર્રા, આપસકા। [વાલા।

એકરસ (વિ.) એકસા, ન બદલને

એકરાર (સં.) વચ, પવિત્ર વચન, ધાર્મિક વચન, ઇકરાર।

એકરારનામું (સં.) શપથ લેખ, શપથ પત્ર, હલફનામા। [ગર્ણી।

એકલપેટું (સં.) સ્વાર્થી, સુદ

એકલું (વિ.) અકેલા, કેવલ, એક માત્ર।

એકવચન (સં.) વ્યાકરણ મેં એક વચન, એક કા દ્યોતક શબ્દ।

એક વફની (સં.) ઇકરાર, વફા-દાર, ભક્ત, સચ્ચા, ખરા।

એકવું (સં.) સુકા હુવા, દુબલા માસહીન, અકેલા।

એકવર્ણ (સં.) એક જાતિ, જાતીય, સ્વજાતિ, સજાતિ।

એકવાર (ક્રિ.) એક સમય, એકદા, એક દિન, એક કાલ।

એક વિચાર (સં.) સમાન વિચાર, મિલે હુએ વિચાર, એકરાય।

એકસંઘ (સં.) મેલ, એકા, નાતા, ઐક્ય, સંઘ।

એક સરખું (વિ.) એક મોતાબિક, એકસા, એક સમાન।

એક હથું (વિ.) એક મનુષ્યદ્વારા પ્રબન્ધ કિયા હુવા।

એકાંતરો (વિ.) વારી વારી થી, બદલ બદલ, પારી પારી આને વાલા, અન્તરેકા, એક દિન બાદ આને વાલા જ્વર। [અચાનક।

એકાએક (ક્રિ. વિ.) અકસ્માત,

એકાકાર (સં.) મેલજોલ, ખિચડી

એકાગ્ર–તા (વિ.) સ્થિરચિત્, એક ચિત્ત, એકાગ્ર ચિત્તતા।

એકાત્મા૨ (સં.) એકાકાર, એક સમાન આવરણ।

એકાદ–દું (વિ.) કોઈએક, એકાધા, કોઈ, કિસી, કુછ, થોડા।

એકાદશી (સં.) ગ્યારસ, ગ્યારહવી તિથિ સૌર માસ કી।

એકાદું (વિ.) એકયાદો, કોઈ એક।

એકાંત (સં.) નિરાલ્મ, અલગ, નિર્જન ભિન્ન, ખાનગી કમરા।

એકાંતરિયો (સં.) ઇકોંતરા જ્વર।

એકાંત વાસ (સ.) એકાકી રહના અલગ રહના।

એકી (સં.) વિષમ સંખ્યા, પાઠશાલા કે વિદ્યાર્થિયોં દ્વારા કિયા જાને પેશાબ કે લિયે સંકેત।

એકીન (સં.) વિશ્વાસ, યકીન।

એકી બેકા (સં.) એક પ્રકાર કા સમ વિષમ કા ખેલ।

એકે એક–કેક–કેકું (ક્રિ. વિ.) સબ સમસ્ત, સબ અલગ અલગ કર કે લિયે ગયે, પ્રત્યેક, હરેક।

એકો (સં.) ઇક્કા, બૈલકી ગાડી, એકા, ઐક્ય (વિ.) દુર્લભ્ય, અનૂઠા।

એખરો (સં.) એક પ્રકાર કા ઔષધ, ઇન્કાર, અસ્વીકાર।

એખલાસ (સં.) પ્રેમ, પ્રીતિ, મુહબ્બત।

એજ (વિ.) યહી। [બુલાવા।

એજન (ક્રિ. વિ.) યહી, નિમંત્રણ,

એજ પ્રમાણે–ધુનો (ક્રિ. વિ.) ઐસા, ઇસી ભાંતિ, ઇસી પ્રકાર।

એટલામાં (ક્રિ. વિ.) ઇસીબીચ, ઇતનેમેં।

એટલા માટે (અવ્ય.) ઇસલિયે, અતએવ, ઇસકારણ, તસ્માત્, અતઃ

એટલું (વિ.) ઇતના અધિક, ઐસા જિયાદઃ।

એટલે (ક્રિ. વિ.) અર્થાત્, યાની, દૂસરે શબ્દોં મેં, અતએવ।

એટલે કે (ક્રિ. વિ.) અર્થાત્ યાની,

એટલે લગી–સુધી (ક્રિ. વિ.) અબતક, ઇસ સમય તક।

એઠવાડ (સં.) ઉચ્છિષ્ટ, જૂઠન,

એઠું (સં.) જૂઠા બચાહુવા ભોજન મેં કા શેષ। [અશ્વતોદન।

એડી (સં.) એડ, એડીમારના

ओऽ (सं.) मेढ़ा, मेढ़ी ।

ओथीडाइ–रे–अम (क्रि. वि.) इस तरफ, यहाँ, यहाँ ।

ओछे (सर्व.) यह ।

ओदी (सं. ; सुस्त, काहिल मूर्ख मन्द निकम्मा, अधम, खल ।

ओधाणु–णी (सं.) चिन्ह, निशान, पता ।

ओन (सं.) सूक्ष्मसमय, थोड़ा समय, (वि.) ठीक, उत्तम, उम्दा, श्रेष्ठ,

ओ प्रकारे–प्रभाछे (क्रि. वि.) इस भांति, इस तरह ऐसे । [पता ।

ओप (सं.) अवगुण, दोष, कुल-

ओभऽ (सं.) अकस्मात भय,

ओम (क्रि. वि.) ऐसे, ऐसा, इस तरह ।

ओम करतां–छतां (अव्य.) ऐसा करनेपर, तोहम, फिर भी, तौ भी तथापि ।

ओमनुओम (क्रि. वि.) जैसा का तैसा, ऐसा ।

ओरणु (सं.) निहाई ।

ओरंडियुं (सं.) अरंडी का तेल, कास्टर ऑइल ।

ओरंडो–डी (सं.) एरण्ड का पेड़, एरण्डी, एरण्ड ।

ओरो (सं.) गमनागमन, आना-जाना, पानी का बर्तन ।

ओलखी (सं.) राजदूत, दलाल, इलायची । [इच्छा, वगैरिश ।

ओलतेभास (सं.) प्रार्थना, अर्ज,

ओलवेल (वि.) निंदा गाली, गलौज़, गुस्ताखी बेअदबी (सं.) उछल कूद, खेल कुलेल ।

ओलाडिउं (सं.) अलग, जुदा, निराला, मुस्तालिफ ।

ओवडुं (क्रि. वि.) इतना बड़ा, इतना अधिक ।

ओवान (सं.) बड़ाकमरा, सजित कमरा, दालान । [इसी वक्त ।

ओवारां (क्रि. वि.) इसीबीच, तब,

ओवुं (वि.) ऐसा, यह,

ओश (सं.) आनन्द, भोग, विलास, ऐश इशरत । [ऐश इशरत ।

ओश आराम (सं.) आनन्दभोग,

ओसरेऽ पाणा (सं.) अगवानी, मेहमान के स्वागत के लिये घर से बाहर गमन । [पागल ।

ओहभऽ (वि.) मूर्ख, बेवकूफ,

ओहवाल (सं.) हाल, दशा, बयान, वर्णन ।

ओहसान (सं.) कृपा दया,

ओळ (सं.) झांझ, कीड़ा, [बगर ।

ओळियो (सं.) मुसब्बर, घीकुवार

ઓળે (કિ. વિ.) વ્યર્થ, ફુજૂલ, અકારથ । [વિશ્વાસ, ભરોસા ।
ઓંઠ (સં.) હઠ, જિદ્, સરકશી,

ઔ

ઔ=ગુજરાતી વર્ણમાલા કા ૧૪ વૉ અક્ષર [મૌસિમ ઋતુ ।
ઔઆમ—યામ (સં.) સમય,
ઔક્ય (સં.) એકા, સંઘ, મેળ ।
ઔતિહાસિક (વિ.) હતિહાસ સમ્બન્ધી । [વાહન
ઔરાવત (સં.) હાથી, ઇન્દ્ર કા
ઔહિક (વિ.) પૃથ્વી કા, યહાં કા ।

ઓ

ઓ=ગુજરાતી વર્ણમાલા કા દસવાં અક્ષર ।
ઓ (વિસ્મ૦) ઓહ ! અરે ! અફસોસ બુલાવે કા ઉત્તર ।
ઓકવાં કરવાં (ક્રિ.) નિગલના હડપ કરના, ખાજાના ।
ઓક (સં.) કય, વમન ઉલટી, છર્દિ ।
ઓકવું (ક્રિ.) વમન કરના, કય કરના, ઉલટી કરના ।
ઓકારી (સં.) કામ, વમન, ઉલટી
ઓખદ-દ (સં.) દવા, ઔષધિ,
ઓખર (સં.) પદ, ઉપનામ,
ઓખરવું (ક્રિ.) ગોબરખાના, લીદખાના ।
ઓખાણું (સં.) પહેલી બુઝૌવલ,
ઓગઃ (સં.) પશુ કા શેષ ચારા, પશુ કા બાકી દાના યા ભોજન ।
ઓગરાળો (સં.) બડ़ા ચમચા, બડ़ા કરછુલ ।
ઓગળવું (ક્રિ.) પિઘલના, ટિઘલના, ગલના, દ્રવીભૂત હોના ।
ઓધ (સં.) માફ़, ચલતા હુવા, ચઢાવ, ધાર બહુતાયત ।
ઓધો (સં.) ઘાસ કા ગંજ, અન્ન કા ખજાના, ઉની વસ્ત્ર જો જૈનિયોંકે કામ મેં આતી હૈ ।
ઓધો ખાળવો (ક્રિ.) બોકાસે પકડ़ા દેના, ઘાસકે ઢેર જલાના, ગુપ્ત બાત પ્રકટ કરના ।
ઓચ્છ—ઓચ્છરીયું (સં.) લેખ, પ્રમાણ, દસ્તાવેજ़, સનદ, રસીદ,
ઓચ્છરવું (ક્રિ.) બોલના, કહના, ઉચ્ચારણ કરના ।
ઓચ્ચીંતું (વિ.) અચાનક, અકસ્માત્, યકાયક । [દિન ।
ઓચ્છવ (સં.) ઉત્સવ, હર્ષ, છુટ્ટીકા
ઓછંગ (સં.) છાતી, હૃદય, ગોદ,
ઓછાડ (સં.) દક્કન

ઓછું (વિ.) કમ, થોડા ઇચ્છા।
ઓછું પાત્ર (વિ.) નીચકુલકા, घमंडी, अहंकारी। [न्यूनाधिक।
ઓછું વધું (ક્રિ.) कम जियादः,
ઓજાર (સં.) हथियार, औजार।
ઓઝ (સં.) जलाशय, कुंड, ताल, सोते हुए मनुष्य के मुहँसे लार टपकना।
ઓઝટ (સં.) साया, छाया, परछांई, भूत प्रेत का असर।
ઓઝપવું (ક્રિ.) झेपना, शर्मिन्दा होना, लज्जित होना।
ઓઝલ (સં.) घूँघट, ओट, पर्दा, जनानखाना, अंतःपुर।
ઓઝલ પડદો (સં.) पर्दा जो स्त्रियों के लिये किया जाता है।
ઓઝો (સં.) भार, बोझा, वज़न, कुम्हार, बर्तनवाला।
ઓટ (સં.) भाटा, उतार, घटती।
ઓટકાર-કાર (સં.) डकार।
ઓટલી-લો (સં.) बरामदा, बरंडा, ओटा, उसारा।
ઓટવું (ક્રિ.) पोशाक को गोट लगाना, कपड़े को मगजी लगाना।
ઓટી (સં.) पजामे का कावेल।
ઓટપવું (હિ.) दूर निकल जाना, कपट प्रबन्ध करना, अधम प्रेम करना।
ઓઠીંગવું (ક્રિ.) सहारा लेना, तकिया लगाना, आराम करना।
ઓઢું (સં.) छाया, नमूना, आदर्श, छाया, प्रतिबिम्ब।
ઓઢ (સં.) छाया या छादन (बैलों के लिये।)
ઓઢવું (ક્રિ.) पहिनना, ओढ़ना।
ઓઢણી-ણું (સં.) स्त्रियों के ओढने का उपवस्त्र, ओढना, फरिया, लुगड़ी।
ઓઢપવું (ક્રિ.) देखो ઓઢવું। [शूला
ઓઢા (સં.) बैलों को उढ़ाने की
ઓઢારવું (ક્રિ.) उंडेलना, साँचा बनाना, ढालना
ઓથ-થો (સં.) मदद, सहारा, सहायता, शरण, आश्रय।
ઓથાળું બરાબર રહેવું (ક્રિ.) घात के स्थान में लेट रहना।
ઓદન (સં.) उबले हुवे चावल, भात, भोजन, भक्ष्य।
ઓધરવું (ક્રિ.) अमा करना, छोड़ना, मुक्त करना।
ઓધાન (सं. गर्भ, आधान, हमल,
ઓધાર (સં.) नजात, मुक्ति, मोक्ष, उद्धार, पापोंसे छुटकारा।
ઓપરે ઉતરવું (ક્રિ.) अधिकार पाना, वारिस होना। [सहारा लेना।
ઓપરે લેવું (ક્રિ.) आश्रय लेना,

ઓહદેદાર (સં.) ઓહદેદાર, અફસર,
ઓહો (સં.) પદ, દર્જા, શ્રેણી, માન।
ઓપ (સં.) ચમક, મુલમ્મા।
ઓપણી (સં.) મુલમ્મા કરનેકા ઔજાર, ચમક કરનેવાલા।
ઓપવું (ક્રિ.) ચમક કરના મુલમ્મા કરના। [આશ્ચર્ય।
ઓય (વિસ્મ.) અફસોસ ! ખેદ,
ઓર (ક્રિ. વિ.) ઔર, ઔરભી, અલવા (સં.) નાલ જો બાલક કી નાભિસે લગા હોતા હૈ (જન્મ કે સમય) પાંતિ, પંક્તિ।
ઓરડી (સં.) કોઠરી, છોટા કમરા।
ઓરડો (સં.) કોઠા બડ઼ા કમરા।
ઓરડો કરવો (ક્રિ.) પતિ પત્ની કો ઉનકી તરુણા અવસ્થા મેં એક અલગ કમરા દેના।
ઓરણું (સં.) અન્ન બોને કી બાંસ કી નલિકા। ઓરના।
ઓરણી (સં.) બોનીકા વક્ત, અન્ન બપન કા સમય, ઓરના।
ઓરત (સં.) સ્ત્રી, લુગાઈ, પત્ની।
ઓરતો (સં) ઇચ્છા, ચાહ, ખ્વાહિશ, લાલસા, અભિલાષા।
ઓરમાઈ (વિ.) સૌતેલી મા, પિતાકી કિંતુ દૂસરી માતા।
ઓરસુ (સં.) એક પ્રકારકા ગાઢ઼ા ભોજન જો ઘી આટે પ્રભૃતિસે બનતા હૈ। [ગલતેક ભરના।
ઓરવું (ક્રિ.) બોના બખેરના ફેંકના,
ઓરસિયો (સં.) ઓરસા, ઉરસા, પત્થર જો ચન્દનાદિ ઘિસને કે કામ મેં આતા હૈ। [પહિરાના।
ઓરાઢવું (ક્રિ.) ઉઢાના, વસ્ત્ર
ઓરિયો (સં.) દેખો ઓરતો।
ઓરી (સં.) હલકી ચેચક એક બીમારી, શીતલામાતા કા રોગ।
ઓરો (સં.) નિકટ, પાસ, ઇધર।
ઓલ (સં.) શરીરબન્ધક, જમાનત, પાંતિ, પંક્તિ, જીભ છીલને કા, જિહ્વા મલ દૂર કરને કા।
ઓલું (સં.) ઉપલ, આલે,
ઓલા (સં.) ચમડ઼ા, ચર્મ, ખાલ।
ઓલાદ (સં.) સંતાન, વંશજ,
ઓલિયું (સં) સાદા, ભોલા, સાફ, બડ઼ા, ભલા।
ઓલેદોલો (વિ,) ઉદાર, દાનશીલ
ઓવારો (સં.) નદીકાનીર, તટ।
ઓશવું (ક્રિ.) શર્માજાના લજ્જિત હોના, શર્મિન્દાહોના।
ઓશિયાળું (વિ.) એહસાનમંદ, ઝુકનુમાર, કૃતજ્ઞ, ઋણી।
ઓસ (સં.) શબનમ, ઓસ।

ઓસડ (सं.) औषधि, भेषज, दवा। [उस्ताद।
ઓસ્તાદ (सं.) शिक्षक, गुरु,
ઓસરવું (क्रि.) घटना, कमहोना पीछेहटना, पीठदेना।
ઓસરી (सं.) बरामदा, मकान के सामनेका भाग, उसारा।
ઓસારવું (! क्रि.) कमकरना, घटाना।
ઓસાવવું (क्रि.) चावल आदि उबालकर पानी या माड़निकालना पसाना।
ઓસિયાળું (वि.) आधीन, अवलम्बित, गरीब, कंगाल, दरिद्र। [कृतज्ञता।
ઓસિંગણુ (सं.) एसानमन्दी,
ઓસીકું-શીકું (सं.) तकिया, सहारा। [कतार,।
ઓળ (सं.) पंक्ति, लकीर, सतर,
ઓળખ (सं.) पहिचान, परिचय उपनाम, वंशनाम, चिन्ह।
ઓળખવું (क्रि.) जानना, पहिचानना। [हेलमेल, परिचय।
ઓળખાણ (सं.) पहिचान,
ઓળખાવવું (क्रि.) परिचय कराना, मुलाकात कराना।
ઓળખવું (क्रि.) जानना, पहिचानना।
ઓળખીતું (वि.) जाना, पहिचाना।
ઓળગ (सं.) आशिर्वाद, भोजन करचुकनेपर आशिर्वाद।
ઓળંગવું (क्रि.) लांघना, कूदना, उलांघना।
ઓળંઓ-ઓ (सं.) शिकायत, ताना, तानेबाजी, दोष।
ઓળવવું (क्रि.) बेजा काम में लाना, खा जाना, निकाल देना।
ઓળા (सं.) हरे चने, होला।
ઓળાગણુ (सं.) आशिर्वाद लेने का दस्तूर। [कागज।
ઓળિયું (सं.) हिसाब का कच्चा
ઓળું (वि.) भीगा, आला, गीला, साला।
ઓળો (सं.) छाया, पनाह, आड़।

ઔ

ઔ = गुजराती भाषा की वर्णमाला का ग्यारहवाँ अक्षर।
ઔદાર્ય (सं.) उदारता, फैयाजी, बड़प्पन। [उदासी।
ઔદાસ્ય (सं.) रंज, गम, फिक्र,
ઔરસ (सं.) आत्मज, विवाहित पत्नी से उत्पन्न पुत्र।

ઔષધ (સં.) દવાઈ, भेषज, रोग नाशक द्रव्य ।

ઔષધી (સં.) जड़ी, बूटी,

ઔંસ (સં.) $\frac{1}{16}$ पौंड, पाउण्ड का १६ वां भाग ।

ક

ક = गुजराती वर्णमाला का बारहवां अक्षर, व्यंजनों का प्रथम अक्षर, बुरापन आदि अर्थों का बोधक।

કંઈક-એક (वि.) कोई वस्तु, किंचित्, कुच्छ, थोड़ा ।

કંઈ નહિં (क्रि. वि.) कुछ नहीं, कुछ चिंता नहीं । [चित, विरुद्ध ।

કંઈનું કંઈ (सं.) अयोग्य, अनु-

કંઈ પણ-પી (क्रि. वि.) कुछभी, किंचित भी ।

કંસારી (सं.) झींगुर ।

કંઈ (सर्व) क्या ? कौन ?

કંઈક (वि.) कई, बहुतसे, कुछ ।

કંઉમત (सं.) शक्ति, बल, ताकत, पौरुष, सत्व ।

કંઋતુ (सं.) ऋतुविपर्य्यय, असामायिक ऋतु ।

કંકડું (वि.) उबलता हुवा गर्म, अत्यंत, अधिक ।

કંકડવું (क्रि.) थर्राना (ठंडसे), थरथराना, बहुत गर्म करना ।

કંકડા કંકવા (क्रि.) टुकड़े २ करना,

કંકડાવવું (क्रि.) गर्म करना, उबालना, दाँत पीसना, किचकिचाना ।

કંકડી-કેરૂ-ક (वि.) छोटा टुकड़ा,

કંકડીને (क्रि. वि.) गंभीरतासे, कठिनतासे, प्रबलतासे । [भाग।

કંકડો (सं.) टुकड़ा, खण्ड, कतल,

કંકડો-કેરૂ (वि.) छोटा टुकड़ा ।

કંકથુ-ટો (सं.) घृणा, अरुचि, नफरत, । [असमान ।

કંકરું (वि.) खुरदरा, नाहमवार,

કંકલવું-ળવું (क्रि.) बड़बड़ाना, गुरगुराना, कुड़कुड़ाना ।

કંકળાટ (सं.) बड़े जोरकी गुर्राहट, उच्च स्वर से बड़बड़ाहट ।

કંકળાણ (सं.) विलाप, शोक ।

કંક્ષ (सं.) कोख, पेटकी बाजू ।

કંક્ષા (सं.) अद्वपथ, जहाज़का रस्ता, कक्षा ।

કંક (सं.) सारसपक्षी, बगुला,

કંકણ (सं.) चूड़ी, कंगन ।

કંકર (सं.) कंकड़, साधारण पत्थर ।

કંકાસ (सं.) कलह, लड़ाई, झगड़ा, रार, बखेड़ा।

કંકાસિયું (वि.) झगडालू, लड़ाकू, बखेड़ी ।

કંકુ (सं.) रोली, कुमकुम, तिलक लगाने का लाल पाउडर ।

કંકુડો (સં.) કાગળની પતંગ, પંખ
કંકોડી (સં.) એક પ્રકારનું ચૂર્ણ જે હિન્દુઓના લગ્ન સમયે કામ આવે છે. [પત્ર.
કંકોત્રી (સં.) વિવાહનું નિમંત્રણ
કંકોલ (સં.) ઔષધિ વિશેષ.
કંગણ (સં.) જુઓ કંકણ.
કંગાલ (સં.) દીન, ગરીબ અધમ નિર્ધન, દરિદ્ર. [દીનતા.
કંગાલિયત (સં.) ગરીબી, દરિદ્રતા
કંગુરા (સં.) મીનાર શિખર.
કચ (સં.) તંગ રસ્તો, સંકીર્ણ માર્ગ.
કચ કચ (સં.) બકબક, બકઝક બડબડાહટ, બકવાદ.
કચકચાટ (સં.) પૂર્વવત્.
કચકચાવું (ક્રિ.) જોરથી બાંધવું, દાંત પીસવા. [થી, દૃઢતા પૂર્વક.
કચકચાવીને (ક્રિ. વિ.) મજબૂતી
કચકચીયું (વિ.) હઠી, મુહેંજોર, ગુસ્તાખ, હલ્લા કરનારું શોર મચાવનારું.
કચકડું (સં.) કાચબાની ઢાલ, કાચબાની પીઠ. [કરવું મસળવું.
કચરવું (ક્રિ.) કચડવું, પગદલિત
કચડા કચડી (સં.) મનુષ્યોના એકત્ર હોવાના કારણ ભીંસાવું, ભીડ, સૂક્ષ્મસમય.
કચડાવું (ક્રિ.) કચડાઈ જવું,
કચપચ (સં.) મૂર્ખતાપૂર્ણ વાત બકબક.
કચરઘાણ વળવું-વું (ક્રિ.) ટુકડે ટુકડે થઈ જવું, કચડાઈ મરી જવું.
કચરાપટી-કચરાવાળો (સં.) ભંગી, મેહતર. [દલિત થવું.
કચરાવું (ક્રિ.) કચડાઈ જવું, પદ
કચરીયું (સં.) કચ્ચા સાગનું આચાર, રાયતું.
કચરો (સં.) મેલ, ગન્દા, કૂડા, બે કામ, અવશિષ્ટ, નિકમ્મા.
કચરો કઢાવવો (ક્રિ.) ઝાડવું, બુહારવું, સાફ કરવું.
કચવાટ (સં.) ઘબરાહટ અસુવિધા, અસમ્મત.
કચવાવું (ક્રિ.) હિચકિચાવું, આગાપીછા કરવું.
કચાટ (સં.) જુઓ, કચકચ.
કચાટિયું (વિ.) મુહેંજોરી, ઉલઝાવું હુવા પેચદાર.
કચુંબર-ચૂબર (સં.) કચ્ચા અચાર, છોટે છોટે ટુકડે. [દફતર.
કચેરી (સં.) અદાલત, બડા કમરા
કચ્ચર (સં.) એક છોટા ટુકડા, કુચલન.

કચરપાયુ (સં.) અત્યંત કુચલા હુવા, વિધ્વંશ, ક્ષય, નાશ ।

કચ્ચાં બચ્ચાં (સં.) બાલબચ્ચે ।

કચ્ચાપ્પ–સ (સં.) અપક્વતા, કેપકા, નાતજુર્બેકારી, અનાડ़ી પના ।

કચ્છ–છો (સં.) લંગોટા, કછની કછુઆ, કચ્છપ ।

કછોટી–ળંધ (સં.) લંગોટી, લંગોટ ।

કજળવું (ક્રિ.) રાખ સેડકજાના, કજલાજાના ।

કજ્ઞ (સં.) હોની, ભાવી, ભાગ્ય, બદકિસ્મતી, દુર્ભાગ્ય, મૃત્યુ, મીત ।

કજ્ઞાત (વિ.) બુરા, પાપી, દુષ્ટ, નીચ, નીચ વંશકા ।

કજ્ઞ રજ્ઞ (સં-) દેખો કજ્ઞ

કજ્ઞાળેાર (વિ.) ઝગડ़ાલૂ, લડ़ાકૂ ।

કજ્ઞા દલાલ (વિ.) વહ જો લડ़ાઈ યા ઝઘડ़ા છિડ़ાતા હૈ ।

કજ્ઞેા (સં.) ઝગડ़ા, વિવાદ, નારાજી, મુકદ્દમા, અભિયોગ ।

કજ્ઞેા પતાવવેા (ક્રિ.) લડ़ાઈ મિટાના, ઝગડ़ા સાફ કરના ।

કજ્ઞેા ભાંડી ખાણવેા (ક્રિ.) ઝગડ़ા આપસ મેં મિટા લેના । [ઉઠાના ।

કજ્ઞેા વહેારવેા (ક્રિ.) ઝગડ़ા કજ્ઞેહ (વિ.) અસમાન, અબરાબર; મિલ બે મેળ ।

કંચન (સં.) સ્વર્ણ, સોના, ધન ।

કંચની (સં.) છિનાલ, વેશ્યા, રંડી, નાચનેવાલી ।

કંચવેા–ચુડી (વિ.) અંગિયા, ચોલી।

કંજુસ (વિ.) કૃપણ, સૂમ, લાલચી । [૩ મીલકા ૧ માપ ।

કટ (સં.) કમર, કટકટ શબ્દ,

કટક (સં.) સેના, ફૌજ, કલાઈ, પહુંચી ।

કટકટ (સં.) લડ़ાઈ, ઝગડ़ા, તકરાર, એક પ્રકાર કા શબ્દ ।

કટકેા (સં.) ટુકડ़ા, ખણ્ડ ।

કટાકટ–ી (સં.) પ્રાણઘાતિની, શત્રુતા, હત્યા, વધ, કતલ ।

કટાક્ષ (સં.) તિરછી નિગાહ, દૃષ્ટિ ઇશારા, નજર ।

કટાયું (વિ.) ઘૃણા, અરુચિ, મુર્ચા લગા હુવા, પુરાના ।

કટાર–રી (સં.) ખંજર, છુરી ।

કટિ (સં.) કમર, કોલ ।

કટિબંધ (સં.) કમરબંધા, પટકા, કરધની, કટિસૂત્ર, તાગડ़ી ।

કટિસ્નાન (સં.) પૈરસે છાતી કે નીચે તક કા નહાના ।

કડુ (સં.) કડવા, તીક્ષ્ણ,

કડેરો (સં.) કટોરા લોહેકે છડોંકીબાડ, કલહરા।

કડોરી-રો (સં.) બેલા, બેલી પ્યાલા।

કડું (વિ.) બદલાલેનેવાલા, પ્રત્યપકારેચ્છુક, કડુવા, ઘાતક, ફાની।

કડ (સં.) બોરા જોકિ નારિયલ અથવા તાડકી ચટાઈકા બનતા હૈ।

કડ્ય (સં.) કઠિન, મુશ્કિલ, સખ્ત, પૈના, તેજ, કટા,

કડવુ (ક્રિ.) નોચના, તકલીફ્ના,

કડારો (સં.) પસીના, પરિશ્રમ।

કડ્યુ-ણ્યુર્ય (વિ.) કઠોરતા, મુશ્કિલ, નિષ્ઠુરતા, (સં.) સખ્તી, કડાઈ, ઉગ્રતા, બદકિસ્મતી।

કઠિયારો-આરો (સં.) લકડ-કટા, લકડહારા, કાષ્ઠવિક્રેતા।

કડેડો-રો (સં.) દેખો, કટેરો।

કડોકું-(સં.) બોતલ રખનેકી તિપાઈ।

કડોદર (સં.) જલન્ધરરોગ।

કડોર (વિ.) નિર્દય, સખ્તદિલ, કર્રા, સખ્ત। [દાલ।

કડોળ (સં.) દાલ, હરપ્રકારકી

કડ-કડ (સં.) કમર, જોરસે ટૂટનેકાસાશબ્દ, કાટના।

કડ (વિ.) બેપૈસા, દીન, ગરીબ, કચ્ચા, વ્રત, ઉપવાસ, કોમી, તેજતરાર, જોરદાર, ગર્મમિઝાજકા

કડકડ (સં.) કડકડાહટકા શબ્દ,

કડકડવું (વિ.) કડકતાહુવા, ઉબલતાહુવા।

કડકડાટ (સં.) ગડગડાહટકા અર્થકરશબ્દ, (ક્રિ. વિ.) બડાકેસે।

કડકડીને (ક્રિ. વિ.) પ્રબલતાસે, ગંભીરતાસે, સખ્તીસે।

કડકણો-ણું (સં.) કાટખાનેવાલા, દાંતોંસે કાટખાનેવાલા। [કંગાલ।

કડકપગાલી (વિ.) ભડકીલા,

કડકો-ડી (સં.) ટુકડા, ખણ્ડ,

કડકી-કો (સં.) છોટાચમ્મચ।

કડકડ (સં.) લગાતાર બિજલીકી ગર્જના, વૃક્ષકે ગિરનેકાશબ્દ।

કડદો (સં.) પરિણામ, ફલ, કમી, ઘટી, ઘટાવ।

કડપ (સં.) ભય, ડર, રોક, અધિકાર, આદર, ઇજ્જત, સન્માન

કડબ-બ (સં.) ચારા, કડબી।

કડવાસ (સં.) કડુવાપન।

કડવું (સં.) કડુવા, ચરપરા, અપ્રિય, અયોગ્ય, ગીતકા વહ ભાગ જિસે સબ મિલકરગાતે, પ્રાકૃતિક પદ અથવા ગાનકા ભાગ, છંદ।

કષ્ટ (સં.) કષ્ટ, તકલીફ, કઠિનાઈ, વ્યાકુલતા।
કષ્ટપ્રદ (વિ.) કષ્टપ્રદ।
કષ્ટોર (સં.) કઠોરવ્રત, કઠિન उपवास, ज़ोरसे गड़गड़ाहटका शब्द। [पूर्वक, बेरोकटोकसे।
કસકસાટ (क्रि. वि.) निर्विघ्नता-
કસકસું (सं.) एक औंडीबड़ी कड़ाई कड़ाव।
કસડિયું (सं.) अंगरखा।
કસણિયો (सं.) कुम्हार, राज,
કસબી (सं.) ओंकड़ा, हुक, छल्ला, गीत की तुक।
કસબીકામ (स.) ईंटोंका काम।
કસબેસર (वि.) सही, दुरुस्त, यथार्थ, क्रमपूर्वक, कठिन, सख्त।
કસવું (सं.) स्वर्ण या अन्य धातुका बना कड़ा, बाजूबन्द।
કસાયું (सं.) कड़ुवा।
કસંગુ (सं.) बेढंगा, गँवार, बदसूरत, भद्दा, बेहूदा।
કસણ (सं.) पहाड़का निकलाहुवा हिस्सा, चट्टानकी निकलीहुई नोक, घाटी, दर्रा। दो पहाड़ों के बीचकी तंग जगह। [का पात्र, कड़ाव।
કસ્કો (सं) उबालनेके लिये छोटे
કસ્કોટ (सं.) कड़ाही,

કસ્કોપો (सं.) उष्णता, गर्मी, रंज, शोक।
કસ્કી (सं) बेसन और खटाईसे बनायाहुवा साग। कढ़ी।
કસ્કેલું (वि.) उबलाहुवा, मोटा।
કસ્કુ (सं.) अन्नका दाना, रेज़ा, बहुत छोटासा जर्रा, परिमाणु।
કસ્કુક (सं) सानाहुवा आटा, गूंधाहुवा आटा।
કસ્કુકસ્કુ (सं.) एकप्रकारका शब्द
કસ્કુકસ્કુા (सं.) घृणा, अरुचि ज्वरकी हरारत।
કસ્કુકી (सं.) चाँवलोंके टुकड़े, टूटे हुए चावल।
કસ્કુકી (सं.) एक प्रकारका बाँज।
કસ્કુપીઠ (सं.) अन्नका बाज़ार। गल्लेकी मंडी।
કસ્કુમી (सं.) कृषक, किसान।
કસ્કુવું (क्रि.) कराहना हायमारना आहेभरना, काँखना।
કસ્કુસ-લું (सं) अन्नकंगाल, सिरा, मुट्ठा। [पतिंगा।
કસ્કુસારી (सं.) सफेद चिउँटी,
કસ્કુિયો (सं.) अन्न विक्रेता, गल्लेका व्यापारी।
કસ્કી (सं.) एक छोटा परिमाणु मणि या हीरेका टुकड़ा।

કણું (સં.) પરિમાણુ, જરૂં, અણુ-કણિકા ।

કણેક (સં.) દેખો કણુક

કણેરું-ણાવું (સં.) અન્ન કે રૂપમેં માસિક વેતનદેના ।

કણો (સં.) બાલકસાંપ, છોટાસર્પ ।

કંટક (સં.) કાંટા, રોક, આડ, ઘાતક બીમારી, મરી, કંટક

કંટલ (સં.) બંબૂલવૃક્ષ ।

કંટાળવું (ક્રિ.) થકના, ઘબડાના, બીમારહોના, નચાહના, ઘૃણાકરના

કંટાળો (સં.) અરુચિ, ઘૃણા, સુસ્તી, થકાવટ, શ્રાન્તિ ।

કંટેવાળો (સં.) પકાનેકે બર્તનપર ચૂલ્હેપર યા અગ્નિપર રખને કે પૂર્વ રાખ યા મિટ્ટી લગાના [સ્વર ।

કંઠ (સં.) ગલા, હલ્લક, આવાજ,

કંઠી (સં.) કંઠમેં પહિનનેકી કિનારી ગોટા, અંગરખેકે ગલેપર કસીદા [બેંતોં કે બુને હુએ

કંડિયો (સં.) સંદુક બાંસ યા

કલ (સં.) કલમકા સિરા, લેખ-નીકા અગ્ર ભાગ

કતલ (સં.) વધ, સંહાર, હત્યા ।

કતલ કરવું (ક્રિ.) વધ કરના, કાટડાલના, મારડાલના

કતલની રાત્રિ (સં.) તાજિયોંકી કતલ કી રાત। મુસલમાની મુહર્રમ મહિનેકી તારીખ ૧૦ કી રાત્રિ ।

કતલેઆમ (સં.) સર્વ સંહારી નાશ ।

કતાન (સં.) કિરમિચ, વિલાયતી ટાટ [ઉત્પન્નકરનેવાલા

કંતારી (સં.) ખરાદી, ખરાદપર

કંથ (સં.) પતિ, સ્વામી, માલિક, ખસમ, કંત ।

કથન (સં.) બયાન, કહાની, બખાન, વર્ણન [બર્તન

કથરોટ (સં.) એક બડા ગોલ

કથવું (ક્રિ.) કહના, વર્ણન કરના । [ઘાટાહોના, હાનિ હોના

કથળવું-ળવું (ક્રિ.) બર્બાદહોના,

કથા (સં.) કહાની, કિસ્સા, અપૂર્વ કહાની, ઝૂઠા કિસ્સા ।

કથાનક (સં.) કહાનીકા એક ભાગ, હાલિકાકી, આકસ્મિક ।

કથિત (વિ.) કિયાહુવા, વર્ણન કિયાહુવા ।

કથીર-ળ (સં.) ટીન, જસ્તા

કથોરું (સં.) કઠિન, મુશ્કિલ

કદ (સં.) માપ, પરિણામ, ડીલ, રૂપ, વજન, [નાશ

કદન (સં.) ખૂન, વધ, હિંસા,

કદમ (સં.) ૨ ½ કાનાપ, કદમ,
કદમબોસી (સં.) પૈર ચૂમનેકી રીતિ, રાજા યા પિતાકો પ્રણામ
કદમિ (સં.) પ્રાચીન, પુરાના, પારસી જાતિ।
કદર (સં.) મૂલ્ય, કીમત, ગુણા-ગુણ, બોધાવેચાર, દયા, રહમ ।
કદરબ્રી (સં.) કમખર્ચ, કંજૂસ કૃપણ, કિફાયતસાર, સૂમ ।
કદરદાન (સં.) ચાહનેવાલા, કીમત જાનનેવાલા, સહાનુભૂતિ પ્રદર્શક ।
કદરૂપું (સં.) બદસૂરત, બેડોલ ।
કદળી (સં.) કેલેકા પેડ़।
કદા (ક્રિ. વિ.) કુછદિન, બ, કભી, કિસસમય ।
કદાચ-કદાચિત-કદાપિ (ક્રિ. વિ.) યદિ, અગર, શાયદ, કિંચિત ।
કદાવર (સં.) ડીલ ડૌલમે ઊંચા પૂરા, અંતિમ, લમ્બા ।
કદિ-દી (ક્રિ. વિ.) હરકભી, કિસીભી સમય ।
કદી નહીં (ક્રિ. વિ.) કભી નહીં, કિસી ભી સમય નહીં।
કંદ (સં.) જડ़ મૂલ, જડ़ વહ જો ખાઈ જા સકતી હૈ। [ખોદ ।
કંદરા (સં.) ગુફા, ગાર, માંદ
કંદર્પ (સં.) મદન, કામ, અતનુ, માર।
કંદિલ (સં.) કાચ કા દીપક,
કંદિલિય (સં.) રોશની ઘર, વહ ઘર જિસમેં અહાજવાલોં કો રાતમેં રાસ્તા દિખાનેકે લિયે ઊંચે પર રોશની હોતી હૈ ।
કંદુક (સં.) ખેલને કી ગેંદ ।
કંદોઈ (સં.) હલવાઈ, મિઠિયા ।
કંદોરો (સં.) કમર મે બાંધનેકી સૂત્ર, ચાંદી અથવા સોનેકી તાગડ़ી।
કંધોડુ (સં.) પશુઓકો ખેત જોતન આદિ કે લિયે કિરાયે પર લેના ।
કનક (સં.) ધન, સ્વર્ણ, ધતૂરા ।
કનડત-ડાટ (સં.) ઘબડ़ાહટ, બખેડ़ા, તંગી ।
કનવાર (સં.) અપરાધોં કી ખોજ, સમ્બન્ધ, ચિંતા ।
કનાત (સં.) તમ્બૂ કી દીવાર, કપડ़ે કી બની હુઈ આડ़, કનાત ।
કનિષ્ઠ (વિ.) છોટા, નિમ્ન, નીચા ।
કનિષ્ઠિકા (સં.) આખીર કી અંગુલી, પૉંચવીં અંગુલી ।
કને (સર્વ.) પાસ, નિકટ, સમીપ,
કનેરી (સં.) લપસી, મૉંડ, કગૂરા, કગની, સીકા। [વધૂ ।
કન્યા (સં.) કુંઆરી, દુલહિન, બહૂ,
કન્યાકાલ (સં.) કુવારાપન, કુમારિત્વ। દશ વર્ષ કી અવસ્થા ।

कन्यादान (सं.) विवाह, अपनी लड़की को विवाह में उसके पतिके सिपुर्द कर देना। [कोई ऐब।

कन्यादोष-कलंक (सं.) कुंआरी में

कन्याराशी (सं.) ६ ठी राशि, कन्या राशि।

कंप (सं.) आग लगानेवाली वस्तु, शीघ्र दाह्य वस्तु, रूई, कपास, प्याला

कंप (सं.) थर्राहट, कपकपी (कि.) थर्राना, काँपना।

कंपनी (सं.) सड़क के लिये धातु।

कपट (सं.) छल, धोका।

कपटी (वि.) धोकेबाज, छली, कपटकारी, छद्मवेशी।

कपर्द (सं.) एक लंबा और मोटा टुकड़ा जोजलाने के लिये काटा हो।

कपडछाणु (सं.) कपड़े में छानना।

कपडालतां (सं.) पोशाक, कपड़े इत्यादि।

कपडां (सं.) पोशाक, वस्त्र,

कपरोड (सं.) वह खाई जो दूसरी खाई को आरपार करती हो।

कपाणु (सं.) लू, धूपकी लपट।

कपातर (सं.) नीच, कमीना, निकम्मा।

कपाल (सं.) खोपड़ी, मस्तक, ललाट, भाल,

कपाली (सं.) महादेव, शंकर, शिव।

कपास (सं.) कच्ची रूई, रूई का पेड़, कर्पास।

कपासिया (सं.) रूई के बीज, बिनौले, काकड़ा। [नहीं।

कपाळ (सं.) मस्तक, भाग्य, कुछ

कपाळकुट (सं.) मिहनत, काम, मजदूरी, सुस्ती, थकावट, श्रांति।

कपि (सं.) बन्दर, वानर, शाखामृग, मर्कट। [तित्तिर पक्षी।

कपिंजल (सं.) चातक पक्षी,

कपितान (सं.) कष्टप्रद, दुःखदायक बुरा, दुष्ट।

कपिला (सं.) भूरी गाय, गऊ।

कपु (सं.) भीड़, झुंड, टोली, संगत साथ। [बेटा।

कपुत (सं.) निन्दित पुत्र, बुरा

कपूर (सं.) कर्पूर, काफूर।

कपोती (सं.) ऊपर की शिल्ली।

कपोत (सं.) कबूतर, परेवा पारावत।

कपोल (सं.) गाल, गण्ड स्थल।

कपोल कल्पित (वि.) घड़ंत, बनाई हुई बात, रचना, गप्प।

कप्पी-प्पो (सं.) घिरन, गरारी, चैला जो चटाई का बना हुवा हो।

કફ (સં.) શ્લેષ્મા, ખખાર, થૂક, ચળગમ, શરીરસ્થ ધાતુ વિશેષ.
કફન (સં.) મૃતક પર ડાલનેકા વસ્ત્ર, અંતિમ વસ્ત્ર.
કફની (સં.) ફકીરોંકે પહિનનેકા એક પ્રકારકી પૌશાક, ફકીરોંકા ચોગા.
કફલાર (સં.) પલસ્તર, અસ્તર.
કફોદર (સં.) કફ સમ્બધી પેટ કા રોગ.
કબજ (સં.) જબ્તી, રોક, કોષ્ઠ બદ્ધતા, કબ્જિયત, અપચનત્વ.
કબજ કરવું (કિ.) અધિકાર કરના, પકડના.
કબજિયાત-કોઠા-બદ્ધ (સં.) કોષ્ઠ બદ્ધતા, કુપચ, બદહજમી. [રક્ષા.
કબજો (સં.) અધિકાર, હવાલાત,
કબર (સં.) મૃતક કે ગાડને કા ગડ્ઢા, સમાધિ, ચિત્ય, કબ્ર.
કબરસ્તાન (સં.) મુર્દે ગાડને કી જગહ.
કબાટ-ટ (સં.) આલમારી, વરતન રખને કી આલમારી.
કબાબચીની (સં.) ઔષધિ વિશેષ, કબાબચીની.
કબાલો (સં.) બિક્રી કી દસ્તાવેજ, અધિકારપત્ર. બૈનામા.
કબિલો (સં.) કુનબા, કુટુમ્બ, ઘરગૃહસ્થી. [બક.
કબી-બૂ (ક્રિ. વિ.) કભી, બાજ
કબીર (સં.) કવિ, ભાટ, એક કવિ કા નામ.
કબુદ્ધિયું-દ્ધી (સં.) મૂર્ખ, બેવૂદા, ઊધમી, બદમાશ. [પક્ષી.
કબૂતર (સં,) ફાખતા, કબૂતર
કબૂતરખાનું (સં.) કબૂતરો કે રહને કા સ્થાન.
કબૂલ (વિ.) સ્વીકાર, મન્જૂર.
કબૂલાત-લાત (સં.) લિખિત યા જબાની રાજીનામા, વચન, વાદા.
કબૂલવું (ક્રિ.) વચન દેના, પ્રસન્ન હોના.
કબાય (સં.) એક બડી લમ્બી બિખરી હુઈ પૌશાક, ચોગા, જામા.
કમ (વિ.) ન્યૂન, થોડા, હીન,
કમઅક્કલ (વિ.) મૂર્ખ, ન્યૂન બુદ્ધિ
બુદ્ધિહીન (સં.) કમ સમઝી, નાસમઝી.
કમ કમવું (ક્રિ.) કાંપના, થર્રાના ઝિઝકના, સિકુડના.
કમકમાટ (સં.) કંપન, અરુચિ, ઘૃણા, કપકપી, થર થરાહટ.
કમ કરવું (ક્રિ.) ઘટાના, થોડા કરના.

કમખો (સં.) અંગિયા, ચોલી ।
કમઠી (સં.) કોઢ઼ા, છડ઼ી, બેત,
કમજાત (સં.) નીચવર્ણ, કમીના નીચ, તુચ્છ, નિકમ્મા ।
કમજોર (વિ.) નિર્બલ, કમતાકત, શક્તિહીન ।
કમઠ (સં.) કેંકડ઼ા, કછુવા, કચ્છપ ।
કમંડળ (સં.) એક મિટ્ટિ યા લકડ઼ કા જલપાત્ર જો સાધુઓં કે પાસ હોતા હૈ, કમંડુલ ।
કમતી (સં.) કમી, ઘટી, ન્યૂનતા,
કમનશીબ (વિ.) અભાગા, બદ-કિસ્મત, ભાગ્યહીન ।
કમબખત-ખ્ત (વિ. દુર્ભાગ્ય, સં.) અવારા, દુષ્ટ, લુચ્ચા, શુહદા ।
કમર-મ્મર (સં.) કમર, કટિ, કૂલ્હા, પુઠ્ઠા ।
કમરખ (સં.) એક ફલકા નામ ।
કમરપટો-બંધ (સં.) કમર પેટી । કટિબંધ । [કમલ કે બીજ ।
કમળ કાકડી (સં.) કમલ ગટ્ટે ।
કમળા-ળા (સં.) દેવી લક્ષ્મી,
કમળો (સં.) પાંડુરોગ, કંબલરોગ પીલાજ્વર, ડાહ, ઈર્ષા ।
કમાઈ-ણી (સં.) પ્રાપ્તિ, લાભ, નફા, આમદની, આય ।
કમાઉ (સં.) કમાને વાલા, આમદ કરનેવાલા । [કિંવાડ ।
કમાડ (સં.) દ્વાર, દરવાજા, કપાટ
કમાન (સં.) ધનુષ, ઇન્દ્ર ધનુષ, મહરાબ, વૃત્તખણ્ડ, ચાપ ।
કમાનદાર (વિ.) મહરાબદાર, આધા ગોલ ઝુકા હુવા, ટેઢ઼ા ।
કમાલ (વિ.) સુન્દર, ખૂબસૂરત ઉત્તમ શ્રેષ્ઠ, ઠીક, ઉચિત ।
કમાવું (ક્રિ.) પ્રાપ્ત કરના, પૈદા કરના, કમાના ।
કમી (વિ.) ન્યૂનતા, ઘટી ।
કમી બેસતી (વિ.) થોડ઼ા યા બહુત ।
કમીન (સં.) નીચ, નિમ્ન, ગુહ્ય, પતિત ।
કમોત (સં.) બે મૌત, અસામયિક મૃત્યુ, આકસ્મિક મૃત્યુ ।
કમોદ (સં.) એક પ્રકારકે ચાવલ, —કાપવી (ક્રિ.) લાઠીમારના પીટના ।
કંપ (ક્રિ.) હિલના ।
કંપની (સં.) સમાજ, ટોલી ।
કંપાસ (સં.) દિશાનિરૂપણ યંત્ર, કુતુબનુમા । [તાડુવા ।]
કંપિત (વિ.) કોંપતાહુવા, થર્રા-
કંપુ (સં.) ડેરા, પડાવ, ફૌજ ।

કંબલ (સં.) કામરિ, લોઈ, ઊની ચાદર। [દેનેકા દિન।
કમાત (સં.) ન્યાયકાદિન, દંડ-
કમાસ (સં.) અનુમાન, અટકલ। કલ્પીકૃત।
કયો (સર્વ.) કૌન, ક્યા।
કર (સં.) હાથ, ટેક્સ, મહસૂલ, દીર્ઘ, ઊંચા, માલગુજારી।
કરકટી (સં.) અર્થી, મુર્દો કે લે-જાનેકી ગાડ઼ી, કાઠેંકી ઠટિયા।
કરકરાટ (ક્રિ. વિ.) સાફ સાફ, સ્પષ્ટ સ્પષ્ટ, [તીખા।
કરકરું (વિ.) ખુરદરા, તેજ,
કરકસર (સં.) કિફાયત, વારા મિતવ્યયતા।
કરકાટિયુ (સં.) માંસહીન, કેવળ અસ્થિપંજરમાત્ર, જિસંકી હડ્ડિયાં દિખતી હોં।
કરખો (સ.) કૃષક, કિસાન।
કરગરવું (ક્રિ.) વિનતી કરના, માંગના, ઘિઘિયાના।
કરગરીને (ક્રિ. વિ.) ચાહસે, અનુરાગસે, રંગ્રસે,
કરચ (સં.) ટુકડ઼ા, ખંડ, હિસ્સા।
કરચલી (સં.) ઝાલર, ઝુર્રી, ચુનન પર્ત, તહ।
કરચલું (સં.) કેંકડ઼ા।
કરજ (સં.) ઋણ, અવાવદેહી, -દાર ઋણી
કરંજ-ળો (સં.) ઝરના, ફવ્વારા
કરડવું (ક્રિ.) કાટના, કુતરના, નોચના।
કરડીદૃષ્ટિ-નજર (સં.) ક્રોધપૂર્ણક દૃષ્ટિ, રુખીનિગાહ, કઠોર દૃષ્ટિ।
કરડો (વિ.) કઠોર, કડ઼ા, રુખા, કર્કશ, નિર્દય (સં.) પાંવકે અંગૂઠેમેં પહિનનેકા છલ્લા।
કરણ (સં.) યુદ્ધકા એક હથિયાર। કાન, સૂર્યરશ્મિ, કારણ, સબ્બ,
કરણી (સં.) કર્મ, વ્યવસાય, કાર્ય ગુણ, યોગ્ય, ઉજાડ, મરુસ્થલ।
કરતલ (સં.) હાથકા હથેલી।
કરતાં (ક્રિ. વિ.) બનિસ્બત, અપેક્ષા, કરતેહુએ, તોભી। [કઠનાલ।
કરતાલ (સં.) ઝાંઝ, મજીરા,
કરતૂત-ક (સં.) બુરાકામ, બર્તાવ, આચરણ। [એજેન્ટ, દલાલ।
કરનાર (વિ.) કર્તા, કરનેવાલા,
કરપ (સં.) ઠાઠ, ધૂમધામ, શાન-શૌકત, ભય, ડર। [બાતચીત।
કરપલ્લવ (સં.) અંગુલિયોંસે
કરપીણ (વિ.) લાલચી, મક્ખી-ચૂસ, કૃપણ, કમીના।
કરમ (સં.) કામ, કર્મ, કાર્ય, ભાગ્ય, બુરાકામ, ક્રમિ, કીડ઼ા।

કરમકહાણી (સં.) ભાગ્યકા-વૃત્તાન્ત ।

કરમદું (સં.) કરૌંદે વૃક્ષકાફલ ।

કરમાકરમી (ક્રિ. વિ.) ધર્માધર્મી ।

કરમાવું (ક્રિ.) કુમ્હલાના, મુરઝાના ।

કરમાળા (સં.) અંગુલિયોં પર માલા કા કામ । સ્મરણી, માલા ।

કરમી (સં.) ભાગ્યવાન, ખુશ-કિસ્મત । [પશુ રોગ ।

કરમોકિયા (સં.) એક પ્રકારકા

કરવત (સં.) આરી, લકડ઼ી ચીરનેકા ઔઝાર ।

કરવતી (સં.) છોટી આરી, ગાડ઼ી ।

કરવું (ક્રિ.) કરના, બનાના, તૈયાર કરના, પૂરા કરના, રચના ।

કરશણી (સં.) કૃષક, કિસાની ।

કરસં (સં.) ઓલા, ચૂડ઼િયાં, પહુંચી ।

કરાજવું–અવું (ક્રિ.) આતોંકા ઐંઠના, અંતડિયોંકા મરોડ઼ના ।

કરાત (સં.) આરાકશ, લકડ઼ી ચીરનેવાલા । [કરારા

કરાડ (સં.) ઢાલ, ઢાલૂ, ભૂમિ

કરાણી (સં.) જહાજકા તહવીલદાર ।

કરાત (સં.) યત્ન, ઉપાય, ચતુરતા, ચાલાકી, હુનર, અક્લમંદી ।

કરાર (સં.) વચન, વાદા, કૌલ, કરાર, અચલ, દર્દ મેં આરામ ।

કરારનામું (સં.) વચન વાદા, રાજીનામા ।

કરારનામું (સં.) દસ્તાવેજ, તમસ્સુક, લિખિત વચન પત્ર ।

કરાળ (વિ.) ભયંકર, ટેઢા, ભયાનક ।

કરિયાણું (સં.) પસરહટ્ટા, કિરાના ઔષધિયા, બીજે ।

કરિયાતું (સં.) ચિરાયતા ।

કરી (સં.) હાથી, પથ્ય, પરહેજ ।

કરીને (ક્રિ. વિ.) દ્વારા, સે, અતએવ,

કરીમ (વિ.) ઉદારતાયુક્ત, દયાલુ, મિહરબાન, દાતા ।

કરી લેવું (ક્રિ.) ગોદ લેના (પુત્ર)

કરુણા (સં.) દયા, કૃપા, અનુગ્રહ, અનુકમ્પા ।

કરુણાકર (સં.) દયાનિધિ, કૃપા-નિધાન ઈશ્વર ।

કરુણામય (વિ.) દયાલુ, મિહરબાન ।

કરુણારસ (સં.) નવરસોં મેં સે એક રસ, શોકજનક વૃત્તાન્ત, કરુણા પૂર્ણ ગાથા ।

કરૂપ (વિ.) બદસૂરત, મહા કુરૂપ,
કરેટી (સં.) સ્વેત રેતી, સફેદબાલૂ।
કરેડું (સં) બચ્ચા જનને કે બાદ શીઘ્રહી નિકાલા હુવા ગો દુગ્ધ ।
કરેણુ-ણુ। (સં.) કનેર વૃક્ષ, કનેર કા પુષ્પ । [દીવાર ।
કરો (સં.) મકાન કે બગલ કી
કરોડું (સં.) વ્યવહાર, રીતિ, ચાલ।
કરોડ (સં.) રીઢ, કાંટા, (વિ.) દશ લાખ, કોટિ । [અગણિત ।
કરોડો। (વિ.) અનેક કોટિ,
કરોળિયો (સં.) મકડી, જાલા,
કર્ક (સં.) કેંકડા, કર્ક રાશિ ।
કર્કશ (વિ.) કઠોર, કડા ।
કર્કશા (સં) ઝગડાલૂ સ્ત્રી, મુહૅ જોર ઔરત, લડાકી સ્ત્રી ।
કર્ણ (સં.) કાન, શ્રોત્રેન્દ્રિય, કર્ણ ।
કર્તરિ પ્રયોગ (સં.) વહ વાક્ય જિસમેં ઉસકે વિષય સે ક્રિયા મિલતી હો ।
કર્તવ્ય (વિ.) કરણીય, કરને યોગ્ય (સં.) કામ, કાર્ય ।
કર્તા (સં.) કરનેવાલા, બનાનેવાલા, પુસ્તક કા લેખક, પ્રબંધક ।
કર્પૂર તેલ (સં.) કપૂર, કપૂર કા તેલ । [નાશ કરનેવાલા ।
કર્તા હર્તા (સં.) રખનેવાલા ઔર
કર્મ (સં.) કાર્ય, કામ, આચરણ, બરતાવા, ભાગ્ય, કિસ્મત, તકદીર,
કર્મકાન્ડ (સં.) વેદોંકા વહ ભાગ જિસમેં શાસ્ત્રોક્ત કર્મ વર્ણિત હૈં ।
કર્મભ્રષ્ટ (વિ.) ઢીલા, ઉદાસ, નર્મ, આચાર સમ્બન્ધી કર્તવ્ય કર્મોં કો ભૂલા હુવા ।
કર્મયોગ (સં.) પ્રારબ્ધ શક્તિ, ભાગ્ય, કિસ્મત ।
કર્મેન્દ્રિય (સં.) હાથ, પૉવ, મુખ, ગુદા, ઔર લિંગ યે ૫ કર્મેન્દ્રિય ।
કલગી (સં.) મુકુટ, ચોટી, ફૂલ કા ગુચ્છા, ગુલદસ્તા ।
કલંક (સં.) અપવાદ, અપયશ, દોષ, દુષ્કીર્તિ, દાગ
કલ્યુગ (સં.) ચૌથા યુગ, વર્તમાન યુગ, [કાચડ ।
કલણ (સં.) દલદલ, પૅંમાવ,
કલ્પના (સં.) ઉપાય, મનોગતિ ખ્યાલ, વિચાર, ખયાલી પુલાવ ।
કલ્પવું (ક્રિ.) વિચાર કરના, મન કે લડ્ડૂ બનાના
કલ્પાંત (સં.) દુઃખ, શોક, કષ્ટ, રુદન, કરુણક્રંદન, મહા પ્રલય ।
કલમ (સં.) ખિજાબ,
કલમલ-લાટ (સં.) હુલ્લડ, કોલાહળ, ધૂમધામ, શોરગુલ

કલમ (સં.) લેખની, પ્રકરણ હસ્ત-લિપિ, ભાષા, દેશ ભાષા, ચિત્રકાર કી બ્રુશ, ખંડ, ભાગ, પૌધોંપર કલમ લગાના, વાક્ય ખંડ, મજમૂન ।

કલમ કરની (ક્રિ.) વૃક્ષોં કો કાટના, કલમ બનાના ।

કલમ કાટની (ક્રિ.) બરખાસ્ત કર દેના, પદચ્યુત, કર દેના, નિકાલ દેના ।

કલમદાન (સં.) દાવાત કલમ રખને કા પેટી, દાવાત ।

કલમબંદી (સં.) રોક, કલમબંદી ।

કલમા (સં.) કુરાનકી આજ્ઞા ।

કલ્યાણ (સં.) શુભ, આશિર્વાદ ।

કલવા-કેવા (સં.) વિવાહ કે સમય કા કલેવા, કુંવર કલેવા ।

કલહ (મ.) ઝગડા, લડાઈ, વિરોધ, દ્વન્દ્વ ।

કલાક (સં.) એક ઘંટા, ૬૦ મિનિટ, બડી ઘડી,

કલાબતું (સં.) રેશમી ધાગા જિસ પર સોના ચાંદી કા કામ હો, કલાબત્તૂ ।

કલાર (સં.) સુનાર, સ્વર્ણકાર ।

કલાપી (સં.) મોર, મયૂર, કોયલ, કોકિલા । [રુદન ।

કલાપિટ (સં.) દુઃખ, શોક, રંજ,

કલાલ (સં.) શરાબ બેચનેવાલા, કલ્લર, કલ્લવાર ।

કલાલખાનું (સં.) શરાબ કી દુકાન, મદ્યગૃહ, શરાબખાના ।

કલિ (સં.) સંસારકા ચૌથાપન, ચૌથા યુગ, વર્તમાન યુગ ।

કલિંગડું-કાલિંગડું (સં.) તિન-વાના, કલીંદા, તરબૂજ ।

કલેજું (સં.) દિલ, હૃદય ।

કલેડું-ડું (સં.) કઢાઈ, તમ્બૂર રોટી પકાને કા મિટ્ટિકા ગોલ પાત્ર

કલેવર (સં.) લોથ, નિર્જીવ દેહ, દેહ ।

કલૈ-ક્લાઈ (સં.) ટીન

કલૈ કરની (ક્રિ.) કલઈ કરના, મુલમ્મા કરના ૨ (સં.) ટિન સાજ । [વિનોદ, તેજ આવાજ ।

કલોલ-કોલાહલ (સં.) ખેલકૂદ,

કલ્કી (સં.) વિષ્ણુ કા દસવાં અવતાર, ભાવી અવતાર ।

કલ્પ (સં.) બ્રહ્મા કા એક રાત એક દિન, હમારે ૪,૩૨,૦૦,૦૦,૦૦૦ વર્ષ,

કલ્પદ્રુમ-કલ્પવૃક્ષ-કલ્પતરુ (સં.) દેવવૃક્ષ, અભિલષિત ફલ દેને વાલા વૃક્ષ ।

કલ્પિત (વિ.) બનાવા, કૃત્રિમ, રચિત, મિથ્યા પ્રકાશિત ।
કલ્લા (સં.) ગલમુચ્છે ।
કલ્લી–લ્લું (સં.) ચાંદી યા સોને કા બાજૂબન્દ ।
કલ્લો (સં.) શન્દ, શોરગુલ, ધામ કે અંકુર ।
કવચ (સં.) વિચ્છૂ કા પેડ, વર્મ્મ, સિલમ, બાજૂ, સન્નાહ, બખ્તર ।
કવત (સં.) કાવ્ય રચના, કવિતા,
કવાયત (સં.) કવાયદ, સૈનિક યુદ્ધ શિક્ષા, કપટ યત્ન, કપટ ઉપાય ।
કવિ (સં.) કાવ્યકાર, ભાટ ।
કવિતા (સં.) પદ્ય, શ્લોક, છન્દ ।
કવેળા (વિ.) અસમય, ઋતુ–વિરુદ્ધ ।
કશીદો (સં.) દસ્તકારી, શૃંગાર સજાવટ, બેલબૂટે કાઢનેકા કાર્ય ।
કશું (વિ.) કોઈ, જોકુછ, જિતના ।
કષ્ટ (સં.) શારીરિક ક્લેશ, દુઃખ દર્દ ।
કષ્ટાવું (ક્રિ.) પ્રસવકી પીરમેં હોના, બાલક ઉત્પન્ન હોતે સમયકી પ્રસવ પીડા હોના । [દુખિત
કષ્ટિત–ષ્ટિ (વિ.) પ્રસવ કષ્ટ,
કસ (સં.) કસૌટીપર સોને યા ચાંદી કી પરખ, સત, ગૂદા, તત્વ, શક્તિ, ગાંઠ, બન્ધન ।
કસકસવું (ક્રિ. વિ.) તંગ,
કસકસાવવું (ક્રિ.) કસકર બાંધના।
કસટિયો (સં.) ગિરો રખનેવાલા બંધક ગ્રાહક, વ્યાજપર રુપયા દેનેવાલા ।
કસદ (સં.) પરિશ્રમ, ઉદ્યોગ, ઇચ્છા, લાલસા ।
કસદાર (વિ.) પુષ્ટ, મજબૂત, બલવાન, રસીલા, સરસ ।
કસબ (સં.) સોને યા ચાંદી કે તાર જો કસીદે કે કામમેં આતે હૈં । હુનર, હોશિયારી, શિલ્પવિદ્યા
કસબણ–બાતણ (સં.) વેશ્યા, કુકર્મ કરનેવાલી, રંડી, છિનાલ ।
કસબાતી (સં.) કસ્બેકા નિવાસી,
કસબી (સં.) હુનરમંદ, ગુણી, ચતુર, હોશિયાર, સોને યા ચાંદીકે તારકા બનાહુવા ।
કસબો (સં.) ગાંવ, કસ્બા,
કસમ (સં.) શપથ, સૌગન્દ ।
કસમ આપવા-ખવાડવા (ક્રિ.) શપથ દિલાના, હલફ દિલાના।
કસમખાવા (ક્રિ.) સૌગન્દખાના શપથ લેના ।

કસંબો–સુંબો (સં.) કસૂમका રંગ, एक प्रकारका लाल वस्त्र; अफीमको पानीमें पतला करके बनाहुवा पेय द्रव्य।

કસર (સં.) कमी, घटी, न्यूनता, कमआदम, मितव्ययता, रोग के कुछकुछ चिन्ह अवशिष्ट जो लगभग आराम होचुकाहो, अरुचि, नाराजी।

કસરત (સં.) अभ्यास, मुहाविरा, व्यायाम।

કસરતશાળા (सं.) व्यायामशाला।

કસરિયું (वि.) किफायती, कमखर्च मितव्ययी।

કસલી (सं.) छोटा लोटा या कटोरा।

કસવું (कि.) कसकर बांधना, प्रयत्न करना, शोधना, जाँचना, सोने को परखना।

કસાઈ (सं.) घातक, वधिक, निर्दय, मांस बेचनेवाला। [मोहल्ला।

કસાઈ વાડો (सं.) कसाइओं का

કસારી (सं.) झींगुर।

કસુંબી, કોશુંબી (वि.) लाल केशर, द्वारा रँगा हुवा। [बलती।

કસુર (सं.) अपराध, दोष, पाप,

કસુવાવડ (सं.) गर्भपात, गर्भस्राव।

કસોટી (सं.) धातु परीक्षक पत्थर, शोधक, पहचान जांच। [कचरा।

કસ્તર (सं.) कूड़ा, कर्कट, मैला

કસ્તૂરી મૃગ–રિમૃગ (सं.) वह हरिण जिसमें कस्तूरी होती है।

કસ્તૂરી (सं.) मृगमद, औषधि विशेष, मुश्क। [निकालना।

કઢાવવું (कि.) निकाल देना, खींच

કઢાડી નાંખવું (कि.) निकाल देना काट देना, मिटा देना।

કઢાડી મેલવું (कि.) बरखास्त करना, पदच्युत करना, निकाल बाहिर करना। [वर्णन।

કહાણી (सं.) किस्सा, बयान,

કહાર (सं.) पालखी उठानेवाला।

કહેવું (कि.) कहना, कथन करना, (सं.) शब्द, वर्णन व्याख्या।

કળ (सं.) उपाय, यत्न, तदबीर, हिकमत, उपाय, ताला, चीरफाड़ का दर्द, अभ्यास, मुहाविरा, उपाय, सहायता, सुख चैन।

કળતર (सं.) जोड़ों में दर्द, चीरफाड़ का अधिक दर्द।

કળવું (कि.) समझना, सोचना, विचारना।

કળશ–સ (सं.) गुम्बज, गृह, मीनार, मंदिर का मुकुट, घट, कड़ा।

કાપલિયો (સં.) છોટા જલપાત્ર, ગગરી, લોટા, કટોરા,
કાપસી (સં.) ૧૬ મન કા વજન।
કાપા (સં.) સોળહવાં અંશ, શિલ્પ આદિ વિદ્યા, હુનર, ચતુરતા, ખાલા કી, મુખ કી કાંતિ, મોર કી ઉઠાઈ હુઈ પૂંછ।
કાપોશલ્ય (સં.) કલા ઔર વિજ્ઞાન, કલા કૌશલ્ય।
કાપોધર (સં.) ચન્દ્રમા, ચાંદ, મોર
કાપાવન્તી (સં.) નાચનેવાલી, રંડી, વેશ્યા।
કાપી (સં.) કલિકા, ચને કે આટે કા બના હુવા સૂત્ર સામાન ખાદ્ય પદાર્થ, મિઠાઈ કી કિસ્મ, અંગરખેમેં લગનેવાલી તિકોની કલી।
કાપી ચુનો (સં.) બેબુઝા ચૂના, આહક।
કાપ્યા (સં.) મહપથ, મહમાર્ગ।
કાં (કિ. વિ.) ક્યોં, કાહેકો, કિસ લિયે।
કાંઇ (કિ. વિ.) કુછ થોડા
કાંકરી (સં.) છોટે છોટે પત્થર, રેત, બાલૂ, કંકડી પથરી।
કાંકરો (સં.) પત્થર, કંકર। શક શુબ્હા, સન્દેહ।
કાંકોડો (સં.) ગિરગટ।
કાંકે (કિ. વિ.) ક્યોં કિ, કારણ કિ, ઇસવાસ્તે, સે, જૈસા,
કાંકુ (વિ.) સ્વાદિષ્ટ, કોમલ, નિર્બલ, કમજોર, અશક્ત।
કાંચવું (કિ.) બહકાના, ફુસલાના, ધોકા દેના, છલ કરના, જુડના સંભોગ કરના, મૈથુન કરના
કાંચળી (સં.) છાતી ઢાંકને કા કપડા, અંગિયા। [લેઈ, સરેસ।
કાંજી (સં.) કંજી, માંડ, લપસી,
કાંટલો (સં.) તોતે કે ગલે મેં નયે રંગ કી કંઠી, ડરકી, નારી।
કાંટો (સં.) કંટક શૂલ, તરાજૂ, ઘડી કે કાટે, પૈની નોંક, રોક, આડ રીઢ, પીઠકી હડ્ડી, મછલી પકડને કા કાટા, બાલોં કા ખડા હોના, નાક પહિનને કા ભૂષણ, નુકીલી પૈની મછલી કી હડ્ડી, ગુણાકાર કો સહી યા ગલત જાનને કી તરકીબ, શક।
કાંઠો (સં.) કિનારા, તીર કુએકી પરિધિ, સીમા, સીરા।
કાંડું (સં.) કલાઈ, પહુંચા।
કાણું (સં.) છેદ, છિદ્ર, દ્વાર, કાણા, એક આંખકા।
કાતણું (કિ.) કાતના ધાગાકી-ચના, ઘટાના, કમ કરના।

કાંકો (સં.) બ્યાજ, કાંદા, લાભ, ફાયદા। [કિસ્ત।
કાંખ-ખું (સં.) કંકેવ, કંખા (સં.)
કાંપ (સં.) કાંક, ટુકડા, કેમ્પ, કાલી જમીન ખાદ કે યોગ્ય।
કાંપવું (ક્રિ.) કાટના, વરીના, ધૂજના। [કામારે।
કાંબળી-ળો (સં.) કમ્બળ, લોઈ
કાંબો (સં.) એક પ્રકાર કા ચાંદી કા ભૂષણ [લિયે]
કાંય-ર (ક્રિ. વિ.) કયોં, કિસ
કાંસ (સં.) આબપાશી કે લિયે બનાઈ હુઈ નાલી।
કાંસ કી-કા (સં.) કંઘા, કંઘી
કાંસા-સિયાં (સં.) બડી કાંચ, બડી કસાઠ। [ધાતુ।
કાંસું (સં.) કાંસ્ય ધાતુ, કાંસી
કાઈ બથું (ક્રિ.) ઘબરાજાના, થક જાના, કંદરાજાના, ઉકતાજાના।
કાઉ કાઉ-(સં.) કાંય કાંય શબ્દ,
કાક (સં.) કૌવા, કાગા, કપટી
કાકડો (સં.) મોટા પલીતા, બડી મશાલ, માનસિક, દિલી, એક મોટી બત્તી, લટકન, લઙ્ગર।
કાકપદ-દું (સં.) ભૂલ કા ચિન્હ, નિશાન, યહ બતલાનેવાલા ચિન્હ કિ ઇસ સ્થાન પર યહ હોના ચાહિયે।
કાકર (સં.) કરકત કે દાંતે, આરે કે દાંતે। [ચિરૌંજી।
કાકલુતી (સં.) પ્રાર્થના, વિન્તી,
કાકવી (સં.) રાબ, ખીર, ગુડ।
કાકા-કો (સં.) સગા ચાચા, બાપ કા સહોદર બંધુ, બાપ કા છોટા ભાઈ, કાંવ કાંવ। [કોકિલા।
કાકાકોઆ (સં.) કાકતુઆ, કોયલ,
કાકાપુરી (વિ.) નિકમ્મા, વ્યર્થ, વર્ણશંકર, નીચ।
કાકાપલિયા (સં.) છોટી ચેચક।
કાકી (સં.) કાકી, ચાચા કી પત્ની।
કાખ (સં.) કાંખ, બગલ,
કાખખલાઈ-ખિલાડી (સં.) એક પ્રકાર કી કાંખ કી બીમારી।
કાગડો (સં.) કૌવા, વાયસ, (વિ.) નટખટ, ધૂર્ત।
કાગદી (સં.) કાગજ કલમ આદિ લિખનેકી સામગ્રી બેચનેવાલા। કાગજ કા કારીગર યા દસ્તકાર, પતલી કોમલ વૃક્ષ છાલ યા ચમડા
કાગવાસ (સં.) કાકબલિ, કૌઓંકે નિમિત્તક પદાર્થ।
કાગવિદ્યા (સં.) ભવિષ્યત્ કથન, ભવિષ્યદ્વાક્ય, આગમ।
કાગળ (સં.) કાગજ, પત્ર, ચિઠ્ઠી

કાગળપત્ર (સં.) પત્રવ્યવહાર, પત્રાલાપ ।

કાગારોળ (સં.) વિલાપ, રુદન, આપદ, દુર્ગતિ ।

કાંક્ષા (સં.) ઇચ્છા, ચાહ, ખ્વાહિશ,

કાચ (સં.) દર્પણ, શીશા, મુકુર, બિલ્લૌર, કચ્ચા હીરા ।

કાચંડો (સં.) એક પ્રકાર કા જાનવર, બિરગટ ।

કાચર (સં.) છોટા ટુકડા ।

કાચલી (સં.) નારિયલ કે ઊપર કા છિલકા, નરેઠી ।

કાચી અરજિત (સં.) ન્યાય હોને કે પૂર્વ રોક, રોક। [નોટ ।

કાચી નોધ (સં.) કચ્ચી બહી, કચ્ચે

કાચી બુદ્ધી-ધિ (વિ.) ભોલા, મૂર્ખ પાગલ (સં.) અનભ્યસ્ત, અનાકૂપન, ન તજુર્બેકારી ।

કાચી મુદ્દત (સં.) નિશ્ચિત સમય સે પૂર્વ, અનિશ્ચિત સમય ।

કાચું (વિ.) અપક્વ, કચ્ચા, અધૂરા ।

કાછ (સં.) કમર, કછુઆ, કચ્છપ,

કાછડી (સં.) લાઁગ, ધોતી કી લાઁગ

કાછડી છુટો (વિ.) લંપટ, અભ્યાશ, ગંડા, ખુલા, બિખરા, ભ્રષ્ટ, પતિત।

કાછડો (સં.) સાડી કા પલ્લા, સાડી કી લાઁગ ।

કાછીયો (સં.) કાછી જાતિ, શાક ભાજી બેચનેવાલા ।

કાજ (સં.) કામ, ધન્ધા, કાર્ય, કારબાર, વ્યૌહાર,

કાજગરૂ-રો (વિ.) મહઁગા, કીમતી, મૂલ્યવાન, કોમલ, સ્વાદિષ્ટ, ફલા, ખિલા, કલી, બૌર ।

કાજ સારવું (ક્રિ.) પૂરા કરના, અન્ત તક સમ્પૂર્ણ કરના ।

કાજળ (સં.) કજ્જલ, અંજન, દીપકકી કારિખ, મલ્હમ, લેપ ;

કાજી (સં.) ન્યાયાધીશ (મુસલમાનોં કે લિયે) [ફલ ।

કાજુ (સં.) કાજૂ, એક પ્રસિદ્ધ

કાજે (ક્રિ. વિ.) લિયે, વાસ્તે, અતઃ એતદર્થ । [શહતીર, મૈલા ।

કાટ (સં.) મુર્ચા, જંગ, રોક,

કાટ કાઢવો (ક્રિ.) રોક તોડ઼ના, મારના, વધ કરના, તૈકરના, નિર્ણય કરના, ઠીક કરના ।

કાટકૂટ (સં.) મકાન બનાને કી ટૂટી ફૂટી સામગ્રી, કતરન, કાંટ છાંટ [કડ઼ક

કાટકો (સં.) ગર્જ, બિજલી કી

કાટકોણ-ખુણો (સં.) સમકોણ ।

કાઠીવેચો (સં.) લકડી વેચનેવાલા, લટ્ઠે વેચનેવાલા।

કાઠુંકાઢ (સં.) વજન, વાટ, પરિણામ, કમી।

કાઠી-ડું-ડો (સં.) લકડકી કાઠી, બૈઠક (લકડકી)

કાઠી (સં.) છડી, જલાનેકી લકડી (એક જગહ બંધી હુઈ) માંલી, નાપ ૧૬- ફીટકા, કાઠિયાવાડકે લોગ, ડંડા। [શરીરકી બનાવટ।

કાઠું (સં.) શરીરકા ઢાંચા, યા

કાઢકાઢ (સં.) બારબાર નિકાલના ઔર રખના। [લેના, લેઆના।

કાઢવું (ક્રિ.) નિકાલ લેના, ખીંચ

કાઢો (સં.) ક્વાથ (ઔષધિયોકા)

કાઢુ (સં.) દૂસરો કે શોકમે શોક પ્રદર્શિત કરને કો મિલના।

કાણું (વિ.) છેદવાલા, છેદદાર એક આંખ કા (સં) છિદ્ર, છેદ।

કાત (સં.) પેટ, સુનાર કા જમ્બૂર, સુનાર કા એક ઔજાર।

કાતર (સં.) કૈંચી, કતરની,

કાતરવું (ક્રિ.) કાટના, કતરના, છાંટના, કમ કરના, ઘટાના।

કાતરા (સં.) તડકન કી દરાર યા ફાંક।

કાતરિયું (સં.) અટારી, મકાંકા ઉપર છજ્જા વિશેષ, મકાન કી અટારી મંજિલ।

કાતરી-ણી (સં.) પતલી ફાંક।

કાતી (સં.) લોહા, કલ, કપટ, કરૌત, આરી, ચાકૂ।

કાતું (સં.) ચાકૂ, છુરી,

કાત્ર (સ.) શક્તિ, તાકત, કપડા, સાહસ, ઉત્સાહ।

કાથો (સં.) રસ્સિયોં કા બંડલ,

કાદવ-વાળું (સં.) કીચડ, પંક, કચરા, મૈલા,

કાન (સં.) કર્ણ, શ્રોત્રેન્દ્રિય, તોપ યા બન્દૂક કી આગ યા બત્તી લગાને કી જગહ।

કાનકાતરણી (સં.) કાન કા મૈલ નિકાલને કી સલાઈ।

કાનકાપવા (ક્રિ.) માત કરના, હરાદેના, બઢ જાના, સબકત દે જાના।

કાન ખજુરો (સં.) ગોખર, ગન, ખજૂરા, કનસળા, કઈ ડાંગોં કા કીડા। [૨ કાનોં કી ચમગીદડ।

કાનગિંડો૨ (સં.) ચમગીદડ, લમ્બે

કાન દેવા-ધાંડવા (ક્રિ.) કાન દેના, ધ્યાન દેના।

કાન પકડવો (ક્રિ.) कान पकड़ना, अपराध स्वीकार करना, खेद करना।

કાન ફાડવો (ક્રિ.) पूर्ववत्।

કાનપર હાથ દેવો-રાખવો-કાનેથી કાઢી નાંખવું (ક્રિ.) अस्वीकार करना, न मानना, अंगीकार न करना, तुच्छ जानना, घृणा करना

કાન દેવા (ક્રિ.) ध्यान देना।

કાનની બૂટ (સં.) कान का सिरा

કાનનું-નો કાચું (વિ.) विशेष करके बहिरा, भोळा, सीधासादा।

કાનનો પડદો (સં.) कान का पर्दा, कानके भीतर की झिल्ली।

કાન ભંભેરવા (સં.) बहकाना, उत्तेजना देना, सावधान करना दिळी पक्षपात करना।

કાન બૂટી જવા (ક્રિ.) बहरा हो जाना, या सुन्न होजाना। [करना।

કાનમાં કહેવું (ક્રિ.) कान फूसी

કાનસ (સં.) पंक्ति, कतार,

કાનસુળ-ણ (સં.) कर्ण शूळ, कान का दर्द। [चाळ, चळन।

કાનુન (સં.) कायदा, नियम, रीति,

કાનો (સં.) काना, जो अक्षर के पास। इस रूपमें लगाया जाता है, जिसके लगनेसे व्यंजन का उच्चारण "आ" युक्त होता है। आ स्वर की मात्रा।

કાનોમાત્ર (સં.) काना और मात्रा "ो" ओ स्वर की मात्रा।

કાંત (સં.) पति, प्रेमी, खसम।

કાંતા (સં.) पत्नि, प्रिया, पृथ्वी.

કાંતિ (સં.) चमक, शोभा, दीप्ति सौन्दर्य, काच।

કાપ-કાપ (સં.) चोट, घाव, जख्म, व्रण, कान का भूषण।

કાપડ-પત્ર (સં.) वस्त्र, टुकड़े माल, कपड़े का बाजार कपड़े का व्यवसाय। [विक्रेता।

કાપડિયો (સં.) बजाज, वस्त्र

કાપડું (સં.) अंगिया, चोली।

કાપણી (સં.) फसल पकने का समय, फसल काटने का वक्त।

કાપવું (ક્રિ.) काटना, गिरना, कम होना, घटना। [वर्णा।

કાપસી (સં.) कपास का पौदा।

કાપાકાપી-(સં.) मारकाट, हत्याकाण्ड, काटाकूटी,

કાપી નાંખવું (ક્રિ.) काट डालना, छांट डालना।

કાપુસ (સં.) रुई, कपास, कर्पास।

કાપો (સં.) चिन्ह, लकीर, सतर काट, धारी, लहर।

કાફર (સં.) અધર્મી, મ્લેચ્છ, દુષ્ટ, નીચ, દુર્જન, કાફિર ।

કાફરી (વિ.) દુષ્ટતા, દુર્જનતા, કાલા આદમી, દુષ્ટપણું, નારકી ।

કાફલો (સં.) પવિત્રાત્મા का शरीर, यात्रियों का झुंड, यात्री जहाजों का बेड़ा ।

કાફી (સં.) કાફી चाह की तरह पी जाती है, राग काफी ।

કાબર ચીતરૂ–કબરૂં (સં.) चित कबरा, भूरा, रंगबिरंगा ।

કાબરી (સં.) चावल के छोटे फूल ।

કાબા (સં.) भारतीय दक्षिण समुद्र के डाकू ।

કાબુ (સં.) अधिकार, हक, शक्ति पौरुष, वजन, प्रभाव, दबाव ।

કાબુદાર (વિ.) शक्तिवान, प्रभावोत्पादक ।

કાબેલ (સં.) होशियार, पटु, चतुर, लायक, निपुण, गुणी ।

કાબેલિયત (વિ.) चतुरता, लायकी, प्रवीणता, होशियारी । [कर्कशा ।

કાબા (સં.) बुरे स्वभाव की औरत,

કામ (સં.) कार्य, धन्धा, प्रयोग, आनन्द, काज, पेशा, ओहदा, कारबार, सामला, पदवी, गौरव, योग्यता, कामेच्छा, कामदेव ।

કામ કળા (સં. चालाकी, चतुराई, रति, कामदेव की भार्या ।

કામકાજ (સં.) कार्य, बर्ताव, कारबार, व्यौहार । [काजी ।

કામકાજી (વિ.) परिश्रमी, काम,

કામ ચલાઉ (વિ.) गमनीय, काम चलाने योग्य, काम धकाऊ, एवजी योग्य ।

કામ ચલાવવું (ક્રિ.) काम चलाना, किसी प्रकार काम निकालना ।

કામ ચોર (વિ.) कामसे जी चुरानेवाला, काम से मुँह छुपानेवाला ।

કામજ્વર (સં.) प्रेम ज्वर, कामदेव से पीडित होकर बुखार हो जाना ।

કામ જોગ (વિ.) काम के लायक, उपकारी, उपयोगी ।

કામઠી–ઠું (સં.) बाँस की चपट, बाँस की खपची, कमान, धनुष ।

કામણ (સં.) जादू, टोना इन्द्रजाल, टुटका ।

કામણગારૂ (સં.) जादूगर, टोने करनेवाला, जादू मंत्री ।

કામણ ટુમણ (સં.) जादू, जादूगरी, इन्द्रजाल, टोना ।

કામદાર (સં.) सर्कारी कचहरी या दफ्तर सम्बन्धी, मंत्री, व्यवस्थापक, सरदारदार, शासक ।

કામદુધા–ધી (સં.) કામધેનુ, ઇચ્છિત પદાર્થ દેનેવાલી ગઉ ।

કામદેવ (સં.) મદન, અતનુ, માર, પ્રેમ કે અધિષ્ઠાતા દેવ ।

કામધંધા (સં.) કામ કાજ, વ્યાપાર, કાર્ય, કામ ।

કામના (સં.) ઇચ્છા, ચાહ, અભિરુચિ, વાસના ।

કામની (સં.) કામયુક્તા સ્ત્રી, કોમલ હૃદયવાલી, પ્રેમિણી, (સં.) ઉપાદેય, ઉપયોગી,

કામનું (વિ.) મુફીદ, કામ મેં આનેવાલા, ઉપયોગી કામ કા ।

કામરૂપ–પી (વિ.) ઇચ્છાનુસાર રૂપ ધારણ કરનેવાલા, પ્રેમી, મોહની, [રતાભિલાષા, કામેચ્છા ।

કામ વાસના (સં.) વિષય વાસના,

કામ વિકાર (સં.) પ્રેમ કી બીમારી, હરી બીમારી । [શાસ્ત્ર ।

કામશાસ્ત્ર (સં.) રતિશાસ્ત્ર, કોક

કામળ–ળી (સં.) કમ્બલ, લોઈ

કામા (સં.) પ્રિયા, વિરામ કા ચિન્હ (,) [પીડિત, કામુક ।

કામાતુર (સં.) કામાર્ત, કામ

કામિની (સં.) રૂપવાન સ્ત્રી ।

કામી (સં.) કામાતુર, રસિયા ।

કામેટી (સં.) કમેટી, સભા, પંચાયત, પરીક્ષા, જાંચ । [સેવન,

કામોદ્ભવ (સં.) પ્રારંભિક પ્રેમ, કામો-

કામ્ય (વિ.) પ્રેમ કે યોગ્ય સ્વાર્થી, ખુદ મતલબ ।

કામદાસર–દેસર (ક્રિ. વિ.) ન્યાય યુક્ત, ઉચિત, ઠીક, સહી ।

કાયદો (સં.) કાનૂન, નિયમ, આજ્ઞા હુક્મ,

કાયફલ (સં.) એક ઔષધિ વિશેષ, કાયફળ ।

કાયમ (સં.) મુકર્રર, નિયત, દઢ, મજબૂત । [થકા, સુસ્ત ।

કાયર–રૂ (સં.) ડરપોક, બુઝદિલ,

કાયલી (વિ.) બિમારી, અસ્વસ્થતા ।

કાયર કરવું (ક્રિ.) થકાના, ઘૃણા કરના, ક્લેશ દેના, ખિજ્ઞાના, ચિઢાના ।

કાયા (સં.) શરીર, દેહ, જિસ્મ, બનાવટ ।

કાયા કષ્ટ (સં.) શારીરિક દુઃખ ।

કાર (સં.) પ્રત્યય (કર્તા)

કારકી–દી (સં.) શાસન કી અવધિ કામકાવક્ત, કાર્ય કાલ ।

કારકુન (સં.) ક્લર્ક, મુન્શી, લેખક ।

કારખાનું (સં.) કાર્યાલય, વર્કશૉપ । [કસીદા ।

કારચોબ–બી (સં.) દસ્તકારી

કારજ (સં.) કાર્ય, કામ, કાજ, उत्सव सम्बन्धी अवसर। [शय।
કારંડવ (સં.) फव्वारा, कुंड जला-
કારણ (सं. सबब, मरज़, जरूरत, लिये (अव्य.) क्योंकि (उप.) अतएव, इस लिये।
કારણસર (कि. वि.) इस कारण, कामसे, अतएव।
કારતુસ (सं.) कारतूस (बन्दूकके)
કારબાર (सं.) प्रबन्ध, कामकाज, शासन। [पक, शासक।
કારભારી (सं.) मेनेजर, व्यवस्था-
કારમું (वि) अद्भुत, अजीब, विचित्र।
કારસ્તાન (सं.) धोका, छल, चाला-की, हिस्सा, [कपट, तदबीर।
કારસ્તાની (वि.) उपाय, यत्न,
કારાગૃહ (सं) जेलखाना, जेल, बन्दीगृह।
કારી (वि) गहिरा, दिल की चोट शब्द के अंतमें कारण बतलानेवाला अक्षर, विकास, प्रभाव, अधिकार, आवश्यक।
કારીગર (सं.) शिल्पी, शिल्पकार, कामकरनेवाला, दस्तकार।
કારીગરી-ગીરી (सं.) विद्या, गुण, प्रवीणता, चतुरता, हुनर।
કારેલું (सं.) करेला, एक प्रकार की कड़ी भाजी। [काम धन्धा।
કારોબાર (सं.) प्रबन्ध कामकाज,
કારોબારી મંડળ (सं.) प्रबंध कारिणी सभा, व्यवस्थापिका सभा।
કાર્મુક (सं.) धनुष, चाप।
કાર્ય (सं.) काम, धन्धा।
કાર્ય પ્રયોજન (सं.) उत्सव, कारण वजह, अभिप्राय, प्रयोजन।
કાર્યસાધક (सं.) दलाल, काम बनानेवाला, [कार्यता।
કાર્યસિદ્ધિ (सं.) सफलता, फ़त
કાર્યોપયોગ (कि. वि.) आवश्यकता के लिये पर्याप्त।
કાલ (सं.) आनेवाला दिन, कल,
કાલખુત (सं.) प्रथम कारण, आदि निकास, कालबूत (लकड़ी का नमूना जूते बनानेको)
કાલવવું (कि.) मिलाना,
કાલાં (सं.) कपास का टेंटा।
કાલાવાલા (सं.) प्रार्थना, विनती,
કાલીંગડું (सं.) तरबूज।
કાલું (सं.) तुतलाहट माछली घोंघा, सीप।
કાવડ (सं.) काँवर, बहँगी। [वाला।
કાવડિયો (सं.) काँवरवाला, बँगी-
કાવતરખોર-ખાઉ-ખોરિયો (सं.) चालाक, धुर्तबाज़।

કાકરૂં-રું (સં.) ધોકા, चालाकी।
કાકરૂં-રું (વિ.) पीड़ित, दुखित, उभरा, उकसा।
કાકણું-ણું (વિ.) स्वादिष्ट, कोमल, कुरकीला, मुरमुरा। [केतली।
કાકડાની (સં.) काफी या चा के लिये
કાકો (સં.) घोड़े को गोल चक्करमें घुमानेका कार्य, उबाल, काढ़ा, काफी।
કાકોકાકો (સં.) मक्कार, चालाक,
કાવ્ય (સં.) कविता, पद्य, छन्द, रसयुक्त वाक्य।
કાષ્ટ (સં.) लकड़, लकड़ी,
કાષ્ટ યંત્ર-ઢા (સં.) एक लकड़ जो भागनेवाली मवेशी के गले में बांधा जाता है।
કાસદ (સં.) वाहक, लेजानेवाला, हलकारा, संवाद लेजानेवाला दूत।
કાસદ (સં.) रोक, माई, नाश, विध्वंश। [वाला, कहार,
કાહાર (સં.) पालकी ले चलने
કાહેલી (વિ.) बीमारी, सुस्ती आलस्य, बेफिक्री।
કાળ (સં.) समय, उम्र, आयु, मृत्यु, यम, दुर्भिक्ष।
કાળચક્ર (સં.) समय का फेर, भाग्य का फेर, आयु परिवर्तन, चक्र, युग।
કાળજોધડિયું (સં.) दुराचक्र।
કાળજાની કોર (વિ.) प्रिय, प्यारा, प्राणाधिक प्रिय, दिली दोस्त।
કાળજાનું ખસેલું (વિ.) अव्यवस्थित, केन्द्रसे हटाहुवा, पागल, विषम। [परवाह।
કાળજી (સં.) चिंता, सोच, फिक्र,
કાળજું (સં.) दिल, हृदय, कलेजा, जिगर। [किस्मत।
કાળદશા (સં.) भाग्य, तक़दीर
કાળભાન (સં.) समय का परिमाण, एक यंत्र समय देखने का।
કાળભાનક યંત્ર (સં.) समय देखने का यंत्र, एक प्रकार की घड़ी।
કાળાંતરે (ક્રિ. વિ.) देरमें, विलंब से, समयान्तर से।
કાળાશ (સં.) कालापन, अँधेरा, श्यामता, तिमिर। [आभूषण।
કાળીગાંઠી (સં.) गलेमें पहिनने का
કાળીજરી (સં.) कालाजीरी, एक औषधि विशेष। [दोष, कलंक।
કાળીટીલી (સં.) बदनामी, दाग,
કાળી દ્રાક્ષ (સં.) काली किशमिश।
કાળું (સં.) काला, श्याम अंधेरा, बुरा, दुष्ट, शरमिंदा, लज्जित।
કાળું કરવું (ક્રિ.) शर्मसे या अप्रतिष्ठा के कारण मुहँ छुपाना।

કાળો કોપ (સં.) દુર્ભાગ્ય, વિપત્તિ, આપદ્ । [કામ, નિંદ્ય કાર્ય ।
કાળું ધોળું (સં.) દુષ્ટ, પાપી, બુરે-
કાળું પાણી (સં.) દેશ નિર્વાસન, કાળાપાની ।
કિંવા (અ.) યા, અથવા,
કિકિયારી (સં.) ચિત્કાર, ચિંઘાડ, ચીસ કી આવાજ ।
કિંકર (સં.) સેવક, ભૃત્ય, દાસ, પત્થર, પાષાણ ।
કિંકરી (સં.) દાસી, નૌકરની,
કિચકિચ (સં.) બકબક, કિચ કિચ । [દલ દલ, મૈલા, કચરા ।
કિચડ-ચ્ચડ (સં.) પંક, કીચ,
કિંચિતમાત્ર (વિ.) થોડાસા, કુછ,
કિડિઆં (સં.) કાચ કે ગુરિયે, કાચ કે દાને ।
કિડિયારું (સં.) ચિઉંટિયોં કા બિલ,
કિતવ (સં.) જુઆરી, જુઆ,
કિતાબ (સં.) પુસ્તક, પોથી ।
કિતાબખાનું (સં.) લાયબ્રેરી, પુસ્તકાલય ।
કિતો (સં.) હસ્તાક્ષર દુરુસ્તકરને કી કાપી બુક, ભૂમિ કા હિસ્સા યા બાંટા ।
કિનખાપ-બ (સં.) બૂટેવાલી પટ્ટ, બાદલા, કમખાબ, વસ્ત્ર કી એક કિસ્મ । [વાદ્ય વિશેષ ।
કિન્નરી (સં.) સારંગી, ચિકારા, બેલા,
કિનાખોર (વિ.) દ્વેષી, દ્રોહી, લાગી, કીનાવર ।
કિનાત (સં.) તમ્બૂકી દીવાર, કપડે કી પરિધિ, કનાત ।
કિનારી-રી (સં.) સિરા, ગોટા, રીશ ।
કિનારો (સં.) તટ, તીર, કૂલ, હાશિયા, કિનારા ।
કિનો (સં.) દ્વેષ, દ્રોહ, ડાહ, શત્રુતા ।
કિફાયત (સં.) ફાયદા લાભ, મુનાફા ।
કિફાયત પડતું (સં.) સસ્તા, લાભ-પ્રદ, ફાયદા દેનેવાલા । [મહેંગા ।
કિમતી-તવાન (સં.) મૂલ્યવાન,
કિમિયાગર (સં.) રસાયન બનાને-વાલા, કીમિયા બનાનેવાલા, બાજી-ગર, જાદૂગર ।
કિમ્મત (સં.) મૂલ્ય, દામ, લાગત ।
કિમ્મતવાર (વિ.) સૂચીપત્ર, વસ્તુઓંકી કીમત પ્રદર્શિત કરને વાલા સૂચીપત્ર ।
કિયું (સર્વ.) કૌન ? ક્યા ?
કિરકુલ-કોળ (વિ.) પૃથક પૃથક્ ફુટકર, કઈ એક, મુતફર્રિકાત, પચમેલ ।
કિરણ (સં.) રશ્મિ, પ્રકાશ,
કિરતાર (સં.) કર્તા, ઈશ્વર,
કિરમજ (સં.) કીડે જિન સે એક પ્રકારકા રંગ બનતા હૈ ।

[illegible] (सं.) सेंदूरिया रंग, लाल रंग।

[illegible]दार (सं.) मालेदार, भैदत।

[illegible]धु (सं.) भाड़ा, किराया, लगान, महसूल।

[illegible]ट (सं.) मुकुट, चोटी, – टी (सं.) अर्जुन (पांडव)

[illegible]लिल (सं.) चिड़ियों की चहचहाना, चहपहाट।

[illegible]लावो (सं.) रस्सी जो हाथी के गलेमे उतरनेवाले को पायदे का काम देती है।

[illegible]लिदार (सं.) खजानची। कोषाध्यक्ष, धनाध्यक्ष। [कीड़ा, घुन,

[illegible]ल्लु (सं.) एक प्रकारका छोटा

[illegible]ल्लेदार (सं.) किले का अध्यक्ष, दुर्गपति। [कोट।

[illegible]ल्लो (सं.) क़िला, दुर्ग, गढ़,

[illegible]शोर (सं.) अवस्था विशेष, बालक, नौजवान, छोकरा, नाबालिग २१ वर्ष से कम उम्र का (कानून मे)

[illegible]सम (सं.) भाँति, प्रकार, जाति,

[illegible]सान (सं.) कृषक खेतिहार, गँवार।

[illegible]स्त (सं.) ऋण, भाग, माल, गुजारी समय समय पर चुकाना, (वि.) हार, पराजय।

[illegible]स्मत (सं.) भाग्य, कर्म, तकदीर,

[illegible]स्सो (सं.) कहानी, वर्णन।

[illegible]डी (सं.) लड़की, बालिका, आंख की पुतली,

[illegible]डो (सं.) लड़का, बालक।

[illegible]ड (सं.) कीड़ा मकोड़ा, दक्ष, प्रवीण, निपुण। [मैल।

[illegible]डी (सं.) कपास का धूला, कीट,

[illegible]डी (सं.) चिउंटी।

[illegible]डो (सं.) कृमि, कीड़ा, गुबरैला,

[illegible]र (सं.) तोता, सुवा, सुग्गा,

[illegible]र्तन (सं.) गाकर के स्वर ताल के साथ ईश्वर स्मरण, भजन।

[illegible]र्तनिया (सं.) झाँझ, करताल, भजन। गायक।

[illegible]र्ति (सं.) नामवरी, यश, सुख्याति, बड़ाई, स्तुति।

[illegible]र्तिमान–वान (सं.) यशस्वी, प्रतिष्ठित, मानी, नामी, कीर्ति, विशिष्ट। [चाबी, खजाना।

[illegible]ली (सं.) लड़की, बालिका,

[illegible]लो (सं.) लड़का, बालक,

[illegible]ंची (सं.) चाबी, कुंजी, ताली, सूत का गोला, पता।

[illegible]ंजड़ो (सं.) शाकभाजी बेचनेवाला, बागवान।

કુંભણી (સં.) એક છોટા ગોલ ખડા, જન્મપત્રી મેં આયુકા હાલ બતાનેવાલા મહકુંડલી ।

કુંભણું (સં.) ગોલ, ચક્કર,

કુંડી (સં.) મિટ્ટી યા પત્થરકી કૂંડી । ખરલ, ચમડેકી સુરાહી, છોટી તલાઈ, પોખરા, કુંડ, જલાશય, ગમલા, ફુલવારી બોને કે મિટ્ટી કે પાત્ર ।

કુંભાર (સં.) કુમ્હાર, મિટ્ટી કે પાત્ર બનાને વાલા ।

કુંભુ (સં.) ભૂમિ કા નાપકો લગભગ ૧ એકડ હોતાહૈ ।

કુંવર (સં.) લડકા, બાલક, રાજપુત્ર, રાજકુમાર ।

કુંવરી (સં.) લડકી, બાલિકા, રાજપુત્રી, રાજસુતા ।

કુંવાર (સં.) ઘીકુવારકા પેડ ।

કુંવારૂ (સં.) બેમ્બાહા, અવિવાહિત ।

કુ (સં.) જિસ શબ્દ કે આગે લગાદિયાજાય ઉસકા અર્થ વિપરીત યા બુરાહોજાતા હૈ ।

કુઈ (સં.) છોટાકુવા, કુહવા,

કુકડી (સં.) મુર્ગી ।

કુકડેકુક (સં.) મુર્ગે કી આવાજ, મુર્ગે કી બાંગ । [શિખા ।

કુકડો (સં.) મુર્ગા; મુર્ગા, અલમ-

કુકર્મ (સં.) દુષ્કર્મ, નિષ્કર્મ; નીચકર્મ । [અન્યાયી ।

કુકર્મી (સં.) દુષ્ટ, બુરા, નીચ,

કુકવો (ક્રિ.) મૃતક કે સાથ રોતે હુએજાના, મૃતકકેલિયેરોના ।

કુખ (સં.) પસલી કે નીચે કા ભાગ, કોખ, કુક્ષ, કોક ।

કુચ (સં.) છાતી, સ્તન, વક્ષઃ, કૂદ, પ્રસ્થાન, પયાન, કૂચ ।

કુચ કરવી (ક્રિ.) પ્રસ્થાન કરના, ગમન કરના । [કૂચી, બ્રશ ।

કુચડો (સં.) ઘડા, મટકી, સુરાહી,

કુચાલ (સં.) કુરીતિ, બુરાચલન, બુરા વ્યવહાર, કુટેવ ।

કુચેષ્ટા (સં.) બુરી ઇચ્છા, બુરે ઇરાદે, બાલાકી ।

કુચો (સં.) બ્રશ, બુરુશ, ઇલકાર, તલછટ, ગાદ, મૈલ ।

કુછ (ક્રિ. વિ.) થોડા, કમ, કુછ ।

કુછંદ (સં.) વક્રીભૂત, દોષ, બાંધ,

કુંજ (સં.) સુરાઈ, મિટ્ટીકી બની હુઈ ઝારી । [કુંજ ।

કુંજ (સં.) ગુફા, મૈંડવા, મંડપ,

કુંજર (સં.) હાથી, હસ્તી,

ની (સં.) હથિની, હસ્તિની ।

કુટ (સં.) પેચ, કપેટ, ઉલ્લાદ, (ક્રિ.) તોડના,

કુબડી (સં.) કુરી, નીચ, લફાકા, ઝગડાલૂ, કુટની, દૂતી, નાયકા.

કુબ્બું (સં.) અધિક રંજ કે કારણ છાતી કૂટના. [કુટના.

કુબ્બું (સં.) ભડુવા, ભડવા

કુટુમ્બ-ટુંબ (સં.) કુનબા, ગૃહસ્થ, સ્ત્રી, પરિવાર.

કુબ્બું (ક્રિ.) છાતી પીટના, મારના, કૂટના, પીટના, ભારી ચીજ સે કૂટના ચૂર ચૂર કરના.

કુટી નાંખવું (ક્રિ.) પીસના, બુકની કરના, ધમાધમ્મ કૂટના, પીટકર દાને કો ભૂસે સે અલગ કરના, ધુનના. [હઠીલા.

કુટિલ (સં.) ટેઢા, ટેઢા, જિદ્દી,

કુટી (સં.) ઝોંપડી, મઢી, છોટા ઘર, પર્ણશાલા, મઢૈયા.

કુટુમ્બ કલહ (વિ.) ગૃહ કલહ, આપસી ઝગડે, ઘરૂ ફૂટ.

કુટુંબ પરિવાર (સં.) સ્ત્રી પુત્ર, બાલબચ્ચે.

કુટુમ્બી (સં.) રિશ્તેદાર સમ્બંધી, ઘરવારી, આત્મીયજન, ઘરકે લોગ.

કુટ્ટણ (સં.) કુટ્ટના, કુરના,

કુંડ (સં.) ગઢ્ઢા, કૂપ, જલાશય, યજ્ઞ કુંડ, હવન કુંડ.

કુંડળ (સં.) કર્ણ ભૂષણ વિશેષ, બાલા, બાલી.

કુંતડું (સં.) સોટા, લાઠી, ડન્ડા, ગદા, [ઝટક,

કુંતરાની ટાપી (સં.) કુકરમુત્તા.

કુંતરી (સં.) કુતિયા, કૂકરી, કુત્તી, રો, (સં.) કુત્તા, કૂકર શ્વાન.

કુતૂહલ (સં.) અદ્‌ભૂત, અપૂર્વ, કૌતુક, ખેલ, તમાશા.

કુત્સિત (વિ.) નિન્દિત, મલીન, નીચ

કુથલે-લી-થે-લી (સં.) પેચદાર વિષય, ગહન વિષય, વ્યર્થકા કિસ્સા.

કુદકારે-ડે (સં.) ઉછલ, કૂદ.

કુદરત (સં.) પ્રકૃતિ, પ્રકૃતિ કા સૌન્દર્ય્ય, સ્વભાવ, શક્તિ.

કુદરતી (સં.) સ્વાભાવિક, પ્રાકૃતિક, અસલી. [ફાંદના.

કુદવું (ક્રિ.) ઉછલના, કૂદના,

કુદી પડવું (ક્રિ.) કૂદ પડના,

કુંદન (સં.) શુદ્ધસ્વર્ણ, અસલી સોના, ખરા સોના.

કુંદી (સં.) વસ્ત્રોંપર કલફ યા ઇસ્તરી કરને કા કાર્ય.

કુંદીપાક (સં.) પિટાઈ, કુટાઈ,

કુંદો (સં.) બન્દૂક કા કુંદા, લાઠી સોંટા, ડન્ડા. [દુરાચરણ.

કુપથ (સં.) બુરામાર્ગ, કુપથ,

કુપથ્ય (સં.) અપથ્ય, અનુચિત ભોજન । [અપાત્ર ।
કુપાત્ર (વિ.) અયોગ્ય, અનુપયુક્ત,
કુપ્પો (સં.) ચમડે કા કુપ્પા ।
કુબલ્લા (સં.) બદસૂરત કી ઔરત, જાદૂગરની ।
કુબ્જ (સં.) જિસકી પીઠપર કૂબડ હો, બદશક્લ, કુરૂપ । [મતિ ભ્રમ ।
કુબુદ્ધિ (સં.) દુર્બુદ્ધિ, ગલત ખયાલ,
કુભેર (સં.) દેવતાઓંકો કોષા ધ્યક્ષ, [રાહુવા ।
કુભો (સં.) ચૂના, કલઈ, (વિ.
કુંભ (સં.) કુંભરાશિ, પાની કા ઘડા, મટકી, ઘટ ।
કુભાંડ (સં.) પેચીદા તદબીર, બ-લદાર હિકમત, દુરપવાદ, મિથ્યા-કલઙ્ક, સન્દેહ ।
કુભાર્યા (સં.) કર્કશા, દુષ્ટા, નીચ ઔરત ।
કુમક (સં.) સહાયતા, મદદ, યોગ।
કુમતિ (સં.) દુર્મતિ, દુબુદ્ધિ, અલ્પબુદ્ધિ । [કરુણા, દયા
કુમળાસ (સં.) કોમલતા, નાજુકી,
કુમળું (સં.) કોમલ, સુકુમાર, નાજુક । [રાજપુત્ર ।
કુમાર (સં.) લડકા, છોકરા,
કુમારિકા (સં.) લડકી, કન્યા, અવિવાહિતા । [રાસ્તા ।
કુમાર્ગ (સં.) કુપથ, પાપમય
કુમાસ (સં.) બનાવટ, સૌન્દર્ય્ય, ઉત્કૃષ્ટતા । [ક્ય, સર્વોત્કૃષ્ટ ।
કુમાસદાર (સં.) અચ્છી બનાવટ
કુમુદ (સં.) સફેદ કમલ, કુમો-દિની, કોઈ ।
કુંભકર્ણ (સં.) રાવણ કા બડા ભાઈ રાક્ષસ, ખૂબ સોને વાલા, નિંદાસા, આલસી ।
કુંભી (સં.) મીનારે કી નેવ, ખંભે કી જડ, સ્તંભ મૂળ ।
કુરકુરિયું (સં.) પિલ્લા, ભેડિયે કા બચ્ચા, કુતિયા કા બચ્ચા ।
કુરંગ (સં.) હરિણ, મૃગ,
કુરબાન (સં.) બલિદાન, ભેટ, હોમ, યજ્ઞ (વિ.) અતિપ્રસન્ન ।
કુરાન (સં.) મુસલમાનોં કી ધર્મ પુસ્તક, કુરાન ।
કુલ (સં.) મુવાફિલ, યજમાન (વિ.) સબ, સમ્પૂર્ણ ટોટલ ।
કુલક્ષણ (સં.) બદચલની, કુચાલ।
કુલટા (સં.) છિનાલ. વ્યભિચા-રિણી, રંડી, કસબી, બેસ્વા ।
કુલડી (સં.) એક મિટ્ટી કા પાત્ર, કુલ્હૈયા, કુલ્હડ, સારા, પુરવા ।

કુલીન (સં.) માનનીય, સભ્ય, ભલા, કુલવાન, અચ્છે ઘરાને કા

કુલીનતા-ન્યુ (સં.) સભ્યતા, ભલમંસાહત, શ્રેષ્ઠતા.

કુલીન પુરુષ (સં.) ભલા આદમી, સજ્જન પુરુષ, કુલીન વ્યક્તિ.

કુલું (સં.) ચૂતડ, ઢોંગી, કૂલ્હા,

કુલ્ખી (સં.) ચમડે કા બર્તન.

કુવાડી (સં.) કુલ્હાડી, બસૂલા.

કુવાદ (સં.) દોષ, બુરાઈ અપવાદ,

કુવાથ (સં.) કાઢા, ક્વાથ,

કુવેતર (પં.) સીંચી હુઈ ભૂમિ, કુએ સે સીંચીજાનેવાલી જમીન.

કુવો (સં.) કૂપ, કુઆ.

કુંવારી (સં.) કન્યા, અવિવાહિતા, બે વ્યાહી. [વ્યાહા.

કુંવારો (સં.) અવિવાહિત, બે

કુવાસના (સં.) દુર્ગન્ધ, બદબૂ, દોષ, કલઙ્ક. [પવિત્ર ઘાસ.

કુશ (સં.) દર્ભ, ડાભ, કુશનામ્મી

કુશળ (સં.) કલ્યાણ, મંગલ, ભલાઈ, પુણ્ય, યોગ્ય લાયક.

કુશળતા-ળી (સં.) કુશળ, ક્ષેમ, કલ્યાણ, નિપુણતા, યોગ્યતા.

કુશળ બુદ્ધિ-શ્રુતબુદ્ધિ (સં.) તેજી, શીઘ્ર સમઝને કી બુદ્ધિ, તીવ્ર બુદ્ધિ, બુદ્ધિમાન, અક્કમંદ.

કુશી (સં.) ચાંવલોંકી ભૂસી, ચોકર ભૂસી, ચાવલોં કા છિલકા.

કુશાગ્ર (સં.) પૈના, નુકીલા, નોકદાર,

કુશાદ (સં.) ચૌડા, વિસ્તીર્ણ, લંબા ચૌડા, કુશાદા, ઊંચા, ચમંડી,

કુશીલ (સં.) બદમિજાજ, બુરી પ્રકૃતિ કા.

કુષ્ઠરોગ (સં.) કોઢ કી બીમારી

કુસઙ્ગ-ત્તિ,-ત (સં.) બુરી સંગતિ, બદ સોહબત, દુર્જન સહવાસ, બુરાસાથ. [યુદ્ધ, વ્યાયામ,

કુસ્તી-શ્તી (સં.) કુશ્તી, મલ્લ-

કુસ્તીબાજ (સં.) પહલવાન, મલ્લ.

કુસંપ (સં.) અસમ્મત, અયોગ્ય.

કુસ્વપ્ન-પ્નું (સં.) બુરા સપના,

કુસ્વભાવ (સં.) બુરી આદત, દુષ્ટ પ્રકૃતિ.

કુસુમ (સં.) પુષ્પ, ફૂલ,

કુહાડી-ડો (સં.) કુલ્હાડા, પરસા,

કુળ (સં.) વંશ, કુલ, ખાન્દાન, પીઢી, ગોત્ર, વર્ણ, જાતિ.

કુળકરણી (સં.) ગાંવકા મુનીમ, વહ જો સબ્બા ખૂબ સમઝતા હો.

કુળતારક-દીપક (સં.) સુપુત્ર, વંશમેં દીપક કે તુલ્ય, નરશ્રેષ્ઠ,

કુળદેવી (સં.) કુળમાં પૂજી આવે વાળી દેવી ।

કુળાભરણ (સં.) વંશરત્ન, કુળમાં ભૂષણ के समान, कुलरत्न, कुलश्रेष्ठ ।

કુળવંત-વાન (સં.) કુલીન, ખાનદાની, શ્રેષ્ઠ કુલોત્પન્ન । [રીતિ ।

કુળાચાર (સં.) વંશ રીતિ, કુલ

કુળાભિમાન (સં.) આત્માભિમાન, વંશ ગર્વ । [સભ્ય, ખાનદાની ।

કુલીન (વિ.) ઉચ્ચ વંશોદ્ભવ, ભલ,

કુક્ષ (સં.) કોખ, પેટ,

કૂચા-ચો (સં.) બ્રુશ, બુરશ, કૂચી ।

કૂપ (સં.) પ્રસ્થાન, પયાન, પ્યાલા, કટોરા, ગુમ, પોશીદા ।

કૂડું (સં.) દુષ્ટ, બુરા, નીચ, બદમાશ, મૂઠા, અવિશ્વાસી ।

કૂર (સં.) ઉકલે હુએ ચાવલ, ભાત । ['किया हुवा' होता है ।

કૃત (સં.) પ્રત્યય, જિસકા અર્થ

કૃતઘ્ન-ઘ્ની (વિ.) ઉપકાર ન માનનેવાલા, અધન્યવાદી, કિયે હુએ કામ કા એહસાન ન માનનેવાલા ।

કૃતજ્ઞ-જ્ઞી (સં.) ઉપકાર માનનેવાલા, એહસાનમન્દ, શુક્ર ગુજાર ।

કૃતયુગ (સં.) સતયુગ, પ્રથમ યુગ, દેવયુગ । સ્વર્ણ સમય ।

કૃતાંત (સં.) મૃત્યુ, મૌત, યમ, યમદૂત, કાળ । [હાલ, સિદ્ધ મનોરથ ।

કૃતાર્થ-ર્થી (વિ.) કૃતકાર્ય, સિ

કૃતિ (સં.) કામ, કાજ, કાર્યકાર્ય ।

કૃત્ય (સં.) કર્તવ્ય, ડ્યૂટી, ફર્જ ।

કૃત્રિમ (સં.) બનાવટી, નકલી, ઝૂઠા, મુતવદ્યા ।

કૃત્રિમી (સં.) પૂર્વવત્

કૃદંત (સં.) વહ શબ્દ જો ગુણવાચક ઔર ક્રિયા કે લક્ષણ રખતા હો ।

કૃપણ (સં.) કંજૂસ, મક્ખીચૂસ, સૂમ । [અનુકમ્પા ।

કૃપા (સં.) દયા, મિહરબાની,

કૃપાનાથ-નીધી-માન (સં) દયાલુ, દયાસાગર, ઈશ્વર, પરમાત્મા ।

કૃપાળ-ળુ (સં.) દયાલુ, મિહરબાન ।

કૃમિ (સં.) કીડા, કીટ, આંતકે કીડે પેટ કે કૃમિ ।

કૃમિનાશક (સં.) કીડોં કો નાશ કરનેવાલા, કીટ નાશક ।

કૃશ (સં.) દુબલા, પતલા, કમજોર, દુર્બલ ।

કૃશાન (સં.) આગ, અગ્નિ, પાવક ।

કૃષિ (સં.) ખેતી, કાશ્ત, કિસાની ।

કૃષ્ણ (સં.) શ્રીકૃષ્ણચન્દ્ર, દેવકી કે લડકે (વિ.) કાલા, શ્યામ ।

કૃષ્ણપક્ષ (સં.) કાલા પખવાડા, અંધેરા પખવાડા, બિદી, અંધેરા અર્ધ માસ ।

કૃષ્ણાર્પણ (સં.) નિષ્કામ કર્મ, ભેટ, ત્યાગપૂર્વક ભેટ કરના, હરિ અર્પણ ।

કેંસ (सं.) गांठ, बन्धन, बटन बोताम ।

કે (अ.) वह, या, ऐसे, जैसे !

કેઆમત (सं.) न्याय का दिन, अंतिम दिन, वह दिन जिस दिन मुसलमानों का न्याय ईश्वर करेगा।

કેઈ (सर्व.) कौन ? क्या ?

કેઇલ્યાંએ-ક (वि.) कई, बहुत से, बहुतेरे, चन्द, कुछ, थोड़े ।

કેટલું (कि. वि.) कितना ?

કેટલીવાર (कि. वि.) कब, किस समय ? कितनी वेर ?

કેડ (सं.) कटि, कमर,

કેડી (सं.) पगडण्डी ।

કેડે (उप.) पीछे, बाद (कि. वि.) इस के बाद, तब, कमरपर ।

કેડે લાગવું-પડવું-લેવી (कि.) पीछे पड़ना, पीछे लग जाना, पीछा न छोड़ना ।

કેડે લેવું (कि.) उठाना, पालना, बच्चेको कमर पर लेना, गोदी लेना।

કેડો (सं.) पीछा, सड़क, सिरा,

કેણીએ-તરફ, બાજુ (कि. वि.) किधर, कहाँ, किस ओर, किस दिशामें । [प्रसिद्ध वृक्ष ।

કેતકી (सं.) केतकी नामक

કેતુ (सं.) नवमग्रह, झंडा, ध्वजा, धूमकेतु, पुच्छलतारा ।

કેદ (सं.) कब्जा, बंधन, कैद, बंन्धुआई, कारावंधन ।

કેદ કરવું-કેદમાં રાખવું (कि.) बन्दी करना, बंधनमें रखना, जेलमें रखना । [गृह, जेल ।

કેદખાનું (सं.) कारावास, बन्दी

કેદી (सं.) बन्दी, बँधुआ, कैदी ।

કેન્દ્ર (सं.) मर्कज, दरम्यानी, नुकता । मध्य । [लापन ।

કેફ (सं.) नशा, मस्ती, मतवा-

કેફિયત (सं.) ब्यौरा, तपसील, कारण सबब ।

કેફી (सं.) नशेका अथवा मादक वस्तु का व्यसनी, नशेबाज, नशा ।

કેમ (कि. वि.) कैसे, किस प्रकार क्यों?

કેમ કરતા-મે કરીને (कि. वि.) किसीभी भाँति, कैसेभी, किस भाँति?

કેમકે-જે (अ.) वास्ते, लिये, अतः क्यों कि, कारण कि, इस लिये ।

કેમરે (कि. वि.) क्यों ? किस वास्ते ?

કેર (सं,) दबाव, सख्ती, जुल्म, अन्याय, कठोरता, उपद्रव, स्वतंत्र राज्य ।

કેરબો (सं.) एक प्रकारका नाच, गुजराती नाच कहरवा, गुलाब जल रखनेका शुण्डाकार काच का पात्र । [बेर, एक प्रकारका फल ।

કેરાં (सं.) कैर, टेंट, एक प्रकारके कांटे

કેરી (સં.) આમ, આમ્ર, ચૂત।

કેવડું (ક્રિ. વિ.) કિતના, કિતના, (અધિક) કિતના (બડા)।

કેવડો (સં.) કેવડા વૃક્ષ, (ક્રિ. વિ.) કિતના (પુરાના) કિતના (બડા)

કેવળ (વિ.) શુદ્ધ, કેવળ, સિર્ફ (ક્રિ વિ.) સબ, સબ પ્રકાર, ઠીક।

કેવળ પ્રયોગી અવ્યય (સં.) (વ્યાકરણ મેં) અવ્યય।

કેવારે (ક્રિ. વિ.) કબ ? કિસ સમય ?

કેવું (વિ.) કૈસા, કિસભાંતિકા,

કેશ-સ (સં.) બાલ, કચ પાશ (સં.) બાલોં કી ગાંઠ।

કેશર-સર (સં.) જાફરાની રંગ। કેશરિયા રંગ। જાફરાન।

કેશવાળી (સં.) સિંહ યા ઘોડે કી ગર્દન કે બાલ, અયાલ।

કેશાકર્ષણ (સં.) બાલોં કા ખિંચાવ કેશાકર્ષણ, બાલોં કી ખાંચ,

કેસરિયાં કરવાં (ક્રિ.) યુદ્ધમેંજી તોડ પરિશ્રમ કરના।

કેસરી (સં.) શેર, સિંહ, કેહરિ,

કેસુડું (સં.) પલાશ, વૃક્ષકે પુષ્પ

કેહેણ (સં.) સંદેશા, ખબર, બુલાવા, નિમન્ત્રણ।

કેહેણી-દી-વત (સં.) કહાવત, કહતૂત, મસલ, નિંદા દોષ, કલંક, અપયશ। [કથન કરના।

કેહેવું (ક્રિ.) કહના, બોલના,

કેળ (સં.) કેલે કા વૃક્ષ, રંભા વૃક્ષ, કદલી વૃક્ષ।

કેળપડી (સં.) ગ્યારહકી સંખ્યા,

કેળવણી (સં.) શિક્ષા, ઇલ્મ વિદ્યા ઉપદેશ।

કેળવવું (ક્રિ.) સિખાના, શિક્ષા દેના, પાલના, તાલીમ દેના।

કેળું (સં.) કેલા, રંભા ફલ, કદલી ફલ।

કેક (વિ.) બહુતેક, બહુતેરે, કઈ,

કૈલાસ (સં.) કૈલાસ પર્વત, શિવજી કે રહને કા પહાડ।

કૈલાસવાસી (વિ.) શિવ ધામ કે રહનેવાલે, મૃત, મેરાહુવા।

કૈવલ્ય (સં.) મુક્તિ, મોક્ષ, નિર્વાણ, પરિત્રાણ, પરધામ કી પ્રાપ્તિ, લય,

કોઈ (વિ.) કોઉ, કોઈ એક,

કોઈકાળે (ક્રિ. વિ.) કિસી સમય કભી કભી, વિરલે।

કોઠું (સં.) બસૂલા, કુસ્હાડી।

કોદંડાશુ (સં.) કામ બાણ, મદન શર, કામદેવ કે તીર।

કોકમ (सं.) आम की गुठली, अमचूर । [कुछ गरम, गुनगुना ।
કોકરવાયું (वि.) कुनकुना, कुछ
કોકરવું (सं.) कान की बाली ।
કોકશાસ્ત્ર (सं.) रतिशास्त्र, कामशास्त्र वह शास्त्र जिसमें गर्भ विषयक वर्णन हो । प्रेमशास्त्र ।
કોકિલ-લા (सं.) कोयल, पिक
કોગળિયું (सं.) हैजा, विसूचिका।
કોગળો કરવો (क्रि.) कुल्ला करना, गंडूष કોગળો (सं.) कुल्ला, कुल्ली, गण्डूष । [सेज, शय्या ।
કોચ (सं.) पलंग, खाट, पर्यंक,
કોચલું-લું (सं.) कठिन छिलका, नरेठी, नरियल का सख्त छिलका ।
કોચવું (क्रि.) वेधना, छेदना, सूराखकरना, गड़ोना, चुभोना ।
કોટ (सं.) गर्दन, गला, शहर पनाह, नगर प्राचीर, कोट, किला, दुर्ग, कोट (वस्त्र) [कोठा ।
કોટડી (सं.) कमरा, कोठरी,
કોટલ (सं.) जादू, टोना, मंत्र टुटका । [पोलिस मजिस्ट्रेट ।
કોટવાલ (सं.) मुन्सरिम, थानेदार,
કોટવાલી (सं.) पुलिस कचहरी, पुलिस स्टेशन, थाना ।
કોટિ-ટી (सं.) करोड़, दस लाख। आलिंगन, गोद । [डोंगी ।
કોટિયું (सं.) डोंगा, छोटीनाव
કોટિલો (सं.) कातने का औजार, ताकू, तकला ।
કોટી કરવી (क्रि.) लिपटाना, आलिंगन करना, छातीसे लगाना ।
કોટું (वि.) झांसा, धोखा, कपट प्रबन्ध, अघस प्रेम, फंदा, फाँसी, बन्दोवस्त, प्रबंध ।
કોટ્યાન કોટિ (वि.) करोड संख्यक, कोटि कोटि, करोडों, अगणित । [एक प्रकार का फल।
કોઠ (सं.) एक प्रकार का सोंप,
કોઠાર (सं.) खत्ती, बखारी, भण्डार गृह । [व्यापारी ।
કોઠારી (सं.) भण्डारी, अन्न का
કોઠી (सं.) अन्न भरने की मिट्टी की बनी कोठी, आढत, गोदाम, सरकारी आफिसर के रहने का स्थान । निवास स्थान ।
કોઠું (सं.) सूरत, शक्ल, रूप, दिखावट, मुखलक्षण, निरूपण विद्या, इल्मकयाफा । फल ।
કોઠો (सं.) पेट, उदर, जठर, संक्षेप, सारसंग्रह, भोजन, खाना, अंगरखे का ऊपरी भाग ।

કોઢ (સં.) અભિલાષા, અભિલાષા, ચાહ, ચિંતા, સોચ।
કોઢિયું (સં.) કમળાહિરા મિટ્ટી का प्याला, કોડી, કુલ્ડી।
કોઢિલું (વિ.) उत्सुक, अनुरागी, अभिलाषी, ललायित, इच्छुक।
કોડી (સં.) કૌડી, सस्ता छिलका, निकम्मा, अनुपयोगी, २० नग।
કોડું (સં.) चौंचा, मोहरा, [चूल्हा।
કોઢ (સં.) कुष्ट रोग, भट्टी, भाड़,
કોણ (सर्व.) कौन? क्या? (सं.) कोना, खूंट, टेढ़ेलाओं का मेळ।
કોણ જાણે (क्रि. वि.) क्या जाने! शायद, समवत'।
કોણી (सं.) कुहनी
કોતુક (सं.) अ त, अजीब, अचंभा, आश्चर्य,
કોતર (सं.) गुफा, कन्दरा, ग़ार मॉद, छिद्र, तळघर।
કોતરણી (सं.) खुदाई, नक्काशी, खुदाई करने का औज़ार।
કોતરવું (क्रि.) खोदन, काटना, पत्थरपर नक्काशी करना, बिल खोदना।
કોતલ (वि.) फालतू, अल व्ययी।
કોતિહ (सं.) कमी, घटी, न्यूनता।
કોથમીર (सं.) धनिये का पौधा।
કોદરી (सं.) चेली, एक इकहर की संज्ञा, (बोल चाल की भाषा में)
કોદાળો (सं.) बेला, गोंत, [कुदाल।
કોદરા (सं.) एक प्रकार का अन्न,
કોદાળી (सं.) कुदाली, फावड़ा, खुर्पी।
કોનવત (सं.) ईशान कोण का वायव्य कोण का खड़ा लम्बाकार
કોનાત્મક (वि.) तुकीला, कोणयुक्त,
કોપ (सं.) क्रोध, राग, ताम्बा, रिस, [तल का मिश्रण।
કોપર ગરાસ (सं.) ताँबे और पी-
કોપરાપાક (सं.) एक प्रकार की मिठाई जो खोपरे और शक्कर के योग से बनती है। मार।
કોપરિયું (सं.) कुहनी [खोपरा।
કોપરું (सं.) नारियल की गरी,
કોપરેલ (सं.) खोपरेका तेल, नारियल का तेल।
કોપવું (क्रि.) क्रुद्ध होना, नाराज होना, कीमत करना। [कुपित।
કોપાયમાન (वि.) क्रुद्ध, नाराज,
કોપીન (सं.) लँगोटी।
કોપર (सं.) खड्ड, दर्रा, घाटी, दो पहाड़ों के बीच की जगह।
કોમળ (सं.) कोमी, करम का।

કોળે કરવો (ક્રि.) चूने का कर्ण पीटकर बनाना, कर्ण पर चूना कूटना। [कौम।

કોમ (सं.) लोग, वर्ग, जाति,

કોમળ (सं.) मुलायम, नरम, मृदु। [मृदुता, सुकुमारता।

કોમળતા (वि.) नरमी, मुलायमी

કોયડો (सं.) पहेली, बुझौवल, प्रवालहिका। [कोकिला, पिक।

કોયલ (सं.) भारतीय कोकिल,

કોયલો (सं.) कोला, बुझाहुवा अंगारा। [प्रान्त भाग। गोट।

કોર (सं.) किनारा, छोर, कगर,

કોરટ (सं.) कोर्ट, न्यायालय, अदालत।

કોરું-કટ્ટ (वि.) सूखा, सील नमी, तरी, आदि से रहित।

કોરડો (सं.) चाबुक, कोड़ा, शक्ति, अधिकार।

કોરણ (सं.) देखो કોર

કોરણી (सं.) देखो કોતરણી

કોરમું (सं.) घीमी घीमी आग से पकाई, उबली, हुई, दली हुई दाल।

કોરી (सं.) चाँदी का एक छोटा सिक्का जो लगभग चार आने के होता है।

કોરું (सं.) कोरा, नया, सूखा, शुद्ध, बे बर्ती वस्तु, सादा, कोरस।

કોરે (क्रि. वि.) एक तरफ अलग (उप.) के पास, समीप, कोने में।

કોરે મુકવું (क्रि.) अलग रखना, एक तरफ डाल देना।

કોરે રાખવું (क्रि.) एक तरफ डाल रखना, एक ओर बिठा रखना।

કોલ (सं.) शब्द, वचन, जहाज़ का बन्दरगाह में प्रवेश, सरळ, वादा, गिरो, जमानत, बन्धक, रहन। [रार, वादा, संधि, मेळ।

કોલ કરાર (सं.) नियमपत्र, इक-

કોલસો (सं.) देखो કોયલો

કોલાહલ (सं.) रौला, कलकल, शोर गुल। [परिश्रम द्वारा पुष्ट।

કોલાટી (सं.) पुष्ट, शारीरिक

કોલું (सं.) गीदड़, लड़ैया, स्यार, लोमड़ी।

કોવો (सं.) कबरापन, भूरापन।

કોવિદ (सं.) पढ़ा लिखा आदमी, विद्वान, पंडित, डाक्टर, हकीम।

કોશ (सं.) खजाना, भंडार, अभिधान, डिक्शनरी, लुगत। म्यान, कली, कलिका, घन, खोदने का औजार, [प्रयत्न।

કોશિશ-શ (सं.) यत्न, उद्योग

કોસેટો (સં.) રેશમ का कीड़ा, कच्चे रेशम का कोया ।

કોસ્ટક (સં.) लेखा या गिन्ती का नक्शा । कोष्टक । ब्रेकेट ।

કોસ (સં.) दो मील, कोश, चमड़े का डोल या डोलची, खोदने का लोहे का औजार, खनित्र ।

કોસથુ (સં.) पसलियों के नीचे की बाजू, कोल । [करना ।

કોસથુવું (ક્રિ.) मिलाना, मिश्रित

કોસંબી (સ) छाल, सुर्खी ।

કોસબો (સં.) अफीम के पानी में घोलकर शरबत बनाना ।

કોસલું (સં.) हल में लगाया जाने वाला लोहे का औजार ।

કોસવું (ક્રિ.) धिक्कारना, कोसना शाप देना, बातोंद्वारा दुखी करते रहना । [डोलची पर महसूल ।

કોસવેરો (સં.) पानी की डोल या

કોસિયો (સં.) वह जो डोल या बालटी से पानी खींचता है ।

કોસું–સવું (વિ.) कुछ कुछ गर्म गुनगुना । [दोषी ।

કોહેડું (વિ.) सड़ा, गला, कपटी,

કોહેડ (સં.) केाढ़, कुष्ट, दूकान, कारखाना, कलम, लेखनी ।

કોહેલું (સં.) गीदड़, स्यार, वल्लुक, लोमड़ी, कोल्हू, गन्ने का रस निकालने का यंत्र ।

કોહોવાયુ (સં.) सड़ा, गला, कपट

કોહોવું (ક્રિ.) सड़ना, गलाना,

કોહ્યાળું (સં.) एक प्रकार का काला कद्दू ।

કોહ્યાળોલું (વિ.) कड़ी जबान बोलनेवाला, कड़ी तुम्बी, लौकी ।

કોહ્યું (વિ.) उदासी, चिड़चिड़ा रूखा ।

કોળ (સં.) घूँस, बड़ा चूहा ।

કોળવાડ (સ.) चूहों के पकड़ने का फन्दा ।

કોળિયો (સં.) ग्रास, लुक्मा, टुकड़ा, छोटा, कौर । [कोरी ।

કોળી (સં.) शूद्रों मे एक जाति

કોળીનાળી (સં.) शूद्र, शूद्रों की सब जातियां ।

કોળું (સં.) लौकी, तुम्बी, कद्दू

કોતક–તુક (સ.) अद्भुत, विचित्र, कद्दू ।

કોમુદી (સ) चाँदनी, चन्द्रप्रभा,

કોવચ (સ.) बिच्छू का पेड़, कौंच वृक्ष, कौंच की फली की खुजली । [बल ।

કોવત (સ.) शक्ति, ताकात, आत्मा,

કૌશલ્ય (સં.) કુશલ, નિપુણતા, દક્ષતા, હોશિયારી, હુનરમંદી ।

કૌશિક (સં.) વિશ્વામિત્ર, કુશિક વંશીય । [( ) કોષ્ટક, બ્રેકેટ ।

ક્રિયા(સં.) અનન્વિત વાક્ય,ઉપવાક્ય,

ક્રૌસ્તુભ (સં.) સમુદ્ર મથન કે વખ્ત નિકલી હુઈ ૧૪ વસ્તુઓ મે સે એક । રત્ન,

ક્ષમાપત (સં.) ન્યાય કા દિન, વહ દિન જિસ દિન મુસલમાનોં કા ન્યાય ઈશ્વર કરેગા । અંતિમ દિન ।

ક્ષમારેડા-રેા (સ) ક્યારા, ક્યારી ।

ક્ષમારે (કિ. વિ.) કબ? કિસ વખ્ત ।

ક્ષમાસ (સ.) અટકળ, અન્દાજ । મોલ, મુલાઈ ।

ક્ષમ (સ.) પરિપાટી, રીતિ, ભાંતિ, અનુક્રમ । [કદમ, અતિક્રમણ ।

ક્ષમણ (સં) ચલના, આગે બઢના

ક્ષયવિક્ષય સ.) બેચ ખોચ, બેચના ઔર ખરાદના । વાણિજ્ય,

ક્રાંતિ (સં.) બદલ, પરિવર્તન, આક્રમણ, ગમન, । [ચક્ર ।

ક્રાંતિવૃત (સં. ક્રાન્તિમંડલ, રાશિ-

ક્રિયા (સં.) વ્યવહાર, કામ, કૃત્ય, ઉત્સવ, રીતિ । [ક્રિયા શબ્દ ।

ક્રિયાપદ (સં.) વ્યાકરણ મેં ક્રિયા, ક્રિયાવિશેષણ (સં.), વહ શબ્દ જિસ સે ક્રિયા મેં કુછ વિશેષતા પાઈ જાવે [સજાવટ ।

ક્રીડા (સં.) ખેલ, દિલબહલાવ,

ક્રૂર (સં.) સખ્ત, કઠોર, નિર્દય બેરહમ, ભયાનક ।

ક્રોડ (સં.) કોટિ, કરોડ ।

ક્રોધ (સં.) ગુસ્સા, કોપ,

ક્રોધાયમાન (વિ.) કુપિત, ક્રોધ-યુક્ત, કોપાવિષ્ટ, [પ્રકૃતિકા ।

ક્રોધિષ્ટ-ષ્ઠી (સં.) ગુસ્સૈલ, ક્રોધી

ક્લિષ્ટ (સં.) દુખી, ક્લેશિત, કઠિન, થકા હુવા ।

ક્લીબ (સં.) નપુંસક, હિજડા,

ક્લેશ (સં.) દુ ખ, તકલીફ, ઝગડા બખેડા, લડાઈ ।

ક્વચિત (કિ. વિ.) કુછ, થોડા, કદાચિત્ ।

ક્વાથ (સં.) કાઢા,

ખ

ખ— ગુજરાતી વર્ણમાલા કા ૧૨ વાં અક્ષર, (સં.) સ્વર્ગ, આકાશ, શૂન્ય । [રોગ ।

ખર્વ (સં.) સ્વી, તપેદિક ક્ષય-

ખખ (સં.) અત્યંત બૂઢા, સઠા, થકા

ખખડવું (કિ.) ચિડચિડા, ચડચડે સ્વભાવ, ચીડકણા સ્વભાવનો, બકવાદી।
ખખડવું (કિ.) ખડ ખડવું, બકવાદ કરવો [ખડખડ શબ્દ।
ખખડાટ (સં.) ખડખડાહટ,
ખખડાવવું (કિ.) ખડખડાવવું, ખડખડાવવું, ચિડવવું, ખનખનાવવું. બક બક કરવું. ડાટવું,
ખખરખખર (કિ. વિ.) સડવું, ઓર તિતર વિતર હોવું, તિતર વિતર।
ખખરવું (કિ.) અવરુદ્ધ થવું, બુઝ હોવું। [બેઠેલ ગલાનો સ્વર।
ખખરી (સં.) કંઠાવરોધ, સૂકો સ્વર,
ખખરો (સં.) દૂસરોંના દુઃખમાં શોક, સમવેદના, પશ્ચાતાપ, પ્રાયશ્ચિત, તોબા।
ખગ (સં.) પક્ષી, સ્વર્ગ,
ખગપતિ (સં.) ગરુડ, પક્ષિરાજ,
ખગવાહન (સં.) ઈશ્વર, વિષ્ણુ
ખગોળ (સં.) સ્વર્ગ, તારકાયુક્ત આકાશ, આકાશનો ગોળો।
ખગોળવિદ્યા (સં.) નક્ષત્ર વિદ્યા, જ્યોતિષ।
ખગોળવેત્તા (સં.) આકાશ વિષયક જ્ઞાન રખનેવાલા, જ્યોતિષી।
ખગ્રાસ (સં.) સંપૂર્ણ ગ્રહણ, પૂર્ણ ગ્રહણ।
ખંખાર (સં.) હિનહિનાહટ

ખંખારવું (કિ.) હિનહિનાના મગજી કરાવના, મોટલમાના, બાજ સે શિકાર કરાના।
ખંખેરવું (કિ.) કચરો ઝાડવો, ખુડકના, ધમકાના, ડાટના।
ખગ (સં.) ઈર્ષા, દાહ, વૈર વહન, અન્યાય, વિરોધ, દ્વેષ, દ્રોહ, પ્રતિકૂલ,
ખચકાવું (કિ.) ઠહરના, પીછે હટના, સિકુડના, શિથિલના।
ખચ્ચર (સં.) પુરાના, પ્રાચીન, કુહા, કરકટ, મરિયલ ઘોડા।
ખચ્ચર (સં.) પશુ વિશેષ, ખચ્ચર, ગોખર, બનૈલા ગધા।
ખજવાળ-ખંજવાળ (સં.) ખુલ બુલી, ખુજાલ, ખાજ।
ખજાનચી-જી (સં.) કોષાધ્યક્ષ, ધનાધ્યક્ષ, રોકડિયા।
ખજાનો-જીનો (સં.) ધનભંડાર, કોષ, રાજ્યધનાગાર।
ખજુર (સં.) ખર્જૂર, ખુહારા (ખજૂર વૃક્ષ) [તાડવૃક્ષ।
ખજુરી-રૂ (સં.) ખુહારેકા વૃક્ષ,
ખંચાવું (કિ.) સંદેહ કરના, હિચકિચાના, આગાપીછા કરના, લજ્જિત હોના ઔર ઠહરના।
ખંજન (સં.) પક્ષી વિશેષ, ખંજન નામક પક્ષી।

ખંજર (सं.) छुरी, कटार, छुरा।
ખંજરી (सं.) डफली, खञ्जरी।
खंग। [दुष्ट, (वि.) ६, छः
ખટ (सं.) स्वर, तान, अलाप,
ખટકર્મ–ર્મ (सं.) धार्मिक कृत्य पूजा। [छेदना, बेधना।
ખટકવું (क्रि.) खटकना, भड़कना,
ખટકો (सं.) रोक टोक, अटकाव, बाधा, रोक, सन्देह, शक।
ખટખટ (सं.) टिकटिक, शब्द, झगड़ा, विवाद, लड़ाई, व्याकुळ, बे मेल।
ખટખટ (सं.) उलझाव, पेच, दुख, कष्ट, तकलीफ, चिंता, कपट, प्रबन्ध, फूट, विरोध, भेद, राजदूत, व्यवहार।
ખટખટિયો (सं.) उद्यमी पुरुष, दौड़ धूपकरनेवाळा, मामला समझानेवाला, दखल देनेवाला।
ખટમધુર–રું (सं.) खट्टा मीठा, खट मिट्ठा, [स्वेदज जीव।
ખટમલ (सं,) खटमल, एक
ખટરસ (सं.) छः रस, छः स्वाद, बेमेल [बेमेल, कठनाइयाँ फिक।
ખટરાગ (सं.) रागके छःप्रकार।
ખટરિપુ (सं.) कामक्रोध, लोभ मोह मद मत्सर ये छः शत्रु।
ખટવો (सं.) तौंता, बेची, सौदा, नौकर चाकर, सवारी, ठाटबाट, कुटुम्ब, विवाद, झगड़ा, पेटी, अभियोग।
ખટશાસ્ત્ર (सं.) हिन्दुओं के प्रसिद्ध छः शास्त्र, । सांख्य, योग वेदान्त, मीमांसा, न्याय, वैशेषिक।
ખટાશ (सं.) खट्टा अर्क, खट्टापन, तुर्शी, मिठास,
ખટારો (सं.) लद्दू गाडी, गाड़ा, पुराने ढंगकी माड़ागाड़ी। [लाभ पाना।
ખટાવવું (क्रि.) भलाई करना,
ખટાશ (सं.) खट्टापन, तुर्शी,
ખટમધુ (सं.) विशेषतः खट्टा, खट्टा और मीठा। [मरहम, इलाज,
ખડ (सं.) घास, भूसा, तिनका
ખડક (सं.) चट्टान, थपक।
ખડકવું (क्रि.) प्रबन्ध करना, ठीक करना, लादना, बटोरना, पास पास रखना।
ખડકી–(सं.) परिधि, अहाता, मकान का बराम्दा, गली।
ખડખડ (सं.) झन झन, अंगीठी, रोक, आड़! (वि.) साफ सौरसे।
ખડખડવું (क्रि.) खड़खड़ाना, बकवाद करना, झड़झड़ाना, रगड़ना, घिसना, ढिक करना।

भड़भड़िया (सं.) एक प्रकार की सूखी टिकलियाँ, सूखी चपाती।
भड़भड़ी (सं.) कोई भी वह वस्तु जो खड़खड़ शब्द करती हो, भाड़ की गाड़ी, नरियर, बिदाई, पदच्युति।
भड़भा (सं.) तलवार, कृपाण, अग्नि, गेंडा का सींग।
भड़भाना (वि.) योग्य, बलवान, मजबूत, दुष्ट, पापी, अधम, खल।
भड़भाना-भड़ुकना (सं.) दुलत्ती, लात फटकारना।
भड़भान (सं.) पृथक पृथक जातिका अन्न। [शब्द करना।
भड़भड़ाना (क्रि.) खोलना, अप्रिय
भड़भड़ी (स.) करारा, टीका, ऊंची आवाज डांटडपट, अप्रिय शब्द करनेवाला। [अपमान।
भड़भड़ुआ (वि.) खुरदरा, विषम,
भड़भड़ाना (क्रि.) गड़गड़ाना।
भड़भड़ाहट (सं.) शोरगुल, कोलाहल, हुल्लड़, रौला, हड़बड़ी,
भड़भूजा (सं) तरल पदार्थ की तह से जमी हुई परत।
भड़भुंजा (सं.) खरबूजा,
भड़भड़ (सं.) चोरकी खड़खड़ाहट, झगड़ा, विवाद।
भड़भड़ाना (क्रि.) खड़खड़ाना, बड़बड़ाना, बकवाद करना, झगड़ना।
भड़ुआ (क्रि.) छूटना, नष्ट करना, फैलाना, पेट में डालना, गंदा करना, मूर्च्छित होना, हटाना, उखाड़ना छिड़कना, लीपना, दोष लगाना।
भड़ुआ (सं.) पादुका, खड़ाऊँ, खड़ा ऊभा। [अदा, बिल, हुंडी।
भड़ुआ उतारू (वि.) देय, वाजिबुल
भड़ुई (सं.) सूखी घास का ढेर, घास का गंज
भड़ाभड़ (क्रि. वि.) कड़कड़ाहट, के साथ, चंचलता से।
भड़ुआ (स.) अकाल, दुर्भिक्ष, अगला बैल तेंदुआ, चीता।
भड़िया (स) दालान, मसिपात्र,
भड़िया भड़ुई (स.) सुहागा।
भड़ी (स.) एक प्रकार की सफेद मिट्टी चाक, खरिया मिट्टी पत्थर
भड़ीसाकर (सं) मिश्री, कन्द, खेदार शक्कर। [वस्त्र
भड़ुआट (वि) सफेद किया हुआ
भरे चौक (सं.) सरे मैदान, मैदानमें, खुलमखुला, सबों के सामने।
भड़ो (सं) जूतीका पिछला हिस्सा, जो एड़ी के ऊपर होता है।

ખણખણાટ (સં.) ખનખન का शब्द,
ખણખોદ–ણ (સં.) अपराध ढूँढ निकालने का काम, द्वेष,
ખણખોદવું કરવું (क्रि.) चुगली करना, दोष ढूँढना।
ખણવું (क्रि.) खोदना, कुरेदना,
ખંડ (सं.) भाग, हिस्सा, टुकड़ा, विभाग, जाका अँगिया चोली के लिये एक कपड़े का टुकड़ा, खण्ड, महाद्वीप, अलग, [जुर्माना।
ખંડણી (सं.) कर, भेंट, दण्ड,
ખંડન (सं.) तोड़, नाश, तरदाद, काट।
ખંડવું–ડી રાખવું–ખેવું (क्रि.) ढेरका ढर सस्ते दामों पर खरीदना, मिलाना, आपस में मिलकर लिपटना, हिस्सेरसी से बाँटना।
ખંડાવવું (क्रि.) ખાડવું का कारण बतानेवाला।
ખંડિત (वि.) आपेलुं, टूटा, बिखरा, અપમાન થયેલું, अपमानित, झूठा किया हुवा।
ખંડિયર, ખંડિયેર, ખંડેર, (सं.) टूटाफूटा गृह, बरबाद भूमि।
ખંડિયો (सं.) सहायक, मददगार, आधीन, छोटा। करद।
ખંડી આપવું–લાવવું (क्रि.) माल का ढेर सस्ते भाव बेच डालना, कम कीमतको हिस्से रसी से आपस में बाँट लेना।
ખત (सं.) तमस्सुक, मुचलका, कर्ज की रसीद, વેચાણખત बिक्री का कार्य धरेणखत गिरवा या रहन रखने का धन्धा, लेख प्रमाण।
ખતપત્ર (सं.) लेख प्रमाण, मुचलका, तमस्सुक, चिट्ठी पत्री।
ખતમ (स) समाप्ति, अंत, आखिर, पूर्ण, परिणाम।
ખતમ કરવું (स.) समाप्त करना, पूर्ण करना, अंत करना।
ખતરો (सं.) शक, सन्देह, डर, भय,
ખતવણી (स.) रोजनामचे आय रोकड से खातावही में रकम लिखना खातावही में हिसाब लिखना।
ખતવવું (क्रि.) रोजनामचे में से बहीखाते में हिसाब लिखना।
ખતા (स.) भूल, गलती, अपराध, हानि, घाटा, पछताना।
ખદખદવું (क्रि.) उबलना, धीरे धीरे खौलना, सनसनाना।
ખદડવું–દેવું (क्रि.) जल्दी निकाल देना, आगे ढकेलना, बकाना, धकराना।

ગદ્યું (સં.) ગદ્ય, ગદ્ય,
ગદ્યું (ક્રિ.) ગબ્બી જાના, શીઘ્ર જાના । [ગ્રહ, સૂર્ય ।
ગદ્યોત (સં.) તિતલી, જુગનૂ, તારા,
ગદ્ય-ગદ્ય (સં.) ક્ષિપ્ર, સાવધાની, પૂર્વક જાંચ ।
ગદ્યીજ (સં.) ખાનિક, ધાતુ, ખાન સે ઉત્પન્ન વસ્તુ ।
ગંત (સં.) અરુચિ, ઘૃણા, ધુન, ઉદ્યોગ ચિંતા ।
ગંતીદું (વિ.) ચિંતિત, ઉદ્યોગી,
ગધાઈ-દાઈ (સં.) ચાલાકી, મક્કારી, છલ, પાખણ્ડ, દુષ્ટતા ।
ગધું (વિ.) હટી, ચિડી, છટી, ચાલાક, પાખણ્ડી । [ક્ષય ।
ગય (સં.) ચાહ, પૂછ, ખર્ચ, વ્યય,
ગયનું (વિ) યોગ્ય, ઉચિત, ઠીક ।
ગયન (સ.) ચાહ, પૂછ,
ગયરેલ (વિ.) ખપરે નારિયા આદ મે છાયા હુયી મકાન કી છત, ખપરા ।
ગયવું (ક્રિ.) બિકી હોના, ખર્ચ હોના વ્યય હોના, ક્ષય હોના, ચાહ હોના, ખપતી હોના ।
ગયહિયું (સં.) બાંસકી ચિમડી, બાંસકી ખપચી ।
ગયેડી (સં.) એક પ્રકાર કા કીડા જો ખેતી કો હાનિ કરતા હૈ, ખપરા નામક કીડા ।
ગયેડો (સં.) બાંસકી ખપચિયોં કી બની ચટાઈ ।
ગરર (સં.) ખોપડી, પાત્ર વિશેષ, સાધુઓ કા પાત્ર, દેવી કા પ્યાલા।
ગરરમાં આવવું (ક્રિ.) મેટ મે આના, બલિ મે આના ।
ગદ્દા (ત્રિ.) કુપિત, ક્રોધિત, નારાજ, નાખુશ, અપ્રસન્ન ।
ગરા થવું (ક્રિ.) નારાજ હોના, અપ્રસન્ન હોના ।
ગગર (સ.) સમ્વાદ, સમાચાર, ઇત્તિલા, સન્દેશ, સૂચના, ગપ્પ, અફવાહ, ફિક્ર, જ્ઞાન, ઇલ્મ, ધ્યાના
ગગર આપવી-કરવી (ક્રિ.) ખબર દેના, સૂચિત કરના ।
ગગર રાખવી (ક્રિ.) ફિક્ર રખના, ચૌકસી રખના, ધ્યાન રખના, ક્યા હોતા હૈ ઇસકા ખયાલ રખના । [ચિંતા કરના, બદલા લેના।
ગગર લેવી (ક્રિ.) ખ્યાલ કરના,
ગગર અંતર (સં.) દેખો ગગર ।
ગગરદાર (વિ.) સાવધાન, હોશિયાર ચતુર, ગુણી, સમઝદાર, પ્રવીણ

ખબરદારી (સં) સાવધાની, હોશિયારી, પ્રવીણતા, ચાતુરી ।

ખબુતર (સં.) કબૂતર, કપોત, કાયસ્થ । [કા સ્થાન ।

ખબુતરખાનું (સં.) કબૂતરોંકે રહને

ખબળવું (ક્રિ.) ધરમરાહટ, હિલોરના, હલચલ મચાના । [આન્દોલન।

ખબળાટ (સં.) ધરમરાહટ, હલચલ

ખભો (સં.) સ્કંધ, કંધા, કાંધા,

ખમણ (સં.) નરિયલ કી ખરેટી કો ખરાદ પર ચઢાને કા કામ ।

ખમણવું (ક્રિ.) નરિયલ કી ખરેટી કો ખરાદ પર ચઢાના । [ખરાદી ।

ખમણી (સં.) ખુરચનેવાલા કરછા,

ખમતી ખાસામી-ધર (સં.) વહ જો માર ઔર હાનિ સહ સકે ।

ખમવું (ક્રિ.) સહન કરના, સહના, ભુગતના ।

ખમા (સં.) ધૈર્ય, સબ્ર, નમ્રતા, મુઆફી. સહન શીલતા, ક્ષમા ।

ખમીર (સં.) ખમીર, પાચક શક્તિ, રુચિ, સ્વભાવ, રોષ ।

ખમીસ (સં.) કમીઝ, શર્ટ, અંગ્રેજી કાટ છાંટ કા કુરતા ।

ખંભ (સં.) સ્તમ્ભ, થંભા, ટેકા ।

ખર (સં.) ગર્દભ, ગદહા, ગધા (વિ.) ચપટ્યા, પૈના, તેજ ।

ખરખરો કરવો (ક્રિ.) દુસરોં કે સાથ મિલાપ કરના, દુઃખ મેં હોના। ખરખરે જવું (ક્રિ.) દુઃખ મેં જાના, દુઃખમેં સહાનુભૂતિ દિખલાને કો જાના । [અદાલત કા વ્યય।

ખરચ (સં.) વ્યય, ખર્ચ, ખપત,

ખરચવું-કરવો (ક્રિ.) વ્યય કરના,

ખરચાઉ-ચાળ-ચાળુ (વિ.) ખર્ચીલા, ખર્ચ કરને મેં ઉદાર, અપવ્યયી, વ્યર્થી ।

ખરચી (સ.) ખર્ચ કરને કો રુપયા, ખેજ ખર્ચ, (વિ.) દૈનિક પ્રયોગ કે લિયે, સાધારણ, છુટાવ, ઉઠાવ ।

ખરચીપાણી (સં.) વ્યય કરને કો રુપયા પૈસા । ખરચ વર્ચ ।

ખરજ (સં.) ખાજ, ખુજલી, ચુળ, એક સ્વર, ષડજ । [નીચ ।

ખરજવું (સં.) ખુજલી બીમારી,

ખરડ (સં.) મરહમ, ઇલાજ, ઘાસ, કચ્ચા શીશા, કચ્ચી મણિ ।

ખરડવું (ક્રિ.) લીપના, ચુપડના ગંદા કરના, ખરાબ કરના, બિગાડના । માન હાનિ કરના, ફંસાના ।

ખરડાવું (ક્રિ.) નષ્ટ હોના, દાગી હોના, કલંકિત હોના । [મજમૂન ।

ખરડો (સં.) કચ્ચી નકલ, મસૌદા,

ખરતલ (વિ.) મજબૂત, દૃઢ,

ખરડું કરવું-ચરડું (ક્રि.) ભેદ દેવા, ત્રાગ દેવા, તરકવા।
ખરડું થવું (ક્રિ.) વિણ હોવા। બગાડ કરવા। [નક્ષત્ર।
ખરતો તારો (સં.) ખરતા હુવા
ખરવું (ક્રિ.) ખોદન, ખુરચવા, હટાવા, કુદાળી સે ખોદના।
ખરપી (સં.) એક પ્રકાર કી કુદાળી, ખુર્પી।
ખરપો (સં.) ખુર્પા, [બરાબર।
ખરબચડું (વિ) ખરદરા, વિષમ,
ખરવ (સં.) દેખો ખર્વ। [લાના।
ખરવું (ક્રિ.) ગિરજાના, કુમ્હ-
ખરસળી (સં.) ઘાસ કી પત્તી।
ખરસાણી (સં.) એક વનસ્પતિ વિશેષ, એક પ્રકાર કા પૌધા।
ખરાખર (ક્રિ. વિ.) બેશક, દરહકીકત, વસ્તુત. સચમુચ,
ખરાખરી (સં.) સચાઈ, સત્યતા, ગુણ દોષ પરીક્ષા સમ્બન્ધી સમય, મૂક્ષ્મ સમય, આફત, વિપત્તિ,
ખરાદ (સં.) ખરાદ, ચક્ર યંત્ર,
ખરાપણું (સં.) સચાઈ, સત્યતા, ખોખાપન,
ખરાબ (વિ.) બુરા, દુષ્ટ,
ખરાબ કરવું (ક્રિ.) હાનિ કરના, ખલલ કરના, નષ્ટ કરના, બર્બાદ કરના, બિગાડના।
ખરાબખસ્ત (સં.) બુરા, બદતર-બુરા, ઉજડા, નષ્ટ,
ખરાબી (સં.) બુરાપન, બરબાદી, હાનિ, ઘાટા, નુકસાન, આફત।
ખરી (સં.) ખુર, ઠીક, સત્ય, ન્યાય્ય, ઉચિત,
ખરીદ (વિ.) ક્રય, કીનના,
ખરીદદાર (સં.) કેતા, ક્રયકર્તા, ગ્રાહક, [ખરીદના।
ખરીદવું-ખરવું (ક્રિ.) મોલલેના
ખરીદભાવ (સ.) અસલી મૂલ્ય લાગતમૂલ્ય, ઉચિતમૂલ્ય।
ખરીદી (સ.) ખરીદ, સૌદા,
ખરીફ (સં) વહ ફસલ જો શીતકાલ મે કાટી જાતી હૈ, ખરીફ।
ખરું (સ.) સત્ય, ઠીક, ઉચિત, મુનાસિબ, (ક્રિ. વિ.) અચ્છા, ઠીક, (સં) ફૌલાદ।
ખરુંખોટું (સ.) બુરાભલા, સચ્ચ ઝૂઠા, સત્ય અસત્યકા મિશ્રણ।
ખરે-ખરેખર, ખરેખરું-ખરેખાત (ક્રિ. વિ.) સચમુચ, વાસ્તવમેં, હકીકતમેં, ઠીકઠીક।
ખરેટો (સં.) બર્તનપરલેપન, બાસન પર પોતના। બર્તનપર ખરોંચ।

ખરેડું (सं.) गाय अथवा भैंसका बच्चा उत्पन्न होने के बाद प्रथम दुग्ध। चीका।
ખરેડી (सं.) चिरन, गरारी।
ખરેરા-રેરો (सं) खुरां, खरारा।
ખર્વ (सं.) १०,००,००,००,०००
ખલ (सं.) खरल, पत्थरकी खरल दुष्ट, नीच, अधम।
ખલક (सं.) संसार, सृष्टि,।
ખલતો (सं.) पानसुपारी, इत्यादि रखनेकी थैली।
ખલાસ (वि.) समाप्त, पूर्ण, खतम, व्यतीत, स्वतंत्र, छोड़ा।
ખલાસી (स.) मल्लाह, खेवट, केवट, समुद्री मनुष्य, जहाजी खपरे फेरनेवाला। [खल]
ખલી (सं) गिलहरी, एकप्रकारका
ખલીફ (सं.) खलीफा।
ખલેચી (सं.) थैली, बोरी।
ખલેલ (सं.) खलल, विघ्न, बाधा, हानि, बखेड़ा।
ખવડાવવું-વાડવું (कि.) खिलवत-देना खिलाना, चराना, उठाना, उस्काना, भोजनमें विषदेना मूँसदेना।
ખવાસ (सं.) आदत, प्रकृति, स्वभाव, पृष्ठ, टहलुवा, सेवक।
ખવીસ (सं.) दुष्टात्मा, दुरात्मा, खाऊ, चटोरा, रुण्ड, बिना सिरका राक्षस।
ખસ (सं.) खाज, खुजली, घोड़ों के लिये एक भाँतिकी घास, खस। [अफीम के बीज।
ખસખસ (सं.) पोस्त के दाने
ખસમ (सं.) स्वामी, पति, कान्त,
ખસર (सं.) सतर, पंक्ति, चोट, जरब।
ખસરત (सं.) स्वभाव, आदत, प्रकृति, मिजाज़।
ખસવું (कि.) हिलना सरकना दूरजाना, सरकना।
ખસિયાણું (वि.) लज्जित, व्यथित, व्याकुल, दुखी।
ખસી (सं.) बधिया, आँबू।
ખસીજવું (कि.) चलेजाना, सरकजाना, खसकजाना।
ખસુસ-ન (कि. वि.) मखीनन, मुख्यतया, खासकर, विशेष करके।
ખસેડવું (कि.) हटाना, एक तरफ करना।
ખળ (सं.) नीच, दुष्ट,
ખળકો (सं.) कुशी, कुरकी एक त्रितयोग। [का खलखल शब्द।
ખળખળ-ળાટ (सं.) एक प्रकार

ખળખળવું (ક્રિ.) ઉભરાવા, ઉછા-
વવા, પ્રકટ કરવા।
ખળભળવું (ક્રિ.) મનમોજવરાના,
મામૂલી બલબે મેં હોના, ઉબલના।
ખળભળાટ (સં.) ખલબલાહટ, હૈ-
રાની, હલચલ। [રાના અટકાના।
ખળાવવું (ક્રિ.) રોકના, ઠહ-
ખળાવાડ (સં.) ખલિહાન, બખા-
રા, ખત્તી, ખલિહાન કા સીમા યા
મૌક। [બખારા, કૂટને કા ફર્શ।
ખળી-ળું (સં.) ખલિહાન, ખત્તી,
ખા (સં.) સ્વામી, રાજકુમાર,
ખાખસ (સં.) રોગ નાશક ઔષધિ
રોગ હારી જડીબૂટી।
ખાખત (સં.) ખ્યાન, ખૂણા, દોષ
ઢૂંઢને કી પ્રકૃતિ, છિદ્રાન્વેષી।
ખાખાખોળા કરવા (ક્રિ.) ઇધર
ઉધર ઢૂંઢના,
ખાગડી-ડો (સં.) ઘોડે કી ખાલ।
ખાંગુ (સં.) ભેદિયા, ગુપ્ત, દૂત,
જાસૂસ।
ખાંચ-ખાંચુ (સં.) પેચ, ઉલઝાવ,
ઝંઝ, ગીચ, નિર્બલ, તુચ્છ હિસાબ
મેં ભૂલ।
ખાંચર ખુંચણું (વિ.) ઉંચાનીચા
પેચીલા, ઉલઝનદાર, અસમાન।
ખાંચવું (ક્રિ.) પીડા, ખીંચના,
ખાંચા ખુંચી (સં.) નસિયાં, ખોંચે,
ચૂંટ।
ખાંચો (સં.) ખડો, ખોના, ટેઢા,
હિસ્સા, શક, સન્દેહ, રોક,
અટકાવ।
ખાંજણ (સં.) ભૂમિ કો કિનારે
કે પાસ પડી હો, નમક કી વહ
દલ ગોરુઓં કે ચરને કા સ્થાન,
ચરાગાહ। [કે રહને કા ઘર,
ખાંજરૂ (સં.) વેશ્યાલય, રંડિયોં
ખાંડ (સં.) શક્કર, ચીની, ચાકૂ
ઇત્યાદિ કી ટૂટી ધાર।
ખાંડણિયું-ણો (સં.) લકડ કા
પત્થર કા મૂસલ। [ઉખલી।
ખાંડણી (સં.) ઉખલ, ઉદૂખલ
ખાંડવું (ક્રિ.) તોડના, નષ્ટ કરના,
ટુકની કરના, ચૂર ચૂર કરના કૂટના,
ખાંડી (સં.) બીસ મણ કા વજન,
કન્દી।
ખાંડું (સં.) ચૌડી મુઠ્ઠી હુઈ તલ-
વાર, ખાંડા (વિ.) ટૂટા, ખિરાહુવા।
ખાંત (સં.) ઉત્સુક, અભિલાષી,
ખ્યાન, ઉત્સુકતા પૂર્વક ખોજ યા
પીછા। [મર્દન, સહાયતા, મદદ।
ખાંધ (સં.) કંધા, સ્કંધ, બૈલ કી
ખાંધ દેવી (ક્રિ.) મૃતક પુરુષ કો
લેજાના। સહાયતા દેના, મિલકર
કામ કરના।

ખાંધિયો (सं.) वह जो अर्थी को या मृतक को ले जाता है, कुशा-अर्थी, मिलकर काम करनेवालों का सहायक।

ખાંધું (सं.) किस्त ऋण, भाग। सामयिक रुपयों की किस्त।

ખાંપણ (सं.) कमी, दोष, ऐब, खब्बा, दरार, कफन, शव परिधान वस्त्र, मुर्देपर लपेटने की चादर।

ખાંપણું (क्रि.) खुरचना, छीलना।

ખાંભ-ભ (सं.) स्तंभ, थंबा,

ખાંસી (सं.) कास, श्वास खांसी,

ખાઈ (सं.) खात, गर्त, नाला गड्ढा, भोजन, खन्दक।

ખાઉ (सं.) अंतमें लगाया जाता है (प्रत्यय) जिसका पेटू, भकोसू अर्थ होता है। [मरा सर्वभक्षी।

ખાઉધર (सं.) पेटू, खाऊ, भुख-

ખાએશ (सं.) ख्वाहिश, इच्छा, चाह, आवश्यकता, जरूरत।

ખાક-ખ (सं.) भस्म, राख, कोयला, सर्वनाश। [आज्ञाकारी।

ખાકસાર (सं.) नम्र, नीच, छोटा,

ખાખર (सं.) पलाश वृक्ष, एक जंगली पेड़।

ખાખરી-રો (सं.) सिकी हुई रोटी।

ખાખાવીખી (वि.) नष्ट, बरबाद,

ખાખી (सं.) तपस्वी, दीन, गरीब, देहाती, गंवार।

ખાજ (वि.) भोजन, खाना, खाद्य

ખાજાં-ખાજી-ખાજું (सं.) पापड़, खाजा।

ખાટ (सं.) चारपाई, खटिया, लटकन, झूलन, पलना, लाभ, मुनाफा, फायदा। [निर्दय पुरुष।

ખાટકી (सं.) बूचड़, कसाई,

ખાટકી વાડો (सं.) बूचड़खाना, वह स्थान जहाँ पशु मारे जाते हैं।

ખાટલો (सं.) खाट, पलंग, पलना।

ખાટલે પડવું-લો ભોગવો (क्रि.) खाट में पड़जाना, रोगी होना, अस्वस्थ होना। [उठाना।

ખાટવું (क्रि.) लाभ उठाना, फायदा

ખાટું ખચ્ચ-સ (वि.) अत्यंत खट्टा,

ખાટું (सं.) खट्टा, तुर्श, नाखुश, रंजीदा। [पोल।

ખાડ (सं.) गड्ढा, खाई, खोखला,

ખાડી (सं.) खाई, तंग समुद्र, नाळा, कोल।

ખાડું (सं.) भैसोंका झुण्ड।

ખાડો (सं.) गड्ढा, हानि, टोटा।

ખાણ (सं.) सुरंग, खानि, खान, तल घर, खदान, बैठक, ढोरों के लिये सुना हुवा अन्न।

ખાણ (सं.) भोजन आहार, दावत,

આતર (સં.) ખાદ, ખાંસ, મેહમાનદારી, અતિથિ સેવા, પક્ષપાત, તરફદારી, સેંધકળાના, ઘર ફોડ।

આતર ભાવ (સં.) વિશ્વાસ, તોષણ, તલાશી, રજામન્દી, સંતોષ ભરોસા।

આતરદારી (સં.) મેહમાની, ખાતિર, લિહાજ, આદર। [ભાવ।

આતરનીશા (સં.) દેખો આતર-

આતર પાડનાર (સં.) સેંધ લગાને વાલા, ઘર ફોડનેવાલા।

આતરવુ (ક્રિ.) બુરી રીતિ સે કામમેં લાના, દુર્વાક્ય કહના, નામ પુકારના, ખાદ દેના, ખાદ ડાલના।

આતરી (સં.) દેખો આતર ભાવ।

આતાધી (સં.) કર યા લગાન કી રાતિ।

આતા બાકી (સં.) હિસાબ કી કિતાબ મેં શેષ રકમ।

આતાવહી (સં.) બહી ખાતા, મારતીય ઢગ કી હિસાબ લિખને કી કિતાબે। [ભાગ, મુહકમા।

આતું (સં.) હિસાબ, વિષય, વિ-

આતો પીતો (વિ) ખા પી કર ખુશ રહનેવાલા, અચ્છી દશામેં,

આદી (સં.) ખાદર વસ્ત્ર ખાદી કપડા। [રસદ, દોષ, ઐબ।

આદ્ય (સં.) હાનિ, ટોટા, ભોજન,

આન (સં.) સ્વામી, માલિક, રાજકુમાર, ખાંન વાલ્લી પદવી।

આનગી (વિ.) ખરૂ, શુદ્ધ, ક્રિમા,

આનપાન (સં.) ખાના પીના,

આનાભરાણી (સં.) દુર્દશા, બર્બાદી, વિપત્તિ।

આનું (સં.) ભોજન, આહાર, ખન, સ્થાન વાચક પ્રત્યય। ખુરાક।

આનું ખરાબ થાઓ (વિ.) તેરા નાશહો।

આનેખાસાદ (વિ.) તેરા ભલા હો,

આપ (સં.) શીશા, દર્પણ, ઐના।

આપણ (સ.) શબપરિધાન વસ્ત્ર, કફન, [હીરાકસીસ]

આપરિયું (સં.) કલમીશોરા, ખા

આપવું (ક્રિ.) સુરચના ખુદેરના।

આપડું-આપેલ્લિયું (સં.) એક કમ પોલા જમીન મેં છેદ, બિલ, આવશ્યક, મુખ્ય, ખાસ।

આપ (સ.) કંધા, સ્કંધ, સ્તમ્ભ, ખંભા।

આપણું (સં.) કમગહિરાબિલ,

આપી (સં.) કમી, ન્યૂનતા, અસમ્પૂર્ણતા, નાદાની, અજ્ઞાનતા, ચાહ, આવશ્યકતા, ગલતી।

આપુખા (ક્રિ વિ.) યૂંહી, ઠીક ઠીક સચમુચ, વાસ્તવિક। [ધૈર્ય।

આપોઝ-ણી (સ.) સત્ર, મૌન

આર (सं.) नमक, क्षार, वैर, शत्रु, डाह, वैर, कीना।

આરક-રેય (सं.) सूखे छुहारे, छुहारे। [नमक की खान।

આરખાર (सं.) नमक का गड्ढा

આરવો (सं.) मल्लाह, खलासी, समुद्री मनुष्य, आगे। खपरेल छानेवाला।

આરિલું (वि.) द्रोही, बुराचाहने वाला, द्वेषी डाह करने वाला कुढनेवाला, देखकर जलने वाला।

આરું (वि.) नमकीन, खारा,

આરુંઉસ (वि.) बेहद खारा, अति नमकीन।

આરુંપાણી (सं.) नमकीनपानी, खारापानी, समुद्रीजल,

આરો (सं.) कार्बोनेट ऑफ सोडा

આરોઢ (वि.) नमकसे घिरा हुवा,

આલ (सं.) चर्म, चमडा, खलिहान, बखारी, खत्ती, गड्ढा, खंदक,

આલવવું (कि.) खाली करना, रिक्त करना।

આલવું (कि.) ठहराना, रोकना।

આલવી (सं.) चमार, खटिक,

આલસા (सं.) सरकार से कीमुक्त नयी भूमि। खालसा भूमि। जमीन का कर न देनेवाली रियासत।

આલી (सं.) ध्वनि का बोध। (वि.) खाली, व्यर्थ, बे पैसा, दीन, (कि. वि.) केवळ, एक सिर्फ।

આલી પડવું (कि.) बे प्रयोग या शून्य पड़ा रहना। खाली, निर्बल होना।

આલીપાલી (कि. वि.) अकारण, बेकाम, व्यर्थ, नाहक, निर्मूल, बे सबब, निष्काम।

આલું (सं.) वस्त्र बिनने का एक औजार, डरकी, नारी, बेत या नरकट का खाली, टुकडा।

આલેસ (सं.) शुद्ध, पवित्र, सीधा सादा, निरपराध।

આવંઢ-વિંઢ (सं.) पति, खसम स्वामी, मालिक।

આવું (कि.) खाना, भक्षण करना निगलना, उड़ा जाना, छिपकना, (सं.) खाने योग्य, मिठाई।

આસ-મત-ખી (सं.) अनोखा विशेष, निजका, अपना, आती, अल युक्त भूमि, सहैया।

ખાસ ખાસ્ત્ર (સં.) સરસ સમાચાર, ખુશ ખબરદાર ।

ખાસડાપોરો-કુટિયો-કુટી (સં.) જૂતિયાં સે પિટને વાલા, જૂતિયાં ખાનેવાલા, આબરુહીન બદમાશ।

ખાસડું (સં.) જૂતી, જૂતા, પનૈયા પદત્રાણ, નિકમ્મા મનુષ્ય ।

ખાસદાર (સં.) ટહલુવા, સેવક, ચાકર, સાઈસ ।

ખાસિયત (સં.) ખાસ દાદ, આદત, સ્વભાવ, ગુણ। [સુન્દર, મનોહર

ખાસુ (વિ.) ઉત્તમ, શ્રેષ્ઠ, ઉમ્દા

ખાળ (સં.) પરનાલા, મોરી, પેશાબ જાને કી નાલી ।

ખાળકુંડી (સં.) ચહ બચ્ચા, નાબદાન। [ઔંડાનાબદાન।

ખાળકુવો (સ.) ગહિરાનહ બચ્ચા,

ખાળવું (કિ.) રોકના, ઠહરાના અવરોધ। [ટકાવ।

ખાળો (સં.) આડ, રોકટોક, અ-

ખિ ખિ (સં.) કહ કહા દેકર હંસના, ખુશ ઔર કી હંસી ।

ખિચડી (સં.) ચાવલ ઔર દાલ કા મેલ, હાપર, મિશ્રિત ।

ખિજડો (સં.) મકબરી, મોકમાલ, મિશ્રજ, ખિચરી,

ખિજો ખિજ્ય (સં.) ખૂન ચોરી, કામ ચોર, પાપચાર। [ખોજરા

ખિજ્યો (સં.) એક પ્રકાર કા ઘાસ

ખિદમત-ઇમત (સં.) સેવા, ટહલ, ચાકરી, ઇસ્તર, ઇરકાર ।

ખિદમતદાર-ગાર (સં.) સેવક, ટહલુવા ગુલામ, નૌકર ।

ખિજવવું (કિ.) ચિઢાના, ઠઠોલી કરના, તાના દેના,

ખિજવું (સં.) ચિઢના, ક્રુદ્ધ હોના, ખફા હોના, નારાજ હોના ।

ખિણ (સં.) ઢાલ, ઢાલૂ ભૂમિ, ચઢ, ઉતરાઈ, ઘાટી, દો પહાડોં કે બીચ કી જગહ। [માન, ઇજ્જત।

ખિતાબ (સં.) પદ, પદવી, ઉપાધિ,

ખિન્ન (વિ.) ખેદિત, દુખિત, વ્યથિત, ઉદાસ, મલિન, [નિરાશ।

ખિન્નતા (સં.) ઉદાસી, મલિનતા,

ખિલ્લત (સં.) માનચિહ્ન, માનપૂર્વક દિયા હુઆ આભૂષણ યા સમાવસ્ત્ર ।

ખિલ ખાડી (સં.) ચૂક ઔર કીચ, ચક્કી મેં કા કીચ ઔર માખી ।

ખિલવત (સં.) ખાનગી બાતચીત, ગુપ્તવિચાર, કોઠરી, એકાન્તસ્થાન, તનહાઈ ।

ખિલવું (ક્રિ.) फूलना, खिलना, विकसित होना, गोट लगाना, मगजी लगाना।

ખિલાડી-ખેલાડી (सं.) खेलने वाला, चञ्चल, नट (वि.) गुणी, चतुर, होशियार। [रोक, टोक।

ખિલી ખટકો-ખટ (सं.) आड़

ખિલોણું (सं) खिलौना, हलका गहना, खेलने की वस्तु।

ખિસકોલી (सं.) गिलहरी।

ખિસનિસ (सं.) एक भाँति की किशमिस, दाख विशेष।

ખીજ (सं.) क्रोध, रीस, गुस्सा कोप, ताव।

ખીટી (सं.) एक छोटी लकड़ी की बनी चटखनी या रोक। खूंटी।

ખીમો (सं.) कतरा हुवा मांस, एक प्रकार की चाँवलों की बनी मिठाई। [से बना पदार्थ, खीर।

ખીર (सं.) दूध शक्कर; और चावल

ખીરું (सं.) खमीर।

ખીલ (सं.) फोड़ा, फुन्सी कठोर और नरम आँखों का बलगम, गीढ़।

ખીલી (सं.) पिन, चटखनी, मेख, कील, एक प्रकार का रोग।

ખીલી ખાંડી (सं.) देखो ખીલ-ખાંડી.

ખીલો (सं.) कीला मेख, खूँटा,

ખીસા કાતરૂ (सं.) जेब कट, गिरह कट। [हाथ करने।

ખીસા ખર્ચ (सं.) जेब खर्च,

ખીસા ખાલી (सं.) गरीब, दरिद्र निर्धन जिसके पास १ पैसा भी नहो। [हिन हिनाहट।

ખીસું (सं.) जेब, पाकेट खुंखारी

ખુંચવું (क्रि.) वेधना, छेदना, दर्द करना।

ખુંચાવવું, ખુંચાવી લેવું ખુંચી લેવું (क्रि.) झपट लेना, छीन लेना, खींच लेना, पकड़ लेना।

ખુંટી (सं.) कीला, कीला, दीवार में लगाने की खूँटी।

ખુંથિયો (सं.) साँड,

ખુંટો (सं.) मेख, खूँटा, लंगर डालने की फीस, जंगली चकी को पकड़ कर घुमाने का डंडा।

ખુંટો ધાલવો (क्रि.) जड़ जमाना,

ખુંદવું (क्रि.) कुचलना, रौंदना, पैर से दबाना।

ખુંપરો (सं.) ठूँठ, कांटा,

ખુજલી-ળી (सं.) खाज, खुजाल।

ખુટો (सं.) कमी, घटी, न्यूनता,

ખુંટવું (क्रि.) खत्म होजाना, कतम होना। न रहना।

ખુટેલ (सं.) विश्वासिका, धरित्र, मुकलिद, छली, कपटी विश्वास-घाती।

ખુડ્ડો (सं.) चाँदी या ताँम्बे का सिक्के, रेजगारी, चिल्हर, चेंज।

ખુડ્ડો કરવો (कि.) बेचदेना, बेचडालना। [दिरेखाओंका मेल।

ખુણો (सं.) कोना, नोंक, सिरा,

ખુદ (सं.) स्वयम्, आप, जाती, निज। [शक्तिमान्।

ખુદા (सं.) ईश्वर, परमात्मा, सर्व

ખુદાઈ (वि.) स्वर्गीय, पवित्र, दैवी। [स्वादी, ईश्वरभक्त।

ખુદાપરસ્ત (सं.) आस्तिक, ईश्व-

ખુદાવંદ (सं.) श्रीमान्, स्वामी, सर्वशक्तिमान्।

ખુન (सं.) रक्त, शोणित, वध, हत्या, रक्तपात, कत्ल।

ખુન કરવું (कि.) वध करना, मारडालना, कतल करना।

ખુનરેજી (सं.) वध, कतल, संहार, हत्या।

ખુનસ-ખાસ (सं.) काम, कोना, द्वेष, द्रोह, विरोध, वैर, [धिक।

ખુની (सं.) घातिक, हत्यारा,

ખુબ (सं.) बहुत, अधिक, उत्तम, श्रेष्ठ, अच्छा।

ખુબસુરત (सं.) रूपवान, सुन्दर, अच्छी शकलका, चमकदार।

ખુબસુરતી (सं.) शान, सौन्दर्य्य सुरूप, सुडौली, सुन्दरता, चमक, उत्तमता।

ખુબી (सं.) विशेष लक्षण, विशे-षता, उत्तमता, गुण, योग्यता,

ખુબીદાર (वि.) उत्तम, सुन्दर, विशेषतायुक्त, शानदार।

ખુભરો (सं) एक छोटा बाल, परात, फलोंकी डाली।

ખુમારી (सं.) नशा, मतवाला-पन, मस्ती, अधिक नशेसे ऊँघ, झपकी।

ખુરચન (सं.) दूध की अथवा रबडी या मावे की खुरचन। कोई सूखा या कच्चा फल।

ખુરજાન (वि.) मोहित, प्रीति केवशीभूत, इच्छुक, (सं) कृपा।

ખુરશેદ (सं.) सूर्य, रवि।

ખુરસી (सं.) कुर्सी, चौकी, आधासन। [[लकड़।

ખુરશું (सं.) एरण गाड़ने का

ખુલવું (कि.) खुलना, प्रकट होना सामने आना, चौड़े आना, खपना, अकहोना।

ખુલાસો (સં.) અર્થ, ટીકા, વ્યાખ્યા, બયાન, અનુવાદ, નિર્મલતા, અભિપ્રાય, આશય, નિર્ણય, વિચાર સંક્ષેપ, સારાંશ, ફૈસલા, સ્પષ્ટ સાફ,

ખુલ્લું-લ્લું (વિ.) ખુલાહવા, પ્રકટ, સાફ, સ્પષ્ટ, નગ્ન, મૈદાન ।

ખુવાર (વિ.) દુખિત, વ્યથિત, સંકટમય ।

ખુવારી (સં.) દુખ, સંકટ, વ્યથા નાશ, બર્બાદી । [પ્રમુદિત

ખુશ (વિ.) પ્રસન્ન, મુદિત, હર્ષિત

ખુશકી (સં.) પૈદલ રાસ્તા, સૂકી-ભૂમિ । સડક રાસ્તા ।

ખુશખબર (સં.) સુખદ સંવાદ, શ્રેષ્ઠ સન્દેશા, શુભસમાચાર ।

ખુશનુમા (વિ.) સુહાવના, રુચિર, મનોહર, દિલપસન્દ, સુંદર, ખૂબ સૂરત । [આનન્દ ।

ખુશમઝ્ઝી (સં.) હર્ષ, પ્રસન્નતા,

ખુશબોઈ (સં.) ગંધ, બાસ, બૂ ।

ખુશબોદાર (સં.) સુગન્ધયુક્ત ।

ખુશમિજાજ (વિ.) આનંદી, હંસ-મુખ, ખુશદિલ, ખિલાડી, લહરી ।

ખુશામત (સં.) ચાપલૂસી, ખુશામદ, ચાટુવાદ, લ્લો-પત્તો ।

ખુશામતિયો (સં.) ચાપલૂસ, ખુશામદી । ચાટુકાર । [કુપા

ખુશાલ (સં.) પ્રસન્નતા, સૌમ્યતા

ખુશાલી (વિ.) પ્રસન્નતા, ખૈર ખ્યરિયત ।

ખુશી (સં.) હર્ષ, પ્રસન્નતા, ઇચ્છા, ચાહ । [વિ.] ઠીક, પૂર્ણ ।

ખૂંટ (સં.) ભૂમિ-ખિન્ન, (કિ.

ખૂંધ (સં.) કૂબડ, ઝુકીહુઈ, પીઠ, મુડી હુઈ કમર । [પીઠ કા

ખૂંધું (સં.) (વિ.) કૂબડી

ખૂટ (સં.) કમી, ઘટી, ન્યૂનતા, તંગી । [કતલ ।

ખૂન (સં.) રક્ત, શોણિત, વધ,

ખેકડો (સં.) કેંકડા, કર્ક ।

ખેંચ (સં.) તકાજા, ખૂબ ઉદ્યોગ, ત્રાંચ । [પ્રાર્થના, વિન્તી ।

ખેંચતાણ-ચાતાણ (સં.) ખીંચાતાની

ખેંચવું (ક્રિ.) ખીંચના, કસના ।

ખેંચાખેંચ-ચી (સં.) ઐંચાતાની, વ્યાકુલતા, ઘબરાહટ ।

ખેચર (સં.) પક્ષી, દેવ, આકાશ ગામી, વિદ્યાધર । [કી એક કિસ્મ ।

ખેચરી (સં.) પતંગ, યોગ વિદ્યા

ખેડ (સં.) જુતાઈ, જોત ।

ખેડવું (ક્રિ.) જોતના, હલ ચલાના ખેતી કરના, દરિયાઈ યાત્રા કરના ।

ખેડાણ (સં.) ખોદતાં યોગ્ય ભૂમિ, ખુદાઈ, ખેતી ।
ખેડું (સં.) ગંવાર, દેહાતી ।
ખેડુત (સં.) કૃષક, કિસાન ખેતિહાર ।
ખેતર (સં.) ખેત, ક્ષેત્ર પશુઓ કે ચરવે કી ભૂમિ ।
ખેતરપાળ (સં.) દેવતા વિશેષ,
ખેતરવા (વિ.) ખેત કી રૂખી, ઠીક ગાંવ કી હદ પર ।
ખેતીવાડી (સં) કૃષિકાર્ય,
ખેદ (સં.) રંજ, દુખ, અફસોસ, પશ્ચાત્તાપ, શોક । [શોકયુક્ત ।
ખેદયુક્ત (સં.) રંજીદા, દુખી,
ખેન (સં.) આડ, રોક, અટકાવ, બાધા, કઠિનતા, અમનોજ્ઞ વ્યક્તિ ।
ખેપ (સં.) ભાર, બોજ્ઞ,સે યાત્રા ચક્કર, યાત્રા કા ભાડા, સમુદ્રયાત્રા, યાત્રા, સમયપર સામાનકી પહુંચ, પરિશ્રમ, બલ, ઘોડીકો એકદમ દિએ ગયે બલ ।
ખેપિયો (સં.) વાહક, ખબર લે-જાનેવાલા દૂત, હરકારા ।
ખેપી (વિ.) પરિશ્રમી, સાવધાન ।
ખેમ (સં.) અમન, કુશલક્ષેમ, આનંદ, મંગલ ।
ખેમકુશાળ-ળી (સં.) કુશલ-મંગલ, ક્ષેમકુશલ, સકુશલ, વિજય, આરોગ્યતા, સ્વસ્થતા ।
ખેર (સં.) ખૈર વૃક્ષ, ખદિર વૃક્ષ, (ક્રિ. વિ.) કુછ પરવા નહીં, ખૈર ।
ખેરખાહ (સં.) શુભ ચિંતક, મંગલ ચાહનેવાલા, સત્ય મિત્ર ।
ખેરવુ (વિ.) વિખરા, છિતરા, ફૈલા
ખેરવું (ક્રિ.) સંતાપ, ક્રિયાવા, ગિરન દેના, બહાના, છોડના, નિકાલ દેના ।
ખેરસલ્લા (સં.) અમન, ચૈન શાંતિ ।
ખેરસાલ-ર (સં.) ઔષધિ, કત્થા, ખૈરવૃક્ષ સે નિકલા હુવા ।
ખેરાત (સં.) દાન, ભિક્ષા, પુણ્ય ।
ખેરાતી (વિ.) દાતા, પુણ્યાત્મા, ઉદાર, દાન પુણ્ય કે લિયે એક ઓર રખી વસ્તુ । [ચૈન ।
ખેરિયત (સં.) અમન, શાંતિ સુખ
ખેરી (સં.) પંક્તિ, ધૂલ, કચરા ।
ખેરીજ (વિ.) ફાલતૂ, અધિક, ન્યૂનતાપૂરક, (ઉપ.) અલાવા, સિવા અતિરિક્ત । [લીલા ક્રીડાયુક્ત ।
ખેલ (સં) ક્રીડા, કલ્લોલ, તમાશા,
ખેલવું (ક્રિ.) ખેલના, લીલા કરના, કલ્લોલ કરના,
ખેલાડી (વિ.) દેખો ખિલાડી
ખેસ (સં.) સ્કંધ વસ્ત્ર, ઉપવસ્ત્ર, રૂમાલ । [સરેસ, ગાંદી, ખેંસ ।
ખેહ (સં.) ધૂલ, મિટ્ટી ખેમ (સં.)

ખેલ (સં.) રંગીલી, સુન્દરી, વટ। નટી

ખૈ (સં.) વ્યય, ક્ષય, ખર્ચ, ખપત।

ખો (સં.) આદત, સ્વભાવ, કંદરા, ગુફા, મોંદ, ગઢ્ઢા, છિદ્ર, ચાલ,

ખોઈ (સં.) ઝૂલની ખાટ, પાલના, ઝોલા, થૈલી।

ખોખરાટ (સ.) કઠ કા બૈઠ જાના, ગલે મેં ખરખરાહટ,

ખોખરૂં (વિ.) સૂખાસ્વર, ખુરખુરા।

ખોખલી (સં.) ગીદડી, લોમડી,

ખોખલો (સં.) દમા, શ્વાસ, વૃદ્ધ મનુષ્ય, બૂઢા।

ખોખું (સં.) એક હિસાબ યા મજમૂન પ્રાપ્ત કરના ઔર રુપયે દેના, સાયર કે મહસૂલ કા ફાર્મ। લકડી કા ખોખા, પંજર, ઠઠરી।

ખોગીર (સં.) કાઠી, ઝીન, ગદ્દા, તકિયા।

ખોજ (સં.) તલાશી, ઢૂંઢ,

ખોજો (સં.) હિજડા, નપુંસક, જનાના, [કમી, ન્યૂનતા।

ખોટ (સં.) ગલતી, ભૂલ, હાનિ,

ખોટવટ (સં.) હાનિ લાભ, ટોટા નફા। [આલસ્ય, ઢીલાપન।

ખોટાઈ-ઇ (વિ.) અસત્યતા, સુસ્તી,

ખોટી (સં.) દેરી, પિત્તલ, ટાક મઠોલ। [દુરીચાલ।

ખોટી ચાલ (સં.) બદચલની,

ખોટું (વિ.) ઝૂઠા, અસત્ય, અનુચિત, અધર્મી, દુસ્ત, જાલી, બનાવટી, કલ્પિત।

ખોડ (સં.) ઐબ, બુરી આદત, દોષ, દાગ, કલંક, ધૉક।

ખોડ કાઢવી (ક્રિ.) દોષ ઢૂંઢ નિકાલના, પરછિદ્રાન્વેષણ।

ખોડખાંપણ (સં.) દેખો ખોડ અસમ્પૂર્ણતા, ગલતિયાં,

ખોડ ભુલાવવી (ક્રિ.) ઐબ હટાના, બુરી આદત ભુલાના।

ખોડંગખોડા (વિ.) લંગા, લંગડા,

ખોડાવું (ક્રિ.) લંગડાના,

ખોડિયારૂં (સં.) ઝાડીમેં કા સુખા હુવા ભાગ।

ખોડું (વિ.) કુરૂપ, ઐબી, લંગડા, ઐબવાલા, દોષી, અધૂરા।

ખોડો (સં.) બાલો કા મૈલ, સિરકે બાલોંકા ધુસા, (વિ.) લંગડા। [ખોદના।

ખોતરવું (ક્રિ.) ખુરચના, કુરેદના,

ખોદવું (ક્રિ.) ખોદના, ખનના, નક્કાશી કરના, કાટના, બિલ-ખોદના। [બના હુવા ગઢ્ઢા।

ખોદાણ (સં.) પાની દ્વારા કટકર

ખોદામણી (સં.) મુકવાની કી મજદૂરી ।
ખોદાવવું (સં.) ખુદવાના
ખોપડું (સં.) ઝોંપડા, કુટી, કુટિયા, છપ્પર ।
ખોપરી (સં.) સિરકી હડ્ડી, કપાલ ।
ખોબલો–ભલો–ખો–ખો (સં.) અંજલી,
ખોભણ–ભાણ (સં.) ગુફા કન્દરા, ગાર માદ, ખન્દક ।
ખોરડું (સં.) ઝુપડિયા, છાટા મકાન ।
ખોરવું (ક્રિ.) ખજલાના, ખુજાના, ઝિજાના, કુઢાના । [હાર ।
ખોરાક (સં.) ભોજન, મક્ષ, અ-
ખોરાકી (સં.) જીવિકા, રસદ, ભોજન વજ, [વૃહ, જાવિકા ।
ખોરડી પોશાકી (સં.) રોજી, ન-
ખોરાક (સં.) ગંદારન, દુગન્ધિ, ખોરું દુર્ગન્ધિ, તેજમૂ,
ખોલ (સં.) ખોલાપન, પોલાપન, ઢકન, ગુફા, ખોઢ ।
ખોલડી (સં.) ગધે કા બચ્ચા ।
ખોલવું (ક્રિ.) ખોલના અનાવૃત કરના, ઉઘાડના । [કના, કમરા
ખોલી (સં.) ધાતુ કા બના ડ-

ખોવું (ક્રિ.) ખોદેના, ગંવાદેના, બરબાદ કરના, ઉડાના ।
ખોસવું–ખી–ખાલવું (ક્રિ.) કુરેડના, ઉકેલના, છેદના, મોંકના ધકેલના, ઠેલના ।
ખોહ (સં) ગુફા, કન્દરા ।
ખોળ (સં.) ઢૂંઢ, અન્વેષણ, તલાશી, તેલ કી ટિકિયા, છાદન, ઢાકન । [કરના ।
ખોળવું (ક્રિ.) ઢૂંઢના, તલાશ
ખોળા ખંખોળ (સં.) અન્વેષણ, ઢૂંઢ, ધ્યાનપૂર્વક તલાશ । [તિમૂ ।
ખોળાધર સં.) જમાનતદાર, પ્ર-
ખોળિયું (સં) તોશક, ગદ્દા, ર-જાઈ, ગુદડી, ખોળ, શરીર ।
ખોળો (સ.) ગોદ, અક, [મરના ।
ખોળેભરવુ (ક્રિ) ગાદી લેના, અંક
ખોળોપાથરવુ (ક્રિ.) માગના, પ્રાર્થના કરના, ઇચ્છા કરના ।
ખોળો ભરવું (ક્રિ.) ગોદભરના, પ્રથમ સન્તાન ઉત્પન્ન હોને કે સમય કી એક રીતિ । [પ્રસિદ્ધિ,
ખ્યાતિ (સં.) પ્રતિષ્ઠા, યશ, કીર્તિ
ખ્યાલ (સં.) ધ્યાન, વિચાર, ખ-યાલ, અનુમાન, અટકળ, અનુસ-રણ, પીઠા, એક પ્રકાર કા ગીત, છંદ, પદ્ય, હૈંસી, માના ઔર ખેલ ।

અબોલી (વિ.) ઉમંગ પૂર્ણ, લહરી, શબ્દ કલ્લોલવાળા। [આનન્દ,
અબ્રહ્મી (સં.) નૃત્ય ગાન, ખુશી,
અબ્રિસ્તી (વિ.) ઈસાઈ, ક્રિશ્ચિયન,
અબ્રામ (સં.) સ્વપ્ન, સપના, છાયા।

અ

અ=ગુજરાતી વર્ણમાલા કા ચૌદહવા અક્ષર। [કલ (ભૂતકાલ)
અમ ટાણે (ક્રિ. વિ.) ગત દિવસ
અમ ગઈરી (વિ.) ગત, બીતી, ગતમ, ગઈ બીતી।
અમ પરમ દિને (ક્રિ. વિ.) ગત પરસો, ગત દિવસ કે પહિલે કા દિન। [રાત્રિ, બીતી હુઈ રાત।
અમ રાતે-તરે-ત્રે (ક્રિ. વિ.) ગત
અઉ (સં.) ધેનુ, ગૌ, ગાય,
અઉચર (સં.) ગોચર ભૂમિ।
અઉદાન (સં.) ગાયદાન, ગાય પુણ્ય કર દેના। [ગોવધ।
અઉહત્યા (સં.) ગોવધ કા પાપ,
અગડવું (ક્રિ.) ગર્જના, ઘૂમના,
અગડાટ (સં.) ગર્જન, ભયંકર ગર્જન શબ્દ। [કરના।
અગડાવવું (ક્રિ.) જોર કી ગર્જના
અગન (સં.) આકાશ, આસ્માન, સ્વર્ગ।
અગર (સં.) મોટા મોટા પિસા હુઆ, દલા હુઆ। [પીસા પડવા।
અગળવું (ક્રિ.) કમજોર હોના,
અગી (સં.) લડકી, પુત્રી, કન્યા
અગો (સં.) લડકા, પુત્ર.
અંગ-ગા (સં.) ગંગા નામ્ની નદી, સુરસરિ, જાહ્નવી।
અંગાજળ (સં.) નદી ગંગા કા, પાની પવિત્ર જલ, નિર્મલ જલ।
અંગાજળી (વિ.) બહુરંગ જિસ કી ગોટ અનરંગ કી હો, દો વસ્તુઓ કા મેલ।
અગાહડું-હિડું (સં.) હિલતે હુએ ઉઠના ઔર નીચે હોના। ઝૂલતે સમય કી દશા, ડકાર। વમન કય, છર્દિ, ઉલટી।
અગ્ય (સં.) ગારા, ચૂના
અગ્યિડું (સ.) ચૂને યા ગારે કે સાથ બજરી યા ઈંટ કા મિશ્રણ।
અગ્ય (સં.) વર્ગ, શ્રેણી, ક્રિયા રીતિ। ગણિત કા અંક જિસકા અર્થ (તરતીબ) હૈ।
અગ્ય (સં.) હાથી, ઈંચર, ૩૬ ઇંચ કા માપ, લોહે કા ૩ ફુટ કા છડ જો કપડે માપને કે પ્રાયઃ કામ આતા હૈ।

ગજદંતક (સં.) હાથી के दांत । गजेंद्रजी, दाद, दद्रु ।
ગજગામિની-ણિની (સં.) हाथी की भाँति चलने वाली स्त्री ।
ગજઘંટ (સં.) बड़ई खाती, प्रातः काल, पौफटे ।[का दांत, गणेशजी।
ગજદંત (સં.) हाथी दांत, हाथी
ગજબ (સં.) जुल्म, सख्ती, उपद्रव, ज्यादती, अचंभा, शोक, दुर्भाग्य, विपत्ति, आफत ।
ગજરેટો (સં.) एक प्रकार का फूल ।
ગજરાજ (સં.) बड़ा हाथी,
ગજરું-રો (સં. , फूलों का हार, फूलों का हाथ पर पहिनने का हार।
ગજલ (સં.) गीत, एक फ़ारसी गीत । [गरजना ।
ગજવવું (ક્રિ.) जोर से बोलना,
ગજવા કાતરું (સં.) जेब कट, गिरह कट ।
ગજવું (સં.) जेब, पाकेट ।
ગજવેલ (સં.) फौलाद । [स्थान ।
ગજશાળા (સં.) हाथी बाधने का
ગજાનન (સં.) गणेशजी, गणपति ।
ગજાવવું (ક્રિ.) दिखाना, गरजना,
ગજીબાજી (સં.) स्त्रियों के पहिनने का एक रेशमी वस्त्र ।
ગજી (સં.) खादी, मोटा वस्त्र, एक प्रकार का सूती वा रेशमी मोटा वस्त्र । एक गज चौड़ा कपड़ा
ગજીયા (સં.) छन्द, झूलने के लिये लम्बी जंजीरें । [खाद्धि, वस्त्र
ગજું (સં.) योग्यता, लायकी,
ગજેંદ્ર (સં.) एक प्रकार का हाथी,
ગંજ (सं.) ढेर, लगाना,
ગંજી (सं.) घास की गंजी। सूखी घास का ढेर ।
ગંજેરી-રો (સં. , गंजीका के-लने के पत्ते । ताश ।
ગટ કરી ઉતરું (क्रि.) निगल जाना, हड़प कर जाना नष्ट करना,
ગટગટ (ક્રિ. વિ.) गटकने खाने या पीने का शब्द, लगातार, बिना ठहरे । [चाल ।
ગટપટ (સં.) मेलजोल, घरू बोल
ગટર (સં.) मोरी नाली, पटर
ગટરપટર (સં.) घरू बोल चाल, लगड़बगड़, कूड़ाकरकट, पक्षपात, तरफ़दारी । [मोटा, घना ।
ગઠું (વિ.) ठिगना, छोटा और
ગઠિયો (સં.) ठग, बोकेबाज ।
ગઠો (સં.) ठेर, गड़ी, गाँठ, गट्ठा ।
ગઠ્ઠો (સં.) भीड़ ढेर ।

ગડબડાટ (સં.) गरज, खूब जोर की ध्वनि, गर्जन । [घूंसाघूंसी ।
ગડભાગડી (સં.) भीड़, विपत्ति,
ગડદાપાટું-મુક્કી (સં.) घूंसे, घूंसों की मार, मुष्टिक प्रहार ।
ગડદી (સં.) भीड़,
ગડદો (સં.) घूंसा, मुष्टिक, प्रहार,
ગડબડ-ડાટ (સં.) घबराहट, जल्दी, हलचल, गोलमाल, कोलाहल, शोरगुल, हड़बड़ी, ध्वनि, भयानक गर्जन ।
ગડમથોટો (સં.) गड़बड़, रोग ।
ગડમથવું (ક્રિ.) बकबक करते हुए घूमना, खड़बड़ करते फिरना
ગડમથિયું (સં.) अनाड़ी, (વિ.) चंचल, काममें लगा हुवा, फुर्तीला,
ગડમથવું (ક્રિ.) खूब दबाना, उग्रतापूर्वक पीटना ।
ગડાકુ (સં.) गड़ाखू, गुड़ मिला कर बनाई हुई तम्बाकू ।
ગડી (સં.) पल्लादार, एक साधारण मजदूर ।
ગડો (સં.) बण्डल, पार्सल ।
ગઢ (સં.) पहाड़ी किला, पहाड़ी पर्वत ।
ગઢવી (સં.) कवि, भाट, प्रशंसक ।
ગઢાણ (સં.) गोचर भूमि, पशुओंके चरनेकी भूमि,
ગણ (સં.) भीड़, झुंड, परछाहि, दर्जा, श्रेणी, शिवदूत, तीन अक्षरोंका बना शब्द (पिंगळ ग्रंथोंमें कथित आठ गण) संख्या, कृपा, दया, (ક્રિ.) गिनना, गणना करना । [आज्ञा मानना ।
ગણકારવું (ક્રિ.) ध्यान देना,
ગણગણતું (વિ.) अनिच्छुक, विमुख, झनझनाहट, झनक ।
ગણગણવું (ક્રિ.) भिनभिनाना, नाक के द्वारा गुनगुनाना, विमुख होना ।
ગણતરી (સં.) लेखा, गिनती, गणना, विधि, मूल्य, कीमत ।
ગણગણ (ક્રિ. વિ.) भिनभिनाहट, गुनगुनाहट । [मान ।
ગણના (સં.) गिनती, कूत, इज्जत
ગણવું (સં.) गिनना, गिनती करना, शुमारी करना, आदर करना, मूल्य करना ।
ગણિકા (સં.) वेश्या, रंडी, वारनारी ।
ગણિત (સં.) गणित विद्या, (ક્રિ.) गिना हुवा ।
ગણિત પ્રમાણ (સં.) गणित विद्याविषयक, अनुरूप करना (गणितमें) [अनुक्रम का बढ़ाव।
ગણિતશ્રેઢી (સં.) गणितविषयक

અણીતી (સં.) ગણિત કરનેવાલા ગણિતજ્ઞ। [અધિષ્ઠાતા દેવ।
અણેશ (સં.) ગણપતિ, બુદ્ધિકે
અણેહિયો (સં.) મકાન ફોડનેકા એક ઔજાર વિશેષ।
અણોત (સં.) ભડૈતી, કિરાયેદાર। ઠીકેદાર। [પદ્ય યા સરકૃત।
અણોતનામું-પટો (સં.) જમીનકા
અણોતિયો (સં.) અસામી, ભડૈત, ઠીકેદાર,
અંતિયો (સં.) ઠગ, ધોકેબાજ, જેબ કતરનેવાલા, ગિરહકટ।
અંદો (સં.) ગલેમેં પહિનનેકા આભૂષણ, કઠલા, આઠફીટ કા માપ।
અંદમાળ (સં.) કંઠમાલ, રોગ વિશેષ,
અંદો (સં.) પાગલ, બેઅક્લ, બુદ્ધિહીન, (સં.) કુટના, ભડુવા, દલાલ। [યા મકાન।
અંદરવટ (સં.) હાથી કા સ્થાન
અંદિયો, અંદુ-ડુસ, (વિ.) મૂર્ખ, બુદ્ધિરહિત। [કી પિંગોરી।
અંદેરી (સં.) ગધે કી ગનેરી, ઈખ
અત (વિ.) ગયા, ગુજરા, બીતા, (સં.) હાલત, દશા, ગુણ, કલા, શક્તિ ગોચરતા, સ્વર, માપ।
અતે ધારવું (ક્રિ.) ખાતે મેં લે લેના, હિસાબ મેં લે લેના।
અતે જવું (ક્રિ.) મુક્તિ પાના, નજાત પાના, મોક્ષ પ્રાપ્તિ।
અત થવું (ક્રિ.) નષ્ટ હોના, મરના, ગુજરના। [ગમન આગમનકી હરકતો।
અતાઅત (વિ.) આયા ગયા, આયાઅતિ (સં.) દશા, હાલત, ભાવી, હોની, શક્તિ, ગોચરતા, ચાલ, વેગ, ભાવી દશા।
અતિભંગ (સં.) અટક, રોધ, રોક, પ્રતિરોધ, ખાલી, સૂના।
અદઅદિત (વિ.) હકલાતા હુવા, સિસકતાહુવા। [અવયક્ત।
અદબદું (વિ.) ગબર, અદ્ધેપક્વ,
અદાવું (ક્રિ.) કુચલના, રોંદના।
અદાદિયું (સં.) વિપુલધન, વિપુલ દ્રવ્ય।
અદ્યું-ડેયું (સં.) ગન્દા, મૈલા, ગદા, ગુદડી, તોષક રજાઈ।
અદલાપ (વિ.) મૈલાપન, ગદાપન।
અદા (સં.) સોંટા, લાઠો, વજ્ર, અસ્ત્રવિશેષ।
અદિયાડો (સં.) તૌલ વજન લગભગ આધાતોલા ૫૦ ગ્રેમ, ટ્રામ, [પ્રબન્ધ, ઇન્તજામ
અદ્ય (સં.) છન્દ રહિત કાવ્ય,
અધેડી (સં.) ગધી,
અધેડો (સં.) ગધા, ગદંભ, મૂર્ખ બેવકૂફ, બુદ્ધિરહિત। [કમેકાળા
અધોપાન-દીપાન (સં.) યવાગૂ-

अंधी-ड़ी (सं.) गदहा, गधा, गर्दभ, रासभ, खर।

अंधीभत (सं·) सौभाग्य, बुख किस्मत, आशिर्वाद।

अंधीम (सं.) शत्रु, दुश्मन, अनताकाशत्रु, अरि।

अंधेरी (सं.) दुर्गन्ध, कुवास, दुर्गन्धपात्र, मैला, गन्दा।

अंधेवाड (सं.) कचरा, दुर्गन्ध, मैल, कूड़ा। [निर्लज्ज।

अंधेड (वि. मैला, भ्रष्ट, अपवित्र,

अंधेर (सं.) वास, बू।

अंधेरु (सं) गन्धक,

अंधेरापु (सं.) अति दुर्गन्ध, सख्त बदबू।

अंधेरुपेर (सं.) चन्दन और फूल, चन्दन के बुरादे और फूलों से तयार किया हुवा द्रव्य।

अंधेरुवेर (सं.) गंधर्व, गवैया, बजैया, गायक।

अंधेर्व (सं.) अच्छा गवैया, देवताओंका गायक।

अंधेर्वविवाह (सं.) प्रेमपरिणय, आठ प्रकार के विवाहों में से एक जिसमे कुमार और कुमारी की इच्छा ही अपेक्षित होती है और किसी प्रकारका सार्वजनिक कृत्य नहीं किया जाता।

अंधेर्ववेद (सं.) सामवेद का उपवेद जिसमें गानविद्या का वर्णन है।

अंधेसार (सं.) चन्दन, संदल, इत्र या सुगन्धित पदार्थोंका सत्व।

अंधेरु-रुपु (वि.) सड़ा, गला, बदबूदार। बासदार।

अंधेरुपु (कि.) बदबूकरना, अस-ह्यबदबू निकालना, पादना, सड़ाना।

अंधेरुप (सं.) मामूली बातचीत, बातचीत, बकबक, झूठी सच्ची बात।

अंधेरुस (सं.) अफवाह, गड़बड़ाहट, बकझक, अफवाह, किम्वदन्ती, उड़ती खबर।

अंधेरुपी (सं.) घूसा घूंसी, (क्रि. वि.) पोशीदगीसे, गुप्तता पूर्वक।

अंधेरुपु (सं.) झूठीबात, अफ-वाह, किम्वदन्ती, बकवाद, टेंटे।

अंधेरुपीस (सं.) गप्पी, समाचार पत्रों या अखबारोंका बेचने वाला, कहानी कहने वाला, बकबक करने वाला। [गलती, अपराध।

अंधेत (सं.) लापरवाही, भूल,

अंधेत अंधी-भ्रांती (सं.) बेपरवाही दिखाना, गलती करना भूलकरना।

અલ્લાદી (વિ.) બેપરવાહ, ઘમંડી, બેફિક્ર । [ખાદા ।
અલાઉંડ (સં.) બોળ્યા, ઝીબા,
અલાઉવું (ક્રિ.) પકડવું, અટકાવવું ઘુમાવું ।
અલાઉવવું (ક્રિ.) સાથ સાથ ઘુમવાવું, શીઘ્રતા કરવી, પાસ પાસ ઘુમાવું । [દોડ ।
અલાડી-ડી (સં.) ઝવાંઈ, તેજ
અલાદ્ધ (વિ.) મોટે ડીલડૌલ કા ।
અલાર (સં.) એક પહાડ કા નામ, દૃઢ, મજબૂત ।
અલાર (વિ.) સુન્દર, રૂપવાન, ખૂબસૂરત, પૂર્ણ ઔર રસયુક્ત ।
અલાર (સં.) મઢ્ઢા ।
અલાર્ય લાવવું (ક્રિ.) અક્કી સે, ચતુરતા સે ।
અલાર્યર (વિ.) ધનવાન, દાલ રોટી સે ખુશ, ધની, ધનાઢ્ય ।
અલારાટ (સં.) બેચૈની, ઘબરાહટ, ખૌફ, દર્દ, દુઃખ, સંકટ ।
અલારાવું (ક્રિ.) ઘબરા જાના, ચૌંક જાના ।
અલા (સં.) ફક્ર, ઝકાર, બલગમ।
અલાણ (સં.) ઢોરોં કા બાડા, પશુઓં કે ચરને કી ભૂમિ ।
અલારો (સં.) મંદિર કા વહ ભીતરી કમરા જિસ મેં મૂર્તિયાં રખી હોતી હૈં । જિન મંદિર ।
અલ (સં.) તર્ફ, બાજૂ, ઓર, ઝુકાવ, રુઝ, રુઝાન, પરવા, પૂરા ધ્યાન, ધૈર્ય, સબ્ર, નમ્રતા, રંજ, (ઉપ.) ઓર, કે પાસ, સમીપ કો ।
અલગીન (વિ.) ચિંતિત, ચિંતાતુર, રંજીદા, શોકયુક્ત ।
અલગીની (સં.) રંજ, ખેદ, શોક ।
અલચા (સં.) અરુચિ, ઘૃણા, અનિચ્છા ।
અલન (સં.) ખેલ, તમાશા, વિનોદ, વિલાસ, મનોરંજન ।
અલના કરવી (ક્રિ.) ખેલ અથવા વિનોદ કરના ।
અલનું (વિ.) વિલાસિતા વિનોદ ।
અલન (સં.) ચલન, ચાલ, હરકત, કૂચ, રવાનગી । [આવાગમન ।
અલનાગલન (સં.) જાના ઔર આના,
અલનું (ક્રિ.) પસન્દ કરના, સ્વીકાર કરના, માનના, સુખ ચૈન કરના । [વીરતા, દિલેરી ।
અલા (સં.) શક્તિ, બલ, પૌરુષ,
અલાર (સં.) બેહૂદા, ફૂહડ, ગંવાર ।

ગમાવવું (ક્રિ.) ખો દેવા, મૅવા દેવા, બર્બાદ કર દેવા, લડ્ડા દેવા, વ્યર્થ વ્યય કરવા, લુટાવા।

ગમી (સં.) શોક, રંજ, (ક્રિ. વિ.) બોર, કે પાસ, કો, સમીપ।

ગમે તે (ક્રિ. વિ.) જૈસા ચાહા, ઇચ્છિત। [પ્રકાર, કૈસે ભી।

ગમે તેમ (ક્રિ. વિ.) કિસી ભી

ગંભીર (વિ.) ગહન, ગહિરા, અથાહ, સંજીદા, ગુપ્ત, ધીર, સભ્ય।

ગંભીરતા-૨૫-૫૬ (સં.) વિચાર શીલતા, સહન શીલતા, ધૈર્ય ભારીપન।

ગમ્ય (વિ.) શક્ય, ગમન યોગ્ય, સંભાવ્ય, જાને યોગ્ય।

ગગન (સં.) સ્વર્ગ, આકાશ, આસ્માન।

ગજવર (સં.) બડ્ડા હાથી।

ગયું (ક્રિ.) ગયા, ગુજરા, (વિ.) ભૂત, ગુજરા।

ગર (સં.) ગૂદા, બીજ, મરી, તત્વ, પવિત્ર વિચાર, ગુપ્ત વિચાર, મંત્રી। કર્તા કી દ્યોતક પ્રત્યય।

ગયેલ (વિ.) ડૂબા હુવા, પ્રવિત, બોરા હુવા, દબા હુવા।

ગરકાવ-૫૫ ૭વું (ક્રિ.) ગહિરા, દબાકર લાના, ડૂબના, દબાના।

ગરગટ (સં) ઝોલા ખાવલી, ઠિગના।

ગરગડી (સં.) છોટી ચરન, છોટી ગાડી, ગરી।

ગરબડવું (સં.) પુનર્વિવાહ।

ગરબવું (ક્રિ.) મંકોસના, ઠૂંસના, ગલે તક ભરના, નાક તક ભરકર ખા લેના।

ગરજ (સં.) આવશ્યકતા, જરૂરત સ્વાર્થપરતા, સ્વાર્થ પરવાહ, ધ્યાન, ખ્યાલ।

ગરજ સારવી (ક્રિ.) આવશ્યકતા પૂર્ણ કરના, ગરજ રફા કરના।

ગર્જના (સં.) ભયાનક ધ્વનિ, મેઘનાદ, ભયાનક ગડ્ગડાહટ।

ગરજ પડવી (ક્રિ.) વિવશ હોના, ગરજ પડ્ના યા હોના।

ગરજવંત (વિ.) સ્વાર્થી, વિવશ, સ્વાર્થી, ઐસા વ્યક્તિ જિસે ગરજ હો, ગર્ઝૂ।

ગરજવું (ક્રિ.) ગરજના, સાંડ કી તરહ હુંકારના।

ગરણે (સં.) નુકીલા હથિયાર, કાંટા, કન્ટક।

ગરવીણ (સં.) જૈનતપસ્વિની,

ગરસું (સં.) સાખી, છજા।

ગરજ (સં.) રુપયા, ધન, આમદની, દ્રવ્ય।

અરેઠ (વિ.) સોટા, મીંદ, વાઢા હુવા, ખોવા હુવા । પકડા હુવા, (સ.) ચૂક ।

અરેઠન (સ.) ગળા, કંઠ ।

અરેઠ અારવું (ક્રિ.) સિર કાટના, નષ્ટ કરના, બરબાદ કરના ।

અરેઠી (સ.) ભીંદ,

અરેઠાણુ (સ) પટી હુઈ, મોરી, જમીન કે અન્દર હી અન્દર નાલી।

અરેણી–ણેા (સ.) એક ગીત, વહ જિસે સ્ત્રિયાઁ ચક્કર મેં નાચતે સમય ગાતી હૈ ।

અરેલ (સં.) હમલ, ગર્ભ,

અરેમ (વિ.) ગર્મ, ઉષ્ણ, ક્રુદ્ધ, નારાજ, ઉસ્કા હુવા, ભડ્કા હુવા,

અરેમનરેમ (વિ.) ન અતિ ઉષ્ણ, ન અતિ ઠડા, શીતોષ્ણ,

અરેમર (સ) એક ઔષધિ યા જડી વિશેષ, અચાર મે ડાલી જાનેવાલી એક વસ્તુ ।

અરેમ મસાલેા (સં.) ગરમ મસાલા જો શાક તરકારિયોં મેં ડાલા જાતા હૈ ।

અરેમાઅરેમ–ી (વિ.) અત્યંત ગરમ,

અરેમાણેા (સં.) નાસૂર, એક પ્રકારકા વ્રણ જો મુંહ સે બન્દ હોકર દૂસરી ઓર સ બહને લગે ।

અરેમી (સં.) ગર્મી, તાપ, ઉષ્ણતા, ગુસ્સા, રોષ વિશેષ ઉપદંશ રોગ,

અરેમું (સં.) એક પ્રકારકા બર્તન,

અરેલ (સં.) સર્પ ઇત્યાદિકા વિષ, જહર, હલાહલ ।

અરેલું (વિ) બડ઼ા, ગરમી અાઁકારી, ઘમણ્ડી, (ક્રિ.) ટપકના, ઝરના, ચૂના પ્રવેશ કરના ।

અરેાઠ (સ.) ખાઈ, ગઢ્ઢા, (વિ.) બડા । [લાતિયા

અરેાડી (વિ.) લિપ્ત, વશીભૂત,

અરેાડેા (સં.) ગઢ્ઢા, ખાઈ,

અરેાસ (સં) વિવાહકે લિયે રોકી હુઈ ભૂમિ । [રાજપૂત ।

અરેાસિયેા (સં.) જમીનવાલા

અરેયેા (સં.) સિરા, ચોટી,

અરીશ (વિ.) દીન, ગરીબ, નિર્ધન દરિદ્ર, સુશીલ, સભ્ય, સીધા, કોમલ, નમ્ર, મૃદુ ।

અરીશ અરેશા–ગુરેશા (સં.) દીન, (ફક્કડ) ભિક્ષુક ।

અરીશનવાજ (વિ.) દાતા, ઉદાર પુણ્યાત્મા ।

અરીશ પરવર (વિ.) દીનબન્ધુ, દીનરક્ષક, અર્થી મેં વિલક્ષણતા વાલા એક માનસૂચક શબ્દ ।

गरीबपन, गरीबी (सं.) दरिद्रता, दीनता, नम्रता, आजिजी नर्मी ।
गरुड़ (सं.) गरुड़ पक्षी, पक्षिराज, विष्णुवाहन । [विष्णु भगवान ।
गरुड़ध्वजी—ध्वज (सं.) गरुड़ पर (वि.) गर्व, अहंकारी घमण्ड,
गुरुवार (सं.) गुरुवार, बृहस्पतिवार,
गरेरू (वि.) गर्भवती, गर्भिणी
गरेरी (सं.) छिपकली, बिस्तुइया, पल्ली ।
गर्ज्जना (स.) मेघनाथ, गर्जन,
गर्दभ—भर्भ (सं) गधा, गदहा, खर ।
गर्भ (स.) हमल, गूदा, जरायू ।
गर्भद्वार (स.) गर्भ का द्वार गर्भस्थान।
गर्भनाड़ी (सं.) नाल, नाभी से लगी हुई एक नस जो बालक के साथ बाहर आती है ।
गर्भपात (सं.) गर्भ नाश, गर्भ स्राव, गर्भश्राव, गर्भ का गिर जाना
गर्भधारण (सं.) सगर्भ, हमल रहना ।
गर्भवंती—वती (वि. वि.) सगर्भा, पेटवाली औरत ।
गर्भवास (सं.) गर्भमें निवास, पेट में वास । [कमर की शिरा ।
गर्भवेष्टन (सं.)—जेर, गर्भ के
गर्भवेदना (सं.) गर्भ का कष्ट, बच्चा जनने के पूर्व का दर्द, प्रसूति पीड़ा ।
गर्भाशय (सं.) स्त्री के पेट में वह स्थान जहा पर रजोवीर्य के योग से गर्भ ठहर कर बढ़ता रहता है।
गर्भस्राव—स्राव (सं.) देखो गर्भपात
गर्भाधान (सं) १६ संस्कारो में प्रथम संस्कार, सन्तानोत्पत्ति के लिये स्त्री समागम, गर्भस्थान ।
गर्भश्रीमंत (वि) (स.) धनी, द्रव्य पात्र ।
गर्भस्थान (स.) देखो गर्भाशय
गर्भित (स) गर्भ युक्त, गर्भवती।
गर्व (स.) घमण्ड, दर्प,
गर्विष्ठ (सं.) पूर्ववत्
गल (सं.) मछली पकड़ने का आँकड़ा, आकड़ा, बंशिया, गड़हा, जहरीलापसीना,
गलगुं (सं.) तरकारी विशेष,
गलगेटा (सं.) गेंदा, गेंदा फूल या उसके पुष्प, हजारा ।
गलगोली (सं.) तरकारी विशेष ।
गलत (वि.) झूठ, असत्य,
गलपटा (सं.) गुलबन्द, रुमाल, दुपट्टा, गलेका वस्त्र,

ગલ્ભા (સં.) પટાવા, હજા, હોહલ્લા ।

ગલ્લેા (સં.) ધાવા, ચઢાઈ, આક્રમણ, કોલાહલ, શોર ।

ગલાલ (સં.) ગુલાલ [ભ્રષ્ટ,

ગલિત (વિ.) ગિરા, ટપકા, પતિત

ગલી (સં.) કૂચા, સકરાપથ, દા પહાડો કે બીચ કી તંગ જગહ ।

ગલીકુંચી (સ.) તંગ ઔર તિરછી આડી ગલી, કૂચા, ગલી કૂચા ।

ગલીચ (વિ.) મૈલા, મ્લેચ્છ, ગન્દા

ચી (સં.) કૂડા, મૈલ, ગન્દગી,

ગલીચેા (સં.) ગલીચા, ઊન સે બના હુવા રુવેંદાર ઔર નયના ચિત્રમ બિછૌના । [કરના, ઇંસાના

ગલીપચી કરવી (ક્રિ.) ગુદગુદી

ગલેઢ (સં.) ઢકના, ખોલ, ખોલી

ગલેમંધ (સં.) ગુલૂબન્દ,

ગલેરી (સં.) છજા, રંગમહલ

ગલેાર્યું-ડું (સં.) નાલકા ભીતરી ભાગ, ગલાફૂ, [નેકા ધનુષ ।

ગલેાલ (સં.) ગુલેલ, કંકરી ફેંક-

ગલ્લેા (સં.) ધનકી સન્દૂક, ગલ્લા, તિજોરી, સન્દૂક, પિટારા।

ગલ્લાંતલ્લાં (સં.) બહાના, ટાલ મટોલ,

ગવડાવું-વવું (ક્રિ.) ગીત ગવાના,

ગવન (સં.) એક પ્રકાર કા વસ્ત્ર જિસે સ્ત્રિયાં ઊપર સે પહિનતી હૈં ।

ગવાવું (ક્રિ.) બાતેં કરાના, ગાના ગવાના । [પ્રમાણ ।

ગવાહી (સં.) સાખી, સાક્ષિત્વ,

ગવાલેા (સં.) બણ્ડલ, ચમડે કી થૈલી યા સન્દૂક, કપડોં કી ગઠ્ઠડ । કપડોં કા બણ્ડલ

ગવાક્ષ (સં.) હવાઆને કા છેદ, ગોલ ખિડકી,

ગવૈયેા (સં.) ગાયક, ગાનેવાલા,

ગહન (વિ.) ગહિરા, ઘના, જિસ મેં પ્રવેશ ન કિયા જા સકે । ગુપ્ત, છુપા ।

ગહું (સં.) ગેહું, ગોધૂમ ।

ગહુંવેા (વિ.) ગેહુંવા રંગ, ભૂરા,

ગળગળવું (ક્રિ.) દયાલુ હૃદય સે વિનતી કરના, હાહા કરવાના, ગિડગિડાના ।

ગળગળિત, ગળગળું (વિ.) દ્રવિત, પિઘલા, નમ્ર, આધીન, (સં.) નિકલ પડના, ફૂટ નિકલના,

ગળગંડું (વિ.) ચટોરા,

ગળબંધેા (સં.) ગલે કા સોને કા બના ગેહના । સ્વર્ણ આભૂષણ જો ગલે મેં પહિના જાતા હૈ ।

ગળચિ (સં.) કંઠ, गिरगटी, हलक़, वायुद्वार, स्वांस लेने का छेद, गला, नरेटी ।
ગળણી (સં.) चलनी, झरना
ગળતકોઢ (સં.) गलित कुष्ट, एक प्रकार का कोढ़ रोग ।
ગળપણ (સં.) मिठास, मिष्टता, मधुरता,
ગળફો (સં.) कफ़, बल गम,
ગળવું (ક્રિ.) हड़पना, निगलना, पतलाहोना, पिघलना, चूना, टपकना । [जड़ का गूदा ।
ગળસુડા (સં.) मसूड़ा, दांतों की
ગળા કાપુ (વિ.) विश्वासघाती, बेईमान, कपटी, गला काटनेवाला ।
ગળી (સં.) उच्चारण, शब्द, नील ।
ગળીજવું (ક્રિ.) निगल जाना,
ગળીયારો (સં.) नीलगर, नीलसे रंगनेवाला ।
ગળીયેર (સં.) नील से रंगा हुवा,
ગળીયો (સં.) हठी-जिद्दी बैल, मरिया बैल ।
ગળું (સં.) गला, कंठ,
ગળું કાપવું (ક્રિ.) धोका देना, कपट करना, छलना, ठगना, गला काटना ।
ગળું પકડવું (ક્રિ.) गले में खर खरी होना या आवाज बैठना ।
ગળું ફાસવું (ક્રિ.) गला घोटना, फाँसी लटकाना । [पहिनना ।
ગળે ધાલવું (ક્રિ.) माथे मढ़ना,
ગળે નાખવું (ક્રિ.) दबाव डालना, मंजूर करने को मजबूर करना ।
ગળે પડવું (ક્રિ.) झूठा दोष लगाना, झूठा दावा करना, पीछे पड़ना । [वाला ।
ગળેપડુ (સં.) झूठा दोष लगाने-
ગળેહાથ (સં.) एक प्रकार का शपथ, दाढी को हाथ से छूकर सौगन्द खानेवाला ।
ગળ્યું (સં.) मीठा, मिष्ट,
ગાઉ (વિ.) बागीचे का कुआ । कोष, कोश
ગાંગડી (સં.) एक छोटा टुकड़ा
ગાંગરવું (ક્રિ.) झिड़कना, फटकारना, रँभाना ।
ગાંગા (સં.) जबड़ा,
ગાંગાતગ્યાં (સં.) पशोपेश, दुविधा, दुब्धा ।
ગાંગો (સં.) घूमता फिरता तेल बेचनेवाला, चलता फिरता तेली ।
ગાંજવું (ક્રિ.) धोका देना जीतना,
ગાંજબોર (સં.) गांजा पीने वाला ।

ગાંજો (સં.) ગાંજા, ભાંગ, સન ।
ગાંઠ (સં.) ગ્રંથિ, ગઠાન, બંધન, સંયોગ, જોડ, મેલ,
ગાંઠવું (વિ.) નિજી, ખાનગી થેલી કા।
ગાંઠડી (સં.) ગાંઠ, બન્ડલ, પુલન્દા, દ્રવ્ય, જાયદાદ ।
ગાંઠ બાંધવી (ક્રિ.) ગ્રંથિ લગાના, સ્મરણ કરના, દ્રોહી હોના, અંટસ રખના ।
ગાંઠ વાળવી (ક્રિ.) બાંધના, અનુકૂલ હોના, યાદ કરના । ગાંઠ લગાના ।
ગાંઠવું (ક્રિ.) ગાંઠ લગાના, આજ્ઞા માનના, ધ્યાન દેના ।
ગાંઠિયો તાવ (સં.) ગઠિયાજ્વર, ગ્રંથિજ્વર । [જડ કી ગાંઠ ।
ગાંઠીયો (સં.) એક ટુકડા, જડ,
ગાંડ (સં.) પેંદા, પિછલા, ગુદા ।
ગાંડ બાંબળી કરવી (ક્રિ.) ચિઢાના, ખિજાના, દુખ દેના, પીડા દેના ।
ગાંડગુલામી (સં.) નીચ સેવા, કર્મીના ગુલામી, નીચ ખુશામદ ।
ગાંઠ ચાલવી (ક્રિ.) નલોંકા હટ જાના, નાભિ સરકના, દસ્ત લગના ।
ગાંડપર હાથ મુકી સુઈ રહેવું (ક્રિ.) કુછ પરવાહ ન કરના, બેફિક્ર હોકર રહના । [ખુદ મતલબ ।
ગાંડભરૂ (સં.) સ્વાર્થી, ખુદગર્જી,
ગાંડમાં ઘરાવું (ક્રિ.) ખુશામદ કરના, ચાપલૂસી કરના, લલો પત્તો કરના [મન્દબુદ્ધિ, પાગલ।
ગાંડા (સં.) મૂર્ખ, બેવકૂફ, શઠ,
ગાંડાઈ (સં.) પાગલ પન, મૂર્ખતા, શઠતા, બેવકૂફી ।
ગાંડિયું (વિ.) મૂર્ખ,
ગાંડી ગુજરાત આગે ઘાત પીછે ઘાત=બુરે કુત્તે કે લિયે મારી બોટ। નષ્ટ દેવ કી ભ્રષ્ટ પૂજા ।
ગાંડીવ (સં.) અર્જુન કા પ્રસિદ્ધ ગાંડીવ ધનુષ ।
ગાંડું (વિ.) દેખો ગાંડા
ગાંડો (વિ.) મૂર્ખ, વિપથગામી,
ગાંદરૂ (સં.) ગોચર ભૂમિ, ગાંવ કી વહ સીમા જહાં મવેશી ખડે હોતે હૈં।
ગાંધર્વ (સં.) દેખો ગંધર્વ [વિવાહ।
ગાંધર્વલગ્ન (સં.) દેખો ગંધર્વ
ગાંધી (સં.) પંસારી, ઔષધિ વિક્રેતા, મહાત્મા મોહનદાસ કર્મચંદ ગાંધી ।
ગાંધોવડું (સં.) વ્યાપારિયોં કા બુલાવા, નિરર્થક બાત કરના ।
ગાગર (સં.) ગગરા, ઘડા, કલશ, ઘટ
ગાજ (સં.) એક પ્રકાર કા કરાઘાત

ગાજર (સં.) એક પ્રકાર કી માજી, ગાજર,
ગાજરેટો (સં.) કૂકરમુત્તા,
ગાજરિયું (સં.) એક બડા ચિન્હ જો મસ્તક પર રહતા હૈ। "U"
ગાજવીજ (સં.) બિજલી કી ચમક ઔર મેઘનાદ। [ડાના।
ગાજવું (ક્રિ.) ગર્જના, ગડ્ ગ-
ગાજીભડ (સં.) સૈનિક, બહાદુર, યોદ્ધા, વીર સિપાહી,
ગાડું (વિ.) પરાજિત, થકા હુવા।
ગાડકી (સં.) સિપાહી, ગાર્ડ, રક્ષક।
ગાડક (સં.) ભેડ ભેડી [ધસાન।
ગાડરિયો પ્રવાહ (સં.) ભેડિયા
ગાડવું (ક્રિ.) દફનાના, ગાડ દેના, અનુમાન કરના।
ગાડીવાળો (સં.) ગાડીવાન, ગાડી હાંકનેવાલા।
ગાડું (સં.) ભારવાહી ગાડી, કિરાયે પર ચલને વાલી ગાડી।
ગાઢું (સં.) મોટા
ગાણું (સં.) ગાયન,
ગાત્ર (સં.) અંગ
ગાત્ર ભંગ (સં.) અંગ ભંગ,
ગાથા (સં.) કવિતા, ગીત, ગાયન
ગાદલું (સં.) ગદ્દા, ગદેલા, રૂઈ કા ગદેલા।
ગાદી (સં.) ગદ્દી, ગાયન।
ગાદીની દોલત (સં.) રાજ્ય ખજાના રાજ્ય કોષ।
ગાન (સં.) ગાયન, ગીત
ગાનાર (સં.) ગવૈય્યા, ગાનેવાલા।
ગાફેલ (સં.) ગાફિલ, બેહોશ, બે-ફિક્ર, અસાવધાન। [છેદ।
ગાભડી (સં.) છોટાછિદ્ર, સૂરાખ,
ગાભડી (મુદ્રણી) (સં.) ભાગ દૌડ।
ગાભડું (સં.) છિદ્ર, હાનિ, ટોટા, છોટા છેદ।
ગાભ (સં.) દેખો અર્ભ
ગાભણી (સં.) દેખો અર્ભિણી
ગાભરું (વિ.) ઘબરાયા હુવા, વ્યાકુલ। [ઘબરાના
ગાભરું પડવું (ક્રિ.) વ્યાકુલ હોના
ગાભો (સં.) ગૂદા, તાંબે યા પી-તળ કા સીકચા, કપડા જો પગડી મેં કામ આતા હૈ, નિકમ્માવસ્ત્ર
ગામ (સં.) ગ્રામ, ગાંવ, કસ્બા,
ગામ ત્યાં ઠેબાડો =ગુલાબ મેં કાંટે, કાંટોં મેં ફૂલ।
ગામગરાસ (સં.) જાય દાદ ગૈર મનકૂલા યાની મકાન યા જમીન વગૈરહ।
ગામ ગોર (સં.) ગાંવ કા પુરોહિત।
ગામડી (સં.) દેશી, સ્વદેશી।

ગામડિયો (સં.) ગ્રામીણ, ગ્રામવાસી, ગાંવ का रहने वाला, गँवार।
ગામડીયો (વિ.) જંગલી, ગંવારૂ। बेहूदा।
ગામડું (સં.) छोटा गाँव, पुरवा।
ગામદેવી (સં.) ग्राम देवी।
ગામમાં પેસવાના સાંસા ને પટેલને બેર ઉનાથી=मीख और पिछोर पिछोर।
ગામોટ (સં.) गांव के पुरोहित
ગામોતર (સં.) गांव के नियम से विरुद्ध।
ગામ્ભીર્ય (સં.) गंभीरता,
ગાય (સં.) गऊ, कोमल, नम्र, सीधा सादा, [निष्पाप, निर्दोष,
ગાય જેવું (વિ.) सीधा, कोमल,
ગાયત્રી (સં.) वेदमाता, वेदका पवित्र मंत्र, गुरु मंत्र।
ગાયન (સં.) गान, गाना, गीत,
ગાર (સં.) कीचड़, कीच,
ગાર (સં.) ठंडा, [प्रत्यय
ગાર (સં.) कर्ता बतलानेवाली
ગારદી (સ.) सिपाही, सैनिक, पहिरेवाला। [लानेवाला, सपेरा।
ગારૂડી (સં.) बाजीगर, सांप लि-
ગારો (સં.) स्त्रियों के पहिनने का वस्त्र विशेष। गीला गोबर का ढेर। कीचड़, कीच।
ગાલ (સં.) कपोल, गंड स्थल,
ગાંલ (સં.) भोजन करने को बैठे हुए मनुष्यों की पंक्ति।
ગાલી (સં.) गाली, कूंचा, कुवचन, गाली गलौज़।
ગાલીચો (સં.) देखो ગલીચો
ગાલ્લી (સં.) देखो ગાડું ३० मण का तौल। [गाड़ी।
ગાલ્લું (સં.) देखो ગાડું भारकस
ગાવડી (સં.) देखो ગૌ, प्यारी गाय।
ગાવડોલ (સં.) सबसे ऊपर का,
ગાવદી (સં.) गवड़ैल, मैला, गन्दा, मूर्ख।
ગાવું (ક્રિ.) गाना, चरचा करना,
ગાળ (સં.) गाली, दुर्वाक्य, बाकी, तलछट, मैळ। [नाम करना।
ગાળ દેવી (ક્રિ.) गाली देना, बद-
ગાળવું (ક્રિ.) गलाना, टपकाना, छानना, व्यय करना : [गलौज़।
ગાળાગાળી (સં.) पारस्परिक गाली
ગાંસિયું (સં.) कामचोर, काम के जी चुरानेवाला, पशु के गले के लिए छोटा फन्दा।
ગાળો ખાંખણું (ક્રિ.) गला देना, पिंडा छुड़ा देना, बेफायदा खर्च कर डालना

ગાળો (સં.) ફન્દા, કમરા, ભીતરી, અન્તર, એક પ્રકારકી ઔરતોં કી પોશાક। સાફ રૂઈ।
ગિગળા-ધાવું (ક્રિ.) ઘબરા જાના।
ગિરચ (વિ.) પાસ, ઘના, મોટા, ભીડ, ભિચડ।
ગિચ્ચોગિચ્ચ (ક્રિ. વિ.) દબાકર, ઠૂંસકર, ખૂબ ભીડ, ગચાપચ, ખચાપચ ભીડ।
ગિદ્દડ (સં.) સુસ્ત, કાહિલ, ભારી।
ગિદ્દો (સં.) ઘૂંસા
ગિબત (વિ.) દોષ, અપવાદ, કલંક, નિંદા, અપયશ।
ગિબત કરવી (ક્રિ.) નિંદા કરના, દોષ દેના, કલંક લગાના।
ગિબતખોર (સં.) નિંદક, દોષ લગાનેવાલા,
ગિબવું (ક્રિ.) ઘૂંસે સે મારના, મુઠ્ઠી બાંધ કર પીટના।
ગિબાગિબ (ક્રિ. વિ.) ઘૂંસોં સે ધમાધમ્મ પીટના।
ગિરદ (સં.) ધૂળ, કચરા,
ગિરફતાર (વિ.) કૈદ, બંધક, લીન, નિમગ્ન। [લીનતા, નિમગ્નતા।
ગિરફતારી (સં.) પકડાધકડી,
ગિરવી (વિ) ગિરો, બન્ધક, રહન, ગહને।

ગિરવી ચુકવું (ક્રિ.) ગિરો રખના, બન્ધક રખના, ગહને ધરના।
ગિરા (સં.) વાણી। [પહાડી।
ગિરી (સં.) પર્વત, ભૂધર, પહાડ,
ગિરિધર (સં.) પહાડ કો ધારણ કરનેવાલા, શ્રીકૃષ્ણચન્દ્ર।
ગિરીશ (સં.) શિવ, મહાદેવ।
ગિરેબાજ (સં.) એક પ્રકારકા કબૂતર જિસકે સિરપર કલગી હોતી હૈ। [કામ।
ગિરોબત (સં.) ગિરવી આદિ કા
ગિલ્લી (સં.) ગોલી, કૂચા, ગુદ-ગુદી, ગુળ ગુલી, ગિલ્લી (ખેલનેકી)
ગિલ્લીદંડો (સં.) લડકોં કા એક ખેલ ગિલ્લી દણ્ડા।
ગિલ્લો (સં.) અપવાદ પત્ર, નિંદા, કલંક, ગાલી, ધિક્કાર।
ગિલોડું (સં.) એક પ્રકારકી તરકારી।
ગીત (સં.) ગાન, ભજન।
ગીત ગાવું (ક્રિ.) ભજન ગાના, ગીત ગાના।
ગીધ (સં.) ગિદ્ધ, ગૃદ્ધ।
ગીરો (વિ.) બન્ધક, ગિરવી, રહન,
ગીરોતુ (સં.) નિજી, ખુદકા,
ગીર્વાણ (વિ.) સ્વર્ગીય, પવિત્ર, (સં.) સંસ્કૃત ભાષા,

ગુંગણું (સં.) नाकसे बोलना,
ગુંગળાઈ મરવું (ક્રિ.) गला घोटकर मरना। घबराकर मरना।
ગુંગળાવું (ક્રિ.) घबराना. सांस रोककर मरना। [गूँगा।
ગુંગું-ગી (સં.) मूक, वाणी रहित,
ગુંચ (સં.) पेच, लपेट, उलझन, झंझट, परेशानी, गोरखधन्धा।
ગુંચવણ (સં.) पेच, लपेटन उलझाव,
ગુંચવણમાં આવી પડવું (ક્રિ.) झंझट मे पड़ना, उलझनमें पड़ना।
ગુંછળું (સં.) धागों की लच्छी, धागोका गुच्छा।
ગુંજ (વિ.) गुप्त, खानगी, घरू, (સં.) प्रांतध्वनि, प्राति शब्द।
ગુંજ (સં.) रस्सी में घास की ग्रंथि, घूंघची, परिमाण विशेष।
ગુંજાશ (સં.) लियाकत, सामर्थ्य, शक्ति योग्यता पहुँच।
ગુંથવું (ક્રિ.) गूँथना, बटना, जोड़ना, बिनना।
ગુંથાવું (ક્રિ.) अधिकार प्राप्त होना, रोक रखना, उलझा रखना, फँसा रखना।
ગુંદ (સં.) गोंद, गाद,
ગુંદપાક (સં.) गोंद द्वारा तयार किया हुवा भोज्य पदार्थ।
ગુંદવું (ક્રિ.) पीटना, मारना, गूँथना, माड़ना, ओसनना।
ગુંદું (સં.) फल विशेष।
ગુ (સં.) मल, गोबर, विष्ठा, गू।
ગુદ (સં.) एक छोटा छेद जो खेलने के काम में आता है, गुच्ची।
ગુગળ (સં.) गुग्गल, सुगन्धित गोंद।
ગુગળી (સં.) ब्राह्मणों की एक जाति, पुजारी, पुरोहित, कृपण, कंजूस।
ગુચપુચ (ક્રિ. વિ.) खुसफुस, कानाफूसी, गुप्त रीति से। (સં.) फुस फुसाहट।
ગુચવાવું (ક્રિ.) फँसना, उलझना, पकड़ में आ जाना।
ગુચ્છા (સં.) लट, जुल्फें, गल गुच्छा।
ગુચ્છો (સં.) समूह, गुच्छा, गांठ फूल।
ગુજ (વિ.) गुप्त, घरू, खानगी (સં.) कील, नाखून।
ગુજરવું (ક્રિ.) मरना, निकल जाना, बीतना। [जीविका, रोजी।
ગુજરાન (સં.) बसर, निर्वाह,
ગુજરાન ચલવું (ક્રિ.) बसर करना, निर्वाह करना, गुज़ारा करना।
ગુજરી (સં.) एक प्रकार की चूड़ी जिसे स्त्रियां पहिनती हैं। बाजार, हाट, मेला, पैठ, सभा,

ગુજરી જવું (ક્રિ.) મરજાના, નિકલજાના, ગુજરજાના।
ગુજરવું (ક્રિ.) ખર્ચ હોના, નષ્ટ કરના, દિખલાના।
ગુજરાયો (સં.) દેખો ગુજરાન।
ગુટકો (સં.) છોટી કિતાબ, ઈશ્વર કી પ્રતિમા કા પીતલ કી ડિબ્બી મે રખા હુવા ચિત્ર।
ગુટિકા (સં.) ગોલી, વટિકા,
ગુડવું (ક્રિ.) કાટના
ગુડી (સં.) ચૈત્ર માસ કા પ્રથમ દિન, સીધા ખડા કિયા જાનેવાલા દંડ।
ગુડી પડવો (સં.) ચૈત્ર માસ કા પ્રથમ દિન।
ગુડો (સં.) માતમ શોક પ્રદર્શન (મૃત્યુ સમય મેં) પતલી હડ્ડી ભેદ,
ગુણ (સં.) લક્ષણ, સિફત, તારીફ, ખૂબી, વિશેષતા, લાભ, અસર, પ્રભાવ ધનુષ કી ડોરી, જ્યા, બાજે કા તાર, રસ્સી, નસ, ટાટ।
ગુણક (સં.) ગુણા કરનેવાલા।
ગુણકા (સં.) વેશ્યા, રન્ડી, સહેલી
ગુણકાંક (સં.) ગુણક,
ગુણકારી (વિ.) લાભપ્રદ, ફાયદેમન્દ।
ગુણ ગુણ (સં.) ભિન ભિન, નાક મેં ગુન ગુન।
ગુણપટ (સં.) ટાટ, તપ્પડ।
ગુણપાઠ (સં.) કૃપા, દયા, અનુકમ્પા।
ગુણવંત-વાન (સં.) ગુણી, પ્રવીણ, નિપુણ, વિદ્વાન, તેજસ્વી પ્રસિદ્ધ।
ગુણવાચક વિશેષણ (સં.) વહ વિશેષણ જો ગુણ કા દ્યોતક હો (વ્યાકરણ મે)
ગુણવું (ક્રિ.) ગુણા કરના।
ગુણકાર (સં.) લાભ, ફલ, ગુણાકાર જરબ। [જરબ।
ગુણાંક (સં.) ગુણ ન ફલ, હાસિલ,
ગુણાઢ્ય (સં.) ગુણયુક્ત, ધાર્મિક, ઔર પ્રતિષ્ઠિત।
ગુણી (સં.) ધર્માત્મા, ઉપકાર માનનેવાલા ગુણી। [ઘડા, મટકા।
ગુણિયો (સં.) નકલ કરનેવાલા,
ગુણ્યાંક (સં.) ગુણક, મજરૂબ।
ગુદસ્ત (વિ.) ગુજરા હુવા, ગયા બીતા।
ગુદા (સં.) ગાંડ, ગુદા।
ગુનેગાર (વિ.) અપરાધી, દોષી,
ગુનેગારી (સં.) સજા, દંડ જુર્માના।
ગુપચુપ (ક્રિ. વિ.) ગુપ્ત રીતિ સે ચુપચાપ।
ગુપ્ત (સં.) છુપા, અપ્રકટ, ઢકા હુવા, ઢકા, વૈશ્ય જાતિ કા અલ્લ।
ગુપ્તદાન (સં.) અપ્રકટ, પુણ્ય, ઐસા દાન જો છુપા હુવા હો।

ગુપ્ત ધન (સં.) છુપા હુવા ખજાના અપ્રકટ દ્રવ્ય। [ગુપ્ત બાત।
ગુપ્ત ભેદ (સં.) ગુહ્યત્વ, એકાંતતા
ગુપ્તી (સં.) અસ્ત્ર વિશેષ, લકડી જિસમેં છુપે રૂપ સે તલવાર હોતી હૈ।
ગુફા (સં.) કન્દરા, માંદ, ખોખલી જગહ। [છુટાના, ગંવાના।
ગુમ કરવું (ક્રિ) ખોના છુપા દેના,
ગુમજ (સં.) ગુમ્બજ,
ગુમડું (સં.) ફોડા ફુન્સી, છાલા ગિલ્ટી, સૂંજન। [શક સન્દેહ,
ગુમાન (સં.) ગર્વ, ઘમણ્ડ, દર્પ,
ગુમાની (સં.) ઘમંડી, દર્પયુક્ત, અહંકારી।
ગુમાર (સં.) મૂર્ખ, જંગલી, ગંવાર।
ગમાવવું (ક્રિ.) ખોના, નષ્ટ કરના, બરબાદ કરના, ગંવાના।
ગુમાસ્તી (સં.) નૌકરી, ગુલામી, સેવા। [નૌકર, સેવક।
ગુમાસ્તો (સં.) મુહર્રિર, ક્લર્ક,
ગુરગુરવું (ક્રિ.) ગુર્રાના, ઘુર ઘુરાના।
ગુરજ (સં.) ગદા, લાઠી, લુહાંગી, લડાઈ કા શસ્ત્ર વિશેષ।
ગુરજી (સં.) છોટા કુત્તા, સ્પેનિયલ ડૉગ। [ગદા। લુહાંગી।
ગુરટો (સં.) ગુર્જા, લોહ કી મૈંડી
ગુરવું (ક્રિ.) ગુર્રાના, ઘુડકના,
ગુરુ (સં.) મંત્ર ગુરુ, શિક્ષક, આચાર્ય, કુલ ગુરુ, પુરોહિત, વૃહસ્પતિ।
ગુરુ (સં.) લમ્બા, બડા, દીર્ઘ, ભારી, માન્ય।
ગુરુત્વ (સં.) ભારીપન, ગંભીરતા,
ગુરુત્વ મધ્ય બિંદુ (સં.) આકર્ષણ શક્તિ કા મધ્ય। મધ્ય રેખા કા બિન્દુ,
ગુરુત્વાકર્ષણ (સં.) આકર્ષણ શક્તિ કા ખિંચાવ। ગુરુત્વાકર્ષણ।
ગુરુત્વરેખા (સં.) લક્ષ્ય કી રેખા। મુખ્ય રેખા।
ગુરુબંધુ-બાંધવ (સં.) એક ગુરુ કે પાસ શિક્ષા પ્રાપ્ત।
ગુરુવાર (સં.) વૃહસ્પતિવાર,
ગુલ (સં.) ફૂલ, પુષ્પ, દીપક યા પ્રકાશ કા અંત, બુઝ [કરના।
ગુલ કરવું (ક્રિ.) બુઝાના,. નષ્ટ
ગુલકંદ (સં.) ગુલાબ પુષ્પ ઔર મિશ્રી આદિ પદાર્થો સે બના મિષ્ટ પદાર્થ। ગુલકન્દ।
ગુલગાર (સં.) લાલ, સેંદુરી,
ગુલગોટો (સં.) ગેંદાકા ફૂલ
ગુલછડી (સં.) પુષ્પયુક્ત છડી।
ગુલજમન (વિ.) ખૂબસૂરત, ગમ્બા,
ગુલજાર (સં.) પુષ્પવાટિકા।

ગુલતાન (વિ.) આનંદ, હસમુખ, ખુશ ।
ગુલદાન (સં.) ફૂલોંકા પાત્ર,
ગુલબાંસ (સં.) ગુલબાંસકા વૃક્ષ ઔર પુષ્પ ।
ગુલર (સં.) ઔદુમ્બર વૃક્ષકે ફલ, ગૂલર, કાનકી બાલી । [બાગીચા ।
ગુલસ્તાન (સં.) ગુલાબ કે વૃક્ષોંકા
ગુલાંટ (સં.) ગુલાંચ, ઉડ્ડી,
ગુલાબ (સં.) ગુલાબકા ફૂલ યા પેડ્
ગુલાબજળ (સં.) ગુલાબ કે ફૂલોં દ્વારા તય્યાર કિયા હુવા સુગન્ધિત જલ ।
ગુલાબદાન–ની (સં.) જિસ પાત્ર મેં છિડ્કને કે લિયે ગુલાબજળ ભરા જાતા હૈ । [કે રંગકા ।
ગુલાબી (સં.) સુર્ખ, લાલ, ગુલાબ
ગુલાબી નીંદ (સં.) પ્રાતઃકાલીન નિદ્રા, અલ્પ નિદ્રા ।
ગુલાબી ગાલ (સં) ગુલાબ પુષ્પ કે રંગ કે સમાન ગાલ, લાલ ગાલ, ખૂબસૂરત ગાલ, સુન્દર કપોલ ।
ગુલાબી ઠંડ (સં.) હલકી સર્દી, કમ ઠંડ । [જુતિહર ।
ગુલામ (સં.) દાસ, નૌકર, ભૃત્ય,
ગુલામગિરી (સં.) નૌકરી, દાસતા, સેવા ।
ગુલાલ (સં.) ગુલાલ
ગુલી (સં.) નીલ, કીડોં મકોડોં દ્વારા બનાયા ગયા ક્ષેદ ।
ગુવાર (સં.) એક પ્રકારકી ભાજી ગુવારફળી । (ગુસ્સા ।
ગુસ્સો (સં.) ક્રોધ, નારાજી
ગુહા (સં.) કન્દરા, માંદ, ગાર, ગુફા, ખોખલા [અપ્રકટ ।
ગુપ્ત (વિ.) ગુપ્ત, છાનગી, છુપા,
ગુપ્તાર્થ (સં.) ગુપ્ત અર્થ, છુપે માને ગૂઢાર્થ । [અગમ્ય ।
ગૂઢ (સં.) ગુપ્ત, કઠિન, ગહિરા,
ગૃહ (સં.) મકાન, નિવાસસ્થાન ।
ગૃહ પ્રવેશ કરવો (ક્રિ.) ઘર મેં ઘુસના ।
ગૃહસ્થ (સં.) ગૃહ મેં રહનેવાલા, મકાનવાલા, ભલા, સજ્જન ।
ગૃહસ્થાઈ (વિ.) સભ્યતા, સજ્જનતા નમ્રતા ।
ગૃહસ્થાશ્રમ (સં.) દૂસરા આશ્રમ, ઘર મેં રહકર કરને કા કર્તવ્ય કાર્ય
ગૃહસ્થી (સં.) કુટુમ્બી, ઘર મેં રહનેવાલા । [સ્વામિની ।
ગૃહિણી (સં.) પત્ની, ભાર્યા.
ગેંડી (સં.) ગેંડા, ગેંડી
ગેણ્ય (સં.) છોટે બૈલ [બેંટ
ગેડી (સં.) ખેલનેકી છડી બલ્લા,
ગેણ્ય (સં.) હાડિયોં કા સમૂહ ।

ગેમ (સં.) અદૃશ્ય, અલોપ, ખોયા હુવા, અગોચર

ગેમ થવું (ક્રિ.) ગુપ્ત હોના, અદૃશ્ય હોના લોપ હોના ।

ગેમી (વિ.) જો નદિસે, છુપા હુવા, અદૃષ્ટ ।

ગેમીઆવાજ (સં.) આકાશ વાણી, અંતરિક્ષ ધ્વનિ ।

ગેમીગોળો (સં.) લોક વાદ, બાજારી ખબર, ગપ્પ ।

ગેમીમાર (સં.) દૈવી માર, અજાત ઉપપાત્ત । [ઘેવર ।

ગેમર (સં.) એક પ્રકાર કી મિઠાઈ,

ગેર (સં.) અભાવ સૂચક પ્રત્યય ।

ગેરઆબરૂ (સં.) અપમાન, કમ-ઇજ્જત,

ગેરખુશી (સં.) અવકૃપા, નારાજી

ગેરત (સં.) શર્મ, લજ્જા, લાજ, સુશીલતા ।

ગેર ફાયદો (સં.) હાનિ, નુકસાન

ગેર બંદોબસ્ત (સં.) અવ્યવસ્થા, ગૈર ઇન્તજામ ।

ગેર માહિતી (સં.) અજ્ઞાનતા, નાવાકિફી, અનુભવ શૂન્ય ।

ગેર રસ્તે (ક્રિ. વિ.) અનુચિત, નામુનાસિબ । [અપ્રસન્નતા ।

ગેર રાજી (વિ.) નાખુશી, નારાજી,

ગેર રીતિ (સં.) ગલત, અન્યાય અનુચિત,

ગેર લાયક (સં) અયોગ્ય, નાલાયક।

ગેરવલ્લે જાવું (ક્રિ.) ગલત રાસ્તે પર જાના । ધોકા દિયા જાના ।

ગેરવલ્લે પડવું (ક્રિ.) ગલત રાસ્તે પર હોના ।

ગેરવાજબી–વ્યાજબી (વિ.) અનુચિત, અન્યાય, અન્ધેર,

ગેરવો (સં.) ગેહૂં કે ખેત કી બીમારી । રોલી નામક ગેહૂં કા રોગ

ગેર શિરસ્તે (ક્રિ. વિ.) અન્યાય-પૂર્વક, અનુચિત રીતિ સે, બુરી તરહ સે ।

ગેરસમજુતી (સં.) ગલતી, નાસમઝી, કુછ કા કુછ સમઝના ।

ગેરહાજર (સં.) અનુપસ્થિત,

ગેરહાજરી (સં.) અનુપસ્થિતિ ।

ગેરુ (સં.) લાલ મિટ્ટી, ગેરૂ, હિરમિચી,

ગેલ (સં.) દુલાર પ્યાર પુચકારી, ખેલ તમાશા ।

ગેલ કરવાં (ક્રિ.) પ્યાર કરના, દુલારના, ખેલના ।

ગેહ (સં.) મકાન, ઘર, ભવન ।

ગોંધાટ (સં.) ગોંગા, પુકાર, હડ-બડી, ગર્જના,

ગોંદરો (સં.) ગાંવ કી ગોચર ભૂમિ
ગોંધવું (ક્રિ.) રોકના, બન્દ કરના સીમા, લગાના ।
ગોંધળ્યો (સં.) નાઈ, નાવિક, ખવાસ
ગો (સં.) ગાય, ગઉ, ધેનુ,
ગોંધળ ગોંય (સં.) ધોંઘા, કાહિલ, આલસી મનુષ્ય ।
ગોંખ (સં.) ડ્યોઢી, બારજા ।
ગોંખણો (સં.) આલા, તાખા, તાક
ગોંખરૂ (સં.) ગોખરૂ નામક પ્રસિદ્ધ કંટકયુક્ત બૂટી, એક પ્રકાર કા કંટીલા ગોટા યા ચૂડી,
ગોંખવું (ક્રિ.) ધ્યાન મેં આના, લક્ષ્ય મેં લાના ।
ગોંખો (સં.) પક્ષિયો કા ઘોંસલા,
ગોંગ્રાસ (સં.) ગો કે લિયે નિકાલા હુવા અન્નગ્રાસ ।
ગોંચર (સં.) ચરાગાહ, પશુઓં કે ચરને કી ભૂમિ ।
ગોંચરી (સં.) વહ જો થોડે સે ઘરોં સે થોડાસા ભોજન માંગતા હૈ।
ગોંજારી-ઓરી (સં.) દુષ્ટ સ્ત્રી, બુરી ઔરત
ગોંજારૂં-ઓરૂ (વિ.) નષ્ટ, બરબાદ કિયા હુવા । [લંજ્જ ।
ગોંજુ (વિ.) મૈલા, ગન્દા, નિ-
ગોટ (સં.) ઘૂંટ, ચક્કર, દારબુંઆં,
ગોટલી-રી (સં.) ગુઠલી, બીજા, ફલ કે ભીતર કા બીજ ।
ગોટલો (સં.) માંસ કા ઢેર ગુઠલી,
ગોટાળો (સં.) ગડબડ, ઘબરાહટ,
ગોટિલો (સં.) ઢરકી, નારી, કપાસ સાફ કરને કા ।
ગોટી (સં.) બૉંદી કા ઢેર, બચ્ચોં કી ઉપયોગી ઔષધિ વિશેષ, દર્જી કે અઁગુલી મેં પહિની જાનેવાલી અંગુસ્તાન ।
ગોટે ગોટ (ક્રિ. વિ.) ધૂંવા કા ખૂબ ભરજાના, ધુવોં કા છુટજાના ।
ગોટો (સં.) ગુલદસ્તા, ફૂલોં કા ગુચ્છા, ગેંદા કા ફૂલ, નારેલ કી ગરી, ચટખ, ભારી ભૂલ ।
ગોઠ (સં.) ગુપ્ત, આનન્દભોજ ।
ગોઠવું (વિ.) ઠીક, ઉચિત, ફિટ,
ગોઠવણ (સં.) પ્રબન્ધ, બન્દોબસ્ત, તરતીબ, હિકમત, ઉપાય ।
ગોટિબડું (સં.) ગુલૉટ, ઉડ્ડી,
ગોટિબડું ખાવું (ક્રિ.) ઉડ્ડી લગાના, ગુલૉચ ખાના ।
ગોઠિયો (સં.) સાથી, દોસ્ત, મિત્ર, સહયોગી ।
ગોઠિયો કરવો (ક્રિ.) મિત્રતા કરના જાન પહિચાન કરના ।
ગોડી (સં.) જૈન ધર્મ કે પૂજક ।
ગોડ (સં.) ફોડા, સૂજન, છાલા, ગિલ્ટી,

ગોઠ ગુમઠ (સં.) ફોડે ફુન્સી,
ગોઠવું (ક્રિ.) ગોઠના, વૃક્ષ કે આસપાસ કી ભૂમિ ગોઠના ।
ગોઠાઉન (સં.) ગોદામ, માલ, ઘર કોઠી । [મિઠાસ, મધુરતા ।
ગોડી (સં.) એક પ્રકાર કા ગીત,
ગોડીઉં (સં.) મરોડ, ઐંઠ, લચ્છી ।
ગોડી પડવો (સં.) ચૈત્ર માસ કા પ્રથમ દિન । [ઇસી ભાંતિ ।
ગોડે (ક્રિ. વિ.) સમાન, માનિંદ,
ગોણ્ણી (સં.) સૌભાગ્યવતી સ્ત્રી જો ભોજન કે લિયે બુલાઈ જાવે, સવાસણ ।
ગોતડી (સં.) ગલા, કંઠ, હલક્,
ગોતર (સં.) કુનબા, કુટુમ્બ, કુલ, ઘરાના, વંશ, ખાન્દાન । પશુ કે લિયે એક પ્રકાર કા ચારા ।
ગોતવું (ક્રિ.) ઢૂંઢના, તલાશના, દરિયાફ્ત કરના ।
ગોતું (સં.) ખાદ, ચારા,
ગોત્ર (સં.) દેખો ગોત્ર
ગોત્રજ (વિ.) એક કુટુમ્બ કે, એક વંશીય, નાતેદાર,
ગોત્રજ બંધુ (સં.) એક ગોત કે, ગોતી ભાઈ ।
ગોત્રી (સ.) એક વંશ કે, રિસ્તેદાર,
ગોદ (વિ.) ૪ કે લિયે ગુપ્ત ઇશારા
ગોદડી (સં.) ૧૪ કે લિયે ગુપ્ત ઇશારા ।
ગોધું (સં.) બંચક, છલી, ઠગ,
ગોધું ખાવું (ક્રિ.) ધોકા ખાના, ગુલાંચ ખાના, ઉડી ખાના ।
ગોદ (સં.) ગોદ, હૃદય અંક
ગોદડી (સં.) ગૅંદા, તોશક, ગુદડી ।
ગોદમાં લેવું (ક્રિ.) ગોદ મેં લેના, અંકમર હૃદય લગાના ।
ગોદાવરી (સં.) ગોદાવરી, નામ્ની નદી । ૧૨ કે લિયે ગુપ્ત ઇશારા ।
ગોદી (સં.) જહાજ બનાને કા સામાન રખને કા સ્થાન ।
ગોદી ધાકવી (ક્રિ.) જહાજ બનાને કા સામાન રખને કા સ્થાન બનાના ।
ગોદો (સં.) ધક્કા, આંકુસ, દૌડ ।
ગોદો મારવો / ગોધો ધાકવો } (ક્રિ.) ધક્કા મારના, આંકુસ મારના દૌડ મારના ।
ગોધો (સં.) બૈલ, વૃષભ, સાંડ,
ગોધણ (સં.) પશુઓં કા ઝુંડ, ગાયો કા સંમૂહ ।
ગોધુમ (સં) ગેહું
ગોપ (સં.) સ્વર્ણ કા આભૂષણ જો કંઠ મેં પહિના જાતા હૈ ।
ગોપાદ (સં.) ગાય કા પૈર,
ગોપાત (સં.) શરણ સ્થાન, આશ્રય સ્થાન, રક્ષા, હિફાજત ।

ગોપાળ (સં.) ભગવાન કૃષ્ણ, બૈલો વાયોં કા ઝુંડ ।
ગોપી (સં.) ગોપિ કા, ગોપ કી, કેવળ ગાયોં કા ઝુંડ ।
ગોપી ચંદન (સં.) ગોપી તલૈયા કી પીલી મિટ્ટી ।
ગોપી ચંદન કરવું (ક્રિ.) અપના દૂસરોં કે લિયે ખરચ કર ડાલના બરબાદ કરના, ઉજાડના ।
ગોફણ (સં.) અસ્ત્ર વિશેષ, ગોફન, પત્થર ફેંકને કા પટ્ટા, ગુફના, ભિન્દિપાલ
ગોફણી (સં.) બાલોં મેં પહિના જાનેવાલા એક ઝેવર ।
ગોબર (સં.) ગાય કા મલ, મૈલા, કૂડા, ગોવિષ્ઠા [ગંદું
ગોબરું (વિ.) મૈલા, ગંદા દેખો
ગોબરું (સં.) ચેચક, શીતલા, દુલારી । [હોના ।
ગોબરાવું (ક્રિ.) મનમેં ઉદાસ
ગોબો (સં.) ઉદાસી, ઘૂંસા,
ગોબો પાડવો (ક્રિ.) દેખો ગોબરાવું
ગોબર (સં.) દેખો ગોબર
ગોમાંસ (સં.) ગાય કા માંસ,
ગોમુખ (સં.) ગાય કા મુહૅ
ગોમુખી (સં.) ગાય કે મુખ કે સમાન બની પવિત્ર વસ્ત્ર કી થૈલી જિસ મેં હાથ છુપા, કર માલા આદિ દ્વારા હરિ ચિંતન કરતે હૈં । જપ થૈલી ।
ગોમૂત્ર (સં.) ગાયકા પેશાબ,
ગોમેદ (સં.) પુખરાજ, એક પ્રકારકા બહુમૂલ્ય રત્ન ।
ગોમેધ (સં.) ગાય કી બલિ, વહ યજ્ઞ જિસમેં ગાય કી બલિ દી જાવે । ઇન્દ્રિય દમન પૂર્વક યજ્ઞ ।
ગોર (સં,) કુલ પુરોહિત, એક પ્રકારકા ધ્યાન
ગોરજ (સં.) ગાયોં કે ચલને સે ઉડી હુઈ ધૂલી, ગોરજી પ્રતિષ્ઠા,
ગોરજી (સં.) જૈન પુરોહિત, જૈન પુજારી ।
ગોરબાવું (ક્રિ.) દેખો ગોબરાવું
ગોરબો (સં.) દેખો ગોબો
ગોરપદું (સં.) પૌરોહિત્ય, પુજારી કા પદ । [પીલી મિટ્ટી ।
ગોરમટી (સં.) એક પ્રકાર કી
ગોરંભો (સં.) ગડબડ હોહલ્લા,
ગોરસ (સં.) મટ્ઠા, છાસ, તક્ર, દહી, છાસ દહી રખનેકા બર્તન,
ગોરાટ-ડું (સં.) હલકી પીલી મિટ્ટી
(વિ.) હલ્કા, આરાકશ [ઇત્ર
ગોરાણી (સં.) પુજારિન, પુરોહિતા-

ગોરાપ (સં.) સ્વચ્છતા, સફેદી, ગોરાપન. (સ્ત્રી, સ્ત્રી.

ગોરી (સં.) સુન્દર સ્ત્રી, રૂપવાન

ગોરી (વિ.) ખૂબસૂરત, સુંદર, સફેદ, ગોરા રંગ.

ગોરું (વિ.) સફેદ, સ્વચ્છ, પવિત્ર સાફ ખૂબસૂરત, [નામ.

ગોરૂ રુંદન (સં.) એક ઔષધિકા

ગોલખ (સં.) રુપયો કા સન્દૂક, રુપયે રખને કી પેટી.

ગોલંદાજ (સં.) તોપ દાગનેવાલા, તોપ મેં ગોલા ભરકર ચલાનેવાલા,

ગોલેા (સં.) ચાવલ કૂટનેવાલા, દેખો ખવાસ, પાગલ મનુષ્ય,

ગોવધ (સં.) ગોનાશ,

ગોવાંદરું (સં.) પશુઓં કે લિએ જેલ, કાંજી હૌદ, પશુઓં કે લિયે રોક.

ગોવાડું (સં.) પશુ સમૂહ,

ગોવાલણ (સં.) ગ્વાલિન, ગ્વાલ કી સ્ત્રી. [ગ્વાલા, પશુ ચરાનેવાલા.

ગોવાળ-લિયેા (સં.) ગ્વાલ,

ગોષ (સં.) ચરવાહે કા અહાતા, ગડરિયે કે લિયે ચૌક.

ગોષ્ટી (સં.) કિસ્સા, કહાની, મિત્રતા, વાર્તાલાપ, બાતચીત.

ગોષ્ટી બાંધવી (ક્રિ.) મિત્રતા કરના દોસ્તી કરના.

ગોસ (સં.) માંસ, મિટી, ગોશ્ત, (ક્રિ.) દાહિની ઓર.

ગોસાઈ-સાંઈ (સં.) સ્વામી સંન્યાસી, જિતેન્દ્રિય, ગુસાઈં, સંન્યાસિયોં કી જાત, મહન્ત, [સાધુ બનના.

ગોસાઈ થવું (ક્રિ.) ભિખારી હોના,

ગોહ (સં.) ખોહ, કંદરા, તલઘર

ગોહેાર (સં.) ગહિરે વિચાર, ઉત્તમ વિચાર, ગંભીર વિચાર.

ગોળ (સં.) ગોલ, વૃત્ત, ગુડ રાબ.

ગોળ (વિ.) ગોલ, ગોળાસા, ગોળાકાર, વર્તુલાકાર.

ગોળ કેરી (સં.) ગુડ઼ ઔર આમોં કો ઉબાલકર બનાયા હુવા પદાર્થ, ગુડમ્બ.

ગોળ ગોળ (વિ.) અસમાપ્ત, અસમ્પૂર્ણ, કોમલ કિયા હુવા, (સં.) મિષ્ટ ભાષણ સેલાલચ.

ગોળ ગોળ કરવું (ક્રિ.) મીઠે મીઠે શબ્દોં સે ઉસકાના.

ગોળાકાર (સં.) વૃત્તાકાર, ગોલ વર્તુલાકાર, મણ્ડલાકાર.

ગોળાકૃતિ (સં.) ગોલ શકલ, ગોલ સૂરત. વર્તુલાકૃતિ,

ગોળાર્ધ (સં.) આધા ગોલ, ગોલ કા આધા, વર્તુલાર્ધ, મંડલાર્ધ.

ગોળી (સં.) પાની भरने का बासन, वटिका, बन्दूक की गोली, अंडकोष, वृषण, हानि, घाटा, गोली ।
ગોળી કરવી (क्रि.) वटिका बनाना, खबर करना ।
ગોળી મારવી (क्रि.) बन्दूक में गोळी भरकर मारना ।
ગોળી વાળવી (क्रि.) गोली बनाना, वटिका बनाना ।
ગોળો (सं.) एक बड़ा मिट्टी का पात्र, गोला, खबर, सम्वाद, अफवाह, गप्प, लोहपिंड,
ગોળો ઊડાવવો (क्रि.) अफवाह उड़ाना, किम्वदन्ती फैलाना ।
ગૌ (सं.) गऊ, गाय, धेनु गैया,
ગૌચર (सं.) गांव के निकट गायों के चरने का स्थान । [जाति
ગૌડ (सं.) बंगाली, ब्राह्मणों की एक
ગૌણ (वि.) अप्रधान, नीचा, छोटा
ગૌદાન (सं.) गोदान ।
ગૌમુખી (सं.) देखो ગોમુખી
ગૌમુખેવાઘ (सं.) भेड़ के रूप में या चमड़े में छुपा भेड़िया
ગૌમુત્ર (सं.) देखो ગોમુત્ર
ગૌરવર્ણ (वि.) गोरा रंग
ગૌરી (सं.) अविवाहिता आठ वर्ष की कन्या, पार्वती, उमा,
ગૌશાળા (सं.) गायों के रहने का घर । गो गृह । [गोहिंसा,
ગૌહત્યા (सं.) गोवध का पाप,
ગ્રંથ (सं.) पुस्तक, जिल्द, पोथी,
ગ્રંથકાર (सं.) पुस्तक लेखक, पुस्तकों का बनानेवाला, शास्त्रकार।
ગ્રંથી (सं.) गांठ गठान, गिरह,
ગ્રંથીયા (सं.) एक प्रकार का रोग
ગ્રસ્ત (वि.) युक्त, आच्छादित, आक्रान्त, गृहीत, खायाहुवा ।
ગ્રહ (सं.) सूर्यादि नव ग्रह, भवन, मकान, घर ।
ગ્રહણ (सं.) पकड़, सूर्य चन्द्र आदि पर पृथ्वी की छाया ।
ગ્રહણ કરવું (क्रि.) पकड़ना, लेना, प्राप्त करना, थामना,
ગ્રહણી (सं.) दस्तों की बीमारी, संग्रहणी । अतिसार रोग ।
ગ્રહદશા (सं.) मनुष्यों पर ग्रहों का प्रभाव ।
ગ્રહ પીડા (सं.) ग्रहण, ग्रहों द्वारा दुःख ।
ગ્રહમંડળ (सं.) ग्रहों के घूमने का मंडल, + ग्रह चाल ।
ગ્રહવું (क्रि.) देखो ગ્રહણ કરવું ।
ગ્રહસ્થ (सं.) भला मानस, सभ्य, गृहस्थ

ગ્રામ (સં.) ગાંવ, કસ્બા, બસ્તી ।
ગ્રામઘાત (સં.) ગ્રામ ઘાતક, મરી કી બીમારી ।
ગ્રામ્ય (વિ.) ગાંવ કા, બસ્તી કા,
ગ્રાસ (સં.) કવલ, કૌર, ગ્રહણ કે સમય ગ્રસિત ભાગ । [કૂકર ।
ગ્રામસિંહ (સં.) કુત્તા, શ્વાન,
ગ્રાહ (સં.) મગર, મકર, ઘડિયાલ, સૂંસ, જલ હાથી, નક્ર
ગ્રાહક સં.) ગાહક, ગ્રહણ કરનેવાલા।
ગ્રાહ્ય (સં.) ગ્રહણ કરને યોગ્ય, સ્વીકાર કરને લાયક, મનોનીત,
ગ્રીવા (સં) ગર્દન, ગલા, કંઠ, ગલે કા પૃષ્ઠ ભાગ ।
ગ્રીષ્મ (સં·) ઉષ્ણ, ગર્મી, ચૌથી, ઋતુ. નિદાઘ ।
ગ્લાનિ (સં.) શ્રાન્તિ, નિન્દા, માન સી વ્યથા, મન કી થકાવટ, ઘૃણા।
ગ્લાનિ ઉપજવી (ક્રિ.) ઘૃણા હોના, ખેદ હોના, દુઃખ હોના ।
ગ્વાલ (સં) અહીર, ગોપાલ, ગોપ,
ગ્વાહી (સં·) સાક્ષી ।

ઘ

ઘ=ગુજરાતી વર્ણમાલા કા ૧૫ વાં અક્ષર ચૌથા વ્યંજન ।
ઘઉં (સં.) ગેહૂં, ગોધૂમ
ઘઉંવરણો (વિ.) ગેહુંએ રંગ કા ગૌરા । [વિવાહ ।
ઘઉંવરું (સં.) પુનર્વિવાહ, દ્વિતીય
ઘચરકો (સં.) કબૂતર,
ઘચરપચ (સં.) ગડબડ, હડબડી કે સાથ ।
ઘટ (સં.) ઘાટા, હાનિ, ટોટા, ઘડા, પાની કા બર્તન, સૂરત, શક્લ, દિલ, [બનાવટ ।
ઘટ (વિ.) મોટા, ઘના, ગાઢા,
ઘટપડવી (ક્રિ.) હાનિ હોના, ઘાટા હોના, નુકસાન પડના ।[મુનાસિબ
ઘટતું (સં.) ઠીક, ઉચિત, સમાન,
ઘટ થવું (ક્રિ.) ઠેસ હોના, નિકટ હોના કમ હોના । [રાઈ,
ઘટના (સં.) વાકા, હુનર, ચતુ-
ઘટવું (ક્રિ.) ન્યૂન હોના, કમ હોના, ઘટના ।
ઘટા (સં.) મેઘોં કા સમૂહ, મેઘાચ્છાદન, પેડોં કા સઘન કુંજ ।
ઘટાડવું (ક્રિ.) ઘટાના, કમ કરના [નતા, ઘટી ।
ઘટાડો (સં.) કમી, ઘાટા, ન્યૂ-
ઘટારત (વિ.) ઉચિત, ઠીક, યોગ્ય
ઘટિકા (સં. ઘડી, ૬૦ પલ, ૨૪ મિનિટ કા પ્રમાણ ।
ઘટિત (વિ.) ઠીક, યોગ્ય, ઉચિત,

ઘટિત હોવું (ક્રિ.) उचित होना, योग्य होना ।

ઘડનાર (सं.) बनानेवाला, रचनेवाला, सांचा बनानेवाला ।

ઘડપણ (सं.) वृद्ध, बूढ़ा,

ઘડવી (सं.) कवि, भाट,

ઘડવું (क्रि.) बनाना, तय्यार करना, खींचना, शकल बनाना ।

ઘડામણ (सं.) लोहार सोनार आदि घड़नेवालों की घड़ाई की मजदूरी । बनानेवाले की मजदूरी।

ઘડાએલું (वि.) अनुभूत, परीक्षित

ઘડાવું (क्रि.) बनवाना, तय्यार करना, खींचना, परीक्षा करना ठीक होना ।

ઘડી (सं) तह; परत, २४ मिनिट या परिमाण, समय जानने का यंत्र, घड़ी [घंटे के।

ઘડીએક (क्रि. वि.) लगभग एक

ઘડી ઘડી (क्रि. वि.) प्रायः अक्सर, बारबार, लगातार [प्रायः ।

ઘડીએ પલકે (क्रि. वि.) बहुधा,

ઘડીબંધ (क्रि. वि.) तह किया हुवा, बिना खुला हुवा ।

ઘડીભર (सं.) जरा, कुछ समय के लिये, चन्द मिनिटों के लिये, कुछ क्षण ।

ઘડીયાલ (सं.) जेब घड़ी, आफिस क्लॉक, समय जानने का यंत्र ।

ઘડીયાળી (सं.) घड़ी साज़, घड़ी सुधारनेवाला ।

ઘડીયું (सं.) मटका, घट, ઘડુલો (सं.) घेला, मटकी, छोटा घड़ा।

ઘડો (सं.) करवा, घड़ा, घट

ઘડો લાડવો કરવો (क्रि.) किसी खराब कारण से कोई काम करना, किसी भाँति मनाना, संतुष्ट करना।

ઘડ્યો ઘાટ (सं.) अभी का बना, ताज़ा ।

ઘણ (सं.) बड़ा हथौड़ा ।

ઘણાંએક (वि.) बहुतसे, कई, अनेकों, बहुतेरे ।

ઘણખરા (क्रि. वि.) मुख्यतया, विशेषतः

ઘણાધણી (सं.) घनिष्ट मैत्री, घरोपा, गाढ मित्रता ।[अधिकतर।

ઘણીવાર (सं.) अक्सर प्रायः,

ઘણું (सं.) बहुत, ज्यादः, अधिक, गहिरा, समर्पा, मोटा, गाढ़ा ।

ઘણું કરીને (क्रि. वि.) प्रायः, अक्सर, अधिकांश, विशेषतः

ઘણું ખરું (क्रि. वि.) कई अवसरों पर, प्रायः संभवतः ।

ઘણું ૪ (ક્રિ. વિ.) અત્યધિક, બહુત, બહુતહી, ઝ્યાદ:, અત્યંત ।
ઘણું ૪ (વિ.) પૂર્વવત્ [ઘંટી
ઘંટ (સં.) ઘંટા, ઘટડી (સં.)
ઘંટારવ (સં.) ઘંટે કી આવાજ, ઘંટ ધ્વનિ । [કી હાથ ચક્કી ।
ઘંટી (સં.) ચક્કી, અન્ન પીસને
ઘન (સં.) ઘન, કડ્ડા, ઠોસ, મેઘ, બાદલ ।
ઘનઘોર (વિ.) મોટા, ગાઢા, અત્યંત અંધેરા । [પાગલ ।
ઘનચક્કર (સં.) મૂર્ખ,બેવૂદા, કમઅક્ક
ઘનફળ (સં.) ઘનફલ ।
ઘનમૂળ (સં.) ઘનમૂલ,
ઘનશ્યામ (વિ.) કાળે રંગ કા, (સં.) શ્રીકૃષ્ણચન્દ્ર ।
ગભરાટ (સં.) ઘબરાહટ, વ્યાકુલતા, બેચૈની ।
ઘમણાણ (સં.) નાશ, બરબાદી, સમૂલ નાશ ।
ઘર (સં.) મકાન, કુટુમ્બ, છિદ્ર, તસ્વીર કા ચૌખટા । [વાહ કરના।
ઘર કરવું (ક્રિ.) ઘર બનાના, વિ-
ઘરકામ (સં.) ઘર કા ધન્ધા,
ઘરખટલો (સં.) કુટુમ્બ, કુનબા, પત્ની, ઘરેલૂ ફર્ન ।
ઘર ખરચ (સં.) ખર્ચા જો ઘર કે લિયે હો ।
ઘરગતુ-ણું (વિ.) ગૃહ સમ્બન્ધી, ઘર સમ્બન્ધી, ઘરૂ, જાનગી ।
ઘરઘરાઉ (વિ.) પડોસી યા નાતે રિશ્તેદારોં સે પાયા હુવા યા લાયા હુવા, [અબર્ખા, કપટી, છલી ।
ઘરચાલુ (વિ.) મૂલ્યવાન, મહંગા,
ઘરચોળુ (સં.) એક વસ્ત્ર જો સ્ત્રિયાં પહિનતી હૈં ।
ઘરજમાઈ (સં) વહ મનુષ્ય જો સપત્નીક અપની સસુરાલ મેં રહતા હો । [કલહ, ઘરૂ લડાઈ ।
ઘરટંટો (સં.) આપસી ઝગડા, ગૃહ
ઘરડ (સં.) કીલક, પહિયે કી લકીર, ગડાર । [પુરાના,
ઘરડું (વિ.) વૂઢા, વૃદ્ધ, પ્રાચીન,
ઘરધણિયાણી (સં.) પત્ની, ભાર્યા, ગૃહિની, ગૃહસ્વામિની ।
ઘરધંધો (સં.) દેખો ઘરકામ
ઘરનો (વિ.) ઘરકા, અપના, પૈદા, ઉત્પન્ન । [કરના, ઘર ફોડના ।
ઘરફોડવું (ક્રિ.) ઘરમેં ફૂટ ઉત્પન્ન
ઘરબાર (સં.) કુટુમ્બ, કુનબા, ઘર કી ચીજ વસ્તુ ।
ઘરબારી (સં.) કુટુમ્બી,

ઘરખેડું (ક્રિ. વિ.) बिना कुछ किये, घर बैठे। [ठाले बैठना।
ઘર બેસવું (ક્રિ.) नौकरी छूटना,
ઘરભરવું (ક્રિ.) अपने को धनाढ्य करना, खुद को धनवान बनाना। [घरभाड़ा।
ઘરભાડું (સં.) मकान किराया,
ઘર ભાંગવું (ક્રિ.) कुटुम्ब का नाश करना, वंश नाश करना।
ઘરભેદુ (સં.) घर का जासूस, घर की सब बातें जाननेवाला।
ઘરમારવું (ક્રિ.) घर लूटना,
ઘરમેળે (ક્રિ. વિ.) खानगी तरीके, मित्रवत्, दोस्ताने ढंग से।
ઘરમેળે ભાંડી વાળવું (ક્રિ.) आपस मे झगड़ा तय कर लेना, आपसी निपटारा कर लेना।
ઘરવટ (સં.) मित्रता का संसर्ग, घरोपा, निकट का प्रेम।
ઘરવાખરી (સં.) घर का सामान, घर का लकड़ी का सामान।
ઘરવાળો (સં.) पति, खाविंद, गृहपति, मालिक।
ઘરવેરો (સં.) घर का टेक्स।
ઘરસંસાર (સં.) घराने का कारबार
ઘર સંસારી (વિ.) वह जो दुनिया के कारबार का प्रबन्ध करता है।
ઘરાક-ક (સં.) ग्राहक, खरीदार
ઘરાકી (સં.) बिक्री, व्यापार, श्रेष्ठ इच्छा।
ઘરાણિયો (વિ.) गहने रखा हुवा, गिरवी रखा हुवा।
ઘરેડી (સં.) छोटी गिरी,
ઘરેડો (સં.) अंतिम साँस।
ઘરેણાઉખત (સં.) गिरवी रखने का काम।
ઘરેણું (સં.) जेवर, आभूषण,
ઘરેણે મુકવું (ક્રિ.) गिरवी रखना, रहन रखना।
ઘરોબો (સં.) घनिष्ट प्रेम, घरोपा।
ઘરોળી (સં.) छिपकली, पल्ली,
ઘર્ષણ (સં.) रगड़, घिस्सा।
ઘલાઈજવું (ક્રિ.) कर्जदार का दिवाला निकलने पर रुपयों का चला जाना।
ઘલડવું (ક્રિ.) खुरचना, कुरेदना, खुजालना, खुलचलना।
ઘસડવું (ક્રિ.) खींचना, दबाना।
ઘસરકો-ઓ (સં.) खरोंच, हानि, टोटा।
ઘસવું (ક્રિ.) रगड़ना, घिसना, तेज करना, धार करना, नोक करना।

ધસાઈ જવું (કિ.) દુબલા હો જાના, પતલા હો જાના, घिस जाना,
ધસારો (સં.) खरोंच, चीर,
ધસારો ખમવો (કિ.) हानि, उठाना, टोटा सहना ।
ધસાવું (કિ.) घिसजाना, थामना, उठाना, सहना ।
ધા (સં.) व्रण, जख्म, घाव, चोट ।
ધાગેલ થવું (કિ.) जख्मी होना, चोट खाना, आहत होना ।
ધાગેલ થયલું (કિ.) जख्मी, घायल, चोट खाया हुवा, अधमरा ।
ધાઘરો (સં.) लहँगा, घाघरा, स्त्रियों के पहिनने का वस्त्र विशेष ।
ધાંચી (સં.) तेल निकालने वाला, तेली ।
ધાંચો (સં.) चटाई बनाने वाला ।
ધાંટી (સં.) हलक, कंठ, रोक, आड ।
ધાટ (સં.) शक्ल, सूरत, प्रबन्ध, हिकमत, एक प्रकार का सांचा, रेशमी कपड़ा ।
ધાટ કરવો (કિ.) सांचा बनाना, तदबीर करना ।
ધાટ ઘડવો (કિ.) साँचा बनाना सूरत बनाना, उपाय सोचना, हानि करना, वध करना, पीटना ।
ધાટડી (વિ.) सफेद ऊँट का एक प्रकार का रेशमी वस्त्र । [वस्त्र ।
ધાટ પોત (સં.) एक प्रकार का रेशमी
ધાટીલું (વિ.) सुन्दर, खूबसूरत, अच्छी शक्ल का ।
ધાડું (વિ.) गाढ़ा, मोटा, घना, पाषाण हृदय ।
ધાણ (સં.) नाश, बड़ा दृधौड़ा, किसी वस्तु का एकदम डालाजाना ।
ધાણ કઢાવવો (કિ.) बरबाद करना, नष्ट करना, बिगाड़ना ।
ધાણી (સં.) तेल निकालने का यंत्र, गन्नों का रस निकालने का यंत्र ।
ધાત (સં.) चोट, मार, वध, हिंसा, खून, बुरा समय । [दुष्ट बुरा ।
ધાતકી (સં.) खूनी, हिंसक, निर्दय,
ધામ (સં.) धूप, गर्मी, स्वेद, पसीना ।
ધામોટ (સં.) देखो ઝામોટ,
ધારણ (સં.) घुर्र घुर्र करती हुई निद्रा, निद्रामें घरोंटा,
ધારી (સં.) एक प्रकार की मिठाई, घेरा, परिधि ।
ધારૂં (સં.) गहिरी चोट, बड़ी विपत्ति, जोर का घूँसा, छेद, सूराख ।
ધાલ (સં.) हानि, नुकसान,
ધાલમેલ (સં.) अव्यवस्था, अप्रबन्ध, बद इन्तजामी, जल्दी, त्वरा ।

ધાલમેલ (વિ.) તરકીબ और तदबीर से पूर्ण।
ધાલવું (क्रि.) भीतर डालना, धकेलना, घुसेड़ना, प्रवेश कराना, भरना, छेदना। [कर्जा न चुकाना।
ધાલી પડવું (क्रि.) ऋण न देना,
ધાસ (सं.) तृण, घास, भूसा, चारा, हानि।
ધાસ દાણો (सं.) घास और दाना, खोराक, पेट खर्ची।
ધાસ્વું (क्रि.) रगड़ना, घिसना, साफ करना।
ધાસિયો (सं.) घोड़े की काठी पर का ऊनी वस्त्र।
ધિયાળ (वि.) जिसमें घी हो, अधिक घृत युक्त दुग्ध, अधिक दूध देनेवाली।
ધી (सं.) घृत, आज्य। [जुकूस।
ધીસ (सं.) चौकीदार, होली का
ધીસો (सं.) झूठा वादा, असत्य, वचन।
ધુ ધર (सं.) घूँघठ, ओर, परदा।
ધુંધવાટ (सं.) ऊँची उड़ान, शोर-गुल, ધુમ્મટ (सं.) उद्दु, घुग्घू।
ધુંટો (सं.) घूँट,
ધુંટણ (सं.) घुटना, जानु,
ધુંટણિયું ભરવું (क्रि.) घुटनो बल सरकना। [मसलना, घोटना।
ધુંટવું (क्रि.) मलना, रगड़ना,
ધુંટી (सं.) लपेट, उलझाव, कठिनता, टखनों का जोड़।
ધુધરમાળ (सं.) छोटी छोटी घंटियों की बनी हुई माला। घुंघरों की माला।
ધુધરી (सं.) एक प्रकार का जेवर, खन खनाहट।
ધુધરો (सं.) घूघरा
ધુમટ-ડો (सं.) गुम्बज, घूँघट, आड़, ओट। [लोरी,
ધુમણી (सं.) पलने का संचालन,
ધુમરડી (सं.) लौट, दौड़, नाच, चक्कर मकर।
ધુમરાવું (क्रि.) गुर्राना, घुड़कना, उदास होना, अंधेरा, होना, तेवरी, चढ़ाना। [घुसजाना,
ધુમવું (क्रि.) घुसना, गहरा-
ધુરધુર (सं.) आँतों का गुर गुर का शब्द, गुर्राहट।
ધુવડ (सं.) उल्लु, घुग्घू,
ધુસવું (क्रि.) बलपूर्वक प्रवेश करना, घुसजाना।
ધુસીયું (सं.) चूहों का जाल। चूहे पकड़ने का फन्दा।

धूअ (वि.) बेहोश, मस्त,
धूस (सं.) बड़ा चूहा, धूँस ।
धृतपात्र (सं.) घी का बर्तन ।
धेंधट (वि.) बेहोश, उन्मत्त, सुस्त, आलसी ।
धेटी (स.) मेंढ़ा । [बच्चा
धेटुं (सं.) मेमना, भेड़ का
धेाेा (सं.) मेढ़ा,
धेन (सं.) बेहोशी, मोहावस्था, अंधतपन, मूर्च्छा, सुस्ती ।
धेर (सं.) घिर्द, घेरा, परिधि, गोलचक्कर, परिमितरेखा,
धेरदार (वि.) कोर युक्त, परिधि युक्त, [करना, रोकना ।
धेरवुं (क्रि.) घेरना, अपेष्ठित
धेरावेा (सं.) घेरा, परिधि,
धेरी (स) वृत्त, घेरा, परिधि,
धेरी धेवुं (क्रि) रोकलेना, ठहरा रखना,
धेरुं (वि.) गाढ़ेरा, ओंडा,
धेरेधेर (क्रि. वि.) प्रतिगृह,
धेरेा (सं.) घेरा, नगर परिवेष्टन, परिधि।
धेरेाघालवेा (क्रि.) घेरा डालना, चारों ओर से घेर डालना ।
धेलछा (सं.) पागलपन, मूर्खता, नादानी, अज्ञानता,
धेलस (वि.) पागल मूर्ख, ठठ,
धेलाछ (सं.) पागलपन, मूर्खता,
धेलुं (वि.) देखो, धेलस
धेांघाट (सं.) खाने, शब्द, गर्जना, कोलाहल, चिल्लाहट, बखेड़ा ।
धेांचवुं (क्रि.) घुसेड़ना, छेदना, खुरसना, खोंसना ।
धेांटवुं (क्रि.) घुर घुर करते हुए सोना । खर्राटे की नींद लेना ।
धेाडदेाड (सं.) घोड़ों की भाग, घुड़दौड़ ।
धेाडेस्वार (सं.) सिपाही, सवार, घोड़ेवाला, अश्वारोही,
धेाडेस्वार थवुं (क्रि.) चढना, अश्वारोहण, घोड़ेपर चढना।
धेाडागाडी (सं.) वह गाड़ी जिसे घोड़े खींचते हों ।
धेाडार (सं.) अश्वशाळा, अस्त बल, घोड़ों के रहने की जगह ।
धेाडावज (सं.) एक प्रकार की बूटी, सुगन्धितजड़ी (औषधि)
धेाडावालेा (सं.) साईस, घोड़े-वाला ।
धेाडिवुं (सं.) झूलना, पलना,
धेाडी (सं) शतरंज के खेलमें एक पदवी, घोड़ी, बाँधा, चौकट ।

ચૈત્રસુદ૧ (સં) ચૈત્ર માસ का प्रथम दिन। [घोटक।
ચો૨ (સં.) अश्व, बाजी, तुरंग,
ચો૨વીર–ચો૨ (સં.) बैल, साँड,
ચો૨ો (સં.) गंभीर, संजीवा समाधि। कब्र। [भयानक
ચો૨ (वि.) निर्दय, धुंधला, अंधेरा,
ચો૨કર્મધારી (वि.) भयानक, खौफनाक, डरावना।
ચો૨કર્મ (सं.) नीच कृत्य, दुष्टकर्म, निर्दयकर्म।
ચો૨વું (कि.) खरीटा लेना, सोते समय नाक से शब्द करना।
ચો૫ (सं.) शब्द, आवाज, गूँज, प्रति ध्वनि। [झिड़कना, सोचना।
ચો૭વું (कि.) मिलाना. घोलना,
ચો૭ધો૭ (सं.) संदेह, अनिश्चित।
ચો૭ા૫ા કરવું (कि.) किसी विषय पर गौर करना। [होने दो।
ચો૫વું (कि.) कुछ परवाह नहीं,
ચ (सं.) मारनेवाले का अर्थ द्योतक प्रत्यय, नाशक। [ग्रहण, आघ्राण।
ઘ્રાણ (सं.) नाक, नासिका गन्ध
ઘ્રાણેન્દ્રિય (सं.) सूँघने वाली इन्द्रिय, नाक, नासिका।

છ

છ—गुजराती वर्णमाला का १६ वाँ अक्षर, पाँचवां व्यंजन।

ચ

ચ—गुजराती वर्णमाला का १७ वाँ अक्षर, छठा व्यंजन। [मास।
ચકિત્ર (सं.) चैत्र, मधुमास, प्रथम
ચકિત્રી તા૫ (सं.) अत्यंत गर्मी,
ચકિટું (सं.) बाजार, हाट,
ચકિદશ (सं.) चतुर्दशी, हिन्दू चांद्र मास की १४ वीं तारीख।
ચક (सं.) बांस की खपच्चियों द्वारा बना हुवा परदा, पर्दा, चिक।
ચકચક (सं.) बकबक, चमक, दमक, चूंचूँ, चींचीं।
ચક ચકતું (वि.) दमकता हुवा, चमकदार, शानदार।
ચકચકવું (कि.) चमकना, दमकना प्रज्वलित होना, प्रकाशित होना,
ચકચકાટ (सं.) चमक, झिल मिलाहट।
ચકચકિત (वि.) स्वच्छ, साफ, निर्मल, उज्वळ, खूबसूरत।
ચકચરી (सं.) अन्वेषण, तलाश, ढूँढ, खोज, रखवाली।
ચકચૂર (वि.) प्रसित, मस्त मत वाला, मदोन्मत्त।
ચકડોળ (सं.) चुभरी, चकरो, एक प्रकार का झूला।

ચકતું (સં.) ટુકડા, ચીંથ,
ચકમક (સં.) ચકમક પત્થર પથરી,
ચકમક ઝરવી (ક્રિ.) ઝગડવા, વાક્ યુદ્ધ કરવા ।
ચકમો (સં.) કમ્મલ, કામરી ।
ચકરભમર (સં.) ચક્કર, ચકરી, ચારોંઓર ચક્કર ।
ચકરડી (સં.) ચક્કર, ચકરી, હવા સે ચલનેવાલી ચક્કી, પવન ચક્કી । [ઘૂમના ।
ચકરી ફરવી (ક્રિ.) ચારોંઓર
ચકરડું (સં.) સિફર, શૂન્ય, પગડી, ચક્કર,
ચકર મારવું (ક્રિ.) ચક્કર લગાના, ઘૂમના, ચકર દંડ લગાના ।
ચકરવો (સં.) સેના કા ચક્રવ્યૂહ, પરિધિ, ઘેરા, લંબા ચક્કર ।
ચકરી (સં.) ચકરી, એક પ્રકાર કા રોગ ।
ચકરીઆવવી (ક્રિ.) ચક્કર આના, ચારોંઓર ઘૂમના ।
ચકલેદાર (સં.) ગલી યા મહોલે કા આફિસર ।
ચકલો (સં.) ગલી, છોટા બાજાર, સીમા, ગૈરેવા (પક્ષી) [ચક્કી ।
ચકી (સં.) હાથ ચક્કી, છોટી
ચકીત (વિ.) આશ્ચર્યાન્વિત, વિસ્મિત, અચંભિત, વ્યાકુલ ।
ચકીતવું (ક્રિ.) વિસ્મિત હોના વ્યાકુલ હોના ।
ચકોર (સં.) તીતર કા એક ભેદ, પક્ષી વિશેષ, ચપલ નેત્ર,
ચક્ર (સં.) ચક્ર, ઘેરા, પરિધિ પહિયા, એક પ્રકાર કી બીમારી ।
ચક્ક (સં.) ચાક, ચક્ર, પહિયા, ચક્કર, વાદાનુવાદ, ઝગડા ।
ચક્રગતિ (સં.) ગોલચાલ, પહિયે કી ગતિ, ચારોંઓર કા ચક્કર ।
ચક્રદંડ (સં.) એક પ્રકાર કી કસરત । [વિષ્ણુભગવાન્ ।
ચક્રપાણી (સં.) સુદર્શનધારી,
ચક્રવર્તિ (વિ.) સાર્વભૌમ, સમુદ્ર પર્યન્ત પ્રજાપાલન કરનેવાલા, સમ્રાટ્ ।
ચક્રવૃદ્ધિવ્યાજ (સં.) મિશ્ર વ્યાજ । કટવાં મિતી કા વ્યાજ ।
ચક્રવ્યૂહ (સં.) યુદ્ધાર્થ સેના કા મંડલાકાર વ્યૂહ ।
ચક્રાકાર (સં.) ગોલાકાર, ઘેરા ।
ચગદવું (ક્રિ.) કુચલના, આક્રાન્ત કરના, રૌંદના, મસલના ।
ચગદાવું (ક્રિ.) કુચલવાના ।

ચમાવવું (ક્રિ.) (पतंग) उड़ाना लुभाना, फुसलाना, उसकाना, हटाना ।

ચંગ (વિ.) दृढ, शुद्ध, स्वस्थ, तन्दुरुस्त (सं.) घंटी, ताश का खेल विशेष ।

ચંગારી (सं.) चिनगारी ।

ચંડી (सं.) दुष्ट, गाँजा भाँग का सेवन करनेवाला । [तेज़ ।

ચંદુ (वि.) नटखट, चालाक,

ચચરવું (क्रि.) दाह मालुम होना, जलना ।

ચચરવું (क्रि.) चिलक मारना, टीस मारना, दुखना, देखो ચચવું. [दर्द ।

ચચરાટ (सं.) तीखा दर्द, अति

ચંચળ (सं.) चपल, अस्थिर, उतावल, लम्पट । [धन ।

ચંચળા (सं.) बिजली, लक्ष्मी

ચંચળાઈ (सं.) चपलता, अस्थिरता, खुशदिली, सजीवत्व, चालाकी।

ચટ (सं.) तुरंत, शीघ्र, त्वरित, झट, हठ, चिंता ।

ચટક (वि.) लाल, सुर्ख, रक्त, (सं.) गौरैया पक्षी, [जल्दीसे, तेजीसे ।

ચટકવું-ચેવું (क्रि. वि.) चटकमारना डसना, काटना ।

ચટકો ભરવો (क्रि.) चिढ़ना, चिढना, रगड़ना, दर्द होना ।

ચટણી (सं.) स्वादिष्ट, मजेदार, चटनी, चाटने की वस्तु ।

ચટપટ (सं.) लालसा, अभिलाषा, रंज, घबड़ाहट, क्रोध, चिंता ।

ચટપટી (सं.) बेचैनी व्याकुलता, कष्ट, क्लेश, तकलीफ ।

ચટાઈ (सं.) सायरी, आस्तरण विशेष, फर्श । [घूस देना ।

ચટાડવું (क्रि.) चटाना, रिश्वतदेना।

ચટાપટા (सं.) धारी, लकीरें, रेखा, धब्बा, दाग़ ।

ચડઉતર (सं.) उतरचढ, उत्थान और पतन, उन्नति अवनति ।

ચડ-ચડ (सं.) चढाव, चढाई, फुर्ती, तेजी [जल्दी, सत्वर ।

ચડચડત (क्रि. वि.) तुरंत, शीघ्र

ચડભડવું (क्रि. वि.) झगड़ा करना, विवाद करना ।

ચડભડાટ (सं.) निकल पड़ना, बदालुवाद, झगड़ा, टंटा ।

ચડવું-ઢવું (क्रि.) सेकेहुए, उबलना, शक्तिपाना, बढना, चढना, आरोहणकरना, उठना, आदेश

કરના, पूर्ण करना, झूठा बढाव देना फूंकना, हाँफना, अतिशय प्रशंसा करना, मस्त करना, बेहोश करना, धावा करना, आक्रमण करना चढाई करना, योग्य होना, उचित होना, देवमूर्तिको बलिके रूपमें भेट होना, लेट रहना, पड़ रहना ।

ચડવો (सं.) मिष्टीका प्याला, मिष्टीका बना कटोरा ।

ચડસીલું (वि.) स्पर्धालु, बराबरी करने में तेज, प्रतिद्वन्दी । [क्रुद्ध

ચડુ (वि.) गर्म, उष्ण, कुपित,

ચંડાળ (सं.) दुष्ट, नीच, कमीना, घातक, वर्णशंकर,

ચંડાળચોકડી (सं.) दुष्ट मंडली,

ચંડાળણી (सं.) दुष्ट स्त्री, नीच स्त्री, पतित स्त्री ।

ચંડિકા (सं. देवी दुर्गा, उमा, गौरी कात्यायिनी, शिवा, भवानी ।

ચંડોળ (सं.) कुमरी, लवा, चण्डूल पक्षी विशेष,

ચઢઉતર (सं.) देखो ચડઉતર

ચઢણ (सं.) देखो ચડણ

ચઢતી (सं.) उदय, उत्थान, कृतकार्यता, सफलता, उन्नति, बढोतरी, वृद्धि, उँचाई, उत्कृष्टता, उन्नतदशा, अच्छे तरक्की के दिन, अर्थ वृद्धि, उच्च पद, उदयमें सफलता । [उदय विकास ।

ચઢતું (वि.) उत्कृष्ट, उत्तम, उत्थान

ચઢતું બ્યાજ (सं.) सूददरसूद, मिश्र ब्याज ।

ચડવું (क्रि.) चढ़ना, आरोहण, वृद्धि पाना, उठना, उदय होना, प्रसार पाना, समाप्त होना, देखो ચડવું [आक्रमण, जलयात्रा ।

ચઢાઈ (सं.) धावा, हमला,

ચઢાઉ (सं.) अहंकारी, घमंडी ।

ચઢાચઢી (वि.) ईर्षापूर्ण वादविवाद, डाहयुक्त झगड़ा ।

ચઢાવવું (क्रि.) उभाड़ना, भड़काना, बहकाना, फुसलाना, मदकी देना, चढाना, प्यार करना, क्षमा करना ।

ચઢાવો (सं.) उत्थान, बढती,

ચઢી આવવું (क्रि.) उठ आना, क्रोधयुक्त हो आना, चढाई करना, दबा लेना ।

ચઢીઆતું (वि.) बढिया, उत्तम, श्रेष्ठ,

ચણગી (सं.) छोटी चिनगारी ।

ચણભણ (सं.) फोड़े में चीरफाड़ का दर्द । व्रण में चरमराहट ।

चतुर (सं.) राज का काम, मकान चुननेका काम, अटारी, अट्टालिका,

चतुरना (क्रि.) चुनना, भवन निर्माण करना, खड़ा करना, बनाना, रचना। [(सं.) चनेकी दाल।

चतुरा (सं.) अन्न विशेष, चणक दाल।

चतुरिया (सं.) चूल, चूलिया, लकड़ में खोदा हुवा वह छिद्र जिसमें किवाड़ घूमा करता है।

चतुरी (सं.) स्त्रियों के पहिनने का घाघरा, लहँगा।

चतुरी (सं.) दाना, बीजा, २॥ ग्रेन का एक तौल।

चतुरीभर (सं.) २॥ ग्रेन के लगभग वजन।

चतुर (क्रि.) चित, पीठ के बल लेटा हुवा, मान्य, अनुकूल, दबाव।

चतुर (वि.) कार्यक्षम, आलस्य-रहित, पटु, निपुण, धूर्त।

चतुरंगी सेना (सं.) चार प्रकारकी सेना। वह सेना जिस में हाथी घोड़े और पैदल हों।

चतुर बिरंचि (सं.) अत्यंत पटु, बुद्धिमान, आकलमन्द, पटु, निष्णात,

चतुरसीमा (सं.) सीमाकी रेखाएँ हद, सीमा।

चतुर सुजान (वि.) ज़हीन, चतुर, तीक्ष्ण बुद्धिका, सभ्यज्ञ, सुशिक्षित,

चतुरा (सं.) चतुर महिला, होशियार, स्त्री।

चतुराई (सं.) प्रवीणता, दक्षता, होशियारी, बुद्धिमानी, गुण,

चतुरानन (सं.) जिसके चार मुख हों, ब्रह्मा, विधाता, विधि।

चतुर्थांश (वि.) चौथा हिस्सा, चौथा भाग, ¼,

चतुर्थी (वि.) तिथि विशेष, चौथ।

चतुर्दश (वि.) चौदह, चौदहवाँ, १४, चार अधिक दश।

चतुर्दशी (सं.) तिथि विशेष, चौदस।

चतुर्भुज (वि.) चतुष्कोण, चौकोना।

चतुर्दिश (सं.) चारों ओर, सब दिशा, चार दिशा, पूर्व पश्चिम उत्तर और दक्षिण।

चतुर्भुज (सं.) चार भुजावाला, विष्णु, रेखागणित का एक स्वरूप जो चारों ओरसे घिरा रहता है।

चतुर्मास (सं.) चार मास, वर्षा-ऋतु, बरसात, प्रवृष ऋतु, पावस।

चतुर्मुख (सं.) चार मुहँवाला, ब्रह्मा, विधि, विरंची, सृष्टिनिर्माता।

चतुर्वर्ग (सं.) पुरुषार्थ चतुष्टय धर्म अर्थ काम और मोक्ष।

चतुर्विध (वि.) चार प्रकार, चार तरह, चौलड़ा, चौहरता ।

चतुर्श्रांश (सं.) चौरस, चौकोना चौकोन ।

चतुष्टय (सं.) चार का समूह, इकट्ठे चार, चार का ढेर ।

चतुष्पद-पाद (सं.) चार पैर का ढोर, पशु, चौपाया ।

चद्दर (सं.) एकलाई, ओढ़ने का एक प्रकार का वस्त्र, बिछौने या पलँग पर बिछाने का वस्त्र, टेबल क्लॉथ । [विशेष, सन्दल ।

चंदन (सं) स्वनाम प्रसिद्ध वृक्ष

चंदनगोह (सं.) गोय, गोहरे की एक जाति विशेष, पाटागो ।

चंदनचुड़ी (स.) चंदन की बनी हुई चूड़ी जिसे प्रायः स्त्रियां पहिनती हैं ।

चंदनहार (सं.) एक प्रकार का गले में पहिनने का उज्ज्वल आभूषण ।

चंद्रमा (सं.) चाँद, विधु, शशि, मयंक, निशानाथ, रोहणी पति ।

चंद्रनी (सं.) ज्योत्स्ना, चंद्रिका, कौमुदी, चन्द्रप्रभा, चाँदनी । कपड़े की छत, छोटी सोने की अँगूठी

चंद्रवो (सं.) पाल, चन्दवा ।

चंद्ररस (सं.) एक प्रकार का कलिंग, एक प्रकार का गोंद ।

चंद्ररोज (कि. वि.) कुछ कालमें अल्पकाल में, शीघ्र, जल्दी ।

चंदी (सं.) पशुओं के लिये अन्न विशेष, सांठ, दाना, खोराक ।

चंदो (सं.) घड़ी का चेहरा, डायल ।

चंद्रक (सं.) चिन्ह विशेष जो कपाल पर बनाया जाता है ।

चंद्रकला (सं.) चन्द्रमा का सोलह कलाओं मेंसे एक, एक प्रकार का स्त्रियों का वस्त्र विशेष ।

चंद्रकान्त (सं.) मणि विशेष, वह मणि जो चन्द्रमा को देखकर द्रवीभूत हो जाती है ।

चंद्रग्रहण (सं.) राहुद्वारा चन्द्रमा का ग्रसाजाना । चन्द्र ग्रास ।

चंद्र तेज (सं.) चाँदनी, ज्योत्स्ना, चन्द्रमा का प्रकाश ।

चंद्रनु (वि.) चन्द्रमा का । चाँद ।

चंद्रमणि (सं.) चन्द्रमा की अनुकूलता, चन्द्रमा की शक्ति ।

चंद्रमौलि (सं.) चन्द्रमा की परछाही ।

चंद्रमंडल (सं.) चन्द्रमा का गोलकार स्वरूप, चन्द्रपरिधि, तारे और चाँद ।

चंद्रमास (सं.) चन्द्रमा की चाल के अनुसार गणना किया जाने वाला महीना, चान्द्रमास ।

ચંદ્રમુખી-વદની (સં.) ચન્દ્રમા के समान मुहँवाली, सुमुखी, वरवर्णिनी सुमुखी ।

ચંદ્રવંશ (સં.) चन्द्रमा के वंशज, चन्द्रमा का कुल, यदुवंश, यादव ।

ચંદ્રવાર (सं.) सोमवार, दूसरावार

ચંદ્રશેખર (सं.) शिव, महादेव ।

ચંદ્રાવળી (स.) एक प्रकार का गीत । गान विशेष ।

ચંદ્રિકા (સં.) चाँदनी, ज्योत्स्ना ।

ચંદ્રુસ (સં.) देखो ચંદરસ

ચંદ્રોદય (सं.) चन्द्रमा का उदय, रात्रिका प्रथम प्रहर ।

ચપ (विस्म.) खामोश, चुप ।

ચપકાવવું (वि.) डाम देना, गर्म लोहे से दग्ध करना, जलाना, झुलसना ।

ચપેટા (सं.) तमाचा, सख्त चोट, डंक, डंस, चुभन, जली हुई लकड़ी,

ચપચપ (कि. वि.) शीघ्रतापूर्वक, जल्दी से, [पट्ट, बराबर

ચપટ-ચપ્પટ (वि.) चपटा, पाल्थी,

ચપટ મેસવું (कि.) पाल्थी मार कर बैठना, पद्मासन बैठना ।

ચપ્પટાવું (कि.) टोटा झेलना हानि उठाना, दुखित होना, चपटा करना।

ચપટી (सं.) चुटकी, तकलीफ, क्षण, पल, (वि.) चपटा

ચપટીમાં (कि. वि.) एक पलमें. क्षणभरमें, अभी। [ठिगना, छोटा।

ચપડું (वि.) चपटा, बैठा हुवा,

ચપડાવવું (कि.) चुराना, खिसक जाना, सटका जाना, उड़ा लेना, हथलपकी करना ।

ચપળુ (सं.) मिट्टी का प्याला ।

ચપરાસ (सं.) चपरास, पेटी, एक प्रकारका चिन्ह जो स्वामी भृत्य और भृत्यके पदका सूचक होता है ।

ચપરાસી (सं) नौकर, दूत, हरकारा।

ચપળ (वि.) चंचल, अस्थिर, विकल, उद्विग्न तेज ।

ચપળતા (सं.) चंचलता, अस्थिरता, तेजी, व्याकुलता ।

ચપળા (सं.) विद्युत, तड़ित, सौदामिनी, बिजली, चंचल स्त्री, तेज औरत ।

ચપળાં (सं) आँखो की मटक, आँखों के इशारे, सैन,

ચપળાઇ (सं.) तेजी, चपलता,

ચપાટવું-ઠી જવું (कि.) खाजाना भकोसना, निगलजाना, हड़पकरजाना ।

ચપાટી (સં.) છોટી ટિકિયા, છોટી રોટી, ચપાતી ।

ચપેટીમાં આવવું (ક્રિ.) ઉલટ-જાના, ફન્દે મેં ફંસજાના, ઘબરાજાના ।

ચપ્પુ (સં.) ચાકૂ, ચક્કૂ, ક્ષુર ।

ચબરાક (વિ.) તેજ, ચપલ, ચંચલ ।

ચબુતરો (સં.) થાના, પુલિસ કે રહેન કી જગહ, કોતવાલી, ટેક્સ ઘર, મહસૂલ ઘર ।

ચમક (સં.) ચલક, ભડ઼ક, ચટક ઉજ્જ્વલતા, પ્રભા, દીપ્તિ, દમક, શોભા, અકસ્માત ભય સે ચમક-જાના । [અયસ્કાન્ત]

ચમક પથ્થર (સં.) ચુમ્બક પત્થર,

ચમક મારવી (ક્રિ.) કિરણ ડાલના, ચૌંધિયામારના, ચમકના,

ચમકવું (ક્રિ.) ચૌંકના, દમકના ।

ચમકાટ (સં.) ચમક, દમક, ચટક ચૌંક, પ્રકાશ કા ચૌંધા ।

ચમકાવવું (ક્રિ.) ડરાના, ચૌકાના, ધમકાના, ડાંટના, ઘુડ઼કના ।

ચમકી ઊઠવું (ક્રિ.) ચૌંક ઉઠના, ચૌકજાના । [વિશેષ ।

ચમચમ (સં.) અત્યંતદર્દ, ચનિ

ચમચમવું (ક્રિ.) ચપ્પડ઼ મારના, ચપતમારના પીટના ।

ચમચી (સં.) છોટા ચમ્મચ, કુરછી,

ચમચો (સં.) કુરછા, ચમ્મચ, ચમચા

ચમટી (સં.) ચુટકી, નોચ, ચિમટી

ચમત્કાર (સં) વિસ્મય, અચંભા આશ્ચર્ય, ચિત્તવિસ્તાર ।

ચમત્કારી (વિ.) વિસ્મયજનક, આશ્ચર્યકારક,

ચમત્કૃતિ (સં.) દેખો ચમત્કાર

ચમન (સં.) આનન્દ, ખુશી, હર્ષ, ચરાગાહ, ગોરુઓં કે ચરને કા સ્થાન ।

ચમર (સં.) ચૅવર, ચામર, વ્યાલ વ્યંજન, મોર કી પંખોંદ્વારા બના પંખા, માલા, હાર, ગજરા ।

ચમાર (સં.) ચમડ઼ા કમાનેવાલા, ચમડ઼ે કા ધન્ધા કરનેવાલા, ચર્મ-કાર, મોચી ।

ચંપક (સં.) વૃક્ષ વિશેષ, પુષ્પ વિશેષ, [જાના બે પતે હોજાના ।

ચંપત થવું (ક્રિ.) છૂ બોલના, ભાગ

ચંપલ (સં.) પાદુકા, ખડ઼ાઊં, સ્લીપર, ચપકન જૂતે ।

ચંપાનું ફૂલ (સં.) ચમ્પા વૃક્ષ કા પુષ્પ ।

ચંપાવરણું (વિ.) ચમ્પાકે રંગકા ।

ચંપાવવું (ક્રિ.) दबवाना, अंग दबवाना। [अंगों को दबवाना

ચંપી (सं.) हाथ पाँव का चम्पन

ચંપેલી-મેલી (सं.) चमेली, लता विशेष।

ચંબુ (सं.) प्याला, पेय द्रव्य पीने का पात्र।

ચંબૂ (सं.) सेना, दल, कटक, सेना विशेष।

ચર (वि.) उगने योग्य अस्थिर, अस्थाई, चलनशील, (सं.) खाई, खड्ड।

ચરકો-ખો (सं.) घाव, चोट, लाभ चरखा सूत कातने का रहँटा,

ચરચર (क्रि. वि.) तेजी से शीघ्रता पूर्वक, चपलता युक्त, चंचलता पूर्ण।

ચરચર લખવું (सं.) लकीर मारना, सपाटे से लिखना।

ચરચરવું (क्रि.) किसी के लिये अति दुखी होना।

ચર્ચા (सं.) जिक्र, आन्दोलन, तर्क, बतकहाव, विचार।

ચરચાપત્ર (सं.) लिखापढी, पत्री (सं.) लिखापढी करने वाला आदतिया।

ચરણ (सं.) पाँव, पैर, पद, अंघ्रि, (सं.) चरने का काम।

ચરણગત (सं.) अनुयायी, अवलंबी आश्रित, परवश, शरणागत,।

ચરણામૃત (सं.) चरणोदक, पादोदक मान्यों के पैरों को धोया हुवा जल।

ચરણારવિંદ (सं.) चरणकमल, पादपद्म, कमल सदृश पैर।

ચરણોદક (सं.) चरणामृत, पादोदक।

ચરંદુ (सं.) पशु, चरनेवाला जीव, चरिन्दा। [चर्बी, गर्व!

ચરબી (सं.) मोटा, पुष्ट, वसा भेद,

ચરબીદાર-વાળું (वि.) मेदयुक्त, वसापूर्ण, मोटा, भराहुवा।

ચર્મ (सं.) चमड़ा, खाल, त्वक छाल।

ચર્મપત્ર (सं.) लिखने के लिये कमाया हुवा चमड़ा, चमड़े का काग़ज।

ચરરર (सं.) शब्द विशेष, चर्राटे का शब्द, चर्रचर्र का शब्द।

ચરવાહ (सं.) साईस

ચરવી (सं.) प्याला, कटोरा, एक प्रकार की कड़ाही।

ચરવું (क्रि.) चरना, घासखाना।

ચરસ (सं.) प्यार, डाह, स्पर्द्धा, मादक द्रव्य विशेष, बेहोशी पैदा करनेवाली औषधि, मादकबूटी

અરણ્યરક્ષી (સં.) વનચરી, સ્વર્ણ
અરણ્ય-ભાજ (સં.) પશુ ચરાવે તેનો મજૂરી ધનના રૂપમાં, ચરાઈ કે દામ। [પ્રકાશ, રોશની।
અરાગ (સં.) દીપક, દીપ, દીવા,
અરાવવું (ક્રિ.) ચરાવવું, પશુ, ચરાવવા।
અરિત્ર (સં.) કાર્ય, આચરણ, વીરતા કા કામ, બડ़ા ભારી કામ, ઉપાખ્યાન, તઝકિરા, વીરતા કા વર્ણન। [જાના, હડ़પ કરજાના।
અરી જવું (ક્રિ.) ખાજાના નિગલ-
અરૂ (સં.) એક બડ़ા તામ્ર પાત્ર, યજ્ઞાન્ન, યજ્ઞ કા શેષ અન્ન।
અલ અલ (વિસ્મ૦) જા, નિકલ, દૂર હો, ચલાજા, હટજા।
અલણ (સં.) શક્તિ, આચરણ, ચાલચલન, ચાલ। [મૌજૂદ।
અલણી (વિ.) ચલતા હુવા, વર્તમાન,
અલભ (સં.) ચિલમ, મિટ્ટી કાષ્ટ, યા ધાતુ કા બનાહુવા પાત્ર જિસમેં તમાકૂ રખકર પીજાતી હૈ।
અલાઉ (વિ.) ગ્રહણીય, ગ્રહણ યોગ્ય, ધકાઉ।
અલાબુ (સં.) કાષ્ઠ અથવા મૃત્તિકાકા બના હુવા પ્યાલા।

અલાવવું (ક્રિ.) સરકાના, હટાના, હિલાના, ચાલ દેના, ચલાના, હાંકના, આગે બડ़ાના, દૂસરે કે લિયે વ્યવસ્થા કરના, ચલાના, ઠીક કરના, મેલ ડાલના, જોર લગાના, ચાલુ રખના, જારી રખના।
અલિત (વિ.) કંપિત, ચપલ, હિલતા હુવા, અસ્થિર।
અલ્લો-પક્ષી (સં.) ગૈરૈયા (પક્ષી)
અવ (સં.) મોતિયોં કા માપ, વજ્ન, યોગ્યતા, શક્તિ, અનુભવ, ઇલ્મ, જ્ઞાન, સ્વાદ, લજ્જત, ઢંગ।
અવઅવ (સં.) એક સંગ ભોજન, આચાર, મુરબ્બા (વિ.) ખિચડ़ી, મિલા હુવા, મિશ્રિત।
અવાવવું (ક્રિ.) ખાના યા ચબાના।
અવડું (સં.) સખ્ત, કાંઠન, કઠોર, ચિમડ़ા, કડ़ા। [દાર સ્વાદિષ્ટ।
અવદાર (વિ.) સ્વાદયુક્ત, જાયકે
અવલી (સં.) દુઅન્ની, દો આને કા સિક્કા। [ચંચલતા. બેકલી।
અવળાટ (સં.) વ્યાકુલતા, બેચૈની,
અવાર્ક (સં.) મજ़ાક, દિલ્લગી, હંસી, નકલ, હંસી ઠટ્ઠા।
અવાવું (ક્રિ.) જનતા કે સમક્ષ દોષી હોના, કલંકિત હોના।

અણખું–ખેલું (सं.) चबाने योग्य, चबेना, शुष्क खाद्य वस्तु ।

અણખ–ખ–ખ (सं.) नेत्र, आँख, नयन । [सूरदास, फूटी आँखों का ।

અણખેહ્ય (सं.) अंधा, नेत्र हीन,

અણખા (सं.) ऐनक, उपनेत्र, आँखो के आगे लगाये जाने वाले काच ।

અણહ (सं.) चीसयुक्त दर्द, ऐसा दर्द जिसमें काँटे से चुभते हों ।

અણહવું (क्रि.) हिलना, सरकना पागल होना ।

અણકો (सं.) कान में दर्द, ऐसा कर्णशूल जिसमें चीस उठती हो, चीर फाड़ सरीखा दर्द, चोंचला, इच्छा, चाह, डींग, शेखी,

અણચણાટ (क्रि. वि.) लड़ाई की हालत में । [होना, नाश होना,

અણસવું (क्रि.) मरना, डूबना, पतन

અણ (वि.) अस्थिर, चल, अनित्य थोड़े दिन का, नाशमान, कुल, लत, खिसका, खाज ।

અણક અણક (क्रि. वि.) उज्ज्वल, दमक दमक, दैदीप्यमान ।

અણકતું (वि.) चमकदार, उज्ज्वल, प्रकाशमान, दमकता हुवा, प्रभान्वित, भड़कदार, शोभित ।

અણકવું (क्रि.) चमकना, दमकना, प्रकाशित होना ।

અણકાટ (सं.) चमक, प्रकाश, सुहरत, नामवरी, तेजज्योति, रोशनी ।

અણવણ (सं.) व्याकुलता, बेचैनी, चिंता, सोच, कठिनता ।

અણાવવું (क्रि.) चक्कर फिरवाना, घर छवाना, कबेलू फेरना, भुलाना, भटकाना, बहकाना ।

અણિત (वि.) हिलता हुवा, कंपित

અણી જવું (क्रि.) पागल होना, मूर्ख होना, बेअक्ल बनना, भूलना ।

અણું કરવું (क्रि.) भोजन के बाद पानी पीकर हाथ मुँह धोना, चुलू करना । [कूफ, अस्थिर, डगमग ।

અણેક–ણો–(वि.) पागल, मूर्ख, बेव-

અક્ષુ (सं.) नेत्र, आँख, नयन ।

અ (सं.) चाय, चाय वृक्ष की पत्तियाँ जिसे लोग उबाल कर पीते हैं । एक मादक वस्तु विशेष ।

અકિલ (सं.) सूबेदार ।

અકુ (सं. हिं.) खड़िया मिट्टी, चाक मिट्टी, पहिया, चक्की का पाट ।

અકર (सं.) सेवक, नौकर, भृत्य ।

અકરડી (सं.) दासी, बाँदी, भृत्या ।

ચાકર નકર (સં.) ચેલા, નોકર, સાથી, ઘરના નોકર, ઘરુ,

ચાકરી (સં.) સેવા, મૃત્યતા, નોકરી, દાસતા, ગુલામી।

ચાકરી કરવી (ક્રિ.) સેવા કરના, નોકરી કરના, ગુલામી કરના, રાહ દેખના।

ચાકણ (સં.) છોટાસા સૉંપ, સપલા

ચાકળો (સં.) પાની ખીંચને કા ચાક, પાની નિકાલને કા પહિયા।

ચાકી (સં.) ચમડે કા બની ગોલ બૈઠક।

ચાકુ (સં.) ચક્કૂ, છુરા, છુર।

ચાખડી (સં.) લકડી કે જૂતે, પાદુકા, ખડાઉં।

ચાખવું (ક્રિ.) સ્વાદલેના, ચખના, જાયકાલેના, પરીક્ષા કરના।

ચાટણ (ક્રિ.) ચાટના, અવલેહ, ઔષધિકા એક રૂપ (ચટની)

ચાટલું (સં.) દર્પણ, શીશા, સૂરત શક્લ, રૂપ, ચેહરા।

ચાટવો (સં.) લકડી કા ચમ્મચ, ચાદ્, કાઠ કા બના ચમચા।

ચાતુરી-ડો (સં.) ચતુરી, ચાલૂની, ગપ્પી, હરેક કામમેં અપનેકો બુદ્ધિમાન બનાને કી દમ મરને વાલા।

ચાહુ-ચામડું (સં.) ચકતા, દાગ, ચિન્હ, ચટ્ટા, ફોડા, ઘાવ, નાસૂર, દદોરા।

ચાડવો (સં.) હલ।

ચાડિયો (સં.) ચુગલખોર, ચિંદક।

ચાડી (સં.) નિંદા, કલંક, દોષ, ચુગલી।

ચાડીખાવી (ક્રિ.) ચુગલી ખાના, અપવાદ કરના, અપયશદેના, દોષ લગાના, ઝૂઠા કલંક લગાના।

ચાડું (સં.) દીવટ, દીપક રખને કી (દીવટ) મુહૅ, ચેહરા।

ચાતક (સં.) પપીહા, પક્ષી વિશેષ, એક પક્ષી જો સ્વાતિ નક્ષત્ર કે વર્ષા જલ કો હી પાન કરતા હૈ।

ચાતરવું (ક્રિ.) હિલના, સરકના, પીછે હટના, પીઠદેના, બાજ રહના, ફિસલના, ખિસકના।

ચાતરી (સં.) ચરખે કે પહિયે કા ધુરા, ઘૂમનેવાલા, ચક્કર ખાનેવાલા।

ચાતુર (સં.) ચતુર, ચાલાક ધૂર્ત, પ્રવીણ, કુશલ।

ચાતુરમાસ (સં.) ચાર મહીનોં કી અવધિ, ચાર મહીને, વર્ષાઋતુ।

ચાતુરી (સં.) દક્ષતા, નૈપુણ્ય, કૌશલ, ચતુરતા, હોંશિયારી।

चातुर्य (सं.) चतुराई, चतुरता, धूर्तता। [बड़ा उपवक्ष।
चाद्दर (सं.) चद्दर, पलंगपोश, एक
चाहानी (सं.) केतली, चाय भरने का बर्तन।
चानः (सं.) नसीहत, डाँट, रक्षा। चिंता, चितावनी, पूर्वबोधन, सूचना।
चानः (सं.) छोटी सिकी हुई रोटी, छोटी टिकिया। मीठी रोटी (छोटी)
चान्द्रायण (सं.) व्रत विशेष, चन्द्र व्रत, वह व्रत जिसमे शुक्ल प्रतिपदा से नित्य एक ग्रास पूर्णिमातक बढाकर उसी भाँति कृष्णपक्षकी अंतिम तिथि तक फिर एक ग्रास भोजन पर आ ठहरे।
चाप (सं.) धनुष, कोदण्ड, शरासन, दाप, चाबुक, हंटर, कोड़ा, प्रतोद।
चापाचापी (सं.) उत्तम प्रबंध, थकान, धीमापन, ढीलापन।
चापट (सं.) एक प्रकार की चपाती आलिङ्गन, गलबहियाँ। आँकड़ा।
चापड़ा (सं.) आँकड़ा, हुक, (लोहे या पीतलका) [पत्तो,
चापलूसी (सं.) खुशामद, लल्ला-
चाबुक-युक (सं.) घोड़ेका हंटर, कोड़ा, प्रतोद।
चाभरो (सं.) उपदेश प्रद पद्य, शिक्षाप्रद छंद, नसीहत की नज़्म।
चाबुकस्वार (सं.) चढैया, असवार, घुड़दौड़ का सवार, अश्व शिक्षक। [निशान, ददोरा फोड़ा।
चामुं (सं.) चकत्ता, दाग,
चामडी (सं.) खाल, चमड़ो, चर्म।
चामडिओ (सं.) चमार, चर्मकार, चमड़ा रंगनेवाला, चमड़ेवाला।
चामडुं (सं.) चमड़ा, चर्म, सूखा चमड़ा, पका हुवा चमड़ा, खाल, चाम।
चामर (सं.) चवर, चवँरी, पंखा, बालों की बनी चंवरी, मक्खी उड़ाने का।
चामरस (सं.) शारीरिक प्रसन्नता, विषय सम्बन्धी हर्ष।
चामाचिडियुं (सं.) चमगीदड़, चमाचिड़ी।
चामीयेलु (सं.) पूर्ववत् [कंचन।
चामीकर (सं.) सोना, स्वर्ण, हेम,
चामोढा (सं.) गर्व, घमण्ड, दर्प।
चार (सं.) हरी घास, जामुस, भेदिया, गुप्तचर, चार, ४, संख्या विशेष।
चारभूत (सं.) पृथ्वीके चारोंकोने, आग्नेय, नैऋत्य, वायव्य, ईशान।

ચારેયુગ (સં.) ચતુર્યુગ, સતયુગ, દ્વાપર, ત્રેતા, કલિ ।

ચારેટ–ચારેઠ (સં.) રથ, ગાડી ।

ચારેણ (સં.) સ્તુતિ કર્તા, પ્રસંશક, ભાટ, બન્દી, જાતિ વિશેષ ।

ચારેણી (સં.) ચલની, (છાનવે કી)

ચારે દાણા (સં.) ચાર દાને, અન્ન કે ચાર દાને । [ચરાના ।

ચારેવું (ક્રિ.) પશુચરાના, ઢોર

ચારેગા (સં.) ગોચર ભૂમિ, ઢોરોં કે ચરને કી જગહ, ચરાગાહ ।

ચારે (વિ.) સુન્દર, સુહાવના, મનોહર, રમણીય, ખૂબ સૂરત ।

ચારેગમ (ક્રિ. વિ.) ચહુંધા, ચારોં ઓર, ચતુર્દિક ।

ચારેા (સં.) ચારા, ઘાસ, ભૂસા ।

ચાલ (સં.) ચાલચલન, આચરણ, વર્તાવ, લક્ષણ, ગમન, ચાલ, ગતિ, હરકત, વર્તમાન, આધુનિક, રીતિ, ઢગ । [ઢબ, આચરણ, રીતિ ।

ચાલચલગત–ચલણ (સં.) વર્તાવ,

ચાલચલાઉ (વિ.) ગમનીય, આશા જોગ, કામચલાઉ ।

ચાલણગાડી (સં.) માઢા મોંઢી, ચલતી રહનેવાલી ગાડી ।

ચાલતાધર્મી–મુધી (ક્રિ. વિ.) યથાયોગ્ય, યથાસંભવ, યથાસાધ્ય ।

ચાલતા–તું–વું (ક્રિ.) ચલેજાના,

ચાલતું (વિ.) વર્તમાન, સામ્પ્રતિક, આધુનિક, ચાલૂ ।

ચાલવું (ક્રિ.) ચલના, હિલના, સરકના, જારી રહના, ચાલૂ રહના, કરના, કામ આના, કાફી હોના, બરબાદ હોના, તાકત મેં હોના ।

ચાલાક (વિ.) ધૂર્ત, નિપુણ, દક્ષ, કુશળ । [ધૂર્તતા ।

ચાલાકી (સં.) દક્ષતા, કુશળતા,

ચાલી (સં.) ઘરોં કી પાંક્તિ, મકાનોં કી કતાર, બાજાર, ચાલ ।

ચાલુ (સં.) વર્તમાન, આધુનિક ચલતા હુવા, ગતિ યુક્ત ।

ચાલ્યું (વિલ૦) કુછ પરવાહ નહીં, કોઈ ચિંતા કી બાત નહીં, કોઈ બાત નહીં ।

ચાલે જેવું (વિ.) ટિકાઉ, ચલાઉ, ગમનીય, ધકાઉ ।

ચાવડી (સં.) પુલિસ સ્ટેશન, થાના, દીવાન આમ ।

ચાવણિયાં (સં.) પીસને વાલે, દાઢ અનદે, દાંત । [કાટના ।

ચાવવું (ક્રિ.) ચબાના, ચુચલના,

ચાવી (સં.) કૂંચી, કુંજી, તાલી, ખૂંટી, ચાવીબંધું (ક્રિ.) બજાવાના ।

ચાસ-સ (સં.) હલકી લકીર, હલ દ્વારા ખોદીગઈ લકીર, સીતા, હાનિ, નીલકંઠ, એકપ્રકાર का પક્ષી ।

ચાસણી (સં.) ચાશની, ઉબાલા હુવા ઇક્ષરका રસ, સ્વાદ, મજા, જાયકા, અનુભવ, જાંચ, પરીક્ષા ।

ચાસણી ચઢી (સં.) અચ્છી પ્રકાર ઉબલજાના, સીજજાના ।

ચાસ પાડવો (ક્રિ.) હલके દ્વારા રેખા ખીંચના, લકીર કરના ।

ચાસવું (ક્રિ.) ગહિરા જોતના, ઔંડા હલ ચલાના ।

ચાહ (સં.) ઇચ્છા, પ્રેમ, ખ્વાહિશ મુહબ્બત, ચુનાવ, સ્નેહ, ચાય ।

ચાહેલ (વિ.) પ્રકટ, ખુલાહુવા, સામાન્ય, સાધારણ, પ્રત્યક્ષ ।

ચાહવું (ક્રિ.) ચાહના, ઇચ્છાકરના, પ્રેમકરના, ખ્વાહિશ કરના, સ્નેહકરના ।

ચાહે (સં.) ચાય, ચા, પેય દ્રવ્યજો ચાય વૃક્ષકી પત્તિયોં કો ઉબાલકર બનાયા જાતા હૈ । [છના ।

ચાળણી (સં.) ચાલની, છાનની ।

ચાળવું (ક્રિ.) જાંચના, પરીક્ષા કરના, પરખના, નિર્ણય કરના, કબેલુ અથવા ખપરે છાના ।

ચાળા (સં.) ચેષ્ટાએઁ, ઉછલકૂદ, ખેલ, કલોલ, ચાલાકી, ચોંચલા ।

ચાળાખોર (વિ.) ચંચલ, ખિલાડી બુરા, દુષ્ટ ।

ચિક (સં.) ચિકનાહટ, ગોંદ ।

ચિકટ (વિ.) ચેપદાર, ચિપચિપા । લેસદાર, છુઆવ, છેડ, કંજૂસ ।

ચિકટાવું (ક્રિ.) તેલસે યા તેલકી કિસી વસ્તુસે દાગ હો જાના, ચીકટજાના ।

ચિકણાઈ (સં.) ચિકનાહટ ।

ચિકણું (વિ.) તેલકા, ચિપચિપા, લેસદાર, ચિકના, ચિમડા, લસલસા, લોભી, કૃપણ, સૂમ, કંજૂસ ।

ચિકન (સં.) દસ્તકારી, બેલબૂટા બનાના, ફકડી, ખીરા ।

ચિકનદોર (સં.) દસ્તકાર, બેલબૂટે કાઢનેવાલા । [પૂરા ।

ચિકાર (વિ.) ભરપૂર, પૂર્ણ, ભરા,

ચિકાર ભરવું (ક્રિ.) ઠોંસકર ભરના, કિનારે તક ભરના, હોંઠ તક ભરના ।

चिकारी (सं.) चिकारा, वाद्य विशेष, स्वर यंत्र विशेष, एक प्रकारकी सारंगी।

चिकास (सं.) चिकनापन, चिकनाहट; चिपचिपापन, बनावट जाली,

चिकित्सा (सं.) इलाज, रोगोपचार औषध प्रयोग, व्याधिका अपनय।

चिकित्सा खोर (वि.) दोषान्वेषी व्यक्ति, दोष निहारनेवाला पुरुष, छिद्रान्वेषी। [चहला।

चिखल (सं.) कीच, कीचड़ पंक,

चिगु (वि.) मक्कार, चालाक, धोके बाज।

चिचरवट्टी (सं.) जमीन की तंग गली, जमीन की सकरी घज्जी या पट्टी।

चिचरवटो (सं.) डर, भय अन्देशा,

चिचरो (सं.) एक प्रकार का शूला,

चिंचरावबुं (क्रि.) तरसाना, ललचाना। [शब्द।

चिंची (सं.) चींची, गैरैया पक्षी का

चिंचिआरी पाडबी-आरबी (क्रि.) चिकार मारना, चिंघाड़ना।

चिंचिआरी (सं.) चिकार, चिंघाड़।

चिचुडो (सं.) चीयाँ, इमली का बीज,

चिछलबुं (क्रि.) चुभाना, कोचना, चिपकाना, छड़ी मारना।

चिठनीस (सं.) मंत्री, शिरस्तेदार पद विशेष।

चिठ्ठी (सं.) पत्र, खत, निमंत्रण-पत्र, आज्ञा, हुक्म, टीप, तमस्सुक, मुचलका, परचा, टिकट, चिन्ह, पत्र, शोकपत्र, पाती।

चिठ्ठी कढाबी (क्रि.) चिट्ठी लिख] लवाना, टिकट लेना।

चिडबबुं (क्रि.) चिढ़ाना, खिझाना, क्लेशदेना, कुढ़ाना।

चिडावेलुं (वि.) चिढाहुवा, कुपित।

चिडिआल-ओ (वि.) चिड़ चिड़हा, तुनुक मिजाज, [टेनी, नाटा।

चिणु कुल (वि.) नन्हा, छोटा,

चिणुभा-नभारी (सं.) चिनगारी, शोला, लूका, अग्नि, स्फुलिंग।

चित्त (सं.) विचार, ध्यान, दिल, मन, हृदय, अंतःकरण स्मरण।

चित आपबुं-धालबुं (क्रि.) ध्यान देना, विचार करना, सोचना।

चित्तचोर (सं.) मन को चुराने वाला मनोहर, मनमोहक। [जाति विशेष।

चित्तपावन (सं.) ब्राह्मणों की एक

चित्तवृत्ति (सं.) चित्त का विकार।

चित्तभ्रम (वि.) उन्माद, चित्त का ज्ञान शून्य होजाना, पागल व्याकुल।

चित्तभ्रमः (वि.) चित्त की घबराहट,

चित्तक्षेप (सं.) चित्त भ्रम, चित्त विक्षेप, मन की भूल।

चित्तनेवाऽ (वि.) दिलपर असर करने वाला, प्रभावोत्पादक, करुणाजनक।

चितरवुं (क्रि.) पता लगाना, खोजना, नक्शा खींचना, चित्रबनाना।

चितरो-चितो (सं.) चीता, व्याघ्र, तेंदुआ। [दिल की हालत।

चित्त स्थिति (सं.) चित्त की दशा,

चितणी (सं.) कँपकँपी, घबराहट, डर, खौफ, अरुचि, घृणा।

चिता (सं.) मुर्दा जलाने का मचान, मृतक दाह के लिये संचित काष्ट समूह।

चिंता (सं.) फिक्र, सोच, परवाह।

चिंता करवी (क्रि.) फिकर करना, सोचना, चिंता करना।

चिंतातुर-युक्त (सं.) उद्विग्न, चिंतित, चिंताकुल, व्याकुल, आकुल। [चिंता युक्त, फिकर से।

चिंतापूर्वक (क्रि. वि.) सचिंत,

चिंतामणि (सं.) गणेशजी, मणि विशेष, कल्पित मणि, पारस पथर, एक कल्पित मणि, कहते हैं जिसके संसर्ग से लोहा सोना बन जाता है।

चितामस्म (सं.) मृतक दाह की राख, चिता की राख, मृतक भस्म।

चितामूमि (सं.) मरघट, मृतक दाह करने का स्थान, श्मशान, मसान,

चितार (सं.) पसन्दगी, कथन, बयान, कहानी, चित्र, छवि, तस्वीर।

चितरवुं (क्रि.) रँगना, तस्वीर उतारना, नक्शा बनाना, चित्र बनाना। [नक्शा खींचनेवाला।

चितारो (सं.) चित्रकार, नक्काश,

चिंतित (वि.) सोची, चिन्तायुत, शोकान्वित, [मूर्ति रूप, नक्शा।

चित्र (सं.) तस्वीर, छवि, पट,

चित्रकार (सं.) देखो चितारो।

चित्रकला (सं.) चित्र विद्या, तस्वीर बनाने की विद्या, नक्शा उतारने का इल्म।

चित्रा (सं.) नक्षत्र विशेष, चौदह वाँ नक्षत्र, श्रीकृष्ण की एक सखी का नाम, एक नदी का नाम।

चित्राभधु (सं.) देखो चित्र

चिथरडी-री-डुं (सं.) फटा वस्त्र, गूदड़, कथरा।

चिथरीयो (वि.) गूदड़िया गूदड़-बाबा, फटे टूटे वस्त्रोंवाला।

चिथरेहाल (सं.) दीन, गरीब, गूदड़िया।

ચિકણો કરવું (ક્રિ.) મિસુક વૃત્તિ કરના, भिसुक से भी दीन रहना।
ચિદ્ઘન-ચિદ્ઘન (સં.) ज्ञानमय, ज्ञानस्वरूप, स्फूर्तिमान, मनोहर।
ચિદાનંદ (સં.) ज्ञान और आनन्द स्वरूप परमात्मा।
ચિનાઈ કામ-ચિની કામ (સં.) चीनी के बरतन, चीनी का काम।
ચિન્તન (સં.) ध्यान, स्मरण, याद
ચિન્તન કરવું (ક્રિ.) ध्यान करना, याद करना, स्मरण करना, सोचना।
ચિન્ત્ય (વિ.) ख्याल, विचार, जो चिन्तन किया जाय।
ચિંદડી (સં.) घज्जी, चिन्दी, गुदड़ी,
ચિન્હ (સં.) निशान, लक्षण, अंक, दाग, परिचय।
ચિપવું (ક્રિ.) टालमटोल करना, हेरफेर करना, उलटापलटी करना।
ચિપડો (સં.) आखों का बलगम, आखों का कीचड़, गीद।
ચિપચિપો (વિ.) चिमटा, संगसी,
ચિબાવલું (વિ.) दुष्ट, बुरा, कमीना, तुच्छ, हकीर, ओछा, हलका, बालकसा, छिछोरपन।
ચિબુ (વિ.) चपटी नाकवाला।
ચિભડું (સં.) खुशबूदार तरबूज या खरबूजा, सिर, मूँड, मुख्य, उत्तम। [लेना।
ચિભડવું (ક્રિ.) नोचना, चुटकी
ચિમની (સં.) चिमनी [सूम, कंजूस
ચિમ્મડ (વિ.) लोभी, कृपण,
ચિમળાઈ જવું (ક્રિ.) सिकुड़ जाना झुर्री पड़ना, अलसा जाना, कुम्हला जाना।
ચિમળાવું (ક્રિ.) मुरझाना कुम्हलाना, रंज करना, रोना, दोपहर का भोजन करना।
ચિમાવું (ક્રિ.) चूचूँ करना, मुर्गी के बच्चों का चूचूँ करना।
ચિમોટી (સં.) गर्दन, गला, कंठ।
ચિરકાલ (સં.) दीर्घकाल, बहुत देर। [तराशना।
ચિરવું (ક્રિ.) चीरना, फाड़ना,
ચિરંજીવ-વી (વિ.) दीर्घ जीवी, दीर्घायु, बड़ी उम्रका।
ચિરાડો (સં.) चीर, दरार, तड़कन।
ચિલખત (સં.) कवच, लोहकवच,
ચીખલ (સં.) कीच, कीचड़, गारा गीली मिट्टी, दलदल, पङ्क।
ચીચવો (સં.) सूला, लटकन। [गुण,
ચીજ (સં.) वस्तु, पदार्थ, द्रव्य,
ચીડ (સં.) चिढ़ गुस्सा, क्रोध,
ચિડાઉ (વિ.) चिड़चिड़ा, तुनुक मिजाज, चिढ़नेवाला। [होना।
ચિડવું (ક્રિ.) चिढ़ना, क्रोध

ચીડ (સં.) ઘૃણા, દ્વેષ,

ચીડવું–ચીડાવું (સં.) કુપિત હોવું, નારાજ હોવું, ક્રોધિત હોવું, ગુસ્સે હોવું। [મિજાજ, ચટકનેવાલા।

ચીડિયો (સં.) ચિડચિડો, તુનુક-

ચીંધવું (ક્રિ.) દિખલાના,

ચીનીકપાલા (સં.) કબાબચીની, ઔષધિ વિશેષ, ચીન દેશ કી જડી।

ચીનીકામ (સં.) ચીની મિટ્ટી કે બર્તન, ચીની કે પાત્ર, ચીની મિટ્ટી કા કામ।

ચીપ (સં.) બાંસકી ફાંસ, કીમડી બાંસ કી, ખપચી, ધજી, ચિન્દી। ધારી, કતરન, પટ્ટી

ચીપવું (ક્રિ.) તાશ કે પત્તે ઉલટ પુલટ કરના, તાશ પીસના।

ચીપાસોનું (સં.) શુદ્ધ સોના, ઉત્તમ સ્વર્ણ, ખાલિસ સોના, બઢિયા સ્વર્ણ। [છિછોરપન।

ચીપાવળાપણું (સં.) બચપન,

ચીભડું (સં.) તરબૂજ, ખરબૂજા।

ચીમળાવું (ક્રિ.) કુમ્હલાના, મુરઝાના, સૂખના, [સિકોડના।

ચીમડી ભાંખવું (ક્રિ.) સમેટના,

ચીર (સં.) ફાંક, કાટ, રેશમી વસ્ત્ર ટુકડા, ખણ્ડ।

ચીરકો (સં.) સડક્ષ, પગદંડી।

ચીરવું (ક્રિ.) કાટના, તરાશના, ફાડના ધજી ઉતારના।

ચીરાઈ–ભાડું (સં.) ચીરને કા મેહનતાના। તરાશને કા મૂલ્ય।

ચીરી (સં.) છોટા ટુકડા।

ચીરો (સં.) દરાર, ચીર, ફાડ, કાટ, પગદંડી, ઘાટ, બાંધ।

ચીલ (સં.) એક પક્ષી વિશેષ।

ચીલો (સં.) લીક, ગાડી કે પહિયે ચલને કા માર્ગ, ગડવાર, ચક્ર માર્ગ।

ચીવટ (સં.) ચિંતા, સોચ, ફિકર,

ચીસ (સં.) કિલકારી, ચાલ, કૂક, ચિલ્લાહટ, ચિટકાર, ચિચિયાહટ।

ચીસ પાડવી–મારવી (ક્રિ.) ચિલ્લાના ચિચિયા, ચીખમારના, કૂકના।

ચીહિડિયું (વિ.) દેખો ચીડિયું।

ચીંકું (વિ.) કંજૂસ, કૃપણ, લાલચી।

ચુગ્મા (સં.) એક રાક યા ગન્ધા વિરોજા સમાન વસ્તુ વિશેષ।

ચુડ (સં.) ગલફડા, ચિલાડિત।

ચુંઠ (સં.) વાયુ ગોલા, વાયુ ચક્ર, ઐંઠન, મરોડ, કૅંટિયા, છોટા કાંટા।

ચુકવણી-ચારણી (કિ.) મરોડ આના, ઝુક ઉઠના, ઓડ़ના, બાંધના, ટાँકના । [કુસૂર, ચૂક ।

ચુક (સં.) ગલતી, ભૂલ, અપરાધ,

ચુકતે હિસાબે (કિ. વિ.) પૂર્ણ, પૂરા, આખરિમે, પૂરીતારસે, અન્ત કો ચૂકતા ખાના ।

ચુકથી (કિ. વિ.) બેપરવાહી સે, અસાવધાનીસે, ગફલતસે, ભૂલસે।

ચુકવવું (કિ.) ચુકાના, નિપટાના ઋણ ચુકાના, ફૈસલા કરના, તય કરના, ભગના, અલગ હોના બચના।

ચુકવું (કિ.) ગલતી કરના, ભૂલકરના, ચૂકના, ભૂલના ।

ચુકાદો (સં.) ફૈસલા, નિર્ણય, વિચાર, બન્દોબસ્ત ।

ચુકાવવું (કિ) ચુકાના, તયકરના ફૈસલા કરના, હિસાબ ચુકાના ।

ચુકું (વિ.) આડ़ા, તિરછા ।

ચુકેલું (કિ. વિ.) ભૂલમેં, ગલતસમઝકરહુવા, મૂલ્ય, લાગત ।

ચુંધલું (વિ.) ન્યૂન દૃષ્ટિકા, તિરછી આँખોંવા, મેંઢ़ા દૃષ્ટિવાલા, કૈરા ।

ચુગલી (સં.) નિંદા, પીઠપીછે નિંદાકરના, કલહ । [ખાનેવાલા ।

ચુગલીખોર (સં.) નિન્દક, ચુગલી

ચુંગાલ (સં.) પૌરુષ, શક્તિ, બલ, રખવાલો, રક્ષા, હવાલાત, પંજા, નખ, ચંગુલ ।

ચુંગી (સં.) અન્નકાકર, અનાજકા મહસૂલ, તમાકૂ પીનેકી નલી । [છાતી ।

ચુંચી (સં.) થન, સ્તન, સ્તનમુખ

ચુચું (સં.) ચીંચો કા શબ્દ, ચીંચીં

ચુંચો (સં.) ટેઢો આँખોવાલા, ડેરા

ચુંટવું (કિ.) ઉઠાલેના, ચુનના, સંગ્રહ કરના, પસન્દ કરના, છાંટના ।

ચુંટાવવું (કિ.) ચુનના, ચાહના ।

ચુંટી (સં.) ચુટકી

ચુંટી ખણવી (કિ.) નોંચના, સતાના।

ચુંટી કાઢેલું (વિ.) છાંટા હુવા, પસંદ કિયા હુવા, ચુના હુવા, છાँટા હુવા ।

ચુડ (સં.) તાના, રસ્સી, સોને યા ચાँદી કી ચૂડ़િયાં જિન્હેં વિધવા કી પહિનતી હૈં । [ચૂડ़ીવાલા ।

ચુડગર (સં.) ચૂડ़િયાં બનાનેવાલા,

ચુડાકર્મ-ડી કર્મ (સં.) પતિ કી મૃત્યુ પશ્ચાત ચૂડિયોં કા ખંડન, સંસ્કાર વિશેષ. મુંડન, । [ચૂડાકર્મ]

ચુડેલ (સં.) પ્રેતિની, ડાકિની,

ચુડો (સં.) ચૂડા, ચૂડિયાઁ, હાથોં પર પહિનને કી બંગડી ।

ચુથવું-ઉથલપાથલ કરવું (ક્રિ.) નોચના, ઊપરનીચે કરના, નષ્ટ કરના, બરબાદ કરના, બિગાડ઼ના । લૂટના, ખોજના । [ખસોટ ।

ચુથાચુથ (સં.) નષ્ટ ભ્રષ્ટ, લૂટ

ચુંથાવું (ક્રિ.) વ્યાકુલ હોના, બેચૈન હોના, દુખી હોના, ઘબરા જાના।

ચુંદો (સં.) ગૂદડ઼ા, ગૂદા, ચિથડ઼ા લત્તા । [કા વસ્ત્ર; ઓઢની ।

ચુંદડી (સં.) ચૂંદડ઼ી, સ્ત્રિયોં કે ઓઢને

ચુનવું (ક્રિ.) ચુનના, ઉઠાના, બીનના, બટોરના ।

ચુનાની ભઠ્ઠી (સં.) ચૂનેકી ભટ્ઠી, વહ ભટ્ઠી જિસમેં કંકર. જલાકર ચૂનાબનાયા જાતા હૈ ।

ચુનારો (સં.) ચૂનાજલાનેવાલા, કુંમાર, ચૂનાબનાનેવાલા, ।

ચુનાસ-ળવો (સં.) ચૂનેકા પાત્ર, ચૂના રખનેકા બર્તન ।

ચુનોળું (વિ.) ચૂનેકા ।

ચુની (સં.) છોટી માણિ, મણિ વિશેષ ।

ચુનો (સં.) ચૂના, ચૂર્ણજો કઙ્કર પત્થર યા સીપકો જલાકર બનાતે હૈં, જો મકાન બનાને યા પોતને કે કામ મેં આતા હૈ ।

ચુપ (વિસ્મ.) ખામોશહો, ચુપરહો।

ચુપકીથી (સં.) ચુપ્પી, શાંતિ, મૌનતા ।

ચુપચાપ (વિ.) ખામોશ, ચુપ ।

ચુંબક (સં.) અયસ્કાન્ત, લોહા ખીચને વાલી એક ધાતુ ।

ચુંબન (સં.) મુખ સંયોગ, ચૂમા, ચુમ્બા, પ્યાર ।

ચુંબવું (ક્રિ.) ચૂમના, પ્યારલેના, મુખસે ચૂસને કા શબ્દ કરના ।

ચુંબાળો (સં.) મોટા કમ્બલ, બડ઼ા કમ્બલ ।

ચુંબીને (ક્રિ. વિ.) આવશ્યકતા સે, જગ ભિડ઼કર, જરૂરત ।

ચુર (સં.) મસ્ત, ઉન્મત્ત ।

ચુરણ (સં.) ચૂરા, ચૂર્ણ, પાચક ઔષધિ । [ચૂરમા ।

ચુરમું (સં.) એક પ્રકારની મિઠાઈ,

ચુરવું (ક્રિ.) કુચલના, ચૂર્ણ કરના, ચૂરાકરના, બુકની બનાના ।

ચુરો (સં.) ચૂરા, ચૂર્ણ, ટુકડ઼ેટુકડ઼ે, બુકની, ટુકડ઼ા ।

ચુરો કરવો (ક્રિ.) ચૂરચૂર કરના, टुकड़े टुकड़े करना, पीसना।

ચુલ્હો (સં.) चूल्हा, भट्टी, मिट्टी से बनाहुवा गड्ढा जिसमें आग रख कर भोजन बनाते हैं।

ચુવું (ક્રિ.) टपकना, चूना, रसना, छनना, गिरना, झरना, चुवना।

ચુવો (સં.) चूहा, मूसा, छेद, दरार।

ચુસવું (ક્રિ.) पीलेना, चूसलेना, सोखलेना, खींचलेना। [सरगर्म,

ચુસ્ત (વિ.) उत्साही, लौलीन,

ચુસવું (ક્રિ.) देखो ચુસવું,

ચૂડામણિ (સં.) अलङ्कार, विशेष, शिरोरत्न, शिरोभूषण, मुकुटमणि।

ચે (સં.) ढेर,

ચેચી (સં.) घमण्ड, गर्व, दर्प, शेखी।

ચેંચેં (સં.) पक्षियोंका कलरव, चांचीं, बकबक, बकवाद।

ચેટક (સં.) जादू, चालाकी, मक्कारी टोना इंद्रजाल, दग़ाबाजी।

ચેડુ (સં.) एक प्रकारका गेंदका खेल।

ચેંડુલ (સં.) चंडूल, पक्षी विशेष!

ચેણુ (સં.) तिल, मस्सा,

ચેતન–ના (સં.) आत्मा, प्राणी, जीव, बुद्धि, समझ, अनुभव, बोध, ज्ञानवान्।

ચેતવણી (સં.) चेतावनी, खबर, सूचना, पूर्व बोधन।

ચેતવવું (ક્રિ.) सावधान करना आग लगाना, सुलगाना, सूचित करना

ચેતવું (ક્રિ.) सावधान होना, होशीयार होना, सँभलना, खबरदार होना, स्मरण रखना।

ચેન (સં.) चैन, सुख, आनंद, हर्ष, अल्हाद, प्रसन्नता।

ચેપ (સં.) छूने से लगनेवाला, बीमारी की छूत, खराब करने वाला, बिल्ली, खरहा, सत, मवाद, पीव, कुसंगति, दुष्ट सम्मिलन, हानिकारक वस्तु, कंटक।

ચેપવું (ક્રિ.) दबाना, चाँपना, मलना, निचोड़ना।

ચેપી (સં.) स्पर्श से लगजाने वाला, उड़ के लगनेवाला रोग, छूत की बीमारी। [प्रकाश।

ચેરાગ (સં.) दीप, दीपक, चिराग़,

ચેરીમેરી (સં.) भेट, इनाम, पुरस्कार, रिश्वत, घूँस, चेरीमेरी।

ચેરો (સં.) खरोचन, (વિ.) नटखट, दुष्ट, बुरा।

ચેલી (સં.) शिष्या, चेली।

ચેલો (સં.) चेला, शिष्य।

ચેષ્ટા (સં.) કાયિક વ્યાપાર, મજાક, હૅંસી ઠઠ્ઠા, દુરી ચાલ્બાકિયાઁ,

ચેષ્ટાખોર (વિ.) દુષ્ટ, ચુરા, નિંદક।

ચેહ (સં.) ચિતા, મૃતક કે અગ્નિ સંસ્કાર કે લિયે સંગૃહીત કાષ્ટ।

ચેહેરવું (ક્રિ.) કુરચના, છીલના, મિટાના, ખુરેદના।

ચેહેરદાર-રામાન્ (સં.) ખુબસૂરત, સુન્દર, રૂપવાન।

ચેહેરો (સં.) સૂરત, શક્લ, મુખ, ચેહરા, રૂપ, આકાર।

ચેહેરો પડાવવો (ક્રિ.) હજામત બનવાના, ક્ષૌર કરાના, બાલ બનવાના।

ચેળ (સં.) ખાજ, ખુજલી, ચુળ।

ચેળ આવવી (ક્રિ.) ખુજલી હોના, ચુલ ચલના, ખુજાલ ઉઠના।

ચૈતન (સં.) જીવાત્મા, ચતન, વિચાર, ચેત, ચેતના, જીવ, આત્મા।

ચૈતનવાળું (વિ.) જિન્દા, જીતા, સજીવ, જીવિત।

ચૈતન્ય (સં.) બુદ્ધિ, જ્ઞાન; બ્રહ્મ, જીવાત્મા, પરમાત્મા।

ચૈત્ર-ચર્ષતર (સં.) હિન્દૂ મહીનોં કા પ્રથમ માસ, મધુમાસ, વસન્ત ઋતુ કા પ્રથમ માસ।

ચૌક (સં.) ચૌક, અકસ્માત્ સિક્સક ઠિઠક।

ચૌક (સં.) આંગન, અઁગના, ચૌહટ્ટા, ચૌરાહા, બાજાર, ચુને કા ફર્શ, ચૌકુંટા, હાટ, પૈઠ, ગૂદડી।

ચૌકકું (સં.) ચૌકટ, ફ્રેમ, શ્રંગાર, આભૂષણ।

ચૌકકું બેસાકવું (ક્રિ) ફ્રેમ બિઠાના, બિઠાના, ઠીક કરના ચૌકઠ જડના।

ચૌકડી (સં.) પોશક સમ્બંધી, તારા કા ચિન્હ, જોડ કા ચિન્હ, +, ગુણા કા ચિન્હ, ×,

ચૌકડી મુકવી (ક્રિ.) સિફર લગાના, ચૌકડી કા ચિન્હ લગાના।

ચૌકવું (ક્રિ.) હિચકના, ચૌંકના,

ચૌકસ (વિ.) ઠીક, ઉચિત મુનાસિબ, સાવધાન, ચૌકન્ના, સતર્ક।

ચૌકસાઈ-ચી (સં) સાવધાની, સતર્કતા, રક્ષા, કર્તવ્યજ્ઞાન।

ચૌકસી (વિ.) સ્વર્ણ ઔર ચાઁદીકી પરીક્ષા, જાઁચ।

ચૌકિયાત (સં.) રક્ષક, પાહરૂ, ચૌકીદાર, રખવાલા।

ચૌકી (સં.) પહિરા, રક્ષા, પોલિસ કા દરવાજા।

ચૌકી પેહેરો (સં.) રખવારી, પહરા, ખબરદારી, રક્ષા।

ચોકો (સં.) ગોબર મૃત્તિકા સે લીપા હુવા સ્થાન, વહ સ્થાન જહાઁ રસોઈ બનાઈ જાતી હૈ, ચૌકોના સ્થાન, ચૌચૂંટા સ્થાન, પવિત્ર સ્થાન। [ઈમાનદારી।

ચોખ (સં.) નિર્મળતા, શુદ્ધતા,

ચોખા (સં.) ચાવલ, તંદુલ, ધાન, શાલિ। [ચૌકોના, ચતુષ્કોણ।

ચોખુખુ (વિ.) ચૌખના, ચોખટા,

ચોખ્ખાઈ (સં.) નિર્મલતા. પવિત્રતા, શુદ્ધતા, સફાઈ।

ચોગણું (સં.) ચૌગુણા, ચૌહરતા, ચૌલડ્ડા, ચતુર્ગુણ।

ચોગમ (ક્રિ. વિ.) સબઓર, ચારોંઓર, ચહુંધા।

ચોગાન (સં) ક્ષેત્ર, મૈદાન, ખેત, ખુલીજગહ, બાગીચા, ઉદ્યાન।

ચોટ (સં.) વ્રણ, ઘાવ, ચપેટ, ચુસ્સા, પટકન, આઘાત, પછાડ, મુક્કા, ધક્કા।

ચોટલો (સં.) ગુથે હુએ બાલ, ચોટી, ગુથીચોટી, સ્ત્રિયોં કી ચોટી।

ચોટલો ગુંથવું (ક્રિ.) માથા ગુથના, સિર ગુંથના, બાલગુંથના।

ચોટવું (ક્રિ.) ચિપકના, ચિપટના, સટજાના।

ચોટાડવું (ક્રિ.) ચિપકાના, ચટાના, ગોંદ લગાના, જોડ઼ લગાના।

ચોટ્યાઈ (સં.) ચોરી, બદમાશી। બેઇમાન।

ચોટ્ટો (સં.) ચોર, તસ્કર, સ્તેન, બદમાશ, દુષ્ટ, અજ્ઞાન।

ચોઠ (સં.) ઢેર, રાશિ, સમૂહ।

ચોઠવવું (ક્રિ.) પકાના, રસોઈ બનાના।

ચોડવું (સં.) લગાના, રખના, પલસ્તર યા અસ્તર કરના।

ચોડાણ (સં.) ચૌડ઼ાઈ, ફૈલાવ, વિસ્તાર, પાટ, ચકલાઈ, વિસ્તૃતિ।

ચોડું કરવું (ક્રિ.) ફૈલાના, ચૌડ઼ા કરના, પ્રકટ કરના, ફોડ઼ના।

ચોતરફ (ક્રિ. વિ.) ચારોંઓર, સબતરફ, ચહુંધા, ચતુર્દિક।

ચોથિયું (વિ.) ચતુર્થાંશ, ચૌથાઈ, ચૌથા હિસ્સા, ¼.

ચોતરો (સં.) ચબૂતરા, ચૌતરા, પુલિસ ચૌકી, થાના।

ચોતારો (સં.) વસ્ત્ર વિશેષ, એક પ્રકાર કા કપડ઼ા।

ચોધરી (સં.) સમાજ का अगुवा, नेता, प्रधान, सरपंच, बाजार का मुखिया, अड्डे का मुखिया ।

ચોપ (સં.) चौंप, रोक, थाम ।

ચોપચીની (સં.) चोबचीनी, औषधि विशेष ।

ચોપડવું (ક્રિ.) चुपड़ना, चिकना करना, लगाना, चिकनी वस्तु का लेपन । [ड़वना ।

ચોપડાવવું (ક્રિ.) लगवाना, चुप-

ચોપડી (સં.) पुस्तक, किताब, पोथी ग्रंथ, बुक ।

ચોપડી વેચનાર (સં.) बुकसेलर, पुस्तक विक्रेता, कुतुबफरोश ।

ચોપડી બાંધનાર (સં.) जिल्दसाज दफ्तरी, पुस्तक सीनेवाला ।

ચોપડું (વિ.) चिकना, तेलिया, चर्बीयुक्त, (सं.) रोटी,

ચોપડો (સં.) हिसाबकी किताब ।

ચોપદાર (સં.) चोपदार, छड़ीदार, हरकारा, दूत।

ચોપટ (સં.) चौपड़, चौसर, पाँसों-का खेळ, द्यूत, शतरंज, चतुरंग, खेळ विशेष ।

ચોપાનિયું (સં.) पेम्फलेट, छोटी, पुस्तक, रिसाला, बहुतसे विषयों, के अंशोंका पत्र ।

ચોપ (સં.) छड़ी, दंड, डंडा ।

ચોર (સં.) तस्कर, स्तेन, चोरी, करने वाला ।

ચોમાસું (સં.) वर्षाकाल, वर्षाऋतु के चारमहीने ।

ચોમેર (ક્રિ. વિ.) चारो ओर, सब, दिशाओंमें, चतुर्दिक, चहुँधा ।

ચોરખાડો (સં.) चोरगड्ढा, वह गड्ढा जिसपर जानवरोंको फँसाने के लिये कुछ बिछा दिया जावे ।

ચોરખાનું (સં.) गुप्तखान, गुप्त घर, गुप्त, पेटी ।

ચોરણો (સં.) पायजामें की जोड़, खूसने की जोड़ ।

ચોરદાનત—નમ્રર (સં.) दुष्ट आकांक्षा, बदनियत, नीच आशय ।

ચોરવું (ક્રિ.) चुराना, हरण करना, अपहरण करना, आँख बचाकर उठालेना ।

ચોરસી (સં.) चौकोना पत्थर ।

ચોરિયા (સં.) समुद्री डाकू, लुटेरा, एक प्रकार का दर्द ।

ચોરી (સં.) लूट, अपहरण, हरण,

ચોળી (સં.) एक प्रकार की सेम, शाक भाजी विशेष ।

ચોવું (સ. ક્રિ.) ઉખેડવું, ખેંચવું, ઝંઝટ મારવું.

ચોસઠ (સં.) સંખ્યા વિશેષ, સાઠ ઔર ચાર, ૬૪, ચૌંસઠ.

ચોસર (સં.) એક પ્રકાર કા ખેલ, દેખો–ચોપટ.

ચોળવું (સ. ક્રિ.) મસલના, રગડના, દબાના, મલના, કુચલના, ચાંપના.

ચોળા (સં.) એક પ્રકાર કી દાલ.

ચોળા ચોળી (સં.) ચિત્તકી બેચૈની, વ્યાકુલતા, તકલીફ, કષ્ટ.

ચૌદસ (સં.) ચતુર્દશી, ચૌદહવીં તિથિ, ચાન્દ્રમાસ કી ચૌદહવીં તિથિ.

ચૌરી (સં.) ચૌરી, ચવેરી, છોટા ચવર, તિબ્બત દેશકી ગાય કે બાલોં કી બની હુઈ ચવરી, ચમર.

ચ્યુત (વિ.) પતિત, પડા, ભ્રષ્ટ, ગિરા, નષ્ટ.

છ.

છ=સાતવાં વ્યંજન, ગુજરાતી વર્ણમાલાકા ૧૮ વાં અક્ષર.

છક્કો (સં.) ચપત, તમાચા, થપ્પડ, ચૌલ, નુકસાન, કમી, ઘાટા.

છક થઈ જવું (સ. ક્રિ.) સ્તબ્ધ હોજાના, ચકરાના, ચૌંધિયા જાના.

છકી જવું (સ. ક્રિ.) મસ્તાના, તુષ્ટ હોના, હસ્તાના, સન્તુષ્ટહોના, અઘાના.

છકીત (વિ.) ચકિત, આશ્ચર્યાન્વિત, વિસ્મિત, મયભીત.

છકોણાકૃતિ (સં.) ષટ્કોણ આકૃતિ, છઃ બહલૂ ચકોના, ષટ્ભુજક્ષેત્ર.

છક્કા મારવી (સ. ક્રિ.) ચપતમારના, થપ્પડમારના તમાચાજમાના, પીટના.

છક્કાપંજે (સં.) એક પ્રકાર કા તાશોંકા ખેલ, ઉપાય ચિન્હ.

છકેલ (વિ.) પ્રકટ રૂપસે, ખુલે-ખુલે, ખુલમખુલા.

છછુંદર (સં.) મૂસે કી એક જાતિ, છછૂંદર નામક એક જીવ.

છજું (સં.) છજ્જા, બારજા, ઓસરી, ઉસારા.

છણવું (સ. ક્રિ.) ખિસાના, ખુર્દ-બુર્દ કરના, કુદાના, પીડા પહુંચાના, છેદના.

છટકી જવું (સ. ક્રિ.) ચલાયમાના,

છટકાવું (સ. ક્રિ.) છોડના, છોડાના,

छंद (सं.) दीप्ति, उजास, शोभा प्रकाश, समाहार, मार्ग, चाल-चलन, साँचा।

छंदेल (वि.) प्रसन्न, बचाखुचा, शेष, बचाखुचा बदमाश।

छंदोल (सं.) छिलके, भूसी, चोकर।

छंस (सं.) नरकट, छड़, लम्बी-छड़ी।

छंहकना (क्रि.) छिड़कना, उंडेलना।

छंडी (सं.) राजछत्र, छड़ी।

छंडीछट (सं.) बंध्या स्त्री वह स्त्री जिस के बालक पैदा नहीं होते।

छंडीदार (वि) छड़ीवाला, छड़ी लेकर राजाओंके आगे चलनेवाला, चोबदार।

छंद (सं.) अकेला, केवल एक, एक मात्र, तनहा, एकाकी।

छंदछंद (कि. वि.) छुम-छुम का शब्द, ध्वनि विशेष।

छंदा (सं.) मोतियों का बना गलहार, कंठा भरण, गलेका आभूषण। [फुफकार।

छंदार (सं.) फुनकार, सिसकार,

छंदछंद (सं.) सनसन, खनखन

छंदना (क्रि.) छनना, निथरना, रसना, शुद्धहोना। [सिंचाव।

छंदाव (सं.) छिड़काव, सींच-

छंदाव करना (क्रि.) छिड़काव करना, पानी छिड़कना। सींचना।

छंद (सं.) बहुतायत, अधिकता, इफ़रात, छात, पटान, छत।

छंदरी (सं.) छत्री, छाता, छत्र विशेष।

छंदां (क्रि. वि.) तथापि, तौभी, ताहम, तिसपरभी। [उंचा छत्र।

छंदार (सं.) छत्र, बड़ा और

छंदपति (सं) राजा, भूपाल, नरेश, स्वाधीन नरपति, महाराज।

छंद शास्त्र (सं.) पिंगल मुनिप्रणीत शास्त्र, जिसमें छन्दों का वर्णन किया हो।

छंद (सं.) श्लोक, पद्य, काव्य, रचना, अनुष्टुप आदि, पद।

छंदी (वि.) चालाक, कपटी, धूर्त, प्रतारक, छली, ठग।

छंदा (वि.) छिछला, अगंभीर, हलका, ओछर, खोखला।

छंद (सं.) आच्छादन, छांद, छान, छप्पर, छावनी।

छंदनभोज (सं.) दंड, अनुमति, छप्पन प्रकार के खाद्य पदार्थ।

छंदर (सं.) पर्णकुटी, घासफूस का बना मकान। [दोहा, छन्द।

छंद (सं.) षट्पदी छन्द, श्लोक,

ઙ્મ (સં.) મૂર્તિ, પ્રતિમા, તસ્વીર ।
ઙ્મઙ્મું (વિ.) છોટા, થોડા ।
ઙ્મતરૂ (વિ.) કમ છિછલા, દેખો-ઙ્મતરૂં.
ઙ્મવું (ક્રિ.) પહુંચના, આજાના ।
ઙ્મી (સં.) તસ્વીર, ચિત્ર, ફોટો, નકશા । [ડુબોના ।
ઙ્મઙારવું (ક્રિ.) તરકરના,
ઙ્મર (સં.) બેવકૂફી, ખફ્ત, પાગલપન, ગર્વ, ઘમંડ, અહંકાર ।
ઙ્મઙરી (સં.) વાર્ષિકોત્સવ, બરસી ।
ઙ્મરા (સં.) છર્રા, છોટી ગોળી ।
ઙ્મરી (સં.) ચાકૂ, ક્ષુર, છુરી ।
ઙ્મલકાર્ધ ઙ્મવું (ક્રિ.) શેખી મારના, ડીંગ હાંકના, બઢીબઢી બાતે મારના, ગર્વ કરના, છલકના ।
ઙ્મલંગ (સં.) કૂંદ, ફાંદ, ઉછાલ ।
ઙ્માવું (ક્રિ.) ઢાંકના, છુપાના, દબાના, દુબાના । [પ્રતારણા ।
ઙ્મા (સં.) કપટ, છળ, ઠગાઈ
ઙ્માલેહ (સં.) દગા, છલ, કપટ ।
ઙ્માવું (ક્રિ.) ધોખા દેના, દગા કરના, કપટ કરના, છલના ।
ઙ્મંઢ (સં.) કાટ, કતર, બજ્જી, ચિન્હો । [શેષ ।
ઙ્મંઢ્ય (સં.) કતરબ્યોંત, ટુકડા,
ઙ્મંઢવું (ક્રિ.) ફેંકના, ઉંડેલના, છિડકના, કાટના, કતરના, નષ્ટ કરના, બુઝાના, ગપ્પે છાંડના, ઝૂંઠ બોલના, રિશ્વત યા ઘૂંસ દેના ।
ઙ્મંઢા ઉડાવવા (ક્રિ.) છીંટે ઉડાના, છાંટના, છીંટે ડાલના ।
ઙ્મંઢાઙ્મંઢ (સં.) એક દૂસરેપર પાની છિડકના ।
ઙ્મંઢી (સં.) વર્ષાકી બૂંદાબાંદી, ફુંહાર, છોટી છોટી બૂંદોં મેં બરસના ।
ઙ્મંઢા (સં.) છાંટા, બૂંદ, બિન્દુ, હતક, અપમાન, ધબ્બા, બદ્દા, કલંક । [મદિરા, દારૂ, મદ્ય ।
ઙ્મંઢાપાણી (સં.) શર્બત, શરાબ,
ઙ્મંઙ્મ (સં.) જાંચ, પરીક્ષા, ઇમ્તહાન, તલાશ, અનુભવ ।
ઙ્મંઢવું (ક્રિ.) છોડના, ઇમ્તહાન લેના, જાંચના, પરીક્ષા લેના, તજના, ત્યાગના, અદા કરના, ચુકાના, તિલાક ।
ઙ્મંઢ (સં.) ગોબર કે કંડે, બારણા, ઢિઠાઈ, વીરતા ।
ઙ્મંઢવું (ક્રિ.) જાનના, વિચારના, ધારના, પરખના, નિર્ણય કરના ।

છાણું (સં.) કંડા, છાના, આરણા, ઈંધન, બલીતા, ગોબર કી બનો હુઇ રોટી સી જોજલાને કે કામ મેં આતી હૈ।

છાતી (સં) હૃદય, વક્ષઃસ્થલ, સીના, દિલ, હિમ્મત, સાહસ, વીરતા, ધૈર્ય્ય।

છાતી કુટવી (ક્રિ) છાતી કૂટના, શોક સે છાતી પીટના, વિલાપ કરના।

છાતી કાઢીને ચાલવું (ક્રિ.) અકડકર ચલના, સીના નિકાલ કર ચલના।

છાતી ઠોકવી (ક્રિ.) સાહસ પ્રકાશ કરના, ભરોસા દેના, છાતી ઠોકના।

છાતી તોડ-ફોડ (સં.) કઠોર, કઠિન, સખ્ત, દારુણ, કડા।

છાતીનું હાડકું (સં.) વહ હડ્ડીજો કંઠ સે પેટ તક જાતી હૈ ઔર જિસ મેં પસલિયાં લગી હોતી હૈં, છાતી કી હડ્ડી।

છાતી પોચી થવી (ક્રિ.) દયાર્દ્ર હોના, કરુણા સે છાતી કા આર્દ્ર હોના, દિલ પિઘલના, હૃદય દ્રવીભૂત હોના।

છાતીવાળું (સં.) વીર, બહાદુર, દીઠ, હિમ્મતવાલા, સાહસી, વીર।

છાના રહેવું (ક્રિ.) ચુપ રહના, ખામોશ રહના, શાન્ત રહના।

છાની રીતે (ક્રિ. વિ.) ચુપકે સે, ગુપ્ત રીતિ સે, ચુપચાપ, ગુપચુપ।

છાનું (વિ.) ખાનગી, ગરુ, ગુપ્ત, છુપા, અપ્રકટ।

છાનું માનું (ક્રિ. વિ.) બિલકુલ ચુપ, ઔર ગુપ્ત રીતિદ્વારા, ગુપચુપ।

છાનું રાખવું (ક્રિ.) ગુપ્ત રખના, છુપા કર રખના, શાંત રખના।

છાનું રહેવું (ક્રિ.) ચુપ રહના, ખામોશ રહના, શાંત રહના।

છાપ (સં.) મુહર, ઠપ્પા, છાપા, ટાઇપ, છાપે કે અક્ષર, યશ કીર્તિ, ચિન્હ, અંગૂઠે કા નિશાન, છપાઈ।

છાપખાનું (સં.) પ્રેસ, છાપાખાના, મુદ્રણ યંત્રાલય, જહાં પુસ્તકેં છપતી હૈં। [છાપનેવાલા।

છાપનાર (સં.) મુદ્રક, પ્રિંટર,

છાપણી (સં.) છપાઈ, છાપને કા મૂલ્ય, પ્રકાશન, પ્રસિદ્ધ કરણ, ઉત્થાન।

છાપરું (સં.) છપ્પર, ઘર, છત।

છાપવું (क्रि.) अंकित करना, मुद्रित करना, छापना, मोहर लगाना। (पत्र, सम्वाद पत्र।

છાપું (सं.) अखबार, समाचार

છાપેલું (वि.) छपा हुआ, मुद्रित, मोहर लगा हुआ, छापा हुआ।

છાપો (सं.) मोहर, धावा करना, डाका डालना, कर, टेक्स।

છાપ-ડી (सं.) डलिया, बासों की बनी हुई खोखली डलिया, छबड़ी।

છાપલ (सं.) एक प्रकार का वस्त्र जिसे स्त्रियाँ पहिनती हैं।

છાયડો-છાયા (सं.) साया, छाया, छप्पर, पनाह, आड़, शरण, आश्रय।

છાયાહાર-વાળું (वि.) छायायुक्त।

છાયા યંત્ર (सं.) धूपघड़ी।

છાયો કરવો-આપવો (क्रि.) छाया करना, धूपरहित करना, छादेना, आश्रय देना।

છાર (सं.) क्षार, भस्म, राख, धूलि, खाक, खार।

છાસટો (स.) सरपट दौड़, घोड़े की सरपट चाल।

છારી (सं.) सिल्ली, जाला, साँचा।

છારી પાડવું (क्रि.) आपस में मिलकर लिपटना।

છાલ (सं.) छिलका, वल्कल, त्वक्, चर्म, बल्कल।

છાલક (सं.) लहर, तरंग, छींटे।

છાલકું (वि.) छिलका, खोखला, नीच, कमीना, गरीब।

છાલકો (सं.) गधेपर लादने का बोरा, खोखले छिलका, ओछे मनका।

છાલા (सं.) छिलका, छाल, वल्कल,

છાવણી (सं.) सिपाहियों के रहने का स्थान, पलटनके रहने का स्थान, शिविर, केम्प, कण्टूनमेण्ट।

છાવરવું-રી પાડવું (क्रि.) छिपाना, गुप्त रखना, अप्रकट रखना।

છાશ-સ (सं.) छाँछ, तक्र, मठा, मही, गोरस,

છિ: (विस्म०) तुच्छ करने का वाक्य, घृणा युक्त वाक्य।

છિંકણી (सं.) नास, हुलास, ऐसी वस्तु जिसके सूंघनेसे छींक आवे।

છિંક (विस्म०) देखो छिः (क्रि.) छींकना

છિદ્ર (सं.) छेद, सूराख, बिल, दोष, ऐब, अपराध, बिवर, रन्ध्र, दूषण।

છિદ્ર કાઢવું (क्रि.) दोष निकालना, ऐब ढूंढ बताना, छिद्रानुसन्धान।

છિદ પાડવું (क्रि.) छेदना, सूराख करना, छेद करना।

છિનવી લેવું (क्रि.) झपट लेना, छीन लेना।

છિનાળ (सं.) वेश्या, वेश्यावृत्ति करनेवाली स्त्री, व्यभिचारिणी, दुष्टा।

છિનાળખાણ (सं.) रंडीबाजी, व्यभिचार सम्बन्धी चालाकेया।

છિનાળવાડો (सं.) वेश्यालय, रंडियोंके रहने का बाड़ा, वेश्यागृह।

છિનાળવો (सं.) व्यभिचारी, जिनाकार, विषयी, वेश्या दलाल।

છિન્ન (वि.) विभक्त, खंडित, छेदित।

છિનાળું (सं.) वेश्यावृत्ति, व्यभिचार, रंडीबाजी, छिनाला।

છિપર (सं.) बड़ा पत्थर।

છિપરું (वि.) मैला गन्दा,

છી (वि.) बुरा, मैला, गन्दा,

છીંક-છેંક (सं.) सिनक, नाक साफ करने की क्रिया, छींक।

છીંકણી-છીંકવું (क्रि.) छींकना,

છીછી (सं.) चावल, तन्दुल (वि०) तुच्छ करने का वाक्य, घृणा युक्त वाक्य।

છીટ (सं.) पक्षपात, उज्र, एतराज, आपत्ति, हानि, घाटा।

છીંટ (सं.) छींट (वस्त्र) छपावदार।

છીડું, છીંડું (सं.) बाड़ का खुला भाग,

છીડું ખોળવું-શોધવું (क्रि.) अपराध ढूँढना, ऐब देखना, छिद्रान्वेषण।

છીણી (सं.) खोदने का औजार, छेनी, लोहे की बनी हुई जो धातु काटने या पत्थर खोदने के काम में आती है।

છીદડી-રી (सं.) वृद्धा स्त्री की एक प्रकार की पोशाक।

છીપ (सं.) ढाल, लकड़ी के बने हुए छापने के ठप्पे।

છીપો (सं.) कपड़ा छापनेवाला, मुद्रक, मोहर लगानेवाला।

છીપું (सं.) चपटी रकाबी, चपटी थाली।

છીલડો (सं.) हाथ चक्की की सड़क, चक्की का मार्ग, गरँड, आटा गिरने का स्थान।

છીલરું (सं.) टूटा फूटा तालाब, भ्रंश सरोवर, नष्ट सरोवर।

છુંછા (सं.) पक्ष, पाँख, पंख, पर

છુટ (सं.) स्वतन्त्रता, स्वाधीनता छुट्टी, आज्ञा, मत्ता, छूट।

છુટક (વિ.) છેરવો, ફુટકળ, મિશ્રિત, મિલોના ।

છુટકારો-ડો (સં.) મુક્તિ, છુડાવ, છુટાવ, ઉદ્ધાર, સ્વતંત્રતા, સ્વાધીન

છુટકો કરવો (ક્રિ.) મુક્ત કરના, છોડના, સ્વતંત્ર કરના, ખોલના,

છુટકો થવો (ક્રિ.) મુક્ત હોના, સ્વતંત્ર હોના, છૂટના ।

છુટથી (ક્રિ. વિ.) સ્વતંત્રતાપૂર્વક, આજાદી સે ।

છુટવું (ક્રિ.) બન્ધન રહિત હોના, છૂટના ખુલના ।

છુટ મુટથી (ક્રિ.) કમી કરના, છૂટ દેના ।

છુટ્ટો છેડો (સં.) ત્યાગ, ત્યાપુરુષ કા તિરસ્કાર, ત્યાપુરુષ કા છોડના ।

છુટ્ટા છેડા થવા (ક્રિ.) સંતાન ઉત્પન્ન હોના, અપત્યોત્પાદન ।

છુટાપણું (સં.) સ્વાધીનતા, સ્વતંત્રતા છુટકારા, ઉદ્ધાર ।

છુટ્ટી-છૂટી (સં.) છુટકારા, અવકાશ, અનધ્યાય, વિશ્રાન્તિ સમય, વિશ્રામ, તાતોલ, કાર્યબન્દ ।

છુટી જવું (ક્રિ) ભાગ નિકલના, છૂટ જાના, અપરાધ સે છૂટના, નિર્દોષ હોના ।

છુંદું (વિ.) બિખરા, ખુલા, છૂટા ।

છુંદું કરવું (ક્રિ.) બિખેરના, અલગ અલગ કરના ।

છુદું છુદું (વિ.) અલગ અલગ, પૃથક પૃથક, નિરાલા ।

છુંદવું (ક્રિ.) કચરવું કુચલના, પાદાક્રાન્ત કરના, પદદલિત કરના, કૂટના, દલના, ખાંડવું છોટે છોટે ટુકડે કરના, કતરના, ચૂર ચૂર કરના, પીસના, બુરી તરહ પાટના।

છુંદો (સં.) કિસી વસ્તુ કા ચૂરા યા કુચલન ।

છુપવું (ક્રિ.) અપને કો છુપાના, ગુપ્ત હોના, છુપના ।

છુપાડવું-વવું (ક્રિ.) છિપાના, ગુપ્ત કરના, ગાયબ કરના, લુકાના ।

છુપાવેલું (વિ.) છુપાયા હુવા,

છુપી રીતે (ક્રિ. વિ.) ગુપ્ત રીતિ સે, ગરૂ તરીકે સે । [અપ્રકટ ।

છુપું (વિ.) અનગી, ગરૂ, ગુપ્ત,

છુપું રહેવું (ક્રિ.) છિપા રહના, ઘાત મે રહના, દુબકના, ચુપ કર બૈઠના । [દુરુદ્ધ ।

છુમંત્ર (સં.) જાદૂ, ટોના, મંત્ર,

છુમંત્રણો (સં.) જાદૂગર, જાદૂટોનેવાલા ।

ક્ષુરી-કરી (સં.) ક્ષુર, છુરા, છુરી, ચાકુ, ચાકુ, ઉસ્તરા ।

છુવું (ક્રિ.) છૂના, સ્પર્શ કરના, બિગાડ઼ના, કલુષિત કરના ।

છૂટ (સં.) બચા, છુટ, બરબાદી, સ્વતંત્રતા, મુક્તિ ।

છે (ક્રિ.) હૈ [સૂચક વાક્ય ।

છેઃ (વિસ્મ૦) છિઃ, છુશ, ઘૃણા

છેક (ક્રિ. વિ.) બિલકુલ, બહુતાયત સે, તક ।

છેકણી (સં.) કાટકૂટ, છીલછાલ, સુંઘની, હુલાસ, છીંકની ।

છેકવું, કી નાંખવું, (ક્રિ.) કાટ ડાલના, ખરોંચના, મિટાના, છીલના

છેકો (સં.) લકીર, જોડ઼ ઔર ગુણા કા ચિન્હ, +, ×, ખરોંચ, કાટ, છીલ ।

છેછે (વિસ્મ૦) દેખો છિ ।

છેટું (સં.) અંતર, ફાસલા, અર્સા, (ક્રિ. વિ.) દૂર, અલગ, ન્યારા,

છેટે (ક્રિ. વિ.) દૂર, રુકા, ન્યારા, ફાસલેપર, દૂરીપર ।

છેટે બેસવું (ક્રિ.) ઋતુમતી હોના, કપડ઼ોં હોના, દૂર હોના, છૂનેકી હોના ।

છેડવું (ક્રિ.) ચિડાના, ચિઢાના, કુછાના, છૂના, સ્પર્શકરના, હસ્તક્ષેપ કરના, દખલદેના ।

છેડતી શોધવી (ક્રિ.) કુસૂર ઢૂંઢના, દોષાન્વેષણ ।

છેડે (ક્રિ. વિ.) અન્તમેં, આખિરમે ।

છેડો (સં.) અંત, સિરા, હદ, સીમા, મૃત્યુ, નાશ, સમાપ્તિ પરિણામ, કોર, છોર, અંચલા, કિનારા । [સ્ત્રીપુરુષકા છોડ઼ના ।

છેડો, છુટકો (સં.) ત્યાગ, તિલાંક,

છેડો છોડવો (ક્રિ.) તૈકરના, પીછા છોડ઼ના, સમઝમેં આના ।

છેડો પકડવો (ક્રિ.) આશ્રય લેના, પક્ષા પકડ઼ના, સહારા લેના ।

છેડો દાડવો (ક્રિ.) દેખો છેડો છુટકો.

છેડો લેવો (ક્રિ.) કેડો લેવો પીછા કરના, પીછે લગના, રગેદના ।

છેણી (સં.) છેની, ટાંકી, રુખાની ।

છેતરનાર (સં.) દગાબાજ, ધોકેબાજ, ઠગ, બંચક, છલી ।

છેતરપિંડી (સં.) ચાલાકી, ધોકા, ઠગી, જાલસાજી ।

છેતરવું (ક્રિ) ઠગના, ધોકાદેના,

छेतराभचु (सं.) ठगी, छल, कपट। [जाना, छलेजाना।
छेतराचुं (क्रि.) धोखाजाना, ठगे-
छेतालीस–श (वि.) छियालीस, चालीस और छः, ४६,
छेद (सं.) सूराख, छिद्र, विवर, रध्र, भिन्न में लकीर के नीचेका अंक। [मारक।
छेदक (वि.) छेद करनेवाला, वेधक।
छेदन (सं.) खंडन, वेधना, छेदना।
छेदन बिंदु (सं.) बीचसे दो भाग करने का विन्दु। [रेखा।
छेदन रेखा (सं.) काटने वाली
छेदवुं (क्रि.) काटना, बाँटना, नष्ट करना, छेदकरना, बिलकरना, छेदना, वेधना।
छेर (सं.) पानी के समान पतला गोबर, पशुओं का पतला विष्ठा।
छेरटो (सं.) मैला, कचरा, धूळ।
छेरवुं–राटो (क्रि.) पतला मलोत्सर्ग करना, पोंकना।
छेल–ळो (सं.) छैला, अलबेला, बाँका, रंगीला।
छेलछबीलो, छेलभडाड (वि.) छेल सुन्दर, मनोहर, उत्तम, चटकीला।
छेवाड़ (सं.) छेड़खानी, अनबेजाकरण।
छेवी (सं.) रेखा छेदचिह्न, ९ के लिये इशारा या संकेत।
छेल्लीघड़ी (सं.), अंतिम समय, आखिर वक्त, अंतकाल।
छेल्लीवारे (क्रि. वि.) अंतमें, आखिरमें। [पूर्ववत्।
छेल्ले, छेल्ले सरवाळे (क्रि. वि.)
छेवट (सं.) अंत, आखिर, फल, परिणाम, (क्रि. वि.) अंतिम, आखिर में अन्तको, पीछे।
छेवाड़ुं (वि.) आखिर, बिलकुल आखिर, सब के बाद।
छेह (सं.) विश्वासघात, सिरा, छोर, अंत। [संतान।
छैयांछोकरां (सं.) बालक, बच्चे,
छैयो (सं.) लड़का, छोकरा, पुत्र, आत्मज।
छो (सं.) चूना, सरल, ऊसली, (क्रि.) हो, है (विस्म०) कुछ बात नहीं, होने दो।
छोकरवाड़ (वि.) बचपन कीसी, लड़कपन कीसी, छछोरपन कीसी, उच्छृंखलता।
छोकरवाडी (सं.) बचपन, छछोरपन।
छोकरी (सं.) पुत्री, तनया, लड़की

છોકરું–રો (સં.) બાલક, લડ़કા, પુત્ર, બેટા, તનય, આત્મજ ।
છોગું (સં.) ઝબ્બા, ફૂંદા, લટકન, કલાબત્તુકા બના ફૂંદા જો પગડ़ી પર લગાયા જાતા હૈ, કલગી. તુર્રા।
છોડ (સં.) રોક, અટકાવ, બન્ધેજ। એતરાજ, ઉજ્ર, આપત્તિ । [થોડ़ા।
છોડું (વિ.) છોટા, ઓછા, કમ,
છોડું (વિ.) છોટા, કમ ઊઁચા,
છોડ (સં.) પૌધા, પેડ़, છોટા પેડ़, ઝાડ़ી । [ઔર ખોલના ।
છોડબાંધ (સં.) બારમ્બાર બાંધના
છોડનાર (સં.) છોડ़નેવાલા, ખોલનેવાલા। [સુલઝાના, ખોલના।
છોડાવવું (ક્રિ.) છુડ़ાના, મુક્ત કરાના,
છોડવું (ક્રિ.) છોડ़ના, સ્વતંત્ર કરના, જાને દેના, ખોલના, જલાના, છૂટ દેના, બચા દેના, અલગ કરના।
છોડવો (સં.) પૌદા, છોટા પેડ़।
છોડાં (સં.) ચોકર, ભૂસી,
છોડાવવું (ક્રિ.) દેખો છોડવવું
છોડી (સં.) ટુકડ़ા, કતલ, ફાઁક, દેખો છોકરી
છોડીદે (ક્રિ.) છોડ़ દો, જાને દો।
છોડી મુકવું–દેવું (ક્રિ.) દેખો છોડવું
છોતરું (સં.) છિલકા, બક્કલ,
છોતેર (સં.) છિહત્તર, સત્તર ઔર છઃ ૭૬,
છોપ્યું (ક્રિ. વિ.) ચૂનેકા બના।
છોરુ (સં.) શિશુ, બાલક, બચ્ચા।
છોલ (સં.) દેખો, ૭ાલ,–છોલની, (સં.) બસૂલા, એક પ્રકાર કી કુલ્હાડ़ી ।
છોલવું (ક્રિ.) છીલના, ખુરચના, ખાલ નિકાલના, છિલકા નિકાલના,
છોલાવવું (ક્રિ.) નુક્સ નિકાલના, દોષ નિકાલના, છીલના, કુરેદના।
છોલાવું (ક્રિ.) છીલા હુવા હોના।
છોલાણું (સં.) પલસ્તર, અસ્તર,
છોલ્લા (સં.) એક પ્રકારકા દસ પૉંવ કા કીડ़ા કા જિસકી લંમ્બાઈ ૨ ઇંચ હોતી હૈ, કુછ હરે રંગ કા જીવિત પકાને પર ભૂરા રંગ હો જાતા હૈ । સીપ કા ઘોંઘા ।
છોવરાવવું (ક્રિ.) ચૂને કા પલસ્તર કરવાના, છબવાના।
છોળ (સં.) લહર, તરઙ્ગ, હિલોર,

૭૪.

૭૪=ગુજરાતી વર્ણમાલા કા ૧૯ વાં અક્ષર, આઠવાં વ્યંજન, નિશ્ચય વાચક, પ્રત્યય, સ્થિર, પક્કા ।

જાવવું (ક્રિ.) જાના, गमन करना, जाके वापिस आना।

જાવીર-જેવી (સં.) बुढापा, वृद्धावस्था, वयोवृद्ध।

જાસ (सं.) हठ, जिद्।

જાસવું-ડી લેવું (ક્રિ.) कसकर बाँधना, बाँध लेना, पकड़ लेना।

જાસત (सं.) सायर महसूल, चुंगी, राज्य कर, टाउन ड्यूटी।

જાસી-ડી (વિ.) हठी, जिद्दी, हठीला, आड़यल।

જાસ (सं.) यज्ञ, देव योनि विशेष, मोटा ताजा मनुष्य, तगड़ा आदमी।

જાસ (सं.) मत्स्य, मछली, झख।

જાસ મારવી (ક્રિ.) झख मारना, गर्हित कामों का पश्चात्ताप करना। बुरे कामों का प्रायश्चित्त करना।

જાસમ (सं.) व्रण, घाव, चोट, क्षत, अपमान, हानि, नुकसान।

જાસમ કરવું (ક્રિ.) चोट मारना, घाव करना।

જાસમ લાગવો (ક્રિ.) घायल होना, क्षत होना, जख्मी होना।

જાસમ રૂઝવો (ક્રિ.) चंगा करना, घाव का भर आना।

જાસમાયલું-ળી (વિ.) घायल, आहत, आघात प्राप्त, चोट खाया हुवा।

જાસવું (વિ.) बलवान, शिक्षु मूर्ख, अल्हड़, लठ्ठबाँके।

જાસ-ત્ (સં.) विश्व, संसार, भुवन, चलने वाला, जंगम।

જાસત્કર્તા-જાસત્કર્ત્રી (સં.) सृष्टिकर्ता, विश्वनिर्माता, विधाता, ईश्वर।

જાસજીવન (सं.) जगत का आधार, जगत का प्राण, रक्षक, ईश्वर।

જાસજ્જનેતા, જાસજ્જનેત્રી (सं.) देवी, शक्ति, आदिशक्ति, जगदम्बा।

જાસત્ત્રય (सं.) तीन पृथ्वी, स्वर्ग नर्क पाताळ। तीन लोक।

જાસત્પાલક (सं.) ईश्वर, परमात्मा,

જાસત્લીલા જાગલીલા (सं) सृष्टि का विनोद, जगद्विलास।

જાસત્સ્વામી (सं.) सृष्टि का मालिक, विश्वाधार, विश्वशासक, ईश्वर।

જાસત્પ્રસિદ્ધ (વિ.) जगद्विख्यात, जिसे संसार जानता हो;

જાસત્રય (सं.) देखो જાસત્ત્રય

જાસદંબા (सं.) जगन्माता, वैष्णवी शक्ति, आदिशक्ति, भवानी।

જાસદંબિકા (सं.) दुर्गा, पार्वती, जगतजननी, अंबिका।

જાસદ્ભૂષણ (सं.) विश्वभूषक, जगदालंकार, प्रतापी, नामवर।

જગદીશ-ત્વર (સં.) વિશ્વેશ, જગત का स्वामी, ईश्वर परमात्मा ।

જગદાત્મા (સં.) વિશ્વાત્મા, પરબ્રહ્મ, પરમાત્મા, પરમેશ્વર ।

જગદ્ગુરુ (સં.) સંસાર के गुरु, संसार के आचार्य, ईश्वर, ब्रह्मा ।

જગદ્વંદ્ય (સં.) जिसकी संसार वंदना करे, ईश्वर परमेश्वर ।

જગદાધાર-દ્ધાર (સં.) विश्वाधार, जगत के आधार, अनन्त, वायु, ईश्वर ।

જગન (સં.) होम-यजन, यज्ञ, बलि, पूजा, होम ।

જગન્નાથ (સં.) जगत्पति, जगदीश, श्री क्षेत्र के देवता, विष्णु विष्णु का नवाँ अवतार ।

જગન્નાથી (સં.) एक प्रकारका वस्त्र ।

જગન્નિંદ્ય (વિ.) जिसकी दुनिया निंदा करती हो, अत्यन्त बुरा, त्याज्य ।

જગન્નિયન્તા (સં.) जगत्कर्ता, विधाता, परमात्मा, विश्वनाथ ।

જગન્નિવાસ (સં.) विश्वभरण, विश्वपोषक, जगदाधार ।

જગન્મિત્ર (સં.) विश्वमित्र, वह जो सबसे प्रेम रखता, विश्व प्रेमी।

જગન્નાથ (સં.) विश्वेश्वर, सृष्टि का स्वामी, विश्व सूत्रधार ।

જગ-ગા-ગે। (સં.) स्थान, जगह, दर्जा, ओहदा, मुकाम, भूमि, पादचिन्ह, पद, ठौर, भी, शून्यपद ।

જગા કરવી (ક્રિ.) जगह करना, दूसरे के लिये स्थान बनाना ।

જગાડવું (ક્રિ.) जगाना, सावधान करना, उठाना, सूचित करना, निद्रा भंग करना, निद्रा रहित करना ।

જગાપરને જગાપર (ક્રિ. વિ.) उसी स्थानपर, उसही जगह ।

જગાવવું (ક્રિ.) उठाना, जगाना ।

જગે (ક્રિ. વિ.) जदलीपर, स्थानपर, जगहपर, पदपर ।

જગેજગે (ક્રિ વિ.) स्थानस्थान, हरेक जगह, प्रत्येक स्थळ ।

જગાત (સં.) भादो बुदी १३ मृत बालकों की कर्म क्रिया करने का मुकर्रर दिन भाद्र कृष्णा त्रयोदशी ।

જગના (સં.) कम याद, कुछकुछ स्मरण, कल्पना, खयाल, स्वप्न ।

જંજાળમાં જવું (ક્રિ.) लज्जित हो जाना, शर्मिन्दा हो जाना ।

ગંભરાવું ગંડું (ક્રિ.) પૂર્વવત્
ગંભવું (ક્રિ.) કલ્પના કરવી, કિસી વિષય પર સોચના।
ગંભ (સં.) યુદ્ધ, રણ, સંગ્રામ, લડાઈ।
ગંભડીઆ (સં.) એક સ્થાન સે દૂસરે સ્થાન તક ખજાના લે જાને વાલે ફૌજી કોષ રક્ષક।
ગંભમ (સં.) ચોચલે, અસ્થાયી, અસ્થિર, ચલનશીલ।
ગંભલ (સં.) વન, અરણ્ય, રેતીલા મૈદાન, વિપિન, કાનન, નિર્જલ સ્થલ
ગંભલ જવું (ક્રિ.) પાખાને જાના, ટટ્ટી ફિરના, શૌચ હોના, મલોત્સર્ગ કરના।
ગંભલમાં મંગળ—ઐસે સ્થાન પર આનંદ મંગલ જહાં અસંભવ હો।
ગંભલી (સં.) જંગલ કા, મૂર્ખ, શઠ, અસભ્ય, બદતહજીબ, ગંવાર, વન્ય,
ગંભલી જાત (વિ.) ગંવાર, દેહાતી।
ગંભાલ (સં.) તાંબે કા મોર્ચા, કસાવ, વિતરાઈ, મુર્ચા, જંગ, જર।
ગંભી (વિ.) વીર, બહાદુર, હિમ્મતવાલા, બહુત બડા, દીર્ઘ, વિસ્તૃત।
ગંભભાન (સં.) યજ્ઞકર્તા, પુરોહિત યા પુજારી કા સંરક્ષક, યજમાન।
ગંભળ (સં.) ઉલઝન, સંકટ, પ્રપંચ, ઉલઝાવ, વ્યાકુલતા ઉદ્વિગ્નતા।
ગંભેરો (સં.) આદમી પીછે મહસૂલ।
ગંભ (સં.) સાંકલ, ખેત, ખડી કી કમાની।
ગંભેરો (સં.) અજીરા, દ્વીપ, વહ કિલા જિસકે ચારોં ઓર સમુદ્ર હો।
ગંભ (સં.) એક મેં સટે હુએ બહુત સે બાલ, સાધુઓં કી જટા, જટિત કેશ।
ગંભારી (સં.) સાધૂ તપસ્વી શિવ, વટવૃક્ષ, બડ કા પેડ।
ગંભારી (સં.) એક ઔષધિ વિશેષ, જટામાંસી, શતાવરિ, કવાલ।
ગંભારુ (સં.) ઇસી નામ કા એક પક્ષી જિસ કા રામાયણ મે વર્ણન હૈ, દશરથ કા મિત્ર, સંપાતી કા છોટા, ભાઈ। [લટિયાં, ગુચ્છિયાં।
ગંભિયાં (સં.) સિરકે બાલોં કી
ગંભર (સં.) ઉદર, પેટ, ગર્ભ।
ગંભર સંબંધી (વિ.) પેટ સમ્બન્ધી
ગંભરાગ્નિ (સં.) પેટ કી આગ, અન્ન પચાનેવાલા, આમે, ક્ષુધા, બુમુક્ષ। જઠરાનલ, ઉદરાગ્નિ।
ગંભર (વિ.) ભારી, ઠોસ, સ્થિર, નિશ્ચલ અચલ, નિર્જીવ, સુસ્ત, મૂર્ખ આલ
ગંભ (સં.) મૂલ કારણ સોનં, મૂક, મૂઠ, પૂંજી મૂલધન, નિકાસ, ઉદ્ગમ, મેલ।
ગંભરાવ (સં.) લાભ, ઝડાઝટ, જોડ
ગંભું (વિ.) ઠીક, ઉચિત, મુનાસિબ।

જડેલ (સં.) બાલ્ય,
જડ્યાકર્ષણ (સં.) ખિંચાવ, કોશિશ, આકર્ષણશક્તિ ।
જડ્યું (સં.) જબડા,
જડ્યુદ્ધિ-મતિ (સં.) મૂર્ખતા સઠતા, કમઅક્કી, બેવકૂફી ।
જડ્યે સુધાર્યે (ક્રિ. વિ.) ઠીક જડ્યા, ઠીક ઠાંક જમાના, દૃઢ કરના, યથાર્થ, સહી ।
જડ્યરત-શીલ (વિ.) મૂર્ખ, મન્દ બુદ્ધિ, હતજ્ઞાન, જ્ઞાનશૂન્ય ।
જડ્યમૂલથી-મૂંથી (ક્રિ. વિ.) બિલકુલ, તમામ- સમૂલ, મૂલ સહિત ।
જડ્યું (ક્રિ) જમાના, જડ્યા જોડ્યા, ઠોકના, બિઠાના, પાના પ્રાપ્ત કરના, ઢૂંઢના, નગ બૈઠાના ।
જડ્યાઈ-મણી (સ.) જડ્યને કી મજદૂરી, પચીકારી કરને કા મૂલ્ય ।
જડ્યાવ દાગીના (સં.) જવાહિરાતોં સે જડે ગેવર ।
જડ્યાવ કામ (સં.) પચીકારી કા કામ નગીને જમાને કા કામ ।
જડ્યાવદાર (વિ.) જડ્યાઉ, જડ્યા હુવા, જડ્યાઈ કિયા હુવા, પચી કિયા હુવા, નગ જડ્યા હુવા, ખચિત, મંડિત, જડિત ।
જડિત (વિ.) જડ્યા હુવા. જવાહિરાતો દ્વારા જડ્યાઈ કિયા હુવા ।
જડિયા (સં.) જડ્યો, બૂટી, જડેં, મૂલ, (ક્રિ) નેંવડાલના, જડ્ જમાના ।
જડિયો (સં.) જડ્નેવાલા, જૌહરી, સુનાર, જડિયા ।
જડી (સં.) મૂલ, મૂરિ, બૂટી ।
જડીબુટ્ટી (સં.) દવાઈ, રુખરી, ઔષધ, મૂળ, જડી બૂટી ।
જણ (સં.) અકેલા, એક, એક મનુષ્ય, વ્યક્તિ, [ઢંગ ।
જણતર (સં.) બાલક, શિશુ, પ્રસવ
જણતી (સ.) મા, માતા, જનની, અમ્મા ।
જણદીઠ (ક્રિ. વિ.) પ્રત્યેક, પ્રતિ-મનુષ્ય ।
જણવું (ક્રિ.) પૈદા કરના, બાલક ઉત્પન્ન કરના, આમેલાના ।
જણાવવું (ક્રિ.) સૂચિત કરના, સાવધાન કરના, સંતાન ઉત્પન્ન સમય સહાયતા દેના, કહના, બતલાના, સુનાના । [જાનના ।
જણવું (ક્રિ.) ઢૂંઢના, ખોજના,
જત (અવ્યય) ઇસ ભાંતિ જાનના, જાનના
જતન (સં.) યત્ન ઉપાય, ઉદ્યોગ।

જતન કરવું (ક્રि.) પ્રબન્ધ કરના, ઇલાજ કરના, રક્ષા કરના, યત્ન કરના,
જંતર (સં.) તાર ખીંચ કર બેઠાને કા એક યંત્ર વિશેષ, સુનારોં કે યહાં તાર ખીંચને કા યંત્ર, જર્તા, જંતેરા।
જતી (સં.) યતી, યોગી, સંન્યાસી જૈન સાધુ (જતીજી)।
જતું રહેવું (ક્રિ.) જાના, ચલે જાના, ખોજાના, ચૂકના।
જબર જસ્ત (ક્રિ. વિ.) આકસ્મિક, સબાન રહિત, દૈવી।
જયા (ક્રિ. વિ.) જૈસા, ત્યોં, જિસ પ્રકાર, જિસ રીતિ। [ઇકટ્ઠા,
જરાએ ય (ક્રિ. વિ.) થોડા ચન્દ,
જથાબંધ (વિ.) ઠીક, ઉચિત, મુનાસિબ, યોગ્ય, યથાર્થ, સત્ય યથાયોગ્ય। [યોગ્યતાનુસાર
જથાશક્તિ (વિ.) શક્ત્યાનુસાર,
જથ્થો-થ્થો (સ.) ઢેર, સમૂહ, સમૂહ, ભીડ, એકત્ર, સભા।
જદિ-ધિ (ક્રિ. વિ.) જોમી, અગરચે, યદિ।
જદા (ક્રિ વિ) જબ, જિસ કાલમેં।
જન (સં.) મનુષ્ય, આદમી, સંસાર।
જનક (સં.) પિતા, બાપ, બનાનેવાલા।
જનકથા (સં.) કહાવત, ગપ્પ-કિસ્સા, પરંપરા ગત કથા, જનશ્રુતિ।
જની-નુની (સં.) માતા, મા, અમ્મા, [સાધારણ, વિશ્વાસ।
જનમત (સં.) પ્રજામત, લોકમત,
જનમારો (સં.) ઉમ્ર, જીવન, જિન્દગી।
જનરીત (સ.) સાધારણ રીતિ રિવાજ, લોકરીતિ, પ્રચલિત રીતિ,
જનશ્રુતિ (સં.) પ્રચલિત બાત, પ્રસિદ્ધ બાત।
જનસ (સ.) નીચ વસ્તુ, દ્રવ્ય, અસબાબ પદાર્થ, જેવર, શેષ ભાગ।
જનસઠી (વિ.) ઉનસાઠ, ૧૯,
જનસણાઈ (સં.) શેષ, બચત બાકી
જનાકારી (સં.) વ્યભિચાર, જિનાકારી।
જનાજો (સ.) મુર્દે કો ઉઠાને કી ટટ્ટી, અર્થી, સંગાતો।
જનાદી (સં.) પૈસા, પાવઆના,
જનાનખાનું (સં.) હરમ, મહલસરા, સ્ત્રિયોં કે રહને કા સ્થાન, જનાના।
જનાની (સં.) સ્ત્રીકી યા ઔરત કૈસા, સ્ત્રીવત્, ડરપોક, કાયર।
જનાના (સં.) દેખો જનાનખાનું
જનાપવાદ (સં.) લોકાપવાદ,

જન્મણ (सं.) श्रीमान्, महाजन, बान एवक शब्द । [बढोही ।
જન્મારૂ (सं.) यात्री, मुसाफिर,
જન્માર્દન (सं., विष्णुकानाम, नारायण,
જન્મવર (सं.) जानवर, जीव, पशु, ढोर, जन्तु, प्राणा ।
જનિતા (सं.) जनित्री, रचयिता, बनानेवाला, कर्ता,
જનુન જનુન (सं.) धार्मिकहठ, व्यग्रता, पागलपण ।
જનુની-ઝુની (वि.) क्रोधी, गुस्सैल तामसी, तुन्दमिजाज ।
જનેતા (सं.) देखो જનની,
જનેઉ (सं.) यज्ञोपवीत, यज्ञसूत्र ब्रह्मसूत्र ।
જંત-તુ (स) प्राणी, जीव, कीड़ा ।
જંત્ર(स.) हथियार, यंत्र, मशीन ।
જંતર મંતર (सं.) नटबाजी, मान-मती, जादू, टुटका, टोना ।
જન્મ (स.) उत्पत्ति, पैदा, उद्भव, अवतरण । [जन्म समय ।
જન્મકાળ (सं) पैदा होनेका समय,
જન્મકુંડલી (स) लग्न कुंडली, जिस-में जन्म समयके नवो ग्रहों को यथा-स्थान रखकर कुंडली बनाईजाती ।
જન્મદોષ (सं.) पैदा समयकाऐब, जन्मदोष ।
જન્મગાંઠ (स.) वर्षगाठ, जन्मदिन ।
જન્મચરિત્ર (सं.) जीवन चरित्र, जीवनी, जीवन इतिहास ।
જન્મતિથિ (सं.) पैदा होनेकी चान्द्र-तिथि, जन्मदिन ।
જન્મથી (कि. वि.) पैदायशसे, स्वभावसे, खुदबखुद । सदासे ।
જન્મદરિદ્રી (सं.) सदाका कंगाल ।
જન્મદેશ (सं.) स्वदेश, मातृभूमि, वतन, वह देश जिसमे पदा हुवाहो ।
જન્મનક્ષત્ર (सं) जन्म समयका नक्षत्र ।
જન્મનામ (सं.) वह नामजो जन्म नक्षत्र के अनुसार रखाजाता है ।
જન્મદિવસ (सं) देखो જન્મગાંઠ
જન્મનો (वि.) माताके गर्भसे, जन्म-का, स्वभाविक, प्राकृतिक ।
જન્મપત્રિકા-ત્રી (सं.) उत्पत्तिके समय ग्रहोंकी चालको देखकर जो-शुभाशुभका बोधक फल पत्रबनाया जाता है । लग्नकुंडली, जन्मकुंडली ।
જન્મપટ્ટી (सं.) कुलीन लोग, शरीफ आदमी,
જન્મબહેરો (वि.) माताके उदरसे बधिर, स्वाभाविक बहरा । [बोल ।
જન્મભાષા (सं.) मातृभाषा देखो
જન્મભૂમી-સ્થાન (सं.) उत्पत्तिस्थान स्वदेश, वतन । [उत्पत्ति काल,
જન્મમરણ (सं.) जनन मरण,

જન્મમહીનો (સં.) જન્મમાસ, જે માસ જિસમેં ઉત્પન્ન હુવા હો।
જન્મમુહૂર્ત અધિકાર (સં.) જન્માધિકાર। [હોનેકે દિનકી રાત।
જન્મરાત્ર (સં.) જન્મરાત્રિ, પૈદા
જન્મરાશી (સં.) જન્મનામકી રાશિ।
જન્મરોગ (સં) સદાકારોગ, માતા કે ઉદરસે સાથ આઈ બીમારી।
જન્મરોગી (સ.) સદાકા બીમાર।
જન્મલેવો (ક્રિ) અવતાર લેના, જન્મ-લેના, પૈદા હોના, પ્રગટ હોના।
જન્માક્ષર (સં.) દેખો જન્મપત્રિકા
જન્માતર (સ.) જીવ કી દૂસરી સ્થિતિ, ઇસ જન્મ કે બાદ।
જન્માંધ (સં.) જન્મ કા અન્ધા, સૂરદાસ।
જન્મોજન્મ (ક્રિ. વિ.) જીવ કે સબ રૂપોં મે, જન્મ હા જન્મ, અનેક યોનિ,
જન્મોત્રી (સં.) દેખો જન્માક્ષર
જપ (સં.) સ્મરણ, યાદ, પુનઃ પુન. માલા કે મણિયો પર દેવતા કા નામ યા મન્ત્રોચ્ચારણ।
જપત (વિ.) જપ્ત, ગિરફતાર, લિયા હુવા, કિસી કે માલ યા જાય દાદ કો ધરોહર કે રૂપ મે રખના।
જપત કરવું, જપતી કરવી (ક્રિ.) જપ્ત કરના, પકડના, પકડના।

જપતપ (સં.) પૂજા પાઠ, તપસ્યા, ધાર્મિક પૂજા, ધાર્મિક ક્રિયા
જપતી (સં.) જપ્તી, ગિરફતારી, પકડ ધકડ।
જપમાળ-માળા (સં.) માલા, સ્મરણી, સુમરની, જપ કરને કી માલા। દાનેદાર માલા।
જપવું (ક્રિ.) સ્મરણ કરના, જપના, ધ્યાન ધરના, ધૈર્યપૂર્વક ઇંતજાર કરના।
જબ્બર (સં.) દબાવ, સખ્તી, જુલ્મ, અન્યાય, કઠોરતા, સ્વતન્ત્ર રાજ્ય।
જબ્બરવું-ઈ ઊઠવું (ક્રિ.) ચમકના, ભયભીત હો જાના, ચૌંકના।
જબ્બર (સં.) ભારી, શક્તિ સમ્પન્ન, કઠોર, બડા, કઠિન।
જબ્બરજંગ (વિ.) બહાદુરાના, વીર, શૂરતાયુક્ત, જંગી।
જબ્બરદસ્ત (વિ.) બલવાન, જાલિમ નિહાયત સખ્ત, કઠોર :
જબ્બરદસ્તી-રાઈ (સ.) સખ્તી, દબાવ, જુલ્મ, અન્યાય, બલાત્કાર।
જબાન-ન (સં.) જિહ્વા, જીભ, ભાષા, ભાષણ, બોલ।
જબાબદાર (વિ.) શીઘ્ર ઉત્તર દેનેવાલા, હાજિર જવાબ, શીઘ્ર ભાષી।
જબાની (સં.) ગવાહી, સાખી :
જબાબ-વાબ (સં.) ઉત્તર, જવાબ :

જમે કરવું (ક્રि.) वधकरना, काटना, कत्लकरना, मारडालना ।

જમે-જમેલો (सं) लबादा, अंगा, चोगा, जामा, कबा ।

જમ-ડો (सं.) यमदूत, अन्तक, कृतान्त, काल, मृत्यु, मौत ।

જમણ (सं.) भोजन, खाना, भक्ष्य ।

જમણવાર (सं.) जेवनार, भोज ।

જમણું (सं.) सीधा, दाहिना, दक्षिण ।

જમરુખ (सं.) जामफळ, अमरूद, बींदू, नाशपाती, सेव ।

જમરુખડી-ખી (सं.) जामफळ, कावक्ष, नाशपातीका पेड़ ।

જમવું क्रि.) खाना जीमना, भोजनकरना, रिश्वतलेना, इकट्ठे होना, जमना । [(हिसाबमें) उत्पन्न ।

જમા (सं.) आगे, जमाकी जगह

જમાઈ (सं.) जँवाई, जामात्र, पुत्रीका पति ।

જમાખરચ (सं.) देखो જમેખરચ आयव्यय, आमद खरच ।

જમાડવું (क्रि.) जिमाना, भोजनकराना, घूसदेना, रिश्वत देना ।

જમાત (सं.) जाति, सभा, मंडली ।

જમાદાર (सं.) हाकिम जमादारी ओहदपर नियुक्तव्यक्ति ।

જમાદારી (सं.) जमादार का काम ।

જમાન (सं.) जमानत, प्रतिभू ।

જમાનો (सं.) समय, वक्त, काल ।

જમાબંદી-બી (सं.) भूमिकर, जमीनका लगान । [औषधि विशेष ।

જમાલગોટો (सं.) जमालगोटा नामक

જમાવ (सं) बहुतायत, भीड़, झुंड, संग्रह, एकत्र ।

જમાવ કરવો (क्रि.) संग्रह करना, इकट्ठा करना, एकत्र करना ।

જમાવવું (क्रि.) जमाना, इकट्ठा करना, गंज करना, ढेर करना जोड़ना, बटोरना, तरक्कीपर लाना ।

જમાવસુલ (सं.) रियासतकी माल गुजारी, सालाना आय, जमा व मुनाफा ।

જમીજવું क्रि.) खाजाना, घूंस या रिश्वतमें रुपये हड़पजाना, जमजाना।

જમીન (सं.) भूमि, पृथ्वी, जगह ।

જમીનદાર (सं.) जमीनवाला, जमीदार, किसान, कृषक ।

જમીનદોસ્ત કરવું (क्रि.) जमीनपर लिटादेना, जमीनपर पड़ना, मार डालना ।

જમે (सं.) देखो જમા

જમેકરવું (क्रि.) रुपया जमा करना ।

જમેખરચ (सं.) જમાખરચ आयव्यय, जमाखर्च । [तरफ ।

જમેપાડું (सं.) हिसाब में जमाकी

જયેષ્ઠા (સં.) છુરી, કટાર, ક્ષુર।
જંપ (સં.) આરામ, વિશ્રામ।
જંપુક (સં.) મીદક, સ્યાર, લડેવા, બંદૂક।
જય (સં.) જીત, પરાભવ, યશ, કીર્તિ વિજય, ફતહ।
જયકરવો (ક્રિ.) મેળવવો (ક્રિ.) યશપ્રાપ્ત કરના, કીર્તિ લાભ કરના, પરાજય કરના, હરાના, જીતના।
જયગોપાલ (સં) વિશેષતયા વૈશ્ય જાતિમેં પ્રણામ કરનેકા શબ્દ વિશેષ।
જયજયકાર (સં) જીત, અભ્યુદય, આશીર્વાદાર્થક।
જયંતિ (સં.) વિજય દિવસ, પાર્વતી કાનામ, વિજય માન, વિજયી।
જયકાળ (સં) બ્રહ્માકા એકનામ।
જયપત્ર (સં.) વહ પત્ર જિસમેં વિજેતાકી જીત સ્વીકારકી ગઈ હો, જીતકાલેખ, અશ્વમેધમેં ઘોડે કે મસ્તકપર જો પત્ર બાંધા જાતાથા।
જયપ્રસ્થાન (સં.) જીતને કે લિયે કૂચ, વિજય પ્રાપ્તિ કે નિમિત્ત ગમન।
જયવાન (વિ.) જીતા હુવા, વિજેતા, વિજયી, વિજયમાન।
જયવિજય (સં.) વિષ્ણુકે દો દ્વારપાલ, જયવિજય।
જયશબ્દ (સં.) જય ઘોષ, જયજય કાર, જીત સૂચક શબ્દ।
જયશાલી (સં.) જીતને વાલા, જયી, વિજયી, વિજેતા।
જયશ્રીરામ, જયસીતારામ (સં.) પ્રણામ સૂચક શબ્દ, પ્રણામ કી રીતિ। [જયોલ્લાસ, જીત કી ખુશી।
જયાનંદ-જયોત્સાહ (સં.)
જયા (સં.) ધનુષ કી ડોરી, પ્રત્યંચા।
જ્યારે જ્યારે (ક્રિ વિ.) જબ કભી, જબ જબ, જિસ જિસ સમય। [તબ,
જ્યારે ત્યારે (ક્રિ. વિ.) અબ ઔર
જ્યાં હાં (ક્રિ વિ.) કહાઁ, કિસ જગહ।
જ્યાહાં જ્યાહાં (ક્રિ વિ.) કહાઁ, વહીં, જહાઁ જહા, જિસ જિસ જગહ।
જ્યાંહાં ત્યાંહાં (ક્રિ. વિ.) પ્રત્યેક સ્થાન, હર જગહ।
જ્યેષ્ઠ (સં.) જેઠ માસ, હિન્દુઓં કા તીસરા મહીના।
જ્યેષ્ઠા (સ.) જેષ્ઠા નામક નક્ષત્ર, ૧૮ વાઁ નક્ષત્ર।
જ્યેષ્ઠ કનિષ્ઠ (વિ.) છોટા બડા, લઘુ દીર્ઘ, બાલક વૃદ્ધ।
જ્યોત-જ્યોતિ (સ.) પ્રકાશ, રોશના, આભા, પ્રતિભા, ચમક, સુરત।
જ્યોતિરૂપ જ્યોતિ સ્વરૂપ (સં.), ઈશ્વર, પરમાત્મા, પ્રકાશમાન।

ज्योतिर्लिंग (सं.) शिव, महादेव।
ज्योतिष (सं.) वेदांग, शास्त्र विशेष, वह विद्या जिस में आकाश के ग्रहों के सम्बन्ध का ज्ञान वर्णन है। [सत्ताईस नक्षत्रों का चक्र।
ज्योतिश्चक्र (सं.) राशि चक्र,
ज्योतिषशास्त्र (सं.) खगोल विद्या, देखो ज्योतिष
ज्योतिषी (सं.) दैवज्ञ, जातिषी, गणितज्ञ, ज्योतिष विद्या जाननेवाला।
ज्र (सं.) द्रव्य, धन, कृपा, दौलत, कमखाब, जरी।
ज्रकसी (वि) सोने के तारों का काम, जरी का काम। [जरातुर, जॉजर।
ज्रज्रा—रीछ (वि.) वृद्ध, जीर्ण,
ज्रज्रांज्यान (सं.) कीमती वस्तु, बहु मूल्य पदार्थ। [डढा।
ज्रठ (वि.) प्राचीन, पुराना, बु-
ज्रथुस्ती (सं.) जोरोस्टर के अनुयायी, पारसी।
ज्रद (सं.) पीणु—पीला, पीत, हरिद्रा के रंग का, ज्रीकुं (सं.) पीला, कपासी, [पत्र।
ज्रदी (सं.) जर्दा, तम्बाकू, तमाल-
ज्रदोज (सं.) सुनहरी तारों का काम करनेवाला।
ज्रम (सं.) भय, डर, त्रास,
ज्रमुं (क्रि.) पचना, हजम होना, सूख जाना, पच जाना।
ज्रा (सं.) बुढापा, वृद्धावस्था, (वि.) किंचित, कुछ, थोड़ा, अल्प।
ज्राक (वि.) थोड़ासा, किंचित्मात्र अत्यल्प।
ज्राअत (वि.) वह भूमि जो वर्षाऋतु के जल से खेती उत्पन्न करती हो।
ज्रायुज (वि.) गर्भजात, गर्भोत्पन्न, पिंडज, मनुष्य आदि।
ज्रस्थान (सं) जेवर, आभूषण।
ज्रीनुं (वि) जिसपर रुपहरे और सुनहरे तारों का कसीदा किया गया हो।
ज्रीपुरानां (वि.) पुराना (वस्त्र)
ज्रीप (सं.) नापनेवाला, सरवेयर।
ज्रेषो (सं.) बारजा, खिड़की की चौखट, झरोखा, खिड़की, गवाक्ष, वातायन।
ज्रोर (सं.) अवश्य, निस्सन्देह। (वि.) आवश्यक, प्रयोजनीय, (क्रि. वि.) वास्तविक, सचमुच।
ज्रोरीआत (सं.) आवश्यकीय कार्य, आवश्यक बात।
झ (सं.) पानी, तोय, उदक, रामशिरैया, पक्षी विशेष।

જલદ-દ્રવ્ય (સં.) તીખા, કડવા, શીઘ્ર, ચર્પરા, કઠોર, ગર્મ, તેજ।

જલધુન્જ (સં.) બેત કા વૃક્ષ, જલન્ધર, જલોદર।

જલદી (ક્રિ. વિ.) શીઘ્ર, તુરત, તેજીસે, ફુર્તીસે।

જલંદરવાળું (વિ.) જલોદર રોગવાલા, જિસે જલન્ધર હો।

જલરી (સં) જુલ્ફી, બાલ કી લટી।

જલસ્નાન (સં) પાની દ્વારા સ્નાન।

જલાદ (સ.) કઠોર, હૃદયી, નિર્દય વ્યક્તિ, બેરહમ, જલ્લાદ।

જલાબેદ્ય (વિ) અપ્રવેશનીય, બેગુજર। [પદવી।

જલાલ (સં.) બડપ્પન, મર્યાદા,

જલાલા (સં) ઠાઠ, ધૂમધામ, શાન શૌકત, વૈભવ, જ્યોતિ।

જલધિ (સં) સમુદ્ર, સાગર, ગહિરા।

જલેબી (સં.) એક પ્રકાર કી મિઠાઈ, જલેબી નામક પ્રસિદ્ધ મિઠાઈ।

જવ (સં.) જો, એક અન્ન કા નામ, (ક્રિ. વિ.) જબ, કબ, મદા, કદા।

જવખાર (સં.) જવાખાર, કાર્બોનેટઆવ પોટાસ।

જવમાળા (સં.) સ્વર્ણ જૌ કી માલા, સુનહલે જૌ કી સ્મરણી।

જવરનાશક (વિ.) જ્વર કો નાશ કરનેવાલા, બુખાર હટાનેવાલા।

જવરવાળું (વિ.) જ્વરયુક્ત, જિસે બુખાર હો ગયા હો। [કમતર।

જવને-લ્લે (ક્રિ વિ.) કદાચિત્,

જવ દેવું (ક્રિ.) જાને દેના, છોડ દેના, ક્ષમા કરના, મુઆફી દેના।

જવાન (ન.) યુવક, યુવા, તરુણ।

જવાંમ (વિ) બહાદુર, વીર, સાહસી। [સાહસ, ૨.મ્મત।

જવાંમર્દી (સં.) બહાદુરી, વીરતા,

જવાબ (સં) ઉત્તર। [તરદાતા।

જવાબદાર (વિ.) જિમ્મેવાર, ઉ-

જવાબદારી (સં) જવાબદેહી, જિમ્મેવારા, ઉત્તર દાયિત્વ।

જવાબ દેવો (ક્રિ) ઉત્તર દેના જવાબ દેના।

જવાબી હુંડી (સ.) વહ હુણ્ડી જિસકા રુપયા ઉસકે સિકરને તક ન દિયા જાવે। જવાબી હુણ્ડી।

જવારી (સં) જ્વાર, એક પ્રકાર કા અન્ન, જ્વારી નામક પ્રસિદ્ધ અન્ન।

જવાસા (સ.) કટીલી ઘાસ, તૃણ વિશેષ, જવાસા નામક પૌદા।

જવાહીર-હેર (સં.) મણિ માણિક્ય, જવાહિરાત, કીમતી પત્થર।

જલધીરત્નનું (સં.) રાજકોષ, વહ ધન का भंडार जिसमे मणि माणिक्य हों ।

જલવું (कि.) जाना, गमन करना, गुम होजाना, अंतर्ध्यान होना, गमन ।

જલવે (सं.) एक प्रकार की नरक्न छड़ ।

જલ (सं.) यश, कीर्ति, शोहरत, लाभ, इज्जत, विजय ।

જલ્લાદ (सं.) जल्लाद, जल्ला,

જલ્લા (सं.) धब्बा, दाग, चिन्ह ।

જલ્લાં (उप.) जैसा, मानिंद, समान ।

જલ્લાં (कि. वि.) जिसजगह, कहाँ ।

જલ્લાંગીર (सं.) विश्व विजयी, संसार को जीतनेवाला ।

જલ્લાંપનાહ (वि.) विश्व रक्षक, संसार का आश्रय, जगत का आसरा ।

જલ્લાજ (सं.) पोतयान, बड़ी नौका जलपोत, समुद्र में चलनेवाली बड़ी भारी नाव ।

જલ્લાન (सं.) विश्व, संसार, जगत भ–(सं.) नर्क ।

જલ્લી (कि. वि.) कहीं, जहा कहीं ।

જળ (सं.) पानी, जल, तोय, उदक ।

જળ કુકડી (सं.) जल मुर्गी, पानी में रहने वाली मुर्गी ।

જળ ક્રીડા (सं.) जलाशय में बराबर वालो के साथ जल छिड़कना आदि जल सम्बन्धी खेल, जल विहार ।

જળચક્રી (सं.) पनचक्की, वह चक्की जो पानी के बहाव से चले ।

જળચર (सं.) जलजंतु, जल में रहनेवाले प्राणी, जलजीव, एक प्रकार की मछली ।

જળજંતુ (सं.) जळ के निवासी जीव, जलचर । [प्रज्वलित होना ।

જળ જળવું (कि.) धधकना आग

જળજળાટ (सं) अत्यन्त उष्णता, बेहद गर्मी, अति प्रकाश, गज मगाहट । [नेत्रों का पानी ।

જળજળીયાં (सं.) अश्रु, आँसू,

જળજળીયાં (सं.) सदा, अश्रुपात ।

જળઝારી (सं.) जल भरने का पात्र, झारी, सुराही, कुंजा ।

જળતરંગ (सं.) जलकी लहरें, पानी के हिलोरें, वाद्य विशेष ।

જળદાહ (सं.) मृतक की जल में अन्त्येष्टि क्रिया । मुर्दे कोपानी मे फेक देना, जलदाग ।

જળ દેવતા (सं.) एक ग्रह, वरुण, जल के अधिष्ठाता देव ।

જળધર (सं.) बादल, मेघ, घन ।

જલનિધિ (સં.) સમુદ્ર સાગર, વારિધિ. [અધિકારી.
જલપતિ (સં.) વરુણ, જલ તત્વોં કા
જલપાન (સં.) કલેવા, કલ્પ, પ્રાતઃકાલીન ભોજન, તરલ પદાર્થ સેવન. [મે રહનેવાલા પક્ષી.
જલપક્ષી (સં.) જલ કા પક્ષી, જલ
જલ પ્રલય (સં.) પાની કી બાઢ, જલદ્વારા નાશ, જલપ્લવ.
જલ પ્રવાહ (સં.) પાની કા બહાવ, પાની કા પ્રવાહ.
જલ પ્રાણી (સં.) જલજંતુ, જલચર.
જલમય (વિ.) સર્વત્ર પાની હી પાની. જલામયી, જલ પ્રલય.
જલમાર્ગ (સં.) પાની કા રાસ્તા, જલ કે દ્વારા રાસ્તા, જહાજી રાસ્તા.
જલયંત્ર (સં.) જલ કે દ્વારા ગતિ પ્રાપ્ત કરનેવાલા યંત્ર, વહ યંત્ર જિસ સે જલદ્વારા કામ લિયા જાતા હો, જલ સમ્બન્ધી મશીન.
જલયાન (સં.) જહાજ, નૌકા, જલ પોત, નાવ, જલમે ચલનેવાલી સવારી.
જલયોધાધિપતિ (સં.) જહાજી બેડો કા હાકિમ, જલસેના કા સેનાપતિ.
જલરહિત (વિ.) સૂખા, શુષ્ક, જિસમેં તરી ન હો, જલહીન.
જલવાસ (સં.) જલ મેં રહના, પાની કા વાસ.
જલ સ્થલચારી (સં.) જલચર ઔર થલચર, વહ જો જલ ઔર થલ દોનોં પર ચલ સકતા હૈ.
જલવું (ક્રિ.) જલના, ભસ્મ હોના, દગ્ધ હોના, દહના, બલના.
જલહલ (વિ.) ચમક, દમક.
જલશાયી (સં.) વિષ્ણુ, જલ મેં સોના, દેખો, જલશાન.
જલાપો (સં.) દ્વેષ, ડાહ, ઈર્ષા, સ્પર્દ્ધા, જલન, કુઢન, ચિંતા.
જલાભાસ (સં.) મૃગતૃષ્ણા, ધોખા,
જલાશય (સં.) સરોવર, તાલાબ, નદી, કૂવા, સમુદ્ર, જલ કા સંગ્રહ.
જલો (સં.) જોંક, લકડી કા ફલક. લકડી કી ચિપ્પટ.
જંઘ-ઘા (સં.) જોંઘ, જંઘા.
જંઘડ (વિ.) સ્વીકૃતિ પર દી હુઈ વસ્તુ. [કી કિતાબ, સ્મૃતિ પુસ્તક.
જંઘડાહી-વહી (સં.) યાદ દાસ્ત
જંઘલો (સં.) યૂરોપ કા, યૂરૂપવાસી, વિલાયતી, યૂરૂપિયન.
જંઘી (સં.) બડા ઢોલ.
જંઘીઓ (સં.) એક પ્રકાર કી છોટી બિરજિસ, ઘુટનોં સે ઉપર જંઘાઓં પર પહિનને કા પાયજામા કાછના, કછ, જાંઘિયા.

જંબુ (સં.) જામુન, ફલ વિશેષ। જમ્બૂ ફળ।

જંબુદ્વીપ (સં.) સાત દ્વીપોં મેં મુખ્ય દ્વીપ, હિમાલય, ઔર નર્મદા કે બીચ કી ભૂમિ।

જંબુડો (સં.) જામુન કા પેડ, જમ્બૂ વૃક્ષ, એક પ્રકાર કા ખિલૌના।

જંબુડું (વિ.) બૈજની, જામુની રંગ।

જંયાં (ક્રિ વિ.) જહાઁ, કહા, જિસજગહ, જો સ્થાન।

જંયાં જંયાં-જયાં ત્યાંયાં (ક્રિ. વિ.) યત્રતત્ર, જહાઁતહા, હર કહીં।

જંયાં તલક (ક્રિ. વિ.) જહાઁ તક જબ તક, તક, યથા સંભવ, યથા સાધ્ય। [કો જીતનેવાલા।

જયાંયાર (સં.) વિશ્વ વિજયી, સંસાર

જયાં લગણ-પેર-સુધી (ક્રિ. વિ.) દેખો જંયાં તલક।

જયાગમ (સં.) સ્વતંત્રતા પૂર્વક આવાગમન, આમદરફત, જાના આના

જઈ (સં.) ચમેલી કા ફૂલ, બેલા કા ફૂલ, જુહી કા પુષ્પ।

જગ (સં.) જગરણ-નિંદ્રા ત્યાગ, જાગના, રતજગા। [વિશેષ।

જગોટણ (સં.) જાયફલ, ઔષધિ

જગતું-ગૃત (વિ.) અનિદ્રિત, જગતાહુવા, બેસોયા, સાવધાન।

જગતું જોત-વ (વિ.) દેખો જગતું

જગરણ (સં.) દેખો જગ

જગરતી-ગૃતિ (સં.) સાવધાની, જાગ, જાગૃતિ, અપ્રમત્તતા।

જગવું (ક્રિ.) જાગના, સાવધાન રહના, અનિદ્રિત હોના।

જગીર-રી (સં.) સરકારકી ઓર સે દીહુઈ મુઆફી (જમીનકી) જાયદાદ।

જગીરદાર (સં.) જાગીરવાલા, જાયદાદવાલા, મુઆફી પ્રાપ્ત।

જગૃતાવસ્થા (સં.) સાવધાની કી દશા, જાગૃત અવસ્થા, જીવિત, સાવધાન, જગનાહુવા।

જાચક (સં.) યાચક, ભિક્ષુક, મંગતા, ભિખમંગા।

જાચના (સં.) ભિક્ષા, ભીખ, પ્રાર્થના, વિનય, દાન।

જાચવું (ક્રિ.) માંગના, યાચના કરના, વિનતી કરના, હાથજોડ઼ના, ઘિઘિયાના, ભીખ માંગના।

જાચું (વિ.) દુખદાયી ભીખ, ક્લેશદાયિની ભિક્ષા।

જાજમ (સં.) બિછૌના, શતરંજી, દરી, ચટાઈ, ગલીચા, જાજિમ।

જાજરમાન (સં.) જ્વાજલ્યમાન, ચમકીલા, પ્રકાશમય, ચૈતન્ય।

જાજરૂ (सं.) पाखाना, संडास, शौचालय, अधम, नीच।
જાટકવું (क्रि) झटकना, पछोरना, झाड़ना, भड़काना। [असभ्यता।
જાડાઈ (सं.) मुटाई, महापन,
જાડું (वि.) मोटा, ताजा, घना, पुष्ट, खद्दड़।
જાણ (सं.) ज्ञान, इल्म, सूचना।
જાણપિછાણ (सं.) जानपहिचान, परिचय।
જાણભેદું (सं.) कपटी, पाखण्डी।
જાણવાજોગ—जानने योग्य,
જાણવામાં—જાણ્યામાં—જાણમાંએ (क्रि. वि.) जो कुछ जानते हो उसके द्वारा अटकल या अन्दाज।
જાણવું (क्रि) जानना, समझना ज्ञात करना, जानलेना।
જાણી-જોઈને (वि.) समझबूझकर, चौकसीसे, सावधानीसे।
જાણીતું (वि.) जानकार, परिचित, घरेलू, मेलवाला, चतुर, गुणी।
જાણે-ઃ (वि.) मानो, यदि ऐसा, ख्याल करताहूं, मुझे जानपड़ताहै।
જાત (सं.) गोत्र, जाति, कौम, वर्ण, भेद, किस्म, प्रकार भाँति, वर्ग, दर्जा, कुटुम्ब।
જાતભાઈ (सं.) गोत्रबंधु, जातिबंधु, कुटुम्बी।
જાતવંત-વાન (वि.) उच्च कुलोत्पन्न, कुलीन, श्रेष्ठ वर्ण का श्रेष्ठ, उत्तम।
જાતિ (सं.) दर्जा, श्रेणी, किस्म, गात्र, कुल, कुटुम्ब, घराना, वंश।
જાતિભેદ (सं.) वर्णभेद, गोत्रभेद।
જાતિભ્રષ્ટ-ભ્રષ્ટ (क्रि. वि.) पतित, जातिच्युत, कुलहीन, जातिसे अलग।
જાતિવેર (सं) प्राकृतिक शत्रुता, स्वाभाविक द्वेष।
જાતિ સ્વભાવ (सं.) जाति का प्रभाव, जातीय आदत, स्वाभाविक विधान।
જાતીય (वि.) कौमी, जाति का।
જાતી વ્યવહાર (सं.) कुटुम्बीय जन, समान वर्ताव, हुक्कापानी।
જાત્યંધ (वि.) जन्मांध, सूरदास।
જાત્યભિમાન (सं.) जातीय गर्व, स्वात्माभिमान। [स्वयं।
જાતે (वि.) अपने आप, खुद,
જાત્રા (सं.) यात्रा, तीर्थ गमन, मेला।
જાત્રાળુ (सं.) यात्री, तीर्थगामी।
જાથુ-ઃ (क्रि. वि.) स्थिरतापूर्वक, पायदारी, यथाविधि, निश्चयपूर्वक।
જાદરણી (सं.) चौथिनी चौदूल्हे के साथ हो

જાદા-દે (વિ.) અધિક, વિશેષ, ઝાઝું.
જાદુ (સં.) ટોના, ટુટકા, ઇંદ્રજાલ.
જાદુગર-ગર (સં.) જાદૂ કરનેવાલા, માયાકાર, માયાવી, ઇન્દ્રજાલિક.
જાદુગિરી (સં.) જાદૂ કા કામ, ટોના, ટુટકા, ઇંદ્રજાલ.
જાદુટોણા (સં.) મંત્ર ટુટકા, બુરે કામ, નિંદ્યકાર્ય.
જાદુમંતર (સં.) ટોના, ટુટકા.
જાન (સં.) પ્રાણ, જીવન, કોમલ હૃદય, હાનિ, ઘાટા, મૂલ્ય, જૌહર, બરાત, જનેત.
જાન આપવી (ક્રિ.) પ્રાણ દેના, દૂસરે કે લિયે પ્રાણોત્સર્ગ કરના.
જાનબ્રમ્મા (સં.) સ્ત્રી પુરુષોં કા દૂલ્હે કે સાથ ચલનેવાલા સમૂહ. બરાતી, જનેતી, બરાત વાલે.
જાનથી મારવું-દેવો (ક્રિ.) જાન સે મારના, વધ કરના, કતૂલ કરના. [જાન પહિચાન.
જાન પિછાન (સં.) પરિચય,
જાનમાલ (સં.) જીવન ઔર ધન.
જાનવર (સં.) જનાવર પશુ, ઢોર, પ્રાણી, જીવ. [ભીતરી.
જાની (વિ.) દિલી, અન્દરની.
જાનીવાસો (સં.) બરાતિયોં કે ઠહરને કા સ્થાન, જનવાસા.
જાનુ (સં.) ઘુટના, જાનૂ.
જાપ (સં.) દેખો જપ.
જાપતો (સં.) રોક, અટકાવ, બન્દોબસ્ત, ધ્યાનાવસ્થિત.
જાફત (સં.) દાવત, ભોજ, જેવન, આદર, સત્કાર, વિલાસ.
જાફરાન (સં.) કેસર.
જાફલત (સં.) બેપરવાહી, અસાવધાની અનિશ્ચિતતા.
જામ (સં.) પ્યાલા, કટોરા, યામ, પ્રહર, રાજા, સુરાહી, શહર.
જામગરી-ગીરી (સં.) બન્દૂકકી ટોપી.
જામણ (સં.) જમાન, જમાનેકી વસ્તુ, પાની દૂધ આદિ જમાનેકા પદાર્થ.
જામદાની (સં.) એક પ્રકારકા સૂતીવસ્ત્ર. [હાકિમ, ખજાનચી.
જામદાર (સં.) સર્વજનિક કોષકા
જામદારખાનું (સં.) સાર્વજનિક ખજાના. [યામિની.
જામની-મિની (સં.) રાત્રિ, રાત,
જામફળ (સં.) નાશપાતી, અમરૂદ.
જામવું (ક્રિ.) જમના, ઇકટ્ઠા હોના, એકત્ર હોના, ઠોસ હોના, સિલે હોના.

અમીન (સં.) જામિન, પ્રતિભૂ, જામનદાર ।
અમીન કરવો (ક્રિ.) જમાનતદાર-કરના, જમાનત કરના ।
અમીનખત (સં.) જમાનત કી ચિટ્ઠી, જમાનતકા તમસ્સુક, નિયમ પત્ર । [હોના । જિમ્મેવાર હોના ।
અમીન થવું (ક્રિ.) જમાનતદાર
અમીનગીરી (સં.) જમાનત ।
અમો (સં.) બડા કબા, જામા, વસ્ત્ર વિશેષ, સભાવસ્ત્ર । [વિશેષ ।
અયફળ (સં.) જાયફલ, ઔષધિ
અયા (સં.) પત્ની, ભાર્યા, ગૃહિણી ।
અયી (સં.) પુત્રી, તનયા, આત્મજા ।
અયો (સં.) પુત્ર, બેટા, તનય, આત્મજ ।
અર (સં.) જ્વાર, જ્વારી, ધાન્ય વિશેષ । યાર, આશના, ઉપપતિ, આશિક । [કારી ।
અરકર્મ (સં.) વ્યભિચાર, જિના-
અરજુ-ભારજુ (સં.) મંત્રોદ્વારા મારણ મોહન । નિર્બલતા યા મૃત્યુ । [છિનાલ, વિષયી ।
અરી (સં.) વ્યભિચારી, જિનાકાર,
અરી કરવું (ક્રિ.) જાલ કરના, શુરુ કરના, આરંભ કરના ।
અરી થવું (ક્રિ.) જાબાર હોના, બેવસ હોના, આરંભ હોના, શુરુ હોના ।
અરી રાખવું (ક્રિ.) ચલતે રહના, મતિમેં રખના, જારી રખના ચાલૂ રખના ।
અર્ (સં.) વ્યભિચાર, છિનાલ ।
અલક્ષ (સં.) નિર્દય, કઠોર, જુલ્મી, અન્યાય, કડા, સખ્ત ।
અવક્ષ (વિ.) જો બાહર ભેજી જાવેગી, જાનેવાલી ।
અવત (ક્રિ. વિ.) જબ, જિસ સમય, જબતક, થોડેમેં ।
અવતચંદ્ર દીવાકર (ક્રિ. વિ.) જબતક સૂર્ય ઔર ચંદ્ર વિદ્યમાન હૈં, હમેશ, પ્રલયકાલતક, સૃષ્ટિ વિનાશ પર્ય્યન્ત ।
અવત નિશાની (સં.) સંક્ષેપચિન્હ ।
અવંત્રી (સં.) જાવિત્રી ।
અવેદાન (વિ.) હમેશા કે લિયે, સદા સદા કે લિયે । [નિત્યતા ।
અવેદાની (સં.) સનાતનત્વ,
અસુક્ષ-સ (સં.) ગુપ્તચર, ભેદિયા, જાસૂસ, હરકારા ।
અસ્તી (વિ.) અધિક, વિશેષ, (સં.) સખ્તી, કડાઈ, ઉગ્રતા, કઠોરતા, બઢતી, બઢાવ ।

ગાંધી (સં.) જૂતે का फूल, जूते पर लगाया जानेवाला फूल ।
ગાંધાન્મ (સં.) नर्क, यमलोक, जहन्नुम ।
ગાંધેર (वि.) प्रकट, खुला, जाहिर ।
ગાંધેરકામ (સં.) सार्वजानिक कार्य, प्रकट कार्य ।
ગાંધેરખબર (સં.) विज्ञापन, विज्ञप्ति, इश्तहार ।
ગાંધેર કરવું (ક્રિ.) प्रकट करना सूचित करना, जाहिर करना ।
ગાંધેરથવું (ક્રિ.) उघड़ना, प्रकट होना, आगे आना ।
ગાંધેરનામું (સં.) ढँढोरा, डुग्गी, मुनादी, डौंडी, इश्तहार ।
ગાંધેરાત (ક્રિ. વિ.) खुल्लमखुल्ला, साफसाफ, प्रत्यक्ष ।
ગાંધેલ (સં.) अज्ञान, हठी, जिद्दी, क्रोधी, बदमाश, जाहिल ।
ગાંધેાઅલાલી (સં.) ठाठ, धूमधाम, शानशौकत, वैभव, ज्योति, चटक। [पाश, फन्दा ।
ગાંણ (સં.) जाल, बचाव, पालन,
ગાંણવવું (ક્રિ.) बचाना, पालना, रक्षा करना, हिफाजत करना।
ગાંણી (સં.) झँझरी, झरोखा, खिड़की, जाल खरीखी, मोहरा।
ગાંધીડ (સં.) बत्ती, बार्ती पलीता । [का, आलीशान ।
ગાંણીદાર (વિ.) जाली के काम
ગાંણું (સં.) मकड़ी का फाँद, खिड़ी, जाला, ओख का जाला ।
ગાંનન (સં.) हानि, टोटा, नुकसान ।
ગાંનાયત (સં.) देखो ગાંદત,
ગાંનાવર (સં.) दूल्हा, वर, बाँद ।
ગાંદ–ર (સં.) हठ, जिद्द, वादानुवाद, शास्त्रार्थ ।
ગાંદર (સં.) दिल, हृदय, मन, कलेजा, हृत्पिण्ड ।
ગાંદોડા (સં.) कुत्ते, गाय. आदि पशुओंकी जूँ, चिचड़ी ।
ગાંદાસા (સં.) पुछार, प्रश्न, मनोगत, जाननेकी इच्छा ।
ગાંદ (સં.) माता, मा जननी ।
ગાંદીમા (સં.) बड़ीमा, दादी. नानी, माता से बड़ी स्त्री ।
ગાંદ (સં.) आमकी गुठली का छिलका ।
ગાંદવું (સં.) गद्दी ।
ગાંત (સં.) जय, विजय, शत्रु पराजय, शत्रुहार, शत्रुपराभव ।
ગાંતવું (ક્રિ.) जयलाभ करना, जीतना, विजय श्री प्राप्त करना ।

જતપેારૂ (વિ.) વિદ્યી, હદી, દિક કરનેવાલા ।
જતનાર (સં.) જેતા, વિજયી ।
જતપત્ર (સં.) વિજયપત્ર, જય પત્ર, જીતકા સાક્ષી પત્ર ।
જતીલેવું (ક્રિ.) જીતલેના, આધીન કરના, વશ કરના, હરાના ।
જતેંદ્રિય (વિ.) ઇન્દ્રિયજીત, જિસને ઇન્દ્રિયો કો વશ કરલિયા હો, જ્ઞાની, વશી, અકામી ।
જદ (સં.) હઠ, જિદ્, સરકશી ।
જદ કરવી (સં.) હઠ કરના, જિદ્ કરના, અડના આગ્રહ કરના।
જંદગાની-ગી (સં.) જીવન, ઉમ્ર, આયુ ।
જદ્દી (સં) હઠી, આગ્રહી ।
જન (સં.) કાઠી, જિન્દ, પ્રેત, ખોગર । [ગોલોક ।
જનત (સં.) સ્વર્ગ, વૈકુણ્ઠ,
જનગર (સં.) કાઠી બનાને વાલા, જીન બનાનેવાલા ।
જન નાખવું (ક્રિ.) કાઠી કસના, તય્યાર હોના ।
જનપેાષ (સં.) કાઠી ઢાંકને કા વસ્ત્ર, કાઠી કા વસ્ત્ર।
જન્નસ (સં.) વસ્તુ, પદાર્થ, દ્રવ્ય।
જન્ની (સં.) ટુકડા, અવયવ ।
જન્ના (સં.) ગોબર, કનૈલા વસ્ત્ર ।
જન્ન-હૈ-હવી (સં.) જિદ્દા, અજ્ઞાન।
જન્ન કરાવવી (ક્રિ.) અલ્પ ભાષણ કરના, થોડાસા બોલના ।
જન્નાળ (વિ.) ગન્દે મુહૅવાલા, મૈલે મુહૅવાલા ।
જન્ની (સં.) જહાજ કા પાલ, જીભી, જીભ કા મૈલ સાફ કરને કી ।
જરાએત (સં.) કૃષિ કાર્ય, ખેતી, કિસાની, જરાઅત ।
જરાપક (સં) જીરાપાક, જીરે દ્વારા બના હુવા પકાન્ન, સુગંધિત ।
જરાફ (સં) અફ્રીકા કા એક ચાપાયા જિસકી અગલી ટાંગે પિછલીકી અપેક્ષા છોટી હોતી હૈ, એક પ્રકારકા ઊંટ । [ચૉંદલ ।
જરેસાળ (સં) એક પ્રકારકા
જરાભરીવાળું (સ.) મસાલેદાર, ખુશબૂદાર, તીક્ષ્ણ, ચટપટા ।
જરૂં (સં.) જીરક, જીરા એક સુગન્ધિત વસ્તુ ।
જર્જું (સં.) પ્રાચીન, પુરાના, વૃદ્ધ, બૂઢા, પરિપક્વ, જર્જરીભૂત ।
જલદ (સં.) પુસ્તક કી જિલ્દ, પુસ્તક કા આવરણ, ગત્તા, પુઠ્ઠા ।
જલદસાર (સં.) દફ્તરી, જિલ્દ બાંધનેવાલા । [માંત ।
જલ્પો (સં.) વિવાદ, વિતણ્ડાવાદ,

જીવ (સં.) પ્રાણ, આત્મા, જિવ, જી, પ્રાણધારી, ચેતન, જાનદાર જન્તુ, દ્રવ્ય, ધન।

જીવ આપવો-કાઢવો (ક્રિ.) અપને પ્રાણોંકો બલિ કરના, આત્મઘાત, પ્રાણોત્સર્ગ। [જ્ઞાત હોના।

જીવ ઉંચો થવો (ક્રિ.) ઉદાસી

જીવ ઉડી જવો (ક્રિ.) પાગલસા હો જાના, હોશ ઉડ઼ના, ઘબરાજાના।

જીવ ખોટો થવો (ક્રિ.) નાખુશ હોના, નારાજ હોના, રુષ્ટ હોના, અપ્રસન્ન હોના।

જીવ ખાવો (ક્રિ.) તંગ કરના, સતાના, દિક્ કરના, થકાના।

જીવગત-સમ (ક્રિ.) દિલી, જિગરી, અતિ પ્રિય, પ્રાણપ્રિય, પ્યારા, કઠિન કાર્ય કરના, ફિક્ર કરના, ચિંતા કરના, સાવધાની સે કામ કરના, ઉદાર હોના. ધર્માત્મા હોના, શાન્ત હોના, ઢીઠ હોના, બહાદુર હોના નારાજ હોના, અપ્રસન્ન હોના, પ્રયત્ન કરના, સતાના, જીવ ખાના, મરના, મારના, વધ કરના, કંજૂસ હોના, કૃપણ હોના, ઉદાસ હોના।

જીવની સમ (સં.) અપની કસમ, મેરી સૌગન્ધ, અપની શપથ।

જીવજંત-જીવડું (સં.) છોટે સકોટે પ્રાણી, જાનવર।

જીવત (સં.) જીવન જીવ, જિન્દગી।

જીવતર (સં.) પૂર્વવત્

જીવતદાન (સં.) જીવનદાન, અભય વચન, પ્રાણ રક્ષા, પ્રાણદાન।

જીવતું (સં.) જીવિત, જિવા, ચૈતન્ય।

જીવત (વિ.) પૂર્વવત્

જીવંત કરવું (ક્રિ.) જિલાના, જીવિત કરના, જિન્દા કરના, સાહસ દિલાના।

જીવતા રહેવું (વિ.) જીવિત રહના, જિન્દે રહના, કાયમ રહના।

જીવતો જાગતો (વિ.) રાજીખુશી, જીવિત ઔર જાગૃત, જીતા જાગતા,

જીવતો જીવ (સં.) જીવિત પ્રાણી, ચૈતન્ય જીવ અમૃત જીવ।

જીવદાર (વિ.) દ્રવ્યપાત્ર, રુપયે પૈસેવાલા, જિન્દા, જીવિત।

જીવન (સં.) જીવિકા, રોજી, ભોજન, અસ્તિ, સ્વત્વ।

જીવનભાણો (સં.) જીવિકા, રોજી, રોટી, કપડ઼ા, નિર્વાહ।

જીવનમુક્તિ (સં.) મોક્ષ, નજાત।

જીવનમુક્ત (વિ.) જીવિત દશામેં હી જ્ઞાનાર્જન કી સહાયતાસે બ્રહ્મ કો સાક્ષાત્કાર કિયે, ઇસ જન્મ હી મેં સંસાર બંધન સેમુક્ત, મહાત્મા।

જીવનાર (સં.) જીનેવાલા।

જીવનવસ્તુ (સં.) જીવિકા, સ્વત્વ।
જીવપ્રાણ (સં.) આત્મા और જીવ જીવન और આત્મા।
જીવમારવો (ક્રિ.) કામ ક્રોધ को शमन करना, જીવ હિંસા करना।
જીવયોનિ (સં.) છોટે છોટે જાનવરોં की શ્રેણી। [મૃત, મુર્દા।
જીવરહિત (વિ.) નિજાવ, બેજાન,
જીવલગ (વિ.) પ્યારા, દુલારા, પ્રાણાધિક પ્રિય, પ્રિય।
જીવવું (ક્રિ.) જીના, જિન્દા રહના, જીવિત રહના, જિન્દા હોના।
જીવસટોસટનું (વિ.) ખતરનાક, ભયહેતુક, જોખિમકા।
જીવહત્યા (સં.) વધ, કત્લ, જીવનાશ, હિંસા।
જીવાઈ (સં.) મુકર્રર જીવિકા, રોજી, આજીવિકા!
જીવાડનાર (સં.) સંરક્ષક, રક્ષવાલા, ઈશ્વર।
જીવાડવું (ક્રિ.) આત્મ રક્ષા करना, નિર્મિત करना, જીના, રહના।
જીવાત (સં.) જીવ, કીડે મકોડે।
જીવાત્મા (સં.) આત્મા, પ્રાણ, જીવ, દેહ। [તેજ।
જીવામ (સં.) સાહસી, શૌર્ય, ઉ-

જીવો (સં.) જવાન, જીમ, રસેન્દ્રિય।
જીવોજીવ (ક્રિ. વિ.) જવાન के સિરેપર, જીમ के અગ્ર ભાગ પર।
જીવિકા (સં.) નિર્વાહ के કારણ, ગુજારે के સબબ। [ઘર।
જીવેલણ (વિ.) દિલી, જિગરી,
જુ (સં.) જૂં, ચીલર,
જુક્તિ (સં.) તદબીર, જુગત, હથૌટી, કારણ, હુનર, યોગ્યતા, રીતિ।
જુખામ (સં.) સર્દી, જુકામ, ઠંડ।
જુગ (સં.) યુગ્મ, દો, જોડા, યુગ, ૪ યુગ, ૧૨ વર્ષ की અવધિ।
જુગજુગ (ક્રિ વિ) ચિરકાલ તક હિલતે હુએ, કાંપતે હુએ।
જુગટું (સં) જુઆ, ધૂત, જૂવા।
જુગતંબા (સં.) દેખો જગદંબા
જુગદીશ (સં) દેખો જગદીશ
જુગમ (સં.) યુગ્મ, યો ઇકઠે, દો એકત્ર।
જુગલ (સં.) દો, જોડા, દોહરા।
જુગાર (સં.) જૂવા, ધૂત, જુઆ।
જુગારી (સ.) જુઆરી, જુઆ ખેલનેવાલા
જુગોજુગ (ક્રિ. વિ.) પ્રત્યેક યુગમય, હર અવસ્થામેં, સદૈવ ચિરંજીવ, સદા।

ગુજ્જ–ક (વિ.) થોડા, કમ, અલ્પ, ક્ષુદ્ર, તુચ્છ, છોટા, હલકા।

ગુજ્જવું (વિ.) અલગ, જુદા, નિરાલા, ભિન્ન, ન્યારા, રંગ બિરંગ, નાનાવર્ણ ।

ગુઠ (સં.) અસત્ય, મિથ્યા, ગલત, અશુદ્ધ, ઝૂઠા

ગુઠણ્ણ (સ.) ઉચ્છિષ્ટ, ભોજન સે બચા હુવા, જૂઠન, જૂઁઠા [ઝૂઁઠ ।

ગુઠાણ્ણ (સં.) અસત્ય, મિથ્યા,

ગુઠાસેગન (સં.) ઝૂઠકિસ્મ, ઝૂઠી સાગન્ધ ઉઠા, મિથ્યાશપથ ।

ગુઠું–ઠું (સં.) ઝૂઁઠા, અસત્ય ।

ગુઠું કહેવું (ક્રિ.) ઝૂઠા કહના, મિથ્યા કહના, અસત્ય કથન ।

ગુઠો (સં.) મિથ્યાવાદી, અસત્ય વક્તા ઝૂઁઠા । [ગપ્પા ।

ગુડી–ડો (સં.) પુલિન્દા, બણ્ડલ,

ગુતી (સં) પન્હૈયાં, પદત્રાણ જૂતા ।

ગુતીખોર (વિ.) જૂતી ખાનેવાલા, સદા પિટોકરા, સદાદોષકે યોગ્ય ।

ગુતીપેજાર (સં.) બેતલી જૂતી, ચપોરા જૂતા, ઢીલી જૂતી, સ્લીપર ।

ગુતીમારવી (ક્રિ.) જૂતિયોંસે પીટના, દોષ લગાના, ધિક્કારના ।

ગુધે–ડુ (સં.) ભીડ, હુંડ, જન સમૂહ ।

ગુધ્ધર્ષ (સં.) વિરોધ, પાર્થક્ય, અલગાવ, ભિન્નતા ।

ગુદું (વિ.) અલગ, પૃથક, ભિન્ન ।

ગુધ–ધ (સં.) સંગ્રામ, રણ લડાઈ, જંગ, સમર ।

ગુનું (સં.) પુરાના, પ્રાચીન ।

ગુનુંખખ (વિ.) બિલકુલ જર્જરિત, જરાજીર્ણ ।

ગુનું પાનું–પુરાનુ (વિ.) પુરાના, વૃદ્ધ, જર્જર, ।

ગુનોપાપી (સં.) પુરાના પાપી, પ્રસિદ્ધ પાપી, [વક્તા ।

ગુબાં–બાન (સ.) દેશભાષા બોલી,

ગુબાની (સં.) સાક્ષી, ગવાહી ।

ગુબલો (સં.) ગુચ્છા, ઝબ્બા ફુંદના લટકન । [તમામ ।

ગુબલે–લ્યે (ક્રિ. વિ.) ઇકટ્ઠે, સબ

ગુબ (સં) બેહોશી કી હાલત, ગફલત ઊંઘ, નીંદ, ઝપકી ।

ગુબ્બો (સં.) જિમ્મેવારી, ઉત્તર દાયિત્વ, અધિકાર ।

ગુબલો (સં.) રકમ, જોડ, ટોટલ ।

ગુબલ્લો (સં.) પૂર્વવત્,

ગુબેરાત (સં.) બૃહસ્પતિ વારકી રાત્રિ,

ગુરત (સં.) શક્તિ, બલ, સાહસ ।

ગુરીબેત (સ.) પૂર્વવત્,

ગુલમ (સં.) અન્યાય, અનીતિ, દબાવ સખ્તી, ઉપદ્રવ, કઠોરતા ।

ગુલ્મ–ત્ત (સં.) પૂર્વવત્

જુલમ કરવો (ક્રિ.) अनीति करना, अन्याय करना, सख्ती करना।
જુલમગાર (सं.) अन्यायी, जालिम, निर्दय, पाषाण हृदयी।
જુલમી (सं.) पूर्ववत्,
જુલાબ (सं.) विरेचन, जुलाब, पेट साफ करनेवाली, धमकी, घुड़की,
જુવતી (सं.) स्त्री, जवान स्त्री।
જુવંતી (सं) पूर्ववत्
જુવા (सं.) एक प्रकार का कीड़ा।
જુવાખાનું (सं.) जुवा खेलने का घर, द्यूत गृह।
જુવારિયો (सं.) जुवारी, द्यूत प्रेमी।
જુવાન-જોધ-પટ્ટો (सं.) तरुण, जवान, युवक, हट्टाकट्टा, बली।
જુવાની (सं.) यौवन, तरुणावस्था।
જુવાર (सं.) ज्वार, अन्न विशेष।
જુવાળ (सं.) ज्वारभाटा, पानी का चढाव, पानी का बढाव।
જુવું (सं.) द्यूत, जूना, पासेका खेल।
જુસરી (सं.) जुआ, जूड़ी, बैलोंके कांधेपर रखनेकी, नाथना।
જુસ્સો (सं.) हलचल, घबराहट।
જુહાર (स.) प्रणाम, नमस्कार।
જે (सर्व.) कौन, क्या, जो, वे, जिनम, जीत।
જેકોઈ (क्रि. वि.) जो कोई, जोभी।
જેજે (क्रि. वि.) जहाँकहीं, जिधर,
જેજેવાપાલ (सं.) प्रणाम सूचक शब्द।
જેજે (सर्व.) जोजो, जोकुछ, जयजय।
જેજેકાર (सं.) जयजयकार, शुभ अभ्युदय, आशीर्वादार्थक शब्द।
જેટલું (क्रि. वि.) जितना,
જેટલે (क्रि. वि.) जब, तबतक।
જેટલે સુધી-લગી (क्रि. वि.) जबतक, उस समयतक, तबतक। जहाँतक। [मास, ज्येष्टमास।
જેઠ (स.) पतिका बड़ाभाई तृतीय
જેઠાણી (सं.) जेठकीजी, पतिके बड़ेभाईकी पत्नी।
જેઠીપુત્ર (सं.) सबसे बड़ा पुत्र।
જેઠીમધ (सं.) ज्येष्ठीमधु, मधुली।
જેઠીમધનો સીરો (सं.) मधूलीका रस, एक प्रकारकी मीठी जड़ का रस।
જેઠેકાણે (वि.) जिसजगह, जिसस्थान, जहाँ कहीं, जहाँ, यत्र।
જેથીગમ (क्रि. वि.) देखो જેમમ,
જેણે (सर्व.) कौन, किसने, जो, जिसने। [चीज।
જેતે (क्रि. वि.) कुछभी, कोई
જેપ્રમાણે (क्रि. वि.) जिस तरह जिस रीति से, अनुसार, जैसे हो।
જેમ (सं.) पूर्ववत्,

જેવડો (ક્રિ. વિ.) જેટલો, બરાબર વાળો, દાખલારૂપાર્થ।
જેવતેમ (ક્રિ.વિ.) જેવે તેવે, યથાતથા।
જેવતું તેમ (ક્રિ. વિ.) જેવાકા તેવા, જેવાકા તૈસા, જ્યોં કા ત્યોં।
જેર (વિ.) વશીભૂત, જીતાહુવા,
જેરડી (સં.) લગામકી કડી, લગામકી જંજીર।
જેર કરવું (ક્રિ.) વસકરના, આધીન કરના, જીતના।
જેરદસ્ત (સં.) કમજોર, દુર્બલ, અશક્ત, છોટા, નીચા, માતહત।
જેરબંધ (સં.) ફીતા યા વસ્ત્ર જો ઘોડેકી લગામકે બાંધા જાતા હૈ ઘોડા ચાબુક, હંટર, પ્રતોદ।
જેરવવું (સં.) સહના, ઠહરના, સુધારના, પચાના।
જેલ (સં.) કારાવાસ, બન્દીખાના, જેલખાના, કારાગાર।
જેવડું (ક્રિ. વિ.) ઇતના ઊંચા, જિતના ઊંચા, [અલ્પાર
જેવર (સં.) આભૂષણ, ભૂષણ,
જે વખતે, જે વારે, જેવેળા (ક્રિ. વિ.) જબકભી, જિસસમય, જબ।
જેવું (ક્રિ.) જૈસા, સમાન, ઐસાકિ।
જેવું તેવું (ક્રિ. વિ.) જૈસા તૈસા, ઐસા વૈસા, જૈસાકા તૈસા, તથા, વહી।
જેષ્ઠ (સં.) દેખો જેઠ, જેષ્ઠિકા।
જેષ્ઠીકૃષ્ણ (સં.) દેખો જેઠીકળ,
જેષ્ઠણી (સં.) હલ, હર, કૃષિયંત્ર।
જેહેર (સં.) વિષ, હલાહલ, ક્રોધ, વિદ્વેષ, ક્રોધ, ગુસ્સા।
જેહેર આપવું (ક્રિ.) વિષ દેના, જહર દેના, વિષપાન કરાના।
જેહેર ઉતરવું (ક્રિ.) વિષકે નશેસે છુટકારાપાના, વિષઉતરના।
જેહેર કચુરો (સં.) કુચલા, એક વિષૈલી ઔષધિ વિશેષ।
જેહેરખાવું (ક્રિ.) વિષ પાન કરના।
જેહેર ચઢવું (ક્રિ.) વિષ દ્વારા બેહોશ હોના, જહરકા નશા હોના।
જેહેરી (સં.) વિષાક્ત, વિષપૂર્ણ, વિષૈલા જહરી દ્વેષી।
જૈન (ધર્મ) બૌદ્ધધર્મ, જિનધર્મ।
જો (અ.) યદિ, અગર, બશર્તેકિ, ઇસ દશામેં (ક્રિ.) દેખના, નિહારના, અવલોકન કરના।
જોઈતું (વિ.) આવશ્યક, જરૂરી, ચાહ ઇચ્છા, પ્રયોજનીય, ઉચિત।
જોઈએ (ક્રિ.) ચાહિયે, હોના ચાહિયે લાજમી હોના આવશ્યક હૈ।
જોઈજવું (ક્રિ.) દેખજાના, નિગહ કરજાના।
જોઉં (ક્રિ) દખું તો, દેખનેદો।

ગોઠ (સં.) ગોઠ, ગામનો વિભાગ.
ગોઠ (અ.) કિંતુપરંતુ, તથાપિ, બાવજૂદકે, તોભી.
ગોખ (સં.) તોલ, માપ, ભાર, પરિમાણ, વજન,
ગોખમ (સં.) દાખિલ, ભાર, રક્ષા કાભાર, ચિંતા. શંકા, ઉત્તરદાતૃત્વ ધન, સોના, ચાંદી, રત્ન.
ગોખરઉતારવો (ક્રિ.) બીમા કરા-દેના, જિમ્મેવારીસે અલગ હોના.
ગોખમકારી (વિ.) હાનિપ્રદ, જોખિમકા, ખતરનાક, ભયહેતુક.
ગોખમદાર (ક્રિ.) જવાબદાર ઉત્તર દાતા, જિમ્મેવાર. [પરખી.
ગોખમાપક (સં.) માપતોલ દેખા-
ગોખમાવું (ક્રિ.) નુકસાન પાના, કષ્ટ ઉઠાના.
ગોખવું (ક્રિ.) તોલના, વજન કરના, પીટના, સખ્ત મારમારના.
ગોગ (સં.) સંયોગ, જોડ, મેળ, (વિ.) યોગ્ય,
ગોગટી (સં.) યોગિન, જાદૂગરની, કાલ્પ તપસ્વિન, મહંતની, સાધ્વી.
ગોગડો (સં.) તપસ્વી, યોગી, વૈરાગી.
ગોગવાઈ (સં.) મૌકા, અવસર, યોગ.
ગોગું (વિ.) યોગ્ય, ઉચિત, ઠીક.
ગોજન (સં.) યોજન, ૪ કોસનો પરિમાણ. [માન હોવો,
ગોજવો (વિસ્મ.) દેખો દેખો, સાબ-
ગોટવું (સં.) પૈરકે અંગૂઠે મેં પહિ-નનેકા ચાંદીકા છલ્લા.
ગોટો (સં.) જોડા, દો. [દોસ્તી,
ગોડ (સં.) જોડા, જોડ મિત્રતા,
ગોડકું (સં.) જોડા, દો,
ગોડણી (સં.) કહાની, અક્ષરવિન્યાસ મેલ, જોડ, સમ્બન્ધ ઉચ્ચારણ.
ગોડલા (સં.) બારહ, દો એક સાથ ઉત્પન્ન.
ગોડવું (ક્રિ) જોડના, સંગ્રહ કરના, ઇકટ્ઠા કરના, એકત્ર કરના, બૈલ જોતના, મિલાના, બૈલોં પર જૂઠા રખના, નાથના.
ગોડા (સ) જૂતી જોડા, દો જૂતિયાં.
ગોડાક્ષર (સં) સંયુક્તાક્ષર, મિલે હુએ અક્ષર.
ગોડાગોડ (ક્રિ. વિ.) પાસ પાસ, નિકટ નિકટ, સટકર.
ગોડી (સં.) દેખો ગોડ
ગોડીગો (સં.) સાથી, સંગી, સહકારી
ગોડુ (સં.) જોડા, જોડુપત્ર, પતિ પત્ની. [સહિત.
ગોડે (ક્રિ. વિ.) સાથ, કે

જોડો (સં.) જૂતા, પદત્રાણ, જોડા।

જોણું (સં.) દેખના, નજર, નિગાહ, દૃષ્ટિ, દેખ।

જોત (સં.) જ્યોતિ, પ્રભા, સૌંદર્ય, પ્રકાશ જલતી હુઈ બત્તી, તેજ, દીપ્તિ।

જોતર (સં.) જોત, જૂડી, બૈલોં ક કંધોં પર રખકર ગલે મેં બાંધને કે પટ્ટે। પટ્ટા।

જોતરવું (ક્રિ.) બૈલ જોતના, જૂડી, રખના, જોડના, જોતના।

જોતાવારમાં (ક્રિ.) તુરંત, ફૌરન, અભી, દેખતે દેખતે।

જોધ (સં.) પુષ્ટ, તગડા, મોટા, બલવાન, યોદ્ધા, લડાકા, ભટ।

જોધો (સં.) યોધા, દેખો જોધ

જોબન (સં.) યૌવન, જવાની, તરુણાવસ્થા, તરુણાઈ, સ્તન।

જોબનવંતુ (વિ.) તરુણ, જવાન,

જોબના-નવંતી (સં.) જવાન સ્ત્રી મદમાતી સ્ત્રી, તરુણ યુવતી।

જોબનીઉં (સં.) દેખો જોબન।

જોબાવું-ઝબવું-જોબુટવો (ક્રિ.) પસીના નિકલના, પસીના છૂટના, સ્વેદ પ્રવાહ હોના।

જોબો (સં.) પસીના સ્વેદ, શ્રમજલ।

જોભ (સં.) ક્રોધ, ક્રુદ્ધ।

જોર (સં.) શક્તિ, બલ, તાકત, પ્રભાવ, પૌરુષ, વેગ, પ્રચણ્ડતા।

જોર કરવું (ક્રિ.) તાકત કરના, વિવશ કરના, દબાના, આડના, રોકના। [શક્તિ કા પ્રયોગ કરના।

જોર મારવું (ક્રિ.) જોર લગાના,

જોરાવર (વિ.) પુષ્ટ, બલી, ખેળ, કબડ્ડી આદિ।

જોરજબરાઈથી, જોરજોર (ક્રિ. વિ) બલસે, જબર્દસ્તીસે, હઠાત્, બલાત્।

જોરાવર (સં.) શક્તિમાન્, બલવાન્ હૃષ્ટ, પુષ્ટ, મજબૂત।

જોરાવરી (સં.) જબર્દસ્તી, બરજોરી।

જોરૂ (સં.) પત્ની, ગૃહિણી, સ્ત્રી।

જોરો (સં.) અધિકાર હક, બલ, દબાવ, તાકત।

જોવરાવવું (ક્રિ.) દિખાના બતાના,

જોવા જેવું (ક્રિ. વિ) દેખને યોગ્ય, આકર્ષણ, દૃશ્ય, દ્રષ્ટવ્ય।

જોવું (ક્રિ.) પરીક્ષા કરના, જાંચના, દેખના, ધ્યાન દેના, સોચના, ખયાલ કરના।

જોશ (સં.) કર્મ, પ્રારબ્ધ, હોનહાર, ઉબાલ, ખદખદાહટ, ક્રોધ, ગર્મી।

જોશી (સં.) ફલિત જ્યોતિષી, ભવિષ્યવક્તા।

ગોષ-ચ્યો (સં.) ક્રોધ, ગુસ્સા.
ગોસતાળ-ઢાળ (સં.) બસ્તા, સ્લેટ કિતાબ કાપી ઇત્યાદિ રખને કા બેગ. બૈલી, બસતા, બસના.
ગોળ (સં.) ચમક, ચમક, ઝુકે હુએ.
ગ્યાદે (ક્રિ વિ.) દેખે ગયા.
ગ્રહ (સં.) બુખાર, તાપ.
ગ્વલિત (વિ.) જલતા હુવા, પ્રજ્વલિત.
ગ્વાળા (સં.) આગ, અગ્નિ, હુતાશન, આગ કી લપટ, આંચ, લૌ.
ગ્વાળામુખી (વિ.) જિસ કે સિરેપર આગ હો, આગ કે મુહંવાલા.

ઝ

ઝ-ગુજરાતી વર્ણમાલા કા બીસવા અક્ષર ૧ લા વ્યંજન.
ઝખ (સ.) મછલી, મચ્છી, મીન.
ઝગઝગતું (વિ.) જગમગાતા, પ્રકાશમાન, ચમકદાર, ચમકીલા.
ઝગઝગવું (ક્રિ.) જગમગાના, ચમકના, પ્રકાશિતહોના.
ઝગઝગાટ (સં.) ચમક, પ્રકાશ. તેજ, જગમગાહટ, લાવણ્ય, ઉજલાઈ.
ઝગઝગ (સં.) ચમક, પ્રભા.
ઝગડ (વિ.) અકેલા, એકાન્ત મેંપેર.
ઝગડો (સં.) ઝઘડો, ઝપડા ટંટા, ફસાદ.
ઝગડુશા (સં.) ગામકી ચાકરવાલી,
ઝગથી (સં.) સનસનાહટ, ઝન ઝનાહટ.
ઝગડવું-ઝગડવું (ક્રિ.) ઘૃણાયુક્ત વર્તાવ કરના, હિલાના, ઝંઝોરના.
ઝટ (ક્રિ. વિ) જલદીસે, ફુર્તીસે, ક્ષણમેં, તુરંત.
ઝટકવું (ક્રિ.) લૂટના, અપહરણ કરના, છિનાલેના, ધોકેસે લેલેના, ભુલાવાદેકર લેલેના.
ઝટકા (સં.) રગડ, ચીંચ, ખિંચાવ લૂટ, હરણ, ધૂંસા, કાટ.
ઝટઝટ-ચટ (ક્રિ. વિ.) જલ્દી, વિનાવિલમ્બકે, તુરંત, તત્ક્ષણ.
ઝટાપટી (સં.) લડાઈ, ઝગડા, છીના ઝપટી, વિવાદ, ટંટા,
ઝટ (સં.) ઝુકાવ, રુઝ, ઇચ્છા.
ઝટકો (સં) ચીર, ચસોટન, ફાડ.
ઝટપ (સ.) શીઘ્રતા, ઝપટ.
ઝટપવું (ક્રિ.) ઝપટના, છીનના, પકડના. [વિવાદ.
ઝટકો (સં) આકસ્મિક ચોટ,
ઝડી (સં.) પાની કી ધારાવર્ષા.
ઝણકાર-રો (સં.) ઝંકારધ્વનિ.

ઝણઝણવું (ક્રિ.) ઝણઝણાવવું, ઝણકાર કરવો, ઝણઝણ કરવો।

ઝનૂન (સં.) ધ્યગ્રતા, હઠ, ચિઢ,

ઝંઝ (સં.) એકભાષા, છંદભાષા।

ઝબકમાં-ઝબ (ક્રિ. વિ.) અચાનક અકસ્માત, એકાએક। [ધૂંસા।

ઝબક (સં.) જલ્દી, શીઘ્રતા, ત્વરા,

ઝબકાવી (સં.) કતલ, વધ, નાશ।

ઝબકવું (ક્રિ.) ગટકવાવું, ઓલવાવું, મારવું, પીટવું।

ઝબકો (સં.) ઑંધી, ઝોકા, વાયુવેગ, ઝપાટ, સપાટા।

ઝબૂકવું (ક્રિ.) મારવું, પીટવું,

ઝબૂકવું-ઝબૂકવું (ક્રિ.) ચોંકઉઠવું, ચમક ઉઠવું, ડરજાવું,

ઝબૂકારો (સં) અચાનક પ્રકાશ।

ઝબોળવું-ઝબોળવું (ક્રિ.) પાણીમાં ડુબોવું, પાણીમાં ડુબોકર હિલાવું।

ઝભ્ભો (સં.) બચ્ચોંકા પહિનનેકા વસ્ત્ર, બચ્ચોંકી ઉપરી પોશાક।

ઝભ્ભો (સં.) જામા, સભાવસ્ત્ર।

ઝમક (સં) તુક, યમકાયુક્ત, કાફિયા, યમક, કવિતા।

ઝમઝમ (ક્રિ. વિ.) ઝમઝમ કી આવાજ સહિત, ચલને કી ધ્વનિ તુક। ધ્વનિ વિશેષ।

ઝમઝમાટ (સં.) ચરપરા ઔર ગર્મ વસ્તુ ખાનેસે કી જલન।

ઝંપ (સં.) વિશ્રામ, આરામ, ચૈન।

ઝંપલાવવું (ક્રિ.) કૂદના, ગિરના।

ઝંપવું (ક્રિ.) આરામ કરના, વિશ્રામ કરના, આનંદ ભોગ કરના, ચૈન કરના।

ઝંપાપાત (સં.) આકસ્મિક પતન।

ઝરડી નાંખવું (ક્રિ) નોચ ડાલના, ક્ષુરેચ ડાલના, ક્ષુરેદના।

ઝરણ (સં.) પાની કા ઝરના પાની કા બહાવ જમીન મેં સે પાની આના।

ઝરમર (સં) હલકા મેહ, ફુહારોં કી વર્ષા, છોટી છોટી બૂંદો કી વૃષ્ટિ।

ઝરમરીયું (સં.) રેશમી કપડા। ગાઢ નામક વસ્ત્ર।

ઝરવું (ક્રિ.) પિઘલના, ચૂના, ટપકના, ધીરેબહના, ઝરના।

ઝરૂખો (સં.) ઝરોખા, ગવાક્ષ, ઝરોડી, બરામદા।

ઝરો (સં.) ફવ્વારા, ફુંહારા, બહનેવાલા, પાની કી તલૈયા।

ઝલાવું (ક્રિ.) પકડે જાના,

ઝળ (સં.) ચમક, પ્રકાશ।

ઝળહળ (વિ.) ચમકીલા, ચમકદાર, પ્રકાશમાન।

અંજીર (સં.) અલાહીરાત, માણિ માનિક્ય, હીરા પન્ના ।
અંજોરી (સં.) ઝૌહરી ।
અંઝકવું (ક્રિ.) ચમકના, ચમચમાહટ કરના, દમકના । [કાટ
અંઝકાટ-અંઝાટ (સં.) દેખો અંઝ-
અંઝવું (ક્રિ.) જલના, દગ્ધ હોના, ભસ્મ હોના ।
અંઝાંઝળાં (સં.) ચમક। [ગાહ
અંધ (સં.) ધુંધલાપન, દૃષ્ટિ, નિ-
અંધારૂં (સં.) એક પ્રકાર કી કપ્ટકયુક્ત ઝાડી, કંટીલા પૌદા ।
અંધવું (ક્રિ.) ઘૂરના, તાકના, ટકટકી ।
અંધી (સં.) દર્શન, લીલા, નજારા।
અંધું (સં.) ધુંધલા, મન્દ, સુસ્ત, ઉદાસ, પીલા, રંજીદા ।
અંબ-બ (સં.) મૅંજીરા, મઝીર, ઝાંઝ, તાલ વાદ્ય વિશેષ, ક્રોધ ।
અંબ ચઢવી (ક્રિ.) ગુસ્સા હોના, કુપિત હોના, ચિઢના ।
અંબર (સં.) ઘુંઘરૂ, મઝીરે, ઝાંઝ,
અંબર્યું (સં.) મૃગ તૃષ્ણા, ધોકા।
અંબર્ષ (સં.) દેખો અંઢાબર્ષ
અંબરો (સં.) બેહતર, ગલિચોં કા ઝાડને બુહારનેવાલા । [ફાટક ।
અંબો (સં.) પૈઠ, દ્વાર, આરંભ,
અંબ (સં.) છાયા, છાયા, પરછાંહી, પ્રતિબિમ્બ ।
અંબવું, ઓંબવું (ક્રિ.) બોદિલ સે દેના, અનિચ્છાપૂર્વક દાન ।
અંબો (સં.) ક્રોધ, અપને શરીરપર આફત યા કષ્ટ સ્વયં કર લેના।
અંભાંભાળ (વિ.) સ્વચ્છતા ઔર પવિત્રતા, સાફસુથરાપન ।
અંભોળ (સં.) પ્રસન્નતા, હર્ષ, ખુશી, આનન્દ ।
અંબળ (સં.) જાડા, પાલા, ઓસ, સબનમ, તુસાર, તુહિન ।
અંબર-ઝ (સં.) જહાજ, બડી નાવ, બડીનૌકા, જલપોત, જલયાન ।
અંબું (વિ.) અધિક, જિયાદા, બહુત । અંબુ (વિ.) પૂર્વવત્ ।
અંટકવું-અંઠવું (ક્રિ.) ઝાડના, ઝટકના, કચરા બુહારના, દોષ દેના, ધુત્કારના, ગાલીદેના ।
અંઠ (સં.) પેડ, વૃક્ષ ।
અંઠકણ (સં.) ફટનેકેબાદ બની હુઈ ધૂલ, પિસ્કોરન ।
અંઠબુડ (સં.) ઝાડપોંછ ।
અંઠપાન-પાંદો (સં.) વનસ્પતિ, શાકબાતિ ।

ઝાડવું (ક્રિ.) बुहारना, झाड़ना, धोबदेना, फटकारना, पौदा, छोटा वृक्ष ।

ઝાડી (सं.) कँटीलापौधा, जंगल ।

ઝાડુ (सं.) बुहारी, झाड़नेकी चीज, जिससे कचरा साफ किया जाता हो ।

ઝાડુ કરનાર (सं.) मेहतर, भंगी, झाड़नेवाळ, साफ करनेवाला ।

ઝાડુકાઢવું (क्रि.) झाडु निकालना, कचरा साफ करना ।

ઝાડુખાવું (क्रि.) हारना, अपमानित होना, चूकना, भूलना ।

ઝાડોજવું-ફરવું (क्रि.) टट्टीजाना, पाखानाजाना, मलोत्सर्ग करना निकटजाना, पासजाना ।

ઝાડો (सं.) पाखाना, दस्त, मलोच्छार, तलाशी ।

ઝાડો બંધ થાય તે (सं.) कावित्र, कब्ज करनेवाले, मलावरोधक ।

ઝાડો લાગવો-ઉતરવો (क्रि.) दस्तलगना, पाखाना होना ।

ઝાડો લેવો (क्रि.) ध्यानपूर्वक तलाशीलेना, दिललगाकर ढूंढना ।

ઝાપટ (स.) थप्पड़ चपत, चाँटा ।

ઝાપટવું (क्रि.) झाड़ना, चमकाना, डांटना, घुड़कना ।

ઝાપડું (सं.) वर्षा की बौछार, पानी की झड़ी ।

ઝાંખ (सं.) अंधेरा, शोक, जाली ।

ઝાંખળ (सं.) अंधेरा, उदासी ।

ઝાંપલો-પો (सं.) सदरद्वार, गांवमे या कस्बे में घुसने का मार्ग या फाटक ।

ઝાંબરી (सं.) फुनसी, ददोरा, फोड़ा, छाला, गूमड़ा, एक प्रकार का फोड़ा ।

ઝાંબવું (क्रि.) तरल औषधि में या पानी में गर्म पत्थर आदिको डुबोना ।

ઝાંયલ (वि.) आगसा, क्रोधी ।

ઝારવું (क्रि.) गर्म पानी से धोना ।

ઝારી (सं.) सुराही, पानी भरने का कुंजा, करवा ।

ઝારો (सं.) एक पात्र विशेष जो रसोई के काम आता है । लोहे का बना पतला गोल तवा सा जिसमे छेदही छेद होते हैं और एक डंडा पकड़ने को लगा रहता है, झर, झारा ।

ઝાલર (सं.) किनारा, गुच्छेदार किनारा, घंटा घड़ियाल, दाल विशेष ।

ઝાલવું (क्रि.) झालना, पकड़ना

ઝાવલી–ળી (સં.) ઘાસ, ચૂજ ।
ઝાંઝી (સં.) ઝુઝવિતક, હિંસેચ્છુક ।
ઝાળ (સં.) અગ્નિ કી લપટ, જ્વાલ, શોઢલે, આગ કી લો ।
ઝાળવું (સં.) કિસી ધાતુ વિશેષ સે ચિપકાયા હુવા । ઝાલન ।
ઝાળવું (સં.) જોડના, ટાંકા દેના,
ઝીકવું (ક્રિ.) પટક દેમારના, બલ પૂર્વક ફેંકદેના ટકરાના ।
ઝીંગુર (સં.) ઝિલ્લી, ઘુરઘુરા. કીટ વિશેષ ।
ઝીઝુંબો (સં.) એક પ્રકાર કા ઘાસ ।
ઝીણાસ (સં.) ખૂબી, ઉત્તમતા, સૌંદર્યતા, ઉત્કૃષ્ટતા, અતિ સૂક્ષ્મતા।
ઝીણું (વિ.) ઉત્તમ, પતલા ।
ઝીત (સં) જીત, વિજય, જય ।
ઝીતવું–ભેળવવી (ક્રિ.) હરાના, જીતના, પરાજય કરના ।
ઝીપવું–ઘવું (ક્રિ.) પકડના, શબ્દ પકડના । [અડિયલ, આગ્રહી ।
ઝીપટો (વિ) હઠી, હઠીલા, ચિડી
ઝીલ (સં.) વહ બડા પાનીભરા હુવા ભાગ જો સમુદ્ર કે કિનારે હો । નીચી જમીન, મિટ્ટી કા એક બડા પાત્ર ।
ઝીલત (વિ.) ભરા પૂર્ણ ।
ઝીલી (સં.) ઝિલ્લી, પતંગીતરહ ।
ઝીલવું (ક્રિ.) લેના, ઝેલના, પકડના ।
ઝીલો (સં.) મિટ્ટી કી સુરાહી યા કરવા ।
ઝુઝવું (ક્રિ.) લડના, જૂઝના, ઝગડના, વિવાદ કરના ।
ઝુટવું–પીંજેવું (ક્રિ.) ઝપટલેના ।
ઝુંડ (સં.) સમૂહ, ઢેર, સમુદાય, ઇકટ્ઠે, યૂથ, દલ, ઠટ્ઠ, મણ્ડલ ।
ઝુંડવું (ક્રિ.) પીટના, મારના,
ઝુંડો (સં.) ઝંડા, ધ્વજા, પતકા ।
ઝુપડી સં.) ઝોંપડી, કુટી, મઢી, ઘાસ, ફૂસ કા ઘર ।
ઝુંટવું (ક્રિ.) ઝૉંચના, ઝપકી લેના ।
ઝુમ (સં.) હલચલ, ઘબરાટ, વ્યગ્રતા,
ઝુમખો (સં.) ગુચ્છ, ગુચ્છા, સમ્પા ।
ઝુમર–ઝુમર (સં.) બત્તિયોં કા ઝાડ, ઝાડ ફાનૂસ ।
ઝુમવું–ળીવવું (ક્રિ.) ઘૂમના, ઇશારા કરના ધ્યાન દેના, ઝૂમના, ડગમગાના, લડખડાના ।
ઝુરવું (ક્રિ.) ઝૂરના, લટજાના, કુમ્હલાના, મુરઝાના, ઝુકના ।
ઝુરાપો (સં.) રંજ, ગમ, ઉદાસી, મુર્ઝાયી દશા ।
ઝુલ (સં.) ઝૂલ, કપડે કી ગોટ ।
ઝુલતું–ઝડતું (વિ.) લટકતા, હુવા, ઝૂલતા હુવા ।

ઝુલ્લો (સં.) ઝુલ્ફેં, બાલો કી લટ ।
ઝુલવું (ક્રિ.) લટકના, ઝૂલના, ઝુલાખાવા (ક્રિ.) ઝૂલના, ઝૂલે કી હર્કત, લહરાના, હિલના ।
ઝુલાખાવા (સં.) પૂર્વવત્
ઝુલો (સં.) ઝૂલા, લટકન, હાનિ ।
ઝુંસરી (સં.) જૂડી, જુઆ, જૂઠા ।
ઝૂસ્ટી (સં.) વિવાદ, ઝગડા, ટંટા ।
ઝૂમ (સં.) હલચલ, ઘબરાહટ, વ્યગ્રતા ।
ઝૂમ્બર (સં.) દેખો ઝુમ્બર
ઝેગ (સં.) ઉત્તમ ખૂબ યા બુરાઇ ।
ઝેપુ (સં.) ચૂલ, ગર્દા ।
ઝેર (સં.) વિષ, જહર, ક્રોધ, દ્રોહ ।
ઝેરવું (ક્રિ.) દેખો ઝંપવું
ઝોક (સં.) મોડ, ઝુકાવ, ટેઢ, રુઝ, ઇચ્છા, આંખોંમેં અકસ્માત, ખૂબ આદિ કા ગિરના ।
ઝોકંડા (સં.) આનન્દ, ખુશી ।
ઝોકવું (ક્રિ.) ઠોંકના, ઝોંસના, ફેંકના ।
ઝોકાવવું (ક્રિ.) અંધે કી ભાંતિ પ્રવેશ, ફેંકના, ચલાના ।
ઝોકું (સં.) ઝોંકા, ઝંપ ।
ઝોટડી (સં.) જવાન ભૈંસ, તરુણ મહિષી ।
ઝોડી દેવું (ક્રિ.) દેખો ઝુડવું
ઝોડ-ળ (સં.) દુરાત્મા, પાપાત્મા
ઝોરણો (સં.) ચમડે કી થૈલી, બેલા, ઝોલા, થૈલી ।
ઝોળી (સં.) પૂર્વવત્
ઝોળું (સં.) મીઢ, ઝુંડ,

ઞ

ઞ=ગુજરાતી વર્ણમાલા કા ૨૧ વાં અક્ષર, ૧૦ વાં વ્યંજન ।

ટ

ટ=ગુજરાતી વર્ણમાલા કા બાઈસવાં અક્ષર, ગ્યારહવાં વ્યંજન ।
ટકટક (સં.) ટિકટિક કી આવાજ, બડબડાહટ, બકબક (ક્રિ વિ.) ટકટક દૃષ્ટિ ।
ટકટકીયું (સં.) બકબકી, બિના પ્રયોજન બોલનેવાલા ।
ટકવું (ક્રિ.) ચાલૂ રહના, જારી રહના, ઠહરના, બહુત દેર કે લિએ ઠહરના, ટિકના, જમજાના ।
ટકાઉ (વિ.) ટિકાઉ, બહુતકાલ તક ચલનેવાલા, દિનોં તક ઠહરને વાલા । [વ્યર્થ ।
ટકિયું (વિ.) બેકામ, નિકમ્મા,

ઠકાવ (સં.) સ્થિરાવ, ઠહરાવ, ચલાવ, ચિરસ્થાયિત્વ ।
ઠકો (સં.) તીન પાઈ, તીન પૈસે, એક પ્રતિશત, સૌકડા એક ।
ઠકોરખાનું (સં.) નક્કારખાના, નૌબત ખાના ।
ઠકોરો (સં.) ડંકા, ઘડી કા શબ્દ, ચોટ, ટંકાર, ધ્વનિ । [મઝાક ।
ઠકોળ (સં.) ખેલ, તમાશા, ઠઠ્ઠા,
ઠકોળીઉં (સં.) મઝાકી, ખિલાડી ઠઠ્ઠેબાઝ । [ઠેલાઠેલી,
ઠક્કર (સં.) મુંહ ભેડ, ઠોકર, કુન્દા, હિસ્કા, બરાબરી, મુકાબલા ।
ઠક્કર મારવી (ક્રિ.) કપાલ સે ટકરાના, ઠોકર મારના, ઢકેલના, રેલના, પેલના, ઓઢ મારના, મુકાબિલા કરના, સામના કરના, બરાબર મેં ખડા હોના ।
ઠક્કર ખેવી (ક્રિ.) ટકરાના, ઠોકર લેના, સામને ખડા હોના, ઠોકર ખેલના ।
ઠગ-ઠગ-ઠગ-ઠગર-ઠગારૂ (ક્રિ. વિ.) ટકટકી બાંધકર રહ કર ઘૂરના, ઉતરે મુહ સે ટકટકી પૂર્વક દેખના ।
ઠગુભગુ (વિ.) શરીરઅસ્થિમાત્ર અવશેષ, અસ્થિપંજર માત્ર રહ જાના । [રૂંવા ઉભા ।
ઠંડ (સં.) નિશ્ચિત સમય, મુકરર સમય, ઠેકાણા (સં.) ઠેકાના, રુપયા પૈસા રખને કી જગહ, સિક્કે ઢાલને કા સ્થાન ટકસાલ, મુદ્રાલય ।
ઠંઠાર (સં.) ઝન્ના શબ્દ, બદુક કે રોદે કા શબ્દ, સિક્કે કા શબ્દ, ઝનકાર ।
ઠંઠોઠંઠ (ક્રિ. વિ.) સમયપર, ભરપૂર, ઠીકઠીક પૂર્ણ, સમ્પૂર્ણ ।
ઠંગડી (સં.) ટાંગ, પૈર,
ઠંગાઈ રહેવું (ક્રિ.) ટંગજાના, લટક જાના, ફંસ જાના, અટક જાના ।
ઠચ (સં.) કસૌટી, શોધ ।
ઠચ દઈને (ક્રિ. વિ.) ક્ષણભર મેં, પલ મેં, નિમિષ માત્ર મેં, તત્કાલ ।
ઠચકી, ઠચકો (સં.) ટંકાર, ધ્વનિ, ચુચકાર, ઢોલ કા શબ્દ, થાપ ।
ઠચલી આંગળી (સં.) સબસે છોટી અંગુલી, કનિષ્ઠકા અંગુલી ।
ઠચાક (વિ.) શૂન્ય, નિરર્થક, વ્યર્થ ।
ઠટ્ટાણી (સ.) છોટી ચોટી ।
ઠટ્ટું (સં.) છોટા ચેહરા, ટટ્ટુ ।
ઠટ્ઠું (ક્રિ.) આલસયુક્ત હોકર બૈઠના, આરામ રહિત હોના, નિષ્કામ હીન હોના, બિકલાના, બિકિયાના ।
ઠઠાર (વિ.) સીધા, ખડા, ઉપર કી ઓર સીધા ।

ક્રુંડી (સં.) વાંસો કી ચાદ, વાંસ કી અથવા ઘાસ ફૂસકી બની દીવાર પાખાના, સંડાસ, શૌચાલય

ક્રુંડુ (સં.) ઘોડા, ટટ્ટુ।

ક્રુંખોર (વિ.) ઝગડાદ્ધ, લડાકા

ક્રુંટો (સ,) ઝગડા, લડાઈ, વિવાદ।

ક્રુંટો કરવો (ક્રિ.) ઝગડા કરના, વિવાદ કરના, લડાઈ કરના।

ક્રુંડેલ (સં.) જહાજ કા કપ્તાન।

ક્રુંક કરીને (ક્રિ.વિ.) ક્ષણ મર મેં, તુરન્ત, ફૌરન્, તત્કાલ।

ક્રુંકવું (ક્રિ.) ટપકના, ઝરના, ચુકના, ઝરના, રિસના, બૂંદબૂંદ કરકે ગિરના।

ક્રુંકાવવું (ક્રિ.) ટપકાના, બૂંદ બૂંદ કર કે ડાલના, બૂંદેં ડાલના।

ક્રુંકું (સ.) બૂંદ, બિન્દુ, કતરા, બલ્બા।

ક્રુંકો (સં.) લગ્ન, જન્મકુંડલી।

ક્રુંકુંક કરવી (ક્રિ.) ગપશપ કરના, બાતચીત કરના, ચર્ચા કરના, બકના।

ક્રુંકી (સં.) ઉસ્તરા તેજ કરને કા ફીતાયા ચમડા રેઝર સ્ટ્રોપ,

ક્રુંકો (સં.) સિર પર ચપત, કલંક, નિન્દા, દોષ, મિટ્ટી કે બર્તન ઠોકબજાકર બનાના।

ક્રુંવું (ક્રિ.) ઉછલના, કૂદના, છલાંગ ભરના।

ક્રુંસીઓ (સં.) ફટી હુઈ જૂતિયાં, પુરાની ફટી હુઈ જૂતિયાં।

ક્રુંકાપી (સં.) ઝગડા, વિવાદ, ટંટા।

ક્રુંકાલ (સં.) ડાક, પોસ્ટ।

ક્રુંપેરવું (ક્રિ.) પીટના, મારના।

ક્રુંપેક્ષ (ક્રિ. વિ.) તુરંત, તત્કાલ, ફૌરન।

ક્રુંપો (સં.) ફાસલા, અન્તર, એક પ્રકાર કા ગીત, લોકવાદ, અફવાહ। [બરતન।

ક્રુંપુટી (સં.) એક છોટા પાની કા

ક્રુંકુંવું-ક્રુંવવું (ક્રિ.) દેખો ક્રુંળવું

ક્રુંળવું-ળી જવું (ક્રિ.) હટ જાના, ચલે જાના, ગાયબ હોના, સ્વસ્થ હોના।

ક્રુંક (સં.) $\frac{1}{80}$ સેર, સેર કા ૭૨ વાં ભાગ, નિબ, લેખની કી પત્તી, લોહલેખની, પેનહોલ્ડર, સમય।

ક્રુંકણી-ચણી (સં.) બાલપિન, પિન, કીલ, ખૂંટી, ટાંગને કી।

ક્રુંકણું (સં.) યોગ, મેલ, ઐન વક્ત, તાતાલ, છુટ્ટી કા દિન, ઠીક અવસર, મૌકા, છોટી ટાંકી, છોટી છેની, છોટી દખાની।

ક્રુંકવું (ક્રિ.) સીના, જોડના, નોટ કરલેના, છેની યા ટાંકીસે ટાંકના।

ટાંકી (સં.) छोटी तलैया, मैथुन सम्बन्धी बीमारी, उपदंश, आतशक।

ટાંકું (सं.) जलाशय, तालाब सरोवर।

ટાંકો (सं.) सीवन, टाँका बखिया।

ટાંગ (सं.) पग, पैर।

ટાંગવું (कि.) लटकाना, टाँगना, लगाना, नत्थी करना।

ટાંગાટોણી (सं.) टाँग और हाथ पकड़कर लटकाते हुए लेजाने की क्रिया।

ટાંચ (सं.) रोक, छंक, कमी, घटी, न्यूनता, लेखनी का पत्ती, निब।

ટાંચ મારવી (कि.) अलग करना, मिलाना, अपनाना।

ટાંચવું (कि.) ढकेलना, भोकना, कोंचना, अल्पव्यय करना, कम-खर्च करना, चिपटना।

ટાંટીઓ (सं.) पग, पैर, पांव, टांग।

ટાંટીઓ કાઢવો (कि.) छुटकारा पाना, नौकरी से प्रभाव हीन कर के हटाना। [का सुंड, टांडा।

ટાંડું (सं.) व्यौपारियों या यात्रियों

ટાંણું (सं.) तेवहार, उत्सव अवसर।

ટાંપ (सं.) चिन्ह, निशान, विराम का चिन्ह, पूर्ण विन्दुका चिन्ह।

ટાંપવું (कि.) घूरना, ताकना।

ટાંચણો (सं.) अंगली कड़कन एक प्रकारका खिलौना, हड्डियोंका चटखन शब्द, औषधि विशेष।

ટાટ–પડી (सं) टाट, टाटपट्टी, चैला, गूदड़, सनकावना एक प्रकारका बिछावन।

ટાપટીપ (सं.) दुरुस्ती, मरम्मत।

ટાપસી (सं.) बातचीत के बीच में अपने लिये बोलने का कुरस।

ટાપસીપુરવી (कि.) बातचीत मे दखलदेना, बीच में बोल उठना।

ટાપુ (सं.) टापू, द्वीप, जजीरा।

ટાપુ'–ડું (सं.) छोटा घोड़ा।

ટાઢક (सं.) शीत, ठंड, जाड़ा।

ટાઢકટ (सं.) ठंडाई, शीतलता, तोषण, तसली, संतोष।

ટાઢાડાટેવા (कि.) बट्टा लगाना, कलंक लगाना, धब्बा लगाना।

ટાઢાડી ઉધરાણી (सं.) बुरी उघाई, बुरी उधार, बुराकरण।

ટાઢાડીઓતાવ (सं.) जूड़ी, जाड़े का बुखार, कम्पज्वर।

ટાઢાડી સિયળ–સિણ (सं.) श्रावण मास के प्रत्येक पक्ष की सप्तमी।

ટાઢું (વિ.) ઠંડા, શીતળ, હાનિકર, ધીમા, મંદ, શાન્તિ, મૌન, ચુપ્પી ।

ટાઢાં પાડવું (ક્રિ.) ઠંડા કરના, બુઝાના, નષ્ટ કરના, શાંત કરના,

ટાઢોડું (સં.) દેખો ટાઢકડું શીતલતા [પીડા, ઝમેલા ।

ટાંટિયું (સં.) બકવાદ, બકબક,

ટાલ-ળી (સં.) કેશહીનતા, ગંજ ।

ટાલ પડેલું (વિ.) ગંજે સિરકા, ગંજા

ટાલિયું (સં.) સિરકા મુકુટ ।

ટાળિયો (સં.) બચી હુઈ ચીજ, છટતીકી વસ્તુ, બચી ખુચી ।

ટાળવું (સં.) હટાના, છાંટના, સરકાના, રદ્દી કરના, ખારિજ કરના, આરામ કરના, સ્વસ્થ કરના, નાપસંદ કરના ।

ટાળો (સં.) બહાના, ટાલમટોલ ।

ટિંગાટોળી (સં.) દેખો ટાંગાટોળી ।

ટિંગાવું (ક્રિ.) દેખો ટંગાવું

ટિચવું (ક્રિ.) મરના, પીટના, (નફરત) આના ।

ટિકિટ-ટિકટ (સં.) ટિકટ, પ્રવેશાધિકાર પત્ર, ડાક વિભાગ કે ટિકટ, સ્ટામ્પ, સૂચક પત્ર, પરચા ।

ટિટોડી (સં.) મોટી, રાંટી, રોટ, રોટા

ટિપકા (સં.) કામ, નૌકરી, શિક્ષારિક્ષ, બીનિકા, પોષણ, ગુજારા ।

ટિપણી (સં.) સપાટતા, અર્થસિદ્ધિ, કૃતાર્થતા, ફાયદા, ઇલાજ ।

ટિપ્પણ (સં.) ચુપ્પી, દિલ્લગી, આનંદ, બનાવટ, પાખંડ ।

ટિપ્પણી (વિ.) રસિક, ઠટ્ઠેબાજ, મસખરા, ખિલાડી [નાટા ।

ટિપ્પું (વિ.) કમ, છોટા, ઠિગના,

ટિટિભાષ (સં.) ચિલ્લાહટ, કોલાહલ, હાહાકાર, શોર ।

ટિટોડી (સં.) બરહી, એક પ્રકારકી ચિડિયા ।

ટિપણી (સં.) યાદદાસ્ત, સ્મરણાર્થ, કુછ લેખ, ટિપ્પણી નોટ, પિટાઈ ।

ટિપણું, ટીપણું (સ.) પંચાગ, પંત્રી, પત્રા ।

ટિપરી (સં.) આવસેર કા માપ ।

ટિપ્પણ (સં.) સંક્ષિપ્ત સ્મરણ લેખ ।

ટિપ્પ (સં) વિરામ, વિરામ ચિન્હ ।

ટિમરુ (સં.) એક પ્રકાર કા ફલ ટિમરુ, તેંદૂ, [ઉત્તરાધિકારી ।

ટિલાયત (સં.) યુવરાજ, વલી અહદ,

ટીંબો (સં.) ટેકરા, ટેકરી, પહાડી ।

ટીકા (સં.) વિવરણ, કિસી વિષયકા માવાર્થ, કઠિન શબ્દ કા સરલાર્થ ।

ટીકા કરવી (ક્રિ.) ટિપ્પણી કરના, અર્થ કરના, સરલાર્થ બનાના ।

ટીકાકાર (सं.) टीका करनेवाला।
ટીકી-કડી (सं.) चांदी या सोने की छोटी सींटिकिया।
ટીકો (सं.) देखो टीपुं
ટીક (सं.) टिड्डी, टीड़ी।
ટીપ (सं.) सूची, फेहरिस्त, कैद, बंधु आई [मारना।
ટીપવું (कि.) कूटना, पीटना,
ટીપું (सं.) बिन्दू, बूंद, टपका, कतरा।
ટીમણ (सं.) सूखा भोजन। [टीका।
ટીલું-લક (सं.) तिलक, चन्दन,
ટીલી-ડેલી (सं.) चोटी, कली, कलिका, शेखी, रंगीला, बांका छैला, अलबेला।
ટુંક-કું (वि.) संक्षेप, सारांश, मुख्तसिर, अल्प, कम, थोड़ा।
ટુંટણું (वि.) टूटे हाथोंका, टूंटा,
ટુંટિયા (सं.) घुटनों के जोड़ में से पैरोंको झुकाने की क्रिया।
ટુંટીક (सं.) एक बीमारी विशेष।
ટુંપવું (कि.) उठाना, चुनना, नोंचना,
ટુંપણિયો (सं.) एक प्रकार की माला, हारकी एक जाति विशेष।
ટુંપો (सं.) फंदा, फांसी,
ટુંપોપંપો (सं.) गले में फूर फांसी लगाना, गले में फन्दा लगाना।
ટુંપો દેવો (कि.) फांसी देना, गले में फन्दा डाल कर लटकाना।
ટુંપો (सं.) निन्दा, तिरस्कार, धिक्कार।
ટુચકી (सं.) चिमटी, चोंटीसी खाल पकड़कर नाखूनसे दबाना।
ટુકડાભાઉ-ભોજ (सं.) द्वारद्वारका भिक्षुक, मँगता।
ટુકડી (सं.) टोली, साथ, भाग, खण्ड, बटवारा।
ટુકડો (सं.) टुकड़ा, हिस्सा, भाग।
ટુચકો (सं.) एक छोटासा दिल बहलानेवाला बखान या वर्णन।
ટુટ (सं.) फूट, वियोग, अलगाव, नाराजी, अप्रसन्नता, [नही।
ટુટક (वि.) बेमेल, टूटाहूवा, एकसाँ
ટુટફાટ (सं.) जुदाई, बिलगता नाराजी अप्रसन्नता। [फटना।
ટુટવું (कि.) टूटना, खंडखंड होना
ટુમકુમી (सं.) किसी विशेष वस्तु बनाके लिये ढोलपीटना, डमडम।
ટુમકું (सं.) जादू टोना, टुटका।
ટુવાલ (सं.) रूमाल, तौलिया अंगोछा।
ટેક (सं.) गर्व, घमण्ड, अहंकार, बखेड़ा रद्दा।

ટેક (सं.) आत्मसम्मान, बड़प्पन, मर्यादा, दृढ़ता, मजबूती, स्थिरता।
ટેકણ (सं.) आश्रय, सहारा, खंभा।
ટેકરો (सं.) टेकड़ा, पहाड़ी, उठी हुई भूमि, ऊँची, जमीन।
ટેકવું (कि.) आश्रयलेना, आराम करना, टिकना, झुकना।
ટેકાવવું (कि.) टिकाना, आश्रय-देना, सहारा देना, ठहराना।
ટેકી-ળું (वि.) जिद्दी, पुष्ट, दृढ, अपनी बातको रखनेवाला, आत्माभिमानी। [यता, थंभा।
ટેકો (सं.) सहारा, आश्रय, सहा-
ટેકો આપવો (कि.) सहारादेना, आश्रय देना, मददेना, सहायता करना।
ટેટી (सं.) तरबूज, खरबूजा।
ટેડું (सं.) पैरका मांसयुक्त भाग।
ટેટો (सं.) शाह बलूतका फल, कड़कने वाला।
ટેડું (वि.) टेढा, तिरछा, आड़ा, मुड़ाहुवा, झुकाहुवा।
ટેવ (सं.) नापनेका फीता, टेव, आदत कैदका फैसला या हुक्म।
ટેબલ (सं) मेज, टछुचौमेज, डेस्क।
ટેબો-ભો सीवन, टाँका, बखिया।
ટેભો મારવો (कि.) सीना, टाँकालगाना।
ટેરવું (सं.) अग्रभाग, सिरा, नोंक।
ટેરો (सं.) पर्दा, मुसहरी।
ટેવ (सं.) आदत, झुकाव, रुख, चलन व्यवहार, अभ्यास, बर्ताव।
ટેવ પાડવી (कि.) आदत, डालना, बान डालना, अभ्यास करना।
ટેવવું (कि.) अटकल करना, अन्दाज करना, कयास करना, आदत डालना, अनुमान करना।
ટેહેલ (सं.) सेवा, बन्दगी, खिदमत गौरसे देख भाल।
ટેહેલીઓ (सं.) सेवक, नौकर, भृत्य सम्बाद दाता।
ટેહેકો (सं.) क्रोध और घृणा।
ટોકટ (सं.) टिर्र, गर्व, घमण्ड, जल्दी, शीघ्रता।
ટોંચણું (सं.) सूआ, छेद करने का औजार, बरमा। [ललकार।
ટોકો-ખો (सं.) अँकुस, आव्हान,
ટોકરી (सं.) घण्टी के भीतर का छोटा लटकन, याजीम।
ટોકવું (कि.) आंकुस मारना।
ટોચ, ટોંચ (सं.) सिरा, अग्रभाग, नोंक, चोटी।
ટોચકું (सं.) गोल चोटी।

ટોચવું (क्रि.) छेद करना, निन्दा करना, अंकुश मारना।

ટોટ (सं.) हानि, घाटा, नुकसान, गले का टेटुवा, नरेटी।

ટોટવો-ચટકાવો (क्रि.) कंठ, पकड़ना, कंठ को टेटुवे के पास से पकड़ना।

ટોડો (सं.) एक प्रकार का कड़ा (आभूषण) टड्डा।

ટોણો-ણું (सं.) ताना, टोना, टुटका, निन्दा, तिरस्कार।

ટોપ (सं.) लोहे का टोप, अंग्रेजी टोपी, भोजन बनाने का पात्र, छाता, छतरी, बन्दूक।

ટોપચી (सं.) निकम्मी कढाई,

ટોપરું (सं) नारियल की गरी, नारियल का गोला, खोपरा।

ટોપલો (सं.) डलिया, टोकरी।

ટોપી (सं.) शिरत्राण, टोपी।

ટોપીવાળો (सं) अंग्रेज, योरोपियन, आंग्ल देशी।

ટોપું (सं.) टोप, टोपा, निकम्मी टोपी, आँखों का ढक्कन, पलक।

ટોપલી (स.) एक छोटा बर्तन जो मुख्यत या पानीपीने के लिये होता है।

ટોયો (सं) एक बड़ा लकड़ का खूंटा जो दीवार में गड़ा हो।

ટોલ્યું-ટાલ્યું (क्रि.) परवाह न करना ध्यान न देना, खयाल न करना।

ટોળ (सं.) हँसी ठट्ठा, मेल, मजाक, दिल्लगी, मजाक, खेल।

ટોળકી-ળી (सं.) दल, जत्था, झुंड, टोली, मण्डली।

ટોળીયો (सं.) भाँड, ठठोलबाज स्वाँगी, मसखरा, हँसोड़।

ટોળું (सं.) झुंड, भीड़, समूह, यूथ, दल, सभा, समिति।

ટોળેટોળાં (सं.) यूथ, दल, सेना, कटक, रिसाला।

ટોહો (सं.) खेल, तमाशा ठट्ठा, कोकिलशब्द, कोयल की आवाज।

ઠ

ઠ=गुजराती वर्णमाला का तेईसवाँ अक्षर, १२ वाँ व्यंजन।

ઠસાવું (क्रि.) मजबूती जोड़ा हुवा, एकदम खूब भक्षण किया हुवा, ठूंसना।

ઠઠ (सं.) कोलाहल, हो हल्ला।

ઠકરાત-ત (सं.) राजपूतकी मर्यादा, बड़प्पन, स्वामित्व, प्रधानता, ठकुराई।

ઠકરાણી-ણી (सं.) ठाकुर की स्त्री, ठकुराइन, प्रधान की स्त्री।

[illegible] (सं.) देखो [illegible]

[illegible] (सं.) भाटिया आदि जातियों की एक पदवी ।

[illegible] (सं.) गठकटा, चोर, धोका देकर चोरी करनेवाला, प्रतारक, धोंडबाज, भुलावा देकर चोरनेवाला।

[illegible]-विद्या (सं.) ठगई, धूर्तता, ठगका काम, माया, छल, कपट ।

[illegible]वुं (क्रि.) ठगाना, भुलाना, धोका देना, प्रतारण करना ।

[illegible] (सं.) दुष्ट कृत्य, नीच कार्य।

[illegible] (सं.) देखो [illegible]

[illegible] (सं.) ठग, छली, कपटी, (वि.) कपटी, छलिया ।

[illegible]वुं (क्रि.) ठगाना, धोका खाना, ठग जाना, प्रतारित होना ।

[illegible] (सं.) यूथ, समूह, झुंड, भीड़।

[illegible]णी (क्रि.) झुंड होना, भीड़ भाड़ होना, भीड़ लगाना, इकट्ठा होना,

[illegible]वुं (क्रि.) निर्बल होजाना, शक्तिहीन होना, कमजोर होना ।

[illegible]वुं (क्रि.) सँवारना, सजाना, सज्जित करना, शृंगार करना ।

[illegible] (सं.) ठाठ, धूमधाम, शान शौकत, दिखावा ।

[illegible]-[illegible] (सं.) मसखरा, मजाकी, दिल्लगी, आवन्दी ।

[illegible]री. [illegible] (सं.) हँसी दिल्लगी, मजाक, परिहास, मनोविनोद।

[illegible]वुं (क्रि.) झनकारना, झंकृत करना, टीसमारना ।

[illegible] (सं.) मटक, चटक, नये प्रकार की चाल ।

[illegible] [illegible] (सं.) ठनठन शब्द, शून्यता, छूछापन, रिक्तता ।

[illegible]वुं-[illegible]वुं (क्रि.) मारना, टकराना, खटखटाना, थपथपाना ।

[illegible] (सं.) दोष, ऐब, धब्बा, कलंक, दाग, बदनामी, धिक्कार, डांट, फटकार, घुड़की ।

[illegible] मुकवो-देवो (क्रि.) दोष देना, कलङ्क लगाना, बदनामी देना ।

[illegible] रहेवो (क्रि.) पीछे कलंक या दाग छोड़ देना । [थपथप ।

[illegible] (सं.) ठोकने का शब्द,

[illegible]वुं (क्रि.) सुडौल चाल, स्वाभाविक ऐंठन से चलना, ठुमक चाल चलना ।

[illegible] (सं.) ठुमका, मटक की चाल, नाचते समय पैरों द्वारा ताल प्रदर्शन।

[illegible] (सं.) गर्व, अहंकार, ठोर ठाठ, झाली धूमधाम, शूर।

ઠઠાબે-ઠેઠબું (સં.) ઉચિત સ્થાન પર, નિશ્ચિત નિવાસ સ્થાનપર, ઠિકાને।

ઠરવું (ક્રિ.) ઠહરના, જમના, દૃઢ હોના, સહના, તય હોના, ફૈસલ હોના, બૈઠના, ઉતરના, ધીમા પ-ડ઼ના, શાંત હોના, ઠિઠુર જાના, ઠંડ સે જમ જાના।

ઠરાવ (સં.) ઠહરાવ, તય, નિપ-ટાવ, ઇરાદા, નિર્ણય, પ્રસ્તાવ, મ-ન્તવ્ય કૌલ, કરાર।

ઠરાવપત્ર (સં.) ઇકરારનામા, વિ-ચારપત્ર, નિર્ણયપત્ર, કિગરી, કુડ઼કી।

ઠરાવવું ઠહરાના, તયકરના, નિ-શ્ચયકરના, નિર્ણયકરના, દૃઢ કરના, જમાના, નિયુક્ત કરના।

ઠરીઠામ (સ.) દેખો ઠરઠામ

ઠરેલ (વિ.) નિશ્ચિત, ઠહરા હુવા, બુદ્ધિમાન, ચૈતન્ય, દૃઢ, સ્થિર, અટલ।

ઠસ-મસ ઠસ (ક્રિ. વિ.) પરિપૂર્ણ, ગલેતક ભરાહુવા, ખૂબ ભરાહુવા।

ઠસ્સાઠ (વિ.) અહંકારી ચટ-કીલા, સિર્ફ્રા મહત્વ પ્રદર્શક, અકડ્।

ઠહેરો (સં.) ચાલ, ઢંગ, ઠસક બાંકી।

ઠાઠવું (ક્રિ.) દિલપર, પ્રભાવ, હોના, મનપર અંકિત હોના, જુલના।

ઠાઠવું (ક્રિ.) મુહર કરના, ચિન્હ કરના, છાપના, ચુસેડના।

ઠાઠીનેબાઠવું (ક્રિ.) દૃઢતાસે કર મરના, અચાલ્ય મરના, ડટકર મરના।

ઠાણિયો (સં.) નીચ, ગુંડા।

ઠાંસવું (સં.) ઠાંસના, ઘાંસના, છાપના, ચુસેડના, ચઢાજાના, દૃઢ કના, ખૂબ ભરના, ખૂબ ઠાંસના।

ઠાંસો (સં.) ખાંસી, ખોખલા।

ઠાકરીઓ (સં.) એક પ્રકાર કા વિષ્ણુ।

ઠાકોર (સ) મૂર્તિ, ઠાકુરજી, દેવ, મુખ્ય, પદવી મુખ્યતયા રાજપૂતોં આદિ ક્ષત્રિયોં કે લિયે।

ઠાકોરજી (સ.) દેવતા, મૂર્તિ।

ઠાકોરદ્વાર-મંદીર (સં.) દેવસ્થાન, મંદર દેવાલય, મૂર્તિગૃહ।

ઠાગે (સં.) ધોકા, છલ, ચાલબાજી।

ઠાઠ-માઠ (સં.) ઠાઠબાઠ, ધૂમ ધામ, દિખાવ, મર્યાદા, પદવી।

ઠાઠ ચલો (ક્રિ.) સંવારના, સજાના, બડ઼ાઈ કરના, બડ઼ાના।

ઠાઠડી (સં.) મુર્દો કો લેજાને કી ખાટી, અર્થી, સંગાતી।

ઠાઠું (સં) પંજર, ઠઠરી, ઢાંચા, શરીરપ્રસ્થાત્ર, અસ્થિ પંજર।

ઠામ (सं.) अस्तबल, घोड़े बंधने की जगह, चौंचला। [बर्तन।
ઠામ (सं.) स्थान, जगह, स्थळ,
ઠામઠામ-ભેઠામ (क्रि वि.) प्रत्येक जगह, जगह जगह।
ઠામ ભેરવું-પડવું (क्रि.) आराम लेना, विश्राम लेना, आराम होना, पुनर्विवाह करना। [कुहर, बर्फ।
ઠાર (स.) जाड़ा, पाला ओस,
ઠાર ઠારવું (क्रि.) वध करना, मारना, कतल करना।
ઠારવું (क्रि.) ठिठरना, ठंढ से जमना ठंडा होना, संतुष्ट करना, बुझाना। [कार होना।
ઠાલવવું (क्रि.) खाली होना, बे-
ઠાલું (वि.) खाली, राता, व्यर्थ, गैर जरूरी, अनावश्यक।
ઠાવકું (वि., दृढ, स्थिर, अटळ, अचल, बुद्धिमान, चतुर, भेली, जानकार।
ઠિકરું (सं.) मिट्टी के बर्तन का टुकड़ा, फूटा हुवा बर्तन, ठीकरा।
ઠિંગડું (स.) कपड़े का छोटासा टुकड़ा।
ઠિંગણું सं. बावना, ठिगना, छोटा, नाटा, छाट कद।।[हँसी।
ઠિઠોરી (वि.) मजाक, दिल्लगी
ઠીક (वि.) उचित, मुनासिब, सौम्य (क्रि. वि.) बहुत अच्छा, अच्छा
ઠીકઠાક (क्रि. वि.) सुप्रबन्ध, समुचित प्रबन्ध, ठीक बन्दोबस्त, उचित।
ઠીઠી (सं) जल्दी की हंसी में दांत दिखाने का कार्य, हंसी, अट्टहास।
ઠીકું (वि.) निकम्मा, निरर्थक, बेकाम।
ઠીબ (सं.) टूटे हुए मिट्टी के बर्तन का नीचेका चपटा भाग।
ઠુંગણું-ઠો (सं.) कलेवा, उपभोजन, भूना हुवा अन्न, चबेना, सिका अन्न।
ઠુઠવવું (क्रि.) ठंढ की अधिकता से ठिठुरना, शीत से काँपना।
ઠુઠું (वि.) ठूँठ ठूँठी ढंठल।
ઠુંડી (सं.) ठुड्डी, ठोढी, चिबुक।
ઠુમરી (सं.) गीत की जाति विशेष।
ઠુસકી (सं.) हिचकी।
ઠેકડી (सं.) हँसी ठट्ठा, नकल।
ઠેકડો મારવો (क्रि.) ठेका भरना, कूदना, फाँदना, उछलना।
ઠેકવું (क्रि.) छलांग भरना, मारना, कूद जाना, उछलना।

ઠેકાણું (સં.) ઘર, મકાન, નિવાસ સ્થાન, જગહ, હાજિરી, નેવ, બુનિયાદ, કારણ, ઉદ્ગમ સ્થાન, પતા, મુકામ, દફતર, કાર્યાલય ।

ઠેકાણું કરવું (ક્રિ) ઉપયોગી કરલેના, કામ કે યોગ્ય બનાલેના ।

ઠેકાણે (ઉપ૰) બજાય, જગહપર, વાસ્તે, અપેક્ષા ।

ઠેકાણે કરવું (ક્રિ.) ઉચિત સ્થાનપર સ્થાપિત કરના, છુપાના ।

ઠેકાણે થવું (ક્રિ.) ઉચિત સ્થાનપર હોના, અપને આપકો છુપાના ।

ઠેકાણે પડવું (ક્રિ.) મુકામપર પંહુચના, જીવન માર્ગ પાર કરના ।

ઠેકાણે રહેવું (ક્રિ.) દૂરદર્શી હોના, વિચારશીલ હોના, પરિણામદર્શી હોના । [તક ।

ઠેક (ક્રિ. વિ) આખિરતક, અત-

ઠેકવું–પોહોંચવું (ક્રિ) ઠેઠ પહુંચના, સિરેપર પહુંચના, સ્થાનપર પહુંચના । [ક્રિયા ।

ઠેબું (સં.) મીઠી રોટી, મીઠીરોટિ

ઠેપાડું (સં.) ધોતી ।

ઠેબો–બો (સં.) દેખો ઠેબો ।

ઠેરવવું (ક્રિ.) નિશ્ચય કરના, ઠહેરાના, તયકરના, હઠકરના દૃઢ કરના ।

ઠેરાવ સં.) ઠહેરાવ, પ્રસ્તાવ ફૈસલા, નિર્ણય, વિચાર, ઇકરાર, ઔક, કરાર, ટીકા, સફાઈ, મંગની ।

ઠેલમઠેલા (સં.) ધક્કમધક્કા, રેલા

ઠેલવું (ક્રિ) રેલના, ધકેલના, ધુસેડના।

ઠેલાઠેલ (સ) દેખો ઠેલમઠેલા,

ઠેસ (સં.) ઠોકર, હાનિ, ટોટા, ગાંઠ સુઈ, કીલ, ખૂટી।

ઠોંસવુ (ક્રિ.) ખાસના ।

ઠોંસો (સ) કફ, કાસ, શ્વાસ, ખાંસી, ઘૂસા, મુક્કા । [કલંક ।

ઠોકર (સં.) ચોટ, ધૂંસા, દોષ,

ઠોકર (સં) દેખો ઠેસ ।

ઠોકર ખાવી (ક્રિ.) ઠોકર ખાના, નસીહત લેના, પાઠ સીખના ।

ઠોકરાવું (ક્રિ.) ઠુકરાના, લાત મારના, અટકલ કરના ।

ઠોઠ (સં.) મૂર્ખ, મન્દ બુદ્ધિ ।

ઠોબડું–બું (વિ૰) બેઢંગા, ભદ્દા, બેડૌલ ।

ઠોબારી (વિ.) દેખો ઠોઠ

ઠોર (સં.) ઘર, મકાન, નિવાસ સ્થાન, ઠૌર નામક પકાન, મિઠાઈ વિશેષ ।

ઠોર કરવું (ક્રિ.) વધ કરના, મારના, કતલ કરના ।

ઠોરિયો–રીયો (વિ.) મૂર્ખ, પામર ગંવાર, હૈસોડા, ઠહેરાવ ।

ઠોલવું (ક્રિ.) રોકના, ઠહેરાના ।

ઢોબાડું (वि.) मूर्ख, गंवार, पागल, बेवकूफ, बुद्धिहीन।

ઢોબાણાં (सं.) एक प्रकार की कानों में पहिनने की बाली।

ઠ

ઠ=गुजराती वर्णमाला का चौबीसवां अक्षर, तेरहवां व्यंजन।

ઠંક-ઠ (सं.) डंक, चभक, जहरीला कांटा, गुप्त स्पर्श ज्ञान, वैर, विरोध, डाह, लाग, द्वेष।

ઠંકવું-ઠવું (क्रि) काटना, डंक मारना।

ઠકી-ઠી (वि.) ठोही, अहितकारी बदला लेनेवाला, प्रत्युपकारेच्छु।

ઠકાળ (सं.) अकाल, दुर्भिक्ष।

ઠકોટો (सं.) घाट, बांध, पुश्ता।

ઠમો (सं.) चलावा, लम्बीचाल, डेग, कदम, पदविन्यास।

ઠમઠમ—ઠમું ઠમું (वि.) चंचल, अस्थिर, कांपनेवाला, डावांडोल, चलायमान, स्थिर न रहनेवाला। [दुविधा।

ઠમઠમો (सं.) पशोपेश, शक सन्देह

ઠર (सं) मार्ग, रास्ता, पथ, पद्धति, पेड़ा, पहिये की लकीर।

ઠરડ (सं.) पशु, ढोर, मवेशी, चौपाये जानवर।

ઠરડી-ડો (सं.) फिर्राट, फर्राट, कोट, अंगरखी।

ઠરવું (सं.) पाद चिन्ह, सीढी।

ઠરવું (क्रि.) हिलना, कांपना भटकना।

ઠરણું (सं.) जो दुखदायी भैंस या गाय के गले में लकड़ी या लकड़ी का टुकड़ा बांधा जाता है।

ઠરો (सं.) बड़ा ढोल, पणव।

ઠંભ (स.) देखो ઠંક

ઠંભ (वि.) चकित, विस्मित, आश्चर्यान्वित, अचंभित।

ઠંબી (सं.) नाव, छोटी नाव, डोंगी।

ઠંબો (सं.) बलवा, दंगा, हुल्लड़, गुलमपाड़ा, बखेड़ा, बगावत।

ઠંબોરો (वि.) लाठी, सोटा, डण्डा,

ઠઅ (वि.) मुंहसे "नहीं" प्रदर्शित करने के लिए टिचकारी, पशु हांकने की टचकारी।

ઠઅકવું (क्रि.) चमकना, चौंकना, झिझकना, डरना। [टचकारी।

ઠઅકારી (सं.) "आ" प्रदर्शक

ઠઆરવું-ઠું (सं.) घर या रंजका आवश्यक आधार।

ઠઇચો-ઠો (सं.) काम, घाट, कार्य।

૩૭૭ (ફા.) દર્પણ, આરસી, ૧૨,
૩૬ (સં.) દણ્ડ, જુર્માના ।
૩૬વું (ક્રિ) દણ્ડ દેના, જુર્માના કરના । [જુર્માના દેના ।
૩૬વું (ક્રિ.) દણ્ડિત હોના
૩૬ો (સં.) એક મોટા સોટા, મારી લાઠી । [ધમકી,
૩૭૩વું–૩૭વું (સં.) ધુડકી,
૩૭૭ી (સં.) ડુબકી, ધુડકી, ગોતા।
૩૭૬ો (સં.) બૂંદ, બિન્દુ, બચ્ચા, દાગ, ડર, ભય, ખૌફ ।
૩૭૮વું–૮ીણેસવું (સં.) ગુપ્ત કારણોં સે અધિકાર પ્રાપ્ત કરલેના । ઘુસ બૈઠના । [કા બેલા ।
૩પોટો (સં.) શક્કર ઇત્યાદિ ભરને
૩પોણું (સં.) લાઠી, છડી ।
૩૬–ણું (સં.) ખૌંજરી, દફ, ચંગ।
૩૬૩વવું (ક્રિ.) ચલાના, ફેકના, પાની મેં ઘુમકાના યા ઉસકાના ।
૩૭૩વવું (ક્રિ.) ગાડના, દફન કરના । [ઘાટ ।
૩૬ાણું–૩૬ુલ (વિ.) મૂર્ખ, ગૅવાર,
૩૬ંસ (સં.) ગપ્પ, ગૂંઠ, અફવાહ।
૩૭૬ંખાવું (ક્રિ.) ઝુકકર ગિરના ઔંધે હોકર ગિરના, ઢલકના, પુકારેં ખાના । [૩૭૩વું ।
૩૭૩વું–૩૭ું (સં.) દેખો ૩૭૬ી–૩૬ું (સં.) દેખો ૩૭૬ી ।
૩૭૩૭ (વિ.) તેજી સે, શીઘ્રતા સે ।
૩૭૬ું (સં.) ચમડે કા બેલા ।
૩૭૬૭૩૭વું (ક્રિ) ગડપગડપ ખાના, જલ્દી સે નિગલના, હડપના ।
૩૭ી–૩૭ી (સં.) ડિબિયા, છોટી સન્દૂક યા ડિબ્બા ।
૩૭ો–૩૭ો (સં.) છોટી સન્દૂક, ડબ્બા, કાગજ કી લપટેન, પ્રાસ, પગડી, પશુઓં કા હારા ।
૩૭ોવવું (ક્રિ.) ડુબોના, બોરના, ડુબાના, ગોતા ખિલાના નષ્ટ કરના।
૩૭૬ો (સં.) એક પ્રકાર કા દફ ।
૩૭૩૭ (સં.) ડમડમ, પટાવ શબ્દ।
૩૭૩ (સં.) એક પ્રકાર કા ઢોલક ડમરૂ, વાદ્ય વિશેષ ।
૩૬૩ (સં.) બકબક, બકવાદ ।
૩૬૭ (સં.) ધર્મ વિરુદ્ધતા ।
૩૬૨ (સં.) મિથ્યા દિખાવા, ઢોંગ, ટીમટામ, બનાવટ, દિખાવા ।
૩૨ (સં.) ભય, ભીતિ, શંકા, આતઙ્ક ।
૩૭૩૨ (ક્રિ વિ.) ધડકન, ધડકન।
૩૨વું–૨૭વું (ક્રિ.) ધમકાના, ડરના । [વાક, ડરાના ।
૩૭૭ું (વિ.) ભયાનક, ખૌફ-

ડાવવું (ક્રि.) डराना, भय प्रदर्शित करना ।

ડાવી-ળી (सं.) ऊनका कपड़ा या नमदा जो काठी के पहिले घोड़े पर रखा जाता है ।

ડાંશ-ખ (सं.) एक बड़ा हरा मच्छर, या मक्खी, धातु का जोड़ या झालन ।

ડાંખલી-ળી (सं.) शाखा, डाल, पल्लव, डाली, टहनी । [लाठी ।

ડાંગ (सं.) एक बड़ा, मोटा लट्ठ

ડાંગર-ગેર (सं.) ढोर, छिलकों युक्त चावल ।

ડાંડ-ગો (वि.) अकेला, बेशरम, निर्लज्ज, खुले मुखका ।

ડાંડાઇ-ગી (सं.) बेईमानी, दुष्टता, डंडीपना ।

ડાંધિયું (सं) फटे हुए कपड़े को निकालकर फिर से जोड़ा हुवा कपड़ा, पहले वाला हुवा कपड़ा ।

ડાંડિયો (सं.) छड़ी का छोटा सा टुकड़ा, चिल्लाने वाला, ढिंढोरा पीटनेवाला, निलर्ज्ज जन्तु, बेहूदा, गँवार ।

ડાંડી (सं.) तराजू की डंडी, छोटी छड़ी, डंडी, छोटा ढोल, सीधा खड़ा, खम्भा । [दण्ड, खंभा ।

ડાંડો (सं.) मूठ, हत्था, लम्बा डाँस (सं.) मच्छर, डाँस ।

ડાક (सं.) डाक, मेल ।

ડાકચોકી (सं.) डाक की चौकी या मुकाम ।

ડાકટર (सं.) वैद्य, हकीम ।

ડાકણ (सं.) डाइन, डाकिन, डाकिनी । [बिगुल ।

ડાકલું (सं.) एक प्रकार की तुरही,

ડાકિયો (सं.) भुखमरा, पेटू, खाऊ।

ડાકો (सं.) लुटेरों का आक्रमण, डाका ।

ડાભલું (सं.) देखो ડાકલું ।

ડાગળી ખસવી (क्रि.) देखो ડાગળી ચસવી

ડાગળી ચસવી (क्रि.) पागल होना ।

ડાગળો (सं.) तमाशा करनेवाला चंचल खिलाड़ी, भाँड, नट ।

ડાઘ (सं.) धब्बा, निशान, दाग बैर, डाह, वहा, कलंक, गाड़ी ।

ડાઘા ડુઘા (सं.) धब्बे, दाग ।

ડાઘી-ઘું (वि.) द्रोही, ईर्षालु ।

ડાઘીગો (सं.) जंगली कुत्ता, बनैला कुत्ता, अति क्रूर श्वान ।

ડાધુ (सं.) वह जो मृतक की अर्थी उठाता है या मृतक संस्कार में सम्मिलित होता है ।

ડાગેલ (સં.) અંકિત, દાગલગા હુવા, ચલ્લા, લગાવા હુવા, કલંકિત।
ડાગો (સં.) ચલ્લા, દાગ, કલંક।
ડાચું (સં.) જબડા, મુખ, શકલ।
ડાચો (સં.) દેખો ડચ્ચો।
ડાટ (સં.) નાશ, બર્બાદી ।
ડાટખું (સં.) ચૌકટ ।
ડાટો (સં.) દેખો ડચ્ચો।
ડાટવાળવો (ક્રિ.) બર્બાદ કરના, નાશ કરના, નષ્ટ ભ્રષ્ટ કરના ।
ડાટવું (ક્રિ.) ગાડના, જમીન કે નીચે છુપાના, મટ્ટી દેના ।
ડાડું ભરવું–ભારવું (ક્રિ.) કાટના, કુતરના, દાત સે કાટના ।
ડાબાજમણી (ક્રિ. વિ.) દાહિને ઔર બાયે, દાયેં બાયેં, દક્ષિણ ઔર વામ ।
ડાબીયળ (વિ.) બાયી તરફ ।
ડાબુ (વિ.) બાયૉ, વામ ।
ડાબેરી (વિ.) દેખો ડાબીયળ
ડાભ (સં.) એક પ્રકાર કી ઘાસ, દર્ભા, કુશા, પવિત્ર ઘાસ ।
ડામ (સં.) ગર્મ વસ્તુ કા દાગ જલી હુઈ ગર્મ વસ્તુ દ્વારા દગ્ધ ।
ડામદેવા (ક્રિ.) અપમાન કરના, ગાલી દેના, નિન્દા કરના, તાના દેના, દગ્ધ કરના
ડામ ચાંપવા (ક્રિ.) પૂર્વવત્
ડામચીયો (સં.) લકડી કી ટિકટી, લકડી કી બની તિપાઈ ।
ડામણ (સં.) પશુ કી આગે કી ઔર પીછે કી એક એક ટાંગ બાંધને કી રસ્સી ।
ડામર (સં.) ડમ્મર, ડામર નામક એક દુર્ગન્ધ યુક્ત ઔર કાલા તરલ પદાર્થ ।
ડામવું (ક્રિ.) ગર્મ વસ્તુ દ્વારા દગ્ધ કરના, ડામ દેના, બાંધના, કલંક લગાના ।
ડામાડોળ (વિ.) હિલતા હુવા, અસ્થિર, ડગમગ, ચલાયમાન, ડાવા ડોલ । [દગ્ધ ।
ડામેલ (વિ) ડામ દિયા હુવા,
ડારો (સં) ધમકી, ઘુડકી ।
ડહાપણ (સ.) ચતુરતા, હોશિયારી વિચાર, બુદ્ધિ । [કલમન્દ ।
ડાહ્યો (સં.) ચતુર, બુદ્ધિમાન, અ-
ડાહીનો ધોકો (સં.) અન્ધે કી લાઠી ।
ડાહી રીતે (ક્રિ. વિ.) બુદ્ધિ માની સે, અકલમન્દી સે, બુદ્ધિદ્વારા ।
ડાળ–ળી (સં.) શાખા, ડગાલી, ટહની, પલ્લવ ।
ડાળાં–ખીખડું (સં.) પલ્લવયુક્ત શાખા, પત્તોં સહિત ટહનિ ।

ઢોર (सं.) ढेर, समूह, झोंग, ढेकली, गपशप।
ઢોરડું (सं.) लकड़ का टुकड़ा, ठूंठ।
ઢોરી (सं.) डोंगी, छोटी नाव।
ઢોલડું (सं.) देखो ઢોલું।
ઢોલણ (सं.) लोकवाद, चर्चा, अफवाह, गपशप, किम्वदन्ती।
ઢોલ-ડું (सं.) गांठ, ढेर, राशि, टाल, पेड़कातना जिस से पतियां निकलती है, ढंठा।
ઢોલ-ડોલો (सं.) स्तन, चूची की घुंडी, स्तन मुख, बोंडी की डेपुनी।
ઢોલાં (सं.) मोटी छोटी लकड़ियां या लट्ठ।
ઢોલી નાંખવું (क्रि.) किसी न किसी प्रकार खतम करना, किसी तरह पूरा कर डालना।
ઢોલું (सं.) शरीर का निकला हुवा भाग, सूजन, फुलाव, गिलटी।
ઢોલો (सं.) सिसकी, आह।
ઢોલ્યું (सं.) देखो ઢોલ્યું
ઢોંગર (सं.) पहाड़, पर्वत, भूधर, गिरि, टेकड़ी, पहाड़ी।
ઢોંગરપટ (वि.) पहाड़ी की, पार्वती,
ઢોંગરી (सं) टीला, छोटी पहाड़ी।
ઢોંગલો (सं.) प्याज, कांदा,
ઢોંગો (सं.) धूमपान करने की नली, हुक्का, चोर, मुख।

ઢોંચવું (क्रि.) चूसना, होठों से पीना।
ઢોંડી (सं.) नाभि, तोंदी, ढुंढी।
ઢોંડું (सं.) अन्न की बाल, अन्न का सिरा, झब्बा, फुंदना, लटकन, मुकुट, चोटी।
ઢોંબી (वि.) चालाक, मक्कार, धूर्त।
ઢોંબો (सं.) मैल, कचरा।
ઢોકરો-ઢોકર-રી (सं.) सुअर, बराह।
ઢોકળી (सं.) ढोलक, तम्बूरा, मृदंग, तबला। [चम्मच।
ઢોકો (सं.) चमचा, डोई, करछुल,
ઢોચો (सं.) गूलर की बनाई हुई गोंद, लेह, लाट।
ઢોળાઈ જવું (क्रि.) खराब होना, बुरी तरह पकाया जाना।
ઢોળિયો (सं.) दुपट्टा, कंधोंपर डालने का उपवस्त्र, रूमाल।
ઢોળી (सं.) देखो ડોળી
ઢોળવું (क्रि.) डूबना, बूड़ना, मग्न होना, सूर्यास्त होना, छिपजाना।
ઢોળી જવું (क्रि.) देखो ઢોળવું
ઢોળાવવું-ઢોળવું (क्रि.) डुबाना, बोरना, डुबोना।
ઢોળાઢોળું (वि.) अति गहिरा, बहुत नीचा, गंभीर, अगाध, अथाह।
ઢોળાવ (सं.) जहाज का डुबाव।

કુબડો (સં.) ઓલ્ય ઓળ, ઓળખી।
કુબ્બી (સં.) કાઠી, ખાંગ ।
કુભાસ (સં.) એક પ્રકાર કા વસ્ત્ર ।
કુમો (સં.) ધક્કા, મક્કા ।
કુલવું-બોળવું (ક્રિ.) ડૂબના, ડુબકના, ઔંધમાના ।
કુલ (સં.) હાનિ, ઘાટા, ટોટા ।
કુવું (સં.) પાની કા સાંપ, પનિયર સર્પ ।
કુ (સં.) દેર, દેરી, વિલમ્બ,
કુરો (સં.) તમ્બૂ, પટમણ્ડપ, કુછ દિનોંકે રહને કા સ્થાન, કપડે કા ઘર, વિદેશ કા વાસસ્થાન, ઘર ।
કુરો કરવો (ક્રિ.) ડેરા ડાલના, મુકામ કરના ।
કુરો નાંખવો (ક્રિ.) તમ્બૂ ગાડના, પટમણ્ડપ ખડા કરના । [કરવો
કુરો મારવો (ક્રિ.) દેખો કુરો
કુહેકાબી (સં.) ગૅવડેલ, ગૅવાર, મૂર્ખ, બેવકૂફ । [તબેલા,
કુહેલો (સં.) ઘાતા, ખુદવાળ,
કુહ્મો (સં.) એક પ્રકારકા ચમચા ।
કુહ (સં) ગર્દન, કંઠ, ગલા ।
કુહરો (સં) કૂવા, કૂપ, ખાઈ ।
કુહાભારી (સં.) ઉપહાર ।
કૂકાવવું, કૂકીવવું કરવું (ક્રિ.) કુટિલતાસે દેખના, તાકના, ઝાંકના ।
કૂકી (સં.) દેખો કૂક [બસ્તક,
કૂકું (સં.) સિર, સબસે ઉંચા,
કૂકું કાપવું (ક્રિ.) ધોખેસે પકડા દેના, વિશ્વાસઘાત કરના, સિર કાટના, મૂંડ કાટના ।
કૂચી (સં.) દેખો કૂક
કૂચું (સં.) દેખો કૂકું
કૂડિયો (સં) દેખો કાંડિયો
કૂઢાવો (સં.) બદસૂરત, પગલી।
કૂબડું (સં.) ફૂટા બર્તન ।
કૂબું (સં.) બૂઢી ભૈંસ યા ભૈંસા, (વિ.) મૂર્ખ, અજ્ઞાની, ગધ, સિદ્ધિ, સિર્રી ।
કૂબો (સ. ' દેખો કૂબ્બો ।
કૂલ (સં.) મસ્તક, ગોલ, ગોલની ।
કૂલડી (સં.) છોટા ગોલની, કપડે કા યા કિરમિચ કા ગોલ ।
કૂલવું (ક્રિ.) હિલના, લહરાના, ઝૂલના, ફિરના, ઘૂમના ।
કૂલું (સં.) દેખો કૂકું ।
કૂલો (સં.) બિમારીસે છુટકારા ।
કૂલ્લાં (સં.) પારસિયોં કે છુટ્ટી કે દિન ।
કૂલી (સં.) ગુલિકા, ગુટકા, ગુલી ।

ગુજરાતીથી (સં.) કપડે બેચને વાલા, બજાજ, વસ્ત્રવિક્રેતા।

ગુજું ઢબ્બું (વિ.) બૂઢા ડોકરા,

ગુજ્જો (સં.) વૃદ્ધ, બૂઢા આદમી।

ગુઢ (સં.) પાની કા ગઢ્ઢા।

ગુઢવું-ળવું-ળી નાંખવું (ક્રિ.) મોટા બનાના, મૈલા કરના, ગડબડ કરના, અત્યન્ત નિકટસે તલાશ કરના, દુહના, દૂધ નિકાલના।

ગુળ (સં.) સૂરત, શક્લ, ઢંગ, ચેહરા, માર્ગ, તર્જ, ઠાઠ, ઢૌળ।

ગુળઢાર (વિ.) ઢંગદાર, યોગ્ય, સુન્દર।

ગુળવવું (ક્રિ.) હિલાના, ઝુલાના।

ગુળા ઉઘાડવા (ક્રિ.) હોંશ હવા-સમેં લાના, જ્ઞાન કરાના, ચૈતન્ય કરના।

ગુળા ચઢવા (ક્રિ.) તેવરી ચઢાના, ભુકુટી કરના, આંખેં દિખાના। [દેખના,

ગુળા ફેરવવા (વિ.) ક્રોધયુક્ત

ગુળી (સં) ડોલે, ઝૂલતેહુએ પલંગકી છોટી કિસ્મ, નાશ, લોપ, એક પ્રકારકે બીજે જિનસે તેલ નિકલતા હૈ।

ગુળીદ (સં.) એક પ્રકારકા તેલ, રેંડીકા તેલ, અણ્ડીકા તેલ।

ગુળો (સં.) નેત્ર, આંખ, નયન, દૃષ્ટિ, બીનાઈ, નજર, આંખકી પુતલી યા તારા।

ઢ

ગુજરાતી વર્ણમાલા કા પચીસવાં અક્ષર, ૧૪ વાં વ્યંજન।

ઢ (વિ.) મન્દ, મૂર્ખ, સુસ્ત।

ઢગ (સં.) ઢેર, રાશિ, સમૂહ।

ઢગરો (સં., ચૂતડ, પુઠ્ઠા, પિછલા હિસ્સા, સિપાહી।

ઢગલે ઢગલા (વિ.) બહુત, અધિક, વિશેષ, જ્યાદા, અત્યન્ત।

ઢગલો (સં.) દેખો ઢગ

ઢગો (સ.) બૈલ, મૂર્ખ, બેવકૂફ,

ઢંકાવું (ક્રિ.) ઢાંકના, પાસ હોના, ચુપ હોના, વેષ્ટિત હોના, ખામોશ હોના। [ચાલચલન, આચરણ।

ઢગ (સં.) ઢબ, રીતિ, પ્રકાર પ્રથા,

ઢકેલવું (ક્રિ.) ધક્કા દેના, ધુસેડના, ખોંચના, રેલના, ઢકેલના।

ઢકો (સં.) ધક્કા, રેલા, ઠુંસા।

ઢકેલ્યો (સં.) બેપરવાહી સે કામ કરનેવાલા, અસાવધાન।

ઢકેલાવું (ક્રિ.) ધક્કા ખાના, ધકે-લેજાના। [અજીબ, બહુત બડા।

ઢંકાણ (વિ.) અદ્ભુત, અપરિમિત,

ઢંઢેરો (सं.) डंडोरा, डुग्गी, मुनादी, इश्तिहार ।
ઢંઢેરો ફેરવવો (कि.) डंडोरा, फिरवाना, प्रकट करना ।
ઢંઢોળવું (कि.) दायें और बायें तरफ फेरना । [आकृति ।
ઢમ-મ (सं.) ढोल, ढंग, गढन, गठन,
ઢમુ-મ્મુ (सं.) अधला, दो पैसे का सिक्का । [शब्द, धमाधम ।
ઢમઢમ (सं.) ढोल की आवाज, पणव-
ઢમઢોલ (सं) खाली, रीता, दिखावा,
ઢસલું (वि.) भोला, सीधा, सादा ।
ઢસળું (वि.) पूर्ववत्, झुका हुवा
ઢળતું (वि.) देखो ઢળતું
ઢળવું-ળી જવું-ઢળવું (कि.) बाहर आजाना, खिसक जाना, ढुलक जाना, लोभ जाना, लुढकना ।
ઢળાવ (सं.) ढलाव, ढालू मैदान ।
ઢળી જવું (कि.) देखो ઢોળાઈ જવું
ઢાંકણું (सं.) बड़ा भारी पत्थर ।
ઢાંકપા (वि.स.) जावो तुम, निकल जावो, दुष्ट, बदमाश ।
ઢાંકવું-ણી-ણું (सं.) ढकन, आच्छादन, ढांकनेका । [पर्दा ।
ઢાંકપિછોડો (सं.) घूंघट, ओट,
ઢાંકવું (कि.) बन्दकरना, बंद लेना, आच्छादित करना, छुपाना ।
ઢાંકી દેવું, મુકવું, રાખવું (कि.) खामोश करना, मुनसान करना । ढांक कर रखना, छुपाकर रखना ।
ઢાંકી નાંખવું (कि.) अंधेरा करना, ग्रहण होना ।
ઢાંકીઢુંકો (कि.) देख भालकर चीजों को यथास्थान संवार कर रखना ।
ઢાંકવું (सं.) परोसा, किसी के मकान से किसी के घरको लाया हुवा भोजन ।
ઢાંગર (सं.) ककड़ी, खीरा ।
ઢાલ (सं.) रक्षक, ढाल, जो समय पर मदद दे, सहायक ।
ઢાળ (सं.) ढलाव, ढलान, उतार ।
ઢાળકી (सं.) धातु का कठिन टुकड़ा । [फसल की लुनाई ।
ઢાળણી (सं.) अन्न की कटनी.
ઢાળવું (कि.) बटोरना, बूंद बूंद करके गिराना, छलकाना, ढलकाना बहाना, गलाना, पिघलाना, खेत काटना, घास काटना ।
ઢાંળવું (वि.) ढालू, तिरछा ।
ઢાંળણો (सं.) नाली, नहर आदिक कटनी करनेवाला, फसल काटने-वाला ।

ढीलणी (सं.) पुड़िया, पुतली, अफ़ीमोंके खाने की कठ पुतली।
ढीलणु (सं.) बुढ़ना, आलू।
ढीलणु (कि.) बेपरवाही से पीना, खूब पीना, ढोकना, चढ़ाजाना, बुढ़कजाना, ढबकजाना।
ढीलो-ओ (सं.) पीठपर थप्पड़,
ढीलुं (सं.) एक मोटा और चौड़ा लोहे का टुकड़ा।
ढीलुं (सं.) पूर्ववत्
ढीलुं-लुं-लुं (सं.) सूजन, फुलाव, गिल्टी, गुमड़ा, फोड़ा।
ढीलर-ल्हर (सं.) मछवाहा, धीवर, धीमर।
ढील (सं.) देरी, विलम्ब, टालमटोल
ढीलाधलुं (सं.) सुस्ती, ढीलापना।
ढीलीढारी (सं.) ढीला बन्धन, मामूली रोक। [पोक।
ढीलुं (वि.) ढीला, निर्बल, ढर-
ढीलुं ढरुं (कि.) खोलना, ढीला करना।
ढुंढियो (सं.) जैन, धर्म का एक एक दयापालन मत विशेष।
ढुंढुं-ढुं (कि.) तलाश करना ढूंढना, खोजना।
ढुंढियो (सं.) देखो ढुंढियो
ढूंगो-गो (सं.) गेहूं के आटे की एक मोटी रोटी जो वजन में १० सेर से अधिक हो, घुस्सा, घुसाला दरी।
ढूंढुं (उप.) निकट, पास, नजदीक।
ढेंग (सं.) स्तन, चूची, थन।
ढेंगढेंगो (सं.) सूराख और गड्ढे, खुरदरापन, मोटापन।
ढेंग (सं.) तलवार के मूठ की गिरह, ग्रंथी, गाठ, गिरह, गठान।
ढेंगी (वि.) सुस्त, काहिल आलसी।
ढेंगो (सं.) सूजन, फुलाव, गिल्टी।
ढेंग-गो (सं.) मेहतर, भंगी।
ढेंग ध्रमेती (सं.) बदनामी, सार्वजनिक अपमान। [भंगीपुरा।
ढेंगवाड़ो (सं.) ढेंगें के रहने का मुहल्ला
ढेंडी (सं.) ढेंड की औरत, भंगिन।
ढेंडीउं (कि.) अपमान करना।
ढेपुं-पुं (सं.) पत्थर, ढेला, लौंदा,
ढेभड़ुं (सं.) मोटी रोटी, एक प्रकार की मसालेदार रोटी।
ढेर (सं.) मोरनी, मयूरी।
ढेरेरो-रो (सं.) गोबर का ढेर।
ढेंभ (सं.) छल, कपट, पाखण्ड, बनावट, कपट वेष। [छलना।
ढेंभ धरेवो (कि.) पाखण्ड, करना,
ढेंभ धतूरो (सं.) देखो ढेंभ।

ઢોંગી (સં.) છલી, કપટી, પાખણ્ડી।
ઢોંગી સંન્યાસી (વિ.) બનાવટી સાધુ, નકલી સંન્યાસી।
ઢોંચ (વિ.) ફટા, ગલા, સડા।
ઢોંઢેડો (સં.) રાજ, સંગતરાશ, ખાન ખોદને વાલા, પત્થર ફોડા।
ઢોંકો (સં.) પત્થર, પાષાણ, મૂર્ખ।
ઢોંકણું (સં.) દાલ ઔર ચાંવલ કે આટે કા બનાયા હુવા ભોજન।
ઢોંકળી (સ.) એક છોટી કિંતુ મોટી રોટી યા ટિકિયા।
ઢોંકણું (સ.) મૃત્તિકા પાત્ર, મિટ્ટી કા બના બર્તન, સિર।
ઢોંકવું ઉડાવવું-મી દેવું (ક્રિ.) શિરચ્છેદન કરના સિર કાટના, મૂંડ કાટના।
ઢોર (સં) પશુ, જાનવર, ચૌપાયે, (વિ.) અજ્ઞાન, મૂર્ખ।
ઢોલ (સં.) બડી ઢોલકી, ઢોલ।
ઢોલક (સં.) પૂર્વવત્।
ઢોલડી (સં.) રંગીન પાલના, રંગા હુવા ઝૂલના।
ઢોલી (સં.) ઢોલવાલા, ઢોલ બજાને વાલા ઢોલ કા પેશા કરને વાલા।
ઢોલીઓ (સં.) ચારપાઈ, પલંગ।
ઢોલો (વિ.) મૂર્ખ, બુદ્ધિહીન, જડ।
ઢોસું (સં.) મૂછી, ચોકર, ભૂસ, મુલમ્મા, કલઈ।
ઢોળ ચડાવવો (ક્રિ.) મુલમ્મા કરના, કલઈ કરના પલસ્તર ચઢાના।
ઢોળવું (ક્રિ.) ઢુલકાના, ઔંધાના, ઉંડેલના, પલસ્તર કરના।
ઢોળાવ-વો (સં.) ઉતાર, ઢાલ, ઢલાવ।
ઢોળી કાઢવું-પાડવું (ક્રિ.) ઔંધાના, વિકેર દેના, ગાલી દેના, અપમાન કરના, તૌહીન કરના।
ઢોંગો (વિ) જીવત, ક્લીબ, અનાગા। નપુંસક।

ણ

ણ—ગુજરાતી વર્ણમાલા કા ઉન્નીસવાં અક્ષર, પન્દ્રહવા વ્યંજન।

ત

ત—ગુજરાતી વર્ણમાલા કા સત્તાઈસવા અક્ષર, ૧૬ વા વ્યંજન।
તઇયાર (વિ.) દેખો તૈયાર
તઇયારી (સં.) દેખો તૈયારી
તક (સં.) મૌકા, અવસર, ચૈ, માકરા, યોગ, મેલ, ઐનવક્ત।
તકતકતું (વિ.) ચમકીલા, ભડકીલા, પ્રભાયુક્ત, પ્રકાશમાન।

તકાદો (કિ.) ખૂબ ચમકના, चमकना, प्रकाशित होना ।
તકિયો (સં.) देखो તખતો
તકદીર (સં.) किस्मत, भाग्य, प्रारब्ध ।
તકરાર (સં.) किस्मत, लड़ाई, झगड़ा, विवाद टंटा, झमेला, भेद ।
તકરારખોર-રી (વિ.) झगड़ालू, विवादी, फसादी, लड़ाका ।
તકલાદી (વિ.) निर्बल, कमजोर।
તકસીર-રીર (વિ) अपराध, जुर्म, दोष, कुसूर, गुनाह ।
તકવો (સ.) शक्ति, बल, पौरुष,
તકાજો (સં) तकाजा, देनलेन के लिये आवश्यकता प्रदर्शित करना ।
તકાજો કરવો (ક્રિ.) तकाजा करना ।
તકાદવું (ક્રિ) ताक बाधना, इरादा करना, निशाना बाधना ।
તકિયો (સં.) ओसासा, बलीत, उपधान, सिरहाना, सिर के नीचे रखने की वस्तु ।
તકુબરી (સં.) गव, दर्प, घमण्ड,
તકુબી (સ. किसी काम को थोड़े दिनक लिये रोकना या ठहराना ।
તખત-ખ્ત (સ.) मच, काठकी बड़ी चौकी, सिंहासन, तख्त ।
તખતનશીન (સં.) राजा, अधिकार प्राप्त राजा, सिंहासनासीन भूपति । [पूरा पृष्ट ।
તખ્તી (સં.) पट्टी, कागज का
તખતો (સં.) पट्ट, तख्ता, धीसे का चौकोर टुकड़ा, दर्पण, चौखटे जड़ी हुई तस्वीर ।
તગડ (સં.) धकावट, पैदल, चाल ।
તગડો (સં.) तीनका अंक ।
તગારે-રો (સં.) देखो તકારે
તગારું (સં.) कुम्हार का गारा ले जाने का, नाद, कुंडा ।
તગડું (વિ.) त्रिगुण, तिगुना,
તગાવી (સં.) तकावी, कृषकों को सरकार की ओर से अगाऊ ऋण।
તગેડવું (ક્રિ.) तेज हाकना, शीघ्रतापूर्वक चलाना ।
તગ (સ.) घोड़े का तंग, कसके बाधा हुवा, कसा हुवा, (વિ.) दबा हुवा ।
તંગાસ (સં.) देखो તંગી
તંગી (સં.) आवश्यकता, जरूरत, कमी, महंगी, घबड़ाहट, व्याकुलता, बैचेनी ।
તગતગવું (ક્રિ.) क्रोधसे चमकना, रोषपूर्ण होजाना ।
તજ (સં.) दारचीनी, दालचीनी, तेजपात ।

तजवीज (सं.) उपाय, तदबीर, तहकीक, खोज, जाँच, तहकीकात, बन्दिश, यत्न, उद्योग, प्रयत्न।

तजणुं (कि.) छोड़ना, त्यागना, दे डालना, निकाल देना।

तट (सं.) किनारा, तीर, कूल, नदी का कछार।

तटबंदी (सं.) गढ़ बनानेकी विद्या, किलाबन्दी, मोर्चाबन्दी। [ओर।

तटस्थ (वि.) मध्यस्थ, अलग, एक

तड (सं) जुदाई, भाग, तर्फ, पक्ष।

तडकणुं (कि.) डरना, चौंकना, कड़कना, तड़क जाना, दरार होना।

तडाको (सं) धूप, सूर्य्यप्रकाश, गर्मी।

तडतड (कि. वि.) चंचलतापूर्वक, किसी वस्तुको भूनते समय या सेकते समय उसका तडतड शब्द।

तडतडवुं (कि) तड़कना, कड़कना, चिरना, दरार होना, फांक होना।

तडतडियो (सं.) आगकी चिनगारी।

तडं पडवुं (कि.) दरार होना, फाक होना, तड़कना, फटना।

तडकवुं (कि.) देखो तडकणुं

तडबुच (सं.) तरबूज, फल विशेष मतीरा। [प्राप्ति।

तडाको (सं.) टक्कर, गप्प, लाभ,

तडातडी (सं.) विवाद, झगड़ा, फसाद, बराबरी, स्पर्द्धा।

तडित (सं.) बिजली, विद्युत, सौदामिनी, चपला। [रेभला, [illegible]

तडुकवुं (कि.) गर्जना, ललकारना,

तडुको (सं) आकस्मिक गर्जन।

तडोपड (वि.) समान, बराबर।

तणखलु–णु (सं.) तिनका, तृण, घासकी पत्ती। [चिंगारी।

तणखो (सं.) सोहला, पतिंग,

तणछ (सं.) एक प्रकारका सहतीर।

तणाणुं (कि.) खिंचाहुआ, लिपटाहुआ, सिकुड़ाहुआ फुन्दुल सर्दीसे दरिद्र होजाना।

तणपाथु (सं.) देखो पोपो।

तणा (सं.) उसको, उसका (कवितामें)

तणाबणवुं (कि.) खिंचजाना, तनजाना, अकड़जाना। [कवितामें)

तणुं (वि.) षष्ठीका प्रत्यय,का,

ततडवुं (कि.) तड़कना, फड़कना।

ततुं (सं.) छोटी विमुल, तुरत, तुरही। [उसीक्षण, तुरंत।

ततक्षण (कि. वि.) उसी समय,

ततभेव (कि. वि.) पूर्ववत्।

ततर (सं.) उद्युक्त, अनलस, तत्पर हुवा, तदनन्तर।

तत्पुरुष (सं.) समास विशेष।

तत्र (कि. वि.) तहाँ, वहाँ, उसस्थानमें, उस विषयमें।

तथापि (कि. वि.) तौभी, इतने परभी, उसपरभी, बिनानामके स्थानका सूचक शब्द ।
तत्त्व (सं.) सत्य, तथ्य, सत्यता, सार, उद्देश्य, अन्वेषण, मूल ।
तत्त्वज्ञान (सं.) तत्वज्ञान, सत्य उपदेश, यथार्थ ज्ञान। [ब्रह्म विद्या ।
तत्त्वविद्या (सं.) तर्कशास्त्र विद्या,
तत्त्वज्ञानी (सं.) तत्वज्ञानी, ब्रह्मज्ञ।
तत्त्वमसि (सं.) ईश्वरत्व, खुदाई, वह तूहै ।
तत्त्वांश (सं.) सारांश, आत्मा, रूह।
तत्क्षण (सं.) उसवक्त, उसकाल ।
तत्क्षणात् (कि. वि.) उसीदम, उसीवक्त, तुरंत ।
तत्क्षणिक (कि. वि.) उसी वक्तका ।
तत्त्वज्ञान (सं.) ब्रह्मज्ञान, सत्यज्ञान ।
तत्त्वज्ञानी-ज्ञ्नी (सं.) ब्रह्मज्ञानी, ब्रह्मज्ञ, तत्वविद्, फिलासफर ।
तथा (अ.) और (कि. वि.) तैसेही, वैसेही, इसकेबाद, उस प्रकार ।
तथापि (कि. वि.) तौभी, वैसा होनेपरभी, उस परभी ।
तथास्तु (कि. वि.) वैसा हो, वैसाही हो, स्वीकारोक्ति ।
तथी (सं.) तिथि, चांद्र तिथि, तारीख।
तदनंतर (कि. वि.) उसके बाद। तदुपरान्त, तत्पश्चात, तदनन्तर।
तदन (कि. वि.) सब, इकट्ठा, तमाम।
तदपि (कि. वि.) देखो तथापि।
तदभीष्ट (सं.) देखो तत्सदृश ।
तदा (कि. वि.) तब, उस, समय ।
तदाकार-कृत (वि.) तदनुरूप, तादृश, तत्तुल्य, उसके समान, वैसाही ।
तन (सं.) शरीर, बदन, जिस्म, अंग, पुत्र, बेटा, तनय ।
तनक (सं.) थोड़ा, कम, छोटा, अल्प ।
तनक (सं.) चमकदार दर्द, वह दर्द जिसमें टीस होती हो ।
तनखा (सं) तनख्वाह, किराया, आगकी चिंगारी ।
तनदुरस्त (सं.) स्वस्थ, निरोग ।
तनदुरस्ती (सं.) स्वास्थ्य, नैरोग्य ।
तनमन (सं.) शरीर और दिल, मन और शरीर । [द्रव्य ।
तनमनधन (सं.) शरीर, दिल और
तनमनीड (सं.) कण्ठमें पहिननेका आभूषण, तिमनिया । [सुत ।
तनय (सं.) बेटा, लड़का, पुत्र,
तनया (सं.) पुत्री, बेटी, सुता, आत्मजा ।
तनवी (सं.) तम्बूकी रस्सी ।
तनित्रा (सं.) कपड़ा, वस्त्र ।
तनु (सं.) शरीर, देह, बदन, अंग।
तनुज (सं.) पुत्र, बालक, शिशु ।

તંતુજ (સં.) પુત્રી, બેટી, તનયા ।
તંતે (સર્વ.) તુજે, તુજકો ।
તંતોડો (સં.) કોળીનો આભૂષણ ।
તંત્ર-ત્રા (સં.) ધાગા, સૂત્ર, તાર, ઝણઝણાટ ।
તંતરવું (ક્રિ.) ધોકા દેવા, છળવા,
તંતુ (સં) ધાગા, દોરા, સૂત્ર, ઝીણી-સરીકા ધાગા, રગ, નસ, નાડી, તાગા, સૂત્ર । [ભ્રાન્તિ ।
તંદ્રા (સં.) ઇંષત્ નિદ્રા, ઝકાવટ,
તંદ્રાલુ (વિ.) ક્લાન્ત, શ્રાન્ત, થકિત, નિદ્રાતુર, આળસ, નિદ્રાલુ ।
તંન્યસ્ત (સં.) નિર્દિષ્ટ, લિપ્ત, લીન, તલ્લીન । [વધ્ય સમ્બન્ધ યુવતી ।
તન્વંગી (સં.) કોમળાંગી, રૂપલા-
તપ (સં.) તપસ્યા, શરીરકષ્ટ, શરીર સંયમકા ઉપાય, હરિભજન, ગર્મી, ઉષ્ણતા ।
તપખીર (સં.) હુલાસ, તવાક્ષીર ।
તપખીરિયા રંગનું (વિ.) તવાક્ષીરકે રંગસે મિલતા હુવા ।
તપત (સં.) જ્વર, બુખાર, તાપ ।
તપવું (ક્રિ.) ગર્મ હોના, તપના, ચમકના, ઇંતજાર કરના, ક્રોધ હોના ।
તપશ્ચર્યા (સં.) તપ, તપસ્યા ।
તપસીલ (સં.) તફસીલ, વિવરણ, વર્ણન, ખુલાસા ચિઠ્ઠા ।
તપસીલવાર (સં.) ક્રમપૂર્વક, બ્યોરેવાર
તપસ્વી (સં.) તપશ્ચરણેશ્વર, ઋષિ, મુનિ, વાનપ્રસ્થાશ્રમી, મહાત્મા ।
તપાવવું (ક્રિ.) તપાના, ગર્મકરના, ક્રોધ ભડકાના, કિસીકે દ્વારા ઇંતજારી કરાના, રોકના ।
તપાસ (સં.) તલાશી, ઢૂંઢખાલ, જાંચ પડતાલ, ખોજ, તહકીકાત ।
તપાસનાર (સં.) પરીક્ષક, ઢૂંઢને-વાલા, જાંચનેવાલા ।
તપાસવું (ક્રિ.) તલાશ કરના, ચૌકસી કરના, જાંચ પડતાલના, ઢૂંઢના । [ક્રોધમેં ભભક ઉઠના ।
તપી જવું (ક્રિ.) ક્રોધ હોના,
તપેલું (સં.) તવેલા, પાત્ર વિશેષ (વિ.) તપાહુવા, ગર્મ કિયાહુવા ।
તપેસરી-સ્વરી (સં.) દેખો તપસ્વી
તપોબળ (સં.) તપદ્વારા પ્રાપ્ત શક્તિ ।
તપોવન (સં.) તપસ્વિયોંકા આશ્રમ ઋષિ મુનિયોંકે રહનેકા વન ।
તપ્ત (વિ.) ઉષ્ણ, સંતાપ યુક્ત, તપાહુવા ।
તફડાવવું (ક્રિ.) બેચ ડાલના, છુપાના, ગુપ્ત રખના । [છુપજાના ।
તફડી જવું (ક્રિ.) ગુપ્ત હોના,
તફાવત (સં.) ફર્ક, ફાસલા, અંતર, ગલતી, ભૂલ, ઉપાય ।
તબક (સં.) પત્તર, તશ્તા એક છોટા થાલ, પરાત ।

તબલી (સં.) એક છોટી થાલી રકાબી, છોટા પત્તર।
તબાવવુ (ક્રિ.) ઉબાલના।
તબલચી-જી (સં.) તબલે બજાનેવાલા તબલિયા।
તબેલો (સં.) તબલા, વાદ્ય વિશેષ।
તબિયત (સં.) સ્વભાવ રુચિ, ચાહ।
તબીબ (સં.) વૈદ્ય, હકીમ।
તબેલો (સં.) અસ્તબલ, ઘોડે, બાંધનેકા ઠાન।
તમ (સં., અંધેરા, અંધકાર, તિમિર, ક્રોધયા અંધાપન।
તમણું (વિ.) તિગુના, ત્રિગુણ, તિહોરા, તીનતહતા।
તમતમું (વિ.) તીક્ષ્ણ, કટુ, ચરપરા, કડુવા।
તમને (સર્વ.) તુમકો, તુમ્હારેકો।
તમર-મ્મર (સં.) મૂર્ચ્છા, ચક્કર।
તમા (સ.) પ્રયોજન, સમ્બન્ધ, ચિન્તા નેસબત। [તમાલ।
તમાકુ (સં.) તમાકુ, તમ્બાકૂ,
તમાચો (સં) થપ્પડ, ચપત; ચાંટા।
તમામ (ક્રિ. વિ.) બિલકુલ, સબ, (વિ.) પૂર્ણ, સારા, સબ।
તમામ કરવુ (ક્રિ.) પૂર્ણ કરના,
તમાલી (ક્રિ.) સ્ત્રિયોંકી પોશાક જો રેશમ ઔર સ્વર્ણસે મંડિત હો।
તમામીયત (સં.) પરિપૂર્ણતા, સમ્પૂર્ણતા, કામયાબી, યોગ્યતા।
તમારીમેળે (સં.) તુમ્હારે લિયે, તુમહી, આપહી, અપને હીતકે।
તમારું (સર્વ.) તુમ્હારા, આપકા।
તમાલ (સં) વૃક્ષ વિશેષ, કાલસૌર।
તમાલપત્ર (સં.) તેજપત્ર।
તમાશગીર (સં.) દર્શક, તમાશા દેખને વાલે, ભાંડ। [ખેલ।
તમાશો-સો (સં.) દૃશ્ય, કૌતુક,
તમે (સર્વ.) તુમ, આપ।
તમેલુ (સં.) બડાચૂલ્હા, ભાડ।
તમોગુણ (સં.) ત્રિવિધ ગુણોકે અંતર્ગત એકગુણ વિશેષ, ક્રોધાન્ધતા।
તમ્બાકુ (સં.) દેખો તમાકુ
તમ્બુ (સં.) ખીમા, ડેરા, પટ, મણ્ડપ રાવટી, છોલદારી, વસ્ત્રગૃહ।
તંબુતાણવે-ણવો (ક્રિ.) ડેરા-ખડા કરના, ખેમા લગાના।
તંબુરો (સં) વાદ્ય વિશેષ, તાનપૂરા, તીન તારકી બીન।
તંબોળ (સં.) પાન, તામ્બૂલ, ખાનેકા પાન, નાગર બેલકા પત્તા, તમોલ।
તંબોળી (સં.) તામ્બૂલિ, પાનકા વ્યાપારી, પાન બેચને વાલા, તમોલી।
તર (સં.) ઘાટનાવ, છોટી ખાડીયા કોલ, દૂધકી મલાઈ, (વિ.)

રસીલા, સરસ, તાજા, ચીલ્લ, ચોવા સીલ્લા, બનાવ્ય, દૌલતમન્દ, મદો-ન્મત્ત, નશેમેંચૂર, આસૂદા, બકૂબી (કિ. વિ.) તર, ઉસસમય ।

તરકટ (સં.) બનાવટ, ઝૂઠ, પાખંડ, ધાકા, કપટ ।

તરકટી (સં.) જાલસાજ પાખણ્ડી (વિ.) અધર્મી, બેઈમાન ।

તરકડીઓ (સં.) આનન્દી, ગૅંવાર ।

તરકડું-ડો (સં.) સિપાહી સૈનિક યવન, મુસલમાન ।

તરકવું (કિ.) અટકલ કરના અન્દાજા કરના, અનુમાન કરના ।

તરકસ (સં.) તૂણ, નિષંગ, ત્રોણ, બાણ રખનેકા માથા ।

તરકારી (સં.) શાક, સાગ, ભાજી ।

તરક્ક (સં.) વાદાનુવાદ, વિવાદ ઝગડા, તર્ક ।

તરકીબ (સં.) ઉપાય, યત્ન તરીકા હિકમત, તરતીબ, તદબીર ।

તરંગ (સં) લહર, ઉર્મિ વીચિ, ઢેઉ, હિલકોરા, ઉમંગ મૌજ, કલ્પના, ખ્યાલ । [જાન્હવા ।

તરંગીણી (સં.) ગંગાનદી, સુરસરિ,

તરછોડવું-ડીનાંખવું (કિ.) તુચ્છ જાનના, ઘૃણા કરના, નફરત કરના।

તરજુમો (સં.) અનુવાદ, તરજા, ભાષાન્તર ।

તરડ (સં.) દેખો તડ ।

તરડાઈને બોલવું (કિ.) ક્રોધમેં બોલના, ગુર્રાકર બોલના ।

તરણ (વિ.) તીન (સં.) કોઈભી વસ્તુ જો પાનીમેં તૈરતી હો ।

તરણિ (સં.) સૂર્ય. રવિ સૂરજ ।

તરણી (સં.) નાવ, નૌકા ।

તરણું (સં.) તૃણ, ઘાસ, તિનકા ।

તરત (કિ. વિ.) તુરંત, શીઘ્ર, ફૌરન, તત્ક્ષણ, સમયપર, સમયમેં ।

તરતત્ત્વ (સં.) અસ્તિત્વ, સત્ય, મૂલ, તત્ત્વ ।

તરતીબ (સં.) પ્રબન્ધ, બન્દોબસ્ત ।

તરતું (વિ.) તૈરતા હુવા, યશવન્ત સફલ, ભરાપૂરા ।

તરનાર (સં.) તૈરૈયા, તૈરનેવાલા ।

તરપત (સં.) તૃપ્ત, સંતુષ્ટ, પરિતો ષાન્વિત । [ક્ષુબ્ધ ।

તરપતું (વિ.) દુબલા, પતલા,

તરફ (ઉપ.) ઓર, દિશા, પક્ષ, બગલ ।

તરફડવું (કિ.) લડના, છટપટાના ।

તરફદારી (સં.) પક્ષપાત ।

તરફેણ (સં.) તરફ, પક્ષ ।

તરબિયત (વિ.) શિક્ષિત, પઢિત ।

તરબૂચ-ચ્ય (સં.) તરબૂજ, फल विशेष। [पत्तर।
તરબાઝું (सं.) ताम्रपत्र, तांबेका
તરવાડિયો (सं.) खजूर वृक्षके मदको खींचकर बाहिर निकालनेवाला।
તરવાર (सं.) तलवार, खड्ग, कृपाण।
તરવારની ધારપર રહેવું (क्रि.) बड़ा खतरेमें रहना।
તરવારિયો (सं.) तलवार वाला, खड्ग धारी, तलवारसे लड़ने वाला।
તરવું (क्रि.) तैरना, बहना, कामयाब होना, सफल होना, मुक्तिपाना मोक्ष पाना, बाहर आना।
તરાવવું (क्रि) पार होजाना, तैर जाना।
તરસ (सं.) तृषा, प्यास, लालसा, अभिलाषा, लकड़बग्घा, पशु विशेष।
તરસવું (क्रि.) बड़ी लालसा करना, तरसना, बदले के लिये ललायित होना। [पिपासित।
તરસ્યું (सं.) प्यासा, तृषित,
તરાઈ-રાઈ (सं.) तकुआ, डंठा।
તરાજડી (सं.) तराजू, तखड़ी।
તરાવવું (सं.) तौलने का पलड़ा, पूर्ववत्।
તરાવું (सं.) देखो તરાવવું।
તરિયો (सं.) बेड़ा, लट्ठों का बेड़ा। [सिखाना।
તરાવવું (क्रि.) तैराना, तैरना
તરીઆવવું (क्रि.) तैरआना, ऊपर आना, सफलता पालेना।
તરીયો (सं.) पारीसे आने वाला ज्वर, आंतराज्वर।
તરીપાર (सं.) पहुँचाव, देशनिकाला
તરુ (सं.) वृक्ष, पेड़, पादप, द्रुम।
તરુણ (सं.) नवीन, नूतन, युवा।
તરુણાવસ્થા (सं.) जवानी, यौवन।
તરુણી (सं.) युवती, जवान स्त्री।
તરુતલ (सं.) वृक्ष की जड़, पेड़ के पेड़ी के नीचे की भूमि।
તરેડું (सं.) दोजोड़ी बैलों के लिये जूड़ा या जूड़ी।
તરેલા તાણવું (क्रि.) बड़ा परिश्रम करना, अधम काम करना।
તરેહ (सं.) भेद, प्रकार, अंतर, किस्म, भाँति, ढब, शाह।
તરેહતરેહનું (वि.) किस्म किस्म का, भाँति भाँति का, अनेक प्रकार का।
તરેહવાર (वि.) भिन्न, न्यारा, नानावर्ण, चित्रविचित्र, सतरंगा।
તરોપણ (सं.) छोटा बर्मा, बर्मी, छिद्र करने का छोटा यंत्र,

तरोपी (सं.) बढ़िया, आरेश ।
तरोवर (सं.) वृक्ष, पाक, तरु, पेड़ ।
तर्क (सं.) कल्पना, खयाल, अनुमान, बहस, दलील, अनुमान, अनुमानोक्ति ।
तर्कशास्त्र-ज्ञी (वि. तेजबुद्धि, तर्क बुद्धियुक्त चटचट, तर्ककारक नैयायिक । [न्यायविद्या ।
तर्कविद्या (सं.) आन्वीक्षिकी,
तर्कशक्ति (सं.) तर्क करने का बल,।
तर्कशास्त्र (सं.) दर्शन विशेष, न्यायशास्त्र, इल्मे मंतक़, फिलासफी, तत्वज्ञान ।
तर्जनी (सं.) प्रथम अंगुली, अंगूठे के पास की अंगुली ।
तर्त (क्रि. वि.) देखो तरत
तर्पण (सं.) देखो तृप्ति, देवताओं को जलांजलि, मृतपुरुषों के नामोच्चारण सहित जल देना ।
तर्पणु (कि.) खुशकरना, संतुष्ट करना । [हृष्ट ।
तर्पित (वि.) तृप्त, संतुष्ट, प्रसन्न,
तर्पित (वि.) प्यासा, तृषित ।
तल (सं.) शरीर पर का तिल, तिल, तला । [तक, पर्यंत ।
तलक-क (क्रि. वि.) तक, लग
तलफ्फ (वि.) चरपरा, कड़वा, तीखा, कटु । [इच्छा ।
तलब (सं.) खोज, तलाश, जरूरत,
तलबगार (वि.) बेसब्र, बेचैन,
तलबीजणु (कि.) तड़पना, छटपटा जाना ।
तलबेली (सं.) बुरी आदत ।
तलवार (सं.) देखो तरवार
तलसरा (सं. तिल के वृक्ष, झाड़ी ।
तलाक़ (सं.) त्याग, स्त्री पुरुष का छोड़ना, तिलाक ।
तलाक़नामुं (सं.) त्यागपत्र, तिलाक की दस्तावेज । [त्याग देना ।
तलाक़ आपणी (कि.) तिलाक देना
तलाटी (सं.) गांवकी सालना माल गुजारी का मुनीम ।
तलावट (सं.) विद्या, गुण, उपाय,
तलाश-सं (सं.) ढूंढ, खोज, इल्कायरी । [तिली, पेटकी तिली ।
तली-ली (सं.) तिली, पिल्ही, ताप
तलीन (वि.) लीन, गरक, मग्न, निमग्न, तन्मय । [बंद, बंध ।
तलेसाध (सं.) जादू, टोना, तावीज़,
तलेसमात (सं.) देखो तलसम

तव (क्रि. वि.) तब, उस समय, तो।
तवंगर (वि.) धनाढ्य, दौलतमंद।
तवाइ (वि.) दुर्भाग्य, विपत्ति, आपद्, तबाही, बर्बादी।
तवाइजवुं (क्रि.) कमजोर होना, दुर्बल होना, मुर्झाना, पिघलना।
तवाणुं (सं.) पूर्ववत् [सभ्यता।
तवाणु (सं.) सुशीलता, नम्रता,
तवारीख (सं.) इतिहास, वर्णन।
तवी-वेा (सं.) तवा, लोहेका गोल पत्तर जिसपर रोटीयां सिकती हैं।
तसडेा (सं.) नकचढी, बोली ठोली, ताना, क्रोध, कोप, रोष।
तसतस्तु (वि.) तंग, कसा, निकट।
तसदी (सं.) तकलीफ, कष्ट।
तसबी (सं.) माळा, सुमरनी।
तसबीर (सं.) देखो तसवीर
तसभेा (सं.) चमड़ेका फीता, चर्म पट्टिका। [लहर।
तसर (सं.) लकीर, धारी, रेखा,
तसवीर (सं.) चित्र, फोटो, छवि मूर्ति। [वैसा,
तसु (क्रि. वि.) उसके समान, तैसा,
तसु (सं.) $\frac{1}{24}$ गज, लम्बाई मापनेके लिये गजका २४ वां भाग, इंच।
तस्कर (सं) चोर, चौर, लुटेरा, चोरी अपहर्त्ता, दूसरेका धन हरण करनेवाला।
तस्करवुं (क्रि.) चुराना, छुपाना, हरण करना, चोरना, लूटना।
तस्माात (क्रि. वि.) इसीलिये, कारणात्, इसकारण, इसी सबबसे।
तहे (सं.) सावधिसंधि, क्षणिक संधि, सुलह, संधि, विश्राम, सुख, चैन।
तहकीफ (वि.) ठीक किया हुवा, निश्चित, स्थापित, ठहराया हुवा, मुकर्रर। [शंकाकी दशामें, शंकित।
तहकुफ (वि.) सन्देहकी हालतमें,
तहनामु (सं.) सौदा, व्यौपार, व्यवसाय, लिखित सधिपत्र, लिखावुवा सुलहनामा।
तहां (क्रि. वि.) वहीं, वहांही, वहां।
तळ (सं.) पेंदा, अधोभाग, तला, तलवा, तली, पेंदी।
तळभट (सं.) नेंवके लिये गाड़ा हुवा लकड़ीका लट्ठा।
तळभाट (सं.) नीची भूमि, पहाड़की जड़ या तरेटी, पर्वतकी पेंदी।
तळभाटी (सं.) तराई। [कढ़ाई।
तळणी (सं.) भूंजने या तलनेकी
तळपद (सं.) ग्राम भूमि, वह भूमि जो ग्रामके निकट ग्रामसे सम्बन्ध रखती हो।
तळपदु (वि.) स्वदेश का, देशीय।

તળબળ (सं) बे चैनी; व्याकुलता।
તળવું (क्रि.) भूनना, तलना।
તળાઈ (सं.) तोशक, सुजनी, बिछौना। [हिसाब।
તળાટી (सं.) गाँव का लेखा या
તળાદું (सं.) माल गुजारी के खजानची का धन्धा।
તળાતળ (सं.) लोक विशेष, चौथा पाताल। [सर।
તળાવ सं.) तालाब, सरोवर,
તળાવડી (सं.) तलैया, छोटा ताल।
તળાસવું 'क्रि.) चाँपना, दबाना।
તળી (सं.) जूते की तली।
તળીઆઇ (स.) पेंदी, पेंदा, तली।
તળીઉ (सं.) पेंदा, तलुवा (पैरका)
તળે (स.) नीचे, उतरकर, तले नीचे की ओर, अधो भाग में कुछ कम।
તળેઉપર (उप.) उलट पुलट, नीचे ऊपर, दोनों तरफ।
તળેઉપર (सं.) बेचैनी, बेकली।
તળેટી (सं.) पर्वतकी पेंदी, पहाड़की तरेटी या तराई।
તક્ષક (सं.) बढई, लकड़ी काटने वाला, सर्पराज। [ओर
તાં (क्रि. वि.) वहां, उधर, उस
તાંત (सं.) तांत, रोवा, सूत्र, धागा, रेखा, तार, अँतोंडारावना डोरा।
તાંતણો (सं.) धागा, सूत्र।
તાંદલજો-જિયો (सं.) एक प्रकार का शाक, भाजी विशेष, तरकारी।
તાંદુચ (स.) चांवळ,
તાંબડ ભાટી (सं.) लाल मिट्टी।
તાંબડી-ડો (सं.) ताम्रपात्र, ताँबेकी बनी तस्तरी, ताँबेका गोल पात्र। [करनेका पात्र।
તાંબાકુંડી (स) एक प्रकारका स्नान
તાંબાનાણું (सं.) ताँबेका सिक्का, ताम्र मुद्रा। [विशेष।
તાંબુ (सं.) ताँबा, ताम्र, धातु
તાંબુલ (सं.) पान, नागरबेलका पान, पत्ते और पानका लपेटा।
તાંસળું-સળું (सं.) भरतका बर्तन, काँसी और पीतलके मिश्रणसे बनाहुवा पात्र।
તાંહાથી (क्रि. वि.) उस स्थानसे, वहाँसे, उस समयसे।
તાંહાં લગી-સુધી (क्रि. वि.) वहाँ तक, तक, उस जगह तक।
તા (सं.) तल्ता, ताव, कागजका तल्ता, शब्दांतमें लगनेवाली गुण द्योतक प्रत्यय।

ताई (सं.) चुगनेवाला।

ताउ (सं.) बेपरवाह, बेफिक्र, असावधान, अपरिणामदर्शी, उतावला। [विशेष।

ताउस (सं.) तारवाद्य, बाद्य

ताऊेई। (सं.) वेश्याका गाने बजानेका समाज, तवाइफ, नाचने वाली वेश्या।

ताऊ (स.) छाछ, तक्र, मठा, मही, दूधका पानी, तोड, गोरस, महेरी।

ताऊउो (सं.) अवसर, मौका, गौ।

ताऊवुं (क्रि.) घूरना, ताकना, इकटक दृष्टिसे देखना। [पौरुष।

ताऊात (स.) शक्ति, बल, ताकत,

ताऊीद (स.) जल्दी, शीघ्रता, हुक्म, आज्ञा, आदेश।

ताऊं (स) गुफा, गुप्तवास, तातील, विश्राम।

ताऊा (स.) कपड़ेका सारा टुकड़ा।

ताऋ (सं.) धागा, सूत्र, गहिराई, मोटा खुरदरा सनीवस्त्र।

ताऋु (सं.) बलवा।

ताऌ (सं.) मुकुट, राजचिन्ह।

ताऌ्याऋु (सं.) गुप्त, छुपाहुवा।

ताऌ्यी (सं.) राजी खुशी, नवीनता, कुशल क्षेम, कुशल आनन्द, खुश।

ताऌ्युं (सं.) तराजूके पलड़े।

ताऌ्याऋु (सं.) मुकुट वाला, राजा।

ताऌ्याऽलभ (सं.) अभीका लिखा हुवा, थोड़े समयका लेख, पत्र आदिमें लिखचुकने के पश्चात् लिखाहुवा।

ताऌ्यऋु (सं.) शीतलता, नवीनता, ताजगी, मिठास।

ताऌ्याो (सं.) देखो ताऌुत।

ताऌ्य (सं.) सुशीलता, नम्रता, इज्जत। [मोटा, भराहुवा।

ताऌु (वि.) नया, ताजा, तुरंतका,

ताऌुऽरवुं (क्रि.) ताजा करना।

ताऌुऌ (वि.) आश्चर्य विस्मय।

ताऌुऌवुं (क्रि.) आश्चर्य होना, विस्मय होना।

ताऌुथी (सं.) आश्चर्य, अचंभा।

ताऌेऽलभ (सं.) देखो ताऌ्याऽलभ।

ताऌेतर (वि.) ताजा, नया।

ताऌेशऽरवी (क्रि.) प्रायश्चित करना, दण्डित होना।

ताऌेशऽरवी (क्रि.) पूर्ववत।

ताऌेशरथी (क्रि. वि) फिर आरंभसे, फिरसे, फिर शुरूसे।

ताऽ (सं.) टाट, (वि.) बंद, छुपा।

ताऽी (सं.) बाँसकी चीराट बाँसकी ताड़ी। [ताल वृक्ष।

ताऽ (सं.) ताड़, तालवृक्ष,

ताऽदड्डा (सं.) देखो ताऽ ।
ताऽभु (सं.) धमकाना, मारना ।
ताऽभुं (सं.) पंखा बनानेके ताडकी पत्ती ।
ताऽपत्र (सं.) ताड़का पत्ता ।
ताऽपत्री (सं) पूर्ववत्, एक प्रकारका कपड़ा, वस्त्र विशेष ।
ताऽफळ (सं.) ताड़ वृक्षका फळ ।
तांडव (सं.) नृत्य, नटन, एक प्रकारका नृत्य । [ताड़ना करना ।
ताऽवुं (क्रि.) दण्डदेना, सजादेना
ताडी (स.) ताड़वृक्षके फल का रस, मादक द्रव्य विशेष, तालरस ।
ताढी (सं.) मृतककी भस्म ।
ताण (सं.) मरोड़, ऐंठन, तङ्गी, कमी, महँगी, तकाजा, हठ, जिद्, फूट, वियोग ।
ताणपऽवी (क्रि.) झगड़ा होना, विवाद होना ठंढा होना ।
ताणवुं (क्रि.) खींचना, अपने पक्षमें लेना, तानना ।
ताणाताणु (सं.) खींच ताण, ऐंचा ताणी, घसीटना . और खींचना ।
ताणाभारवा (क्रि.) तानादेना, भला बुरा कहना ।
ताणीजोा (सं.) तार बजानेवाला ।
ताणीने (क्रि. वि.) जोरसे, खींचकर ।
ताणीतोडीने (क्रि. वि.) कड़ी कठिनतासे, बड़े कष्ट पूर्वक ।
ताणुं (सं.) तेरानवे ९३, तासा ।
ताणो (सं.) ताना. सूत वा रस्सी द्वारा पूरा हुआ ताना ।
ताणोवाणो (सं.) ताना बाना ।
तात (सं.) बाप, पिता, जनक ।
तातो (सं.) मोटी रोटी ।
तातुं (वि.) उष्ण, गर्म, तापा, गर्म मिजाज का, तेजमिजाज् का
तात्काळ (क्रि. वि.) तुरंत, फौरन, तत्क्षण । [फानन, फौरन ।
तात्कालिक (वि.) उसी दम, आनन,
तात्पर्य (सं.) अभिप्राय, आशय, मर्म । [अर्थ, बाजबी ।
तात्पर्यार्थ (सं.) अभिप्राय का
तातो (वि.) गर्म मस्तिष्क का ।
तान (सं.) राग, स्वर, गान का एक अङ्ग विशेष, चाह, लालसा, अभिमान. घमण्ड, कपट ।
तानो (सं.) ताना, बाम्बाण ।
ताप (सं.) गर्मी, ज्वर, बुखार, तेज, हैरानी, ठाठ । [खोबी ।
तापट (वि.) तीक्ष्ण, कड़ा, आवेशी,
तापणी–णुं (सं.) भूमि पर जलाई हुई अग्नि, तपने के लिये जला हुई आग ।

तांबूल (क्रि.) तपना, गर्म होना।
तांबस (सं.) योगी, तपस्वी, ऋषि, साधु, तप करने वाला।
तांबस कर्म (सं.) साधुकार्य, ऋषिकर्म, तपस्वी के काम।
तांबेती (सं.) एक प्रकार का रेशमी वस्त्र, रेशमी कपड़ा विशेष।
तांबेतेांम (क्रि. वि.) तुरंत, शीघ्र, फौरन।
तांबुत (सं.) वह सन्दूक जिस में मुर्दा रख कर गाड़ते हैं, मूर्ति प्रतिमा, हसन और हुसेन के नाम पर बनाई हुई अर्थी, ताजिया, बाँस की खपाचयों द्वारा बनाया हुवा मकबरा—जो बहु मूल्य कागजों से वेष्ठित होता है और जिसे यावनी मास मुहर्रम में निकालते हैं।
तांबे (क्रि. वि.) परतन्त्र, परवश, पराधीन।
तांबे करुं (क्रि.) आधीन करना, स्ववश करना, जीतना, हराना।
तांबे थवुं (क्रि.) वश होना, आधीन होना, अधिकार में होना।
तांबेदार (सं.) नौकर, दास, आधीन, परवश, आश्रित।
तांबेदारी (सं.) दासता, नौकरी आधीनता, गुलामी, विवशता।
तांबो (सं.) अधिकार, वश, हक, कब्जा, दखल।
तांभडी-डो (सं.) देखो तांभडी
तांभस (सं.) क्रोध रोष, गुस्सा।
तांभसी (वि.) क्रोधी, आगसा, चिड़चिड़ा। [पान।
तांबुल (सं.) नागरबेल का पत्ता,
ताम्र (सं.) ताम्बा, धातु विशेष।
तांम्रकार (सं.) तमेरा, ठठेरा, ताम्बा आदि धातु का काम करने वाला।
तांम्रपट्ट-त्र (सं.) ताँबे का बना हुवा पत्र जिसपर पहिले राजाज्ञा लिखी जातीथी। तांबे की पट्टी जिसपर दान या मुआफी की जायदादों का ब्यौरा लिखा जाताथा।
तांम्रेा (सं.) नर्तकी सम्प्रदाय, वेश्या समूह, रण्डयों का समुदाय।
तार (सं.) टेलीग्राफ, तार, धागा, सूत्र। [कर्ता, बचानेवाला।
तारक (वि.) रक्षक, पालक उद्धार
तारकस (सं.) चांदी और सोने के तारों की दस्तकारी और जरी का काम।
तारण (सं.) छुटकारा, उद्धार, निर्णय, नजात, मुक्ति, मोक्ष, गिरवी, ऋण प्राप्त करने को बतौर जमानत रखा हुवा द्रव्य।

તારતમ્ય (સં.) ન્યૂનાધિક્ય, સામાન્ય, થોડા બહુત ભેદ ।
તારનાર (સં.) દેખો તારક
તારપછી (ક્રિ. વિ.) બાદમેં, उस के या इसके बाद, पीछे, पश्चात् ।
તારવવું (ક્રિ.) હિસાબ કી કિતાબ મેં જમા ઔર ખર્ચ કી જાંચ કરના, उठाना ।
તારવું (ક્રિ.) उद्धार करना, बचाना, रक्षा करना, छुड़ाना, उठाना ।
તારાજ (સં.) નષ્ટ, बरबाद ।
તારામંડળ (સં.) નક્ષત્ર મંડલ, નક્ષત્ર સમુદાય । [का दिन ।
તારીખ (સં.) દિન, તિથિ મહીને
તારોજ (સં.) સંક્ષેપ, सारांश ।
તારીફ (સં.) પ્રશંસા, बड़ाई, कीर्ति यश वर्णन, श्लाघा ।
તારીફલાયક (વિ.) પ્રશંસા યોગ્ય, श्लाघ्य, स्तुत्य, उत्तम, श्रेष्ठ ।
તારેહ ધારણ (વિ.) પૂર્વવત્ ।
તારુણી (સં.) तरुणी, युवती ।
તારુણ્ય (સં.) जवानी, यौवन ।
તારે (ક્રિ. વિ.) उस वक्त, तत्काल, तत्समय, तुझे, तुझको ।
તારો (સં.) નક્ષત્ર, तारक, ग्रह, आंख की पुतली, तैरैया ।
તારો (સર્વ.) तेरा ।
તાલ (સં.) छन्द, पद, नाच, मनुष्य कर्म्म वाद्य बड़ा हो वह परिमाण, विनोद, विलास, गर्व, संज्ञापन । [मुकुट ।
તાલકું (સં.) कपाल, सिर, सिरका
તાલભેલ (સં.) मिथ्या धूमधाम, व्यर्थ का ठाठबाठ ।
તાલાવેલી (સં.) चिंता, सोच, व्यग्रता, बेचैनी, बेकली ।
તાલીમ (સં.) शिक्षा, अभ्यास, विद्या।
તાલીમ આપવી (ક્રિ.) शिक्षा देना। सिखाना, बतलाना, तालीम देना ।
તાલીમખાનું (સં.) अखाड़ा, दंगल, शिक्षागृह, जहां कुछ सिखाया जाता हो ।
તાલીમપામેલ (સં.) तालीमयाफ्ता, शिक्षा प्राप्त, शिक्षित, सीखा हुवा गुणी । [भाग, तलुवा, तालू ।
તાલુ (સં.) तालू, मुखके ऊपरका
તાલુક (વિ.) सम्बन्ध, प्रयोजन, ताल्लुक । [ताल्लुकेदार, जमीदार।
તાલુકદાર (સં.) पटेल, मुखिया,
તાલુકો (સં.) जिला, प्रान्त, इलाका, अमलदारी ताल्लुक ।
તાલુસ્થાની (વિ.) तालव्य, जिह्व का तालुस्थान से उच्चारण हो, इ, ई, च, छ, ज, झ, ञ, श,

તાહેંત-૨૨-૪૫ (સં.) ભાગ્ય-વાન, ધનવાન, દ્રવ્યપાત્ર ।

તાપ (સં.) જ્વર, બુખાર, તાવ, કામકાજ રહેતા, પૂરા કામજ ।

તાવડી-ડો (સં.) હંડા, લોહે યા તામ્બે કા પાત્ર, ચિકની મિટ્ટી કા પત્તર ।

તાવવું (ક્રિ.) ગર્મ કરના, તપાના ।

તાવી (સં.) દેખો તવી

તાવીજ (સં.) મંત્ર, જાદૂ, ટોના, ગંડા યંત્ર, ગલે મેં યા ભુજા પર બાંધા જાનેવાલા અલંકાર વિશેષ ।

તાસ (સં.) ઘણ્ટા, ઘડિયાલ, વજ્ર, તામ્રપાત્ર, તસ્તા ।

તાસક (સં.) કિસી પ્રકારકી ધાતુ સે બના હુવા । [વસ્ત્ર ।

તાસતો (સં.) એક પ્રકારકા રેશમી

તાસણી (સં.) ચસૂલા ।

તાસવું (ક્રિ.) કાટના, ટુકડે ટુકડે કરના ।

તાસીર (સં.) મિજાજ, સૂરત, શક્લ, સ્વભાવ, બાન ।

તાસું (સં.) તાસા, એક પ્રકારકા ઢોલ,, વાદ્ય વિશેષ ।

તાંસણી (સં.) પ્યાલે સરીખા એક પાત્ર વિશેષ ।

તાંસળું (સં.) દેખો તાંસણી

તાહાર (સં.) ઠંડ, શીતલતા ।

તાહારક (સં.) તાવગી, ઠંડાઈ ।

તાહારું (વિ.) ઠંડા, શીતલ ।

તાળ (સં.) દેખો તાલ

તાળવું (સં.) તાલુ, મુખ કા ભીતરી ઊપર કા ભાગ, તાલુ ।

તાળી (સં.) હાથો કી પીટ કા શબ્દ, કરતલ ધ્વનિ, તારી ।

તાળી પાડવી (ક્રિ.) તાલિયાં પીટના, ઠટ્ઠા ઉડાના, તાલી બજાના।

તાળો પડાવવી (ક્રિ.) હંસી કરાના, દિલ્લગી ઉડાના ।

તાળું (સં.) તાલા, કુલ્ફ ।

તાળો (સં.) પત્ર વ્યવહાર, નિયમ પત્ર, કૌલ, કરાર । [ટિક્કડ ।

તિક્કડ (સં.) મોટી રોટી, રોટ,

તિખટ (સં.) તીખી વસ્તુ, ચર્પરી ચીઝ ।

તિખાઈ (સં.) વ્યાકુલતા, ખિન્ન, ઘબરાહટ, દૌડધૂપ, ખડબડી ।

તિખાશ (સં.) તીક્ષ્ણતા, ચર્પરા-હટ, કડુવાપન ।

તિખું (વિ.) તેજ, ચર્પરા, કટુ, તીખા । [ખટ્ટ ।

તિજોરી (સં.) ખજાનચી, ધના-

તિજોરી (સં.) રુપયા પૈસા રખનેકી લોહ સન્દૂક, ખજાના, ધનાગાર ।

तिखुं (सं.) मोखदार, तेज, पैना।
तिखर (सं.) मछली, डहुवा, पक्षी विशेष।
तिताधीउं (वि) ओछला, खाली।
तितिक्षा (सं.) धैर्य, धीरज, क्षमा, सहन शीलता।
तिथि (सं.) तारीख, चांद्रमास का दिन। चन्द्रकला की क्रिया, प्रतिपदादि तिथि।
तिथिक्षय (सं.) तिथि का नाश, तिथि की हानि, तिथि की टूट।
तिथ्यट (वि.) त्रिगुण, तिलड़ा, तिहोरता।
तिपाई (सं.) टिपाई, तिगठी, तीनपॉव की काष्ट की बनी तिपाई।
तिमिर (सं.) तम, अँधेरा, अंधकार।
तिरछा-छुं (वि.) तिरछा, टेढा, झुका हुवा, मुड़ाहुवा, ढालू।
तिरंदाज (सं.) धनुष चलाने वाला, धनुर्द्धर, धनुष विद्या में प्रवीण। [धनुर्वेद।
तिरंदाजी (सं.) धनुष विद्या,
तिरंभाज (सं.) देखो तीरंदाज।
तिरंभाजी (सं.) देखो तिरंदाजी।
तिरवेा (सं.) इतनी भूमि जिस-पर एकबार धनुषद्वारा बाण छोड़ा जावे वह अंतरजो बाण फेंकनेसे हो।
तिरस्कार (सं.) निन्दा, अपमान अप्रतिष्ठा, घृणा।
तिरहीत (सं.) देखो त्रिहुत।
तिल (सं.) देखो तण।
तिलक (सं.) चन्दनादिका मस्तकपर लेपन, सांप्रदायिक चिन्ह विशेष जो मस्तकपर लगाया जाता है।
तिलाना (सं.) राग विशेष, तिलाना नामक राग।
तिलभारभुं (वि.) क्रोधी, अकड़ू गर्म मिजाजका, शेखीखोर।
तीक्ष्ण (स) कुदाली, खनित्री।
तीक्ष्णशु (वि.) तेज, तीखा, पैना, क्रोधी, तीता, कड़ुवा, क्षिप्रकारी।
तीर्खा (सं.) मिर्च।
तीखुं (वि.) चरपरा, कटु, तीखा।
तीज (सं.) प्रतिपदकी तीसरी तिथि, तृतिया।
तीज्जुं (सं.) तृतीय, तीसरा।
तीड (सं.) टिड्डी, टांडी।
तीतर (सं.) देखो तित्तर।
तीर (सं.) बाण, शर, किनारा, पुट्ठा, कूल्हा, चूतड़, कड़ी, धारन, जहतीर, धजा।
तीरकामठ (सं.) धनुषबाण, तीर-कमान, शरशरासन।

તીરછું (વિ.) તિરછા, ટેઢા, બાંકા।
તીરથ (સં.) क्षेत्र, पुण्यस्थान, ऋषिसेवितजल, तीर्थ। [धर्माचार्य
તીરથકર (સં.) જૈનિયોંકે ૨૪
તીરથયાત્રા (ષ.) तीर्थाटन, तीर्थ गमन, पुण्य स्थानोंका भ्रमण।
તીરથરૂપ (સં.) पुण्यरूप, पवित्र-रूप, पिता, पूज्य, पूजनीय।
તીરથવાસી (સ.) तीर्थोंमें रहने वाले, यात्री, पुण्य स्थळवासी।
તીરથાટન (સં.) तीर्थ गमन, पुण्य स्थलोंमें भ्रमण, तीर्थ पर्यटन।
તીવ્ર (વિ.) अधिक तेज, कटु, कड़वा, प्रखर, गर्म, चपल, चंचल।
તીવ્રબુદ્ધિ (સ) कुशाग्र बुद्धि, तेज बुद्धि।
તીસ (વિ.) तीस, त्रिंश, ३०,
તીસમારખાં (સં) देखो तिसमारखां
તીક્ષ્ણ (વિ.) देखो तीक्ष्ण
તીક્ષ્ણતા (સં.) तेजी, चपलापन, उत्कर्ष, प्रखरता। [बुद्धि
તીક્ષ્ણબુદ્ધિ (સં.) देखो तीव्र
તીક્ષ્ણાગ્ર (વિ) नुकीलेमा, नोंकदार पैनी नोंकवाळा।

તું (સર્વ.) तू [मैसोरकी नदी।
તુંગભદ્રા (સં.) नदी विशेष,
તુંતી (સં.) देखो તુંબરુ।

તુક (સં.) छोटे या चारीकी खरी या गोटा। [तुंबरुकी दाल।
તુમ્બુરુ (સં.) तूंबर, अन्नविशेष,
તુખમ (સં.) बीज, उत्पत्ति, कुळ, वंश।
તુખ્ખલ (સં.) पतंग विशेष, एक प्रकारकी गुड्डी, पतंगकी एक जाति, चंग।
તુક્કો (સં.) भोंठा बाण, बोथरा तीर, गपशप, चर्चा, अफवाह।
તુચ્છ (વિ.) अल्प, थोड़ा, नीच, हीन, अधम, निटल्ला, निकम्मा।
તુચ્છ માનવું (ક્રિ.) हीन समझना, न कुछ समझना, हलका मानना।
તુચ્છકાર (સ.) घृणा, नफरत।
તુચ્છકારવું (ક્રિ.) नफरत करना, घृणा करना।
તુચ્છાવસ્થા (સં.) हीनावस्था।
તુટ (સં.) नाराजी, अप्रसन्नता, तोड़, खंडन, टूट।
તુટક (વિ.) टुकड़ा, खंड बिखरा हुआ, अलग, जुदा।
તુટકાવ (સં.) फूट, अनैक्य, जुदाई, विलगता, टूटफूट।
તુટવું (ક્રિ.) टूटना, अलग होना, जुदा होना, बिलग होना।
તુટી પડવું (ક્રિ.) टूट पड़ना, गिर पड़ना।

तुरेखुं (वि.) टूटा हुवा, खण्डित।
तुरेखुं (क्रि.) कातना, बिगरी या पैवन्द लगाना, टांका मारना।
तुंड (सं.) सूरत, शक्ल, मुहँ।
तुतड (सं.) जहाज का तखता, नौका पृष्ठ।
तुतंभ (सं.) बनावट, झूठ, पाखंड।
तुती (सं.) पक्षी विशेष। [वर्ण।
तुंड (सं.) घमण्ड, अहंकार, गर्वित,
तुंडी (सं.) घमण्डी, अहंकारी।
तुनीआट (सं.) छोटा व्यापारी, छोटा सौदागर।
तुंबडी डुं (सं.) छोटा तूंबा, साधु-ओंका जळपात्र। [तुम आप।
तुभ (सं.) पहियेकी नाह (सर्व.)
तुभडी (सं.) देखो तुंबडी।
तुभ्रान (सं.) पजामा, पायजामा, बिरजस।
तुमार (सं.) बडी लिखा पढ़ी।
तुरछ (सं.) तुरही, तुरम, बिगुल, लोहेकी कील जिसके दोनों ओर नोक हो।
तुरक (सं.) तुर्क, मुसलमान, यवन, मलेच्छ, जाति विशेष।
तुरकसवार (सं.) सवार, बहादुर, सैनिक। [रखनेवाला, तुर्की भाषा।
तुरकी (सं.) तुर्कीस्तानसे सम्बन्ध
तुरकी चाल (सं.) घोड़ो की सरपट चाल, तेज चाल, तखट।
तुरंगी (सं.) घोडी, तरंगी, लंबी मौजी, लहरी।
तुरंज (सं.) एक प्रकारका वृक्षफल।
तुरत (क्रि. वि.) देखो तुरंत
तुरपद (स.) तुरही, तुरम, बिगुल, कपड़ा बुननेवालेका डंडा।
तुरास (सं.) कब्ज, कोष्ठबद्धता।
तुरी (सं.) घोड़ा, नारी, डरकी, जुलाहोंके कामका औजार, दोनों और नोकदार कील। [विशेष।
तुरीउं (सं.) तुरैया, तुरई, शाक
तुरं (वि.) न पचनेवाली दवा, कब्ज करनेवाली। [शीघ्र।
तुरंत (क्रि. वि.) तुरत, फौरन,
तुरो (सं.) देखो तुरं-तोरो।
तुष (सं.) अनाजका पोटा, अनाजकी चोटा, बाल, या सिरा। [समानता।
तुलना (सं.) कूत, तौल, बराबरी,
तुलवारी (सं.) जमीन का कर, उसकी उत्पत्ति के अनुसार लगान।
तुलसी (सं.) तुलसिका, हरि प्रिया, देव वृक्ष। [तुलसी का पत्ता।
तुलसीपट (सं.) तुलसी दल,
तुलसी वृंदावन (सं.) मकान के आगे तुलसी की वेदी जिसकी नित्य पूजा हो। [तोलने का यंत्र।
तुला (सं.) काँटा, तराजू, बकल

तुल्य (सं.) समान, बराबर, सदृश।
तुषर-वेर (सं.) देखो तुम्बेर।
तुषरसिंग (सं.) एक प्रकार की फली। [चाँवलों की भूसी।
तुष (सं.) चाँवलों का छिलका,
तुषार (सं.) पाला, ओस, कुहर, ओले, ठंढ, शीत, तुहिन।
तुष्ट (वि.) खुश, प्रसन्न, आनन्दित।
तुसरु (सं.) चौरस लकड़ का लट्ठा।
तुहा (सं.) देखो तुला
तुलादान (सं.) स्वशरीर के बराबर किसी वस्तु का दान, दान विशेष।
तूत (सं.) कपट प्रबन्ध, गूढ़, झूठे बयान।
तूल (सं.) देखो तुल
तूलवारी (सं.) देखो तुलवारी
तृण (सं.) घास, फूस, तिनका।
तृणचर-भक्षी-हारी (स.) पशु जो घास पात खाते हों।
तृणाच्छादित-तृणाच्छन्न (वि.) तृण संकुलित, घास से ढका।
तृणवत (वि.) घास के समान, तृण समान, नकुछ, व्यर्थ, निकम्मा।
तृतीय (सं.) तीसरा।
तृतीया (सं.) देखो तीज
तृतीयांश (वि.) एक का तीसरा हिस्सा। $\frac{1}{3}$, तीसरा भाग।
तृप्त (वि.) परितोषान्वित, संतुष्ट, हर्षित, प्रसन्न, हृष्ट। [आह्लाद।
तृप्ति (सं.) सन्तोष, परितोष,
तृषा (सं.) तृष्णा, पिपासा, प्यास।
तृष्णा (सं.) पिपासा, पीने की इच्छा, उत्कंठा, अत्यंत अभिलाष, लोभ, लोलुपता, अधिक उत्सुकता।
तें (सर्व) तू, तुम, आप।
तेंताणीस (वि.) ३ और ४०, तेतालीस, ४३। [तेतीस, ३३।
तेंत्रीस (वि.) ३ और ३०,
तेसठ (वि.), ६० और ३, त्रेसठ, ६३।
ते (सर्व.) वह, वो।
ते उपरांत (अ.) इसके अतिरिक्त, इसके बाद, तदुपरान्त।
ते छतां (अ.) ते छतां, तिस पर भी, तथापि, बावजूदेकि, तौभी।
तेओ (सर्व.) वे, ते।
तेओनुं (सर्व.) उनका, उन्हींका।
तेओने (सर्व.) उनको, उन्हीं को।
तेग (सं.) खड्ग, वक्रकृपाण, तलवार, असि। [प्रकाश, गर्मी।
तेज (सं.) प्रताप, बळ, चमक,
तेज (वि.) मजबूत, दृढ, कड़ा, अनुसार, मुवाफिक। [सादृश्य।
तेजते (सं.) समानता, सदृश्यता,

તેજની (सं.) क्षीतलता, नवीनता, तेजी, ताजगी।
તેજ પ્રમાણે (कि. वि.) ऐसा, उसी प्रकार, ऐसेही, उसी भाँति, उसी तरह। [मकदार।
તેજવંત (वि.) चमकीला, च-
તેજવાન-વાળુ-વી (सं.) पूर्ववत्।
તેજાના (सं.) मसाला, नमूना।
તેજાબ (सं.) खटाई, तेजाब, सत्व।
તેજાળ (सं.) चमक, प्रकाश।
તેજી (वि.) चंचलता, चपलता, शीघ्रता, जल्दी।
તેજીમંદી (सं.) चढाव उतार, घट-बढ, शान्त उग्र।
તેજોમય (वि.) अग्निपुंज, ज्योतिर्मय, प्रकाशमय, प्रकाश स्वरूप।
તેજોવૃદ્ધિ (सं.) चमक; प्रकाश, मुहरत, नामवरी।
તેટલાવાસ્તે (उपं.) इसकारण, इस-वास्ते, अतएव, एतदर्थ।
તેટલામાં (कि.) इतनेमें, इसीबीच, उसी समय। [उतना।
તેટલું (वि.) इतनाज्यादः, इतना,
તેટલે (कि. वि.) तब, तक, तलक, जबतक।
તેડવું (कि.) टेरना, बुलाना, विमंत्रित करना, कमरपर, उठाना।
તેડાવવું (कि.) बुलवाना, बुला भेजना। [टेढा, तिरछा।
તેડું (कि.) विमंत्रण, न्योता (वि.)
તેડુકરવું (कि.) निमंत्रित करना।
તેણીકોર (कि. वि.) वहाँ, उधर। उसतरफ, उसजगह।
તેણે (सर्व.) वह [તેણીકોર।
તેણીગમ-ભેર (कि. वि.) देखो,
તેણેકરીને (कि. वि.) इसकारणसे तस्मात, अतः, इसलिये।
તેતર (सं) देखो તેતર
તેથી (कि. वि.) इसकारण, इसलिये।
તેનાત (सं.) परवशता, वशी भूतता, आधीनता, वशता, तैनात, काबम।
તેની (सर्व.) उसका।
તેનીમેળે (सर्व.) उसके लिये, उसके वास्ते। [वहीका वही।
તેનોતેજ (वि.) सत्य, सच्चा, ठीक,
તેપન (सं) त्रेपन, ५० और ३, ५३,
તેપ્રમાણે (कि. वि.) उसीके अनुसार, यों, ऐसा, इस रीतिसे, अनुसार।
તેમ (कि. वि.) ऐसे जैसे, तैसे।
તેમજ (कि. वि.) इसी रीतिसे, इसी तौरपर, औरभी।
તેમાંથી (कि. वि.) उसमें।
તેમાંય (कि. वि,) देखो તેથી.
તેમનું (सर्व.) उनका, उन्होंका।

तेर (वि.) १३, तेरह, १० और ३, त्रयोदश। [तेरहवाँ।
तेरहुं (सं.) मृतकको तेरहवाँ दिवस
तेरस (सं) तिथि विशेष, त्रयोदशी।
तेरीख (स) तारीख, तिथि, व्याज की दर, सूदकी दर। [द्रव्य:
तेल (सं.) तैल, तिल विकार, स्निग्ध
तेलाडवुं (कि.) तंग करना, थकाना, तेल निकालना, मसलना, कुचलना। [पसीजना, स्वेदबहना।
तेलानडणुं (कि) पसीना निकलना
तेलण (स.) तेलाकी औरत, तेल निकालनेवालेकी स्त्री।
तेलवाणुं (वि.) चिकना, तेलसा, तिलहा, स्निग्ध, तेल युक्त, तेली।
तेलां (स.) नवरात्री में तीन दिन का व्रतोत्सव।
तेली (स) जाति विशेष, तेल वाला, तैल विक्रेता।
तेलीओरान्ण (सं.) जो तेल में देखकर या स्नान कर के भावष्य बतलाता हो।
तेवड (सं. देखो त्रेवड।
तेवडवुं (कि.) तीन लडाकरा, तिहोरा करना, त्रिगुण करना।
तेवडु (स) तिगुना, तिहोर, तिलडा, त्रिगुण, इतना बड़ा जितना कि वह।
तेवाभ (कि. वि.) देखो तेडलाभां
तेवारे (कि. वि.) देखो त्यारे।
तेवास्ते (अ.) इसवास्ते, इसलिये। तस्मात्, अतएव, एतदर्थ।
तेवीस (सं.) त्रिविंश, तेईस, २३।
तेवुं (कि. वि.) वैसा, उसके समान। [वैसा।
तेवुज (कि. वि.) वैसाही, ठीक
तेवे-वो (कि. वि.) तुरंत, फौरन, तत्क्षण, शीघ्र।
तेवेळा (कि. वि.) तब, उस समय।
तेवोज (कि. वि.) ठीक वैसाही।
तेसठ (वि.) ६३, त्रेसठ, ६० और ३
तेहेवार (सं.) पवित्र दिन, पर्व-दिन त्यौहार, उत्सव दिन।
तेहेसील (स.) माल गुजारी, या लगान का संग्रह।
तेहेसीलदार (सं) माल गुजारी का संग्रह कर्ता, पद विशेष।
तेहेसीलदारी (सं) माल गुजारी आदि संग्रह करने का काम, तहसीलदार का काम।
तेजस (वि.) चमकीला, रोशन।
तैयार (वि) यथत, सज्जित, तय्यार पूर्ण, समाप्त प्रस्तुत। [इच्छुता।
तैयारी (सं.) प्रस्तुति, उद्युक्तता,
तैल (सं.) देखो तेल।

તેલાભ્યંગ (સં.) તેલકા પ્રયોગ, તેલ ઔર ઉબટના । [ઔર ૩ ।
તોતેર (વિ.) ૭૩, તિહત્તર, ૭૦
તો (ઉપ.) યદિ, અગર, તબ, તદા, અવશ્ય, નિસ્સન્દેહ, સચમુચ ।
તોક (સં.) પટ્ટા, બેડી, હથકડી ।
તોકલ (સં.) ચોડી, ભરોસા, આસરા, વિશ્વાસ, સહારા ।
તોકવું (ક્રિ.) ચૌકસ કરના ।
તોખમ (સં.) દેખો તુખમ ।
તોખાર (સં) અશ્વ, ઘોડા, તુરગ વાજિ।
તોગ (વિ) દુષ્કદાઈ, કઠિન, કષ્ટપ્રદ ।
તોગર (સં.) ધનાઢ્ય, ધનવાન ।
તોછડાઈ (સં.) ગૅવારપના, કમીનાપન, ઓછાપન । [મૂર્ખ ।
તોછડું (વિ.) ગૅવાર, શઠ,
તોડ (સં.) આપસમેં મિલકર નિપટારા, ફૈસલા, તરતીબ, ઉપાય ।
તોડકોડવો (ક્રિ.) જુગતી કરના, વિચાર કરના, આપસમેં નિપટલેના।
તોડવું (ક્રિ.) તોડના, ખણ્ડખણ્ડ કરના, ગલાના, પિગલના। [કરના।
તોડાવું (ક્રિ) તુડાના, ટુકડે ૨
તોડીનાખવું-પાડવું (ક્રિ.) ખીંચ ડાલના, તોડ દેના, ખંડિત કર ડાલના અપમાન કરના, ગાલીદેના।
તોડો (સં.) એક હજાર રુપયે જિતમેં સમા સકે ઐસી એક બૈલી, એક પ્રકારકા પૈર મેં પહિનને કા આભૂષણ, તોડેદાર બન્દુક કો ચલાને કે લિએ આગ લગાનેકી બત્તી ।
તોણીઆત (સં.) છોટા વ્યાપારી યા મહાજન ।
તોતડું બોલવું (ક્રિ.) તુતલા કર બોલના, હકલા કર બોલના, તોતરા બોલના [હટ
તોતડું (વિ.) તુતલા હટ, હકલા
તોતડો (સં.) તુતલા, હકલા, અસ્પષ્ટ વક્તા ।
તોતળા (સં.) એક દેવીકા નામ ।
તોતો (સં.) શુક, સુઆ, સુગ્ગા ।
તોપ (સં) આગ્નેયાસ્ત્ર, શતઘ્ની, બડી બન્દૂક, તોબ ।
તોપખાનું (સં.) શસ્ત્રાગાર, યુદ્ધકી સામગ્રીકા ઘર, તોપોંકી પલ્ટન ।
તોપચી (સં.) તોપવાળા ।
તો પણ (અ.) અગરચે, યદ્યપિ, તોભી, તિસપરભી, તથાપિ, બાવજૂદેકી । [માર, ગોલેકી વર્ષા ।
તોપનો મારો (સં.) તોપકે ગોલેકી
તોપ ફોડવી (ક્રિ.) તોપ દાગના, તોપ ચલના, તોપ છોડના ।
તોપ મારવી (ક્રિ.) દેખો તોપ ફોડવી.
તોફા -ફે (વિ.) ઉત્તમ, ઉમ્દા, શ્રેષ્ઠ ।

તોફાન (સં.) તૂફાન, આંધી, उद्दण्ड वायु, झक्कड, रौला, बलवा, झंझट, हलचल, गड़बड़ी, बदी, नुकसान, बुराई, गर्ज्जना।

તોફાની (વિ.) बुरा, दुष्ट, नुकसान पहुंचानेवाला।

તોબરો (સં.) घोड़े के मुंहपर बांध कर दाना डालकर खिलाने की थैली, फूला हुवा मुंह।

તોબા (વિ.) पछतावा, पश्चाताप, अफसोस, खेद।

તોબા કરવી (ક્રિ.) तोबा करना, प्रायश्चित्त करना, पछताना।

તોબાતોબા (વિ.) अफसोस सद-अफसोस, खेद अत्यन्त खेद।

તોય પણ (ક્રિ. વિ.) देखो તોપણ।

તોર (સં) धूमधाम, दिखावा, गर्व, झपट, आक्रमण, खेल, भावना, दृष्टि, आकार, रूप, सनक, मनो-विकार।

તોરડી (સં.) वह मिट्टीका बर्तन जिसमे मृतककी अर्थीके आगे आगे अग्नि उसके दाहकर्म के लियेले-जाई जाती है।

તોરણ (સં) पत्तोंकी बनीहुई झालर बन्दनवार, पत्तोंकी माला।

તોરી (વિ.) गर्व, घमण्ड, दर्प, (સં.) घोड़ा, अश्व।

તોરો (સં.) गुलदस्ता, फूलों का गुच्छा, मुकुट, पगड़ी का रेशमी जिला या कोर, अगुवा।

તોલ (સં.) वजन, भार।

તોલકટ (સં.) कम (वजनमें)

તોલડી (સં.) देखो તોરડી

તોલનાર (સં.) तोलनेवाला, तुलवट।

તોલદાર (વિ.) भारी, वजनदार।

તોલવધ (સં.) वजनसे अधिक, वजनमे जियादः।

તોલે (ક્રિ વિ.) समान, मानिन्द।

તોલો (સં.) १२ माशा, वृटिशके रुपये भर, एकतोला, $\frac{1}{5}$ छ टॉक।

તોશાખાનું (સ.) सरकारी खजाना, राजकीय कोषागार।

તોસદાન (સં.) थैली, न्योली।

તોહોતેર (સં.) ७३ तिहत्तर, ३ और ७०। [कलङ्क, निंदा, अपयश।

તોહોમત (સં.) दोष, अपवाद, लगान

તોહોમત મુકવું (ક્રિ.) झूठाकलंक लगाना, दोष लगाना, अपयश देना।

તોળવું (ક્રિ) तोलना, वजन करना, सोचना, विचारना।

તોળા (સં.) वजन, बाट।

તોળાર (સં.) तोलनेवाला, वजन करने वाला।

તોળામણ (સં.) तोलनेका मजदूरी बातनखाह, तुलाई (कीमत)

त्यां (कि. वि.) वहां, उधर, तहाँ।
त्यांथी (कि. वि.) वहाँसे, उसजगहसे
त्यांलगी (कि. वि.) तक, तबतक, तबलग। [विरक्त, वैराग्य, छोड़।
त्याग (सं.) दान, वर्जन, उत्सर्ग,
त्यागकरवु (कि.) छोडना, त्यागदेना तजना, परित्याग करना।
त्यागी (सं.) वैरागी, जिसने संसार के आनन्दभोगोको त्यागा हो।
त्यारथी (कि वि.) तबसे उस समयसे।
त्यारपछे (कि वि.) बादमें, उपरान्त पश्चात्, अनन्तर। [उसका।
त्यारतुं (कि. वि.) उसस्थानसे,
त्यारे (कि. वि) तब, उस समय।
त्यांलगी (कि. वि.) तक, तबतक उस समय तक, पर्य्यन्त।
त्यारपछी (कि. वि.) पूर्ववत्।
त्यासी (सं.) संख्या विशेष, ८३, तिरासी, अस्सी औरतीन।
त्यांहां (कि. वि.) वहाँ।
त्यांहांनुं (कि. वि.) वहाँका, उनका,
त्वचा (स. खाल, चमडा, वल्कल चर्म, छाल।
त्वचारहित (वि.) चर्म हीन, बिना खालका, जिसपर चमड़ा नहो।
त्वरा (सं.) वेग, शीघ्रता, द्रुत, जल्दी।
त्वरित (कि. वि.) त्वरान्वित, जल्दीसे, तेजीसे, शीघ्रतासे।
त्रगडुं-णुं (वि.) तिगुना, त्रियुंण तिहोरा, तीनतर, १×३,
त्रण (वि.) तीन, ३, त्रय।
त्रणदेव (सं.) तदकत्व, त्रिदेव, तीन देवता, ब्रह्मा, विष्णु और महादेव।
त्रणसे (वि.) तीनसौ, ३००, त्रिशत।
त्रतिया (सं.) तृतिय देखो ती।
त्रंबक (सं.) शिव, महादेव, शकर।
त्रंबाणु (सं) तबले की तर्ज का एक बड़ा ढोल विशेष। [चदर।
त्रकाणुं (सं) एक प्रकारका तॉबेका
त्रय-यी (सं) तीन अतरोंका राग, तीन बाजोका मेल, तीनकामेल, त्रिक, तिगड्डा, तीनका जुट्ट।
त्रयोदश (वि.) तेरह, तेरहवॉ।
त्रयोदशा (स.) मृत्यु का १३ वॉ दिन, मौतकी तेरहवी तिथि।
त्रयोदशी (सं.) तिथि विशेष, चान्द्रमासके पक्षकी १३ वी तिथि, तेरस।
त्रवाडी (स) ब्राह्मणोका उपनाम त्रिवेदी।
त्रांक-त्राक-ज (सं) तीर, किनारा तट, भाँज, रस्सीका बट।
त्रांबु (सं.) दबाव, बरजोरी, बल, बल मनुष्यकी हानि पहुचाना।

ત્રાજવું–વુડી (સં.) કાંટા તોલ-વેલા, તુલાયંત્ર, તરાજૂ, તરાજી ।
ત્રાપુષ (સં.) અંગપર સૂઈસે ગડ્ઢા કરકે ઉસમેં નીલા લાલ યા કિસી પ્રકારકા રંગ ભરકે ચિન્હાદિ બનાના, ગુદના, ગોદન । [ગાડ્ટ ।
ત્રાડ (સં.) ચિલ્લાહટ, ચીખ, ચિચિ-
ત્રાણ (સં.) રક્ષણ, ઉદ્ધાર કરણ, નિસ્તાર, ઉદ્ધાર ।
ત્રાણું (વિ.) ૯૩, તેરાનવે, નબ્બે ઔર ૩ । [બચાનેવાલા, ઉદ્ધારક।
ત્રાતા (સં. રક્ષક, ત્રાણકર્તા,
ત્રાપ મારવી (ક્રિ.) એકદમસે પકડ્લેના, ઝપટ મારના ।
ત્રાપો (વિ.) બેડ્ા । [વિશેષ ।
ત્રાંબું (સં.) તાંબા, તામ્ર, ધાતુ-
ત્રાંબડી (સં.) પાની ભરનેકા પાત્ર ।
ત્રાસ (સં.) ભય, શંકા, ડર, દુઃખ ।
ત્રાસ દેવો (ક્રિ.) સતાના, દુઃખ પહુંચાના, ડરાના, ભયભીત કરના ।
ત્રાસદાયક (સં.) દુઃખદાયી, ભયપ્રદ ।
ત્રાસન (વિ.) ભયાનક, ડરાવના ।
ત્રાસું (વિ.) તિર્છા, ટેઢા, ટેઢા,
ત્રાહી–હે–હિ (વિસ્મ.) રક્ષા કરો, બચાવો, ત્રાણ કરો, દયા કરો ।
ત્રાહિત (સં.) તીસરા પક્ષ, તીસરા સમાજ ।
ત્રિ (વિ., તીન, સંખ્યા વિશેષ, ૩ ।
ત્રિકમ (સં) વિષ્ણુ, હરિ ।
ત્રિકાંડ (વિ.) જિસકે તીન ભાગ હો, તીન દર્જેવાલા ।
ત્રિકાળ (સં.) તીનકાલ, ભૂત, વર્તમાન ઔર ભવિષ્ય, પ્રાત, મધ્યાન્હ ઔર સંધ્યા ।
ત્રિકાળજ્ઞ (વિ.) ઋષિ, મુનિ, તીનોં કાલકા જ્ઞાતા, સર્વજ્ઞાની ।
ત્રિકાળજ્ઞ (વિ.) પૂર્વવત્
ત્રિકાળવેત્તા (વિ.) પૂર્વવત્
ત્રિકાળજ્ઞાતા (વિ.) પૂર્વવત્
ત્રિકાળજ્ઞાન(સં.) તીનોંકાલોંકો જાન-લેનેકી વિદ્યા, સર્વજ્ઞતા, સર્વજ્ઞાન ।
ત્રિકાળજ્ઞાની (વિ.) દેખો ત્રિકાળદર્શી
ત્રિકુટી (સ.) ભૃકુટીકે બીચકી જગહ, ભૌંકે બીચ કી જગહ ।
ત્રિકૂટ (વિ) પર્વત વિશેષ, તીન શિખરોંકા પહાડ્ । [વિશિષ્ટ ।
ત્રિકોણ (સં.) તીનકોણ, ત્રિકોણ
ત્રિકોણમિતિ (સં.) ત્રિકોણ વસ્તુ ઓંકો માપનેકી વિદ્યા ।
ત્રિકોણાકાર (વિ.) તિકોના, તીનકો નોકી શક્લકા, ત્રિકોણ સમાન ।
ત્રિખંડ (વિ.) ત્રિભાગ, તીન જગહ વિભાજિત ।
ત્રિગડો (સં) ઊંચી બૈઠક ।
ત્રિગુણ (સં.) તીન ગુણ, દેવ મનુષ્ય ઔર રાક્ષસ । [રજ ઔર તમ ।
ત્રિગુણ (સં) તીન ગુણ, સત્વ,

त्रिघात (सं.) घन, छःपहला।
त्रिचरण (सं) तीन पादका।
त्रिजगत्-त् (सं.) तीन जगत, स्वर्ग, नर्क, और पाताल।
त्रिज्या (सं.) व्यासार्ध रेखा, आधे विस्तारकी रेखा।
त्रितापं (सं.) तीन प्रकारके दुःख, आध्यात्मिक, आधिभौतिक, आधिदैविक। [सुरपति, शचीनाथ।
त्रिदशपति (सं) इन्द्र, देवराज,
त्रिदंडी (सं.) त्रिदण्डधारी, यति, सन्यासी विशेष।
त्रिपद (सं.) पदत्रय, त्रिरेखायुक्त।
त्रिपदभूमि (सं.) तीन कदम जमीन, तीन पैर पृथ्वी।
त्रिपात (वि.) कडक, चटक।
त्रिपुटी (सं.) त्रिश, त्रिश, ज्ञाता, किसी वस्तु का ज्ञान और तत्संबंधी अन्य बातों की जानकारी, गुमाश्ता, अभिप्राय और काम।
त्रिपुंड्र (सं.) आड़ी तीन रेखाओं का तिलक, शैवतिलक।
त्रिपुरुष (सं.) तीन बड़े आदमी, बाप, दादा और पड़दादा।
त्रिफला (सं) ऑवला, हर्र और बहेड़ा, औषधि विशेष, हरड़ तीन भाग ऑवले १२ भाग और बहेड़ा ६ भाग यथा " हरी तक्याक्षयो भागा धात्र्या द्वादश भाग काः। बड भागाश्च विभीतस्य त्रिफलैकं प्रकीर्तिता "।
त्रिबाण (वि.) देखो त्रिभंड।
त्रिभुवन (सं.) तीनलोक, स्वर्ग, मृत्यु और पाताल।
त्रिमासिक-माही (कि. वि.) तीन महीनेकी, त्रैमासिक।
त्रिमूर्ति (सं.) तीनदेव, ब्रह्मा, विष्णु और रुद्र।
त्रिया (सं.) स्त्री, औरत, पत्नी।
त्रिरात्र (सं.) तीन रात्रि और तीन दिन की अवधि।
त्रिवर्ग (सं.) धर्म, अर्थ और काम, सत्व रज और तम। हानि लाभ और सम, धन, स्त्री और भूमि, जर, जोरु, जमी।
त्रिराशी (सं.) त्रैराशिक, गणित, विशेष। [शिव, रुद्र।
त्रिलोचन (सं.) तीन नेत्र का,
त्रिवली (सं.) मनुष्य के या स्त्री के पेटमें तीन रेखाएं। [वतार।
त्रिविक्रम (सं.) विष्णु, वामना-
त्रिविधतप (सं.) तीन प्रकार का तप।
त्रिविधताप (सं.) त्रिताप
त्रिविधनायिका (सं.) तीन प्रकार की स्त्री, स्त्रियों की तीन जातियां।

ત્રિવિધ (વિ.) તીન પ્રકાર, ત્રિધા ।
ત્રિવેણી (સં.) ગંગા, યમુના ઔર સરસ્વતી કા સંગમ, ઇડા પિંગલા ઔર સુષુમ્ણા ।
ત્રિશૂલ (સં.) તીન નોકો કા ભાલા, મહાદેવ કા અસ્ત્ર વિશેષ ।
ત્રીજ (સં) દેખો તીજ ।
ત્રીડ (સં.) દર્દ, દુ ખ ।
ત્રીસ (સં.) તીસ, ત્રિંશ, ૩૦ ।
ત્રીહવું (ક્રિ.) ખુશ હોના, પ્રસન્ન હોના, હૃષ્ટ હોના, મુદિત હોના ।
ત્રેતા (સં.) દ્વિતીય યુગ ।
ત્રેતાયુગ (સં.) દ્વિતીય યુગ જિસકી અવધિ ૧૨,૯૬,૦૦૦ વર્ષકી ।
ત્રેધા (સ) તીન માર્ગ, તીન રાસ્તે ।
ત્રેપન (વિ.) ૫૩, સંખ્યા વિશેષ, પચાસ ઔર તીન । [તેયારા ।
ત્રેવડ (સં.) પ્રબન્ધ, બન્દોબસ્ત,
ત્રેવડું (વિ.) તીનબાર, તીન પ્રકાર કા। [ત્રિભાસિક ।
ત્રૈભાસિક-માહી (સ.) દેખો
ત્રૈરાશિક (સં) દેખો ત્રિરાશી,
ત્રૈલોક્યનાથ (સં.) વિશ્વનાથ, તીનો લોકો કે અધિપતિ ।
ત્રૈલોક્ય (સ.) તીન લોક, સ્વર્ગ મર્ત્ય ઔર પાતાલ ।
ત્રોડવું (ક્રિ.) તોડના, કાટના બાંટના હિસ્સે કરના, ભાગ કરના ।
ત્યજવું (ક્રિ.) છોડના ।
ત્વ (સં.) (પન) પ્રદર્શક પ્રત્યય જૈસે લઘુ+ત્વ=છોટાપન ।
ત્વગિંદ્રિય (સં.) સ્પર્શેન્દ્રિય ।
ત્વચા (સ.) ચમડા ચર્મ, ખાલ ।
ત્વરા (સં) જલ્દી, શીઘ્રતા, તેજી ।

થ

થ-ગુજરાતી વર્ણ માલાકા અઠ્ઠાઈસવાં અક્ષર, ૧૭ વાં વ્યંજન ।
થકવું-કવું (ક્રિ) સમાપ્ત હોના, ખતમ હોના પૂર્ણ હોના નષ્ટ હોના,
થકવું (ક્રિ.) પૂર્વવત ।
થકાતેવું (વિ) મુમકિન, સંભાવી હોને ક યોગ્ય, સંભવ ।
થકવવું-કાવવું (ક્રિ) થકના, થકાના, વ્યથિત કરના ।
થકી (ઉપ.) સે, વાસ્તે, કારણસે ।
થટ (સ) ઢેર, ઝુડ, ઠટ્ઠ, ભાડ ।
થટ્ટાણી (ક્રિ.) ભીડ હોના ।
થટ્ટા (સં.) હૅસી દિલ્લગી ।
થડ (સં.) ધડ, પેડી, સૂંડ પેંદા, તલી, પૌધા, જડ, પાંવ ।
થડકવું (ક્રિ.) કૂદના, તાજ્જુબ કરના, ચકિત હોના, વિસ્મિત હોના ભયાતુર હોના, ઠિઠકના, ચુતલાના।
થડથડ (ક્રિ. વિ.) ઠોકરોં ઔર ચૂલોંકીસી આવાજ ।

ઠકોરાત (सं.) जोरकी आवाज ।
ઠઠામઠા (विस्म०) टक्कर, मर्मभेदी धपचप, थपथपाहट ।
ઠડી (सं.) ढेर, गंज, समूह ।
ઠડીકરવી (क्रि०) ढेर करना, घड़ी करना या जमाना ।
ઠંડ-ડી (सं.) शीत, ठंड, जाड़ा ।
ઠડક (सं.) शीतलता, ठंडाई, ठंडक,
ઠંડકથી (क्रि. वि.) सावधानीसे, शान्तिसे, धीरजसे ।
ઠંડાગાર (वि) अत्यंतशीत, बहुतही ठंडा, ठंडाबर्फ ।
ઠંડાઈ (सं.) धीमापन, सीधापन, सुस्ती, सुशीलता, कोमलता मृदुता ।
ઠડી (सं.) ठंडापना, शीतलता, ठंडक, शान्ति ।
ઠડુ (वि.) ठंडा, शान्त, धीमा, मंद सुस्त, शीतल, मृदु, कोमल ।
ઠંડુંકરવું-પાડવું (क्रि,) ठंडा करना धीमा करना, शान्त करना।
ઠતું (वि) अस्ति दशा, अवस्था ।
ઠપકારવું (क्रि.) डाटना, भलाबुरा कहना, झिड़कना धिक्कारना ।
ઠપકો (क्रि०) लीपना, छिड़कना, मोटा मोटा लेपना लपेटना ।
ઠરનાર (क्रि. वि. होना,) होनेवाला, भविष्य । [चपत, रैपट ।
ઠપ્પડ-ઠપ્પડ-ઠપ્પડ (सं. चाँटा,
ઠપ્પડમારવી (क्रि,) चपतमारना, चांटा देना, थाप मारना ।
ઠબઠબી (सं.) रुपया, खजाना, धन, द्रव्य, पूंजी, खंभा ।
ઠંભ (सं०) स्तंभ, खंभा, खंभ ।
ઠંભવું (क्रि०) ठहरना ।
ઠયું (क्रि०) हुवा, भया, हुआ ।
ઠર (सं.) रंग या पलस्तर के समान, तह, क्यारी । [होना ।
ઠરકવું (क्रि.) डरना, भयभीत
ઠરકર (क्रि. वि.) कम्प, डगमग, हलचल, एक प्रकार का कम्प ।
ઠરકરવું (क्रि.) थर्राना, कांपना, कम्पित होना, झूजना, हिलना ।
ઠરકરાટ (सं.) कम्प, थरथरी ।
ઠરકરાવવું (क्रि०) धुड़काना, धमकाना, डांटना ।
ઠરકરી (सं०) कंपकंपी, कम्प ।
ઠરો (सं.) मैल, तलछट, गाद ।
ઠરવું (क्रि.) होना, होजाना, बाकी होना, बीतना ।
ઠણ (सं.) जगह, स्थान, स्थल ।
ઠણી (सं.) औजार, हथियार, थली ।
ઠાંઠાઈ (वि) सुस्ती, धीमापन ।
ઠાંઠુ-ઠો (वि.) मन्द, सुस्त, धीमा, ढीला, विलम्बी ।

થંભો-ભલો (સં.) દેખો થંભ ।
થાક (સં.) થકान, थकावट, आराम, विश्राम, सीमा, हद, अंत ।
થાકો આવો (क्रि.) आराम करना विश्राम लेना, ठहरना, रुकना ।
થાકવું (क्रि.) थकना, हारना, श्रांत होना हार जाना, हाथ पैर आदि का शिथिल होना, अधिक परिश्रम से इन्द्रियों का अवश होना । [हारजाना ।
થાકીજવું (क्रि.) थकजाना,
થાકેલું (वि.) थकाहुवा, थकित, श्रांत । [तली, सीमा, खोज ।
થાગ (स.) पेंदा, सिरा, छोर,
થાગલાગવો (क्रि.) पहुँचना, पाना, पता लगना, सुनतारा लगना ।
થાઠ (सं.) ठाठ, धूम धाम, शान शौकत, रौनक, प्रताप, ऐश्वर्य ।
થાણદાર-ઉદાર (सं.) कोतवाल, चौकी या स्टेशन का अफसर ।
થાણું (सं.) चौकी, कोतवाली, बड़ी चौकी ।
થાન (सं.) वस्त्र का लम्बा टुकड़ा, कीमती पत्थर, स्त्री के स्तन या छाती ।
થાનક (सं.) बैठक, निवास स्थान ।
થાપ (सं.) थप्पड़, तमाचा, चांटा, कीचें का फर्श, गारे गोबर का फर्श, भूल, गलती, अशुद्धता ।
થાપટેવી-આપવી (क्रि.) धोका देना, छलना, दगा देना, कपट करना, कीचड़ से मैला करना ।
થાપટ (सं.) थप्पड़, चपत, चांटा ।
થાપડવું (क्रि.) थप थपाना, थपियाना ।
થાપડી (सं.) थप्पी, करनी, कणी, कनी, थप थप करने की ।
થાપડો (सं.) जहाज पर खेप रखने का लकड़ी का तख्ता, दाल की रोटी । [पूंजी ।
થાપણ (सं.) भंडार, मूल धन,
થાપના (सं.) मंदिर में मूर्ति प्रतिष्ठा ।
થાપવું (क्रि.) कीचड़ से थब्बा लगाना, थापना, थपथपाना ।
થાપા કુંડી (सं.) भिट्टी का कूंडा ।
થાપી (सं.) थप्पी, कणी, थप-थप करने की ।
થાપો (सं.) जांघ, जंघा, पुट्ठा, कूल्हा, रीढ, पीठ, कमर,
થાબડવું (क्रि.) थपथपाना ।
થાબડી (सं.) देखो થાપડી ।
થાંભ (सं.) देखो થંભ ।
થાંભલી (सं.) छोटा खंभा, खंभा ।

થાંભલો (સં.) स्तंभ, खंभ, खंभा, थंभा, मीनार ।

થામલો (સં.) देखो थांभलो ।

થામ (ક્રિ.) हो, होवे, भव ।

થાર (સં.) देखो ઠાર ।

થાવર (સં.) स्थिर, कायम, मुकर्रर अचळ, ठहरा हुवा ।

થાવું (ક્રિ.) होना, (સં.) गिरवी, रहन, बन्धक । [परात ।

થાળ (સ.) बड़ी थाली, थाळ,

થાળી (સ.) थाली, गोल पात्र, भोजन करने का पात्र ।

થાળું (સ.) थाला, कुंए या चक्की की परिधि । [थेंगला ।

થિગડું સં.) पैवन्द, जोड़ा, लत्ता,

થિંગડથાગડ (સ.) चिथड़ा चिथड़ी, थेगला थेगली ।

થિગડું મારવું (ક્રિ.) पैवन्द लगाना, फटे कपड़े को पाती सीना।

થિરતા (સં.) स्थिरता, धैर्य्य, धीरज, सब्र ।

થી (उप०) से, अपेक्षा; बनिस्बत ।

થીજવું (ક્રિ.) जमजाना, जमना ।

થીર (સં.) स्थिर, अचल, कायम, शांन्ति, चुप, खामोशी ।

થુંક (સ.) राल, मुंह का पानी ।

થુંકવું (ક્રિ.) थूकना, घृणा करना ।

થુંથું (ક્રિયા૦) छिः छिः । क्रिया, हुश, दूर हो, दिश । [संग्रह ।

થુંભડું (સં.) अन्न की बालों का

થુવર–વેર (સં.) थूहर नामक कंटीला पेड़, थुहर नामक झाड़ी, सेहुड़, सीज, सेहुण्ड ।

થૂણો (સં.) देखो ટૂંણો ।

થૂવું (સં.) मूसी, चोकर ।

થેકડો (સ.) देखो ઠેકડી ।

થેલી (સં.) अनाज का थैला, अन्न का बोरा । [टिकिया ।

થેપલાં (સં.) मीठी रोटी या

થેપવું (ક્રિ.) भद्देपन से कीचड़ के दाग लगाना, थेपना ।

થેપાડું (સં.) देखो ઠેપાડું ।

થેલી (સ.) थैली, झोली ।

થેલો (સં.) थैला, झोला ।

થેઇટર–ટ્રા (સં.) नृत्य और गान, नाचना गाना । [फुलन्दा, गठरी ।

થોકડો (સં.) गट्ठा, बण्डल,

થોકબંધ (વિ.) इकट्ठा ।

થોટ (સં.) चाटा, चपत, थप्पड़ ।

થોડું (વિ) थोड़ा, अल्प, कम, न्यून ।

થોડુંક (વિ.) थोड़ा सा, जरा सा ।

થોડુંઘણું (વિ.) कमज्यादः, न्यूनाधिक, कमबहुत । [गिल्टी ।

થોથર (સં.) सूजन, फुलाव

ચોખ્ખું (વિ.) ખરું, નેકનામદા, સાચી, દુરુસ્ત, ચોટદા, દુરસ્ત, નિસ્સાર ।
ચોપવું (ક્રિ.) ઠહરાના, પકડના, થામના, રોકના, ઇંતજાર કરના ।
ચોપાવવું (ક્રિ.) ઠહરાના, રોકના આશ્રય દેના ।
ચોભ (સં.) અંત, સિરા ।
ચોભણ (સં.) આશ્રય, સહારા, ખંભ, આડ, રોક, સંભાલનેવાલા ।
ચોભાં-ભિયાં (સં.) ગલમુચ્છે, ગલગુચ્છે ।
ચોર (સં.) દેખો ચુર
ચોલ (સં.) મૌકા, અવસર, ગૌ ।
ચોલો (સં.) વદનકા મૌંસયુક્ત ભાગ, વદનકા મોટા ભાગ ।

છ

છ-ગુજરાતી વર્ણ માલાકા ૨૬ વૌં અક્ષર, અઠારહવાં વ્યંજન । તવર્ગકા તીસરા અક્ષર (વિ.) દેને વાલા દાતા, દાની ।
છંક (સં.) ડંક, કટાહુવાસ્થાન ।
છંકવું (ક્રિ.) ડસના, કાટના, ડંક મારના, વિષૈલે જીવકા કાટના ।
છંક (વિ.) ચકિત, વિસ્મિત, અચંભિત ।
છંકાવવું (ક્રિ.) ચકિત કરના, વિસ્મિત કરના ।
છંકાળિયો (વિ.) ઝગડાલૂ, લડાકા બલવાઈ, બાગી, બખેડિયા ।
છંગો (સં.) ઝગડા, રૌલા, હુલ્લડ, બલવા લડાઈ, ફસાદ, ટંટા ।
છંગોકરવો (ક્રિ.) ઝગડા કરના, ઉપદ્રવ કરના, બલવા કરના ।
છંડ (સં.) ડણ્ડા, છડી, જુર્માના, ૪ હાથ કાનાપ, કસરત, વિશેષ ।
છંડ કઢાવવા (ક્રિ.) દણ્ડ નિકાલના દણ્ડ લગાના (કસરતકી ક્રિયા વિશેષ)
છંડ પીલવા (ક્રિ.) પૂર્વવત્ ।
છંડવત્ (સં.) સાષ્ટાઙ્ગ પ્રણામ, ઔંધે પડકર પ્રણામ વિશેષ ।
છંડવતકરવું (ક્રિ.) સાષ્ટાઙ્ગ પ્રણામ કરના, નમસ્કાર કરના, અભિવાદન કરના ।
છંડવું (ક્રિ.) જુર્માના કરના, સજાદેના ।
છંડો (સં.) છોટા સોટા, છોટા લઠ્ઠ, લાઠી ।
છંડા (સં.) પૂર્વવત્ ।
છંડીયો (વિ.) બુરા, દુષ્ટ ।
છત (સં.) દાંત, દસના, રદન ।
છંતકથા (સં.) જબાની બાત, કહાવત ગપ્પ, મૌખિક બાત, અકલ્પિતબાત ।
છંતચુર્ણ (સં.) દાંતસાફ કરનેકા પાવડર, દંતમંજન ।

દંતધાવન (सं.) दन्तशुद्धि, दन्त-मार्जन, दंतकाष्ट, दतुवन। [बतीसी,
દંતપંક્તિ (सं) दाँतोकी पाँति,
દંતપીડા (सं.) दंतशूल, दाँतोंका दर्द।
દંતવૈદ્ય (सं.) दाँत बनानेवाला, दाँतोके रोगोंका वैद्य।
દંતાળુ (सं.) दाँतसे सम्बन्ध रखने-वाला, दंत्य, लृलृ तवर्गल, स, अक्षर।
દંતશૂળ (स.) देखो દંતપીડા
દંતી (वि.) देखो દંતાળુ (स.) हाथी।
દંતુશ, શલ (सं.) हाथीका दात।
દંતોષ્ઠ્ય (सं.) व अक्षर, जिसका सम्बन्ध दांत और ओठसे हो।
દંત્ય (वि.) दांत सम्बन्धी, दांतोसे सम्बन्ध रखनेवाला।
દંપતિ (सं.) पतिपत्नी, स्त्रीपुरुष।
દંભ (सं.) धोका, फरेब, शठता, छद्मवेश, पाखण्ड।
દંભી (वि,) फरेबी, धोकेबाज, पाखण्डी।
દંશ सं.) डाह, वैर, लाग, द्वेष, द्रोह, विरोध, देखो દંખ
દંશિત (वि.) डसाहुआ, ग्रसित, द्रोही द्वेषी, विरोधी।
દંષ્ટા-દંષ્ટ્ર (सं.) जिन्द, राक्षस, असुर, निशाचर, प्रेत।
દક્ષ (कि.) दो, देखको, देखकर।
દક્ષણ (सं.) देखो દક્ષિણ
દક્ષ (वि.) प्रवीण, निपुण, पटु।
દક્ષયુ (सं.) देखो દક્ષિણ
દક્ષણા (सं) कन्यादान, संस्कार, आदि उत्सवों पर आचार्यको जो भेट दीजाती है।
દક્ષિણી (वि.) दाक्षणादिशा सम्बन्धी, दक्खिनी, दक्खिनका।
દક્ષિતા (वि.) चतुरता, पटुता, नैपुण्य निपुणता।
દક્ષિણ (सं.) दक्षिण दिशा दक्खिन, जनूब, (वि) सीधा, दहिना फुर्तीला,
દક્ષિણાયન (वि.) कर्कट शिसें, सूर्यका बदलना, २२ जूनसे २२ दिसम्बर तकका समय जबकि सूर्यकी गति दक्षिण दिशाकी ओर होती है।
દખ (सं.) देखो દુઃખ
દખણા (सं.) देखो દક્ષણા
દખણી (वि) देखो દક્ષણી
દખણેશ્વર (सं) दक्षिणी की।
દખમું-દોખમું (सं) छुपनेका दुर्ग, छुपनेका बुर्ज।
દખ્ખણ (सं.) दक्षिण, दक्खिन।
દખલ (सं.) रोक, टोक, अटकाव बाधा।
દગડ (सं) पत्थर, पाषाण, पाहन।

દગાબાજ (વિ) આનાડી, ઉજડ ।
દગડું (સં.) પત્થરના લકડીના છોટા ટુકડા જો ખંભેના મ્યાલ (સહતાર) રખાજાતા હૈ ।
દગડો (સં.) દેખો દગડ
દગદગો (સં.) શક, સન્દેહ, પશો પેશ, દુવ્વા, દુવિધા ।
દગલબાજ (વિ.) વિશ્વાસઘાતી, બેઈમાન, અધર્મી, છલી, કપટી ।
દગલબાજી (સં.) છલ, બેઈમાની, અધાર્મિકતા, વિશ્વાસ ઘાત ।
દગાબોર-બાજ (સં.) દેખો દગલબાજ
દગો (સં.) ધોકા, કપટ, છલ ।
દગોકરવો (કિ.) દગા કરના, ધોકા દેના, કપટ કરના, છલ કરના ।
દગ્ધ (વિ.) દગૈલ, જલાહુવા ।
દગ્ધા (સં.) અતિ દુઃખ ।
દજન (સં.) દર્જન, ૧૨,
દઝાડવું (કિ) જલાના, બાલના ।
દટાવું (કિ.) ગાડના, ભૂમિમેં દબાના।
દટ્ટો (સં.) ડાટ, આડ, કાગ, કાર્ક,
દડ (સં) રેતીલી જગહ ।
દડકો (સ.) ઢેલા, લોંદા ।
દડબો (સં.) મોટાપાત્ર ।
દડદડ-બડ (કિ. વિ.) લગાતાર, બરાબર ।
દડમ (સં.) ઢેલા, લોંદા ।
દડમડવું (કિ.) ઘુમના, ફિરના
દડાદડ (સં.) ખેલનેકી ટેઢી છડી, ગાડી, વગ્ગી, ખેલ વિશેષ ।
દડી (સં.) છોટી ગેંદ।
દડીબો (સં.) દોના, પત્તોંકા પ્યાલા પર્ણપાત્ર, દ્રોણ ।
દડુક (કિ. વિ.) મન્દમન્દ ચાલસે દોડાઈ। [દોના ।
દડુલી (સં.) છોટા પર્ણ પાત્ર, છોટા
દડુબો (સં.) બડાપલના ।
દડો (સં.) ગેંદ, કન્દુક. એક પ્રકારકા ભોજન ।
દડ્યું (સં.) લકડકા ટુકડા જો ગરુ કેગલે મેં બાંધાજાતા હૈ ।
દત્ત (વિ.) દિયાહુવા, પ્રદત્ત, કૃતદાન।
દત્તકપુત્ર (સં.) ગોદ લિયાહુવા પુત્ર, પોસપૂત દત્તક ।
દત્તવિધાન (સં.) ગોદલેનેકા કાર્ય યા ઉત્સવ આદિ, સ્વીકૃતિ સંસ્કાર।
દત્તવું (કિ.) દેના, દેડાલના ।
દત્તા (સં.) દૂસરોંકે આનન્દકે લિયે કિસી સ્ત્રીકો પ્રાપ્ત કરાને વાલી, બીચમેં પડના।
દદામું (સં.) યુદ્ધકી બિગુલયા ભેરી, યુદ્ધકી તુરહી, ઢોલ, ।
દદોરો (સં.) દરોરા ।
દધિ (સં.) દહિ, દહી, છાછ, મઠા,

દધિબ્ન (સં.) ધન, દ્રવ્ય, લક્ષ્મી।
દધીબ્નત (સં.) વિષ, જહર, ઝેરમા મફલન । [દૈનિક પ્રવેશ પુસ્તક।
દધીઉં–ત્યુ (સં.) રોજકી લેખ પુસ્તક,
દન (સં.) દિન, વાસર, દિવસ, દિવા, સૂર્યજ્યોતિસે નિયમિત કાલ ।
દનુજ (સં.) દેખો દૈત્ય
દપકામણ (સં.) ધમકી, ડાટ, ઘુડકી।
દપટ (સં.) અધિકતા, બહુતાયત, વિશેષતા ।
દપટવું–ટાવવું (ક્રિ.) છુપાના, તેજીસે હાકના, જલ્દીસે હાકના । [ગઠરી।
દપોટો (સં.) બોરા, થૈલા, મપ્પલ,
દફણાવવું (સં.) ગાડ़ના, દફનાના, જુડ़ાના, મિલાના, ખોના, ડૉટ લગાના ।
દફતર (સં.) હિસાબ કી કિતાબ, સરકારી કાગજાત, લેખ્યપત્ર, બસ્તા, વિદ્યાર્થિયો કા કાગજ પત્ર સ્લેટ આદિ સામાન રખને કા કપડ़ા યા થૈલા ।
દફતરખાનું (સં.) સરકારી કાગજપત્ર રખને કા સ્થાન, પુસ્તકાલય, લાયબ્રેરી ।
દફતરદાર (સં.) એક ઓહદા, દફ્તરદાર નામક એક ઓહદેદાર ।
દફતરદારી (સં.) દફ્તરદાર કા કામ।
દફતરી (સં.) કાગજ પત્રોંકો યથાસ્થાન રખનેવાલા, રિકાર્ડકીપર ।
દફનાવવું (ક્રિ.) મટ્ટી દેના, ગાડ़ના, છુપાના, ગુપ્ત રખના ।
દફેદફે (ક્રિ.) મિટાના, દૂર કરના, અલગ કરના ।
દફેદાર (સં.) દેશી ફૌજી અફસરોં કા એક ઓહદા । [પાગલ।
દફોણ–ચ્ંદ (સં.) મૂર્ખ, શઠ, ઝદ
દબડવું (ક્રિ.) દબના, વશીભૂત હોના, આધીન હોના ।
દબડી રાખવું (ક્રિ.) છુપાના, ઢુકાના, દુબકાના ।
દબડાવવું (ક્રિ.) ધમકાના, ડાટના, ઘુડ़કના, ડરાના ।
દબદબો (સ.) દિખાવા, બડ़પ્પન, દબદબા, પ્રતાપ, ધૂમધામ ।
દબવું–બાઈ જવું (ક્રિ.) દબના, આધીન હોના, વશવર્તી હોના ।
દબાણ (સ.) ધમકી, ઘુડ़કી, ડાઁટ, દાબ, (સદાચાર વિષયક) દબાવ ।
દબાવવું (ક્રિ.) દબના, ધમકાના, ડરાના, ઘુડ़કના ।
દબી જવું (ક્રિ.) દેખો દબાવવું
દબેલ (વિ.) દબનેવાલા, પરવશ, પરતંત્ર, ડરા હુવા । [ખના ।
દબોબવું (ક્રિ.) છુપાના, ગુપ્ત રખ-

દમ (સં.) શ્વાસ, શ્વાંસ, જીવન, જીવ સમ્બન્ધી બલ, યક્ષ્મા, દમા, શક્તિ, પૌરુષ, તાકત, ફૂંક, મૂલ્ય, જૌહર, ક્ષણ, પલ। [દબાના।

દમ આપવો। (ક્રિ.) દમ દેના,

દમ કાઢવો। (ક્રિ.) મારના, પ્રાણ નિકાલના।

દમખાવો-ખાવો-ખાવો। (ક્રિ.) વિશ્રામ લેના, ધૈર્ય રખના, ઇંતજાર કરના, બાટ જોહના, સબ્ર કરના, ઠહરના, દમ લેના, શ્વાંસ લેના।

દમ જવો। (ક્રિ.) અંતિમ શ્વાંસ લેના।

દમ જોવો। (ક્રિ.) અપને બલકી પરીક્ષા કરના, નિજબલ કો આજમાના।

દમ થવો। (ક્રિ.) શ્વાસ કા રોગ હોના, દમે કી બીમારી હોના। [દેના

દમ દેવો। (ક્રિ.) ધોકા દેના, દમ

દમ નિકળવો। (ક્રિ.) દેખો દમ જવો।

દમ મારવો। (ક્રિ.) પ્રતીક્ષા કરના, ઇંતજાર કરના।

દમ મુકવો। (ક્રિ.) શ્વાંસ છોડના, પ્રાણ નિકાલના, શ્વાંસ નિકાલના।

દમ રાખવો-પીસવો-ખુટવો, ખાવો, રૂંધવો। (ક્રિ.) શ્વાંસ લેના બન્દ હોના યા કરના।

દમ લેવો। (ક્રિ.) આરામ કરના, વિશ્રામ કરના, દુઃખ દેના, કષ્ટ દેના। [સિક્કા, ટ પૈસા।

દમડી (સં.) સબસે છોટા પ્રાચીન

દમડીમાર (વિ.) તૃણ સમાન, તુચ્છ।

દમડીનું (વિ.) નિકમ્મા, ખોટા, વ્યર્થ, ગુણહીન, મૂલ્યહીન।

દમણી (સં.) બૈલોંકી છોટી બૈલ ગાડી, દમની, બૈલોંકી બગ્ઘી।

દમણું (સં.) ભારકસ ગાડી, વજન ઢોનેવાલી ગાડી।

દમદમાટ (સં.) ચમક દમક, પ્રકાશ, ઠાઠ, દિખાવા।

દમન (સં.) વિજય, પરાજય, પીડા પરિશ્રમ, દુઃખ।

દમનો આજાર (સં.) દમે કી બીમારી, યક્ષ્મા રોગ, રાજયક્ષ્મા।

દમપર દમ (ક્રિ. વિ.) બારમ્બાર, પુનઃ પુનઃ લગાતારીસે।

દમપર મુજાર (સં.) છૈલા, બાંકા।

દમરો, ડમરો (સં.) એક ખુશબૂદાર, પૌદા વિશેષ।

દમવાળું (વિ.) હિમ્મતવાલા, સાહસી, દમે રોગવાલા, યક્ષ્મા પીડિત।

દમવું (ક્રિ.) થકના, દુખી હોના, સતાના, દુખ પહુંચાના।

દમાક-ઝ (સં.) બડ़प्पन, ठाठ, धूमधाम दिखावा,

દમામ ભરેલું (વિ.) रौनकदार, देदीप्यमान, आडम्बरी।

દમાવવું (ક્રિ.) थकाना, सताना।

દમીઆલ (વિ.) दमे की बीमारी-वाला।

દમી જવું (ક્રિ.) थकना।

દમેલ (વિ.) थकित, थका हुवा।

દમોદમ (ક્રિ. વિ.) दबावमे, श्रेष्ठ-तामें, बड़ाईमें, बराबरीमे, मुका-बिले मे, स्पर्धा में।

દયા (સં.) कृपा, स्नेह, करुणा, अनुग्रह, रहम।

દયા આવવી (ક્રિ.) समवेदना होना, दिलमे करुणा होना।

દયા કરવી (ક્રિ.) कृपा करना, रहम करना, अनुग्रह करना।

દયાકર-નિધાન-નિધિ-સાગર (સં.) दयाशील, दयालु, कृपावान, कर-णामय, रहीम ईश्वर,

દયાધર્મ (સં.) दया प्रदर्शक धर्म, हिन्दू धर्म, अहिंसा धर्म।

દયાપાત્ર (વિ.) कृपापात्र, करुणा-योग्य दीन दुखी।

દયાભય (વિ.) दया निधान, कृ-पानिधि। [दाया।

દયામાયા (સં.) कृपा, महरबानी,

દયામણું (વિ.) देखो દયાપાત્ર

દયામુક્ત-સદ્ગત (વિ.) देखो દ-યામય

દયાવંત-વાન-ળુ (વિ.) कृपालु, दयायुक्त, करुणायतन मिहरबान।

દર (સં.) भाव, मूल्य, गुफा, क-न्दरा, सूराख, छिद्र (ક્રિ. વિ.) एक, हरेक, प्रति (जिन्स) द्वारा, जरिया, से।

દરકાર (સં.) आवश्यकता, जरूरत, इच्छा, परवाह, सम्बन्ध, मतलब, गर्ज। [पत्र, मनोरथ, विचार।

દરખાસ્ત-સ્ત (સં.) अर्जी, प्रार्थना

દરખાસ્ત કરવી (ક્રિ.) प्रार्थना करना, हिलाना, विचारना, मनो-रथ करना।

દરગા-ધા (સં.) मस्जिद, देहली द्वार, थली, पीर का स्थान।

દરગુજર (સં.) धैर्य, सब्र, क्षमा, मुआफ़ी।

દરગુજર કરવું (ક્રિ.) धैर्य करना, सब्र करना, क्षमा करना।

દરજણ-જ્યેષ્ઠ (સં.) दर्जी की स्त्री।

દરજી (સં.) दर्जी वस्त्र सीनेवाला, कपड़ा सीनेवाला, एक जाति विशेष।

દરડા (સં.) देखो દડ

દરબે–બ્બે (સં.) શ્રેણી, હ્રાસ, ઓદરા, પદ, પદવી ।
દર્દ (સં.) દુઃખ, દર્દ, રોગ, શોક, ગુપ્ત અભિપ્રાય, છુપી મુરાદ । [કાર।
દર્દાવો (સં.) દાવા, હક્ક, અધિ-
દર્દી (સં.) રોગી, દુખિયા, બીમાર, રુગ્ણ, અસ્વસ્થ ।
દર્ધ્યુ (સં.) દેખો દર્ધ્યુ ।
દર્બાર (સં.) રાજસભા, કોર્ટ, સભાભવન, રાજા, ન્યાયાલય ।
દર્બારી (સં.) દરબાર का, દરબાર સમ્બન્ધી, નીતિજ્ઞ ।
દર્મ (સં.) દેખો દર્મ ।
દર્માહો (સં.) માસિક વેતન, મહીને વાર તનખ્વાહ, માસિક મજૂરી ।
દર્મ્યાન (ઉપ૰) મધ્યમે, બીચમે ।
દર્રોજ (ક્રિ. વિ.) નિત્ય, રોજ-મર્રહ, દૈનિક, પ્રતિદિન, સદા ।
દર્વ (સં.) દેખો દર્વ્ય ।
દર્વંદ (સં.) નાસ્તિક, ઈશ્વર કો ન માનને વાલા ।
દર્વાજો (સં.) ફાટક, દ્વાર, માર્ગ, દુઆર, કિવાડ, કપાટ ।
દર્વાન (સં.) દ્વારપાળ, દ્વારરક્ષક હલકારા, ચૂત । [સાધુ ।
દર્વેશ (સં.) યોગી, ફકીર,
દર્શણુંદ્ધિ (સં.) એક પ્રકાર કી ચૂડી । [હોના ।
દર્શણું (ક્રિ.) દિખના, પ્રકટ
દર્શન (સં.) દેખો દર્શન ।
દર્શન (સં.) દાદ, દદ્રુ, ચર્મરોગ ।
દર્શ (સં.) પૂર્વવત્ ।
દરિયાઈ (વિ.) સમુદ્રી, સમુદ્ર, સમ્બન્ધી, એક પ્રકાર કા રેશમી વસ્ત્ર ।
દરિયાફ્ત–ત (સં.) સોચ, વિચાર, અટકલ, અનુમાન, કલ્પના, ખ્યાલ ।
દરિયાવ (સં.) દેખો દરિયો ।
દરિદ્ર–તા–દશા (સં.) ગરીબી, નિર્ધનતા, કમી, ઘટી, ન્યૂનતા, તંગી, વિપત્તિ ।
દરિદ્રી (વિ.) નિર્ધન, કંગાલ, અતિદુખી, ગરીબ । [દરિયાઈ ।
દરિયાવી (વિ.) સામુદ્રિક,
દરિયો (સં.) સમુદ્ર, ઉદધિ, જલ-નિધિ, સિંધુ, સાગર । [ગાર ।
દરી (સં.) ગુફા, કન્દરા, માંદ,
દરસ્ત (વિ.) ઠીક, ઉચિત, દુરુસ્ત, યોગ્ય, સહી ।
દરેક (ક્રિ. વિ.) પ્રત્યેક, હરેક ।
દરો–ઓ (સં.) ઘૂસી, ગુફા, એક પ્રકાર કી ઘાસ વિશેષ, નિરીક્ષક ।

દરોગો (સં.) દારોગા, બિગરાં, નિરીક્ષક, કારાગારાધિપતિ, જેલર ।

દરોડો (સં.) લુટેરો કે લુંટ का આક્રમણ, ડાકુઓં કી પટ્ટી का હમલા । [નિર્દોષ, અક્ષંગ ।

દરોબસ્ત (વિ.) પૂર્ણ અપવાદ રહિત,

દર્દ (સં.) દેખો દરદ ।

દર્દી (વિ.) દેખો દરદી ।

દર્દુર (સં.) મેંઢક, દાદુર, મેક, દર્દર ।

દર્પ (સં.) ગર્વ, અભિમાન, અહંકાર, ઘમણ્ડ, માન, આત્મશ્લાઘા ।

દર્પણ (સં.) રૂપ દેખને કા આધાર, આદર્શ, મુકુર, આરસી, શીશા ।

દર્ભ (સં.) કુશા, ડાભ, દર્ભા, કાંશ ।

દર્ભાસન (સં.) કુશાસન, ડાભ કા બનાહુવા આસન । દર્ભા કી બૈઠક ।

દર્શક (વિ.) દિખાનેવાલા દેખને વાલા, દર્શયિતા, દર્શનકારક ।

દર્શન (સં.) અવલોકન, નિરીક્ષણ, દેખ, દેખના, નઝર, નેત્ર ।

દર્શનિક (વિ.) પરિણામ દર્શી, પ્રમાણિક, ઉપપાદક ।

દર્શાવવું (ક્રિ.) દરસાના, દિખાના ।

દર્શી (વિ.) જો દેખે, દેખનેવાલા ।

દલ (સં.) દેખો દિલ ।

દલગીર (વિ.) ચિંતાતુર, ચિંતિત, ગમગીન, રંજીદા, શોકાકુલ ।

દલગીર થવું (ક્રિ.) ચિંતાયુક્ત હોના, રંજીદા હોના, શોકયુક્ત હોના । [ગમ ।

દલગીરી (સં.) રંજ, શોક, ખેદ,

દલાલું (સં.) દેખો દલાલું ।

દલાલ (સં.) એજેન્ટ, આઢતિયા ।

દલાલી (સં.) દલાલ કા ધન્ધા, દલાલ કી મજદૂરી ।

દલાલુ (સં.) પૂર્વવત્ ।

દલાસો (સં.) દેખો દિલાસો ।

દલીલ (સં.) શાસ્ત્રાર્થ, તર્ક, શંકા, પ્રમાણ, બહસ, બહાના, મુકદ્દમા ।

દલ્લો (સં.) એકત્રિત કોષ, બટોરા હુવા ખજાના ।

દવ (સં.) જંગલ કી ભારી આગ, દાવાનલ, વનાગ્નિ, જંગલાહા ।

દવા (સં.) દવા, દારુ, ઔષધિ ।

દવાખાનું (સં.) ઔષધાગાર, અસ્પતાલ, ઔષધાલય, વૈદ્યગૃહ ।

દવાઇ (સં.) દેખો દવ ।

દંશ (સં.) દેખો દંખ ।

દસ (સં.) દસ, સંખ્યા વિશેષ, ૧૦

દસક (વિ.) દસ કા સમૂહ, દહાઈ ।

દશના (સં.) દાંત, દંત, દસન।
દશમું (વિ.) દસવાં।
દશમુખો–ખ (સં.) રાવણ का नाम, दस मुंहवाला।
દશાંશ (સં.) दशमलवभिन्न $\frac{१}{१०}$, दसवां हिस्सा।
દશા (સં.) हाल, हालत, अवस्था, गति, स्थिति, भाव, मृतक को दसवां दिन।
દશાનન (સં.) दशंकठ, रावण।
દશેંદ્રિય (સં.) दस इन्द्रियां कर्मेन्द्रिय और ज्ञानेन्द्रिय।
દશસેર–શેરી–શેરો (સં.) वजन, १० शेर का वजन।
દસ (સં.) देखो દશ
દસમ (સં) तिथि विशेष, दशमी।
દસરો (સં.) देखो દસેરો।
દસીવીસી (સં.) सफलता और असफलता, उन्नति और अवनति।
દસેરો (સં.) विजया दशमी, आश्विन शुद्धा दशमी तिथि।
દસ્તખત (સં.) अक्षर, हस्तलिपि, हस्ताक्षर, दस्तखत।
દસ્તો (સં.) दहाई।
દસ્ત (સં.) अधिकार, हक, शक्ति जुल्लाव, रेचन।
દસ્તગીર (સં.) रक्षक, संरक्षक, पालक, बचाने वाला, सरपरस्त, मुरब्बी। [पराधिकार प्रवेश।
દસ્તદાજી (સં.) अनधिकार प्रवेश,
દસ્તાન (સં.) मासिक धर्म, रज दर्शन. हाथों के मोजे, दस्ताने।
દસ્તાવેજ (સં.) लेख प्रमाण, तमस्सुक, टीप, मुचलका।
દસ્તાવેજી પુરાવો (સં.) हस्तलिखित प्रमाण पत्र, लिखित साक्षी।
દસ્તુર (સં.) रीति, चाल, रिवाज़, पारसी लोगोंका पुरोहित।
દસ્તુરી (સં.) दस्तूरकी, फीस, शुल्क।
દસ્તો (સં.) मूसल, लोढा, बट्टा, मूठ, हत्था, कागजोंका दस्ता, २४ तावया लिखनपत्र।
દહ (ક્રિ.) जलाके भस्म करना।
દહન (સં.) जलन, दाह।
દહી (સં.) दधि, दूधका विकार।
દહીંવડું (સં.) एक प्रकारकी टिकिया।
દહીંવડું (સં.) एक प्रकारकी टिकिया जो दहीमें डुबोकर खाई जाती है। दही बड़ा।
દળ (સં.) एक प्रकारकी मिठाई, शक्ति, फौज, सैन्य संग्रह, गूदा, मुटाई, महापन। [नेकी, चक्की।
દળણી (સં.) हाथकी चक्की, दल-

દળણું (સં.) પીસને के लिये तय्यार किया हुवा अन्न, पीसन ।
દળદર (सं.) देखो દરિદ્રતા
દળદાર (वि.) मोटा, घना, भद्दा, गूदे दार, मांसयुक्त ।
દળદ્રી (सं.) देखो દરિદ્રી
દળનાર (सं.) पीसने वाला, दलने वाला, पीसनहार ।
દળપાદળ (सं.) कुहर, अंधाधुंध, सेना फौज, घनघटा, घोरघटा ।
દળવું (क्रि.) पीसना, दलना, कुचलना, आटा करना, चूरना ।
દળામણ-ણી (सं.) दलवाई, पीसने की मजदूरी ।
દળાવું (क्रि.) दलाना, पिसाना ।
દાંડ (वि.) अचेत, असावधान, बे परवाह, अविवाहित, बेव्याहा ।
દાંડાઈ (स.) अविचार, बेपरवाही अज्ञानता, दुष्टता ।
દાંડી (सं.) छड़ी, डण्डी, ढंढोरा, डुग्गी, मुनादी ।
દાંડીઓ (सं.) ढिंढोरा पीटने वाला डुग्गी फेरने वाला, छड़ी ।
દાંડો (सं.) मूठ, हत्था, मूसल, लोढा।
દાંત (सं.) देखो દંત
દાંતકસકસવું (क्रि.) दांत पीसना ।
દાંતકરકરવા (क्रि.) पराजय का शोच होना पराजय के समय दुःखावस्था में होना ।
દાંતકાઢવા (क्रि.) हंसना, दांत पीसना ठीठी करना ।
દાંતકોતરણી (सं.) दांतकुरचनी, दांत साफ करनेकी सूईयाकील ।
દાંતખીલી (सं.) दांतबन्द होना, मुहँका नखुलना ।
દાંતજડવા (क्रि.) दांत लगाना ।
દાંતતોડીપાડવા (क्रि.) दांत तोड़ डालना । [કઢાવવા
દાંત દેખાડવા (क्रि.) देखो દાંત
દાંતપીસવા (क्रि) देखोદાંત કકડાવવા
દાંતફુટવા-આવવા (क्रि.) दांत निकलना, दांत आना, हिम्मत बांधना, साहस आना ।
દાંતરો-તેરું-વું (क्रि.) दांतला, जिसका एकया दो दांत होठों से बाहिर निकलाहो ।
દાંતવણ (सं.) दतुवन, दतौन, दतून दांत साफ करनेकी शुश्र, दंतमजन ।
દાંતિયાંકરવાં (क्रि.) देखो દાંતકકડાવવા
દાંતો (सं.) दांत, नोक, दांता, करास, पहियेका दांत ।
દા (सं.) देखो દાવ (क्रि.) मेंट

દેના, દાબદેના, (વિ.) જો દેવે, દેતા હૈ। [પિલનેવાલી।

ધાઈ (સં.) ધાય, ધાત્રી, બચ્ચેકો દૂધ

ધાઉમિયું (સં.) પૂર્વવત્

ધાઉતર (સં.) દેખો ધાઉતર

ધાખલ (વિ.) પહુંચા, શામિલ। ઘુસા, સમ્મિલિત, (ઉપ.) ઐસા, જૈસા માનિંદ।

ધાખલ કરવું (ક્રિ.) પેશકરના, મિલાના, પહુંચાના, પૈઠને દેના, નોટ કરના, લિખલેના।

ધાખલ થવું (ક્રિ.) પ્રવેશ કરના।

ધાખલા પુરાવા (સં.) લેખપત્ર દ્વારા સાક્ષી, પ્રમાણિક, ગવાહી।

ધાખલા (સં.) સુબૂત, પ્રમાણ, શાસ્ત્રાર્થ ઉદાહરણ, મિસાલ, દલીલ, વજહ, દૃષ્ટાન્ત, બહસ।

ધાખવવું (ક્રિ.) દિખલાના, પ્રત્યક્ષ કરના, નિકાલના, ઢૂંઢ નિકાલના, નોટિસમેં લાના, દૃષ્ટાન્ત દેના, મિસાલ દેના।

ધાખવું (ક્રિ.) સૂચિત કરના, બતલાના, સમઝાના। [દાહકર્મ।

ધાગ (સં.) મૃતક કા અગ્નિ સંસ્કાર,

ધાગણી (સં.) પૈબન્દ, બિગરી।

ધાગણી બસવી–બસાવી (ક્રિ.) દાગલ હોના, સિરી હોના।

ધાગીનો (સં.) આભૂષણ, ગહના, પુલિન્દા, ગટ્ઠા। [સ્પર્શજ્ઞાન, ક્રોધ।

ધાજ–ઝ (સં.) સમવેદના, સહાનુભૂતિ,

ધાજણું (સં.) જલન।

ધાજવું (ક્રિ.) જલના, દુઃખ ઉઠાના, સમદુખી હોના। [મોટાઈ, ઘનત્વ।

ધાટ (સં.) બદી, નુકસાન, બુરાઈ,

ધાટ ધાળવો (ક્રિ.) નાશ કરના. બર્બાદ કરના, નષ્ટ કરના, અકારથ કરના।

ધાટવું (ક્રિ.) ગાડ઼ના, જમીન મેં દબાના, દફનાના, છુપાના, ગુપ્ત રખના। [સઘન।

ધાટીવાળું (વિ.) સસમૂહ, ભીડ઼યુક્ત,

ધાટો (સં.) દેખો ઓટો

ધાટો દેવો (ક્રિ.) બન્દ કરના, ડાટ લગાના, ડટ્ટા દેના। [વિશેષ।

ધાડમ–ડેમ (સં.) અનાર, ફલ

ધાડમછાલ (સં.) અનાર કા છિલકા।

ધાડમડી (સં.) અનાર કા પેડ઼।

ધાડિગો (સં.) મજદૂર, કામ કરનેવાલા।

ધાડો (સં.) દિન, દિવા, વાસર વાર।

ધાઢ (સં.) ચૌંહ, પિછલે દાઁત, જબડ઼ા, બાડ઼, પીસનેવાલા દાંત।

ધાઢ આવવી (વિ.) મસૂડોં કા સૂજના।

દાઢ દાબવું–ખાબવું (ક્રિ.) મુંહ को स्वाद लगजाना, चाट पड़जाना, चसका पड़ना, लत लगजाना ।

દાઢમાં ઘેવું–રાખવું (ક્રિ.) दुश्मनी, करना, ईर्षा रखना, डाह करना ।

દાઢિયો (સં.) देखो દાઢીયો

દાઢી (સં.) श्मश्रु, चिबुक, मुख के नीचे के ठुड्डी पर के बाल (ક્રિ. વિ.) दैनिक,

દાઢું (સં.) बिना मुँडी हुई दाढ़ी ।

દાઢો (સં.) मासिक धर्म, रजस्राव ।

દાણ (સં.) कर, टेक्स,

દાણચોરી (સં.) वह मकान जहां कर सग्रह किया जाता है ।

દાણ ચોરી (સં.) महसूली माल को छुपाकर बिना महसूल दिये लेजाने का चोरी का काम, कर की चोरी ।

દાણા–કણી (સં.) कण, अन्न, दाना, मणिया, गुरिया, मणिका ।

દાણા દાણ (સં.) तितर बितर, कण कण, बिखेर

દાણાદાર (વિ.) बीजयुक्त, दानेदार, मोटा, खुरदरा ।

દાણાપાણી (સં.) अन्नोदक, अन्न-जल आजिका रोटी ।

દાણાવાળો (સં.) अन्नविक्रेता, अनाज बेचने वाला ।

દાણી (સં.) कर इकट्ठा करनेवाला।

દાણી (વિ.) अधिकारी, न्याय संगत, यथोचित ।

દાણીડું (સં.) काच के मोतियों का बना गलेमें पहिरने का जेवर।

દાણી ધણ (સં.) करद, कर देने-वाला, करदाता ।

દાણો (સં.) दाना, अन्न, अन्न, समान कोई गोल वस्तु, माला का मणिया, संख्या, तादाद ।

દાણો–ચારો (સં.) चारा, दाना, घास, पशु भोजन ।

દાણો પાણી (સં.) देखो દાણા પાણી

દાતણ (સં.) देखो દંતવણ

દાતણ કરવું (ક્રિ.) मुख मार्जन करना, दांत साफ करना ।

દાતરડું (સં.) हँसिया दरांती, दातली, घास काटने की दराँती ।

દાતાર (સં.) देनेवाला, दाता, दानी, दानशील, वदान्य ।

દાતાર (વિ.) उदार, दयालु, हितैषी, सखी, धर्मात्मा, सीधा ।

દાબડી (સં.) मिट्टी की थाली (पात्र)।

દાબડીઉં (સં.) मिट्टी का पात्र विशेष।

ઢાલેરો (સં.) किसी वस्तु को सहारा देने के लिये किसी पात्र मे डाली हुई पतियां या घास । भरा हुआ मुंह और फूले हुए गाल ।

ઢાલ (સં.) उलाहना, अभियोग, चिंता, न्याय, इन्साफ, उपाय, औषध । [देना औषधि करना ।

ઢાલ કેવી (સં.) उपाय करना, बदला

ઢાલખાલ (સં.) अभियोक्ता ।

ઢાલગર (સં.) सत्य न्यायकर्ता, ईश्वर ।

ઢાલચારી (સં.) सीढियो मे का झरोखा या किवाड़ । झिलमिल ।

ઢાલરો (સં.) दादरा नामक गीत, नसेनी, जीना, सीढी, ताले का एक हिस्सा ।

ઢાલર (સં.) देवता का लक्षण या नाम । [पर्य्यायवाची नाम ।

ઢાલાર કોરખનર (સં.) ईश्वर का

ઢાહી (સં.) वादी, मुद्दई, प्रमाता, बाप की माता, दादी, मातामह ।

ઢાડુર (સં.) मेक, मेंढक, दर्दर ।

ઢાદો (સં.) बाप का बाप, प्रपिता, पितामह । [विशेष ।

ઢાધર (સં.) दाद, दद्रु, चर्मरोग ।

ઢાધવું (ક્રિ.) जलाना, दग्ध करना।

ઢાધાળ્યું-રંગ્યું-રીંગું (વિ.) रूखा चिड़चिड़हा, उदास ।

ઢાધિલ (સં.) दग्ध, जलाहुवा, दागेल ।

ઢાન (સં.) पुण्यार्थ, धनत्याग. त्याग, वितरण, उत्सर्ग, भेट, उपहार ।

ઢાન કરવું (ક્રિ.) देना, त्यागना, दान देना, भेट करना ।

ઢાનગૃહ (સં.) दान करनेका गृह, जहां सदावर्त बटताहो, धर्मशाला ।

ઢાનત (સં) चित्त, दिल, ख्याल, निश्चय, विश्वास नजर, लीला ।

ઢાનતદારી(સં.) ईमानदारी, सचाई ।

ઢાનધર્મ (સં.) दानपुण्य, पुण्यकार्य ।

ઢાનપત્ર (સં) वृत्ति, दान लिाप, दान की हुई वस्तुपर सम्प्रदानका स्वत्व बतलानेके लिये लेख ।

ઢાનપાત્ર (વિ.) दानदेने योग्य व्यक्ति, दानके लिये उचित, देने योग्य, वह पात्र जिसमे दान डाला जावे ।

ઢાનવ (સં.) असुर, राक्षस जिन्न ।

ઢાનશાળા (સં.) देखो ઢાનગૃહ [ज्ञाता, अभिज्ञ ।

ઢાના (વિ.) अनुभवी, बुद्धिमान,

ઢાનાર્ધ (સં) बुद्धिमत्ता, ज्ञान, बुद्धि, पूर्व विचार, सचाई ।

ઢાનાખ્ખક્ષ-ધિકારી (સં) दान देने मे मुखिया, दान कृत्यमें मुख्यया अधिपति ।

દાનાવ (વિ.) બલુમણી, ચતુર ।
દાની (સં.) દાતા, દેને વાલા ।
દાનેશ્વંદ (વિ.) દેખો દાનાવ
દાનો(સં.) દેખો દાનાવ
દાવું (સં.) દાવા, હક, અધિકાર ।
દાબણ (સં.) ભય, ડર, દાબ ।
દાબડી (સં.) છોટીસી ડિબિયા, હુલાસ ભરને કી ડિબ્બી, ડિબ્બી ।
દાબડો (સં.) ડબ્બા, બક્સ, પેટી ।
દાબણ (સં.) વજન, દબાનેકી વસ્તુ, પેક કરનેકી સુઈ ।
દાબણી (સં.) દબાનેકી, પ્રેસ ।
દાબદબાવ (સં.) ભય, ડર, ખૌફ ।
દાબવું (ક્રિ.) દેખો ઢાબવું
દાબીરાખવું (ક્રિ.) દબારખના, છુપાયે રહના, ગુપ્ત રખના ।
દામ (સં.) દેખો દમ
દામ (સં.) મૂલ્ય, પૈસા, કીમત, દ્રવ્ય ।
દામણ (સં) દેખો ડામણ દાંવન ।
દામણી (સં.) એક પ્રકારકા આભૂષણ જિસે સ્ત્રિયાં કપાલપર ધારણ કરતી હૈં ।
દામણું (વિ.) દેખો દમામણું
દામની સં.) રસ્સી, બિજુલી, વિદ્યુત્ ।
દામતું (સં.) કીમતી, મૂલ્યવાન, બહુમૂલ્ય ।
દામોદર (સં.) શ્રી કૃષ્ણ ચન્દ્રકા એક [નામ ।
દામ્પત્ય (સં.) દેખો દાર્પ
દામ્બો(સં.) દસકા યોગ, દહાઈ ।
દામણ (સં.) દેખો દાર્પ
દામરો (સં) સભા, સંગતિ સમ્મેલન ।
દામી (સં.) દેખો દામ્પત્ય
દાર (વિ.) ફાડક, ઋણ ચુકાદેને કે યોગ્ય, રખને વાલા. ધરમે વાલા
દારી (સં.) સ્ત્રી, ઔરત, પત્નિ, માર્યા ।
દારી (વિ.) વ્યભિચાર, જિનાકારી વેશ્યાગમન, છિનારા, જિના ।
દારિદ્ર (સં.) દેખો દરિદ્ર
દારૂ (સં.) લકડ, શરાબ, મદિરા મદ, ગનપાઉડર, બન્દુક ભરનેકા બારૂદ, પાઉડર ।
દારૂહળદ (સં.) દારૂહલ્દી, ઔષધિ વિશેષ, દારૂ હરિદ્રા ।
દારૂકામ (સં.) આગયા આગ સે ભડકને વાલે પદાર્થોંકા કાર્ય, દારૂકા કામ ।
દારૂખાનું (સં) શરાબ ખાના, વહ સ્થાન જહાં બારૂદકા કામ હોતા હૈ ।
દારૂગોળો (સં.) લડાઈ કા સામાન, યુદ્ધકી સામગ્રી, ગોલા બારૂદ ।
દારૂડીઓ–ખો (સં.) મદપી, મદપ, શરાબી, મદપીનેવાલા ।
દારૂણ (વિ.) કઠિન, ઘોર, કઠોર અસહ્ય, ભયાનક ।

દારૂખાનું (સં.) દેખો દારૂગોળો
દારૂડિયો (સં.) શરાબખોરી, મદ્યપાન।
દારોગો (સં.) દેખો દરોગો
દાવ(સં) ખેલ, પારી, નમ્બર, चक्कर, દાંવ, ઉછાલ, લોહેકી કુટાઈ जबतक किवह गर्म हो, મેલ, જોડ, ઐન વક્ત, દાંવપેચ।
દાવચિનિ (સં.) दारचीनी, दारु चीनी એક વૃક્ષકી છાલ, दालचीनी।
દાવડી (સં.) એક પ્રકારકા પુષ્પ, ગુલ दाऊदी। [चालाकी।
દાવપેચ (સં.) घात, દાંવ, યુક્તિ
દાવર (સં.) ધર્મિષ્ઠ, પુણ્યાત્મા।
દાવાનળ (સં.) આંધી, तूफान, શક્કડ, હલચલ।
દાવાદુશ્મન (સં.) વૈરી શત્રુ, રિપુ।
દાવાદુશ્મની (વિ.) દ્રોહ, વૈર, દ્વેષ શત્રુતા, વિરોધ, રિપુતા।
દાવાદાર (સં) વાદી, મુદ્દઈ, અધિકારી, दावा करनेवाला।
દાવાનળ-ગ્નિ (સં.) દેખો દવ
દાવો (સં.) દાવા, હક, અધિકાર नामलेख, નાલિશ, મુકદ્દમા।
દાવોકરવો (ક્રિ.) दावा करना, નાલિશ કરના, અભિયોગ ચલાના।
દાવોમાંડવો-દાખલકરવો (ક્રિ.) નાલિશ દાયર કરના, મુકદ્દમા દાખિલ કરના।

દાસ (સં.) સૂત્ય, કિંકર, સેવક, નૌકર, ગુલામ, અકિંચન, ભક્ત।
દાસત્વ (સં.) સેવા, નૌકરી, ગુલામી। [ताबेदारी।
દાસત્વ (સં.) પૂર્વવત્ દાસત્વ,
દાસાનુદાસ (સં.) दासकाभीदास, સેવકકાભીસેવક। [નૌકરની।
દાસી (સં.) ટહલની, बादी,
દાસીપુત્ર (સં.) દાસીકા બેટા, વર્ણસંકર, दासीसे उत्पन्नपुत्र।
દાસ્તાન (સં.) કિસ્સા, કહાની, બયાન।
દાસ્ય (સં.) દાસત્વ, ગુલામી।
દાહ (સં.) જલન, જલાદેનેવાલી ગર્મી।
દાહક (સં.) જલાનેવાલી, અગ્નિ, આગ। (વિ.) જોજલાવે, જો ભસ્મ કરે।
દાહડી (ક્રિ. વિ) દૈનિક, રોજાના।
દાહવું (ક્રિ.) દેખો દાઝવું
દાહા (વિ.) દસ, દશ, ૧૦
દાહાડ (સં.) દેખો દાહ
દાહ્ય (વિ.) જોશીઘ્રહી જલ જાવે, આગકે સટસડક ઉઠનેવાલા પદાર્થ।
દાહોડો (સં.) દિન, દિવસ, વાર વાસર, ક્રિયાકર્મ, દાહવિધિ, પ્રેત કર્મ, સમય।

દાહાડો સિકંદરનો (ક્રિ.) मनोरथ होना, सफल मनोरथ होना, उन्नति होना।

દાહાડાનીચાલ (सं.) गर्दिश, प्रारब्धका प्रभाव, ग्रहदशाका फेर, दिनदशा, होनहार।

દાહાડાવાળી (वि.) गर्भवती, फलयुक्त।

દાહાડેદાહાડે (क्रि.) दिनो दिन, दिन प्रतिदिन, रोज़ रोज़, दिनबादिन।

દાહિત (वि.) गरीब, जलाहुवा।

દાળ (स) दाल, दलीहुई दाल।

દાળભાઉ (सं.) बनिया वैश्य।

દાળભાત (सं.) सादा भोजन, रूखा भोजन, दालरोटी।

દાળમ (सं.) देखो દાડમ

દાળમછાળ (सं.) अनारका छिळका पिसा हुवा और उसमें कई अन्य वस्तुएं मिळी हुई।

દાળમપાક (सं.) आनारके रस आदिसे तय्यार किया हुवा पाक।

દાળમી (सं) દાડમડી देखो

દાળિયા (सं.) चनेकी सिकी हुई दाळ, चनेकी तली हुई दाल।

દાળિયો (सं.) दाल बेचनेवाला,

દિયર (सं.) देवर, पतिका छोटा भाई।

દિશ (सं.) देखो દિશા [होती।

દિશ્યો (वि.) थकित, हारा हुवा,

દિશ્ય (सं) शक शुभा, संदेह,

દિશ્ના (सं.) शंका, शक, शुबहा, उज्र, एतराज, आपत्ति, कठिनता।

દિક્પાલ (सं.) दिशाओंके स्वामी दिक्पति, दशाध्यक्ष।

દિકરી (सं.) लड़की, पुत्री बेटी।

દિકરો (सं.) पुत्र, बेटा, लड़का,

દિકામાલી (सं.) दिकामाली, औषधि विशेष।

દિગંત (स.) दिग्मण्डल, चक्र, वाळ, दिशाओंकी परिधि।

દિગંતરેખા (सं.) आकाशवृत्त, आकाशकीरेखा या घेरा।

દિગંતર (सं.) आकाश, आस्मान।

દિગતલીટી (सं) देखो દિગંતરેખા।

દિગમૂઢ (वि.) चकित, विस्मित, स्तब्ध, पागलसा,

દિગંબર (सं.) विवस्त्र, वस्त्ररहित, नग्न, नंगा, शिवकानाम।

દિગર (क्रि. वि) अन्य, दूसरा, दीगर।

દિગરાજ (सं.) देखो દિક્પાલ

દિગંશ (सं.) ऊर्ध्वदिशा, शिरोबिन्दुसे क्षितिज तक वृत्तखण्ड।

દિગ્ગજ (सं.) बड़ा मोटा ढील ढौल वृक्ष, दिग्गजों के हाथी।

દિગ્ગજ આઠ છે, ઐરાવત, પુષ્કરીક, વામન, કુમુદ, અંજન, પુષ્પદન્ત, સાર્વભૌમ અને સુપ્રતીક ।

દિગ્વિજય (સં.) વિદ્યા અથવા યુદ્ધના દ્વારા દેશ વિજય ।

દિગ્વિજયી (સં) વિશ્વજેતા, સર્વત્ર જયશીલ, દેશજયી ।

દિદ્દ-ઠ (ક્રિ. વિ.)પર, પ્રત્યેક દ્વારા।

દિદ્દા (સં.) જંગલી પૌદા ।

દિદ્ધું (સં.) સૂર્ય, સુરજ રવિ, દિનકર।

દિદ્દ (સં) આંખ, નેત્ર, નયન, ચક્ષુ,

દિદ્દાર (સં.) સૂરત, શક્લ, હાલત, દશા, દર્શન,

દિધ (વિ.) દિયાહુવા, દત્ત, પ્રદત્ત,

દિન (સં.) દેખો દિવસ

દિનકર (સં) દેખો દિધું ઇ

દિનનિશ (ક્રિ.) રાતદિન, અહર્નિશી ।

દિનમાન (સં.) સૂર્યોદય સે સૂર્યાસ્ત, તકકા સમય, દિવસકાળ ।

દિનરજની (સં.) દેખો દિનનિશ

દિનાંત (સં.) સંધ્યા, સાયંકાળ ।

દિનાર (સં.) સ્વર્ણમુદ્રા, સોને કા સિક્કા । [વ્યાઘ્ર।

દિપ્પું-ડો (સં.) ચીતા, દેંદુવા,

દિપ્ત (સં.) પ્રકાશ, જ્યોતિ ચમક।

દિપ્પું (ક્રિ.) ચમકના, પ્રકાશિત હોના, યોગ્યહોના, શોભિત હોના।

દિપાવહું (સં.) સુંદર, મનોહર, રૂપયુક્ત, ખૂબસૂરત ।

દિબાચો (સં.) ભૂમિકા, પ્રસ્તાવના ।

દિમાખે (સં.) દેખો દિમાગ ।

દિમાગ (સં.) અહંકાર, ગર્વ, મસ્તિષ્ક । [ચતુર ।

દિમાગદાર (સં.) બડ઼ા, ઘમંડી,

દિમાગી (વિ.) પૂર્વવત્ ।

દિમામ (સં.) ઠાઠ, ધૂમધામ ।

દિલ (સં.) ચિત્ત, મન, વિચાર, ઇચ્છા, પ્રેમ, હૃદય ।

દિલેટી (સં.) એક પ્રકાર કા ઉત્તમ ફૂલવાળા વસ્ત્ર ।

દિલ્હર (સં.) દેખો દિલ્હોર ।

દિલ ઉઠી જવું (ક્રિ.) ચિત્તભ્રમ હોના, ચિત્ત અસ્થિર હોના ।

દિલ ઉતારી નાખવું (ક્રિ.) પ્રેમ કમ કરદેના, સ્નેહ કમ કરના ।

દિલખુલાસો (સં.) અપને દિલકી સાફ સાફ બાતોં કા કથન ।

દિલખુશ (સં.) પ્રસન્ન, હૃષ્ટ, મુદિત, તુષ્ટ ।

દિલ ખુશ કરવું (ક્રિ.) ચિત્તપ્રસન્ન કરના, મનખુશ કરના ।

દિલ ખુશી (સં.) પ્રસન્નતા, હર્ષ, મનકી મૌજ ।

દિલ ચવું (ક્રિ.) चाहना, दिल होना, इच्छा होना, ख्वाहिश करना।

દિલ લગાડવું (ક્રિ.) प्रेम करना, ध्यान देना, सोचना, विचारना।

દિલગીર (सं.) रंजीदा, चिंतित, शोकाकुल, खेदित। [चिंता।

દિલગીરી (सं.) रंज, शोक, खेद, चिंता।

દિલદાર (सं.) प्रेमी, अनुरागी, दिलवाला। [सच्ची मित्रता।

દિલદારી (सं.) घनिष्ठमैत्री,

દિલપસન-ચમન (वि.) मुआफ़िक़, पसन्दीदा, दिलपसन्द, रोचक। [प्यारा।

દિલપસંદ (वि., पूर्ववत्, मित्र,

દિલફરેબ (सं.) मनोहर, सुन्दर।

દિલભરોસો (सं.) विश्वास, यकीन।

દિલ લગાડવું (क्रि.) ध्यान देना, सोचना, विचारना, ख्याल करना।

દિલપાક (सं.) खरा, निष्कपट, सच्चा।

દિલબર (सं.) कोमल, हृदयी, मृदु हृदय का, प्यारा, प्रेमी।

દિલભર (सं.) पूर्ववत्, यार, आशना। [उत्सुकता।

દિલસોજ (वि.) अनुराग,

દિલસોજી (सं.) उत्साह, उद्योग।

દિલાવર (सं.) वीर, बहादुर, साहसी। [साहस।

દિલાવરી (सं.) बहादुरी, वीरता,

દિલાસો (सं.) तसल्ली, धीरज, साहस।

દિલી (वि.) हार्दिक, सच्चा दिल का।

દિલોજાન (वि.) प्यारा, प्रेमी, हार्दिक, दिल और प्राण, मन और आत्मा। [मनसे, प्रेमसे।

દિલોજાનથી (क्रि.) सच्चे हृदयसे,

દિવટ (सं.) बत्ती, मसाला, पलीता।

દિવડું (सं.) आटे का दीपक, दीपक युक्त टिकिया। [रोज़।

દિવસ (सं.) दिन, वार, वासर,

દિવસ ગુજારો કરવો (क्रि.) दिन काटना, उमरटेर करना, किसी प्रकार दिन व्यतीत करना या गुज़र करना।

દિવાદાંડી (सं.) रोशनीघर, जिस में जहाज वालोंको रास्ता दिखाने के लिये ऊँचे पर रोशनी होती है।

દિવાન (सं.) दीवान, प्रधान मंत्री।

દિવાનખાનું (सं.) बैठक, श्रोता, या आगन्तुकों के लिये मकान।

દિવાનગી (सं.) पागलपन, मूर्खता।

દિવાનગીરી (सं.) मंत्री का काम, दीवान का कार्य।

દિવાનાપણું (સં.) पागलपन, बावलापन, सिड़ीपन, क्रान्त ।
દિવાની (વિ.) देशी, दीवानी ।
દિવાનું (સં.) पागल, सिड़ी, सिरीं ।
દિવાની અદાલત (સં.) सिविल कोर्ट दीवानी का न्यायालय ।
દિવાની કાયદો (સં.) सिविल ला, दीवानी कानून ।
દિવાબત્તી (સં.) चिरागबत्ती, दीपक और बत्ती ।
દિવાલ (સં.) दीवार, प्राचीर, भीत, घोड़ा, अश्व ।
દિવાલગીરી (સં.) दीवार पर लटकाने का दीपक । [संध्या ।
દિવાળખાત (સં.) सायं का ल,
દિવાસળી (સં.) अग्निशलाका, दियासलाई, आगकाढ़ी, माचिस ।
દિવાસો (સ.) आषाढी अमावस्या आषाढ की ३० वीं तिथि ।
દિવાળી (સં.) वर्ष का अन्तिम दिन, दीपमालिका, कार्तिकी अमावास ।
દિવાળીયો (સં.) दिवालिया, मुफ्लिस, दरिद्र, अतिव्ययी ।
દિવાળું (સં.) दिवाला, अतिव्यय।
દિવાળું કાઢવું (ક્રિ.) दिवाला निकाला, गिरना ।
દિવી (સં.) विष्ट, दिया रखने की तिपाई, दीपक रखने की स्टैंड ।
દિવેટ (સ.) देखो દિવટ ।
દિવેટી (સં.) देखो દિવેટી ।
દિવેલ (સં.) रेंडी का तेल, अंडी का तेल । [अरंडी के बीज।
દિવેલી (સં.) अंडीकेबीज,
દિવેલો (સં.) अरण्डवृक्ष, एरण्डका पेड़ । [मनोज्ञ, स्वर्गीय।
દિવ્ય (વિ.) सुंदर, मनोहर,
દિવ્યપાદુકા (સં.) पवित्रखड़ाऊं, पवित्रपादुका ।
દિવ્ય ચક્ષુ-દૃષ્ટિ (સં.) ज्ञानचक्षु, अलौकिकज्ञानसम्पन्न, सर्वज्ञ ।
દિવ્ય દંતી (સં.) सुन्दर, और साफ दांत वाली स्त्री । चारू दसना ।
દિવ્યદેહ (સં.) पवित्र शरीर, स्वर्गीय आत्मा ।
દિવ્યરસ (સં.) पारा, पारद।
દિવ્યરૂપ-સ્વરૂપ (સં.) पवित्ररूप, दर्शनी रूप ।
દિવ્યલોક (સં.) स्वर्ग, वैकुंठ, बहिश्त ।
દિવ્યજ્ઞાન (સં.) ब्रह्मज्ञान, उज्ज्वलज्ञान, अलौकिकज्ञान ।
દિશા-શા (સં.) दिक, पूर्वआदि-दसदिशाएं, ओर बाजू, तरफ ।
દિશાએ જવું (ક્રિ.) पखानाजाना, दस्तजाना, मलोत्सर्ग करना ।

દિસતું (વિ.) દૃશ્ય, જો દિસે, દિખતા હુવા ।
દિસવું (ક્રિ.) દિખના માલુમ હોના ।
દિક્ષા (સં.) મજન, પૂજન, ઉપદેશ, દીક્ષા ।
દિક્ષા આપવી (ક્રિ.) ધર્મોપદેશ-દેના, મંત્રોપદેશ દેના, દીક્ષાદેના ।
દી (સં.) દિન, વાસર, વાર।
દીઅર (સં.) દેખો દિઅર ।
દીક્ષિત (સં.) ઉપદિષ્ટ, ગૃહીતમંત્ર, મંત્રિત, મજન મેં પ્રવૃત્ત, દીક્ષિત (પદવી)
દીઠ । ક્રિ. વિ.) દેખો દિઠ
દીઠું (ક્રિ. વિ.) દેખનેસે, દૃષ્ટિસે ।
દીઠું (ક્રિ.) દેખા, સમઝા, સોચા।
દીધ–ધું (ક્રિ.) દિયા, ભેટ કિયા।
દીન (સં.) ગરીબ, દરિદ્ર, નમ્ર, નિરન્ન, મ્લાન, દુખી, મુસ્લમાનીમત।
દીનઉલ્વો–જગાડવો (ક્રિ.) ધર્મ કે નામ પર યા ધાર્મિક કૃત્ય પર મુસ-લમાનોં દ્વારા ઝગડાયા દંગા ઉઠના ।
દીનતા (સં.) દારિદ્ર્ય, ગરીબી, દુઃખ, આર્દ્રતા ।
દીનદયાળ (વિ.) કૃપાલુ, દીનપા-લક દીનોંપર દયા કરને વાલા, દુખિયોંકાદુઃખનાશક, ઈશ્વર ।
દીનદાર (વિ.) મુસલમાનોંકા તપસ્વી યા ભક્ત ।
દીનદારી (સં.) તપ, ભક્તિ,
દીનદુનિયા (સં.) સંસાર, વિશ્વ, જગત્, સૃષ્ટિ, ભૂમણ્ડળ, ।
દીનપણું (સં.) દીનતા, નમ્રતા।
દીનાનાથ (સં.) દીનોં કા સ્વામી, દીન પ્રતિપાળ, ઈશ્વર, પ્રભુ ।
દીનબંધુ (સં) ગરીબોંકો ભાઈયોં, સમાન માનને વાળા, પરમાત્મા ।
દીનવંદન (સં.) નમ્રતાયુક્ત પ્રણામ, નમ્રનિવેદન, નમ્રદંડવત ।
દીનવાણી (સં.) દીન ભાષણ, નમ્ર પ્રાર્થના, નમ્રતા પૂર્વક અર્જી ।
દીનસ્વર (સં.) નમ્ર ઔર ધીમી આવાજ, મૃદુસ્વર ।
દીનાર (સં) સ્વર્ણમુદ્રા, સોનેકા સિક્કા, દીનાર ।
દીનોદ્ધાર (સં.) દીનરક્ષા, દીનોં કા ઉદ્ધાર, દીનોં કા બચાવ ।
દીપક (સં.) પ્રકાશ, દ્યોતક, લેમ્પ ચિરાગ, દીવા, રોશની ।
દીપક કલ્યાણ (સં.) રાગ વિશેષ ।
દીપગૃહ (સં.) દેખો દિવાદાંડી
દીપડું (સં.) દેખો દિપડું
દીપ દર્શન (સં.) દીપકકી વન્દના જબ કિ વહ જલાયા જાવે ।
દીપવવું (ક્રિ.) જલાના, ચમકાના પ્રકાશ કરના, ચૌંધિયાના સુંદર બનાના ।

दीपदान (सं.) झाड या फानूस जिस में मोमबत्तियाँ दीपक जलाये जावें। झाड़, फानूस, बिल्लौरी झाड।

दीपमाल (सं.) दीपकों की पंक्ति, दीपोंकी कतार या पाँति।

दीपवुं (क्रि) देखो दिपवुं

दीपावबुं (क्रि.) प्रकाशित कराना, जलवाना, चमकाना, खूबसूरत बनाना।

दीपावली (सं) जगमगाहट, रोशनी प्रकाश, दिवाळीका उत्सव।

दीपावुं (क्रि.) चौधना, चुधियाना।

दीपावहुं (वि.) मनोहर, सुन्दर।

दीपिका (सं.) दीपककी तिपाई या बैठक।

दीपोत्सव-त्सव (स) वह त्योहार जिसमें रोशनी हो, दिवाली, दीपमालिका।

दीप्त (वि.) ज्वलित, प्रकाशित, दग्ध, निशित, उग्र, चण्ड।

दीप्ति (सं.) प्रकाश, रोशनी, उजाला, शोभा, प्रभा, द्युति सुन्दरता। [सिक टक्कर।

दीलो (स.) अचानक धक्का, आक-

दीर्घ (वि.) लम्बा, बड़ा, आयत उच्च, उन्नत, लम्बा चौड़ा।

दीर्घकर्ण (सं. बकरी, गधा, फाल जिस के बड़े हों, लम्बकर्ण।

दीर्घदर्शी (वि) दूरदर्शी, पारदर्शी, दूरन्देशी, आगे की सोचने वाला।

दीर्घदृष्टि (सं.) दिव्य दृष्टि, अग्रदृष्टि बहुश, प्रवीण।

दीर्घद्वेषी (वि.) निर्दयी, कठोर, संगदिल, बेरहम।

दीर्घ नयनवाणी (वि.) विशाल नेत्र वाली, सुन्दर आखोंवाली।

दीर्घवृत्त (सं.) अण्डाकार वृत्त, ग्रहवृत्त, वह मार्ग जिस मे ग्रह सूर्य के चारों ओर घूमते हैं।

दीर्घसूत्र (सं.) लम्बा तार, लम्बा धागा, आलस।

दीर्घ स्वर (स.) द्विमात्रिक स्वर, आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ, अं, अः. दीर्घ शब्द, लम्बी आवाज।

दीर्घायु (वि.) चिरायु, चिरजीवी, दीर्घ जीवी, परमायु, बड़ी उम्र।

दीर्घायुष्य (सं.) देखो दीर्घायु।

दीस (सं.) देखो दिन।

दीवासणी (सं.) देखो दिवासणी।

दीवी (सं.) देखो दीपिका।

दीवो (सं.) देखो दीपक-कुळ

दीपक, वंश में होनहार, कुल कमळ।

दीस (सं.) दिन, दिवस, वासर, वार, रोज, तिथि।

દીસવું (ક્રિ.) દેખો દિસવું ।
દુંટી (સં) નાભિ, ડૂંડી, ડૂંટી ।
દુંડ (સં.) વૃક્ષ કી શાખા, પત્ર હીન પેડ़ી, ઠૂંઠ, બડ़ા પેડ़, તોંદ ।
દુંડિઉં (સં.) છોટા હેંગા યા પહટા ।
દુંડિઓ (સં.) દેખો ઢાંડીઓ ।
દુંડી (સં.) દેખો ઢાંડી ।
દુંડુ (સં.) દેખો ઢુંઢુ ।
દુધવું (ક્રિ.) આધે કે લગભગ જલા હુવા હોના, અર્દ્ધદગ્ધ ।
દુધાયલું (વિ.) અધજલા, આધા જલા હુવા, અર્દ્ધદગ્ધ ।
દુ (વિ.) દો, ૨, સંખ્યા વિશેષ ।
દુઆ (સં.) દેખો દુવા ।
દુઆગીર–ગેા (સં.) શુભેચ્છુક, શુભચિંતક, હિતચિંતક ।
દુઆવું (સં.) બાળક, બચ્ચા ।
દુકાન (સં.) હાટ, બાજાર, જહાં સૌદા રખા ઔર બેચા જાતા હૈ ।
દુકાનદાર (સં.) હાટવાલા, દુકાનવાલા, વિક્રેતા ।
દુકાનદારી (સં.) દૂકાનદાર કા કામ સૌદા રખને ઔર બેચનકા ધન્ધા ।
દુકાની (સં.) દોપાઈ, દો કાન ઔર ગાડી ખીંચને કે કામ કા વસ્ત્ર ।
દુકાળ (સં.) દુર્ભિક્ષ, દુષ્કાલ, કાલ, મહેંગી, કહત । [પ્રકાર ।
દુકુલ (સં.) તાસ કે ખેલમેં એક
દુકૂલ (સં.) અત્યુત્તમ રેશમી વસ્ત્ર. સુન્દર મૂલ્યવાન, રેશમી કપડ़े ।
દુકૃત–ષ્કૃત (સં.) અપરાધ, પાપ, કુસૂર, ગુનાહ, અઘ ।
દુખદ–દાયક (વિ.) કષ્ટપ્રદ, હાનિપ્રદ, દુખ દેનેવાલા, ક્લેષપ્રદ ।
દુઃખ–ખું (સં.) દુઃખ, ક્લેશ, કષ્ટ તકલીફ, દર્દ, રંજ, શોક, રોગ, કઠિનતા, ચોટ, પીડ़ા, વ્યથા, સંતાપ, સંભવ મનકાક્ષોભ, આપત્તિ ।
દુઃખ આપવું–પ્રવું (ક્રિ.) કષ્ટ દેના, તકલીફ દેના, સતાના ।
દુઃખ થવું (ક્રિ.) દુઃખ હોના, વ્યથા હોના, કષ્ટ હોના, ક્લેશ હોના ।
દુઃખ દેવું (ક્રિ.) દેખો દુઃખ આપવું
દુઃખ પામવું (ક્રિ.) દુઃખી હોના, વ્યથિત હોના, ક્લેશિત હોના ।
દુઃખદાયક–દાયક (વિ.) દુઃખદ, ક્લેશદ, ક્લેશકારી, દુઃખદાયી દુઃખદાતા । [દેનેવાલા, ક્લેશ દેનેવાલા।
દુઃખદાયી (વિ.) પૂર્વવત્, દુઃખ
દુઃખપ્રદ (વિ.) પૂર્વવત્
દુઃખ ભરેલું (વિ.) દુઃખ પૂર્ણ દર્દી, દુઃખાન્વિત, દુઃખિયા, ક્લેશભાક્,

દુઃખભંજન (સં.) દુઃખ નાશક, परमार्थी, सर्वप्रिय, खलक दोस्त।

દુઃખવવું (ક્રિ.) दुखाना, सताना व्यथित करना, चोट पहुँचाना।

દુઃખવું-આવું (ક્રિ.) दुखना दर्द होना, पीडा होना।

દુઃખહરણ (સં.) दुःखनाश, दुःख-मोचन, संकट हरण। [क्लेश।

દુઃખાવ-વો (સં.) दर्द, पीड़ा,

દુઃખી-ખિત-આરો-ઘુ (વિ.) व्यथित, दुखी, पीड़ित, दर्दयुक्त, चोटीला, संतापित, दुखयुक्त, दुखियारा, दुःखान्वित, क्लेशयुक्त, रोगी चिंतातुर, अस्वस्थ।

દુઃખીજીવ (સં.) दुखितजीव, व्यथितव्यक्ति, दुखी प्राणी।

દુઃખી થવું (ક્રિ.) देखो દુઃખ પામવું

દુઃખેપાપે (ક્રિ. વિ.) बड़े परिश्रमके साथ, बड़ी मिहनतसे बे नसीबीसे, कम्बख्तीसे, निकम्मापनसे।

દુગન (સં.) जल्दीका गान।

દુગ્ધ (સં.) दूध, पय क्षीर, स्तन्य।

દુગ્ધા (સં.) झमेला, पीड़ा, कष्ट।

દુજું (વિ.) दूसरा, अन्य, द्वितीय, दीगर।

દુગ્ધી-ળી (વિ.) दुधारू दूधवाली, दुग्धप्रद, क्षीरप्रद, क्षीरस्तनी।

દુઝવું (ક્રિ.) दुहना, दूध निकालना।

દુઝાઉ (સં.) दूध देनेवाला पशु।

દુઝાવું (ક્રિ.) झुराना, लटजाना, झुलसजाना, कुम्हलाना, अधजलासा होजाना।

દુંડ (સં.) लम्बोदर, बड़ापेट, तोंद।

દુંડાળો (સં.) बड़े पेटवाला, स्थूलोदर, गणेशजी, गणपति।

દુંડો (સં.) पृष्टोका बंडल, सफो या वर्कोंकी गठरी या पुलन्दा।

દુત (સં.) देखो દૂત

દુદાડા (સં.) छोटे जूते, छोटी जूतियां।

દુધ (સં.) देखो દૂધ

દુધપાક (સં.) दूधकी बनी हुई वस्तु, दूधद्वारावनी वस्तु, चांवल शक्कर दूध आदि मधालोंका मिश्रण, खीर।

દુધભાઈ (સં.) कोका भाई, दुग्ध-बंधु।

દુધવાળો (સં.) ग्वाला, ग्वार, घोसी, दूधबेचनेवाला।

દુધવાળી (સં.) ग्वालिन, घोसिन, दूधवालेकी स्त्री, दूध बेचनेवाली।

દુધારૂ (વિ.) दो धार की, दोनों ओर नोंक वाली, दोनों तरफ जिसे धार हो।

દુધાળ (વિ.) दुधारु, दूध देनेवाली।

दुधिल्यां दांत (सं०) दूध के दांत, बचपन के दांत । [तुम्बी ।
दुधी (सं) सफेद कद्दु, लौकी
दुधेल (वि.) देखो दुधाळ ।
दुनिया (सं) विश्व, जगत, संसार, मानवसृष्टि, मानव जाति, सृष्टि ।
दुनिया दोरंगी —परिवर्तन शील संसार, दोरंग की दुनिया ।
दुनियादारी (स.) सांसारिक संबंध, संसार से साधारण सम्बन्ध ।
दुनियादार–दार (वि.) सासारिक, दुनियावी, ससार, सम्बन्धी, गृहस्थी।
दुंदुभि (सं.) नगारा, डंका, दुंदुभी धौसा । [द्विगुण ।
दुपट (वि.) दुहरा, दोलड़ा,
दुपट्टा (सं.) ओढने का चदर, वस्त्र विशेष, रूमाल, कन्धे पर डालने का वस्त्र, दुपट्टा ।
दुपट्ट (सं.) देखो दुपट ।
दुभणी (सं.) भील जाति की स्त्री ।
दुभळाव (सं.) कृषता, दुबलापन, निर्बलता, पतलापन, कमजोरी ।
दुभळावणुं (सं.) पूर्ववत्
दुभळुं (सं.) कृष, दुर्बल, पतला, दुबला, निर्बल ।
दुभळो (सं.) मजदूर जातिका मनुष्य, मजदूर ।
दुभवु (सं.) कुम्हलाहट, बरबादी, उदासीनता ।
दुभवुं–आवुं (कि.) सताना, दुख पहुंचाना, खिझाना, क्लेशदेना ।
दुभाषिये (सं) उल्था या तर्जुमा करनेवाला, दोभाषा जाननेवाला ।
दुम (स.) पूंछ, पुच्छ, लाङ्गुल ।
दुमची (सं.) घोड़ेकी दुमची, चमड़ेका थैड़ा जिसमें तमाखु अफीम आदि वस्तुऐं रखीजाती हैं ।
दुमाड–रो (सं) दो ओर से आक्रमण, दुतरफा धावा, दुव्वा, चिंता ।
दुमास (सं) एक प्रकारका वस्त्र।
दुरंदेशी (स.) चौकसी, रक्षा, अग्र दृष्टि, पूर्व दृष्टि, पूर्व विचार ।
दुरबीन (सं.) दूर वीक्षण यंत्र, दीर्घ दर्शक काच ।
दुरस्त–स्त (वि.) ठीक, योग्य, उचित, सही, सहीसलामत, शुद्ध, मुनासिब, ध्वनि, शब्द, (कि. वि) अच्छा, उत्तम ।
दुरस्त करवुं (कि.) ठीक करना, सुधारना, बनाना, मरम्मत करना।
दुराग्रह (सं) हठ, जिद्द, व्यर्थका आग्रह, सरकशी, निन्दित हठ ।
दुराचरण (सं.) कुत्सितव्यवहार, विरुद्धाचरण, कुनीति, कदाचार ।
दुराचार (सं.) पूर्ववत्

दुराचारी (वि.) अन्यायी, दुःशील लम्पट, क्रूर, उपद्रवी।

दुरात्मा (सं.) पापात्मा, निर्दय, दुष्ट, पापी, क्रूर, उपद्रवी।

दुरिजन (सं.) देखो दुर्जन

दुर्ग (सं.) गढ, कोट, किला, गढी।

दुर्गंध (सं.) दुष्टगन्ध, बुरीबास बदबू, सडॉद, दुर्गन्धि।

दुर्गति (सं.) दुर्दशा, कुगति, बुरी हालत, दुरावस्था, बुरा अवस्था, विपत्ति, दरिद्रता।

दुर्गंध आवणी (कि.) बदबूआना, बुरीबास आना, सडादआना।

दुर्गंधी (वि.) कुबास, बदबू, सडॉद।

दुर्गम-म्य (वि.) कष्टगम्य दुःखसे जाने योग्य, आघट, बाहुड, बीरान।

दुर्गा (सं.) देवी, शिवा, भगवती, आद्याशक्ति, हिमतनया।

दुर्गाचिड़ी (सं.) एक प्रकार की छोटी कालीचिड़िया।

दुर्गुण (सं.) अवगुण, ऐब।

दुर्गुणी (वि.) ऐबी, गुणहीन, अवगुणी, दुष्ट, नीच।

दुर्घट (वि.) कष्ट साध्य, दुःसाध्य, कठिन, कठोर, कष्टप्रद, अघट।

दुर्घटता (सं.) कठिनाई, कठोरता, रोक, आड़, बेकाबू, अजय, अलंघनीय।

दुर्जन (सं.) क्रूर, दुष्ट, खल, कुत्सित आचारवाला, अधम, नीच, निंद्य मनुष्य, बुरा आदमी।

दुर्जनता (सं.) क्रूरता, दुष्टता, अधमता, नीचता कर्मनापन।

दुर्जय (वि.) दुःखसे जीतनेयोग्य, अजेय, जो जीता न जा सके।

दुर्जयता (सं.) अजयता।

दुर्जात (वि.) दुष्ट, बुरा, निकम्मा, चाण्डाल, नीच, अधन्य।

दुर्दांत (वि.) भयप्रद, भयानक।

दुर्दशा (स.) दुर्गति, विपत्ति, हीन अवस्था, बुरी हालत, कुदशा।

दुर्दांती (वि.) देखो दीर्घदंती

दुर्बोध (वि.) कुशिक्षा, बुरा शिक्षण।

दुर्दैव (सं.) दुर्भाग्य, कुभाग्य, अभाग, बदकिस्मत, विधिवामता।

दुर्बल (वि.) कमजोर, निर्बल, हीन, अशक्त, गरीब, दीन, निधन।

दुर्बलता (सं.) अशक्तता, निर्बलता, कमजोरी, गरीबी।

दुर्भाग्य (सं.) देखो दुरभाग्य

दुर्बुद्धि (सं.) बुरे विचार, नीच बुद्धि, कुविचार, द्वेष, द्रोह मूर्खता।

दुर्भाग्य (सं०) दुर्द्दष्ट, अभाग्य, मंदभाग्य, बदकिस्मत ।

दुर्भाव (सं.) दुष्टभाव, दुष्ट अभिप्राय, निन्दित स्वभाव, घृणा, द्वेष।

दुर्भाषण (सं.) निर्दय वाक्य, गाली, बुरा बोल, असंस्कृत भाषण।

दुर्भिक्ष (सं.) काल, अकाल, कुसमय, महंगी, कहत, महर्घ ।

दुर्मति (वि.) कुबुद्धि, मंदबुद्धि अज्ञान, मूर्खता, बुरी अक्ल, बुरे विचार ।

दुर्मद (सं.) मस्त, अहंकारी, घमण्डी तमोगुण युक्त, मतवाला, हट्टा कट्टा ।

दुर्लभ (वि) अप्राप्य, दुष्प्राप्य, प्रिय अति प्रशस्त, जिसका मिलना कठिन हो । [वज्रजुही ।

दुर्लक्ष (सं.) भूल, बेखबरी, बेत-

दुर्लक्षण (सं.) अशुभ चिन्ह, अशकुन, बुरे लक्षण, कुलक्षण ।

दुर्वचन-वाक्य (सं.) देखो दुर्भाषण.

दुर्वासना (सं.) बुरी वासना, असत् अभिलाष, दुष्ट इच्छा ।

दुर्विचार (सं.) कुप्रवृत्ति, बुरी इच्छा।

दुर्व्यसन (सं) बुरी आदत, बुरी इच्छा, कुटेव ।

दुर्व्यसनी (सं.) खोटा, दुष्ट, पापी, सरकश, कुटेवी । [बाली ।

दुल (सं.) एक प्रकार की कानकी

दुल दुलीतपन (सं.) मुटाई, पुष्टता।

दुलडुलु (वि.) भरा हुवा, चौकोर, मोटा, ताज़ा ।

दुलवुं (क्रि.) डूबना, धसना ।

दुलारी (सं.) पुत्री, बेटी, लड़की।

दुलारे। (सं) पुत्र, तनय, आत्मज।

दुलेा (वि.) बड़े हौसिलेका, उदार, बहादुर, मनोमहान, सादा, साफ, खरा, सच्चा, निष्कपट ।

दुल्हा (सं.) मुहर्रममें ताजियों के आगे मुसलमानोंका " दूल्हा " कहके चिल्लाने का शब्द ।

दुवा (सं.) आशिर्वाद, आशीष, धन्यवाद, आशिर्वचन । [आव।

दुवाई (सं.) दुहाई, शपथ, कसम,

दुवात (सं.) दवात, दावात, मसिपात्र ।

दुवागे। (सं.) प्रार्थी, विनयी, प्रार्थी, विनतीकरनेवाला ।

दुवादेवी (क्रि.) दुआ देना, धन्यवाद देना, आसीस देना ।

दुवा मांगवी (क्रि.) प्रार्थना करना, विनती करना, दुआ मॉगना ।

दुवार्षिक (सं.) अर्द्ध वार्षिक, छमाही, नीमसाला ।

દુશ્મન (સં.) શત્રુ, રિપુ, અરિ, વૈરી, નાશક ।

દુશ્મનાઇ–ની–નગીરી, ન દાવો (સં.) વૈર, શત્રુતા, રિપુતા, નીચ વર્તાવ।

દુશાલો (સં.) દુશાલા, ધુસ્સા, દુશાલા ઓઢ ।

દુશ્શકુન (સં.) અશકુન, અશગુન, બુરે શકુન, બુરે ચિન્હ ।

દુશ્શાપ (સં.) કઠોર શ્રાપ, ભયંકર દુરાશીષ, ભારી સરાપ ।

દુશાલ (સં.) દેખો દુશાલો ।

દુષ્કર (વિ.) કઠિન, મુશ્કિલ, કષ્ટ સાધ્ય, અસંભવ ।

દુષ્કર્મ (સં.) કુકર્મ, નીચ ક્રિયા, અધમ વ્યવહાર, નિંદ્ય કામ, કુકૃત્ય ।

દુષ્કર્મી (સં.) દુષ્કૃતકારી, કુક્રિયાન્વિત, પાપી, ભ્રષ્ટાચારી ।

દુષ્કાળ (સં.) દેખો દુર્ભિક્ષ

દુષ્ટ (વિ.) બુરા, નીચ, ઉપદ્રવી, અધમ, પાપિષ્ટ, નિર્લજ્જ, વિરુદ્ધાન્તઃકરણ ।

દુષ્ટ ઇચ્છા (સં.) બુગ્ઝ, વૈર, બુરી ઇચ્છા, બુરે વિચાર, નિંદ્ય વિચાર।

દુષ્કર્મ (સં) પાપમય કાર્ય, બુરે કામ, નીચ કાર્ય, નિંદ્ય કાર્ય ।

દુષ્કર્મી (સં.) દેખો દુષ્કર્મી

દુષ્ટતા (સં.) ખલતા, દુર્જનતા, નીચતા, દૌરાત્મ્ય ।

દુષ્ટબુદ્ધિ (સં.) નીચબુદ્ધિ, મન્દબુદ્ધિ નિંદ્યબુદ્ધિ, બુરીઅક્ક, અધમબુદ્ધિ ।

દુષ્ટભાવ (સં.) બુરે વિચાર, નીચ વિચાર, નિંદ્યભાવ દ્રોહ, વિરોધ ।

દુષ્ટમતિ (સં.) બુરી અક્ક, અધમ વિચાર, નિંદ્ય પ્રવૃત્તિ ।

દુષ્ટ રીતે (ક્રિ. વિ.) બુરીતરહમે, બુરી પ્રકાર ।

દુષ્ટ વાસના (સં.) કામાગ્નિ, રતાભિલાષ, કામવાસના ।

દુષ્ટ વૃત્તિ (સં.) નીચ વૃત્તિ, અધમાવૃતિ, બુરી જીવિકા, નિંદ્ય વ્યવસાય।

દુષ્ટ સ્વભાવ (સં.) બુરી આદત, નીચ સ્વભાવ, વૈર, વિરોધ, દ્વેષ ।

દુષ્ટાઇ (સં.) બુરાઈ, નીચતા, અધમતા ।

દુસ્સંગ (સં.) કુસંગ, નીચ સંગ, બુરા સંગ, ખોટી સોહબત ।

દુસકાં–દુસકાં (સં.) આહ, ગહરી સાંસ, સિસકી, ઠંડી સાંસ ।

દુસ્તર (વિ.) દુષ્પાર, અતરણીય, દુસ્તરણીય, પાર હોને કે અયોગ્ય કઠિન, મુશ્કિલ, સખ્ત ।

દુહિતા (સં.) પુત્રી, બેટી, તનયા।

દુહો (સં.) મિસરા, દોહા, સોરઠા।

दूत (सं.) वार्ताहर, चर, संवाद-दाता, सन्देसी, निसृष्टार्थ ।

दूती (सं.) दूतकार्य के लिये नियुक्त की हुई स्त्री, समाचार हारिणी, कुटिनी। [सफेद रंगका रस ।

दूध (सं.) दुग्ध, पय, क्षीर वृक्षोंका

दूसरा (वि.) दूसरा, द्वितीय, छोटा, नीचा।

दूर (वि.) अनिकट, असन्निकट, अंतर, बीच, व्यवधान, परे, न्यारा, अलग ।

दूर करना (क्रि.) हटाना, दूर करना, सरकाना, अलग करना, नौकरी से बरखास्त करना, डिस-मिस करना, नौकरी से नाम काटना।

दूरस्थ (क्रि. वि.) अतिदूर, बहुत दूर, फासलेपर ।

दूर दृष्टि (सं.) दूरदर्शन, विवेक, अग्र दृष्टि, परिणाम दृष्टि ।

दूर्वा (सं.) दूब, तृण विशेष ।

दूल (सं.) एक प्रकारकी कानोंकी बाली, कर्ण भूषण विशेष ।

दूसरा (स.) देखो दूजा।

दूषक (वि.) दोष देनेवाला, निंदक, निन्दा करनेवाला, कलंकित करने-वाळा, दूषयिता ।

दूषण (सं.) दोष, त्रुटि, निन्दा, दोष प्रकाशन, भर्त्सन कुलक्षण,

दूषणीय (वि.) दूष्य, निन्दनीय, गर्हित कुत्सित, । [नयन ।

दृग (सं.) दृक्, आँख, चक्षु, नेत्र,

दृढ (वि.) पोढ़ा, अचल, कड़ा, कठोर, अतिशय, प्रगाढ, बलवान, कठिन ।

दृढतर (वि.) गणित विशेष, महत्तम समापवर्त्य (गणितमें)

दृढता (सं.) काठिन्य, कठिनता, स्थिरता, मजबूती।

दृढचित्त (स.) पुख्तादिल, दृढमन, स्थिरमन अचलचित्त ।

दृढभक्ति-भाव (सं.) धर्मपरायण, अचलश्रद्धा, स्थिर प्रेम ।

दृश्य-भान (वि.) देखने योग्य, दर्शनीय देखनेकी वस्तु, रमणीय, मनोहर ।

दृढ निश्चय (सं.) दृढ अभिप्राय पूर्ण यकीन, पूर्ण स्थिरता ।

दृढनिर्धार (सं) पूर्ववत्

दृष्टांत (सं.) उदाहरण, उपमा, निदर्शन, समानता करण, तुलना करण, मिसाल ।

दृष्टि (सं.) आंख, नेत्र, नयन, चक्षु ।

दृष्ट (वि) आलोकित, ईक्षित, देखा हुवा ।

दृष्टा (सं.) दर्शक, दर्शनकारी, दिखैवैया, देखनेवाला ।

દૃષ્ટાંત કથા (સં.) उदाहरण के रूपमें कथा, दृष्टांत, बयान, वर्णन।

દૃષ્ટાંતિક (वि.) उदाहरण के योग्य, मिसालके लायक, वर्णन योग्य।

દૃષ્ટિ (सं.) आलोकन, निरीक्षण, दर्शन, चक्षु, नेत्र, नयन, बुद्धि, विवेक, विचार, कृपादृष्टि, कुदृष्टि।

દૃષ્ટિગોચર (वि.) साक्षात, प्रत्यक्ष, नयन गोचर।

દૃષ્ટિવિદ્યા (सं.) चक्षुविद्या, नेत्र विद्या, दर्शन ज्ञान, निरीक्षण ज्ञान, मेस्मेरेजम।

દૃષ્ટિ મર્યાદા (सं.) नेत्रसीमा, लिहाज़, आखोंकी हद्द, इंद्रिय गम्यसीमा, इंद्रियसे ज्ञात होनेवाली मर्यादा। [समानान्तर, बराबर।

દૃષ્ટિમંડળ (सं.) दृष्टिवृत्तके

દૃષ્ટિવિષય (सं.) दृश्य अभिप्राय, प्रकट मुराद, लक्ष्य प्रयोजन, निरीक्षण विषय, नेत्रसे सम्बन्ध, रखने वाला विषय।

દૃષ્ટિસ્નાયુ (सं.) देखनेके तंतु नेत्रकीनसे, नेत्रतंतु, आखके डोरे।

દે (सं.) पारसी दसवां महीना, (क्रि.) देना, प्रदान करना।

દેઉડું (क्रि.) छोटा सांप (पानीका) डौड, पनियर, छोटा सर्प।

દેખ (सं.) ताक, आलोकन, निरीक्षण (क्रि.) देखना, दर्शन करना गौर करना, ताकना।

દેખાઉડું (वि.) प्रकट, मालूम, नुमायशी, भड़कीला, रंगीला।

દેખાડવું (क्रि.) देखो દેખાડવું

દેખત (क्रि. वि.) एक क्षणमे, निमिष मात्रमे, पलभरमें, फौरन, उपस्थितिमे, देखेहुए, मौजूदगीमे, देखते हुए।

દેખતાં (उ.) देखते हुए, देखते समय, (की) उपस्थितिमे, हाजिरीमे।

દેખનાર (सं.) देखो દૃષ્ટા

દેખવું (क्रि.) देखना, निरीक्षण करना, गवाह होना।

દેખાઉડું (वि.) देखो દેખાઉડું

દેખાઉ (सं.) उत्तम, उम्दा, देखने योग्य।

દેખાડવું (क्रि.) दिखाना, दिखलाना, बताना सुझाना, निकालना प्रकट करना।

દેખાદેખી (सं.) स्पर्द्धा, प्रतिद्वन्दता होड़ाहोड़, दृष्टानुसरण, देखके अनुसरण करना।

દેખામણું (सं.) सुन्दर, मनोहर, नयनाभिराम, खूबसूरत, दृश्य।

દેખાવ (સં.) બાહરી ચટક મટક, ટીમટામ, ફીટફાટ, દિખાવા, રૂપ સીન, દિખાવ ।

દેખાવડું (વિ.) સુન્દર, રૂપવાન, ખૂબસૂરત, દેખને યોગ્ય ।

દેખાવું (ક્રિ.) દિખાના, પ્રકટ હોના, દૃષ્ટિ આના, જાહિરહોના, માલુમ હોના ।

દેખીતું (ક્રિ. વિ.) સાફ સાફ, સ્પષ્ટ, સ્પષ્ટ રીતિસે ।

દેગ, ડેગ (સં.) બડ઼ા ધાતુપાત્ર વિશેષ, દેગ, દેગચા ।

દેગડી (સં.) દેગચી ।

દેગડો (સં.) દેખો દેગ

દેડકો (સં) મેંઢક, ભેક, દાદુર ।

દેણ (સં.) દેય દ્રવ્ય, ઋણ, કર્જ એહસાન, કર, લગન ।

દેણદાર (સં) દેનેવાલા, ઋણી, એહસાનમન્દ । [બદલા ।

દેણલેણ (સં.) લેનદેન, અદલા,

દેણું (સં.) દેખો દેણ

દેણુંલેણું (ક્રિ.) દેખો દેવું લેવું

દેવતા (સં.) આગ ।

દેદાર (સં.) શક્લ, રૂપ. દર્શન ।

દેદીપ્યમાન (વિ.) ઝગઝગ્યમાન, અતિશય દીપ્તિ વિશિષ્ટ, ચમકીલા, ચમકદાર, પ્રકાશશીલ ।

દેર (સં.) અબેર, વિલમ્બ, દીલ, ટાલમટોલ ।

દેરાણી (સં.) પતિકે છોટે ભાઈકી ભાર્યા, દેવરાની, દેવરકી પત્નિ ।

દેરું (સં.) મન્દિર, મઠ, દેવાલય ।

દેવ (સં.) અમર, સુર, દેવતા, ઈશ્વર, મૂર્તિ, પ્રતિમા, પ્રભુ ।

દેવઋણ (સં.) દેવતાઓંકા ઋણ જો પૂજા મજનસે ચુકાના જાવે, ઈશ્વરકા કર્જા ।

દેવચકલી (સં.) એકપ્રકારકી કાલી ચિડ઼િયા, પક્ષી વિશેષ ।

દેવડો ધસાડીયો (સં.) બેડૌલ, બદસૂરત, ભદ્દા, કુરૂપ ।

દેવદ (સં.) ઋણ, કર્જ, ઉધાર, લેનદેન કા પેશા ।

દેવડાવવું (ક્રિ.) દિલા દેના, બંદ કરના, ઋણ દિલાના ।

દેવડી (સં.) ડ્યોઢો, ઉસારા, થાના, પોલિસ સ્ટેશન, બરોઠા ।

દેવડીવાળો (સં.) પૌરિયા, ડ્યોઢીવાન. દ્વારપાળ, દ્વારરક્ષક ।

દેવતરચ્યો (સં.) એક પક્ષી, પક્ષી વિશેષ ।

દેવતા (સં.) ઈશ્વર, સુર, અમર, અગ્નિ, પ્રભુ, અસુરારિ ।

દેવતાઈ (સં.) દૈવિક, આસ્માની, મનુષ્યત્વ સે અધિક, મનુષ્યાતિગ, ખુદાઈ, ઈશ્વરતુલ્ય, સ્વર્ગીય, પવિત્ર ।

देव देवार (सं.) मन्दिर, देवालय, देवस्थान, मठ, ईश्वरका दरबार।
देवदर्शन (सं.) प्रतिमादर्शन, मूर्ति दर्शन, मंदिरगमन, प्रभुदर्शन।
देवदार (सं.) देवद्वार, सनोवर, देवदारू, चीड, वृक्षविशेष, पारिभद्रक।
देवदिवाणी (सं.) कार्तिक मासकी शुक्ला एकादशी तिथि।
देवदूत (सं.) देवता का भेजा हुवा दूत, पवन, वायु, विष्णुदूत। फरिश्ता।
देवधर्म (सं.) पवित्र धर्म, धार्मिक कृत्य, धार्मिक अभ्यास।
देवनागरी (वि.) संस्कृत अक्षर, हिन्दी लिपि, देवनागरी (लिपि)
देवपूजा (सं.) देवपूजा, देवताका पूजन, देवताकी आराधना।
देवभक्ति (सं.) हरिभक्ति देवता की सेवा पूजा, ईश्वर भक्ति, धर्मिष्ठता। [भाषा।
देव भाषा (सं.) देववाणी, संस्कृत
देव भूमी (सं.) पवित्र भूमि, पावन स्थान।
देवभोळु (सं.) भोला, सीधा, सादा।
देवयज्ञ (सं.) पंचमहायज्ञों में से एक, अग्निहोत्र, होमयज्ञ।
देवरूपी (वि.) देवताकी शक्लका, देवता के समान, देवता के अनुसार।
देवलोक (सं.) ऊर्द्ध लोक, स्वर्ग, वैकुण्ठ, गोलोक, अदन का बाग।
देववाणी (सं.) देववाक्य, संस्कृत भाषा, आर्य्य भाषा, आकाशवाणी।
देवसभा (सं.) देवताओं का समाज, देवताओंकी सभा।
देवस्थळ-स्थान (सं.) मंदिर, देवालय, मठ, देवल।
देवस्थापना (सं.) देव प्रतिष्ठापन, मंदिर में मूर्तिकी पधरौनी।
देवळ (सं.) मंदिर, देवालय, मठ।
देवांशी (वि.) दैवी, ईश्वरतुल्य, देवताओं के समान खूबसूरत।
देवांगना (सं.) देव स्त्री, देव भार्या, अप्सरा। [देनदार, ऋण ग्रस्त।
देवादार (सं.) देनेवाला, ऋणी,
देवाधिदेव (सं.) सुरेन्द्र, इन्द्र, ईश्वर, विष्णु देवताओंका देव।
देवाळय (सं.) देखो देवळ
देवाणिये (सं.) खाऊ उड़ाऊ, दिवालिया, अति व्ययी, दरिद्री।
देवाळुं (सं.) दिवाला, ऋणसे उऋण न होने की दशा।
देवाज्ञा (सं.) ईश्वराज्ञा, प्रकृति का नियम, देवता का हुक्म।
देवी (सं.) दुर्गा, सामान्य देवपत्नी, ब्राह्मणी, देवभार्या।

देवुं (सं०) ऋण, कर्ज, (क्रि.) देना, आज्ञा देना, जुड़ना, मूँदना, बंद करना।

देवुं ऽरवुं (क्रि.) ऋण चुकाने का भार उठाना, बेचने को राजी होना।

देवुंलेवुं (सं.) देन लेन, अदला बदला, व्यापार, रुपये पैसे का व्यवहार।

श (सं.) पृथ्वी का खण्ड, मण्डल चक्र, वतन, राष्ट्र, जन्मभूमि, मातृभूमि।

देशतेवेश=जैसा देश वैसा भेस, देशके अनुसार पहिरावा।

देशजवुं (क्रि.) मातृभूमि को वापिस लौटना, जन्मभूमि को जाना।

देशझाडो (सं.) ताल्लुके के गाँवों की सूची या फिहरस्त।

देशत्याग (सं.) विदेश गमन।

देशनिकाल (सं.) देश निकाला, बनवास, काळा पाना।

देशमुख (सं.) परगने का मुखिया।

देशवटो (सं.) विदेश भ्रमण, अन्य देशों का पर्य्यटन।

देश व्यवहार (सं.) देशी व्यवहार, देशकी रीति रस्मके अनुसार आचरण।

देशहित (सं.) राष्ट्र-हित, मातृभूमिका कल्याण, स्वदेशानुराग, हुन्नुलवतनी, देशभक्त।

देशहितकारी (सं) स्वदेशानुरागी, देशभक्त, स्वदेश प्रेमी।

देशाधि (सं.) जमीन का मालिक, भूमि का अधिकारी।

देशाधिगीरी (सं.) देशाई का वतन।

देशाचार (सं.) देखो देशव्यवहार

देशाटन (सं.) भ्रमण, यात्रा, पर्य्यटन, मुसाफिरी, परदेश वास।

देशांतर (सं.) विदेश, अन्यदेश।

देशाभिमान (सं.) देखा देशहितकर

देशावर (सं.) देखो देशांतर

देशी (वि.) देशसम्बन्धी, स्वदेशी राष्ट्रीय। [मनुष्य।

देशी-जन (सं.) देश बंधु, स्वदेशी

देशेदेश-शे।-शे (क्रि. वि.) प्रत्येक देश तथा प्रत्येक जगहमें।

देह (सं०) शरीर, बदन, अंग।

देहकानी (सं) संवार, उजड़, देहाती किसान।

देहत्याग (सं.) मृत्यु, मौत, आत्म हत्या, स्वधर्म, मरण, प्राणत्याग।

देहदंड (सं.) शारीरिक दंड, शारीरिक दुःख, शरीर दंड।

देहधारी (सं.) शरीरवान, अवतारी शारीरिक। [प्राणत्याग, मरण।

देहपात (सं.) शरीरनाश, मृत्यु मौत

देहज्ञान (सं.) चेत, ज्ञान, मानसिक योग्यता ।
देहभाव (सं.) शारीरिक इच्छा ।
देहरा (सं.) देहरा, देवरा, मंदिर धौहरा, देवालय मूर्तिगृह ।
देहली (सं) चौखट, ड्योढी, द्वारके नीचेकी लकडी, थली ।
देहवान वि.) देखो देहधारी
देहविसर्जन (सं.) देखो देहत्याग
देहशत (सं.) भय, डर, त्रास, दुःख ।
देहशुद्धि (सं.) शरीरशुद्धि, शरार विषयक पवित्रता ।
देहशुद्धिप्रायश्चित्त (स.) देहकी पवित्रताके निमित्त कियागया प्रायश्चित ।
देहांत (सं.) जीवनांत, मृत्यु, मौत ।
देहांतदंड (स. प्राणान्तकदण्ड, फांसी सूली, वहदंड जिससे मृत्यु हो ।
देहांतर (सं.) कायापलट रूपभेद ।
देहात्मवादी (सं.) अनात्मवादी चार्वाक, नास्तिक ।
देहाभिमान (सं.) शारीरिक गर्व शरीरका गर्व, आत्मभिमान, आत्म सम्मान, देहका आदर ।
दैहिक (वि) शारीरिक, देह सम्बंधी ।
दैत्य (सं.) असुर, निशाचर, राक्षस जिन्न, जिन्द, प्रेत, पिशाच, दानव ।
दैनन्दिन (सं.) प्रात्याहिक दिनभव, दिनका, प्रतिदिन होने वाला, दिनका, प्रतिवासर सम्बन्धी ।
दैव (सं.) भाग्य, अदृष्ट, विधाता प्रारब्ध, ललाट, देवता ।
दैवगति (सं) विधि गति, भाग्य गति, तक़दीरी चक्कर ।
दैवत (सं.) शक्ति, कूव्वत, गुण, आत्मा, देव सम्बन्धी, दैवी शक्ति ।
दैवदशा (सं.) भाग्य, किस्मत, प्रारब्ध तकदीर, ललाट, होनहार ।
दैवयोग (सं.) अकस्मात, तक़दीर सौभाग्य, शुभासरससे, योगात् भाग्य, प्रारब्ध ।
दैववाद (सं) भाग्यवाद, प्रारब्ध पर विश्वास, आलस्य ।
दैवहीन (वि.) भाग्यहीन, बदकिस्मत फूटी तक़दीरका ।
दैवज्ञ (सं.) गणक, लग्नाचार्य, ज्योतिषी, भविष्यवक्ता ।
दैवाधीन-नुसारी (वि.) दैवायत्त, ईश्वराधीन, हठात्कार ।
दोकडो (सं.) एक रुपये का शतांश, $\frac{1}{100}$ रुपया ।
दोखमु (सं.) पारसी बुर्ज, पारसी लोगोंकी मौनविषयक बुर्ज ।
दोगार्ह (सं.) गंवारपना, उजड्डपन, मोटाई, बेहूदगी ।
दोशु (वि.) दुष्ट, बदजात, हठी मुहँजोर, गुस्ताख, मोटा ।

દોલ્ખ (સં.) નર્ક, અપવર્ગ ।
દોટ–ટ (સં.) દૌડ, ભાગ, ધાવા, સર્પ, શીઘ્રગમન, અતિ વેગસે ગમન।
દોટી (સં.) મોટા વસ્ત્ર, ખદર કપડા ।
દોડધામ (સં.) ભાગ દૌડ, દૌડ-ધૂપ, પરિશ્રમ, મેહનત, યત્ન, ઉદ્યોગ, ચેષ્ટા ।
દોડવુ (ક્રિ.) દૌડના, ભાગના, ધાવના, સર્પટ લગાના ।
દોડાદોડ–ડી (ક્રિ.) દેખો દોડધામ
દોડાદોડી કરવી (ક્રિ.) ભાગ દૌડ કરના, શીઘ્રતા કરના, દૌડ ધૂપ કરના ।
દોડાવવુ (ક્રિ.) દૌડાના, ભગાના, જલ્દી ચલાના, તેજ હાંકના ।
દોડો (સં.) અશ્વ કી બાલ, નાજ કા ભુટ્ટા, ડોડા ।
દોઢ (સં.) દેખો દોહડ
દોઢિયું (સં.) પૈસા ।
દોત (સં.) દાવાત, મસિપાત્ર ।
દોતિયો (સં.) મુહર્રિર, ક્લર્ક, લેખક।
દોહ્યું (વિ.) અચ્છી તરહ નહીં પિસા હુવા, બે પિસા, બેકુટા ।
દોધી (સં.) દેખો દુધી
દોના (સં) દોના, પત્રપાત્ર, પર્ણપાત્ર, દ્રોણ, પત્તોં કી બની કટોરી।
દોપટો (સં.) દેખો દુપટો।
દોપીસ્તા–ન (સં.) નકલ કરને કા પટ્ટા, લિખને કા પટ્ટા ।
દોમ દોમ (સં.) યશ, પ્રતાપ, વિજય, કામયાબી, સફલતા ।
દોર (સં.) ડોર, ડોરી, સુલતી, પતલી રસ્સી, ઠાઠ, ધૂમધામ ।
દોરડું (સં.) રસ્સા, ડોરા ।
દોરડો (સં.) દૂલ્હા દુલહિનકે હાથોમે વિવાહ કે સમય બાધા જાનેવાલા સૂત્ર ।
દોરનાર (સં.) અગુવા, પથદર્શક, રાહ દિખાનેવાલા ।
દોરવું (ક્રિ.) રુઇ ખીંચના, લકીરેં કરના, લેચલના, આગે ચલના ।
દોરાપૂર (વિ.) બાલ બરાબર અન્તર, બાળ બરાબર બીચ, અતિ અલ્પ અંતર ।
દોરાવું (ક્રિ.) માર્ગ દિખાના, લે-ચલના, અગુવા બનના ।
દોરાવવું (ક્રિ.) લકીરેં ખિંચાના, સતરેં કરાના, રૂલ કરાના ।
દોરાળ (વિ.) સૂતદાર, રેશેવાલા, સૂત સરીખા, સૂતી ।
દોરિયો (સં.) ચદ્દા, મટકી, લકીરવાલા કપડા, ડોરિયા (વસ્ત્ર-વિશેષ)

दोरी (सं.) डोरी, सुतली, बारीक रस्सी, प्रभाव, असर, बागडोर ।

दोरी तूटवी (कि.) मरना, नाश, होना, मृत्यु होना, देह त्यागना ।

दोरो (सं.) धागा, डोरा, सूत्र, गलेकीमाला कंठी या हार, कंठा भरण ।

दोरो परोवो (कि) सूई मेंडोरा डालना सूई में धागा पिरोना ।

दोरो भरवो (कि.) सीना, टांकना बखिया करना ।

दोलत (सं.) दौलत. द्रव्य, धन, ज़र, रुपया पैसा ।

दोलतआशिश (वि.) अशीर्वाद त्मक मुहाविरा, "ईश्वरकरे भंडार भरपूर रहे" आसीस वाक्य ।

दोलतदार-भंडवान (वि.) धनी द्रव्यपात्र, रुपये पैसे वाळा, मालदार, धनाढ्य ।

दोलाण-दारी (सं.) दीवार मेंकी अलमारी भंडारा, आला, ताख ।

दोवो (सं.) साफ, उदार, धर्मात्मा सखी, सीधा ।

दोशी-वाणीओ (सं.) बजाज वस्त्र विक्रेता, कपड़े बेचने वाला ।

दोष (सं.) दूषण त्रुटि, कलंक अपराध, पाप, ऐब ।

दोषपात्र (वि.) कलंकित, अपराधी पापी, दूषित ।

दोषमोचन (सं.) क्षमा, पापोंसे छुटकारा, पाप मोचन ।

दोषी (वि.) कलङ्की, अपराधी, पापी दोषयुक्त, अशुद्ध ।

दोस-स्त-स्तदार (सं.) मित्र साथी सखा दोस्त, सहयोगी ।

दोस्तदारी-स्ती (वि.) मैत्री मित्रता, सखत्व, दोस्ती ।

दोहग (सं) अपराध, कुसूर, पाप ।

दोहड (वि.) डेढ, एक और आधा, १½ १॥, [मूर्ख ।

दोहडआळुं (वि.) बेवकूफ, गावदी

दोहडदभडीतुं (वि.) व्यर्थ, निकम्मा, निरर्थक, देढदमड़ीका ।

दोहडसो (वि.) डेढसो, एक सौ पचास, १५० ।

दोहणी (सं.) दुग्ध दोहने का पात्र, नांद, कूडा, दूध दोहनेकी ।

दोहन (सं.) निचोड़, सार सत्व, रस, अर्क, सत्य, दुग्ध, दोहन,

दोहरो (सं.) दोहा, सोरठा, पद्य ।

दोहवुं (कि.) दूध दोहना, दूध निकालना, दूध काढना ।

दोहित्र (सं.) पुत्री की पुत्र, दौहित्र नाती, बेटी का बेटा ।

दौहित्री (सं. स्त्री.) नातिन, बेटी की बेटी, दौहित्री, पुत्री की पुत्री।
दौर्हृद (वि.) सख्त, कठिन, कठोर, कड़ा, मुश्किल।
दौर्हृद चतुर (वि.) अपनी बुद्धि में अक्लमंद, सिरी, पागल।
द्यो (सं.) डोला, पलना, झुलना।
द्यौत (सं.) देखो द्योत
द्यौतत (सं.) देखो द्योतत
द्यौत्र (सं.) देखो द्यौत्र
द्यानत (सं.) ईमानदारी, हिताहित का ज्ञान, निश्चय, विश्वास, सचाई।
द्यानतदार (वि.) सच्चा, खरा, ठीक, ईमानदार।
द्यानतदारी (सं.) सचाई, ईमानदारी, निश्चयता।
द्यूत (सं.) जुवा, जुआ, पासा का खेल, क्रीड़ा विशेष।
द्यूतक्रीड़ा (सं.) जुएबाजी, द्यूतक्रीड़ा, पासे का खेल।
द्युति (सं.) चमक, प्रकाश, दमक, सौन्दर्य्य, उजाला, तेज।
द्यौ (सं.) स्वर्ग, अन्तरिक्ष, सुरलोक, आकाश, आस्मान।
द्रव (सं.) पिघलाव, गलाव, स्नेह द्रव्य, रस, गतिवेग।
द्रव्य (सं.) विस, धन, नैयायिकों के मत से पृथ्वी आदि तत्व।
द्रव्यवान (वि.) धनवान, धनी, दौलतमन्द, मालदार।
द्रव्यहीन (वि.) दीन, हीन, गरीब, निर्धन, निर्द्रव्य, कंगाल।
द्रष्टि-ष्टी (सं.) निगाह, दृष्टि, ताक, निरीक्षण, नेत्र, नयन।
द्रप्स (सं.) जलप्रपात, झरना, बड़ा झरना, मोतियाबिन्द।
द्राक्षा (सं.) दाख, किसमिस, अंगूर,
द्राघ (सं.) पूर्ववत्।
द्राव (सं.) अर्क, रस।
द्रावक (सं) द्रव कारक, गलानेवाला, सोहागा, पिघलानेवाला।
द्रावकरस (सं.) पिघलानेवाला रस, तेजाब, द्रवकारक अर्क। [गलजाना।
द्राव्य (क्रि.) जो पिघल सके, जो
द्राक्षवेल्ली (सं.) अंगूर की बेल, अंगूर के बेल की क्यारी।
द्राक्षारस (सं.) अंगूर का रस, मदिरा, मद्य।
द्रुत (क्रि. वि.) तुरन्त, शीघ्र, त्वरित, (वि.) पिघलाहुवा, गलित।
द्रुम (सं.) वृक्ष, पारिजात, पेड़, रूख, तरुवर, झाड़।
द्रोण (सं.) दोना, पर्णपात्र, ६४ सेर का एक तौल।
द्रोह (सं.) जिघांसा, वैर, द्वेष, अनिष्ट चिंतन, अपकार, क्षति।

द्वेषी (वि.) अनिष्टकारी, खल, विद्युन, विरोधी, द्वेषी, वैरी, स्वभाव से शत्रु।

द्वै (सं.) जोड़ी, युग्म, युगल, द्वियुग्न, समास विशेष।

द्वै युद्ध (सं) दो मनुष्यों का युद्ध, सशस्त्र युद्ध, दो मनुष्यों की लड़ाई।

द्वादश (सं.) बारह, दस और दो, १२ (वि.) बारहवां,

द्वादश वनी (सं.) बारह वन, साहेतिक बारह जंगल जो ब्रज में हैं।

द्वादश कोणु (सं.) १२ कोने, बारह कोने का, बारह खूँटा।

द्वादशी (सं.) तिथि विशेष, पक्ष की बारहवीं तिथि, बारस।

द्वापर (सं.) युग विशेष, तीसरा युग, इस का मान ८६४००० वर्ष का होता है।

द्वापर युग (सं.) पूर्ववत्

द्वार (सं.) मार्ग, दरवाजा, निकलने घुसने का मार्ग, रास्ता, फाटक।

द्वारपाल (सं.) द्वार रक्षक, दरवान, द्वारवान, पहरुवा, प्रहरी, पौरिया।

द्वारांतरे (क्रि. वि.) दूसरों के द्वारा, दूसरों की मार्फत।

द्वाही (सं.) दुहाई, कसम, शपथ, आन, सौगन्ध, रक्षा के लिये किसी बड़े पुरुष का नाम लेकर दौड़ना देना।

द्वि (सं.) २, संख्याविशेष, दो।

द्विअंग (वि.) दो कुरों का, फटे हुए कुरों का, चिरे कुरों का।

द्विपद (वि.) दो पैर का पशु, दो पग, जीव।

द्विज (सं.) दोबार में उत्पन्न, ब्राह्मण, आदि त्रिवर्ण, अण्डज, पक्षी।

द्विजराज (सं.) द्विजपति, चंद्रमा, शशांक, चाँद, चंद्र।

द्विजात (सं.) देखो द्विज।

द्वितीया (वि.) दूसरा, अन्य, दूजा।

द्वितीया (वि.) व्याकरण में द्वितीया विभक्ति, दोयज, तिथि विशेष।

द्विदल (सं.) दो पत्तों के रूप में प्रथम उत्पन्न होनेवाला वृक्ष, बीच से दो फाँक या चीर होनेवाला अन्न।

द्विदल धान्य (सं.) दो भागों में विभक्त अन्न कण, चना तुवर, मसूर, मूँग, उर्द, इत्यादि,

द्विधा (क्रि. वि.) दो प्रकार, द्वयर्थ, सन्देह, अनिश्चित, द्विविधि।

द्विप (सं.) देखो द्विज

द्विप आली (सं.) पूर्ववत्

દ્વિવચન (સં.) દો संख्या की बोधक विभक्ति, दूसरा वचन, अन्य वचन, बहुवचन। [मातिक्र, द्विधा।

દ્વિવિધ (वि.) दो प्रकार का, दो

દ્વિશફ (वि.) फटाहुवा पैर, चिरा हुवा खुर, जैसे गऊ बकरी, भैंस, प्रभृति पशुओं के पैर।

દ્વીપ (सं.) जल मध्यस्थ पृथ्वी का खंड, जजीरा।

દ્વીપદ્વીપ (सं.) प्रायद्वीप, जजीरेनुमा।

દ્વેષ–ષ (सं.) विरोध, ईर्ष्या वैर, द्रोहलाग, शत्रुता, दुश्मनी, हिंसा।

દ્વેષ ભાવ (सं.) कुढन, जलन, हसद।

દ્વેષી (वि.) शत्रु, वैरी, हिंसक, दुश्मन।

દ્વૈત-ત (स.) दो प्रकार, भेद सन्देह, जीव और ईश्वर का भेद प्रदर्शक मत। दो वस्तुओं को अनादि जानने का सिद्धात, अर्थात् ब्रह्म और जीव अनादि अनन्त और एक दूसरे से भिन्न हैं।

ધ

ધ=गुजराती वर्णमाला का तीसवां अक्षर, तवर्गीय चौथा अक्षर, ૩૭ वा व्यञ्जन।

ધક (सं.) प्यास, पिपासा, तृषा, ज्वाला, ध्यान, विचार, चित्त, दिल।

ધકધકવું (कि.) धक धकाना, धड़कना, फड़कना, मारना, पीटना।

ધકધક (सं.) धड़ धड़ाहट, दिल की चाल, मार, पीट।

ધકેલવું–ઢકેલવું (कि.) आगे सरकाना, धक्का मारना, धकेलना।

ધક્કાધક્કી (सं.) रेलाठेली, धक्कम्-धक्का ठेलाठेली।

ધક્કામુક્કી (सं) घूंसे और धक्के, मारकूट, घूसमूसा।

ધક્કો (स.) धक्का, रेला, ठेल, हानि, दुर्भाग्य की चोट।

ધખવું (वि.) क्रोधित होना, कुढना, खिझना, दुखी होना।

ધખારો (सं.) हरकारा, दूत।

ધખારી (सं.) राख, भस्म, धूल।

ધગધગવું (कि.) भयंकर रूपसे चमकना, भकभकाना, धधकना, गर्म होना, धड़कना, फड़कना।

ધગા (सं) गर्मी, ताप, उष्णता।

ધગારી (सं.) हलका ज्वर, बुखार की हरारत। [उष्ण करना।

ધગાવવું (कि.) गर्म करना, तपाना,

ધનુધણુ-ધનુધણુ (વિ.) અનિશ્ચિતતા, અનિર્ધારિતતા, પશોપેશ, શક, સન્દેહ, દુવિધા।

ધજ્જ (વિ) સુન્દર, મનોહર, ઉત્તમ, શ્રેષ્ઠ, ઉમ્દા।

ધજ્જા (સં.) ધ્વજા, પતાકા, ઝંડા, ફરહરા, સેના કા ચિન્હ।

ધડ (સં.) રુણ્ડ, શિરહીન શરીર, બિના મૂંડ કી દેહ, ગલે સે નીચે કા શરીર, દેહ, કાય, શરીર।

ધડધડ (વિ.) ભય, ડર, ભય સે ઉત્પન્ન વ્યાકુલતા, હૃદય કા ક્ષોભ ધુકધુકી, કમ્પ, સહમ।

ધડધડવું (ક્રિ.) ધડકના, ભય કરના, કાંપના, ભય સે વ્યાકુલ હોના, થરથરાના, ધુકધુકાના, ધડધડાના, ફડકના।

ધડહડિયા-પ્રથમથી-મૂળથા (વિ) પ્રારંભસે, પૂર્વ સે, પહિલે સે, બહુત પહિલે સે।

ધડધડવું (ક્રિ) ધડધડાના, તડફડાના, છટપટાના, જોરસે કૂટના યા મારના।

ધડધડાટ (સં.) ગરગરાહટ, ઝોર સે ગર્જન યા ગૂંજને કા શબ્દ, ધડધડાહટ

ધડપું'છડું (સં.) સિર ઔર પૂંછ, મૂર્ખતા, બેવકૂફી, શઠતા।

ધડાધડ (સં.) ભય, સન્દેહ, દુવિધા, દુચિતા, દહલ, કડક, ભડાકા, ધડાકા।

ધડાધડી (સં.) ભયંકર લડાઈ, ધડધડ કા લગાતાર શબ્દ, કાર્ય મેં શીઘ્રતા, જલ્દી।

ધડુકવું (ક્રિ.) ધડકના, ગરજના, ગુર્રાના, ગડગડાના।

ધડો (સં.) ધડા, જથા, સમૂહ, પાઠ, સબક, રુખ, હરાદા, દૃઢતા, વજન ભાર, પ્રભાવ, પક્ષ, તૌલ, જોખ, વહ વજન જો સામને કે પલ્લે પર રખે હુએ સે બરાબરી કે લિયે દૂસરે પલ્લે પર રખા જાતા હૈ।

ધડો કરવો (ક્રિ.) વજન કરના, તૌલના। [ગાયોં કા ઝુંડ।

ધણ (સં.) ધન, ગોધન, ગોસમૂહ,

ધણધણવું (ક્રિ.) ભયંકર રૂપ સે જલના, ધકધકાહટ કે સાથ જલના કાંપના, થર્રાના, ધૂજના।

ધણધણાવવું (ક્રિ.) કાટના, ભલા-બુરા કહના, કાર્ય મેં શીઘ્રતા કરના જલના, કાંપના, ધૂજના, થર્રાના।

ધણિયાણિ (સં.) પત્ની, માલકિન સ્વામિની। [માલિક, અધિકારી।

ધણી (સં.) પતિ, ખાવિંદ, સ્વામી,

ધણીલેખ (વિ.) ખરીદને वाले के देने योग्य अथवा देय।

ધણીધણિયાણી (सं.) पति पत्नि, औरत मर्द, स्त्री पुरुष, खाविंद बीबी। [गार, मालिक, स्वामी।

ધણીધોરી (सं.) सहायक, मदद-

ધણીપણું (सं.) स्वामीपना. मालिकपन, हाकिमपना, मालकियत, स्वामित्व, अधिकार।

ધણીમાતું (वि.) जिसका मालिक हो, मालिक वाला।

ધત (विस्म.) छिः, हुश, छित।

ધતરંગતર (सं.) छूमंतर, जादूभरी इंद्रजाल, टोना टटका।

ધતિંગ (सं.) कोलाहल, चिल्लाहट, बहाना, झूठा दिखावा, बनावट, झूंठा हीला, पाखंड।

ધતૂરો-ધંતૂરો (सं.) धतूरा, नामक विषैला वृक्ष, धतूर, कनक।

ધંધાદાર (सं.) कामकाजी, काम धन्धेवाला. व्यापारी, लेनदेन करनेवाला।

ધંધાદારી (सं.) कामकाजी, तिजारती, (वि.) वृत्ति सम्बन्धी, उद्यम सम्बन्धी।

ધંધુડો (सं.) झरना, जलप्रपात आबशार, पानी का झरना।

ધંધો (सं.) व्यापार, लेनदेन, उद्योग, व्यवसाय, काम।

ધંધો કરવો (क्रि.) उद्योग करना व्यवसाय करना, व्यापार करना, लेनदेन करना। [रोजगार, पेशा

ધંધોરોજગાર (सं.) आजीविका,

ધંધડાવવું (क्रि.) डराना, भयभीत करना, धमकाना, डाटना।

ધધડાવવું (क्रि.) देखो ધણુધણુાવવુ

ધન (सं) वित्त, विभव, सम्पत्ति, द्रव्य, पूंजी, मालमत्ता, खजाना, चिन्ह विशेष, हर्ष, धन्य, (विस्म) वाहवा! शाबास।

ધનકોનાર (सं.) उधार रुपया देने वाला, ब्याजपर रुपया देने वाला, साहूकार।

ધનગર (सं.) ग्वाला, गडरिया।

ધનવંત (वि.) द्रव्य पात्र धनी, मालदार।

ધનત્રયોદશી (स.) आश्विन कृष्ण त्रयोदशी, कार्तिक कृष्णा तेरस, दिवाली के दो दिन पूर्व।

ધનદૌલત-ધાન્ય (सं.) द्रव्य, धन, धनधान्य, दौलत, माल।

ધનપૂજા (सं.) द्रव्यपूजन, दीपमालिका। [देनेवाला, लक्ष्मी।

ધનપ્રદ (सं.) धनद, कुबेर, धन

धनराशि (सं.) नवम राशि ।
धनरेखा (सं.) हस्त में धन को बताने वाली रेखा, धन प्रदर्शक लकीर, सामुद्रिक रेखा विशेष ।
धनलोभ (सं.) अर्थ लोभ, धन लिप्सा, धनतृष्णा, द्रव्य का लालच ।
धनलोभी (वि.) धनलुब्ध, धनलोलुप, अर्थ लिप्सु, धन का लालची ।
धनवंत-वान (वि.) कुबेर, धनाढ्य, ईश्वरपात्र, धनी, दौलतमंद ।
धन्वंतरि (सं.) शिव का नाम, देव वैद्य, देवताओं का हकीम ।
धन्य (विस्म.) कृतकर्मा, साधु, पुण्यवान, आश्चर्य्य बोधक शब्द, शाबाश ।
धन्वी (सं.) धनुर्धारी, धानुष्क, धनुर्विद्याप्रवीण, धनुषधारी ।
धन्यभाग्य (सं.) अहोभाग्य, भूरिभाग्य, खुश किस्मती ।
धनसंपत्ति (सं.) द्रव्य का ढेर, धनराशि, अर्थ समूह, द्रव्य ।
धनहीन (सं) दरिद्री, कंगाल, दीन, हीन, गरीब, निर्द्रव्य ।
धनाढ्य (सं.) देखो धनवंत ।
धनाढ्य (सं.) लोभ, लालच, तृष्णा, ईप्सा, इच्छा ।
धनाधिपति (सं.) धनपति, धन का स्वामी, द्रव्यवान, कुबेर ।
धनाधिकारी (सं.) द्रव्य का हकदार, धन का अधिकारी ।
धनान्ध (सं.) अहंकारी, धनगर्वित, धन के गर्व से अन्धा ।
धनाध्यक्ष (सं.) कुबेर, धन रक्षक खजानची, भण्डारी ।
धनाश्री (सं.) रागिनी विशेष, एक छंद का नाम, धनासरी ।
धनिक (सं.) कर्जे पर रुपया देने वाला ऋणदाता, धनी, धन विशिष्ट कर्जा देनेवाला । [सवां नक्षत्र ।
धनिष्ठा (सं.) नक्षत्र विशेष, चौबीं-
धनी (वि) देखो धनवंत ।
धनु (सं.) धनुक, धनुष, चाप, कोदण्ड, शरासन, कमान, कमठा, नवमराशि । [अचेतनता, बेहोशी।
धनुर (सं.) एक प्रकार की मूर्छा,
धनुर्धारी (सं.) धन्वी, बाण चलानेवाला, तीरन्दाज, कमैठी, धनुषधारी । [नवां सौरमास ।
धनुर्भास (सं.) धन की संक्रांति,
धनुर्विद्या (सं.) धनुष के विषय की शिक्षा देने वाली विद्या ।
धनुष्धारी (सं.) देखो धनुर्धारी ।
धनुष-ष (सं.) चाप, कमान, कमठा, कोदण्ड, इन्द्र धनुष, वर्षा धनु । [उम्दा ।
धनेसर (वि.) उत्तम, श्रेष्ठ,

ધનેશ્વર (સં.) ધનપતિ, કુબેર, ધનાઢ્ય ।

ધપકારો-ધ્ધકારો (સં.) ધમક, ટક્કર, ધક્કા, ભારી શરીર કે ગિરને કા શબ્દ, ધમાકા ।

ધપકો (સં.) પીઠ પર કા ધપ્પા, પીઠ ઠોકને કી ધ્વનિ થપ્પડોં કા શબ્દ।

ધપાધપ (વિ.) હાથોં કી ચોટો કી ધ્વનિ, થપ્પડો કા શબ્દ ।

ધપાધપી-ધપાધપી- ધપ્પાધપ્પી-ધપ્પાધપ્પી (સ.) ઘૂંસો ઔર થપ્પડોં કે મારને કી ક્રિયા યા કામ ।

ધપ્પો-ધ્ધો (સં.) સિરપર થપ્પડ કા તડ઼ાકા, મસ્તક પર ચપત ।

ધમ (ક્રિ. વિ.) એકદમ ઉઠને કા શબ્દ, ગમન ઔર પતન ।

ધમકવી (ક્રિ.) ઉઠાના, ફેંકના, ઠંડી સાસ લેના ।

ધમકવું (ક્રિ.) ભડ઼કના, ધડ઼કના ।

ધમધમ (સં.) ચલને કે સમય શબ્દ ।

ધમવું-ધી ધવું (ક્રિ.) ગિરના, પતન હોના, દિવાલિયા હોના, મુફલિસ હોના, એકદમ મરના ।

ધમોવવું (ક્રિ.) હાથોં સે પીટના ।

ધમ્મણ-દ્ધમ્મણ (સં.) મૂર્ખ, ઠઠ, બેવકૂફ, પાગલ । [ઉત્સાહ-।

ધમક (સ.) ડિઠાઈ, નીરતા, સાહસ,

ધમકાવવું (ક્રિ.) ધમકાના, ડાટના, ડરાના, ભય દિખાના ।

ધમકી (સં.) ભય, ડર, ડાટ, ઝિડ઼ક, ધિક્કાર ।

ધમકારો (સં.) ભયંકર ધડ઼ાકે કા શબ્દ, જોર કા ધમાકા ।

ધમકો (સં.) પીઠપર ઘૂંસે કી ચોટ, અગૂઠા, અગુષ્ટ ।

ધમણ (સ.) ધૌકની, ધુકની, ફૂંકની, ટપ, ઢકની, (ગાડીકા) ।

ધમણવું (ક્રિ.) ધૌંકના, ફૂંકના ।

ધમધમવું (ક્રિ.) જોર જોર સે શબ્દ હોના, ધમધમ હોના ।

ધમધમાવવું (ક્રિ.) ડરાના, ધુડ઼કાના, ધમકાના, ભય દિખાના ।

ધમધોકારે (વિ.) તેજી સે, જલ્દી સે, શીઘ્રતા સે, ચંચલતા સે ।

ધમની (સં. રક્તવાહક નાડ઼ી, રક્તવાહિની નલિકા, ફૂંકની, છોટી નાલિકા, છોટી નલી ।

ધમની ધૌત (સં.) ધોંકાભ્યાસ કી ક્રિયા વિશેષ ।

ધમની પ્રવર્તન (સં.) શરીર શાસ્ત્ર ।

ધમરોળ (સં.) કોલાહલ, શોર ગુલગપાડા, હો હલ્લા, અતિવિલાપ, અતિ રુદન, કરુણ ક્રન્દન।

ધમવું (ક્રિ.) દેખો ધમણવું।

ધમાચકડી (સં.) ઝગડા, ટંટા, રોલા, બખેડા, ગુલગપાડા।

ધમાધમી (સં.) લડાઈ, ઝગડા, ફસાદ। [ઢોરોં કો નહાના।

ધમારવું(ક્રિ.) પશુઓંકો સ્નાન કરાના

ધમાલ (સં.) બહુત ભીડ, અતિ ભાડ, અતિ સમૂહ, વૃહત્સમૂહ।

ધમાલુ (સં.) બડી બેડૌલ પગડી।

ધમાસો (સં.) એક પ્રકાર કા કટીલા પૌદા, પૌદા વિશેષ।

ધમીજવું (ક્રિ.) ચુરાના, લૂટના, અપહરણ કરના, ડાકા ડાલના।

ધમોર (સં) લમ્બે કાનોં કી ગાય, દીર્ઘ કર્ણા ગઉ।

ધર (વિ.) રખને વાલા, ધારણ કરને વાલ, થામને વાલા।

ધર (સં) દોકા પર્યાવચાચી શબ્દ, બૈલકી ઉમ્ર યા યુગ, જૂડા, ભરોસા આસરા, વિશ્વાસ। [પ્રારંભ સે।

ધર (ક્રિ. વિ.) આરંભ સે, શુરુ સે,

ધર ડેતર (સં.) ચાવલ કા પૌદા, ધાન કા પૌધા।

ધરક (સં.) બાંધ, બંધ, પાની કી રોક, લપેટન, બંધન, કમરપેટા।

ધરણી (સં.) પૃથ્વી, વસુધા, મેદિની, ભૂમિ, જમીન, ઢંગ, ચાલ, આચરણ, પદવી, બનાવટ।

ધરણીધર (સં.) જમીદાર, પૃથ્વી-પતિ, રાજા, શેષનાગ, પર્વત, વિષ્ણુ।

ધરણી-તીકંપ (સં.) ભૂકંપ, ભૂચાલ, જલજલા।

ધર્તા (સં.) ધારણ કરનેવાલા, ગ્રહણ કરનેવાલા।

ધરતિ (સં.) પૃથ્વી, ભૂમિ, જમીન, અવાંન, વસુંધરા।

ધરતિકંપ-પારો (સં.) દેખો ધરણી-તીકંપ [પકડ ધકડ।

ધરપકડ (સં.) પકડા ધકડા,

ધરપચ્યો (સં.) દેખો ધરપમણો

ધરપટી (સં.) બારહ, ૧૨,

ધરપટ્ટ-ત્ત (સં.) ભયાનક કિંતુ અર્થહીન બેહૂદી વ્યર્થ ગર્જના।

ધરપમણો (સં.) સનસનાનેવાલા, ચમકનેવાલા, લડાકા ઝગડાલૂ।

ધરમ-ર્મ (સં.) ફર્જ, શુભ કર્મ, પુણ્ય, સુકૃત, ન્યાય, આચાર, ઉપમા, યજ્ઞ, અહિંસા, જાતિ-વ્યવહાર, કર્તવ્યકર્મ।

ધરમ કરતાં કરમ નડે=ધર્म करते कर्म फूटे, दूसरों के लिये भलाई करते अपने ऊपर कष्ट और आफत का आना।

ધરમ કરી પામવો (क्रि) सद्गुण या सत्कार्य के उपलक्ष्य में ईश्वर द्वारा पुरस्कार दिया जाना।

ધરમની આપને દાંત ન દેખાય=धर्म की गाय के दांत नहीं देखे जाते, जो कुछ दान मिले उस पर संतुष्ट हो,

ધરમ ધક્કો (स.) व्यर्थ का चक्कर, बे फायदा भ्रमण।

ધરવું (क्रि) रखना, धारण करना थामना, पकड़ना, रख छोड़ना भेट करना। [वसुधा।

ધરા (सं.) भूमि, पृथ्वी, अवनि,

ધરાઈ જવું-જું (क्रि.) सन्तोष होना, तसल्ली होना तृप्त होना, तुष्ट होना।

ધરાધર (सं.) शेष, शेषनाग, कूर्म।

ધરારૂપ (क्रि. वि.) निस्संदेह, अवश्य, निश्चय, वास्तव में, सचमुच, बेशक, अधिक भार से लदी हुई गाड़ी।

ધરાવવું (सं.) एहसानमन्द होना, आभारी होना, रखाना, भेट कराना।

ધરી (सं) अक्षदंडा, गाड़ी की धुरी या धुरा, आश्रय, सहारा।

ધર્મકર્તા (सं.) धर्म करनेवाला, धर्मात्मा, धर्मी, धर्मिष्ठ, पुण्यकर्ता।

ધર્મ કાર્ય-કાર્ય-કૃત્ય (सं.) धार्मिक काम, पुण्यकार्य, पावन कृत्य।

ધર્મક્રિયા (सं.) धर्म कर्म, शास्त्र विहित कर्म।

ધર્મ ખાતું (सं.) धर्म के निमित्त पुण्य के नाम पर, धर्मार्थ।

ધર્મગુરુ (सं.) उपदेशक, धर्म संबंधी अगुवा, पवित्र मार्ग प्रदर्शक।

ધર્મદાન (सं.) पुण्यदान, दान पुण्य, उदारता।

ધર્મધક્કો (स) देखो ધરમધક્કો।

ધર્મધુરંધર (सं.) धार्मिक नेता, धर्मकार्यों में आगे रहनेवाला, धर्मात्मा, धर्माचार्य, धर्म का धुरा उठानेवाला।

ધર્મનિષ્ઠા (सं) दया, कृपा, रहम, धर्मिष्ठता, धर्म में विश्वास।

ધર્મની ગાય (स) धरमकी दानकी गाय, सुफ्त की गाय।

ધર્મનો કાંટો (सं.) धर्म का तराजू, सच्चा काटा या तौल।

ધર્મપત્નિ (सं) विवाहिता स्त्री, भार्या, अपने हाथों पाणिग्रहण की हुई स्त्री।

धर्मपत्रिका (सं.) दानपत्र, पुण्य की हुई वस्तु का लिखित पत्र ।

धर्मपुत-पुत्र (सं.) गोद लिया हुवा लड़का । [वस्ती ।

धर्मपुरी (सं.) पुण्य नगरी, पावन

धर्मपुस्तक (सं.) पवित्र पुस्तक, वेद, कुरान, बाइबल, धार्मिक पुस्तक, मान्य पुस्तक, वेदवाक्य, ईश्वर वाक्य, अमानुषिक पुस्तक।

धर्मभ्रातृ-भाई (सं.) धर्मभ्राता, समपाठाध्यायी, साथ पढनेवाला सगोत्री, अपने गोत्रका ।

धर्मबुद्धि (सं.) पवित्र विचार, श्रेष्ठ बुद्धि, धार्मिक विचार, धार्मिक कृत्योंकी ओर मनका झुकाव ।

धर्ममार्ग (सं.) पवित्र मार्ग. उत्तम रास्ता, दयाधर्म, पुण्य मार्ग, पाकराह ।

धर्मयुद्ध (सं.) धार्मिक झगड़े, धर्मविषयक लड़ाई, नियमानुकूल युद्ध, युद्ध शास्त्र के अनुसार लड़ाई, पवित्र मन से किया गया युद्ध ।

धर्मराज (सं.) युधिष्ठिर, पांडवों में बड़े, यम, यमराज, नर्काधिपति ।

धर्मवान-वंत (सं.) देखो धर्मी

धर्मवासना (सं.) धार्मिक इच्छा, पवित्र विचार, अच्छा इरादा ।

धर्मशास्त्र (सं.) व्यवस्था शास्त्र, स्मृतिशास्त्र, मनु अत्रि पराशर याज्ञवल्क्य आदि रचित शास्त्र ।

धर्मशास्त्रज्ञ-ज्ञी (सं) जो धर्म शास्त्रों का ज्ञाता हो, धार्मिक ग्रंथो का ज्ञाता, स्मृति आदि का जाननेवाला ।

धर्मशाला (सं.) उपासना गृह, पूजा गृह, दान गृह, अतिथिशाला, धर्मार्थ गृह, धरमसाला ।

धर्मशील (सं.) धार्मिक, पुण्य-शील, पुण्यात्मा, धर्मिष्ठ ।

धर्मसभा (सं.) विचारालय न्यायालय, वह समाज जिसमें धर्म विषयक चर्चा हो ।

धर्मज्ञान (सं.) परलोक सम्बन्धी शुभाशुभ ज्ञान, कर्तव्य ज्ञान, धर्मबोध, धार्मिक विषयों की जानकारी ।

धर्माचरण (सं.) पवित्राचरण, पावन आचरण, धर्मानुकूल, चाल चलन रीतिरस्म, श्रेष्ठ आचरण ।

धर्माधिकारी (सं.) पुजारी, पादरी, काज़ी, धर्मगुरू, उपदेशक ।

धर्मात्मा-त्मा (वि.) देखो धर्मी ।

धर्मादा (सं.) पुण्य के लिये दी हुई वस्तु, धर्मार्थ दी हुई चीज़ ।

ધર્માંધ (સં.) ધર્મ કે કારણ જે હોય, ધર્મ કે ગર્વ મેં અન્ધા, ધર્મનિષ્ઠ, લકીર કા ફકીર, અંધ વિશ્વાસી ।

ધર્માધિકારી (સં.) પુજારી, પુરોહિત, ધર્મ શિક્ષક ધાર્મિક ગુરુ ।

ધર્માધ્યક્ષ (સ.) ન્યાયાધિપ, ન્યાયમૂર્તિ, પુરોહિત સબંધી ન્યાયાલય કા મુખિયા ।

ધર્માર્થ (સ) ધર્મ કે નિમિત્ત, ધર્મ ખાતે, દાનકે લિયે ।

ધર્માભિષેક (સ) ધર્મ શાસ્ત્રો કે અનુસાર કિએહુએ સસ્કાર યા રીતિ રિવાજ ।

ધર્માશ્રમ (ન) પુણ્યસ્થાન વિશેષ, તપોવન, મહર્ષિયો કા આશ્રમ, પવિત્ર વન ।

ધર્માસન (સ.) આસન ।જિસપર બૈઠકર ન્યાય કિયા જાવે, વિચાર કા આસન ન્યાય કર્તા કી બૈઠક।

ધર્માળુ (વિ) દયાલુ, કૃપાલુ, હિતૈષી, પુણ્યવાન ।

ધર્મિષ્ટ-ષ્ઠિ (વિ.) દયાવાન, સાધુ, પુણ્યશીલ, ધર્માત્મા, ધાર્મિક, પુણ્યવાન ।

ધર્મોપદેશ (સં.) ધર્મ કે વિષય કા ઉપદેશ, ઉત્તમ ઉપદેશ, મજહબી હિદાયતેં । [હિતૈષિતા ।

ધર્મોપ્યું (સં.) ધર્મ, પુણ્ય, દયા, ધન (સં.) બલ, શક્તિ, દ્રવ્ય, દૌલત, પતિ, ખાવિંદ, ખસમ ।

ધવડાવવું (ક્રિ) દૂધ પિલાના, છાતી પિલાના, સ્તનપાન કરાના।

ધવલ (વિ.) શ્વેતવર્ણ, શુભ્ર, સફેદ, સુન્દર ।

ધવાડવું (ક્રિ.) દેખો ધવડાવવું

ધવાડનારી–ણ (સં.) ધાય, દૂધ પિલાનેવાલા ધાય ।

ધસકો (સ.) ધમક, ટક્કર, ધક્કા

ધસવું (ક્રિ) ઘુસના, પ્રવેશ કરના, રાસ્તા દના, ધંસના ।

ધસારો (પ) આક્રમણ, ધાવા, હમલા, દૌડ, ચઢાઈ ।

ધસાવડો (સ) પૂર્વવત્ ।

ધસી આવવું (ક્રિ.) આગે તેજીસે બઢના, શીઘ્રતાસે આગે ઘુસના ।

ધસી જવું (ક્રિ) માર્ગ દેના, રાસ્તા, દેના, ઘુસજાના, ધંસજાના।

ધાંધલ (સં.) નિષ્પ્રયોજન ઝગડા, નટખટી, વિના કારણ કી લડાઈ, અન્ધાધુન્ધી ।

ધાવ (સં) સ્ત્રીકી છાતી, બોબે, સ્તન, પયોધર, ચૂચી, થન ।

ધાક (સં.) ભય, ડર, ધમકી, પ્રભાવ, આતઙ્ક, રોબ, ઠઠવાટ, ધૂમધામ, પ્રતાપ, કીર્તિ ।

ધાક દેખાડવો (ક્રિ.) डराना, धमकाना, डाट बताना, रोब दिखाना ।

ધાક ધુક (सं.) भय, डर, खौफ,

ધાક બેસાડવો (ક્રિ.) रोब जमाना आतंक जमाना भय जमाना ।

ધાંધડી (स.) कल्पना, ख्याल,

ધામધૂમ (स.) घबराहट, बखेड़ा, रौला, बलवा, संझट, हलचल, हंडबडो, आन्दोलन ।

ધાગો (स.) धागा, तागा, सूत, सूत्र, तार, घज्जी ।

ધાટી (सं) तराका, मार्ग, तर्ज, ढब, भाँति, राह ।

ધાડ (सं) आकस्मिक आक्रमण, लुटेरोंका समूह, शीघ्रता, जल्दी, तेजी ।

ધાડ પાડવી (क्रि.) डाका डालना लूटना, आक्रमण करना ।

ધાડધાડ (सं) जल्दी, शीघ्रता, तेजी, अत्यंत त्वरा ।

ધાડું सं.) डाकुओं का जत्था, लुटेरोंका दल, भीड़ ।

ધાણા (स.) धनिया, सुगंधित वनि विशेष, धना ।

ધાણી (सं.) भूना हुवा अन्न, गेहूँ अथवा जौ भुने हुए ।

ધાત (सं.) शरीरधारक वस्तु, कफ, वात, पित्त, रस, रक्त, मांस, मेद, अस्थि, मज्जा, शुक्र पंचतत्व, धातु (व्याकरणकी) सोना, लोहा तांबा, चांदी आदि ।

ધાત ફુટવી (क्रि.) योवनावस्था मे पहुंचना जोबन फूटना तरुण अवस्था प्राप्त करना, फोड़े आदि मे से मवाद निकलना, पीव निकलना । [धातु गिरना ।

ધાત જવી (क्रि.) वीर्यपात होना,

ધાતકામ-ર (सं) धातु संबधी काम ।

ધાતા (सं.) ब्रह्मा, विधाता, सूर्य, पालक, रक्षक, धारक, रचयिता ।

ધાતુ (सं) व्याकरण में वह गण पठित शब्द जो क्रिया को द्योतित करे । स्वर्णादि सप्त धातु, खनिज, खनिक ।

ધાતુ વિદ્યા (सं.) धातु विद्या ।

ધાતુ નામ (सं.) क्रिया सम्बन्धी नाम, (व्याकरण विषय) वाचनिक नाम ।

ધાતુ પરીક્ષક (स.) खनिज पदार्थों की जांच करने वाला, धातुओं का परीक्षक ।

ધાતુપુષ્ટ-પોષણ (वि.) शौष्टिक, सुकत्वी, शक्तिवर, वीर्य पुष्ट ।

धातुरूप (सं.) क्रिया का रूप (व्याकरण) [धातु विद्या ।
धातुवर्धनी (सं.) खनिज विद्या,
धातु विकार-क्षय (सं.) वीर्य विकार, वीर्यक्षय, धातु सम्बन्धी बीमारी ।
धातुवेत्ता (सं.) धातु विद्या का जानने वाला, भूतत्ववेत्ता ।
धातु साधित नाम (सं.) क्रिया से बनी हुई संज्ञा (व्याकरण विषय)
धात्री (सं.) धाई, उपमाता, दाई पथ्वी, भूमि, जमीन ।
धाधर (सं.) दाद, दद्रु, चर्म रोग विशेष ।
धान्य (सं.) अन्न, अनाज, भोजन।
धान भुंडं (वि.) अन्न के लिये झगड़ा, अत्यन्त नुकीला, तेज डंक का ।
धाप (सं.) भूल, चूक, धोका, छल, ठगी, चोरी, गुप्त कर्म ।
धाप भवाडणी (सं.) धोका देना, छलना, झूठा बयान करना ।
धाप भारणी (क्रि.) चुराना, निगलना, भकोसना, छापा मारना ।
धाप्पधिंधु (सं.) मोटा ताजा, हृष्ट, कृश, हृष्टपुष्ट, तगड़ा, जंगली।
धाप्पधुं (क्रि.) धोका देना, झेलेना । [कांबली ।
धाबणी (सं.) कम्बल, कामरी,
धाबणो (सं.) मोटा कम्बल ।
धाभुं-भुं (सं.) चौतरा, छत, धब्बा, चिन्ह, दाग ।
धाम (सं.) घर, स्थान, गेह, भवन, निवास, देश, मकान ।
धामण (सं.) एक प्रकारका सर्प विशेष, विषहीन सर्प विशेष ।
धामणी (स.) मजबूत भैंस, बलवान महिषी ।
धामधाम (सं.) हल्ला, शोर, गुलगपाड़ा, ठाठ, धूमधाम ।
धामा (सं.) कई दिनोंका पड़ाव, बहुत दिनो का वास ।
धार (सं.) बाढ़, प्रखरता, तीक्ष्णता अस्त्रके आगे भाग, नदी का बहाव, जलधारा ।
धार कढणी (क्रि.) तेज़ करना, बाढ करना, तीक्ष्ण करना, उँढेलना
धारक (वि.) धारणकर्ता, अधमर्ण, धरता, रखनेवाला ।
धारण (सं.) ग्रहण, अवलंबन, तोल, मकानका खंभ या सहारा ।
धारणा (सं.) बुद्धि, विषय ग्रहण करनेवाली बुद्धि, मनकी स्थिरता,

વિચારણા, સ્મરણ, ખેત, ઉચિત માર્ગ પરિસ્થિતિ ।

ધારદાર-દાણું (સં॰) તેજ, પૈના, ધારવાળા, ધારદાર, તીક્ષ્ણ પ્રકાર, નિશિત ।

ધાર્મિક (સં.) પુણ્યાત્મા, પુણ્યશીલ, ધર્મનિષ્ઠ, ધર્માચારી ।

ધાર્યું (ક્રિ.) સોચા, વિચારા, ઇરાદા કિયા, ખયાલ કિયા ।

ધારવું (ક્રિ.) સોચના, વિચારના, અટકલ કરના, અનુમાન કરના, અન્દાજ કરના, સમઝના, ખયાલ કરના, ઇરાદા કરના ।

ધારણો (સં) મજદૂર, મજૂર, સૈનિક, સિપાહી, યોદ્ધા ।

ધારિષ્ટ (વિ) નિડર, અભીત, સાહસી, બહાદુર, નિર્ભય, (સં.) ધૈર્ય્ય, સાહસ, દૃઢતા, હિમ્મત ।

ધારા સભા (સં.) લેજિસ્લેટિવ્હ કૌંસિલ, વ્યવસ્થાપિકા સભા, નિયમ સ્થાપિની સભા ।

ધારિયું (સં.) ખુરપા, ઘાસ કાટને કી હૈંસિયા, દેરાતી ।

ધારી (વિ.) રખનેવાલા, ગ્રહણ કરનેવાલા, (સં.) રેખા લકીર, હદ, રોગ ।

ધારીદાર (વિ.) રેખાયુક્ત, લકીરોવાલા, જિસમે લકીરેં હોં ।

ધારેલું (વિ.) ઇચ્છિત, અભિલષિત, ચાહા હુવા, વિચારા હુવા, સોચા હુવા ।

ધારો (સં.) નિયમ, કાયદા, કાનૂન પ્રસ્તાવ, રીતિ, દસ્તૂર, ચલન ।

ધારો બાંધવો (ક્રિ.) નિયમ બાંધના, દસ્તૂર બાંધના, રીતિ બાંધના, વ્યવસ્થા કરના ।

ધાવ (સં.) ધાઈ, દાઈ, ધાય, દૂધ પિલાનેવાલી, ઉપમાતા ।

ધાવણ (સં.) માતા કા દૂધ મા કા દુગ્ધ ।

ધાવણ છોડાવવું (ક્રિ) દૂધ છુડાના (યા બંધ કરના) સ્તનપાન છુડાના

ધાવણ મુકાવવું (ક્રિ.) પૂર્વવત્ ।

ધાવણી (સં.) બચ્ચે કી ચૂસની, ચૂંખની બાલક કે મુંહ મેં ચૂસને કા ખિલૌના વિશેષ ।

ધાવણું (વિ.) દૂધ પીનેવાલા ।

ધાવભાઈ (સં.) ઉપભ્રાતા, દૂધ ભાઈ, કોકા ભાઈ

ધાવરું (સં.) વાત રોગ, બાદી કી બીમારી, વાઈ કા રોગ ।

ધાવવું (ક્રિ.) ચૂસના, ચોકના ।

ધાવું (ક્રિ.) દોડવું, આવવું, વેગપૂર્વક ગમન ।
ધાસ્મો-સ્તી (સં.) શોક, ભય, ચીંક, ચમક, શોક, ચિંતા, ગુલ-ગપ ાટા, ગોંગા, શોરગુલ।
ધિંગાણું (સં.) ટંટા, ઝગડા, લ-ડાઈ, દગા, બદી, નુકસાન ।
ધિંગાધરતી (સં) અન્યાયપૂર્વ ઝગડા, ઊધમ, બેહૂદા ઊધમ ।
ધિક્ ૬૬ (વિસ્મ૦) છિ, નિંદાર્થ-સૂચક અવ્યય ।
ધિક્કાર (સં.) તિરસ્કાર, ફટકાર, અનાદર, બેઇજતી ।
ધિક્કારવા જોગ (વિ.) ઘૃણાકે યોગ્ય, નિંદાકે યોગ્ય, તિરસ્કાર કે યોગ્ય ।
ધિક્કારવું (ક્રિ.) નિદા કરના, ફટકારના, તિરસ્કાર કરના, અ-નાદર કરના ।
ધિક્કારાવસ્થા (સં.) અનાદર, અપમાન, બેઇજતી ।
ધિંગાણુંખોર (વિ.) ઝગડાલૂ, લડાકા, ટંટાખોર, ફસાદી।
ધિંગાણું કરવું (ક્રિ.) શોર કરના, હોહલ્લા મચાના, ઊધમ કરના ।
ધિંગું (વિ.) બડા, મોટા, પુષ્ટ, દૃઢ, કઠોર, તગડા।
ધિઢાઈ, ધીઢપણું (વિ.) ધિઠાઈ, ધીરતા, બહાદુરી, શેખી ।
ધિક્કારનો (સં.) ધિક્કારનેવાળા મનુષ્ય, ઈર્ષ્યાળુ, દુઃખનેવાળા ।
ધી (સં.) સમજ, બુદ્ધિ, મતિ, જ્ઞાન।
ધીકવું (ક્રિ.) ગર્મ હોના ગરમ હોના ।
ધીજ (સ.) અગ્નિ યા જલદ્વારા પરીક્ષા, કઠિન પરીક્ષા ।
ધીટ (સં.) બહાદુર, ઢીઠ, સાહસી।
ધીડી (સં.) બેટી, પુત્રી, લડકી, તનયા । [ઠોકના ।
ધીબવું (ક્રિ.) મારના, પીટના,
ધીબાધીબ (સં) દેખો ધબાધબ
ધીમર-ઢીમર (સં.) એકજાતિ વિશેષ, કહારજાતિ, મલુઆ, મ-છવાહા, મછલી પકડનેવાલા ।
ધીમું (વિ.) સુસ્ત, શિથલ, આલસી, કોમળ, ધીર, મન્દ, ધૈર્યવાન ।
ધીમેધીમે (ક્રિ. વિ) મન્દમન્દ, આહિસ્તા આહિસા, શનૈ. શનૈઃ, ધીરે ધીરે ।
ધીર (સં.) ધૈર્યાન્વિત, પંડિત, બ-લવાન, અચંચલ, સુસ્થિર, શાન્ત, સ્થિરમતા, વિનીત, શિષ્ટ, બુદ્ધિમાન।
ધીરજ (સં.) ધૈર્ય, ધીરતા, સ્થિ-રતા, સબ્ર, સન્તોષ, તસલી ।

ધીરજ આપવી (ક્રિ.) ધૈર્ય બંધાવા, તસલ્લી દેવા, સન્તોષદેવા ।

ધીરજ પકડવી-રાખવી (ક્રિ.) સબ્ર કરવા, ધૈર્ય ધરવા, સન્તોષ રખવા, રાહ દેખવા, इन्तजार करना ।

ધીરજવંત-વાન (વિ.) સન્તોષી, ધૈર્યયુક્ત, સ્થિર, ધીરતા યુક્ત ।

ધીરવટ (વિ.) ફાયદેસે વ્યાપાર સમ્બન્ધી દેનલેન ।

ધીરવું (ક્રિ.) ઉધાર દેના, કિરાયે પર દેના, અગાઉ દેના, પેશગી દેના ।

ધીરે (ક્રિ. વિ.) દેખો ધીમે

ધીરે સાંસતે (ક્રિ. વિ.) શાન્તિસે, સન્તોષસે, ઠંડાઈસે નમ્રતાસે ।

ધીરું (વિ.) ધીમા, ઠંડા, શાત, સુસ્ત।

ધીરો (સં.) પૂર્વવત, આશ્રય, સહારા, ખંભ, સંભાલનેવાલા ।

ધુંમર-વર (વિ.) દેખો ધુમર

ધુંમ્મ-મો-વો (સં.) ધૂમ્ર, ધુઆ, ધૂમ, અગ્નિપતાકા, અગ્નિચિન્હ, વાષ્પવિશેષ ।

ધુમ્મરુ-ધુમ્મરું (વિ.) થરથરાતા હુવા, કમ્પિત, હિલતા હુવા ।

ધુમ્મરી (સં.) કંપકપી, થરાહટ, થરથરી ।

ધુમ્મરું-ધુમ્મરું (ક્રિ) કાંપના, થર્રાના, ધ્રૂજના, હિલના, થરથરાના, કંપિત હોના ।

ધુમ્મરી-રો-ધુમ્મરી (સં.) કંપકપી, થરાહટ, થરથરી, કાંપ, ધ્રુજ, ખૌફ, ડર ।

ધુમ્મવવું (ક્રિ.) કંપાના, થર્રાના, ડરાના, ડર પૈદા કરના ।

ધુડવું (ક્રિ) ઢૂંઢના, ખોજના, તલાશ કરના, તલાશના । [હુવા ।

ધુણતું (વિ.) ઝંઘતા હુવા, હિલતા

ધુણવું (ક્રિ.) હિલાના, સિરહિલાના, ઝંઘના

ધુણાવવું (ક્રિ.) હિલાના, સર ઝુકાના, ધુનાના ।

ધુણી (સં.) ધૂની, ધુંવાયુક્ત અગ્નિ ।

ધુતકારવું (ક્રિ.) ફટકારના, ભર્ત્સના કરના, દુતકારના, ઘૃણા કરના ।

ધુતવું (ક્રિ.) ધોકા દેના, છલ કરના, કપટ કરના, ઠગના ।

ધુતારો (સં.) ધોકા, છલ, કપટ, પાખંડી, ઠગ ।

ધુતાવું (ક્રિ.) ધોકા ખાના, ઠગે જાના, કપટમેં ફંસના, છલે જાના ।

ધુંદ (વિ.) કુહર, અંધેરા, ધુંધ, તમ, ધુંધકાર ।

धुंधलु (वि.) अंधेरा, धुंधला, अस्पष्ट, अस्पष्ट, धुँधला।

धुंधवाणु (वि.) धुँधिला, धूमधुक्त, धुआँसा, धुन्धयुक्त।

धुंधळ्ळ-ळु (सं.) ऊषा, सवेरा, भिनसारा, अमृतवेला, सूर्योदय से पूर्व का समय (वि.) धुंधला, कुहरे सा, अस्वच्छ, कुछप्रकाश कुछ अंधकार।

धुधु (सं.) भेरी का शब्द, दुरही का शब्द, तुरम का शब्द, बिगुल की आवाज।

धुन-धुंद (सं.) धुन, अभिलाष, मनोरथ, अभ्यास, चसका, चित्तकी एकाग्रता।

धुपड्ड (सं.) देखो धुपेल

धुपदु (सं.) धूपदान, वहपात्र जिस में अग्नि रखकर धूप दी जाती हो,

धुपदु (क्रि.) धूपदेना, अग्निपर गुग्गुलादि सुगंधित पदार्थ जलाना।

धुपेल (सं) कुलथूदार तेल, सुगन्ध युक्त तेल। [धान-धाम,

धुम-भाधुम-पीछेरे-(सं.) देखो

धुमड़-धुमस (सं.) कोहिरा, धुंध।

धुमसीलो (वि.) धुंधला, अस्वच्छ,

धुमसु (क्रि.) अकुलाना, घुमसना।

धुमाड़िधु (सं.) चिमनी, धुँआ, आने का मार्ग, कजलध्वज।

धुमाड़ो (सं.) धुआँ, धूम, धूम।

धुमाधु (वि.) धुआँदार, सिंदूरिया, धूसा, उदास, मुर्दनी।

धुमेर (सं.) कुहिरा, कुहर, धुंध।

धुमेरिधु (वि.) कुहिरायुक्त, धुंधला धुआँसा।

धुरछ (सं.) धुंधलापन।

धुरंधर (वि.) धुरीण, भारवाहक, प्रधान, नेता, मुखिया, अगुवा, बड़े कामों का प्रबन्ध करनेवाला।

धुरपत (सं.) चालाकी, चतुरता धूर्तता, गुणकारी बल।

धुंवाड़िधु (सं.) चिमनी, काच की दीप प्राचीर, कजलध्वज।

धुंवाड़ो (सं.) देखो धुंआड़ो

धुंधरु-धरी (सं.) जुआ, जुड़ा, नथना, नाथ, जोत।

धुरछ (सं.) आकस्मिक अश्रु प्रवाह, अचानक आँसुओं का बहाव।

धुल (सं.) धूल, धूलि, मृत्तिकाचूर्ण, धूरि, रज, रेत, रेणु।

धुलेड़ (सं.) धूल का ढेर, रेत समूह, मिट्टी का ढेर।

ધૂળધાણી (સં.) નાશ, બર્બાદ નષ્ટ, વિધ્વંસ, પરાભવ, હાર, વિફલ, વિનાશ।

ધૂળધોયો (સં.) વહ મનુષ્ય જો સ્વર્ણકાર કી મટ્ટી કી રાખ ઔર ઉસકી દૂકાન આદિ કે સામને કી ધૂલ મટ્ટી એકત્રિત કર ઉસે ધોકર ઉસમેં સ્વર્ણ ચાંદી આદિ ધનિજ ધાતુ કો નિકાલ લેતા હૈ।

ધૂળાડો (સં.) દેખો ધૂળેટ

ધૂળમળવું-મીળવું (ક્રિ.) ધૂલમેં મિલજાના, મિટ્ટીમેં મિલજાના, બિલકુલ નષ્ટ હોજાના, (વિ.) મૈલા, ગન્દા, ધૂલયુક્ત, ગંદલા, કચરા કૂડા।

ધૂળ ફાકવી (ક્રિ.) ઉદરપોષણ કે કાર્ય સે રહિત હોના, ધૂલ ખાના રોજગાર સે છૂટ જાના, ઉદર પોષણ કા આશ્રય છૂટના।

ધૂળમાંથી સોનું મળવું (ક્રિ.) ધૂલ મેં સે સોના મિલના, બિગ્રી કે ભાગોં છીંકા ટૂટના, ભાગ્યોદય હોના।

ધૂળધાણી (ક્રિ. વિ.) ચિંતા નહીં, ફિકર નહીં, કુછ પરવા નહીં, કુછ મુઝકા નહીં, ધૂલકી।

ધૂળ પડી (વિસ્મ.) અસ્વીકાર અપ્રસન્નતા સૂચક શબ્દ, ધિક્કાર, ખેદ।

ધૂળવટ (સં.) અપમાન, લજ્જા।

ધૂર્ત (સં.) વંચક, છલી, ઠગ, કપટી, ધૂર્ત, બાજીક।

ધૂપ (સં.) રોગ, ઘામ, તપિશ, કિરણ, તડકા, તાવડા, તાવડકા, સુગન્ધ કાષ્ઠ વિશેષ, ગુગ્ગુલ, જલાને કી સુગન્ધિત વસ્તુ।

ધૂપઘડી (સં) એક યંત્ર જિસસે, સૂર્ય કી છાયા યા ચલન દ્વારા સમય દેખા જાતા હૈ।

ધૂપછત્રી (સં.) સૂર્ય રશ્મિયોં કે પ્રચંડ તાપ સે રક્ષા કરનેવાલા છત્ર, છતરી જો ધૂપ સે રક્ષા કરે।

ધૂપદાની (સં.) વહ પાત્ર જિસમેં અગ્નિ રખ કર સુગન્ધિત દ્રવ્ય જલાયા જાતા હૈ, ધૂપાવા, આરતી પાત્ર।

ધૂપદીપ (સં.) આરતી, ધૂપ યા દીપક લેકર મૂર્તિયા દેવતાકે આગે દાહિની ઓરસે બાઈ ઓર કો ઘુમાના, પૂજાપાઠ, પૂજન।

ધૂમ (સં.) ધૂમ, ધુઆં, અગ્નિ, અગ્નિપતાકા, અગ્નિસે નિકલે પરિમાણુ (ક્રિ. વિ.) શીઘ્રતાસે, ચતુરતાસે, સહિતૂહક, ચલતે।

धूमकेतु (सं.) पुच्छलतारा, पूछतारा, अहनेह, शिखायुक्त धूमके आकार का तारा, उत्पातका चिन्ह विशेष उत्पातका प्राकृतिक चिन्ह केतुग्रह।

धूमस (सं.) देखो धुमस

धूम्र (सं.) कृष्ण रक्त मिश्रितवर्ण, कृष्ण लोहितवर्ण, खररोम, सदृश, धुआँ, धूम, अग्निसे निकले परिमाणु, अग्नि चिन्ह।

धूम्रपान (सं.) तमाखूका धूम्र पीना, तमाखू बीडी, हुक्का, चिलम आदि पीना, धुआँ पीना।

धूर्त (वि.) वञ्चक, प्रतारक, शठ, खल, चालाक।

धूसो (सं.) लोई, ऊर्ण वस्त्र विशेष, एक प्रकार का ऊनी कपड़ा धुरसा धुस्सा।

धूळ (सं.) रज, कण, रेणु, धूल, धूर, धूरि, मिट्टी।

धेनुशाणी (सं.) प्रथम गर्भा स्त्री, वह स्त्री जो पहिले पहिल गर्भवती हो।

धेड भुजराती (सं.) मिली हुई भाषा, मिश्रित भाषा या बोली।

धेड भुजरी (सं.) भाषाओं का अशिक्षित मिश्रण, भाषाओं का गँवारू मेल।

धेड धलेती (सं.) सार्वजनिक, अपमान, सबों के आगे अपमान, अत्यंत फजीहत।

धेडवाडो (सं.) नीचों के रहने का स्थान, भंगीपुरा, देखो ढेडवाडो।

धेडछ (सं.) छोटा खेत क्षुप का लौकी का वृक्ष, पौदा विशेष।

धेडिंगु (सं.) नीच, कमीन, निम्न, क्षुद्र। [ढेड।

धेडो (सं.) महत्तर, भंगी, डोम,

धेनु (सं.) प्रथम गर्भा स्त्री, वह स्त्री जो प्रथम ही गर्भ धारण करे।

धेन-नु (सं.) गाय, गऊ, गौ।

धेनुछ (सं) सवत्सा, गौ, नव प्रसूता, गऊ, दुधार गाय।

धेय (सं.) ध्यानार्ह, ध्यान, योग्य, स्मरणीय, ताकने योग्य।

धैर्य-तो (सं.) धीरज धीरता, स्थिरता, अचाञ्चल्य, क्षमा, सहिष्णुता, सब्र, शांति, तसल्ली।

धैर्यवंत-वान (वि.) दृढ, धीर, शांत, धैर्यशाली, स्थिरता विशिष्ट धीरता पूर्ण।

धोडो (सं.) पाहन, पाषाण, पत्थर।

धोसो (सं.) कौश एक प्रकार का वस्त्र विशेष, धुस्सा।

ધોરણ (સં.) પરમ્પરાગત, ચલા-ચલણરીતિ, જીવિકા આશ્રય, સહારા ટેકાવ, ઢલાવ, અભિપ્રાય, પ્રવૃત્તિ તાત્પર્ય્ય ।

ધોરિ૫૨ (સં.) દેખો ધુરંધર ।

ધોરી (વિ.) બડા, મુખ્ય, ખાસ આપ, સામાન્ય ।

ધોરીયો (સ.) મોરી, નાલી, ખાન મેં કા રાસ્તા, કુતુબ ।

ધોરીનસ–રસ (સં.) મુખ્ય નસ, રક્તવાહિની નાડી, જો સારે શરીર મેં રક્ત ફૈલાતી હૈ વહ નાડી ।

ધોરી રસ્તો–રાહ (સં.) ઊંચા માર્ગ, મુખ્ય માર્ગ, સદરરાહ, સીધી યાત્રા, બડી સડક ।

ધોરેા (સં.) સીનેતક ઊંચી દીવાર, મોર્ચે કી દીવાર ।

ધોલધપ્પ (સં.) ધૌલ ધપ્પા, થપ્પડ, ઔર ઘૂંસા, ઠોકપીટ ।

ધોલાઈ (સં.) દેખો ધોલામણ

ધોવડાવવું (ક્રિ.) ધુલાના, સાફ કરાના, ધુલ્વાના, શુદ્ધ કરાના ।

ધોવાઈ જવું–વું (ક્રિ.) ધુલ જાના, પાની સે પવિત્ર કિયા જાના, સાફ હો જાના ।

ધોવાણ, ધોવણ, ધોલાઈ (સં.) ધોને કી મજૂરી, ધુલ્વાઈ ।

ધોવું (ક્રિ.) ધોના, કપડે ધોના, પાની સે સાફ કરના, શુદ્ધ કરના સાફ કરના, ઉજલા કરના ।

ધોળ (સં.) એક પ્રકાર કા ગીત ।

ધોળવું (ક્રિ.) પોતના, ગુણકારી હોના ।

ધોળાસ (સં.) સફેદી, ધવલતા ।

ધોળાસ પડવું (વિ.) કુછ કુછ શ્વેત, થોડા સફેદ, કુછ સફેદી, લિયે હુએ ।

ધોળુ (સં.) ધૌલા, ધવલ શ્વેત, સફેદ, ઉજ્વલ, શુક્લ, શુભ્ર ।

ધોળે દિવસે (ક્રિ. વિ) દિનદહાડે, ખુલે મૈદાન, સરેબજાર ।

ધોળેલું (ક્રિ.) સફેદી કિયા હુઆ, પોતા હુઆ । [રક સોચનેવાલા।

ધ્યાતા (વિ.) ધ્યાન કર્તા, વિચા-

ધ્યાન (સં.) સોચ, વિચાર, ચિંતા, સ્મરણ, અનુધ્યાન, જ્ઞાતવસ્તુ કા પુનઃ સ્મરણ, લૌલગાના, ખયાલ, ઉત્કંઠાપૂર્વક સ્મરણ ।

ધ્યાનવાળુ–ની (વિ.) ધ્યાનકર્તા, ધ્યાન કરનેવાલા, ધ્યાન લગાને-વાલા. જપી, યોગી ।

ધ્યાસ (સં.) ગુપ્ત ધ્યાન, છુપે વિચાર ।

ध्रुवत्व (वि.) ध्यानाई, ध्यान योग्य, स्मरणीय।

ध्रुवपदु (कि.) देखो ध्रुवपदु

ध्रुवपु (कि.) देखो ध्रुवपु

ध्रुवमट (सं.) ठंभारी देखो

ध्रुवरुद (सं.) राग विशेष,

ध्रुवा (वि.) निश्चित, स्थिर, अचल, दृढ, अटल, नित्य (सं.) तारा विशेष, उत्तानपाद का पुत्र, पृथ्वी के ध्रुव, उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव। दक्षिणीय और उत्तरीय केन्द्रों के ऊपर का भाग।

ध्रुवपद (सं.) अटलपद, स्थिरदशा, गान में निश्चित स्थान, ध्रुपद।

ध्रुवप्रदेश (सं.) पृथ्वी के अंतिम भाग का घेरा, ध्रुववृत्त।

ध्वंस-श (सं.) नाश, क्षय, हानि, क्षति, बरबादी, नुकसान, नष्ट।

ध्वज (सं.) ध्वजा, केतु, पताका, झण्डा, फरहरा, निशान, झण्डी।

ध्वनि (सं.) शब्द, अवाज, सुर, स्वर, बोल, नाद, रव, निनाद।

न

नकुलवासी धर्ममाला का १९ वां अक्षर, तवर्गका पंचम अक्षर, अनुस्वार स्वरूपान।

न (कि. वि.) निषेधार्थक अव्यय, नहीं, अभाव, मत, बिन अनि, रोक मना, निषेध।

नकटा (वि.) नकटा, नकबटा, नासारहित, नासिकाहीन, निर्लज्ज, बेशरम, बेनाक का।

नकारभक्षु [नकारभक्षु (सं.) हुंडी के न सिकरने पर उसकी क्षति पूर्ति हुंडी लेनेवालेको उसके न सिकरने पर क्षतिपूर्त्यर्थ दिया हुवा बट्टा।

नकरी—नी (वि.) बिना कर का, कररहित, निःशुल्क, बिनाफीस।

नकली (वि.) शुद्ध, पवित्र, अमिश्रित, सत्य, खरा, सच्चा।

नकल (सं.) अनुकरण, प्रतिरूप, हस्तलेख, उतार, मेल, प्रतिलिपि, अनुरूप, किस्सा, कहानी।

नकल करनी (कि.) नकल करना, अनुकरण करना, मिलता हुवा काम करना, हूबहू काम करना।

नकलभोइ—वी—वीया (सं.) नकल करनेवाला, नकल उतारने वाला, मसखरा, नकलची, भांड बहुरूप धारण करनेवाला, बहुरूपिया, स्वांगी, नाटकी।

नकशी (सं.) नक्काशी, बुटाईका काम, जेवर, आभूषण अलंकार।

નકશીગર (સં.) નક્શાગર, ચીતરનેવાલા, નક્શા કરનેવાલા, મૂર્તિકાર, લકડી વા પત્થર પર હસ્તકૌશલ કા કામ કરનેવાલા ।

નકશીદાર (સં.) અલંકૃત, ચુદા હુવા, ચિત્રિત, તરાશા હુવા, નક્શા કિયા હુવા, સુસજ્જિત ।

નકશો (સં.) ચૌક, ઢાંચા, ચિત્ર, નકશા, ચિત્રપટ, મસૌદા, રૂપરેખા, ખસરા ।

નકામું (વિ.) નિકામ, વ્યર્થ, ફુજૂલ, બેફાયદા, નિરર્થક ચૂંથી, બેકામ ।

નકાર (સં.) નહીં, , અસ્વીકાર, પ્રતિષેધ, નિષેધ, નાહીં, ઇન્કાર ।

નકારવું (ક્રિ.) નાહીં કરના, ઇન્કાર કરના, અસ્વીકાર કરના, નામંજૂર કરના, નિષેધ કરના ।

નકામું (વિ.) નિકમ્મા, મૈલા, ગન્દા, અપવિત્ર, દુષ્ટ, નટખટ ।

નકારો–સો (સં.) દેખો નકરો

નકીબ (સં.) પ્રવેશક, મુલાકાત કરનેવાલા, ચોકદાર, આગે ચલનેવાલા ।

નકૂચ (સં.) ચાવન, ચલર, ચમ્મીર, રેખા, ગેમ, એંગીટ, ચલ ।

નકૂચો (હિં.) ચન્દા, ટુકના, ટુંકા, નકૂચા, નકુચા ।

નક્ર (સં.) મેવલા, ન્હોરા, મેડલા, જીવ વિશેષ, ચૌથા પાન્ડવ ।

નક્કર–ડું (વિ.) કઠિન, કઠોર, કડા, (અન્ન) ।

નક્કર (વિ.) ભારી, કઠિન, નક્ક, ઠોસ, સક્ત, ઘના, સઘેપ, વજનદાર

નક્કલ (સં.) દેખો નકલ

નક્કી (વિ.) ઠીક, ઉચિત, નિશ્ચિત, મુનાસિબ, પરિમિત, અસ્થી, સ્થિર, પક્કા ।

નક્કી કરવું (વિ.) નિશ્ચિત કરના, ઠીક કરના, પૂર્ણ કરના, સ્થિર કરના, પક્કા કરના ।

નક્ર (સં.) મગર, ઘડિયાલ, ગ્રાહ, જલ જન્તુ, વિશેષ, મચ્છ, ગ્રાહ, કુંભીર, નાકા ।

નક્ષત્ર (સં.) તારા, તારક, સિતારા, ૨૭ નક્ષત્ર, નક્ષત, તારામંડલ ।

નખ (સં.) નાખૂન, નખૂન, નરવર, અંગુલિયોં કા અગ્ર ભાગ કઠિન ચર્મ વિશેષ ।

નખ ખેરવું (વિ.) ઓછા, તુચ્છ, બિલકુલ થોડા, નકુચ, થોડાસા, અલ્પ ।

नखरोल (-री.) डाबरीका तेल, पत्ता पिरोड़ाका तेल, एक प्रकारका तेल।

नखलन्द (सं.) नाखूनों का चांद।

नखवर (सं.) अंगुली की जड़ में फटा हुवा चर्म।

नखवाल (वि.) नाखूनवाला, पंजोंदार, पंजेवाला।

नखविधुं (सं.) चीर, फाड़, दुख, तकलीफ, कष्ट।

नखसह (वि.) नाखूनों सहित।

नखसं (सं.) चोंचला, हावभाव नाज़, मटकचटक।

नखसंदार (वि.) नखरेवाला, नाज़रीन, हावभावपूर्ण, गर्वित।

नखसंभाल (वि.) नखरा करनेवाला, हावभाव प्रकट करनेवाला।

नखसंभाव (सं.) चोंचला, हावभाव, नाज़, नखरा।

नखरी (सं.) मनमोहनी, चोंचला करनेवाली, नखरेदार।

नखसेव (सं) देखो नखसह

नखसेवा (सं.) पूर्ववत्।

नखसेषो (सं.) एक प्रकारका अलंकार जो कपालपर पहिना जाता है

नखसीख (क्रि. वि.) समस्त, एड़ीसे चोटी, माथेसे अन्ततक, नखसे पैरतक संपूर्ण शरीर।

नखी (वि.) नख विशिष्ट, नखीला, नखधारी, नखवाला।

नखेतर (सं.) देखो नक्षेत्र

नखेद (सं.) बिलकुल बर्बाद, बिलकुल नष्ट, सर्व नाश।

नखोद्विधुं (वि.) नाशक, क्षयकारक, नष्टकारक, बर्बादी।

नखोद्विधुं (सं.) नाखून या पंजोंद्वारा चीरने या खरोंचन।

नग (सं) पहाड़, पर्वत, जेवर, भूषण, आभूषण, वृक्ष, पेड़।

नगछुं-ड़ुं (वि.) अधन्यवादी, कृतघ्न, नुगरा, निगुरा, बे गुरुका।

नगद (वि.) नकद, रोकड़, रुपया।

नगदी (सं.) सोना, या चांदी, रुपया, पैसा, बहुमूल्य वस्तु, मूल्यवान वस्तु।

नगर (सं.) पुर, ग्राम, बड़ा नगर, गांव, कस्बा, शहर, बस्ती।

नगरसेठ (सं.) नगरका मुखिया, नगरमें सबसे अधिक द्रव्यवान।

नगरी (सं.) छोटा गांव, छोटा नगर, छोटा कस्बा, छोटा शहर, छोटी बस्ती।

नगरभातुं (सं.) वह स्थान जहां चौबत बजतीहों या रखीजातीहो, छोक रखनेकी जगह, नगारखाना।

નગારચી (સં.) નગારૂં વગાડનાર બજાવનાર માણસ, નૌબત વગાડનાર માણસ, ઢોલી, ઢોલ વગાડનાર માણસ ।

નગારૂં (સં.) ઢોલ, નગારા, નૌબત, દુંદુભિ ।

નગિનો (સં.) મૂલ્યવાન પત્થર, હીરા, નયનાભિરામ, દેખવામાં ખૂબસૂરત, સાફ, સ્વચ્છ, દર્શનીય નગીના ।

નગોડ–૨ (સં.) એક પ્રકારનો પૌદા, પૌધા વિશેષ ।

નગ્ન (સં.) નગો, વસ્ત્રહીન, દિગમ્બર।

નચિંત (સં.) બે ફિક્ર, બેપરવાહ, નિશ્ચિત, ચિંતારહિત ।

નંખાવું (ક્રિ.) ઝુકવું, સહારો લેવો, પડવું, પડ જવું, ફેંકે જવું।

નંખાઈ જવું (ક્રિ.) કય કરવું, ઉલ્ટી કરવી, વમન કરવું, સાહ-સહીન હોવું ।

નગ (સં.) જવાહિર, મણિ, અપને કુલ કા ગર્વ, એક વસ્તુ, એક જેવર।

નચાવવું (ક્રિ) નચાવવું નૃત્ય કરાવવું।

નચિંત (વિ.) બે ફિક્ર, બેપરવાહ, ચિંતારહિત, નિશ્ચિત, બચીત ।

નચિંતપણું (સં.) બે ફિક્રી, નિશ્ચિંતતા, બે પરવાહી ।

નચિંતાઈ (સં.) દુર્જનતા

નચુકો (સં.) જુઓ નચૂકો

નચૂકવું (વિ.) નિઃસંકોચ, નિર્ભય, જિસ કે બારમેં શક નહીં ।

નજદીક (ફા. વિ.) નિકટ, પાસ, સમીપ, બહૂત, બારબાર ।

નજર (સં.) દૃષ્ટિ, નિગાહ, ખ્યાલ, ફ્યાલ, વિચાર, કૃપા, દયા, ઇનામ, ભેટ, બુરી નિગાહ ।

નજર ઉતારવી–વાળવી (ક્રિ.) ટોને ટુટકે સે લગી હુઈ નજર કો ઉતારના, બુરી દૃષ્ટિ કો મન્ત્રો સે ઉતારના, નજર ઉતારના ।

નજર ઉતારી નાંખવી (ક્રિ.) કૃપાદૃષ્ટિ ન રખના, દયાદૃષ્ટિ હટા લેના, અસંતુષ્ટ હોના ।

નજર કરવી (ક્રિ.) દેખના, ઘૂરના, તાકના, દૃષ્ટિ કરના ।

નજર કરવું (ક્રિ.) ભેટ કરના, બલિ કરના, ચઢાના, સેવા મેં ઉપ-સ્થિત કરના, દેદેના, સન્માન પૂર્વક કિસી વસ્તુ કો દેના ।

નજર વાળવી (ક્રિ.) ખૂબ ધ્યાન દેના, સોચના, ધ્યાન મગ્ન હોના ।

નજર ચુકવી (ક્રિ.) નિગાહ ચૂકના, ગલતી હોના ભૂલના ।

નજર ચુકાવવી (ક્રિ.) નિગાહ બચાના, આંખેં ચુરાના, દૃષ્ટિ બચાના, ધોકા દેના, બચના ।

નજર રાખવી (ક્રि.) निगाह रखना, खबरदारी रखना, चौकसी रखना, दृष्टि रखना, आंख रखना।

નજર ફરવી (क्रि.) दृष्टि फटना, निगाह फटना, नजर फटना, आंखें फटना।

નજર લાગવી (क्रि.) कुदृष्टि द्वारा हानि होना, नजर लगना।

નજરકેદ (वि.) पहिरे में कैद, कड़े पहिरे में, रखवाली में, साधारण कैद, साधारण कारावास।

નજરચૂક (सं.) भूल, गलती, चूक चौकसी, निगरानी।

નજરચોર (सं.) आंखें बचा कर काम करनेवाला, आंखें चुरानेवाला, दृष्टि बचानेवाला, दृष्टिचोर।

નજરનો ખેલ (सं.) आंखों का खेल, दृष्टि का खेल, नजरबन्दी का खेल, आंखों को धोका देने का खेल।

નજરનો ખોટો-ખરી (वि.) दुष्ट-दृष्टिवाला, जिसकी बुरी निगाह हो, दुष्ट।

નજરબંધ (सं.) जंत्री मंत्री, जादू टोना जाननेवाला, जादूगर।

નજરબંધી (सं.) जादूगरी, आंखों को धोका देकर किया हुआ काम, इन्द्रजाल।

નજરબાજ (सं.) चौकीदार मनुष्य, तेज दृष्टि का आदमी।

નજરબૂડ (सं.) देखो નજરચૂક

નજરાણું (सं.) नजराना, भेट, उपहार, पुरस्कार, बलि।

નજરોનજર-રેનજર (क्रि. वि.) मुलाकात, भेट, सलाह, पारस्परिक दृष्टि। [नजला रोग विशेष।

નજલો (सं.) गठिया, सर्दी, श्लेष्मा,

નજીક (क्रि. वि.) देखो નજદીક

નજીવું (वि.) निकम्मा, गुणहीन, तुच्छ, छोटा, हलका, सत्वहीन।

નજીસ (वि.) मैला, गंदा, बद-मिजाज़, खराब, गंदला, भ्रष्ट, अपवित्र।

નજુમ (सं.) ज्योतिष, फलित ज्योतिष, ताराओंकी स्थिति से मनुष्यों का कर्मफल बताने की विद्या।

નજુમી (सं.) ज्योतिषी, फलित ज्योतिषी, भविष्यवक्ता, सगोनहा।

નટ (सं.) नर्तकोंकी एक जाति, नर्तक, नचैया, भांड, कौतुकी, मायावी, खिलाड़ी।

નટખટ (वि.) दुष्ट, उद्दंड, चंचल, दुरा, पाजी, बदमाश, कुत्सा, धूर्त, दग़ाबाज़, छली, मक्कार।

नटनी (सं०) नटी, नटकी भार्या, नर्तकी, नाचनेवाली।

नटवर (सं०) नटों में श्रेष्ठ, प्रभु श्री कृष्णचन्द्र, सिरा या चोटी।

नटवाई (सं०) नटों का काम, रस्सों के ऊपर नाच, नृत्य, विशेष।

नटवो (सं०) नाचनेवाला, नट, रस्सोंपर नाचनेवाला।

नटी (सं०) नटकी, स्त्री, नाटकों मे सूत्रधारकी स्त्री, विलासिनि।

नटेश्वर (सं०) महादेव, शिव।

नठारूं (वि०) बुरा, दुष्ट, बदमाश, निकम्मा, निठल्ला।

नठोर (सं०) निर्लज्ज, बेशर्म, लज्जारहित, बेपरवाह, गुस्ताख, ढीठ। [बाधा, आड।

नड-तर (सं०) रोकटोक, अटकाव

नड-दडो (स०) नीच वर्ण का मनुष्य, नीच वर्ण, कमजात आदमी।

नडणुं (क्रि०) रोकना; अटकाना, ठहराना, अड़ाना, बाधा डालना।

नडाव (सं०) देखो नड

नणंद-णदी (सं०) पति की भगिनी, पति की बहिन, ननंद।

नणदोई (सं०) पतिकी बहिनका पति, ननंद का पति।

नतजाम-तंजाम (सं०) विरोधिन्तु का अंतर, खटपटान्तर, कर्म दिशा का फासला, टूटा हुआ सिरा, मुड़ा हुआ भाग।

नतिजो (सं०) परिणाम, फल, नतीजा, फैसला, अंतर।

नथ-णी (सं०) नाक में पहिनने की बाली, नाक का आभूषण विशेष।

नथी (क्रि० वि०) न, नहीं, मत, ना, छेहुं:, नहीं है।

नद (सं०) बड़ी नदी।

नदावो (सं०) उच्छलता, बेबाक, रसीद, भरपाई, छुट, अनधिकार, बे हक्क।

नदी (सं०) सरिता पर्वतों से निकला हुवा वह जलस्रोत जो समुद्र में जा कर मिले।

नधणियातुं (वि०) स्वामीरहित, बे मालिक का जिस का कोई मालिक न हो। [गुमनाम, नामहीन।

ननाउं (वि०) बे नाम, नामरहित,

नंद (सं०) कृष्ण, श्रीकृष्णचन्द्र के समान गुणी या चतुर।

नंदकणा (सं०) नंद की चालाकियां, नन्द के छल कपट।

नंदन (सं०) पुत्र, तनय, बेटा, सन्तान, आनन्ददायक, प्रसादक, इन्द्र का बगीचा, स्वर्गीय उपवन।

[illegible]ડી (सं.) पुत्री, बेटी, लड़की, कन्या, छोरी।
[illegible]ંખણું (क्रि.) तोड़ना, खंडन करना, टुकड़े टुकड़े करना, चीरना।
[illegible]ંદિની (सं.) पुत्री, बेटी, लड़की पार्वती का नाम महादेवजीकी स्त्री।
[illegible]ંદી-ડેવર (सं.) शिव का द्वारपाल, शिव का अनुचर, शिववाहन, शंकर का बैल।
[illegible]ન્નો (स.) अक्षर "न", तवर्ग का पंचमाक्षर, निषेधार्थक शब्द।
[illegible]નમાઠ (सं.) निर्लज्ज, बेशर्म, बेहया, खुले मुहं, लज्जारहित।
[illegible]નપુંસક (सं.) क्लीव, हिजड़ा, नामर्द, पुंसत्वहीन, पुरुषत्वहीन।
[illegible]નપુંસકલિંગ (स.) व्याकरणशास्त्र में लिंग विशेष, तृतीय लिंग।
[illegible]નપુંસકપણું (सं.) क्लीवत्व, नामर्दी, नपुंसकता, निर्बलता।
[illegible]નફટ (वि.) देखो नमाठ
[illegible]નફટાઈ (सं.) ढिठाई, धृष्टता, शेखी, गुस्ताखी।
[illegible]નબેળ (सं.) एक प्रकार का तेल, खनिज पदार्थ जैसे कोयला आदि वस्तुओं का तेल।
[illegible]નફર (सं.) कमीना, नीच, नौकर चेलक, सेवक।
[illegible]નબેરત (सं.) कृपा, कृपणता, खिनखिनी, खिन्न। [करी, मुलायमी
[illegible]નરમી (सं.) सेवा, खिदमत, नौ-
[illegible]નરસ (सं.) पशुजीवन।
[illegible]નરસમરવર (सं.) विषयी, ऐयाश, कामी, इन्द्रियों के वशीभूत, इन्द्रियप्रिय। [ऐयाशी, आरामी।
[illegible]નરસાની (वि.) आनन्दी, विलासी,
[illegible]નરસાનીબાત (सं.) भोगविलास, ऐशइशरत, आनन्दभोग।
[illegible]નરસી (वि.) शारिरिक, दैहिक, विषयी।
[illegible]નફાકારક-વાળું (वि.) लाभप्रद, फायदेमन्द, लाभदायक, हितकारी।
[illegible]નફેરી (सं.) एक प्रकार का तोल, बाय, विशेष, नफीरी। [मुनाफा।
[illegible]નફો (सं.) लाभ फायदा, फल,
[illegible]નફોટોટો (सं.) हानि लाभ, फायदा और नुकसान।
[illegible]નફ્ફટ (सं.) निर्लज्ज, बेशर्म, बेहया, लाजरहित, मुहंफट्।
[illegible]નબ્બર (सं.) देखो नरस
[illegible]નબ્બજ (सं.) नाड़ी, नब्ज, नस।
[illegible]નબળાઈ (सं.) निर्बलता, कमजोरी, अशक्तता, बलहीनता, दुर्बलता।
[illegible]નબળું (वि.) कमजोर, अशक्त, दुर्बल, अबल, निर्बल शक्तिहीन।
[illegible]નભ (सं.) आकाश, गगन, आसमान, बादल, मेघ, घन।

નભવું (ક્રિ.) निभना, चलना, बिगैर रहना, चलना, बरोसे चलना।
નભાવ (सं.) निर्वाह, गुजारा, गुज़रा।
નભાવવું (ક્રિ.) चलाना, निबाहना, गुजरा करना, निर्वाह करना।
નભક (सं.) नोन, क्षार, लवण।
નભકું (वि.) रूपवान, सुन्दर, खूबसूरत।
નભતું (सं.) झुका, नामित, नम्र।
નભદો (सं.) मोटा ऊन का खद्दर वस्त्र, ऊनी कपड़ा, नम्दा।
નમન (सं.) अभोगमन, प्रणाम, विनीत भाव, नत, नमस्कार।
નમનતા (सं.) विनय, विनीतत्व, मृदुता, नम्रता, आज़िज़ी।
નમનતાયુક્ત (सं.) नम्रतायुक्त, विनीत, नम्र, विनयी, कृतप्रणाम।
નમન કરવું (ક્રિ.) प्रणाम करना, नमन करना, सिर झुकाना, नमस्कार करना, मान करना, झुकना।
નમનશીલ (वि.) लचीला, नर्म, तरवियत, पिज़ीर, झुकनेवाला।
નમનશીલતા (सं.) नरमी, लचीलापन, विनीतत्व, नम्रता, मृदुता।
નમવું (ક્રિ.) झुकना, झुदना, नम्रता, टेढ़ा होना, नीचा होना।
નમસ્કાર (सं.) प्रणाम, अभिवादन, अभिनंदन, सलाम प्रदर्शन।
નમાજ (सं.) मुसलमानोंकी ईश्वरपूजा, इस्लाम धर्मकी वार्षिक उपासना, ईश्वर प्रार्थना।
નમાજી (सं.) ईश्वरभक्त, पांचों वक्तकी नमाज पढनेवाला, उपासक, उपासना करनेवाला (यवन)
નમાતું (वि.) नम्र, सीधा, गरीब, शिष्ट, विनीत।
નમાયું (वि.) बे मा का मातारहित, जिसकी मा न हो, मातृहीन।
નમાર (सं.) एक प्रकारका अन्न, जो स्वयं बिना बोये ऊगता है।
નમાવવું (ક્રિ.) झुकाना, नवाना, लचाना, मोड़ना।
નમુનો (सं.) आदर्श, नमूना, ढाचा, प्रतिरूप, बानगी, चखनी।
નમેરું (सं.) भोजन बनानेका घर, बावर्चीखाना, पाकशाला।
નમેરું (वि.) निर्दय, बेरहम, कृपाहीन, दयारहित, कठोर हृदय।
નમોનારાયણ (सं.) एक प्रकारका नमस्कार का पर्यायवाची शब्द, प्रणामद्योतक वाक्य।
નમ્રેયુષ્ક (सं.) पूर्ववत्
નંબર (सं.) नम्बर, संख्या, गिनती

नम्र (वि.) विनीत, विनयी, सिर-झुकाव, कृतप्रणाम, नरम, सीधा, मुलायम ।

नम्रता (सं.) विनय, विनीतत्व, मृदुता नरमी, साद्गी, मुलायमी, सुशीलता ।

नम्रतापूर्वक (क्रि. वि.) नरमी से विनयपूर्वक, मृदुतायुक्त, आजिजीसे।

नथ (सं.) नथुनी, नाककी बाली, औरतों के नाक में पहिनवेका आभूषण ।

नयन (सं.) आंख, नेत्र, चक्षु, दृष्टि, लोचन, नैन, नजर ।

नर (सं.) मानव, मनुष्य, पुरुष, मानुष, आदमी, इन्सान ।

नरक (सं.) कष्टजनक स्थान, पाप भोगस्थान, पापात्माओं के कष्ट भोगनेका पुराण कथित स्थान विशेष अर्थात् रौरव, कुम्भीपाक प्रभृति २१ नर्क, दोजख, यमालय, नर्क जहन्नम, गू, गोबर मल, विष्ठा, मैला ।

नरकुंड (सं.) पाप भोगनेका स्थान, यातनास्थानजोकि वन्हिकुण्ड, तप्त कुंड, क्षारकुंड, आदि पुराणोपवर्णित ८६ हैं, कष्टदायक कुंड, नरक में के बड़े ।

नरकघाली (सं.) गंदी जगह, मैले बदबूदार जगह, भद्दा स्थान, गू गोबर डालने का स्थान ।

नरकपात्र (वि.) धिक्कार के योग्य, निन्दापात्र, मैले का बरतन।

नरकवास (वि.) कष्ट में रहना दुःखी रहना, गंदी जगह में रहना यमालय का वास, नर्क वास।

नरख (सं.) ठीक कीमत, बाजार भाव, निर्ख, निरख, दर ।

नरघुं (सं.) एक प्रकार का ढोल बाद्य विशेष ।

नरजाति (सं.) मनुष्यजाति, मानवजाति, पुल्लिंग ।

नरडी (सं.) कंठ, गला, हलक, नरेटी, टेंटुवा, प्राणनाड़ी ।

नरतापणुं (सं.) बुरापन, खराबी, दुष्टता, असत, बुराई ।

नरसुं (वि.) बुरा, अनुचित, खराब, गलत, अशुद्ध, बेठीक ।

नरसो (वि.) बुरा, खराब, अशुद्ध ।

नरहम (वि.) अमिश्रित, स्वच्छ, चोखा, शुद्ध, पवित्र, सच, पूरा, बिलकुल, अवश्य जरूर, नितान्त, स्वेच्छापूर्वक ।

नरहम—भतो (सं.) सत्व, मूल, सार, तत्व, अर्क, सारपदार्थ ।

नरेश (सं.) राजा, भूपाल, नरेंद्र, बादशाह, नृप, भूपति, ब्राह्मण, विप्र।

नरेह (सं.) मानव शरीर मनुष्य शरीर, मानुषिक देह।

नरनार (सं.) स्त्री पुरुष, पतिपत्नि, औरत, मर्द, नरनारी। [नरेंद्र।

नरपत (स.) शासक, देखो

नरपतु (वि.) पतला, दुबला, क्षीण, निर्बल, कृश, सूखा, बारीक।

नरम (वि.) मुलायम, नर्म, धीमा शान्त, सादा, सीधा, कोमल, पतला, रसदार, चिकना, गीला, ढीला।

नरम करनु (क्रि.) नरम करना मुलायम बनाना, गीला करना, कोमल करना।

नरमनरम (वि.) उग्रशांत, तेज मंद, शीत उष्ण, ठंडा गर्म, कोमल कठोर।

नरम पड़नु (क्रि.) नरम होना, नम्र होना, शान्त होना, मुलायम होना।

नरमदा (सं.) रेवानदी, नर्मदा नदी, मध्य भारत की नदी विशेष।

नरमाई-ई (सं.) नम्रता, शांति, मुलायमी, सादगी, सिधाई, सुशीलता।

नरमादा (सं.) स्त्रीपुरुष, पति पत्नी, नर नारी, औरत मर्द, लोग लुगाई।

नरवु (वि.) तन्दुरुस्त, भला, चंगा, निरोग, मजबूत, मोटा, ताजा, हृष्ट पुष्ट, बलवान, योद्धा, बली।

नरस-सु (वि.) बुरा, दुष्ट, खराब, पापी, हानिकर।

नरसाइ (सं.) बुराई, दुष्टता, पाप, खराबी, हानि, नुकसान।

नरसिंह (सं.) विष्णु भगवान का चौथा अवतार, नरहरि, नरकेसरि।

नरहरु (सं.) मृगा, हरिण, मृग।

नरहरी (सं.) देखो नरसिंह।

नरोइ (सं.) तंदुरुस्ती, स्वस्थता, नीरोगता, अरुग्णता। [डंडी।

नरोज (सं.) बोझ उठाने की

नरोणी-रेणी (सं.) नाखून काटने का औजार, नहरनी, नखरञ्जनी, नुचनी, नखण, नख काटनेका शस्त्र विशेष।

[illegible] (सं.) बादल, मेघ, पानी, [illegible], [illegible], दुष्ट ।

नरेंद्र (सं.) नरपति, राजा, शासक, नृपति, भूपति, भूपाल ।

नर्मंत (सं.) मृत्यु, मौत, काल, देहान्त, जीवान्त ।

नर्हि (सं.) जूतों के लिये बकरे का चर्म, अजा चर्म, नरी ।

नर्‌-धुं (वि.) शुद्ध, पवित्र, अमिश्रित, बेमेल, साफ, पाक ।

नरेसाट (वि.) निर्जन, शून्य, उजड़ाहुआ, सूनसान ।

नरेंद्र-रेंद्र (सं.) देखो नरेंद्र ।

नरेंवा (सं.) हाथी हो या मनुष्य ।

नरोज-नरोज (सं.) पारसियों का त्योहार दिवस ।

नर्त्तक (सं.) नचनिया नाचने वाला, नट, नचवैया, जोनाचे ।

नर्त्की (सं.) वेश्या, रण्डी, नाचनेवाली, नृत्य करनेवाली स्त्री ।

नर्त्तन (सं) नाच, नृत्य, अंग भंगी।

नलिन (सं.) पद्म, कमल, सरोज, अम्बुज, पंकज ।

नलिनी (सं.) कमल का वृक्ष, पद्मलता, कमलिनी कुमुदिनी ।

नव (वि.) नौ, ९, संख्या विशेष, नूतन, नया, ताजा, अभिनव ।

नव द्वार (सं.) शरीर के नौ द्वार, नौ इंद्रियां, २ कान, २ नेत्र १ मुख २ नासिका, १ लिंग १ गुदा । [९ संख्या ।

नवकुल (सं.) नव गोत्र, नौ कुल,

नवखंड (सं) पृथ्वी के जम्बू, भरत आदि नौ भाग, समस्त पृथ्वी, इलावृत्ति, रम्यक्, हिरण्मय कुरु, हरिभारत, केतुमाल, भद्राश्व, और किंपुरुष ये नौ खंड हैं ।

नवगुना (वि.) नौ गुना १×९ नौवार, नौलड़ा, नौपदी या तहका

नवग्रह (सं.) नौ ग्रह, सूर्य, चन्द्र, मंगल, बुध, देवगुरु, दैत्याचार्य, शनि, केतु और राहु ।

नवछटांक (सं.) सेर का आठवां भाग, $\frac{9}{८}$ शेर, आधपाव, दो छटांक ।

नवछटांकी (सं.) $\frac{9}{८}$ शेर का वजन, अधपई, आध पाव का बाट ।

नवडेा (सं) ९ अंक, नौका अंक।

नवतर-धुं (वि.) नया, अनोखा, हालका ।

नवतरं (वि.) पूर्ववत् ।

नवती (सं.) कली, कलिका, कोंपल, मोलिलापुष्प, पुष्प का पूर्व रूप ।

नवनाग (सं.) नौ प्रकार के सर्प, २ जाति के सांप, नाग विशेष ।

नवनिधि (सं.) कुबेर का भण्डार, देवताओं के नौ खजाने ।

नवनीत (सं.) मक्खन घृत मथा निकला हुआ घृत, माखन, मक्खन, नैनू, नोनाघी ।

नवनीध (सं.) देखो नवनिधि ।

नवपल्लव (सं.) नये नये पत्ते, कोंपल, किसलय, नूतन पर्ण ।

नवम (वि.) नवां, नौवीं संख्या पूरक, संख्या विशेष ।

नवमालिका (सं.) एक भांति का पुष्प, नवमालिका, पुष्प विशेष ।

नवमी (सं.) तिथि विशेष, चन्द्रमा की नवीं कलाका क्रिया काल, कृष्ण और शुक्ल पक्ष की ९ वीं तिथि, नौमी ।

नवयौवना (सं.) युवति, तरुणा, स्त्री, जवान औरत, नव बाला ।

नवरंगी (वि.) नाना प्रकार के रंगों का, अनेक रंगों का, बहु रंगी।

नवरत्न (सं.) नौ प्रकार के रत्न, ९ प्रकार के मणि माणिक्यादि रत्न, नौ रत्नों का समूह, नव प्रकार के मणि, विक्रमादित्य की सभा के नौ पंडित यथा " धन्व-

न्तरिक्षपणकामरसिंह शङ्कु, वे-ताल भट्टघटकर्पर कालिदासाः । ख्यातोन्वराहमिहिरो नृपतेः सभाया, रत्नानिवैवररुचिर्नव विक्रमस्य।

नवरस (सं.) नौ तरह के रस, १ शृंगार, २ हास्य, ३ करुण, ४ रौद्र, ५ वीर, ६ भयानक, ७ बीभत्स, ८ अद्भुत और ९ शांत ।

नवरात्र (सं.) नौरात्रि, व्रत विशेष, वे नवरात्रियां जिन में आश्विन शुक्ला प्रतिपदा से नवमी पर्यन्त दुर्गा का व्रतानुष्ठान किया जाता है।

नवरावुं (क्रि.) स्नान करना, नहाना, शरीर मार्जन करना ।

नवरास (स.) खुशी, फुर्सत, आराम, अवकाश, सुख, सुभीता, छुट्टी ।

नवरा (वि) अलग, ठाला, बे काम, निर्व्यापार, बैठाहुवा, निश्चय ।

नवरोज (सं.) देखो नौरोज

नवल (सं.) नया, नूतन, ताजा ।

नवलखी (वि.) नौ लाख का ।

नवलखा हीरो (सं.) जब की कोई साधारण मनुष्य अपने लड़कों को एक बड़े भले आदमी के तुल्य कहता है तब कही जाने वाली कहावत ।

નવસાર–રિ (સં) નૌસાદર।
નવ વિધાભક્તિ (સં) ઈશ્વર ભક્તિ કે નવ પ્રકાર, ૧ શ્રવણ, ૨ કીર્તન, ૩ સ્મરણ, ૪ અર્ચન, ૫ વન્દન, ૬ ચરણ સેવા, ૭ આત્મ નિવેદન, ૮ દાસત્વ ઔર ૯ સખ્ય।
નવસા, નવસી (સં.) દુલ્હા, દુલ્હિન, વર વધુ, લાડ઼ લાડ઼ી, બીંદ, બીંદણી।
નવસો (સં) દુલ્હા, વર, બીંદ।
નવસું (સં.) નગ્ન, નંગા, વસ્ત્રહીન, બેકપડ઼ા, ઉઘાડ઼ા।
નવસારવું (ક્રિ.) સફલ હોના, સિદ્ધ હોના, બન પડ઼ના, બન જાના।
નવસોપ્ત (સં.) ૧૬, સોલહ, સંખ્યા વિશેષ। [લેખક।
નવસિંદો (સં.) લિખને વાલા,
નવળ (વિ) દેખો નવલ
નવાઈ (સં.) વિચિત્રતા, અનૂઠાપન, અપૂર્વતા, આશ્ચર્ય, અદ્‌ભુત, નવાપન, નવીનતા।
નવાઈવંત (સં.) કૃપા, દયા, મિહરબાની, અનુકમ્પા, દયાલુતા।
નવાડવું (ક્રિ.) નિહલાના, સ્નાન કરાના, નહલાના।
નવાણ (સં.) જલાશય, વાપીકૂપ, તલાવાદિ। જલ પ્રાપ્તિ, ઋતુધર્મ રજોદર્શન, રજસ્રાવ।
નવાણું–વ્વાણું (વિ.) નિન્યા નવે, નૌ ઔર નબ્બે, ૯૯, સંખ્યા, વિશેષ, ૯૦+૯।
નવાબ (સં.) નવાબ, ઉચ્ચપદાધિકારી, પદ વિશેષ।
નવાબી (વિ.) નવાબ કી પ્રભુતા, નવાબ કા આધિપત્ય।
નવારસું (વિ.) સ્વામીહીન, બેવારિશ, રક્ષકહીન, અનાથ, જિસકા કોઈ ધની ધોરી નહો।
નવાલો (સં.) કૌર, ટુકડ઼ા, ગ્રાસ ટુકમા, નવાલા, નયા, નૂતન।
નવાણી (સં.) ખબર, સમ્વાદ, સમાચાર, સન્દેસા, ઝગડ઼ા, વિવાદ ટંટા, ફસાદ।
નવીન (વિ.) નયા, નૂતન, નવલ।
નવીસંદો–સીદો (સં.) નકલ, કરનેવાલા, ક્લર્ક, મુહર્રિર, લેખક।
નવું (સ.) નયા, તાજા, નવીન, વર્તમાન, હાલકા, ટટકા।
નવું-જુનું (સં.) અદલ બદલ, નયા, પુરાના, નયા ઔર વિચિત્ર।

નવું સવું (વિ.) નવા, હાલકા, તાજા, ટટકા, અભીકા, તુરંતકા ।
નવેસુ (સં.) પાકશાળા, બાવર્ચી-ખાના, ભોજન બનાવે કા ઘર ।
નવેસિયો (સં.) રસોઇયા, બાવર્ચી ભોજન બનાનેવાલા ।
નવેતર (કિ. વિ.) નૂતન, થોડે, દિન હુએ, અભી હાલ મે વર્તમાન મે, અભી ।
નવેનાબે–સરથી (કિ. વિ.) ફિરસે, નયે સિરસે, દુબારા, પુનર્વાર ।
નવોઢા (સં.) નવવિવાહિતા સ્ત્રી ।
નશાખોર (વિ.) મદપી, નશા-કરનેવાલા, માદક દ્રવ્ય સેવન કરનેવાલા, શરાબી, નશેબાજ, ઘમંડી, અહંકારી ।
નશાબાજ (વિ.) પૂર્વવત્ ।
નશો (સં.) મદ, મોહ, માદક વસ્તુ, ગર્વ, મદ, મત્તતા, મત-વાલાપન ।
નસિહત (વિ.) ઉપદેશ, સિદા-યત, શિક્ષા, ડાટ, પરામર્શ, સુધાર, ઝિડકી, મલામત, ફટ-કાર, નસીહત ।
નસ (સં.) દેખો નેસ ।
નષ્ટ (સં.) નાશપ્રાપ્ત, ધ્વસ્ત, મૃત, પલાયિત, અપચિત, ભ્રષ્ટ, દુષ્ટ, શઠ, અદર્શન વિશિષ્ટ, તિરોહિત, નાશાશ્રય, બુરા, પાપી, નીચ, કમીન ।
નસ (સં.) નાડી, રગ, સિરા, આંત ।
નસકોરું (સં.) નથુના, નથના ।
નસંતાન (સં.) સંતાનરહિત, વંશહીન, જિસ કે સંતાન ન હો ।
નસેહ (વિ.) સબ, સંપૂર્ણ, તમામ, બિલકુલ, સમસ્ત, સારા ।
નસલ (સં.) જડ, મૂલ, વંશાવળી, ખાન્દાન, લક્ષણ, ચિન્હ, જન્મ, કુલ, વંશ, ગોત્ર ।
નસલી (વિ.) ગોત્રી, વંશજ, કુલોત્પન્ન, સગોત્રી ।
નસવાન (વિ.) દુર્બલ, કમજોર, બલહીન, અસુખી વ્યાકુલ, બેચૈન ।
નસાખાનું (સં.) વહ સ્થાન જહાં પારસી લોગો કી મુર્દા ગાડી, યા રખી રખી જાતી હૈ ।
નસાડવું (ક્રિ.) નિકાલના, હાંકના, ભગાના ।
નસીબ (સં.) ભાગ્ય, કિસ્મત, તકદીર, પ્રારબ્ધ, કરમ, કર્મ ।
નસીબ જાગી ઉઠવું (ક્રિ.) ભાગ્ય જગના, તકદીર ખુલજાના ।
નસીબના ભોગ (સં.) દુર્ભાગ્ય, વિરુદ્ધદશા, ફૂટી તકદીર । પ્રારબ્ધ કે ભોગ ।

નસીબદાર-વાન-વંત (વિ.) ભાગ્યશાળી, તકદીરવાળા, પ્રારબ્ધી

નસીબો (સં. દુર્ભાગ્ય, બદકિસ્મત, મન્દભાગ્ય, વિધિવામતા ।

નસેસકો-લા લાર (સં) વહ જો પારસી જાતિ કે મૃતક કો રખી યા અર્થી અપને કંધે પર લે જાતા હૈ ।

નસો (સં. , મૈલાપન, ગન્દગી, અપવિત્રતા, મલિનતા, અશુદ્ધતા, નસેં ઔર આતે, અંત્રાવલિ ઔર નાડિયેં યા રગેં ।

નશ્તર (સં.) નશ્તર, નશ્તર ચીરને કા અસ્ત્ર ।

નહાવું (સં.) પ્રથમ રજોદર્શન, આરંભિક રજસ્નાન, સ્નાન, નહાન।

નહીં (ક્રિ. વિ.) નિષેધ મના, મત, ન, નકારના, ના ।

નહીંતર-તો (ક્રિ. વિ.) યદિન, નોચેત્, અન્યથા, યા અન્ય।

નહીં સરખું (ક્રિ. વિ.) વ્યર્થ, બેફાયદા, ફજુલ, બેકાર, નિરર્થક।

નહોંડ (સં.) નાખૂનોં કે નિકટ કા ધર્મ, ચૌકી, કદૂ ।

નહીં (સં.) સફેદ કદૂ, ચૌકી તુમ્બી, ફલ વિશેષ ।

નહોર (સં.) પંજે, નાખૂન, પંજોં યા નાખૂનોં કી ખરોંચ ।

નળ (સં.) નલ, નલિકા, નલી, આંતેં, અંતડી, અંત્રાવલિ, મોરી, નાલી ।

નળાકાર (વિ.) નલ કી સૂરત કા, સરીખા, નલી જૈસા ।

નળવાઈ જવું (ક્રિ.) કમજોર હોજાના, દુર્બલ હોજાના, અશક્ત હોજાના ।

નળિકા (સં.) નલી, નલ, પાઇપ ।

નળિયું (સં.) નરિયા, નલિયા, નાલિ કે સરીખા ખપરૈલ।

નળી (સં.) દેખો નળિકા ।

નળો (સં) પૈરકી હડ્ડી, અસ્થિ વિશેષ, ટાંગકી બડી હડ્ડી ।

નક્ષત્ર (સં.) ૨૭ નક્ષત્ર, તારા-મંડલ, ગ્રહ, તારા, સિતારા ।

નક્ષત્રનાથ (સં.) ચન્દ્રમા, ચાંદ, શશિ મયંક, રાકેશ, નિશાનાથ ।

નક્ષત્રપાત (સં.) તારાપતન, નક્ષત્ર નિપાત, તારોંકા સ્થાનચ્યુત યા કિસી પ્રકાર કે યોગસે પતન ।

નક્ષત્રમંડળ (સં.) તારામંડલ, તારા ચક્ર, વહ ગોલાઈ જિસમે તારે હોં ।

નક્ષત્રમય-યાયિ (વિ.) તારાગણોં સે પૂર્ણ, તારાઓંસે ભરા હુવા ।

ના (ક્રિ. વિ.) નહીં, અભાવ, નિષેધ, મત, નિષેધાર્થક અવ્યય।

નાઇ (સં.) નાપિક, નાપિત, હજ્જામ, નાક, ક્ષૌરકાર, જાતિ વિશેષ।

નાઇકા (સં.) વેશ્યા, નાચનેવાલી સ્ત્રી, પ્રેમાસક્તાયુવતી, નાયિકા।

નાઇલાજ (વિ.) ઉપાયહીન, જિસકા કોઈ ઉપાય ન હો, જિસરોગ કી ઔષધિ નહો, બેવશ।

નાઉમેદ (વિ.) આશારહિત, હતાશ નિરાશ, બે ઉમ્મેદ।

નાએક (સં) દેખો નાયક

નાક (સં) નાસિકા, નાસા, ઘ્રાણેંદ્રિય, યશ, માન, ઇજ્જત કીર્તિ, લજ્જા, શરમ, હયા।

નાક ઉંચુ રહેવું (ક્રિ.) સમ્માનિતહોના, ઇજ્જતદારહોના, દોષ રહિત રહના।

નાખ ઉપર માખ નહી બેસવા દેવી (ક્રિ.) માનકે લિયે ઉત્સુક હોના નાકપર મક્ખી ન બૈઠને દેના, અપની ઇજ્જત કા પૂરા ધ્યાન રખના।

નાક કાપવું (ક્રિ.) શર્મિન્દા કરના લજ્જિત કરના, માનહાનિ કરના, નાક કાટના, તૌહીન કરના।

નાક ઘસવું-ઘસણી કરવી નમાવવું (ક્રિ.) નમ્ર હોના, દીન હોના, આચાર હોના, વિનીત હોના, નાક રગડના, આજિજ હોના।

નાકકપવું (ક્રિ.) અપમાનિત હોના, ઇજ્જત જાના માન જાના।

નાકની દાંડી (સં.) નાક કા સિરા, નાસાગ્ર ભાગ, નાકકા ઉપ્પર ભાગ।

નાકમાંથી બોલવું (ક્રિ.) નાકસે બોલના, મિન મિનાના, ઙ, ઞ, ઙ, ન, મ, અક્ષરોં કા ઉચ્ચારણ કરના બિમિયાના।

નાક કટું (વિ.) કાનટા, અપમાનિત, કમઇજ્જત, માન રહિત।

ના કબુલ (વિ.) અસ્વીકાર, ના મંજૂર।

ના કબુલ કરવું-કરું (ક્રિ.) ઇન્કાર કરના, નાહીં કરના, અસ્વીકાર કરના, નામંજૂર કરના, કહકે બદલના।

ના કબુલી (સં) અસ્વીકૃતિ, ના મંજૂરી, નાહીં, નિષેધ, અસ્વીકારી।

નાકલીસોટી-લીટી (સં.) નાકકો ભૂમિપર રગડને કી ક્રિયા યા કાર્ય

નાકા બંદી (સં.) મોર્ચાબન્દી, તૈયારી ઘેરા, ઘેર, નગર પરિવેષ્ટન, મુહાસિરા।

નાકું (સં.) હદ, સીમા, ચૌક, ચિરા, ચિહ્ન, ફાટક, દ્વાર, સુઈ કા મુખ્ય, મુકામ, સાયર ચબૂતરા, કસ્બા ।

નાકેદાર (વિ.) કર સંગ્રહ કરને વાલા, સાયર ચૌકીવાલા ।

નાકેબંદી (સં.) દેખો નાકાબંદી ।

નાકેસ (વિ.) અધૂરા, કચ્ચા, ક્યૂન દોષો, અસમ્પૂર્ણ, ખરાબ ।

નાકોમ્બાત-વત (વિ.) નિર્બલ, અશક્ત, કમજોર, બલહીન, શક્તિ-રહિત ।

નાકોતી (સં.) નિર્બલતા, કમજોરી, અશક્તતા, નાજુકતા, સુકુમારતા ।

નાખવું (ક્રિ.) ફેંકના, પટકના, ફૈલાના, દમન કરના, ક્ષય કરના, દે ડાલના, (દૂસરેપર) ડાલ દેના।

નાખુદા-ખોદા (સં.) જહાજ કા શાસક, જહાજ કા કમાણ્ડર, જહાજ કા અધિકારી ।

નાખુશ (વિ.) નારાજ, અસંતુષ્ટ, રંજીદા, દુઃખી, અપ્રસન્ન ।

નાખુશી (સં.) અપ્રસન્નતા, અસંતુષ્ટતા, નારાજી, દુઃખ, રંજ, ખેદ ।

નાગ (સં.) સર્પ, સાંપ, અહિ, પન્નગ, ઉરગ, વિષધરકીટ ।

નાગ કન્યા (સં.) નાગોંકી કન્યા, પાતાલવાસી દેવતાઓં કી લડકી રૂપવતી કન્યા ।

નાગકેસર (સં) પુષ્પ વિશેષ, એક ઔષધિ વિશેષ ।

નાગડું (વિ.) નાગા, બેશરમ, લજ્જા રહિત, દુબલા, પતલા, હીન, ક્ષીણ, નિર્બલ, ।

નાગણી-ણ-ણેણી (સં.) સર્પિણી, સાંપિન, નાગિન, નાગન, નાગની ।

નાગ દવનો (સં.) પેચદાર લકડી, કાષ્ટ વિશેષ ।

નાગનાથ (સં) શિવ, મહાદેવ ।

નાગપંચમી (સં) શ્રાવણ શુક્લ પંચમી, નાગપંચમી ।

નાગપાશ (સં.) અસ્ત્રવિશેષ, વરુણાસ્ત્ર, ફાંસ, ફન્દા, ફાંસી ।

નાગપૂજા (સં.) સર્પપૂજન, નાગોં કી વન્દના સેવા ।

નાગફેણ (સં.) સાંપકા ફન, સર્પકા ફન, અહિફન ।

નાગમણી (સં.) સર્પમણિ, એક પ્રકારકી માણિજો પુરાને વિષધર સાપોંકે પાસ હોતી હૈ, મૂલ્યવાન્ મણિ।

નાગર (વિ.) નગરવાસી, નગરકા રહનેવાલા, નાગર બ્રાહ્મણોંકી જાતિ, હલ, લાંગર, (વિ.) તેજ, ચાલાક હોશિયાર, ચતુર, ચપલ, દક્ષ,

નાંગર (सं.) देखो નાગર, ૨ और४

નાંગરનાર (सं.) हल चलाने वाला, खेत जोतने वाला हलवाही।

નાંગરબંદી (सं.) हलोंपर कर लगानेकी रीति या प्रबंध।

નાંગરવું (क्रि.) हलचलाना, खेत जोतना, लङ्गर डालना।

નાંગરવાડો (सं.) वह गली या मोहल्ला जहा नागर रहते हों।

નાગર વેલ-લી (सं.) पानकी वेल, ताम्बूल लता, पानका वृक्ष, नागरवल्ली।

નાગરી (वि.) नगर सम्बन्धी, नगरसे सम्बन्ध रखने वाली।

નાગરિક (सं.) नगर निवासी, पुरवासी सभ्य लोक, गावके रहने वाले।

નાગરી (भाषा) (सं.) संस्कृत, देवनागरी भाषा, चतुरस्त्री, नागरकी पत्नी।

નાગલી [सं.) एक प्रकारका अन्न।

નાગલો (सं.) छोटे सांप, सपले।

નાગલોક (सं.) सर्पोंकी पृथ्वी, सप्त लोक, पाताल, अधोलोक।

નાગવલ્લી (सं.) देखो નાગરવેલ

નાગું (वि.) वस्त्रहीन, नंगा, उघाड़ा, बिना ढंका, निर्लज्ज, बेशर्म, निर्धन, मानहीन, परहीन रहित, दीन, कंगाल, दिवालिया।

નાગું ઉઘાડું (वि.) अनुचित, बे, अदब, गुस्ताख, बेहया।

નાગું પુચ્ચું (वि.) रहित, दीन, कंगाल, अधम, अतिदुखी, नीच।

નાંગો (सं.) नंगा, नागा, निर्लज्ज, निर्धन, निर्द्रव्य, दिवालिया, बेशर्म

નાગો વરસાદ (सं.) धूपकेसमय, में वृष्टि, सूर्य प्रकाशमें वर्षा।

નાઘેરી (सं.) मुसलमानों की एक जाति जो पशु पालती है।

નાચ (सं) नृत्य, नाटय,

નાચ નચાવવો (क्रि.) नाचनचाना, अपनी कल्पनाओं और इच्छाओं के अनुसार काम कराना।

નાચણ (सं.) देखो નાટકણ નાટકણી।

નાચણ ધુધરી (सं.) मनमोहिनी चोचला करने वाली, नाचने वाली।

નાચડો (सं.) छटा, गर्वयुक्त चाल नखरा।

નાચણ-નારી (सं.) नर्तकी, नाच देखाली, दुष्टाली, कुकर्मा नारी।

નાચણચેષ્ટા (सं) नाचनेवाली स्त्री के हावभाव और कटाक्ष।

નાચનાર (सं.) नर्तक, नाचने वाला, नृत्य करनेवाला, नट।

નાચરંગ (સં.) ઉત્સવ, શાદી, આનન્દ, ખુશી, હંસી, ઠઠ્ઠા, નાચ નૃત્ય।

નાચવું (સં.) નૃત્ય, કરના, નાચ કરના, ઉછળના કૂદના, જોરસે ઔર તેજી સે બોલના ।

નાચારી (સં.) ગરીબી, દરિદ્રતા, બુરી દશા, અસહાયતા ।

નાચેરુ (સં.) દેખો નાચરુ

નાજનીન [સં.) કુમારી, સુન્દરી ।

નાજબરદાર (સં.) ખુશામદી, ચાપ લૂસ, દગાબાજ ।

નાજબરદારી (સ.) ચાપલૂસી, ખુશામદ, લલ્લાચાપી, લલ્લોપત્તો,

નાજર (સં.) હિજડા, ક્લીબ, નપુંસક, શહર વા કૌન્ટીકા હાકિમ, જિલેકા હાકિમ, નાજિર।

નાજવાબ (સ.) નિરુત્તર, બે જવાબ, ચુપ, નહીં ।

નાજર (સં.) દેખો નાર

નાજુક (વિ.) મુલાયમ, કોમળ, સુકુમાર, નરમ, નિર્બળ ।

નાજુકકામ (સં.) કમજોર કામ, બારીકકામ, સાવધાની કા કામ ।

નાજુક જગા (સં.) નિર્બલસ્થાન, કોમલસ્થાન, મુલાયમ જગહ, મર્મ સ્થાન ।

નાજુકાઈ-કી-કપણું (વિ.) કોમલતા, મુલાયમી, નઝાકત, સુકુમારતા, નિર્બલતા ।

નાટક (સં.) ગદ્ય પદ્યમય કાવ્ય વિશેષ, રૂપક, અભિનય, ખેલ ।

નાટક કવિ (સં.) દેખો નાટકકાર

નાટકકાર (સં.) નાટક કરને વાલા, નાટક પુસ્તક લિખને વાલા ।

નાટકગૃહ (સં.) દેખો નાટકશાળા

નાટક શાળા (સં.) બહભવન જહા નાટક ખેલાજાતા હો, રંગશાળા, નૃત્યશાલા, નાટયમંદિર, નાટયશાળા, નૃત્યસ્થાન, નાચઘર ।

નાટક સુંદર (સં.) રંગમંચપર નટ યા નાટકકા ખિલાડી ।

નાટકી (સં.) નટ, ખિલાડી, નાટકકા પાત્ર, નાટક સમ્બન્ધી ।

નાટય (પ્રયોગ) (સ.) નૃત્યગીત ઔર વાદ્ય, નાટક વિષયક બયાન વર્ણન અથવા ખેલ, અભિનય ।

નાટારંભ (સં.) નાટક, નૃત્ય ઇત્યાદિકા આનન્દ ।

નાડ (સં.) નાડી, નસ, આંત, આંતડી, રગ, ચમડેકી ડોરી, પ્રાકૃતિક આદત, નબ્જ ।

નાડ જોવી (ક્રિ.) નાડી દેખના, નબ્જ દેખના ।

नाड़ देखाड़णी (क्रि.) नब्ज दिखाना, नाड़ी दिखाना, रोग परीक्षा कराना।

नाड़ बंध पड़णी (क्रि.) मृत्यु के समीप होना, नाड़ियां छूटना या बन्द होजाना।

नाड़ भणणी (क्रि.) पता प्राप्त करना खोजना,

नाड़ा छड़ी (सं.) कई रंगों के सूती धागे। अनेक रंगों के सूत के डोरे

नाड़ा छोड़ करवो (क्रि.) पेशाब करना, प्रस्राव करना, मूतना,

नाड़ाणंदी-धी (सं) परहेजगारी अव्यभिचार, मिताहार व्यवहार

नाड़ी (सं.) नब्ज, चमड़े की रस्सी, धमनी, हाथकी मुख्य नस, नली।

नाड़ी परीक्षा (सं.) नाड़ी की परख, नाड़ीद्वारा जाच, नब्जकी तहकीकात

नाड़ीभंडण-धृत (सं.) नाड़ियों का समूह, नाड़ी समुदाय।

नाड़ीवैद्य (सं.) कच्चा वैद्य, ठग वैद्य, मिथ्याचिकित्सक, धूर्त वैद्य, नीम हकीम।

नाड़ीज्ञान (सं.) नाड़ीविषयक ज्ञान, रोगपरीक्षा, निदान ज्ञान, नब्जकाइल्म।

नाड़ीव्रण (सं.) नासूर, नासूर।

नाड़ु (सं.) डोरी, फीता, नाड़ा, सुतली।

नाण (सं.) रजोदर्शन, ऋतुकाल, नहान, कपड़ोंहोनेकीक्रियामें।

नाणवुं (क्रि.) प्रयत्न करना, उद्योग करना, परीक्षा करना, जांचना, नहीलाना।

नाणावट (सं.) रुपयोंका बाजार, सराफा, चौक जहाँ व्यापारीगण एकत्र होते हैं।

नाणावटी (सं.) खजानची, कोषाध्यक्ष, सराफ, सर्राफ।

नाणुं (सं.) नकदी, रोकड़, सिक्का, रुपया, पैसा, नगदमाल, मूल्य।

नात (सं) जाति, जात, ज्ञाति, कौम, मजहब, फिरका, जमाअत, अंश।

नातबहार (वि.) जातिच्युत, जाति से अलग, समाज से बहिष्कृत, हुक्का पानी से अलग।

नातरस्स (वि.) निर्दय, बेरहम, दयाहीन, निष्ठुर, कठोर, संगदिल।

नातरिश (सं.) वह कौम जिसमें नातरा होता हो वह जाति जिसमें के लोक बिना विवाह किये किसी स्त्रीको पत्नीके रूपमें घर में रख लेते हैं।

નાતરિયું (સં.) સ્ત્રીકે સાથકા ઉસ સમય કા બાલક જબકિ ઉસકા પુનર્વિવાહ યા નાતરા હુવા હો। સ્ત્રીકો પત્નિકે રૂપમેં ગ્રહણ કરનેકે પૂર્વ ઉસ સ્ત્રીસે ઉત્પન્ન બાલક।

નાતરૂં (સં.) પુનર્વિવાહ, નાતરા, મેલ, જોડ, ઘરબાસા।

નાતરૂં કરવું (ક્રિ.) પુનર્વિવાહ કરના, ઘરબાસા કરના, નાતરા કરના।

નાતરે જવું (ક્રિ.) અપને પૂર્વ પતિકે મરણોપરાન્ત અથવા જીવિતાવસ્થામેં દૂસરે પુરુષકો પતિરૂપમેં વરણ કરના, ઘરમેં આના।

નાતલગ (વિ.) મિલાહુવા, જોડા હુવા, સમ્બદ્ધ।

નાતવારો (સં.) જાતીય ભોજન, જાતભોજ, જાતિભોજ।

નાતવાન (વિ.) નિર્બલ, કમજોર, અસહાય, દુર્બલ, દીન કંગાલ।

નાતવાની (સં.) દીનતા, કંગાલી કમજોરી, નિર્બલતા।

નાતાલ (સં.) ઈસામસીહકા, જન્મદિન, બડાદિન, ૨૫ દિસંબર, ક્રિસમસ ડે।

નાતિભેદ (સં.) વર્ણભેદ, જાતીય અંતર, જાતિભેદ।

નાતીલો (સં.) સગોત્રી, જાતિકા, સ્વજાતીય, જાતભાઈ, સજાતી।

નાતું (સં.) નાતા, સમ્બન્ધ, મેલ, જોડ, રિશ્તા, રિશ્તેદારી।

નાતો (સં.) પૂર્વવત્।

નાથ (સં.) સ્વામી, પ્રભુ, કર્તા, નિયંતા, પ્રતિપાલક, પતિ, ખસમ, સમ્પ્રદાય વિશેષ, નાક કી રસ્સી જો બૈલ આદિપશુકે નાકમેં ડાલી જાતી હૈ।

નાથ વિયોગ-ભોગ (સં.) પતિસે પત્નિકા વિછોહ।

નાથવું (ક્રિ.) બૈલકે નાકમેં રસ્સી પિરોના, દમન કરના।

નાદ (સં.) ધ્વનિ, શબ્દ, ગર્જન, સુર, સ્વર, આદત, સ્વભાવ, ગર્વ, વશીભૂત, લિપ્તતા, હૃદયગાંભીર્ય।

નાદર (સં.) પહિલા નિર્ખ, પ્રથમ ભાવ, ઉત્તમ, શ્રેષ્ઠ, ઉમ્દા।

નાદવું (ક્રિ.) ઠહરના, બસના, વાસ કરના, સર્વદાકે લિયે રહના।

નાદાન (વિ.) નાસમઝ, વિચારહીન, મૂર્ખ, અસમઝ, બાલક।

નાદાનપણું-નીયત-ની (સં.) અજ્ઞપન, અજ્ઞોરપન, મૂર્ખતા, નાસમઝી, વિચારહીનતા, ગલતા, બેવકૂફી।

નાદાર (વિ.) દીન, ગરીબ, કંગાલ, નિર્ધન, દરિદ્ર ।

નાદાર (સં.) દિવાલિયા, મુફ્લિસ, દરિદ્રી, ગરીબ, દીન, ભિખારી ।

નાદારી (સં.) દિવાલા, મુફલિસી, દીનતા, ભિક્ષુકતા, કંગાલી ।

નાદી (વિ.) ઘમંડી, ગર્વી, શેખીખોર ।

નાધડું-ધું (વિ.) છોટા, થોડા, કમ, ન્યૂન, અલ્પ, ઓછા ।

નાન (સં.) રોટી, ચપાતી ।

નાનક (સં.) સિક્ખોં કે પ્રથમ ગુરુ ।

નાનકડું (વિ.) દેખો નાધડું

નાનકપંથી (વિ.) નાનકકે અનુયાયી, નાનક સમ્પ્રદાયી ।

નાનખટાઈ (સં.) એક પ્રકારકી મિઠાઈ, મિષ્ટાન્ન વિશેષ ।

નાનપ (સં.) છોટાઈ, માતહતી, દીનતા, ગરીબી ।

નાના (વિ.) અનેક, વિવિધ, અનેકાર્થક (વિસ્મ.) નહીં નહીં ના ।

નાનાપ્રકારનું-વિધનું (ક્રિ. વિ.) અનેકભાતિકા, વિવિધ પ્રકારકા, બહુત તરહકા, પૃથક પૃથક ।

નાનામત (સં.) અનેક સમ્મતિયાં, વિવિધ વિચાર, અનેક સમ્પ્રદાય ।

નાની (સં.) માતાકી, માતાકી માતા ।

નાનીથી (સં.) છોટીસી, લઘુ ।

નાનો (સં.) માતામહ, માતાકે પિતા, છોટા, લઘુ, કુમાર, બાલ, બચ્ચા, શાવક ।

નાંદ (સં.) એક બડ઼ાભારી મિટ્ટીકા કૂંડા જો જમીન મેં પ્રાયઃ ગાડ઼ દિયા જાતા હૈ, મૃત્તિકા પાત્ર ।

નાંદી (સં.) નાટક મેં સૂત્રધારકૃત મંગલાચરણ, નાટક કે આદિ મેં દેવદ્વિજોંકા દિયા હુવા આશીર્વાદ, નાટક કા મંગલાચરણ ।

નાન્યતર (સં.) નપુંસકલિંગ, તૃતીય લિંગ (વ્યાકરણ મેં)

નાપ (સં.) માપ, તૌલ, પરિમાણ, અંદાજા, હદ, યુક્તિ ।

નાપના (ક્રિ.) માપના, તૌલના, અન્દાજના ।

નાપસંદ (વિ.) બેપસંદ, અસ્વીકૃત, અપ્રિય, અયોગ્ય, અરુચિકર, ઘૃણિત, નામંજૂર ।

નાપાક (વિ.) અપવિત્ર, અશુદ્ધ, મૈલા, ગન્દા, ભ્રષ્ટ, પતિત ।

નાપાકી (સં.) અપવિત્રતા, અશુદ્ધતા, મૈલાપન, ગન્દાપન ।

નાપિક-ત (સં.) નાઈ, નાક, હજામ, ક્ષૌરકર્મ કરનેવાલા ।

નાખીક (વિ.) બાँઝ, ઉસર, બંજર, નિષ્ફલ, ફલહીન ।

નાફરમાન (સં.) અવજ્ઞાકારી, આજ્ઞા ન માનનેવાલા, આસુની યા બૈંજની રંગકા નામ ।

નાફરમાની (વિ.) અવજ્ઞાકારી, યા ફરમાબરદારી, અવજ્ઞા, આસુની રંગકા । [નષ્ટપ્રાય ।

નાબુદ (વિ.) નષ્ટ, બુઝાહુવા,

નાભે (સં.) નૌકા, નાવ, કિશ્તી, પહિયેકી નાહ, પહિયેકા મધ્ય ।

નાભિ (સં.) પેટકા મધ્યસ્થાન, તોંદી, સૂંડી, નાભ, પહિયેકી નાહ, ધુરી ।

નાભિકમળ (સં.) નાભિકા કમલ ।

નાભિછેદન (સં.) નાડીછેદન, નાલ છેદન, બાલક કી ઉત્પત્તિકે સમય *પિતાદ્વારા નાભિસૂત્રકા* છેદન ।

નાભિનાડી (સં.) નાભિસૂત્ર, વહ નસ યા નાડી જો બાલકકી નાભિસે જુડી હુઈ ગર્ભ સે બાહિર આતી હૈ, નાલ ।

નાભિવર્દ્ધન (સં.) નાભિકી વર્દ્ધનક્રિયા ।

નામ (સં.) નાંવ, સંજ્ઞા, અભિધાન, યશ, ખ્યાતિ પ્રસિદ્ધ ।

નામ કરવું (ક્રિ.) પ્રસિદ્ધ હોના, ખ્યાતિ પાના, અચ્છી કીર્તિ લાભ કરના ।

નામ કઢાવવું (ક્રિ.) બુરા યા ભલા નામ નિકાલના ।

નામપર પાણી ફેરવું (ક્રિ.) નામપર પાની ફેરના, કીર્તિ નાશ કરના ।

નામ જાહેર (વિ.) વિખ્યાત, પ્રસિદ્ધ, પ્રખ્યાત, મશહૂર, પ્રકટ ।

નામજોગ (વિ.) વહ મનુષ્ય જિસકા કિ નામ લિખા હો (હુંડીમેં) નામ જોગ હુંડી ।

નામજોગ હુંડી (સં.) વહ હુંડી જોકિ ખરીદનેવાલે કા સંક્ષિપ્ત વિવરણ ઔર નામ પ્રદર્શિત કરતી હો ।

નામ ઠામ (સં.) સંપૂર્ણ પતા, પૂરા પતા, નામ ઔર ઠિકાણા ।

નામ તારવું (ક્રિ.) પ્રતિષ્ઠા પાના, કીર્તિ પ્રકાશ કરના ।

નામદાર (વિ.) જગદ્વિખ્યાત, સ્વનામ ધન્ય, પ્રસિદ્ધ, પ્રતિષ્ઠિત, મશહૂર, પ્રખ્યાત ।

નામદારી (સં.) પ્રતિષ્ઠા કીર્તિ, ખ્યાતિ, મશહૂરી, તારીફ ।

નામ દેવું (ક્રિ.) નામ રખના, નામધરના, નામદેના ।

નામ ધરવું (ક્રિ.) નામ લેના ।
નામ ધાતુ (सं.) वह क्रिया जो संज्ञासे बनी हो (व्याकरणमें)
નામ ધારણ (ક્રિ. વિ.) किसीका नाम रखलेना, नाम इख्त्यारनेसे ।
નામધારી (ક્રિ. વિ.) प्रसिद्ध, विख्यात, कीर्ति सम्पन्न, आली या ऊंचे नामका मनुष्य ।
નામંજુર (વિ.) अस्वीकृत, ना पसंद अयोग्य ।
નામંજુરી (सं) अस्वीकृति ।
નામ ન દેવું–ન લેવું–ન બોલવું (ક્રિ.) नाम नहीं बोलना, नाम नहीं लेना, नामसे दूर रखना ।
નામના (सं.) नाम, यश, कीर्ति, शुहरत, नामवरी, प्रसिद्धि ।
નામનિશાન (सं.) नाम और विवरण, नाम और तफसील ।
નામ નિશાની કાંઈ નથી–नाम चिन्ह आदि कुछभी नही है ।
નામનું (વિ.) नाममात्र, बराय नाम ।
નામપર (ક્રિ વિ.) नामपर, हिसाबमेंसे नामे, कारणपर, कारणसे ।
નામબુડ્યું (વિ.) अपमानित, नाम डुबानेवाला ।
નામ બોળવું (ક્રિ.) अपमान लाना, अपमान कराना ।
નામરાશી (વિ.) एक नामका, मिलता हुवा नाम, नामकी राशि ।
નામર્દ–ઈ (सं) नपुंसक, हिजड़ा, क्लाव, कमजोर, पुंसत्वहीन ।
નામર્દાઈ–ઈ–રૂપાઈ (सं.) कमजोरी, बुजदिली, नपुंसकता, क्लिवत्व ।
નામવર (વિ.) नामवाला, ख्यात, प्रसिद्ध, यशस्वी, कीर्तिवान ।
નામવરી (सं.) नाम, यश, ख्याति, प्रसिद्धि, कीर्ति ।
નામવાચક (सं.) तृतिय पुरुष, (व्याकरणमें)
નામવું (क्रि.) उड़ेलना, निकालना ।
નામસ્મરણ (सं.) हृदयमें अपने इष्टदेवका ध्यान, ईश्वरका नाम-स्मरण, हरिचिंतन ।
નામાંકિત (વિ.) नामचिन्हित, नाममुद्रित, खुदाहुवा नाम, प्रसिद्ध, विख्यात, प्रतिष्ठित ।
નામાવળી (सं.) नामश्रेणी, नाम-सूची नामोंकी फेहरिस्त ।
નામી–મું (વિ.) विख्यात, प्रसिद्ध यशस्वी, कीर्तिमान, ख्यातनामा, मशहूर, नामवाला ।

નામું (સં.) હિસાબ, કહાની, બયાન, ઇતિહાસ, કામ, દાસ્તાવેજ, લેખ પ્રમાણ, લિખાવટ, પત્ર, ચિઠ્ઠી ।

નામુકરવું (ક્રિ.) ઇન્કારકર દેના, નાહીં કર દેના, અંગીકાર ન કરના, અસ્વીકાર કરના ।

નામું ઠામું (સં) પતા, હિસાબ, બયાન ।

નામુનાસબ (વિ.) અનુચિત, નૈરમુમકિન, અસંભવ ।

નામુબારક (વિ.) બદકિસ્મત, દુર્ભાગ્ય, અભાગ્યા ।

નામુરાદ (વિ.) અકૃતાર્થ. નિષ્ફલ, નાકામયાબ, બદનસીબ, હતાશ, આશા રહિત, નાઉમ્મીદ ।

નામુરાદગી (સં.) નિરાશા, નિષ્ફલતા, અસફલતા ।

નામે (વિ.) દેખો નામપર ।

નામેહરબાન (વિ.) કૃપાહીન, નારાજ, નાખુશ, દયા રહિત ।

નામેહરબાની (સં.) અવકૃપા, અસંતુષ્ટતા, નારાજી, નાખુશી ।

નામોસી-શી (સં.) અપમાન, અપકીર્તિ, બદનામી, લજ્જા ।

નાયક (સં.) મુખ્ય, મુખિયા, અગુવા, પ્રદર્શક, નેતા, આગે ગામી, શ્રેષ્ઠ, પ્રધાન, શૃંગાર સાધક પુરુષ, પ્રેમાભિલાષી, પ્રેમી ।

નાયકા-કણ (સં.) નૃત્યકરનેવાલી, સખી, પ્રેમાસક્તાયુવતી, નાયક કી સ્ત્રી ।

નાયડી (સ.) ધુરી, પહિયેકી નાહ, ચક્ર કે મધ્ય કા ભાગ ।

નાયબ-બ્બ (સં.) પ્રતિનિધિ, પ્રતિપુરુષ ।

નાયિકા (સં.) દેખો નાયકા ।

નાર (સં.) સ્ત્રી, લુગાઈ, નારી ।

નારકી (વિ.) નર્ક સમ્બન્ધી, નરકસ્થ, નર્કવાસી, નર્કભોગી, દુરાચારી ।

નારંગી (સં.) ફલવિશેષ, સંતરા, એક પ્રકારકા ખટ્ટા મીઠા ફલ ।

નારંગી રંગનું (વિ.) નારંગી, નારંગી કે રંગકા, પીલાસાલ મિશ્રિત । [વૃક્ષ કી વાટિકા ।

નારંગી બાગ (સં.) નારંગિયોંકે

નારંગી વૃક્ષ (સં.) નારંગીકા પેડ ।

નારદ (સં.) દેવર્ષિ, મુનિ, એક ઋષિ, જોકિ વિવાદ ખડા કરે, લડાદેને વાલા, ટંટેકે લિય ઉસ્કાવે વાલા ।

નારાજ-જી (વિ.) અસંતુષ્ટતા, અપ્રસન્નતા, કુઢન, દાહ ।

नारायण (सं.) ईश्वर, विष्णु, योगी, वैरागी, संन्यासी, ऐकान्त-सेवी, वानप्रस्थ, वनस्थ ।

नारायणबलि (सं.) मृत पितृतोंके उद्धारके लिये प्रायश्चित्त विशेष ।

नारास्त (वि.) गलत, अशुद्ध, झूठ, अनुचित, उलटा, अन्याय ।

नारियळ (सं.) नारिकेलफल, श्रीफल, नरियल, फल विशेष ।

नारियळी (सं.) नरियलका पेड़ ।

नारी (स.) धर्मयुक्ता स्त्री, अबला, महिला, ललना, कुटुम्बिनी ।

नारीजात (सं.) स्त्री जाति औरत, जनानी । [रणमें)

नारीजाति (सं.) स्त्री लिंग (व्याक-

नारीदूषण-दोष (सं.) स्त्रियों के मद्यपान कुसंगादि छःदोष, दुर्जन-संग, पतिसे विरह, घूमना ।

नारं (सं) एक प्रकारका क्रीड़ा ।

नारु (सं.) दलाली, किसी काम करनेका पुरस्कार या मजूरी ।

नारेख (सं.) राजपूतोंकी एक जाति विशेष, देखो खलासी ।

नाल (सं.) घोड़े आदि के खुर में जड़ी जानेवाली वस्तु, नाली, नली, जाड़ी, नलके आकारकी बनी हुई वस्तु ।

नालकी (सं.) पालकी, शिविका, यान विशेष, डोला ।

नालायक (वि.) अनुपयुक्त, अयोग्य, अनुचित, बेठीक ।

नालास-बेस (सं.) निंदा, कलङ्क, गाली, दुर्वाक्य, अपवाद पत्र, बदनामी का लेख, अपयश ।

नालास ठरवी (क्रि.) निंदा करनी, कलङ्क लगाना, दोष लगाना, बद नाम करना, अपवाद करना ।

नाव (सं.) नौ, नौका, तरणा, डोंगी, बोट, जहाज किश्ती ।

नावडी (सं.) छोटी नाव, डोंगी ।

नावडु (सं.) डोंगा, नाव ।

नावथु (सं.) स्नान नहान ।

नावधियो-धेा (सं.) खाविंद, पति, स्वामी, खसम, मालिक ।

नावाडेह (वि.) अपरिचित, अनजान, अनभिज्ञ, अजान, जड़ ।

नावडियो (सं.) नाववाला, मल्लाह, कनट, नाव चलानेवाला ।

नावारस (वि.) स्वामिहीन, बेमालिक, अनाथ, पतिहीन ।

नाविक (सं.) केवट, नावखेवैया, मल्लाह, माझी, नाव चलानेवाला।

नाविकविद्या (सं.) मल्लाहकीविद्या, नाव चलानेका इल्म, जहाज बनानेकी विद्या, नौका निर्माण ज्ञान।

नाविकशिल्प (सं.) नौविद्या प्रवीण, नौविद्या दक्ष।

नापी (सं.) नाई, नाऊ, हज्जाम, बाल बनानेवाला, जाति विशेष।

नाव्य (वि.) जहाज या किश्ती खेने लायक, जिसमें होकर जहाज या नाव आ सके, सामुद्रिक, दरियाई।

नाश (सं.) क्षय, ध्वंश, लय, क्षति, हानि, अपचय, अदर्शन, नुकसान।

नाशकरना (क्रि.) ध्वंश करना, नष्ट करना, मटिया मेट करना, विनाश करना, बरबाद करना, खराब करना।

नाशक (वि.) नाश कर्ता, ध्वंशक, क्षयकारी, क्षतिकर, हानि कर्ता, विनाशक।

नाशकारक (वि.) नाशकरनेवाला, हानिकारक, क्षतिकारक, बरबाद करनेवाला।

नाशवंत (सं.) नाशवान, अस्थिर, नष्ट होनेवाला, नाशनीय, नाशवान।

नाशी (वि.) नाशक, नाशकर्ता उजाड़ू।

नाशीत (वि.) ध्वंसित, हत उच्छेदित, नष्ट, नाश किया हुवा।

नास (स.) नस्य, सूंघनी, हुलास, तमाखूका चूर्ण।

नासदान (सं.) सूंघनी रखनेकी डिबिया, हुलास रखनेकी डिब्बी।

नासपड़ (वि.) बे सब्र, असंतोष, बेचैन, उतावला अधीर।

नासता (सं.) प्रातःकालीन अल्पभोजन, कलेवा, नाश्ता।

नासमझ (सं.) असमझ, अनजान, बुद्धिहीन, विचारशून्य, मूर्ख।

नासरी (सं.) लगभग आधीपाई।

नासवाश (वि.) पापमय, दोषयुक्त, अशुद्ध, अपवित्र।

नासबुं (क्रि.) भागजाना, बचके भागजाना, दौड़जाना, निकल भागना, अलोप हो जाना।

नासा-सिका (सं.) नासिका, नाक, नाकड़ा, घ्राणेन्द्रिय।

नासिकाहीन-स (वि.) आसा रहित, नाउम्मेद, निराश।

[illegible]सी (वि.) निराश, ना उम्मेदी, आशा हीनता।

नास्र (सं.) नरका अग्र, रथके ऊपरका भाग, नाक और आँखों के बीचकी गड़बड़ीया रोग।

नास्तिक (सं.) वेदनिंदक, अनीश्वरवादी, नास्तित्ववादी, ईश्वरकी सत्ता न माननेवाला, पाखंड, चार्वाक, सत्यकी निन्दा करनेवाला।

नाह (सं.) बधकता हुवा कोयला, जलता हुवा लकड़ीका कोयला।

नाहक (कि. वि.) व्यर्थ, अन्यायपूर्ण, बे फायदा, फुजूल, बे सबब, अकारण, अनुचित, बिना प्रयोजन, अयथार्थ।

नाहण (सं.) स्नान, नहान।

नाहतीधोती (वि.) तरुणावस्था प्राप्त (युवती) जवानी पाई हुइ (स्त्री)

नाहर (स.) व्याघ्र, बाघ, शेर, शार्दूल, चीता, तेंदुवा, बघेरा।

नाहानपण (सं.) बचपन, लड़कपन, प्रारंभ, शुरू, छुटाई, लघुता।

नाहानुं (वि.) छोटा, लघु, बच्चा, बालक, शिशु, शावक।

नाहावुं (कि.) स्नान करना गुसल करना, नहाना, अपने शरीर धोना, धोवा।

नाहासवुं (कि.) देखो नासवुं

नाहीं (कि. वि.) देखो नहीं

नाळ (सं.) नाभिसे सम्बन्ध रखने वाली नस, घोड़ेके खुरमें जड़ी जानेवाली वस्तु, जूतेकी एड़ीमें जड़ी जानेवाला लोहेकी अर्द्ध चन्द्राकार वस्तु, बालकके पेदा होनेके समय नाभिसे जुड़ी हुई उत्पन्न नस, नली, पानीका नल, नलके आकारकी वस्तु।

नाळचुं-चुं-चुं (सं.) झम्बी, चोंगा, तेल आदि द्रव पदार्थ भरनेके लिए चौड़े मुह दार नली।

नाळबंध-ध (सं.) घोड़े बैल आदि पशुओंके खुरोंमें नाल जड़नेवाला, नाल बाधनेवाला।

नाळियर (सं.) देखो नारियळ

नाळुं (सं.) नाव्य, पानी का नाळा, छोटी नदी, मोरी, पनाला।

निःशंक (कि. वि.) निडर अभय, भयशून्य, साहसी, बेशक।

निःशेष (कि. वि) समाप्त, सम्पूर्ण, शेष रहित, बेबाक, बाकी न बचा हुवा।

निःसंग (कि. वि.) अकेला, एक संगरहित, बेसाथी, संगच्युत।

નિઃસંદેહ (ક્રિ. વિ.) બેશક, નિઃસન્દેહ, નિશ્ચય, સંશયરહિત, અવશ્ય ।

નિકટ (ક્રિ. વિ.) સમીપ, પાસ, નજીક, નજદીક, અદૂર, સન્નિકટ આસન્ન, ઉપાન્ત ।

નિકંદન (સં.) નિર્મૂલન, ઉખાડન, ઉન્મૂલન, નાશવિનાશ ।

નિકર (સં.) સમૂહ, રાશિ, સાર ઢેર, નિધિ, કરરહિત, આગાર, (ક્રિ. વિ.) યાતો, નહીંતો।

નિકળવું (ક્રિ.) નિકલના, બાહિર આના, સાબત કરના, લૌટના, છોટના, નિકલ આના ।

નિકળી જવું (ક્રિ.) ભાગ જાના, ડેરાઉઠાના, ચલેજાના, ગાયબ હો જાના, નિકલજાના ।

નિકળી પડવું (ક્રિ.) બાહર હોના, પ્રકટ હોના, સામને આના, નિકલ પડના, આગેખિંચના, ।

નિકાહ (સં.) વિવાહ, શાદી, વિવાહ સંસ્કાર, નિકાહ ।

નિકાસ (સં.) સાર, તત્વ, ન્યાય, ફૈસલા, તરતીબ, નિર્ણય, વિચાર, રાસ્તેકી સફાઈ, પ્રબન્ધ ।

નિકાસ (સં)ભરતી, દૂસરે દેશોં કો ભેજાહુઆ માલ, બાહર ગમન અન્યત્ર ગમન, વિદેશ ગમન, નિકાલ, નિકલેકા માર્ગ,

નિકેતન (સં.) ગૃહ, આલય, આગાર, સદન, રહનેકાસ્થાન ।

નિકોરી (સં.) મોરી, પરનાલા, નાલા, તંગનાલા, સકડી નાલી।

નિખરવું (ક્રિ.) સફાઈસે ધુલા હોના, શ્વેતહોના સાફ હોના, ચમકના, ઉજલા હોના, નિથરાના

નિખર્વ (વિ.) સંખ્યાવિશેષ, દશ ખર્વ સંખ્યા, દશ સહસ્ર કોટિ ।

નિખાર (સં.) ભાટા, ઉતાર, ઘટતી જ્વાર ભાટે કા ઉતાર ।

નિખારવું (ક્રિ.) ઉજલા કરના સાફ કરના, પ્રથમ વાર ધોના,

નિખાલસ (વિ.) સાદા, સીધા, શુદ્ધ ખુલે દિલકા, સાફ દિલકા, સાફ, ખરા, સચ્ચા, નિષ્કપટ ।

નિગમ (સં.) શાસ્ત્ર વિશેષ, વેદ કી શાખા, ઈશ્વર, વેદ,, સાર, પરિણામ, ફલ, તત્વ, ઉત્પત્તિ ।

નિગમવું (ક્રિ.) છુટ્ટી પાના, વ્યતીત હોના, બીતના, ગિરના, ટપકના ।

નિગર્હી (વિ.) સુશીલ, લજ્જાવાન, સંકોચી, લજીલા ।

નિગળવું (ક્રિ.) ઝરના, ટપકના વસ્તુ મેંસે બૂંદ બૂંદ પાની ગિરના ।

निगाहबान (सं.) पहरुवा, निगाह रखनेवाला, चोकीदार, चौकसी रखनेवाला, रक्षक, रखवाला।
निगाहबानी (सं.) रखवाली, रक्षा हवालात, चौकसी, निगरानी।
निगार (सं.) तलछट, गाद मैल।
निगीन (सं.) नगीना, एक प्रकार का कीमती पत्थर, मूल्यवान पत्थर विशेष।
निग्रह (सं.) दडता, ताड़न, प्रहार यंत्रणा, चिकित्सा, क्लेश बंधन, रोक, अटकाव बन्धज, सीमा। [संग्रह, नामसग्रह।
निघंटु (सं.) निघंटु, कोश, शब्द
निघा (स.) दृष्टि, देख विचार ध्यान, नेत्र, आख चक्षु, दृष्टि।
निघेरानी (सं) देखरेख, कृपा-दृष्टि, दयापूर्ण अवलोकन।
निचलु-चेनुं (वि.) नीचेका, नीचे वाला, छोटा, लघु, नीचा,
निचाण (सं.) ढाल, ढालूभूमि, निचाई, उतार ढलाव।
निचिंत (वि.) बेफिक्र, चिंतारहित, निश्चिंत, चिंताशून्य, अशोच, अचिंत, शोक रहित।
निचुं (वि.) नीचा, निम्न, अधम।
निचे (क्रि. वि.) तले, श्रेणीमे उतरा हुआ नीचे।
निचोवणुं-वववुं (क्रि.) निचोड़ना, दबाना, मरोड़ना चूसना, गारना, कपड़ेसे पानी निकालना,
निछारो (सं.) देखो निछारी
निज (वि.) स्वीय, स्वकीय, आत्मीय, मुख्य खास, अपना।
निजधान (सं.) अपना द्रव्य, खुदका धन।
निजधाम (सं.) घर, अपना घर स्वर्गधाम, देवलोक।
निजवार्ता (सं) अपनाजीवन चरित्र, व्यक्तिगत बात, मुख्य बात, खानगी बातचीत।
निठवु (क्रि) थकजाना, हार जाना, खिचजाना।
निडर (वि.) निर्भय, निश्शंक, भयशून्य, अशङ्क, धृष्ट, बेडर।
नित-रोज (क्रि. वि.) प्रतिदिन, सदा, नित्य, रोजमर्रह, हमेशा।
नित नित (क्रि वि.) दिन दिन प्रतिदिन, निरंतर, लगातार, अब और तब
नितंब (स.) चूतड़, कूल्हा, पुश्त डोगा, स्त्रियोंके काटिके पीछे का भाग।
निनरवु (क्रि.) निथरना, निखरना, साफ होना, बूंद बूंद टपकना, झरना, चूना, धीरेधीरे बहना।

निरभ्रु-२ (वि.) स्वच्छ, साफ, निखरा हुवा, चमकीला, निर्मळ।

निरोळ (क्रि. वि.) नित्य, रोज़ रोज, दैनिक, सतत, प्रतिवासर, हमेशा।

नित्य (क्रि. वि.) शाश्वत, ध्रुव, सनातन, सदैव, निरंतर, सतत, अभ्रांत, अनिश, अनारत, स्थिर, निश्चित।

नित्यकर्म (सं.) प्रतिदिनका कर्तव्य कर्म, आवश्यक्रिया, दैनिक कार्य।

नित्यछवी (वि) अमर, सदा जीनेवाला, मृत्यु रहित, स्थिर, अचल।

नित्यदान (सं.) प्रतिदिनका कर्तव्यदान, रोज मर्रहका धर्मपुण्य।

नित्यानंद (सं.) सदानंद, जिसका आनन्द सदा वर्तमान रहे, सच्चा आनंद।

नित्यनेम (सं.) दैनिक नियम, रोज की क्रिया, दैनिक विधि, पूजापाठ।

नित्यशांति (सं.) स्थाई शांति, सच्ची स्थिरता, चैन, आनन्द।

निरे (क्रि. वि,) देखो नित्य

निरणु (सं.) निराला, घासपात, बे काम के पौदे।

निरणु (क्रि.) नीदना, निराना, गोड़ना, घासफूस छांटना, घासपात या निकम्मे पौधे निकालना।

निरांणु (सं) हरीघास, घासपात।

निदान (सं.) मूल कारण, रोग निर्णय, निष्कर्ष, सरांश, मूलानुसन्धान, कम मूल्य, (क्रि. वि.) पीछे, बादमें, अन्तमें।

निद्रा (सं.) अवस्थाविशेष, मनुष्य की अवस्था, नींद, शयन सुषुप्ति की अवस्था, सोना, कर्मेन्द्रियों के विषयोंसे जीवकी पृथक् होने की अवस्था, मेध्या नामक नाड़ी सेमनका संयोग।

निद्रातुर (सं.) निद्राकुल, निद्रागस्त, निद्राक्रान्त, नींदके वश।

निद्राभाव (सं.) बे चैनी, व्याकुलता बेहोशी, निद्राबोध।

निद्राभंग (सं.) प्रबोधन, जागरण निद्रात्याग, चेत, निद्रावसान।

निद्रावश (वि.) निद्रास्त, निद्रातुर, नींदकेवशीभूत।

निद्राहीन (वि.) निद्रारहित, व्याकुल बे चैन, बेनींद।

निद्राळु (वि.) निद्रालु, निद्राशील, सोनेवाला, सुस्त।

निरेक्ष (सं.) निर्भय, निडर, अतिक साहसी, उद्योगी, (क्रि. वि.) बेफिक्रीसे, अचानक, सहसा, एकाएक, अकस्मात ।

निरधिपो (वि) बिनास्वामीका, बेमालिक, अनाथ ।

निधन (सं.) मृत्यु, नाश, मरण, ध्वंस, मौत ।

निधान (सं.) निधि आधार, पात्र, स्थापन, खजाना, जगह, निवास ।

निधि (सं.) भाण्डार, सम्पत्ति रत्नावशेष, गड़ाहुवाकोश, समुद्र, भाण्ड ।

निद (सं.) नींद, निद्रा, शयन, सोना

निंदक (वि.) निंदा करनेवाला, दूसरों का दोष ढूंढनेवाला, परदोषानुसंधान कर्ता, चुगलखोर ।

निंदणुं (क्रि.) कलङ्क लगाना, निंदा करना, अपवाद करना ।

निंदा (सं.) अपवाद कुत्सा, गर्हा, कलंक, अयश दुर्नाम, बुराई ।

निंदाखोर (सं., निंदा करनेवाला कलंकित करनेवाला, निंदक, अपवाद कर्ता, बुराई करनेवाला ।

निंद्य (वि.) निंदनीय, हेय, तुच्छ कुत्सित, गर्हित, कलंकनीय ।

निपज (सं.) उत्पत्ति, उपज, जन्म, प्रकाश, पैदा, लाभ, फायदा, लग, लहम, जड़. निकास ।

निपजणुं (क्रि.) पैदा होना, निकलना होना, उत्पन्न होना, लाभ होना ।

निपजावणुं (क्रि) पैदा कराना, रचना, बनाना, उपजाना ।

निपट (क्रि. वि.) बहुत, अधिक, अत्यंत, अतिशय, सर्व, नितान्त, बिलकुल (वि.) लज्जारहित, बेशरम ।

निपटनिरंजन (सं.) अत्यंत दुष्ट, महान दुर्जन बिलकुल पाजी ।

निपात (सं) मृत्यु, पतन, गिरना, मरण, नाश, निधन, अधः पतन, मौत, ।

निपाणो (म.) देखो नेपाणो।

निपुण (वि.) कार्यक्षम, अभिज्ञ, पटु, योग्य, प्रवीण, कुशल, दक्ष, चतुर, हुनरमन्द, होशियार ।

निपुणता (सं.) प्रवीणता, दक्षता, योग्यता, होशियारी ।

निबंध (सं. मजमून, ग्रंथ, संदर्भ, ग्रंथोंकी वृत्ति रचना।

निभणुं (क्रि.) पार लगना। पार पड़ना, समाप्त होना, बन आना ।

निभाउ (वि.) चलने योग्य, टिकाऊ, चिरस्थायी, पार पड़ने योग्य

निभाव-णो (सं.) निर्वाह, गुजारा, गुजर, जीविका, भोजन, रोटी ।

નિભાવવું (ક્રિ.) નિવાહવા, પાર કરના, રક્ષા કરના, સહારા દેના, નિગાહ રખના, આશ્રય દેના ।

નિર્ભ્રાંત (વિ.) ભ્રાંત રહિત, અવશ્ય, બેશક, નિસ્સન્દેહ ।

નિમ (સં.) દેખો નિયમ

નિમક–ખ (સં.) નૂન, નોન, લોન, લવણ, ક્ષાર ।

નિમકદાની (સં.) નમક પાત્ર, લવણ રખનેકા પાત્ર, નોન રખનેકા બર્તન ।

નિમકહરામ (વિ.) અવિશ્વસ્ત, વિશ્વાસઘાતક, ધોકેબાજ, કૃતઘ્ન, અભક્ત ।

નિમકહરામી (સં.) કૃતઘ્નતા, નાશુકગુજારી, નેકીકે બદલે બદી, ધોકેબાજી ।

નિમકહલાલ (વિ.) વિશ્વસ્ત, ભક્ત, શુક્ર ગુજાર, કૃતજ્ઞ ।

નિમકહલાલી (સં.) કૃતજ્ઞતા, એહસાનમન્દી, ધન્યવાદ, ભક્તિ ।

નિમગ્ન (વિ.) ડૂબા હુવા, પ્રસિત, દબા હુવા, બોરા હુવા, મગ્ન ।

નિમજ્જક (સં.) દેખો નેમજ્જક

નિમંત્રણ (સં. આમંત્રણ, આહ્વાન, આવાહન, મ્યૌતા, બુલાહટ, નેવતા।

નિમદાખાનું (સં.) તંગકોઠરી, ગુફા, તળઘર, ભૂગર્ભ મેં કંદરા ।

નિમવું (ક્રિ.) સ્થિત કરના, નિયુક્ત કરના, નામ લેના, નામ નિર્દેશ કરના ।

નિમાજ (સં.) વન્દના, પ્રાર્થના, ઈશ્વર ભજન, નમાજ, મુસલમાની પૂજન । [પઢનેવાલા ।

નિમાજી (સં.) ભક્ત, નમાજ

નિમાળા (સં.) રોવાં, બાલ, કેશ, લોમ ।

નિમિત્ત (સં.) કારણ, હેતુ, નિદાન, પ્રયોજન, વાસ્તે, લિયે, મતલબ, ભૂમિ, સબબ, ગર્જ, ઉદ્દેશ, જરિયા, ઝૂઠા દલીલ, બહાના, ઝૂંઠા દિખાવા ।

નિમિષ–ષેષ (સં.) નેત્રોંકે પલકા સ્પન્દનકાલ, પલક, અતિ સૂક્ષ્મ કાલ, વિપલ, ક્ષણ, લવ ।

નિમે (વિ.) આધા, અર્ધ, ½ ।

નિમો (સં.) જામા, સભાવસ્ત્ર, કબા ।

નિયંતા (સં.) શાસ્તા, શાસન કર્તા, પ્રભુ, નિયામક શાસન કરનેવાલા, રખવાન ।

નિયમ (સં.) નિશ્ચય, અવધારણ, નિર્ણય, નિરૂપણ, પ્રકાર, ધારા, દમન, નિરોધ, યોગી, સૌચ, સન્તોષ, તપ, પ્રતિજ્ઞા, અંગીકાર, સ્વીકાર, કર્તવ્યકર્મ, કાનૂન

कायदा, हुक्म, आज्ञा, ढंग, तौर, तर्ज, विधि, तरीक़ा।

निगमसार (कि. वि.) नियमानुकूल, बातरतीब, विधिपूर्वक, उचित रीतिसे।

निगमित (वि.) कृत नियम, नियमबद्ध, निश्चित, विधिबद्ध।

निर (सं.) शब्द के पूर्व लग कर हीनता या अभाव सूचक अर्थ बतानेवाली प्रत्यय, (कि. वि.) नहीं, बिना निश्चय, बाहर, उचित।

निरंकुश (वि.) बाधाशून्य, अनिवार्य, स्वतंत्र, स्वेच्छाचारी, नियम निरादरपूर्वक कार्यकर्ता, स्वतंत्र।

निरक्त (वि.) रक्तहीन, खूनहीन, पीला भुधला, फीका, जर्द।

निरख (सं.) बाजारभाव, दर, भाव, वर्तमान मूल्य, जांच, परख, परीक्षा, देखभाल।

निरखना (कि.) निरखना, देखना, ताकना, निरीक्षण करना।

निरंजन (वि.) निर्मल, तेजोमय, निष्कलंक, मूल या त्रुटि (वेदांती) सर्वज्ञानी, अनन्तज्ञानी।

निरंतर (कि. वि.) निविड़, घन, अनवकाश, सर्वदा, अविच्छेद, अनवरत, असीम, अपरिमान, अभेद, सटाहुवा, अंतर रहित, पासपास।

निरंतरता (सं.) सनातनत्व, नित्यता, समानता, साहश्य।

निरधार (वि.) देखो निर्धार

निरधारना (कि.) देखो निर्धारना

निरपराधी (वि.) निष्पापी, निर्दोषी, निरपराधी, बे कसूर,

निरपराध (वि.) अपराध शून्य, दोष रहित, निष्पाप, निर्दोष।

निरपराधी (वि.) दोषहीन, निर्दोषी अपराध रहित, बे कुसूर।

निरपराधीपणा (सं.) निर्दोषता, पवित्रता, साधुता।

निरपेक्ष (वि.) स्वाधीन उदासीन लापरवाह अनपेक्ष, इच्छारहित।

निरभिमान-नी (वि.) गर्व रहित, बे घमण्ड, गर्व शून्य, अभिमानहीन।

निरभ्र (वि.) स्वच्छ आकाश, मेघ रहित, बादल रहित, साफ आस्मान।

निरर्थ-क (वि.) अनर्थक, अप्रयोजन, व्यर्थ, विफल, बे मतलब।

निरबुध (सं.) बुद्धिहीन, मूर्ख, जड़।

निरुं (क्रि.) पशुओंके चारा डालना, चरने के लिये पशुओं के आगे चारा रखना।

निरशन (सं) व्रत, उपवास, निराहार।

निरस (वि.) रसहीन, बे स्वाद, रसाभाव, नीरस, शुष्क।

निरांत (सं.) छुट्टी, फुर्सत, आराम, सुख, चैन, धीरज ढाढस।

निराकरण (सं.) निवारण, दूरीकरण, बहिष्करण, फैसला, न्याय, प्रबंध।

निराकार (वि) आकार रहित अशरीर (सं.) आकाश, ईश्वर।

निराचार (वि) वेदविद्या रहित, आचार भ्रष्ट, धर्महीन, देवनिंदा, पाप, न्यायहीनता, आचरणहीनता अंगली, बदचलनी।

निराधार (वि) आधार शून्य, अनाश्रय आश्रयरहित शून्यस्थित।

निराभास (वि.) अशोच, समझ से बाहर, बुद्धिसे परे। [स्वस्थ।

निरामय (वि.) रोग रहित, निरोग,

निरालंब (वि.) खाली, सूना, उजड़, आधार, अवलंबन, अनाथ मित्रहीन।

निरास (वि.) आशाहीन, बे भरोसे, हताश, नाउम्मेद।

निरासा (सं.) आशा हीनता, बे भरोसा, नाउम्मेदी।

निराश्रय-श्रित (वि.) आश्रय शून्य निरास, निरालंब,

निराहार (सं.) अभोजन अनशन भोजनाभाव, व्रत, उपवास।

निराळं (वि.) निराला, अलग एकान्त, निर्जनस्थान बेमेल, दूसरा, जुदा, पृथक्।

निरीक्षण (स.) अवलोकन, देखन, देखना, दर्शन, ईक्षण, ताक, घूर इकटक दृष्टि।

निरुत्तर (वि.) उत्तरहीन, अवाक, लाजवाब उत्तर देनेमें असमर्थ।

निरुत्साह (वि.) उत्साह हीन, निश्चेष्ट, नाउम्मेद।

निरुद्योग-गी (वि.) उद्यम हीन, उद्यमाभाव विशिष्ट, निष्कर्मा, निकाम, निश्चेष्ट।

निरुपकारी (वि.) नाशुकगुज़ार, अधन्यवादी, जो कभी, किसी पर कृपा या उपकार न करे। अनुपकारी, अप्राह्य, अप्रिय।

निरुपद्रव (वि.) उत्पात रहित दौरात्म्य हीन, शांत, अचंचल।

निरुपधिपणुं (सं.) निर्दोषता, पवित्रता, साधुता।

निरुपद्रवी (वि.) निरुपद्रव निर्दोष, साधु, भला।

निरुपम-म (वि.) अतुल, उपमारहित, अनुपम, बे मिसाल।

निरुपयोगी-गि (वि.) अनुचित, उपयोगमें न आने योग्य, बे कामका निकम्मा, व्यर्थ, जिसके उत्तरकी आवश्यकता नहो ऐसी बात।

निरुपाय (वि.) उपाय रहित, निराश्रित, बे तदबीर।

निरूपण (सं.) निर्णय करना, विवेक करना, स्थिर करना, अवधारण।

निरोगी (वि) स्वस्थ, तन्दुरुस्त, रोग रहित, आरोग्य चंगा।

निरोगीपणा (स.) स्वास्थ्य आरोग्यता, तन्दुरुस्ती, नीरोगता।

निरोध (स.) वेष्ठन, अवरोध, घेरा, फांस, रोक, आड़।

निरोधन (वि.) रोक, अटकाव, अवरोधन, घेर, फांस।

निर्गत (वि.) विस्तृत, निकला हुवा, दुर्बल, क्षीण, कमजोर-निर्बल।

निर्गंध (वि.) वासरहित, गन्धशून्य, गन्ध हीन, बेबू।

निर्गम (कि.) बहिर्गमन, निःसरण, आगमन, सीमाउल्लंघन, चुकी।

निर्गमन (सं.) बहिर्गमन, बाहर रखी और गमन, निकास, प्रस्थान।

निर्गुण-णी (वि.) निर्गुणावस्थित, गुण रहित, गुणएहसामर्थ्यमान्वे वाला, गुण स्वभावसे परे (देवताओंके लिये)

निर्घृण (वि.) निर्दय, पापी, घृणा रहित, बे रहम, पाषाण हृदयी, संगदिल,

निर्घोष (वि.)शब्द रहित, ध्वनि रहित, प्रत्येक प्रकारका शब्द शब्द मात्र।

निर्जन (वि) जनरहित स्थानादि, अकेला, विजन, एकान्त।

निर्जर (स.) अमर, देवता, देव, अजर (वि.) वृद्धावस्था से रहित, जो पुराना न हो।

निर्जल (वि.) जलशून्य, मरुभूमि, जलरहित, बिनापानी।

निर्जला अभिधान (सं.) निर्जलैकादशी, जेष्ठ शुक्ल एकादशी, वह एकादशी जिसमें आचमन के अतिरिक्त जल को पीना वर्जित है।

निर्जित (वि.) सर्वथाअतिहुवा, बिलकुल पराजित, सम्पूर्ण रूपसे परास्त।

निर्विकल्पित (वि.) जिसने काम क्रोधादि को वश में न किया हो, विषयी, इन्द्रियदास ।

निर्जीव (वि.) जीवात्मा रहित, प्राणशून्य, मराहुवा, मृत, दुर्बल, श्रान्त, कमजोर, हीन ।

निर्झर (वि.) पर्वत से झरनेवाला जल प्रवाह, पहाड़ का झरना, जलधारा, झरना जल प्रवाह ।

निर्णय (सं.) निश्चय, अवधारण, स्थिरी करण, विचार, तर्क, चर्चा, विरोध, परिहार, सिद्धान्त वाक्य, सार, विधान ।

निर्णयित (वि.) निश्चित, स्थिर, संकल्पित ।

निर्दय (वि.) निष्ठुर, कठिन, दयाशून्य, संगदिल, बेरहम, कृपाहीन बेदिल ।

निर्दयता (सं.) निष्ठुरता, दयाशून्यता बेरहमी, संगदली ।

निर्दाता (सं.) अनुदार, निर्दय, नीच । [कथन, निरूपण, निर्णय ।

निर्देश (सं.) आज्ञा, आदेश, प्रस्ताव

निर्दोष-षी (वि.) दोषरहित, अपराधशून्य, निष्कलंक निष्पाप।

निर्धन-नी (वि.) दरिद्री, कंगाल, दीन, गरीब, धनरहित, धनहीन ।

निर्धातु (वि.) दुर्बल, कमजोर, निर्बल ।

निर्धार (क्रि. वि) निश्चय, निर्णय अतिगुण और क्रिया को लक्ष्य में रखकर जात्यादि की उत्कृष्टता से सजातीय से पृथक् करना, यथा मनुष्यों मे ब्राह्मण, गौओं में कालीगौ, पथिकों में शीघ्रगामी श्रेष्ठ है ।

निर्धारयु (क्रि.) चुनना, निर्णय करना, निश्चय करना, स्थिर करना ।

निर्धास्त (वि.) असावधान, अचेत, गाफिल, बेहोश । [दुर्बल ।

निर्बल (वि.) अशक्त, कमजोर,

निर्बलता (सं.) कमजोरी, दुर्बलता ।

निर्बुद्ध (वि.) मूर्ख, बुद्धिहीन, शठ, जड़, बेवकूफ ।

निर्बुद्धि (सं.) बेवकूफी, शठता, मूर्खता ।

निर्भेद (वि.) अशिक्षित बेसीखा बेतालीम, अनजान, बोधरहित ।

निर्भय (वि.) भयरहित, निडर, साहसी, धृष्ट, ढीठ ।

निर्भयता (सं.) भयहीनता, निडरता, साहस, धृष्टता ।

निर्भर (सं.) जिस में अधिक भार हो, अतिशय, अतिमात्र, जो अत्यधिक हो, पूर्ण, परिपूर्ण ।

निर्भर्त्सना (सं.) डाट, निन्दा, तिरस्कार, त्याग, धिक्कार, झिड़की, गाली ।

निर्भाग्य (वि.) बदकिस्मत, भाग्यहीन, बेतकदीर ।

निर्भ्रांत (वि.) भ्रांति रहित, निश्चय, बेशक निधड़क ।

निर्भेद्य (वि.) अगम बेगुजर, अभेद्य, जो बेधा न जा सके ।

निर्भेद्यता (सं.) अगमता, अभेद्यता ।

निर्भेदु (क्रि.) निर्माण करना, रचना, बनाना, पैदा करना, कारण होना, उत्पन्न करना ।

निर्मल (वि. ; मल रहित, स्वच्छ परिष्कृत, शुद्ध, उजला, पवित्र ।

निर्मलता (सं.) सफाई, शुद्धता, पवित्रता, उजलापन ।

निर्माल्य (सं.) वृक्ष, पेड़ ।

निर्माण (वि.) निर्मित, गठन, रचना, मंथन, सृष्टिकरण ।

निर्माणकर्ता-र्त्री (सं.) निर्माता, रचक, रचयिता ।

निर्मायिक (वि.) मायारहित, छल कपटरहित ।

निर्माल्य (वि.) गुणहीन, अयोग्य, निकम्मा, बिनीफूल, विरस पुष्प, बासीफूल ।

निर्माल्य (सं.) वह पुष्प जो देवता को अर्पण कर दिया गया हो या बासी हो गया हो ।

निर्मित (वि.) रचित, कृत, बनाया हुवा, गठित ।

निर्मुख (वि.) निराश, विमुख, आशारहित, ना उम्मेद ।

निर्मूल (वि.) मूल रहित, उखड़ाहुवा, बे बुनियाद, बेजड़, बिना मूलका ।

निर्मोह (वि.) मोह रहित, निर्दय, कठिन, मायारहित, प्रेमहीन ।

निर्यास (सं.) कषाय, क्वाथ, वृक्षोंका रस, गोंद, काढा, अर्क, रस ।

निर्युक्ति (वि) युक्तिरहित, अनुपयुक्त अनुचित ।

निर्लज्ज (वि.) लज्जाहीन, नकटा, बे शर्म, बेहया, लाजरहित

निर्लोभ-भी (वि.) लोभ रहित लोभ हीन, अलोभी, बे लालच ।

निर्वचन (सं.) व्याख्या, टीका विवरण, अर्थ,

निर्वंश (वि.) वंश हीन, कुल-हीन, पुत्र रहित, संतान रहित, अवतारिश, अनाथ कुल वा वंशका नाश। [नग्न।

निर्वस्त्र (वि.) वस्त्र रहित, नंगा

निर्वाच्य (वि,) आखिर, आतिम निश्चय, अवश्य, (सं) मोक्ष, मुक्ति परमपद।

निर्वाह (सं.) निष्पत्ति, समाप्ति जीविका रोजी, कार्यसाधन।

निर्विकल्प (वि.) वह ज्ञान जिससे ज्ञात और ज्ञेयका विभाग विशेष्य और विशेषण रूप सम्बन्ध वा नाम तथा गुणत्व का सम्बन्ध दूर हो गया हो, जीव और ब्रह्मकी अखण्डाकार एकत्व विषयक वृत्ति का चातकज्ञान, न्याय शास्त्र में वह ज्ञान जो प्रकारता आदिसे रहित सम्बन्धान वगाहि और इन्द्रियों के गोचर नहो। देवता।

निर्विकार (वि.) विकार शून्य घृणा रहित, एक रस, एक भाव क्रोध काम से रहित।

निर्विघ्न (वि.) अबाध, बाधारहित अक्लेश, अनुद्वेग।

निर्विचु (वि.) आशाहीन, निराश, दबा हुवा, नीचा किया हुवा।

निर्विघ्न (वि.) विघ्न शून्य, आपत्ति रहित।

निर्विवेक (वि) निर्बोध, विचार रहित, ज्ञान हीन। [रहित,

निर्विष (वि.) बेजहर, विष

निर्वृत्ति (सं.) सिद्धि, निष्पत्ति, निष्पाद, वृत्ति रहित, आराम विश्राम, तसल्ली, शांति।

निर्वृत (वि.) प्राप्त, शात पहुंचाहुवा।

निर्वृत्ति (सं.) सम्पूर्णता, परिपूर्णता, योग्यता, कामयाबी।

निर्वेद (सं.) सासारिक बधनोंसे मुक्त, दृढ प्रमाणत्व, यथार्थता, घृणा अरुचि।

निर्वेध (वि.) आपत्ति रहित, बेरोक, स्वतंत्र,

निर्व्यलीक (वि.) कुटेव रहित, बुरी आदतोंसे दूर, व्यसन रहित।

निलय (स.) मकान, वास स्थान, रहने का मकान, घर, गृह, गेह।

निलयस्थ (सं.) कपाल, मस्तक, माथा,

निलाजशाखा (सं.) बे अदबी निर्लज्जता, बे शरमी।

निलाजवत् (वि) निर्लज्ज, बेशर्म।

निकलना (क्रि.) बाहर होना, लौटना, साबित करना, परीक्षा करना, तजरुबा करना, होना, प्रत्यक्ष होना, स्पष्ट होना, प्रसिद्ध होना, नाम पाना प्रतिष्ठा पाना ।

निकाउ (सं) फैसला, तरतीब, निर्णय, विचार बन्दोबस्त, प्रबन्ध

निकारण (सं.) रोक रुकावट, अटकाव, उपशमन, प्रशमन, निराकरण ।

निकालना-ना (क्रि.) बाधा दूर करना, निवारना, हटाना, प्रशमित करना, उपशमित करना, अलग करना ।

निवास (सं.) गृह, घर, आश्रय, रहनेका स्थान, मकान, रहन ।

निवासी (वि) रहनेवाला, बसनेवाला, वास करनी, निवास करनेवाला ।

निश्चिन्त (स) मुक्त, अवकाश प्राप्त, बधन रहित, विश्राम; निरत, लौंटा हुवा, हटा हुवा, धीरज, ढाढस, सुख, चैन, सुगम ।

निश्चिन्ति (स) परिश्रम से मुक्त, मिहनत से छुटकारा ।

निसेनी (सं.) देखो निसेनी

निसेहन (सं.) प्रार्थना, विनम्ती, विनय, अभिलाष प्रकाश, मनोरथ कथन, इरशाद, सम्बाद पूर्वक बतलाना ।

निशा (सं.) रात्रि, रात, रजनी, शर्वरी, यामिनि, शब ।

निशादिन (सं.) प्रतिदिन, रात-दिन, अहर्निशि, शबोरोज ।

निशा (सं.) रात्रि, रात, रजनी नशा, मतवालापन, मस्ती ।

निशाकर (सं. चन्द्रमा, विधु, इन्दु, चाद ।

निशाखोर (सं.) नशेबाज़, नशा-करनेवाला मादक द्रव्य सेवी ।

निशाचर (सं) राक्षस, चोर, शृगाल, उलूक, उल्लू, सर्प, कुटेरा, चक्रवाक, चकवा, चमगीदड़ रातमें घूमने वाला ।

निशानु-न (सं.) झंडा, ध्वजा, पताका, चिन्ह, पहिचान, लक्ष ।

निशानी-यी (सं.) निन्हौनी, चिन्ह, पहिचान, लक्षण, संकेत स्मरण, यादगार ।

निशानेरा (स) कूटने का पत्थर, पीसने का पत्थर, लोढी, मूसली ।

निशाल (स) पाठशाला, विद्या-लय, मदरसा, मकतब, स्कूल, कालिज, गुरुगृह, पढ़नेका स्थान ।

निशालभञ्जं (सं) पाठशाला में प्रवेश करने के समय सरस्वती पूजन, पट्टी पूजन, विद्यारंभ संस्कार ।

निशालेखो (सं.) विद्यार्थी, छात्र, शिष्य, पढ़ैया, पढ़नेवाला ।

निशोतर (सं.) जुलाबदायक एक बूटी विशेष, विरेचक बूटी विशेष निशोतं नामक प्रसिद्ध औषधि ।

निश्चयंऽळ (वि.) दृढ, स्थिर, अचल, अटल एक रूप ।

निश्चय (सं.) स्थिर, अचचल, असंशय, निर्णय, सिद्धान्त, अवधारण, विश्वास, प्रतिज्ञा, प्रबन्ध, न्याय विचार, भरोसा, साहस, (क्रि. वि.) अवश्य, निस्सन्देह, जरूर, सचमुच, वास्तविक ।

निश्चयपूर्वक (क्रि. वि.) दृढता युक्त, विश्वास पूर्वक, अवश्य ।

निश्चळ (वि.) अचल, स्थिर स्थावर ।

निश्चित-श्चंत (वि.) निर्णीत, स्थिरीकृत, सिद्धान्तित, निश्चय किया हुवा ।

निश्वास (सं.) बाहिः श्वास, प्राणवायु, निसांस, सिसकी ।

निश्शंक (सं.) निडर, शंका रहित, अवश्य, निस्सन्देह, निधड़क ।

निषाद (सं.) धीवर, मल्लाहा, स्वर विशेष, सातवा स्वर " नी "

निषिद्ध (वि.) वर्जित, निवारित, रोका, प्रतिषेधित, मनाकिया हुवा दोषयुक्त ।

निषेध (सं.) प्रतिषेध, निवृत्ति, निवारण, वारण, मना, ना, इन्कार ।

निषेधक (वि.) निषेध कर्त्ता, रोकनेवाला, निवारण करनेवाला ।

निषेधणु (क्रि.) रोकना, वर्जित करना, मनाकरना, निवारण करना

निष्कंटक (वि.) काटों रहित, जिस मे काटे न हों, अकण्टक, कण्टक शून्य, निरुद्वेग, बेरोक टोक ।

निष्कपट-टी अकपट, सीधा, सरल, कपट शून्य, बेदग़ा ।

निष्करुणु (वि.) निर्दय, दयाशून्य करुणा रहित बेरहम ।

निष्कर्मी-र्म (वि.) क्रोधादि रहित, इच्छारहित, अकर्मी, कर्म्म रहित, अलस, निष्काम ।

निष्कलंक (वि.) निर्दोष, अदोष, अपराधहीन, शुद्ध दीप्ति शील, बे दाग़, कलंक रहित, बे ऐब ।

निष्कर्म (सं.) देखो निष्कर्म

निष्कारण (वि.) व्यर्थ, बे फायदा, अकारण, फुजूल।

निष्कारण (क्रि वि) कारण रहित बेसबब, निष्प्रयोजन।

निष्किंचन (वि.) चिंतारहित, निश्चिन्त, बे फिक्र।

निष्ठ (सं.) स्थित, स्थिर, तत्पर, अभिनिविष्ट तत्रस्थ।

निष्ठा (सं.) निष्पत्ति, नाश, अंत, निर्वहण, यात्रा, दृढ विश्वास, पूर्ण भक्ति, धर्म विश्वास धर्म तत्परता, विश्वास, स्थिरता, धर्मादिका यक़ीन।

निष्ठुर (वि) परुष, कठोर, निर्दय, कठिन, क्रूर, दुराचार, सख्त।

निष्पत्र (वि.) बिनापत्तोंका, पत्र रहित, सूखा वृक्ष, पत्ररहित, करील वृक्ष।

निष्पक्षपात–ती (वि.) पक्ष रहित, पक्षपात शून्य, बे सिफारिश, न्यायी सच्चा, मुन्सिफ,

निष्पाप (वि.) निरपराध, निर्दोष, पापहीन, बेकुसूर, शुद्ध, पवित्र।

निष्प्रयोजन (वि.) निरर्थक, अहेतुक, अकारण प्रयोजनरहित, व्यर्थ बे सबब, बे मतलब।

निष्फल (वि.) फलरहित, विफल, निरर्थक, व्यर्थ, फुजूल।

निःसंतान (वि. , सन्तति हीन, जिसके कोई बालक न हो, बांझ (स्त्री)

निसरणी (वि) सोपान, नसेनी, काष्ट सोपान, लकड़ी का बना हुवा उपर चढ़ने का चढाव।

निसरवुं (क्रि.) निकलना, बाहिर आना, फूट आना, प्रकट होना।

निसाणी–साणी (सं.) चिन्ह, पहिचान, चिन्हौती, सकेत, सबूत, निशान, मोहर, सिक्का, सैन, इशारा।

निसासो (सं.) आह, ठंडी सॉस, निःश्वास, गहरी सॉस, दीर्घ स्वांस, हाय, कराह, श्राप, धिक्कार।

निसासोनाखवो (क्रि.) लंबी सॉस लेना, ठंडी साँस लागना, हाय मारना, आह भरना, श्राप देना, धिक्कारना।

निस्तरवुं (क्रि.) बचना, उद्धार पाना, त्राण पाना, मुक्त होना, मोक्ष प्राप्त करना, छूटना, उबरना।

निस्तारो (सं.) मुक्ति, मोक्ष छुटकारा, बचाव, उद्धार, त्राण, रक्षा।

નિસ્તેજ (વિ.) તેજહીન, પ્રતાપ રહિત, ભોવા, પીળા, ફીકા, ઝંખવાળ, ઝર્દ।

નિસ્પૃહ-હી (વિ.) નિરભિલાષ, નિર્લોભી, વાંચ્છારહિત, સ્પૃહાશૂન્ય, નિષ્પક્ષ, બે ગરજ, અપક્ષપાતી।

નિસ્બત (સં.) બાબત, સમ્બન્ધિત

નિસ્સત્વ (વિ) બદસૂરત, બે ડૌલ, સાર હીન, રસ રહિત, બેજાન, બે સ્વાદ, ફીકા, સીઠા, કુસ્વાદુ।

નિસ્સંશય (વિ.) બેશક, અવશ્ય, સંશય રહિત, નિઃસન્દેહ, શંકા-શૂન્ય, બે શુબહા।

નિહંતા (સં.) નાશ કર્તા, મારને-વાલા નાશક, બર્બાદી, નષ્ટ કરને વાલા।

નિહારી (સં) કલેવા, પ્રાતઃકાલીન ભોજન, જલપાન, ફલાહાર।

નિહાળવું (ક્રિ.) અચ્છીતરહ દેખ ભાલકરના, ખૂબ જાચ પડતાલના।

નીખ (સં.) સિર કે બાલોં કી છોટી જૂં, લીખ, જૂં કે અણ્ડે।

નીખરવું (ક્રિ.) પ્રકાશિત હોના, સાફ હોના, નિખરના, ઉજલા હોના।

નીખારો (સં.) કંઘા, કંઘી, કેશ માર્જની, બાલ કાટને કા (કંઘા)।

નીંદ (સં.) નિદ્રા, સપન, સોપ્ત, ઝપકી, ઉંઘાઈ, આલસ।

નીંદામણ (સં.) પ્રશંસા, સરાહના, તારીફ, સ્તુતિ, કીર્તિ, બામવરી।

નીક (સં.) નાલી, મોરી, ગટર,

નીકા (વિ) મુસલમાનોંકા વિવાહ સંસ્કાર, યાવની વિવાહ, નિકાહ।

નીકું (વિ.) શુદ્ધ, પવિત્ર, સાફ, સ્પષ્ટ, ઉત્તમ, ગ્રાહ્ય, ઉમ્દા।

નીખા (સં.) દૃષ્ટિ, આંખ, દેખ, ધ્યાન, વિચાર, સમક્ષ, નિગાહ।

નીચ (વિ) અધઃ નિમ્ન, અપકૃષ્ટ, અધમ, ઇતર, જઘન્ય, કમીન।

નીચ ઉચ (વિ.) બુરા ભલા, છોટા બડ઼ા, લઘુ દીર્ઘ।

નીચપણું (સં) ક્ષુદ્રતા, નીચતા, અધમાઈ, દુષ્ટતા, કમીના પના।

નીચલું (સં) નીચા, થીમા, કમી, ના, છોટા।

નીચાઇ-ચપણું (સં.) કમીન પન, ઓછાપન, શૂદ્રતા, અધમતા, નીચતા લઘુતા, છોટાઈ। [કાન।

નીચાણ (સં) ઉતાર, ઢાલ, ખુટ-

નીચી મુંડી કરવી (ક્રિ) લજ્જિત હોના, શર્મિંદા હોના, નીચા સિર કરના।

नीचु (वि.) निम्न, नीच, लघु, छोटा, कमीन, ओछा, क्षुद्र, शूद्र, कम, अधम ।
नीचु थाभवु (क्रि) तुच्छ मालूम होना, कमलगना, छोटा विदित होना ।
नीचे (क्रि. वि.) तले, पेंदेमें ।
नीचे उपर (क्रि. वि.) तळे उपर।
नीच्य (सं.) देखो निच्य ।
नीज्यत (सं.) पापोंसे छुटकारा, क्षमा, मुक्ति, मोक्ष, छुटकारा, नजात ।
नीट (सं नाकका बलगम, नासिका जनित कफादिमल, रींट, रेट ।
नीठवु (क्रि) फिसळजाना, खिसक जाना, सरकजाना, रपट जाना ।
नीत (क्रि. वि.) देखो नित्य
नीत२ (क्रि. वि.) नहीं तो, और, भी, परतु, अथवा, शायद, किंचित क्या जाने, ऐसा न हो कि, कदाचित्, और प्रकार से, दूसरी बातोंमे, या, किंवा ।
नीतारा (सं.) उतार, घटाव, कमी, धीरे धीरे कम होना ।
नीति (सं) न्याय्यव्यवहार, आचार, नीतिविद्या, शास्त्रविशेष, योग्यता ।
नीतिउपदेशक (सं.) न्यायशास्त्रका उपदेष्टा, नीतिशास्त्रका उपदेशक ।
नीतिकथा (सं.) हितोपदेश, क्षुद्र उपाख्यान, ग्रन्थ विशेष, न्यायकथा।
नीतिभय (वि.) वाजबी, ठीक, उचित, सदसदाचार सम्बन्धी, नीतियुक्त ।
नीतिमान-वान (वि.) नीतिज्ञ, नीतिशास्त्र विशारद, राजमंत्री, नीतिशास्त्र वेत्ता ।
नीतिवचन (सं.) हितवचन, शास्त्रवाक्य, उचित सूचना ।
नीतिशास्त्र (सं.) नीतिविद्या, हितोपदेश देने वाला शास्त्र ।
नीदणु-दाणु (सं) मोथा, घास-फूस, निकम्मे पौधे ।
नीद्र (सं.) नींद, आलस, झपकी, निद्रा । उघाई ।
नीध (सं) आधार, समुद्र, भाण्ड, आगार, कोष, खजाना ।
नीभाडो (सं.) भट्टी, भट्ठ, आवा, अवा, बडी भट्ठी ।
नीभ (सं.) निश्चय, अवधारण, निर्णय, निरूपण, प्रकार, धारा, दमन, निरोध, नियम ।
नीभभाग (सं.) आधा, अर्द्ध, ½
नीभगोळो (सं.) गोलार्द्ध, गोलार्द्ध का अर्द्ध भाग ।
नीभहकीम (सं.) अर्द्धवैद्य, मूर्ख हकीम, अधूरा वैद्य, मिथ्या । चिकित्सक, ठगवैद्य, कच्चाहकीम।

नीचकरिणी (सं.) मिथ्या चिकित्सा, बुरी चिकित्सा।

नीवार (सं.) एक प्रकार के लाल रंग के चावल, चावल विशेष।

नीवाल (सं.) बाल, रोवां, रोम, केश।

नीचे (वि.) आधा, अर्द्ध, •॥, (क्रि. वि.) आधेद्वारा, आधेपर।

नीचेनीच (वि.) आधोआध, आधा और आधा, आधों से, आधे आधे।

नीचो (सं.) जामा, सभावस्त्र, अबा, गाउन, अंगा।

नीर (सं.) पानी, जल, रस।

नीरमुंडी (सं.) औषधि विशेष। पौधा विशेष, नीलशेफालिका पुष्प, एक औषधि का नाम, पुष्प विशेष, संभालू।

नीरव (सं.) बांस जो नौका को सीधा रखने के लिये लगाया जाता है।

नीरवुं (क्रि.) पशु को घास इत्यादि भक्ष्य पदार्थ डालना।

नीरस (वि.) रसहीन, बे स्वाद, अस्वादु, शुष्क, सूखा, फीका, बीठा, फीका।

नीरा (सं.) ताड़ी, ताड़ का रस।

नील-ए (वि.) हरा, रंग विशेष, काला समुद्र।

नीलकंठ (सं.) शिव, महादेव, शंभु, मोर, मयूर, शिखी, पक्षी विशेष। [विशेष।

नीलम (सं.) नीलकांतमणि, रत्न

नीवार (सं.) एक प्रकार के लाल रंग के चावल, चावलों की एक जात विशेष।

नीवी (सं.) स्त्री की नाभि के नीचे वस्त्र ठहराने के लिये गठान, पूंजी, जैनियों का व्रत जिसमें गुड़, घी तेल आदि वर्जित है।

नीशा (सं.) नशा, बेहोशी, मतवालापन, मस्ती, गफलट, मद।

नीशाखोर (वि.) नशेबाज, मद्यपी, मादक वस्तु सेवन करने वाला।

नीसा (सं.) मसाला, इत्यादि पीसने का चपटा पत्थर।

नीसातरी (सं) पत्थर की मूसली, लोढी, मसाला आदि पीसने की लोढी।

नीसारत (सं.) औषधि विशेष।

नीलिका (स.) काला तिल या मसा।

नुक्तेचीन (सं.) छिद्रान्वेषी, जांचनेवाला, दोष ढूंढने वाला, कुतर्की, विदूषक।

नुक्तेचीनी (सं.) छिद्रान्वेषण, दोषानुसधान, कुतर्कना, छेड़छाड़।

नुक्ता-ष्टा (सं.) बिन्दु, सिफर बिन्दी, बोली, भाषा, ंग, विचार अहंकार, फारसी अक्षरों के ऊपर नीचे लगने वाले बिन्दु।

नुक्सान (स.) हानि, टोटा, घाटा क्षति, कमी, घटी, न्यूनता, हर्ज।

नुक्सानदेह (वि.) हानिप्रद, क्षतिकारक, अहितकर, दुखद।

नुक्सानी (सं.) हर्जा, हानि।

नुगड़ (वि.) अधन्यवादी, निर्लज्ज, बेशरम, बेहया, नमकहराम, गुरुहीन।

नुगरा (वि.) जिसके गुरु न हो, बेगुरु का, विश्वासघाती, अभक्त।

नुगुरना (कि.) निर्मल करना, साफ करना, शुद्ध करना।

नुन्न (वि.) असम्पूर्ण, किंचित, कम, थोड़ा, अल्प, न्यून।

नुर (सं.) चमक, दमक, ताजगी, नवीनता, (मुखकी) स्वस्थता। वीरता, ढिठाई, शूरता, बहादुरी भाड़ा, रुपया, रुपयों का लेनदेन।

नुस्त (सं.) उज्ज्वलता, चमक, दीप्ति, दमक, सुन्दरता।

नुरानी (सं.) चमकीला, साफ, चमकदार, नवीनता, चैतन्यता।

नूतन (वि.) नया, नवीन, अभिनव, ताजा, अनोखा।

नून (वि.) कम, थोड़ा, अल्प, किंचित, असम्पूर्ण न्यून।

नूर (वि.) नवीनता, उज्ज्वल, ताजगी, मुखकी कांति, वीरता।

नूरी (सं.) तोतेकी जाति का एक पक्षी विशेष, (वि.) चमकीला, दमकीला, चटकीला, भड़कीला।

नूसखा (सं.) औषधिकी विधि, सेवन विधि, नुसखा।

नृत्य (सं.) नाच, नर्तन, नाचना।

नृपति (सं.) नरपति, राजा, नृपाल, सम्राट, बादशाह, भूपति, भूपाल।

नृपासन (स.) राजगद्दी, राजा के बैठने का आसन, शाहीतख्त, सिंहासन।

नृसिंह (सं.) प्रधान मनुष्य, नरश्रेष्ठ, नरशार्दूल, विष्णुका चतुर्थ अवतार जिसने सत्यभक्त प्रह्लादकी रक्षा कर उसके पिता हिरण्यकशिपुको मारा था।

ને (अव्य.) और, तदनन्तर, (उप.) को।

નેઃ (वि.) भला, अच्छा, ईमानदार, धार्मिक, बड़ा, श्रेष्ठ, उत्तम, सदाचारी, उच्च, उन्नत ।

નેઃ અસલત (वि०) अच्छे मिजाजका, सरल स्वभावका, धार्मिक विचारवाला, महत्पुरुष ।

નેઃખાહ (वि.) सदिच्छा, शुभचिंतन ।

નેઃજાત (वि.) सभ्य, शिक्षित, सुशील, दयावन्त, मिहरबान, देशी

નેઃનજર (वि.) उत्तम निगाह कृपादृष्टि शुद्ध चितवन, पवित्रांतःकरण, पावनविचार ।

નેઃનામ (वि.) ईमानदार, यशस्वी, नामवर, धर्मात्मा, दयालु, कलंक रहित ।

નેઃનામદાર (वि.) पूजनीय, आदर सत्कार के योग्य, माननीय ।

નેઃબખ્ત (वि.) धार्मिक, सुकृति, चारु चरित्र, भलामानुस, सज्जन।

નેઃબખ્તી (सं.) भलाई, साधुशीलता, धर्म, पुण्य, धार्मिकता, सच्चरित्रता ।

નેઃબોલી (स.) धार्मिक वार्तालाप, अच्छी बातचीत, उत्तमभाषण, पवित्र बोली।

નેઃસલાહ (सं.) सदुपदेश, अच्छी सलाह, अच्छी नसीहत, धार्मिक शिक्षा, उचित परामर्श ।

નેકી (सं.) भलाई, सज्जनता, अखंडित्व, सज्जापन, शुद्धता, सफाई, उन्नति, उच्चता, भलमनसी, धार्मिकता, सच्चरित्रता.

નેકી બદી (सं.) भलाबुरा, हानि, लाभ, भलाईबुराई ।

નેકો (स.) आज्ञा, हुक्म, शासन, उपदेश, इजाजत, आदेश.

નેગવુ (कि) खाना, भक्षण करना, भोजन करना, खा लेना।

નેગાહ (स.) नजर, दृष्टि, आँख, नेत्र, चितवन, देख, परख ।

નેચા (सं) हुक्केकी नली, हुक्के की वह नली जिसपर चिलम रखी जाता है ।

નેજારા (सं.) नजारा, तिरछी, चितवन, दृगबाण, कटाक्ष ।

નેજો (स.) बल्लम, भाला, बर्छा, शूल ।

નેટ (कि. वि.) निश्चयपूर्वक, अवश्य दृढ, पक्का, अवश्यंभावी ।

નેડે (वि.) पास, निकट, नजीक, समीप, नजदीक, कने ।

નેડો (सं.) स्नेह, प्रेम, प्रीति, मुहब्बत, छोह, मिहरबानी ।

નેણુ (સં.) આંખ, નેત્ર, ચક્ષુ, દૃષ્ટિ, અક્ષિ, નયન ।

નેતર (સં.) બેત, એક વૃક્ષવિશેષ જિસકી શાખા કી છડ઼ી બનતી હૈ, નેત્ર, આંખ, ચક્ષુ ।

નેતરૂં (સં.) દહી મથતે સમય દઈ કો થામનેવાલી રસ્સી, મથાની કી રસ્સી ।

નેતા (સં.) અગ્રગામી, અગુવા, પથપ્રદર્શક, પ્રધાન, મુખ્ય, શ્રેષ્ઠ, વ્યવસ્થાપક, મહાત્મા, સુપથગામી ।

નેતિ (વિ.) અનન્ત, નહીં, ઐસા નહીં, જિસકા પાર ન હો, અપાર।

નેત્ર (સં) ચક્ષુ, નયન, અક્ષિ, આંખ।

નેત્રકટાક્ષ (સં.) ઇશારા, સૈન, આંખ કી માર, નજારા, તિરછી ચિતવન ।

નેત્રપલ્લવી (સં.) આંખો કા ઇશારા, આંખોં કી ઝપકી કા સંકેત ।

નેત્રસંકેત (સં.) આંખોં દ્વારા કિયા હુવા ઇશારા, નજ઼ારાબાજી ।

નેન (સં.) દેખો નેણુ

નેત્રવૈદ્ય (સં.) ડાક્ટર, જો આંખો કા ઇલાજ કરતા હો, નેત્ર ચિકિત્સક, આંખોં કા હકીમ ।

નેપથ્ય (સં.) વેશ, અલઙ્કાર, ભૂષણ, રંગભૂમિ, વેશસ્થાન, પરદા,

નેપાળો (સં) એક ઔષધી વિશેષ જો ગુલ્લાબ કે કામમેં આતી હૈ।

નેપુર-ઉર (સં.) સ્ત્રિયોં કે પૈરોંમેં પહિરને કા શબ્દ યુક્ત આભૂષણ, નૂપુર, પાયજેબ, પૈરમેં પહિનનેં કા ભૂષણ ।

નેફો (સં.) ચુન્નટ કે પટ્ટી લગી હુઈ જિસમેં નાડાડોરી યા ઘાગા ડાલા જાતા હૈ, જૈસે ઘાઘેર અર્થાત્ લહંગે આદિમેં ।

નેમ (સં.) નિયમ, વેળા, સમય, રૂઢ, કાયદા, નિશ્ચય, એક તીર્થંકર।

નેમિ (સ.) પાની ભરને કે લિયે કુએ પર જો લકડ઼ી કા ચૌકઠા લગાયા જાતા હૈ ।

નેમણ્ક (સં.) દેખો નિમણ્ક ।

નેમવું (ક્રિ.) દેખો નિમવુ ।

નેરૂં (વિ.) ન્યારા, અલગ, જુદા, પૃથક । [સમીપ, કને ।

નેર (વિ.) નજ઼દીક, પાસ, નિકટ,

નેરૂં (સં.) વર્ષાઋતુ મેં વહ છોટા ગઢ્ઢા જિસ મેં સે જળ બહતા હો ।

નેવ-વાં (સં.) છપ્પર કે ઊપર કે ખપરૈલો કે છિદ્ર, વહ જલ જો ખપરૈલોં પર સે ગિરતા હો, ખપરૈલોં કી વહ નાળી જિસ મેં સે પાની બહકર નાચ ગિરતા હૈ ।

નેરે ચઢવું (ક્રि.) भूलजाना, विसरजाना, विस्मरण होजाना ।

નેવર (सं.) पायजेब, नूपुर, आभूषण विशेष, पदाभूषण ।

નેવલ (सं.) बेड़ी, जंजीर, बंधन, पैरों में डाली जाने वाली लोहे की बेड़ी ।

નેવલે (क्रि. वि.) वह जल जो कि खपरेलों में से खूब गिरता है।

નેવાણી (सं.) वह स्थान जहा पर खपरेलों मे से पानी गिरता है।

નેવાળો (सं.) कौर, टुकड़ा, ग्रास, लुकमा ।

નેવું (सं.) नब्बे, दसकमसौ, ९० ।

નેવ્યાસી (सं.) एक कम नब्बे, ८९ संख्या विशेष ८० और ९ ।

નેશ–સ (वि.) कम नसीबका, फूटे भाग्यका, दरिद्री, कंजूस, अपशकुनी ।

નેસ (सं.) ग्वालो की झोंपड़ी, वह झोंपड़ियां, जहां पशु चराते हैं वहां चर वाहे बांधते है जो. वे झोंपड़ी जो पशु चराने वाले जंगल में बांध लेते हैं ।

નેસ્તી (सं.) बांदरे का कनिया, मन्थी आदि धंधा करने वाला । गांव में परचूनी की दुकान करने वाला ।

નેહ (सं.) आस्था, यकीन, विश्वास, निष्ठा, पत, मसौसा ।

નેહ (सं.) स्नेह, प्रेम प्यार, प्रीति, चिकनाहट, चिकणता ।

નેહડો (सं.) पूर्ववत् ।

નેહરી (सं.) नास्ता, कलेवा, ठुंगार, फलाहार, जलपान, प्रातः-कालीन भोजन ।

નેહાવ (सं.) देखो नीरभ ।

નેહેમી (क्रि. वि.) हमेशा, सदैव, सदा प्रतिदिन, सर्वदा, नियम पूर्वक ।

નેહેર (सं.) नहर, कृत्रिम नदी, खेतो मे जल पहुंचाने के लिये नदी से लिए हुए जल के लेजाने का मार्ग, कृत्रिम नाला ।

નેળ (सं.) तंग गली, तंग नाली, नल, सकरामार्ग, हुक्का की नली ।

નેળચો (सं.) नय, नैचा, हुक्का में लगाने की नलिका जिसपर चिलम रखते हैं ।

નૈઋત–ત્ય (सं.) कोण विशेष । उपदिशा, दक्षिण और पश्चिम के बीच । [लिख, उपस्थेन्द्रिय ।

નૈઠ (सं.) पुरुषेन्द्रिय, लिंग,

નૈષત (वि.) चित्तवृत्ति, निष्ठा, मीयत, विचार, मनोकामना ।

नैयायिक (सं) न्यायशास्त्र विशारद, तर्कशास्त्रविशारद, न्याय पढ़ानेवाला।

नैवी (सं) नाखून से लगते हुए चमड़े का एक आधा भाग।

नैवेद्य (स.) देवता को चढ़ाने की कुछ भक्ष्य सामग्री, प्रसाद, नैवेद्य भोग।

नैष्ठिक वि.) कर्म क्रिया करने मे तत्पर, निष्ठायुक्त, विश्वासवाला धर्मनिष्ठ, आमरण, ब्रह्मचर्यपूर्वक। गुरुकुल में रहनेवाला ब्रह्मचारी।

नैष्ठिक ऊर्ध्वरेता (सं.) आजन्म ब्रह्मचारी, बालब्रह्मचारी, निष्ठापूर्वक ब्रह्मचर्य।

नैर्ऋतकोण (स.) प्राचीन समयमें भारत के अग्निकोण का एक भाग वर्तमान में बंगाल देश का एक भाग।

नैसर्गिक (वि.) स्वाभाविक, स्वभाव निर्मित, कुदरती, दैवी।

नो (क्रि. वि.) नही, ना, मत, निषेधार्थक, (उप॰) षष्ठी का प्रथम, को।

नोक (सं.) नोक, अणी, अग्रभाग, मुखा, अंतिमसम्मान, सुंदर, शोभायमान।

नोकार (वि.) नुकीला, तेज, पैना, निशित, स्वयं सम्मानी, आत्मश्लाघी।

नोकर (सं.) दास, सेवक, भृत्य, चाकर, किंकर, गुलाम, खिदमतगार।

नोकरी (सं.) सेवा, चाकरी, दासता, गुलामी, नौकर का वेतन।

नोकार (सं.) प्रार्थना (जैनों में)

नोकारवली (स.) प्रार्थना करने की माला, (जैन धर्म में)।

नोकारसी (सं) जो जैन मतवालो को भोजन करावे।

नोख (स.) ढंग, बनावट, डौल, सूरत, शक्ल, ढांचा, रूपरेखा।

नोखुं (वि.) जुदा, अलग, निराला पृथक, अलाहिदा।

नोज (सं.) पशुओं का दूध निकालने के समय पिछले पैरों में बांधी जानेवाली रस्सी, न्यानड, सेला।

नोट (सं) सूचना, टिप्पणी, विवरण, कैफियत, नोटबुक, कागज का सिक्का, कागजका की चिट्ठी, टीका, फुटनोट। [बुलावा।

नोतरु (सं.) निमंत्रण, न्योता,

નોતરવું (ક્રિ.) નિમંત્રણદેના, ન્યૌતादेना, बुलावादेना, आव्हान करना, बुलाना ।

નોતરિયો (सं.) बुलावा देनेवाला न्यौता देनेवाला, निमंत्रणदेनेवाला।

નોતરૂં (सं.) न्यौता, निमंत्रण, आमंत्रण, बुलावा, एजन ।

નોંધ (सं.) नोटबुक, स्मरणार्थ-लिखाहुवा, याददास्ती के लिये लिखित, स्मरणपुस्तक, टिप्पण, याददाश्त बीजक ।

નોધણિયો-ધણો (सं.) छोकरा, लड़का, छोरा, लौंडा बालक ।

નોધણી (सं.) छोकरी, छारी, लड़की, कन्या, बालिका, लौंडिया ।

નોંધવું (क्रि) नोट करना, स्मरण पुस्तक में लिखलेना, रजिस्टर में दर्जकरना । [अल्प ।

નોંધવું (वि.) छोटा, थोड़ा कम,

નોંધર (वि.) आधाररहित, निराश्रित, बेसहारा, आश्रयहीन ।

નોંધારૂં (वि.) पूर्ववत् ।

નોબત (सं.) नगारा, बड़ाढोल, बक्कारा, दुंदुभि, पणव ।

નોબતખાનું (सं.) जहांपर नौबत रखकर बजाई जाती हो, दुंदुभि बजाने का घर ।

નોમ (सं.) नवमी, तिथि विशेष, पक्ष का नवम दिन, चांद्र मास की नवीं तिथि । [नहीं ।

નોય (क्रि. वि.) नहोय, नहो.

નોર (सं.) रेल में बैठने तथा माल लेजाने का भाड़ा, किराया ।

નોરતાં (सं.) नवरात्रि, नवदुर्गा, आश्विन शुक्ल प्रतिपदा से नवमी तक, चैत्र शुक्ला १ से ९ मी तक।

નોરવવું (क्रि.) चलते बनना, हारमानना, चलेजाना ।

નોરા-રી (सं.) आजिज़ी, दीनता, हाहा, निहोरा ।

નોહોતરવું (क्रि.) न्यौतादेना, बुलावादेना, निमंत्रणदेना, एजनदेना । [निमंत्रण, बुलावा ।

નોહોતરૂં (सं.) आमंत्रण, न्यौता,

નોહોર-રિયું (सं.) नाखूनो से उखड़ाहुवा जमड़ा, नखक्षत ।

નોળ (स.) भाड़ा, किराया ।

નોળ-ળિયો (सं.) नेवला, नकुल नेवले की जाति का एक जानवर ।

નોળવું (क्रि.) धोके साफ करना, मांज धो के स्वच्छ करना ।

નોળિયો (सं.) नेवला, नकुल, एक प्रकार का छोटा प्राणी जो सांप और चूहे आदि को खा जाता है ।

નૌળીકર્મ (સં.) યોગ માર્ગ की एक क्रिया (नाक से पानी भरना निकालना इत्यादि) बदमाशी, चालाकी ।

નૌળીનોમ (સં.) श्रावण, शुक्लो नवमी, श्रावण मास के चांदने पक्ष को नवी तिथि ।

નૌકા (સં.) नाव, डोंगी, जलयान

નૌકાદંડ (સં.) नाव को डंडा, पतवार ।

નૌકાગમન (વિ.) समुद्रयात्रा, जलयात्रा, विदेश गमन ।

નૌકાશાસ્ત્ર-ચયન (સં.) नाविक, विद्या, समुद्रविद्या, नौकाविद्या, नाव विषयक ज्ञान, मल्लाही, मांझीगरी, जहाज़रानी ।

નૌકા સેનાપતિ (સં.) समुद्री सेना का स्वामी, दरियायी फौज का अफसर ।

નૌકા સૈન્ય (સં) समुद्रीसेना, जलसेना, दरियाई फौज, जहाज़ी बेड़ा ।

નૌતમ (વિ.) नया, नवीन, नूतन, नव, उम्दा, सुन्दर, ताजा, उत्तम, शोभित । [कोम, ज्ञाति ।

ન્યાત-તિ (સં.) जाति, जात,

ન્યાતિલું (વિ.) देखो नातिलुं ।

ન્યાય (સં.) इन्साफ, सच्चे झूठे का निर्णय, त्रैलक्ष्य, नीति, युक्ति, यथार्थ, उचित, तर्कशास्त्र, विचार, वितर्क, विवेचना ।

ન્યાયસભા (સં.) न्यायाधीश का समाज, न्यायालय, विचार सभा ।

ન્યાયશાસ્ત્ર (સં.) तर्क शास्त्र, नीतिशास्त्र ।

ન્યાયાગાર (સં.) अदालत, कचहरी, कोर्ट, न्यायालय, इन्साफ करने की जगह, धर्माधिकरण, विचारगृह ।

ન્યાયાધિકારી (સં) न्याय करने वाला, मुन्सिफ, जज्ज, न्यायक, न्यायकर्त्ता ।

ન્યાયાધીશ (સં.) न्यायी, न्यायकारी, विचारक, जज्ज, न्यायकर्त्ता ।

ન્યાયાસન (સં.) न्यायाधीश की बैठक, जज्ज के बैठने की जगह, विचारक का आसन ।

ન્યાયી (વિ.) मध्यस्थ, उचित करने वाला, न्यायकर्त्ता, वाजिबी मुनासिब । [प्रशस्त ।

ન્યાય્ય (વિ.) उचित, यथार्थ,

ન્યારું (વિ.) अलग, पृथक्, भिन्न, अतीरिक्त, जुदा, निराला ।

[illegible] (वि.) द्रव्य से भरपूर, पूर्ण, कृतार्थ, जिस के मनोरथ पूर्ण हो गये हों, निहाल।

[illegible] (सं०) इन्साफ, न्याय, मार्ग, नीति, क्रिया, विधि, रीति।

[illegible] (सं.) रखने योग्य धन आदि, अर्पण त्याग, तान्त्रिक, क्रिया विशेष।

[illegible] (सं.) वैरागी, त्यागी।

[illegible] (वि.) देखो [illegible]।

[illegible] (क्रि.) जी लगाकर देखना, मिहनत से देखना, विचारना, ध्यान करना, ग़ौर से देखना

[illegible] (स.) अखबार, समाचारपत्र, सवादपत्र, न्यूज़पेपर।

[illegible] (वि.) असम्पूर्ण, किंचित, थोड़ा, अल्प, कम, छोटा।

[illegible] (सं०) छुटाई, नीचतापन, कमी, ओछाई।

[illegible] (वि.) जियादा कम, थोड़ा बहुत, अल्पाधिक, कमोबेशी

[illegible] (सं.) नहर, कृत्रिम नदी, कृषि आदि कार्य के लिये नदी में से लिया हुआ जल का मार्ग।

प

[illegible] (सं.) इक्कीसवां व्यंजन, गुजराती वर्ण माला का २२ वां अक्षर, पवर्ग का प्रथम अक्षर, पत्र, पत्ता, पवन, रक्षा करने वाला पालक, (शब्दान्त में आने पर) पीनेवाला, जैसे मधुप, मद्यप।

[illegible] (सं.) ¼ पैसा, पाई पैसे का तीसरा भाग। [चक्का, गिरी।

[illegible] (सं.) पहिया, चक्र, चाक,

[illegible] (सं.) द्रव्य, धन, सम्पत्ति, पूंजी, रुपया, पैसा, टका।

[illegible] (स.) पाव आना, ¼ आना, तीनपाई की कीमत का तांबे का सिक्का। [चर्ख़ी, चकरी।

[illegible] (सं.) खराद, चक्र यंत्र,

[illegible] (स.) ग्रहण, धरन, रोक, कब्जा, पंजा, अवलम्बन, दाव, (भूलकी) पकड़ कोई वस्तु डालने का औजार, पकड़ने का यंत्र, अम्बूर, सनसी।

[illegible] (क्रि.) थामना, पकड़ना, सभालना, डालना, ढूंढना, तलाश करना, प्राप्त करना। ग्रहण करना लेलेना, कब्जा करना।

[illegible] (सं) सम्मन, वारंट, पकड़ने का आज्ञापत्र, गिरफ्तार करने का परवाना।

[illegible] (क्रि.) पकड़ाना, थमाना, गिरफ्तार कराना, कब्जे में करा देना।

પકડી લેવું (ક્રિ.) પકડ લેના, ગ્રહણ કરલેના, ગિરફ્તાર કરલેના।

પકવું (વિ.) ચૌડા, વિસ્તીર્ણ, વિશાળ, દીર્ઘ ।

પકવવું (ક્રિ.) રાંધના, પકાના, સેકના, તપાના, ગર્મ કરના ।

પકવવી (સં.) ખેતી, કૃષિ, ઓત, બાગ । [ધી મેં બની હુઈ સામગ્રી।

પકવાન (સં.) પક્વાન્ન, મિઠાઈ,

પકવાસો (સં.) ચક્ર યંત્ર, ખરાદ, કુમ્હાર કી ધરન અથવા કઢી કે સાથ જડી હુઇ તખ્તે કી ખપચ્ચી યા ચીપ ।

પકડાવું (વિ.) ભેદ, પ્રપંચ કી સમઝ, સામને સે ઝુલ્ફાઈ દેખકર ઝુલ્ફાઈ કરના ।

પકું (વિ.) પક્કા, દૃઢ, મજબૂત, પુખ્તા, નિશ્ચય, ઠીક, સત્ય ખરા।

પકવ (વિ.) પકા હુવા, પરિપક્વ, સિકા હુવા ભુના હુવા ।

પકાવવું (ક્રિ.) દેખો પકવવું

પક્ષ (સં.) બાજૂ, પક્ષવાડા, અર્દ્ધ ભાગ, આદ્ય પક્ષ, તરફ ઔર, બાંધવ, સહાય, મત, વિચાર, આશ્રિત, ટુકડી, વર્ગ, સમૂહ, બાદ વિષય બલ, વિરોધ, મિત્ર, પર, કથન, કૈના, અખ્તીયાર, દલ, પાર્શ્વ, બાજૂ, તરફ, ઔર, પક્ષ, પક્ષ-પક્ષ, પક્ષક પક્ષ, રાયદહસ્તી ।

પક્ષકાર (સં.) પક્ષ કરનેવાલા, તરફદાર, બીચ બોલનેવાલા, સહાયક, પક્ષ લેનેવાલા ।

પક્ષ કરવો-ખાં રહેવું (ક્રિ.) તરફદારી કરના, ઔર રહના, સહાયતા કરના, પક્ષમેં રહના, સહાય્ય દેનેવાલા।

પક્ષપાત (સં.) અનુચિત સહાયતા, દાન, એક ઔર ઝુકાવ, તરફદારી, સ્નેહ સમ્બન્ધાદિ કે કારણ અન્યાયયુક્ત સાહાય્ય ।

પક્ષપાતી (વિ.) પક્ષપાત કર્ત્તા, અનુચિત સહાય્યદાતા, અન્યાય સે એક પક્ષકી સહાયતા કરનેવાલા, તરફદાર, પક્ષકાર

પક્ષવાદી (સં.) વકીલ તરફસે બોલનેવાલા, બીચ બોલનેવાલા બીચ્

પક્ષવાયુ (સં.) રોગ વિશેષ, કિસી અંગ કા અબશ હો જાના, એક પ્રકાર કા વાત રોગ ।

પક્ષા (સં.) પક્ષ, દલ, ટુકડી, પાર્શ્વ, બાજૂ, તરફ, ઔર ।

પક્ષઘાત (સં.) આધે અંગ કા વાત રોગ વિશેષ, એક પ્રકાર કા વાત રોગ ।

પક્ષાપક્ષી (સં.) તરફા તરફી, પાર્શ્વતા ।

પક્ષાલન (સં.) ધોવન સાફ કરને કી ક્રિયા ધોનેકા કાર્ય્ય, પરિષ્કરણ ।

પક્ષિણી (સં.) માદાપરિન્દ, પક્ષી (સ્ત્રી લિંગ) દો રાત્રી ઔર એક દિન ।

પક્ષી (સં) પક્ષ વિશિષ્ટ, વિહંગમ, પખેરૂ ચિડિયા, પખેરૂ, બાણ, તીર ઉડનેવાલા જીવ, પંછી, પંખી, સાથી, સમાજી ।

પક્ષીકળા (સં.) ચિડિયા પકડને કી વિદ્યા, પક્ષિ વિદ્યા પક્ષી વિષયક જ્ઞાન ।

પક્ષીકાળા (સં.) પક્ષિયોં કે રહને કી જગહ, ઘોંસલા ચિડિયા ઘર, કબૂતરખાના ।

પક્ષે (ક્રિ. વિ.) વિકલ્પતાયુક્ત, એક દૃષ્ટિ મેં, યહ ભી ઠીક ઔર યહ ભી ઠીક ।

પક્ષ્મ (સં.) દેખો પક્ષ્મ

પક્ષ્મવાદ્ય (સં.) વાદ્ય વિશેષ, જિસ કે દોનોં તરફ બજાને કા હોતા હૈ, મૃદંગ ।

પક્ષ્મવાદ્યજ્ઞ (સં.) મૃદંગ બજાનેવાલા, તબલચી, પખાવજ બજાનેવાલા ।

પક્ષવાડિયું-ડું (સં.) પન્દ્રહ દિન, અર્દ્ધ માસ, શુક્લ પક્ષ, કૃષ્ણ પક્ષ, પક્ષા

પક્ષવાની (સં.) વહ સીંક અથવા તિનકા યા પંખ વિશેષ જિસે સ્ત્રિયાં અપને કાનોંમે કાનોં કે છેદ બઢાને કે લિયે ડાલતી હૈં ।

પક્ષાજં (સં.) દેખો પક્ષવાજ

પક્ષાજ્ઞ (સં.) દેખો પક્ષવાજ્ઞ

પક્ષાલ (સં.) મસક, બડી મસક ચર્મ નિર્મિત જલપાત્ર, પાની ભરનેકા ચમડા ।

પક્ષાલી-લ્લિની (સં.) મસકવાલા, ભિશ્તી, પાનીવાલા, બૈલ અથવા પાડે પર યા અપને કંધે પર મસક દ્વારા પાની લેજાનેવાલા ।

પક્ષું (સં.) પક્ષ, તરફ, દલ, ભાગ, પાર્શ્વ ।

પક્ષે (ક્રિ. વિ.) બિના, સિવાય ।

પક્ષોડવું (ક્રિ.) પછાડના, ઝકોરના, પટકના, દેમારના, ઝંઝોડના ।

પક્ષ્મ (સં.) પદ, પૉંવ, પૈર, ચરણ, જોડ, પાયા, ટાંગ, કદમ ।

પક્ષ્માવવા-વ્યા (વિ) તેજીસે ચલના, શીઘ્રતાસે ચલના, જલ્દી ચલના।

પક્ષ્મોદ્ભેદ (સં.) કુલ, વંશ, સંતાન,

પગલા (સં.) પૈસે પર બિન્દુ યા અન્ય કિસી પ્રકારકા ચિન્હ ।

પગલું (સં.) પાંસે પર યા ઠપ્પે પર કિસી પ્રકારકા ચિન્હ વિશેષ ।

પગલું (વિ.) બહુત, વિશેષ, અધિક, ઘના, વિશાલ, દીર્ઘ, વિસ્તૃત ।

પગથાર (સં.) સમાન બૈઠક, સીધી બૈઠક, કમ સીઢિયોંકા બૈઠનેકા સ્થાન ।

પગથારિયું (સં.) સીઢી, નસેની, પૈડ઼ે, ચઢાવ, જીના, સોપાન ।

પગથિયું (સ) પૈર રખકર ચઢને કે લિયે ઈંટકે કે પત્થરકે અથવા કાષ્ટ નિર્મિત સોપાન, નસેની, જીના ।

પગથી (સં.) પગદણ્ડી, પગડણ્ડી, ઘાસ ઇત્યાદિ મેં એક મનુષ્ય કે જાને યોગ્ય બના હુવા માર્ગ, પદ-ચિન્હ, લીક, ગુપ્ત માર્ગ, બિના બનાયા હુવા માર્ગ, પૈરોં દ્વારા બના હુવા રાસ્તા ।

પગદંડી (સ.) સ્વતન્ત્ર માર્ગ, આઝાદ રાસ્તા, બના હુવા રાસ્તા, આને જાનેકા માર્ગ ।

પગમોજે (સં.) પૈરોં મેં પહિરને કા મોજા, જુરાબ । [મુદ્દા ।

પગર (સ.) બાલ, અન્ન કા સિરા

પગરખું (સં.) જૂતે, પદત્રાણ, પગરખી, પૈર કી રક્ષા કે લિયે બનાયા હુવા, જૂતી, એક તલ્લેકા જૂતા ।

પગરવ (સં.) ઉત્સવ, ખુશી, આનન્દ, જનેઊ વિવાહ આદિ ઉત્સવ, શુભ અવસર ।

પગરવું માંડવું (ક્રિ.) આરંભ કરના, શુરૂઆત કરની, પ્રારભ કરના ।

પગરવટો (સં.) પૈરોં કા શબ્દ ચલને કી આવાજ । [પાદ ।

પગલી (સં.) મોરકા પંજા, મયૂર

પગલું (સં.) પૈરકા નિશાન, ડગ, કદમ, સીઢી, જીના, સોપાન, પગ, પૈર ।

પગલું ભરવું (ક્રિ.) આગે કદમ બઢાના, પૈર બઢાના ।

પગલે પગલે (સં.) બારમ્બાર, પુન-મ્પુનઃ હરદમ, સદૈવ, હમેશા ।

પગવાટ (સં.) પગડણ્ડી, પૈરોં સે બના હુવા માર્ગ ।

પગવાટે (ક્રિ. વિ) કચ્ચે રસ્તે, ખુશ્કી રાસ્તે, પૈદલ પગડણ્ડી દ્વારા । [માસિક મજદૂરી ।

પગાર (સં.) વેતન, તનખ્વાહ,

પગી (સં.) ખોજ નિકાલનેવાલા, પાદ ચિન્હોં દ્વારા ચોરી આદિ ઢૂંઢને વાલા ।

પંક્તિજન્મ (સં.) પૈદા હોતે સમય શિશુકે પ્રથમ પૈર બાહિર આયે હો પૈરોં કી ઓર સે ઉત્પન્ન ।

પંગેરું (સં.) ભાગે હુએ ચોર કે પાદ ચિન્હોં કી જાંચ ।

પંગળવું ક્રિ) ગલના, પિઘલના, ટિપલના, દ્રવહોના, પતલા હોના ।

પંગાવું (ક્રિ.) જગહ જગહ પ્રખ્યાત હોના, મશહૂર હોના, નામપાના કીર્તિપાના ।

પંગામલું (વિ.) પ્રસિદ્ધ, મશહૂર, પ્રખ્યાત, નામી, યશસ્વી, કીર્તિમાન।

પંગિત (સં.) સજાતીય સસ્થાન વિશેષ એક સમાજ ક મનુષ્યોં કી બૈઠક, પાંતિ, પાત, પગ્ગત, ધારી, કકીર, શ્રેણી, કતાર, પદ્ય કા છન્દ વિશેષ, પૃથ્વી, ગૌરવ પ્રતિષ્ઠા, જનસમૂહ, સભા ।

પંગિતદોષ (સં.) સહકારિતા કા દોષ, સમાજદોષ, જાતીય અપરાધ, પંગત દોષ ।

પંગિતબહાર-બાર્‌ (વિ.) જાતિ સે બાહિર, જાતિચ્યુત, સમાજ સે પતિત ।

પંગિતભેદ (સં.) જાતિભેદ, પાંતિ-ભેદ, જાતીય અંતર, સમાજ ભેદ, છોક ।

પંગિતયોગ્ય (વિ.) જાતિ મેં અથવા સમાજ મેં સમ્મિલિત હોને યોગ્ય, પાંતિ મેં બૈઠને યોગ્ય ।

પંગિત વ્યવહાર-સમાર (સં.) જાતીય વર્તાવ, સામાજિક વ્યવહાર રોટી વ્યવહાર ।

પંચ (સં.) દેખો પાંચ ।

પંચવા (સં.) દેખો પક્ષાઘાત ।

પંચવાયુ (સં) રોગ વિશેષ ।

પંચાળિયું-ળી (સં.) એક પ્રકાર કા ચાંવલ શાલિ વિશેષ ।

પંખિયું (સં) પાંખવાળા, સપક્ષ, પક્ષી, વાણ, તીર, પરિન્દ, પક્ષયુક્ત ।

પંખી (સં.) પક્ષી, ચિડિયા, વિહંગ, પરિન્દ, પાંખોંવાલા, નભચર ।

પંગત-ળી (સં.) દેખો પંક્તિ ।

પંગુ-ગુ (સં.) લંગડા, લૂલા, બે પૈરકા, ધીરે ચલને વાલા, ખંજ, ખોડા, જંઘાહીન, ચલને મેં અસમર્થ ।

પંચ (વિ.) પાંચ, સંખ્યા વિશેષ, પાંચ મનુષ્યોં કી સભા, ન્યાયકર્તા ।

પંચક (સં.) ધનિષ્ઠા નક્ષત્ર સે પાંચ, ધનિષ્ઠા, શતભિષા, પૂર્વા ભાદ્રપદ, ઉત્તરા ભાદ્રપદ, રેવતી, પાંચકા સમૂહ ।

पंचमहा॰-यज्ञी (वि.) मनुष्य के पाँच कर्तव्य कर्म, अग्निहोत्र संध्या बलिवैश्व देवादि पांच कर्म।

पंचमुंडासन (सं.) उत्क्षेपण, अवक्षेपण, प्रसारण और गमन, ये पांच न्याय प्रसिद्ध कर्म। वमन, रेचन नस्य, निरूहण और अनुवसन, ये पाँच वैद्यक शास्त्र के कर्म।

पंचमुखी (सं.) वह घोड़ा जिसमें पांच शुभ चिन्ह हों।

पंचरत्न (सं.) जौजार विशेष।

पंचरंगी (सं.) खिचड़ी, गोल माल, गड़बड़, विजातीय मेल।

पंचराज-य (स.) आत्माके रहने के शरीरस्थ पांच परदे, अन्नमय, प्राणमय, मनोमय, विज्ञानमय और आनन्दमय।

पंचगव्य (सं.) गऊ से उत्पन्न पाँच पदार्थ, दधि दुग्ध, घृत, मूत्र, और गोबर, (प्रायश्चित्त विशेष में आत्माकी शुद्धि के निमित्त इनका सेवन किया जाता है)

पंचतत्त्व (सं.) पंचभूत, पृथ्वी, जल, वायु, आकाश, और तेज, तन्त्र शास्त्रोक्त-मद्य, मांस, मत्स्य मुद्रा और मैथुन का वाचक।

पंचतन्मात्र (सं.) सूक्ष्म पंच भूत, रूप, रस, गंध, स्पर्श, और शब्द।

पंचतंत्र (सं.) विष्णुशर्मा संस्कृत इस नाम से प्रसिद्ध नीति ग्रंथ।

पंचतीर्थ (सं.) प्रयाग, पुष्कर, नैमिष, विश्रांति और शूकर।

पंचपात्र (सं.) पांच धातुओं के मिश्रण से निर्मित गिलास, द्विजातीयों के पूजामें पानी भरकर रखने का पात्र, इस में रखी हुई चमची को आचमनी कहते हैं।

पंचपाँचड़ी (सं.) बिलकुल कच्चे मतका, कच्चे मजहब का अत्यंत धूत।

पंचप्राण (सं.) शरीरस्थ प्राणादि पंच वायु, प्राण, अपान, व्यान, उदान, समान।

पंचबाण (सं.) कामदेव के पांच तीर, कमल, अशोक, आम्रमंजरी, नव मल्लिका और नील कमल।

पंचभद्र (सं.) हृदय, मुंह, पीठ, कमर, बगल में भ्रमरयुक्त अंग।

पंचभूत (सं.) पंचतत्व, पृथ्वी, जल, आकाश, तेज, वायु।

પંચમેલ (વિ.) પંચમેલ, મિશ્રણ, ગડબડ ખિચડી ।

પંચમત (સં.) પંચોકી આજ્ઞા, પંચ ફૈસલા ।

પંચમહાપાતક (સં) પાંચ બડે પાપ, બ્રહ્મહત્યા, સુરાપાન, ગુરુ-નિંદા, સોને કી ચોરી, પાપી કા સંગ ।

પંચમહાયજ્ઞ (સં.) ગૃહસ્થિયોં કે નિત્ય કર્તવ્ય પાંચ યજ્ઞ, બ્રહ્મ યજ્ઞ, પિતૃ યજ્ઞ, દેવ યજ્ઞ, ભૂત યજ્ઞ, ઔર નૃ યજ્ઞ ।

પંચમૂત્ર (સં.) પાંચ મૂત, પાંચ પેશાબ, ગાય, ભૈંસ, બકરી, મેંઢી ઔર ગધી કા મૂત્ર ।

પંચમૂળ (સં.) શાલપર્ણી, પૃષ્ટ-પર્ણી, રીંગણી, ગોખરુ ઔર ડોરલી પાંચ ઔષધિયોં કી જડ ઔષધિ વિશેષ ।

પંચરત્ન (સં.) પાંચ પ્રકાર કે રત્ન સુવર્ણ, રૌપ્ય, મુક્તા, સ્ફાટિક, તામ્બા ।

પંચરસ-સિ-સિયું (વિ.) નાના પ્રકાર કે મિશ્ર મિશ્ર, પાંચ અથવા અધિક રસ ।

પંચરાશી (સં.) પંચરાશિક (ગણિત મેં) હિસાબ કી ક્રિયા, જિસમેં પૈરાશિક ।

પંચવક્ત્ર (સં.) પંચવદન, પાંચ મુંહવાલા શિવ, મહાદેવ, શંકર ।

પંચવિષય (સં.) પંચ જ્ઞાનેન્દ્રિય, મન, આંખ, કાન, નાક જિહ્વા ઔર ત્વચા ।

પંચાયતદાર (સં.) પંચ, પંચાયત કરનેવાલા મુન્સિફ ।

પંચાયેત (સં.) જાતીય સભા, વિચાર કરનેકી સભા, પંચોકી સભા ।

પંચાગ્નિ (સ.) પાંચ પ્રકારકી અગ્નિ, જઠરાગ્નિ, કોષાગ્નિ, કામાગ્નિ, દાવાગ્નિ, વડવાગ્નિ ।

પંચાંગ (સ.) પત્રા, જંત્રી, કેલેંડર, પત્રિકા, પાંચોં અંગ, તિથિ, વાર, નક્ષત્ર ઔર કર્ણ પ્રદર્શક, વૃક્ષકે ત્વક્ પત્ર, પુષ્પ મૂળ ઔર ફળકા સમાહાર, પુરશ્ચરણમેં જપ, હોમ તર્પણ, અભિષેક ઔર વિપ્રભોજન ।

પંચાણું (સં.) ૫ કમ સૌ, નબ્બે ઔર પાંચ, પિચ્યાનવે, ૯૫ ।

પંચાત (સં.) કિસી વિષય કે નિર્ણયાર્થ પાંચ યા અધિક સદસ્યોં કા સમાજ, જાતીય સભા, તકરાર, ફસાદ, ઝગડા, ઉપદ્રવ, ટંટા ।

પંચાતણેાર (વિ.) ઝગડાલૂ, ઉપદ્રવી, ઝઘમી ।

पंचलक्षण्यु (सं.) कैसला जो पंचोंने किया हो, पंचनामा, पंचों-कीलिपिबद्ध आज्ञा।

पंचजातिय्-ती (वि.) वह काम जो पांच मनुष्यों के विचार से हो, जातीय। [आजगड।

पंचाती (सं.) तकरार, फसाद.

पंचामृत (सं.) शर्करा दुग्ध, दधि, घृत और मधु जिससे देवता-ओको स्नान कराते हैं और पीते हैं।

पंचामृत योग (सं.) गिलोय, गोखरू, मूशली, गोरखमुंडी और शतावरि इन पांच औषधियों का योग।

पंचाल (वि.) छुचाई, ठगी,(सं.) ठग लुच्चा, गुण्डा, बदमाश।

पंचावन (वि.) पचपन, ५५, पचास और पाच, संख्या विशेष।

पंचासी-च्यासी (वि.) अस्सी और पाच, ८५ पिच्यासी, पचासी

पंचासी (सं.) खजूर के अवयवों द्वारा बनी हुई रस्सी।

पंचाळ (वि.) लुच्चा, ओछा, नीच, धूर्त मक्कार, कपटी।

पंचाळी (सं.) द्रौपदी, पांचवो की पत्नी, बकची, गप्पी, वाचाल बातूनी अथवा बकची (स्त्री)

पंचिंधु (सं.) पंच, धोती के स्थान पर बांधा जाने वाला पांच हाथ लम्बा वस्त्र, छोटी धोती।

पंची-छी (सं.) मसखरी, ठट्ठा, मजाक, दिल्लगी, दुष्ट, गुण्डा, बदमाश।

पंचीकरण (सं) पांचको एक जगह एकत्र करनेकी क्रिया, भिन्न भिन्न गुण वाले आकाशादि पंच तत्वों का देह, आदि सृष्टि के लिये ईश्वर शक्ति से जो अनुकूल संमिश्रण होता है।

पंचोतेर (सं.) पचहत्तर सत्तर और पांच, ७५, ५ कम अस्सी।

पंचोपाख्यान (सं.) इस नामकी एक प्रसिद्ध पुस्तक।

पंचभाग (सं.) ब्राह्मण को यजमान के घर नित्य प्राप्त होने वाला पांच पकार का अन्न।

पंजर (सं.) शरीर की हड्डियों का समूह, पांजर, पसली, ठठरी, पिंजरा, पक्षियों को बंद करने का घर।

पंजरी (सं.) पंजीरी, एक प्रकार का देवता का प्रसाद, अजवायन सोपरा खसखस चिरौंजी और खांड के मिश्रण से बना हुआ पदार्थ।

પંજરી (સં.) દેખો પંજણરી

પંજો (સં.) તાણમેં પાંચ ચિન્હ યુક્ત, પાંચ અંગુલિયોં યુક્ત હાથ, કિસી બડે આદમી કે હસ્તાક્ષરોં કે સ્થાન પર ઉસ કે હાથ કા છાપા। હિંસક અથવા બનૈલે જંતુ-ઓં કે નાખૂન, બિલાડી।

પંજામાં આવવું (સં.) હાથ આ જાના, ચંગુલ મેં ફંસ જાના, દાવ મેં આના।

પંજામાંપડવું (ક્રિ.) ફંસના, અધિ-કાર મેં હો જાના, હાથ પડના।

પંજામાં લેવું (ક્રિ.) અધિકાર મેં લે લેના, દાવ મેં લેના।

પંજો પડવો (ક્રિ.) જય હોના, દાવ પડના, અનુકૂલ સમય આના।

પંજવવું (ક્રિ.) ધુનના, ખરોંચના, ખિજાના, દુખદેના, પીડા દેના।

પંજવો (સં.) ભઠ્ઠા, આવા ભઠી

પંજેટવું (ક્રિ.) મારના, પીટના સહન, સહન કરના। [પિચ્છારી

પચ્છી-ડારી (સં.) દેખો

પચ્છકખુ (વિ.) ડરપોક, કાયર, બુજદિલ, ભીરુ, ભયશીલ ભયભીત।

પચ્છપચ્ચું (વિ.) નરમ, રસદાર, પાનીદાર, પનીલાહુવા, ગીલા।

પચ્ચવું (ક્રિ.) હજમકરના, ડકારના, પચાના, ગલાના, ખા-જાના।

પચ્ચું (ક્રિ.) પિઘલાના, ગલના, પકના, હજમહોના જીર્ણહોના, સડના, જઠરાગ્નિમેં ભસ્મહોના, મગ્નહોના, લીનહોના, મિહનત-કરના।

પચ્ચાવવું (ક્રિ.) પકાના, જીર્ણકરના, હજમકરના, સડ઼ાના, ગલાના।

પચ્ચાસ-સ (વિ.) સંખ્યાવિશેષ, પૉંચદહાઈ, ૫૦, પચાસ।

પચ્ચુસખુ (સં.) જૈનિયોં કે પવિત્ર-દિન, પર્યૂષણ, ભાદ્રપદ માસમેં હોનેવાલા જૈનિયોંકા ત્યૌહાર।

પચ્ચાવન (વિ.) સંખ્યા વિશેષ, ૫૫, પચપન, પચાસ ઔર પાંચ।

પચ્ચીસ (વિ.) સંખ્યા વિશેષ, ૨૫, બીસ ઔર પાંચ, પચીસ।

પચ્ચોતેર (વિ.) પચહત્તર, સંખ્યા વિશેષ, ૭૫, સત્તર ઔર પૉંચ।

પચ્છડી (સં.) પિચકારી, પિચુકા।

પચ્છમ (સં.) દિશા વિશેષ, પશ્ચિમ, મગ઼રિબ, સૂર્યાસ્ત કી દિશા, પ્રતીચી।

પચ્છમબુદ્ધી (સં.) પિછલી અક્ક, મન્દબુદ્ધિ, કુન્દજહની, કમઅક્લી।

પછમબુદ્ધિયું (વિ.) જિસે બહુત देर बाद विचार होताहो, मन्द-बुद्धि, करके पछताने वाला।

પછડાવું (क्रि.) पिटना, कुढना, पटकाजाना, बीमारहोना, बीमारी-से कष्टपाना।

પછવાડે લાગવું (क्रि.) पीछेपड़ना, चिढ़ाना, डराना, सताना, कष्टदेना।

પછવાડું (सं.) पीछा, पृष्ठभाग, पीठ. पृष्ठ, पीछेकाहिस्सा, पुट्ठा।

પછાડવું (क्रि.) ओरसे देमारना, पटकमारना, गिराना, भूमिपर-पटकना, बीमार होना, हराना।

પછાડા (सं.) परिश्रम, मिहनत, मिथ्याश्रम, हाफ।

પછાડી (सं.) घोड़ेके पीछे पैरसे बांधीजानेवाली रस्सी, (उप०) पीछे, बाद, अनन्तर, पश्चात्, उपरान्त।

પછાડું (सं.) देखो પછવાડું

પછાડો (सं.) पटक, उथला, पलटाव, आरामहो करपुनः बीमार।

પછાત (उप.) पीछे, बाद, अनन्तर, पश्चात्, उपरान्त।

પછી-એ (क्रि.) तदुपरान्त, तत्पश्चात्, तदनंतर, बादमें।

પછીત (सं.) घरके पीछेकी दीवार।

પછીતિયું (सं.) गाड़ी के माल के पीछे बांधने का।

પછેડીવા (वि.) चतुर नरीक्षा।

પછેડો (सं.) देखो પિછોડો।

પજવવું (क्रि.) दुख देना, व्याकुल करना, घबरा देना, चिढ़ाना, खिझाना।

પજાવો (सं.) ईंट खपरे पकाने की भट्टी, आवा, कुम्हार की भट्टी।

પજ્જુસણ (सं.) जैनियों के पर्व दिन, पर्यूषण नामक जैन त्यौहार।

પટ (स.) विविध रंगों से रंगा हुआ पटिया या वस्त्र, शतरंज का वस्त्र, सूची, नामावला, अनुक्रमणिका, नकशा, चित्रपट, स्मृति, याददाश्त, रजिस्टर, केटलाग, कपड़ा, वस्त्र, परदा, नदी की चौड़ाई, घड़ी, पाट, जमीन का लम्बा चीरा, तह, थर, रंग, यवनिका।

પટ (वि.) विशेषता सूचक शब्द जैसे "દુપટ, ત્રિપટ" गुना।

પટ (अव्य०) तुरंत, फौरन, शीघ्र अवश्य, निश्चय, जरूर।

પટકાવવું (क्रि.) ठगना, हरण करना, छलना धोखा देना, गड़बड़ करना।

પટાવું (ક્રિ.) છેતરાવું, ઠગાવું, ધોકા ખાવા । [કપડું ।
પટાંશુક (સં.) સુંદર વસ્ત્ર, અચ્છા
પટાંત૰ (સં.) વસ્ત્ર યવનિકા, કપડું, કાપડું, અન્તરપટ, કપડે કી આડ ।
પટાંતરો (સં.) પર્દા, યવનિકા, ભેદ, ભેદ દૃષ્ટિ, ફાસલા અંતર ।
પટાપટ (ક્રિ. વિ.) તડતડ, ફટપટ, પટાપટ ।
પટાપટાવું (ક્રિ.) જલ્દી જલ્દી બોલના, બોલને કે લિયે વ્યાકુલ હો રહના ।
પટાપટારો (સં.) લફંગા, લબાર, ગપ્પી, નિરર્થક, વાક્‌ચતુર ।
પટાપટાવવું (ક્રિ.) ચમચમાના, ટમટમાના મિચમિચાના ।
પટાપટિયું (સં.) લકડી કા ખિલૌના, ગુડ્ડી, ખિલૌના (વિ.) બક્કી, બાતૂની, લફંગા ।
પટરાણણી (સં.) પટરાની ।
પટરાણી (સં.) બડી રાની, રાજમહિષી, મહારાની, મુખ્યરાની, રાડી ।
પટલ (સં.) આચ્છાદન, ઝુંડ, ટોલી, જત્થા, પટેલ, સરપંચ અગુવા ।
પટવાઈ (સં.) દેખો પટેલાઈ ।
પટવાણી (સં) પટેલ કી ઘરવાલી, પટેલન, પટેલ કી ઔરત ।
પટવેધુ (સં.) પૂર્વવત્ ।
પટવેરી–વો (સં.) રેશમ આદિ ગૂંથને કા કામ કરને વાલા, જેવર મેં સૂત ઔર કલાબત્તુ પિરોકર ગાંઠને વાલા, જાલ બનાને વાલા ।
પટાઉ (વિ.) કપટી, છલી, ઠગ, મોહોત્પાદક ।
પટાકડી–ડો (સં.) કડકને કી બડી અવાજ, પટાકે કા શબ્દ ।
પટાક (સં.) ઘોડે કા તંગ, કાઠી જીન આદિ બાધને કા ઘોડે કા કમસદા ।
પટાટા (સં.) આલુ, બટાટા, એક પ્રકાર કા ખાને કા કન્દ ।
પટાદાર (વિ.) ધારીદાર, રેખા યુક્ત, લકીર વાલા ।
પટાબાજ (વિ.) પટા ખેલને વાલા, ધૂર્ત, ઠગ, વંચક, છલી ।
પટામણું (વિ.) બહલાવ, ફુસલાવ, મિથ્યા પ્રશંસા, ખુશામદ ।
પટારો (સં.) પિટારા, ટિપારા, બડા સન્દૂક, બડી પેટી ।
પટારમવા (ક્રિ.) પટા ખેલના, પટેબાજી ખેલના ।
પટાવત (સં.) અધિકારી, ગદ્દી કા માલિક, ઉત્તરાધિકારી ।

પઢાવવું (ક્રि.) बने जिस तरह समझाना, युक्ति सलाह देना, ठगना, धोका देना।

પડાહ (सं.) नगारा, ढोल, नौबत दुंदुभि, नगाड़ा, पणव।

પઢાવાળો (सं., सिपाही, हरकारा दूत, सम्वाद वाहक।

પઢિયાં (सं.) बालों की पट्टियां, जुल्फें, कंघे से सुधारे हुए और जमाये हुए बाल।

પટી (स., धारी, रेखा, धज्जी, पट्टी, फाड़ फाक, चीप, कतरन, कर, अस्तर, लपेटने की पट्टी।

પઢામણી (सं.) बुद्धिमानी की बात अक्लमन्दी का काम, सयानापन।

પઢામણેડા (वि.) चतुराई, दक्षता, प्रवीणता, होशियारी, कुशलता।

પટો (सं.) पट्ट, कमरबंधन, पटका सनद, प्रमाण पत्र, हुक्म, दस्तावेज, बचाव के लिये लकड़ी या तलवार का इधर उधर घुमाव, पटेबाजी, युक्ति, पेच, दाव, दगा, छल, कपट, धोका, घाव इत्यादि पर बांधने की बड़ी पट्टी, कपड़े की चिन्दी, चौथी कमचौड़ी दो धार की तलवार।

પટોપટ (सं.) पटरानी, महिषी, महारानी, राणी, छत्राणी।

પટોપટ (अव्य०) झटपट, शीघ्र-पट, चटपट, शीघ्र, तुरन्त।

પટોળ (सं.) एक प्रकार का वृक्ष और उसका फल, परवर, परोरा, पलवल। [रेशमी वस्त्र।

પટોળું (सं.) एक प्रकार का

પટ (क्रि. वि.) तुरंत, फौरन, शीघ्र तत्क्षण, झट, शीघ्रतापूर्वक।

પટ્ટણ-ન (सं.) नगर, शहर।

પટ્ટાઈત (स०) हुनरमन्द, होशियार, प्रवीण गुणी, निपुण, दक्ष।

પટ્ટાભિષેક (सं.) राज्याभिषेक, राज गादी, राजा बनाते समय का संस्कार।

પટ્ટી (स०) चिन्दी, धज्जी, कपड़े की पट्टी, धारी, कतरन, लम्बी जमीन की धज्जी, नागर पान की कत्था चूना और सुपारी युक्त बीड़ी, पान बीड़ा।

પટ્ટુ (सं.) कम्बल, ऊनी वस्त्र।

પટ્ટાબાજ (सं०) पटेबाज, पटेबाजी जाननेवाला, लकड़ी तलवार इत्यादि को घुमाने फिराने वाला।

પટ્ટો (सं०) देखो પટો। पट्टा वस्त्र, पुट, लपड़ा, वस्त्र, वस्त्रखंड।

૫૬૭ (સં.) ઠહરાઈ હુઈ કીમત, નિશ્ચિત મૂલ્ય, સટ્ટા, વાદા, શર્ત, કરાર। [સ્વાધ્યાય, વાચન।

૫૬૮ (સં.) પાઠ પઢ઼ના, અધ્યયન,

૫૬૯ (ક્રિ.) મોલ લેને કી વસ્તુ કા મૂલ્ય નિશ્ચિત કરના, કીમત ઠહરાના, વાદા કરના, વચન કરના, શર્ત કરના।

૫૭૦ (ક્રિ. વિ.) દેખો પેઠે ।

૫૭૧ (સં.) પક્ષ, પખ, આશ્રય, સહારા, ઓર, રીતિ, ચાલ।

૫૭૨ (સં.) તહ, પરત, ઘડ઼ી, પટ, અસ્તર, કિસી એક વસ્તુપર આયા હુવા પડ઼વા, એક કે ઊપર એક આઈ હુઈ પૃથક પૃથક વસ્તુ, થર, એક પ્રકાર કા ચિતકબરા સર્પ, કૌડ઼ીલા સાંપ, પર્દા, ફાસલા, અન્તર, ચક્કી કે ઊપર કા પાટ, પૃથ્વી કી તહ।

૫૭૩૨૫૬ (ક્રિ.) પહિરેવાલે યા ચૌકીદાર દ્વારા પ્રશ્ન કિયા જાના જૈસે " કૌન હૈ ? " સાવધાની પ્રદર્શિત કરને કે લિયે ' હાં, કહના, ઉભાડ઼ના, ઉસ્કાના, સાહસ બઢાના।

૫૭૪ઉત્તર (સં.) જવાબ, પ્રત્યુત્તર।

૫૭૫ ઠરવી (ક્રિ.) ખૂબ કરના, ઠીકી કરના, ઘૃણા પ્રદર્શિત કરના।

૫૭૬ (સં.) પસલી, પાર્શ્વ, બાજૂ, કિસી વસ્તુ કા બાહિરી ભાગ, પડ઼ોસ, પક્ષ, તરફ, તટ, શરીર કા દાહિના અથવા બાયાં ભાગ।

૫૭૭ (ઉપ.) નિકટ, પાસમેં, પડ઼ોસમેં, સમીપ, નજદીક।

૫૭૮ (સં) ડંડેસે બજાનેકા એક વાદ્ય, વિશેષ, ઢોલ, પમવ।

૫૭૯ (સં.) બરતન કે પેંદેમેં ઠહરને કે લિયે બના હુવા ગોલ કુણ્ડલ, પાત્ર કે ટિકને કા પેંદા, જમીન પર ચલનેકા પાદ શબ્દ।

૫૮૦ (સં.) પ્રતિધ્વનિ, ગૂંજ, જોર સે શબ્દ હોને કે બાદ જો એક પ્રકાર કી આવાજ હોતી હૈ વહ।

૫૮૧ (ક્રિ.) ડંકા બજાના, દુનિયામેં નામ કરના, આતંક જમાના।

૫૮૨ (સં.) આકાર, સૂરત, શક્લ।

૫૮૩ (વિ.) ભયંકર, ડરાવના, પુષ્ટ, બલવાન, દીર્ઘકાય।

૫૮૪ દેખો ૫૮૦।

૫૮૫ (સં.) છાયા, સાયા, પ્રતિબિમ્બ, બિમ્બ, પરછાંહી, પ્રતિરૂપ।

૫૮૬ (ક્રિ.) મિલાન કરના, મુકાબિલા કરના, ટક્કર કરના।

પડોસ (સં.) દૃષ્ટાંત, દૃષ્ટાન્ત, ઉદાહરણ, મુકાબિલો, સમાનતા, જેવા સીધા મનુષ્ય, શક્તિ, બલ।

પડત-૨-૪ (સં.) બિના બોઈ જમીન, ઊસર ભૂમિ, બેખેતી ભૂમિ, જિસ ભાવ મિલા ઉસી ભાવ ખરીદા હુવા, અસલી કીમત, રદ્દા હુવા, બિના બિકા, પડતી ભૂમિ, બેબોવા।

પડતલી (સં.) તમાકૂ ભરનેકી ચમડે કી થૈલી।

પડતાલવું (ક્રિ) ટાલમટોલ કરના, ઉલટપલ્ટ કરના (પૃષ્ટ) મારકે ભાગ જાના, ઘબરાના।

પડતી (સં.) ગિરતી, અવનતિ અપકર્ષ, અસ્ત, ઉત્તરાવસ્થા।

પડતી દશા (સં.) ઉત્તરાવસ્થા, નિર્બલ દશા, નાજુક હાલત, દુર્દૈવ, કમનશીબ, આપત્કાલ, ખોટે દિન।

પડતી રાત (સ.) ગઈ રાત, પિછલી રાત, વ્યતીત રાત્રિ, ખોટે દિન।

પડતું (વિ.) ગિરતા, પતન, ગિરતા હુવા।

પડતું મુકવું-મેલવું (ક્રિ.) ઠહરાના, મુલતવી રખના, સ્થગિત કરના, વિલમ્બ કરના, ટાલના।

પડતો (સં.) બલ, શક્તિ।

પડતો દહાડો (સં.) ઉતાર, ચઢતી, ચઢાવ, આફત, વિપત્તિ।

પડવાઇ (સં.) ઘર કે બાહિરકા ચૌક, બરામદા, બરન્ડા, ઉસારા।

પડી (સં.) ગઠરિયા, બંડલ, પુર્ંલિયા, એક ઈંટ કી ચૌડાઈકી બની હુઈ ભીંત।

પડદો (સં.) ગઠ્ઠા, ભારા, બંડલ, પોટ, અંતર, જિસસે દો ભાગ હોં ઐસી બીચ મેં આઈ હુઈ દીવાર, સૂર્ય તપ નિવારણાર્થ ગાડી પર લગાયા હુવા વસ્ત્ર, કિસીકી દૃષ્ટિ ન પડે ઇસ વાસ્તે કી હુઈ ઓટ, ચિક, પર્દા, સિતાર કા પરદા, કાનકા પરદા, ઢક્કન, આવરણ, આચ્છાદન, ઓટ, બનાના।

પડદો દેવું (ક્રિ.) ગુપ્તહોના, છુપના, ખું રાખવું (ક્રિ.) બેમાલૂમ રખના, ગુપ્ત રખના, કાઢી નાંખવો (ક્રિ) બેશરમ હોના, નિર્લજ્જ હોના ખોલવો, ફોડવો (ક્રિ.) બાત ખોલના, છુપી બાત પ્રકટ કરના, ભાંડા ફોડના ઉઘડી જવો (ક્રિ.) કપટ ભેદ પ્રકટ હોના, પોલખુલ્જાના, ગુપ્ત રહસ્ય પ્રકટ હો જાના, રાખવો (ક્રિ.) ઇરાદા છુપા કર રખના,

बोलने में लाज करना, इज्जत रखना ५४७। (कि.) यवनिका पतन, नाटक इत्यादि खेलों में चित्रपटका गिरना, ५४७। (कि.) पर्दा उठना (नाटक में) गुप्त बात प्रकट होना, ५४७। ५४७। (कि.) गुप्त बात प्रकट कर देना।

५४५ (सं.) लज्जा, शर्म, हया,

५४५ (सं.) दुर्बल अथवा अशक्त पुरुष।

५४५'७ (स.) पूछताछ, तलाश, जाँच, पुनर्म्पुनःप्रश्न, दरियाफ्त।

५४७ीत्रि५ (सं.) लिफाफा जिसमें लिखित पत्र रखकर और सरनामा करके भेजाजाता है।

५४७ीतिथुं (सं.) दीवारको गिरने से बचानेके लिये पासमें दूसरी बुरज या दूसरी दिवार टेक, सहारा।

५४५थो-थे। (सं.) चारपाई के सिरहाने की ओर पायों के नीचे रखनेके काठके टुकड़े, लकड़ी की आड़ पारोक, भोजन करते समय पैरों को सहारा देनेके लिये काठ।

५४७ (सं.) ओसारा, छायाघर, बरामदा, बराण्डा, दालिया।

५४७थे। (सं.) लकड़ीका टेक्का, गिरते हुएका टेक्का या सहारा।

५४७ (सं.) पक्षका प्रथमदिन, शुक्ल पक्षका और कृष्ण पक्षका प्रथमदिन, पड़वा, प्रतिपदा, तिथिविशेष

५४७।०-५।०ण (सं.) देखो ५४७।०ण

५५७ी-५५७ी (सं.) उत्तम आटा, मैदा, गेहूओं को भिगोकर तय्यार किया हुवा आटा।

५४७ (सं.) पर्दा, झिल्ली (आंख-पर) पटल, आंख में का जाला।

५४। (सं.) हथेली और अँगुली दोनों से किया हुवा निशान, छापा।

५४५ (सं.) पतंग, चंग, गुड्डी।

५४७ (सं.) लादने के लिये माल के जानेका, नाव, (वि.) फुसला कर या बलात्कार पूर्वक लियाहुवा, हरामका, मुफ्तका, छीनकर लिया हुवा। [एकदम।

५४५ (अव्य.) झट, तुरत,

५४५५-ी (सं.) ऊपर नीचे गिरना, स्पर्धा, प्रतिद्वन्द्वता, बराबरकी होड़,

પદ્મ (सं.) ऊपरलोक स्थान, मुकाम, कायमी, डेरा आसनेकी अवस्था. [अवस्थासी से के लेना,

પદાવવું (कि.) पढ़वाकर अथवा

પદાવવું (वि.) गोवदुम, गोपुच्छ सदृश। [छप्पर का डाल,

પદાળ (स.) छतका ढलाव,

પદાળી (सं.) छप्पर, ढलवां छत, साया, ओसारा।

પદિયું (सं.) एक प्रकारका सर्प।

પદિયો (सं.) देखो ઢદિયો

પડી (सं.) औषधियों की पार्सल, चूर्ण, सूचित करने के लिये ढोलका शब्द, पुड़िया।

પડીકું (सं.) पतले कागज में लपेटी हुई वस्तुका बंडल, छोटा पेकेट।

પડીક્રમણું (सं.) श्रावक लोगों की प्रातः साय ईश्वर से क्षमा याचना।

પડીદાર (सं.) ढिंढोरा पीटने वाला, डौंडी पीटने वाला।

પડીમા (सं.) मूर्ति, प्रतिमा, मूरत।

પડો (सं.) डंका बजाक, ढिंढोरा, दुन्दी, मुनादी, इत्तिलाह, बन्दक

પડોકળાવવો (कि.) ढंढोरा प्रकट करना, जाहिर करना।

પડોશણ (सं.) एक प्रकारका दुर्गन्धित वृक्ष और उसके पत्ते।

પઢ (सं.) बड़ाभीड़, अनुवा, मुखिया, माननीय, (जैनमें)

પઢવું (कि.) पढ़ना, अभ्यास करना, अभ्यास करना, सीखना, सीखना, रटना घोखना, पाठपढ़ना

પઢેલ-લું (वि.) पठित, शिक्षित, पढ़ा, पंडित, पढ़ाहुवा, सीखाहुवा।

પઢેલપત્ર અભ્યેલનહિ (वि) पढ़ा, किन्तु गुणा नहीं, पठित मूर्ख, अनभ्यस्त।

પઢેલ અભ્યેલ ને દ્રઢેલ (वि) पठित, अभ्यस्त, चौकस, ध्यानी, शिक्षित

પણ (सं.) वचन, सपथ, प्रण, प्रतिज्ञा, वादा, टेक, ममत्व, नियम, (अव्य.) किंतु, परन्तु, लेकिन, तोभी, तथापि, ताहव, तिसपर भी, भी, इसी तौरपर, औरभी, इसीरीतिसे, शब्दान्तमें 'पना', वा, 'ता', सूचक प्रत्यय।

પણજ (सं.) बांसकी चीप, बांसकी खपच्ची प्रत्यंच्या, रोदा, चिल्ला, पनच।

પણતર (सं.) विवाह, कन्या विवाहित की, विवाही, निवाही।

પણવું (कि.) देखो પનવું

પરિણત (વિ.) વિવાહિત, નિકાહી, વિવાહ કી હુઈ, બ્યાહ કી હુઈ ।

પરિહારી (સં.) પાની ભરનેવાલી સ્ત્રી, પનિહારિન. પાની લાનેવાલી ।

પલ્લી (સં.) છોટા બંડલ, ભાજી ઇત્યાદિકા બન્ડલ, ગડ્ડી, જુડ્ડી ।

પલ્લીપાત્ર (સં.) પાની કા પાત્ર રખનેકી જગહ, પરેંડા, ઘડૌંચી ।

પલ્લું (અવ્ય.) ગુણ, સ્થિતિ પ્રદર્શક શબ્દાન્તમેં લગનેવાલા પ્રત્યય।

પલ્લે (ક્રિ. વિ.) વહાં ઉસ જગહ, તત્ર, તહાં ।

પલ્લેલું (વિ.) દેખો પલ્લેલું

પલ્લો (સં) રેત ઔર ધૂલકા મિશ્રણ, મિટ્ટીકા ઢેલા, રેત ।

પલ્લવની (સં.) કસ્બી, છિનાલ, વેશ્યા, રંડી, ગણિકા, કુટની ।

પલ્લું (સં.) શરીર, દેહ, બદન, પાંડુ રોગ, કંબલ રોગ ।

પલ્લૂ (સં.) રોગ વિશેષ, પાંડુ રોગ, કંબલ રોગ ।

પલ્લે (ક્રિ. વિ.) સ્વયં, ખુદ, આપ, બિના કિસી કે દ્વારા, અપને આપ।

પલ્લેપલ્લે (અ.) ખુદબખુદ, આપોઆપ, સ્વતઃ ।

પલ્લોળું (સં.) એક પ્રકારકે ભૂરે સાંપ કે આકારકા ફલ, જિસકા સાગ બનતા હૈ ।

પવ (સં.) આવક, વિશ્વાસ, યકીન, બડ઼ાઈ, પ્રતિષ્ઠા, કીર્તિ, યશ ।

પવ (સં.) પતિ, ખાવિંદ, ખસમ (કવિતામેં) પાન્દુ રોગ ।

પવકરવું (ક્રિ.) માન કરના, હુજ્જત કરના, માનના, સ્વીકાર કરના, વિશ્વાસ કરના, કિસીકા કામ કરના સિર લેના ।

પવંગ (સં.) ફતિઙ્ગા, ટિડ્ડી, તિતલી, ઉડ઼નેવાલા કીડ઼ા, કનકૌવા, ચંગ, ગુડ્ડી, સૂર્ય, પારા, એક પ્રકારકી લકડ઼ી જિસસે રંગ નિકાલા જાતા હૈ ।

પવંગિયું-ગો (સં.) તિતલી, ટિડ્ડી, ઉડનેવાલા કીડ઼ા, પતિંગા ।

પવઝડી સં) શરદ્ ઋતુ, વૃક્ષોં કે પત્તે ઝડ઼ને કા મૌસિમ, પતઝડ઼ હોને કે મહીને ।

પવન (સ.) નક્ષત્ર પાત, પછાડ઼, પટકન, સ્ખલન, પડ઼ન, પાત ।

પવનકોણ (સં.) અક્ષાંસ કે સાથ કા કોના યા નોક ।

પવરડી (સં.) આવક, ઇજ્જત, માન, પત્તર ।

પવરાજભોર (વિ.) ગર્વિષ્ઠ, ઘમણ્ડી માની, આત્મશ્લાઘી ।

પવરાજ-જી (સં.) પ્રશંસા, શેખી, ગર્વ, ઘમણ્ડ, શ્લાઘા, બડ઼ાઈ ।

પતરાજપેાર (વિ.) દેખો પતરાજપેાર

પતરાવળ-ળી (સં.) પલાસ પત્તર, પલાશ આદિ વૃક્ષો કે પત્રો દ્વારા સીકો કે યોગ સે બનાઈ હુઈ ભોજન કરને કી પત્તલ, ।

પતરૂં (સ) ધાતુ કો પીટ પીટ કર બનાયા હુવા પત્તર, પતરા, પત્ર ।

પતવવું (ક્રિ) માંગત દેના, ચુકાના।

પતવાળ-ળી-ળું (સં.) દેખો પતરાવળ

પતવું (ક્રિ.) સમાધાન હોના ફૈસલા હોના, પરિણામ હોના, જાના, રહના, છુટકારા પાના, સ્વતંત્રતા પાના ।

પતળવુ (ક્રિ.) રૂઠના, ગુસ્સે હોના, ક્રોધ હોના, વચન ભંગ કરના, પિઘલના, નરમ હોના, મુલાયમ હોના ।

પતાવવું (ક્રિ.) સમાધાન કરના, ફૈસલા કરના, પરિણામ નિકાલના, છુટકારા પાના, તય કરના, ચુકાના

પતાસાં-સું (ન) કેવલ શક્કર કી ગોલ ગોલ ફૂલી હુઈ ટિકિયા, બતાસા, મિઠાઈ વિશેષ, શક્કર કા બિસ્કુટ તુલ્ય પદાર્થ ।

પતાળ (સં.) દેખો પાતાળ

પતિ (સં.) સ્વામી, માલિક, પ્રભુ, અધિકારી, ખસમ, ઘર ધની, ભર્તા ।

પતિવરાવુ (સં.) પતિવ્રતા સ્ત્રી, કુલવતી, પતિ સેવક ભાર્યા ।

પતિયાર (સં.) આબરૂ, ઇજ્જત, માન, વિશ્વાસ, યકીન, નિશ્ચય ।

પતિયું (સં.) સફેદ બકરી કા બચ્ચા, સફેદ રંગ કા મેમના ।

પતિવ્રતા (સં.) સુચરિત્રા, સાધ્વી, સતી, કુલવતી, પતિદેવતા સ્ત્રી, વહ સ્ત્રી જો અપને હી પતિમેં અનુરાગ રખતી હો, પતિ સેવા કરને વાલી સ્ત્રી ।

પતીજ (સં.) ખાતરી, વિશ્વાસ, દૃઢ નિશ્ચય, ભરોસા, ધૈર્ય, ગવાહી ।

પતુજો (વિ. પોના, $\frac{1}{3}$ (સંકેતાર્થ)

પતેળી (સં) તપેલી, તબેલા, પાત્ર વિશેષ ।

પત્ત (સં.) કોટ, વિશ્વાસ, માન, [ભરોસા ।

પત પરવું (ક્રિ.) વિશ્વાસ કરના, ભરોસા કરના, માન કરના, ધ્યાન દેના, આજ્ઞા દેના, હોને દેના ।

પત્તન (સં.) શહર, નગર, બડા ગાંવ, કસ્બા ।

પત્તર (સં.) નામવરી, યશ, ખુહ્રત, ઇજ્જત, વિશ્વાસ, આબરૂ, પાત્ર, બરતન ।

પથરે ઠોકવી-રમવી (ક્રિ.) આયાસ લેવા, ધૂળ નિકાલવા, અતિશય પરિશ્રમ કરાવા. કામ કરવા। [રમાડવું।

પથરવાડવું (સં.) દેખો પાથરવું

પથરવેડિયું (સં.) પૂર્વવત્।

પથું (સં.) પત્ર, પત્તા, તાશ કા પત્તા, પૃષ્ઠ, પન્ના, સફા, કાર્ડ, લિખા કાગજ।

પત્તો (સં.) ઠિકાના, નામનિશાન, ચિન્હ, શોધ, ખબર, સમાચાર, સરનામા, શ્રીનામા, એડ્રેસ, પર્ણ।

પત્રક (સં.) પુસ્તક કા પન્ના, લિખને કા પત્ર, હિસાબ કા કાગજ઼ વદવારસ્ત કા કાગજ઼।

પત્રાજી-જી (સં.) દેખો પત્રશાજી।

પત્રાધિપતિ (સં.) સમાચાર પત્ર કા માલિક, અખબાર કા સ્વામી।

પત્રાવળ-ળી-પત્રાળી (સં.) દેખો પત્રાવળ। [પત્રિકા।

પત્રી (સં.) જાવિત્રી, દેખો

પથું (સં.) દેખો પત્રું।

પથ (સં.) માર્ગ, રાસ્તા, રાહ, રૈહા, ડગર, સડ઼ક, પંથ, તરીકા।

પથરાવું (ક્રિ.) ફૈલાના, બિછના, વિસ્તૃત કરના, બિછૌના।

પથરી (સં.) છોટા પત્થર, વાઁ કે ઔજાર ઘિસને કી શિલા, પત્થર સમાન ગોલ સખ્ત વસ્તુ જો મૂત્ર પિંડ મેં બનજાતી હૈ ઔર જિસ સે પેશાબ કરતે સમય વેદના હોતી હૈ, ચકમક પત્થર કા ટુકડ઼ા, ખેલને કે પત્થર કે પચેટે, સિક્કા, એક પ્રકાર કા રોગ।

પથરો (સં.) પત્થર, આલસી પુરુષ, ધીમા, જડ઼બુદ્ધિ કા પુરુષ, વહમ। અડ઼ચન, કુછ નહીં, ધૂલ, આડ઼, રોક।

પથાવું (સં.) દેખો પાથરવું।

પથાર-રો (સં.) બિસ્તાર, ફૈલાવ।

પથારી (સં.) બિછૌના, બિછને કા, ચટાઈ, સાબરી, મુકામ, ઠહરને કી જગહ, પડ઼ાવ।

પથારી સેવવી (ક્રિ.) રોગગ્રસિત હોકર બિછૌને મેં પડ઼ે રહના, બીમાર હોના, ખાટપાઈ સેના।

પથારીએ જવું (ક્રિ.) મરે હુએ મનુષ્ય કે યહાં દસ દિવસતક શોક સૂચનાર્થ સોને જાના।

પથારો (સં.) કિસી ભી ચીઝ઼ કા મોટા બિછૌના, પ્રસાર, ફૈલાવ।

પથિરો (વિ.) ફૈલાવ, પ્રસ્તાર, વિસ્તાર।

૫૬૬૨ (સં.) દેખો ૫૬૬૧

૫૬૬૨ ઓલ્યા દેવ ૬૨૫૫ (ક્રિ.) पत्थर पत्थर को देवता मानना, अनेक यत्न करना, बन सके सो सब कुछ करना।

૫૬૬૨ ખેંચવો (ક્રિ., बडी कठिनतासे गृहस्थ का निर्वाह करना, मिहनत मजदूरी करके जैसे तैसे काम चलाना।

૫૬૬૨ની છાતી (સં.) संगदिल, कठोर हृदय, पाषाण हृदय, साहसी हृदय।

૫૬૬૨નો ભમરડો (સં.) मूढ, मूर्ख, शठ, अशिक्षित, बे पढा, देखा करे किंतु बोले नहीं, कम अक्ल।

૫૬૬૨ આવ ૫૬૫૨ = अपने हाथों अपने पैर कुल्हाडी, आ बैल मुझे मार, अपने आप आपत्ति में आ फंसना।

૫૬૬૨માંથી ઘોડી ૬૬૫૬ (ક્રિ.) असंभव कार्य करना, चलनी में दूध दुहना, पाडे (भैंसे) से दूध निकालना।

૫૬૬૨વો (સં.) पत्थर का प्याला, पत्थरकी कुण्डी।

૫૬ (સં.) पांव, पैर, चरण, पग, पैर का चिन्ह, पायदह, स्थान, प्रतिष्ठा, मान, आदर, अधिकार, महिमा, शब्द, स्वरूप, विभक्ति के साथ का शब्द, श्लोक का चतुर्थ भाग, दर्जा, ओहदा, भजन, खोडा, मृतक पुरुष के नाम पर ब्राह्मणको दिया गया बिछौना, चार पाई वस्त्र आदि दान। पति के घर जाते समय दुलहिन को दिया हुवा सामान, बारहखडी, वाक्य में कर्ता, कर्म, क्रियापद अव्यय इत्यादि, तुक, कडी, पाद।

૫૬૬ી (સં.) गुदाद्वार भर कर रखनेकी कपडेकी लम्बी बैली, तमाखू पेच।

૫૬૬૫ (સં.) कविता के चरणों का योग, छंदशास्त्र, पिंगल।

૫૬૬૫ધન (સં.) शब्द विद्या, शब्द रचना, वाक्य रचना।

૫૬૬ (સં.) कमल, सरोज, पंकज।

૫૬૬૬ી (સં.) पद्मिनी (स्त्री)

૫૬૨ (સ.) वस्त्रका सिरा या नोक, कपडेका पल्लू, पल्लव।

૫૬૨ (વિ.) अपना, निजका, खुदका, गांठका, पासका, शरण, आश्रय, आसरा, सहारा।

૫૬૨ભાત (સં.) रसोईघर, भोजन गृह, हिडल, डाबा, अतिथिशाला।

પદેશું (વિ.) બચેલા, નિર્જી, પાસ-કા, મૌંઠકા, બુદ્દકા।

પદેશું (સં.) દેખો પદેશ

પદાર્થ-ઉ (સં.) સંસારમેં ઉત્પન્ન જડરૂપ વસ્તુ, બીજ, વસ્તુ, (તર્ક-શાસ્ત્રમેં નિમ્ન સાત પદાર્થ માને હૈં દ્રવ્ય, ગુણ, કર્મ, સામાન્ય, વિશેષ, સમવાય ઔર અભાવ) વાક્યાર્થ, સ્વાદિષ્ટ ઉત્તમ ભોજ્ય વસ્તુ, સોના, ચાંદી, હીરા ઇત્યાદિ, (ચાર પદાર્થ ધર્મ અર્થ, કામ, ઔર મોક્ષ) તત્વ, સત્વ।

પદાર્થવિજ્ઞાન (સં.) પદાર્થ કે ગુણ સામાન્ય ધર્મકી શિક્ષા દેને-વાલા શાસ્ત્ર, ફિલાસફી, તત્ત્વવિદ્યા

પદાવવું (ક્રિ.) ડરાના, ઘબરાના, હરાના, છકાના, કષ્ટદેના, પદાના, તંગ કરના, દબાના। [પીઠા।

પદાસન (સં.) પૈરરખને કી ચૌકી

પદી (સં.) જિસમેં પદહોં, શ્લોક, ચરણ (કવિતાકે) જૈસે અષ્ટપદી।

પદું (વિ.) દેખો પદ (સં.) કામ, ધંધા,

પદેવું (ક્રિ.) ભગાના, પદાના, ઘબરાના, ખદેડના, દેખો પદાવવું

પદોવું (ક્રિ.) ખૂબકામમેં લાના, રગડના, મેલાકરના, બરબાદકરના।

પદ્મરાગ (સં.) રક્તવર્ણકી મણિ વિશેષ, માણિક, લાલ નામક પ્રસિદ્ધ રત્ન।

પદ્મરેખા (સં.) હસ્ત રેખા વિશેષ, ધનસૂચક હાથકી રેખા।

પદ્મહસ્ત (સં.) ભાગ્યવાન, તકદીર, વાલા, ઉન્નતિશીલ, કૃતકૃત્ય।

પદ્મિની (સં.) શૃંગાર શાસ્ત્ર મેં ચાર પ્રકારકી સ્ત્રિયોં મેં સે એક, કમલિ-ની, નલિની, સુલક્ષણા સ્ત્રી, ઉત્તમા સ્ત્રી, વર વર્ણિની, રંગ રૂપ સુકુમા-રતા ઇત્યાદિમેં સર્વશ્રેષ્ઠા સ્ત્રી।

પધરામણી (સં.) આદર પૂર્વક નિમંત્રણ, મહાન પુરુષકા આગમન, સમ્માન પૂર્વક બુલાવા,

પધરાવવું (ક્રિ.) માનદેના, આદર પૂર્વક સ્થાપના કરના, આદરપૂર્વક બુલાના, સમ્માન પૂર્વક વિદા કરના, બે બિકને વાલે માલકો ઝૂઠ મૂઠ સમઝાકર કિસી કે માથે મઢદેના।

પધારવું (ક્રિ.) માનપૂર્વક આના, માન સહિત વિદા હોના, સિધા-રના।

પનધટ (સં.) દેખો પણધટ

પનોતી (સં.) સ્ત્રીઓ કે કાનમાં પહિનને કા એક પ્રકારકા આભૂષણ । [સંગતિ ।

પનારો (વિ.) ભાઈબંધી, મૈત્રી,

પનાહ (સં.) સંરક્ષણ, આડ, ઓટ, સહારા, આશ્રય ।

પનિયાં (સં.) જૂતા, પદત્રાણ, જોડી, પગરખી ।

પનિહારી (સં.) દેખો પણિહારી

પનીર (સં.) ખાદ્ય વિશેષ, ખાનેકી એક વસ્તુકા નામ ।

પનું (સં.) ગુડ઼ ઔર અમલીકા ઝોલ મિશ્રિત પદાર્થ, કચ્ચે આમ (કૈરી) કો ભૂનકર બનાયા હુવા પાની જિસમેં મસાલા ઇત્યાદિ પડ઼ાહો । [અરજા

પનો (સં.) કપડ઼ેકી ચૌડ઼ાઈ,

પનોતી (સં.) શનિકીદિશા, ખોટી દશા, જિસ સમય તન મનકો કષ્ટ હો, દુર્ભાગ્ય, દુર્દૈવ, દુષ્ટગ્રહ, પૂર્ણ ઔર ક્રુર સૂચક ।

પનોતું (વિ.) મંગલપ્રદ, લાભકારી સુખદ, ભાગ્યશાલી, મુબારક બધાઈ, બહુકુટુમ્બી, ભાગ્યવાન ।

પંતિયાળું (સં.) હિસ્સેદારી કા કામ, પાંતીકામ, સહયોગિતા, દ્વારા કિયાહુવા વ્યાપાર, કમ્પની,

પંતિયાળો (સં.) ભાગી, હિસ્સેદાર, સહયોગી, પાર્ટીદાર ।

પંથી (સં) માર્ગકા, મારુક, પ્રવાસી ગામી, પથિક, પન્થાઈ, અનુયાયી, યાત્રી. મુસાફિર, બટોહી, પાંથ ।

પંથીડ (સં.) પૂર્વવત્

પંદર (વિ.) પન્દ્રહ, સંખ્યા વિશેષ, દસ ઔર પાંચ, ૧૫,

પંદરવાડિયું (સં.) પક્ષ, પખવાડ઼ા, ૧૫ દિનકી અવધિ । [સ્તા।

પન્નાળિકા (સ.) પ્રણાલી, સિર-

પપનસ-પપાડું (સં.) એક પ્રકાર કા ફલ ।

પપેટી (સં.) પારસિયોં કી સાલ કા પ્રથમ દિન, નયાદિન, (પારસિયોં કા ।)

પપૈયો (સં.) પક્ષી વિશેષ ચાતક પક્ષી, પપીહા, જલને સે અથવા અન્ય કિસી કારણ સે ઉત્પન્ન છાલા યા ફફોલા, પપીહા (સિતારમેં) એક પ્રકાર કા ફલ વિશેષ ।

પપૈયો (સં.) એક પ્રકાર કા ફલ ।

પપૈયો (સં.) એક પ્રકાર કા વૃક્ષ ।

પપ્પિકા (સં.) પ્રકટ, વેશ્યા ।

પમરવું (ક્રિ.) સુગંધિ ફૈલના, સુવાસ ફૈલના, પ્રસારિત હોના ।

૫૨૭૬૬ (સં.) સુગન્ધ, સુગન્ધ, મહક, સુવાસ, ઇત્ર, ગન્ધ।

૫૨૭૭ભું (ક્રિ.) દેના, પહુંચાના, વિતરણ, પ્રદાન કરના।

૫૨૭૮ો (સં.) ઈંટકા ટુકડા,

૫૨૭૯ાળવું (ક્રિ.) ટટોલના, ટોહના, ધીરે ધીરે હાથ ફેરના, પપોલના, પ્યાર કરના, પ્રેમ કરના, છૂના।

૫૨૮૦ળવું (ક્રિ.) ટટોલના, ટોહના,

૫૨ (વિ.) શબ્દ કે પ્રથમ લગને વાલી પ્રત્યય જો 'દૂસરે કા, અન્ય કા' ઇત્યાદિ અર્થ પૈદા કર દેતી હૈ, (ઉપ.) પીછે, બાદમે, ઉપરાન્ત, આગે, ઊપર, પિછલા, પશ્ચાદ્‌ગામી, મોક્ષ. (સં.) પંખ, પર, પાંખ, પક્ષ।

૫૨૮૨ભક્ષ (સં.) વિદેશી રાજ્ય, દૂસરે કી અમલદારી, પરાધિકાર।

૫૨૮૪ (સં.) મૂસલ, લોઢા, કૂટને કી મૂસલી (વિ.) દૂસરે કી, પરાઈ।

૫૨૮૫ભ્રમ્‌-ભ્રા-ભ્રમા-ભ્રમ્ (સં) આસપાસ ઘૂમના, ચક્કર, પરિક્રમા, પ્રદક્ષિણ, ગોલ ઘૂમના।

૫૨૮૬ભ્રમ્‌ભું (સં.) પૂર્વવત્

૫૨૮૭ (સં.) સ્ત્રિયોં કા એક ભૂષણ વિશેષ, કમરપટ્ટા, કટિબંધ।

૫૨૮૮ા (સં.) દૂસરે કી સ્ત્રી (જિસકી પર પુરુષ કે સાથ પ્રીતિ હો) રસશાસ્ત્ર મેં તીન પ્રકાર કી નાયિકા હૈ સ્વકીયા, પરકીયા, સામાન્યા, નાયિકાભેદ, ઉપનાયિકા

૫૨૮૯ (સં.) પરીક્ષા, જાંચ, ખોજ, અનુસન્ધાન, ઇમ્તહાન।

૫૨૮૯ાર (સં.) પરીક્ષક, જાંચને વાલા, ખોજી, અનુસન્ધાન કર્તા।

૫૨૮૯ભું (ક્રિ.) પરીક્ષા કરના, જાચ કરના, પડતાલના, કસૌટી કસના।

૫૨૮૯ાભક્ષી (સં.) પરીક્ષા કરને કી મજદૂરી, જાંચ કા મિહનતાના।

૫૨૮૯ાવવું (ક્રિ.) પરખાના, જંચ વાના, અસલી નકલી પહંચનવાના।

૫૨૮૯ાવું (ક્રિ.) પરખાના, સમઝાના, પરીક્ષા કિયા જાના, પહિચાના જાના।

૫૨૮૯િો (સં.) પરીક્ષક, જાંચનેવાલા, સત્યાસત્ય નિર્ણય કરને વાલા।

૫૨૮૯ુ (સં.) દૂસરે કી આવશ્યકતાકો પૂર્ણ કરનેવાલા, ભલા, પરોપકારી।

પરગણું (સં.) પરગના, એક રાજ્ય का छो। विभाग, जिला, प्रांत।

પરગમન (सं.) आरकर्म, व्यभिचार, छिनाला, परस्त्री अथवा पुरुष गमन।

પરગામ (सं.) दूसरा गांव, अन्यगाव विदेश, परदेश, गैर मुल्क।

પરગામી (सं) बाहिरी विदशी, दूसरा, दूसरे गांवका अन्य देशीय।

પરઘર (सं) परायाघर, दूसरेका घर, व्यभिचार, जिनाकारी, छिनाला।

પરચુરણ-રણું (सं.) आटा, दाल, मसाला आदि फुटकर सामान।

પરચો (सं.) चमत्कार, आश्चर्य, कौतुक. करामात, सम्बन्ध, परिचय।

પરછતી (सं.) गारेकी दीवारपर छाइ हुई घास पात इत्यादि

પરછંદો (सं) देखो પરધો।

પરજ (सं.) हाथकी रक्षाके लिये तलवार के मूठके आगे का भाग, परज नामक एक प्रसिद्ध राग।

પરજંક (सं) सोने की चार पाई, खाट, पलंग. पर्य्यंक, सेज, मंच।

પરજન્ય (सं.) अद्भुत, अजीब, दूसरा व्यक्ति, पराया, अनदेखा।

પરજાળવું (कि.) जलाना, भस्म करना, प्रज्वलित करना, जला देना।

પરજિયો (सं.) परज, परजराग के जिसमें कुछ में कुछ स्वर हों, शोक गीत, मरासिया, शोक सूचक गीत।

પરઠ (सं.) दशा, हालत, होड़, नियम, प्रतिज्ञा, शर्त, कौल, करार।

પરઠવું (कि.) कीमत ठहरना, शर्त करना, होड़ बदना, पकड़ना, जान बिदा होना, देखो પરવું

પરઠો (सं.) कौल करार, प्रतिज्ञा।

પરડ (सं.) ध्वनि सूचक शब्द, पादनेके समय का शब्द, अपना वायूके त्यागने के समय गुदा शब्द। परेट धूमधाम।

પરણ (स) पति पत्नीका चुनाव, लग्न, विवाह, निकाह, पर्ण, पत्ता।

પરણમવું (क्रि.) प्रणामकरना, नमस्कारकरना, अभिवादन करना, नमनकरना।

પરણવું (कि.) विवाह करना, लग्न करना, शादी करना, निकाह करना, स्त्री पुरुषका आजन्मका संबंध होना।

५२४५४ (क्रि.) लड़का, लड़की का विवाह करदेना, बहानेके लिये पानी पिलाना, गले बांधना, माथे मँढना। [ब्याहा।

५२४५त (वि.) विवाहित,

५२४त (सं.) विवाह, लग्न।

५२४तर (सं.) पूर्ववत्, (वि.) देखो ५२४५त [गृहस्थी।

५२४ु (वि.) ब्याहा, विवाहा,

५२तो (सं.) गुण, बल, प्रभाव, प्रताप, कौतुक, करामात, आश्चर्य्य विलक्षणता। [धर्म से।

५२त्वे (अव्य०) लिये से, द्वारा,

५२६ (सं) मार्ग, रास्ता, पथ, राह।

५२६ादो (सं.) प्रपितामह, दादा का बाप, पिता के पिता का भी पिता।

५२न्ाती (वि.) विजातीय, दूसरी जाति का, जाति बाहर, दूसरे वर्ण का।

५२न्ाळ (सं.) नल, नाला, नाली,

५२न्ाळिका (सं.) वंशपरंपरागत रीति प्रणाली, जल का नल, कुल, रीति, सनातन मार्ग।

५२तु (अव्य०) किन्तु, अधिकन्तु, किंवा, अपर, लेकिन, तौभी, पर।

५२६ं (सं.) पक्षी, चिड़िया, खग।

५२५ंच (सं.) प्रपंच, विपर्यास, प्रत्यूह, भ्रम, धोखा।

५२५ंपरागत (वि.) क्रमागत, वंशानुक्रम से आया हुवा, कुल रीति।

५२५छ (सं.) पूछ, पूछताछ, जाँच पड़ताल, तलाश, खोज।

५२५३५ (सं.) दूसरा पुरुष, अपने पति के अतिरिक्त, अन्य पुरुष, दूसरा स्त्री का पति, अद्भुत पुरुष। [हुई हुण्डी।

५२१६ (सं.) तासरी बार लिखी

५२५ाटो (सं०) फफोला, छाला, बुदबुदा, बुलबुला, पानीका बुदबुदा।

५२५ा (सं.) वहस्थान जहां प्यासे यात्रियों को मुफ्त पानी पिलाया जाता है, पर्व, उत्सव, त्यौहार, प्याऊ।

५२५ाडी (सं.) कबूतरोंके लिये ऊंचे खंभेके ऊपर अन्न आदि रखने के लिये बनाया हुवा।

५२५ाडीयुं (सं.) लिफाफा, जिसमें लिखा हुवा पत्र रखकर ऊपर सरनामा किया जाता है, कवर।

५२५िये-भिये (सं.) वह मनुष्य जो रास्ते पर यात्रियोंको पानी पिलाता है, प्याऊवाला, पौवाड़ा।

પરભવવું (ક્રિ.) કાયરકરના, ધકાના, ડરાના, પરવાહ ન કરના, તિરસ્કાર કરના ।

પરભવ (સં) પ્રાચીન સમયમેં, પુરાને વક્તોંમે, પહિલી ઉમ્રમેં પૂર્વજન્મમે ।

પરભા (સં) પરવાહ, દરકાર, ફિક્ર, ચિંતા, ખ્યાલ, ધ્યાન ।

પરભાત (સ.) પ્રભાત, ભિનુસારા, તડકા, સવેરા, સુબહ, ભોર ।

પરભાતિયું (સ.) પ્રભાતી, સુબહ કે વક્ત ગાને કા રાગ, પરભાતી ।

પરભાડું ધું (વિ) અદ્‌ભુત, અજીબ, દૂસરા, અનજાના, અપરિચિત ।

પરભુ (સં.) પ્રભુ ઈશ્વર, હિંદુઓ કી એક જાતિ વિશેષ ।

પરમ (વિ.) ઉત્કૃષ્ટ, પ્રધાન, આદ્ય, શ્રેષ્ઠ, અગ્રગામી, અગ્રેસર, અદ્‌ભુત, બિલકુલ, બહુત, પરસો (દિન)

પરમદહાડે-દી (વિ.) (ગત) પરસોં કે દિન (આગામી) પરસોં કે દિન ।

પરમહંસ (સં.) યોગી, સન્યાસી, અવધૂત, સન્યાસ વિશેષ, બ્રહ્મ ।

પરમાઈ (સં.) માંસ, ગોશ્ત ।

પરમાણુ (સં.) પ્રમાણ, ઉદાહરણ, સુબૂત, દૃષ્ટાંત ।

પરમાણવું (ક્રિ.) સત્યમાનના, સત્ય પ્રમાણયુક્ત સમઝકર સ્વીકાર કરના ।

પરમાણા (સ.) સાર્ટીફિકેટ, પ્રમાણ પત્ર, દસ્તાવેજ ।

પરમાણું (સં.) અત્યંત સૂક્ષ્મવસ્તુ, ક્ષણમાત્ર, કાલવિશેષ, પારિમાણુ, માપ, નાપ, તૌલ, અન્દાજ ।

પરમાણે (ઉપ.) અનુસાર, મુવાફિક, સમાન, પ્રમાણ સે ।

પરમારથ (સં.) ઉત્કૃષ્ટ પદ, યથાર્થ વસ્તુ, મોક્ષ, સુખ, દુ ખાભાવ, પવિત્રજ્ઞાન ।

પરમિયો-મો (સં.) શુક્રદોષ, પ્રમેહ, મૂત્ર કે સાથ વીર્ય જાનેકી બિમારી, શુક્રમેહ ।

પરમુલક (સં.) વિદેશ, અન્ય દેશ, ઇતર દેશ, પરદેશ ।

પરમેશ્વર-પરમેસર (સં.) શિવ, પરબ્રહ્મ, વિષ્ણુ, ઈશ્વર, ભગવાન્ ।

પરમેસરની આય (સં.) બોંદા, કાહિલ, આલસી, સુસ્ત ।

પરમેસરપણું (વિ.) ઈશ્વરતા, પ્રભુતા, દૈવત્વ બડાઈ ।

પરમેસરી (સં.) દેવી, આદિશક્તિ, લક્ષ્મી, ભગવતી, દુર્ગા, સરસ્વતી ।

પ્રમોદવું (કિ.) બહુત સમઝા-કર કહના, ખૂબસમઝાના।

પ્રમોદી (વિ.) આનન્દિત, મગ્ન, મુદિત, ખુશ દિલ, આનન્દી।

પર્યન્ત (અ.) શેષસીમા, અંતસીમા, તક, દર।

પર્યાય (સં.) પાલા, ક્રમ, આનુપૂર્વી પરિવર્તપ્રકાર, અવસર, નિર્માણ, દ્રવ્ય ધર્મ, સમ્બન્ધ વિશેષ, સમ્પર્ક।

પરંપરા (સં., સનાતન, અન્વય, વંશ, કુલ, સંતાન, પરિપાટી, અનુક્રમ, ક્રમશઃ, ઉત્તરોત્તરરિવાજ।

પરરાજ્ય (સં.) દૂસરેકા રાજ, વિદેશી રાજ્ય, વિદેશી શાસન।

પરલી (સં.) છિપકલી, બિસતુઇયા, બિસમરી, પલ્લી।

પરલોકવું (કિ.) મરજાના, ગુજરજાના, મૃત્યુહોના, નાશહોના।

પરવ (સં.) દેખો પર્વ અથવા પરબ

પરવડવું (કિ.) ઇચ્છાનુકૂલ હોના અનુકૂલ હોના, ખોજના।

પરવડતું (વિ.) અનુકૂલ।

પરવણી (સ.) જ્ઞાન, દાન ઇત્યાંદ પુણ્ય કરને કા શાસ્ત્રોક્ત દિવસ। દેખો પર્વણી

પરવતન (સં.) બિદેશ, પરદેસ અન્ય દેશ, પરરાજ્ય દેશ।

પરવરતાવવું (કિ.) પ્રકાશિત કરના, ઉદ્ઘાટન કરના, ઠીક કરના, નયા બનાકર ચલાના, ફૈલાના।

પરવરદેગાર (સં.. પરમાત્મા, ઈશ્વર, પ્રાણીમાત્ર કો જીવન દાતા, પ્રભુ।

પરવરવું (કિ.) સિધારના, જાના, બિદા હોના, રવાના હોના, ગમન કરના।

પરવરશ (સં.) પાલન પોષણ, રોજી, નિર્વાહ, કૃપા, રક્ષા, પાલન।

પરવસ્તુ (સં.) પરાઈ ચીજ, દૂસરે કી વસ્તુ, દૂસરે કા માલ અસબાબ।

પરવળ (સં.) એક પ્રકાર કા શાક, ફલ બિશેષ, સોંપસરીખી લૌકી।

પરવા (સં.) પરવાહ, ફિક્ર, ચિંતા દરકાર।

પરવાણુ (સં.) જૉડ, પતવાર, નૌકા ચલાનેકા દણ્ડ અથવા સ્થાન।

પરવાડ (સં.) ગાંવકે પાસ કા આસપાસ ભાગ।

પરવાનગી (સં.) હુકમ, આજ્ઞા, છુટ્ટી, ઇજાજત, રજા, અનુશાસન।

પરવાનો (સં.) લાયસેંસ, વારંટ, આજ્ઞાપત્ર, પાસ, હુક્મ।

પરવાર (સં.) અવકાશ, ફુરસત, છુટ્ટી, સમય, વક્ત, પરિવાર, કુટુમ્બ, કુનબા, ઘર કે લોગ।

૫૨વારવું (સં૰) દેખો ૫૨વાળુ

૫૨વારવું (સં૰) બે ધન્દા, બે રોજગાર, બે કામ, નિકમ્મા, ઠલ્લવા ।

૫૨વારવું (ક્રિ૰) કામકાજ કર કે ફુરસત પાના, ઠાલે હોના ।

૫૨વારી (સ) ઇસ નામકી એક નીચ જાતિ, નીચ કૌમ વિશેષ ભંગી ।

૫૨વાળુ (સં૰) મૂંગા, પ્રવાલ, એક પ્રકાર કે સમુદ્રી જાનવર કે રક્તમેં સે ઉત્પન્ન મૈલ જો લાલ ગુલાબી ઔર કુછ કુછ પીલે રંગ કા હોતા હૈ ।

૫૨વાળ–સાળ (સ૰) પ્રવેશ ગૃહ, પટશાલ, ઘર કે ચૌક કે પાસ કા એક મકાન ।

૫૨શી (સં૰) પરશુ, કુલ્હાડી, છોટી કુલ્હાડી, ફરસી, કુઠાર ।

૫૨શુ (સં૰) શસ્ત્ર વિશેષ, પરશ્વધ. કુલ્હાડા, પર્શુ, ફરસા ।

૫૨શુદી–સુદી (સં૰) મૈદા, એક પ્રકાર કા ગેહૂં કા ઉત્તમ આટા ।

૫૨સ (સં૰) ઓસ, સબનમ, કુહર ધુંધ, પાલા, જાડા ।

૫૨સવું (ક્રિ૰) પહિચાનના, પરખના, જાનના, ચીન્હના, છૂના, સ્પર્શ કરના, ભગના, યાદ કરના ।

૫૨સંગ (સં૰) ખાટ,પલંગ, ખટિયા, પર્યંક, ચારપાઈ, પ્રસંગ, યોગ, સંગતિવિશેષ ।

૫૨સાદ (સં૰) નૈવેદ્ય, ભોગ, દેવ, દેવીકો ચઢાયા હુઆ ભોજન, ભોજન, આશિર્વાદ, કૃપા, ગુરુદેવતા પ્રભૃતિ દ્વારાદિયા હુઆ કૃપાફલ, (લડ઼ાઈ કે સમય) માર, પીટ, કુટાઈ, પિટાઈ ।

૫૨સેવે–વો (સં૰) પસેવ, પસીના, સ્વેદ, શ્રમજલ, પ્રસ્વેદ ।

૫૨સેવો ઉતા૨વો (ક્રિ૰) પસીના છૂટ જાવે ઇતની મિહનત કરાના, અત્યંત કઠિન પરિશ્રમ કરાના ।

૫૨સ્તશ–સ્તી (સં૰) પૂજા, પૂજન, યજન, નમન, પ્રણામ, અભિવાદન સેવા, દેવ સત્કાર, આરાધના ।

૫૨સ્તી (સં૰) પ્રશંસા, પ્રશસ્તિ, વર્ણન, તારીફ, ખુશામદ, ચાપલૂસી, ગાંડગુલામી ।

૫૨સાઠે (સં૰) પાખાના, સંડાસ, ટટ્ટી, ઝાડ઼ા, દસ્ત, શૌચ ।

૫૨હેજ–જ (સં૰) રોક, બંધી, પથ્ય, દેખો ૫૨હેજ ।

૫૨હેજ કરવું (ક્રિ૰) કૈદ કરના, બંદ કરના, પથ્ય કરના, પરહેજ કરના ।

५२६३/७१२ (वि.) खाने पीनेकी कई वस्तुओं का परहेज करनेवाला पथ्य करनेवाला, घृणा करनेवाला

५२६७ (सं.) देखो ५२७७ ।

५२७त (सं.) शेष, बाकी, अवशिष्ट, बाद्बाकी बचाहुवा, उपरान्त ।

५२७तवुं (क्रि.) देखो ५२७।२वुं ।

५२। (सं) कंठमें से निकलतेहुवे आरंभिक ध्वनि, शब्द का स्वरूप विशेष, नाद स्वरूपवर्ण, शब्दका आदि स्वरूप, योगाभ्यासद्वारा समस्त शब्दका प्राप्त बीजरूप, सबसे उच्च गति, गंगा, गायित्री (अ.) पीछे, तरफ, ओर, दूर ।

५२।४ (सं.) मूसली, मूसल, लोढी ।

५२।५।१। (सं.) मर्य्यादा, हद्द, सीमा, अतिश्रम ।

५२।७ंद। (वि.) जामाडोल, भ्रमणकारी, रमता ।

५२।७५ (सं.) मचान, मंच, तमाशा गाह का ऊंचा चबूतरा, फांसी देने का मचान ।

५२।७–त (सं.) बड़ी भारी थाली, बड़ा थाल, परात, थाल ।

५२।७ु (सं.) तीस बीघे का माप काठी, भूमि का नाप विशेष ।

५२।८ (सं.) गधे के ऊपर गुदड़ी रखकर बकरे के बालों की बनी जिस डोरी से बांधा जाता है वह रस्सी ।

५२।९ी–ो। (सं.) बैल हांकने की आरवाली लकड़ी, वह लकड़ी जिस में बैल चलाने के लिये कील ठोकी गई हो, आंकुस, अंकुश ।

५२।९े (क्रि. वि) बलात्कार पूर्वक बल पूर्वक, जबरदस्ती से, बिना इच्छा के, जोराजोरी, बेमर्जी ।

५२।९ो। (सं.) देखो ५२।९ी ।

५२।त (सं.) छाछ का पानी, मठे का पानी, देखो ५२।७ ।

५२।५२ (वि.) श्रेष्ठ से भी श्रेष्ठ, उत्तम से उत्तम, सब से अच्छा, देव, ईश्वर ।

५२।धीन (वि.) परतंत्र, ताबेदार, अन्याधीन, दूसरे के आधीन ।

५२।न्ह (सं.) दो पहर के बाद, मध्यान्ह के उपरान्त, दो पहरी ।

५२।पूर्व (वि.) असली, बपौती, बापदादों का, अगलापिछला ।

५२।भूत (वि.) पराजित, परास्त, हाराहुवा, तिरस्कृत ।

५२।५ (सं) मूसल, लोढ़ा, बट्टा, मूसली, लोढी, बत्ता ।

५२१५ (सं.) पराया, दूसरे का अन्य का, अन्य देशीय, अद्भुत। अन्यदीय, अन्य सम्बन्धीय।

५२१२ (क्रि वि.) (आगन्तुक अथवा गत) तीसरा वर्ष।

५२१३ (वि.) लक्ष लक्ष कोटि, पिछली गिनती, अंतिम संख्या, ब्रह्मा की आयु का आधा भाग, १०००००००० ००००००० वर्ष। केशर, चन्दन।

५२१४-क (स) चावल मूंग के दलने अनाज का घास भूसा।

५२१४ आवर्तन (स) पुनरागमन लौट आना, प्रतिक्षेप, परछाही, प्रतिमा प्रतिबिम्ब, छाया।

५२१५ वर्त्त (स.) लौटाया हुवा फिर से दिया हुवा, छाया पड़ा हुवा, घबराया हुवा, नौकरी छोड़कर अपने घर बैठा हुवा।

५२१६ प (स.) छाछकापानी, वृक्ष पेड, तरु, पादप।

५२१७ (स) देखो ५२१६

५२१८ (स) चारों ओर, विशेष, बहुत ही शब्द के प्रथम उसके अर्थ में 'चारों ओर, प्रदर्शित करने वाली प्रत्यय।

५२१९ (कि.) गोल फिरना, चारों ओर घूमना, (स.) प्रदक्षिणा, परिक्रमा।

५२२० (सं.) प्रतिनिधि, दान, स्वीकार, मंजूर, कृत्य, सेवक, परिवार, ग्रहण, उपाय, आदान, परिजन।

५२२१ (स.) घेरा, गोलकुंडी, पानी भरनेका मिट्टीका बड़ापात्र। लोहाजड़ी लाठी, गदा, मुद्गर, शूल, लौहमय यष्टि।

५२२२ (वि) ग्रन्थविच्छेद, ग्रन्थ के अध्याय, सीमा, अवधि, भाग, प्रकरण, व्यवधान, पर्व, विभाग।

५२२३ (स.) विवाह, दारपरिग्रह, लग्न, ब्याह।

५२२४ (स.) सन्तोष, खुश, सब प्रकारसे तुष्ट, आनन्द, आल्हाद।

५२२५ (स) पहिराहुवा वस्त्र, परिधेयवस्त्र, अधोवस्त्र, वस्त्र।

५२२६ (स.) पहिरिबा।

५२२७ (स.) जीर्णता, पक्वता, परिणाम, निपुण्य, फल, निष्कर्ष।

५२२८ (वि.) दक्ष, कुशल, गुणेश्वर, चतुर, ज्ञाता, अभिज्ञ।

५२२९ (सं.) परास्पर, परस्पर, परस्त, अपना, इतरेतर।

परिभाव (सं०) पूर्ववत् ।

परिभाषा (सं०) कृत्रिम नाम, बनावटी संज्ञा, सूत्रकालक्षण विशेष, अवयवार्थ को छोड़ समूह का अर्थ, संक्षिप्त वाक्य, स्पष्ट व्याख्या, प्रस्तावना, परिष्कृत भाषा, प्रशस्ति, ग्रंथ संक्षेप करने के लिये सांकेतिक नियम, शास्त्रादि विषयमें सूत्र । [द्र, गन्ध ।

परिमल (सं०) सुगन्ध, खुशबू, वास

परिमली (सं०) सुगन्ध, खुशबू, सुवास, अच्छी महँक, सौरभ ।

परिमंडक (सं०) खाट, पलका, पलङ्ग, सेज शय्या, चारपाई, खाटिया ।

परिमट-मेट (सं०) धोबी, वस्त्र-धोनेवाला, जाति विशेष, रजक ।

परिमल (सं०) पूर्वज, पुरुषा, बाप-दादे अमज, पूर्वपुरुष, पितामह-आदि, पुरखा, पुरखा ।

परिमार्जु भाषुमेतुं (कि०) बाप-दादाओं की कीर्ति को नाश करना ।

परियाण (सं०) गमन, प्रस्थान, कूच, यात्रा विदाई, पयान ।

परिरंभ (सं०) आलिंगन, भेंट करना, हृदयालिंगन ।

परिवाद (सं०) गाली, उलहना, तिरस्कार, निन्दा, सत्य निन्दा, बुराई, अपकीर्ति ।

परिवेष (सं०) चन्द्र सूर्य के आस-पास का गोल चक्कर ।

परिवेष्टन (सं०) आच्छादन, ढकन, चतुर्दिक से आच्छादन, लपेटन ।

परिशेष (सं०) अन्त, सीमा, विच्छेद, समाप्ति, शेष, बाकी, अवशेष ।

परिषद (सं०) पाठशाला, कालिज, मदरसा, स्कूल, गुरुकुल, सभा, समिति, चाकर, सेवक, नौकर ।

परिसवुं (कि०) देखो पिसरवु

परिसान-ज्ञान (सं०) निश्चय बोध, सब प्रकार से जाना हुआ, ज्ञात ।

परिसंख्या (सं०) आश्रय, आसरा, हिसाब, गणना, सीमा कुल, योग, जोड, टोटल, गिनती लेखा ।

परिहरणु (सं०) त्याग, विसर्जन, मोचन, निकाल, छोड़, छीन, हरण ।

परिहार (सं०) अवज्ञा, अनादर, मोचन, छोड़ना, त्याग, विसर्जन, एक जाति विशेष, रोक, आड़ ।

परिसीमा (सं०) अवधि, हद ।

परीक्षा देवी (कि०) जांचना, परखना, कसौटी कसना, इम्तहान लेना ।

પરીક્ષિત (વિ.) જિનકા ગુણદોષ-વિચાર કિયા હૈ, જાંચા હુવા, અભિમન્યુકા પુત્ર ।

પરીખ (સં.) શરાફોંકી પદવી, શરાફી ધંધા કરને વાલોં કે નામકે સાથ લગાયા જાતા હૈ ।

પરીખ્યાત–ખ્યાદો (સં.) અત્યંત ખૂબસૂરત, વિશેષ મનોહર, રૂપવંત સ્પષ્ટ । [કિયત ।

પરીખરો (સં.) માલમત્તા, મિલ-

પરીસવું (ક્રિ.) ભોજન કરને વાલે કે આગે ભોજ્ય પદાર્થ રખના, પરસના, પરોસના, ભોજન રખના ।

પરીસો–સૌ (સં.) પીડા, દુઃખ, કષ્ટ, અકચન, તકલીફ, કલેશ ।

પરું (સં.) ઉપપુર; નગર પ્રાંત, બાહિરી ભાગ, પુરા, શહર યા કસ્બે કે બાહર લગી હુઈ બસ્તી, બિલ્લી, ખરહા, દૂર, અસમીપ, અલ, પીબ, ગુમડી, ફુનસી કે પક્વ હોનેપર નિકલા હુવા સફેદ પીબ (વિ.) ઉલટા, આડા,

પરેખો (સં.) દેખો પરખો

પરેપવું (ક્રિ.) કહના, બોલના, કથન કરના, વર્ણન કરના ।

પરેમ (વિ.) નિષ્ઠુર, કઠોર, કઠિન, કડા, નિર્દય, ક્રૂર, ક્રુદ્ધ, તીક્ષ્ણ, નિષ્ઠુરોક્તિ, કઠોર વાક્ય ।

પરે (સં.) પ્રભાત, અરુણોદય, સૂર્યોદય કા સમય, (વિ.) પ્રકારસે, રીતિસે ।

પરેજ (સં) પરહેજ, પથ્ય, ઘૃણા।

પરેજવું (ક્રિ.) પથ્ય કરના, બચના, પરહેજ કરના, ઘૃણાકરના।

પરેજાર (વિ.) અલ્પભોગી, મિતાહારી, અલ્પાહારી, પથ્ય કરને વાલા ।

પરેજી (સં.) દેખો પરહેજી

પરેસ (સ.) પ્રેસ, છિકંજા, યંત્રાલય ।

પરેસાન (વિ.) નિર્લજ્જ. તોફાની પહુંચવાન, ચતુર, ધૂર્ત, અશુદ્ધ, વ્યભિચારી, અસાધુ, દુષ્ટ, આવારા।

પરેસ્તાન (સં.) સ્વર્ગ, વૈકુંઠ. પરિયોં કે રહનેકા સ્થાન, ઇન્દ્રલોક ।

પરૈ (સં.) બોઝઉઠાને કી લકડી ।

પરો (સં.) પર પંખ, પક્ષ, પાંખ ।

પરોઅ (સં.) કિનારા, અંત, સિરા ।

પરોઢ–ઢે-ઢિયું (સં.) મિનુસાર, ભોર, પ્રભાત, સુબહ, સવેરા, તડકા, દિનોદય, સૂર્યોદય, પ્રાતઃકાલ ।

પરોણાગત (સં.) આગત સ્વાગત, આતિથ્ય, અતિથિ સત્કાર, સેવા-શુશ્રૂષા, ખાતિર તવજ્જોહ ।

પરોણાગતી (સં.) પૂર્વવત્,

પરોણાગા (સં.) પૂર્વવત્,

પરોણી (સં.) અંકુશ, બેલ ચલા-વેની વહલકડી જિસમેં નીચે કીલ લગી હો, અતિથિ (સ્ત્રી), સુઈમે કા દોરા ।

પરોણો (સં.) પાહુના, મેહમાન, અતિથિ, અનજાના મનુષ્ય, અંકુશ, આરદાર ડંડા ।

પરોવવું (ક્રિ) સુઈમેં ધાગા ડાલના, ધાગે મે ફુલ યા માલાકે દાને અથવા ગુરિયે ગૂંથના, પિરોના, પોના ।

પર્ણ (સ) પત્તા, પત્ર, પાન, દલ, પત્તા, પાતી, પાત, તામ્બૂલી દલ ।

પર્મ (સં.) પરમ ।

પર્યંક (સં.) ખાટ, પલકા, પલઙ્ગ, સેજ, શય્યા, ચાર પાઇ ।

પર્યવસાન (સં.) સિરા, છોર, સીમા, અન્ત, આખિર, પરિણામ, પૂર્ણ । [દુશ્મની ।

પર્યવસ્થા (સં) રોક, વૈર, દ્વેષ,

પર્વા (સં.) નદી, નાલા, છોટી નદી । [રવાનગી, ગમન ।

પર્યાણ (સ ; કૂચ, પ્રસ્થાન, પદ્યાવ,

પર્યાપ્ત (સં.) બસેર, પૂરા, તૃપ્તિ, સન્તોષ, પ્રાપ્તિ, તુષ્ટિ, આખી ।

પદ્ધતિ (સં ; રીતિ, રસ્તા, માર્ગ, તરીકા, યુક્તિ, ઉપાય, સિલસિલા, ક્રમ પ્રાપ્ત વહ શબ્દ જો સમાન અર્થ કા બોધક હો, ક્રમ, આનુ-પૂર્વી ।

પદ્મનાભ (સં.) પદ્મોસન, પદ્મોસન પદ્મસન, જૈનિયોંકા મતવિશેષ ।

પદ્મિણી (સ.) પૌર્ણિમા, પ્રતિપદા, પડવા, પૂનમ ।

પલ (સં.) ક્ષણ, અલ્પ કાળ, ઘડી કા સાઠવાં અંશ, નિમેષ, સાઠ વિપલ કાલ, ઘાસ, તૃણ, માસ, પુલ, સેતુ, પુલિયા ।

પલકવું-કાવું (ક્રિ.) હંસના, ખુશી હોના, પ્રસન્ન હોના, મુદિત હોના ।

પલકારો (સં. , દેખો પલક

પલકો (સં.) ચમકા, દમકા, પ્રકાશ, તેજ ।

પલંગડી (સં.) છોટાપલંગ, છોટી-ખાટ, પીઢા, પલના, છોટા ખોચ ।

પલંગપોષ (સં.) પલંગ પર ડાલને કા વસ્ત્ર, પર્યંકવસ્ત્ર, ચદર ।

પલટવું (ક્રિ.) ઉલટના, હેરફેર-કરના, ધોખા કરના, ચિત્ત બદલ, ફસ્ના, વચન ભંગ કરના, પલ્ટેના સુધારના ।

પલ્લટ (સં.) એક પ્રકાર નું વસ્ત્ર જિસે ગુજરાતી ભીલ ઔર કુલી પહિનતે હૈં, વસ્ત્ર લપેટને કે લિયે દી હુઈ ગલાન ।

પલ્લટવું (ક્રિ.) બદલના, ફેરફેર કરના, લૌટ પલ્ટ કરના, પલટના ।

પલ્લવવું (ક્રિ.) રીઝના, ખુશ હોના પ્રસન્ન હોના, આનન્દિત હોના ।

પલ્લવાડ (સં.) આડ વાડ, રોક, અટકાવ ।

પલ્લળવું (ક્રિ.) ભીંજના, તરહોના, ગીલા હોના, પાનીયુક્ત ર, ભીગના ।

પલ્લાંખી (સ.) અંકોં કા અનુક્રમ પૂર્વક ગુણાકાર, પહાડા, પટ્ટી ।

પલ્લાંઠી (સં.) પર પર પર રખકર બૈઠક, પૈર મેં આંટી ડાલ કર બૈઠને કી રીતિ ।

પલ્લાંઠી વાળવી (ક્રિ.) પૈર પર પૈર રખકર બૈઠના, પૈરોં મે આંટી ડાલકર બૈઠના । [વિશેષ ।

પલ્લાડું (સં.) પ્યાજ, કાદા, કંદ

પલ્લાણ (સં.) કાઠી, ઝીન, ઘોડે પર ચઢને કે લિયે ડાલને કી ગદ્દી, ખોગીર, આસન ।

પલ્લાણવું કરવું (ક્રિ.) કૂચ કરના ઘોડે પર ચઢ કર પ્રસ્થાન કરના, લાદના, ગાંઠી કરના, સવારી કરના ।

પલ્લાણો (સં.) ઢાંકને કે ટાટ્ટ કો બરાબર કરને કે લિયે વહ કા ઠકા ટુકડા જિસે અક્ષરોંપર રખ કર ઠોકતે હૈં ।

પલાવ (સં.) ભાત, મસાલા, ઔર માસ કે મિશ્રણ સે પકાયા હુઆ ભોજન પુલાવ, મુસલ્માની ભોજન, ખાદ્ય પદાર્થ । [જાતિ

પલાવડ (સં.) ભીલોં કી એક

પલાશ (સં) કિંશુક વૃક્ષ, ટેસૂ કા પેડ, ખાખરા, છીલા, વૃક્ષ વિશેષ, ઢાક । [બીજ ।

પલાશપાપડો (સં.) પલાશ કા

પલાળવું (ક્રિ.) ગીલા કરના, તર કરના, ભિગોના, પાની સે ભિગોના, સમઝાના, અપને વિચાર દૂસરે કે દિલ મેં જમાના, મોહિત કરના ।

પલિત (સં.) દેખો પલીત, ભૂત, પ્રેત, મૈલા, ગંદા, દુષ્ટ, દુકદાયી, વૃદ્ધ, પિશાચ, યોનિ વિશેષ, રાક્ષસ ।

પલિતિ (સં.) ગંદા, મૈલા ।

પલ્લિતું-ડું (સં.) પતલા, ઉમ્દા ટુકડા ।

પલિતો (સં.) બડી બત્તી, બડી બાતી, મશાલ, પટાસે યા આતિશબાજી જલાને કી સુલગતી હુઈ બત્તી, રોટી કા ટુકડા, મોગી બત્તા ।

પલીતો મુકવો (ક્રિ.) જગાના, પ્રજ્વલિત કરના, સુલગાના, તય્યાર કરના, ભડકાના, ઉસ્કાના, તરેજના દેના, સુરંગ લગાના ।

પલીત (સં.) ભૂત, પ્રેત, પિશાચ, રાક્ષસ, યોનિવિશેષ ।

પલેવડું (સ.) જીવ જંતુકી રક્ષાકે લિયે વસ્ત્ર ।

પલોટવું (ક્રિ.) શિક્ષાદેના સિખાના, સિખાકે તૈયાર કરના, દાબના, દબાના (પૈર)

પલ્લિ (સં.) છિપકલી, બિસતુઇયા, બિસમરી, નવરાત્રીકે દિનોંમેં દીપકોં કા સમૂહ રખકર જિસકે આસપાસ લોગ ગીત ગાતે હૈં વહ।

પલ્લું (સં.) તરાજૂકે પલ્લે, તરાજી કે પલ્લે, બિવાહ કે પૂર્વ વરકી ઓર સે કન્યાકો દેનેવાલી વસ્તુએં જેવર ઇ૦, જીવન, જિસપર પુરુષ કા કોઈ અધિકાર નહીં હોતા અવલમ્બકે જીવનજીવિત રહતી હૈ ।

પલ્લો (સં.) કપડેકા છોર, આંચર, અન્ચલ, ફાસલા, અંતર, દૂરી, વ્યવધાન, આંગા, આગિયા ।

પવઈ (સં.) ક્લીબ, નપુંસક, હિજડા, નામર્દ, જનાના, પુસત્વહીન ।

પવન (સં.) વાયુ, હવા, બતાસ, સમીર, વાયુકે તીન પ્રકાર શીતિલ મન્દ ઔર સુગન્ધ ।

પવનચક્કડું (ક્રિ.) ઉચ્છૃઙ્ખલ વિચારકે હોના, અવિવેક પૂર્વક વ્યવહાર કરના ।

પવનપુંજવો (ક્રિ.) બાત ફૈલાના।

પવનભરાવો (ક્રિ.) ગર્વ હોના, ઘમંડહોના, મિજાજ હોના, દર્પ. હોના ।

પવન લાગવો (ક્રિ.) અચ્છી બુરી બાત ફલાના, ગુણદોષલગના, સંગતિકા પ્રભાવ હોના ।

પવનમાં ઉડી જવું (ક્રિ.) વ્યર્થ જાના, નિષ્ફલ હોના, પાર ન પડના, મિથ્યા હોના, અલોપ હોના, ખોજાના, બંદહોના ।

પવનચક્કી (સં.) હવાસે ચલનેવાલી ચક્કી, વાયુદ્વારા ગમનશીલ યંત્ર ।

પવનગાલ (વિ.) તેજ, શીઘ્રગતિ, દ્રુત ગતિ, તેજચાલ, પવનતુલ્યવેગ ।

પવનપાવડી (સં.) મંત્રિત ચડ્ડાકું જિનપર ચઢને સે પવનકી ભાંતિ-શીઘ્ર દૌડને લગતા હૈ, પવન સમાન શીઘ્ર ગતિ ।

પવનવાળું (વિ) હવાદાર, વાયુ-યુક્ત, સસમીર હવાઈ ।

પવનવેગી (વિ.) પવનકે સમાન વેગવાલા, જલ્દબાજ, હવા જૈસા વેગવાન ।

પવાડવું (ક્રિ.) પિલાના, પ્યાના, જલ ઇત્યાદિ તરલ પદાર્થ ખિલના।

પવાડી (સં.) તાક, આલા, આલમારી વસ્તુ રખનેકે લિય દીવાર મેં કિયા હુવા છિદ્ર અથવા સ્થાન ।

પવાડો (સં) લાવની કી ચાલકી કવિતારચના જિસમેં શૂરવીર પુરુષોંકા યશ વર્ણન હોતા હૈ, વીર રસ કાવ્ય, નિન્દા, આક્ષેપ, નિ-ન્દાત્મક કવિતા, વ્યર્થકી બકબક અપવાદ, નિન્દોપાખ્યાન ।

પવાલું (સં.) એક પ્રકારકા તાંબા ઔર પીતલકે મિશ્રણકા બિલાસ જો પૂજાકે સમય કામ આતા હૈ, પંચપાત્ર, પાની પીનેકા પ્યાલા, એક પ્રકારકા માપ, પરિમાણ વિશેષ ।

પવિત્રારોપણ (સં.) શ્રાવણ સુદી દ્વાદશી, તિથિવિશેષ ઠાકુરજી કો પવિત્રા ચઢાને કા દિન ।

પવિત્રી (સં.) કુશ મુદ્રિકા, વૈતી, અંગૂઠી વિશેષ, દર્ભ કી અંગૂઠી, તર્પણ આદિ કર્મ કરતે સમય હાથ કી અંગુલિયોં મેં પહિનને કા છલ્લા, કંઠમેં પહિનને કા ભૂષણ જિસપર "શ્રી નાથજી" લિખા હો,

પવિત્રું (સં) પવિત્ર સૂત્ર, વલ્લભી સંપ્રદાય મેં રેશમ કા ગુથા હુવા વહ સૂત્ર જો પહિલે ઠાકુરજી કો ભેટ કર બાદમેં સ્વયમ્ ધારણ કરતે હૈં ।

પશમ (સં.) ઊન, બાલ, રુંવા, રોવાં, રોમ, મુલાયમ બાલ, તિનકા, તૃણ ।

પશમી (વિ.) ઊની બાલયુક્ત, રોમયુક્ત, તૃણયુક્ત ।

પશમીના (સં.) ઊની પૌશાક, પહિનનેકે ઊની વસ્ત્ર ।

પશલી (સં.) હથેલીકે ગડ્ઢે મેં જિતના સમા સકે, છલ્લા, અંગૂઠી, મુદ્રિકા, વહ ભેટ જો શ્રાવણ માસ મેં સાઈ કી ઓર સે બહિનકો દી જાતી હૈ ।

પશુપંખી (સં.) પશુ और પક્ષી, વે પશુ જો તેઓંસે ચલ સકતે હોં और ઉડ્ ભી સકતે હોં જૈસે • ખુતુર્મુર્ગ ।

પશુપ ત (સં.) ઢોર પાલને વાલા, ગ્વાલા, ચરવાહ, ગડરિયા, શિવ, શંકર ।

પશ્ચાત્તાપ (સં.) પશ્ચાત્તાપયુક્ત, વ્યાકુલ, પછતાવા કરને વાલા ।

પશ્ચાત્તાપી (સં.) પશ્ચાત્તાપ, પછતાવા, વ્યાકુલતા, પરેશાની અનુશોચન ।

પશ્ચાતકાળ (સં.) બાદમે, સમયોપરાન્ત, કાલાન્તર, પીછેકા ।

પશ્ચાતાપ (સં.) કર્માન્તર સન્તાપ, પશ્ચાત્ શોક, અનુશોચન, પછતાવા।

પશ્ચાતાપી (વિ.) પછતાવા કરને વાલા, કર કે પછતાને વાલા ।

પશ્ચિમ (સં.) અસ્તાચલ કે સમીપ કી દિશા, પછાહ, પ્રતીચી, દિશા વિશેષ, સૂર્યાસ્ત કી દિશા ।

પશ્ચિમભણી (ક્રિ વિ.) પશ્ચિમ દિશા કી ઓર, પીઠ પીછે ।

પસતાશિયો (સં.) કુંજડા, શાકભાજી બેચને વાલા, તરકારી બેચને વાલા ।

પસતાં (સં.) પિસ્તા પ્રસિદ્ધ મેવા । એક પ્રકાર કા મેવા ।

પસંદ (વિ.) ખુશ, રાજી, પ્રસન્ન, માન્ય, સ્વીકૃત, ચુના હુવા, ઇચ્છિત ।

પસંદગી (સં.) અનુમત્, અનુમોદન, પ્રશંસા, સ્વીકૃતિ ।

પસંદ પડવું (ક્રિ.) સ્વીકાર હોના, પસંદ આના, ઠીક હોના, ઉચિત હોના ।

પસર (સં.) વહ સ્થાન જહા પ્રાતઃ ઢોરોં કો ચરને લે જાતે હૈં और ઢોર વહાં ચરતે હૈં । ઢોરોં કા સુબહ કા ચરના ।

પસરવું (ક્રિ.) પ્રસરિત હોના, ફૈલના વિસ્તૃત હોના, લંબા હોના, બઢ઼ા હોના ।

પસલી (સં.) દેખો પશલી

પસવારવું (ક્રિ.) પપોલના, ધીરે ધીરે હાથ ફેરના, પલોટના ।

પસાય (સં.) પ્રસાદ, કૃપા, દ્રવ્ય, ધન, દૌલત, અનુકમ્પા ।

પસાયતું (સં.) નૌકરી કે બદલે ભરણ પોષણ કે લિયે દી હુઈ મર્યાદા ભૂમિ યા ગાંવ, ઇનામ મેં દી હુઈ ભૂમિ ।

પ્રસાદ (સં.) યહાં से वहां और वहां से यहां व्यायाम के लिये चक्कर ।

પ્રસાર (वि) पार उतराहुवा, परीक्षोत्तीर्ण, प्रविष्ट, दाखिल ।

પ્રસારવું (क्रि) परीक्षा देना, व्यतीत करना, निर्गमन करना, विश्वासनकरना, कुछ न गिनना ।

પ્રસારવું (क्रि.) पासहोना, परीक्षामें उत्तीर्ण होना, दाखिल होना, भागजाना, मरजाना, लोपहोजाना ।

પ્રસારવું (क्रि.) फैलाना, विस्तृत करना, बढाना, लम्बाकरना।

પ્રસારો (सं. फैलाव, विस्तार, वृद्धि।

પ્રસિયાર (सं.) कुलाब, कब्जा चूल, कील डालनेका नकूचा ।

પ્રસ્તા (सं.) विस्तानामक प्रसिद्ध मेवा ।

પ્રસ્તાગિયો (सं.) फलबेचनेवाला कुंजडा, शाक तरकारी बेचनेवाला।

પ્રસ્થાનું (सं) प्रस्थाना, मुहूर्त समय साधनार्थ अपने घरसे निकलकर कहीं अन्यत्र जा रहना, मुहूर्त के दिन दुपहा खंडा कोर आनेकी दिशामें किसीके यहां रख देना और जाते समय लेजाना ।

પ્રસ્તાળ (सं.) घोरकी वृष्टि,

પ્રસ્તાણપડવી (क्रि.) किसी पर कोधमें उतारू होजाना ।

પ્રસ્તાવું (क्रि.) पछताना, पश्चात्तापकरना, अनुशोचन करना, अनुताप ।

પ્રસ્તાવો (सं.) अनुशोचन, पश्चात्ताप, पछताना, शोच, खेद, अफसोस, कर्मान्तर सन्ताप, पश्चात्, शोक ।

પ્રસ્તી (सं.) रक्षा, दूसरी तरफ से लडने वाला, रद्दी कागज, सहायक।

પ્રસ્તુ (सं. रक्षक, सहायक, पक्षलेने वाला, तरफदार, मित्र ।

પ્રહ્યે (क्रि.) वहा, तहा, उस जगह उधर । [की चलाई ।

પ્રહર (सं.) आधी रातमें डोरों

પ્રહાડ્યેવું-ડ્યેવું (वि.) कील डौलमें बडा, विस्तृत, पहाडसा, जवान घोडा, भारी,

પ્રહાડી (सं.) छोटापहाड, डुंगरी, टेकडी, (वि.) पहाड सम्बन्धी, पार्वती, पर्वतका, बडा, विशाल, दीर्घ ।

પ્રહાડીયો (सं.) पर्वतवासी, पर्वतपर रहनेवाले, पहाडी देशके निवासी ।

પહોળું (क्रि.) कोरा वस्त्र रंगने के लिये धोना, सफेद करना ।

પહોંચા (सं.) देखो पौंचा।

પહોં-દીં (क्रि वि.) वहां, उधर तत्र, तहा, उस जगह ।

પહોં (सं) वह मिहमान जो दूसरे दिन ठहरे, दो दिन ठहरन वाला अतिथ ।

પહેરણ (स.) लम्बा नीचा ढीला गले मे पहिरने का वस्त्र, झगा, पहिरनेकीरीति ।

પહેરણું (स.) पहिरनेकी रीति पहिरने का, ओढने का ।

પહેરવું (क्रि.) ओढना, पहिनना, डालना, धारण करना, वस्त्रादि पहिरना, आभूषण पहिरना।

પહેરવેશ (सं.) पहिरनेकी रीति, पहिराव, पहनाव, वेशभूषा, लिबास वस्त्र पहिरने का ढङ्ग, कपडा ।

પહેરામણી (सं.) स्त्री धन, विवाह पश्चात् कन्या के खसुर सास इत्यादि के लिये दी हुई भेट, पहरावनी, कपड़े का जोड़ जो विवाह में दिया जाता है ।

પહેરાવવું (क्रि.) पहिराना, उढ़ाना सज्जित करना, शृंगार करना, वस्त्र सजना, वस्त्र भेट करना, गलेमें डालना, अपने लाभके लिए दूसरेके गलेमें डालदेना ।

પહેરેગીર (सं.) चौकीदार, प्रहरी, पाहरू, रक्षक, रखवाला, गारद ।

પહેરો (सं.) चौकी, रक्षा, संभाल, सिपुर्द, निगाह, चौकसी, पहरा ।

પહેળ (सं.) आरंभ, शुरुआत, जो कुछ पहले पहिल आरंभ किया हो, प्रथम, प्रारंभ ।

પહેલ (वि.) पहिलेका, प्रथमका, आरंभ का, शुरुआतका, आदि का

પહેલપહેલું (वि.) तुरंत, प्रथम ही

પહેલવાન (सं.) लडाई में सब से आगे बढने वाला, बहादुर, वीर, शूर, भट, रणधीर, कुश्ती में प्रवाण, मल्ल । [भाषा ।

પહેલવી (सं) प्राचीन फारसी

પહેલા (वि) पहिले, पूर्व काल में प्राचीन काल में, आगे, इस से पहिले, पूर्व, आरंभ मे शुरुआत में।

પહેલું (वि.) पहिला आरंभिक । शुरुआत का, बडा, मुख्य ।

પહેલાબોલાનું (वि.) सब से पहिले उत्पन्न बालक ।

પહેલે ધરથી (वि.) पहिले से, शुरू से ।

પહેલે પહલે (વિ.) આરંભમાં, શુરુમાં, પહિલે પહિલ, અભ્યાસ ।
પહોંચ (સં) સમઝશક્તિ, પહુંચને કી તાકત, અક્કલ, જ્ઞાન, મતિ, મતિ, સામર્થ્ય, પૈસાર, પ્રવેશ, પૈઠ, પ્રાપ્તિ સૂચક પત્ર રસીદ બલ, તાકત ।
પહોંચવું (ક્રિ.) પ્રાપ્ત હોના, પહુંચ-જાના, ચલાજાના, બઢજાના, પૂગના, પાસજાના, હાથમેંઆના, મિલના, સમઝના ।
પહોંચી (સં.) કલાઈ પર બાંધ-નેકા ચાંદી અથવા સોનેકા આ-ભૂષણ, કડૂણ ।
પહોંચેલુ (વિ.) પહુંચાહુવા, પહુંચવાન પક્કા, ચતુર, પ્રવીણ, કુશલ દક્ષ ।
પહોંચેલી બુદ્ધી (વિ.) જિસકા યુક્તિ સમઝમેં નહી આવે, પહુંચી માયા, અતિ ચતુર, બહુત હોશિ-યાર મનુષ્ય । [કલાઈ ।
પહોંચું (સં.) પહુંચા, મણિબંધ,
પહોંચો (સં.) પૂર્વવત્ ।
પહોંચા કરવા (ક્રિ.) અત્યન્ત પશ્ચાત્તાપ કરના, અનુતાપ કરના, પછતાના ।
પહોર (સં.) પ્રહર, રાત દિનકા ૮ વાં હિસ્સા, આઠઘડી, તીનઘંટે, કાલ પરિમાણ, સમય વિભાગ ।

પહોર (અ.) મદ્ય યા આસવ પીના ।
પહોરમીતપણું (ક્રિ.) અધિક સમય લગના, બહુત બીતજાના ।
પહોરેદારી (સં) ચૌકીદારી, ચૌકસી, રખવાલી, હિફાજત ।
પહોરેદાર (સં.) ચૌકીદાર, પ્રહરી સન્તરી, રક્ષક પાહરુ ।
પહોરો (સં.) પહરા, રક્ષા, ચૌકી ।
પહોળાઈ (સં.) દેખો પોળાઈ
પહોળુ (સં.) દેખો પોળું
પળ (સં.) ઘડીકા સાઠવાં ભાગ, પલ, ક્ષણ, એકઘંટેકા ૨૪ વાં ભાગ, ઢાઈ મિનિટકા કાલ ।
પળપડું (ક્રિ.) નિગલના, ભક્ષક-કરના, એક બાર મિલજાનેપે દુબારા ખાનેકી ઇચ્છા કરના, હડપના ।
પળવારમાં (ક્રિ. વિ.) તુરંત, પલમે, ક્ષણભરમેં, ફૌરન, તત્ક્ષણ ।
પળવું (ક્રિ.) જાના, ભાગના, કૂચકરના, પ્રયાનકરના, બરદાશ્ત હોના, પોષણહોના, (વચન) પાલના, પોષણ કરના, બાલ સફેદ હોના, બુઢાપા આના, પ્રકટહોના, મિટજાના ।
પળશી (સં.) ખુશામદ, કામ નિકાલને કે લિયે ખેદ ।

પગલણ (સં.) દેખો પખાલન

પગોસવુ (ક્રિ.) પૈરદબાના, પૈર પખોડના, સેવાકરના, ચાકરી કરના, બેહદ ખુશામદ કરના ।

પગા (સં) ચાકરી, નૌકરી, સેવા ખુશામદ, ગુલામી, અડચન અથવા ઝંઝટ પૈદા કરને વાલા કાર્ય ।

પગાં (સં.) પકેહુએ બાલ, સફેદ બાલ બૂઢેબાલ, વૃદ્ધાવસ્થા ।

પગી (સં.) ઘી તેલ ઇત્યાદિ નિકાલનેકી પલી, ચમ્મચ, કુડછી। એક પ્રકારકા ચમ્મચ, તરલ પદાર્થ નિકાલનેકી કર્છી, સફેદ બાલ ।

પગો (સં.) બડી પલી, બડા ચમ્મચ, બડી કર્છી, બડા ચમચા।

પગોસવુ (ક્રિ.) દેખો પખોસવું

પગ (સં.) રોટી, (ઇંગ્રેજી રીતિસે પકાઈ હુઈ)

પગ (સં.) તાજા તુરંત કે ભૂને હુએ દાને અથવા અન્ન ।

પગડ (વિ.) ઊસર, અનુપજાઉ, વહ ભૂમિ જિસમેં અન્નાદિ ન ઉગતે હોં ।

પગ-યું (વિ.) નિયત કિયા હુવા, મનસૂબા બાંધા હુવા, ઇરાદા કિયા હુવા ।

પગવું (ક્રિ.) ઇચ્છા કરના, વિચારના, પહુંચના. ઇરાદા કરના ।

પગે (ઉપ.) બિના, બગૈર, અલાવા, અતિરિક્ત, રહિત, બિન, છોડ કર,

પગ્યું (વિ.) ઇચ્છિત, ચાહા હુવા વિચારા હુવા ।

પાખ (સ.) પક્ષ, પંખ, પર, બૈના, ઉડનેકા સાધન, છપ્પર કે કિનારે કિનારે કા ભાગ, પંખા, વ્યજન, બીજના ।

પાંખમાં ઘાલવું-લેવું (ક્રિ.) અપને હાથ મે રખના, અપની શરણ રખના, અપને આશ્રય રખના, હિમ્મત બંધાના ।

પાખમાં ભરાવું (ક્રિ.) આશ્રય મેં જાના, શરણ મેં જાના ।

પાંખો આવવી-ફુટવી (ક્રિ.) સામર્થ્ય સે વિશેષ પરાક્રમ કરના, પુષ્ટ ઉન્ન કા હોના, બ્રહ્મલોક મેં ઉડકર જાના ।

પાંખો કાપી નાખવી (ક્રિ.) બલ કમ કર દેના, નિરાશ્રય કર દેના, શક્તિહીન કરના, સત્તા હરણ કરના, ચલ ન સકે ઐસા નિર્બલ કર દેના ।

પાખો દીધવી (ક્રિ.) યથાશક્તિ સહાયતા કરના, સંકટ મેં સે છૂટને કે લિયે પ્રયત્ન કરના ।

પાંખડી (સં.) વિકસિત કુસુમ કે અવયવ. પંખુરી, પુષ્પની પંખરી, પુષ્પ પેટ, ફોલ્લ સરકાર ।

પાંખુ (સં.) શાખા, ડાલ ડાલી ટહની, વૃક્ષ કા અવયવ ।

પાંખૂ (સં.) કવચ, યુદ્ધ મેં રક્ષાર્થ બાહુ, વર્મ, ઝિલ્મ, સન્નાહ, બખ્તર।

પાંખાળું (વિ.) સપક્ષ, પાંખ વાલા ઉડ સકને વાલા ।

પાંખિયુ (સં.) પક્ષ, તડ, ડાલી, શાખા, ટહની ।

પાંખી (ઉપ.) બિના, બગૈર, વહ દિન જો કિ છુટ્ટી કે બાદ આવે ।

પાંખુ (સં) શાખા, ડાલી, ડગાલ, શાખ, ટહની, ડારી, ડાલ ।

પાંખોહું (સં.) સ્કંધ સે કોહનીતક હાથ કા ભાગ, કંધે સે કુહનીતક ।

પાંગત (સં.) પલંગકા વહ ભાગ જિધર પૈર કરકે સોયા જાતા હૈ। બિછૌનોં મેં સોનેવાલે કે જિસ ઓર પગ હોતે હૈ વહ ભાગ ।

પાંગરણ (સં.) છોટી ધોતી, પંચા, ધોતી કા ટુકડા, પોતડા, ચોલી ।

પાંગરવું (ક્રિ.) ખિલના, વિકાસ હોના, નયે પત્તે આના, અંકુર આના, પુષ્પ કા વિકસિત હોના, કલી કા ખુલના।

પાંગરો (સં.) ગોપન કે લૌંગ ઓર લટકતી હુઈ દોર. કપડે કો સૂખને અથવા તુલાને કે લિયે બાંધી હુઈ દોર, પલ્લે કી દોરી, તરાજૂ કે પલ્લોં કી ચતુર્દિક કે સબ દોરિયાં જો ડંડી મેં પિરોઈ જાતી હૈં ।

પાંગળાગાડી (સં.) બાલકોંકો પૈર ચલના સિખાનેકી ગાડી, ઐસા ગાડી ચલ ન સકને વાલોંકી ગાડી।

પાંગળું (વિ.) પંગુ, પંગુલા, લૂલા, લંગડા પાંગા, રેંગનેવાલા, સ્ખલિત ।

પાંગા (સં.) લૂલા પુરુષ, પંગુ ।

પાંગુ (સં.) પૂર્વવત્, ઓર (સંકેતાર્થ)

પાંગોહું (સં.) સ્કંધ, કાંધા, કન્ધા, કોહનીસે કંધે તકકા ભાગ।

પાંચશેરી કુટવી (ક્રિ.) માથા કૂટના, માથા ફોડ કરના ।

પાંચે આંગળીએ પુજવું (ક્રિ.) બડી શ્રદ્ધા ભક્તિસે પૂજન કરના ।

પાંચમાં પરમેશ્વર (સં.) જહાં પંચ વહાં પરમેશ્વર, અર્થાત્ સબ કુછ નક્કારણ ખુદા ।

પાંચની પાંચ બુદ્ધી (સં.) જિતને મનુષ્ય ઉતનીહી બુદ્ધિ, પૃથક પૃથક, વિચાર, અપની અપની સમઝ અપના રાય ।

પાંચો (સં.) પાંચનો અંક, ૫.

પાંચમ-ચોથ (સં.) પંચમી, તિથિ વિશેષ, શુક્લ અને કૃષ્ણ પક્ષની પાંચમી તિથિ, પાર્વે.

પાંચું (સં.) પાંચનો એક દો તીન ઇત્યાદિસે ગુણા, પાંચનો પહાડા.

પાંચોમ (સં.) દેખો પાંચમ.

પાંચોપગા વસ્ત્ર (સ) પાંચકપડે, પૂરી પોશાક, શિરત્રાણ, અંગત્રાણ, પાદત્રાણ, ધોતી અને દુપટ્ટા.

પાંછટ (સં.) ઘાવ, વ્રણ, ચોટ, જખ્મ.

પાંજણ-ણી (સં.) લત, આદત અભ્યાસ, વ્યસન, તાને માં લગાને કી લેહી, કપડે માં લગાને કી સાડી, સાડી લગાને કા સાચા.

પાંજર (સં.) ગાવકી સીમા, નગર પ્રાચીર, નગર કોટ, શહર પનાહ.

પાંજરાપોળ (સ.) અશક્ત જાનવરોં કો રખને કા ધર્મસ્થાન, પિંજરા પોલ.

પાંજરી (સં.) ગાડી માં ભરા હુવા માલ નિકલ ન પડે ઇસ વાસ્તે દ્વાર કે રૂપ સેં લગાયા હુવા કાઠ કા તખ્તા યા ટટ્ટી.

પાંજરું (સં.) પિંજરા, પલે હુએ પક્ષા રખને કા ઘર, બલવાન પશુ જિસમેં બન્ધ રખે જાતે હોં, અદા-લત મે અપરાધી કો ખડા કરને કા પિંજરા, અસ્થિ સમૂહ, શરીર કા પંજર, ઠઠરી.

પાંજ (સં.) ટેવ, લત આદત, વ્યસન.

પાંત (સં.) પંક્તિ, પાંતિ, કતાર, પંગત, દેખો પાંગત

પાંતરી (સં.) જ્વાર, બાજરા કે પૌધોં કા લમ્બા પત્તા, છોટે પત્તે.

પાંતરી-સ (સં.) સંખ્યા વિશેષ, પૈંતીસ, તીસ ઔર પાંચ ૩૫.

પાંતી (સ.) હિસ્સા, ભાગ બટવાર, શેઅર, વિભાગ, કિસી પૂંજી કે સમાન ભાગો મેં સે એક, બાજૂ, પક્ષ, ગણિત મેં એક પ્રકાર કા હિસાબ, રીતિ, દસ્તૂર.

પાંતીદાર (સં.) સાઝીદાર, બૅટૈતી, બટાઉ, હિસ્સેદાર, શેઅર હોલ્ડર.

પાંતીના હિસાબ (સં.) ગણિત મેં એક પ્રકાર કા હિસાબ.

પાંદડી (સં.) ફૂલકી પખુરી, પત્તા, સ્ત્રિયોં કે પહિનને કા કાન કા જેવર.

પાંદડું (સં.) પત્તા, પર્ણ, પત્ર, પાના, પક્ષા, પૃષ્ટ, દલ.

પાંદડું ફરવું (ક્રિ.) ભાગ્યોદય હોના, ભાગ્ય પલટના, સુખ પ્રાપ્તિ હોના, અટકાવ રોક ઇત્યાદિ દૂર હોના.

પાંડરે પાપ્પી પાપું (ક્રि.) બહુત દુઃખ દેના, હૈરાન કરના, સંતાપિત કરના, ચિઢાના, પીડા દેના ।

પાંપણ (સં.) આંખકે પલક કે ઊપર કે બાલ, માંપન, બાંપન ।

પાંપણું (સં.) નામર્દ, હીજ, નપુંસક જનાના ।

પાંસરું (વિ.) સીધા, ઠીક, બે મુડ઼ા, સમાના, હોશિયાર, લાયક, યોગ્ય, નિયમ પૂર્વક, સચ્ચા સીધા ।

પાંસળી-ળું (સં.) પાઁસુ, પસલી, પાંજર કી હડ્ડી ।

પાંસુ (સં.) ધૂલ રેણુ, રેણુકા, રજ ।

પાંસુડ (વિ.) ગંદા, અપવિત્ર, ધૂલિ ધૂસરિત, મૈલા, અપમાન ।

પાંસુલી (સં.) લમ્પટ સ્ત્રી, વ્યભિચારિણી, બદકાર ઔરત, છિનાલ ।

પાંસેઠ (વિ.) પૈંસઠ, ૬૫. સાઠ ઔર પાંચ, સંખ્યા વિશેષ ।

પા (વિ.) ચતુર્થાંશ, પાવ, ¼ ।

પાઈ (સં.) પાઈ, પૈસે કા તીસરા ભાગ, આને કા બારહવાઁ ભાગ, અડ઼ધી (બંબઈમેં) સુપારી, પૂંગીફલ ।

પાઇપો (સં.) તલા, પાયા, પગ ।

પાઇ (સં.) એક પ્રકાર કી બડ઼ી રોટી, કંબલ રોટી, ગોરોપિયનોં કી ખાને કી રોટી ।

પાક (સં.) બનાઈ હુઈ રસાઈ, પૈદા યશ, નિપજ, ઉપજ, સમુદ્ર મેં મોતિયોં કી ઉત્પત્તિ, મસાલા ઇત્યાદિ ડાલ કર બનાયા હુવા પદાર્થ, શકર કી ચાશની મેં બનાયા હુવા પદાર્થ, ખીર, ઘાસ ફૂસ અન્ન આદિ કી ગર્મી સે ફલોં કા પક્વ હોના, મૈલે પનસે જીવોં કી પૈદા, ફોડ઼ા ફુન્સી કા પકાવ । (વિ.) પવિત્ર, શુદ્ધ, ઈમાનદાર, સચ્ચા, શ્રેષ્ઠ ।

પાકચટ (વિ.) અધ પકા, કમ પકા હુવા, અર્દ્ધ પક્વ, ગદ્દર ।

પાકટ (વિ.) પકા હુવા (ફલ) પક્વા, તય્યાર, પૂર્ણ, પૂરા ।

પાકડું-ડું (સ.) પક્ષ, તર્ફ ઓર ।

પાકડીદેહ (સં.) વહ શરીર, જિસકી પ્રકૃતિ જરા ચોટ અથવા વ્રણાદિ કે હો જાનેસે પક્વ આવે ।

પાકટોસ્તી (સં.) પવિત્ર પ્રેમ, શુદ્ધ પ્રેમ, સત્ય પ્રેમ, દિલી પ્રેમ ।

પાકભક્તિ (સં.) જિસમેં ખરાબ ઇચ્છા નહો ઐસા પ્રેમ (સ્ત્રી પુરુષમેં) ધાર્મિક પ્રેમ, શુદ્ધ અંતઃકરણ કા સ્નેહ ।

भाजणं (क्रि.) पकना, उपजना अन्न तयार होना, फल पकना, पोचा हो कर मीठा हो जाना, फोड़ा फुन्सी पकना, बहुत व्याकुल होना, दुःख होना, गरमी होना, नियत समय का आपहुँचना, तयार होना, पैदा होना, बुढापे मे बालों का पकना, हारकर आधीन होना।

भाजी (वि.) शुद्धता, पवित्रता, त्योहार का दिन, जिसदिन बाजार का कारबार बंद रहे, बंदी, प्रतिबंध, रोक। छुरा, अस्तुरा, (क्रि वि.) बिना, बगैर।

भाजी मुहत (सं.) नियत समय, मुकर्रर वक्त, मितकाल, परिमित सीमा।

भाजुं (वि.) परिपक्व, पकाहुवा, पूर्ण, तय्यार, सिद्ध, पुख्ता, दृढ, पुष्ट, टिकाऊ, चालू, मजबूत, होशियार, काबिल, निपुण, अनुभवी, वाकिफ, अनुभवद्वारा अभिज्ञ।

भाजी पाडे हंध भाजपवा (क्रि.) मिथ्या प्रयत्न करना, समय चूककर प्रयत्न करना।

भाडो भुर (सं.) उलझा, सीधा समझाकर काम निकाल लेने वाला।

भाडो भारवाडी (वि.) झगड़ा मारवाड़ी, ठग, वंचक, छली।

भाभ (सं.) पक्ष, तरफ, बाजू, दिशा।

भाभर (सं.) घोड़ोंपर बिछाने की फूलदार चादर, हाथी अथवा घोड़ों पर डालने की सोने चांदी के फूलों की बनी हुई झूल, हाथी और घोड़ो पर डालने का लोहमय बख्तर या कवच। [जाति।

भाभरियो (सं.) घोड़े की एक

भाभल (क्रि. वि.) पीछे, पास, नज़दीक, समीप, निकट, अदूर।

भाभी-भे (उप०) देखो भाभी।

भाभाणु (सं.) पत्थर, पाहन, उपल। [समीप।

भाभुं (वि.) पास, निकट,

भाभे (अ०) बिना, बगैर, सिवाय।

भाभ (सं.) पग, पैर, पद, पाद, चरण।

भाभडो (सं.) रकाब, पावड़ा, घोड़े आदि पर सवारी के समय पैर रखनेका, सीढ़ी, पैदान।

भाभुं (सं.) पक्ष, पख, तरफदारी, रकाब, पावड़ा।

પાઘર (હિં.) ઢોરા વગેરે બાંધવાને ઘાસ ઓઢવાને કે બિછાને માટે કિનારે પર જે રસ્સીદ્વારા ખીંચવામાં.

પાઘરણ (સં) બિછાનું, બિછાનાનો સામાન, શોભા, અલંકાર, શૃંગાર.

પાઘલદાણો (સં.) પગમાં પહેરવાનો ચાંદીનો એક પ્રકારનો જેવર.

પાઘલાગણું (સં.) પદસ્પર્શ, પગ લાગવા, પ્રણામ, નમસ્કાર, પગ લાગ્યા પછી વહુ તરફથી અપાતી વયોવૃદ્ધાને દીધેલી ભેટ.

પાઘા (સં.) અશ્વસેના, ફોજના ઘોડાં બાંધવાનો તબેલો, અસ્તબલ.

પાઘીમ્મા (સં) પરામર્શદાતા, સલાહકાર, મદદ દેનાર, તરફદારી કરનારો, પક્ષગ્રાહી, સહાયક, ઉપદેશક.

પાઘ--ડી (સં.) ઉષ્ણીષ, શિરત્રાણ, ફેંટો, સાફો, માથે બાંધવાનો લાંબો વસ્ત્ર.

પાઘડી ઉતારવી (ક્રિ.) આજિજી કરવી, મતલબ સિદ્ધ કરવાને માટે નમ્રતા પ્રદર્શિત કરવી, પ્રાર્થના કરવી, પોતાની પાઘ જૂરત બનાવી પ્રાર્થના કરવી.

પાઘડી ઉછાળવી (ક્રિ.) બેફિકર બોલવું, ઠપકો દેવો, ઉપાલંભ

પાઘડી નીચી કરવી (ક્રિ.) લજ્જિત કરવું, શરમાવું કરવું.

પાઘડી ફેરવવી (ક્રિ.) ફિકરમાં નિકાલવું ચિંતાતુર થવું માથું ન દેવું.

પાઘડી બંધાવવી (ક્રિ) પગડી બંધાવવી, ઇનામ દેવું, સત્કાર કરવો.

પાઘડી ભૂંસવી (ક્રિ.) ધૂળધાણી કાઢવી, દિવાળું બોલવું.

પાઘડી બળો (સં.) ગાળો પ્રાયઃ સ્ત્રિયો પુરુષને આ ગાળો દેતી હોય.

પાઘડી રગડી નાંખવી (ક્રિ.) ઇજ્જત લઈ લેવી, અપમાન કરી દેવું.

પાઘડી લેવી (ક્રિ.) હરાવવું, ઉપવું, ઇજ્જત લેવી, કાન કાપવા, નિર્બળ કરવું.

પાઘડી સંભાળવી (ક્રિ.) ઘણું સાવધાન રહેવું, સંભાળીને ચાલવું.

પાઘડી સંભાળુ (સં.) ઘરનો પુરુષ, ઇજ્જતદાર આબરૂદાર, માનવંત.

પાઘડું (સં.) પાઘડી બનાવવી, પાઘડી વગેરે વીંટાળેલું પાઘડી.

પાછલ (સં.) દેખો પાછળ

પાછલાઇ (સં.) દેખો પાછલી

પાછવું (ક્રિ.) પછાડવું, પછાડ़ना, हेमारना, पटक मारना ।

પાછલી રાત (સં) અર્ધરાત્રિ પશ્ચાત્, પિછली रात, रातके दो बजे बाद ।

પાછળું (વિ.) પીછેका, बादका, अंतका, गत, भूत, पिछला, अंतिम, पृष्ठका, पीठका ।

પાછળી અવસ્થા (સં.) અંતિમ-दशा, अंतावस्था, पीछेकी चार घड़ी ।

પાછળો પહોર (સં.) પિછला प्रहर, दोपहरी बाद, मध्यान्हान्तर।

પાછળ (અપ.) बादमें, उपरान्त, पीछे, अनन्तर, पश्चात् ।

પાછળ પડવું (ક્રિ.) अंधेराकरना, आगे निकलना, बढजाना, पीछे छोड़ना, चमकमें बढकर होना ।

પાછળ હઠવું (ક્રિ.) पीछे गिरना, पीछे हटना, पीछे खिंचना, पीठ देना ।

પાછું (ક્રિ. વિ.) फिरसे, पुनः, दुबारा, जिधरसे आया हो उस ओर, पिछाड़ी, पृष्ठे, पीछे ।

પાછોતરું (ક્રિ.) मरजाना, मृत्यु, होना, मिटना, नाशहोना ।

પાછળ વળવું (ક્રિ.) पूर्ववत्

પાછી પરતી (સં.) काठियावाड, (इसलिये कहते हैं कि यह भाग समुद्रकी तरफ गया है)

પાછી પાની કરવી-ભરવી (ક્રિ.) पीछे हटना, वापिस लौटना, हारजाना ।

પાછું નાખવું (ક્રિ.) उल्टी करना, वमन करना, कय करना।

પાછું વળવું (ક્રિ.) बिगड़जाना, उतरजाना, स्वादरहित होजाना ।

પાછું વાળીને જોવું (ક્રિ.) आगे पीछे की सोचना, भविष्य का विचार करना, संकोच होना, दीर्घ दृष्टि से देखना ।

પાછોઢિયું (સં.) पहिरे हुए कपड़े मे पीछे का भेव, पीछे का खीसा ।

પાછોતરું (વિ.) पीछे का, बाद का, देर का, पछेता, ऋतु उपरान्त

પાજ (સં.) घाट, बांध, पुश्ता, पुल, सेतु, एक प्रकार का चीनी रेशमी वस्त्र ।

પાજણી (સં.) देखो પંજણી

પાજવનું-પવાણું (વિ.) कंजूस अति कृपण, मक्खी चूस, सूम ।

પાટ (सं) पटा, जमीनसे ऊंचा बैठने का तख्ते का बना हुआ, पाटा, पट्ट, गादी, आसन, बैठक, तख्त, राज्यासन, मञ्च, पट, अरज, चौड़ाई, पना, समूचा स्थान।

પાટડી (सं) चौखंटा काठ का टुकड़ा, पट्टी, पटरी, देखो પાટલી

પાટડો (सं.) मोटा तख्ता, पट्ट, पाट, धरण, शहतीर, लट्ठा।

પાટણી (सं.) एक प्रकार की जाति।

પાટનગર (सं.) मुख्यशहर, राजधानी।

પાટલ (स पाटली पुष्प, गुलाबका फूल, पुष्प विशेष, (वि.) गुलाबी रंग, श्वेत और लाल रंग का मिश्रण।

પાટલાધિ (सं.) जन्तु विशेष, पाटगो, गोहरेकी जातिका बड़ा जन्तु।

પાટલા સાસુ (सं.) साली, बड़ी साली, स्त्री (पत्नी) की बहिन।

પાટલી (सं.) बैठनेकी पटिया, पट्टा, पाटा, पटा, गाड़ीवानके बैठनेका तख्ता स्टूल, तिपाई, बेंच, एक प्रकारकी चूड़ियां, पटली, (धोती वा वस्त्रकी) एक प्रकारका बल।

પાટલો (सं.) पृथ्वी से पांच छः अंगुल ऊंचा काष्ठ निर्मित आसन।

પાટલો ઘાલવો (क्रि.) नुकसान करना परन्तु पड़ना न लिखना।

પાટલો ગોઠવો (क्रि.) चैन पड़ना, आराम होना, समाना।

પાટલો સ્વો (क्रि.) काम पूरा पड़ना, कामहोना, काम बनाना,

પાટવી કુંવર (सं.) राज्यका उत्तराधिकारी, राजकुमार, युवराज, राजाका बड़ा लड़का, भावी राजा।

પાટલાં (सं.) गलेमें पहिननेका स्त्रियों के लिये स्वर्णाभूषण।

પાટિયું (सं.) लकड़ी का तख्ता, काठ का पटिया, पाठशाला का काला तख्ता, बोर्ड, ब्लैक बोर्ड।

પાટીઆં દેવાવાં (क्रि.) बैठजाना, भारी नुकसान होना, दुर्दशा में होना दिवाला निकालना, भाग पड़ना, काम रोकना।

પાટિયાં ભાંગ્યાં (क्रि.) खा पी कर जूठन निकाल कर निश्चिन्त होना।

પાટિયું રંગાઈ જવું (क्रि.) बहुत नुकसान में पड़जाना।

પટિયું પડતા જેવા (કિ.) કામ બન્ધ કરવું, આમપડવા।
પટિલો (સં) રસોઈ કી સૂરત કા મિટ્ટી કા પાત્ર જિસ મેં શાકભાજી વગૈરહ બનાઈ જાતી હૈ, ચૌડે મુંહ કા મિટ્ટી કા પાત્ર, એક પ્રકાર કા બાર।
પાટી (સં.) ચાર પાઈ કી પાટી, પટ્ટી, સ્લેટ, લિખને કી કાઠ કી પટિયા, તક્તી, ફૌજ કે મનુષ્યો કા ઝુંડ, નાડા, ફીતા, કુમાર કી ઢલિયા।
પાટીવાણપી (કિ,) બિગાડ઼ના, બે કામ કરના, ધૂલધાની કરના।
પાટીપર ધૂળ નાંખવી (કિ.) પડ઼ના, વિધારંભ કરના।
પાટીદાર (સં) પટેલ, ચૌધરી, (મૌલસી) કૃષક, પાતીદાર।
પાટુ (સં.) લાત, ઠોકર, પૈર ઉઠાકર મારના।
પાટુ મારવી (કિ.) ઠોકર મારના, લાત મારના, કિક દેના।
પાટુડી (સં) એક પ્રકાર કા ભોજન, ઘી, તેલ ભરને કા છોટા બરતન।
પાટું (સં.) પૂર્વવત્।
પાટો (સં.) પૂર્વવત્।
પાટો (હિં.) પટ્ટા, પટ્ટી, લોહે કા ચપટા ટુકડા, પહિયોં પર ચઢ઼ને કા લોહે કા ઘેરા, કપડ઼ે કી પટ્ટી, વૃત્તિ, પ્રકૃતિ।
પાટો ખેડવો (કિ.) સ્વભાવ મિલતા હુઆ હોના, બનના, મેલ મિલના।
પાટો બંધાવો (કિ.) રીતિ પડ઼ના રિવાજ઼ હોના, ચલન હોના।
પાટોડી (સં.) એક પ્રકાર કા ભોજન, ચને કે આટે કો મઠે મેં ઉબાલકર ગાઢા કર ઠંડા કર કે ટુકડે ટુકડે કિયા હુઆ પદાર્થ, પતોડ઼, પિતોડ઼।
પાટોપાટ (કિ. વિ.) એક છોર સે દૂસરે છોર તક, મુકામ સે મુકામ, એક દૂસરે કે સમ્બન્ધ મેં ચલા હુઆ।
પાટોપાટ લડવું (કિ.) એક દૂસરે કે વિષય મેં લડ઼ાઈ છિડ઼ના, આગલગના।
પાડે બાંધવું-બાંધવું (કિ.) ઠોક-કર બાર કર દેના, કિસી પક્ષ બતાદેના। [કરના।
પાઠવવું (કિ.) ભેજના, રવાના

પાઠી (સં.) જેણે પાઠ કંઠસ્થ કર્યો, જેણે-કિસી વિદ્યા કા અભ્યાસ કિયા હો, પાઠ કરનેવાલા, પઢનેવાલા।

પાડું (સ.) કૂપ ખોદતે સમય રસ્સિયોં કે દ્વારા કાટી હુઈ મિટ્ટી નિકાલને કી ટોકરી, પીઠ પર અથવા શરીર કે ઉસ ભાગ પર જો ખુદ કો દિખાઈ નહીં દેતા હો વહાં પૈદા હુવા ફોડા ઇત્યાદિ દર્દ।

પાઠે કરવું (ક્રિ.) જબાની યાદ કરના, કંઠસ્થ સ્મરણ કરના, સ્મરણ રખના।

પાડ (સ) આભાર, ઉપકાર, અહસાન, દયા, અનુકમ્પા।

પાડ કરવો (ક્રિ.) અપને કિયે ઉપકાર કો પ્રદર્શિત કરના।

પાડ રાખવો (ક્રિ.) ઉપકાર રખના, અહસાન રખના, ઋણી બનાના।

પાડ માનવો (ક્રિ.) અહસાન હોના।

પાડ પાડવો (ક્રિ.) ઉપકાર કરના, આભાર પ્રદર્શન, અહસાન માનના।

પાડોસ (સં.) આસપાસ પડોસ, ઘર કે પાસ કા સ્થાન અથવા થોડી દૂર કા નિવાસ, નિકટવર્તી નિવાસ।

પાડ વાળવો (ક્રિ.) ઉપકાર કે બદલે ઉપકાર કરના।

પાડવું (ક્રિ.) પટકના, ગિરાને દેના, પૃથ્વીપર પટકના, હરાના ધ્વસ્ત બનાના। મા૦૮૨ પાડવું દીવાલ મેં રસ્તા બના કર ચોરી કરના, રાજવો પાડવો (ક્રિ.) નયા રાસ્તા નિકાલના, ધાડ પાડવી (ક્રિ.) કિસી ગાંવ પર આક્રમણ કર લૂટના।

સમજ પાડવી (ક્રિ.) સમઝાના, ભાવ પાડવો (ક્રિ.) ભાવ કમ કરના, દર ઠહરાના, ના પાડવો (ક્રિ.) ઇન્કાર કરના।

પાડસી (સ.) મિથ્યા પ્રશંસા, ઝૂઠી તારીફ।

પાડા વાઢ (સં.) વૈર, શત્રુતા, અંટસ, કસર, બદલા, પ્રતિહિંસા,

પાડોસ પડોસ (સ.) દેખો પાડોસ

પાડીલું (વિ.) આભારી, ઋણી, ઉપકૃત કૃતજ્ઞ, અહસાન મંદ।

પાડુ (સં.) ભૈંસકા બચ્ચા, પાડા।

પાડુવા (વિ.) નિર્બલ, કમજોર, અશક્ત, દુર્બલ, દુષ્ટ, નીચ, બુરા।

પાડો (સં.) ભૈંસા, નર ભૈંસ, ભૈંસા, પહલવાન, બડે બદમાશ, ગંવાર પુરુષકાર સમ્બન્ધી ઉચ્ચ વર્ગ કા સમ્બોધન, ઉપાધિ, સમ્પ્રદાય, વાદ, ભેદ, ગલી, મોહલ્લા, મોહલ્લા, ગાંવ।

પાણેડો જોવું (વિ.) अनघड़, मूर्ख, शठ ।

પાણ્ (सं.) पावके संकेतार्थ खड़ी लकीर, ०।, पत्थर, पाहन, हाथ, खेतमें पानी पिलाना, पाणि, हस्त ।

પાણુડો (सं.) पानी पिलाने वाला,

પાણુડો (सं.) मोटा कपड़ा, खुरदरा वस्त्र, रेजीके समान कपड़ा ।

પાણુતિ (सं) दूरसे आये हुए पानीको खेतमें देनेवाला ।

પાણિયું (वि) जिसमें पानी हो, गीला, पानीवाला, रजा, छुट्टी, निकाला, डिसमिस ।

પાણીયું આપવું (क्रि.) छुट्टी देना, इजाज़तदेना, विदा करना ।

પાણિયું મળવું (क्रि.) छुट्टी मिलना घर बठना, विदागी मिलना ।

પાણીની (सं.) व्याकरण शास्त्र के सूत्रों के प्रणेता एक ऋषि ।

પાણિયારું (सं.) पानीके बर्तन रखनेका स्थान ।

પાણિયારાનો ખુનશી (सं.) वह मनुष्य जोकि घरमें बैठकर तो लम्ब बाँड़ी बातें मारे और बाहिर आकर बोल न सके ।

પાણી (सं.) जल, पानी, तोय, उदक, पांचतत्वोंमेंसे एक, आब, एक प्रकारका रंग, स्वाद, गन्धरहित कुदरती पदार्थ, शौर्य, दम, टेक आबरू, स्वर्ण चांदी इ० का रस, धार, बाढ, (हथियारोंकी) वीर्य, रेत, शुक्र, धातु, ओज ।

પાણી કરવું (क्रि.) खोना, नाश करना, बर्बाद करना, खाली करना

પાણી ચઢાવવું (क्रि) दम्पट्टी देना, झांसादेना, उस्काना, उत्तेजनदेना,

પાણી ચઢવું (क्रि.) क्रोध चढ़ना, वीरता चढ़ना, बढ़ना ।

પાણીબંધુ આપવું (क्रि.) पानीदार कच्चा नारियल देना, विदा करना, छुट्टी देना, निकाल देना ।

પાણીબંધુ કરી નાખવું (क्रि) मान भंग करना, शर्मिन्दा करना ।

પાણી ઠારવું (क्रि.) क्रोध वगैरः शांत करना, ठंडा करना ।

પાણી છુટવું (क्रि.) किसीको कोई वस्तु खाते देखकर मुहंसे लार टपकना, खानेकी अतिशय इच्छा होना, कमजोर होजानेसे पसीना छूटना ।

પાણી જવું (क्रि.) पोनी भरने जाना, टेक जाना, आबरू जाना, शोभा जाना ।

પાણી જોઈ લેવું (કિ.) સામર્થ્ય શૌર્ય દેખકર उस विषयमें हलका विचार करना, बल देख लेना ।

પાણી કરવું (કિ.) नर्म करना, मुलायम करना, पसीना लाना (घोड़ेको) बहुत प्यासे होना।

પાણી પાણી થઈ જવું (કિ.)परिश्रमसे अधिक पसीना छूटना, अधिकारमे होजाना, नरम होजाना

પાણી પામ જેટલો પીવું (કિ.) कोई कहे उतनाही करना, किसीके समझाये अनुसार करना अधिक नहीं ।

પાણી પાવા જવું (કિ) किसी के पीछे उसकी सेवा करने के लिये मर जाना ।

પાણી પાડવું (કિ.) एक धातु पर रंग चढाना । धार करने के लिये लोहेको गरम करके पानी में डुबोना, पानी चढ़ाना, उस्काना, पेड़ों में पानी देना ।

પાણી ફરવું-ફેરી વળવું (કિ.) बरबाद जाना, उपयोगके अयोग्य होना, नुकसान होना, धूल होना।

પાણી ફેરવવું (કિ) रद्द करना, धूल में मिलाना, मिट्टी में मिलाना।

પાણી ફેર ફરવું (કિ.) जल वायु बदलना, आब हवा बदलना।

પાણી વાળવું (કિ.) तुल्य करना, औजमाना, खूब उबालना ।

પાણી થવું (કિ.) दुष्ट दशा में होना, शर्मिन्दा होना, व्याकुल होना ।

પાણી આવ્યાં જવાં (કિ.) बहु समय निकट आना, अंत आना।

પાણી ઓછું કરવું (કિ) हलका करना हराना, थकाना, नर्म करना

પાણી ઓસરવું (કિ.) शान्त होना, पतिव्रत धर्म खोना ।

પાણી મૂકવું (કિ.) किसी काम करने की प्रतिज्ञा लेना, संकल्प करना, किसी बात का प्रण करना।

પાણી લાગવું (કિ.) कहीं का पाणी पी कर रोगी होना ।

પાણી લેવું (કિ.) किसी की इजत लेना । [यत्न करना ।

પાણી વહોવવું (કિ.) विफल

પાણીને મૂલે (કિ. વિ.) सस्ते भाव, पानी के मोल, बिलकुल सस्ते दाम पर ।

પાણીથી પાતળો કરી નાંખવું (કિ.) बिलकुल हलका करना, मान भंग करना, धमकी द्वारा शर्मिंदा करना ।

પાણીથી પાતળું થવું (કિ.) बहुतही के सरल होना ।

પાણીના રેલાની પેઠે (કિ. વિ.) જલ્દી, તુરન્ત, ફૌરન બોલી દેરમેં ।

પાણીને પરપોટો (સં.) પાની का बबूला, पानी का बुलबुदा, क्षणिक,

પાણીમાં ચણો ઓગળે છે (કિ.) दिन प्रतिदिन मोटा होता है फूलता है ।

પાણીમાં જવું (કિ.) बरबाद जाना, छूट पड़ना, निष्फल होना, मिथ्या जाना ।

પાણીમાં તરવું (કિ.) टेक मे रहना, बात रखना ।

પાણીમાં પડવું (કિ.) पाना में पड़ना, खुल जाना, छूट जाना ।

પાણીમાં બોળવું (કિ.) नुकसान करना, खराब करना, बेकाम करना, व्यर्थ जाने देना, गमाना ।

પાણીમાં ભૂતિયો ઝરવી (કિ) मिथ्या प्रयास करना, व्यर्थ कोशिश करना, फुजूल मिहनत करना ।

પાણીયાણી (સં.) पानी भरने का घर का दूसरा कामधन्दा ।

પાણીપથો (સં.) शीघ्रगामी घोड़ा तेज घोडा, द्रुत गामी अश्व ।

પાણો (સં). पत्थर, पाहन, पाषाण, उपल शिला ।

પાંડુ (સં.) अधिक पीला और कुछ स्वित रंग, शुक्ल और पीत मिश्रित वर्ण, रोग विशेष, कुरुवंशीय एक राजा ।

પાતર (સં.) बेश्या, गणिका, वारांगना, पतुरिया, छिनाल, नाचनेवाली स्त्री, छोटा पर्वत, किरण, रश्मि ।

પાતરવડિયાં (સં.) एक प्रकारके पत्ते, पत्तोंपर बेसन लपेटकर बनाया हुवा खानेका पदार्थ, पकोडी, फलोरी ।

પાતરાં (સં.) पत्ते, पत्र, पर्ण ।

પાતરાં પાડવો (કિ.) खुद मेहनत करना. स्वयम् परिश्रम करना ।

પાતરી (સં.) फूलोंकी छोटी पुडिया, फूलोंका दोना, पुष्प पत्र । [पर्ण।

પાતરું (સં.) पत्ता, पात, पत्र,

પાતરે પાણી પાવું (કિ.) खिझाना, चिढाना, कुढाना, जैन सम्प्रदाय के साधुओं का भोजन करनेका काष्ठ निर्मित रंगीन पात्र ।

પાતળ (સં.) स्त्रियोंकी सिन्न दर्जेकी पोशाक, पतल, पातर, पत्रावली, हलका पतला स्त्रियोंका लूघड़ा ।

પાતળ પેટું (વિ.) छपोदर, पतले पेटका, अल्पभोजी, कमखानेवाला ।

પાતળિયો (સં.) દુબલા પતલા किन्तु वीरोगी पुरुष, कृश किन्तु स्वस्थ ।

પાતળું (વિ.) पतला, दुर्बल, कृश, सूक्ष्म, सूखाहुवा, क्षीण, बहजानेवाला, तरल, झीना, छंदा, बारीक ।

પાતાળ પાણી (વિ.) कुवा कुंडका बहपानी जो कभी न सूखताहो, अथाहजल, बहुत औंडा, खूब गहिरा ।

પાતાળ ફોડવું (ક્રિ.) खूबगहिरा खोदना, गहिरा खोदकर पानी निकालना ।

પાતાળના પુતળા હલાવવાં (ક્રિ.) गजब करना, अतिशय उत्पात करना ।

પાતાળમાં પગ છે (ક્રિ. વિ.) जितना बाहिर है इतनाही भीतर है, जड़ दृढ है।

પાતાળમાંથી બાત લાવવી (ક્રિ.) बड़ी कठिनतासे गुप्त बात को ढूंढ खोजकर निकाललाना ।

પાતાળમાં પેસી જવું (ક્રિ.) पृथ्वीमें घुसजाना, गायब होना, लुप्त होना ।

પાતાળમાં પેસારો કરવો (ક્રિ.) शर्मिन्दा करना, लज्जित करदेना दिखाना ।

પાતાળ જેવી–જેનો (વિ.) जिसकी सलाह मंत्रणा बहुत गहरी हो । बने जिस तरह काम पार पटकने वाला- चलता पुरजा- छटी रकम ।

પાતેલી (સં) पतीली, भोजन राधने का पात्र, देगची, छोटली, मिट्टी का पात्र, जिस में शाकभाजी राधी जाती हो ।

પાતેળું (સં.) देग, ताम्बा या पीतल का बना हुवा चौड़े मुख का पात्र विशेष ।

પાથરણ (સં.) बिछाने का वस्त्र, बिछौना, दरी, जाजम, शतरंजी, फर्श ।

પાથરણું (સં) बिछौना, बिस्तर, जाजम वगैरः मृतक के लिये लोक प्रदर्शनार्थ आये हुए मनुष्यों के लिये बिछौना ।

પાથરવું (ક્રિ) फैलाना, बिखेरना, बिछाना, विस्तृत करना, पटकना ।

પાથરો (સં.) हरीघास, बढी हुई कड़बी, खेत में पड़ी हुई ।

પાદેવ (સં.) गुज़र, मार्ग, संगी, साथी, संगी, मार्ग, सहायक ।

પાદ (સં.) पद, पग, पैर, पांव, टांग, लात, चरण, चौथा भाग । कविता का एक चरण, मंत्र का चौथा भाग ।

પાદર (સં.) गांव के बाहिर की जगह, जहां ढोर इत्यादि चरते हैं, फाटक ।

પાદવું (ક્રિ) पादना, गुद मार्ग से दूषित वायु त्यागना, अपान वायु छोड़ना ।

પાદશાહ (સં.) मुसलमान राजा, बादशाह, राजा भूपति, भूपाल ।

પાદશાહજાદો (સં.) राजकुमार, युवराज, राजपुत्र, राजा का लड़का ।

પાદશાહી (સં.) राज, सत्ता, राज्यशासन, बादशाह का कार्य, बादशाही ।

પાદસ (સં.) पारसियों का क्रिया कर्म सम्बन्धी जुलूस ।

પાધરું (વિ.) सीधा, सूधा, ठीक, ऊपर की ओर सीधा, सीधे मार्ग जाने वाला ।

પાધરોદોર (વિ) सीधा, सच्चा, ईमाना, सरल, सन्मुख ।

પાન (સં.) पत्ता, पर्ण, पत्ती, पत्र, नागरबेलका पत्ता, ताम्बूल, नागर पानकी शकलका स्त्रियोंके सिरमें घालनेका ज़ेवर, पीना, इस द्रव्य आदिको घूटजाना, उपभोग।

પાનખર-રૂતુ (સં.) वसन्त, वह ऋतु जिसमें वृक्ष पतझड़ होते हैं,

પાનડી (સં. लम्बा पतला पत्ता, स्त्रीके कानमे पहिननेका भूषण ।

પાનડું (સં) पत्ता, पर्ण, पत्र, पाती, पत्ती ।

પાન ચાળવણી (વિ.) पानोंको फेरनेकी क्रिया होशियारी, चालाकी चतुरता ।

પાનપટ્ટી (સં.) पान-बीड़ी, नागर पानकी लपेटन या पुड़िया ।

પાનાં (સં.) ताश, ताशके पत्ते, पन्ने, पुस्तकके पृष्ठ, चादी सोनेके वर्क ।

પાની (સં.) पैरके तलेका एड़ी [तकक भाग ।

પાનું (સં.) पृष्ट, पन्ना पेज, सफा, वर्क, गंजफाका पत्ता, सोना अथवा चांदीका वर्क, फल (चाकूका), लोहेकी धारदार पत्ती जिसमें मूठ लगाते, नीले रंगकी मणि, नवरत्नमेंसे एक, मान्य, संबंध ।

પાનુ પડવું (ક્રિ) પાસે બંધવા, સમ્બન્ધ હોના, પાસે પડના, મોગના, પડના ।

પાનુ શોધવુ (ક્રિ.) મૃત્યુ ભેજના, મૃત્યુ ઢૂંઢના, અચ્છા વાત ખોજના ।

પાનેતર (સં) વહ લૂગડા જિસે કન્યા પાણિગ્રહણકે સમય ઓઢતી હૈ, લડકી કી ગનસારને મંતકે સમય રંગમી સફેદ રંગબિરંગી ધારોંકા લઘડા જિસે કન્યા ફેરોંકે સમય ઓટતી હૈ ।

પનો (ગ.) ગાય ભૈંસ ઇત્યાદિ પશુઓંકે થનોંમે દૂધકા ઉતરના, સ્ત્રીકે સ્તનોંમે દૂધકા ભર આના, પાની, ક્રોધ । [પત્તી ।

પાનોઢ (સં.) જ્વાર બાજરે કી

પાપ ગયુ (ક્રિ. વિ.) પીડા નુકસાન કરનેવાલા મનુષ્ય ગયા, કટક હટા ।

પાપ છૂટી બાત (વિ.) પવિત્ર મનસે કી હુઈ બાત, કપટ રહિત કહી હુઈ બાત ।

પાપ ધોવું (ક્રિ.) નિર્દોષ હોને પર ભી કોઈ મનુષ્ય કિસી કી નિન્દા કરતા હો તબ યહ કહા જાતા હૈ । [મિટના ।

પાપ ફરી વળવું (ક્રિ.) પાકા ફલ

પાપ ફુટી નીકળવું (ક્રિ.) દુષ્ટ પાપોંસે ઉપદંશાદિ રોગ હોજાના, પાપ કા પ્રતિફલ મિલના, અપકીર્ત આ પડના ।

પાપની દમડી (સં.) વહ ધન જો જો પાપ કર્મ મેં સહાયતા કરને સે અથવા દેખને સે ઉસકા દસવા હિસ્સા મિલતા હૈ ।

પાપનુ પોટલું બાંધવું (ક્રિ.) પાપ કા ગઠરિયા બાધના, અધર્મ સંચય કરના ।

પાપનો ઘડો ફૂટવો (ક્રિ) ગુપ્ત પાપકા પ્રકટ હોના, પાપ પૂરિત પાત્ર કા નાશ હોના ।

પાપડખાર-ખારોખાર (સં.) પાપડ મેં ડાલને કા ક્ષાર, સજ્જી, સનચોરા, કાર્બોનેટ આવ્ હ સોડા, કેલે કી રાખ ।

પાપડી (સ.) એક પ્રકાર કી સેમ, ફલી, ચાવલ કે આટે દ્વારા બનાયા હુવા એક પ્રકાર કા ખાનેકા પદાર્થ, છોટી પતલી રોટી ।

પાપણી-પિણી (સં.) પાપીયસી, અધર્મચારિણી, પાપિન સ્ત્રી ।

પાપા (સં.) રોટી, ભોજન, ખાસ ।

પાપરી (સં.) ઘન, રોગય દ્વારા બના હુવા કંઠોંપર ઓઢને કા વસ્ત્ર,

जगह जाकर अकस्मात स्थान में बचा हुआ, रेशमी वस्त्र।

पायबुं (क्रि.) पाना, प्राप्त करना, सहना झेलना, उठाना जानना, समझना, अधिकार में होना।

पाय (सं) पैर, पांव, पाद, चरण, डांय, टंगड़ी, कटि के नीचे का भाग।

पायविहीन (वि) लंगड़, निर्जन, सुनसान, ऊसर, अनुपजाऊ।

पायभानुं (स) पाखाना, टट्टी, झाड़ा, संडास, शौचगृह, बपुलिस।

पायभा (स) एक सर्दार की सत्ता में जितने सवार और घोड़े हों। अश्वारोही, सैनिकों का समुदाय।

पायजभो (स) सूसना, सूथना, पजामा, पलखुल, टांगों में पहिन कर कमर में बांधने का वस्त्र।

पायतख्त (स.) राजधानी, मुख्य नगर, खास तख्त, राजा के रहने का नगर, राजनगर।

पायदळ (स.) पैदल फौज, पदाती सेना, पैदल सिपाहियों का दल।

पायपोस (स) जूता, पदत्राण, पनही, जूती, बूट, खड़ाऊं, स्लीपर।

पायमाल (वि.) नष्ट, विनष्ट, बर्बादशुदा, गड़ अड़।

पायमाली (सं.) विनाश, दुर्दशा, नाश, क्षय, सिकन्दर बुरा हाल।

पायरी (सं.) सीढ़ी, सोपान, पंक्ति, नसेनी, प्रतिष्ठा, गौरव, मान, दर्जा पदवी, वर्ग, जाति, पंक्ति।

पायल (सं.) पैरों में पहिनने का एक आभूषण विशेष, नूपुर, घुघरू।

पायली (स) चवथी ¼ रुपया, पावली, चार सेर का तौल या माप।

पायलु (स) देखो पायल।

पायवार (स.) देखो पायदळ

पायादार (स) सच्चा, ठीक, खरा, प्रामाणिक, मजबूत, पुख्ता।

पायारहित (वि) निराधार, निराश्रय, बेसहारा, कमजोर, बेजारिया।

पायीजस (स.) एक प्रकार का खेल।

पायो (सं) खाट, कुर्सी, टेबल, इत्यादि का पैर, पग, खटवाग, धोने के समय वस्त्र कूटने का लकड़ा, नीव, जड़, बुनियाद, आधार, आश्रय, चौथा हिस्सा, पेंदा।

पायो उथळी जायो (क्रि) समूलनाश होना, बिलकुल बरबाद होना।

પરિ૦ ટ્રેવો (ક્રિ.) ઉત્તેજના દેના સહાયતા દેના, આશ્રય દેના, સમ્મત હોના ।

પરિ૦ ૨૦૫વો (ક્રિ.) પ્રારંભ કરના શુરુઆત કરના, નીંવ ડાલના ।

પાર (સં.) તીર, દૂસરા તટ, સમાપ્તિ, શેષ, પૂર્ણતા, અંત, લંઘન, તરણ, ઉદ્ધરણ, મોચન, હદ, સીમા ઔર સિરા, કિનારા, અંત અગ્ર કા સિરા યા ભુટ્ટા, બાલ, ગુપ્ત, મર્મ ભેદ, (ક્રિ. વિ.) દ્વારા, બજરિયે ।

પાર પામવો–જોવો–કઢાડવો (ક્રિ.) ગુપ્ત રહસ્ય જાનલેના, પારપડના ।

પાર ૫ુવું (ક્રિ.) કિનારે લગાના।

પારકું (વિ.) અન્યકા, પરાયા, દૂસરે કા પરકીય ।

પારકું ધન (સં.) લડકી, બેટી, પુત્રી, પરાના ઘર બસાનેવાલી, પરાયે મનુષ્યોં કે કામ મેં આને વાલી વસ્તુ ।

પારખ (સં.) પરીક્ષા, પરખ, ખોજ, ઇમ્તહાન, ખરે ખોટે કી જાંચ ।

પારખવું (ક્રિ.) પરખના, પરીક્ષા કરના, જાંચના, ઇમ્તહાન કરના । [જાંચ ।

પારખું (સં.) પરીક્ષા, કસૌટી,

પારખું જોવું (ક્રિ) દેખો પરખવું

પારજાતિક (સં.) પારિજાત વૃક્ષ, દેવતરુ, સુરદ્રુમ, દેવતાઓં કા વૃક્ષ પુષ્પ વિશેષ, હરિ-ચન્દન વૃક્ષ ।

પારણું (સં) વ્રત કે અંત મેં ભોજન ઉપવાસ કે દૂસરે દિન ભોજન કરના, સમાપ્તિ, તૃપ્તિ ।

પારણું (સં.) પલના, બચ્ચોં કે ઝૂલને કે લિયે કાઠ કા ઝૂલા, દેખો પારખું ।

પારધ (સં.) શિકાર, મૃગયા, પશુ હિંસા, જીવહિંસા ।

પારધી (સં.) શિકારી, મૃગયાર્થી, ભીલ, કોલ, પારદી ।

પારંપાર–રા (સં.) પૂર્ણ, સંપૂર્ણ, પૂરા, પાર સે ભી પરલે કિનારે ।

પારેવો (સં.) જંગલી કબૂતર યા ફાલતા, પક્ષીવિશેષ । [અધિક ।

પારવું (વિ.) પુષ્કલ, બહુત,

પારવું (ક્રિ.) નીંદના, ગોડ઼ના, ઘાસ આદિ મેં સે ઘાસ ફૂસ નિકાલના।

પારસ પીપળો (સં.) એક પ્રકારકા પીપલ વૃક્ષ, અશ્વત્થ, બિના સિરકા ।

પારસખુ (સં.) પારસી ઔરત ।

પારસનીસ (સં.) મંત્રી, લેખક, સેક્રેટરી, અફસર જિસકે સાથ લોક કામમોહકમા હો ।

पारसात (क्रि. वि) पासमें ।

पारा (सं.) पोली ।

पाराशु-शयु (सं.) पुराणपाठ विशेष, नियम पूर्वक सप्ताह भर पठन या पाठन ।

पारापार (क्रि.) सम्पूर्ण, इस छोर से उस छोर तक, सब, समस्त ।

पारावार (सं.) समुद्र, उदधि, सागर, (वि.) अगाध, अगम्य, गहिरा ।

पारावत (सं.) आसमानी कबूतर, गृहकपोत, पक्षी विशेष ।

पारिपत-त्य (सं.) सजा, दंड, शिक्षा, नसीहत, ताड़ना ।

पारी (सं.) देखो नराज, पत्थर, खोदनेकी लोहेकी छेनी, हथियार,

पारे (सं.) शकुन, सगुन, शुभसूचक चिन्ह, मंगलगान, शुभचिन्ह ।

पारेख (सं.) देखो परीख

पारेड़ (सं.) बहुतदिनों की ब्याई हुई भैंस ।

पारेवु-वो (सं.) आसमानी कबूतर, काबुता, पक्षी विशेष, कपोत ।

पारो (सं.) छर्रा, बन्दूक में भरनेकी शीशेकी गोली, पारद, धातु विशेष, रसधातु, गलेमें पहिननेका एक प्रकारका आभूषण शरीरस्थ धातु ।

पारेड़ (सं.) बहुत दिनोंतक पड़ा रहने से बिगड़ा हुआ, खराब ।

पारेापार (सं.) देखो पारेपार

पार्थिनी (सं) सीताका नाम, जानकी ।

पार्थिव (सं.) मृण्मय, पृथ्वी से उत्पन्न मिट्टीके बनाये हुए महादेव (लिंग) राजा, नृपति, पृथ्वी सम्बन्धी ।

पाल (सं.) वह चिकना पदार्थ जो कई जगह पानी पर तैरता रहता है । चारों ओर पहाड़ों के बीचका मैदान, तंबूकी दीवार, क़नात, रक्षक, प्रान्तका नाम, छिपकली, बिसतुइया, शाक विशेष ।

पालक-भां-भाप-छोड़ें-भाव (सं.) रक्षक, सौतेलीमा, सौतेलापिता, पोष्य पुत्र, रखी हुई स्त्री ।

पालख (सं.) एक प्रकारकी मांची, मचान, राजमज़दूर इत्यादि द्वारा मकान बनाने के लिये ऊँची लकड़ियों की बाँधी हुई मचान ।

पालखी (सं.) पालकी, शिबिका, डोली, मनुष्य वाह्यान विशेष, डौला।

पालखी नशीन (सं.) अमीर, धनाढ्य, पालकी में बैठकर चलने वाला।

पालटणु (कि.) बदलना, लौटना पलटना, फेरना, उलट पलट होना। [प्रतिफल।

पालटो (सं) पलटा, बदला,

पालण (सं.) भरण पोषण, प्रतिपालन, रक्षण, निर्वाह गुजर।

पालण पोषण (सं.) पूर्ववत्।

पालव (स.) देखो पल्लव, गोट, मगज़ी, पत्तियोंका गुच्छा, पत्र-गुच्छ, आश्रय, शरण।

पालवणु (कि.) अनुकूल होना, इच्छानुकूलहोना, खोजन, पालना, संभालना, पालन करना, रक्षा-करना।

पालवुं (कि.) पालना, परवरिश करना, मदद करना, पोषण-करना।

पालाश (सं.) ढाक, टेसूका वृक्ष, किंशुक वृक्ष, खाखरा, छीला।

पालिंभ (सं.) जलकी एक जाति, (यह जाति मीठा नहीं होता किंतु खारा भी नहीं होता)

पाली (सं) (बंबई में) चार सेरका परिमाण, लताम्र, नवपल्लव, छोटाप्याला, प्याली, पंगत, हार।

पालीआ (सं.) पत्थरकी चट्टानका पानी, समाधिया कब्रका पत्थर।

पालुं (सं) घास फूस तिनकों लकड़ों इत्यादिकी टट्टी, चटाई इत्यादिकी बनाई हुई अन्न भरनेकी टट्टी, बरसातके पानी से बचावके लिये दीवारों पर लगाई जाने वाली टट्टी, प्याला, कटोरा,

पालो (सं.) वृक्षादिके पत्ते, पर्ण, हिम, पैदल मनुष्य, पल्लव।

पालो खानार (वि) घास पात खानेवाला।

पाव (सं.) १/४, चौथाई, पग, पैर चौथा भाग, ¼, चतुर्थांश।

पावडी (सं.) काष्ठ निर्मित पादत्राण, पादुका, खड़ाऊं, जूती।

पावटणुं (सं.) पैरका तलुवा।

पावणुं (सं.) देखो पावडे।

पावडे। (सं) घोड़ेपर आरोहण करते समय जिसमें पैर रखा जाता है, रकाब, पावड़ा, फावला, फावड़ा, कचरा मिट्टी खींचनेका औजार, लकड़का बांधा हुवा कच्चा पुल, गाड़ी तांगों बग्घी आदिमें बैठनेकी बढ़नेका लोहेका पेडल।

પાવતી (સં.) રસીદ, ભરપાઈની ચિઠ્ઠી, પ્રાપ્ત હોનેકી હસ્તલિપિ ।

પાવરધું (વિ.) ભિક્ષ, હોશિયાર, લાયક, યોગ્ય, ઠૂંઠા. દગાબાજ, બદમાશ. લુચ્ચા, અજ્ઞાન મનુષ્ય ।

પાવરી (વિ.) પૂર્વવત્

પાવરો (સં.) તોબરા, ઘોડેકે મુહપર દાના ખિલાનેકો બાંધા જાનેવાલા થૈલા, ઘોડેકે મુહપર બાંધનેકી થૈલી । [ચરણ,

પાવલિયો (સ) પગ, પૈર, પદ,

પાવલી-ળું-ળો (સ) ચવન્ની, ¼ રૂપયા, ચાર આના, પાવ રૂપયા

પાવલોપા (સં.) યહ શબ્દ તબ પ્રયોગ કિયાજાતાહૈ જબ કિ કોઈ બડા આદમી અપને પૈરો પર છોટે બાલકકો બિઠા કર ઝુલાતા હૈ, પૈર પર બાલકકો ઝુલાના " પાપા "

પાવસ (સં.) વર્ષાઋતુ, પ્રવિષ્ટકાલ વર્ષાકાલ, બરસાત ।

પાવળિયો (સં.) ઇકતારા બજાને વાલા એક પ્રકારકા વાદ્ય બજાને વાલા ।

પાવું (ક્રિ.) પિલાના, કૂએંકો પાની પિલાના, સીંચના, શક્કરકી ચાસની ચઢાના, પાના, પ્રાપ્તકરના ।

પાવે-વો (સં.) ન પુરુષ ન સ્ત્રી ઐસા મનુષ્ય, જિસકે લિંગેન્દ્રિયકે સ્થાનપર કેવલ એક છિદ્ર હોતા હૈ। પંઢ, ક્લીબ, હિજડા, નપુંસક ।

પાવૈને પાનો ન બાંધે=નામર્દ કો શૂરતા નહીં ચઢતી ।

પાવો (સં.) બાંસરી, વન્શી, મુરલી।

પાશલી (સ.) છોટા પાશ

પાશાતણિયો (સં.) ચાંદીપર સોનેકી પતરી ચઢાકર તાર ખીંચનેવાલા ।

પાશિયું (વિ.) દેખો પાશવી

પાશેર (વિ.) ચાર છટાંક, ¼ મેર, સેરકા ચતુર્થાંશ, ૨૦ તોલા।

પાશેરી-રો (સં.) પૌવા, ચાર છટાંકકે વજનકા બાટ, પોઆ ।

પાશો-સો (સ.) ચાંદીકા ટુકડા, ચાંદીકી ડલી, ચાંદીકા પાસા ।

પાષંડ (સં.) પાખંડ, ઢોંગ, ઠગી ।

પાષાણ ચતુર્દશી (સં.) જિસ માસમે સૂર્ય વૃશ્ચિક રાશિપર હો ઉસ મહીનેકી શુક્લ ચતુર્દશી તિથિ જિસમેં પાષાણકી આકૃતિકા ભોજન ખિલાયાજાતા હૈ ।

પાષાણ ભેદ (સં.) ઇન્દ્રવારણી એક ઔષધિ, પત્થર પર ઉગા હુવા ઘાર ।

પાસો કરવો (ક્રि.) અવળે સે પત્થર ઉંચકર દૂર હોવાને દૂર લિયે ફટકના, પિછોરના, ધૂપંકિના, ફટકના ।

પાસ (સં) આજ્ઞાપત્ર, પ્રમાણપત્ર, રંગ, (વિ.) દાખિલ હોના, પ્રવેશ કરના, (ક્રિ. વિ.) નિકટ, સમીપ, નજદીક । [ર્ણહોના ।

પાસવવું (ક્રિ.) પાસહોના, ઉસી-

પાસવાન (સ.) સાથ સાથ રહને વાલા, આજ્ઞાકારી, હજૂરિયા ।

પાસુ (સ.) પાસલી, બાજૂ, કરવટ ।

પાસુ વાળીને સુવું (ક્રિ) નિશ્ચિત હોકર સોના, આરામ લેના ।

પાસુ સેવવું (ક્રિ.) તાબેદારી કરના, પક્ષ ગ્રહણ કરના, તરફદારી કરના ।

પાસે (ક્રિ. વિ.) પાસ, નિકટ, સમીપ અદૂર, હાથમે, સન્નામે ।

પાસેનું (ક્રિ. વિ) પાસકા, સમીપ વર્તી, કુટુમ્બી, ગોત્રકા, ગાઠકા, અપના ।

પાસેથી (ઉપ.) પાસસે, સે, બિના,

પાસો (સં.) દ્યૂત વિદ્યામેં પાસા, જુઆ ખેલનેકે લિયે હાથી દાંત અથવા અન્ય કિસી ધાતુકા બનાયા હુઆ પાસા ।

પાસો વહેતો હોવો (ક્રિ.) ભાગ્યો દૂર હોના, સંકટકે દિન જાના ।

પાસો નાખવો (ક્રિ.) સાહસ કરકે દેખના, ભાગ્ય પરીક્ષા કરના ।

પાસો સવળો અવળો પડવો (ક્રિ.) ભાગ્ય અનુકૂલ અથવા પ્રતિકૂલ હોના, કી હુઈ યુક્તિ સફલ હોના યા નિષ્ફલ હોના । [યાફસલ ।

પાસ્તર (સં.) દૂસરી ખેતી,

પાહાડખોદો (વિ.) મજબૂત, મોટા, તાજા, પુષ્ટ, દૃઢ, કટ્ટા, સ્થૂલ ।

પાહાણો (સં.) પત્થર, પાહન, પાષાણ ।

પાહન (વિ.) દેરસે, પીછે, પશ્ચાત્ ।

પાહાની (સ) એડ઼ી, એડ઼ ।

પાળ (સં.) સરોવરકે ચારોં ઓર બાધી હુઈ દીવાર, આડ઼, હદ બતાને કે લિયે જમીન સે ઊંચી લમ્બી બનાઈ હુઈ ભીત યા ચબૂતરા, શબ્દાન્ત મેં લગનેવાલી પ્રત્યય જિસસે અર્થમેં ' કર્તા ', ' યા ' 'વાલા' ઔર હો જાતા હૈ ।

પાળક (સં.) રક્ષક, પાલક પોષણ કરને વાલા, પાલનહારા ।

પાળવું (સં.) દેખો પાલવું

પાળવું પોષવું (સં.) દેખો પાલવું પોષવું

પાળનાર (સં.) દેખો પાળક

પાળવું (ક્રિ.) ભરણપોષણ કરના લાલન પાલન કરના, બડા કરના, આશ્રયમેં રખના, વિધિપૂર્વક આચરણ કરના, સાંસારિક રૂઢિકે અનુસાર બર્તાવ કરના, માનના ।

પાળા (સં. દાત, દસન, દત, દંતિ.

પાળિયો (સં.) શૂરવીરકી કબ્રપર અથવા સમાધિ પર યાદગાર કે રૂપમેં લગાયા હુવા પત્થર ।

પાવી (સ) ચાકૂ, છૂરી, શાકભાજી સુધારનેકા શસ્ત્ર, મુકર્રર કિયા હુવા દિન, બારી, પાની ।

પાળુ (સં.) પૈરોં ચલના હુવા (મનુષ્ય) પૈદલ, પદાતી ।

પાળો (સં.) પૈદલ સિપાહી, પદાતી, ગોલરેખા, પલ્લવ ।

પિંખવુ (ક્રિ.) ઇધર ઉધર પટકના, ફેંકના, નોંચના, ચૂંથના, બિડકના, ગુસ્સે કરના, જહાં તહાં પટકના ।

પિંખણ કરવું (ક્રિ.) અતિશયોક્તિ પૂર્વક બઢાના, બઢાકર વર્ણન કરના ।

પિંખણ જોષી (સં.) અચ્છી અચ્છી કહને વાલા ભવિષ્ય વક્તા ।

પિંગળા (સં.) વિદેહ દેશમેં રહને વાલી એક વેશ્યા કા નામ, નાડી, વિશેષ, દાહિને નથને સે ચલને વાલા સ્વર, માલકૌંગની, ગોરોચન, ભરથરી કી ભાર્યા કા નામ ।

પિંજણ (સં.) ધુનકને કા હથિયાર, ધુનને પીંજને કી બડી લમ્બી ચૌડી બાત, પૈર મેં પહિનને કા ભૂષણ વિશેષ, પજની, માથાફોડ સિરપચ્ચી ।

પિંજણિયો-પિંજણી (સં.) ધુનકના, રૂઈ ઉન આદિ ધુનને કા યન્ત્ર, રથ ગાડી કા પહિયા નિકલ ન જાવે ઇસ લિયે આડી લગાઈ હુઈ લકડી ।

પિંજર-રું (સં.) દેખો પીંજર, પાલે રંગ કા, પીલે ઔર લાલ રંગ કા ।

પિંજવું (ક્રિ.) ધુનના, પીંજના, રૂઈકો અથવા ઉનકો ધુનના ।

પિંજારી (સં.) પિંજારેકી સ્ત્રી, રૂઈ ધુનકનેવાલેકી સ્ત્રી, પક્ષી વિશેષ ।

પિંજારો (સં.) રૂઈ ધુનકનેવાલા,

પિંડો (સં.) ગારેકા અથવા ગોલી મિઠાઈકા ગોલા ।

पिंडारो (सं.) ग्वाल, अहीर, मछरिया, एकजाति विशेष, डाकुओंका दल, लुटेरा, ठग, बकैत, गोप, चरवाहा ।

पिंडोरियुं (वि.) केवल मिट्टीके गोलोद्वारा बनाया हुवा घर, केवल मिट्टीका घर ।

पिक (सं.) कोकिल, कोयल, एक जातिका पक्षी, पान सुपारी अथवा ज़रदेका थूक, पीक ।

पिकदानी (स.) थूकनेका पात्र, थूकनेका वह पात्र जिसका मुख ऊपरसे चौड़ा होता है, पीकदानी।

पिखवु (क्रि.) फेंकना, बिखेरना, इधर उधर फेंक देना, नीच डालना।

पिगळवुं (क्रि) पिघलना, टघलना, द्रव होना, पतला होना, पानी होना।

पिगळावबुं (क्रि.) टिघलाना, द्रव करना, पिघलाना, पानी करना

पिचकारी (सं.) पचूका, दमकला, वह यंत्र जिसके द्वारा पानी भरकर धार रूपमे छोड़ा जाता है, होली के दिनोंमें रंग डालनेके काम आता है, पान अथवा ज़र्देके बहुतसे थूकका पिचकारीकी तरह थूकना।

पिचकानी (सं.) देखो पीकदानी

पिच्छ (सं.) मयूर पुच्छ, मोर पुच्छ, शिखण्ड, लाङ्गूल, पूंछ, पंख, पक्ष ।

पिछाडी (सं.) एक प्रकारकी रस्सी, पीछे, पश्चात, पृष्टभाग ।

पिछान (सं) पहिचान, परिचय, मेल, जान पहिचान, ।

पिछानवुं (क्रि) पहिचानना, जानना, परिचय प्राप्त करना, जानलेना ।

पिछो (सं.) पीछा पश्चाद्गमन।

पिछो लेवो (क्रि.) पीछे पड़ना, सताना, पीछा पकड़ा, कष्ट देना, खोज करना ।

पिछोडी (सं.) दुपट्टा, पिछोरी, कपड़ा, उपवस्त्र, कंधेपर डालनेका वस्त्र । लुगड़े पर ओढनेकी सफेद चादर। बिछौनों पर डालनेका वस्त्र।

पिछोडो (सं) बड़ी चादर, चद्दर।

पिजन (क्रि. वि.) हरेक बातको खूब बढाना, और पिष्टपेषण करना।

पिटापिट (सं.) पटापट शब्द, कूटने अथवा पीटनेका शब्द ।

पिप्परोगी (सं.) पाण्डुरोग युक्त, जिसे कमला हो गया हो, कमला रोगी, मुख फीका हाथपैर दुबले और पेट बड़ा ।

पिंडदान (सं.) देहदान, शरीरदान
पिंडदारी (सं.) दर्दयुक्त, दुखदायी, कष्टकर्त्ता, दुखमय।
पिंडित (वि.) दुःखित, दुखी, कष्ट पूर्ण, क्लेशित।
पिंडी (सं.) महादेवजीकी मूर्ति (लिंग) शिवलिंग, पिंडली, पिण्डरी।
पिंडु (सं.) धागे आदिका लपेटन द्वारा बनाहुवा गोला, पिंडा।
पितराइ-त्राइ (सं.) चचाके बेटे भाई, सहोदर भाईके अतिरिक्त संबंध।
पितराइ भाइ (सं.) चचाका पुत्र भाई, पिताके मामाका पुत्र, चचेरा भाई, चचा जाद्भाई
पितराइ बेन (सं.) चचेरी बहिन पिताके मामाकी पुत्री।
पितोणुं (सं.) कद्दू, लौकी फल विशेष।
पित्तणभान (स.) पीतलकी पतली, पीतल धातु निर्मित पत्नी।
पित्तपाणुं (सं.) पित्तयुक्त, पित्त प्रकृतिका, [पीतलका
पित्तली (वि.) बेशर्म, निर्लज्ज,
पित्तळीउं (सं.) पीतलका प्याला।
पित्तणनुं (वि.) पीतलका बना, पीतल धातु द्वारा बनाहुवा।
पित्ताणुं (वि.) देखो पित्तपाणुं
पित्त (सं.) शरीरस्थ धातुविशेष, तिक्तधातु, पित्त (वात, कफ)
पित्तज्वर (सं.) पित्त जनितज्वर, पित्तके कारण शरीर दाह।
पित्तप्रकृति (सं.) जिसके शरीरमें पित्तनामक धातुकी प्रधानता हो, गरम मिज़ाज़, [मिल, वातपित्त।
पित्तवा (स.) पित्त और वायुका
पित्तळ (स.) धातु विशेष, पीतल ताम्बे और जस्तेके मिश्रणसे बनी हुई एक पीली धातु। तेज मिज़ाजका, ओछा पात्र, तेज तर्रार।
पित्ताशय (सं.) हृदय, कलेजा, दिल।
पित्तो (सं.) क्रोध, गुस्सा, तेज मिज़ाज, पित्ताधार, तीक्ष्णस्वभाव।
पित्तो उछळवो (कि) क्रोध हाजार।
पियेल (वि.) मस्त, मद्यपान कियाहुवा, शराबी मदमाता।
पियेलु (वि.) शराब पीया हुवा।
पियेलो (वि) पूर्ववत्
पियर-पेर (सं.) एक प्रकारके हलका फल जो आचारके काममें लाये जाते है

पिपळी मूळ (सं.) पीपलमूळ, पीपल वृक्षकी जड़।
पिपळो (सं.) पीपल नामसे प्रसिद्ध पवित्र वृक्ष, अश्वत्थ।
पिपळे दीवो ह्रस्वो (क्रि.) संसारको गुप्तबात प्रकट करना, बात फैलाना,
पिपळो उभवो (क्रि.) निस्संतान होना, अपुत्र होना, निर्वंश होना।
पिपळ (सं.) मन्द मन्द सुगन्ध, धीमी २ खुशबू, गन्ध, सुवास।
पिपळवुं (क्रि.) मंद मंद सुवास आना, धीमी धीमी खुशबु आना, मारम आना।
पियर (सं.) स्त्रीका पितृगृह, पीहर, मैका, मायका पीर।
पियरपनोती-सग्धी (वि.) जिसके सुखी स्थित हो।
पियरिया-येरयुं (सं.) स्त्री के बापकी ओरका सगा सम्बन्धी या कुटुम्बी (वि.) पीहर सम्बन्धी
पियळ (सं.) देखो पीयळ
पियु-डो (सं.) पति, खाविंद, खासी, खसम, धनी, प्यारा, प्रिय। [पीकूना।
पिपूक (स.) कफरोग, खुरा,
पिरसवुं (सं.) पकाहुवा भोजन परोसना, परोसन।
पिरसणियो-णार (सं.) परोसने वाला, भोजन करानेवाला।
पिरसवुं (क्रि.) परोसना, पात्रमें भोजन रखना, जीमनेकी थालमें भोज्य वस्तु रखना।
पिरोजमणि (सं.) आसमानी रंग का मूल्यवान पत्थर।
पिरोजी (वि.) आसमानी रंग, नीला रंग, पिरोजेका रंग।
पिलखण (स.) एक प्रकारका वृक्ष।
पिलवुं (क्रि) दबाना, निचोड़ना, यन्त्रमें कुचलना, दो वस्तुओंके बीचमें रखकर दबाना।
पिलावुं (क्रि) दबवाना, कुचलना।
पिलु (सं) पिलखण वृक्षका फल, पीलु, फल विशेष, मुर्गीका बच्चा।
पिले डियु (सं.) ज्वार बाजरेकी डंठलमेंसे फूटा हुवा फुनगा।
पिलुडी (सं.) एक प्रकारका वृक्ष।
पिलनी (सं.) बेली, कोचली, मुसलमानोंकी स्त्रियोंके पहिरनेका पजामा।
पिलपी (सं.) कोचली, बेली।
पिलवुं (क्रि.) दबना, पीसना, चूर्ण करना, अच्छा खासा, कुचलना,
पिलवो (सं.) मिट्टीकी बनाई हुई बंसरी या तुरही, सीटी।

પિપુડી (સં.) એક પ્રકારનું વાદ્ય, મુરલી, બાંસરી, વેણુ ।

પિસ્તા (સં.) પિસ્તા નામક પ્રસિદ્ધ મેવા ।

પિસ્તાલીસ (વિ.) સંખ્યા વિશેષ, ચાલીસ ઔર પાંચ, ૪૫, પૈંતાલીસ ।

પિહુપિહુ (સં.) કોયલનો શબ્દ, પપીહા નામક પક્ષીની બોલી ।

પિહેર (સં.) સ્ત્રીનું પિતૃગૃહ પીયર, માયકા, પેર બાપકે ઘર ।

પિળ-પીળ (સં.) શુભસમય પર સ્ત્રિયોંકે કપાલ પર લગાયા હુવા કુમકુમકા બિંદુ, સૌભાગ્ય બિન્દુ ।

પિળચટું (સં.) પીળા રંગ મિલે હુએ, પીત વર્ણયુક્ત, પીલાઈ ।

પિળવું (ક્રિ.) કુમકુમકે રંગ મેં રંગના, રગડના, મસલના, કુચલના।

પિળાટ–સ (સં.) પીલાપન, દિખને મેં કુછકુછ પીત રંગ યુક્ત, પિલાઈ ।

પિળિયું (સં.) પીલા ઓઢના, પોલે રંગકી લૂઘડી, હલ્દી કે રંગ કા રંગા હુવા, પીલી ઈંટ, એક પ્રકારકા રોગ। [રંગ

પિળું (સં.) પીલા, પીત, હલદિયા

પી (સં.) કર્જાહત, અપમાન, અપકીર્તિ ।

પીઆર (સં.) કાંદા, ગંઠી, પ્યાજ, કસ્તૂરી ।

પીક (સં.) અન્ન ઇત્યાદિકા પાક, પાન તમાકૂકા થૂક ।

પીંગાણી (સં.) સુગન્ધિત તેલ કા પ્યાલા, ખુશબૂદાર પદાર્થ યુક્ત કટોરા ।

પીંછ સ.) પીંછા, પર, પક્ષ, પિન્છ, પૂંછ, દેખો પીંછું

પીંછી (સ.) મોરપંખ, મોરકા પાંખો કા બનાયા હુવા, ચમર, ચંવર, ચવરી, મક્ખી ભગાનેકા, બ્રશ, બુરસ ।

પીંછું (સ.) પાંખ, પક્ષ, પર, પક્ષ

પીંછાનું પારેવું કરવું (ક્રિ.) રાઈકા પહાડ કરના, અતિશયોક્તિ પૂર્વક કહના ।

પીંછાનો કાગડો (સં.) કિસી થોડી બાતકો બઢાકર કહના ।

પીંછું ધાલવું (ક્રિ.) બાધા ઉપસ્થિત કર દેના, આડ કરના, રોક કરના ।

પીંછો (સં.) પીછા, પશ્ચાદ્રમન ।

પીંછો કરવો (ક્રિ.) પીછા કરના, ખદેરના, ભગાના, દૌડાના, પીંછે જાના ।

પીઠણી (સં.) પિટાઈ, કુટાઈ, માર, છાતીકી પિટાઈ ।

પીટણો (વિ.) અતિ મરેકે સમાન, દુખદાયી પુરુષકો गाली देनेके लिये स्त्रियां यह शब्द काममें लाती हैं ।

પીટવું (ક્રિ.) देखो પિટવું

પીઠ ઉઘાડી પડવી (ક્રિ.) कोई मददगार न होना, असहाय होना।

પીઠ ઠોકવી (ક્રિ.) शाबाशी देना, उत्तेजित करना, अभयदेना, साहस देना ।

પીઠ દાંકવી (ક્રિ.) मदद करना, आश्रय प्रदान करना, बात रखना । [પીઠ ઠોકવી

પીઠ થાબડવી (ક્રિ.) देखो

પીઠપર હાથ ફેરવો (ક્રિ.) धैर्य-देना, साहसदेना, हिम्मत बंधाना।

પીઠ પાછળ મૂકવું (ક્રિ.) मुल-तवी रखना, स्थगित करना, ठहराना ।

પીઠ પુરવું (ક્રિ.) आवश्यकता के समय सहायता करना ।

પીઠ ફેરવવી (ક્રિ.) त्याग देना, तज देना, तिरस्कार पूर्वक देखना आवश्यकता के समय छोड़कर चले जाना ।

પીઠ બતાવવી (ક્રિ.) हार मानकर भागजाना, पीछे हटना, भाग जाना ।

પીઠ લેવી (ક્રિ.) पीछे पड़ना, दुखदेना, आग्रह पूर्वक मांगना ।

પીઠનું બળ (સં.) सहायक का बल, ज़ोरया, बसोला, पीछे का जोर ।

પીઠ (સં.) आटा, पिट्ठी, पिसा हुवा गोळ अन्न, अन्न की मीठी लुग्दी । मंदिर, स्थळ, जगह, छोटा टेबल, स्टूल ।

પીઠિકા (સં.) वंशावली, आरंभ से विवरण पूर्वक बात ।

પીઠી (સં.) विवाह के समय वर अथवा कन्या के शरीर में कुछ दिन पूर्व से हल्दी मिश्रित लगाने का मसाला, उबटन, अभ्यंग, उबटना ।

પીઠું (સં.) शराब की दुकान, ताड़ी की दुकान, कलाली, अन्न का बाजार, जहां माल थोकबन्द मिलता हो ।

પીડ (સં.) देखो પીડા, पीड़ा, दुःख, व्यथा, उपद्रव, आपदा, व्याधी, रंगकी लुग्दी ।

પીડવું (ક્રિ.) पीड़ाकरना, दुःख-देना, कष्टदेना, तकलीफदेना ।

પીડાવું (ક્રિ.) पीड़ापाना, कष्ट-पाना, तकलीफ पाना, सिझना ।

પીઠ-દિયું (સં.) છત પર ગદ્દી ઓરો પર રખનેકે પટિયા ।

પીઠારો (સં.) લુટેરા, ઠગ, વંચક ।

પીઢિયાં (સં.) દાઢ, દાઢ, દાંત ।

પીઢિયું (સં.) આડી તખ્તી, સહતરિ । [ચાદ ।

પીધુ (સં) ઇચ્છા, ખ્વાહિશ,

પીત (સં.) પિત્ત, ભાજી, પાની સે ઉત્પન્ન હોનેવાલા શાક, (વિ.) ચપટા, મુદેદાર, મોટા, પીલા ।

પીત ઢોડી (સં.) એકપ્રકારકા જાન વર, જિસકી ગુદા લાલ હોતી હૈ ।

પીતપાપડો (સં;) એક પ્રકારકે બીજ, પલાશવૃક્ષકે બીજ, ખાખરે-કા બીજ ।

પીતવાડો (સં.) જિસ ખેતકો કુએકા પાની પિલાયા ગયા હો ।

પીધું (ક્રિ.) પીયા, પિયા ।

પીનસ (સં.) નાસિકારોગ, રોગ વિશેષ ।

પીનાર (સં.) પીનેવાલા, પાનકર્તા।

પીપ (સં) દારૂ, શરાબ, કાષ્ઠકા બોલ પીપા, કાઠકા ઢોલ સમાન પીપા ।

પીપર (સં.) દેખો પિપર

પીપા (સં) એક પ્રકાર કા ચામડા, ચાય વિશેષ, ફઝીહત, ખરાબી ।

પીપી (સં.) બાંસરી, મુખસે બજાને કી સીટી, અપમાન, હતક, બદનામી ।

પીપુડી (સં.) પૂર્વવત્

પીપોડી (સં.) પૂર્વવત્ [સુગંધ ।

પીયળાટ (સં.) મહક, ખુશબૂ,

પીયળ (સં.) સ્ત્રી કે મસ્તક પર હિંગલૂ અથવા સિંદૂર સે ચિત્રિત સૌભાગ્ય ચિન્હ ।

પીપો (સં) આંખો કે કોનો કા એકત્રિત મલ, આંખોં કા ગોદ, નેત્રોં કા મલ ।

પીર (સં.) મરેબાદ, મુસલમાન સાધુ કી પદવી, વલી, ઓલિયા, ફકીર ।

પીલવું (ક્રિ.) દેખો પિલવું

પીલુ (સં.) પીલુડી કે ફલ, એક પ્રકારકે ફલ ।

પીલુડી (સં.) વૃક્ષ વિશેષ, જિસકે પીલે બેર તુલ્ય ફલ લગતે હૈં, એક પ્રકાર કા રાગ ।

પીલો (સં.) વૃક્ષ પૌધે કા વહ ભાગ જો સર્વ પ્રથમ જમીન સે બાહિર હોતા હૈ, અંકુર, પુલ્લા, સમાહ કી કોમલ શાખા ।

પીવું (ક્રિ.) પાન કરવા, કોઇ પણ પ્રવાહી પદાર્થ કંઠ કે નીચે ઉતારવા, ચૂસવા, દારૂ પીવા, સમાવા, અંદર પ્રવેશ કરવા, દમ લેવા, મુખ વડે ધુંવા ભરી લેવા, સહન કરવા, ગમ ખાવા.

પીસવું (ક્રિ.) સહન કરવા, બરદાસ્ત કરવા કે જવા, કુછ પર વાંધો ન કરવા, દેખ્યા અનદેખ્યા કરવા, અવહેલના કરવા, સહી જવા.

પીસવું (ક્રિ.) પીસવા, દલવા, ચૂર્ણ કરવા, કુચલવા, આટો કરવા.

પીળાશ (સં.) પીળાપન, ફીકાપન.

પીળવું (ક્રિ.) દેખો પિળવું

પીળાશ (વિ.) દેખો પિળાટ

પીળું (વિ.) પીલા, પીત, હલ્દી કે સમાન, સોને કે રંગ સમાન.

પીળું ધમ્મક (વિ.) અતિશય પીલ, બિલકુલ પીલે રંગ કા.

પીળો દેડકો (સ.) જિસ મે રક્ત નહીં રહા હો ઔર ફીકા દિખાઈ દેતા હો.

પીલવાન (વિ.) ગજતુલ્ય, હાથી સમાન, મોટા, ભારી, સ્થૂલ.

પીલું (સ) પિસ્સૂ નામક ક્ષુદ્ર જન્તુ, ક્ષુદ્ર પ્રાણી.

પુંખ (સં.) દેખો પુંખ પર કે ઉપર કે દોનોં ઓર કા ડાંડ માંસ, પક્ષ, પર કે દોનોં ભાગ.

પુંખડું (સં.) મંદ હવા, ધીમી વાયુ (વિ.) બોદાસા, બલ્કા, કમ.

પુંખવું (ક્રિ.) ખેત મેં હાથ સે અન્ન આદિ બખેરના,

પુંછ-ડી ડું (સં) દુમ, પૂંછ, પુચ્છ, લાંગૂલ, પશ્ચાદ્ભાગ.

પુંછવું (ક્રિ.) પોંછના, સાફ કરના, ઓંછના, ઝાડના, પૂંછના.

પુંજવું (ક્રિ.) પૂજના, પૂજા કરના, માન કરના, સન્માન કરના, જીવ જંતુ કી રક્ષા કે લિય ઝાડૂ સે ઝાડના (જૈન સમ્પ્રદાય મેં)

પુંજણી (સં.) જૈન સાધુઓં કે પાસ રહ જો જીવાદિ ઝાડને કે કામ મેં આતી હૈ.

પુંજી (સં.) દૌલત દ્રવ્ય, ધન વર્ગ.

પુંજો (સં) ઉચ્છિષ્ટ, કચરા, મૈલા, કૂડા.

પુંજો કાઢવો (ક્રિ.) કચરા ઝાડના, મૈલા બુહારના, ઉચ્છિષ્ટ દૂર કરના

પુંઠિયું (સં.) પુઠા, પૂઠ, પીઠ, પિછલા ભાગ, ગાડી મેં સે કુછ ફિર ન જાય ઇસ લિયે લગાયા હુવા કિવાડ સા યા ઝાડ.

પુધિયું (સં.) બીચ મેં સે ફટા હુવા ધોતી કા ૩।૪ હાથ કા ટુકડા, બલ હાંકને વાલે કી કમ્મરકો પીછે કી ઓર બાંધને કા ચમડા।

પુપરે (સં.) લડકા, પુત્ર, છોકરા,

પુંખડુ (સં.) દેખો પુખડુ

પુખડી (સં.) ખેત મેં સે કપાસ બીનને કે બાદ જો થોડા થોડા કપાસ રહ જાતા હૈ।

પુંપ (સં.) દેખો પોપા

પુકરવું (ક્રિ.) બુલાના, હાંક મારના, હાંકના, આહ્વાન કરના।

પુખરાજ (સં.) દેખો પોખરાજ

પુખ (સં) નિશ્ચલ બુદ્ધિ કા, દૃઢ બુદ્ધિ કા, દૃઢ મજબૂત સુદૃઢ।

પુગવું (વિ.) વશ ચલે જિતના, હો સકે ઉતના, દેખો ઉતના. જિતના સંભવ હો।

પુગવું (ક્રિ.) પહુંચના, જાના, ચલના, પ્રાપ્ત હોના, નિભના, ટિકના, મિલના।

પુગાડવું (ક્રિ.) પહુંચના, ભેજના, સ્વાધીન કરના, પહુંચા દેના।

પુચકારી (સં.) સાન્ત્વના વાક્ય, દાદસ, શાન્ત કરને કે લિયે જો બોલે હુએ શબ્દ।

પુચ્છ (સં.) લાંગૂલ, પૂંછ, દુમ, પીછે કા ભાગ, પશુ ચિન્હ, પશ્ચાદ્ભાગ।

પુચ્છિયો (વિ.) પૂંછવાલા, દુમદાર

પુચ્છિયોતારો (સં) ધૂમ્રકેતુ, અશુભ સૂચક તારા, પૂંછલ તારા।

પુછડી (સં) છોટી પૂંછ, છોટી દુમ,

પુછડુ (સં.) પશુ પક્ષી કે ગુદા માર્ગ કે ઉપર, નિકલા હુવા અવયવ, પૂંછ, દુમ।

પુછ-પરછ-પોછ (સં.) તલાશ, ખોજ, ઢૂંઢ, જાંચ પડતાલ, અનુસન્ધાન, જિજ્ઞાસા, ટોહ, પૂછતાછ।

પુછવું (ક્રિ.) પૂછના, જિજ્ઞાસા કરના, અનુસન્ધાન કરના, ટોહ લગાના।

પુછપુછ (સં.) બારબાર પૂછતાછ, પુનઃપુનઃ અનુસન્ધાન, બારંબાર પ્રશ્ન।

પુછાવવું (ક્રિ.) પુછાના, નિશ્ચય કરાના, કહલાના, અનુસન્ધાન કરા દેના।

પુજ (સં.) દેખો પુજ્ય

પુજવું (ક્રિ.) અર્ચન કરના, આરાધન કરના, ધ્યાન કરના, સન્માન કરના।

પુજારો (સં.) પૂજા કે ઉપકરણ, પૂજા કી સામગ્રી, ચન્દન, પુષ્પ, ધૂપ, દીપ, નૈવેદ્ય, ફલ, જલ, ઇત્યાદિ સામગ્રી ।

પુજારુ (વિ.) પૂજ્ય, માન્ય, પૂજનીય, માનનીય, પૂજા કરને યોગ્ય ।

પુટ (સ.) યુગલ, યુગ્મ, આચ્છાદન, પત્રાદિ રચિત મધ્ય, અભ્યન્તર ઔષધિ પકાને કા પાત્રવિશેષ, વસ્ત્ર પટ, કપડા । [શ્રીફળ ।

પુટોફ્ળ (સં.) નારિયલ, નારેલ,

પુઠ (સં.) દેખો પુઠ ।

પુઠળ (ક્રિ. વિ. ઔર અ) પીછે, બાદમેં, અનુપસ્થિતિ મેં, ગૈરહાજિરી મે, પીઠ પીછે ।

પુઠાં (સં.) પુસ્તક કી જિલ્દ, આવરણ પૃષ્ટ, દાલમેં કે છિલકે યા કચરા ।

પુઠિયાં (સં) પુઠ્ઠા, કૂલ્હા, ચૂતડ। ગાડી ક પહિયે કે આરે ।

પુઠિયાં ફાટવાં (ક્રિ.) ડરના, ભય ઉત્પન્ન હોના, ડર કે મારે ઘબરાના ચેહરા ફીકા હોના ।

પુડી (સં.) છોટા પુઠ્ઠા, ગાડી કે ચક્ર કે આરે ।

પુડું (સં.) દેખો પુડું

૨૧

પુડે (સં.) દેખો પુડે ।

પુડી (સં) પુસ્તિકા, કાગજ કી છોટી ગાંઠ જિસમેં ઔષધિ ઇત્યાદિ બાંધી જાતી હૈ ।

પુડો (સં.) શહદકા ડબ્બા, પૂરી, એક પ્રકાર કી ઘી યા તેલ મેં ભૂની હુઈ આટે કી રોટી, પૂડી, શષ્કુલી, કચૌરી ।

પુથુરો (વિ.) ઓછા, અપૂર્ણ, બાંકા, ટેઢા, આડા, તિરછા ।

પુથુવું (ક્રિ.) કાતના દુઃખ દેના, પીટના ।

પુણી (સં.) રૂઈ કી લગભગ એક બાલિશ્ત લંબી ઔર અંગુલી સમાન મોટી કમ બલ દી હુઈ બત્તી, પૂની, કાતને કે લિયે તય્યાર કી હુઈ રૂઈ કી બાતી ।

પુણીનોપાધ(સં.) રાઈકા પહાડ, રજકા ગજ । મૂર્તિ ।

પુતળ (સં.) પુતલા, મૂર્તિ, પ્રતિ

પુતળ વિધાન (સં.) મનુષ્યકા મૃત શરીર હાથ ન લગને કે કારણ ઉસકા પ્રતિનિધિ રૂપ પુતલા બના કર ઉસકા સંસ્કાર ઇત્યાદિ ।

પુતળિયું (વિ.) જિસમેં પુતલા યા મૂર્તિ હો, ઐસા ગહના જિસમેં મૂર્તિ બનીહો, સિક્કા, ગિન્ની, મોહર, મુહર ।

पुतली (सं.) आंखका तारा, काष्ठ-निर्मित छोटी, पुतळी, छोटी सी प्रतिमा, सौन्दर्य सुन्दर औरत।

पुतळु (सं.) गुड्डा, पुतली, कठ पुतली, मूर्ति, प्रतिमा, तस्वीर।

पुत्रीय (सं.) लड़कीका लड़का, बेटीका बेटा, नाती, भानजा, बहिन का पुत्र। [पुत्रीका।

पुत्रीय (वि.) लड़कीका, बेटीका,

पुत्रेष्टि (सं) पुत्रकी इच्छा के लिये किया हुवा यज्ञ इत्यादि पूजापाठ, संतानार्थ यज्ञ, संतान, प्राप्तिका उपाय विशेष। [की चाह।

पुत्रेषणा (सं) पुत्रकी इच्छा, बेटे

पुद्गल (सं.) आत्मा, देह, शरीर, जैनियोंके मतसे चैतन्य विशिष्ट, पदार्थ विशेष, सुन्दराकार, रूपादि विशिष्ट द्रव्य, अच्छे आकारवाला।

पुनम (सं.) पूनम, पूनों, पौर्णिमा, शुक्लपक्षका अंतिमादिन, तिथिविशेष

पुनरागमन (सं.) द्वितीयवार आगमन, फिरआना, लौट आना, लौटना। [स्त्री।

पुनरुक्त (सं) दुरुक्ता, दोबार क्याही

पुनर्विवाह (सं.) द्वितीयवार विवाह, दूसरा विवाह, स्त्री का द्वितीय विवाह, (पति का पता न लगने पर पति के मरजाने पर, संन्यासी हो जाने पर, नपुंसक प्रतीत होने पर, और पतित होने पर किया हुवा स्त्री का दूसरा विवाह।)

पुनित (वि.) पवित्र, पावन, सुन्दर, श्रेष्ठ, उत्तम, चारू पुनीत।

पुनेम (सं.) पौर्णिमा, पूनम, पूनों, शुक्लपक्ष की अंतिम तिथि।

पुप (सं.) पुरुष, नरजाति, रूई में से उड़ती हुई बारीक रज वस्त्र के ऊपर की रोमावली, वस्त्र के रोम।

पुभतु (सं.) देखो पुभतु।

पुभतुं (सं.) कान के छिद्र में डालने की सुई, देवताओं के आगे जलाई जाने वाली रूई की फूल-बत्ती, रूई की टुकड़ा, (वि.) थोड़ा, कुछ, सूक्ष्म।

पुरःसर (वि.) आगे जानेवाला अग्रगामी; अग्रेसर, अगुवानी।

पुर (सं.) शहर, ग्राम, कस्बा, अधिक व्यापार और दुकान युक्त गांव, घर, गेह, गृह, मकान, देह, शरीर। (वि.) समस्त, सारा,

संपूर्ण, (सं) पुष्कल चक, गदी की बाढ, रेल देखो पूर।

पुरन्ने (सं.) टुकड़ा, छोटा हिस्सा, काग़ज का टुकड़ा, खण्ड।

पुरण (सं.) अन्दर भरने का मावा, मसाला, कचौरी आदि में भरने का मसाला। पूर्ण, समस्त संपूर्ण।

पुरणपोळी (सं.) बेढ़मी, बेढ़ई, कचौरी, मसालेदार पूरी।

पुरणी (सं.) गड्ढे में पत्थर मिट्टी इत्यादि की भरती, भराई, पूर्णता।

पुरतल (वि.) इच्छा पूरी करने वाला, दाता, पूरक, पूर्ण कर्त्ता।

पुरतुं (वि.) पर्याप्त, काफी, उचित, मुनासिफ, ठीक, पूर्ण।

पुरबिया (सं.) उत्तर भारत का रहनेवाला, पूर्व दिसा का वासी मनुष्य।

पुरभरणी (सं.) उपसंहार, न्यूनतापूर्त्ति, भरती, सप्रमाणसिद्धि, पूर्ति।

पुरवार (सं.) सप्रमाण सिद्ध, काफ़ला शहादत से साबित।

पुरवार करवुं (कि.) सप्रमाण सिद्ध करना, साबित करना। सिद्ध करना। [गवाही।

पुरवारी (सं.) प्रमाण, साक्षी,

पुरवी (सं.) एक प्रकार की रागिनी जो संध्या समय गाई जाती है, पूर्वी।

पुरवुं (कि.) पूरना, भरना, गड्ढे में मिट्टी पत्थर आदि डालना, किसी बर्तन को परिपूर्ण करना, जमीन लीप कर उस पर चित्र बनाना, बढ़ाना, चकचकित करना, उकसाना काटना, कैद करना, बन्द करना, असंपूर्ण को पूर्ण करना, देना, सामने करना। पहचवान होना, पहुंचाना, पूर पटकना, पेश करना।

पुरपातन (सं.) देखो पुरुषातन।

पुरुषातन (सं) पुरुषत्व, मरदाई, शौर्य, पुरुषत्व, वीरता।

पुरसीस (सं.) पूछताछ, तलाश, अनुसंधान, प्रश्न।

पुरस्सर (कि. वि.) आदि सहित, इत्यादे वगैरः प्रभृति, पूर्वक, साथ में, सहित।

पुरात–भाषी (स) सर्राफी, बही खातेमें जमा उधार करते हुए जो सिलक में बाकी रहे।

પુરાણ (સં.) વ્યાસાદિ મુનિપ્રણીત ગ્રંથ વિશેષ, ઇતિહાસ ગ્રંથ, અઠારહ પુરાણ (પુરાણ ત્રીન ભાગોમાં વિભક્ત છે રાજસ, તામસ અને સાત્વિક, તામસ પુરાણ, મત્સ્ય, કૂર્મ, લિંગ, શિવ, સ્કંદ અને અગ્નિ, રાજસપુરાણ, બ્રહ્માંડ, બ્રહ્મવૈવર્ત, માર્કેણ્ડેય, ભવિષ્ય, વામન અને બ્રહ્મ, સાત્વિકપુરાણ વિષ્ણુ, નારદ, ભાગવત, ગરુડ, વારાહ અને પદ્મ)। (વિ.) પ્રાચીન, પુરાના, જીર્ણ।

પુરાણ કાઢવું (કિ.) કિસ્સા છેડના, બાત કહના, વર્ણન કરના લંબી બાત કહના।

પુરાણું-તન (વિ.) પ્રાચીન, પૂર્વ કાલીન, ચિરન્તન, પુરાના, અગલે સમય કા, પહિલે વક્તોં કા, જીર્ણ।

પુરાંત (સં.) કાંટા, તુલા, શેષ ભાગ।

પુરાવું (ક્રિ.) ભરના, પુરાના, ગડ્ઢે ઇત્યાદિ કો બરાબર કર દેના।

પુરાવો (સં.) પ્રમાણ, ગવાહી, સાક્ષી, સુબૂત, સંતોષ, તસલ્લી।

પુરી (સં.) નગરી, શહર, કસ્બા, ગાંવ, પુરવા, જગન્નાથપુરી। પૂરી, લુચ્ચઈ, સોહારી, પકવાન, વિશેષ, ઘી મેં તલી હુઈ રોટી।

પુરીષ (સં.) વિષ્ઠા, મલ, ગૂહ, નરક, પાખાના, ગૂ, બાંટ।

પુરું (વિ.) પૂર્ણ, પૂરા, ભરાપૂરા, સમ્પન્ન, પર્યાપ્ત, સમાપ્ત, કાફી, ઠીક, (સં.), પુરા, મોહલ્લા, ગાંવ કે પાસ કા છોટા ગાંવ।

પુરું કરવું (ક્રિ.) પૂરા કરના, પૂર્ણ કરના, સંપૂર્ણ કરના, સમાપ્ત કરના। [હોના।

પુરું થવું (ક્રિ.) પૂર્ણ હોના, સમાપ્ત

પુરું પાડવું (ક્રિ.) યેનકેન પ્રકારેણ કરના, પૂરા પટકના, જુટાના, પૂરા કરના।

પુરે પુરું (વિ.) સંપૂર્ણ, કુછભી શેષ નહીં, સબ, તમામ, બિલકુલ।

પુરોડાશ (સં.) યજ્ઞીયહવિ વિશેષ, હવનકા અવશેષ, હવિષ, યજ્ઞપ્રસાદ।

પુરોહિત (સં.) ઋત્વિક, પુરોધા, યાજક, બ્રાહ્મણ, ઉપાધ્યાય, બ્રાહ્મણ।

પુર્ખ-રખ (સં.) પુરુષ, મર્દ, જન।

પુલ (સં) દેખો પૂલ

પુલક (સં) રોમાંચ, રોમોદ્ભેદ, શરીર કે બાહિર ઔર ભીતર હર્ષ જન્ય વિકાર।

પુલકિત (વિ.) રોમાંચકારી।

પુલાક (સં.) સંક્ષેપ, બહાદુરી, વીરતા, ચાવલોં કા તુષ, સત્ત્વ હીન ધાન્ય।

पुलिन (सं.) द्वीप, पानी के बीच में घिरी हुई जमीन, नदीका मध्य तट, किनारा जलसे निकला हुवा भाग, तीर, तट।

पुली (सं) घासकी पूली, घासका बंधा हुवा छोटा पूला, घास की पिंडी।

पुष्कर (सं.) भूरा कमळ, सप्तद्वीपों में से एक, आकाश, अजमेरके पास एक तीर्थ, इसनामका तलाव, आकाश जल, कमल, असिकोष, तलवार की म्यान, सारस पक्षी, वरुण पुत्र, पर्वत विशेष, रोग विशेष। [धूल।

पुष्टुं (सं.) पुष्ट, मोटा, ताजा,

पुष्प रजस्वतु (सं.) ऋतु धर्म स्रावक, नस. रजतंतु।

पुष्पवो (कि.) आशा बंधना उम्मीद होना, रजोदर्शन होना।

पुष्परात्र (सं.) पुखराज, पद्मराग मणि, गोमेद, मणि विशेष, एकरत्न।

पुष्परात्र (सं.) पूर्ववत्।

पुष्पवती (सं.) ऋतुमती स्त्री वह रजस्वला स्त्री जिसे रजस्राव होता हो, न छूनेकी।

पुस्त (सं.) उपज, औलाद, बंश, पीढी, खान्दान, कुल।

पुस्तकाणा (सं.) पुस्तकालय, लायब्रेरी, जहां बहुत सी पुस्तकें संग्रह हों।

पुस्तइ पुस्त (कि. वि.) वंश परंपरा, पीढ़ी दर पीढ़ी। [बोल।

पुस्तपना (सं.) आश्रय, सहारा,

पुस्ती (सं) कागज़का दुकड़ा, दीवारपर किया हुवा चूनेका लेपन (दृढताके लिये)

पुस्तो (सं.) घाट, पानीके ठहराने के लिये बांधा हुवा चूने आदिका बन्ध।

पुणी (सं.) देखो पुली

पुणो (सं.) घासका पूला, घासका बण्डल, घासकी पिंडी

पुणो मुकवो (कि) खराब करना, दूर करना, सुलगाना, भड़काना।

पुणोउकवो (कि.) सुलगना, खराब होना, नाशहोना, निरर्थक होना, जलजाना, बुरी उत्पत्ति होना।

पूणोमुकवो (कि.) नाशकरना, भड़काना सुलगाना, नाम बिगाड़ना।

पूकवुं (कि.) मूतना, पेशाबकरना।

पूकार (सं.) होनो औठ बंद करके बीचमेंसे, तिरस्कार प्रदर्शनार्थ हवा निकालना, (तुच्छता प्रदर्शितार्थ)

પૂછડી (સં.) જુઓ પુછડી

પૂછડાં ખસવાં (ક્રિ.) લાંબે લાંબે હિસાબ મિલના, લમ્બી લમ્બી રપાવિ લગના, (દિલ્લગીમેં બોલજાતા હૈ)

પૂછડાંમાં પેસવું (ક્રિ.) કિસી શ્રીમાન્ યા બડે આદમી કે આશ્રય રહના ।

પૂછું ઓછું બાકી છે = બિના પુચ્છકા પશુ, એક દુમકી કસર ।

પૂછું ઘુંટીવું (ક્રિ.) દસ્ત લગના, ભયસે ઘબરા જાના, ડરના ।

પૂછું પડવું (ક્રિ.) પીછે લગના પીછે પીછે ફિરના, આશ્રય લેના ।

પૂછડું ફાટવું (ક્રિ.) હૃદય ફટના, ડરના, ઘબરાના, ભયસે મુંહ પીલા હોના ।

પૂછડું બળવું (ક્રિ.) મિચૅંલગના ગુસ્સે હોના, અપ્રસન્ન હોના, ગુસ્સે મેં વ્યાકુલ હોના, ઘબરાના ।

પૂછે તપાવું (ક્રિ.) વિચાર કે અનુસાર હોના ।

પૂછવું (ક્રિ) પૂછના ।

પૂછ્યાવિના પાણી પણ ન પીવું (ક્રિ) પાની ભી પીના તો બિના સલાહ કે નહી પીના, અપની બુદ્ધિ કામમેં નલાકર દૂસરોં સે બિના પૂછે કોઈ કાર્ય ન કરના ।

પૂજ (સં.) શૂન્ય, બિન્દુ, ચોંટ, પુકસ્તાપ, અનુસ્વાર, ગોલ ચાવુ ।

પૂજક (સં.) પુજારી, દેવલક, અર્ચક, મંદિરોં કી પૂજા કરને વાલા । [બલ, સેવા, ટહલ ।

પૂજન (સં.) પૂજા, અર્ચન આદ-

પૂજવું (ક્રિ.) જુઓ પુજવું

પૂજભાવ (વિ.) ગુણહીન, અયોગ્ય રહિત, નિકમ્મા । [કરના ।

પૂજા લેવી (સ.) પૂજન સ્વીકાર

પૂજા વાળવી (ક્રિ.) બહુત દિનોં સે ચાલૂ પૂજન સમાપ્ત કરના ।

પૂજા કરવી ક્રિ.) પૂજા કરના, ખૂબ પીટના કુટાઈ કરના, બાધના દેવને આસડાની પૂજા અર્થાત્ ભ્રષ્ટ દેવકી ભ્રષ્ટ પૂજા, બડાહો કિંતુ નાલાયક હો તબયહ વાક્ય પ્રયોગ કિયા જાતા હૈ)

પૂજાયોગ્ય (વિ.) પૂજને યોગ્ય, પૂજ્ય માનનીય, પૂજાઈ, પૂજનીય ।

પૂજારણ (સં.) પુજારિન, પૂજક પૂજા કરને વાલી, દેવલક (ઔરત)

પૂજારી (સં.) પુજારી, પૂજા કરને વાલા, દેવલક, પૂજક, અર્ચક ।

પૂંજી (સં) મૂલ્ય ધન, સ્ટૉક, કેપી-ટલ ।

પૂંજીવાદ (સં) ધની, પ્રબ્યવાદ, ।

પૂજિત (વિ.) અર્ચિત, પૂજા કિયા હુવા ।

પૂંજો (સં.) કચરા, ખૂણ, ગર્દ, મૈલ।
પૂજોપચાર (સં.) દેવ પૂજા के लिये सामग्री जल, गंध पुष्प चाँवल इत्यादि। पूजा, पूजन।
પૂઠ (સં) पीठ, पृष्ठ, पिछला भाग, परोक्ष, अनुपस्थिति।
પૂઠ ફેરીને બેસવું (क्रि.) विरुद्ध होकर बैठना, मुंह छुपाकर बैठना।
પૂઠ પાછળ બોલવુ (क्रि.) पीठ पीछ कहना, परोक्ष में कहना।
પૂઠ બતાવવી (क्रि.) पीठ दिखाना हार जाना, लड़ाई मे से भाग जाना।
પૂઠ ઠેકાણું (सं) उलटा ठिकाणा, स्वसुर पक्ष, ससुराल।
પૂઠ પાછળ (क्रि. वि.) बाद में, पीठ पीछे।
પૂઠ પુરવી (क्रि.) मदद देना, सहायता देना।
પૂઠે વાળનું છોકરું (सं.) छोटेसे छोटा, उत्तरावस्था मे उत्पन्न (बालक)।
પૂઠ વાળીને ન જોવું (क्रि.) बहम न होना, विश्वास होना, यकीन होना।
પૂઠિયું (सं.) देखो પુઠિયું
પૂઠિયું થઇ જવું (क्रि.) साहस छूट जाना, हिम्मत छूट जाना।
પૂઠિયું છુટી જવું (क्रि.) घबराजाना, भयभीत होना।
પૂઠું (सं.) चूतड़, कूल्हा, पुट्ठा, किताब के शीर्षों और लगाया हुआ पुष्टि पत्र, पुट्ठा (किताब का), जिल्द, आवरण पृष्ठ।
પૂઠે (क्रि. वि.) पृष्ठे, पीछे, बादमें, पिछाड़ी, पश्चात्, पीठपर।
પૂઠેલાગવું (क्रि.) पीछे लगना, दुखदेनेका प्रयत्न करना।
પૂઠો (सं) शहदकी मक्खी के छत्ते समान छिद्रयुक्त पदार्थ, पूवा, मालपूवा, एक प्रकारका पकवान, गुलगुला। [टेढा।
પૂઠ્યાદું (सं. वि.) ओछा, अपूर्ण
પૂત (सं.) पुत्र, बेटा, सुअन, तनय, आत्मज।
પૂનમ (सं.) पौर्णिमा, पूनो, शुक्ल पक्ष की अंतिम तिथि, पूर्ण चन्द्र तिथि। [गेहूं।
પૂનમિયા ઘઉં (स.) एक प्रकार के
પૂન (सं.) देखो પુણ્ય
પૂર (वि.) पूरण, परिपूर्ण, भरा हुवा बाढ, मोटाई, कद, पूर्ण।
પૂરણ (वि.) देखो પૂર્ણ
પૂરણપોળી (सं.) कचौड़ी, बेढई, मसालेदार पूरी, पकवान विशेष।

पूरत (सं.) पक्का, पहरावनी।
पूरफट (कि. वि.) झपाटापूर्वक, जल्दी शीघ्रता, बहुत जल्दी, उतावल। [फाज़िल।
पूरबीश्व (सं.) गुणी, प्रवीण, दक्ष,
पूरी (सं) देखो पुरी
पूरु (वि.) देखो पुरु
पूरुं पडवुं (कि.) चाहिये उतना प्राप्त होना, काफी होना, पूरा पड़ना।
पूरुं पाडवुं (कि.) पूर पटकना, अधूरे को पूरा करना, ला देना। पालन करना।
पूरुं करवुं (कि.) भार डालना, अंत करना, समाप्त करना, पूरा करना।
पूर्वक (उप.) साथ, सहित, युक्त।
पूर्वज (सं.) अग्रज, ज्येष्ठ भ्राता, बड़ा, अपनी उम्र मे बड़ा, पुरुषा. बाप दादे। [पहिले का जन्म।
पूर्वजन्म (सं.) इस जन्म के
पूर्वनिधुं (सं) कार्तिक मास में पूर्वजों के उद्धारार्थ की गई क्रिया।
पूर्वदत्त (वि.) पहिले का दिया हुवा, पूर्व जन्म का दिया हुवा, गत जन्म में दिया हुवा।
पूर्वदिशा (सं.) प्राची दिशा, वह दिशा जिस में सूर्योदय होता है।
पूर्वद्वार (सं.) पूर्व दिशा की ओर का द्वार, मुख, पूरब का दरवाजा। [तक।
पूर्वपश्चिम (वि.) पूर्व से पश्चिम
पूर्वपद्ध (सं.) आज्ञा, हुक्म, विधि नियम, कायदा, प्रमाण, दस्तूर, कहावत, मसला, स्थिति।
पूर्वपक्ष (सं) पहिला पखवाड़ा. मास का पूर्वार्द्ध, शुक्लपक्ष, (गुजरात में) कृष्णपक्ष (भारत वर्ष के युक्त और मध्य प्रदेश में) चर्चा, शास्त्रीय संशय के निराकरण के लिये किया हुवा प्रश्न, सिद्धान्त विरुद्ध कोटि, वचन, प्रतिज्ञा शिकायत।
पूर्व रंग (सं.) नाटक में मंगलाचरण, नांदी वगैरः का पाठ।
पूर्वराग (सं.) नायक नायिका का वह प्रीतियुक्त भाव जो मिलाप के पश्चात् हृदय में उत्पन्न होता है, दर्शन-श्रवण जन्य पारस्परिक अनुराग।
पूर्वरात्र (सं.) संध्याकाल से मध्य रात्रि तक के बीच का समय, पहली रात।
पूर्ववत् (क्रि. वि.) पहिले के समान, पूर्व क्रम, पूर्वानुसार।

पूर्वभव (सं.) मनुष्य के जीवन का पूर्व प्रथम भाग। पहिली उम्र।

पूर्ववादी (सं.)-मुद्दई, वादी।

पूर्वा (सं.) ग्यारहवां नक्षत्र, प्राचीदिक प्रथम, पूर्वज, पूर्व पुरुष पुरवा, पूर्वा फाल्गुणी, पूर्वाषाढ और पूर्वा भाद्रपद, प्रथम जात।

पूर्वापर (वि.) अगला और दूसरा, अगला और पिछला।

पूर्वार्द्ध (सं.) पहिला आधा, दोखंडों में का एक पहिला खंड।

पूर्वावलोकन (वि.) दूर दृष्टि, दीर्घ दृष्टि दूरन्देशी। दूरबी।

पूर्वि (सं.) एक प्रकार की रागिनी

पूर्वे (क्रि. वि.) प्रथम, पहिले, उपरोक्त, ऊर्द्धकथित।

पूर्वे थी (क्रि. वि.) पहिले से, प्राचीनकाळ से, पहिले जमाने से।

पूर्वोक्त (क्रि. वि) प्रथम कथित, पहिले कहा हुवा उपरोक्त।

पूर्वोत्तर (वि.) अगला पिछला, पूर्व से उत्तरतक।

पूल (सं.) पुल, सेतु, बांध, नदीनाला, गड्ढा, झील इत्यादि को पार करनेके लिये लकडी पत्थर इत्यादि का बनाहुवा पुल।

पूंछडा (वि.) पूंछवाला, पूंछी वाला, जांचनेवाला, पूछताछ करनेवाला।

पूंछा (सं.) पूछपाछ प्रश्न सवाल

पृथा (सं.) रीति, रवाज, रस्म, प्रथा, चाल। [हाकिम।

पृथीनाथ (सं.) राजा, बादशाह,

पृथी-थ्वी (सं.) भूमि, धरती, जमीन, धरणी, धरित्री, जिस पर समस्त प्राणी पर्वत इत्यादि और अन्दर अनेक प्रकारके पदार्थ भरे हैं वह गोलाकार जड़ पदार्थ, जिस पर हम लोग रहते हैं, आकाश में सूर्य के आसपास फिरनेवाला एक ग्रह, पांच तत्वों में से एक, पिंगळ शास्त्र में इस नामका एक मात्रिक छन्द जिस में १७ मात्राएं होती हैं।

पें (क्रि. वि.) से, होते।

पेंगडुं (सं.) घोड़े की ज़ीन का पावड़ा, रकाब, पायदा।

पेंगडामां पग घालवो (क्रि.) जूती में पग देना, जूतियां पहिनना।

पेंगुं (वि.) निर्बल, अशक्त, कमजोर, दुर्बल, शक्तिहीन, बलहीन।

पेंचेपेंचे (क्रि. वि.) गुपचुप, चुपचाप, छुपछुप।

પેઢી (સં.) વહ હુંડી જો અસલી કે ખોજાને પર દુબારા લિખી જાવે।
પેડા (સં.) માવા મેં શક્કર ડાલ કર બનાઈ હુઈ ગોલ ગોલ ચપટી મિઠાઈ, પેંડા, મિઠાઈ વિશેષ મિટ્ટી કા ગોંદા જો ચાક પર રંધા જાતા હૈ।
પેઢામરું (વિ.) કમાતાહુવા, કમાઉ।
પેંડવું (ક્રિ.) એક બાર પ્રાપ્ત હો જાને પર દુબારા ફિર ઉસકી ઇચ્છા કરના। [વ્યસન।
પેડું (સં.) ટેવ, આદત, લત,
પેપ (સં.) શેખી, ગર્વ, દર્પ, ઘમણ્ડ। [જાનલેના।
પેખવું (ક્રિ.) દેખના, દેખકર
પેખામખોર (વિ.) બહાનાખોર। ફેલ ફિતૂર કરનેવાલા।
પેગંબર (સં.) ઈશ્વર પ્રેરિત જ્ઞાનવાન પુરુષ જો ઈશ્વરાજ્ઞાસે લોગોંકો બોધ દેતા હૈ, અવતારી પુરુષ, મહાત્મા।
પેગામ (સં.) સમ્વાદ, ખબર, સન્દેશ, સમાચાર।
પેચ (સં.) ઘુમાવ, મરોર, કીલ, કાંટા, ઐંઠ, કાંટા, સ્ક્રૂ, ઘુમાવકિ કમબાત, ફન્દા, પ્રપંચ, ઉપાય, ફન્દ, ફંદા, ચાલ, ચાલાકી।
પેચ કીહેા બને। (ક્રિ.) મુકતાલ હો ઐસા કામ હોના, શરીરકી તન્દુરસ્તી નષ્ટ હોને પર યહ વાક્ય પ્રયોગ હોતા હૈ, પાયલ હોના, મસ્તિષ્ક બિગડના, શક્તિ કમ હોના, કામમેં શિથિલતા આના।
પેચરમવા (ક્રિ.) ઠગના, છલ-કરના, કપટ કરના, પ્રપંચ રચના,
પેચ લડાવવા (ક્રિ.) પતંગકી ડોરી દૂસરી પતંગકી ડોરીમેં ઉલઝા દેના, કપટ વ્યવહાર કરના। [નિર્બલ।
પેચક (વિ.) પતલા, દુર્બલ,
પેચા (વિ.) ખટપટી, લુચ્ચા, લબાર।
પેચોટી (સં.) નાભિકે નીચેકી સબનર્મોકી બંધનરૂપ રક્તકી ગાંઠ, ટુંડી, નાભિ।
પેજ (સં.) ચાંવલોંકા માંડ, ચાંવલોંકા પાની, પૃષ્ટ, પન્ના, સફા, વર્ક।
પેજાર (સં.) જૂતા, પદત્રાણ, પનરહી।
પેટ (સં.) ઉદર, જઠર, શરીરકા જાતી ઔર પેડૂ કે બીચકા ભાગ, વહ ભાગ જિસ. મેં ખાયા પીયા પાચન હોતા હૈ, કોઠા, અન્નાશય,

કોથરી, ગર્ભાશય, (સ્ત્રીને) ગર્ભ, સ્તન, બચ્ચું, પૂંછી, સન્તાન, બાળક, છોકરોછોકરી, આજીવિકા, ગુજર, નિર્વાહ, દસ્ત, ટટ્ટી, પાખાનો, મન, અંતઃકરણ, હૃદય ।

પેટ કરાવે પેટ નિર્વાહ કે લિયે પરિશ્રમ કરના પડ્તા હૈ ।

પેટ ચોળીને મૂળ ઉખળવું (ક્રિ.) અપને આપ દુઃખ કર લેના, અપને પૈરોં કુલ્હાડી મારના, આ બૈલ મુઝે માર કરના ।

પેટ અવતાર લઇને જેવું (વિ.) સજ્જન, બહુત ભલા, અચ્છે સ્વભાવવાલા ।

પેટ આવવું (ક્રિ.) પૈદા હોના, ઉત્પન્ન હોના । [પાખાના હોના।

પેટ આવવાં (ક્રિ.) દસ્ત લગના,

પેટ ઉઘું આવવું (ક્રિ.) નિહાલ હોના, ફાયદા હોના, સંતોષ હોના, ફલ પ્રાપ્તિ હોના ।

પેટ ખોલવું (ક્રિ.) મનકી બાત કહના, જી કી કહના, ગુપ્ત બાત પ્રકટ કરના ।

પેટ પડતે મુકવું (ક્રિ.) ઉદર પોષણ ન કરના, પેટકી પરવાહ ન કરકે મૂઝમરના ।

પેટ મંદવું (ક્રિ) કોષ્ઠબદ્ધ હોના, અજીર્ણ વિકાર હોના, અપચ હોના।

પેટ ચાલવું (ક્રિ.) ઝાડે ફિરોક હોના, દસ્ત બહુત આના, બાર બાર પાખાને જાના ।

પેટ છુટી જવાં (વિ.) સંગ્રહણી યા અતિસાર હો જાના, બહુત દસ્ત લગના ।

પેટ છુટા થવાં (ક્રિ.) સિદ્ધાન્ત છૂટના, વિચાર બદલના મન અલગ હોના, અપ્રીતિ હોના, મન ફટના ।

પેટ ટાઢું-ઠંડું-થવું (ક્રિ.) સુખી હોના, ખુશ હોના, સંતોષ પાના ।

પેટ દાબીને રહેવું (ક્રિ.) સહન કરના, શાંત હો રહના, જી મારકર રહના ।

પેટ તપવું-દાઝવું (ક્રિ.) અધિક ખાલેને સે વ્યાકુલતા હોના ।

પેટ થવું (ક્રિ.) પૈદા હોના, જન્મના ।

પેટ પડવું (ક્રિ.) ગર્ભ મેં આના, પેટ મેં આના, પેટ મેં પડ્ના ।

પેટ પડ્યો પડ્યો (ક્રિ.) (કિસી શઠ-મૂર્ખ, સંતાન કે લિયે યહ વાક્ય પ્રયોગ કિયા જાતા હૈ,) પેટ મેં સે પત્થર ગિરના ।

પેટ પર ઠોકીબૂકવી (ક્રિ.) કિસી કે ઉદર પોષણ કે વ્યવસાય મેં બાધા ડાલના, પેટ પર લાત મારના ।

પેટપર પગ-પાડું મુકવું (ક્રિ.) કિસી की आजीविका को हानि पहुंचाना, निर्वाह करने के मार्ग में अटकाव डालना।

પેટ પાકવું (ક્રિ) जन्म ग्रहण करना, हंसते हंसते) पेट दुखना।

પેટ પાણી પડવા ન દેવું (ક્રિ.) जमने न देना, हैरान करना, कष्ट देना, संतापित करना।

પેટ પેટસાદ જવું (ક્રિ.) अत्यंत भूख लगना, पूर्ववत् । पेटमें कौवे बोलना, भूखके मारे पेट पीठ की रीढके ज लगना।

પેટ પાયણ જવું (ક્રિ.) पूर्ववत

પેટ પુલવું (ક્રિ.) जलन्दर रोग होना, गर्भ रहना, पेट रहना।

પેટ ફોડવું (ક્રિ. गुप्त बात को प्रकट करना, मनकी बात कहना।

પેટ બળવું (ક્રિ.) डाह होना, ईर्ष्या होना, जलन होना, दूसरे को देख कर स्पर्द्धा करना।

પેટનો બળ્યો (વિ.) निराश, कोधसे, व्याकुल, क्रोधातुर, आशाहीन।

પેટ બાળવું (ક્રિ.) पेट मरकर नही खाना, पूरा न खाना, अध पेट रहना, भूखा रहना।

પેટ ભરવું (ક્રિ.) जैसे तैसे कर के उदर पोषण करना, निर्वाह करना, गुजर लायक कमाना।

પેટ ભરીને ખાવું (ક્રિ.) खूब खाना ठस कर खाना।

પેટ મોકું હોવું (ક્રિ) मनकी गुप्त बात मनही में रखना, उदार होना, बड़े पेट का होना।

પેટ વાંસા સાથે ચોટી જવું (ક્રિ.) भूख के मारे पेट पीठ की रीढ से जा लगना।

પેટ સરખું પાકું (વિ.) स्वार्थी, मतलबी, खुद का फायदा देखने वाला।

પેટ સાકડું છે कंजूस है, कृपण है, ओछे पेट का है, गुप्त बात दिल में नही रहती।

પેટની આગ (સં.) अंतःकरण की चिंता, गुप्त चिंता, मानसिक चिंता,

પેટની પતાળ થવી (ક્રિ.) भूख के मारे पेट लग जाना, पेट पाताल जाना।

પેટની પૂજા કરવી (ક્રિ.) भोजन करना, खाना, भक्षन करना, पेट भरना।

પેટની આત પેટમાં રહી જવી (ક્રિ.) सोची हुई बात पूरी न पड़ना, अभीष्ट कार्य सफलन होना मनकी मनमें रह जाना।

પેટને ભાડું આપવું (ક્રિ.) શરીર के निर्वाहार्थ कुछ भी खा लेना, पेट की ज्वाला को येन केन प्रकारेण शांत करना।

પેટનો ખડ્ડો (सं.) गुप्त बात, गुप्त विचार, छुपा रहस्य, गुप्त भेद।

પેટનો ભેદ (सं.) भेद, मर्म, मनका पार, दिलके कलुषित विचार।

પેટમાં આગ લાગવી (ક્રિ.) क्षुधा लगना, भूख लगना, ईर्ष्या होना, द्वेष होना।

પેટમાં આમળો (सं.) दिल में आंट, बैर, द्वेष, ईर्ष्या, टेक, किसी को नुकसान पहुंचाने के लिये पेट में आंट।

પેટમાં કરમીઆ ખોસવા (ક્રિ.) भूख लगना, पेट में बिछी लड़ना।

પેટમાં કૂવા (सं.) भूख के कारण पेट का संकोचन।

પેટમાં કોળ બોલે છે भूख के मारे पेट की आंते बोलती हैं, पेट में कौवे लड़ते हैं।

પેટમાં તેલ રેડવું (ક્રિ) आतंक पड़ना, क्रोध में व्याकुल होना, भय से चौंकना, देख के कुढ़ना, द्वेष करना। [शत्रुता है, दुश्मनी है।

પેટમાં ધંત છે વૈર છે, દ્વેષ છે,

પેટમાં દુખવું (ક્રિ.) किसी कार्य को करने के लिये आनाकानी करना। [भूख लगना।

પેટમાં ધાડ પાડવી (ક્રિ.) खूब

પેટમાં પગ-ઘંટિયાં (सं.) हाथ सुमरनी बगल कतरनी, देखने के नम्र किंतु अव्वल नम्बर के हरामी, भेड़ में भेड़िया।

પેટમાં પાણી કાતી (सं.) कपट, वैर बुद्धि, दिली डाह, हार्दिक द्वेष।

પેટમાં પેસવું (क्रि.) पेट में घुसना, विचारों में ऐक्यता करना, किसी के मन का पता लगाना, किसी किसी के विचारों को जान लेना।

પેટમાં પેસી નીકળવું (ક્રિ) मन की बातें जानना, मर्म जान लेना, पार पाना।

પેટમાં બાર પાળવા (ક્રિ.) खूब कड़ाके की भूख लगना खूब भूखे होना। [पूर्ववत।

પેટમાં મિલાડા આ બેઠવા (ક્રિ.)

પેટમાં રાખવું-સમાવવું (ક્રિ) गुप्तरखना, अप्रकट रखना, सहनकरना, छुपारखना, गले उतारना, सामने उत्तर न देना, जो कहे सो सुनते जाना।

પેટનાં ઉતારવું (ક્રિ.) સહન કરવું, ગળે ઉતારવું, સમજી કર દિલમેં જમાના ।

પેટમાંથી બોબરી કહાડવું (ક્રિ.) સબકુછ કહ દેના, નકહને યોગ્ય ભી કહદેના, બિના વિચારે મનકી બાત કહ દેના ।

પેટમાં કાબા કાચના ખાડા પડવા (ક્રિ.) ખૂબહી ભૂખ લગના, તડાકેકી ભૂખ લગના,

પેટમાં શીખી નીકળ્યું નથી પેટમેંસે કોઈ ભી સીખકર નહીં આયા હૈ ।

પેટે પાટા બાંધવા (ક્રિ.) ભૂખે રહના, મકખીચૂસ, કંજૂસ, કૃપણતા, ખાનાનપીના ।

પેટે પેટલું બાંધવું (ક્રિ.) ખૂબ પેટ ભરકે ખાના જો ગઠરીસી દિખાઈ પડે ।

પેટનું છોકરું (સં.) આત્મજ, બેટા, પુત્ર, તનય, ખુદકા બાલક, અપનાપુત્ર ।

પેટ ભરીને (ક્રિ.વિ.) ધાપકર, ખૂબ ખાકર, તૃપ્તહોકર, પૂર્ણ હોકર ।

પેટ ૫૨ (ક્રિ. વિ.) જિતના ચાહિયે જિતના દિખે, બહુત, પુષ્કલ ।

પેટ વાળે ઝાલે ખુશી હોવી, તુષ્ટ હોના । [બૈઠક, પાખાનેવાના ।

પેટ બેસવું (ક્રિ.વિ.) પેટકે બલ

પેટ ભરું (વિ.) સ્વાર્થી, પેટૂ પેટાર્થી, અપને પેટકોહી ભરનેવાલા।

પેટવવું (ક્રિ.) સુલગાના, જલાના, પ્રજ્જ્વલિતકરના ।

પેટવું (ક્રિ.) પૂર્વવત, સુલગના, જલના, પ્રજ્જ્વલિત હોના ।

પેટાખાતું (સં.) એક નામકે ખાતે કી વિગતમેં દૂસરે નામકા અલગ ડાલા હુવા ખાતા ।

પેટાભાગીયો (સં.) બડે હિસ્સે દારકા હિસ્સેદાર ।

પેટા રકમ (સં.) જો છોટી છોટી રકમોં કે યોગસે બની હો વહ રકમ ।

પેટારો (સં.) પિટારા, ટિપારા, બડા બક્સ, મંજૂષા ।

પેટિયું (સં) દૈનિક વેતન, નિત્ય કા પેટકે ખાનેકા ખર્ચ, અન્નક્ષેત્ર, સદાવર્ત, સીધા, આટાસમાન ।

પેટું (સં.) એકાધી બડી રકમ-કી વિગત મેં આનેવાલી છોટી રકમેં, (હિસાબમેં) બડી વસ્તુમેં આનેવાલી છોટી છોટી વસ્તુએ,

બાજુના બોચકા ભાગ, કંદલ, એવજ। [બદલામાં, બદલામે।

પેટ (ક્રિ. વિ.) એવજ માં, બદલેમાં

પેઠું (ક્રિ.) ઘુસ્યા, પ્રવિષ્ટહુવા, દાખિલ।

પેઠે-પેઠમ (ક્રિ. વિ) ઇસ પ્રકાર, સે, તરહ, રીતિસે, ઐસે, જૈસે।

પેડા (સં.) એક પ્રકારકી મિઠાઇ જો માવે ઔર શક્કર કે મેલસે ગોલ ઔર ચપટી તય્યાર કી જાતી હૈ, પેડે।

પેડા ભણવો (ક્રિ.) રુક્સત હોના, છુટ્ટી પાના, ફુરસત હોના।

પેઢી (સં.) શરાફ કી દુકાન, પીઢી, કુટુમ્બ, ગોત્ર, વંશ।

પેઢી દર પેઢી (ક્રિ. વિ.) વંશ પરમ્પરા, પ્રત્યેક પીઢી, પીઢી દર પીઢી।

પેઢીઆગત (વિ.) વંશ પરંપરા।

પેઢીનામું (સ.) વંશાવલી, કુલ વર્ણન। [વંશ નાશક।

પેઢી પંચક (સં.) વંશ નિકંદન,

પેડુ (સં.) ગુહ્યેન્દ્રિયકે ઊપરકા ઔર પેટકે નિચેકા ભાગ।

પેણી (સં.) કડાઈ, લોહા તાંબા પીતલ કા બના હુવા પાત્ર જિસમેં પૂરી ઇત્યાદિ બનતી હૈ।

પેણો (સં.) કટાર, છરી કટારી.

પેતડા (સં.) મિઠાઈ વિશેષ, પેંડા, પુંડા, મુક્તક, મુષ્ટિ, સન્દૂક

પેત (સં.) ગાતકા સંકેત।

પેતરાન (સં.) ઢોંગ, ફરેબ, કપટ, છલ।

પેદ (સં.) કુત્સિતશબ્દ, કુપંકજન।

પેદરપે (ક્રિ. વિ.) ક્રમશઃ ધીરે ધીરે, શનેઃશનૈઃ, આહિસ્તા, આહિસ્તા।

પેદા (ક્રિ. વિ.) ઉત્પન્ન, જન્મા હુવા, નયા આયા હુવા, શોધિત, બનાયા હુવા, તય્યાર કિયા હુવા, પ્રાપ્ત કિયા હુવા। [બનાના।

પેદા કરવું (ક્રિ.) ઉત્પન્ન કરના,

પેદા થવું (ક્રિ.) પૈદાહોના, ઉત્પન્ન હોના।

પેદાશ-પસ (સં.) ઉત્પત્તિ, જન્મ, પ્રાપ્તિ, કમાઈ, ઉપજ, ફલ।

પેદાસ કર (સં.) આમદની પર કર, ઇનકમટેક્સ।

પેધવું (ક્રિ.) આદત હોના, અભ્યાસી હોના, આદીહોના, બાનડાલના।

પેન (સં) કલમ, અંગ્રેજી લિખનેકી કલમ, પત્થરકી કલમ।

પેનસીલ (સં.) કાગજપર લિખનેકી પેન્સિલકો પેન્સીલ, પેન્સિલ।

પેમાજોખ (સં.) નાપ, માપ ।
પેર (સં.) પ્રકાર, રીતિ, તર્જ, ઢંગ, તજવીજ, યુક્તિ, સ્થિતિ, હકીકત, ખબર, હદ, અમલદ, આમફલ, નાશપાતી, ફલવિશેષ ।
પેરણ (સં.) કર્માજી, શર્ટ, કુરતા । [વસ્ત્ર ।
પેરણું (સં.) પોશાક, પહિરને કે
પેરવી (સં.) તજવીજ, યુક્તિ, યત્ન ।
પેરવું (ક્રિ.) દેખો પેરિયુ બોના (બીજ) પ્રેરણા કરના, ભેજના, પઠાના ।
પેરાં (સં.) દો ગાંઠોંકે બીચકા, સાંઠેકે ટુકડે, ગન્નેકે ટુકડે ।
પેરાઇ (સં.) દેખો પેરિયું
પેરિયું (સં.) પેરી, ગનેરી, પંગોલી, ગન્નેકી ગઠાનોં કે બીચકા ભાગ, લિંગ, ઉપસ્થેન્દ્રિય (ગંવારોંકા પ્રયોગ)
પેરે (સં.) દેખો પેર
પેરે (ક્રિ. વિ.) મુવાફિક, અનુસાર, રીતિસે, ઐસા ઇસ પ્રકાર ।
પેલવી (સં.) પુજારી, પાદરી, પુરોહિત, પહેલવી નામી ભાષા ।
પેલી (સર્વ.) વહ (સ્ત્રી) વહ
પેલીકમ-પેર-તરફ (ક્રિ. વિ.) વહાં, પરલી ઓર, ઉસ તરફ, ઉધર, પરે ઉસ ઓર ।
પેલીયું (ક્રિ.) વહ, ઉસકા, (સ્ત્રી)
પેલું (સર્વ.) વહ, વો, વે ।
પેલો (સર્વ.) વહ આદમી, વહ વ્યક્તિ, વહ એક ।
પેલે દહાડે (ક્રિ. વિ.) ઉસદિન, ચૌથે દિન, દો દિન પૂર્વ દો દિન બાદ ।
પેલે દિવસે (ક્રિ. વિ.) પૂર્વવત્
પેશ (વિ.) આગે, સામને, વજનદાર મુખ્ય પૂર પડાહુવા, ઉપસ્થિત, પ્રબલ, પ્રતાપી પેશા, ધન્ધા ઉદ્યોગ, રોજગાર ।
પેશકશ-શી (સં.) સંકટ સમય મેં સહાયતા કે લિયે આધીન રાજા અથવા પ્રજા કી ઓર સે દિયા હુવા દ્રવ્ય, કર, દંડ ચૌથાઈ હિસ્સા ભાગ, લગાન ।
પેશકાર-ગાર (સં.) કારબારી, કામ ધંધા કરને વાલા, નાઈ હજૂરિયા ।
પેશ જવું (ક્રિ.) સફલ હોના, કૃતકાર્ય હોના, કામયાબ હોના ।
પેશવા (સં.) મુખ્ય પ્રધાન, મરાઠોંકા સરદાર, સિતારેકે રાજા જો બ્રાહ્મણ પ્રધાન પૂનેમેં પ્રબલ પ્રતાપી સત્તાધારી હુએ હૈં ।
પેશવાઈ (વિ.) પેશવાઓં કા શાસન, વૈભવ, ઠાઠબાઠ, પ્રભાવ ।

પેહરાવ (સં.) પહેરવાની પોશાક, રંડિયો के नृत्य समय पहिरनेकी पोशाक ।

પેહી (સં.) फलका प्राकृतिक भाग, फली, फलका भाग, उर्दकी-दाल, गर्भको दबा रहने वाला कपड़ेका टुकड़ा ।

પેશા (સં.) धंदा, पेशा, रोजगार, उद्योग, काम, व्यवसाय, व्यापार।

પેસવું (ક્રિ.) प्रवेश करना, अंदर जाना, दाखिल होना, घुसना, धसना, बिना कहे जबरदस्ती भीतर घुस जाना ।

પેસ નિકળ (સં.) आवागमन, घुसना निकलना, बारम्बार आना जाना।

પેસ્તર (વિ.) पहिले, पूर्व, आगे का, आनेवाला, प्रथम, पेश्तर ।

પેસાડવું (ક્રિ.) ठोंसना, घुसाना, छेदना, जमाना, घुसेड़ना, बिठाना।

પેહેરણ (સં.) एक प्रकार का वस्त्र विशेष जोकि अंगरखे या कमीज के समान बना होता है । पोशाक विशेष ।

પેહેરવેશ-વેષ (સં.) पोशाक, पहिरावा, पहनावा, रीति, चाल, प्रथा, रस्म ।

પેહેરામણી (સં.) पहरावनी, विवाह के समय की एक प्रथा, वस्त्र और द्रव्य इत्यादि की भेट ।

પેહેરાવ (સં.) पहिराव, पहिनने पोशाक, वस्त्र धारण का ढंग ।

પેહેરાવવું (ક્રિ.) पहिराना, पोशाक करना, पोशाक भेट करना, पोशाक देना, के लेना ।

પેહેરેગીર (સં.) देखो પેાહેરેગીર

પેહેરેદાર (સ.) चौकीदार, पहिरे-वाला, संतरी, रक्षक, रखवाला ।

પેહેરેા (સં.) देखो પેાહેરેા

પેહેા (સં.) गन्ने की पेरी के गांठ दार दोनों भाग काटने पर फिर किये हुए भाग या टुकड़े ।

પેહેલ (સં.) पहिल, प्रथम, आरंभ आदि, शुरू, प्रारंभ ।

પેહેલ કરવી-કાઢવી (ક્રિ.) प्रथम करना, उदाहरण देना ।

પહેલવાન (સં.) योद्धा, भट, वीर, बहादुर, कसरती, व्यायाम करने वाला ।

પેહેલવાની (વિ.) पहलवान का कार्य, वीरता, बहादुरी, भटता, कुश्ती, कसरत ।

પેહેલવેહેલું (ક્રિ. વિ.) पहिले पहिले का, सब से पूर्व का, आदि का, शुरू का ।

પહેલાં (ક્રિ. વિ.) પહેલે, પૂર્વ, પ્રથમ, આગે, પેશ્તર, પિછલા ।

પહેલું (વિ.) પાહલા, પ્રથમ, મુખ્ય ।

પહોર પોહોર (સં.) દોપહરી કે પૂર્વ, મધ્યાન્હ કાલ કે પૂર્વ કા સમય । પહિલા પ્રહર, પહિલી આઠ ઘડી ।

પોળ–પોર–ળ(ળો) (સં.) અંડકોષ, વૃષણ, ફોતે, ( ) ન્દ્રિય કે નીચે કે અંડ । [તીન ।

પા (સં.) પાઈ, ૧૬ આના, પૈસે કી

પાખ (સં.) પ્રતિજ્ઞા, વચન, સહા, ।

પાડું (ક્રિ.) દેખો પેસવું ।

પાટ (સં.) પહિયા, ચક્ર, ચકા, કામ કા રાસ્તા, કાર્ય કા નિયમ । ઓટા સાંપ, ચાક (કુમ્હાર કા)

પાટ ફરવું (ક્રિ.) કામ ચલના પાર પડના ।

પાતું (સ.) ફલ કા ગોલ પતલા ટુકડા, બચ્ચોં કે ખેલ મેં લોહ યા મિટ્ટી કા ગોલ્મ ।

પાતાળ (સં.) પિશાચ, પ્રેત, વિધર્મી ઉપદેવતા, અનાચારી (વિ.) પિશાચ કા, પિશાચ સમ્બન્ધી ।

પાતુન (સં.) ચુગલખોર નિન્દક, આદમી કા ૧૪ વાં પાપ સ્થાન । બદગોંઈ ।

પાસા (સં.) તાંબે કા સિક્કા, ધનકા ધન, રોકડ, સમ્પત્તિ ।

પાસાખાઉ (સં) વહ જો પૈસે કે લિયે કામ ઠીક નહીં કરે, વિશ્વાસ ઘાતી ।

પાસાદાર–વાળો (વિ.) ધના, ધનવાન, ધનિક, દ્રવ્યપાત્ર, દૌલત મન્દ, ધન સમ્પન્ન, શ્રીમંત, માતબર ।

પાસો (સં.) તાંબા કા સિક્કા, વિશેષ, તીન પાઈ કી કીમત કા તામ્બે કા સિક્કા, પાવ આના, રુપયા, ધન, દૌલત, દ્રવ્ય, સમ્પદા।

પાસાખાવા (ક્રિ.) અપને સ્વાર્થ કે લિયે કોઈ કા પૈસા વિના અધિકાર કે લે લેના । અનધિકાર લે લેના ।

પાસાખાવા દેવા (ક્રિ.) રુપયે લેકર કન્યા કા વિવાહ કરના ।

પાસા ખોટા થવા (ક્રિ.) પૈસે ડૂબના।

પાસાના કાંકરા કરવાં (ક્રિ.) પૈસોં કો પત્થર કી તરહ બેફિક્રી સે ખર્ચ કરના, ફજૂલ ખર્ચી કરના ।

પાસાનું પાણી કરવું (ક્રિ.) પૂર્વવત્, પૈસા બર્બાદ કરના, દુરુપયોગ કરના, પાની કી તરહ પૈસા દેના ।

પૈસાને બગીચો કરવો (ક્રि.) धन संग्रह कर रखना, उचित खर्च न करना, कंजूसी करना, कृपणता करना।

પૈસાનું પુતળું (वि.) केवल पैसा संग्रह कर के जाने वाला, मजक-लदार का पाठ करनेवाला, धन का उपासक पैसे को ही ईश्वर समझने वाला धनवान, धनिक, धनाढ्य।

પૈસોટકો (सं.) रुपया पैसा, धन दौलत, पैसा टका।

પો (सं.) चौपड़ के पासे का एका अलसत्र, पासे का इक्का।

પોક-ખ (सं.) ज्वार, बाजरा, गेहूं आदि अन्नों के सिके हुए गीले ताजा दाने। ताजा ज्वार, बाजरी के सिरों (भुट्टों) को भून कर उनमें से निकाला हुवा अन्न।

પોંકવું-ખવું (क्रि.) नए वधू के ऊपर से घर के बाहिर एक प्रकार की रीति रवाज करना। वर के लिये सास् की ओर से किया हुवा न्योछावर।

પોંકિયું (सं.) हरा भुट्टा, अन्न का ताजा गीला सिरा।

પોંખણું (सं.) लकड़ी के बनाये हुए छोटे छोटे जूड़ी, मूसल, रई, लोहे का चाकू या खड्ग और शंखका इत्यादि जो घर वधू के संस्कार के लिये होते हैं।

પોંચ (सं) देखो પોહોંચ।

પોંચી (सं.) देखो પોહોંચી।

પોંચેલું-પો (वि.) देखो પોહોંચેલું

પોંદવું (क्रि.) कुरेदना, कुचलना। खुतरना, मसलना।

પોંધો (सं.) कुचली हुई वस्तु।

પોહોંચ (सं.) आगमन, पैसाद, प्रवेश, पैठ, रसीद, प्राप्ति सूचक पत्र, पहुंच।

પોહોંચવું (क्रि.) पहुंचना, प्राप्त होना, चलाजाना, पूगना, पास आना।

પોહોંચાડવું (क्रि.) पहुंचाना, भेजना, पुगाना, रवाना करना।

પોહોંચી (सं.) कङ्कण, कड़, आभूषण विशेष कलाई पर पहिनने का जेवर।

પોહોંચેલું (वि.) पहुंचा हुवा, चालाक, मक्कार, छली, जाननेवाला।

પોહોંચો (सं.) पहुंचा, जानि-बंध, कलाई, हाथ का एक हिस्सा।

પોઠ (स.) एक प्रकार की वनस्पति, इसको पकौड़ी में डालते हैं, (पत्ते) भेड़ों की मेंगनी।

પોકાર (સં.) માણી હાંકને का शब्द जिससे कि मार्ग लोग हट जावें। (विस्म०) हटो, दूर हटो, सावधान।

પોકેસ્ટ (सं.) कमल का फूल।

પોક (सं.) जोर का रुदन, उच्च स्वर से विलाप, हाय तोबा।

પોક મૂકવી (कि.) रुदन करना, विलाप करना, हाय हाय करना करुणा क्रन्दन करना।

પોકળ (वि) खोखळा, खाली, शून्य, निरर्थक, झूंठा, असत्य।

પોકળ મારવું કરવું (कि.) रोना. रुदन करना, विलाप करना, हाय हाय करना।

પોકળી (सं.) आकाश, अस्मान, नभ, खाली, शून्य, ख, पोल।

પોકાર (सं.) हांक, गुहार, डांक, दुःख निवेदन, लम्बी आवाज, चीख।

પોકારવું (कि.) खूब जोर से शब्द करना, पुकारना, गला फाड़ कर चिल्लाना।

પોકેપોક (सं.) हाय तोबाह करना क्रन्दन, रुदन, विलाप, हाय हाय (कि. वि.) चूकरोने वाला।

પોખરાજ (सं.) पीले रंग का हीरा, पुखराज, रत्न विशेष।

પોખવું (कि.) उत्तेजना पूर्वक तृप्त करना, तसल्ली देना, संतोष बंधाना, पोषण करना।

પોગણ (सं.) देखो પોકળ

પોગળી (सं.) गांठ, गठरिया, पोटली। [आकाश, पोलापन।

પોગાર (सं.) खाली, पोळ, शून्यता।

પોચ (सं.) सत्वहीनता, सार-हीनता, बीजरहित।

પોચકણું (वि.) पचकनेवाला, गूदा रहित, सारहीन, बदम, निर्जीव।

પોચું (सं.) पोचा, मुलायम, नर्म दाबने से जोसिकुड़े। नरम, कच्चे दिलका, अधीर, नम्र, गरीब, कम-जोर, निर्बळ अशक्त, डरपोक।

પોટકી (सं.) गठरी, पोटली, पुटरिया।

પોટલિયે જવું (कि.) जंगलजाना पाखानेजाना, टट्टीजाना।

પોટલિયો (सं.) जो घोड़े के सामान के साथ रह सके, चपटी चमड़ेकी मशक, घी भरनेका पात्र विशेष।

પોટલી (सं.) पुटलिया, गठरी, छोटी पोट, बंडल।

પોટલું (सं.) पोट, बोट, गठड़, बड़ी पुटलिया, बड़ा बंडल।

પોટલો (સં.) પૂર્વવત્
પોટીસ (સં,) પુલ્टिस, गेहूं अथवा अलसी के आटेको पकाकर जो गुमडे पर पकानेके लिये बांधा जाता है ।
પોઠ (સ.) માલ ભરા હુવા બન જારેકે બૈલોંકા ટોલા, બૈલપર માલ ભરનેકા બોરા યા થૈલા, ટોલી, સમુદાય, ઝુન્ડ, કાફ઼લા, સાથ, સંગ, સંઘ।
પોઠિયો (સં.) મહાદેવકા બૈલ, વૃષભ, સાંડ, લદ્દૂબૈલ।
પોઠી (સં.) બડ઼ાબૈલ, સાંડ, વૃષભ। કાફ઼લા, સંઘ, બનજારા ।
પોઢવું-ઢવું (ક્રિ.) સોના, શયન-કરના, લેટના, પૌઢના, મરજાના ।
પોઢું (સં.) પપડ઼ી (ચમડેકી)
પોઢું (વિ.) પ્રૌઢ, પુષ્ટ, બળવાન, સાહસી, ઉત્સાહી । [પ્રતિજ્ઞા ।
પોણ (સં.) પ્રણ, વચન, નિયમ
પોણિયું (વિ.) પૌન કે તુલ્ય ½ કે બરાબર ।
પોણિસો (વિ.) એક સૌમેં પાવ કમ, ૯૯॥, નબ્બાનવે ઔર પૌન ૯૯½
પોણું-ણો (વિ.) એકમેં સે પાવકમ, તીનચતુર્થાંશ, ¾, ॥
પોણોરિયો (વિ.) તીન પચ્ચી, બારહ આને, ॥)
પોણોવાઢ (સં.) રૅંડવા, નામર્દ, હિજડ઼ા, નપુંસક, પંડ, ક્લીબ ।
પોતું પોદું (વિ.) અધૂરા, અપૂર્ણ, ઓછા, બાંકા, ટેઢા ।
પોણોસો (સં.) પૌનસો, ૭૫ પિચહત્તર, સત્તર ઔર પાંચ ।
પોત ઉઘાડું કરવું (ક્રિ.) બાત પ્રકટ કરના, છુપા રહસ્ય પ્રકટ કરના [બિછૌના ।
પોતડી (સં) છોટી ધોતી, બન્ધેકા
પોતપોતાનું (ક્રિ. વિ.) અપના અપના નિજનિજકા, હમારા હી હમારા ।
પોતપોતામાં (ક્રિ. વિ.) અપનેમેં ઉનમેં, અપને બીચમેં । [નિજ ।
પોતાની મેળે (સર્વ.) ખુદ, સ્વયમ્,
પોતાનું (સર્વ) અપના, ખુદકા, નિજકા।
પોતાનું કરી રાખવું (ક્રિ) અપના બના રખના, સ્વાધીન કર રખના ।
પોતાપણું (વિ.) સ્વાર્થ, મતલબ, ખુદી, સ્વલાભ, સ્વહિત, સ્વત્વ ।
પોતિયું (સં.) ધોતિ, કટિવસ્ત્ર, પંચા, કમરેસે નીચે પૈરોંપર હિન્દુ-ઓંકે પહિરનેકા અલ્પા નિચારકપડ઼ા

પેરતિયું કરવું (ક્રિ) ગભરાવું, વ્યાકુળ થવું, કરગરવું, અધીર થવું.

પેરતિયું છૂટી જવું (ક્રિ) હિમ્મત જતી રહેવી, હોશ ઉડી જવું, બે ભાન થઈ જવું.

પેરતિયું ફાટી જવું (ક્રિ) ગભરાવું, કલેજું ફાટવું વ્યાકુળ થવું. [થવું.

પેરતિયું હોવાનું (ક્રિ) વ્યાકુલતા

પોતી (સં) ધોતી, ધોતવસ્ત્ર.

પોતીકું (સર્વ) નિજનું, અપનું, પુરનું.

પોતું (સં.) સરકારી ખજાને મોકલેલ વસૂલ કરીને મોકલેલ દ્રવ્ય, ચિબડું પાનીમાં ભિંજાયા હોય પોતનેલું ચિબડું.

પોતું ફેરવું (ક્રિ.) રદ કરવું ધૂળ મેં મિલાવું, વ્યર્થ કરવું, પાણી ફેરવવું, ધૂલધાની કરવું, નષ્ટ કરવું.

પોતું-તું (ક્રિ) પહોંચ્યું, પૂગ્યું, પ્રાપ્ત. [વડ.

પોતે (સર્વ) આપ, ખુદ, સ્વયમ્.

પોથો (સં.) મોટો ગ્રંથ, મોટી પુસ્તક, મોટી કિતાબ, પોથા;

પોદળો (સં.) ગોબર, છેર, ગોબર, ચૂક અને પોચા, ગોબરગણેશ, કોઈ વાતે ઉઠ ન શકે એવા, બોદ.

પોપચું (સં.) પલક, આંખોંકે ઉપરકી ચામડી,જેપરોંમે ઝપાઈ જાને વાલી ચુંવરીકા અદ્ધે ભાગ, રોટી કૂટનેકે બાદ બચા હુવા અંશ કંકર.

પોપટ (સં.) શુક, તોતા, કીર.

પોપટ કરી નાંખવું (ક્રિ.) પઢા કે પ્રવીણ કરવા, તોતેકી તરહ પઢાના

પોપટજી કરી નાંખવું (ક્રિ) કાબૂ મેં રખના, આધીન કરના, અપની ઇચ્છા કે અનુસાર રખના, વશમેં કરના.

પોપટ બોલાવો (ક્રિ) નિવટવા, પૂર્ણ હોવા, ચુકના, સંપૂર્ણ હો જાના

પોપટ પાળવો (ક્રિ) પ્યાર કરકે બઢાકરના (છોલા, પોઢા ફુન્સી આદિ)

પોપટા (સં.) ચના નામક અનાજકા વહ ચને સહિત ભાગ જિસમેં ચના હોતા હૈ. ઓલા હોલા.

પોપટિયો (ક્રિ.) તોતે કે રંગકા સુવા પંખી, હરા રંગ.

પોપટિયું જ્ઞાન (સં.) વિચાર શક્તિ રહિત જ્ઞાન, તોતે કે સમાન જ્ઞાન, (તોતા બોલતા હૈ કિંતુ વહ

વૃદ્ધ અવસ્થા અર્થ બિલકુલ નહીં સમજતા, વધ લિયે ઐસે મનુષ્યકો યહ ઉપમા દીજાતી હૈ)

પોથિયો પંડિત (સં.) મૂર્ખ પંડિત, પંડિત બનકર ઠગનેવાલા, અરસ્ય પંડિત, ઠગ, ધૂર્ત, કપટી, ધૂર્તક ।

પોથી (સં.) મૈના, સારિકા, તોતી, તિતલી, એક પ્રકાર કા વૃક્ષ જિસ મેં દ્રાક્ષ કે સમાન ફલ આતે હૈં, એરણ્ડ કો હોને વાલા એક પ્રકાર કા રોગ ।

પોથું (સં.) ફલ વિશેષ।

પોથો (સં.) ફલી દેખો પોથા।

પોથરી (સં,) પપડી, ઊસર, ઘાસકા ખેત ।

પોથું (સં) વહ જમીન જિસપર કેવલઘાસ હી ઉગ સકે ।

પોપડો (સં.) કિસી વસ્તુકે ઊપર કા પતલા થર, પપડી, લેપ, ઘાસ ઉગા ઐસી જમીન ।

પોપનસ (સં) એક પ્રકાર કા ફલ ।

પોપલાં (સં.) બકબક, હાયહાય, કોરી માથા ચિંચ ।

પોપો (સં.) ઝાડા, ઝોડા, ઝાડ ।

પોપું (સં.) વનસ્પતિ ઇત્યાદિ કા ઢીલા ભાગ, પિલપિલા, મર્મ ।

પોપળાળું (વિ.) કરપોક, કાયર ।

પોપા (સં.) છોટે બચ્ચોં કે કાજલ લગાને કે બાદ દોનોં મેં લિયે હુએ કાજલ કે ચિન્હ ।

પોપાંગાડિયું'દાસ (સં.) અધિક મનવી અબૂઝરાજા, ઠોલપોલ કી હાકિમી કે લિયે યહ વાક્ય પ્રયોગ હોતા હૈ ।

પોપાળું (સં.) કરપોક કાયર।

પોપૈયો (સં) એક પ્રકાર કા વૃક્ષ એક પ્રકાર કા ફલ, કાલા, ઈંટકા ટુકડા ।

પોપો (સં) રોટી, ચપાતી ।

પોબાર (સં.) એક ઔર બારહ ઐસા તીન પાસોં કા દાવ, સફલતા ।

પોબારાભણવા (ક્રિ.) ભાગ જાના, નિકલ ભાગના, અદૃશ્ય હોના, ગડપ જાના, પલાયન કર જાના ।

પોબારપડવા (ક્રિ.) ફતહ હોના જીત હોના, સીધે પાંસે ગિરના ।

પોમલો-પોમલી (સં.) દક્ષિણી હિંદુ ઓં મે એક જાતિ વિશેષ, કરપોક કાયર । [બુજદિલ ।

પોમું (વિ.) પોચા, ઝોડે,

પોમાવુ (ક્રિ.) પ્રસન્ન હોના, ખુશ હોના, પ્રમુદિત હોના, ખુશખુશના ।

પોમણ શ્રી (સં.) પાની મેં પૈદા હોને વાલી એક પ્રકાર કી બેલ, કુમોદિની ।

પોયણું (સં.) એક પ્રકાર का કમળ પુષ્પ, કુમુદ પુષ્પ, રાત્રિ को ખુલતા है और सूर्योदय पर बन्द हो जाता है ऐसा जल में पैदा होने वाला पुष्प।

પોયું (સં.) हद, सीमा।

પોરોં (સં.) देखो પોરિયું

પોર (સં.) पुर, नगर, शहर, ग्राम, कस्बा, पुरवा, गांव, (क्रि. वि.) गतवर्ष, आगामी वर्ष, (सं.) प्रहर तीन घंटों का परिमान, वृद्धावस्था, उत्तरावस्था, (भाभो પોર)

પોરવવું (क्रि.) पिरोना, पोना, छेद में डोरी डालना, धागा पिरोना

પોરસ (सं.) अत्यंत हर्ष की बात सुन कर प्रमुदित होना।

પોરિયું (सं.) बालक, शिशु, बच्चा,

પોરિયો (सं.) लड़का, छोकरा छोरा लौंडा, बालक।

પોરી (स.) छोकरी, लड़की, लौंडिया बालिका, कन्या।

પોરેંડું (वि.) गये साल का, गत वर्ष का।

પોરેગીર (सं.) पहिरे वाला, पहरेदार चौकीदार, रखवाला, रक्षक।

પોરો (सं) एक प्रकार का जल जंतु, पहिरा, चौकी देने का समय, कुए में से पानी निकालने का एक तरह का पात्र, घमय।

પોર્યું (सं.) देखो પોરોં।

પોલ (सं.) आकाश, आस्मान। नभ, शून्य, गप, अफवाह, नर्म बिछौना, गुदगुदा गद्दा, आंख के ऊपर रखने के लिये बनाये हुए रूई के फोवे।

પોલકારપ્યું (सं.) शून्यता, खोखला।

પોલકું (सं.) बदन, (छोटा)।

પોલમપોલા (स.) डीलमडौल, नरम।

પોલસ (वि.) पोला, असार सत्व-हीन, कच्चा, ढीला, स्खलित।

પોલાણ (सं.) रीतापन, शून्यता, रिक्तता, पोलापन, ढीलापन।

પોલાદ (सं.) फौलाद पक्का लोहा, स्टील।

પોલાદી (सं.) दृढ, मजबूत, फौलाद का, स्टीलका, अच्छे लोहे का।

પોલાર (वि.) पोला, शून्य, ढीला।

પોલાળ (सं.) देखो પોલાણ

પોલી (वि.) देखो પોકળ।

પોલું (वि.) छूछा, शून्य, रीता, खाली, बिलके भीतर, कुछ नहो, रिक्त।

પોલુણ્યું (सं.) कोमल गादी, मुलायम गद्दा, गुदगुदा, बिछौना।

પોષેલ (સં.) વહ ભૂમિ જો સદા જોતી ઔર બોઈ જાતી હો।
પોવડાવું-વાડવું (ક્રિ.) પિરાના, ધાગા, બકવાના, ડોરી પિરાના।
પોવુ (ક્રિ.) દેખો પોરવું
પોસ (સં.) શેષ, બાકી, એક મહીના વિશેષ, ચૈત્ર સે દસવાં મહીના, પૌ, પૌષ, શિશિરઋતુ। પૂસ।
પોસનો ડોડો (સં.) અફીમકા ડોડા, વહ ડોડા જિસમેં સે રસ-રસ નિકલતા હૈ।
પોસા (સં.) પોષણ।
પોસાળ-ળા (સં.) જૈનો કી સેવા પૂજા કરને કા સ્થાન।
પોસાગીર (સં.) ઠગ, વંચક, ઉચ્ચી, બદમાશ, ઉઠાઈ ગીરા, પહલવાન।
પોસિન્દુ (વિ.) આશ્રય દાતા, સહાયક, મુરબ્બી, ખરીદદાર, માન કર્તા।
પોસિંદો (સં.) રક્ષક, માલિક।
પોસી (સં.) પૌષ મહીને કી, પૂસ મહીને કી પૌર્ણિમા।
પોસધ શાળા (સં.) શ્રાવક લોગોં કે રહને કા સ્થાન, જહાં રાત કો દીપક નહીં જલાતે।
પોસવું (ક્રિ.) પોષણ કરના, પાલન કરના, રક્ષા કરના, રક્ષણ કરના।
પોસાવું (સં.) પાલે જાના, રક્ષિત હોના, અનુકૂલ સ્થિતિ મેં હોના, કદર હોના।
પોસિન્દ (વિ) પોષણ કરને વાલા, પાલક, પોષક, રક્ષક।
પોસ્ત (સં.) પોસ્ત, અફીમકા દાના, બસબાસ, પૂસકમહીના, શેષ, બોડા મુટ્ઠીભર, હોલી દિવાલી કી ખુશી મેં નૌકરો કો દી હુઈ ઇનામ।
પોસ્તી (વિ.) અફીમવી, ઢીલા, શિથિલ, નર્મ, મુલાયમ, પોચા।
પોહ (સં.) પુરવહ, સવેરા, ભોર, ભિનુસારા, તડકા, ભૈંસ બૈલ ઇત્યાદિ કો પાની પિલાતે સમય બોલા જાને વાલા શબ્દ। [વાલી।
પોહરેત (સં.) પહિરા. ચૌકી, રક્ષ-
પોહ ફાટતે (ક્રિ વિ) તડકે, સવેરે, ભિનુસારે, દિન નિકલતે।
પોહડાખત (સં.) નઈ જોતી હુઈ ભૂમિ।
પોહોર (સં.) તીન ઘંટે કા પરિ-માણ, રાતદિન કા આઠવાં ભાગ, આનેવાલા વર્ષ, ગયા હુઆ વર્ષ।
પોહોરેગીર (સં. , રક્ષવાલા, પહરે વાલા, પાહરુ, ચૌકીદાર, સંતરી।

પોકોરો (જુ.) એકલકાણી, પોકલી ।
પોકોળાઇ-ળુ (સં.) પોકાઈ, પોકાપણ ।
પોકોળિયું (જુ.) કકલાર રપયા,
પોકોળું (વિ.) પોલા, કંસાઈ સે કામ । [રાસ્તા ।
પોળ (સં.) ગલી, સડક, આમ
પોળાઈ (સં.) જુઓ પોકોળાઇ
પોળિયું (સં.) સરકારી રપયા, કલ્લાર ।
પોળિયો (સં.) દરવાન, દ્વારપાલ, પ્રતિહાર, દ્વારદૂત, પૌર પર બેઠને વાલા । [પપાતી ।
પોળી (સં.) પતલી રોટી, પતલી
પોળું (સં.) જુઓ પોકોળું ઢીલા, પાસપાસ નહીં બલ્કિ દૂર દૂર ।
પોંઆ-વા (સં.) એક પ્રકાર કે ચાવલ, ભુને હુએ ચપટે ચાંવલ ।
પોંકર્ય (જિ.) પુનર્વિવાહિતા સ્ત્રી કા પુત્ર, વિધવા કા લડકા ।
પોંઢ (જિ.) નગરનિવાસી, શહર મેં રહનેવાલે, પુરજન ।
પોંઢ (સં) ઘર કે પાસ કા બગીચા, નજરબાગ, પુષ્પ વાટિકા ।
પોંઢજન (સં.) નાગરિક, શહર કે બાશિન્દે, નગરવાસી ।
પોંઢ્યમાસ (સં.) પૂનમ કે દિન કરને કા એક યાગ, યાગ વિશેષ ।
પોંઢ્યમાસી (સં.) પૂનમ, પૌર્ણિમા, પૂનોં, શુક્લ પક્ષ કી ૧૫ વીં તિથિ ।
પોષ (સં.) પૂસ, માસ વિશેષ ।
પ્યાજ (સં.) કાંદા, ગંઠી, કૃષ્ણા-લકી, મૂલ વિશેષ, એક પ્રકાર કા વક્ર (રેખા)
પ્યાદ (સં.) મિઝાજી, સાધારણ બાત મેં ઓછાપન દિખાને વાલા મનુષ્ય ।
પ્યાદીમાત (સં.) શતરંજકે ખેલ મેં આખિર મેં બાદશાહ કા પ્યાદે સે હાર જાના ।
પ્યાદું (સં.) શતરંજ કે ખેલ મેં પ્યાદા, પદાતી, પૈદલ સૈનિક, પૈદલ યોદ્ધા ।
પ્યારો (સં.) પૂર્વવત્
પ્યાર (સં.) પ્રીતિ, પ્રેમ, સ્નેહ ।
પ્યારી (સં.) પ્રિયા. પિયારી, પ્રિયતમા, માશૂક દુલારી ।
પ્યારું (વિ.) પ્યારા, પ્રેમી। પ્રિય સનેહી, પ્રિયતમ, જોદ્ધી ।
પ્યાલી (સં) છોટા પ્યાલા, કટોરી, વાટકી, કચોલી ।
પ્યાલું (સં.) પ્યાલા, કટોરા, ચૂક ।
પ્યાસ (સં.) પિપાસા, તૃષા, તૃષ્ણા ઇચ્છા, આકાંક્ષા, ચાહ ।

प्यासा (वि.) पिपासित, तृष्णा-ग्रस्त, तृष्णान्वित, पिपासा, प्यासा।

प्र (उ०) आगे, बाहिर, दूर इत्यादि सूचक उपसर्ग जो शब्द के आगे लगता है। आरंभ, उत्कर्ष, प्राचुर्य, आधिक्य, उत्पत्ति, व्यवहार, विशेष, अतिशय, अधिक।

प्रकर (सं.) समूह, दल, ढेर, सहाय, मदद, अगर चन्दन।

प्रकरण (स.) प्रस्ताव, अभिनय करने की रीति, रूपक भेद, ग्रंथ शाखि, ग्रंथ विच्छेद, निरूपणीय एक विषय की समाप्ति, प्रसङ्ग, काण्ड, अध्याय, सर्ग, बाब, काम, बात, उपोद्घात।

प्रकाम (क्रि. वि.) यथेच्छित, यथेष्ट, इच्छापूर्वक, इच्छापूर्ति, मनमाना, मनभरके, खूब, (वि.) अत्यंत, बहुत।

प्रकाशना (क्रि.) प्रकाश करना, फैलाना, व्यक्त करना, बाहिर करना, प्रकट करना।

प्रकृति (सं.) स्वभाव, धर्म, चरित्र, योनि, उत्पत्ति, स्थान, उद्गमक्षेत्र, चिन्ह, अंक, स्वामी, अमात्य, शुद्धत, केश, राष्ट्र, राज्य, दुर्ग, पुरवासी, किला, समूह, शक्ति, परमात्मा, पंचभूत, छंदोंत बनाने के छन्द विशेष, माया, धातु।

प्रकृतिस्थ (वि.) स्वभाव प्राप्त, स्वभाव सिद्ध, स्वाभाविक।

प्रकृष्ट (सं.) गमन, विदा।

प्रक्षिणा (सं.) प्रदक्षिणा, परिक्रमा, आसपास परिभ्रमण।

प्रगल्भा (सं.) परिषद्, सभा, समाज, समिति, मण्डली।

प्रगाढ़ (वि.) तीक्ष्ण, तीव्र, निशित, अधिक गर्म, उग्र, कठोर।

प्रख्यात (वि.) प्रसिद्ध, विख्यात यशस्वी, कीर्तिमान, मशहूर।

प्रगटना (क्रि.) प्रकट होना, व्यक्त होना, प्रसिद्ध होना, प्रकाश होना।

प्रगण्ड (सं.) परगना, प्रान्त।

प्रगमना (क्रि.) खेलना, फैलना, प्रज्ज्वलित होना।

प्रगल्भ (वि.) प्रफुल्लित, परिपक्व, पूर्ण निश्चयात्मक, निर्विकार, शुभ्र प्रसन्न, उदार (चित्त)।

प्रगुण (सं.) पाहुना, मेहमान, अतिथि।

प्रकाशनु (क्रि.) फैलाना, प्रचार करना, चलाना, प्रसिद्ध करना ।

प्रकाशता (सं) पूर्णताक ।

प्रकाशक (वि.) डंकनेवाला, कष्टप्रद।

प्रकाश (सं.) गर्भ, हमल, पुरवा, पूर्णत्व । [जन्मा ।

प्रकाशिका (सं.) माता, मा, जननी,

प्रकाशनु (क्रि.) प्रज्ज्वलित होना, जलना, प्रकाशित होना ।

प्रजा (सं.) सन्तान, संतति, प्रजावर्ग मनुष्य अधिकारस्थित मनुष्य, रैयत । [प्रजाका कर्तव्य ।

प्रजाधर्म (सं.) रैयतका फर्ज,

प्रजापति (स.) ब्रह्मा, दक्ष, कश्यप, महीपाल, राजा, जामात, दिवाकर, यति, त्वष्टा, दसप्रजापति पिता, और विशेष, विष्णु, देवताओंका बढ़ई, संवत्सरका नाम विशेष, कुम्हार, कुंभकार, मरीचि, पुलह, पुलस्त्य, अंगिरस, क्रतु, प्रचेतस्, वशिष्ठ, भृगु गौतम और नारद ये दस प्रजापति ।

प्रजासत्ताक (वि.) राज्य जिसमें सम्पूर्ण प्रभुता प्रजाके चुने हुए वर्गोंको मिलती है, लोकसत्ता ।

प्रजासत्ताक राज्य (सं.) प्रजापालित राज्य, लोकसत्तात्मक राज्य, लोकपालित राज्य, पंचायतद्वारा राज्य । [वृद्धि ।

प्रजाभृद्धि (सं.) संतानवृद्धि, कुल-

प्रजाहित (वि.) प्रजाके लिये हितकारक, संतानके फायदेका ।

प्रजालवु (क्रि., प्रज्ज्वलित करना, जलाना, प्रदीप्त करना, दग्ध करना।

प्रज्ञा (सं.) बुद्धि, मति, धी, अक्ल, समझशक्ति, विचार ।

प्रणतपत् (वि.) नमित, विनीत, नम्र।

प्रणमवु (क्रि.) प्रणाम करना, नमन करना, झुकना, नमस्कार करना ।

प्रणव (सं.) ब्रह्मकी उत्पत्ति, स्थिति लय इन तीनों शक्तियोंके ज्ञानका प्रदर्शक संकेत शब्द, ओंकार, ॐ, परमात्माका सर्वोत्तम नाम ।

प्रणाम (सं.) मस्तिष्कायुक्त नमस्कार, प्रणति, प्रणिपात, अभिवादन, वह प्रणाम जो दोनों भुजा दोनों चरण, वक्षःस्थल, शिर, दृष्टि, मन और वाणी इन आठ अंगोंद्वारा किया जाय ।

प्रणालिका (सं.) जल निकलनेका मार्ग, नल, नाली, परनाला, नाला, गटर ।

प्रणिपात (सं.) प्रणाम, नमस्कार, आग्रह, आज़िज़ी, ताबेदारी।

प्रत (सं.) प्रति, वर्ग, खिल्द, नकल, कापी, जात, गुण, मुख्य, महत्व, लक्षण, चिन्ह, एक एक, सब, भाग अंश, स्रोत, अल्प, निश्चय, विरोध, समाधि, अभिमुखता, स्वभाव।

प्रतवार (क्रि. वि.) क्रमशः।

प्रति (सं.) पन्द्रहवां उपसर्ग, पीछा, आगा, उलटा, अनुकूल और प्रतिकूल, प्रत्येक, विस्तृत होना, फैलना, व्याप्ति, निश्चय, भाग, पुनः, तरफ,ओर।

प्रतिध्वनि (सं.) प्रतिध्वनी, गूंज, प्रतिनाद, निनाद।

प्रतिछाया (सं.) प्रतिबिम्ब, प्रतिकृति, प्रतिमूर्ति, प्रतिमा, छाया, मूर्ति।

प्रतिज्ञा (सं.) पूर्ण, वचन, नियम, शपथ, पण, अंगीकार, साध्यनिर्देश

प्रतिदान (सं.) दान के बदले में दान, विनिमय, बदला, रखे हुए द्रव्य को लौटाना, वापिस देना।

प्रतिनिधि (सं.) प्रतिमा, मुख्य के समान, मुख्य स्वरूप प्रधान के स्थानापन्न, प्रतिभू, वकील, हामी जामिन, तस्वीर, चित्र, एवजी।

प्रतिपद-दा (सं) चन्द्रमा की पहिली कला का किया काल, पक्ष की प्रथम तिथि, पड़वा, एकम।

प्रतिपक्ष (सं.) वैरी, अरि, शत्रु, रिपु, विरुद्ध पक्ष, प्रतिवादी, दुश्मन, (क्रि. वि.) इर, पक्षपातमें।

प्रतिपक्षी (वि.) विरुद्ध पक्ष का।

प्रतिपादक (वि.) प्रतिपादनकर्ता, बोधक, ज्ञापक, संस्थापक, प्रकाशक।

प्रतिमूर्ति (सं.) प्रतिच्छाया, प्रतिमा, मूर्ति, अनुरूप।

प्रतिभा (सं) प्रत्युत्पन्नमतित्व, दीप्ति, प्रगल्भता, बुद्धि ज्ञान।

प्रतिभान (सं.) तात्कालिकबुद्धि, समय सूचकता, सूझ, अक्ल।

प्रतिभाव (सं.) समभाव, तुल्य भाव।

प्रतिभास (सं.) प्रकाश, प्रतिबिम्ब, मनपर उत्पन्न प्रभाव।

प्रतिभू (सं.) विचारवान्, जामिनदार, मनौतिया।

प्रतिमा (सं.) मूर्ति, चित्र, नकल, तस्वीर, प्रतिरूप, प्रतिकृति, बुत।

प्रतिवचन (सं.) उत्तर, जवाब, प्रत्युत्तर।

प्रतिपक्षी (सं.) विपक्षी, प्रतिपक्षी, आसामी, मुद्दाअलेह ।

प्रतिविधान (सं.) इलाज, तदबीर, एक कार्य के स्थान में दूसरा कार्य रचना । [वारण ।

प्रतिषेध (सं.) निषेध, निवारण,

प्रतिस्पर्धा (सं) ईर्ष्या, मत्सरता, गुप्त द्वेष, कीना, बाह, कुढन,

प्रतिहार (सं.) द्वार, ड्योढी डेवढी द्वारपाल दरबान, ड्योढीवान ।

प्रतीप (सं.) इस नाम का अलङ्कार जिसमें उल्टी उपमा दी जाती है । प्रतिकूल, विपरीत ।

प्रतीक्षा (सं,) प्रत्याशा, बाट जोहना, किसी के आने के लिये ठहरना ।

प्रतोद (सं.) चाबुक, हंटर ।

प्रत्यक्ष (सं.) साक्षात्, सम्मुख, सामने, प्रकाश, प्रकट, प्रसिद्धी ।

प्रत्यक्ष प्रमाण (स.) स्वयसिद्ध प्रमाण ।

प्रत्याघात (सं.) सम्मुखाघात, सामने का जोर ।

प्रति (उप०) प्रति, तर्फ, ओर, को।

प्रत्याख्यान (सं.) निराकरण, निरसन, खण्डन अस्वीकार, निन्दन

प्रत्यवाय (सं.) दोष, अनिष्ट, विघ्न, व्याघात, पाप, दुरदृष्ट ।

प्रत्यंचा (सं.) ज्या, डोरी, धनुष की डोरी, गुंदा ।

प्रत्याहार (सं.) अपने अपने विषयों से इन्द्रियों को हटाना ।

प्रथमपुरुष (सं.) आदि पुरुष, ईश्वर में, हम सर्वनाम (व्याकरण में) ।

प्रथमा (सं.) पहिली विभक्ति, श्रेष्ठ बड़ी, प्रधानता ।

प्रथा (सं.) चलन, धारा, रीति, स्थिति, प्रकार, व्यवहार, रस्म, रवाज़ ।

प्रदक्षिणा (सं.) परिक्रमा, देवोद्देश्यसे, दक्षिणा वर्त भ्रमण, चारों ओर भ्रमण ।

प्रदर (सं.) स्त्रियों को होने वाला एक योनि रोग विशेष ।

प्रदर्शन (सं) ईक्षण, दर्शन, दिखाना नुमायश, अलग, कारीगरी का दिखावा ।

प्रदोष (सं.) रजनी मुख सायङ्काल, सूर्यास्त के पश्चात, दो मुहूर्त काल, रात्री के पहिले चार दण्ड, प्रत्येक पक्ष में प्रति त्रयोदशी का संध्या कालीनशिवजी का व्रत, दोष ।

प्रदोषकाल (सं.) सायङ्काल ।

प्रधान (सं.) श्रेष्ठ, जाय, मुख्य, अग्रिम मंत्री, सचिव, वज़ीर, परमेश्वर, सेनापति, राजाका मुख्य कारभारी, उत्तम, वरिष्ठ ।

प्रधानगिरी-न्हाई-भाई (सं.) श्रेष्ठता मुख्यता, प्रधानत्व, मंत्रित्व ।

प्रधानपद (सं.) मंत्री का दरजा, वजीर का ओहदा, मुख्य पद ।

प्रध्वंस (सं.) नाश, विनष्टि, क्षय, अपक्षय, बरबादी ।

प्रपंच (सं) संसार, दुनिया, भ्रम, विपर्यास, प्रतारण. सचय, विस्तार माया, मिथ्या नाटक, कपट दगा ।

प्रपंची (वि.) ढोंगी, ठग, कपटी, मायावी, सांसारी, लुच्चा, धूर्त ।

प्रपिता (सं) दादा, बाप का बाप, दादा, पिता का पिता ।

प्रपितामह (सं.) बाप का बाप और उसका भी बाप, दादा का बाप, पड़ दादा ।

प्रपितामही (सं) बाप के बाप की मा दादा की मा, पड़ दादी ।

प्रपौत्र (सं) पौत्र का पुत्र, पनाती, पोते का बेटा, बेटे के बेटे का बेटा।

प्रपौत्री (स) पौत्र की कन्या, पनातिन, पोते की लड़की, बेटे के बेटे की लड़की ।

प्रबोध (सं.) ज्ञान, जानकारी, सावधानी, विद्वत्ता, चतुराई, होशियारी ।

प्रबोधनी (सं.) देव दिवाली, कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी ।

प्रभव (सं.) जन्म, उत्पत्ति, पैदा, जहासे जन्म होता है, स्थान, खानि।

प्रभा (स.) दीप्ति, आलोक, प्रकाश, कान्ति, तेज, दरकार गरज, स्पृहा, बड़ाई प्रभुता ।

प्रभातिधुं (सं.) कोई सा प्रातः कालीन राग, भैरव, भैरवी, इत्यादि, प्रभाती, दातुन दतौन ।

प्रभु भाभुश (सं) मोक्ष, सीधा, देव ।

प्रभा (स.) यथार्थज्ञान, प्रमिति, प्रमाण, भ्रमरहितज्ञान, सत्यज्ञान ।

प्रमाण (स.) मर्यादा, शास्त्रनिदर्शन, दृष्टान्त, उदाहरण, साक्षी, लख, सूति, प्रतिपत्ति, माननीय, सत्यवादी, निश्चय, दावका, पुराना प्रत्यक्ष अनुमान उपमान और शब्द । भोग, लेख साक्ष्य और दिव्य । निश्चय, संख्या, माप विस्तार, आधार, सत्यता, विश्वास: (वि.) भरोसेवाला, सत्यवाला

प्रमाणपत्र (सं.) निदर्शन पत्र, दृष्टान्तलिपि, सर्टिफिकेट, साक्षी टिकट ।

प्रमाणित (क्रि.) सिद्ध करना, साबित करना, प्रमाण द्वारा निश्चय कराना, मानना, गिनना, जानना ।

प्रमाणिक (वि.) सच्चा, ईमानदारी, विश्वस्त, भरोसे का, टिकाऊ ।

प्रमाणिकपन (वि.) नेकी, ईमानदारी, सचाई, शुद्धता, पवित्रता ।

प्रमाणे (क्रि- वि) अनुसार, मुताबिक, तरह से, रीतिसे ।

प्रमातामह (सं.) मा का बाप और उसका बाप, नाना का बाप, पड़नाना ।

प्रमातामही (सं) प्रमातामह की पत्नी, मातामह की जननी, पड़नानी, परनानी ।

प्रमादी (वि.) असतर्क, भ्रान्त स्वभाव, बे परवाह, अनवधानतायुक्त ।

प्रमुख (सं.) प्रधान, श्रेष्ठ, प्रथम, माननीय, प्रेसिडेन्ट, मुख्य अगुवा ।

प्रमोथी (सं.) महादेवजी के अनुचर, गण ।

प्रमोह (सं.) मूर्च्छा, बेहोशी, मद ।

प्रयत्न (सं.) प्रकृत, बल, उपाय, चेष्टा, आदर, प्रयास, परिश्रम, तजवीज ।

प्रयत्नी (वि.) उपाय करने वाला, चेष्टा करनेवाला, बल कर्ता ।

प्रयाण (सं.) गमन, कूच, मार्च, प्रस्थान, निर्याण, यात्रा ।

प्रयुक्ति (सं) प्रयोज, प्रयोजन, विशेष युक्ति, तजवीज । योग ।

प्रयुत (वि.) दस लाख, संख्याविशेष ।

प्रयोगविधि (सं.) रसम, रीति, विधि, शास्त्रोक्त कर्म, प्रयोग करने की तरकीब ।

प्रयोजक (वि.) जिसका मुख्य कर्ता दूसरे की प्रेरणासे खुदी छोड़ कर वह दूसरा मुख्य कर्ता बन जाता है वह धातु । बहकाने वाला, भड़काने वाला, प्रथम कारण।

प्रलेह (सं) चटनी, अवलेह, चाटने योग्य पदार्थ; लेह्य पदार्थ ।

प्रलय (सं.) प्रलय, कल्पांत, लय, नाश, कयामत, विलय ।

प्रवर (सं.) संतान, वंश, श्रेष्ठ, प्रधान, गोत्र, गोत्र में उत्पन्न सबसे श्रेष्ठ पुरुष ।

प्रवर्तक (वि.) प्रेरक, प्रयोजक, उत्साहदाता, सहायक, उठानेवाला फैलानेवाला, उत्तेजना देने वाला ।

પ્રવર્ત્તમાન (વિ.) પ્રવર્તિત, સંસારમાં ચાલ્યા હુવા, પ્રચલિત, મોજૂદા।

પ્રવર્ત્તવું (ક્રિ.) ચિંતા, ધર્મ, રીતિ, ઇત્યાદિ કા સંસારમેં પ્રચાર હોના, ચલના ।

પ્રવર્ત્તાવવું (ક્રિ.) ચલાના, ફૈલાના, પ્રચાર કરના, વિસ્તાર કરના ।

પ્રવાદ (સં.) ચર્ચા, નિન્દાવાદ, કિંવદન્તી, ઉડ્તી ખબર, અફવાહ

પ્રવાળ (સ.) મૂંગા, રત્નવિશેષ કોમલ પત્ર ।

પ્રવાળી (સં.) મૂંગે કે રંગકા, લાલ રંગકા, ગુલાબી, રક્તવર્ણ ।

પ્રવૃત્ત (વિ.) ઉદ્યત, તત્પર, પ્રવિષ્ટ, લગા હુવા, નિરત, સંલગ્ન ।

પ્રવૃત્તિ (સં.) કાર્ય મેં લગને કી ઇચ્છા, યત્ન, ઉપાય, ઇચ્છા, સામાન્યિક વૃત્તિ।

પ્રવેશ (સં.) પેઠ, પહુંચ, દખલ, વેશ દિખાવ (નાટક મેં)

પ્રવેશક (સં.) પ્રવેશ કર્તા, ઉપોદ્ઘાત, ગ્રંથ પ્રવેશ મેં સૂચના, યા વિજ્ઞપ્તિ, નાટક કે આરંભ મેં ઉસકા ભાવાર્થ સૂચક દિયા હુવા ભાષણ ।

પ્રશસ્ત (વિ.) સુન્દર, સ્વચ્છ, વિસ્તૃત, પરિસર યુક્ત, પ્રશંસનીય, અતિશ્રેષ્ઠ, અતિ ઉત્તમ, વિશાલ ।

પ્રશસ્તિ (સં.) પ્રશંસા, સ્તુતિ, વર્ણન, ગુણસ્તુતિ, અભિનન્દન ।

પ્રશ્ન (સં.) જિજ્ઞાસા, પૂછ, પૃચ્છા, સવાલ, શંકા, સન્દેહ ।

પ્રશ્નાર્થ સર્વનામ (સં.) કૌન, ક્યોં ક્યા ઇત્યાદિ પ્રશ્ન પ્રદર્શક સર્વનામ (વ્યાકરણ શાસ્ત્ર મેં)

પ્રશ્નાવળી (સં.) પ્રશ્નોં કી શ્રેણી ।

પ્રસક્ત (વિ.) પ્રસંગ વિશિષ્ટ, અતિશય, અનુરક્ત, અનુરાગી, પ્રાપ્ત ।

પ્રસક્તિ (સં.) પ્રાર્થના, અનુરાગ, નમન, દરખ્વાસ્ત, પ્રસંગ ।

પ્રસંગ (સં.) સંગતિ વિશેષ, પ્રસક્તિ, પ્રસ્તાવ, સંધિ, યોગ, સમ્બન્ધ, મેલ, સંગમ, ઘટતી જગહ, સહવાસ, મિલાપ, વ્યવહાર, મૈથુન ।

પ્રસંગવસાત (ક્રિ. વિ.) યોગાત, કારણાત, દૈવાત, પ્રસંગ કે કારણ।

પ્રસંગોપાત (ક્રિ. વિ.) પ્રસંગ આનેપર ।

પ્રસર (સં.) પ્રકૃષ્ટ રૂપસે સંચાર, વિસ્તાર, પ્રણય, વેગ, સમૂહ ।

પ્રસરવું (ક્રિ.) પ્રસરણ, ફૈલના, નિકલ બહના, વિસ્તાર પાના, બિછના ।

પ્રસવ (સં.) ગર્ભ મોચન, અપત્ય જન્મ, ફલ, કુસુમ, ફૂલ, જન્મ, ઉત્પત્તિ ।

प्रसव वेदना (सं.) बालक पैदा होने के समय का दुःख, प्रसव कष्ट, जनते वक्त कष्ट।

प्रसवणं (क्रि०) पैदा होना, उत्पन्न करना, पैदा करना, जनना।

प्रसाद-दी (सं.) प्रसन्नता, नैर्मल्य, अनुग्रह, काव्य का गुण विशेष, स्वास्थ्य, सुस्थता, देव निवेदित द्रव्य, गुरु की जूठन, आशिर्वाद, कृपा, मेहरबानी, देवताके आगे का धरा हुवा नैवेद्य, भोजन, तर्क शक्ति। [फैलाव।

प्रसार (सं.) प्रसरण, विस्तार

प्रसारक (सं.) विस्तार कर्ता, फैलाने वाला, वृद्धि कर्ता, बिछाने वाला।

प्रसारणं (क्रि.) फैलाना, बढाना।

प्रसिद्धि पत्र (सं.) नोटिस, विज्ञापन, सर्क्यूलर, इश्तिहार, मुनादी आम।

प्रसूत (वि.) उत्पन्न, जात, जन्माहुवा, पैदा हुवा, जनित।

प्रसूता (सं.) जातापत्या, प्रसव कारिणी, जिसने बच्चे उत्पन्न किये हों, जच्चा, जापेवाली।

प्रसूती (सं.) प्रसव, उत्पत्ति, जन्मन, जन्म, जन्माना, गर्भ मोचन।

प्रसूतीका (सं.) वह स्त्री जिसने तात्काल बालक उत्पन्न किया हो।

प्रस्थातुं (सं.) किसी दिन बाहर जाने को यथार्थ मुहूर्त न हो तो, जिस दिन हो उस दिन अपना सामान इत्यादि मार्गपर के किसी दूसरे घर पर रख देना, प्रस्थाना, पर स्थाना।

प्रस्ताव (सं.) अवसर, प्रसङ्ग-स्तुति, प्रसङ्ग, प्रकरण, वृत्तान्त, कथा, कथानुष्ठान, कारण।

प्रस्तावना (सं.) आरंभ, वाक्यानुष्ठान, भूमिका, अवतारिका, दीबाचा, शुरूआत, ग्रंथ हेतु वर्णन।

प्रस्तावित (वि.) समयानुसार, यथा समय, प्रसंगानुसार।

प्रस्थान (सं) कूच, प्रयाण, गमन।

प्रस्राव-व (वि.) बहना, पर्वत का निर्झर, एक पर्वत का नाम, पेशाब।

प्रस्वेद (सं.) अधिक पसीना, पसेव।

प्रहर्ष (सं.) खुशी, आनन्द, हर्ष, आह्लाद।

प्रहसन (सं.) परिहास, उपहास, आक्षेप, रूपक विशेष, नाटक का एक भेद। [प्रहार करना।

प्रहरणं (क्रि.) मारना, पीटना,

અટ્ટહાસ (સં.) ઉપહાસ; હસી, ઠઠ્ઠા, પરિહાસ, ઠઠોલી, ખિલ ખિલાહટ।

પ્રાકૃત (વિ.) પ્રકૃત સમ્બન્ધી, સ્વભાવ, લોક વ્યવહાર મેં આને વાલા, સંસ્કૃત ભાષા કે સિવા કોઈ દૂસરી ભાષા, નીચ, હલકા, પામર, અન્યજ, ભાષા વિશેષ। વાસ્તવિક વસ્તુતઃ।

પ્રાકૃત ભાષાન્તર (સં.) અનુવાદ, દેશી ભાષા મેં અનુવાદ।

પ્રાક્તન (સં.) ભાગ્ય, કિસ્મત, તકદીર।

પ્રાગટ (સં) સૂર્યોદય, પ્રભાત।

પ્રાગટવાસી (ક્રિ વિ.) પ્રાતઃકાલ હુવા, સૂર્યોદય હુવા, ભોર હુવા।

પ્રાગલ્ભ્ય (સં.) પ્રગલ્ભતા, અહંકાર, અભિમાન, દર્પ, ગર્વ, ઘમણ્ડ અદ્ધત્ય।

પ્રાજીત (સં) પ્રાયશ્ચિત, પાપનાશન કર્મ, પાપ ક્ષય કરને વાલે કામ।

પ્રાજાપત્ય (સં.) એક પ્રકાર કા વિવાહ, દ્વાદશ દિન કા વ્રત, યાગ વિશેષ।

પ્રાજે (સં.) પરાજય, હાર।

પ્રાજ્ઞ (વિ.) સયાના, ચતુર, હોશિયાર, કુશલ, પ્રવીણ, દક્ષ।

પ્રાણ ડાઢી નાંખવું (ક્રિ) બહુત આતુર રહના, કુરબાન હોના, સતાના।

પ્રાણ પાથરવો (ક્રિ.) જાન દેને કો તય્યાર હોના, અત્યંત આદર સત્કાર કરના।

પ્રાણથી જવું (ક્રિ) જીવન જાના, પ્રાણ ખોના, જાન દેના।

પ્રાણદાતા (વિ.) જીવનદાતા, પોષણ કર્તા, જીવન કા આધાર।

પ્રાણઘાત (સં) દેખા પ્રાણઘાત ૭૦

પ્રાણદાન (સં.) જીવદાન, આત્મદાન।

પ્રાણપ્યારા-પ્રિય (સં.) પ્રિયતમ, પ્રાણતુલ્ય, પ્રિય।

પ્રાણમય કોષ-શ (સં.) કર્મેન્દ્રિય સહિત પ્રાણ પંચક, પંચ કોશોં મેં સે એક જિસ મેં પ્રાણ રહતા હૈ।

પ્રાણ રક્ષણ (સં) આત્મ રક્ષણ, જીવ રક્ષણ, પ્રાણોં કા બચાવ।

પ્રાણાધાર (સ) પ્રાણોં કા આશ્રય જીવન કા આધાર।

પ્રાણાન્ત (સં.) પ્રાણવસાન, મરણ, મૃત્યુ, મૌત, પ્રાણ શેષ।

પ્રાણાયામ (સં) યોગાંગ, વિશેષ, શ્વાસ વિશેષ પ્રાણ વાયુ કો વશ મેં રખને કે લિએ કી હુઈ ક્રિયા તીન પ્રકાર સે, કુમ્ભક પૂરક ઔર રેચક, વહ કર્મ જિસમેં પ્રાણવાયુ કી અવરોધ હો।

प्राणाहुति (सं.) पांच प्रकारकी आहुतियों में से एक प्रकार की आहुति, (प्राणाय स्वाहा, अपानाय स्वाहा, समानाय स्वाहा, उदानाय स्वाहा और व्यानाय स्वाहा इन पांच मंत्रोंसे दी हुई पांच आहुतियां)

प्राणिया (म.) देखो प्राणी

प्राणी (सं) प्राणविशिष्ट, सचेतन जीव, जंगम जीव, शरीरी, देही, जीवधारी, जलचर, नभचर, भूचर इ० चेतन, जानवर जानवाला, जन्तु।

प्राणी धर्म गुण विद्या (स.) मानसिक विद्या, दिमाग का इल्म।

प्रातीभ (वि.) बुद्धिका प्रकाश।

प्रादुर्भाव (स.) आविर्भाव, उदय, प्रकाश, महिमा, प्राकट्य, जाहिर होना।

प्रादुर्भूत (वि.) उदित, प्रकाशित प्रकट, आविर्भूत, जाहिर,

प्राधान्य (सं.) प्रधानता, प्रधानत्व, श्रेष्ठता, मुख्यता।

प्रान (सं.) अंतभाग, शेष, सीमा, कगर, हद्द।

प्राबल्य (सं.) प्रबलता, आक्रम।

प्रायश्चित्तु (सं.) पापनाशन कर्म, पापक्षय करनेवाला कर्म, तोबा।

प्राये (क्रि. वि.) प्रायः, विशेषतर, बहुत करके, अक्सर।

प्रारब्ध-धब्ध (सं.) पूर्वोद्भुत कर्म, अदृष्ट, प्राक्तन कर्म, पूर्व कर्म, भाग्य, ब्रह्मलेख, कर्मफल, नसीब, दैव, भविष्य, होनहार, आनिच्छ, परेच्छ, और स्वेच्छ तीन प्रकारका प्रारब्ध।

प्रारब्धनुं फूटेलुं (वि.) कर्महीन, भाग्यहीन, अभागी, बेनसीब।

प्रारब्धवादी (सं) अदृष्टवादी, भाग्य भरोसे रहनेवाला।

प्रार्थवुं (क्रि.) प्रार्थना करना, निवेदन करना, याचा करना, अर्ज करना।

प्रार्थना करवी (क्रि.) पूर्ववत्

प्रार्थना मंदिर (सं.) धर्मस्थान, उपासना भवन, वह स्थान जहां बहुत से लोग ईश्वर प्रार्थना के लिये एकत्रित हों।

प्रालब्ध (सं.) देखो प्रारब्ध

प्राशन (स) भोजन, पान, चाटना चूसना, पीना।

प्राशवुं (क्रि.) खाना, भक्षण करना, पीना, चूसना, रसास्वादन करना।

प्रास (सं.) अनुप्रास, यमक शब्द
प्रासाद (सं.) मंदिर, मकान, देवताओं और राजाओंके रहने का भवन, महल।
प्रास-छ (स.) भाला, बरछी साग, बल्लम, जख्म, व्रण, घाव, लूट।
प्रासंगिक (वि.) समयानुसार, प्रसंगानुसार, वक्त के मुआफिक,
प्रासादिक कविता (स.) ईश्वर कृपासे बनी हुई कविता, थोडे परिश्रमसे प्राप्त अति कवित्व, शक्ति।
प्राहणे (क्रि वि.) पराणे देखो, जुल्मसे बलात्कारसे, अप्रसन्न होने पर। [अतिथि।
प्राहुणो (सं.) पाहुना, मेहमान,
प्रिछणुं (क्रि.) समझना, जानना, पहिचानना चीन्हना। [गण।
प्रियजन (स.) प्यारे लोग, स्नेही
प्रियतम (सं.) अत्यन्त प्रिय, पति, प्रीतम, धनी लाल उत्तम।
प्रियतमा (सं.) प्रिया, प्रेमास्पदानारी, प्रणयिनी, प्यारी, पत्नी, अच्छी।
प्रियम्भावा (वि.) मिष्ट भाषण करनेवाली स्त्री, चार अक्षर के चरण का छंद।
प्रिसणुं (सं.) पीसना, पीसन, पीसने की वस्तु, परिवेषण।
प्रीतडी (स) प्रेम, प्यार, मुहब्बत स्नेह, छोह, मिहरबानी।
प्रीतिकर (वि.) प्रेम पदा करने वाला, मनोहर, रमणीय, सुन्दर।
प्रीतिपत्र (स.) प्रेमपत्र, प्यारका पत्र, प्रेमपाती, प्यारेका पत्र।
प्रीतिपात्र (सं.) प्रेमके योग्य, मुहब्बत करनेलायक, कृपापात्र, स्नेहपात्र।
प्रीतिमंदिर (सं.) प्रियतमा, प्रिया, नास्पदानारी, सहृदय।
प्रीतिमान वाणुं (वि. , प्यार वाला, स्नेही, प्रिय, प्रेमयुक्त।
प्रेमक्रीडा सं) हावभाव, रतिविलास।
प्रेमपाश (सं.) प्रेम का बन्धन, स्नेह का फन्दा, प्यार का फासा
प्रेम पत्रिका (स.) आशिक माशूक का पत्र, स्नेह पूर्ण चिट्ठी, प्रेमी का पत्र। [सौरभ।
प्रेमल (सं.) सुगंध, सुवास,
प्रेमाश्रु (स.) प्रेमके कारण आये हुए आंसू।
प्रेमाळ (वि.) प्रेम से भरा हुआ, भावाची, अनुरागी, आसक्त।

प्रेरक (वि.) प्रेरणा करने वाला, भेजने वाला, उत्तेजक। [उद्दीपक, हुक्म, इच्छा।

प्रेरणा (सं.) विधि, आज्ञा, आदेश,

प्रेरना (क्रि.) भेजना, प्रेरणा करना, उत्साहित करना, खड़ा करना, आज्ञा देना।

प्रेरित (सं.) प्रेषित, नियोजित, पठाया, भेजा हुवा, नियुक्त किया हुवा।

प्रेस (सं.) छापाखाना, मुद्रण यंत्र मुद्रणालय, दाबने का यंत्र, प्रिंटिंग प्रेस। [उपाध्याय।

प्रोत (सं.) क्षत्रियों का पुरोहित,

प्रोना (क्रि.) पिरोना, धागा डालना, बोना, सूत्र पिरोना।

प्रौढ़ (वि.) प्रवृद्ध, प्रगल्भ, निपुण, यौवनावस्था के बादकी अवस्था, विवाहित।

प्रौढ़ा (सं.) रस शास्त्र में तीन प्रकार की नायिका, तीस वर्ष से पचास वर्ष तक की स्त्री, नायिका विशेष।

प्रौढ़ि (सं.) सामर्थ्य, उत्साह, प्रगल्भता, उद्यम, उत्कंठा, उत्सुकता, उद्योग, अध्यवसाय।

प्लुत (सं.) स्वर विशेष, ह्रस्व स्वर से तिगुना, तीन मात्रा का स्वर, अतिशय दीर्घ स्वर।

प्लीहा (सं.) रोग विशेष, पिलही ताप तिल्ली नामक रोग।

फ

फ=गुजराती वर्णमाला का ३१ वां अक्षर, २२ वां व्यंजन, उच्चारण स्थान ओष्ठ है. (सं.) कुबेर के धन कोषका करने का एक मंत्र, फुंकार।

फअ (सं) पितामहिनी, बाप की बहिन, फूई, भूवा।

फअड़ी (सं.) फजीहत, हांसी, दिल्लगी, मश्करी, मजाक, मसखरी अपमान। [कुत्सा, गुप्ता।

फइंड (वि.) उच्छृंखल तोबियतका

फइड (सं.) चिंता, उपाय, कल्पना।

फइड चिंता (सं.) पूर्ववत्।

फइरो (सं.) फिकरा, वाक्य, किसी ग्रंथ का प्रमाण, हवाला, वाक्य खण्ड।

फकावणुं (क्रि.) फंकी लगवाना, फंका लगवाना, निगलाना, खिलाना।

फकीर (सं.) वह मुसलमान जो संसारी को छोड़ कर अल्लाह की बंदगी में रम जावे, मुहर्रम महीने में ताजियों के समय जो फकीर का बाना बनाते हैं, निर्धन अकेला मनुष्य, साधु, संन्यासी, यती ईश्वर भक्त।

४७१३ (वि.) साधुता, फकीर की दशा, गरीबी, भिक्षावृत्ति, दरिद्रावस्था, फकीरका वेश,. भीख फकीरका। [स्वेत दृष्टि।

४७४ (वि) पीला, बीमारसा,

४७४६ (वि.) उच्छृंखल, हुड़, बखेड़िया, झगड़ालू, लड़ाका, उद्दाऊ, बेफिक्र। [जलता।

४७४७।६ (सं.) फक्कड़पना, उच्छृं-

४७६ ४७७। (सं.) कांपीकर उड़ा देना रीता।

४७५७वुं (क्रि.) फहराना, फरफराना, इधरउधर उड़ना।

४७२ (सं.) पुष्परज, पराग, पुष्परेणु। [लाना।

४७७वुं (क्रि.) फुसलाना, बद-

४७वुं (क्रि.) पलटाना, बदलाना, टेढ़ा बोलना, लौटाना।

४७७। (सं.) होली का पुरस्कार, फाग की इनाम इत्यादि, होलिकी मिठाई।

४७७वुं (क्रि.) देखो ४७७वुं

४७२ (सं.) सुबह, कल सुबह, आने वाले दिन के प्रातःकाल।

४७७ (सं.) कृपा, आशिर्वाद, शुभ गान, यशवन्त, अराधूरा, सफल।

४७७ (क्रि.) फजीहत, अपमान, बदनामी, मानभंग, कलंक।

४७८वुं (क्रि.) फेंक देना, पछाड़ना

४७८७ (क्रि. वि) कचपच, गचपच कीचड़ या दलदल में चलने का शब्द।

४७७७।२ (वि.) फजीहत करानें वाला, निंद्य, अपमानकारक।

४७७ती (सं.) फजीहत, अपमान, मानभंग, अपकीर्ति, बदनामी, नामोशी, बेआबरू, अपयश, अप्रतिष्ठा।

४७७तीए।२ (सं.) अधम, नीच, कमीना, कुत्सित, निकम्मा, चाण्डाल।

४७७तीनो। ४७७६। (सं) बेआबरू।

४७७तो। (सं.) वह छाछ या पानी जिसमें कच्चे आम के छिलके और गूदे का मिश्रण हो, एक प्रकार की चटनी, अपमान, अपकीर्ति, बदनामी।

४८ (अ.) तंत्रोक्त योग, तंत्रोक्त अरब नामक मंत्र, छिः, दुष्ट, शर्म, घृणासूचक शब्द, तिरस्कार।

४८४ (सं.) स्वेत पत्थर, स्फटिक।

४८४वुं (क्रि.) बुद्धि भ्रष्ट होना, भटकना, चूकना, फिरना, रमना।

४८४१२ (सं.) देखो ४८४१२

ફટકારવું (ક્રિ.) દેખો ફિટકારવું

ફટકારો (સં.) चाबुक का शब्द, फटकारने का शब्द, चित्तभ्रम ।

ફટકેયું બારણું (વિ.) दोनहीं किंतु एकही बड़ा द्वार ।

ફટકિ (સં.) देखो ફટકડી

ફટકિયા દલાલી (સં.) कम दर्जे की दलाली, छोटी दलाली ।

ફટકિયો (વિ.) ओछा, छोटा, कम दर्जे का, अदना फुटकर बेचने वाला, छोटा व्यापारी ।

ફટકિયો દલાલ (સં.) कम दर्जे का दलाल, अदना दलाल ।

ફટકિયો વેચનાર (સ.) फुटकर बेचनेवाला, अदना व्यापारी कम दर्जे का व्यापारी ।

ફટકિયો સોમલ (સં.) बहुत सफेद संखिया, सफेद हरताल, विष विशेष ।

ફટકેલ (વિ.) केन्द्र से हटा हुवा, अव्यवस्थित, विषयगामी, कड़कदार । [प्रहार, फटकार का शब्द ।

ફટકો (સં.) झपट, सपाटा, ठोक,

ફટકો લગાવવો (ક્રિ.) पतली छड़ी से पीटना, शिक्षा देना, नसीहत करना ।

ફટકો ખાવો (ક્રિ.) नुकसान उठाना, मारखाना, पीटे जाना ।

ફટ ફટ (ક્રિ વિ.) पटाके इत्यादि का शब्द, चिट् चिट्, झट झट, बिना विचारा ।

ફટફટાવવું (ક્રિ.) छटपटाना, खटखटाना, तड़फड़ाना ।

ફટાકો (સ.) पटाखा, फटाका, धड़ाका, बन्दूक आदि का शब्द, आतिशबाजी ।

ફટાઈ (સં) हल्कापन, निस्सारता, अहंकार, गर्व, अहंमन्यता ।

ફટાકો (સ.) भीतर बारूद रखकर कपड़े या कागज़ के बनाई हुई आतिशबाजा जिसे जलाने से या फेंकने से पट् की आवाज होती हो, पटाखा, फटाका, धड़ाका ।

ફટાટોપ (સં.) फुंकार, फुनकार ।

ફટાડવું (ક્રિ.) फटाना, फड़वाना, हद से पार जाने देना ।

ફટાણાં (સં.) सीठने, गालीगान, भद्द और फोश गाने ।

ફટાણું (સં.) स्त्री के मुख से निकले, दुर्वाक्य, गाली, गन्दे लफ्ज ।

ફટાયો (સં.) बुरा पुरुष जो सेना में पद प्राप्ति की आशा से काम करता हो, संपत्ति आदि का भाग लेकर भाई से अलग हुवा मनुष्य ।

६८१२ (वि.) उघड़ा, खुला, प्रगट, अनावृत, बेढंका अनाच्छादित ।

६८१२वुं (क्रि.) आँखें निकालना, बड़ी बड़ी आँखें काढना ।

६८१३ (सं.) मुटाई, बड़ाई, बड़प्पन, गर्व, दर्प, घमण्ड ।

६८१३लुं (वि.) खुला हुवा, उघड़ा हुवा, भय अथवा क्रोध से दिखाई हुई बड़ी बड़ी आखें ।

६८१४वुं (क्रि.) धोका देना, चालाकी करना, छलना, किसी काम में शामिल होकर उसे अनुचित बताकर विघ्न कर देना, कपट करना । फटवाना ।

६८१५ (सं.) देखो ६८१५ ।

६८१६ (क्रि.) तुरंतही, झटपट ।

६८१२-७ (वि) मुलायम, और मीठा, पकी हुई पवन से गिरी हुई कैरी (आम) ।

६८ (सं.) शराब की भट्टी, फट फट, एक ओर की टोली, (लावनी में) बाज़ार, मार्केट, गान नाचने वालों की टोली, (क्रि. वि.) शब्द विशेष, अजी से ।

६८८ (सं.) अंगरखे का नीचे का वह भाग जो हवा से फड़ फड़ शब्द करता हो ।

६८१५वुं (क्रि.) खीर दाल, रायता, आदि खाने के तरल पदार्थों को भक्षण करने के समय का शब्द, सुड़कना, सबड़ना ।

६८१६ुं (सं.) अन्न इत्यादि पिछोरने के लिये चादर, सूपे समान वस्त्र, लटकता हुवा वस्त्र भाग ।

६८१७ (सं) सुड़कन, शब्दपूर्वक चूमा, होठोंका चपचप शब्द, अंगुलियों में लिया हुवा खानेका तरल पदार्थ ।

६८१८ (सं.) कड़ाका, शब्द विशेष

६८१९ (सं.) फैसला, प्रबन्ध, परिणाम । [बोलना ।

६८१९भारवां (क्रि.) निरर्थक शब्द

६८नवीस-नीस (सं.) सरकारी आफिसर जिसके अधिकारमें सनद देने तथा हिसाब जाँचनेका काम होता है, डेप्युटी अकाउन्टन्ट ।

६८२० (सं.) छटपटाने या फड़फड़ानेका शब्द ।

६८२०लुं (वि.) छटपटाता हुवा, फरफराता हुवा, गर्म, तेज, उष्ण ।

६८२०वुं (क्रि.) फटफटाना, छटपटाना बड़बड़ाना, फरफराना ।

६८२१८ (सं.) फड़फड़ शब्द, बड़बड़ाहट, मद, नखरा, बनावट, अहंकार ।

ફફડાવવું (કિ.) ફટફટાવવું, ફટફટ શબ્દ થાય એ પ્રકાર હલાવવો. [અનાદર.
ફફળાટદાર (વિ.) ખુલ્લા, બેદરકાર,
ફફાંદ (સં.) મિથ્યા બડાઈ, શેખી, અસત્ય પ્રશંસા, વ્યર્થવાત, ડીંગ.
ફફાંદિયું (કિ. વિ.) તડાતડ, ધડાધડ. [ગલ્લાનો વ્યાપારી.
ફબિયો (સં.) અન્ન વેચનારો,
ફબેદાર (સં.) લકડી કી ફૉક યા ચીર. [ભાગ.
ફબેતાલ (સં.) કમરેકે ઉપર કા
ફબેતાલ-બંધ (સં.) વાંસ યા તક્તોંકી બની હુઈ દીવાર.
ફબુકી-બો (સં.) પાણી અથવા ઠંડીથી મુલાયમ થયેલી વસ્તુમાંથી નિકળતો નાનો અવયવ, અંકુર, ફુણગો. [ફળ.
ફબુસ-બસ (સં.) એક પ્રકારકા
ફબુસપોળી (સં.) ફબસ વૃક્ષકે ફલકે ગૂદેકો પૂરીમેં રખકર તલી હુઈ પૂરી, ફબસકી કચોરી.
ફબુસવૃક્ષ (સં.) વૃક્ષવિશેષ.
ફબુસી (સં.) એક પ્રકારકી ફલી ફબસવૃક્ષકા પેડ અથવા ઉસકી લકડી.
ફબુસો (સં.) પૂર્વવત્
ફબુ (સં.) સાંપકા ફન, સાંપકી ગર્દનકા વહ ભાગ જો ચૌડા હો જાતા હૈ.
ફબુધર (સં.) નાગ, સર્પ, સાંપ, ફણિ, કાલા, ભુજગ, અહિ.
ફબુની-બો (સં.) કંચી, નરકટ, તીર. [ભુજંગ, અહિ, વાસુકિ.
ફબુીધર (સં.) સર્પ, સાંપ, નાગ,
ફબુીન્દ્ર (સં.) સર્પરાજ, ફણિપતિ, વાસુકિ, અનન્ત, નાગ.
ફંટાવું (કિ.) રસ્તા બદલના, આડા નિકલના, અલગ હોના, વિમુક્ત હોના, ભટકના, આડા જાના, તિરછા હોના, બદલના (વિચાર) [પ્ત, ફેલ.
ફતવા (સં.) ડોંગ, ફિતૂર, પાખ-
ફતવાબોર (સં.) પાખણ્ડી, ઢોંગી, ફિતૂરી, બહાનાબોર, છલી, ધૂર્ત.
ફતે (સં.) ફતહ, જીત, જય.
ફતેમંદ (વિ.) વિજયી, જયી, જીતાહુવા. [સફલતા.
ફતેમંદી (સં.) જીત, જય,
ફતેમારી (સં.) એક પ્રકારકી છોટી નૌકા, એક પ્રકાર કાયાક.
ફતેહ (સં.) જય, જીત, ફતહ, યશ, ઇજ્જત, માન.

ફતેહમંદ (વિ.) જીતાહુવા, જેતા, જયવાળી, વિજયી।

ફતેહમંદી (સં.) જય, જીત, વિજય, યશ, સફલતા।

ફદફદાક (ક્રિ. વિ.) ચારોં પૈરોં દૌડતા હુવા, બહુત સપાટે મેં, ચૌકડી ભરતા હુવા।

ફદફદે (ક્રિ વિ) ઉફનને કે સમાન હાલત મેં, ફદફદી દશા મેં, ફકુન્દી।

ફદફદવું (ક્રિ) ઉફનના, ફુદ-ફુદાના ગુદગુદા હોના, ફફોલા હોના, પક કર રસ સે ભર જાના, પક કર ફૂટને યોગ્ય હોના।

ફદિયું (સં.) ચાર પાઈ કા તાંબે કા સિક્કા, (બંબઈ મેં) તીન પાઈ, એક પૈસા, ફાર્દિંગ, છોટી મોટી રોટી, એક પ્રકાર કી પપડી।

ફનસ (સં) દેખો ફણસ

ફના (વિ.) નષ્ટ, બરબાદ, પૈમાલ, સંહાર કિયા હુવા, ધુલાહુવા, નાશ।

ફનાફાતિયા થવું (ક્રિ) સમૂલ નાશ હોના, સંહાર હોના, નષ્ટ હોના।

ફંદ (વિ.) ધંધા બાજ, દુર્જન, અનીતિ, દુર્વ્યસન, તદબીર, બન્દિશ, કપટ, પ્રબન્ધ, શિકંજા, દોષ, નાલિશ।

ફંદી (વિ.) કપટી, ઢોંપટ, ધૂર્ત, ફિતૂરી, વિશ્વાસી, વિષયી, દુષ્ટાત્મા।

ફફડવું (ક્રિ) કાંપના, થર્રાના, ધ્રૂજના, દાંત કટકટના, ગુસ્સે હોના, ફડફડાના।

ફફડાટ (સં) ફડફડાહટ, સ્ફુરણ, અવ્યવસ્થા, ગડબડ, વ્યાકુલતા, ક્ષોભ।

ફફડાવવું (ક્રિ.) ફડફડાના, ભડકાના કુપિત કરના, ઉસકાના।

ફફોલો-ફોલો (સં.) ફોલા, આબલા, ફફોલા, ફુલ્કા, સ્ફોટ ફુલ્કા, ફાસકા, સ્ફોટક।

ફફોલો (સં.) પૂર્વવત્

ફમ્ફોસવું (ક્રિ.) ખોજના, ઔર તલાશ કરના, શોધ કરના, ઢુંઢના।

ફરક (સં.) અસમાનતા, અંતર, ફેર, ફાસલા, પૃથકતા, ફર્ક, ફાસલા, છેટા, દૂરી, મેદ।

ફરક પડવો (ક્રિ.) અંતર હોના, રૂપાન્તર, બદલ હોના, પલટના, પ્રતિકૂલ હોના, ફર્ક હોના।

ફરકડી (સં.) ફિરકની, ફિરકી, ચકરી, ઔર ન જા સકે કિન્તુ મનુષ્ય દ્વારકે ઐસી હાર પર લગાઈ હુઈ ચકરી, +, ઝંડી

टेढ़ी लकड़ियों को बनाकर तय्यार किया हुवा चक्र, पहिया।

हरकुं (क्रि.) कड़कना, कांपना, स्फुरण होना, फुरफुराना, इधर उधर हिलना हाथमें खिसक पड़ना, वापिस आना, मुंह दिखाना, पीछी नजर से देखना पीछा लौट कर देखना, नाचना, हवा से कांपना।

हरकारो (सं.) हवा में फर फर उड़ने की क्रिया ध्वजा, पताका।

हरंगी (सं.) फिरंगी, पोर्च्युगीज इंग्रेज, युरोपियन।

हरज (सं.) कर्तव्य, धर्म, ड्यूटी।

हरज पाडवी (क्रि.) विवश करना कृपा करना, प्रसन्न करना, मजबूर करना, कर्तव्यकार्य करना।

हरजन-ड (सं.) बालक, लड़का छोकरा, सन्तान, सन्तति।

हरडी (सं.) तालु के ऊपरकी चकरीया फिरकी।

हरडुं (वि.) गोल, आसपास, वृत्त, परावर्तन शील, घूमने वाला, घूमता।

हरड (सं.) जोड़े में से एक, एक खण्ड, एक भाग, कपड़े की फरद।

हरड (वि.) घूमनेवाला, भटकने वाला, फेरी वाला, लुच्चा।

हरहर (क्रि. वि.) पवन की धीमी गति में, फड़फड़ाहट के साथ, धीमें, फुंहारें। [स्थूल।

हरहो (वि.) मोटा, ताजा, पुष्ट,

हरभांन (सं.) बादशाह की दस्तखती मुहर युक्त हुकम, बादशाही सनद, हुकम, आज्ञा नृपाज्ञा।

हरभान भरदार (सं.) आज्ञा पालक, ताबेदार, सेवक, स्वामि भक्त।

हरभान भरदारी (सं.) आज्ञा पालन, स्वामिभक्ति, ताबेदारी सेवा।

हरभावबुं (क्रि.) आज्ञा देना, हुकम करना, इच्छा प्रदर्शित करना, आदेश करना।

हरभाव-स (सं.) इच्छा प्रदर्शन, फरमायश, सिफारिश, सौंपाहुवा काम, आज्ञा, हुकम, सौंप।

हरभासी-सु (वि.) इच्छा प्रदर्शित करने पर दिया हुवा, उम्दा, उत्तम सरस, उद्भुत, प्रथम भाव।

हरभो (सं.) ढंग, सांक, सूरत, सांचा, साँचा, नकशा, नमूना, फार्म।

हरवा भरबुं (क्रि.) टहलने के लिये बाहिर आना, वायु सेवन के लिये जाना।

ફરવું (ક્રि.) ઘૂમવું, ચક્કર ખાવું, ફિરવું એક ઓર સે દૂસરી ઓર ઘૂમના, ગતિ લૌટના, પીછે મુડ઼ના, સબ જગહ જાના, સ્થાન સ્થાન ફિરના, ગોલ આકાર મેં ફિરના, વૃત્તાકાર, ઘૂમના, સિર ઘૂમના, ચક્કર આના, બદલના, હવા ખાને જાના, વાયુ સેવન કરના, સામને હોના દિશા બદલના, ચક્કર ખાના ।

ફરવું ફરવું (ક્રિ.) ચલના, હિલના, ડુલના, ટહલના, ઘૂમના ।

ફરશી-સી (સં.) પર્શુ, ફરસા, પરશુ કુલ્હાડી, શસ્ત્ર વિશેષ, બઢઈ કા હથિયાર, કુલ્હાડા,

ફરસ (સ.) પત્થરકી શિલા ।

ફરસ-બંદી-ધી (સં.) જમીન પર પત્થર યા ઈંટકા ચુનાવ, પત્થર સે જડીહુઈ જમીન, ફર્શ,

ફરસાટ (સં.) ચના આદિ ધાન્ય કાનેકે સમાન સ્વાદ ।

ફરસીપુરી (સં) ચના ઔર ગેહૂકે આટે મેં જીરા ડાલ કર ઘી મેં તલી હુઈ રોટી, પૂરી વિશેષ, પકવાન વિશેષ ।

ફરસીમ (સં.) આજ્ઞા, ધારા, નિયમ, કાનૂન, આજ્ઞાપત્ર, પરવાના લિખિ, હુકમ ।

ફરસું (વિ.) કસૈલિ ઔર તૈ કરને વસ્તુ ખાને કા સા સ્વાદ વાલા ।

ફરસ્ત (સં.) અવકાશ, છુટ્ટી, ફુરસત, આરામ, ફુર્સત, વિશ્રામ આરામ, મુલ્હત, વિશ્રામ, શિથિલતા ।

ફરહંગ (સં.) શબ્દ તથા ઉસકે પાસ હી અર્થ લિખા હો ઐસા સંગ્રહ, કોષ, શબ્દ કોષ, ડિક્શનેરી લુગત ।

ફરાશી (સં.) ઉચ્ચ કિસ્મ કા લોહ, ફૌલાદ, સ્ટિલ, ઉત્તમ લૌહ ।

ફરાગત (વિ.) ફુર્સત મેં, અવકાશ પ્રાપ્ત, ટલુવા, નિવરા, બેકામ ।

ફરામોશ ફરવું (ક્રિ.) ભૂલજાના, ભૂલાના, બિસરના, ગફલત કરના।

ફરામોશ-શી (સ.) વિસ્મૃતિ, ભૂલ, ગફલત, ચિતસે પૃથક ।

ફરાવી (સં.) ગીદડ કે સમાન એક પ્રકાર કા જાનવર ।

ફરાસ (સ.) જિસકા કામ બિછૌને કરના, સામાન રખના દીવાબતી કરને કા હો ઐસા નૌકર, બૈરા, સેવક, ભૃત્ય, દાસ, ।

ફરાસખાનું (સં.) દીપક તેલ બિછૌને આદિ સામાન રખને કી જગહ યા ઘર ।

દરબાર (સં.) ફલાહાર, ફલકા ભોજન, અન્નમેં અન્નાતિરિક્ત ફલ ભોજન।

દરિયાદ-દી (સં.) દાવા, મુકદમા શિકાયત, નુકસાન, મરનેકે લિયે સજા કરાને કે લિયે ઉસકા બદલા ચુકાને કે લિયે અર્જી દેના। દુઃખોદ્ગાર, બડબડાહટ, રોના, રુદન।

દરિયાદી (સં.) દાવા કરને વાલા, અર્જી દેનેં વાલા, વાદી, અભિયોક્તા અર્જી, ફરિયાદ, દાવા મુદ્દઈ।

દરિયાદ-દી કરવી (ક્રિ) નાલિસ કરના, શિકાયત કરના, મુકદમા ચલાના।

દરી જવું (ક્રિ.) ચારોં ઓર ઘૂમ જાના, વચન ભંગ કરના, દૌડ જાના, ફિર જાના, ઊપર હોકર નિકલ જાના।

દરીથી-દરી-દરીને (ક્રિ. વિ.) ફિર-સે, દુબારા, પુનમ્પુનઃ બાર બાર, એક બાર પુનઃ પીછે, બહુરિ।

દરી વળવું (ક્રિ.) લૌટજાના, ફિર-જાના, સીધી ચલા જાના।

દરેરા ફુલ પડવું (ક્રિ) ભાપ પડના, ફોલ્લા-ફૂલ નિકલના।

દરેલાળ (સં.) લકડી કે તક્તોં દ્વારા બની હુઈ દીવાર।

દરેડી (સં.) પરેડ, ફૌજી તમાશા, કવાયિયોં તથા ચીજોં દ્વારા ખિડકી ઔર દ્વાર બને હુએ; ફૌજકી કવાયદ હોતે સમય બન્દૂક કે શબ્દ।

દરે ગુલાબ થવું (ક્રિ.) નાશ હો જાના, નષ્ટ હો જાના, દુર્દશા મેં આ ગિરના।

દરેખીથી (ક્રિ. વિ.) ચાલાકી દ્વારા, પ્રપંચસે, ઠગાઈસે, ધોકેસે।

દરેલ (વિ.) અનુભવી, તજુર્બેકાર, ઘૂમા હુવા, મિજાજી, હઠીલા જિદ્દી।

દરેસ્તો (સં.) દેવદૂત, દેવતાઓં કે સમ્વાદ લાને વાલા, પાર્ષદ, સુંદર, મનોહર પુરુષ, કપટ રહિત મનુષ્ય।

દરો (સં.) અન્ન કા એક માપ વિશેષ, (બંબઈ મેં) ૧૬ પાલી= $\frac{1}{2}$ ખંડી।

દલ (સં.) દેવો ફળ।

દલ કુડી (સં.) પૈસા, તીન પાઈ (સંકેત)

દલંભ (સં.) કૂદ, ઉછાલ, ઠેકા, ફલાંગ, કૂદકે ઉલ્લંઘનાર્થ ઉછાલ, ફાંદ।

ફલાણું (વર્ગ.) નામ ગુણ વર્ણન કરીને જેને પરિચિત કરાવાનો હો, અમુક, ફલાં, ઐસા એક।

ફલાનલીન (સં.) ફ્લૅનલ, ફલાલૈન એક પ્રકાર કા ઊની વસ્ત્ર।

ફલાહાર (સં.) ફલોંકા ભોજન વ્રત મેં અન્ન કે અતિરિક્ત ફલોં કા આહાર।

ફલુ (વિ.) ખુલા, પ્રકટ, ચૌડા વિસ્તૃત, ફૈલા હુઆ, વૃદ્ધિંગત।

ફલ્લ (સ) હાર, પરાજય, પરાસ્ત અયશ, પરાભવ, તિરસ્કાર।

ફલ્સ (સં) ફસ્દ, રક્ત મોક્ષણ ભાવ, ખૂનકે નિકાલનેકી ક્રિયા, ફસ્ત।

ફલ્સ ખોલવી (ક્રિ.) ખૂન નિકાલના સીંગી લગાના રોગ નિવારણાર્થ રક્ત મોચન, નસકે દ્વારા ખૂન નિકાલના।

ફલ્સકવું-ફીજવું (ક્રિ.) ખસકના સટકના, ફિસકના, પાર ન પડના,

ફલ્સલક્ષ્મ (સં.) ખેતીકી ફસલ।

ફલ્સીસાલ (સં,)ખેતીકા વર્ષ।

ફલ્સવવું-સાવવું (ક્રિ.) બુરા સમઝા કર ફન્દેમેં ફાંસના, ફંસાના, ધોકે મેં લેના, બન્ધન મેં લેના।

ફલ્સવું-સાવું (ક્રિ.) ફંસના, ઝગડા બન્ધમેં આના, ઝાંસેમેં આના।

ફળ (સં.) સસ્ય, લાભ, ફલક, ચર્મ, ઢાલ, અષ્ટ સિદ્ધિ, અભિપ્રાય કર્મ જન્ય, શુભાશુભ ફલ, અનિષ્ટ ઇષ્ટ પરિણામ, અંત, નતીજા સિદ્ધિ લાભ, પ્રાપ્તિ, પેદાયશ, ઉત્પાત્ત, ઉદ્દેશ, પ્રયોજન, કારણ, સંતાન, સબબ, સુપારી।

ફળ આપવું (ક્રિ.) લાભ દાયક ફલીભૂત હોના, પાર પડના, લાભ હોના, ફલ પ્રાપ્ત હોના।

ફળઆડ-વૃક્ષ-(સં) ફલવાલા પેડ, મેવેકા પેડ, ફલ વૃક્ષ।

ફળદ્રુપ (વિ.) વહ વૃક્ષ જિસમેં ફલ લગેં, રસાલ, ફલ દેને વાલા।

ફળફલાદિ (સં.) ફલ ઇત્યાદિ, કન્દમૂલ ફલફૂલ, અન્નાતિરિક્ત।

ફળફળાવળ (સં.) પૂર્વવત્ ।

ફળવત-વાન (વિ.) સફલ ફલ દા ા, રસા૩, લાભ યુક્ત।

ફળવું (ક્રિ) ફલના, ઉત્પત્તિ હોના, ગર્ભ રહના, લાભ દાયક હોના શુભપ્રદ હોના, ફૂલના ફલના।

ફળશ્રુતિ (સં)ન ા, ફાયદા, લાભ।

ફળાઉ (વિ.) જિસમેં ફલ આતે હોં, ફલને ફૂલને યોગ્ય।

ફળાહારી (સં.) ફલાહારી, કેવલ ફલ ખાને વાલા, જિસકા ફલ આધાર હો।

ફળ વેચનાર (સં.) ફલ બેચને વાલા, માલી, ફલ વિક્રેતા, કુંજડા।

ફલાર-ઙાર (સં.) ફલસેવન, ફલ ભોજન, ફરાલ।

ફળી (સં.) ગલી, બાજાર, રાહ, ગલિયારા, સડક।

ફળીઁ (સં.) મુહલ્લા, પુરા, મોહાલ, ગલી, બાજાર, બાડા, પૌલ આંગન।

ફળીભૂત (વિ.) ફલદાયક, જિસ સે ફલ મિલા હો, લાભદાયક।

ફળું (સં.) દેખો ૪૧૪ઁ

ફાઽ (સં.) ટુકડા, અંશ, વિભાગ, હિસ્સા, ભાગ, ચીર, કતરણ, ફાંટ, ફાડ।

ફાંઽઽપ (સં.) છલાપન, આડમ્બર, નખરા અલબેલાપન।

ફાઽઽ (વિ.) છલ, રસિક, રંગીલા, કુચામિજાજી, સાહસી, ફક્કડ, સુન્દર, આડમ્બરી અલબેલા, (સં.) લિખી હુઈ સતર, લિખિતપંક્તિ, વાક્ય।

ફાંઽઽવું (ક્રિ.) ફેંકા મારના, ફાંકના, ખાના, ચબાના।

ફાંઽઽ (સં.) જાદૂ, ઇન્દ્રજાલ, દૃષ્ટિબંધન, ચમત્કાર।

ફાંઽ (સં.) અભિમાન, ગુમાન, ગર્વ, ઘમણ્ડ, દર્પ, શેખી।

ફાંકો (વિ.) એક આંખ સે તિરછા દેખનેવાલા, ભેંગી આંખોંવાલા, તિરપટ દૃષ્ટિવાલા, ઐંચકતાની દૃષ્ટિકા।

ફાંગણું (સં.) ફન્દા, ફાંસા, પેચ, કઠિનાઈ, જાલ, દાવ।

ફાંગણમાં નાંખવું (વિ.) ફન્દેમેં ફંસાના, જાલમેં ડાલના, ઘેર લેના।

ફાંટ (સં.) અંગરખા વગૈરહકા પલ્લા, ઉકાલા હુવા પદાર્થ, ક્વાથ, કષાય, ચોલી, ચબોઈ, મનુષ્ય ખેતમેં બોનતે સમય કપડેકી બના લેતે હૈં વહ ચોલી, થૈલી।

ફાંટ ભરવી (ક્રિ.) ડોરે ડાલના, બખિયા કરના, ડોરે ભરના।

ફાંટો (સં.) નદીકા આડા ગયા હુવા ભાગ, ગુસ્સા, શાખા, બાજૂ, કલ્પના, ઢાલી, તુરંગ, બેલી, ક્રોધ।

ફાંદ (સં.) મોટા પેટ, સ્થૂલોદર।

ફાંદો (સં.) કપટ, જાલ, ઠગાઈ, ફંદ, ફાંસા, પાશ, બન્ધન।

ફાંફરવું (ક્રિ.) ખેંચ કર ફાડના, ખરોંચ કર ફાડ ડાલના।

ઝાંઝ (वि.) इधर उधर व्यर्थ में घूमने वाला, झकमारी, झंटालपन।

ઝાંઝ મારવું (क्रि.) व्यर्थ परिश्रम करना, फुजूल मेहनत करना।

ઝાંઝ (सं.) बट, बाजीगरी, भान मती, इन्द्रजाल, जादूगरी।

ઝાંસ (सं.) लकड़ी की पतली किरच या टुकड़ा जो चमड़े में घुस जाती है, सूक्ष्म कांटा, सींक फांस, चुनाई का निकाल डालने वाला भाग, घबराहट, नुकसान करने के लिये बीच में पड़ना, हरकत करना, फन्दा, फांसा, गांठ पाश, फांक, चीरा।

ઝાંસ કાઢવી (क्रि.) कठिनाई दूर करना, कष्ट से मुक्त करना।

ઝાંસ મારવી (क्रि.) बाधा डालना, जिस से उद्धार न हो सके ऐसी कोई आड़ बीचमें कर देना, रेड़ मारना।

ઝાંસ મારતાં પેસે સાલ્ય भला करते बुरा हो, धरम करते करम फूटे, लेने गई पूत और खो आई खसम, चौबे गये छब्बे होने दो गये दुब्बे।

ઝાંસવું (क्रि.) रस्सी इत्यादि फेंक कर पकड़ना, उठाकर, पड़ा लोहा इत्यादि खींच या गला बांध कर पानी भरने के लिये कूआ आदि किसी जलाशय में डालना, छूटे हुए किसी एकाध हिस्से को जोड़ डालना, बीच के अवयव पटवाना, तोड़ना (वृक्ष की शाखा पत्ते आदि) पड़त जमीन को खेती करने के लिये खोदना, ऊपर भूमि खोदना, फांसना, फन्दे में लेना, जाल में लेना, लिपटाना।

ઝાંસિયું (वि.) फन्दे में आने योग्य, ठगाई, दगाबाजी चुकाई।

ઝાંસી (सं.) फांसा, कठिन डोरी से गला घोटने की क्रिया, खून करने वाले अपराधी को प्राण दंड के लिये गले में डाला हुआ रस्सी का फन्दा, खूनी को रस्सी से गला घोट कर मारने का प्राण दंड, पाश, गले में डालने की रस्सी, प्राण बंधन द्वारा व्याकुल हो ऐसी युक्ति। [देने वाला।

ઝાંસીઓ (सं.) दबाने वाला, फांसी

ઝાંસી દેનાર (सं.) जल्लाद, फांसीदार, फांसीपर चढ़ाने वाला पथिक।

ઝાંઝ (वि.) देखो ઝાંઝિયું (वि.वि.) छूछा, पोला, निस्सार, रे देखो

[illegible] (सं.) फन्दा, फांसा, पाश, बंधन, पाश, फांदा, फन्दी वाला।

[illegible]ण्डु (सं.) ओखली, उलूखल।

[illegible]डेा (सं.) देखो ६७६।

[illegible] (सं.) धूल, चूर्ण, भूसा, फंकी।

[illegible]ओ (सं.) फांकने वास्ते हथेली में या मुट्ठी में लिया हुवा अंश मात्र, फांकने के लियेली हुई वस्तु।

[illegible]ना (क्रि.) फक्का मारना, खाना, भक्षण करना, चूर्ण अथवा, भुना हुवा धान्य फांकना, गफ्फा मारना।

-भूख [illegible]ती (क्रि.) पश्चाताप तथा अत्यंत दीनता प्रदर्शन के समय यह वाक्य प्रयोग होता है, भूख से मरना।

[illegible]की (सं.) फंकी, फांकने योग्य चूर्ण, औषधि आदिका फांका, गफ्फा

[illegible]डेा (सं.) फंका, फांकने योग्य वस्तु का परिणाम, मठ, निराहार हलका घूंसा, हलचल, दावा, छल।

[illegible]ग (सं.) वसंत ऋतु, राग विशेष, होली का गान, होलीका खेल, होली में रंग आदि डालना। होरी, होली में गाने योग्य।

[illegible]ग्घिया (सं.) एक प्रकार का स्त्रियों का पहिरने का वस्त्र।

[illegible]र (सं.) खप्पर, लकड़ी की लंबी वह फांक जो किसी लंबी चीज में ठोक कर तंग कर दी जाती है, फाड़, चीर, बीच में भिन्न उपस्थिति, एक प्रकार का बढ़ई का औजार।

[illegible]रना (क्रि.) अकस्मात् हानि पहुंचाने के इरादे से बीच में पड़ना, बीच में भिन्न उत्पन्न कर देना, पहिये में आरा या तान बिठाना।

[illegible]रा (वि.) छीदा, चपटा, जिस के बीच में बहुत अन्तर हो, टेढ़ा मुड़ा।

[illegible]रेा (सं.) लकड़ी का फाड़ा हुवा टुकड़ा, खपच्ची, चीप फरचर।

[illegible]ल (वि.) बचाहुवा बुद्धिगत, शेष, बाकी रहा हुवा, फालतू, निकम्मा काममें न आने योग्य, निरुपयोगी, बचा, अनुपयोगी बे कामका।

[illegible]ल (वि.) विद्वान्, पंडित, पठित, पढाहुवा, गुणी, चतुर, सुज्ञ, कोविद, धीमान, बुद्धिमान पटु, आलिम।

[illegible] (सं.) तडफन फटनेसे बोलद हो आवे, फाड, फांक, चीर, विचार

વે ભૂચક, દૂર, ફૂટ, દરાર, ભેદ, અલગપણ, અલોપ, અલૌકય, ફૂટ, વિરોધ, ભેદ, ફાટક, દ્વાર, દરવાજા, દરજ ।

૪૮૪૬ (સં) વિરોધ, સ્નેહભંગ, અલૈક્ય, ફૂટ, વિરોધ ભેદ, ।

૪૮૪૭ (સ.) દ્વાર, દરવાજા, બાહિર કા દરવાજા, સદર દ્વાર ।

૪૮૪૮ું (ક્રિ) ફટના. ટૂટના, દરાર હોના, દરજ હોના, ચીર હોના, ફાક હોના, ટૂક હોના, ખણ્ડ હોના, મર્યાદા કે બાહિર જાના, અવિવેકી હોના, ગાલી દેના જોશમેં આના, નુકસાન ઔર મૃત્યુ સે નિડર હોકર કામ કરના, ભય ચિંતાસે વ્યાકુલ હોના, આંખ ૪૮૪૯ી (ક્રિ.) ગુસ્સા ચઢ આના, મૃત્યુ હોના ।

૪૮૫૦ાભાં ૫૫ ચાલવેા (ક્રિ.) નિર્બલ કા સામના કરના, દુસમેં દુસ દેના. આ બૈલ મુસે માર કરના, ખુદ ફંસના ।

૪૮૫૧ાભાં વાત છે વાત જરા વડી હે, મદ ચઢા હે । [જાના ।

૪૮૫૨ી ૫૪ું (ક્રિ.) અચાનક મર

૪૮૫૩ી ૪ું (ક્રિ.) અચાનક મર જાના, મર્યાદા કે બાહિર જાના અવિવેકી હોના, ।

૪૮૫૪૫ (સં.) દેખો ૪૮૫૮

૪૮૫૫ (વિ.) ફટા હુવા, ચિરિત, ચિરા હુવા, દરજ, દરાર, ખણ્ડ, નિર્લજ્જ, અકથનીય, ફૂહર ।

૪૮૫૬ (વિ.) બેમર્યાદ, અવિવેકી દુષ્ટે, બાહિર બોલને વાલા, દિવાના, ઉન્મત્ત, પાગલ જૈસા ।

૪૮૫૭ું (વિ) દેખો ૪૮૪ું

૪૮૫૮ (સં.) ચીર, ફાંક, દરાર, દરજ ટુકડા, ખણ્ડ, આધા રુપૈા (સંકેતાર્થ) ભેદ ભરની ને ૪૮૫૮ એક બારકે દો લડકે ।

૪૮૫૯ુ (ક્રિ.) ફાડના, ચીરના, બિના હથિયાર ભાગ કરના, ટુકડે કરના, ભેદ ૪૮૬૦ા (ક્રિ.) બારબાર જાના, ઉમાહી કરના ।

૪૮૬૧ુ (સં.) આધા, આધા રુપૈા કિસી પદાર્થ કે કિયે હુએ દો ભાગોમેં સે એક ભાગ ।

૪૮૬૨ી ખાવું (ક્રિ.) ચીર ફાડકર ખા જાના, (પશુદ્વારા)

૪૮૬૩ા (સ.) હિજડા, નપુંસક, નામદ, ખડ, કલીબ, અનડા ।

૪૮૬૪તિથા (સં.) નાશ, વિનાશ, બર્બાદ નષ્ટ, ફના, વેમાલક ।

[illegible] (सं.) श्राद्ध के पहिले प्रकरण का पहिला भाग जो मृतक की आत्मा की शांति के निमित्त पढ़ा जाता है।

[illegible] [illegible] (क्रि.) मृतक की आत्मा की शांतिके लिये ईश्वरो पासना करना, अंत्येष्टी ईश्वर प्रार्थना।

[illegible] (सं) कन्दील, लालटेन दीप मंदिर, दीपक रखने की चीज।

[illegible] (वि.) नाशमान, अणभंगुर, नष्ट होने वाला, मिथ्या। [पापड़।

[illegible] (सं.) एक प्रकार की फली,

[illegible] (सं.) याद स्मरण, स्मृति।

[illegible] [illegible] (वि.) उपयोगी काम में आने योग्य, लाभदायक, हितकर, लाभप्रद, किफायती, लाभकारी।

[illegible] (वि.) पूर्ववत्

[illegible] (सं.) लाभ, नफा, कमाई, लाभ, हित, किफायत, प्राप्ति, पैदा।

[illegible] (सं.) रुई का फोवा, खुशबूदार वस्तु तेल मेंट इत्र आदि में डूबा हुवा रुई का टुकड़ा, रुई का पहला।

[illegible] (क्रि. वि.) बहुतही, विशेष, अधिक, अत्यधिक, पात्र में न [illegible] रखे हटना।

[illegible] (वि.) फुर्सत प्राप्त, निवृत्त, साफ, शुद्ध, अलग, अवकाश विछन्न।

[illegible] (वि.) अवकाश प्राप्त, छुट्टी पाया हुवा, ठहरा, अलग, निवृत्त, अवकाश।

[illegible] (सं.) छुट्टी, मोचन, छुटकारा, अवकाश, फुर्सत, ठहराई (वि.) फारिग, अलग, निवृत्त, अवकाश प्राप्त।

[illegible] (सं.) छुटकारा पाने का प्रमाण पत्र, बन्धन मुक्ति का लेख, खुलासा।

[illegible] [illegible] (क्रि.) छुट्टी देना, खुलासा करना, बन्धन रहित करना, सम्बन्ध तोड़ना, छुट्टी का लिखित पत्र देना, तलाक देना।

[illegible] (स.) अधिकता, बहुतायत, पोटा, खेती, शकुन, सुगम, पूर्वलक्षण, शुभाशुभ चिन्ह, भविष्य सूचना।

[illegible] (वि.) अधिक, ज्यादः, आवश्यकता से अधिक, निरुपयोगी, अनावश्यक, फुजूल, व्यर्थ।

[illegible] (क्रि.) मोटा होना, बड़ में बढ़ना, फैलना, फूलना, मुड होना।

अनाज (सं.) एक प्रकार का फल।
अनारी (सं.) एक प्रकार का फल जो माघे पर पहिना जाता है।
अनाज (सं.) एक प्रकार की अपसी, एक प्रकार का खाद्य पदार्थ।
अनाड़ी (सं.) जंगली पशु विशेष, स्यार, गीदड़, लम्बुक, लोमड़ी।
अनाड़ी (वि) अनुकूल, योग्य, उचित, सुवासित, फबता हुआ।
अनाड़ना (क्रि.) अनुकूल होना उचित होना, योग्य होना, मुआफिक होना, किसी कार्य में आगे बढ़ना, परिश्रम में सफल होना, चलना, कृतकार्य होना।
अनाड़ी (सं.) पोचा, दुर्बल, पोला, निकम्मा, निरर्थक, अनुपयोगी, फुहल, कचरा कूड़ा, अगड़ बगड़, घासफूस, बकवास तुच्छ वस्तु।
अनाड़ीपन (वि.) निकम्मा, पोचा, पोला, नीरस, रसहीन, कूड़ा-करकट।
अनाड़ (सं.) सरपट दौड़, सरपटी, उलांग, कूद, फांद, उछाल, दौड़, शीघ्र गति।
अनाड़ना (क्रि) कूदना, फांदना, उलांग मारना, घोड़ी आदि से व्याकुल होना।
अनाड़ना (क्रि.) अनेकों विघ्न करना, हथाई किसी कलाम, उलांग मारना, उछलना, कूदना, फांदना।
अनाड़ना (क्रि.) अकस्मात् चौंकना, डर लगना, चौकन्ना होना।
अनाड़ी (सं.) सूत की आंटी, वेष्टित सूत्र, लपेटा हुआ सूत का गोला रील।
अनाड़ी (सं) अटेरन पर लपेटा हुआ सूत, बांस के बने ढांचे पर लपेटा हुआ सूत्र।
अनाड़ना (क्रि.) हिस्सा करना, बटवारा करना, भाग करना, पृथक् करना।
अनाड़ा (सं.) फाल, लोहेका औजार विशेष, कृषि सम्बन्धी औजार।
अनाड़ी (सं.) एक प्रकार का मेवा जो ग्रीष्म ऋतु में उत्पन्न होता है, फल विशेष।
अनाड़ी (सं) कैंचा, आरा, छोटी पनडी, पाप, उपद्रव, पतिया, सिरदर्द्द, झंझट, कलह, बखेड़ा।

हिजड़ा (हिं.) एक प्रकार का हिजड़ों का वस्त्र, साड़ी, चूड़ी, फरिया।

हिजु (सं) देखो ४।४५

हिस्सा (सं.) हिस्सा, भाग, पांती, विभाग, हेजर, बांटा।

हिस्सा लगाना (क्रि) हिस्सा करना अमुक मनुष्य को अमुक वस्तु देना इत्यादि हिस्सा करना।

हिड़ (सं.) चिंता, सोच, फिक्र, उद्वेगता, व्यग्रता, चित्त की बेचैनी, खटका।

हिड़ास सं.) फीकापन, हल्कापन, विवर्णता, उदासीनता, निस्तेजता, कान्तिहीनता, चैतन्यताराहित।

हिड़ु (सं.) निस्तेज निःसार, विवर्ण, उदास, निरस, निःसत्व, रसहीन, पीलापन, क्षीणता, मन्द।

हिड़ार (सं.) धिक्कार तिरस्कार, दुत्कार अनादर, अवज्ञा, धुतकार, अवगणना, उपेक्षा, शाप, बद दुवा, साप, अनिष्ट चिंतन, दुर्वाक्य कथन।

हिड़ारणु (क्रि.) धिक्कारना, तिरस्कार करना धुत्कारना, तुच्छ गिनना।

हिड़ु भाख (सं.) प्रलय काल, मृत्यु समय, नाशकाल, अंतसमय, कयामत।

हिड़हिड़ (आव-) छिः छिः, थू थू, छी, छी, घृणा सूचक शब्द, लज्जा सूचक शब्द।

हिड़णु (क्रि.) दे देना, (मल) उलचाना, उस्काना, उखाड़ना, साफ करना, घूंस देना, रिश्वत देना, दुटकारा पाना।

हिड़ु (क्रि.) छूटना, सफाई होना, नहीं के समान होना, लय होना, मिटना, पड़ना, सरकना, मुक्त होना, शत्रु होना, सामने होना, मरना, हटना।

हिड़ु (वि.) नाशवंत, मृत्युकोख, मरनेका (समय)

हिड़ुड़ी (सं.) नाशवंत शरीर, मिथ्या शरीर, मरने वाली देह। अनित्य शरीर। [का समूह।

हिणु (सं.) फेन, झाग, बुदबुदों

हिणणु (क्रि.) मथना मंथन करना, मथन करना, किसी ढीले पदार्थ को फफेड़ना, फायदा निकालना, लाभ पाना। [झाग।

हिणणु (वि.) फेनयुक्त, झाग-

हितेा (सं.) रौला, गड़बड़ा, संकट, हल्लाबोल, हड़बड़ी, बनावट दुबद।

हिंदुर (सं.) हुल्लड़, दीवान, दंगा, बलवा, राजद्रोह झगड़ा, टंटा, बखेड़ा उपद्रव, कपट, दगाबाजी ।

हिंदुरभेरी-२ (वि.) विश्वासघाती, बेईमान, अधर्मी राजद्रोही उपद्रवी ।

हिंदुरी (वि.) बलवा करने वाला, दगाई, तूफानी, दगाबाज, कपटी, हुल्लड़ी ।

हिंदी (सं.) चाकर, भक्त, सेवक दास नौकर, गुलाम, किंकर।

हिंदा (वि.) आसक्ति में उन्मत्त, प्राण देने के लिये तय्यार, अत्यंत प्रसन्न, खुश ।

हिंदे। (स.) तापतिल्ली, प्लीहा, यकृत और प्लीह ये दोनों शरीरके अंग हैं, दाहिनी ओर यकृत, और बाईं ओर हृदय के नीचे प्लीह रहता है ये दोनों रक्त से उत्पन्न होते हैं ज्वरसे जो निर्बल मनुष्य निर्बल हो गया हो उसे यह रोग हो जाता है ।

हिंदी (सं.) चकरी, सिरनेकी चीज खींचने के लिये जिस पर धागा लिपटा हुआ होता है यह चाखकी भरी, रील ।

हिंदी। (सं.) ६८ राज्य अर्थात् एक धर्म के लोग, कौम, सिक्खों पंथ, जाति, लोग, मत ।

हिंदी (सं.) एक जाति विशेष, पोच्चूं गोंच, कोई भी दोषी जाति गोरा, पोच्चूं लोगों का राज्य नहीं होने के बाद वहाँ रहेंगे अथवा पतित हिन्दू मुसलमान, क्रोस, मोरोपियन गोरा ।

हिंदु (क्रि.) देखो हिंदुं

हिंदुस्थी (सं.) रूई इत्यादि धुनाने का हथियार या औजार ।

हिंदुं (क्रि) फेरना, उलट-पुलट करना, हेर फेर करना, ।

हिंदूतो (सं) दूत, देवदूत, पार्षद, फरिश्ता, देवसंवाद वाहक ।

हिंदुस्थान (सं.) देखो हिंदुस्थान

हिंदुवान (वि.) दीमागी, मिजाजी, गर्वित, हठीला, जिद्दी, घमण्डकरा

हिंदुह (सं.) तत्वज्ञानी, ब्रह्म अथवा धर्म जानने वाला, पंडित, तत्वशोधक, रसायनी, किमय, अलख

हिंदुही (सं.) तत्वज्ञान, विज्ञान तत्वज्ञान, चतुरता, किमयागरी ।

हिंदुस्थान (सं.) दंभ, हुल्लड़, तोफान, झगड़ा, टंटा, आडंबर ।

हिसाबेार (वि.) रंगई उपरनी, झपणी, दूकानी झपकाद।

हिसियारी (सं) आत्मश्लाघा, आत्म स्तुति, अहम्मति, मगरूरी, स्वाभिमान, स्वयंस्तुति, बड़ाई।

हिसियारी भेार (वि.) आत्म-श्लाघी, घमण्डी, गर्वित, अहंकारी अभिमानी, अपनी आप तारीफ करने वाला।

हिसेाटेा (सं.) परिश्रम द्वारा अथवा रोगसे प्राणी मात्र के मुख से जो एक प्रकारका रससा निकलता है, मुखसे निकले झाग, लार।

हिसेाटेा ६ाडीश (=) इतनी मार मारूंगा कि तेरे मुखसे झाग निकलेंगे, दूबे दम हो जावेगा।

हीः (सं.) मुखस्वाद, तबियत खराब हो जानेसे मुंहमें फीकापन, बे स्वाद।

हीकुं (वि.) फीका, मन्दा, अच्छा (रंगमें) बे स्वाद, रोग, कच्चा अथवा मनसे उतरा हुआ मुर्दा, निस्तेज, उतरा हुवा।

हीण (सं.) फेन, झाग, किसी अनाजी वस्तुपर मथन पूर्वक तैरता हुआ फोक पदार्थ।

हीणवुं झावबुं (क्रि.) वमनवत्, मुखमें झाग आना, फेन आना।

हीणवुं (क्रि.) देखो हिणवुं।

हीत (सं,) पंक्ति, पतला सितार किनारी, गोटा, बेल, डोरी बेल, नाड़ा, नापने को फीता, साड़ीपर लगाने की किनारी।

हीरस्तेा (सं,) देखो हिरस्तेा।

हीसी (सं.) आत्मश्लाघा, आत्म प्रशंसा, स्वयंस्तुति अहम्मन्यता, गर्व। [फीका।

हीसुं (वि.) तुरन्त टूटजाने वाला

हुं (कि. वि.) फुंकार, मुखसे एक दम छोड़ा हुवा स्वासका शब्द छि, हुश, हिस्, छिट, थत्,।

हुंः (सं) फूंक, होठोंको संकोचन करके थोड़ा पोला रखके पेटमेंसे निकाली हुई थोड़ीसी हवा, स्वास, सांस, दम, प्राण, फुंकार, फूत्कार, समझायश, शिक्षामन।

हुंके निः निकळे ७पी (क्रि.) अचानक मार जाना, मृत्युहोना, दम निकलना,।

हुंके भरवी (क्रि.) (काममें) गुप्त परामर्श करना, समझा देना शिक्षा देना, समझाकर इच्छानुसार कर लेना, मुकर्रर देना,

ઉશ્કેરવા દેવા, ઉત્તેજના, ઝાલ દેવા, ઉપદેશ દેવા, શિક્ષા દેવા, ।

ફૂંકે ફંકવું (ક્રિ) મરી જવા, ઉડવા, ફૂંકથી બીક ઉડવા, ફૂંકથી ફડવા ।

ફૂંકણી (સં.) ફૂંકવી, ફૂંકનલિકા જિસ કે દ્વારા ફૂક દી જાવે, ભોંગલી, ફુંકની, । [ભડકાના ।

ફૂંક મારવી (ક્રિ.) ફૂંક મારવા,

ફૂંકવું (ક્રિ.) ફૂકના, ગુલગાના ભડકાના, ચેતાના, બુઝાના, શાન્ત કરના, મુંહસે બજાના, ઝપાટા ખાના, ઝપાટેસે બેહાલ હોના, ઉસ્કાના રોષ દેના, સમઝાના, ઉપદેશ કરના, ગુપ્ત બાત પ્રકટ કરના ।

ફૂંકી ખાધ્યો ભેજલા કાણા નથી કુછ ભી અક્ક નહીં, જરા ભી બુદ્ધિ નહીં, ફૂટી અક્કા ।

ફૂંકી મારવું-ભેસવું (ક્રિ.) ઉડા દેના, (ધન) પ્રયોગ કર ડાલના ધન માલકા ઉપયોગ કર ડાલના।

ફૂંકી બાળવું-મૂકવું (ક્રિ.) દાહક્રિયા કરના, મૃતક કા અગ્નિ-સંસ્કાર કરના, યજ્ઞ કરડાકના ફૂંક દેના ।

ફૂંકીને ખાવો ભેજલી ભેજામારા ભી અક્ક નહીં, બિલકુલ બુદ્ધિ નહીં।

ફૂંકણ-ણી (સં.) ફુલગર, ગવાક્ષ કે એક દલ લાકડે કા કાષ્ઠ, કુછ ઔર આકૃતિવાલા, કાષ્ઠ, ફુલગર ।

ફૂંકીખાવું (ક્રિ.) ઉડાદેના, ઉડાના ખાના, ખર્ચ ખાના કરના, લુટાના, નષ્ટ કરના, બેચાના, ઉખાડના, બરબાદ કરના ।

ફૂંકાટો-ફાકો (સં.) ફુંકાર, ફનકાર, ફૂં, મુખ મેં પાની ભર કર ફુર શબ્દ, ડર, ભય, ક્રોધ કા બોધ ।

ફૂંસી (સ.) બદકલન, પક્ષોપેક્ષ, શક, સન્દેહ, દુવિધા, અરડ, અસ્થિર, બાપાવગર ।

ફૂક્કસ (વિ મેલા, ગન્દા, વિકૃત, અપવિત્ર, અપવીત્ર ।

ફૂક્કારો (સં.) ફનકારા, ફુંકાર, ફરના, ઐસી બુદ્ધિ જિસસે પાની ઉપર ચઢકર નીચે ગિરે, પાની કા ઉપર ઉઠકર પતન ।

ફૂક (સં.) દેખો ફેક

ફૂક્કેસ (સં.) ગન્દા, મૈલા, ઘિનૌને ભાંતિ મેં ફોલા ।

ફૂક્કેસ (સં.) નાક કી ભીતર કા પતિ, ફુલા, ફુલ્લર, ફુલે કા ફલ-

ઝાડો (સં) મેદ કે સમાન ફૂલી હુઈ વસ્તુ, ફુટબાલ કે ભીતર કા રબર, પપોટા, પેશાબ કી થૈલી, મૂત્રાશય, બુર્દા ।

ઝાડવું (ક્રિ.) ફૂલના, હવા ભરના, વિકસિત હોના, ફૈલના ।

ઝાવું (ક્રિ.) સૂજના, ફૂલના, બઢના

ઝાવવું (ક્રિ.) ફુલાના, સુજાના, ગર્ભ સ્થાપન કરના, ગાભિન કરના । [હુવા ।

ઝાવાણું (વિ.) ચિકના, ઉઠા

ઝાઉ (વિ.) શીતોષ્ણ, કમ ગરમ ।

ઝાડો (ક્રિ.) ફોલા, ઉઠાહુવા, ગુમડા ।

ઝાવવું (ક્રિ.) ફુલાના, ઉસ્કાના, ઉત્તેજના દેના, બઢાના ।

ઝાવું (ક્રિ.) બહુત દેર તક ભીની હવા મેં તથા ભાપ મેં રહને સે પોચી વસ્તુ પર ઉત્પન્ન હો-જાને વાલે ફુંઈ કે સમાન મૈલ, ફફૂંદના, ચઢા જાના ।

ઝૂ (સં.) ૧૨ ઇંચ કા માપ, માપ વિશેષ ।

ઝૂકણ (વિ.) નિકમ્મા, ટૂટા, ફૂટા, ફુટકર, મિશ્રિત, કઈએક, પૃથક પૃથક, કુછ, દોચાર, કિસ-કોઈ ।

ઝૂકવું (વિ) દેખો ઝૂકું ।

ઝૂકી (વિ.) મોટી, મોટી, (દાલ)

ઝૂકી દાળ (સં.) મોટી દાલ, મોટી દાલ ।

ઝૂકું (વિ.) સુન્દર, સોભાયુત, ખૂબ સૂરત, દર્શનીય, મનોહર, ચિત્તાકર્ષક ।

ઝૂટવું (ક્રિ.) ફૂટના, ટૂટના, ઉગના, અંકુર આના, ખિલના, વિકસના, અંદરકી વસ્તુ બાહિર નિકલને કે લિયે ફટના, ભાગ જાના, જોરસે નિકલના, ફૈલના, આરપાર જાના, નિકલ પડના, દૂસરી તરફ દિખના, (અક્ષર કાગજપર) પ્રગટ કરને મેં આના, પક્ષમેંસે નિકલ જાના, વિપક્ષી હો જાના, રોગ હોના, ફુન્સી ઇત્યાદિ ચર્મ રોગોં કા ઉત્પન્ન હોના, કામ કરનેસે બન્દ હોના, (ઇંદ્રિયાં) કમજોર હોના, સૂજ હોના, મન્દ હોના, (માન્ય) આવાજ હોના, (પઢાને કા) ।

ઝૂટી ખાવા બટી=બડોદા ઇત્યાદિ કઈ જગહોં મેં બદામોંસે લેનદેન હોતા હૈ યે બદામેં ખાને યોગ્ય નહીં હોતી હૈ, અતએવ અતિશય દરિદ્રી જિસ કે પાસ પૈસા નહીં

ઉપરને ભિંત પર વારંવાર પ્રયોગ કિયા જાતા છે, ફૂટી કોડી નહીં, કસમ ખાવે કે પૈસા નહીં, ।

કુટી ખોટાનું (કિ. વિ.) તુચ્છ, હલકા, પાજી, કમ કીમત કા, ખોટા ।

કુટેલા કમાણનું (કિ. વિ.) ભાગ્યહીન, ફૂટી કિસ્મત કા, અભાગા, દુર્દશા ગ્રસ્ત ।

કુટેલા કાળજાનું (કિ વિ.) સ્મૃતિહીન, બે સમજા, અન્યમનસ્ક, વાર વાર ભૂલને વાલા।

કુટાકુટ (સં) દેખો કુકુટ

કુટીજવું (કિ) ચૂર્ણ હો જાના, ટૂટ જાના, ફૂટ જાના, ટુકડે ટુકડે હો જાના ।

કુડમી (સં.) કલી, કોંપલ, મંજરી, કોમલ પત્તે, ફુનગી, ફુન્સી, ફોડા, ફફોલા, ફાલા, બુલબુલા, બુલબુદા। [કા શબ્દ ।

કુત્કાર (સં.) ફુંકાર, શ્વાસત્યાગ

કુત્કારવું (કિ.) ફુફકારના, ફુંકારના ।

કુદડી (સં.) ગોલ ચક્કર મેં ઘૂમ કર ખેલને કા એક સ્ત્રિયોં કા ખેલ, ફૂદી, વૃત્ત વિશેષ, સ્ત્રિયોં કા ખેલ, તારોં કે આકાર કા ચિન્હ, *, ફુદી ।

કુદો (સં.) ગન્ધ તૃણ એક પ્રકાર કા ઘાસ, એક પ્રકાર કા ઘાસ ।

કુદડી ફરવી (કિ.) ખેલને સમય ગોલ ચક્કર મેં ઘૂમના ।

કુદીનો-દીનો (સં.) એક પ્રકાર કા પૌધા, પોદીના નામક સુગન્ધ વૃક્ષ પૌધા ।

કુદરડો (સં.) એક પ્રકાર કા કીડા, કીટ વિશેષ, એક પ્રકાર કા ઉડને વાલા, જીવ । [ફુંકાર ।

કુત્કાર (સં) ફુત્કાર, ફુંકાર,

કુફાં (સં.) ફૂ ફાં, શબ્દ વિશેષ, શ્વાસ પરિત્યાગ કા શબ્દ, શીઘ્ર શીઘ્ર શ્વાસ કા શબ્દ । [દાર ।

કુભનિયાનું (સં.) ફૂલેદાર, ગુચ્છે

કુમતી (સં.) એક પ્રકાર કા કેસર જો ફૂંદે કે રૂપ મેં લટકા રહતા હૈ । ઝમકા, ગુચ્છા ।

કુમકું (સં.) દેખો કુમતું

કુમતું (સં.) ગુચ્છા, ઝબ્બા, ફુન્દા ફૂંદા, ઝુમર, ઝુમકા, રેશમ કલાબતુ આદિ કા ટોપીપર લટકાને કા ગુચ્છા, ટુકડે ટોપીપર લગાને વાલા ગુચ્છા, ચાંદી કી ચુનરિયોં કા ફૂંદા ।

५१२ (सं.) सावर चौकी, कस्टम हाउस, माल घर, पुलीघर, नौका अथवा अन्य जलयान से सामान इत्यादि उतारने के लिये लकड़ी अथवा पत्थरों का बांधा हुआ पुल।

५१२ (सं.) अवकाश, छुट्टी, मुक्ति, फुर्सत, विश्राम आराम।

५१२ (क्रि.) हिलना, चलना, स्फुरण, होना बहुत, आर स धड़कना।

५१ (सं.) पुष्प, पुष्प, कुसुम, फूल, कलिका, कली, मलिनता, दूध। आंख में सफेद दाग, फूली, लिंगेन्द्रियकी गिल्टीया गांठ।

५१२ (स.) एक प्रकार की आतिश बाजी जिसको जलने समय फूल समान प्रकाश होता है, फुलझड़ी।

५१२ (सं.) फुलझरी, एक प्रकार की आतिशबाजी, चिनगारी।

५१ (सं.) तारा, तारक, ग्रह नक्षत्र।

५१-५ (स.) ब्याह होने वाले लड़के लड़की के चढ़ने का घोड़ा छोटी पतली रोटी, चपाती।

५१ (सं) सेकने से फूला हुआ अन्न, फूलीकाजन, धान्य जो फूल हो।

५१ (वि.) फूलनेके फूल जाने ऐसा स्वभावि, (धूंधी) मर्दनसे फूलनेवाला, सत्य सम्पादकर प्रसन्न होने वाला।

५१ (सं.) वह लकड़ी जिसके चारों ओर फूल गुंथे हों।

५१ (सं.) कुसुमित वृक्ष, फूलदार पेड़, वह पेड़ जिस में पुष्प लगते हों।

५१-[illegible] (स) फूल रखने का बरतन, बहुपात्र जिस में फूल सजाये जाते हैं, गुल दस्ता रखने का पात्र।

५१ (सं) स्त्रियों के पैरों में पहिरने का एक प्रकार का आभूषण। [मस्त।

५१ (सं.) पागल, छैल,

५१ (स.) दारू का अर्क, शराब का अर्क, अलकोहल।

५१ (वि.) जो फूल जैसा करे अच्छा, स्वच्छ, साफ, पवित्र।

५१ (स.) एक प्रकार की सुपारी।

५१ (सं.) एक प्रकार का पकवान, घी अथवा तेल में तला हुआ आटे का मसालेदार पदार्थ विशेष।

ફુલવવું (ક્રિ.) ફુલાવવા, હવા ભરવા
ફુલવું (ક્રિ.) ઉંચા હોવા, ઉગવા, ફૂલવા, વિકસવા, યૌવન માં આવવા, વિકસિત હોવા, ઔર ફૂલ આવવા, સૂજવા, સોજા આવવા, ઘટી બરાઈ દિખાવા, બાહિર આવા, પાની લગને સે લકડી કા ફૂલના, મોટા હોના, ઉંચા હોના, રોગ સે મોટા હોના, વાદી સે ફૂલના, આનન્દી હોના, ગર્ભ રહના, દિન રહના।

ફુલીને પોતે મોટું (ક્રિ.) મિથ્યા ડંબર રખના, બાહ્ય ડમ્બર કરના।

ફુલીને ટોપા થવો (ક્રિ.) આંખે દર્દ સે સૂજ આના, ખૂબ સૂજ આના।

ફુલીને કુપ્પો થવો (ક્રિ.) ફૂલ કે કુપ્પા હોના, આનન્દ મેં મગ્ન હોના બાગ બાગ હોજાના, ગદ્ગદ હોજાના

ફુલાવો-ઉ (સં.) બડાઈ, પ્રશંસા, બડાવા, ઉત્તેજના।

ફુલસાં કળાં (સં.) સ્ત્રિયોં કે પૈર મેં પહિનને કા એક પ્રકાર કા ચાદી કા આભૂષણ। એક પ્રકાર કા ઝેવર।

ફુલાવવું (ક્રિ.) ફુલાના, ઉંચા કરના, હવા ભરના, મિથ્યા પ્રશંસા સે બઢાના, બડી પદવી દેના, પ્રશંસા કરના।

ફુલાવું (ક્રિ.) મિથ્યા પ્રશંસા સે ફૂલ જાના, અભિમાન હોના।

ફુલાસ (સં.) બડાઈ, પ્રશંસા, ડીંગ, શેખી, અભિમાન।

ફુલિયું (સં.) એક જાતિ કી વનસ્પતિ, ઝોરા પ્યાજ।

ફુલું (સં.) આંખ મેં કા રોગ ફૂલ, ફૂલ્લા, ફુલી, ફોલા।

ફુલેરું (સં.) વે કપડે જો કન્યા કે વિવાહ હોને વાલા હો ઉનકી બનોરી યા નિકાસી નિકાલને કે લિયે ઘોડા, વિવાહ કા જુનૂસ, બનોરી।

ફુલેલ (સં.) ફૂલોં કી સુગન્ધ સે બના હુવા તૈલ, સુગન્ધિત તૈલ ખુશબૂદાર તેલ।

ફુલેવર (સં.) જિસ મેં પુષ્પ હોં, ફૂલોંદાર, કુસુમિત, તાડ કે પેડ મેં ફૂલ વાલે પત્તે (ખિદિયા)।

ફુલ્લસ (સં.) દ્રવ્ય, રુપયા, પૈસા, ધન, દૌલત, ટકા, જર।

ફુલ્લ (સં.) બડાઈ, પ્રશંસા, ડીંગ, શેખી,

ફુવારો (સં.) દેખો ફુવારો

ફુવો (સં.) દેખો ફુવો।

ફુસદાસ (વિ.) નિર્બીજ, નિરસ, નિરાશ નિર્વંશ, નિર્બલ, હલકા, નિકમ્મા।

[illegible] (वि.) पूर्ववत्

[illegible] (वि.) पूर्ववत्

[illegible] (क्रि.) चढ़ाना, दम देना, पट्टी पढ़ाना, भुलावा देना, झांसना, धोकादेना, पीटना, फुसलाना।

[illegible] (वि.) देखो [illegible] बदनामी, लोहमत. बट्टा।

फूअ (सं.) फफूदन, किसी वस्तु पर सड़ने अथवा गलने पर पैदा हुए फफूदनके रोएं, चिकनाहट।

फूअलु (वि.) चिकना, रुएंदार,

फूअी (वि.) पूर्ववत्

फूट (सं.) बढ़ईका आधायक, १२ इंच, परिमाण विशेष, एक प्रकारका खरबूजे के समान फल, अनैक्य, वैर, विरोध, टूट, अंतर, अनबन, अदावत।

फूल (सं.) वृक्ष अथवा लताका सुगंधयुक्त पंखडियोंदार एक कोमल शोभायुक्त अवयव जो विशेषकर फलोत्पत्तिका कारण होता है। विकसित कलिका, खिली हुई कली, कुसुम, पुष्प, पुहुप, बहुतसे वृक्षोंकी फलीभी फूल कहलाती हैं. फूलके आकारका सोना, चांदी हाथीदांत कागज़ इत्यादि, आतिश-बाजी चलाने पर उसमेंसे निकले हुये फूलके आकार, फूलका सिंहा, आंखके डोलेपरका, फूला, फूली, नेत्ररोग विशेष। फूलकी परसे उतारा हुवा चांदीका भूषा, बहुतसा खिलें गर्भ रहता है, मनमोहक, कमल (स्त्रीका) पैरों की अंगुलियोंमें पहिननेका आभूषण, नाकमें पहिरनेका कांटा या बौंग, दही आदि मथनेकी रई के ओनेका फूल पुरुषकी लिंगेंद्रियका अग्रभाग, लिंगाकृति, लिंगाकृतिकी सुपारी, ऋतु समय (स्त्रीका) औषधिकी आगकी गर्मीसे तपाकर उसमेंका उड़ाया हुवा भाग, हलका, नाजुक, कोमल, कच्चा, सुकुमार, सुन्दर, मनमोहक।

फूल [illegible] (क्रि.) फलवान होना, (स्त्रीका) आशा बंधना.

फूल [illegible] छेकाम धंधा होने परभी बैठा रहे अथवा काम करने में आलस करता हो तब उसके लिये यहवाक्य प्रयोग किया जाता है कि "इसने, [illegible] से [illegible] नथी"

फूलनी [illegible] (सं.) तुच्छ भेट, यथाशक्ति देना, मानपूर्वक अल्प भेट।

[illegible] (सं.) देखो [illegible]

[illegible] (सं.) [illegible], [illegible] छोटी छोटी।

[illegible] (सं.) वह मनुष्य जो खामखाह खुशामद अथवा अपनी मिथ्या प्रशंसा सुनकर फूलकर कुप्पा हो जावे।

[illegible] (सं.) आतिशबाज, आतिशबाजीका काम करने वाला।

[illegible] (सं.) आंखमें सफेद फूला, फुल्ली, नेत्र रोग विशेष।

[illegible] (सं.) घास, तृण, चारा, सदा घास।

[illegible] (वि) थका हुवा, हारा हुवा, चकित, जिसका सांस भर आया हो, म्लानित। [अर्थ में,

[illegible]-[illegible] (क्रि. वि.) थक जाने के

[illegible] (क्रि.) प्रक्षेपण करना, त्यागना, दूर कर देना, निकालना, अलग कर देना, घोड़े को सर्पट दौड़ाना, डालना, पटकना, छोड़ना, पात करना।

[illegible] (सं.) कपड़े से कसी हुई कमर, कमरबन्धा, कमरपेटी, परिकर।

[illegible] (सं.) सुरेखा, लकीर, सुंदरता, एक प्रकारकी छोटी पगड़ी, [illegible] विशेष, [illegible] के बीच का वह भाग जिसमें रस्सी लपेट जाती है। कमर, ठपाई, डाल, मेर।

[illegible] (सं.) कुचलना, कूटना, नोंचना, खराब कर डालना, मसलना, पिचलना। [की गई।

[illegible] (सं.) सर्प का फन, छांह

[illegible] (स.) मृगी, रोग विशेष, मूर्च्छा रोग, फेफड़े का रोग, उन्माद, बाई।

[illegible] (सं.) फेफड़ा, बहुत, शरीरस्थ अंतरंग अवयव।

[illegible] [illegible] (सं.) रोग विशेष,

[illegible] (कि. वि.) चहुंधा, चारों-ओर चतुर्दिक्, द्रुत गति में, इच्छानुसार, चाहिये, वैसा भटकता हुवा। [थका हुवा, श्रमित।

[illegible] [illegible] (कि वि) खूब मर्म, डीला,

[illegible] (कि वि.) देखो [illegible]

[illegible] (स.) फैसला, न्याय, निबटारा, परिणाम, सार, इन्साफ, जजमेंट।

[illegible] (वि.) तुरंत टूटने योग्य, (सं.) एक प्रकार के छोटे आकार का बनाया हुवा घर जो औंधाके आदि के आकार में बनता है।

ફુસફુસું (વિ.) પૂર્વવત્
ફુસફુસિયું વિ.) પૂર્વવત્
ફુસલાવવું (ક્રિ.) બહકાવવા, દમ દેવા, પટ્ટી પઢાવવા, ભુલાવા દેવા, ફાંસવા, ધોકા દેવા, પોઢવા, ફુસલાવવા.
ફુસિયું (વિ.) દેખો ફુસફુસિયું બદનામી, તોહમત, વટ્ટા.
ફૂઅ (સં.) ફફૂદન, કિસી વસ્તુ પર સડને અથવા ગલને પર પૈદા હુએ ફફૂદનકે રોએં, ચિકનાહટ.
ફૂઅણું (વિ.) ચિકના, રુંદાર,
ફૂઈ (વિ.) પૂર્વવત્
ફૂટ (સં.) બઢઈકા આધાગજ, ૧૨ ઇંચ, પરિમાણ વિશેષ, એક પ્રકારકા ખરબૂજે કે સમાન ફલ, અનૈક્ય, વૈર, વિરોધ, ટૂટ, અંતર, અનબન, અદાવત.
ફૂલ (સં.) વૃક્ષ અથવા લતાકા સુગંધયુક્ત પંખડિયોંદાર એક કોમલ શોભાયુક્ત અવયવ જો વિશેષકર ફલોત્પત્તિકા કારણ હોતા હૈ. વિકસિત કલિકા, ખિલી હુઈ કલી, કુસુમ, પુષ્પ, પુહુપ, બહુતસે વૃક્ષોંકી ફલીભી ફૂલ કહલાતી હૈ. ફૂલકે આકારકા સોના, ચાંદી હાથીદાંત કાગજ઼ ઇત્યાદિ, આતિષબાજી ચલાને પર ઉસમેંસે નિકલે હુએ ફૂલકે સમાન, ફૂલકા ચિત્ર, આંખમેં સફેદરાગ, ફૂલા, ફૂલી, નેત્રરોગ વિશેષ. સુપારી પરસે ઉતારા હુવા બારીક ભૂસા, ગર્ભસ્થાન જિસમેં ગર્ભ રહતા હૈ, ગર્ભાશય, કમલ (સ્ત્રીકા) પૈરોં કી અંગુલિયોંમેં પહિનનેકા આભૂષણ, નાકમેં પહિરનેકા કાંટા યા લૌંગ, દહી આદિ મથનેકી રઈ કે નીચેકા ફૂલ પુરુષકી લિંગેંદ્રિયકા અગ્રભાગ, લિંગકાસિર, લિંગકીસુપારી, ઋતુ સમય (સ્ત્રીકા) ઔષધિકો આગકી ગર્મીસે તપાકર ઉસમેંકા ઉડ઼ાયા હુવા ભાગ, હલકા, નાજુક, કોમલ, કચ્ચા, સુકુમાર, સુન્દર, મનમોહક.
ફૂલ આવવું (ક્રિ.) ઋતુસ્રાવ હોના, (સ્ત્રીકો) આશા બંધના.
ફૂલ ગુંથે છે-કામ ધંધા હોને પરભી બૈઠા રહે અથવા કામ કરને મેં આલસ કરતા હો તબ ઉસકે લિયે યહવાક્ય પ્રયોગ કિયા જાતા હૈ કિ " છોને, શું ફૂલ ગુંથે છે ? તે કામ કરતો નથી "
ફૂલની પાંખડી (સં.) તુચ્છ ભેટ, યથાશક્તિ સેવા, માનપૂર્વક અલ્પ ભેટ.

फूलकी (सं. देखो फुलकी
फूलका (सं.) फुलका, पतली छोटी रोटी।
फूलफूल (सं.) वह मनुष्य जो चापलूसी खुशामद अथवा अपनी मिथ्या प्रशंसा सुनकर फूलकर कुप्पा हो जावे।
फूलमाली (सं.) आतिशबाज, आतिशबाजीका काम करने वाला।
फूला (सं.) आंखमें सफेद फूला, फुल्ली, नेत्र रोग विशेष।
फूस (सं.) घास, तृण, चारा, सड़ा घास।
फेंक (वि.) थका हुवा, हारा हुवा, थकित, जिसका सांस भर आया हो, व्यथित। [अर्थ में,
फेंकें-फे (क्रि. वि.) थक जाने के
फेंकना (क्रि.) प्रक्षेपण करना, त्यागना, दूर कर देना, निकालना, अलग कर देना, घोड़े को सर्पट दौड़ाना, डालना, पटकना, छोड़ना, पात करना।
फेंटा (सं.) कपड़े से कसी हुई कमर, कमरबन्धा, कमरपेटी, परिकर।
फेटा (सं.) मुरेठा, साफा, मुंडबन्धा, एक प्रकारकी छोटी पगड़ी, उष्णीष विशेष, ताज इत्र आदि के बीच का वह भाग जिसकी रस्सी वगैरः बनती हैं। कपट, ठगाई, छल, भेद।
फेंदना (सं.) कुचलना, कूटना, नोंचना, खराब कर डालना, मसलना, पिचलना। [की गर्दन।
फेंफु (सं.) सर्प का फन, सांप
फेंफड़ (सं.) मृगी, रोग विशेष, मूर्च्छा रोग, फेफड़े का रोग, उन्माद, बाई।
फेंफर्स (सं.) फेफड़ा, बकृत, शरीरस्थ अंतरंग अवयव।
फेंफसादी गरभी (सं.) रोग विशेष,
फेंफड़ (क्रि. वि.) चहुंधा, चारों-ओर चतुर्दिक्, द्रुत गति में, इच्छानुसार, चाहिये, वैसा भटकता हुवा। [थका हुवा, श्रमित।
फेंफें (क्रि वि) खूब गर्म, ढीला,
फेंसल (क्रि वि.) देखो फैसल
फेंसला (सं.) फैसला, न्याय, निबटारा, परिणाम, सार, इन्साफ, जजमेंट।
फेंकु (वि.) तुरंत टूटने योग्य, (सं.) एक प्रकार के छोटे जानवर का बनाया हुवा घर जो औषधि आदि के काम में आता है।

ફેંકવું (કિ.) દે દેના, અદા કરના, ચુકાના, દેના, ઉઋણ હોના, ફોડના, તોડના, ખણ્ડિત કરના, ભંજન કરના, ડાલના, મિટાના ।

ફેરુ (સં.) ઘી ગરમ રખને કે લિયે દીપક પર રખને કી તાંબે કી ચીપ । ઝાગ ।

ફેન (વિ.) ઉત્તમ, ઉમ્દા, શ્રેષ્ઠ. અચ્છા, (અંગ્રેજી શબ્દ) ફાઇન (કા અપભ્રંશ)

ફેફરી (સં.) દેખો ફેફરું

ફેર (સં.) અંતર, ભિન્નતા, ફર્ક, અન્તર, પૃથકતા, હેરફેર, જુદાઈ, ચક્કર આના, (રોગ) ઘુમાવ, ચેર, ચક્કર, બાંકાપન પલ્ટાવ, બદલી બાકી, શેષ, કપડે કે નીચે ભાગ કા ચેરાવા, (ક્રિ. વિ.) પુનઃ બહુરિ, બારબાર ।

ફેર પડવો (ક્રિ.) આરામ હોના, પૂર્વ પેક્ષા અચ્છી દશા હોના ।

ફેર પાડવો (ક્રિ.) અચ્છા કરના ।

ફેર પાળી આપવી (ક્રિ.) વચન દે કર બદલ જાના, વચન ભંગ કરના, સામને બોલના, થૂક કર ચાટના સામને કે પક્ષ મેં હો જાના બુરી આદત મેં પડના ।

ફેર આવવા (ક્રિ.) ચક્કર આના, સિર ઘૂમના, જી ફિરના ।

ફેર ફુંદાણું (સં.) ગડબડ, ગોલ માલ, ચક્કર, મંડલ, ગૂલમુલૈયાં, ઘોટાલા ।

ફેરફાળામાં પડવું (ક્રિ.) ચક્કરમેં આના, ગડબડીમેં પડ જાના જિસસે શીઘ્ર ઉદ્ધાર ન હોવે ઐસે ઝગડે મેં ફંસના ।

ફેર ખાવા (ક્રિ.) ચક્કર ખાના, ઇધર ઉધર ભટકના, મારે મારે ફિરના ।

ફેર પડવો (ક્રિ.) અંતર પડના, ફર્ક પડના, આરામ હોના, ફાયદા હોના, પ્રતિકૂલ હોના, રૂપાન્તર હોના, ચક્કર પડના ।

ફેર ફટ (વિ) આડા તિર્છા, ઉલટા સીધા, આડા, ઉલટા વિરુદ્ધ ।

ફેર બદલી (વિ.) ઉલટા પલટી, હેર ફેર, પરિવર્તન, સ્થાન પરિવર્તન । [લૌટના ।

ફેરવણી (સં.) પરિવર્તન, ફેરફાર

ફેરવવું (ક્રિ.) બદલના, અગહ બદલના ચલના, ઇધર ઉધર લે જાના, ગોલ ચક્કર મેં ઘુમાના, ચાક પર ચઢાના, ઘુમાના, પરિભ્રમણ કરના, ફેરફાર કરના,

દુરસ્ત કરવા, રદ કરવા, નામંજૂર કરવા, બદલવા, પુરાને કે સ્થાનપર નવીન કરવા, ધીરે ધીરે ખિસવા, પપોળવા, પુચકારવા, ઉલટવા ઉથલવા, એક વસ્તુ રખ કર દૂસરી વસ્તુ લેવા, તર્ફ લે જાવા, ઉતારવા, પક્ષ બદલવા, ઔંધા કરવા, ઉપર નીચે કરવા, સ્થાનાન્તર કરવા, પ્રકટ કરવા, ફેંકવા, ફજાહત કરવા । મન ફેરવવો (ક્રિ.) નિશ્ચય કિયા હુવા ભંગ કરવા, ખોટા સમઝવા, ફેરો ફેરવવો (ક્રિ.) ઘોડા ટહલવા ઘોડા મસ્તીપર ન આવે અતઃ ગર્મ કરવા, ઘર ફેરવવું (ક્રિ.) ઘર બદલવા, દૂસરે ઘર મેં જા કર રહના, હાથ ફેરવવો (ક્રિ) ચોરી હોના, ઠગે જાના, લૂટે જાના, માથે હાથ ફેરવવો (ક્રિ.) આશિર્વાદ દેના, આંખ ફેરવવી (ક્રિ.) ગુસ્સા લાના, ધમકાના, આંખેં બતાના, ભ્રુકુટિ ચઢાના, પૃષ્ઠ ફેરવવી (ક્રિ.) પાઠ દિખાના, પીઠ ફેરના,

ફેરવી નાંખવું (ક્રિ) ઉલટ દેના,

ફેરવો (વિ.) વહ જહાં ઘૂમકર જાના પડે, ચક્કર, પરિધિ, ઘેર, ઘેર ।

ફેરિયો (સં.) રાસ્તેપર ઘૂમ ઘૂમ કર બેચને વાલા, ફેરી વાલા ।

ફેરિસ્ત (સં.) માદ, નોંધ, સૂચી, લિસ્ટ, કેટલૉગ, ફિહરિસ્ત ।

ફેરી (સં.) ચક્કર, વક્ર, વાર, પ્રદક્ષિણ, ભિક્ષા માંગના ।

ફેરીવાળો (સં.) બિસાતી, પૈકાર, ગલી ગલી ઘૂમકર બેચને વાલા ।

ફેરૂ જવું (ક્રિ.) પાખાને જાના, ટટ્ટી જાના, જંગલ જાના, ઝાડે જાના, શૌચ જાના, મલોત્સર્ગ કરના ।

ફેરો (સં.) પ્રદક્ષિણ, ઘુમાવ, આંટા, ચક્કર, આવાગમન, દૂર જાના, દૂર ભટકના, ટટ્ટી, પાખાના, વક્ર, વાર, સમય ।

ફેરો ફરવા (ક્રિ.) વરકન્યા કા વિવાહ સંસ્કાર કે સમય મંડપવેદી કી પ્રદક્ષિણા કરના, ભાંવરેં ફિરના।

ફેરો લાગવો (ક્રિ.) ટટ્ટી લગના, દસ્ત લગના, પાખાના હોના ।

ફેલ (સં.) પાખણ્ડ, મિથ્યા, ઢોંગ મિથ્યા આચરણ, છલ, બહાના, મિષ, અપરાધ, દોષોંસે ભરેહુઈ દેહ ।

ફેલબોર (વિ.) પાજણ્ડી, ઠોંગી, બદનામીર, ઇજ્જી ફેલી, મિલક-સ્નેમાળા ।

ફેલજામીન (સં.) અમાનત, જિમ્મા, જિમ્મેદાર, પ્રતિભૂ, સદા-ચારી જામિન ।

ફેલવું (ક્રિ.) ફેલના, પસરના, વિસ્તૃત હોના, ઔંધના, બઢના, ફુદકના ।

ફેલાઈજવું (ક્રિ.) પૂર્વવત્ ।

ફેલાવ (સં.) બઢાવ, પ્રસાર, વૃદ્ધિ ચૌડાઈ ।

ફેલાવવું (ક્રિ.) ફેલાના, પસારના બિછના, વિસ્તારયુક્ત કરના, ચૌડાના, પ્રચાર કરના, પ્રકાશ કરના લમ્બા કરના બઢાના, પ્રસિદ્ધ કરના ।

ફેલાવું (ક્રિ.) ફેલના, બઢના, પસરના, બિખરના, બિથરના, ચારોંઓર ફૈલ જાના, । [વૃદ્ધિ ।

ફેલાવો (સં.) પ્રસાર, વિસ્તાર,

ફેલુ (સં.) મુસીબત, કઠિનતા, ઉપાધિ, પીડા, આપત્તિ, સંતાપ, અડચન, વિઘ્ન, બાધા, ક્લેશ,

ફેલું પેસવું (ક્રિ.) દુઃખહોના, ક્લેશ હોના, મુસીબત પાના, વિઘ્ન હોના।

ફેસલ (ક્રિ. વિ.) જિસકા ફૈસલા હો ચુકા, હો, અંતિમ પરિણામ પ્રાપ્ત ।

ફેસલો (સં.) ઠહરાવ, ફૈસલા, પરિણામ, ન્યાયપત્ર, નિર્ણય, સમા-ધાન, તય, નિપટારા, જજમેંટ, ઇન્સાફ ।

ફેસવું (ક્રિ.) તોડ઼ના, ભંગકરના, મર્દન કરના, ખણ્ડન કરના ।

ફૈ (સં.) ફૂફી, ભૂવા, બાપકી બહિન । [પુનઃ ભ્રમણ ।

ફૈરો (સં.) બારંબાર ચક્કર, પુનઃ

ફૈયો (સં.) આરામ, રોગશમન, સેહત, રોગમેં કમી । [બહિન ।

ફૈબ (સં.) ફૂફી, ભૂવા, બાપકી

ફૈબજી (સં) પતિકી ભૂવા, પતિકી ફૂફી, પતિકે બાપકી બહિન ।

ફૈબમાર (સં.) ફૂફીકો દી હુઈ ભેટ, ભૂવાકી ભેટ ।

ફોક (સં.) રદ, ખરાબ, વ્યર્થ, નિકામ, મિથ્યા, બુરા ફીકા, નિરસ બેસ્વાદ ।

ફોકટ-ટ (ક્રિ. વિ-) વ્યર્થજાને યોગ્ય, મુફ્તકા સેતમેત, બિના પૈસોંકા, નિકમ્મા । [મિથ્યા ।

ફોગટ ધંધુ (સં) વ્યર્થ, નિકમ્મા,

ફોગટ ઇમાની (સં.) શેખી, ઢોંગ, અહમ્મન્યતા, બકવાદગી ।

ફોગટનુ (વિ.) મુફતકા, સેતમે-તકા, બિલા પ્રમાણ, ધર્માર્થક ।

ફોગટિયું (વિ) મુફતખોર, હરામી, જો બિના પૈસે ખર્ચે કામ में આવે।

ફોગટીઓ (વિ.) પૂર્વવત ।

ફોજ (સં.) સેના, સૈન્ય, ફૌજ સૈનિકદલ, લશ્કર, ટોલા, જત્થા, મનુષ્યોંકી ભીડ, લડને વાલોંકી મંડલી ।

ફોજદાર (સં.) શહર-ગાવકી રક્ષા સંભાલ કરને વાલા આફીસર, કોતવાલ, પુલિસ મજિસ્ટ્રેટ ।

ફોજદારી (વિ.) દોષી, અપરાધી, (સં.) ચોરી ખૂન લડાઈ ઇત્યાદિ અપરાધોંકા ન્યાયાલય, અથવા તત્સમ્બન્ધી સમસ્ત કાર્ય ।

ફોજદારી અદાલત (સં) વહ ન્યાયાલય જહા લડાઈ ઝગડા ખૂન ચોરી ઇત્યાદિ અપરાધોંકા વિચાર હોતા હો ।

ફોજદારી અમલદાર (સ.) પુલિસ આફીસર ।

ફોડવો (સં.) દેખો ફોડવો।

ફોડવું (ક્રિ.) તોડના, ફોડના, ખંડન કરના, ખણ્ડન કરના, ચૂર્ણ કરના, આગદ્વારા શબ્દ કરના (પટાકા ઇત્યાદિ) બાહિર કરના, છોડના, ચલના (બન્દૂક) ફૂટના, (માથા) પાર ચુસેક કર ઉઘાડના (ફોડા ફુન્સી ઇત્યાદિ) ગુપ્ત બાત પ્રકટ કરના, સુરંગ લગાના, શરીર કે કિસી અવયવકા કાર્ય બન્દ કરના, કઠિન શબ્દદ્વારા કાનકો કષ્ટ પહુંચાના ।

ફોડી લેવું (ક્રિ.) દૈવયોગસે જિસ સમયકો આવને ઉસે ભોગ લેના, સિરપર આઈ આફત સહલેના ।

ફોલવા ફોડવા (ક્રિ.) નિંદાદ્વારા તુચ્છ કરના, છિદ્રાન્વેષણ કર લોગોંકો દિખાના ।

ફોડી ફોડીને કહેવું (ક્રિ.) ખુલ્લમ ખુલ્લા સમઝકર કહના, અપના ગુપ્ત દુઃખ લોગોંકો કહકર પ્રકટ કરના, ગુપ્ત બાત કહના ।

ફોડો (સં.) દેખો ફોડવો

ફોત (વિ.) કતલદ્વારા વધ કિયા હુવા, મૃત્યુ,

ફોતરું (સ.) છિલકા, ભૂસા, અનાજ આદિકે ઉપરકા આવ,

ફોદું (સં.) છિલકા, ભૂસા, ચિટ, કાગજકા ટુકડા, અવાહુવા (વહી આ વર) [(અનુપ્ય)

ફોદું (ક્રિ) બોલ્ના, પોલા નિર્બલ

ફોફર (વિ.) મુલાયમ, કોમલ, નર્મ, પિલપિલા, ઢીલા, પિચપિચા। (સં.) સુપારી, પુંગીફલ।

ફોફણી (સં.) સુપારીકા પેડ़.

ફોફો (સં.) છાલા, ફોલા, પાનીસે ભરા હુવા ફોડા,

ફોમ (સં.) દેખો ૪૫૭

ફોર (સં.) ગંધ, બાસ, મહક, બૂ, સૌરભ, યશ, આબરૂ, ઇજ્જત।

ફોરવું (ક્રિ.) બાસદેના, ગંધદેના, બૂકરના, મહક આના।

ફોરાઈ (સં.) સ્ફૂર્તિ, હોશિયારી, સાવધાની, ચંચલતા।

ફોરું (સં.) ટપકા, છાંટા, બૂંદ, બિન્દુ, ફુહાર, ટપકા (રંગકા) (વિ.) મોટા, ગુચ્છે સરીખા ।

ફોરો (સ.) બુલબુલા, વર્ષાકીબૂંદ।

ફોલ (સં.) ટૂટી હુઈ ઇમલી બિના બીજકી ઇમલી ।

ફોલવું (ક્રિ.) છિલકે નિકાલના, બીજ નિકાલના, ચૂંટના, ચુનના।

ફોલી ખાવું (ક્રિ.) ઉઠાલાના, ચૂંટખાના, નિન્દા કરના, ચરચા, કરના, કિસીકા ધન માલ અથવા પૈસા ટકા ઉડાનાખાના, ધન દ્રવ્ય લેકર કે કંગાલ કર દેના, મીત-રકા અસલી માલ નિકાલકર ખાજાના।

ફોલ્લી (સં.) છોટી ફુનસી, છોટા ફફોલા, ફુલી, ફૂલી ।

ફોલ્લો (સં.) આલા, ફોલા, સ્ફો-ટક, ફફોલા, ચર્મરોગ વિશેષ।

ફોલો ટળી જવો (ક્રિ.) બલા ટલાના, પીડા હટના, આફત ટલના, ઝગડા મિટના, સંશય ટલના વહમ દૂર હોના, છુટકારા પાના।

ફોસલામણ (સં.) ફરેબ, લાલચ, ફુસલાહટ, પોટનેકી ક્રિયા।

ફોસલાવવું (ક્રિ) પોટના, લલ-ચાના, બુરા સમઝા ના, ફુસલાના બહકાના।

ફોસલાવનાર (સં.) બહકાનેવાલા, ફુસલાનેવાલા, બિગાડ़ને વાલા।

બ

બ=ગુજરાતી વર્ણ માલા કા ૩૪ વાં અક્ષર, પ વર્ગ કા તીસરા અક્ષર ।

બઈરી (સં.) સ્ત્રી, ઔરત, પત્ની, વધૂ।

બકધ્યાન (સં.) પાખણ્ડ, દંભ, મતલબ, સિદ્ધિ કા ધ્યાન, બગુલે કા સા ધ્યાન।

બકધ્યાની (વિ.) ઢોંગી, દંભી, પાખંડી, બકભક્ત, બગુલા ભગત ।

બકવાદ (સં.) બકવાદ, નિરર્થક બહુ બોલ, બડબડાટ, ગુલબપાડા, બબડે કી બાતેં; બકબક।

બકવાદિયા (સં.) બકી, બિલ્લી, બડબડાને વાલા, બકાર, બિડબિડા

બકવાદના (કિ.) દેખો બકવું।

બકવાસ (સં.) બકરે કી તરહ બાંહ હોના ઔર કૂદના, કૂદ ફાંદ, તૂફાન, એક પ્રકાર કી કસરત, મસ્તી।

બકવાસના (કિ.) તાગડ઼ બિદ્યા કરના, તૂફાન કરના, મસ્તી મેં આના। [ક્ષય ગરીબ હોજાના।

બકરી મેં બકરા બકવું (કિ.) અતિ.

બકરીદ (સં.) મુસલમાનોં કા એક ત્યૌહાર· બકરીદ।

બકબક-બકાર (સં.) બકબક, મિથ્યા ભાષણ, બકબક, બાદ બિવાદ।

બકવું (કિ.) બકબક કરના, બેમ બિચારે બોલના, મિથ્યા ભાષણ કરના, ગપ્પેં મારના, ઠોઠ બહના।

બકવો (સં.) નિરર્થક બાત, બ્યર્થ હોહલ્લા, બકવાદ।

બકવ્યાધ (સં.) બહાદુર, બૅગડ઼ાઈ, બબુહાઈ, મુંહ ફાડ઼ને કી ક્રિયા બિશેષ।

બકાત (બિ) બાકી, શેષ, બચાહુવા।

બકારો (સં.) કય, ઉલટી, છર્દિ, ઉબાઈ, ઉછાંટ।

બકારો (સં.) ચિલ્લાહટ, કોલાહલ, શોર, ગુલાગપાડ઼ા હુઆ, બકબક।

બકાલ (સં.) ઐસે તૈસે દુકાન લગા બૈઠને વાલા બનિયા, બૈશ્ય, બનિયા।

બકાલાબીડ (સં.) ભાજી બજાર, શાક બાજાર, કુંજડોંકી દુકાનેં, શાક માર્કેટ। [ભાજી।

બકાલું (સં.) હરીતરકારી, શાક

બકાલું (સં.) પૂર્વવત્

બકાવવું (કિ.) બકબક કરાના, ચિઢાના, ઉસકાના, બહકાના, સિખાના।

બકુડી (સં.) પ્યારા, પ્રિય, લાડ઼લા (યહ શબ્દ બાલકોંકો ખિલાતે સમય લાડ઼ મેં બોલતે હૈં।) કબૂતર, પેંડુકી, ભેડ઼કા બચ્ચા।

બકોર (સં.) કોલાહલ, શોર, ગુલ, હલ્લા, ગુલગપાડ઼ા, હોહલ્લા, આવાજ, શબ્દ।

બકોરવું (કિ.) શોર કરના, હલ્લા મચાના, આવાજ દેના, ચિલ્લાના।

બક્ષવું (ક્રि.) देना, प्रदान करना, बख्शीस करना प्रसादी देना, अर्पण करना, क्षमा करना, मुआफी देना।

બક્ષી (सं.) फौज का सरदार, फौजी आदमियों को वेतन देने वाला आफीसर, जनरल, कमान्डर इन चीफ।

બક્ષીસ (सं) पुरस्कार, भेट, इनाम, प्रसन्नता पूर्वक दी गई वस्तु, बड़े की ओरसे छोटे को दी हुई चीज, भेट, नजर।

બખ્ત (सं.) होनहार, कर्म, प्रारब्ध, किस्मत, भाग्य, तकदीर, भविष्य।

બખ્તર (सं.) उत्तम लोहेकी कडियों द्वारा जालीदार बनाहुवा बदन पर पहिरनेका वस्त्र विशेष जिसे योद्धा लोग संग्राम में पहिनकर जाते हैं, कवच, वर्म्म, झिलम बाजु, सन्नाह।

બખ્તાવર (वि.) भाग्यशाली श्रीमंत, खुश किस्मत, सुखी, तकदीरवाला।

બખ્તાવરી (सं.) खुशकिस्मती, सौख्य, अच्छी तकदीर, भाग्यवानी।

બખર (सं.) इतिहास, तवारीख, पूर्ववृत्तांत, कथा, इतिवृत्त, वृत्तांत, हकीकत।

બખરવું (क्रि.) खनना, खुभना, खटकना, पचना, बिखरना, साखना।

બખસવું (क्रि.) देखो બક્ષવું

બખશીસ (सं.) देखो બક્ષીસ

બખાડવું (क्रि.) बकवाद करना, लम्बी चौड़ी हांकना, जोर जोर से हल्ला करना।

બખાડો (सं.) विवाद, कलह, वाकयुद्ध, लड़ाई, झगड़ा, फिसाद।

બખારો (सं.) हल्ला, गुलगपाड़ा।

બખિયો (सं.) एक प्रकार की सिलाई, बारीक उम्दा सिलाई।

બખિલાઈ (सं.) कंजूसपना, कृपणता, कंगलीपन, कंगाली, सूमपन।

બખીલ (वि.) कंजूस, कृपण, सूम, कंगालहीन, मक्खीचूस।

બખેડાખોર (वि.) झगड़ालू, फिसादी, लड़ाका, विवादी, कलहकारी।

બખેડો (सं.) टंटा, फिसाद, मारामारी, झगड़ा, कलह, उत्पात।

બખોલ (सं.) पेड़की दरार, बिल, पेड़का खोखला, वृक्षका छिद्र।

બખ્ત (सं.) नसीब, प्रारब्ध, दैव, भाग्य, किस्मत, भविष्य, अदृश्य फल।

બખ્તાવર (વિ.) ભાગ્યશાળી, તકદીરવાળા, ખુશકિસ્મત, પ્રાપ્તકર્મી।

બખ્તાવર કદમ (વિ.) જેના આગમને કામ થાય।

બગ (સં) બક, પક્ષી વિશેષ, બગુલા, સારસ, બગલા।

બગડવું (ક્રિ.) ખરાબ થવું, ભ્રષ્ટ થવું, સડવું ગલવું, વિગડવું, નષ્ટ થવું।

બગડો (સં.) દોકા અંક, ૨।

બગડેલે થવું (ક્રિ.) ખરાબ થવું વિગડવું। [કર્કટ।

બગદો (સં.) ધૂળ, કચરો, કૂડો-

બગધ્યાન (સં.) એકાગ્ર ધ્યાન, સ્તબ્ધ, બગુલા ભક્તિ, ચુપચાપ, દૃષ્ટિ યા વિચાર।

બગબગું (સં) ધુંધળું, અંધળું, મન્દ, પ્રાતઃકાલ, મિનુસારા, પોફટે ભોર।

બગભગત (સં., ઢોંગી, કપટી, ધૂર્તસાધુ, તિલકરાજાટા આદિને સાધુ કિન્તુ સ્વાર્થી, ઠગ, ઔર મૂર્ખ, મક્ષિકા ફોંસ રખને વાલા પાખન્ડી, છલી, કપટી, બગુલા ભગત, દેખને મેં સજ્જન કિંતુ દુર્જન।

બગર (સ.; ઘીનો તપેલે પર ઉપર આવા હુવા મૈલ, ઘૃત અથવા તેલના કચરા।

બગલ (સં) કાંખ, કોંખ, સ્કંધ તથા હાથકે નીચેકા ગઢ્ઢા, આશ્રય, શરણ, વસ્ત્રમેં બગલમેં લગને વાલા ત્રિકોણ ટુકડા, બાજુ,

બગલમાં મારવું (ક્રિ.) બગલમેં રખના, રખવાલેના, અધિકાર મેં રખના।

બગલમાં ઘાલી ઉડીજવું (ક્રિ.) લેકર સટકજાના, તુચ્છ સમઝના,

બગલમાં શુખવું (ક્રિ.) શરણમેં લેના, શય દેના, અભય દેના, આશ્રય દેના।

બગલબંડોળું (ક્રિ.) અધિકારમેં હોના, વશવર્તી હોના, દેખરેખમેં હોના।

બગલમાંથી બાત કાઢવી (ક્રિ) અપને મનસે બાત બનાકર મારના હાંકના।

બગલો ઉખાડી નખવી (ક્રિ.) ક્રમ-હીન હોના, સાફ હોના, માનમર્યાદા ઉઠવાના, પુરુષત્વ પાના, શાંતિ હોના।

બગલો ઉખાડી મુકવો (ક્રિ.) ક્રમરહિત બનાના, અપની ઇજ્જત

બગલમાં રાખના કિસીકે કહ્યા અથવા ઉલાહિનેકી પરવાહ ન કરના, નિર્લજ્જતા ગ્રહણ કરના ।

અગલો ઉંચી કરવી (ક્રિ.) દિવાળા નિકાલના, શંખ ફુકના, પાસ નહીં હૈ ઐસા કહકે છુટી પાના, ગરીબી દિખાના ।

અગલો દેવડવી (ક્રિ.) પ્રસન્ન હોના, હર્ષિત હોના ।

અગલો દેખાડવો (ક્રિ.) દિવાળા નિકાલના, પાસમેં કુછ નહીં ઐસા પ્રકટ કરના ।

અગલગીરી (સં.) હૃદયાલિંગન, છાતીસે લગાના, ચિપાના ।

અગલબાણ (સં.) પૈરમેં પહિનને કા એક પ્રકાર કા આભૂષણ ।

અગલા ભાવાર્થી (વિ.) દિખાવે મેં સાધુવૃત્તિ પ્રદર્શિત કરને વાલા કિંતુ ભીતર સે સ્વાર્થ સાધન કી વૃત્તિ રખને વાલા, મૌન હોકર સ્વાર્થ સાધનેવાલા ।

અગલાભગત (સં.) દેખો અગ અગત । [બગુલા ।

અગલું (સં.) બક, પક્ષીવિશેષ,

અગલો (સં.) બક, બગુલા, સીન મોંવાલા બગલા પક્ષી, અરબ કે લોગોંકા સૌદાગરી કા જહાજ ।

અગલો ધાવસ મેલો = ઠગ તથા ધાર્મિક પુરુષ કે લિયે યહ વાક્ય પ્રયોગ હોતા હૈ, અર્થાત્ બગલા ભગત બનકે બૈઠા ।

અગવા (સં) કાનકા મૈલ, વહ મલજો કર્ણેન્દ્રિય મેં હોતા હૈ ।

અગાઉ (સં.) કુત્તા ગાય ભૈંસ આદિ પશુઓંકે ચર્મપર રોમાવલી મેં છુપકર રહને વાલા એક તુચ્છ જીવ, કલીલી, ચિંચડી, ગોંચડી, પિસ્સૂ, કર્ણરોગ વિશેષ ।

અગાડ–ડો (સં.) નુકસાન, ખરાબી, કસર, રોગ, વિકૃતિ, અનબન, ઘડ્ડા, ગલા, મલિનતા, ભ્રષ્ટતા, હાનિ અસમ્મત, ફૂટ, વિરોધ, ભેદ, સડ્ન, બિગાડ ।

અગાડવું (ક્રિ.) બિગાડના, ખરાબ કરના, બર્બાદ કરના, અનબન કરના, મલિન કરના, નુકસાન કરના, આચાર ભ્રષ્ટ કરના, નાપાક કરના, દોષયુક્ત કરના, દૂષિત કરના, સડ્ાના ।

અગાડો (સં) દેખો અગાડ

અગાસું (સં.) અંગડાઈ, ઉબાસી, અંગડાઈ, મુંહ ખોલના, આલસકા ચિન્હ ।

ખલી (સં.) કળી, એક પ્રકાર કી બોડા ગાડી, ઇદિ, મઝર ।

ખલી ઇાઢવી (ક્રિ.) ગુસ્સા ચઢના, ક્રોધ આના, મસ્તીમેં આના, આપે ફઢના ।

ખલો (સં.) સ્ત્રિયોં કે પહિરને કા વસ્ત્ર વિશેષ । દીવાર કી બાંક ।

ખધાર (વિ.) ખૂને હૃદય કા, મસ્તિષ્કહીન, જિસકી યાદદાસ્ત ખરાબ હો ।

ખ ડેરાવ (સં.) ઢેલ, બાઙા, આત્મ શ્લાઘી, અક્કડ, અભિમાની ।

ખંખારવું (ક્રિ.) હલ્લા મચાના, શોર ગુલ કરના, ચિલ્લાના ।

ખંખારો (સં.) હલ્લા, કોલાહળ, શોર ગુલ, હોહલ્લા, ગુલ ગપાડા । એક પ્રકાર કા ખાર, બંગ ।

ખગ (સં.) રીતિ, પ્રકાર, તર્ક, કલ્પના, યુક્તિ, એક પ્રકાર કા ખાર, નમૂના, બાનગી ।

ખગડી (સં.) ચૂડી, હાથ મેં પહિરનેકી કાંચકી ચૂડી, આભૂષણ વિશેષ, ચૂડી કી તર્હ કા ઝેવર, ગોલ બંગડ ।

ખંગણી (સં.) છોટા બંગલા ।

ખંગલો (સં.) મૈદાન અથવા બાગીચે મેં બનાયા હુવા અચ્છા મકાન, બંગલા ।

ખંગાળા ખેંગળવું (ક્રિ.) ખાલી હો જાના, ખતમ હોના, અંત બચના ।

ખંગાળી ઇમ (સં.) પક્કા ઘર, છત્તી, સપ્પા કપડી, ઉપર સે સીધા કિંતુ છત્તી પક્કા ચૂર્ણ, ઢુકેરા ।

ખંગાળી તોલ (સં.) ઔર વજનોં સે ભારી, ભારી તૌલ ।

ખંગાળું (સં.) એક પ્રકાર કા વસ્ત્ર જો ઘાઘરે (લહંગે) કે લિયે હોતા હૈ ।

ખખખ–ખખાખખ (ક્રિ વિ.) બાલક કે દૂધ પીને કા શબ્દ, બાલક જબ કિ દૂધ પીતા હૈ ઉસ શબ્દ કી નકલ ।

ખગદ્વા (સં.) ઐસા બાત રાગ જિસમેં ચીસેં ઔર ચમકે હોતે હૈં ।

ખગદું (સં.) દેખો ખગડું

ખગડી (સં.) પુટલિયા, છોટી ગઠરી ।

ખગડું (સં.) ખટકા, ખાડના, કુતરન, પોટલા, ગાંઠ, ગઠરી ।

ખગોટો (સં.) મોટ, પોટ, બચ્ચલ, ગાંઠ, ગઠરી, પુટલિયા, પોટલા ।

ખગોરવું (ક્રિ.) ઢુંઢના, ખોરના, તલાશ કરના । [પુટકી ।

ખગોરું (સં.) ઢુંઢની, ખુરપી,

બચવી (સં.) બચપન, બાલકપન, લડકોરપન, શૈશવ, લડકપન ।

બચવાળા—રવાળ (સં.) બાલ-બચેવાળા, કુટુમ્બી, પરવારવાલા, ।

બચવ્યુ (સં.) દેખો બચવી

બચવું (ક્રિ.) બચના, ઉબરના, સલામત રહના, રહના, શેષરહના, બાકી રહના ।

બચારવું (ક્રિ.) પશુકો હાંકને કે લિયે મુખસે એક પ્રકારકા શબ્દ કરના ટિચકારી દેના । ટિચટિચ કરના ।

બચારૂં (વિ.) અશક્ત, ગરીબ, રક્ષા કરને યોગ્ય, બેચારા, દીન, અસહાય ।

બચાવ (સં.) રક્ષણ, રક્ષા, હિફા-ઝત, સંભાલ, બચત, સંરક્ષણ, ઉદ્ધાર ।

બચાવવું (ક્રિ.) ઉદ્ધાર કરના, રક્ષા કરના, બચાના, પાલના, રખના, સંચય કરના, યત્ન કરના, તારના મોક્ષ કરના, સંગ્રહ કરના, અટકાના, પ્રસંગ ટાલના,

બચી (સં.) મુઁ (તિરસ્કારમેં) પૂપા, ચુમ્બન, બોસા પ્યાર, જિહ્વા, જીભ । [ચાકિ હોના ।

બચી રહેવી (ક્રિ., બોલનેકી

બચ્ચું બચ્ચું (સં.) બાલબચ્ચે, લડકે લડકી, કુટુમ્બ, ગૃહસ્થ ।

બચ્ચાઈ (સં) તિરસ્કાર સૂચક સમ્બોધન, મેરેસંગી, બચ્ચૂકી ।

બચ્ચાપણ—નો ભેદ (સં.) બચ-પન, કિશોરપન, લડકપન ।

બચ્ચી (સં.) પ્યાર, પૂપા, બોસા, ચુમ્બન, મુખદ્વારા અંગસ્પર્શ, લડકી, બાલિકા, છોકરી ।

બચ્ચું (સં.)છોટા બાલક, લડકા, છોકરા, બાલક ।

બચ્ચો (સં.) લડકા, છોકરા, બાલક, કુમાર, કિશોર, યહ શબ્દ પ્યાર ઔર તિરસ્કારમેં ભી કહા જાતા હૈ । [રફ ।

બચ્ચ્ડ (વિ.) ખરદરા, મોટા,

બચ્ચ્ર (સં.) તમાકૂ . તમ્બાકૂ ।

બચ્ચ્રપ્રદું (સં.) એક પ્રકારકી ઝાડ, એક પ્રકારકા તાલાબમેં પૈદા હોનેવાલાફલ, રીછકે મુખમેં ડાલકર પુનઃ નિકાલાહુવા કાલા મનકા, જિસે બચ્ચોંકે ગલેમેં ધાગે મેં ડાલતે હૈં.

બચ્ચું (ક્રિ.) અસર હોના, પ્રભાવ પડના, પાર પડના (કામ) બજના (બાજા)

ખબરદાર (સં.) ચેતવણી, ચેતવણી આપનાર, સાવધિયાપણું ।
ખબરદાર-ઝ (સં.) મૂર્ખ, ઠઠ, બિનકસી, સિરપચ્ચુ, ગરદનિયાગ ।
ખબરદાર (સં.) કપડા વેચનેવાલા, કપડેકા વ્યાપારી. વસ્ત્ર વિક્રેતા,
ખબરદારી (સં.) કપડે વેચનેકા વ્યાપાર, વસ્ત્ર વેચનેકા ધંધા, કતરબ્યૌંત, મૉલગડ સૌદાગરી ।
ખબરદિયા-ચેા (સ) ભાટ, નટ, નર્તકી, રસ્સીપરનાચનેવાલા ।
ખબરદાર (સં.) અફવાહ, ઇંઠી ખબર, કિમ્વદન્તી, બજારબાત ।
ખબરદારભાવ (સ.) બજારકા ભાવ, નિર્ખ, બિક્રીકા ભાવ ।
ખબરી (વિ.) સાધારણ, મામૂલી, હલકા, સાદા, વિશેષતા હીન । ખરાબ, [કલમબંધી,
ખબરીવહી (સં.) રોક, અન્તી,
ખબરીવનાર (સં.) વધિક, જલ્લાદ, બજાનેવાલા, બધંતરી, બધૈયા, ।
ખબરીવું (ક્રિ.) કાર્ય મેં પરિણત કરના, પાર પહુંચના (કામ) પાલના, (વચન) બનાના (બાધા) ક્રિયાપદમેં ખિસે ચાહુકાર વસૂલ કરને કી રુપયોંકે કરના ।
-ડેા ખબરવું (ક્રિ.) મારના, પીટના ।
ખબરી (વિ.) ખોટા હુવા, આગ્રહ કરને વાલા, હઠી, જિદ્દી, ગરજૈત આદિવાલા ।
ખબરેટા (સં.) બોટા, પાત્રવિશેષ,
ખબરેઠા (સં.) એક પ્રકારકા સ્ત્રિયોંકા ભૂષણ । [ગામ,
ખબરંબડા (સં.) હનુમાનજીકા
ખબાડવું (ક્રિ.) ઠોંકના, બિગાના, બજાના,
ખબોડવું (ક્રિ.) શરીર પર રુકા-દન ચોટ મારના, પીટના, ઠોકના, મારના ।
ખબોરવું (ક્રિ.) પૂર્વવત્,
ખર (સં.) એક પ્રકારકા બડા ઔર ખૂબ સૂરત ઘોડા, ટટ્ટૂ, ઉમ્દાસે ઉમ્દા લોહા, (વિ.) ઠોસ, જડ, મજબૂત, પક્કા ।
ખરકણું (વિ.) ટટ્ટૂ, ઘોડા, ખુર-કીલા, ખુરખુરા, ખરખનેવાલા ।
ખરકેાળું (સં.) વિનોદ, હાસ્ય, મજાક (વિ.) પરિહાસયુક્ત, વિનોદી, મજકી ।
ખરકી (સં.) ઠિંગની ઔરત, નીચે દર્જેકી બેરના, દાસી, લૌંડી, રાંડ રખી હુઈ ઔરત, નીચસ્ત્રી ।

બટકું (સં.) ટુકડા, છોટા ટુકડા।
બટમોગરો (સં.) બહમોગરા જિસમેં બડા ઔર બહુત પંખડિયોંકા બહુત ગન્ધવાલા પુષ્પ લગતા હૈ। એક પ્રકારકા ફૂલદાર વૃક્ષ, બેલા વૃક્ષ, ।
બટવો (સં.) થૈલી, ખોલી રુપયા, પૈસા રખનેકા છોટી થૈલી બટુવા ।
બટાઈ બવું (ક્રિ.) બટજાના ।
બટાઉ (વિ.) ઉઠાઉ, જાલૂ ઠૈલ, રડીબાજ, વ્યભિચારી, રંગીલા।
બટાટા (સં.) આલૂ, એક પ્રકારકા કન્દ, અરબી ।
બટાવ (સં. દેખો બટાઉ. યાત્રી, પાન્થ મુસાફિર, પથિક।
બટેરો (સં.) મિટ્ટીકા પ્યાલા ।
બટ્ટા (સં.) કલંક, તોહમત, દાગ, લાન્છન, બદનામી, શરાબ કી બોતલ ।
બટ્ટામિયાં (સં.) કૈરી (કચ્ચે આમ) કે ટુકડોં કો ઉબાલકર બનાયા હુવા અચાના, આમકા અચાર ।
બટ્ટીક (વિ.) જોરસે ઠેંસ ઠેંસ કર-નેવાલા હુવા, ગોલકા જૈસા હુવા ।
બડ (વિ.) મોટા, બડા, દીર્ઘ, કઠિન સખ્ત, મુશ્કિલ ।
બડબા (સ.) કપાસ ઇત્યાદિ ક ગત વર્ષકે પુરાને પેડ ।
બડબડ (વિ.) સખ્ત, કઠોર અસ્થિવાલા।
બડબડાટ (સં.) ગર્વયુક્ત બોલી, કુત્તેકા ગલાફુ, મિઝાજ કરકે બોલના ।
બડબડાવું બડબડવા (ક્રિ.) ગપ્પ હોંકના,।
બડબડાટ (સં.) બકબક, લગાલગ ટૉંયટૉંય, વ્યર્થપ્રલાપ, નિષ્પ્રયોજન બાત ।
બડબડવું (ક્રિ.) બકબક કરના, ક્રોધમેં કુછ મનહીમન બોલના, બડબડાના ।
બડબડાહટ (સં.) બકબક, (ક્રોધમેં) બોલે હી કરના, લગાતાર નિષ્પ્રયોજન બાતેં ।
બડબડિયું (વિ.) બકનેવાલા, નિષ્પ્રયોજન બોલતે રહને વાલા, બડબડાને વાલા ।
બડબડું (ક્રિ.) પકરના ઠોકના મારના કૂટના, પીટના, અચ્છી બાતોંકો પાદાઘાત દ્વારા ખૂબકુચલ-ના, દબાના, ।

અકમુઓ (સં.) જિસ મનુષ્યકે મૂછેં ન હોં, બિના મૂછોંકા આદમી ।

અકાં (સં) કુલાબે, કબ્જે, ચૂલ ।

અકુંડું (ક્રિ.) ચરસ મેં સૂંઈકા મોટા સૂતકરના, (સ) ચૂલ, કબ્જા, લોહ કે વે કુન્દે જો દરવાજેકી ચૌખટ મેં ઔર કિવાડોં મે લગાયે જાતે હૈ ઔર જિનપર કિવાડ ફિરતા હૈ ।

અકવો (સં.) યજ્ઞોપવીત સંસ્કાર કે બાદ ૧૨ વર્ષ તક દ્વિજબાલક કા બ્રહ્મચર્ય પાલન, બાલકકા યજ્ઞોપવીત સંસ્કાર કે બાદ વહ વિદ્યાધ્યયનાર્થ ઘરસે બાહિર નિકલતા હૈ ઔર ઉસકા મામા ઉસે પકડ કર વાપિસ લે આતા હૈ વહ કૃત્ય।

અકવો ધુબુઆવો (ક્રિ.) પૂર્વ ગુજરાતમેં કોલ ભીલ લોગોં મેં મનુષ્ય બીમાર પડ જાવે તબ યા છોકરે ન હોત હૈં। અથવા સંતાન ન હોતી હો તબ તબ એક પ્રકાર કી માનતા કી જાતી હૈ, લોગ અકવા કો જીવિત ડાકિન કહતે હૈ ઔર વે ઉસકો માનતે હૈં, યહ માનતા વે અપને મુખ્ય દેવ "બાબાદેવ" જિસકો વે અપના મુખ્ય દેવ સમઝતે હૈં ઉસકી રખતે હૈં।

અકવા (સં.) લાંઠે કો કાટકર કિયે હુવે ટુકડે. બચે હી પેરી ગયે કે ટુકડે ।

અકવો (વિ.) જિસકા સિર મુંડા હો, મુંડિત મુંડાહોર, બદસૂરત બેડૌલ ।

અકાબ્બો (સ.) બડાઈ કરને બાલા શેખી ખોર, ડીંગ હાંકને બાલા, આત્મશ્લાઘી ।

અકાબુટ (ક્રિ. વિ.) જૈસાકા તૈસા, અવ્યવસ્થિત, ઉલટપલટ ।

અકાબુડ (ક્રિ. વિ) પૂર્વવત્

અકેબ્બવ (વિ.) ઉચ્ચકુલોત્પન્ન, શ્રીમાન, પ્રખ્યાત ।

અકેબ્બવ મહેરબાન(રાજાકે સામને ઐસા ચોબદાર બોલતે હૈં) મહા રાજકી દીર્ઘાયુહો, પ્રતાપ બઢે, યશ ફૈલે ।

અકોબ્બા (સ.) વૃદ્ધ મુસલમાન કે લિયે સમ્માન સૂચક સંબોધન શબ્દ, બડા આદમી ।

અકુ (વિ.) બડા, દીર્ઘ, મહાન, પ્રધાન, મુખ્ય, બૃહત્, વિશાલ, મુખ્ય ।

અકુતી (સં.) અધિકતા, વૃદ્ધિ, લાભ, પ્રાપ્તિ, ઉન્નતિ, ચઢતી દશા, ઉત્કર્ષ । [કોલહુક ।

અકુર (સં.) કુશાગ્ર, દર્ભ, ઘૂણી,

भनभनु ऽंभनु (क्रि) घरघर जगह जगह बात फैलाना, प्रकट करना, लोगों पर जाहिर करना, प्रशंसा करना, गुण गाते रहना।

भनभनाना (क्रि.) भिनभिनाना, गुन गुना, मक्खी आदि के उड़ने का शब्द होना।

भनभनाहट (सं.) भिन भिनाहट, गुंजार, निनाद, गुन गुनाहट।

भनिया (सं.) एक प्रकार के दाने जो चावलों के भीतर होते हैं।

भनी (सं.) एक प्रकारका जंगल में पैदा होने वाला अन्न।

भनुख (सं.) हुल्लड़, फिसाद, बलवा, उत्पात, उपद्रव, कोलाहल, लुच्चाई।

भनुखोर (वि.) बागी, राजद्रोही, फिसादी, उपद्रवी, हुल्लड़ मचाने वाला।

भनिया (सं.) बदन, अंग, शरीर, बन्डी, कमर तक पहिरने का वस्त्र कुरता।

भतरी (सं.) छोटी कुल्हिया, मिट्टी का छोटा पात्र (घी इत्यादि भरने का)।

भतरीस-तीसी (सं.) बत्तीस, तीस और दो, ३२, संख्या विशेष।

भतरीस लच्छन (सं.) मनुष्य में होने योग्य ३२ गुण, सिंह का एक गुण, (पराक्रम) बगुले का एक गुण, (एक लक्ष रखकर पकड़ लेना) सुर्गे के चार गुण (प्रातः काल उठना, भरना, किंतु युद्ध में पीछे न हटना, परिवार का पालन पोषण करना, स्त्री पर हेत) मोर के छ गुण (ऊंचे स्थानपर रहना, शत्रु को मारना, मधुर भाषण करना, अच्छा रूप होना, चतुराई रखना, युक्ति प्रयुक्ति जानना, नम्रता रखना,) कुत्ते के छः गुण (थोड़े मिलने पर भी संतोष, बहुत मिले तो भी संतोष, निद्रा कम, तुरन्त समझ जाना, स्वामि भक्ति शौर्य प्रदर्शित करना) गधे के तीन (परिश्रम करना, दुःख की पर्वाह न करना, संतोषी रहना) कौवे के पांच गुण (किसी का विश्वास न करना, स्त्री प्रसंग गुप्त करना, नम्रता, समय जानना, और चंचलता) पुरुष के छः विपत्ति में धैर्य, युद्ध में पराक्रम, चतुराई, सभा में वाक चातुरी, यश की चाह)

અતરીસ કોઠે ઈવા (સં.) સર્વ બાજુ की સંભાળ ખબરદારી, હોશિયારી સાવધાની, ચોકસી ।

અતરીસ કોઠે હોવા (સં) અન્તઃકરણ में પ્રકાશ, સન્દેહ અથવા ભ્રાંતિ की સફાઈ, આનન્દ, વિઘ્નોં का વિનાશ, ઘટ ઘટ में પ્રકાશ, તેજોમય આનન્દ મય ।

અતરીસી-શી (સં.) સોલહ દાંત ઉપર के ઔર ૧૬ નીચે के; દન્તાવલી, જિવ્હા, ઔભ, મુખ के સમસ્ત દાંત ।

અતરીસી અતાવવી (ક્રિ.) હંસ દેના, ધમકી દિખાના, દાંત બતાના ।

અતરીસીએ ચઢવું (ક્રિ.) દાંત ચઢના, ડાહ में ઘુસના નિંદા હોના, અપવાદ હોના ।

અતલાવવું (ક્રિ.) બતાના દિખાના, સમઝાના પ્રદર્શિત કરના બતલાના

અતાવવું (ક્રિ.) દરસાના, દૃષ્ટિके આગે કરના, આગે આગે ચલના સાબિત કરના, સમઝાના, સ્પષ્ટ કરના, પ્રકટ કરના, કહના કહ કર સાવધાન કરના, પ્રગટ કરના, સૂચિત કરના, હાથસે ઇશારા કરના, સૈન કરના, વર્ણન કરના, અંજન અતાવવી (ક્રિ.) દગાના, બનકાના હાથ અતાવવું (ક્રિ.) મારના, પીટના, લગાના અતાવવો (ક્રિ.) બિદાગી કરના ।

અતેલો (સં.) એક પ્રકારકા દેશી જહાજ, બલવાન વિશેષ ।

અથી (સં.) બાતી, પલીતા, વર્તી, દીપક, દિવા, મોમબત્તી, દીવટ, સમૂહ, ઉત્તેજન, દમપટ્ટી ।

અથી આપવી (ક્રિ.) પ્રેરણા કરના, ઉત્તેજના દેના, ઉસ્કારના નયા પુરાના હો ઐસા પ્રયત્ન કરના જિવ્હા, ઔભ ।

અથી કાઢવી (ક્રિ.) બોલનેકી શક્તિ કમ હોના. ભાષણ શક્તિકા ન્યૂન હોના ।

અથી લાગે = આગ લગે, ચૂલ્હેમેં જાય, અનાવશ્યકતા, પ્રદર્શક વાક્ય ।

અથો (સં.) રસ્તા, મૂસલી ।

અથીસ (વિ.) દેખો અતરીસ ।

અથીસી (સં) ઔભ, જિવ્હા અવાન ।

અથાવવું (ક્રિ.) બકાના ઈંકાના, મથના, થકા ડાલના ।

અથાવી મારવું (ક્રિ.) બલપૂર્વક છીન લેના, પટક લેના, હિસ્સા લેના ।

બદનોબ (सं.) निंदा, अपवाद, बदनामी, अयश, अपकीर्ति।
બદનોબતાર (वि.) निंदक, बदनामी करनेवाला, विदूषक, अपवाद कर्ता।
બદદવા (सं.) श्राप, अनिष्ट चिंतन, शाप, दुराशीष, बददुआ।
બદદાનત (सं.) बेईमानी, दुष्टमना, कुधर्म, कुनिश्चय।
બદધું (सं.) मिट्टीका पात्र विशेष,
બદઇલ (सं.) दुराचरण, दुर्व्यसन
બદઇલી (वि.) व्यसनी, दुराचारी (सं.) अनीति दुर्व्यसन।
બદબખ્ત (वि.) अभागा, बदकिस्मत, बे नसीब, खराब चालवाला।
બદબોદાર (सं.) दुर्गन्ध, बदबु, बुरी बास, कुबास, बदनामी निन्दा। [मगरूर, अहंकारी:
બદમસ્ત (वि.) घमण्डी, गर्वित,
બદમસ્તી (सं.) गर्व, घमण्ड, अहङ्कार।
બદલ (कि. वि.) अदल बदल, पलट, प्रतिकार, परिवर्तन हेरफेर,
બદલવું (कि.) एकके बदलेमें दूसरा देना देना, अदला बदला करना, हेरफेर करना परिवर्तन करना, पलटना, उलटा करना, अन्यथा करण, एक स्थानसे दूसरे स्थान रखना।
બદલી મરવું (कि.) एक रखकर उसकी जगह दूसरी लेजाना।
બદલામ (सं.) देखो બદનામ।
બદલાવવું (कि.) फिराना, बदलाना, बदलवाना, लौटवाना,
બદલાવું (कि.) एकके स्थानपर दूसरा लाना, फिराना, बदलाना।
બદલે (कि. वि.) एवजमें, बदलेमें एक के स्थानपर जगह।
બદલો (सं.) एवज, उपकार, आभार, वैर, खार, प्रतिफल।
બદવું (कि.) आज्ञानुसार, चलना हुकम मानना आज्ञा पालन करना,
બદસિકલ-બિકલ (वि०) बद सूरत बेडौल, कुरूप, खराब चेहरेका।
બદામડી (सं.) बदामका वृक्ष।
બદી (सं) दुराचरण, अनीति, अधर्म, पाप, निन्दा, चुगली बुराई गिल्ली डंडाका खेल खेलने के लिये जमीन में खोदा हुवा छोटासा गड्ढा।
બદલ (कि. वि.) देखो બદલે
બધું-બધુ (वि.) सब समस्त, तमाम, सारा, सम्पूर्ण सकल।

બધે (ક્રિ. વિ.) સર્વત્ર સર્વ જગહ, યહાંવહાં સર્વ સ્થાનમેં।

બનડી (સં.) વધૂ, દુલહિન નવોઢા નવ વધૂ, બહેવ્યાહી ઔરત।

બનડો (સં.) વર, દુલ્હા, વર, દુલ્હા, વના, નવ વિવાહિત પુરુષ, એક પ્રકાર કા ગીત જો સ્ત્રિયાં ગાતી હૈં।

બનવું (ક્રિ.) વિના સોચા હોના, જૈસા ચાહિયે વૈસા હોના, અચ્છા હોના. અનુકૂલ હોના, કર સકના, હોના, નિકલના નિષ્પન્ન, સ્નેહ મિલાપ હોના, એક સાથ રહના-બનના, હિલ મિલ કે રહના, સાફ સુથરા હો કર સજના, દિલગી હોના। [જૈસે, બનાવે યોગ્ય

બનેતેવું (ક્રિ. વિ.) બન સકે

બનાં (સં.) લાજ, શરમ, આબરુ, ઇજ્જત।

બનાવ (સં) હોનહાર, પ્રસંગ ઘટના વૃત્તાન્ત, એકાએક વેસોચા હોના, સ્નેહ મિલાપ, બનાવટ, મિત્રતા।

બનાવવું (ક્રિ.) કરના, ઘડના રચના, જોડના, બનાના, ઉત્પન્ન કરના, પૈદા કરના, કહના, નિશ્ચિત કરના, મજાક કરના, બે વકૂફ બનાના, ઢંગ રચના।

બનેતેવું (વિ.) હોનેકે જૈસા, યથા સંભવ, સંભવ, મુનાસિબ, બન સકય। [વીર।

બનેવી (સં) બહિનોઈ, બહિન કા

બંધ (સં.) જિસ સે કોઈ ચીજ બન્ધ હો બન્ધન, બન્ધ, બાંધા હુવા, બેડ઼ી, સીમા, કૈદ, કાયદા નિયમ, બાન્ધ, પાની રોકને કે લિયે બાંધ પટ્ટા, બાંધને વાલા અર્થ સૂચક પ્રત્યય (વિ.) અટકાવા હુવા, રોકા હુવા, બાંધા હુવા, કૈદ કિયા હુવા।

બંધબેસતું (વિ.) યોગ્ય, ઉચિત, ઠીક, મુનાસિબ, અનુકૂલ।

બંધ બેસાડવું (ક્રિ.) ફિટકરના, ઠીક કરના, યોગ્ય કરના।

બંધ બેસવું (ક્રિ.) ઠીક હોના, યોગ્ય હોના, ઉચિત હોના, અનુકૂલ હોના।

બંદર (સં) જહાજ વગૈરહકે ઠહરનેકી જગહ, જહાજી મુકામ, પોર્ટ, વહ શહર જહાં જલ માર્ગ ઠહરતે હોં ચુંગીઘર, કસ્ટમ હાઉસ।

બંદરી (સં.) એક પ્રકારકા વૃક્ષ જિસકી પમડી બાંધી જાતી હૈ, (બમ્બોયિ વહ વૃક્ષ જિસકી પમડી

સ્તુતિપાઠકોને આતા છે,) બન્દર કમ્બખ્તી, કીમતી। [બન્દી,
બંદુકો (સં.) બંધુતા, કેદી,
બંદી (સં.) સ્તુતિપાઠક, ચારણ, બન્દીજન, ભાટ, કલાક,પ્રશંસક। અટકાવ, આડ, રોક, બન્ધી, મના, ઓડ, દોસ્તી, લૌંડી, ગુલામ (સ્ત્રી) હઠપૂર્વક પકડ કર લાઈ હુઈ સ્ત્રી।
બંદીખાનું (સં.) જેલ, બન્દી ગૃહ, કારાવાસ, કારાગૃહ, કૈદખાના।
બંદીખાનાવાળો (સં.) જેલર,
બંદેબોહા (સં.) ઈશ્વર કા દાસ, હરિભક્ત।
બંદો (સં.) નૌકર, ગુલામ, ભક્ત, દાસ, સેવક, ભૃત્ય, કિંકર, ચાકર, ફિદવી, ઘમણ્ડ મેં અપને લિયે પ્રયોગ।
બંધ (સં.) અટકાવ, રોક, નિયમ, કાયદા, રચના, બાંધા હુવા, બેડી, જંજીર, ડોર, રસ્સી।
બંધકરવું (ક્રિ.) રોકના, બન્દ કરના, મૂંદના, મીંચના, સંકોચન કરના, પ્રતિબંધ કરના, મના કરના, ભીતર કરના, પૂર્ણ કરના, સમાપ્ત કરના, ઢંકના।
બંધણી (સં.) બેરખા, છિનાલ, રણ્ડી।
બંધકુટ (સં.) બદકોષ્ઠ, કબ્જિયત, અપચકાલ, કુપચ, બદહજ્મી।
બંધકોષ (સં.) પૂર્વવત્
બંધબેસતું (ક્રિ.) મોફિક હોના, અનુકૂલ હોના, ઠીક હોના, યોગ્ય હોના।
બંધવ (સં.) ભાઈ, બન્ધુ, ભ્રાતા।
બંધાણ (સં.) ગાંઠ, પાશ, જાલ, રોક, પ્રતિબન્ધ, બંધન, બન્દ।
બંધાણી (વિ.) અભ્યાસ મેં લાઈ હુઈ, અભ્યસ્ત, (સં.) અફીમ ખાને વાલા।
બંધામણ-મણી (સં.) બાંધને કી મજદૂરી, બાંધને કા મૂલ્ય, બંધાઈ।
બંધારણ (સં.) રચના, યોજના પ્રબન્ધ, વશવર્તિતા, લિપ્ત, કાનૂન, કાયદા, પેટપર દવાઈ ઇત્યાદિ કા પલસ્તર, રંગરેજ કી ઔરત, રંગરેજન।
બંધારણી (સં.) અફીમ ખાને વાલા, અફીમચી, વ્યસની।
બંધારો (સં.) રંગને કા ભાગ અલગ અલગ બાંધ કર રંગને વાલા, રેશમી કપડા બોને વાલા।
બંધાવવું (ક્રિ.) બંધાના, પુસ્તક પર પુષ્ટિ પત્ર ચમકાના, જિલ્દ બંધાના।

બંધાવું (ક્રિ.) બંધવા, બાંધે જાના, બન્ધન મેં પડના. ફંસના, ૫૫૨ બંધાવો-ચેતન નિશ્ચયહોના, ૫૫ બંધાઈજવા-પૈર અકડ જાના।

બંધાર (વિ.) ઘેરા હુવા, બંધા હુવા, બે બહને વાલા પાની।

બંધા (સં.) મના, અટકાવ, રોક, આડ, નિષિદ્ધ. વર્જિત, કરાર, કૌલ, શર્ત, વચન, બોલી।

બંધી કરવી (ક્રિ.) કરાર કરના, વર્જિત કરના, રોક કરના, અમુક વસ્તુ ન ખાના, બન્દ કરના।

બંધીખાનું (સં.) કૈદખાના, જેલ ખાના, કારાગૃહ, બન્દીગૃહ।

બંધુ (સં.) બાંધવ, ભાઈ, સાથી, સંગી, સહચારી, મિત્ર, ભાઈબન્ધુ, દોસ્ત, સ્નેહી। [પ્રત્યુત દો।

બંધે (વિ) દોનોં, કેવલ એક નહીં

બન્નુસ (સં.) કમ્બલ, કામરી, કમરિયા, ઊની વસ્ત્ર વિશેષ।

બન્ને (વિ.) દોનોં, દો મનુષ્ય।

બપકું (સં.) કાષ્ઠ કા ગોલા ખિલૌના।

બપાનો (સં) દાદા, નાના।

બપે (સં.) દાદી, નાની।

બપૈયો (સં.) પપીહા, એક પ્રકાર કા પક્ષી, ચાતક, ઇસ પક્ષી કે કણ્ઠ મેં છેદ હૈ જિસકે કારણ યહ સદા પિયાસા મરતા હૈ કિંતુ વર્ષા ઋતુ મેં ઇસકી પ્યાસ મિટ જાતી હૈ, કહતે હૈં તબ યહ ઉકટા હો કર આકાશ સે ગિરને વાલી બૂંદ કો પાન કરતા હૈ।

બપોર (સં.) દો પહર, મધ્યાહ્ન સૂર્યોદય કે પશ્ચાત્ દૂસરે પ્રહર કા અંત।

બપોરિયું (સં.) એક પ્રકાર કી આતિશબાજી, એક પ્રકાર કા પુષ્પ, મધ્યાહ્ન તક કામ કરને વાલા મનુષ્ય, દો પહરિયા।

બપોરિયો (સં.) એક પ્રકાર કા વૃક્ષ, ઇસ મેં દો પહરી કે સમય ફૂલ ખિલતે હૈં, ઇસકે ફૂલ લાલ ઔર સફેદ હોતે હૈં।

બપોરી બખત-રે (ક્રિ. વિ.) મધ્યાન્હે, દિનકે મધ્ય મેં, દુપહરી મેં।

બફ (સં.) ઘામ, બફારા, ભાપ।

બફાવવું (ક્રિ.) ગુણ કરના, ફાયદા કરના, લાભ કરના।

બફાળું (સં.) એક પ્રકાર કા આમ કા આચાર, ઉબાલ કર રાઈ કે યોગ સે બનાયા હુવા આમ કા આચાર, ખિચડી વગૈરા મેં ઉબાલી હુઈ કેરી।

બફારો (સં.) ભાપ, બફારા, બાષ્પ, ઘામ, ગર્મી કા ભપકા, ઉષ્ણ જલકી ગર્મી ।

બફારવું (ક્રિ.) બાષ્પ સે ગરમ કરના રાંધના, સિજાના, ઉબાલના, ઘામ, સે વ્યાકુલ હોના, ગર્મીસે ઘબરાના।

બબડવું (ક્રિ.) બડબડના ।

બબડાટ (સં.) દેખો બડબડાટ

બબરચી (સં.) રસોઇયા, ભોજન કરને વાલા, પાકી, રોટી બનાને વાલા ।

બબરચીખાનું (સં.) પાકગૃહ, ભોજનગૃહ, રસોઈ ઘર, રન્ધન ગૃહ ।

બબુક (સં.) મૂર્ખ, શઠ, બેવકૂફ ।

બબુચક (સં.) પૂર્વવત્

બબ્બે (વિ.) બહુત વસ્તુઓં મેં પ્રત્યેક દો, દો દો, પ્રત્યેક દો કા સમુદાય ।

બમ્ (ક્રિ. વિ.) આવાજ કા સૂચક શબ્દ, દન, (સં.) ગોલા, બમ્મ યહ શબ્દ શિવજીકે સામને ભી બોલા જાતા હૈ, જોગી ભિક્ષા માંગતે સમય ભી ઇસ શબ્દકો ઉચ્ચારણ કરતે હૈં ।

બમ્બસ (વિ.) ઠસાઠસ ભરાહુવા, બિલકુલ ભરાહુવા ઠસાહુવા ।

બમબમવું (ક્રિ.) પંખકા શબ્દ હોના, એક જગહ બારબાર મટકના ભિનભિનાના ।

બમબમાટ (સં) ભિન ભિનાહટ, મક્ષિકા આદિકે ઉડ઼નેકા શબ્દ, ભિનભિન । [દુગુના, ડબલ ।

બમણું (વિ.) દુહરા, દુપટ,

બમણુંબારસ (સં.) અતિપીડ઼ા, કઠિનતા, અત્યન્ત માથાફોડ઼ી ।

બંબ (સં.) મૃદંગમેં ષડજસ્વર, લડ઼ાઈ કા ડંકા, કોલાહલ, હોહલ્લા, જલકા નલ, બડ઼ા, સ્થૂલ ભારી યુદ્ધશસ્ત્ર । [મારમારના ।

બંબ બબાવવો (ક્રિ.) ઠોકના,

બંબબાજરી બાબણી (ક્રિ) પૂર્વવત્,

બંબભોલેનાથ (સં.) શિવજી કે લિયે સમ્બોધન વાક્ય. (શિવજીકી જટાસે ગંગા કે પ્રવાહ કે શબ્દસે ઇસશબ્દકી રચના હૈ ।

બંબબાબવો (ક્રિ.) પૈસા ટકા કુછ ભી ન હોના, ખાલી હોના, કુછભી ન હોના ।

બંબેબંબ (વિ.) બાહિરસે ભડક કિન્તુ ભીતર સે કુછભી નહીં, પોલા ખાલી, અંધેર, અવ્યવસ્થા ।

બંબેબંબ ઠોકવું (ક્રિ.) અટકલ પંજૂ કહના, ગપ્પ મારના, અન્ધેર ચલાના ।

બંબો (સં.) પમ્પ, પાણીકા નલ, કુએસે પાની નિકાલનેકા પંપ, આગ બુઝાનેકા નલ, કોઈ દીર્ઘ ઔર સ્થૂલ વસ્તુ । [દીર્ઘ ।

બંબ (વિ.) મોટા, વિશાલ ભારી

બંબોચાંબવો (ક્રિ.) પિચકારી ચલાના ।

બર (સં.) ચૌડાઈ, પના, અરજ, જાત, માલ (વિ.) પૂરા પડા હુવા, અનુસાર મૂજિબ, મુઆફિક, યોગ્ય, લાયક ।

બરક (સં.) ઉંટકે બાલ ।

બરકત (સં.) હિત, લાભ, ફાયદા જિસસે ફાયદા હો, ફતહ, શુભ, કલ્યાણ, સિદ્ધિ, અધિકતા ।

બરકંદાજ (સં) બન્દૂકવાલા, બંદૂકચી । [પુકારના, આવાજ લગાના।

બરકવું (ક્રિ.) ચિલ્લાકર બુલાના,

બરકી (સં.) રુઈકી ગાંઠ ।

બરકો (સં.) હલ્લા, ધ્વનિ, શબ્દ, કોલાહલ, આવાજ, રવ ।

બરખાસ્ત કરવું (ક્રિ.) છુટ્ટી દેના છોડના, ત્યાગના, વિસર્જન કરના ।

બરખાસ્ત થવી (ક્રિ.) છુટ્ટીહોના, સમાપ્ત હોના, ઇસ્તફા છૂટના ।

બરડો–ડી (વિ.) કુરવરા ઔર કઠોર, દૃઢ શરીરકા (મનુષ્ય),

બરબાત (વિ.) નિમ્ન કુલકા, નીચ વર્ણ, બદજાત, નીચ, કમીન

બરડ (વિ.) તુરંત ટૂટજાને વાલા, ચટકીલા કડકીલા, (સં.) દાંત પીસનકા શબ્દ, કરડકરડ ।

બરદાસ્ત ભોળું (વિ.) ભોલા, સીધા ।

બરડો (સં.) પૃષ્ઠ, પીઠકી હડ્ડી, બાંસ, સુપારીકી એક જાતિ, અર્દ્ધ પકી હુઇ સુપારીકો તોડકર ઉસકો ઉબાલકર સુખાઈ હુઇ સુપારી ।

બરડો ભેરવો બળી બાંધવો (ક્રિ.) બહુત મારને પીટનેસે પીઠકી હડ્ડી મેં હાનિ પહુંચના, સીધે ખડે ન રહ સકના ।

બરડો ભારે બાંધવો (ક્રિ.) માર મારકર પીઠકી હડ્ડી ઢીલી કરને કી જરુરત પડના। [ક્ર પાત્ર વિશેષ।

બરણી (સ.) ચીની અથવા મિટ્ટી

બરતરફ (વિ.) નિકાલા હુવા, આજ્ઞા દી હુઈ, દૂર કિયા હુવા (નૌકરીસે)

બરતરફી (સં.) પૃથક્કરણ, નિકાલ।

બરદ (સં.) માનતા, સંકલ્પ, પ્રતિજ્ઞા, વચન, ભક્ત કો વરદાન દેને કી પ્રતિજ્ઞા ।

બરદાસ–શ્ત (સં.) સંભાલ, શુદ્ધિ પૂર્વકપાલન, ખાતિર, આદર, પ્રબન્ધ।

બરદિયો (સં.) રાજ્યકા સ્તુતિ પાઠક, ચારણ બન્દી ભાટ પ્રભૃતિ।
બરબાદ (વિ.) રદ્દ, નિકમ્મા, મિથ્યા, ખાલી, નાશ કિયા હુવા।
બરબાદ (સં.) દયા, સમ્બન્ધ।
બરબાદુ (ક્રિ.) નીંદમેં બડબડાના, બરબરાના, નિદ્રા મેં બોલના।
બરબાદ (વિ.) ઝટ ટૂટ જાનેવાલા।
બરબાણ (સં.) તાપકી ઝનઝની, હલકા જ્વર, જ્વરકા પૂર્વરૂપ।
બરબાડ (સં.) હલ્લા, કોલાહલ, ઓરકી આવાજ।
બરબાડુ (ક્રિ.) ચિલ્લાના, ઓર સે હલ્લા કરના, ઘહારના।
બરબાડો (સં.) ઓરકા શબ્દ, ઓરકા હલ્લા, ખૂબ કોલાહલ।
બરબાર (વિ.) સમાન, તુલ્ય ઠીક, ઉચિત, યોગ્ય, વાજબી, ઘટિત, લાયક, અનુકૂલ, અનુસાર, મુવાફિક, સમતોલ, સરીખા, સીધા સચ્ચા, એકરૂપ, સમરૂપ, દુરસ્ત, ભૂલચૂક રહિત, પૂરા પૂર્ણ, સમસ્ત, સબ, સમ્પૂર્ણ।
બરબાર બનુ (ક્રિ.) હોરહના, પારહોના, નાસમાના, મરજાના।
બરબાર (ક્રિ. વિ.) ચાહિયે જૈસા, વૈસાહી વૈસાહી, કેવલ।
બરબરિયુ (વિ.) સમાન, બરાબર કા, હમઉમ્રી, સાથી, સમવયસ્ક।
બરબરી (સં) સમાનતા, સ્પર્દ્ધા, ચાહ।
બરબાસ (સં.) કપૂર મેં મસાલા ડાલ કર બનાયા હુવા એક પ્રકારકા સુગન્ધિત તથા ઠંડા મસાલા। કૂંચી, બ્રશ, બુરસ. પીંછી, કલમ, પત્થર નાપનેકા બાપ।
બરબાસકપુર (સં.) એક પ્રકારકા કપૂર। [રંબીંદા ગુમગૂનિ।
બરિમલ (વિ.) ઉદાસ, શોકાર્ત.
બરિમલપણુ (સં.) ઉદાસા રોગિશ, ગમ।
બરી (સં.) અંગરખેકા એક ભાગ।
બરુ (સં.) એક પ્રકારકી ઘાસ, બરૂ, જિસકી કલમ બનતી હૈ, નરકટ, નરસલ।
બરો (સં.) નિર્બલતાકે કારણ ઓષ્ઠ પર ઉત્પન્ન ફુનસી, અભિમાન, ગર્વ, ઘમણ્ડ।
બરોકુ (સં.) જુવાર બાજરી આદિ કા ડંઠલ, બરૂ, એક પ્રકારકી ઘાસકી જડ઼।
બરોબર (સં.) દેખો બરાબર
બરોબરીયો, બરોબરીયુ } દેખો બરાબરિયુ

બલ (સં.) દેખો બળદ વા બળ.

બલકે (કિ. વિ.) બલ્કિ, વિશેષ, પ્રત્યુત ।

બલકૈટ (વિ.) બલવાન, શક્તિ-સમ્પન્ન, તાકતવર જોરાવર, સમરથ।

બલગમ-ગમ (સં.) કફ, શરીરસ્થ એક પ્રકારની ધાતુ, કંસાર, શરીરસ્થ મૈલ ।

બલગો (સં.) પૂર્વવત્

બલભરી (સં.) એક પ્રકારકા ગલે મે પહિરનેકા સ્ત્રિયોંકા ઝેવર ।

બલહ-દીગો (સં.) દેખો બેલ

બલમ (સં) ગરમ પાની મેં ડાલે હુએ તુષરહિત ચાવલ, ઇસ પ્રકાર કે દાને (ચાંવલકે) ફટતે નહીં હૈં।

બલવધુ (સં) એક પ્રકારકા ક્ષાર, આવલે કે પાની મેં ઉબાલા હુવા નમક ।

બલવો (સં.) તૂફાન, ફિસાદ, ઉત્પાત, ઝગડા, ટટા, ઉપદ્રવ ।

બલા (સં.) ભૂત, પ્રેત, આફત, પીડા, દુઃખ, રોગ, કષ્ટ ।

બલા લેવી (કિ.) કિસીકી પીડા સ્વયમ અપને ઉપર લે લેના, બારી બલા બાબે = મૈં નહીં જાનતા મુઝે જાનને કી આવશ્યકતા નહીં।

બલાઃ (સ.) બગુલા, બક, પક્ષી વિશેષ । [સ્ત્રી ।

બલાકા (સ.) બગુલી, બક કી

બલાબલ (વિ.) હરામી, બીચ કરાને કર્તા । [જાને ।

બલા રાત બબે=ઈશ્વર જાનેં, હરિ

બલા બળબની (ક્રિ.) બલા લગના, આપત્તિ મેં ઘિરના ।

બલાડી (સં.) બિલાડી

બલૈ (સ.) બગલ મેં કા એક રોગ વિશેષ જો ગાઠ કે રૂપ મેં હોતા હૈ।

બલેયા (સં.) બારફેર, કિસી મનુષ્ય કે સિરપર હાથ ઘુમાનેકી ક્રિયા જો યહ પ્રદર્શિત કરતી હૈ કિ તેરી સારી બલાએં ઔર આપદાએં દૂર હોં, ચૂરિયાં ।

બલેયાં બેચના (ક્રિ.) હિસાબ લગા કર દિખાના ।

બલૈયુ (સં.) ચૂડી વલય ।

બલોતિયું (સં.) બાલકોં કે મલ મૂત્ર કરનેકા કપડા, પોતડા ।

બલોદોર (સં.) કલેજે કા દર્દ, હૃદય શૂલ ।

બલોયુ (સં.) પતલી પતરી કી ચૂડી, આગે પહિનને કી પતલી ચૂડી । [મેં બોલના, બરોના ।

બલ્લવું (ક્રિ.) મોંહ મેં બેબાક, બિના

બલાડું (સં.) નઈ આબાદ જમીન का द्वितीय वर्ष ।
બલીર (સં.) अस्सी तोले ।
બલીરી (સં.) अस्सी तोलों का बाट-बजन ।
બસ (क्रि. वि.) पूर्ण, काफी, हुआ, इत्यादि अर्थों का सूचक शब्द ।
બસેં-સો (वि.) दोसौ, द्विशत, २००।
બસ્તો (સં.) बण्डल, पोट, गठरी।
બહવવું (क्रि.) बोलना, भाषण करना ।
બહાદર (वि.) साहसी, वीर, मर्द, छाती वाला, शूरवीर ।
બહાનું (सं.) निमित्त, मिस, ढोंग, मिथ्या कारण, बहाना ।
બહાર (सं.) शोभा, आनन्द, मज़ा, खुशी, वसन्तऋतु, (क्रि. वि.) बाहिर, पृथक्, अलग ।
બહાર છે તેડલે। બોંબાબાં છે उसकी जड़ बड़ी गहिरी है, बहुत ही लुच्चा है, चलता पुरजा है ।
બહાર બવું (क्रि.) पाखाना फिरने जाना, टट्टी जाना, शौच जाना, दस्त जाना, घर से बाहिर जाना ।
બહાર મારવો। (क्रि.) मजा मारना, आनन्द लूटना, खूबसूरती का आनन्द प्राप्त करना ।
બહારવું (क्रि.) झाड़ू निकालना, बुहारी देना, बुहारना, कचरा झाड़ना, साफ करना, अलग करना।
બહાર (सं.) बन्दूक का शब्द ।
બહારવટિયો (सं.) देखो બારવટિયો।
બહારવટું (सं.) देखो બારવટું
બહારું (वि.) कायम रखा हुवा निकाल देने के बाद फिरने रखा हुवा ।
બહાવું (क्रि.) बहाना, फैलाना ।
બહાવરું (वि.) विह्वल, घबराया हुवा, व्याकुल, व्यथित ।
બહુજ થઇ (क्रि.) बहुत दुःख बीता, बेहद हुवा, अति हुई ।
બહુગંધા (सं.) पीली जुही, काला औरा, चंपाकी कली, स्याहजीरा।
બહુરૂપી (सं.) नाटकी, बहुत वेश बनानेवाला, बहुरूपिया, स्वांगी ।
બહુવેળા (क्रि. वि.) प्रायः, कई बार, कई प्रकार, अक्सर ।
બહુસારું (क्रि. वि) बहुत ठीक, अच्छा, अत्युत्तम, अतिश्रेष्ठ, सर्वोत्तम ।
બહેન (सं.) बहिन, भगिनि, बाई ।
બહેરું (वि.) बधिर, बहिरा, जिसे कानसे नहीं सुने, जिस कान से नहीं सुने, श्रवण शक्तिहीन ।

બહોળું (વિ.) બહા, દીર્ઘ વિસ્તૃત।
બહોળે હાથે (ક્રિ. વિ.) મુક્ત હસ્તસે, ઉદાર રીતિસે, ઉદારતા પૂર્વક, વિના સંકોચકે, વિસ્તીર્ણ હૃદયસે।
બળ (સં.) બલ, શક્તિ, પૌરુષ, તાકત, વીર્ય, સામર્થ્ય કૂવત, પ્રભાવ, પ્રતાપ, પરાક્રમ, ગૌરવ, સૈન્ય, દલ, ફૌજ, લશ્કર, પ્રાણ, જીવ, જુલ્મ, જબરદસ્તી, બલાત્કાર।
બળકટ (વિ.) બલવાન, બલવન્ત, તાકતવર, સશક્ત સામર્થ્ય યુક્ત।
બળખો (સં.) કફ, કંસાર, બલગમ।
બળજોરી (સં.) બરજોરી, જોર જુલ્મ, જબરન્, બલપૂર્વક, બલાત્।
બળતણ (સં.) ઈંધન, ઇન્ધન, જલાને કી સામગ્રી, બળીતા, રાંધનેકા પાત્ર, બરતન, પકાનેકા બરતન।
બળતરા (સં) રંજ શોક અફસોસ।
બળતું (સં.) તાપ, અગ્નિ, ગર્મી, જ્વાલ, શોહલે, શોક, રંજ અફસોસ। (વિ.) પ્રજ્વલિત, જલતા હુવા।
બળદ (સં.) બૈલ, વૃષભ, સાંઢ વિના બુદ્ધિકા મનુષ્ય, બલ દેને વાલા, પૌષ્ટિક, જોર દેને વાલા।
બળદાર (વિ.) બલવાન, મજબૂત, શક્તિ સમ્પન્ન, તાકતવાલા।
બળબારી (સં.) અત્યંત દૃઢ, બહુત મજબૂત।
બળબળ (સં.) બરબર જિતા, શોક।
બળબંબ (સં.) એક પ્રકાર કા ફલ। [ઔષધિ।
બળબીજ (સં.) એક પ્રકાર કી
બળવત્તર (વિ.) બહુત તાકત વાલા, અધિક શક્તિ સમ્પન્ન।
બળવું (ક્રિ.) દગ્ધ હોના, ભસ્મ હોના, જલના, દાઝના, ક્રોધ મેં વ્યાકુલ હોના, કુઢના, સ્પર્દ્ધા કરના।
બળીનેખાખ થવું (ક્રિ.) ઈર્ષ્યા તથા સ્પર્દ્ધા સે હૃદય જલના, કિસી કા ભલા દેખ કર જલના, ચિંતા હોના, જલ ભુન કર ભસ્મ હોના।
બળેવ (સં.) દેખો બળેવ।
બળેવો કરનાર (સં.) બલવાદ, બાગી, બલોદ્વિગ, ઉપદ્રવી, ઈંગઈ।
બળવાખોર (સં.) પૂર્વવત્
બળાપો (સં.) દુઃખકી જલન, હૃદય દાહ, શોક રંજ સંતાપ દ્વેષ, સ્પર્દ્ધા। [બન્ત।
બળિયું (વિ.) બલિષ્ઠ, બલ-
બળિયેલ (વિ.) ઈર્ષ્યાલુ, દ્વેષી, સ્પર્દ્ધી, દેખકર જલને વાલા।

અબ્લી (સં.) બલિ, ભેટ, ભોગ, પૂજા.

અબ્લેદ (સં.) શ્રાવણની પૂનમ, શ્રાવણ શ્રાવણી પૌર્ણિમાતિથિ, એ દિવસ પછી દરિયામાં જલયાન ચલાવવા આરંભ થઈ જાય છે. એ દિવસે બ્રાહ્મણ લોક યજમાનના હાથમાં રાખી રક્ષાસૂત્ર બાંધે છે, યજુર્વેદી બ્રાહ્મણ એ દિવસે યજ્ઞોપવીત આદિ બદલે છે, ઉપાકર્મ.

અબ્લેષુ (સં.) જુઓ અબ્લિયેષ

અબ્લો (સં.) અમાહુવા, દૂધ.

અબ્લોટિયું (સં.) પોતડું, વહમલ જે બાળકના નીચે મલમૂત્રાદિ કરે એ સારૂ બિછાવાય છે. બચ્ચાનું બિછોનું. [વેતન દેનેવાલા ક્લર્ક.

અબ્લી (સં.) તનખાહ દેનેવાલે

અબ્લીસ (સં.) ઇનામ, પુરસ્કાર, ભેટ દાન, બકશીસ.

અંક (સં.) બેસવાની તખ્તી, બેંચ ટિપાઈ, લાંબીટિપાઈ.

અંકવું (ક્રિ.) બકવું, બોલવું, કહેવું. [કેલાપન, કેલાઈ.

અંકાઇ (સં.) ટેકાપણ, બાંક,

અંકું (વિ.) કેલા. બાંકુરા, ખૂબસૂરત, હિમ્મત, સાહસ, ફકડ, ટેકા, નાયુક, (કામ) રણસીંગા

અંકારુંકવા (ક્રિ) ખુશામદ કરવી, ગુણાનુવાદ કરવો, પ્રશંસા કરવી.

અંકિરાવ (સં.) ફક્કડ, બાંકા, શેખીબાજ, અભિમાની, અકડૂ.

અંગ (સં.) ચિલ્લાકર નમાજ પઢના, નમાજકા સમય બતાને કે લિયે "અલ્લાહો અકબર" કી પ્રચણ્ડધ્વનિ, સ્ત્રિયોંકા એક પ્રકાર કા રેશમી વસ્ત્ર.

અંગરુ (વિ.) લુચ્ચા, બાલાક, મક્કાર, ટેકા, બહાદૂર, વીર.

અંગરો (વિ.) શિરપર ચઢાયા હુવા, બહકાયા હુવા, ફુલાયા હુવા.

અંગેરવું (ક્રિ.) ઉકારના, અરીકર રોના, ચિલ્લાના.

અંગ (સં.) સ્ત્રિયોંકે પહિરનેકા એક પ્રકાર કા રેશમી વસ્ત્ર.

અંટવું (ક્રિ.) બાંટના, હિસ્સા કરના, વિભાગ કરના.

અંડાબીજ (સં.) વૈશાખ માસકે શુક્લ પક્ષકી દ્વિતીયાતિથિ.

અંડિયું (સં.) મુસલમાનોં કે લિયે તિરસ્કાર સૂચક શબ્દ.

અંડિયો (સં.) પૂર્વજ.

અંડું (વિ.) બે પૂંછ, પુછ કટા, પુચ્છહીન, બદસકલ, બદ, ઉઘાડા, નંગા. [દાઢી, લૌંડી.

અંડી (સં.) ચાકરી, ટહેલ્કરી,

બાંધ (સં.) પાણીના પ્રવાહ, રોકનેકે લિયે બાંધા હુવા બાંધ, પુલ, પાલ, બન્ધ ।

બાંધ કામ (સં.) ચુનાઈકા કામ, બાંધ કા કામ, ભવનાદિ નિર્માણ કાર્ય ।

બાંધ છોડ (સં.) બાંધને તથા ખોલનેકા કાર્ય, પકડના, ઔર છોડના।

બાંધ છોડની બાત = દાવપેંચકી બાત, ઐસી કઠિન બાત જિસમેં હોશિયાર મનુષ્ય કી સલાહ લેની પડે ।

બાંધણું (સં.) વહ કપડા જિસમેં પુસ્તકેં તથા વસ્ત્ર આદિ બાંધ જાતે હૈં, બસના, બન્ધન, ગાઠ લિફાફા ।

બાંધવું છોડવું (ક્રિ.) ઝુક જાના, હાર જાના, સામના કરને કી હિમ્મત છોડના ।

બાંધણી (સં.) બાંધનેકા ઢગ, રચના, યોજના, ચુંદડી, (સ્ત્રિયોં કી ઓઢની,) ગ્રંથ કી વિષય યોજના, ઇબારત ।

બાંધણું (સં.) સ્મશાન, મરઘટ, મુર્દા, ઘટ, મસાન, અંત્યેષ્ટી કી જગહ ।

બાંધવું (ક્રિ.) બાંધના, કસના, ગાંઠના, સાધના, ગૂંથના. ગાંઠ લગાના, અકડના, દઢ કરના, બહુત સામગ્રી દ્વારા નવીન રચના, નિયમસે મર્યાદા પૂર્વક રખના, અંકુશ મારના, વિચાર કરના, બન્ધન મેં લાના, એકત્ર કરના, જમાના ।

બાંધી દેવું (ક્રિ.) જવાબ દેને મેં ઘબરાવે ઐસા કરના, અપના કહા હુવા વાપિસ લેના પડે ઐસી સ્થિતિ મેં પડના, યંત્ર મંત્રાદિ પ્રયોગ સે વશ મેં કરના,અધિકારમેં કર લેના।

બાંધી ઘડીનું (વિ.) બહુત નીચાઇ, બહુત ઊંચા, બહુત મોટા ન બહુત પતલા ।

બાંધી ભીડી (સં.) દાવદૂબ, ભાંડા ફોડ નહીં હુઈ હો ઐસી હાલત ।

બાંધેલી કમ્મરનું (વિ.) તય્યાર, ચંચલ, હાજર, તત્પર, હિમ્મતવાલા, કમર બાંધે હુવે તય્યાર ।

બાંધ્યો પગ રહેવો (ક્રિ.) ફુરસત સે એક હી જગહ બહુત દેર તક બૈઠના ।

બાંધી મુઠ્ઠ (સં.) નિયમિત સમય, મુકર્રરકરદા, નિર્દિષ્ટ કાલ

ગાંધી બારી (ક્રિ. વિ.) સંશય યુક્ત, સંદેહપૂર્વક, સંદિગ્ધતા યુક્ત, મોસમોલ.

બાંધે બારે (ક્રિ. વિ.) પૂર્વવત્.

બાંધો (સં.) જન્મસે અથવા કસરતસે શરીર સંગઠન, દૃઢ, કઠોર, રૂપ, શકલ, ઢાંચા, સાંચા.

બાંબૂ (સં.) વાંસ, બમ્બૂ, વંશ.

બાંમ્બે (સં.) બંબઈ, મુંબઈ નગર.

બાંલોઝ-રો (સં.) કોમલ પત્થર, નરમ પત્થર, (પોરબન્દર કી તરફ).

બાંય (સં.) બાહુ, બાહું, બાજૂ, [અસ્તીન.

બાંયડું (સં.) હાથ, હસ્ત, કર, બહુ, મુજા. [ગેરંટી.

બાંયધર-રી (સં.) જમાનત,

બાંહ (સં.) હાથ, બાંહ, અસ્તીન, વસ્ત્ર કા વહ ભાગ જો હાથકો ઢાંકતા હૈ. કમ્પાકે હાથકી ચૂડી સહાય, મદદ.

બાંહધર-રી (સં.) હાથ પકડને વાલા, જામિન, હામીદાર.

બાહું (સં.) લકડી કે વે ટુકડે જો કિ ઘર કે દ્વાર મેં લગાયે જાતે હૈં.

બા (સં.) બહિન, મા, બાઈ, બાલક કે લિયે લાડ મેં બોલને કા શબ્દ.

બાઈ (સં.) ઘર મેં કી બડી સ્ત્રી કે લિયે સન્માન સૂચક શબ્દ, સાસ્.

બાઈઠપ્પાણી (સં.) યાચના, નિર્ધનતા, દારિદ્ર, ગરીબી, આજિજી, નામર્દી.

બાઈ ઠપ્પાણી કરવું (ક્રિ.) ભીખ માંગ કર ખાના, બે પુરુષાર્થ હોના.

બાઈજી (સં.) સાસૂ, સાસ, સ્વસુર પત્ની.

બાઈ માણસ (સં.) સ્ત્રી જાતિ બેયર બાની, મસ્તૂરાત્, જનાના. અબલા જાતિ. [કે લિયે)

બાઉ (સં.) લડ્ડૂ, હૌવા. (બાલકોં

બાઉમી (સં.) હઠ, જિદ્, દુરાગ્રહ.

બાઝરી (સં.) મમતા, ટક્કર, હઠ, જિદ્.

બાઝરી બાંધની (ક્રિ.) મમતા કરના, બૈર કરના, સામના કરના, જિદ્ બાંધના.

બાઝળા (સં.) રાંધા હુવા અન્ન, બિના પીસે યા ટુકડે કિયે રાંધા હુવા અન્ન.

બાકીતાકી (વિ.) માંગતી હુઈ (રકમ) લેને યોગ્ય, બાકી.

બાકીબાકી (સં.) શેષ, બચત.

બાકીનું (વિ.) બાકીકા બચાહુવા.

ભાડુ-ઉદ્ર (સં.) બડા भारी छेद।
ભાભડવું (क्रि.) बाक युद्ध करना, झगड़ा करना, व्याकुल करना।
ભાભડવું (क्रि.) पूर्ववत्
ભાખડી (સ.) बहुत दिनों की व्याईगाय भैंस, समर्था गाय अथवा भैंस जो दूध देती हो।
ભાભોળુ (વિ.) खरा, सच्चा, निष्कपटी।
ભાખું (वि.) बाका, रंगीला, छैला।
ભાગનેટ (सं.) संगीन, बंदूक की नली के ऊपर भाला।
ભાગભગીચો (स.) वाटिका उपवन इत्यादि, फुलवारी।
ભાગવાન (सं.) माली, बागीचे के वृक्षों की हिफाजत करने वाला।
ભાગાયત-તી (सं.) बागीचे की भूमि, कृषि विद्या, बागीचे का हुनर। [डरावना, उद्धत।
ભાયડ-ડો (वि.) खौफनाक, भयंकर
ભાયેલ (वि.) मूढ, मठ।
ભાલેડા (सं.) मुट्ठी भरने में जितना अंगुलियों पकड़ा जा सके उतना, औंधा हाथ कर के चमड़ी पकड़ कर खींचने की क्रिया, मुट्ठी।
ભાવ (सं.) एक प्रकार का पक्षी, शिकरा, पतंग, पतर, पातर, पत्रावलि, थाला, रखने वाला इत्यादि अर्थ सूचक संस्कृत का प्रत्यय, घोड़ा घोड़े की एक जाति विशेष। [बैंच, चौकी।
ભાવટ-ઠ (सं.) स्टूल, तिपाई,
ભાવડું (सं.) पतल पत्रावलि, पतर।
ભાવ'ડું (वि.) चंचल, चपल।
ભાવ'ડાવેડા (सं.) चंचलता, चपलता, लुच्चाई, बदमाशी, ऊधम।
ભાવરિયું (सं.) मुंड, सिरा, बाल, (अन्नके) एक प्रकारकी, अतिशबाजी।
ભાવરિયું (सं.) बाजरा नामक अन्नके सिरे-मुंडे एक प्रकारका छेवर।
ભાવરિયું વધવું (क्रि.) सिरपर बड़े बड़े बाल बढजाना (हंसीमें)
ભાવરિયો (सं.) बाजरे के सिरों को पानी छींटकर उसको कूट कर और बाजरा निकालकर अलग रांधा हुवा पदार्थ।
ભાવરી (सं.) बाजरा नामक धान्य का पेड़, बाजरा नामक अन्न। [करना।
ભાવભાંજણી (क्रि.) जेब आदि

બાજબગી (ક્રિ.) सारी बात बिगड़ना ।

બાજબતવી (ક્રિ.) यशोदाता कार्य में सफलता पाना, विजय पाना ।

બાજી ધૂળ થવી-બગડવી (ક્રિ.) खेल बिगड़ना, विचारी हुई बात बिगड़ना, उलटे पासे गिरना ।

બાજી હાથમાં આવવી (ક્રિ.) भाग्य परीक्षाका अवसर प्राप्त होना ।

બાજી હારવું (ક્રિ.) निष्फल होना, हारना, इच्छा पूर्ण न होना हिम्मत हारना ।

બાજીબાકાર (सं.) फजीहत, खराबी।

બાજુ (सं.) तरफ, पक्ष कोर, कोना, मदद, दिशा, ओर, बांह, भुजा । [पर ।

બાજુપર (ક્રિ. वि) अलग, पक्ष-

બાજે (वि.) कोई एक, कईएक अमुक प्रायः ।

બાજેલોક (सं.) कोई कोई मनुष्य, अमुक आदमी, कई लोग ।

બાજે બખત (ક્રિ. वि.) कभी, कभी, किसी समय, प्रसंगात्, बाजवक्त ।

બાઠું-ઠું (वि.) कुब्बा, हरामी धूर्त, नीच कार्योंमें योग्य (मनुष्य)

બાઝવું (ક્રિ.) चिपटाना, छातीसे लगाना, पकड़ना, लड़ना, होना ।

બાઝીપડવું (ક્રિ.) भिड़ पड़ना, लड़ मरना गुंथजाना ।

બાટ (सं) एक प्रकारका मिष्टान्न

બાટલી (सं.) शीशे, लम्बे आकारकी सकड़े मुंहकी कांचकी सीशी बोतल, बॉटल

બાટલી ભગત (सं.) शराबी मनुष्य, मद्यपी, शराबी, मदिरा भक्त ।

બાટલો (सं.) मोटी बडी बोतल।

બાટી (सं.) कण्डोंकी आगपर सेकी हुई मोटी गोल गोल रोटी ।

બાઠું (वि.) ऐस ज्वार बाजरे के ठंढल जिनमें भुट्टे-सिरे न आये हों।

બાડું (वि.) बांकी आंखों वाला ऐंचकतानी आंखोंवाला, कनखा ।

બાડીઆંખ-નજર (सं.) टेढी आंख, टेढी नजर, दूषित नेत्र ।

બાડીનજરે જોવું (ક્રિ.) तिरछी आंखों मे देखना, चुपचाप देखना।

બાપુઆં-વાં-ડવાં (वि.) बेचारा, गरीब, बापड़ा, निर्दोष, सीधा सच्चा, तुतलाकर बोलने वाला ।

आठवाँ (वि.) सातवें के समान के समय और तीसरा।

आठेक (क्रि. वि.) ठीक, भला, बहुत, उत्तम।

आड़ (सं.) तीर, शर, निशानी, खेतों के लिये चिन्ह, लोहे की नली में बारूद भर के उसे लकड़ी से मजबूत किया हुआ शस्त्र, एक प्रकार की आतिशबाजी, नर्मदा नदी में कातवरा नामक गांव के पास का लम्बा और गोल पत्थर जिसे शिव मान कर पूजा करते हैं। खाड़ी के पास की विशाल जगह जहां बहुत जोर से पानी आता हो,। काम देव के पाँच बाण-" अरविंद मशोकंच, चूतंच नवमल्लि का। नीलोत्पलंच पंचैते पंच बाणस्य सायकाः-॥" अरविंद=कमल अशोक, चूत (आम्र-मंजरी) नवमल्लिका (मोगरा) और नीलोत्पल (काल कमल) ये कामदेवके पांच तीर हैं। वाग्भ

आड़ (सं.) वाणी रूपी बाण, तीर समान तीक्ष्ण भाषण।

आड़ पारना (सं.) शब्द शर चुभना, तीक्ष्ण भाषण से हृदय पर प्रभाव होना।

आंकड़ना (क्रि.) सह करना।

आड़ुता (सं.) कथा, अनिरुद्ध की स्त्री।

आड़ुपवेद (सं.) तीर चलाने में दक्ष, अर्जुन का दूसरा नाम, धनुर्वेदज्ञ।

आणी (सं.) निर्दिष्ट समय, अवधि मुहूर्त, शर्त, वचन, स्वीकृति, वचन बोली, उक्ति, भाषण।

आणुं (सं.) संख्या विशेष, बानवें, नब्बे और दो, ९२

आतभी (सं.) खबर, सम्वाद, समाचार, सूचना, पत्ता।

आतभीदार (सं.) खबर ले आने वाला, सम्वादवाहक, सूचक।

आतल (वि.) निरुपयोगी, रद्द, बे काम, निकम्मा, व्यर्थ।

आतेन (वि.) खानगी, गुप्त, छुपा हुवा, प्राइवेट, परदे में।

आथ (सं.) अंक, दोनों भुजाओं के बीच का स्थान, सामने उठा लेना, सामने होना, हृदयालिंगन, दोनों हाथों को लंबा कर के उस में किसी वस्तु को ले लेना।

आथलीजणो (क्रि.) छाती से लगाना हृदय से चिपकाना, सामने होना।

બાકીનો (કિ.) પૂર્વવત્
બાચોપિયું (સં.) પ્રબલ કોશિશ,
બાદ (સં.) સંખ્યા (જમા) માં સે કમ કિયા હુવા, કમી, ઘટી, રદ્દી, (કિ. વિ.) પશ્ચાત, ઉપરાન્ત, પીછે સે।
બાદબાકી (સં.) શેષ, બાકી, અવશિષ્ટ।
બાદબાકી (સં.) શેષ, બચા-હુવા, બાદ કરનેકી ગણિત રીતિ।
બાદર (વિ.) મોટા, સ્થૂલ, જો દિખલાઈ પડે, બડ़ા, ભારી।
બાદલું (વિ.) ઝોટા, નકલી, બનાવટી, કૃત્રિમ, ચાંદીસોનેકા મુલમ્મા કિયા હુવા, નાજુક, કોમલ।
બાદિયાન (સં.) એક પ્રકારકી સુગંધ, સુગન્ધિત ધૂપ વિશેષ।
બાદિયાવાસીર (સં.) વાતાર્શ વાદી કા બવાસીર, રોગ વિશેષ।
બાદિલરસ (સં.) પૂર્વવત્।
બાધ (સં.) બાધા, કઠિનતા, અડ़ચન, હરકત, ઉપદ્રવ, દોષ, પાપ, પ્રતિબંધ, પ્રતિરોધ।
બાધું (વિ.) બાંધા હુવા, પ્રતિબંધ કિયા હુવા, રોકા હુવા।
બાધુંભે (સં.) એકબાર ભોજન કરને કા વ્રત (સ્ત્રિયોંમેં), પૂરા, સિક્કા।
બાધિબારે (કિ. વિ.) સંકેતમેં, સન્દેહ યુક્ત રીતિસે, ઐસે ઔર ઐસે। [એવજ
બાન (સં.) બહાના, બદલા,
બાનક (સં.) ઢાંચા, ઢઙ્ગ; રચના,
બાનડી (સં.) નૌકરની, બાંદી, દાસી, ટહલુઈ।
બાની (સં.) ઢંગ, ઢાંચા, તર્જ, દાસી, નૌકરની, વાણી, બોલી, વસ્તુ, ચીજ।
બાનું (સં.) સમ્માનિત સ્ત્રી સેઠાની, સભ્ય સ્ત્રી, ધનાઢય સ્ત્રી, બહાના, રુપયે પૈસેકા લેન દેન।
બાપજન્મારે (કિ. વિ.) જબ સે જન્મ લિયા તબ સે આજ તક, કભી આજ તક।
બાપજી (સં.) અપને સે વયોવૃદ્ધ મનુષ્ય કે લિયે માન સૂચક શબ્દ।
બાપદીકરીનું હેતું (કિ.) પુત્ર ઔર પિતા કે તુલ્ય પ્રેમ, વાત્સલ્ય પ્રેમ। [બેદંગા, ગરીબ, નિર્ધન।
બાપના સિત્તાલિસમાં (સં.) બંગાલ,

બાપના કુવામાં કુણીભરવું (ક્રિ.) પરમ્પરાગત, રીતિ के द्वारा हानि उठाना, अमीर के फकीर बने रहना।

બાપના બાપ પાસે ગયો=मर गया, स्वर्गवासी हुवा, मृत्यु पाई, बहुत दूर जाना, दृष्टि से बाहिर होना।

બાપના બાપ બોલાવવા (ક્રિ) दुःख के समय बापकी सहायता मांगना, बाप बाप चिल्लाना।

બાપની બીક સાહીને (ક્રિ. વિ.) बाप की अथवा किसी अन्य की सहायता ले कर, आश्रय ले कर।

બાપનું કરમ-કમાણ (સં) कुछ भी नहीं, नकुछ।

બાપનું ખુઆરું (સં.) बिना ढंग के काम करने वाले के लिये यह वाक्य प्रयोग किया जाता है।

બાપનું કઠેકો=कुछ भी नहीं आता।

બાપનો બુધવાર (સં., कुछ भी नहीं (ज्योतिष में बुधवार नपुंसक माना है)

બાપનો લાડવો (સં.) लाभ, फायदा, बापका रखा हुवा अधिकार।

બાપડિયું (વિ.) गरीब, रंक, कंगाल दारुरी, बे बापका, हवा मोल्य।

બાપડી (સં.) दीन, बालिका अथवा स्त्री।

બાપડું (સં.) विधुन, दीन, असहाय, गरीब, रंक, दरिद्री, कंगाल, अनाथ।

બાપદાદા (સં.) पूर्वज, पुरखा, अग्रज, पुराने लोग, बड़े लोग।

બાપપણું (સં.) पितृत्व, जनकता।

બાપબાર્ધ કરવું (ક્રિ.) कोसना, गाली गलौज करना, बहुत समझाना, विनती करना, मिन्नत करना। [सहायता करो, दइया।

બાપરે (વિસ્મ.) अरे बाप, कोई

બાપરમરનું (વિ.) पितृहीन, बिना बाप, पितारहित।

બાપસમાન (વિ.) पितृ तुल्य, बाप के अनुसार, पितावत्।

બાપલા-લિયા (વિ.) पिता, बाप, बेचारा, दीन, असहाय, निर्बल।

બાપા (સં.) बाप, पिता, जनक, माननीय पुरुष के लिये यह शब्द प्रयोग होता है।

બાપિયું (વિ.) बापका, पैतृक।

બાપીકું વતન (સં.) पितृ भूमि, बाप का देश, वतन, देश।

આપુ (સં.) બાપ, પિતા, જનક, શિક્ષા દેતે સમય સમ્બોધન શબ્દ, બાલકોં કે લિયે ભી પ્રયોગ હોતા હૈ । સન્માન સૂચક શબ્દ ।

આપુડી (વિ.) પ્યારી, પ્રિય, (સં) લડકી, બાલિકા, કન્યા, દુલારી ।

આફ (સં.) બાષ્પ, બફારા, ગર્મ જલ આદિકા ધુઆં, ઘામ, પસીના ।

આફ દેવો–આપવો–છુટવો-નિકળવો (ક્રિ.) ઉબલના, ખૌલના ।

આફલેવો (ક્રિ.) બફારા લેના, બાષ્પ સ્નાન કરના (પસીને કે લિયે)

આફણું (વિ.) રાંધને કા, ઉબાલને કા, કચાપકા રંધા હુવા, ઢોરોં કે લિયે ઉબાલી હુઈ ખુરાક ।

આફવું (ક્રિ.) ઉબાલના, ઔટાના, રાધના, ઉકાલના ।

આબ (સં.) પ્રકરણ, પરિચ્છેદ, અધ્યાય, ભાગ, કાંડ, સર્ગ, વિષય કામ, આભૂષણ, નગ, કલમ ।

આબત (સં.) વિષય, પ્રકરણ, કારણ, હકીકત, બનાવટ, તફસીલ, વિવરણ, વિગત । (ક્રિ વિ.) લિયે, વાસ્તે, વિષયમેં, સમ્બન્ધી, કારણ સે ।

આબતવાર (વિ.) ક્રમશઃ વિવરણ યુક્ત, મયતફસીલ, બ્યોરેવાર ।

આબતસર (સં.) અનુસાર, યોગ્ય ।

આબતનું (વિ.) સમ્બન્ધી, વિષયક ।

આબતી (સં.) કમીશન, ફી- કર લગાન । ખેત મેં અન્ન, નિકલને કે બાદ બ્રાહ્મણ, ભાટ, નાઈ ઇત્યાદિ કો દિયા જાને વાલા હક દલાલી ।

આબદ (સં.) દેખો આબત ।

આબરાં (સં.) મસ્તક કે છોટે છોટે બિખરે હુએ બાલ, છોટે બિખુરે કેશ ।

આબરિયું–યો (વિ.) બિખરે બાલોં વાલા, જટિલ (સં.) ભક્ત, જોગી ।

આબરી (સં.) છોટે છોટે બિખરે હુએ બાલ ટોપીકે આસપાસકી [illegible]લર ।

આબસ્તા (વિ.) સગે સંબંધી, નાતેદાર, રિશ્તેદાર । દ્રવ્ય ।

આબા (સં.) એક પ્રકારકી ભીલ જાતિ, અંગ્રેજોંકે લડકોં કે લિયે પ્યારકા શબ્દ, રોટિયાં, તાતા ।

આબ સાર્ઈ (સં.) એક પ્રકારકા બડોદા રાજ્યકા ચલતી સિક્કા ।

आशु (सं.) संन्यासी, वैरागी बाबा, (बालक को समझाने के लिये) बंगाली लोगोंकी एक जाति विशेष, बंगाली ।

आसे (क्रि वि.) वास्ते, लिये, सम्बंधी कारण से, वास्ते, लिये ।

आसो (सं.) ताता, रोटी ।

आस (सं.) एक प्रकारकी बेलि, दोनों हाथ तथा छाती इतनी लम्बाईका परिणाम, फेदम, बाम, सर्पाकार मछली ।

आसण (सं.) ब्राह्मण, विप्र, द्विज भूसुर, अग्रजन्मा, महिसुर ।

आसणी (सं.) दो मुखका साप, दुमुही, सांपकी बमनी, एक प्रकारका चार पैर वाला छिपकली के बराबर सांप के रंगका और उसी प्रकार मुड़कर चलने वाला जीव, ब्राह्मणी ।

आसहाइ (सं.) भोर, भिनुसारा, प्रभात, सवेरा, सुबह, तड़का, पौफटना, ऊषा, प्रत्यूष काल ।

आसा (सं.) काख में होने वाला एक प्रकारका रोग, बगल मे होने वाली गांठ ।

आसण (सं.) पूर्ववत् ।

आसणाई (सं.) पूर्ववत् ।

आसाढ़ी (सं.) डाकिनी, डाकिन, डायन, चुड़ैल, प्रेतिनी, जन्तर मंतर जानने वाली स्त्री, योगिनी ।

आसिया (सं.) एक प्रकारकी तरकारी शाक विशेष ।

आसुरी (सं.) स्त्री, औरत, विवाहिता स्त्री, बहू, पत्नी ।

आसलापणुं (सं.) डरपोकपना, कायरता, भीरुता ।

आसखो (सं.) स्त्रियोंकी बातों से प्रसन्न होने वाला, स्त्रियों के झुंडमें बैठकर उनकी बातों में आनन्द मानने वाला, स्त्रीवश जिसकी कुछ निजकी स्त्री के सामने बात न चलती हो, नामर्द, वीर्यहीन, नपुंसक, हिजड़ा कायर, डरपोक, शक्तिहीन ।

आसुं (सं.) तबलेमेंका एक तबला जिसको आटा लगाया जाता है, बाई ओर रख कर बजने वाला तबला, डिग्गा, नर तबला ।

आह (सं.) तोप या बंदूक का फाड़र, तड़ाका, आनन्द मजा, छोड़, त्याग, खोड़, द्वार, आंगन, चाक, (वि.) द्वादश, बारह, संख्या विशेष १२, सारा, सर्व, समस्त [आनन्द, मजा, राज्य ।

आहडाडी (सं.) सुख, चैन ।

બારબાપની રેબા (સં). સહુથી હુકમ કરનારા કિંતુ કામ કરનારા કોઈ પણ નહો તેવા વાક્ય પ્રયોગ કિયા જાતા હૈ।

બારમણની બાનરી (વિ.) નિશ્ચિંતતા, નિરાંત, સુખ ચૈન, આનંદ મઝા। [છોટા હૂં।

બાર બરસનો બેઠો છું = અભી

બાર પાણી જવા (ક્રિ.) આફત આના, સુખકા અંત હોના।

બારનું ચોથ = કુછનહીં, નકુછ।

બારમો ચંદ્રમા (સં.) વિરુદ્ધતા, અનબન।

બારે દરવાજા ખુલ્લા છે = જિસે જિસ, ઔર જાના હો વહ જા સકતા હૈ, ચાહે જહાં જાવો, જાને કી ઇજાજત હૈ, યહ દહી સા સીધા રાસ્તા પડા હૈ, સ્વતંત્રતા હૈ।

બારે દહાડાને ત્રીસ ઘડી = સદૈવ, સદા, રાતદિન, અહર્નિશિ, નિરંતર।

બારે બાગેલો ભોરણી = સબ રસ્તે ખુલે હુએ, કિસી ભી રાસ્તે સે જાનેકી આજ્ઞા।

બારે મહીનાને તેરે કાળ-બારે વર્ષભર, હમેશા, સદૈવ, નિરંતર।

બારે મેહ બરસવા (ક્રિ.) સબ પ્રકાર કી ઋદ્ધિ સિદ્ધિ પ્રાપ્ત હોના (શાસ્ત્રોં મેં બારહ પ્રકારકે મેઘ કહે હૈં।)

બાર હસ (સં.) બડૂ જહાજ, બડા ભારી, સમાન લાદને કા જહાજ, વ્યાપારી જલ્યાન, ભાર લાદને કી ગાડી।

બારખલી-ળી (વિ.) માઠી જમીન બિના લગાનકી ભૂમિ।

બારગીર (સં.) ઘોડે કા સવાર ખુડ ચઢા, સૈનિક, અશ્વારોહી સવાર।

બારડી (સં.) ધૂળ નિકાલને કે લિયે ખાઈ મેં લગને વાલી રસ્સી, નેતી, નેતા।

બારધિયો (સં.) સુનારકે યહાંકા કૂડા કચરા ખરીદ કર લે જાને વાલા। ધૂલ ધોવા।

બારણું (સં.) દ્વાર, દરવાજા, કપાટ, બારના, માર્ગ, ફાટક, આંગન,।

બારણું તોડી પાડવાં (ક્રિ.) પંડિ લગકર ઉગાહી કરના, સખ્ત તકાજા કરના।

બારણે તાળાં દેવાવાં (ક્રि.) सत्यानाश जाना, निस्सन्तान होना, निर्वंश होना, मटियामेट होना।

બારણે દીવો રહેવો (ક્રि.) वंश चलना, सतान होना, पुत्र होना।

બારણે બેસવું (ક્રિ.) तकाजा करना, जबरन् मांगना, लांघना।

બારણે હાથી ઝુલવા (ક્રિ) अत्यंत धनवान होना, खूब ठाठ बाठ होना।

બારદાન (सं.) वह पेटी अथवा थैला जिसमें माल भराहो, बांधने का वेष्ठन, वेठन, बंधनका वजन, जितना वजन गाड़ीमें भरा हो, वृषण, अंडकोष, लिंगके नीचे के अंडे, आंड, पलड़े, रुईकी गांठका लपेटन बन्धन इत्यादि, लपेटन।

બારદાન ભારે થવાં (ક્રિ.) मिजाज बढना, गर्व होना, अहंकार होना।

બારનિસ (सं.) हुंडीपत्री, कागज हुक्म इत्यादि की नकल हुए बाद अथवा किताबमें चढाये बाद निशानी या नम्बर करने वाला सरकारी मनुष्य।

બારનિસી (सं.) आवक जावक फाइल, हुंडी पत्री कागज इत्यादि को पुस्तकमें लिखने मोहर करने तथा निशानी इत्यादि करनेका कार्य।

બારમું (सं.) मृतक का बारहवां दिन, द्वादशा, मृत्युके पश्चात् १२ वें दिन की क्रियाकर्म, (वि.) बारहवां।

બારવટિયો (सं.) बदला लेने वाला, सरकार फरियाद न सुने अथवा अन्याय करे उसके कारण दुखी होकर गांवो में बखेड़ा करने वाला तथा लूटने वाला।

બારવટું (सं.) बदला, पेहनसाफी बैर, सज़ा, दंड, बखेडा लूट।

બારવાસિયો (सं.) भंगी, मेहतर, डोम, श्वपच, चाण्डाल, डेड़।

બારવું (क्रि.) बुहारना, झाड़ना, झाड़ू निकालना, संभालना, इकट्ठा करना, पाखाना झाड़ना, कचरा हटाना।

બારસ નાંખવી (क्रि.) मरे हुए को श्रावणी के दिन सम्बन्धियो द्वारा दिया हुवा।

બારસો બેસવી (क्रि.) मृतक का शोक प्रदर्शित करना, मातम मनाना।

બારણાખ-સાખ (સં.) દ્વાર કી ચૌખટ, દર્વાજે કા ચૌખટા, ચૌખટ ।

બારસેં-સેં (સં.) બારહ બાર સૌ, ૧૨૦૦, એક હજાર દો સૌ ।

બારહ (વિ.) બારહ, ૧૨, દ્વાદશ, દસ ઔર દો, સંખ્યાવિશેષ ।

બારાખડી-ક્ષરી: (સં.) દ્વાદશ માત્રાઓં કા વ્યંજનોં કે સાથ મિલાન, પદ, બારહખડી, દ્વાદશાક્ષરી ।

બારિક (વિ.) સૂક્ષ્મ, પતલા, ક્ષીના, બહુત સાવધાની સે કરને કા (કામ), નાજુક, કોમલ, હલકા, તીક્ષ્ણ, તીવ્ર ।

બારીક નજરે (ક્રિ. વિ.) ગહરી નિગાહસે, સંપૂર્ણ રીતિસે ।

બારીકપણે (ક્રિ. વિ.) સૂક્ષ્મ રીતિસે ।

બારીકાઇ-ઈ (વિ.) સુકુમારતા, નાજુકપન, સૂક્ષ્મતા, પેચ, ચાતુરી ।

બારીસ્ટર (સં.) કાનૂન શાસ્ત્ર મેં પરીક્ષોત્તીર્ણ પ્રથમ વર્ગ કા પ્રમાણ પત્ર પ્રાપ્ત વકીલ. ઉચ્ચ કોટિ કા વકીલ બારિસ્ટર ।

બારી (સં,) ખિડકી, છોટાદ્વાર, વાતાયન, ગવાક્ષ, રોશનદાન ।

બારૂ (સં.) દ્વાર, દર્વાજા, ફાટક, રાસ્તા, આને જાને કી યુક્તિ, જહાં નદી સમુદ્ર સે મિલતી હો વહ સ્થાન । ખારી, (વિ.) સ્વરહીન, બેસુરા ।

બારૂત (સં.) બારૂદ, દારૂ, અગ્નિ સે ભભકને વાલા ચૂર્ણ ।

બારૂતદાન (સં.) બારૂદ ભરને કા પાત્ર, બારૂદ ભરને કા સીંગ ।

બારૂંરાખવું (ક્રિ.) સ્થાન કરના, જગહ કરના ।

બારેમાસ (ક્રિ. વિ.) હમેશા, નિરન્તર, સદા, વર્ષભર, સદૈવ, સ્થાયી ।

બારેવાટ (ક્રિ. વિ.) બિખરા હુવા ઇધર ઉધર પડા હુવા, ઉથલ પુથલ, નિકામ, નિષ્ફલ, બારહ રાસ્તે ।

બારેવાટ કરવું (ક્રિ.) ઇધર ઉધર ઉડા દેના, ફૈલા રખના, મુક્ત હસ્ત હો કર ખર્ચના,

બારેવાટ થઇ જવું (ક્રિ.) ઉડ જાના, ખપ જાના, બિગડ જાના, નષ્ટ હો જાના ।

બારેસો (સં.) બારહ હાથ લમ્બા લઠ્ઠા (ગાડીમેં), જિસે કોઈ સંભાલને વાલા ન હો, જો બાહિર લુઢકતા ફિરતા હો, જિસને

लुच्चाईसे संग्रह किया हो, कचरा कूड़ा झाड़ने वाला, भंगी मेहतर।

आरोट-ऽ (वि.) भाटकी एक जाति विशेष; कवि, भाट, कत्थक, प्रशंसक।

आरोत्रा (सं.) किसी भी रकम पर बारह टके ब्याज, ब्याजकी रकमका १२वां भाग, सूदका बारहवां हिस्सा।

आरोभार (क्रि. वि.) सीधा, पर भारा, घर गये बिना, सूधा योंकायों।

आलडी (सं.) पानी निकालने का चमड़े का डोल, बालटी, एक प्रकारका चमड़ा।

आलभ (सं.) प्रेमी, आशिक, आसक्त, वर, पति, धनी, मालिक।

आलभपेच (सं.) पगड़ी का बांका पेच अलबेला दिखानेके लिये।

आलाल (सं.) श्री कृष्ण चंद्रजी का बाल कालका नाम। बालकृष्ण।

आलातंभ (सं.) जीनको खींचकर बांधने का तख्त। [बरदाश्त।

आलाल (सं.) संभाल, रक्षण,

आलालशी-सी (सं.) पूर्ववत्।

आलेभाल (क्रि. वि.) रोम रोम में, रएं रएंमें, बाल बालमें, बेहद, बहुत ही।

आलेखसी (सं) एक प्रकारका फूल कापेड़, वृक्ष विशेष। [शिशु।

आलुडो (सं.) बालक, बच्चा,

आलावस्था (सं.) प्रथमावस्था, लड़कपन, बाल्यकाल, शैशवकाल लड़काई, बचपन, बालक दशा।

आल्लु (सं.) चांदीकी वह वस्तु जिस पर सोने का मुलम्मा किया हुवा हो (क्रि.) कृत्रिम, खोटा, नकली, बनावटी।

आवची (सं.) एक प्रकारकी वनस्पति, बनतुलसी, बाबची।

आवटो (सं.) चिन्ह, ध्वजा, झंडा, एक प्रकारका बाजरे समान धान्य।

आवड़ (सं.) स्कंध और कुहनी के बीचका हाथका भाग। [५२।

आवन (सं.) पचास और दो,

आवनवीर (सं.) सबको सम्हाल ले ऐसा मनुष्य, महा बली, बहादुर। [की सुगन्ध, चन्दन विशेष।

आवनागंध (सं.) एक प्रकार

आवली (वि.) बावन संख्याका समुदाय बुंद। बावनका।

બાવરૂં (વિ.) વ્યાકુલ, ઘબરાયા હુવા, વ્યથિત, આકુલ, જિસે કુછ ભી ન સૂઝતા હો।

બાવરૂં કરવું (કિ.) થકાના, વ્યાકુલ કરના, વ્યથિત કરના।

બાવલું (સં.) ધાતુ અથવા મિટ્ટી કી પુતલી, મૂર્તિ, પ્રતિમા. ગુડ્ડી, ગુડિયા। [બંબૂલોંકા બન।

બાવળ-ળિયો (સં.) બંબુલકા વૃક્ષ

બાવળી (સં.) પૂર્વવત્।

બાવા (સં.) પિતાબાપભાઈ યોગી (બહુ વચન)

બાવી (સં.) જોગિન, બાવન, તપસ્વિની (વિ.) બાઈસ, ૨૨, બાંસ ઔર દો। [સંખ્યા વિશેષ।

બાવીસ (વિ.) બાઈસ, ૨૨,

બાવું (સં.) મકડી કા જાલા।

બાવો (સં.) સાધૂ, સંત, યોગી, બાબા, વૈરાગી, ગૃહત્યાગી, તપસ્વી પિતા, બાપ, જનક।

બાંકણ (વિ.) બેમર્યાદ, લમ્પટ, દુરાચારી, બદકાર, ખુલ્લ હુવા, નિરંકુશ, ભટકા હુવા, ભૂલાહુવા।

બાસ (સં.) ગન્ધ, મહંત, બો, બૂ, દુર્ગન્ધ, બદબો।

બાસડી (સં.) દેખો બાંસ

બાસઠ-સેઠ (વિ.) સંખ્યા વિશેષ સાઠ ઔર દો, ૬૨, બાસઠ।

બાસતો (સં.) એક પ્રકાર કા મોટા નાદરપાટ કે સમાન કપડા। જિસ સમય વિદેશી વસ્ત્રોં કા યહાં પ્રચાર નહીં થા તબ ઇસી કપડે કે અંગરખે ઇત્યાદિ બનતે થે ઔર યહ "અહમદાબાદી બાસ્તો" કહલાતા થા।

બાસુંદી (સં.) મસાલેદાર ઉબાલ કર ગાઢા કિયા હુવા દૂધ, રબડી।

બાસેટ-ઠ (વિ.) દેખો બાસઠ।

બાહાર (સં.) ત્યાગ, છોડ દેખો બહાર। [દુર્ગ વિશેષ।

બાહારકોટ (સં.) બાહેરી કિલા

બાહારગાંમ (સં.) દૂસરા ગાંવ, અન્ય દેશીય નગર।

બાહારથી (ક્રિ. વિ.) બાહિરસે।

બહારનાર (સં.) મેહતર, ભંગી, ઝાડ લગાને વાલા।

બાહારનું (વિ.) બાહિરી, ઊપરી, વિદેશી।[તરફ, બાહિરકી બાજૂ।

બાહારનું બારનું (સં.) બાહિરકી

બહારવટિયો (સં.) લુટેરા, ડાકૂ, ચોર।

બાહારવું (કિ.) બુહારના, ઝાડના ઝાડૂ લગાના, સાફ કરના।

આહાવણું (સં.) દેખો આવણું ।
આંહી (સં.) બાંહ, બસ્તીન, ભુજા, બાજુ ।
આંહીઅર (સં.) મદદગાર, સહાયક, આશ્રય દાતા, ધીરજ દેને વાલા । [આશ્રય, સહારા, યોગ ।
આંહીદારી (સં) સહાયતા, મદદ,
આંહીધરી (સં.) જમાનત જિમ્મા, પ્રતિભૂ, ગારણ્ટી ।
આંહીબળ (સં.) ભુજ બલ, બાહુ, બલ, શક્તિ હાથોંકી તાકત ।
આહુક (સં.) બેડૌલ બદ શકલ મનુષ્ય, સમસ્ત અંગમેં ભસ્મ લગાયે તથા આંખોકી ભૌંહેં પીલી બનાયે હુએ બાંધડ યોગી । મૂર્ખ, મૂઢ, બન્દર, બાનર, ઋતુપર્ણ રાજા કે યહાં સાઈસ બનકર રહા હુવા રાજા નલ ।
આહુલું (સં.) દેખો આવલું ।
આહેર (ક્રિ. વિ.) બાહર, ભીતર નહીં, અન્દર નહીં, સીમા કે પરલી ઓર ।
આહોશ (વિ.) હોશિયાર, ચાલાક ચતુર, સાવધાન, સાવચેત ।
આળ (સં.) બાલક, બચ્ચા, શિશુ, છોટા બાલક છોટા છોકરા ।
આળકિ (સં.) બાલિકા, બચ્ચી, છોટી લડકી, બાલા ।
આળકુંવારી (સં.) અવિવાહિતા, બે બ્યાહી લડકી, કન્યા ।
આળકો (સં.) લડકા, છોકરા ।
આળગોપાળ (સં.) કુટુમ્બ કે, સબ લોગ છોટે બડે ઘરકે લોગ ।
આળપ (સં.) દયા, કૃપા, દૃષ્ટિ મિહરબાની, અનુકમ્પા ।
આળપણું-ણુ (વિ.) બચપન, છુટપન, શૈશવાવસ્થા, બાલવય ।
આળપણાનું-પણાનું (ક્રિ. વિ.) બચપન કા, છુટપનકા, શૈશવ ।
આળપરિવાર (સં.) કુટુમ્બ, કબીલા ઘર ગૃહસ્થ, ખટલા, બાલબચ્ચે ।
આળબોધ (સં.) બાલકોં કો બોધ પ્રદ, સંસ્કૃત અથવા દેવ નાગરી લિપિ ।
આળબ્રહ્મચારી (સં.) આજન્મ બ્રહ્મચારી, જિસ પુરુષ કા વિવાહ નહીં હુવા હોવા હો, જિસ પુરુષને સ્ત્રી પ્રસંગ ન કિયા હો, જિસને જન્મસે અન્ત તક વીર્યન ગિરાયાહો ।
આળભાષા (સં.) બાલકોં કી બોલી, સમઝમેં ન આવે ઐસી ભાષા, તોતલી વાણી, માતૃ ભાષા, માયકી ભાષા, સંસ્કૃત સે અપભ્રંશ હોકર બની હુઈ ભાષા ।

બાળવું (ક્રિ.) જલાना, दग्ध करना, दहना, सुलगाना, लगाना, चिताना, भभकाना, खूब गर्म करना, पकाना, दाजना, दाम देना, सताना, चिढ़ाना, खिझाना, दुख देना, જીવ બાળવો दुखी होना, दिल जलाना, कृपालु होना। ७।वे—

બાળવા, राँधना, स्वयम् करना।

બાળા (सं.) लड़की, कन्या, छोकरी, बालिका, १६ वर्षसे कम उम्रकी स्त्री।

બાળાપણ (सं.) बचपन, बाल्यकाल, अज्ञानता, कौमार्य, बाल्य, कन्याकाल।

બાળાબંધ (सं.) बालकके सिरपर बाँधनेका साफा या फेंटा।

બાળારાજા (सं.) वह बालक जो राजाकी समान माना जाता हो, जवान राजा, छोटी उम्रका राजा।

બાળી (सं.) पुत्री अथवा लड़की के लिये लाड़में प्रयोग होता है।

બાળિશ (वि.) मूर्ख, अट, बुद्धिहीन। [अज्ञान।

બાળુંભોળું (वि.) बालक समान,

બાળુભાં (सं.) लड़के (कवितामें)

બાળેરું (वि.) जवान कमउम्र, युवक।

બાળોઢા (सं.) बचपनमें विवाही हुई लड़की, विवाहिता कन्या।

બિંડી (सं.) लपेटनमें लपेट कर सीयी हुई छोटी गठरी, पार्सल।

બિકટ (वि.) कठिन, कठोर, भयानक, भयङ्कर, खौफ़नाक। [दिल।

બિકણ (सं.) डरपोक, भीरु, बुज़

બિગડવું (क्रि.) बिगड़ना, खराब होना, नाश होना, बर्बाद होना, नष्ट होना पायमाल होना, बुरा होना। [लड़ाई, झगड़ा हानि, क्षति।

બિગાડ (वि.) विरोध, तोड़, भंग,

બિજાનું (वि.) अद्भुत, अजीब, विचित्र, ग़ैर, परदेशी, अजनबी, अन्य देशी।

બિજારી (सं.) बेगारी, मजदूर, मुफ्त का मज़दूर, सेंतमेंत का मजदूर, जबरदस्ती मजदूरी कराकर पैसे या उसका मेहनताना न देना, और देना तो केवल नाम मात्र का।

બિચવો (सं.) एक प्रकार की तलवार।

બિચારું (वि.) गरीब, दीन, दुर्बल, हीन, बेचारा, बेवश, रंक, बापड़ा, दुखी, मृदुभाषी, निराश्रय, दरिद्र, कंगाल।

બિછુવા (સં.) એક પ્રકાર का आभूषण जो जिसे पैरों की अंगुलियों मे पहिनती हैं, बीछूड़ी, नूपुर, चुटकी। अनवट।

બિછાનું (સં.) बिछौना, बिस्तर, चटाई, साथरी, बैठने सोने के लिये वस्त्रादि।

બિછાયત (સં) बिछाई हुई जाजम, सतरंजी वगैर, बिछौना, बिछी हुई वस्तु।

બિછાવવું (ક્રિ.) फैलाना, बिछाना, बिछौना करना, बिस्तर लगाना।

બિજોરૂં (સં.) एक प्रकार का फल, फलविशेष, तुरञ्ज।

બિડવું (ક્રિ.) बन्द करना, अटकना, पेक करना, सीलमुहर करना। सिकोड़ना, घड़ी करना मुहर करना।

બિડાવવું (ક્રિ.) बन्द कर के रखाना करना।

બિન (ક્રિ. વિ.) बिना, बगैर (सं) पुत्र, एक प्रकारका स्वरवाद्य, बीन,

બિનડી (સં.) दोनो भौंहों के बीच में की हुई सिन्दूरकी बिन्दी, टीकी, बिन्दी।

બિનજો (સં.) धातु का छोटा पात्र।

બિનદરકાર-રી (વિ.) बेफाम-धंधे, टकुवा, निठल्ला।

બિના (ક્રિ. વિ.) बिना, बगैर।

બિના (સં.) हकीकत, वर्णन, क्रमशः, बाबत, विवरण, तफसील, विषय, सार।

બિંદ (સં.) बिन्दु, बूंद, टपका, दाग, चिन्ह, प्वाइन्ट।

બિંદી (સં.) देखो બિનડી.

બિંદુનો સિંધુ કરવો (ક્રિ.) अतिशयोक्ति करना, रजका गज करना। बात का बतक्कड़ बनाना, पाइ कोपदमसिंह करना, राई को पहाड़ कर देना। हिस्सा।

બિની (સં.) फौज का आगे का

બિનીવાળો (સં.) सेना के खाने पीने की खबर रखनेवाला ऊपरी।

બિભાસ (સં.) प्रातःकाल गाने का एक राग, राग भेद।

બિભૂતિ-તી (સં.) भस्म, पवित्र भस्म, राख, ऐश्वर्य्य, धन।

બિયાન (સં) बयान, वर्णन, जिक्र।

બિયાબાડું (સં.) देश, अनजान, बेर।

બિયાબાન (સં.) सुनसान, निर्जन, जंगल, बीराम।

બિભામણું (વિ.) ભયાનક, ખૌફનાક, વિકરાલ, ડરાવના ।

બિરદ (સં) પ્રણ, પ્રતિજ્ઞા, ટેક, વચન, વાદા, પણ ।

બિરદાલ (વિ.) ટેકવાલા, પ્રણવાલા, સત્યપ્રતિજ્ઞ, વચન પાલનેવાલા । [યશોવર્ણન, પ્રસંશા, તારીફ।

બિરદાવલી (સં.) વર્ણન, બખાન

બિરમાણા–ભોલા (સ.) એક પ્રકાર કી જંગલી વનસ્પતિ ।

બિરાજવું (ક્રિ) વિરાજના, શોભના સુન્દર માલૂમ હોના, સુખભોગ કરના સુખપૂર્વક રહના, આના, પધારના, માનપૂર્વક બૈઠના ।

બિરાદર (સં.) ભાઈ, બન્ધુ ।

બિરાદરી (સ.) મિત્રમંડલી, ભાઈચારા, જાતિમંડલી, સ્વજાતિ ।

બિરાનું (વિ.) દૂસરેકા, પરાયા, અન્યકા ।

બિલ (સં.) છિદ્ર, માંદ, બાંમી, સેંધ, ગુફા, કન્દરા, છેદ, દરાર, બાંબી, સૂરાખ ।

બિલકુલ (ક્રિ. વિ) સબ, સમસ્ત, સારા, જરા જરા, સમૂચા, સગલા, તમામ ।

બિલગર (વિ.) બિલોરી કાચકા ।

બિલંગી (સં.) એક જાતિકા ફલ ।

બિલાડી (સં.) બિલ્લો, બિલાઈ, માર્જાર, બિડાલ, માંજાર, મિનકો, એક પ્રકારકા ચૌપગા પશુ, લોહે કા યંત્ર જિસે કુએ મેં રસ્સીદ્વારા ડાલ કર પાત્ર ઇત્યાદિ નિકાલે જાતે હૈં, લોહે કા કાંટા જહાજ કો સ્થિર રખને તથા ઠહરાને કા લંગર ।

બિલાડાં બચાં (ક્રિ.) આંખોં મેં બહુત કાજલ લગાને સે બિલ્લે કે સી સૂરત દિખાઈ પડના ।

બિલાડી જેવી આંખ (સં.) ભૂરી આંખ, માંજરી આંખ, અંગ્રેજોં કા સી આંખ ।

બિલાડીનું બચોળિયું બિલ્લી જિસ પ્રકાર અપને બચ્ચે કે મુંહ મેં ઉઠાયે ફિરતી હૈ ઉસી ભાંતિ કિસી વસ્તુ કો અપને સાથ સાથ લિયે ફિરને વાલા ।

બિલાડું તાણવું–ખેંચવું (ક્રિ.) બિના પઢે અથવા બિના સમઝે બિલ્લી કી પૂંછ જૈસે ગટર પટર જલ્દી જલ્દી હસ્તાક્ષર કરના ।

બિલાડીનો ટોપ (સં.) કુત્તે કે કાન સમાન વનસ્પતિ, જો વર્ષા ઋતુ મેં ઉત્પન્ન હોતી હૈ ઔર એકાધ દિન મેં સૂખ જાતી હૈ, છત્રક, કુકરમૂત્રા, સાંપકી છતરી ।

બિલાડું (સં.) બિલ્લી અથવા બિલ્લા ।

બિલાડો (સં.) બિલાવ, બિટાલ બિલ્લા, બિલવ, ચાલાકલુચ્ચાવ્યક્તિ।

બિલાવલ (સં.) બિલાવલ નામક રાગ, પ્રાતઃકાલીન એક રાગ ।

બિલિયાન (સં.) કાટકર જિસે ઠીક કિયા હો ઐસા હીરા ।

બિલોર (સં.) જિસ કાચ મેં સાફ સ્વચ્છ આરપાર દીખે, બિલ્લૌરી કાચ ।

બિલ્લસ (સં.) બેત, બેત, મિહરાબ

બિલ્લા (સં.) તમગા, પદસૂચક છાતી પર લગનેવાલા ચિન્હ વિશેષ,

બિલ્લું (સં.) એક ઈંટકે આસાર કી દીવાર, ભીડુ, દોસ્ત, સહાયક, નિપુણ, સયાના, ચાલાક, ધૂર્ત । ઠગ, લુચ્ચા, સાથી, જોડીદાર ।

બિલ્લો (સં.) દેખો બિલાડો.

બિવડાવવું-રાવવું-વાડવું (વિ.) ડરાના, ચૌંકાના, ભયભીત કરના।

બિસાત-ત (સં.) પૂંજી, દૌલત, કીમત, મૂલ્ય, મૂલધન ।

બિસ્કોટ (સં.) બિસ્કુટ, એક પ્રકાર કી પાશ્ચાત્ય ઢંગ કી મિઠાઈ

બિસ્તી (સં.) ગર્વી, ઘમણ્ડી, લમ્પટ, ભ્રષ્ટાચારી, વ્યસની, પિઅક્કડ ।

બિસ્તરો (સં.) બિછૌના બિસ્તર।

બિસ્તરો (સં.) ફર્શ, બિછૌના, સાથરી ।

બિહામણું-ણો (વિ.) ડરાવના, ખૌફ જદ, ભયકર, ભયાનક ।

બિહિક (સં.) ભય, ડર, ખૌફ ।

બિહિકણું (સં.) ડરપોક, ભીરુ, બુજ દિલ ।

બિહિકણુપણું (સં.) ભીરુતા, કાયરતા, ડરપોકાપન, બુજદિલી ।

બિહિને (ક્રિ. વિ.) ભયાનકતાસે,

બિહિવડાવવું (ક્રિ.) ડરાના, ચૌંકાના, ભય દેના, ખૌફ પૈદા કરના ।

બિહિવડાવેલું (વિ.) ભયભીત, ડરા હુવા, ચકિત, ભીત ।

બિહિવું (ક્રિ.) ડરના, ભયાતુર-હોના ।

બી (સં.) બીજ, બીજા, મૂલ, જડ, મુખ્યપદાર્થ, કારણ ।

બી ઉગી નીકળવું (ક્રિ.) સફ પ્રકારસે લાભ દાયક હોના, મિહનત સફલ હોના, અચ્છ હોના, સફલતા પાના ।

બી બોડવું (ક્રि.) જડ ઉખાડ ફેંકના, નાશ करना, अन्त करना,
બી રોપવું (ક્રि.) બીજ डालना, पैर रखाना, प्रवेश होना, बीजबोना
બી (ક્રિ. વિ.) भी, तौभी, अपि
બીકામું (વિ.) डरावना, भयङ्कर.
બીજો (સં.) एक प्रकारका वृक्ष,
બીક (સં.) डर, भय, खौफ, दहसत।
બીકણ (વિ.) डरावन, बे हिम्मत का, साहसहीन, भय, डरपोक।
બીકણુ બીલાડી (સં.) डरपोक, बिल्ली के समान डरने वाला।
બીકણપણું (સં.) डरपोकपन, भीरुता कायरता, बुजदिली।
બીજ (સં.) द्वितिया, दोयज, चांद्र मासके प्रत्येक पक्षकी दूसरी तिथि, वीर्य, धातु, रेत, ओज, मणि, मदन सार, बीज बीजा, लेसदार स्वेत रंग की विशेष प्रकार की गंध वाली वस्तु जो लिंगेंद्रिय से निकलती है और जिससे गर्भ स्थित होता है, जड़ मूल, कारण, पाया, नींव, भावार्थ, मतलब, सार, अक्षर तथा चिन्हों से होने वाला गणित, मंत्र सिद्धि के हेतु सांकेतिक वर्ण, औलाद, सन्तान, संतति, अक्षर।

બીજક (સં.) वस्तुओं की सूची, चेक, लेबल, टिकट चालान, लिस्ट, बिल।
બીજ ભાગ (સં.) एक प्रकारका धर्म। [अनुगामी।
બીજ ભૂંગી (વિ.) बीज मार्गका
બીજવર (સં.) एक स्त्री मरजाने-पर जिसका दूसरा विवाह हुवा हो वह पुरुष, दूजवर, पुनर्विवाहित पुरुष।
બીજી નકલ (સં.) प्रतिलिपि, दूसरी नकल, दूसरी प्रति, कापी।
બીજીવાર (ક્રિ. વિ.) पुनर्वार, दुबारा, फिरसे, दूसरीबेर, पुनः।
બીજું (વિ.) दूसरा, द्वितीय, पृथक जातिका, दूजा, दुसरा, और, फिर।
બીઠ (સં) पशुपक्षीकामल, जानवरों का गू, विष्ठा, बीठ,
બીડ (સં) घासका जंगल, चरागाह तृण, भूमि, कच्ची धातु।
બીડી (સં.) कत्था चूना सुपारी इत्यादि रखकर पुड़िया बनाया हुवा पान, पत्तेमें तम्बाकू रखकर लपेटी हुई नलीके आकारकी सस्ती

તુરુક, સિગરેટ, પાનબાંધી, તામ્બૂ-ક્રક બીડા ।

બીડું (સં.) પાન બીડા, બડી પા-નકી બીડી ।

બીડું ઉઠાવું (ક્રિ.) બીડા ઉઠાના, કોઈ કઠિન કામ કરનેકી પ્રતિજ્ઞા કરના ।

બીડો (સં.) બડા લિફાફા, કવ્હર।

બીધું જુઓ (ક્રિ.) ડરા, ચૌંકા,

બીન (સં) બીણા, એક પ્રકારકા તારવાલા બાજા જિસકે દોનોં ઓર તૂંબે હોતે હૈં । સિતારકી શકલ-કા બાજા ।

બીના (સં.) બનાવ, બના, હુવા, હકીકત, બાત, વર્ણન, વિષય, બાબત।

બીબાં (સં.) ધાતુકે અક્ષર, ટાઇપ, શીશેકે અક્ષર, છાપેકે અક્ષર કેડવા

બીબાં જોડવાં (ક્રિ.) અક્ષર, જોડના, કમ્પોજ કરના, હુરુફ જોડના,

બીબી (સં.) ગૃહસ્થ મુસલમાન સ્ત્રી ।

બીબું (સં.) ધાતુકા અક્ષર, ટાઇપ, આકૃત, સૂરત, સાંચા, ઠપ્પા, કપડે, ચમ્ર ઇત્યાદિ છાપનેકા ઠપ્પા.

બીબું (સં.) બીજ, બીજા, પેડકે ફલ ફૂલમેં સે નિકલા હુઆ બીજ પદાર્થ જો ઉસી પ્રકારકે વૃક્ષોત્પાદ નકા કારણ હોતા હૈ ।

બીરબંડી (સં.) એક પ્રકારકી વનસ્પતિકી જડ, ઊંટ કંટારીકી જડ ।

બીલ (સં.) બિલ, ઘર, સુરાખ, છિદ્ર, બાંમી, બિલ્વવૃક્ષ, બિલ સૂચી, યાદ, રસીદ, પહુંચ ।

બીલી (સં.) બિલ્વ, બીલ, બીલ પત્ર, ઇસ, પેડકે પત્તે, મહાદેવજી કો ચઢાતે હૈં ।

બીલું (સં.) બિલ્વ ફલ, બીલ વૃક્ષકા ફલ, ગૂમડા, ફોડા, ગાંઠ ।

બીવું (ક્રિ) ડરના, ડર લ-ગના, ભય ખાના, ચૌંકના, ઘબ-રાના, હિમ્મત ન કરના, કાયર હોના, વ્યાકુલ હોના ।

બુંઠ (સં.) ઐસા કુત્તા જો કે કામ હો ।

બુંદ (સં.) કિસી પાત્રકા પેંદે, નૌકાકા પેંદા ।

બુંદી (સં.) બુદ્ધિહીન, બંદબુદ્ધિ, મૂર્ખ, આલસી ઔર ઐદી ।

બુધું (સં.) પાત્રકા પેંદા, બર્તનકી વહ કાલી રેંદી જો આપસમેં રગ-નેમે કાલી હો ગઈ હો, મોટા ઠંડા સોટા, કદ ।

ખુંખીયો (સં.) આકસ્મિક મયકા, ઠોળ ।
ખુકણી (સં.) ચૂર્ણ, મૂસી, ધૂળ ।
ખુકડી (સં.) સ્ત્રિયોંકે કાનમેં પહિનનેકા એક પ્રકારકા આભૂષણ ।
ખુકડો (સં.) ફાંકા, ફંકા, ફક્કા ।
ખુકવું (ક્રિ.) ફાંકના, ફંકા લગાના ગપ્પા લગાના, ચૂકના ।
ખુકાની (સં.) મસ્તકપર બાંધનેકા એક કપડેકા ટુકડા જો ડાઢી ઔર ગાલપર ભી રહતા હૈ, જાડિયા ।
ખુકો (સં.) ઠાંસા, ફાંસા, મુહમેં સમા સકે ઉતના ગપ્પા ।
ખુખણ (સં.) ગાડીમેં અન્ન ભરતેસમય અન્ન ન બિખરનેકે લિયે બિછા યાદુવા મોટા કપડા પાલ, ચાદર।
ખુચ (સં.) દેખો ખુચ ડાટા, ઢક્કન કાગ, કાર્ક, રોધ ।
ખુચકો (સં.) ગુચ્છા, સબ્બ મુઠ્ઠીભર ।
ખુચિયો (વિ.) બૂચા, બેકાન, કાનરહિત, (સં.) નકટા, ચિપટાનાક ।
ખુચો કારભાર (સં.) બુરા ધન્ધા, ઐસા રોજગાર જિસમેં લાભ ન હો ।
ખુજ (સં.) દેખો ખૂજ ।
ખુજરૂમ (વિ.) વૃદ્ધ, બુઝુર્ગ બૂઢા-પૂર્વજ, અગ્રજ, વયોવૃદ્ધ, માનનીય।
ખુજવું (ક્રિ.) જાનના, સમઝના, કદર કરના, પહિચાનના ચિન્હના।
ખુઝવવું (ક્રિ.) બુઝાના, શાંત કરના, ઠંડા કરના, કમ કરના ઘટાના ।
ખુઝાવું (ક્રિ.) બુઝના, મન્દ હોના કમ હોના, શાંત હોના, ઠંડા હોના ।
ખુઝાવેલું (વિ.) બુઝા હુવા, શાંત ।
ખુટ (સં.) દેખો ખુંટ ।
ખુટાક (વિ.) રંગમેં કાલી ઔર મોટી તાજા લઠ ઔરત ।
ખુટ્ટા (સં.) સજ્જિત પુષ્પ, તરંગ, કલ્પના, કપડેપર છપે હુએ પુષ્પ ।
ખુટ્ટાચોર (સં.) છોટે દર્જેકા ચોર, ખુટ્ટેચોર, કમ કીમતી વસ્તુઓંકા ચોર ।
ખુટ્ટાદાર-દેદાર (સં.) ફૂલદાર, બૂટે વાલા, ફૂલોંકે કામ સે સુસજ્જિત ।
ખુટ્ટી (સં.) છોટા બૂટા, ભાંતિ, તરહ, બૂટી, બહુત ગુણવાલી વનસ્પતિ, જડીબુટી, વહ દ્રવ્ય જો પ્રસન્ન કરે, ભંગ, ભાંગ, ગાંજા ।
ખુટ્ટી ખુંધવી (ક્રિ) અદ્ભુત ગુણ દિખા કર અપને અપને અધીન કરના, વશમેં કરના ।

બુદ્દેદાર (વિ॰) દેખો બુદ્ધદાર ।
બુદ્દો (સં.) કપડેપર છાપા હુવા ચિત્ર, છીંટ (વસ્ત્ર) બનાવટ મેં બનાયા હુવા ચિત્ર, યુક્તિ, કલ્પના તરઙ્ગ ।
બુદ્ધું (વિ.) મૌંઠા, ચિપ્પા હુવા, કુંઠિત, બે ધારકા, જંગલી, મોટી બુદ્ધિકા । (સં) મક્કા કા સિરા, ભુટ્ટા ।
બુદ્ધાપણું (સં) મોંઠાપન કુંઠિતતા ।
બુધ (સં.) બૂઢા ઔર મોટા બન્દર, વૃદ્ધ કપિ, મોટા બન્દર ।
બુધકી (સં.) ડુપકી, ડુબકી, ગોતા ।
બુધકી ખાનાર (સં) ગોતાખોર, કામચોર ।
બુધકી મારવી (ક્રિ.) ગોતા લગાના, ડુબકી મારના, મુંહ છુપાના ।
બુધકી મારી જવી (ક્રિ.) કામ કે સમય બીચમેંસે હી ભાગ જાના, ગાયબ હોના, મુહંન દિખાના, પાર બોલના, અદૃશ્ય હોના ।
બુધતો પાયો (સં.) અધઃ પતન કા આરંભ, તનઝુલી કી શુરુઆત ટૂટતી કમાન । [હુવા ।
બુધતું (વિ.) ડૂબતા હુવા, ડૂબતા
બુધપ્પ (વિ.) બેવકૂફ, મૂર્ખ, બધુ, શઠ ।

બુધવું (ક્રિ.) ડૂબના ડૂબ્બા, પાની મેં નીચે બૈઠના, અન્દર ઉતર જાના, નષ્ટ હોના, બરબાદ હોના ।
બુધાડવું (ક્રિ.) ડુબાના, ડબોના, ખુદાના, કુતરાના, નષ્ટ કરના ।
બુધિયાળ (વિ.) મૂર્ખ, શઠ, બેવકૂફ ।
બુધિયો (સં.) લંગૂર, કાલે મુંહ કા બન્દર, બન્દરોં કો સેના નાયક બૂઢા બન્દર સમાન મનુષ્ય ।
બુધેલું (વિ.) નષ્ટ, ભ્રષ્ટ, ડૂબા હુવા ।
બુધાપણ (સં.) બુઢ્ઢાપા ।
બુધિયો (સં.) દેખો બુધિયો
બુધી (સં.) બૂઢા, બૂઢી, બુદ્દિયા ડોકરી । [ગ્રસ્ત ।
બુધું (વિ.) બૂઢા, ડોકરા જરા-
બુધો (સં.) પૂર્વવત્
બુતકો (સં.) દેખો બુટાઽ
બુતાન (સં.) બદન, ગોદામ ।
બુતપરસ્ત (સં.) મૂર્તિપૂજક, કાષ્ઠ, પાષાણ મૃત્તિકાદિ કી પ્રતિમા બનાકર પૂજને વાલા મનુષ્ય ।
બુતાનું (સં.) મેલી ગંદી પચ્છી, તોહમત, બંસઠ, વસ્ત્ર ।
બુતાનો (સં.) પૂર્વવત્
બુતારો (સં.) ચાહ, ઇચ્છા ।

शुतरंज (सं.) शतरंज का खेल, अष्टपद क्रीड़ा।

शुतशुते (सं.) बुलबुला, पानी का बुलका, बबूला।

शुध (सं.) विद्वान, चतुर मनुष्य, अभिज्ञ, चतुर्थ ग्रह, सौम्य, बुधवार।

शुधवासरिधुं (वि.) बुधवार का, बुधवार को प्रकट होने वाला समाचार पत्र।

शुधुं (सं.) मोटा डंडा, सोंटा, लट्ठ, जल कर काला हुवा बर्तन का पेंदा।

शुन (सं.) बहिन, भगिनी।

शुनिपात-ति (वि.) खान्दान, कुलीन, कुल, जाति, तुल्य, माननीय।

शुनिपाटी (सं.) खान्दानी, सुशीलता, सभ्यता, उच्चता, भला मनसी।

शुंद (वि.) बिन्दु, बूंद, टपका, काफी के दाने (जो चायकी भांति पीए जाते हैं।

शुनस (सं.) ऊन का मोटा कपड़ा। कम्बल, ऊन्मूल।

शुनाह (वि.) मूर्ख, बेवकूफ, शठ, जड़मरत, बुद्धि विवेक रहित।

शुनेछा (सं.) भूख, क्षुधा, इच्छा।

शुभ (सं.) सौभाग्य, आनन्द, खनि, सोनपुल, होहल्ला, शूंज।

शुभाऽऽ-ऽ (सं.) किसी एकाकी बात का हल्ला, गड़बड़, धूमधाम, गप्प, गपोड़ा, अफवाह, किम्वदन्ती।

शुभाशुभ-शुभेशुभ (सं.) लगातार हल्ला, जहां तहां होहल्ला, हल्लमहल्ला।

शुभाऽऽरोऽ (सं.) पूर्ववत्

शुभाऽऽरऽ (सं.) पूर्ववत्

शुरुभो (सं.) सिरसे पैर तक जिस में बदन छुपा रहे ऐसा स्त्रियों के ओढने का वस्त्र, जिस में आंखों के आगे देखने के लिये जाली दार कपड़ा लगा होता है मुंह ढांकने की जाली।

शुरुभ-ऽभ (सं.) गुम्बज, तोप वगैरे छोड़नेके लिये किले के बाहर तरफ अथवा, मैदान में बनाया हुवा गोल पोला स्तूप, दीवार को गिरने से रोकने के लिये बनायी हुई रोक। (विशेष)

शुरुभ (सं.) शतरंजका खेल

शुरुभस (सं.) देखो शुभ्भस

शुरुभुं (वि.) देखो शुभ्भुं

शुरुभुं (वि.) पूरना, भर जाना, पूर्ण होना, पूर हो जाना।

[illegible] (सं.) दुर्दशा, बुरी हालत।
[illegible] (वि.) खराब, बुरा, दुष्ट, नीच, अधम निकम्मा, हलका का बुरा। [भव्य।
[illegible] (वि.) ऊंचा, दीर्घ, बड़ा,
[illegible] (सं.) बुलाक, दोनों नथनों के बीचमें पहिरने की मोती की बाली, दोनों नथनों के बांच का पर्दा। [पुट्ठे।
[illegible] (सं.) सांड घूतड़, कूल्हा,
[illegible] (क्रि.) डर के मारे घबरा जाना, डर जाना, डर से दस्त करना।
[illegible] (सं.) प्रथम गर्भावस्था में अगरणी नामक संस्कार के दिन गर्भिणी के गाल पर उस के देवर द्वारा दिया हुवा कुमकुम का समाचा।
[illegible] (सं) सीमंतोन्नयन संस्कार के दिन स्त्री की गोदी में बैठ कर उस के गालों पर दोनों हाथों से कुमकुम मर्दन करने वाला मनुष्य, देवर। [करना।
[illegible] (क्रि.) झाड़ना, साफ
[illegible] (सं.) घास, खीर, छड़ना, नक्षत्र, (वि.) खिताब, पोथी, पुस्तक
[illegible] (सं.) पूर्ववत्।
[illegible] (सं.) बाल, नन्हाल, शिशु, बच्चे, ताबके खेल में हारे हुए मनुष्यसे दूसरी बाजी खेलने के पूर्व पत्ते लेना और फिर उसे देना इत्यादि।
[illegible] (वि.) मूर्ख, बेवकूफपन।
[illegible] (सं.) परीक्षा, समझ, कदर, गुणज्ञता, देखो [illegible]।
[illegible] (सं.) कानका छिद्र, कर्णेन्द्रिय का अवयव, अंग्रेजी ढंग का जूता।
[illegible] (सं.) प्रतिमा, मूर्ति, तस्वीर।
[illegible] (सं.) ऊंट, सौंडा, मोटा दंडा।
[illegible] (सं.) एक प्रकार के बीज, जिन्हें उबालकर लोग पीते हैं, काफी।
[illegible] (सं.) हांक, हल्ला, आवाज शब्द, शोर गुल, कोलाहल ध्वनि, एक बात के लिये एक स्वरसे बहुत से मनुष्योंकी बोली, पुकार, फरियाद, बारजो, अफवाह।
[illegible] (सं.) पूर्ववत्।
[illegible] (सं.) आपत्ति के समय बचावनी के लिये बजाया हुवा ढोल।

ખૂરું (सं) शुद्ध खांड, बूरा शकर (वि.) बुरा, दुष्ट, नीच, निकम्मा, खराब।

ખૂસું (वि.) जिसे किसी बात का शोक न हो, अरसिक, जो मजा न समझे। [खुरदरा।

ખૂહો (वि.) मूर्ख, भोंठा, बोथरा

ખૂહો (सं.) मूर्ख, शठ, बेवकूफ।

એં (सं.) बकरी अथवा मेंढे का शब्द।

એં આની (सं.) दुअन्नी, दो आने का सिक्का, $\frac{1}{8}$ रुपया।

એંઘી (सं.) डाकद्वारा भेजी हुई पुटलिया, पार्सल।

એંતાળાં (सं.) वृद्धावस्था आ जानेसे दृष्टि कम होना और नेत्रों पर उप नेत्र (चश्मा) लगना, ४२ वर्षसे अपरकी उम्र।

એંતાળીસ (वि.) बयालीस, चालीस और दो, ४२, संख्या विशेष। बकरे अथवा भेड़की बोली।

એંએં (सं.) मिमियाहट, मेंमें,

એ (कि.) १+१, दो, द्वि, उभय

એ આંખળ ચડે એવું (कि. वि) जो मदमें ज्यादा हो। जो बढ़े या चढ़े।

એ આંખળ કરીને કાપી લઉં છું नाक काटलूंगा, इज्जत लेलूंगा, जीभ काटलूंगा।

એ આંખળ સ્વર્ગ ખાડી છે = अतिशय गर्विष्ट है।

એ કાન વચ્ચે ભાથું કરીશ=बालक को धमकी दी जाती है, दोनों कानों के बीच सिरकर दूंगा।

એ ઘડીનો પરોણો कुछ देर का मेहमान, थोडीही देरमें मरने वाला।

એજીવાણી (वि.) गर्भिणी, सगर्भा, ग्याभिन, गाभिन।

એ તરફની ઢોલકી વગાડવી (कि.) दोनों तरफ का गाना। [अक्ल नहीं।

એ દાણો અક્કલ નથી–बिलकुल

એ ધારની તરવારે રમવું (कि.) दोनों पक्ष पर रहना, खतरनाक वस्तु अथवा मनुष्य के साथ रहना। [पेट खाना।

એ પેટ કરવાં (कि.) खूब भर

એ બાપનું (कि. वि.) दो बापका, व्यभिचारिणी का पुत्र।

એ મોઢાં છે કે શું ? क्या दो मुंह हैं ? मुंह है याकि गुदा।

બે હાથે પાઘડી ઝાલીને દીધું (ક્રિ.) विचार एवम् सावधानी से चलना।

બે હાથ જોડવા (ક્રિ.) विनती करना, आजिजी करना, नम्रता करना।

બે હાથે કમવું (ક્રિ.) अच्छी तरह कमाना, खूब कमाना।

બે બેહાથે પેટ બતાવવું (ક્રિ.) भूख लगी है ऐसे संकेतद्वारा प्रदर्शित करना।

બે (उप.) गैर, कम, बद, हीन, रहित, नहीं, हीनता सूचक उपसर्ग, (क्रि. वि.) रे। अरे। ओ।

બેઉ (वि.) दोनों, उभय, दोनों ही।

બેબેક (वि.) एक या दो, प्रायःदो

બેક (वि.) छका संकेत शब्द, थोडाक, जरासा, कुछेक।

બેકવું (क्रि.) बहक जाना, गलती करना, सुगन्ध फैलना अमर्याद होना, बह जाना, तृप्त हो जाना।

બેકાવવું (क्रि.) बहकाना, भुलाना

બેકી (वि.) पूरा, पूर्ण, जिसमें दोका भाग बराबर लग जावे और कुछ न बचे, ऊपके पाखाने जाते समय को दो अंगुलियां दिखा कर शौच की छुट्टी मांगते हैं वह। [टट्टी जाना, शौच जाना।

બેકીજવું (क्रि.) पाखाने जाना,

બેકેદ (वि.) जो कैदमें न हो, स्वतंत्र, खुला, मुक्त बन्धन रहित उद्धत, अमर्याद, न्यायरहित, अनियमित।

બેકેફું (वि.) बहका हुवा, मिजाजमें भरा हुवा। [पत्ता।

બેગડ (वि.) कलईसे रंगा हुवा

બેગમ (सं.) बड़े दरजे की मुसलमान स्त्री, अमीर अथवा बादशाह की औरत, राणी, महारानी।

બેગરજ (वि.) अनावश्यक जिसे कुछ मतलब न हो, निष्प्रयोजन, बेदरकार, अकारण।

બેગલિયું (वि.) एक प्रकार का काला एवम् पतला कपड़ा।

બેગાર (सं.) बिना पैसोंकी मजूरी, मुफ्तकी मजदूरी सख्त परिश्रम।

બેગારી (सं.) मुफ्त का मजदूर, कुली, भारवाही, मजूर।

બેધાર્યું (वि.) निश्चय, ठेक, मिलावट, अविचारी, विशेष।

બે આરેક (वि.) दो चार, दो या चार, कुछ, थोड़ा, चन्द, लगभग २ या ४

બેબ્બા (વિ.) દેખો બેબ્બર ।
બેબ્બર (વિ.) વ્યાકુલ, घबराया हुआ।
બેબ્બર (વિ.) વ્યાકુલ, હૈરાન, थका हुआ, घबराया हुआ, बेचैन ।
બેટ (સં.) જઝીરા, દ્વીપ, पानीसे चहुंओर घिरी हुई भूमि ।
બેટો (સં) सुत, तनय, वत्स, आत्मज तनय, पुत्र, लड़का, छोरा, छोकरा ।
બેઠક (સં.) आसन, बैठनेका स्थान, बिछायत, साथरी, बैठनेका हक़, बैठनेकी मुख्य जगह, बैठनेका वक्त, नाव इत्यादिकी जगह, मजलिस, सभा, समाज, परिषद् ।
બેઠાબેઠા (क्रि. वि.) बिना परिश्रम के, बैठे बैठे, ठाले रहकर ।
બેઠાખર (वि.) जमकर बैठनेवाला
બેઠાબેઠ (वि.) बे रोजगार, निरुद्योग ।
બેઠી બાંધણીનું (वि.) नीचा किंतु अच्छा बना हुवा (घर), बहुत शीघ्र और बहुत क्रोध पूर्वक नहीं किंतु धीरजसे और कम गुस्सेका (काम भाषण इत्यादि २)
બેઠું (वि.) बैठा हुवा, स्थित, जमा, कैम हुवा, पसरा हुवा, बिखरा हुवा, जिसमें बहुत देरतक बैठना पड़े ।
બેઠી હાંકવી (क्रि.) ठंडी बिजली करना ।
બેઠું ધાણી ચલાવવું (क्रि.) बे आधार बेबुनियाद बात हांकना ।
બેઠો ખાથી (वि.) घर बैठे अपनी गुजर चलानेवाला, कुछ भी परिश्रम उद्यम किये बिना भरण पोषण करनेवाला ।
બેઠું (क्रि) बैठनेका भूतकाल, (क्रि. वि.) तपेली में चावळ खिचड़ी इत्यादि उबालने के लिये ठीक अंदाजसे जल काल कर उबलने रखना वह ।
બેઠું બેઠું (क्रि. वि.) आराम से, बिना परिश्रम से, बैठे बैठेही ।
બેઠેલ (वि.) बैठ रहनेवाला, जम कर खूब बैठनेवाला ।
બેઠે પગે (क्रि वि.) पद्मासन लगाकर।
બેઠો પગાર (सं.) घर बैठे बिना काम किये मिलनेवाला वेतन, पन्शान मासिक वार्षिक इत्ते।
બેઠું ખાવું (क्रि.) बिना रोजगार होकर घर में बैठे खाना, किसी की सहायता से गुजर करना, आराम से खाना ।
બેઠક (सं.) चूल्हे के दोनों ओरकी दीवार, चूल्हे के पखे।

ખેડું (સં.) અંગુલિઓંકે જોડ, અંગુલિયોંકી જડ કે પાસ ગાઈ કે ઉપર ગડે, અમલીકા બીચ યુક્ત ભાગ, વર્ષા સે માર્ગમેં ડુબાનીવાલે, વર્ષા સે ભરે હુએ છોટે છોટે ગડ્ઢે ।

ખેડું (ક્રિ. વિ.) ખેડવું દેખો,

ખેડશી-સાઈ (સં.) અભિમાન, ગર્વ દર્પ અહંકાર, ઘમણ્ડ ।

ખેડસી મારવી (ક્રિ.) બડાઈ મારના આત્મપ્રશંસા કરના, શેખી મારના ।

ખેડિયાતો (સં.) ખલાસી, મલ્લાહ, કેવટ જહાજી, કર્ણધાર ।

ખેડાચક્ર (વિ.)વહ ભમરી યા ભંવરી જો (ઘોડે કે) મસ્તક મેં પાસ પાસ હી દો એક હી જગહ હોં । મસ્તક મેં દો ભંવરોંવાલા ઘોડા ।

ખેડા ફેરા (વિ.) પૂર્વવત્

ખેડિયું (સં.) આમ પરસે કેરી તોડનેકા યંત્ર, બત્તીસ મણકા તૌલ દો બેલોંકી ગાડી ।

ખેડી (સં.) કેદીકો પહિરાનેકી લોહે કી જંજીર, સાંકલ, શૃંખલા હથકડી, બન્ધન, અટકાવ, રોક, આડ ખંજાલ, ફાંસદ, કાષ્ઠબંધ, બાધા કે લિયે અંગુલિયોંમેં પહિની હુઈ દો જુડી હુઈ અંગુઠિયાં, પૈરોં મેં પહિનેકા એક પ્રકારકા ગોલ કા ઝેવર ।

ખેડું (સં.) ઊપર નીચે રખે હુએ દો ટુકડે પાવ,સહેરા,(ફલમિશેષ) ।

ખેડા (સં.) જહાજ, દલ, પાર્ટી, જૂથ, સંઘકા વિમાન, હેતુ, નિર્દિષ્ટ કારણ, પક્ષ ઓંસના, ખંભી ।

ખેડાપાર (સં) વિજય, ફતહ, સિદ્ધિ, કૃતકાર્યતા, જીત ।

ખેડાણી (વિ.) ખેડોક, રોમસ્તૂલ વાલા (જહાજ) ।

ખેડાળ (વિ.) ક્રૂર, બદસલૂક, ।

ખે ઢંગ-ખું (વિ.) અન્યથાસ્થિત, વિલક્ષણ, વિપરીત, બુરાકારી, બેઢબ-રતીબ, બેઢંગા, બેતર્જ ।

ખેતળિયું (વિ.) વહ છપ્પર, જિસમેં દો ઢાલહોં, દો ઢલવાંકા છપ્પર ।

ખેતું (સં.) દેખો ખેડું

ખેત (સં.) ઉર્દૂ મેં કવિતા કરને કી એક રીતિ, ઇસમેં દો ચરણ અઠારહ માત્રાઓં કે ૫. ૫. ઔર ૩ તીન માત્રાપર યતિ હોતા હૈ । દો દો સમાન અનુપ્રાસ કે ચરણ, તુકાઈ, કવિતા । મનસૂબા, વિચાર દરાદા, બુદ્ધિ, સઙ્કલ્પ, ઉપાય ।

ખેતકીર (વિ.) ખેતુકાર, ખિલૌના, ખિલવાડ, કે ખુદૂર ।

બેતબા (વિ.) બે ફિક્ર, બેપરવાહ ।
બેતરફી (વિ.) દોનોં તરફકા, દુ તરફી, દોનોં ઓરકા ।
બેતાલ (વિ.) બિનાતાલકા (ગાય-નેમેં) તાલ રહિત, યુક્તિહીન,હાથ સે ગયા હુવા, ખરાબ હુવા ।
બેતાળાં (સં.) બયાલીસ વર્ષકી ઉમ્ર ।
બેતાળા આવવાં (ક્રિ.) દૃષ્ટિમેં ન્યૂનતાઆના, ચશ્મા લગના ।
બેતાળીસ (વિ.) સંખ્યા વિશેષ, બયાલીસ, ૪૨, ચાલીસ ઔર દો ।
બેતાળું (સં.) બયાલીસ સેરકા મન।
બેદરકાર (વિ.) બેતબા।
બેદરદી (વિ.) નિરોગી, બેપીર, અરસિક ।
બેદાદ (વિ.) ગૈરવાજિબ, અન્ધેર, અવ્યવસ્થિત, અનુચિત ।[ઔષધિ ।
બેદાણાકાકડી (સં.) એક પ્રકાર કી
બેદાણા (સં.) પૂર્વવત્, બીદાના ।
બેદાદી (વિ.) ગૈર ઇન્સાફી, અન્યાય, અન્ધેર, અંધાધુંધી, અવ્યવસ્થા ।
બેદીલ (વિ.) નાખુશ, અપ્રસન્ન, નારાજ, નિરુત્સાહ, નિરાશ, ઉદાસ, અનિચ્છુક ।
બેદીલી (સં.) અનબન, મિત્રતામેં બિગાડ, અપ્રસન્નતા, નારાજી ।
બેદું (સં.) અંડ, અંડા ।
બેધારી (વિ.) દુધારી, દોનોં ઓર જિસકે વાર હો, દોનોં ઓર પૈની ।
બેન (સં) બહિન, ભગિની, સહોદરા।
બેનડી (સં.) પ્યાર મેં બહિન કે લિયે શબ્દ ।
બેનપણાં (સં.) સ્ત્રિયોં સ્ત્રિયોં કી મૈત્રી, સખીત્વ, સહેલીપના ।
બેનપણી (સં.) સખી, સહેલી, સજની।
બેનસીબ (વિ.) અભાગા, ભાગ્ય-હીન, બદકિસ્મત, ફૂટે કરમકા ।
બેની (સં.) સજની, સખી, પ્યારી, બહિન ।
બેનોક (સં.) બદશકલ, કુરૂપ ।
બેપરદે (ક્રિ. વિ.) નિર્લજ્જતાપૂર્વક બેશર્મીસે, સાફ સાફ દુર્વાક્ય ।
બેપરદો (ક્રિ. વિ.) દો ટૂક, બેશર્મ ।
બેપનાહ (વિ.) અનબન, દ્વેષ, અપ્રસન્નતા, નારાજી ।
બેપાક (વિ.) બિના બાકી, બિલ-કુલ, સમાપ્ત, સમ્પૂર્ણ, કુછ નહીં ।
બેપારનું (વિ.) છિનાલ સ્ત્રીકા પુત્ર, વેશ્યાપુત્ર, પિતાહીન ।
બેપારણું (વિ.) ઘબરાયા હુવા, વ્યાકુલ ।
બેબુનિયાત (વિ.) નીચ કીર્ય કા, ઇતમ્બારા, પતિત કુલોત્પન્ન ।

બેલતુ-થું (વિ.) દો જાતિકા, દો પ્રકારકા, પૃથક પૃથક મિશ્રણકા।
બેભાન (વિ.) બેસુધિ, બેહોશ, અચેત, ચેષ્ટારહિત મૂર્ચ્છિત ।
બેમના (સં.) સંકલ્પ, વિકલ્પ, દુવિધા, પશોપેશ ।
બેમર્યાદ (વિ.) અસીમ, બેશરમ, મર્યાદાકે બાહિર ।
બેમાર (વિ.) બીમાર, અસ્વસ્થ, રુગ્ણ
બેમાલમ (વિ.) ગુપ્ત, અપ્રસિદ્ધ ।
બેમુનાસબ (વિ.) અનુચિત, અયોગ્ય।
બેમુરવ્વત (વિ.) નમકહરામ, કૃતઘ્ની, બેલિહાજ, ભોંડા ।
બેરખ (સં.) દેખો બેહેરખ ।
બેરખી (સં.) સ્ત્રીકે બાંયે હાથ મેં કોહની કે ઉપર પહિનને કા આભૂષણ વિશેષ ।
બેરખો (સં.) રુદ્રાક્ષ કે મોટે મોટે મણિયોંકી માલા ।
બેરંગ-ગી (વિ.) વિચિત્રવિચિત્ર, રંગબદલા હુવા, તાલ, બે મિસલ, અધિક રંગોંકા ।
બેરહમ (સં.) હઠતા, ચંચલતા, લુચાઈ । [લુચ્ચા, જિદ્દી ।
બેરહું (વિ.) હઠીલા, ચંચલ,
બેરુને (સં.) એક પ્રકારકી ઔષધિ।
બેરુત (વિ.) દેખો બેરહું (સં.) કુસમય ।
બેરેરે (ક્રિ. વિ.) બારમ્બાર, પુનઃ પુનઃ, મુહુર્મુહુઃ, ફેરફેર ।
બેરુખું (વિ.) એક જાતિકા પક્ષી।
બેરીજ (સં.) જોગ, જોડ, ટોટલ રકમ । [વ્યક્તિહીન ।
બેરૂં (વિ.) બહિરા, બધિર, શ્રવણ-
બેલ (સં.) સાથી, જોડીદાર, બૈલ, વૃષભ ।
બેલડી (સં.) જોડા સાથ ।
બેલદાર (સં.) હમાલ મજદૂર, મજૂર।
બેલાશક (ક્રિ. વિ.) નિસ્સંકોચ, અલબત્ત, નિઃસન્દેહ, અવશ્ય, બેશક ।
બેલિયું (સં.) નિર્બલતાકે કારણ હાથકી અંગુલિયાં અચાનક ખિંચના, બાંયટા, એક પ્રકારકા ફૂલ યા ઇત્ર।
બેલી (વિ.) ધની, સહાયક, હિમાયતી, પક્ષગ્રાહી, મિદ્દુ, તરફદાર।
બેલું (સં.) રુઈકી પૂનીકા જોડા, સફેદ રેતીલા પત્થર, ઓદા ।
બેવકૂફનો બાદશાહ (સં.) અત્યંત મૂર્ખ, મૂર્ખરાજ, મૂર્ખાનન્દન ।
બેવકૂફ (વિ.) બેવંગા ।
બે વખત (વિ.) કુસમય, અસમય।
બેવખત વખત (વિ.) ચાહે જબ, જબ ઇચ્છા હો તબી સમય ।

બેવચની (વિ) અપ્રમાણિક, વિશ્વાસઘાતી, બેવફા, વચન તોડનારો.
બેવડ (વિ.) લપેટા હુવા, ઘડી કિયા હુવા દુહરા, દુહરતા.
બેવડવું-ડ્રવું (ક્રિ.) દુહરતા કરના, ઘડી કરના, લપેટના.
બેવડિયું (સ.) એક તાંબેકા સિક્કા, જિસકા મૂલ્ય લગભગ આધ આના હોતા હૈ.
બેવડું (વિ.) દુપટ, દુહરા, દ્વબલ એક સે દુગના.
બેવતની (વિ.) જિસકા કોઈ દેશ ન હો, દેશસે નિર્વાસિત, પરદેશી.
બેવફા (વિ) બેઈમાન, અપકારી, કૃતઘ્ની, અધર્મી, કપટી, છલી.
બેવારસી (વિ.) અનાથ, જિસકા કોઈ માલિક ન હો, અવારા.
બેવાર (ક્રિ વિ.) દો બાર, દો બક્ત.
બેહ (વિ.) દેખો બેહેવાર
બેસઉઠ (સં.) ઉઠબૈઠ, ઉઠક બૈઠક.
બેસણી (સં.) આસન, બૈઠક, વહ વસ્તુ જિસ પર ઘર કે દેવતા બૈઠાયે જાતે હોં. બેન્ચ તિપાઈ, સ્ટૂલ.
બેસણું (સ.) બૈઠક, બૈઠનેકી રીતિ મરને વાલે કે યહાં શોક સૂચક બૈઠક ઉઠાના.
બેસત (સં) લગી હુઈ કીમત, અસલી કીમત. [બહુત, પુષ્કલ.
બેસતમ (વિ.) અપાર, અત્યંત,
બેસતું (વિ.) લાયક, યોગ્ય, ઉચિત, ઠીક, ફબતા, અરંભ (વર્ષકા) નવીન. [સાથ.
બેસબુરી (સં) અસન્તોષ, બે
બેસર જમીન (સં.) એક પ્રકારકી ભૂમિ.
બેસરખું (સ.) ખર્ચ, મૂલ્ય, કીમત.
બેસવું (ક્રિ.) બૈઠના, આસન લગાના, ચૂતડ ટેકના પગ ફૈલાકર પેટકે બલ હોના (પશુ) પૈર ટેકકર પક્ષ સિકોડના (પક્ષી) ચક્કર ચલતે ઠહર કર એક સ્થાનપર પડ રહના, લગે રહના, ધુલના, આરંભહોના, નવીન ચાલૂ હોના, ઉપડના, યુક્તિસમક્ષ આના, ભાવ હોના, કીમત ઠહરના, ઠહરના, ઠોલેહોના, આલસી હો રહના, નીચે આ ઠહરના, મોટા ખરખરા હોના, ઘીસે બર્તનમેં નીચે ચિપક જાના.
બેસવા દેવું (ક્રિ.) ચિકની જમીનપર પગ ન જમકર ચિસક પડના. [ઉલટા બૈઠના.
બેસતું વરસ (વિ.) આજ આજ,

બેસતો પાયો (સં) મેલ, બનાવ,પ્રેમ।
બેસવા જવું (ક્રિ.) મૃતક કે ઘર શોકમેં શામિલ હોને જાના, માતમ મેં જાના શોક પ્રદર્શનાર્થ બૈઠને જાના। સંયોગ કરના।
બેસવાની કાણ તોડવી (ક્રિ.) અપને પૈરોં આપ કુલ્હાડી મારના, જિસસે ગુજર ચલતા હો ઉસ ધન્ધે કો અપની મૂર્ખતાસે ગમા બૈઠના।
બેસી જવું (ક્રિ) બૈઠજાના, દિવાલા નિકાલના, ભૂખસે (પેટ) બૈઠના, નિસ્સંતાન હોના, રાજગાર ધન્ધા ન ચલના, ગાલોંમેં ગઢ્ઢે પડના।
બેસીને થવું (ક્રિ) સોચ સમઝકર ચલના। વિચારકર ચલના।
બેસાડવું (ક્રિ.) બિઠાના, બૈઠાના, જડ઼ના, જમાના, ઠહરના, રખના, બનાના, સ્થાપિત કરના, સ્થિર કરના।
બેસામણ (સં.) રોગકે કારણ પશુકા ખડ઼ા ન હોના ઔર બૈઠહી રહના, બૈઠાન, ઉઠાન।
બેસામણું (સં.) મૃતક કે ઘર શોક પ્રદર્શનાર્થ બૈઠક, ઉઠાવના, બૈઠક, માતમ। [પક્ષિક।
બેસાર (સં.) મુસાફિર, યાત્રી,
બેસુમાર (વિ.) અસંખ્ય, અગણિત અતિશય, બેહદ, અસીમ।
બેસુર-રું (વિ) બેસુરા, કાનોંકો બુરી લગને વાલી આવાજ (ગાનમેં) વાલા, સ્વરહીન।
બેસ્તી (સં.) ભાઇબન્દી, મિત્રતા, મેલ, દોસ્તી, બન્ધુત્વ।
બેહક (વિ.) અનધિકાર, અયોગ્યતા।
બેહક પડવું (ક્રિ.) રોગકે કારણ પશુસે ખડા ન હો સકના।
બેહક બેસવું (ક્રિ.) નુકસાન ઉઠાના, ખડ઼ા રહા જાસકે ઇસ તરહ બૈઠના।
બેહબર (ક્રિ. વિ.) દો જને હાજિર રહોં તબ, દો કી ઉપસ્થિતિમેં, અનુપસ્થિતિ। [જબાબદીન।
બેહયા (વિ.) બેશરમ, નિર્લજ્જ,
બેહુ (વિ.) દોનોં, ઉભય।
બેહુરમત (વિ.) અપમાનિત, તિરસ્કૃત। [સૌદા।
બેહેક (સં.) ગન્ધ, દૂ, મહેક,
બેહેકવું-કાઈવું (ક્રિ.) બહકના, ભૂલના, ભટકના, બડ઼બડ઼ાના,
બેહેકાર (સં.) મુગન્ધ, ખુશબૂ, સુવાસ, સૌરભ, મહેક, અભિમાન, ગર્વ।

ભેદાવવું (કિ.) બહકાना, भुलाना।
ભેદૂર (वि.) अच्छा, उत्तम, श्रेष्ठ, बढिया, ठीक, भला, तोफ़।
ભેદેવ (सं.) देखो ભેન।
ભેદ્ર (सं.) बधिरता, बहिरपना।
ભેદ્રભ (सं.) नगारा तासा, और ढोलकी जोड,निशान, ध्वजा, झंडा, नगारा ढोल और झंडेवाली पार्टी।
ભેદ્રૂં (वि.) देखो ભેરૂ,
ભેદ્રેસ્ત-સ્ત (सं.) स्वर्ग, कैलाश, वैकुण्ठ, (यावनी भाषा में)
ભેદ્રેસ્તી (वि.) स्वर्गीय, गत, मृत मरा हुवा, कैलाशवासी।
ભેભેર-ર૨ (सं.) औरत, स्त्री।
ભેડ્ડભોળું (वि.) बीच में बोलनेवाला, मजाक, करनेवाला।
ભેડવું (सं.) नरमादा, द्वार के कुन्दे नकूचे, चूल।
ભેડુકી (सं.) एक प्रकारका पौदा, जो गांठ दार होता, है और पशुको भी अधिक होने के लिये खिलाते हैं।
ભેણાદ્રં (सं.) सनबन, द्वेष।
ભેદ્રબુદ્ધિ (सं.) स्त्री बुद्धि, औरतों के समान अक्ल।
ભેદ્રલાચાર (सं.) स्त्रियोंकी रीति रवाज, दुकरियापुराण।
ભેરી (सं.) स्त्री, भार्या, पत्नी, औरत बहू, वधू, लुगाई, नारी।
ભેરો ભેસવી (कि.) रोने के लिये स्त्रियां आकर बैठें ऐसी दुर्दशा होना अतिशय हानि होना दुर्दशा होना।
ભેરૂં (सं.) स्त्री, औरत, नारी, पत्नी।
ભેા (सं.) गन्ध, बास, वास, अहंकार, ममत्व, पतंगकी डोरी।
ભેાઇ (सं.) एक प्रकारकी मछली,
ભેાકડું-ડેા (सं.) अज, बकरा, छाग।
ભેાકડાને ભેાતે ભરવું (कि.) बे मौत, मरना, अकाल मृत्यु, होना, असद्गति होना,कुत्तेकी मौत मरना।
ભેાકિલું (सं.) कुतियाका बच्चा, पिल्ला, छोटा कुत्ता।
ભેાટી (सं.) प्यार, चूमा, चुंबन, बोसा, दोनों ओठों से प्रेमपूर्वक, स्पर्श।
ભેાભ (सं.) कुए मेंसे पानी निकालने का चमडे का डोल। कोश, कोष।
ભેાભલું (वि.) देखो ભેાળું।
ભેાભાર (सं.) ताप, ताव, ज्वर, बुखार।

બોખું (વિ.) બિના દાંતકા, दन्तहीन, बोड़ा, दन्तहीन, पोला।
બોગદો (વિ.) કાણા, एक चक्षु।
બોધરણું-રણું-ળું (સં.) चौडे मुंहका पात्र।
બોધરો (સં.) रास्ते मेंसे कचरा झाडने का मजबूत झाडू।
બોધળું (વિ.) सीधा, सादा, भोला, अज्ञान असमज्ञ, औलिया।
બોચ (વિ.) सादा, ज्वारमें दाने आये बिना उसका रसदार सांठा।
બોચકો (સં.) टोप, टोपा, कान भी ढंक जावे ऐसी टोपी, बच्चो की टोपी।
બોચી (સં.) कंठका पिछला भाग गर्दन ग्रीवा गरदन।
બોચીપર દાંકરો (સં.) अत्यंत कठोर शासन में रहना, ग्राम्य पाठशालाओंमें विद्यार्थी को अंगूठा पकड़ा कर उसकी गर्दन पर कंकर रख देते है, यदि वह कंकर गिरजावे तो दंड दिया जाता है।
બોચીપર બેસવું (ક્રિ.) आग्रह पूर्वक मांगना, काम का तकाजा करना।
બોજ (સં.) बोझ, भार, वजन।
બોજદાર (સં.) वजनदार, भारी।
બોજવું (ક્રિ.) पाचना, अनुकूल आना, देना, बेचना या खर्च कर सकना।
બોજો (સં.) भार, बोझा, वजन, जोखम, जवाबदारी।
બોટ (સં.) मछवा, जलयान, अगन बोट, पतला गोबर का लेप।
બોટકણ (સં.) अन्न प्राशन संस्कार, बालक के मुख में पहिलेपहिल अन्न देना।
બોટવું (ક્રિ.) खानेपीनेके पदार्थ में से थोड़ासा खा कर शेषको इस योग्य कर देना कि दूसरा काम में न ला सके। प्राप्त करना, संपादन करना, रोकना, अपवित्र करना, जूठा करना, खाना, बिगाड़ना, कलुषित करना।
બોટિયું (સં.) देखो અબોટિયું
બોડ (સં.) खन्दक, खोखला, गुफा, गार, कन्दरा, बिल, खोह।
બોડકી (સં.) सिर मुंडी औरत, जिस सिरपर बाल न हों, (स्त्री) रांड, विधवा।

ગોવું (ક્રિ.) નંગા, સિરમુંડા, કે જેનો સિર મુંડા હુવા।

ગોવું (ક્રિ.) ઉસ્તરે સે બાલ કાઢના, મુંડના, બાલ કાઢવા।

ગોવાવું (ક્રિ.) મુંડવાના, બાલ કઢવાના, હજામત કરાના, ક્ષૌર કર્મ કરના, બાલ બનવાના, ક્ષૌર કર્મ કરના, સિર ઔર મુખ કે બાલ કટાના।

ગોડી (સં) દેખો ગોવી

ગોડું (સં.) નંગે સિર, નમ્ર સિર, ઉઘાડા માથા।

ગોડુંતોડું (વિ.) વિના બાલકા।

ગોડાક્ષર (સં.) કાના માત્રાહીન, અક્ષર, મુડિયા અક્ષર।

ગોવુવું (ક્રિ.) બૌની કરાના, મિલના, દેના, ગાલી દેના, લેના સ્વીકાર કરના।

ગોણી-ગોણી (સં.) દુકાનદાર કી દુકાન ખોલને પર સબસે પહિલી બિક્રી, વર્ષારંભ મેં વ્યાપારી પરસ્પર દલાલોં કો અથવા આશ્રિત કો જો ઇનામ અથવા દ્રવ્ય દેતે હૈં વહ, ગાલી।

ગોત (વિ.) અધિક, બહુત, વિશેષ જ્યાદા વિચારણીય, બડી વિપુલ,

ગોંત (વિ.) મૂઢ, મૂર્ખ, બેવકૂફ, ઠઠ। [ગોતા ઝંદ।

ગોતઝો (સં.) ગોતા ઝંદ, બે

ગોતાનવું (સં.) પગડી કે અન્દરકા વસ્ત્ર। [દો, ૭૧।

ગોતેર (વિ.) બહત્તર, સત્તર, ઔર

ગોઠ (વિ.) ભોંઠા, જડ ઠોઠ, મૂર્ખ, અશિક્ષિત, ઠઠ, સુસ્ત, પામર।

ગોઠવો (સં.) એક પ્રકાર કે ખેલ કા સમાપ્તિ।

ગોઠારસિંઘ (સં.) મુરદારસિંગ।

ગોઠાવું (ક્રિ.) પાની પી કર તર હોના, પાની સે ફૂલકર બાહ્ય હો જાના, ગદ્ગદ હોના। [ગોબલા

ગોડું (સં.) અધકચરા પાત્ર, ગદ્ગદ,

ગોધ (સં.) સમઝ, જ્ઞાનશક્તિ, શિક્ષા, અનુભવ, ઉપદેશ, વિવેક, મતિ।

ગોધન (વિ.) શિક્ષણ, વિજ્ઞાપન, સૂચન।

ગોધડું (વિ.) અનાડી, સીધા, ભોલા।

ગોધવું (ક્રિ.) અર્થ સમઝાના, શિક્ષા દેના, ખુબર કરના, સિખાના

ગોધિત (વિ.) શિક્ષિત, સૂચિત, જ્ઞાતા।

ગોબડી (સં.) જિહ્વા, જીભ, (વિ.) તોતાબાપવ, તુતલાહટ।

બોલવી બોલવી (ક્રि.) બોલી બદલવા, અવાજ બદલવા, બોલવાની રીતિ બદલવા ।

બોલવું (વિ.) ચુસકા, ચોસકા, જિસકી બીજ બોલને કે સમય લબ બઢાતી હો । [અસ્થિપંજર।

બોલું (સં) બોલા, સાંવા, નમૂના,

બોલ (સં.) એક પ્રકાર કી ધૂપ, એક પ્રકારકા સુગન્ધિત દ્રવ્ય ।

બોલું (વિ.) સનકે ટુકડો કી લકડી ચટપટ જલનેવાલી લકડી, બોયા કાઠ જો લંગર મેં બંધા રહતા હૈ ઔર પાની કે ઉપર ઉતરાયા રહતા હૈ ।

બોલ (સં.) બેર, બદરીફલ, બેર કે બરાબર સોને કે પૈરોંકી અંગુલી મેં પહિનને કા અથવા સામને કપાલ પર બાંધનેકા એક આભૂષણ ।

બોલ કુટો કરવો (ક્રિ.) બોબલા કરના અચ્છી તરહ મારકૂટ કર બરબાદ કરના, કૂટ ડાલના, સંહાર કરના ।

બોલકુટે વાળવો (ક્રિ.) પૂર્વવત્

બોલનુંકીંડ=અપરિચિત કે વિષય મેં યહ વાક્ય પ્રયોગ હોતા હૈ।

બોલડી (સ) બેર જાતિકા વૃક્ષ, એક પ્રકાર કા કાંટેદાર વૃક્ષ,

બોલડી બોલેડી (ક્રિ.) મારમારકર ચૂરના ચૂર કરના। બલપ્રયોગ કરપૂર્વક કિસી સે કુછ છિના લેના।

બોલડી ચુસવી (ક્રિ.) ચૂસ ચૂસકર મારના, ચૂસ લેના, ચૂસ પીલના,

બોલડું (સં.) તર્ક, ઓર, બાજુ, પક્ષ, ઓર, કિનારા, પાર્શ્વ

બોલવું (ક્રિ) પારજાના સાફ કરના, ટટ્ટી જાડના ।

બોલવેલી (સં.) એક પ્રકારકા ગંધ યુક્ત પુષ્પવાલા વૃક્ષ ।

બોલવું (સં.) એક પ્રકાર કા વૃક્ષ ઔર ફૂલ, એક પ્રકાર કા બેબર, બટન ।

બોલી (સં.) જ્વાર બાજરે કે ભુટ્ટોં કી બારીક ધૂલિ, ઈખ કી કચી ગાંઠ।

બોલ (સં.) ભુટ્ટે કા વહ ભાગ જિસ મેં અન્ન કા દાના રહતા હૈ ।

બોલો (સં.) બિછાને કા વસ્ત્ર, કમ્બલ ।

બોલ (સં.) અક્ષર, વચન, શબ્દ, વાક્ય, કડી, તુક, ચરણ, પદ, ફિકરા, તાના ।

બોલ મારવો (ક્રિ.) તાના દેના, વક્ર વાક્ય બોલના, ઉલાહના દેના અપમાન દેના ।

બોલકણું (વિ.) બોલને વાલા, વાચાલ, બાતૂની, બહુભાષી, વક્તા।
બોલણ (સં.) ભાષા, બોલને કી રીતિ। [વચન।
બોલબંધ (સં.) કૌલ, કરાર,
બોલંબોલા (સં.) તકરાર, ફિસાદ, બોલચાલ, જિદાજિદા, વાકલહ।
બોલબાલા (સં.) સિદ્ધિ, જય, વૃદ્ધિ, ચઢતી, આબાદી।
બોલવું (ક્રિ.) મુંહ સે કહના, ઉચ્ચારણ કરના, બોલના, ભાષણ કરના, શબ્દ કહના, બાત કરના।
બોલતો ચાલતો (વિ.) તન્દુરુસ્ત, સ્વસ્થ, નીરોગ, રાજી ખુશી।
બોલમાં બોલ નથી=ભાષણ મેં કુછ સચ્ચાઈ નહીં હૈ, બોલને મેં ઇમાનદારી નહીં, કહને મેં પ્રમાણિકતા નહીં।
બોલ દે બોલું=આવશ્યકતા કે સમય કામ મેં આને યોગ્ય।
બોલ્યા સામું બોલું (ક્રિ.) અયુક્ત ભાષણ પર દુખી હોના યા ક્રોધ કરના।
બોલે બંધ નથી = બોલને મેં દૃઢ નિશ્ચય નહીં, સદૈવ વચન ભંગ કરતા હૈ।
બોલેબોલે બોતી ખરવી (ક્રિ.) મૃદુ ભાષણ કરના, સુંદર મનમોહક બોલી બોલના, પ્રિય વાણી ઉચ્ચારણ કરના।
બોલાવવુ (ક્રિ.) બુલાના, ઉચ્ચારણ કરના, આવાજ લગાના, હાંક મારના, યાદ કરના, ખબર પૂછના નિમંત્રણ દેના, પુકારના, આહ્વાન કરના।
બોલું (વિ.) બોલને વાલા, વક્તા।
બોવું (ક્રિ.) બોના, બીજ ડાલના, ઉગાના, ઉગને કે લિયે બિખેરના।
બોસ (સં.) હઠ, જિદ, બલાત્કાર।
બોસો (સં.) ચુમા, ચુમ્બન, પ્યાર, દોનો ઓષ્ઠોં દ્વારા પ્રેમપૂર્વક સ્પર્શ।
બોહડો (વિ.) બદબૂદાર, દુર્ગન્ધ યુક્ત,
બોહણી (સં.) દેખો બોણી
બોહોત (વિ) બહુત, બહુ, અધિક, જ્યાદઃ વિશેષ, ઘના, અતિ।
બોહોતાળ (વિ.) પુષ્કલ, અતિશય।
બોહોસ (સં.) આગ્રહ, અનુરોધ।
બોહોળું (વિ.) બડા, બહુત, દીર્ઘ, વિસ્તૃત, વિશેષ અત્યત, અતિશય, અસંખ્ય, અપરિમિત।
બોળ (સં.) એક પ્રકાર કા ગોંદ, અમર બીકુવાર મુસબ્બર, કચરા, (વિ) નમકીન, એક પ્રકાર કા વૃક્ષ।

બોબ મારવો (ક્રि.) બોબલોક કે બક રહના, બોલ કર પેટ દુખાના।
બોળફેરવવું (ક્રि.) નિકમ્મા કર રખના, કામ બિગાડ ડાલના, રદ કરના। [ત્વ,કિનારેતક,પૂરમ્પૂર।
બોળ'બોળ (વિ.) ઉલાછલ, લબા-
બોળપણું (સં.) ભ્રષ્टता, अपवित्रता।

બોળવું (વિ.) ડુબોના, મગ્નકરના પેંદે બિઠાના, નષ્ટ કરના, બર્બાદ કરના, ગમાના, ખોના, રંગના।
બોળિયો (સં.) દેખો બોળ।
બોળું (વિ.) બુદ્ધિહીન, અસમઝ, મૂર્ખ, સીધા ભોલા, સાદા।
બોળો (સં.) ભિગાયા હુવા આટા, પાનીમેં તર કિયા હુવા ચૂન।
બૌધ (સં.) બુદ્ધકા ફૈલાયા હુવા ધર્મ, બૌદ્ધ, બુદ્ધ સમ્બન્ધી। બૌદ્ધ ધર્મી। [હકીકત।
બ્યાન (સં.) બયાન વર્ણન, હાલ,
બ્યાસી (વિ.) બયાસી, અસ્સી ઔર દો, ૮૨, સંખ્યાવિશેષ।
બ્રહ્મપઠ (સં.) વેદપાઠ, વિધિપૂર્વક વેદાધ્યયન, વેદાધ્યયનાધ્યાપન।

બ્રહ્મયોગ (સં.) ઈશ્વર પ્રાર્થના, ભક્તિ, ઉપાસના, એક પ્રકારકી સમાધિ।

બ્રહ્મરંધ્ર (સં.) બ્રહ્મપુત્ર કે મસ્તક કા એક છિદ્ર, જહાંયોગી મસ્તક કો ભેદ કરકે દુરીસ્થાન કરતે હૈં ઔર ઈશ્વર કા દર્શન કરતે હૈં उत्तमांग, ब्रह्मतालु।
બ્રહ્મરાક્ષસ (સં.) ભૂત વિશેષ, યોનિવિશેષ, વહ ભૂતવિશેષ જો પહિલે બ્રાહ્મણ હોકર ફિર કુકર્મ-વશ રાક્ષસ યોનિ કો પ્રાપ્ત હો ગયા હો, બ્રાહ્મણ હો કર અસત્કર્મ કરને વાલા મનુષ્ય, પઢે લિખે મનુષ્ય કી આત્મા ભૂત બની હુઈ।
બ્રહ્મવૈન્દ (સં.) લુચ્ચે બ્રાહ્મણોં કા ઝુંડ, બદમાશ બ્રાહ્મણોં કા સમૂહ।
બ્રહ્મસૂત્ર (સં.) જનેઉ, ઉપવીત।
બ્રહ્મસ્વરૂપ (સં.) આત્મરૂપ, બ્રહ્મ કા રૂપ।

બ્રહ્મા (સં.) વિધાતા, રચને વાલા સૃષ્ટિ કર્તા, પ્રજાપતિ, વિધના, રજોગુણ પ્રધાન ઈશ્વર કા રૂપ, બ્રાહ્મણોં કા મૂલ પુરુષ।

બ્રહ્માંડ (સં.) જગત્, વિશ્વ, સંસાર ચતુર્દશ ભુવન, ગોલક।

બ્રાહ્મ (સં.) એક પ્રકાર કા વિવાહ નારદ, પારા, રાત્રિકે પિછલે પ્રહર કી અંતિમ દો ઘડી કા કાલ, બ્રહ્મપુરાણ, (વિ.) બ્રહ્મ વિષયક।

બ્રાહ્મણિયા (વિ.) બ્રાહ્મણ સમ્બન્ધી, સાદા, સુઘડ, પવિત્ર શુદ્ધ।
બ્રાહ્મી (સં) એક બૂટી का નામ, શાક વિશેષ, સરસ્વતી, વાચા, વારાહીકન્દ, એક પ્રકાર की વનસ્પતિ ।
બ્રીજ (સં.) બ્રજ, વૃન્દાવન અથવા તત્સમ્બન્ધી, ગોકુલનામક ગાંવ, ગોષ્ઠ ।
બ્રીજભાષા (સં.) બ્રજકી બોલી, મથુરા વૃન્દાવન ગોકુલકે લોગોંકી ભાષા, બ્રજ ભાષા, પડી બોલી ।

ભ

ભ—ગુજરાતી વર્ણમાલાકા ૩૫ વાં અક્ષર, ચૌબીસવાં વ્યંજન, પવર્ગકા ચતુર્થ અક્ષર નક્ષત્ર, પર્વત ।
ભઉડા (સં.) શૂદ્રોંકી એક જાતિ વિશેષ, ભીલોંસે મિલતી જુલતી પહાડોંમેં રહને વાલી એક જાતિ ।
ભકભક (વિ.) જોરસે ।
ભક્ષ (સં.) ભોજનીય પદાર્થ, ખાને યોગ્ય વસ્તુ, મક્ષ્ય, ખાનેકી ચીજ। [નાશક, હજમ કરનેવાલા ।
ભક્ષક (વિ.) ખાનેવાલા ખાદક,
ભક્ષણ (સં.) ભોજન, આહાર, ભોજન કરનેકી વસ્તુએં ।
ભક્ષી (વિ.) ખાનેવાલા, ભોગી, ભક્ષક, ખાદક, નાશક ।
ભખ (સં.) ખાનેકા પદાર્થ, શિકાર, ભોજન, ચારબાર ગિનને સે કુછ ભી ન બને ઐસી સંખ્યા (ક્રિ. વિ.) ઝટ ।
ભખવું (ક્રિ.) ખાના, શિકાર કરના, ઝપટના, બકના ।
ભંખવું (ક્રિ) કહના ।
ભખણ (વિ.) આચાર વિચારસે ભ્રષ્ટ, નૈતિક વિચારોંસે પતિત, ચ્યુત ।
ભખણવું (ક્રિ.) આચાર વિચારોંસે પતિત હોના, ભ્રષ્ટ હોના ।
ભખલેલ (વિ.) ખોયા હુવા, ગયા હુવા, પતિત, ભ્રષ્ટ, બિગડા હુવા, બદચલન ।
ભખભખ (વિ.) ભ્રષ્ટ, પતિત ચ્યુત ।
ભખભાખોલું (વિ.) બકપટ જો કુછ મુંહસે નિકલે વહી કહ ડાલને વાલા ।
ભગ (સં.) છેદ, છિદ્ર, સૂરાક, યોનિ, સ્ત્રીકા મૂત્રદ્વાર, ભૂત, ગુદા ઔર અંડ કોષોં કે બીચકી જગહ, ઉત્કૃષ્ટતા, ઐશ્વર્ય, સૌભાગ્ય, કીર્તિ માન, સૂર્ય ।
ભગદાળું (સં.) છેદ, છિદ્ર, કાના, બાંકા, સૂરાક, ગુપ્ત અંગવાલા ।

ભગંદર (સં.) રોગ વિશેષ, એક રોગનો નામ, ગુદાકે આસપાસકા નાસૂર । ભેદ, સૂરાક, છિદ્ર ।

ભગભગ (ક્રિ. વિ) ઔરસે પાની બહનેકે શબ્દકે અનુસાર આવાજ । ભડ્ભડ્ । [ભુરા ।

ભગર્ (સં) બે ચિકના ઢટ, ભુર

ભગલ (સ) ધોકા, કપટ, છળ, ચાલાકી, પાખણ્ડ, બનાવટ ।

ભગલ ભાષાર્થી (સં.) દેખો ભગ ભગત ।

ભગલી (વિ.) ધૂર્ત, કપટી, પાખણ્ડી, છલિયા, ચાલાક, ધોખે બાજ ।

ભગવતી (સં) દેવી, પાર્વતી, દુર્ગા પૂજ્યા, રાણી, (વિ.) ઠાકુરજી કી સેવા કરનેવાલા, ભક્તજન ।

ભગવું (વિ.) કાષાય રંગ, ગેરુઆ રંગકા । [સંન્યાસી હોના ।

ભગવાં કરવાં (ક્રિ.) વૈરાગી હોના

ભગવો ઝંડો (સં.) પેલવા ઔંકી ધ્વજા ।

ભગવો (વિ.) દેખો ભગવું

ભગ્ન (સં) પોલા, ખાલી, રીતા ।

ભગ્નભાવાર્થી (વિ.) ઐસા મનુષ્ય જિસકે મનમે કુછ હી ઔર દિખાવે કુછ, બહુરૂપક, ધુરંગા ।

ભગોડું (સં.) રેશમકા કોડા ।

ભંગ (સં.) નાશ, (વિ.) જિસકે ટુકડે કિયે હોં, તોડા હુઆ ટુકડા ।

ભંગ (સં) ભાગ, ભેદ, ખણ્ડન, ટુકડા, તરંગ, ઊર્મિ, લહર, પરાજય એક પ્રકારકી નશીલી વસ્તુ ।

ભંગડ (વિ.) જિસે ભાગ પીનેકા વ્યસન હો, મૈંગી, મન્દ, મૂર્ખ, સુસ્ત । [ભંગ પીટને પીને કા સ્થાન ।

ભંગડભાનું (સં.) મંગેડી ભાઈયોં કે

ભંગાણુ (સં.) ટૂટ, ભચક, ટેડ ।

ભંગાર-રો (સં.) ફૂટે ટૂટે પાત્ર, ફલ ઇત્યાદિકા ગૂદા ।

ભંગિયો (સં.) મેહતર, મૈંગી, ડોમ, પખાના ઝાડનેવાલા, ઢેડ ।

ભંગિયેણ (સં.) ભગિન, મેહતરાની ।

ભંગી (વિ.) ભાગ પીને વાલા, ભાગ નામકી નશેલી વસ્તુ સેવન કરને વાલા, સુસ્ત, ગફલતી (સં.) મેહતર, મગી ।

ભંગીજંગી (વિ) ભાંગ પીકર મસ્ત રહને વાલા, બરાઈ, લહરી, મનમૌજી ।

ભંગુર (વિ.) ક્ષણિક, નાશવંત, ટૂટને યોગ્ય, અસ્થાયી ।

ભણિ (સં.) દેખો ભણિની,

ભચ (ક્રિ. વિ.) ભાલા બર્છી યા કટાર के घुसने का शब्द ।

ભચ્ચ (ક્રિ. વિ.) પૂર્વવત્ ।

ભચ્ચાવું (ક્રિ.) પછાડના તોડના ।

ભચ્ચાવવું (ક્રિ.) भच्च देकर मारना ।

ભચ્ચક (સં.) નક્ષત્ર મંડલ ।

ભચ્ચભચ્ચ (સં.) दांतोंसे कुचल कर अथवा कुतर कर खानेका शब्द । [कुचल देना ।

ભચ્ચાવું (ક્રિ.) दाब डालना

ભચ્ચાવુ (ક્રિ.) दब जाना, पिस-जाना, कुचला जाना, दबी हालत में होना ।

ભચોભચ (ક્રિ. વિ.) तलवार छुरी. भाला इत्यादि के घुसने का बारंबार शब्द, खचाखच ।

ભચ્ચોભચ્ચ (ક્રિ. વિ.) પૂર્વવત્ ।

ભજન (સં.) स्मरण, कीर्तन, निरंतर ध्यान, रटन, जप, गान, स्तुति, प्रार्थना, पद, ईश्वर सम्बन्धी गीत ।

ભજનિક (વિ.) भजन करने वाला । (સં.) भक्त, अर्चक, पूजक, भगत ।

ભજનિયું (સં.) मंजीरे, झांझ, करताल, वह जो कि गीत गाकर पूजा करता हो, भजन, कीर्तन ।

ભજનિયો (સં.) गाकर भजन करने वाला, गायक, गवैया ।

ભજવવું–ભવવુ (ક્રિ.) हो वैसा करने दिखा देना, नाटक के समय वेश रखकर आरंभ से अन्त तकका वर्णन कह सुनाना ।

ભજવું (ક્રિ.) भजन करना, ईश्वर का ध्यान करना, जपना, बड़े लोगोंका प्रेमसे पूजन करना, पहिरना, घालना, डालना, प्रकाशित होना, शोभित होना, प्रज्वलित होना ।

ભજ્જું (સં.) फलोरी, पकोड़ी, मंगोड़ा, बेसनका बनाया हुवा एक प्रकार का खाद्य पदार्थ, बेसनका गुलगुला कंद अथवा किसी फलको बेसनमें लपेट कर घृत या तेलमें तला हुवा पदार्थ ।

ભજુ (વિ.) भजने वाला (कवितामें)

ભટક (સં.) भटक, विछोह ।

ભટકભાષો (સં.) प्रलापी, वाचाल, तड़ाके से जवाब देने वाला ।

ભટકભવાની (સં.) बिना काम घर घर घूमने वाली स्त्री ।

ભટકવું (કિ.) વ્યર્થ ही इधर उधर घूमना, बहकना, भूलना, भ्रम में पड़ना, भ्रांत होना।

ભટકાં (सं.) देखो ભટકિયાં

ભટકાંવવું (कि.) भुलाना, बहकाना, भ्रम में डालना, चक्कर में डालना, डराना।

ભટકિયાં (सं) भ्रमण, पर्य्यटन, घरम घक्के, श्रम, भ्रांति, भूल।

ભટજી (कं.) ब्राह्मण के लिये मान सूचक शब्द। महाराजजी, देवताजी।

ભટાઈ (सं.) चापलूसी, खुशामद, अतिशयोक्ति प्रशंसा (भाट की तरह)

ભટાણી (सं.) ब्राह्मण की स्त्री, ब्राह्मणी, भाट की औरत, भाटन, मठ की स्त्री।

ભટિયો (सं) वह जो बिना विचारे बोला करे, गोसाईजी महाराज के मठ में रहने वाला आश्रित व्यक्ति, गोसाई जी महाराज का जंवाई।

ભટુરિયું (सं.) गाय भैंस के दूध बढ़ाने के लिये बना कर तय्यार किया हुवा पदार्थ।

ભટ્ટ (सं) ब्राह्मण के लिये तुच्छता प्रदर्शक शब्द।

ભટ્ટકવું (कि) चमकना, काटना, मक्खी बुरा कहना, दुग्ध निकलना बुड़कना, दोष निकलना।

ભટ્ટિયારખાનું (सं.) रसोई का घर, पाक शाला, बावरची खाना,

ભટ્ટિયારો (सं) पकाने वाला, रसोइया, पाक शास्त्री, एक जाति विशेष।

ભઠ્ઠિ (सं.) भाड़, पजावा, बड़ा चूल्हा, शराब, अर्क निकालने की जगह, आवा, भट्ठा, ढंग।

ભઠ્ઠિયું (सं) ताक, आला, गादी या बन्धी में वस्तु रखने के लिये बनाई हुई सन्दूक।

ભડ (वि) अति बलवान, प्रतापी समृद्धिवान, (सं.) वीर, योद्धा, श्रीमान्, एक प्रकार का शब्द, घड़ाका।

ભડક (सं.) चमक, स्फुरण, कंपन।

ભડકણું (कि.) उज्ज्वल, मड़कीला, चमकीला।

ભડકવું (कि.) चौंकना, भागना, चमकना, डर कर रुकना।

ભડકાવવું (कि.) डराना, चमकाना, चौंकाना, आश्चर्य में डालना एकदम उठाना, भगाना खबर देना।

ભડિયું (સં.) બંધક का टपका, घी और बंधक दोनों कपड़े पर लपेट कर जो आग लगाने पर टपके गिरते हैं।

ભડી (સં.) ज्वारी या बाजरे में पानी डाल कर पकाया हुवा पदार्थ।

ભડું (સં.) पूर्ववत्–, चकाचौंध चौंधियां, ताप, अत्यंत प्रकाश।

ભડો (સ.) चकाचौंध, चौंधिया, लपट (आग की) भभक, ताप, अत्यंत क्षुधाग्नि, दुःखाग्नि, अलार्म।

ભડો ઊઠવો (ક્રિ.) दिलमें दुःखकी हूले उठना, व्यर्थ जाना, निरर्थक होना, प्रकाश होना, उजाला होना। [उचित।

ભડંગ (ક્રિ. વિ.) बिलकुल, ठीक,

ભડત (સં.) भुरता, भड़ीता, बैंगन आलू आदिको आगमें सेक कर और फिर उसे छील कर तथा कुचल कर दही इत्यादिके साथ मसाला डाल कर खानेका पदार्थ विशेष।

ભડભડવું (ક્રિ.) अग्निमें झुलसना, भुरता होजाना, आगमें दमपक होना।

ભડભડવું (ક્રિ.) इच्छा होना, मन होना, इरादा होना, भड़भड़ाना।

ભડભાડવો (વિ.) बाचाल बकी, बड़ बड़ानेवाला, बहुभाषी, मौला, निष्कपटी दिलकी बात एकदम कह देने वाला।

ભડભડી ઉઠવું (ક્રિ) एकदम क्रोध करना, भभक उठना, बकने लगना। [वाला, मानी।

ભડભાદર (વિ.) बड़ा, इज्जत

ભડવાદ (સં.) भड़वेका काम, भडवेकी कमाई।

ભડવું (ક્રિ.) दलना, मोटा पीसना, लड़ना, एकदम जोशमें भड़भड़ना, खांच निकालना, चित्रित करना।

ભડવો (સં.) पुरुषोंको परस्त्रीके साथ, और स्त्रियोंको परपुरुष के साथ मिला देने वाला व्यक्ति। वेश्याओंके यहां रहने वाला पुरुष, स्त्रीवश भर्तार, कुटना, बुरे कार्य की सिद्धि कराने वाला।

ભડસાળ (સં.) गरम राख, उष्ण भस्म, भूचल, जिस राखमें आगकी छोटी छोटी चिंगारियां हों।

ભડાક (સં.) बंदूकके की आवाज।

ભડાકો (સં) ભડ़ાका, धड़ाका, तोप बन्दूक का शब्द, तड़ाका, किसी बड़ी वस्तुके ऊपरसे गिरनेका शब्द ।

ભડાકો મારવો (ક્રિ.) जोरसे (काम) करना, पहिले ही समझमें जीतजाना बिनाडरके बोलना सत्यको दूर रखकर खोटी जबान बोलना ।

ભડાભડ (અ.) धडाधड तड़ातड़ लगातार भड़भड़ शब्द ।

ભડાભૂટ (અ.) जहां तहां फैला हुवा, अव्यवस्थित, बे इन्तजाम, ભડું (સં.) पतली दीवार, मकानके सामनेकी दीवार ।

ભડે બેસવું (ક્રિ.) पड़कर भागना, दिवाला निकालना, निस्संतान होना, हीन दशामें होना ।

ભડોભડ (વિ.) देखो ભડાભડ ।

ભણ(સં.) सूरज, दिवाकर, रवि ।

ભણ ડૂબવો (ક્રિ.) सूर्यास्त होना दिन छुपाना, संध्या होना ।

ભણકાર-રો (સં.) भांति कारक शब्द, सूचनार्थ शब्द, भनक, शब्द ध्वनि ।

ભણકો (સં.) पूर्ववत् ।

ભણતર (સં.) विद्या, ज्ञान, अभ्यास, अध्ययन पढने का विषय ।

ભણતરિયો (વિ.) विद्वान, पंडित, साक्षर, बहुत पढाहुवा ।

ભણવું (ક્રિ.) पढना, सीखना, ज्ञानार्जन करना, जो बात मालूम न हो उसे जान लेना, अभ्यास करना, कहना, बोलना, सूक्ष्म दृष्टिपूर्वक ढूंढना ।

ભણવું ગણવું (ક્રિ.) पढना गुनना, पढकर उसका उपयोग करना ।

ભણીગણીને—पढ लिखकर, होशियार बनकर, विद्वान होकर ।

ભણું'ભવું' (ક્રિ.) लेकर भाग जाना, छू होना, दस पचीस होना ।

ભણતા પંડિતનીપેજે ગણતા ઘડિયો થાય-अभ्यासद्वारा मनुष्य होशियार होता है ।

ભણીગણીને શા પાટલા દીધા—पढ कर क्या किया ?

ભણભણ (સં) भिनभिन, भनक ।

ભણભણ કરવું (ક્રિ.)भिनभिनाना,

ભણભણવું (ક્રિ.) पूर्ववत् ।

ભણાભણ (સં.) सिखाई, पढाई, फीस, शुल्क, फी, पढानेकी मजदूरी ।

અણુવવું (ક્રિ.) પઢાના, શિક્षા દેના। બોધકરાના, જ્ઞાનદેના, ઉપદેશ કરના. સમઝાના સલાહ દેના આદત કરના, અભ્યાસ કરાના, વિદ્યાધ્યયન કરાના ;

અણુાવી મુકવું (ક્રિ.) સિખા પઢાકર પક્કા કરના, સંકેત કરના ઇશારા કરના, સૂચિત કરના, સાવધાન કરના । [તર્ફ ।

અણી (ઉપ.) તરફ, બાજુ, ઓર,

અણેલ (વિ.) શિક્ષિત, વિદ્વાન, પઠિત ।

અંડાણિયું (સં.) તાક, આલા, દીવાર મેં બનાયા હુવા વસ્તુ રખનેકા સ્થાન, આલમારી ।

અંડારો (સં.) જેવનાર, જાતિભોજ સાધુઓંકા ભોજ, અપની સારી જાતિકો બુલાકર જિમાનેકા કાર્ય ।

અંડોલ–ળ (સં.) મૂલ ધન, ફન્ડ કેપિટલ, એકત્રિત, દ્રવ્ય, પૂંજી ।

અંડોળિયો (સં.) પૂંજીવાલા ।

અતરીછ (સં.) ભાઈ કી બેટી, ભતીજી । [ભતીજા ।

અતરીજો (સં.) ભાઈકા પુત્ર,

અતું–થું (સં.) કન્યા ખાનેયોગ્ય ઉપહાર, પુરુષ્કાર, મજા, બૌંસ,

અત્રીછ (સં.) દેખો અતરીછ ।

અત્રીજો (સં.) દેખો અતરીજો ।

અથવાડું (સં.) ખેતમેં કામ કરનેવાલોંકે લિયે રોટી પહુંચાનેવાલા વ્યક્તિ ।

અદવું (ક્રિ.) બઢના, આગે જાના।

અથાભણું (સં.) જિસ પાત્રમેં ખેત પર કામ કરનેવાલે મનુષ્યોં કે લિયે ખાનેકા પદાર્થ લે જાયા જાતા હૈ ।

અથ્થું (સં.) ભત્તા, અલાઉંસ, બૌંસ, જો જેલ મેં કે કૈદિયોંકો ખાને કે લિયે પૈસે દિયે જાતે હૈં વેતનાતિરિક્ત વેતન ।

અદક (સં.) કલ્યાણ, સુખ, આબાદી, ઇંદ્ર જૌ, કમલ, ૨૨ અક્ષર કા છન્દ વિશેષ, દેવદાર કા વૃક્ષ ।

અદકંટ (સં.) બડા ગોખરૂ ।

અદકાય (વિ.) અચ્છે શરીર વાલા ।

અદા (સં.) દ્વિતીયા, સપ્તમી, ઔર દ્વાદશી તિથિ । કાયફલ, ગૌ, દુર્ગા, પાર્વતી, ગોકર્ણી, વનસ્પતિ વિશેષ, રાત્રા, નીલવૃક્ષ, રૂપવાન સ્ત્રી । [ક્ષૌર ।

અદાકરણ (સં.) મુંડન, હજામત,

અદાક્ષ (સં.) કૃત્રિમ સદાક્ષ, વૃક્ષ વિશેષ ।

ભદ્દણ (સં.) મુંડન, સારે સિર કો અસ્તુરે સે મુંડન કરના ,[કટાના ।
ભદ્દણ કરાવું (ક્રિ.) મુંડાના, બાલ
ભપ (અ.) ઝપાટે સે (પવન કા વેગ)
ભપકાદાર (વિ.) દંભી, પાખણ્ડી, રૌનકદાર, આડમ્બરી, દિખાઉ ।
ભપકાબંધ (વિ.) પૂર્વવત્
ભપકાવવું (ક્રિ.) ભડ્કાના, ભપકી દેના, પ્રજ્જ્વલિત કરના, જોર સે પાની ફૈલાના, ક્રુદ્ધ કરના, જલાના । [ભડ્કી, દહશત ।
ભપકી (સં.) ધુડકી, ધમકી,
ભપકો (સં.) ધમકી, ધુડ્કી, રોબ, ત્યૌર, દિખાવા, આડમ્બર, સ્વરૂપ, અગ્નિ, પ્રજ્જ્વલન, ઠાઠ ।
ભપ્પુ (વિ.) અત્યન્ત સ્થૂલ ઔર નિર્બલ, ભોંદૂ, પદર, પોલા, કમજોર ।
ભપુડો (સં.) દેખો ભપકો
ભભક (સં.) તેજી ચમચમાહટ, શોભા, કાંતિ, લાલિત્ય, ખૂબી, પાની।
ભભકાવવું (ક્રિ.) દેખો ભપકાવવું ।
ભભકો (સં.) દેખો ભપકો ।
ભભડવું (ક્રિ.) ખાને કે લિયે જી ચલાના, ભોજન કે લિયે જ્યાદ ટપકના જોર સે આવાજ કરના (યુદ્ધ મેં) ।
ભભડો (સં.) ભયંકર ગર્જન, હીંગ મિર્ચ ઔર સંચોરા (ક્ષાર વિશેષ) કા કાઢા । ક્ષાર વિશેષ।
ભભરાવવું (ક્રિ.) કિસી કે ઉપર થોડા થોડા ચૂર્ણ ઇત્યાદિ ડાલના, છિડ્કના ।
ભભરી (વિ.) બિખરી, ભુરભુરી ।
ભભૂકો (સં.) ભભકા, એકદમ જોશ મેં પ્રજ્જ્વલન ।
ભભૂત-તી (સં) રાખ, ભસ્મ, મંત્રિત ભસ્મ, દેવતા કે સામને કી ધૂપ ઇત્યાદિ કી ભસ્મ,વિભૂતિ ।
ભભૂતી ચોળણી (ક્રિ.) ભીખ માંગના ।
ભભૂતી ચોળાવવી (ક્રિ.) કિસી કી અત્યન્ત, દુર્દશા કર દેના ।
ભમંડળ (સં.) ક્રાંતિવૃત્ત, આકાશ કી ગોલ રેખા જહાં સે સૂર્ય ગતિ કરતા હૈ ।
ભમતી (સં.) મક્ખી, માક્ષિક,
ભમર (સં.) ભૌરા, ભ્રમર, અલિ, મધુપ, ભૌં, ભ્રૂકુટી ઘુમરી, ભંવર, જલભ્રમ ।
ભમરડી (સં.) છોટા ભૌંરા, છોટા લટ્ટૂ, ચકરી, ભૌંરી, ભ્રમરી ।
ભમરડો (સં.) લટ્ટૂ, ભૌંરા, કાષ્ઠ, અથવા, ધાતુ કા બના હુઆ ખેલ

બાલક ખેલને का खिलौना जिस को डोरी लपेट कर जमीन पर फेंकते हैं और वह भनभन् शब्द पूर्वक चक्कर खाता है।

ભરભોળું (वि.) भोले, सीधेसादे, पवित्र। [प्रकारका मिट्टीका बर्तन।

ભમલી (सं.) पानी के लिए एक

ભમરિયું (सं.) एक प्रकारका स्त्रियों के पहिरनेका वस्त्र।

ભમરી (सं.) भ्रमरी, भौंरी, भृंगी, चकरी, फिरकी, छोटा भौंरा।

ભમરીડું (सं.) देखो ભમરિયું

ભમરો (सं.) भौंरा, अलि, भ्रमर, भृंग, मधुप, पीले मुख तथा काले शरीरका लकड़ी में छेद करनेवाला जीव, एक प्रकारकी बड़ी काली मक्खी जो सुगन्धित पुष्पों पर भंडराया करती है, जलमें का भंवर, गोल चक्कर, वर्षाऋतु मे उड़नेवाला एक जीव जिसकी पूंछ लम्बी होती है। पशु अथवा मनुष्य के शरीरपर बालोंका चक्कर।

ભમરો ઘુસાઇ જવું (कि.) विधवा होना, रांड होना, वैधव्य प्राप्त होना।

ભમવું (कि.) भटकना, घूमना, चक्कर खाना, भ्रमण करना, फिरना।

ભમાવવું (कि.) भ्रम में डालना, चक्करमें पटकना, ठगना, घुमाना, धोका देना।

ભમેલ (वि.) भ्रमित, घूमा हुवा, भटका हुवा, फिरा हुवा, कटा हुवा।

ભંભાડો (वि.) भैसे सरीखा मोटा, मोटा, स्थूल, भोंदू।

ભંભોલ (वि.) देखने में मोटा और भीतर से पोला।

ભંભેરવું (वि.) कुछ उलटा सीधा समझाना, उस्काना, ठगना, छलना

ભંભેરણી (सं.) उत्तेजना।

ભંભેરાવું (कि.) अनुचित मार्ग पर ले जाना, भ्रम में डालना, धोका देना। [का पात्र।

ભંભો (सं.) पानी भरनेका मिट्टी

ભંભોળવું (कि.) ढूंढना, तलाश करना, अनुसन्धान करना, खोजना, शोधना, ध्यानपूर्वक देखना।

ભમ્મ (अ०) धम्म, ऊपरसे किसी बड़ी वस्तु के गिरनेका धमाका।

ભમ્મર (सं.) भौं, भौंह, भृकुटी।

ભમ્મરિયું (सं.) डरकी घरघरी।

ભયા (सं.) भाई, बन्धु, भैया।

ભયાતુર (वि.) भयचकित, डरपोक, भयभीत, भयविह्वल

ભયાન (વિ.) ભયંકર ડરામણા, ભયગ્રસ્ત, વિકરાળ.

ભર્યો-યું (ક્રિ.) ભરવું, ખાવું.

ભર્યો (ક્રિ વિ.) બહુત હુવા, બસ હુવા.

ભર્યો ઠરાવવો (ક્રિ.) માનતા પૂરી હોને પર પુજારીકી સાક્ષી ભરાના.

ભર્યો (સં.) ભાઈ, બન્ધુ, પતિ, સાવિન્દ, ઉત્તર ભારત કા રહને-વાલા વિદેશી.

ભર્યો (સં.) પૂર્વવત્

ભર્યું ભાદર્યું (વિ) ધન જન સે પૂર્ણ, કુટુમ્બી ઔર શ્રીમાન, ભરાપૂરા.

ભર (સં.) અધિક સે અધિક, હોવે ઉતના, પૂર્ણ, બડા, નાપા હુવા, તૌલા હુવા. [નિદ્રા,

ભરઊંઘ (સં.) ગહિરી નીંદ, પૂર્ણ

ભરભત (સં.) ભાર વજન, બોઝા.

ભરઝખ (સં.) નિકમ્મે મનુષ્યોં કા સમુદાય.

ભરખ (સં.) ભક્ષ, આહાર, ભોજન.

ભરખવું (ક્રિ) ખાના, ખાના, ડસના. [ખૂબ, યથોચિત, બેહદ.

ભરચક-ક (સં.) પુષ્કલ, બહુત,

ભરચંદી (સં.) અધિક સે અધિક ચાહિયે ઉતના ચોડે કા દામ.

ભર ચોમાસું (સં.) ખૂબ વર્ષા, વર્ષાઋતુ ભર, ખૂબ બરસાત કે દિન. [ડાર.

ભરજરી (સં.) જરીન, ખૂબ જરી-

ભરજુવાની (સં.) ભરી જવાની, પૂર્ણ યૌવન, પુરુષ કો ૨૬-૨૫ વર્ષ કી અવસ્થા મેં ઔર સ્ત્રી કો ૧૫-૨૨ કી અવસ્થા મેં.

ભરડવું (ક્રિ.) દલના, મોટા મોટા પીસના, બડબડના, ગુન-ગુનાના, અશિષ્ટ બોલના, અધિક બોલના, જો જી ચાહે સો લિખ મારના.

ભરડો (સં.) દલિયા, મોટા મોટા ચૂર્ણ ચૂરી, મહાદેવ કા પુજારી, તપોધન, છપ્પર મેં બાંસોં કે બન્ધ, ગલે મેં કા રોગ વિશેષ.

ભરણ (સં.) ભરના, પૂરના, પાલના, પોષણ કરના, રક્ષા, બચાવ, ગુજર, દુખતી હુઈ આંખ મેં ઔ-ષધિ ઇત્યાદિ ભરના.

ભરણી (સં.) સત્તાઈસ નક્ષત્રોં મેં કા દૂસરા નક્ષત્ર, પૂરી શાક બનાને કા પાત્ર વિશેષ.

ભરતું (સં.) સંગ્રહ, સરકારી રુપયા દેના, પૂર્ણ કરના, ઢેર, લગાલગ.

ભરત (સં.) માપ, ક્ષેત્રફળ, નાપ લોલ કે લિયે બના હુવા પાત્ર, નક્શીકા કામ, કસીદા, ઢાલી હુઈ ધાતુ, રાજા દશરથકે પુત્રકા નામ, શકુંતલા કે પુત્રકા નામ, એક ઋષિ કા નામ ।

ભરતખંડ (સં.) શકુંતલા કે પુત્ર ભરત કે નામસે પડા હુવા હિંદુસ્થાન કા નામ, ભારતવર્ષ, હિન્દુસ્થાન,આર્યાવર્ત, ઇણ્ડિયા, બ્રહ્માવર્ત્ત।

ભરતર (સં.) ભરકર દેને કે લિયે બનાયા હુવા તૌલ પરિમાણ વિશેષ, સીસા જસ્ત, કાંસા મિલા હુવા પીતલ, ક્ષેત્રફલ, માપ, જિસ મેં તસ્વીદાર પાત્ર બનતે હૈં, સાંચા ।

ભરતલ-ળ (સં.) પૂર્વવત્

ભરતરી (સં.) નાપ, ક્ષેત્રફલ, માપ, ભર્તૃહરિ, વિક્રમાદિત્ય રાજા કે ભાઈ ।

ભરતવર્ષ (સં.) દેખો ભરતખંડ

ભરતિયો (સં.) ભરતકા કામ કરનેવાલા ।

ભરતી (સં.) જ્વાર, સમુદ્ર મેં અથવા ઉસસે મિલી હુઈ ખાદી ઔર નદી મેં છઃ છઃ ઘણ્ટે કે અન્તર સે આનેવાલા પાનીકા ચઢાવ (૨૪ ઘંટે મેં ૨ બાર જ્વાર આતા સમુદ્ર મેં આતા હૈ) અધિક પ્રાપ્તિ, ફૌજ મેં વૃદ્ધિ, નૌકર રખના, વૃદ્ધિ । [કરનેવલા ।

ભરતીઓ (સં.) ભરતકા કામ

ભરતીઓટ (સં.) જ્વાર, ભાટા ચઢાવ ઉતાર, ઘટા બઢી, ન્યૂનાધિક ।

ભરથાર (સં.) દેખો ભરતાર ।

ભરપટ (ક્રિ વિ.) દેખો ભરપટ

ભરપાઈ (સં.) રસીદ, માલપ્રાપ્તિ યા ધન પ્રાપ્તિ કી દસ્તાવેજ ।

ભરપૂરતા (સં.) બહુતાયત, જ્યાદતી, ઇફરાત, અધિકતા ।

ભરપૂરી (સં.) પૂર્તિ, સંમ્પૂર્ણતા ।

ભરપોષાક (સં.) પૂરી પૌશાક સે ફુલ ડ્રેસ, કપડે લત્તોં સે સુસજ્જિત ।

ભરભરું (વિ.) કોરા, સૂખા, ચિકનાઈ રહિત, ભુકની, ભુરભુરા ।

ભરભાંખળું (સં.) ગોધૂલી, સંધ્યા સૂર્યોદયકે પહિલેકા પ્રકાશ, ઉષા ।

ભરમ (સં.) ભ્રાંતિ, શક, ભમ, વહમ, ગુપ્ત રહસ્ય, ગુણ, ભેદ, ।

ભરમાર (વિ.) બહુત વિપુલ, વિશેષ, જ્યાદા, અત્યધિક ।

ભરમસભા (સં.) મરીસભા સરેબજાર, ભરે દરબાર ।

ભરખાવવું (કિ.) દેખો ભરખવું
ભરખાવું (કિ.) ધોકા દેના, चक्करमें डालना, ठगाना, छलना,
ભરખી (सं) एक प्रकारके पत्ते होते हैं जो पागल मनुष्य को अच्छा होने के लिये सेवन कराये जाते हैं। [भरखस।
ભરખિયસ (सं.) देखो ભરખ-
ભરખરતો (सं.) आम रास्ता, स्वतंत्र और उत्तम मार्ग उच्च मार्ग।
ભરવસુલ (सं.) पूरी मालगुजारी।
ભરવાડ (सं.) बढ़रिया, भेड़ी बकरी पालने वाला मनुष्य।
ભરવાડણ (सं.) गडरियेकी स्त्री।
ભરવાડી તાણવી (कि.) सोजाना।
ભરવાડો (सं.) गडरिया, एक प्रकार का वृक्ष।
ભરવું (कि.) भरना, पूरा करना, ऋण चुकाना, बन्दूकमें गोळी डालना, सहना, पाना, खेंचना, नापना, कसीदा करना, घुलाना, बन्दा देना, लादना, उंडेलना, छिड़कना, पानी भरना लाना, पानी खींचने इत्यादि की नौकरी करना, लोगोंको एकत्रित करना, रंग करना, खीचा पूर्ण करना।
ભરાઇ આવવું—જવું (कि) थक जाना भारी होना, अकड़ जाना।
ભરાઇજવું (कि) पसरा जाना, धंस जाना, उलझना, छुपना गुप रखना बिलकुल भरना, चिपकना।
ભરાઉ (सं.) भरा हुवा, गूदेदार, स्थूल, मोटा, पुष्ट, ठोस।
ભરાવ (सं.) झुंड, समूह, पूर्ति, भर्ती, जत्था, भीड़, संघ।
ભરાવવું (कि.) उलटा सीधा सुझाना, कान भरना, मंत्र पढ़ाना।
ભરાવું (कि.) भर जाना, पूर्ण होना, लिपट रहना, भीतर घुसना।
ભરિપીવું (कि.) मिलना, ऐक्य होना।
ભરી આપવું (कि.) नुकसान का बदला चुकाना, ठीक करना, सुरक्षित रखना, माप डालना।
ભરીપુરી પામવું (कि.) पूर्ण रूप में पाना, उचित रूपमें प्राप्त करना।
ભરી મૂકવું (कि.) संचित कर रखना, संग्रह करना, इकट्ठा कर रखना।
ભરીજેવું (कि.) हानि का पूरा बदला ले लेना, नुकसान ले लेना।

ભરીપૂરી (ક્રિ. વિ.) સર્વ, સમસ્ત પરિપૂર્ણ । [ઘર ।
ભર્યું ઘર (સં.) ધન જન સે પૂર્ણ
ભરોસો (સં.) વિશ્વાસ, યકીન, મરોસા, આશા, પ્રતીતિ, પ્રત્યય ।
ભરોડી (સં.) રંગ, કાન્તિ, ઢાંચા, રૂપ, રેખા, રૂપ ।
ભરોભારો (ક્રિ. વિ.) એક હી બાર લિયા હો ઔર પીછે સે ન લિયા હો, લિયા હુવા પદાર્થ સબ ખા જાના ઔર ઉચ્છિષ્ટ ન છોડના, ભરી થાલી પર ।
ભરેલું (વિ.) પૂર્ણ, પૂરા, ભરા હુવા, પરિપૂર્ણ ।
ભરેસપત (સં.) બૃહસ્પતિવાર, ગુરુવાર, જુમેરાત (યાવની ભાષા)
ભરોસાદાર (વિ) વિશ્વસ્ત, પ્રામાણિકવિશ્વાસૂ, ઈમાનદાર, ધાર્મિક ।
ભરોસો (સં.) ભરોસા, વિશ્વાસ, આશા, પ્રતીતિ, પ્રત્યય । [વિશેષ ।
ભલ્લો (સં.) ભાલા, બલ્લમ, શસ્ત્ર
ભલાઈ (સં.) ભલાઈ, ભલાપન, ભલમંસી, સજ્જનતા । [કુછ ભી ।
ભલતું (વિ.) યોહી, કોઈ ભી,
ભલપણ (સં.) ભલાઈ, અચ્છાપન, ભલમનૂસાહત, સજ્જનતા ।
ભલભલા (સં.) બડે લોગ, પૂજ્ય પાદ, યોગ્ય મનુષ્ય, યોગ્ય, પૂજ્યા
ભલભલું (વિ.) કઈએક, બહુતેક, પ્રાયઃ અક્સર, અધિકાંશ ।
ભલમનસાઈ (સં.) ભલાઈ, સભ્યતા પ્રમાણિકતા, નમ્રતા, સિધાઈ । નેકી । [બડે બડે ।
ભલાભલા (વિ.) અચ્છે અચ્છે,
ભલાભલી (વિ.) બડે બડે યશસ્વી પુરુષ હોં ઐસી (દુનિયા) વિસ્તૃત (સૃષ્ટિ)
ભલામણ (સં.) સિફારિશ, અનુગ્રહ કારણ, ગુણ વર્ણન, લાભ પત્ર ।
ભલીભાત (ક્રિ. વિ) અચ્છી તરહ, ભલી પ્રકાર । અચ્છી ।
ભલીવાર (સં.) સાહસ, હિમ્મત, તત્વ, પૌરુષ, શૌર્ય્ય, હોશ, શાન શૌકત ।
ભલું (વિ.) અચ્છા, સભ્ય, સચ્ચા નર્મ મિજાજ કા, ભલા, ઈમાનદાર, દયાલુ, નમ્ર સુશીલ, સજ્જન, સાધુ, શાંત પ્રકૃતિ, કુશલ, ક્ષેમ, મંગળ, આનન્દ, (ક્રિ. વિ) અચ્છા, શ્રેષ્ઠ, ઉત્તમ ।
ભલે (ક્રિ. વિ.) અચ્છા, બહુત ઉત્તમ, અતિ શ્રેષ્ઠ, શાબાશ, ધન્ય, વાહવાહ ।
ભલેરું (વિ.) દેખો ભલું [યાન ।
ભલ્લોપનેત્તર (વિ.) અત્યન્ત ધન-

अखो (सं.) भाला, बल्लम, शस्त्र विशेष ।

अख्त (सं.) भाला, बल्लम, एक प्रकार का रोग, सन्निपात, (वि.) भला, अच्छा, श्रेष्ठ । [जंतु विशेष ।

अख्खुड़ (सं.) रीछ, ऋक्ष, बनैला

अग (सं.) संसार, जगत, जन्म, प्राप्ति, शिव, महादेव, मनोभव, अवतार ।

अगन (सं.) घर, गृह, स्थान, वासस्थान, सदन, निकेत, ठाम, धाम, मकान, अस्तित्व, जगह, आश्रम । [झगड़ा ।

अगति (सं.) तकरार, फसाद,

अगर (सं.) देखो अग्भर

अगव्यथा (सं.) सांसारिक दुःख ।

अगां (सं.) देखो अगर

अगाइ (सं.) चलते फिरते नाटक के खिलाडी का एक्ट, लज्जा, अपमान ।

अगाइ थयी (क्रि.) फजीहत का काम होना, व्यर्थ लोगों की हंसी का कारण होना, अपमान होना ।

अगां चढाव्यां (क्रि.) तेवरी चढाना घुड़कना, डाटना, आंखें दिखाना ।

अगाडो (सं.) देखो अगेडो । अगत अगाडो=जगत में फजीहत, अपयश, नामोशी । नामे अगाडो लेना व देना और स्वर्ग का अपवाद ।

अगारवी (सं.) संसार का मार्ग ।

अगासो (सं.) स्वांग रचने वाला, नाटकी बेशरम, निर्लज्ज, खिलाडी कत्थक ।

अगिच्च थवुं (क्रि.) मरजाना, मृत्यु होना, अन्त होना (काठियावाड में) [मौंहें भृकुटी ।

अगुं (सं.) देखो अग्भर । भौं,

अगेडो (सं.) फजीहत, अपमान

अगें (सं.) एक प्रकारका नाटक, नृत्यगीत, स्वांग रखकर किया हुवा खेल ।

अगोअग (क्रि. वि.) उत्तरोत्तर, जन्मान्तर, जन्मजन्म, सदासदा, हमेशा । [चाह, (खानेके लिये)

अछेडो (सं.) मन, इच्छा, मर्जी,

अछेडा थवा (क्रि.) खानेकी इच्छा करना ।

अछ (सं.) राख भस्म, छार ।

अछड़ (सं.) वर्षाऋतुकी बौछारें

अछछीत (वि.) बहुत सूखा, जल्दीसे टूट जाने वाला, भुरभुरा ।

अछभ (सं.) भस्म, राख, छार, रक्षा ।

ભસવું (ક્રિ.) ભોંકના, भूसना कुत्तेकी आवाज, व्यर्थकी निन्दा करना, बोलना । [सो बोल उठना।

ભસી ઊઠવું (ક્રિ.) मनमें आवे भसता कुत्ता काटे नहिं=जो बोले वह करे नहीं, गरजे वह बरसे नहीं ।

ભરતા કુતરાને રોટલીનો ડઠો (આપવો) बोलते हुएको लोभ द्वारा बन्द करना । काम निकालना ।

ભસ્તું-સ્તો (સં.) जठर, पेट, उदर, पारसी लोगोंका कबरस्तान।

ભસ્મક (સં.) चांदी, बायविडंग।

ભસ્મકુટ (સં.) इस नामका पर्वत ।

ભસ્મગંધા (સં.) पित्त पापडा ।

ભસ્મગ્રિહા-ની (સં.) पूर्ववत ।

ભસ્મગર્ભા (સં.) पूर्ववत ।

ભસ્મ રંગી (વિ.) राखके रंगका ।

ભસ્માંગ (સં.) कपोत पक्षी, एक जातिकी मणि । [खौफ ।

ભય (સં.) सङ्कोच, डर, शर्म,

ભભકું-ભાંભલું (સં.) संध्या, सूर्योदयके पहिलेका समय, ऊषा, थोडा प्रकाश, दिखे न दिखे ऐसा प्रकाश ।

ભમરું (સં.) भाला, बल्लम ।

ભમભાંભરું (સં.) देखो ભભકું

ભમરું (વિ.) मुवाफिक, पसंदीदा, दिल पसन्द, रोचक मानने योग्य ।

ભળવું (ક્રિ.) मिलना, समान होना, सम्मिलित होना, शामिल होना, समान होना, जोड़ना, एक होना, जानकार होना ।

ભળભાળવું (વિ.) देखो ભડભાડિયો ।

ભળાવવું (ક્રિ.) परिचय करना, पहिचान करना, सौंपना, पशुको ढोरोंमें हिलाना । [डां डां ।

ભાં (અ૰) गाय बैलका शब्द,

ભાંગ (સં.) एक प्रकारका विशैला पेड, मादकपत्ती, भंग, विजया, एक प्रकारकी पत्ती जिसे प्रायः अशिक्षित लोग घोटकर पानीमें छानकर पीते हैं और नशेमें उन्मत्त रहते हैं । तमाखू ।

ભાંગ પીવી (ક્રિ.) भांगका पानी पीना, भांगके नशेमें कुछ का कुछ बकना बिना विचारे बोलना ।

ભાંગ ચઢવી (ક્રિ.) भांगका नशा होना, बेसुधि होना, उन्मत्त होना अहंकार होना ।

ભાંજણું (વિ.) તોડતે समय जिसका चूरा हो जावे, टूटनेवाला।
ભાંજર (वि.) चांवलोंका चूरा।
ભાંજરો (सं.) भंगरा, एक प्रकार का वृक्ष, जो वर्षाऋतुमें उत्पन्न होता है। [प्रकट करना।
ભાંજરો વાઢવો (क्रि.) गुप्त बात
ભાંજવું (क्रि) तोड़ना, टुकड़े करना, अलग करना, भाग करना, कमदेना, न देना, रस्सी में बल देना, बटना।
ભાંજું (वि.) टुकड़ हुवा, खंडित टूटा हुवा, फूटा हुवा, विभाजित।
ભાંજગડ (सं) तकरार, झगडा, होना, वाद विवाद, लडाई झंझट पंचायत, खटपट, समाधान, फैसला, न्याय।
ભાંજગડિયું (वि.) तकरारी, फसादी झगडैल, विषम, दुर्बोध, गूढ, गहन। [पञ्च, दलाल, टंटाखोर।
ભાંજગડિયો (सं.) लबार, अमीन
ભાંજગડિયાના ઊંટરા ખુણે ભરે= दूसरों की पंचायत और अपना काम खराब।
ભાંજગી (सं.) संख्याका भाग करना, एक प्रकारका गणित विषय, रस्सीमें बलदेना, भाग, हिस्सा।

ભાંજવું (क्रि.) देखो ભાંગવું।
ભાંડ (वि.) उचाड,नंगा, असभ्य भाषण, एक प्रकारकी जाति जो बहुत वीभत्स शब्द बोलती है गाती है मज़ाक करती है और पशुपक्षी की बोली बोलती है।
ભાંડબોલવું (क्रि.) अपशब्द बोलना, गाली बकना, गन्देलफ्ज़ बोलना।
ભાંડણ (सं.) गाली, बकबक, अपशब्दोच्चारण।
ભાંડરવું-ભાંડરૂં (वि.) भाई बहिन, एक मा बापके पुत्र, कुटुम्बीजन।
ભાંડવું (क्रि.) गाली बकना, गन्दे शब्द बोलना, निन्दा करना अप शब्द बोलना, बुरे शब्द बोलना ओछा बोलना। [ભાંડરવું।
ભાંડું (सं.) पात्र, बर्तन, देखो
ભાંભળું (वि.) खारी, क्षारयुक्त, खारा।
ભાંભેર (सं.) सिर मुंडाते समय बाल जो रह गये हों उन्हें निकलाना।
ભાંભરૂં-ળું (वि.) क्षार युक्त, खारी, जिलविला पानी।
ભાંભળું-ભળું (वि.) पूर्ववत्।
ભા (सं.) बड़ों के लिये पूज्य शब्द, दादा, बाप, भाई, ज्ञ भाश। ભા ભાસે=मर जा, जहां मेरे पूर्वज गये वहां जा।

ભાઇ (સં.) એક મા સે ઉત્પન્ન પુત્ર, સહોદર, બન્ધુ, ભ્રાતૃ, સાવોકોભાઇ પિતાકી દૂસરી પત્નીકા પુત્ર, સૌતેલા ભાઈ, । ભસિયા ભાઇ (સં.) મૌસીકા પુત્ર મેાળાભાઇ (સં.) મામાકા બેટા । પિત્રાઇભાઇ (સં.) ચચેરાભાઈ, કાકાકા બેટા । ફેાઇ ભાઇ (સં.) ભૂઆકા પુત્ર ।

ભાઇ (સં.) સ્નેહી, મિત્ર, બન્ધુ, દોસ્ત, સુહૃદ, જાતિ સ્વભાવ દરજા ઇત્યાદિ પ્રદર્શિત કરનેકે લિયે દૂસરે શબ્દોં કે સાથ જોડા જાતા હૈ, જૈસે ભટભાઈ, સિપાહીભાઈ ઇ૦

ભાઇ ભાપ્યુ (સં.) ભાઈ બહિન, ભાઈ બન્ધુ, સગે સમ્બન્ધી ।

ભાઇ ભાપ્યા કરવા (ક્રિ.) આજિજી કરના । નિવેદન કરના, નમ્રતા પૂર્વક કહના હાહાખાના, નિહોરે કરના ।

ભાઇચારો (સં.) બન્ધુત્વ, મિત્રતા ભ્રાતૃ ભાવ, સ્નેહ,મૈત્રી, પ્રેમસમ્બન્ધ।

ભાઇજી (સં.) પતિકા બડા ભાઈ, જેઠ, જ્યેષ્ઠ, પિતા, બાપ ।

ભાઇડો-ડો (સં.) વર, ધની, પતિ, પુરુષ, ખાવિંદ, ખસમ ।

ભાઇબન્ધ (સં.) સ્નેહી, બચપનકા સંગી, સમાજકા મેંબર, રિશ્તેદાર, જાતીય ।

ભાઇબીજ-ભાઈબીજ (સં.) કાર્તિક, માસકે શુક્લ પક્ષકી દ્વિતીયા તિથિ, ઇસ દિન ભાઈ બહિનકે યહાં ભોજન કરને જાતા હૈ । ભૈયા દૂજ ।

ભાઇભાંડું (સં.) ભાઈ બહિન ।

ભાઇબાણી (સં.) અચ્છી દોસ્તી, યારી, મિત્રાચાર, મિત્રતા, સુહૃદતા।

ભાગ્ય (સં.) ભાગ્ય, તકદીર, કિસ્મત, અદૃષ્ટ, પ્રારબ્ધ, દૈવ ।

ભાગ્ય ઉઘડવું-ફળવું-ઊગવું (ક્રિ) તકદીર ખુલના, ભાગ્યોદય હોના, સુદિન આના, પ્રારબ્ધ ચેતના ।

ભાગ્યફૂટવું (ક્રિ.) ભાગ્યફૂટના

ભાગ્યવંતવાન-ભાગ્યશી (વિ.) કિસ્મતી, પ્રારબ્ધી, ભાગ્યશીલ, ખુશ કિસ્મત, અચ્છે તકદીરવાલા।

ભાગ્યેમે (ક્રિ. વિ.) પૂર્વવત્ ।

ભાગ્યેડો (વિ.) દેખો ભાગ્યેડો।

ભાદડ (સં.) જો દૂધ ન દેવે, બાંઝ, દૂધસે હટા હુવા પશુ ।

ભાદડકથા (સં.) ગપ્પ મહાપુરાણ, ઝૂંઠી બાતેં, અસત્ય વર્ણન, અસંભવ લમ્બી લમ્બી બાતેં ।

ભાખરી (સં.) બાટી, મોટી છોટી ગેહૂં કી રોટી, ગાંકરી, રોટી ।

ભાદરો (સં.) રોટ, મોટી રોટી ।

ભાખવું (કિ.) બોલવા, ભાષણ કરવા, કહેવા કથન કરવા, ભવિષ્ય કહેવા । હિન્દી, બોલ ચાલ ।
ભાખા (સં.) ભાષા, વ્રજ ભાષા,
ભાંખોડિ (કિ. વિ.) ઘુંટણપર ।
ભાગલું (વિ.) ટૂટા હુવા, ખંડિત ફટા હુવા, દરારવાલા, તડાકા હુવા, ટૂટિયાનું ભાગલું (વિ.) જો ચલ ન સકે । હાથ પગનું ભાગલું-આલસી સુસ્ત, કાહિલ, કામ ચોર । [નિરાશા, નિરુત્સાહ ।
ભાગલા પગ (સં.) નાઉમ્મેદી,
ભાગલાં હાડકાં (સં.) આલસી, સુસ્ત । [હુએ, નિરાશ હોકર ।
ભાગલે પગે ((ક્રિ. વિ.) ડરતે
ભાગલો (સં.) માતા કે લિયે પરસા હુવા નૈવેદ્યકા થાલ ।
ભાગવું (કિ.) તોડના, ફોડના ચૂરાચૂરા કરના, ટુકડે ટુકડે કરના હિસ્સે કરના, બાંટના, વાપિસ ન દેના, અદા ન કરના ।
ભાગવું (કિ.) ટુકડે હોના, ચીર હોના, દરાર હોના, છૂટ ભાગના, દૌડ જાના, તોડના, દિવાલા નિકાલના, ઉતારના ।
ભાગી પડવું (કિ.) ઠેઠ તક ન પહુંચ કર બીચમેં હી અટક રહના ।
ભાગી ભેળવવું (ક્રિ.) ભાગાકાર ગુણાકાર ઇત્યાદિ જોડ હિસાબ કરના ।
ભાગીરાત (વિ.) પિછલી રાત, રાત્રિ કે અંતિમ પ્રહર, આધી રાત કે પીછેકા સમય । [ઓછા તોલ,
ભાગતું તોલ (વિ) કમ વજન,
ભાગળ (સં.) દેખો ભાગોળ ।
ભાગળિયો (સં.) બાજારમેં દુકાન લગાકર બૈઠનેવાલા, દૂકાનદાર, દ્વારપાળ । [દૌડધૂપ ।
ભાગાભાગ (સં.) દૌડાદૌડ,
ભાગિયું-યો-દાર (વિ.) પાંતીદાર, હિસ્સેદાર, સહયોગી, સંગી, સાથી ।
ભાગિયેશું-યો (વિ.) પૂર્વવત્ ।
ભાગીદાર (વિ.) પૂર્વવત્ । [પાંતી ।
ભાગીદારી (સં.) હિસ્સા, ભાગ,
ભાગું (વિ) ટુકડે, ટુકડે ટૂટા, ફટા, (પાત્ર) જિસસે પરિશ્રમ ન હો, આલસી, પ્રમાદી ।
ભાગો (વિ.) અજડ, રુક્ષ, નિરસ ।
ભાગોળ-ળી (વિ.) નગરકે કોટકે પાસકા દ્વાર, નગરકે બાહિરકી છૂટી હુઈ જગહ ।
ભાગોળે જવું (ક્રિ.) ટટ્ટી જાના, પૈખાને જાના, જંગલ જાના, હગને જાના, મલોત્સર્ગ કરના, ઝાડે જાના ।

ભાગોવડ (વિ) મધ્યમ સ્થિતિકા, બીચકે વર્ગકા, મધ્યમ શ્રેણીકા।
ભાગ ફુટવું (ક્રિ.) ઇચ્છા પૂર્ણ ન હોના, બુરા હોના, દૈવકોપ હોના।
ભાગ્યે (અ૰) યોગાત્, દૈવયોગે, કદાચિત્, કદાપિ, ક્વાચિત્, કોકાલે, શાયદ, સંભવતઃ।
ભાચરો (સં) મિટ્ટીકા પાત્ર।
ભાજક (સં.) જિસ સંખ્યાસે ભાગ દિયા જાવે, બાંટનેવાલા ગણિત)।
ભાજવું (ક્રિ.) દેખો ભાગવું।
ભાજી (ક્રિ.) સાગ, તરકારી, શાક, શાક બનાને યોગ્ય કોમ પત્ર પુષ્પ, ફલ અથવા મૂલ ઇત્યાદિ।
ભાજીભાઉ (વિ.) પોચા, નિર્બલ, શૌર્ય્ય હીન, કોમલ, શક્તિહીન, ડરપોક।
ભાજીપાલો (સં.) તરકારી, શાક।
ભાજીમૂળા (વિ.) ન કુછ, વ્યર્થ, અયોગ્ય।
ભાટ (સં.) ચારણ, સ્તુતિગાયક, વન્દી, વરદૈત, એકજાતિવિશેષ, બ્રાહ્મણોંકી એક જાતિ, ખુશામદ કરનેવાલા, ઝઠી પ્રશંસા કરનેવાલા
ભાટડી-ણી (સં.) ભાટકી સ્ત્રી, ભાટની। [મોહલ્લા।
ભાટવાડો (સં.) ભાટોંકે રહનેકા
ભાટવેડા (સં.) અતિશયોક્તિ ભાષણ, ભાટકી તરહ સ્તુતિગાન।
ભાટાઈ (સં.) દેખો ભાટવેડા। ભાટકી પદવી, કહાવત, મસલ।
ભાટિયો (સં.) ગોસાંઇજી મહારાજકો માનનેવાલા યજ્ઞોપવીતયુક્ત વૈષ્ણવોંકી એક જાતિ વિશેષ, યે અસ્લી રજપૂત થે, દૂધવાલા, ગ્વાલા, ઘોસી।
ભાઠી (સં.) દેખો ભઠ્ઠી।
ભાઠું (સં.) નદીકે કિનારે છિછલે પાની વાલી જગહ, રેતી, વ્રણ, ક્ષત, ચાંદી।
ભાઠેલા (સં.) બ્રાહ્મણોંકી જાતિ વિશેષ ઇનકા અસ્લી નામ અનાવલ હૈ ઇનકી બસ્તી સૂરતકે જિલ્લેમેં હૈ જો કૃષિકાર્ય કરતે હૈ।
ભાડ (સં.) ચૂલ્હા, ભઠ્ઠી, અન્ન પકાનેકા બડાસા ચૂલ્હા।
ભાડભુંજો (સં.) ભડભૂંજા, અન્ન આદિ સેકનેવાલા, કાંદૂ, ભૂંજા, ભૂંજનેવાલા, એક જાતિવિશેષ।
ભાડવાત (સં.) દેખો ભાડુત।
ભાડાચિઠ્ઠી-ઠ્ઠું (સં.) કિરાયેકા પત્ર, ભાડેકે લિયે લિખિતપત્ર।
ભાડિયો (સં) અન્ન સેકનેકા મિટ્ટીકા એક પાત્ર।

ભાડું (સં.) ભાડા, કિરાયા, મહ-સૂલ, મિહનતાના, લગાન ।

ભાડાનું ઘર (સં.) કિરાયેકા મકાન, ભાડેકી ઝોંપડી । [લેના ।

ભાડે રાખવું (ક્રિ) કિરાયે પર

ભાડાની વેહેલ ઉલાળીબેલ-જહાતક બની વહાતક બની બાદમેં તૂ તેરે ઘર ઔર મૈં મેરે ઘર ।

ભાડુત (સં.) કિરાયેદાર, ભાડૂતી ।

ભાડુતી (ફિ.) મજદૂર. ઠીકેદાર, ભાડેકા ઘોડા યા ગાડી, કિરાયેકા ટટુ, પૈસે લેકર કામ કરનેવાલા ।

ભાડે આપવું (ક્રિ) કિરાયે પર દેના, ભાડે પર દેના ।

ભાડે રાખવું (ક્રિ) ભાડે લેના, કિરાય પર લેના ।

ભાનુ (સં) નાટકકે દસ રૂપકો મેંસે એક, સૂર્ય, ભાનુ, રવિ, ભાસ્કર ।

ભાણેજી (સં.) ભાનજી, બહિનકી પુત્રી ।

ભાણુજ (સં.) પૂર્વવત્ ।

ભાણેજો (સં.) ભાનજા, બહિનકા પુત્ર, ભાગિનેય । [પૂર્વવત્ ।

ભાણવું (સં.) ભાણ્યે ભાણિયો ।

ભાણી (સં.) દેખો ભાણુજ ।

ભાણું (સં.) ભોજન દ્રવ્યયુક્ત થાલી, ભોજન, થાલી, રસદ ।

ભાણા ખટખટ (સં.) પેટકો પૂરા ખાનેકે લિયે નહીં મિલના ।

ભાણામાંતર (સં.) ખાનેકો રખને મેં ફેરફાર રખના ।

ભાણું માંડવું (ક્રિ.) ભોજન પરસના, ખાનેકે લિયે આગે રખના । ખાને બૈઠના ।

ભાણામાં પૂળા નાખવી (સં.) નિર્વાહમેં બાધા ડાલના, સુખમેં લાત મારના, ભોજન બિગાડના ।

ભાણેજ-જો (સં.) બહિનકા પુત્ર ભાનજા, ભાગિનેય ।

ભાણેજ ભાગ નહીં ને ભત્રીજ ભાગ નહીં=હિન્દૂશાસ્ત્રાનુસાર ભાનજેકા ભાગ નહીં ગિનાજાતા ઉસી તરહ મિલ્કિયતમેં જેવાઈકા હિસ્સા નહીં ગિનાજાતા । [ભાજન ।

ભાત (સં.) પાત્ર, બર્તન, બાસન,

ભાત (સં.) ભાઈ, બન્ધુ, સગપન, રિશ્તા । સગા, પ્રેમી, બહિનભાઈ ।

ભાત (સં.) છિલકે યુક્ત ચાંવલ, ધન, ઉબલે હુએ ચાવલ, ભાંતિ, તરહ, તર્જ, ઢંગ, ઢાંચા, પ્રકાર, ઢબ, ઢબ્બા, ઢોલ, રીતિ, જાતિ, બમૂના ।

ભાત પાડવી (ક્રि.) અપમાનિત કરના, નિંદા કરके मानहानि करना। [चित्र विचित्र, बहुरंगी।

ભાત ભાતનું (वि.) तरहतरहका,

ભાતિયું (सं.) उबले हुए चांवलोंका पानी (मांड) निकालनेका छिद्रयुक्त पात्र, रांधाहुवा भात निकालनेका बर्तन। [ભાતભાતનું

ભાતી-તીમર-તીલું (वि.) देखो

ભાતું-થું (सं.) मुसाफिरीमें खानेकी खुराक, राहखर्च, मार्गमें यात्राके समय खानेका पदार्थ, भत्ता, अलाउंस, लौस, वेतनके अतिरिक्त वेतन।

ભાતો-થો (सं.) देखो ભાથો.

ભાથી (सं.) वीर, भट, शूर, योद्धा,

ભાથો (सं.) तूण, तरकस, तीरों के रखनेका कोष, इषुधि, निषङ्ग, तूणीर, मुसाफिर या फौजी सिपाही का सामान रखनेका थैला।

ભાદરવાની ભેંસ (सं.) जीव विशेष (वि.) फूल के मोटा हुवा पुष्ट मनुष्य जिससे चलाफिराभी नहीं जाता हो।

ભાદરવો (सं.) भाद्रपद मास, यह हिन्दू मास जो उत्तरा भाद्रपद और पूर्वा भाद्रपद नक्षत्रोंके उदय के समय होता है, भादों, भादवा, वर्षका छठा महिना, विक्रम वर्षका ११ वां महीना, (गुजरातमें, क्यों कि कहीं जगह कार्तिक मासस वर्षारंभ होता है।)

ભાદરવી (सं.) भादों मासकी पूनम भाद्र पौर्णिमा, तिथि विशेष।

ભાન (सं.) सुधि, होश, स्मरण, स्मृति, याद, ज्ञान, बोध, चेत, समझ, बुद्धि, अक्ल, कल्पना, त्रास, धारण, तर्क, छाया, नजर, लक्ष, सावधानी।

ભાભા (वि.) मोटी बुद्धिका, मूर्ख, बेवकूफ जड़, ठोठ, मूढ।

ભાભા ભૂત (सं.) वर्षाऋतुमें इस नाम के पैदा होनेवाले एक प्रकार के जीव, जड़, मूर्ख. शठ, मन्दबुद्धि।

ભાભુ (सं.) बापकी माता, दादी, भाभी, बाप के बड़े भाईकी स्त्री, ताई। हीनबुद्धि।

ભાભો (सं.) मूर्ख, कुन्दजहन।

ભામ (सं.) स्त्री, औरत, मरे हुए ढोर के चमड़ेका महसूल, चमड़ेका टेक्स, याद, स्मरण, मान।

ભામટો (सं.) नजर चुका कर चुरा ले जानेवाला चोर।

ભાભણું (સં.) બલિહારી—બલિહારી જાઉં ઐસા પ્રદર્શિત કરને કે લિયે હાથોં કા ચાલન, બલિહારી।

ભાભણું (વિ.) બે સ્વાદ, બે મજા ફીકા, સીઠા, આનન્દરહિત, બે ઝાયકા।

ભામાં (સં.) વ્યર્થ ભ્રમણ, વ્યર્થ પરિશ્રમ, વહમ. અંધાવિશ્વાસ।

ભામું (સં.) ખોટા વિચાર, વહમ, વ્યર્થકી આતુરતા, ઝૂઠા વિશ્વાસ।

ભામો (સં.) લોભ, લાલચ।

ભામગ (સં.) દેખો ભામેગ,

ભામરો (સં.) પુરુષ, મર્દ, ધની, વર, પતિ, સ્વામી, ખસમ, ખાવિંદ।

ભાયાત (સં.) રાજાકા સગા, નાતેદાર રિશ્તેદાર, ભાઈપન।

ભાયાતી (વિ.) ભાઈકે નાતેદાર, ભાઈકા સગા, સમ્બન્ધી।

ભાયો (સં.) દેખો ભાઈ।

ભાર (સં.) બોઝા, વજન, બોઝ, લદા હુવા અથવા રખાહુવા જડ પદાર્થકા વજન, ૨૦૨૦૭૪૦૦૦× ૧૮ સંખ્યા, અઠારહ ભાર વનસ્પતિ (ઇસમેં ૪ ભાર ફલતે ફૂલતે વૃક્ષ ૪ ભાર ફલફૂલરહિત, ૪ ભાર કાંટેવાલે વૃક્ષ, ઔર ૬ ભાર બેલિ) ૨૦ ઠોલેકા વજન, કાગઝ ઇત્યાદિ ન ઉડે ઇસ લિયે રખાહુવા વજન, પેપર વેટ, તોલા, એક રુપયા ભાર વજન, અપચ, અજીર્ણ, માન, ઘરજા, બડપ્પન, ચેહરે પર માનકી કાંતિ। ઉપકાર, અહસાન, આભાર, કિસી વજન કે બરાબર, સમૂહ, અડ્ડા, ઝુંડ, શક્તિ, હિમ્મત, દમ, મહત્વ, ગૌરવ, પ્રભાવ, અસર, કિસીભી ચીઝ પર ઓર દે કર બતલાના।

ભાર ખેહવો (ક્રિ.) વજન ઉઠાકર ચલના।

ભાર મુકવો (ક્રિ.) અહસાન કરના, કિયા હુવા ઉપકાર પ્રદર્શિત કરના। [જાના, માન ભંગ હોના।

ભાર ભાગવો (ક્રિ.) હલકા હો

ભાર ખમું (વિ.) જિતના બોઝા લે જાયા જાસકે। જિતના ભાર ઉઠ સકે ઉતના। [સ્થાન યા વાહન,ભારકસ।

ભારખાનું (સં.) ભાર ભરનેકા

ભારજા (સં.) પત્ની, વિવાહિતા સ્ત્રી, ઔરત।

ભારઠિયે-ઠિયો (સં.) લદ્દા, શહતીર, ઘરમેં માલ, તીર, પાટ।

ભારણ (સં.) દાબન, વજન, બોઝ, કિસી વસ્તુ કો દબાને કે લિયે રખી હુઇ ભારી વસ્તુ।

ભારત મચાવવું (ક્રિ) खूब लम्बी चौड़ी बना कर कहना, अतिशयोक्तिपूर्वक बखाना।

ભારતી (सं.) वाक्य, वचन, बोली, शारदा, शब्दपाटिल्य, वाक्चातुर्य्य, सरस्वती देवी, दस प्रकार के गोसाइयों में से एक भेद। (वि.) भारतीय, भारतविषयक।

ભારથી (वि.) बहादुर, वीर, भट, योद्धा, शूर।

ભારદોરી (सं.) गर्भपात न हो जावे इसलिएमन्त्रित धागा जो स्त्रीके कमरमे बाधा जाता है, डोरो के लिये भी काम में लाई जाती है।

ભારદ્વહારી (वि.) लादा हुवा रखा हुवा वजन खेंच कर या ले कर चलनेवाला मजदूर, बेगारी, ऊंट बैल इत्यादि।

ભારનો-ન્ય-પક્ષર (सं.) भार, वजन, मान, इज्जत, रुतबा। [माननीय।

ભારનો-ન્ય-પાળું (वि.) वजनदार,

ભારવટિયો (सं.) देखो भारठियो।

ભારવું (क्रि.) आग बुझ न जावे इस लिये राख में दाब कर रखना, मंत्रित करना, जादू वशीकरण करना, मोहित करना, अचेत करना।

ભારી (वि.) वजनदार, मूल्यवान, कीमती, महंगा, मुश्किल, मोटा, कठिन, सुस्त, जड़, ढीला, (क्रि वि.) बहुत, अतिशय, (सं.) दो चार लम्बी चीजों को एक जगह बाधी हुई, मोली, गठ्ठा।

ભારે (वि.) अधिक भारयुक्त, बहुत वजनदार, संगीन, बोझदार, सुस्त, काहिल, चपलतारहित, जड़, बहुत, जियादा, अतिशय, कठिन, मुश्किल, नाउम्मद, चिन्ता, उदासी, कुपच, गुरुपाक, तोलमें अधिक, कड़क, सख्त, बहुतही।

ભારે કરવું (क्रि.) एक बात को बड़ी करना। [माना होना।

ભારે થવું (क्रि.) गर्व करना,

ભારે પડવુ (क्रि.) महंगा होना, अधिक मूल्य में प्राप्त होना। भारी मालूम होना।

ભારેખમ (वि) आबरूदार, प्रतिष्ठित, वजनदार, रोबदार, वजनी।

ભારેવાળ (वि.) गर्भवती, सगर्भा, म्याभन, गाभिन, पेटसे (स्त्री)

ભારેશલ (वि.) बहुतही वजनदार।

ભારો (सं.) मोटा गठ्ठा, बड़ा बण्डल, सिरपर उठानेका बोझ (लकड़ी घास इत्यादि) बला, विशेष, अतिशय।

आरोहिणी-हिणी-ह्येणी आरुहिणी।
आरोही (सं.) ऊकड़ियोंका गट्ठा, मरोटा, छोटा गट्ठा।
आरोआर (क्रि. वि.) समान बोझ, वजनके बराबर, समतोल।
आल (सं.) कीचड़वाली जमीन, रेतीली भूमि, चिकनी जमीन, मस्तक, कपाळ, पता, ढूंढ, खोज, तलाश। [हलकारा नकीब, दूत।
आलदार (सं.) चोबदार छड़ीदार
आलिणी (सं.) अलका पात्र, गागरा, घड़ा, घट।
आलुं-णी (सं.) बर्छी, बांस के डंडे में लगाया हुवा लोहेका फल, शस्त्र विशेष। [वाला।
आलेदार (सं.) बल्लमवाला, बछा-
आलो (सं) देखो आलुं
आलेहुं (सं.) फर, तीरका मुख, बाणकी पत्ती, तीर पर लगनेवाला लोहेका पाता।
आव (सं.) अभिप्राय, चेष्टा, मानस विकार, सत्ता, स्वभाव, जन्म, क्रिया, लीला पदार्थ, विभूति, धात्वर्थ, योनि, उपदेश, नवग्रहोंकी द्वादश चेष्टा, शक्ति, क्रोध, प्रकृति, (रसवालेकपर्यंत पांच भाव) १ विभाव, २ अनुभाव, ३ सात्विक भाव, ४ व्यभिचार भाव, और ५ स्थायी भाव, हाथ पैर आंख इत्यादिका संचालन, निर्ख, दर, मूल्य, हरावा, धारणा, रुचि, इच्छा, हेत, माया, प्रेम, आस्था, विश्वास, हृदयका प्रेम, स्थिति, हालत, दशा, त्व, ता, पन, कार्य, फल, होना, उपस्थिति, सुजन! विद्वान! (नाटक में सम्बोधनार्थ प्रयोग) कीर्तिसूचक कविता, स्नेह, प्रीति।
आव आवे। (क्रि.) नफा लेना, खुशामद चाहना। [त्यागना।
आव छोड़वे। (क्रि.) मरना, देह
आव पूछवे। (क्रि.) परवाह करना, गिनना, मानना, विश्वास करना, गिनती में गिनना।
आवइ-ई (सं.) उपाधि, जंजाळ, आपदा, विचार, मनोव्याधि, भाई, बन्धु।
आवइ आभवी (क्रि) पीड़ा दूर करना, उपाधि शमन करना, कष्ट निवारण करना, सांसारिक मायाजालसे मुक्त होना।
आवतभीज-नभीज (सं.) कार्तिक शुक्ल द्वितीया। भाईदूज, इस दिन भाई बहिनके घर भोजने जाता है।

ભાવતું (વિ.) અનુકૂલ, રુચિકર, મનપસન્દ, પસન્દીદા, ઇચ્છિત, ઠીક ।

ભાવન (સં.) ઉલાહિના, આક્ષેપ, ઉપાલંભ, ટોના, તાના, મર્મવચન, અનુકૂલ, (વિ.) દેખો ભાવતું

ભાવવું (ક્રિ.) રુચના, પસન્દ આના, અચ્છા લગના, સ્વાદ લગના।

ભાવસાર (વિ.) કપડે છાપનેકા ધન્ધા કરનેવાલા, છીપા, એક જાતિ વિશેષ ।

ભાવી-વે પ્રયોગ (સં.) જિસ મેં ક્રિયાપદ કા અર્થ હી કર્તા હો (વ્યાકરણ મેં) [કૌલ ।

ભાષ (સં.) વચન, વાદા, કરાર,

ભાષક (વિ.) બોલને વાલા, વક્તા, કહને વાલા, કથન કરને વાલા. અધિપતિ ।

ભાષી (વિ.) વક્તા, બોલને વાલા ।

ભાસ (સં.) જ્ઞાન, છાયા, અસર, પ્રભાવ, પ્રકાશ, આભાસ ।

ભાસવું (ક્રિ.) દિખાના, દિખના, પ્રકાશિત હોના, નજર આના, કલ્પના મેં આના, સ્ફુરના ।

ભાળ (સં.) કપાલ, મસ્તક, લલાટ, ખબર, શોધ, પતા, ઠિકાના, ચિકની મિટ્ટી, ઢૂંઢ, ખોજ ।

ભાળવણ-ણી (સં.) સિફારિશ, ગુણ પ્રશંસા, અનુગ્રહ કારણ, ગુણ વર્ણન ।

ભાળવવું (ક્રિ.) પહિચાન કરાના, પરિચય કરાના, સૌંપના, સિફારિશ કરના ।

ભાળવું (ક્રિ.) દેખના, તાકના, અવલોકન કરના, નિગાહ ડાલના।

ભાળિયો (ક્રિ.) ઘટ, ઘડા, ગગરા ।

ભાળું (ક્રિ. વિ.) અચ્છા, ઉત્તમ, ઠીક, શ્રેષ્ઠ, બહુત અચ્છા ।

ભિખ (સં.) દાન, ભિક્ષા, ભીખ ।

ભિખારીવેડ (સં.) દરિદ્રતા, દીનતા, કંગાલી, રંકતા, ગરીબી ।

ભિંભ (સં.) સમુદ્રી શ્વેત રંગકી મછલી કા નામ, મચ્છી કા નામ વિશેષ । [લીકા]

ભિંભડું (સં.) છિલકા, (મછ-

ભિંગડું (સં.) ચમડે કા કઠિન ટુકડા, મછલી કે ઉપર કા ચમકદાર કમડી કા ટુકડા, છાલા યા ફુન્સી કે ઉપર કી મરી હુઈ ખાલ કા હિસ્સા । છિલકા, (દાલ કા) ફોતરા ।

ભિંભારી (સં.) એક પ્રકાર કા પંખ વાલા ઔષ, ભૌંરી, ભૃંગી, ભ્રમરી ।

ભિંગારો (સં.) ભૌંરા, શૃંગ, મધુપ, અલિ, ભ્રમર, ષટપદ, ભંવરા ।

ભિખ્ખું (વિ.) અધિક રોમયુક્ત, બહુત બાલોં વાલા, જિસ કે બાલ બિખેરે હોં, બિથુરે કેશ, જટિલ ।

ભિંજવવું (ક્રિ.) ભિગોના, લલચાના, સમઝકર અપની મતિ કે અનુસાર કરના ।

ભિંજવું (ક્રિ) ભીગના, તર હોના

ભિંજ્વું (ક્રિ.) પૂર્વવત્ આર્દ્ર કરના ।

ભિંડમાળ (સં.) ગોફન, પત્થર ફેંકને કે લિયે રસ્સિયોં કા બનાયા હુવા । વર્તમાન સમય મેં અધિકાંશ ખેતોં પર પક્ષી ઉડાને કે લિયે રખવાલે ઇસે અપને પાસ રખતે હૈં, અશ્મ વર્ષણ યંત્ર । ભિન્દિપાલ, ઢેલવાસ ગુફના, ગોફણા, ગોફિયા, અસ્ત્ર વિશેષ ।

ભિંડા-ડા (સં.) એક પ્રકાર કા શાક, ભિણ્ડી નામક પ્રસિદ્ધ શાગ ।

ભિંડી (સં.) એક પ્રકાર કા વૃક્ષ, સન વિશેષ, પટુવા સન, ઇસ કી ડંઠલોંકો કૂટકર સન સમાન રેસે નિકાલે જાતે હૈં યહ સન સે અચ્છા હોતા હૈ ।

ભિંડીભાગ (સં.) દેખો ભિંડમાળ છીંકા, ગોલી ।

ભિંડો (સં.) એક પ્રકાર કા શાક

ભિંડોભાડવો (ક્રિ.) ગપ્પ મારના ।

ભિંતડી (સં.) છોટી ભીત, છોટી દીવાર ।

ભિંતરડી (સં.) પૂર્વવત્

ભિંસવું (ક્રિ.) દાબના, નિચોડ઼ના, લિપટના, જોર સે આલિંગન કરના ।

ભિક્ષાટન-વૃત્તિ (સં.) ભીખ માંગને કા ધન્ધા, ભીખ સે ગુજર કરના ।

ભિખવું (ક્રિ.) ભીખ માંગના, ઇનામ માંગના, પુરસ્કાર ચાહના ।

ભિખવાણી (સં.) નાતે, રિશ્તેદારોંસે દ્રવ્ય માંગકર બનાઈ હુઈ કાનકી બાળો (છોકરોં કે લિયે)

ભિખારચોટ (વિ.) ભિક્ષુક સમાન ફાયદેકા (કામ), ભૂખા, દરિદ્રી કંગાલ, ભિક્ષુકકી તરહ દેખનેવાલા।

ભિખારણ (સં.) ભીખ માંગનેવાલી સ્ત્રી, મંગતી, ભિક્ષુકકી સ્ત્રી ।

ભિખારી વેડા (સં.) મંગતાપન, ભિક્ષુકી, ભિક્ષ માંગે કી રીતિ ।

ભિખડાવું (ક્રિ.) દબના, સકરી, જગહ મેં આજાના, ચબદા જાના ।

ભિન્નવું (ક્રિ.) દેખો ભિંનવું
ભિડવું (ક્રિ.) ભિડના, મિલના, સટના, લડના, મુઠ ભેડ હોના, સટ જાના, આમના સામના કરના ચિપકના, સાહસપૂર્વક ઘુસના, આલિંગન કરના, કસના, બાંધના બન્ધ કરના, લડાઈ કરના ।
ભિડાભીડ (સં.) જનસમૂહ, અગણિત લોગોંકા ઠટ્ઠ, અધિક ભીડ ।
ભિડાવવું (ક્રિ.) ઘબરાના, ઉલઝન મેં ડાલના, નિરુત્તર, કરના, અંટસ, ઉત્પન્ન કરાના, મનોમાલિન્ય કરાના, ધમકી દેના, ભય દિખાના, લિપટના ।
ભિડાવું (ક્રિ.) તંગ હાલતમેં આના।
ભિતડી-ડી (સં.) દેખો ભીત,
ભિતર (સં.) દિલ, કાલજા, હૃદય યકૃત, (ક્રિ. વિ.) અન્દર, ભીતર, મેં, માંહીં । [પાની ડાલના ।
ભિનાવું (ક્રિ.) ભિગોના, તરકરના,
ભિનાશ (સં.) તરી, સીલાપન, આર્દ્રતા, નમી, સર્દી, સીલ, ઠંડાઈ।
ભિનું (વિ.) ભીગા, તર, આર્દ્ર, ઠંડા।
ભિભર્ડું (સં.) બાળકકી, મુદ્દે, બન્દકરકે ચૂક ઉડાનેકી ક્રિયા ।
ભિલડી (સં.) ભીલની, ભિલની, ભીલકી સ્ત્રી, કિરાતી, મ્લેચ્છા ।
ભિલામું-મેા (સં.) ભિલાવા, એકપેડ઼કા બીજ, ઔષધિ વિશેષ, ઇસકે રસસે લિખા હુવા વસ્ત્રપરસે નહીં હટતા ।
ભિલામેા ઉરાડવેા (ક્રિ.) જગહ જગહ લડ઼ાઈકા બીજ રોપણ કરના, લડ઼ાઈ ખડ઼ી કરના ।
ભિલામેા ભરવેા (ક્રિ.) તેલ નિકાલના, ભિલાવા કા તેલ ચોપડ઼ના
ભિલ્લું (સં.) સાથી, જોડ઼ીદાર, મિદ્દ, મિત્ર, ગોઠિયા, લંગોટિયા મિત્ર, બરાબરી કા
ભીત (સં.) દેખો ભીત,
ભીતને પણ કાન હોય છે=કિસી કો ગુપ્ત બાતકી ચેતાવનીકે લિયે ઇસ વાક્યકા પ્રયોગ હોતા હૈ અર્થાત્ કોઈ સુન લેગા સંભલ કર બોલો । [દોષોંકી પ્રસિદ્ધિ હોના ।
ભીંતે ચઢવું (ક્રિ.) કિસીકે ગુણ-
ભીંછરું (વિ.) સુઅર જૈસે (બાલ)।
ભીજ (સં.) સીલ, નમી, તરી, આર્દ્રતા ।
ભીડ (સં.) લોગોંકા જમાવ, ઠટ્ઠ, જનસમૂહ, સંઘ, જમાવડા, સમુદાય, દુઃખ, કષ્ટ, આપદ, સંકટ ।
ભીડાભીડ (સં.) દેખો ભિડાભીડ
ભીડી (સં.) દેખો ભિંડી

ભીડો (સં.) દેખો ભિડો.
ભીડો ઘાલવો (ક્રિ.) રેડ મારના બીચમેં કઠનાઈ પૈદા કર દેના.
ભીત (સં.) ભિત્તિ, દીવાર, ભયભીત, ડરા હુવા, કંપાયમાન, શંકિત.
ભીતિ (સં.) ભય, ત્રાસ, ડર, શંકા.
ભીતી (સં.) પૂર્વવત્
ભીતો (સં) દીવાર કે લગાનેકા ખડા ટેકા.
ભીનું (વિ.) સીલા, ઠંડા, ભીગા, આલા, ગીલા, આર્દ્ર નરમ, હરા.
ભીનેવાને (ક્રિ. વિ.) ભીગે હુએ શરીરસે.
ભીમઅગિયારસ (સં.) જેષ્ઠ માસ કે શુક્લ પક્ષકી એકાદશી, નિર્જલા એકાદશી.
ભીમ (સં.) પાર્વતીકે રોમસે ઉત્પન્ન એક ગણ, રુક્મિણી.
ભીમરથી (સં.) એક નદીકા નામ, વહ જિસે કિ ૭૭ વે વર્ષ કે સાતવેં માસકી સાતવીં રાત્રિ જિસે કઠિન હો.
ભીર (સં.) સહાયતા, મદદ.
ભીરુ (સં.) મિત્ર, સાથી, સંગી, ગોટિયા, સમવયસ્ક, પ્રેમી, પત્ની, મિટ્ઠુ, ન્યાગ્ર, સ્યાર, બઘેરા, ગીદડ, બકરી, મોરીમની, (ઔષધિ વિશેષ) ડાયા, (વિ.) ભયશીલ, ડરનેવાલા, ભયાનક.
ભીલ (સં.) એક પહાડી જાતિકા નામ, મ્લેચ્છ જાતિ વિશેષ, અનાર્ય જાતિ. [ભીલડી સ્ત્રી, ભીલણી.
ભીલડી (સં.) ભિલનિ, કિરાતી,
ભીલડીના બે :=કિસી વસ્તુકો અર્પણ કર ઉસકી તુચ્છતા પ્રદર્શિત કરને કે લિયે યહ વાક્ય પ્રયોગ કિયા જાતા હૈ.
ભલુક (સં.) રિક્ષ, રીંછ, ભાલુ.
ભીષણ (વિ.) ભયંકર, ભયાનક, ભૈરવ, ઘોર, ભયજનક, ભયાવહ.
ભુ (સં) જળ, પાની, તોય, નીર, સલિલ, ભૂમિ, પૃથ્વી, જમીન, અવનિ, ભૂર્વિ.
ભુઆં (સં.) પાની, જળ, નીર, તોય, સલિલ, રસ.
ભુઆં ભરાઇ જવાં (ક્રિ.) પાની ભરજાના, થક જાના, હાર જાના.
ભુંઈ (સં.) ભૂમિ, પૃથ્વી, જમીન, ભૂ, અવનિ, મુર્વી, ધરતી.
ભુંકવું (ક્રિ.) ભોં ભોં કરના, રોંકના, ગધેકી બોલી બકના.
ભુંભરો (વિ.) રાખકે રંગકે સમાન.
ભુંકો (સં.) ઔષધિકા ચૂર્ણ.
ભુકો (સં.) ચૂર્ણ, રોટીકા ગૂદા,

ખુંખરા (सं.) सिके हुए गेहुं या चनें।
ખુંખા (सं.) पूर्ववत्

ખુંખારેદ (सं) गर्भराख, तातीराख, भूबळ, तप्त भस्म।

ખુંખણ (सं.) बिगुल, तुरम, तुरही, नफीरी, तूती, सहनाई, धतुरेके पुष्पके आकारका किसी-धातुका बनाहुवा फूंककर बजानेका बाजा। रणसिंगा, भेरी, द्वारको बंद करनेका लकड़ी का या लोहेका गज, शंख। [पंचांग।

ખુંખણ ખટિયું– भटजीका पत्रा

ખુંખણ ખટિયું ખણવું (क्रि.) छुट्टी मिळना, घर बैठना, अलग होना।

ખુંખણિયો (सं.) बिगुल बजानेवाळा तुरमचा, ट्रम्पेटर भेरी सहनाई इत्यादि बजाने वाला।

ખુંખણી (सं) बांस अथवा किसी धातुकी बनीहुई अग्नि में फूंक मारनेकी नलिका। छातीपर लगानेसे जिसकेद्वारा हृदयकी गति जानी जाती है, कानकी नली, बहिरे आदमी जिसे कानमें लगा कर सुनते हैं। [नलिका।

ખુંખણું (सं.) भोंगला, नली,

ખુંખણું ખુંખવું (क्रि.) प्रशंसा करना, तारीफ करना, गुणगान करना, दिवाला निकालना, बम बोलना।

ખુંખણો ખીડાવી (क्रि.) सत्यानाश जाना, वंशनाश होना, निस्संतान होना. वंश में नाम लेवा पानी देवा कोई न होना। [मंडली।

ખુંખરવાડો (सं.) छोटे बच्चोंकी

ખુંખવું (क्रि.) भूनना, सेकना।

ખુંખું (वि.) देखो ખૂંખું

ખુંખ પાડવું (क्रि.) शर्मिन्दा करना, लज्जित करना, क्षोभित करना।

ખુંડ (सं.) सूवर, सुवर, बराह, शूकर, कोल, क्रोड।

ખુંડણ (सं.) सुअरी, बराही, शूकरी, वह स्त्री जिस के बहुत संतानें हो।

ખુંડણીની ખુંખર—एकही स्त्री के बहुतसे छोटे छोटे बालकोंके लिये इस वाक्य का प्रायःप्रयोग किया जाता है।

ખુંડભ શેાળિયું (क्रि.) देषी जहरीला, कपटी विषैला, ईर्ष्यालु, जलकुक्कड़ा।

ખુંડાઇ (सं.) खराबी, बदी, अनबन, खटपट, नाराजी, झगड़ा।

ખુંદાર (સં.) ખરાબ બાબા, અપશબ્દ, ગાળી, બીભત્સ બાબા, ગન્દી જબાન।

ખુંદારા (સં.) દેખો ખુંદાર્ય

ખુંદું (વિ.) ખરાબ, દુષ્ટ, પાપી, અનીતિવાન, જટરી, કપટી, બીભત્સ, બેશર્મ, નિર્લજ્જ, અસભ્ય, નિન્ય, ભાંડ।

ખુંદાભાં ખુંદું (વિ.) છટા હુવા, ખરાબમેં ખરાબ, અવ્વલ નંબરકા અસભ્ય।

ખુંદાથી ભૂત નાસે (વિ. વિ.) બુરે સે દૂર રહનાહી દૂર અચ્છા।

ખુંથું (સં.) જડ વિશેષ, મૂલ વિશેષ, (વિ.) બેડૌલ, બદશકલ, કુરૂપ।

ખુંખું (સં) ભેરી શંખ વિગુલ આદિ બાદ્યકા શબ્દ।

ખુંસવું (ક્રિ.) નોચના, ખુદેરના, મિટાના છિલના, ઘિસના, નષ્ટકરના ઠીક કરના। [ખૂસા।

ખુંસું (સં.) છિલકે, કર્દશ, ચૂર,

ખુ (સં.) જળ, પાની, (બચ્ચેકી ભાષામેં)। [તોય, સલિલ।

ખુઆ (સં.) જળ, પાની, નીર,

ખુઓ (સં.) પ્રેત વિદ્યા જાનનેવાળા ભૂત ઇત્યાદિ ઉતારનેવાલા, એક પ્રકારકા જીવ વિશેષ।

ખુકી (સં.) બારીક ચૂર્ણ, ચૂરા, બુરાદા।

ખુકેખુકેા (ક્રિ. વિ.) ઐસા જિસકાકી ચૂર્ણ હો ગયા હો, છોટે છોટ ટુકડે।

ખુકેા (સં.) (કિસી વસ્તુકો કાટને કૂટને અથવા પિસનેસે હુવા) ચૂર્ણ ચૂન, આટા, પિષ્ટ, રોટીકા ગૂદા।

ખુકતાવવું (ક્રિ.) ભોગના, કામમેં લાના, ઉપભોગ કરના।

ખુખ (સં.) ખાનેકી ઇચ્છા, ક્ષુધા ભૂક, રુચી, લોભ, ઇચ્છા, તૃષ્ણા, લાલસા, આકાંક્ષા, ચાહ જરૂરત।

ખુખડું (વિ.) ભૂખા, કંગાળ, ક્ષુધિત, ગરજી, લોભી, ઇચ્છુક, તંગીકી હાલતસે દુખી।

ખુખડું બારસ (વિ.) એકાદશી દ્વાદશીકો ભોજનોકી જૈસી લાલસા હોતી હૈ ઉસી સમાન આતુરતાવાલા તદ્ર દશામેં આયા હુવા, કંગાલ, દીન, ગરજમન્દ।

ખુખની બારસ (સં) અત્યન્ત આતુરતા, ખાનેકી જલ્દી ઇચ્છા।

ખુખર (સં.) નાવ ઇત્યાદિ કે લિયે ઉત્તર દિશાકી પવન, તૂફાન ઉત્તરી વાયુ।

ભુખ્યું (વિ.) ફીકા, નિસ્તેજ, કાંતિ હીન મન્દ, ઉદાસ, બેચમક।

ભુખાળવું (વિ.) દેખો ભુખડું

ભુખિયો (વિ.) જો ટૂટ જાવે, ફૂટનેવાલા, (થોડે ધીકા લડૂ) કમજોર।

ભુજ (સં.) ભુજા, બાહુ, કન્ધે સે કોહની તક હાથકા ભાગ, એક દેશકા નામ।

ભુજવું (ક્રિ.) દેખો ભુંજવું.

ભુંજર (સં.) પશ્ચાદ્‌ગામિનિયોં અથવા આશ્રિતોંકી જમાત।

ભુટ્ટાચોર(સં.)હલકી ચોરી કરનેવાલા કમ કીમતકી વસ્તુ હરણ કરને વાલા। [ફલ,

ભુટ્ટો (સં.) ભુટ્ટા, સિરા, મકઈકા

ભુડકવું (ક્રિ.) મંત્ર સે વશમેં કરના, વશીકરણ કરના, મંત્રિત કરના, જાદૂ કરના, ઠગના, છલના।

ભુડકસ (સં.) છોટે છોટે બાલક, બચ્ચે।

ભુતખાનું (સં.) ભૂતો કે રહને કી જગહ, ભૂતોંકા ડેરા જિન્દોંકા નિવાસસ્થાન, ગલ્ચ્છસ્થાન।

ભુતડું (સં.) કુગતિ પ્રાપ્ત જીવ, યોનિવિશેષ, ભૂત, પિશાચાદિ।

ભુતડો (સં.) ચિકની મિટ્ટી, મુળ તોની મિટ્ટી, જિયોંકે માથે મેં ડાલ કર ધોનેકી મિટ્ટી।

ભુતાવળ (સં.) ભૂતોંકી જમાત, પિશાચોંકી ટોલી, રાક્ષસોંકા ઝુંડ।

ભુદર (સં.) દેખો ભૂધર।

ભુના (સં.) તુવર મેં સે નિકલી હુઈ હરી સૂખી તુવર, પીપલ વૃક્ષ કા ફલ।

ભુર (સં.) દેખો ભુર।

ભુરકવું (ક્રિ.) દેખો ભુડકવું।

ભુરકવું-કાવું (ક્રિ) ચમકના, ચૌંકના, મંત્રિત કરના, ઠગાના, છલના।

ભુરકસ (સં.) દેખો ભુડકસ।

ભુરસી (સં.) દક્ષિણા, દાન, દક્ષિણા વિશેષ, ભૂરસી, બક્ષીશ, પાન સુપારી, રિશવત।

ભુરાટ-સ (સં.) ભૂરા રંગ-વાલા, બાદામી રંગકા, બ્રાઉન।

ભુરાટથુ (સં.) એક પ્રકાર કી મિટ્ટી, પાંડુ મિટ્ટી, એક પ્રકાર કી મિટ્ટી, જિસસે ગ્રામીણ લોગ અપને ઘરોંકી દિવારેં સફેદ કરતે હૈં।

ભુરાડું (સં.) ભૂરા, બદામી, મટ મૈલા।

ભુરાશ (સં.) દેખો ભુરાટ।

ભુરું (સં.) દેખો ભુરું

ભુરું કોહેળું (સં.) ભૂરાકદૂ, સફેદ, કદૂ, પેઠા, ફલવિશેષ।

ભુરું કેણું (સં.) પૂર્વવત।

ભુલકણું (વિ.) વારમ્વાર ભૂલને વાલ, વિસર જાનેવાલા, ભૂલના ।
ભુલચુક (સં.) ગલતી, ભૂલ, ચૂક અપરાધ, દોષ, પાપ, વિસ્મૃતિ, ત્રુટિ।
ભુલ થાપ (સં.) ભુલાકર મારના, છળ ધોકા, બહકાના, કપટ ।
ભુલભુલામણી (સં.) ગલી કૂંચે વાલા માર્ગ, આડા ટેઢા માર્ગ, અટપટા કામ, ચૌરાસીકા ફેર। ઝંઝટ ।
ભુલભુલામણું (વિ.) અટપટા, અતિગહન, આડા ટેઢા માર્ગવાલા।
ભુલવણ–ણી (સં.)દેખો ભુલથાપ
ભુલવું (ક્રિ.) ભૂલના, વિસ્મરણ હોના, ભૂલ જાના, ચૂકના, ।વિસ-રના, યાદ ન રહના, ગાફિલ હોના, ઠોકર ખાના ।
ભુલવવું–વાવવું (ક્રિ.) ભુલાના ।
ભુલાવો (સં.) ભુલવો, ફુસલાના બહકાના, ધોકા । [ભટકના ।
ભુલું પડવું (ક્રિ.) ભૂલ જાના,
ભુવન (સ.) જગત્, વિશ્વ, લોક, યે ૧૪ હોતે હૈં (૧) તલ (૨) અતલ (૩) વિતળ, (૪) સુતલ (૫) તલાતલ (૬) રસા ૭લ (૭) પાતાળ (૮)ભૂર્લોક, (૯) ભુવર્લોક, (૧૦) સ્વર્ગ લોક, (૧૧) મહર્લોક, (૧૨) જનલોક, (૧૩) તપલોક(૧૪) ઔર સત્યલોક।
ભુવો (સં.) દેખો ભુવો।
ભુસો (વિ.) બુરા, ખરાબ ।
ભુસકો (સં.) કૂદ, છલાંગ, ઠેકા, ફલાંગ, ફુદકી ।
ભુસવું–સેડવું (ક્રિ.) કાટ દેના, મિટા દેના. છેક દેના, રદ્દ કર દેના, ।નિકાળ ડાલના. રબર સે ઘિસના, ઘસીટ ડાલના, રગડ દેના (લિખના)
ભુસાર (સં.) અન્ન, અનાજ, ગલ્લા ।
ભુસારી (સં.) અન્ન બેચનેવાલા ।
ભુહરવું (ક્રિ.) પેશાબ કરના, મૂ-તના, (છોટે બચ્ચોંકો લિયે પ્રયોગ)
ભુપીતા મરવું (ક્રિ.) મરના, દેહ ત્યાગ કરના, વિના અર્થ સિદ્ધિ લૌટના ।
ભુપીતું કરવું (ક્રિ.) તુરન્ત કે પૈદા હુએ બાળકકો પાનીમેં ડુબો કર માર દેના । દૂધમેં અફીમ મિલાકર પિલા કર મારના ।
ભુંડું (વિ.) દેખો ભુંડું
ભુકંપ (સં) ભૂડોળ, ભૂંઈડોળ, ભૂચાળ, ધરાણિકમ્પ, ભલજલા ।
ભુકી (સં.) બહુત બારીક ચૂર્ણ, ચૂર્ણ, ભૂસા, ચૂરી પાવડર ।

ભૂકો (સં.) પૂર્વવત્, છોટે છોટે ટુકડે। પિષ્ટ, ચૂરા, ચૂન।

ભૂખમરો (સં) મુકમરા, મુકદ્દ બુભુક્ષિત ભૂખ સે મૃત્યુ સમાન કષ્ટ પાને વાલા।

ભૂખ ભાગવી (ક્રિ.) ચિર કાલકી ઇચ્છા પૂર્ણ હોના, મનોરથ સિદ્ધ હોના। [નીરસ, ફલ રહિત વૃક્ષ।

ભૂખડ (વિ.) ઊજડ, રુક્ષ, રૂખા,

ભૂખું-ખ્યું (વિ.) ભૂખા, જિસે ભૂખ લગી હો, ક્ષુધાર્ત, ક્ષુધાતુર।

ભૂખ્યો બંભાળો (સં.) આધા ભૂખા રહનેવાલા પુરુષ, તંગ હાલત મનુષ્ય। [ક્ષુધાતુર હોના, ભૂખે હોના।

ભૂખ લાગવી (ક્રિ.) ભૂખ લગના

ભૂડું (વિ.) લજ્જિત, શર્મિન્દા।

ભૂત (સં.) તત્વ વિશેષ, કાલ વિશેષ, અતીતકાળ, યોનિવિશેષ, પિશાચ, પ્રેત, બૈતાલ, અસુર, શૈતાન રાક્ષસ, શરીર, દેહ, ભયંકર વિચિત્ર મનુષ્ય।

ભૂત (વિ.) બીતા હુવા, ગુજરા હુવા, જો હો ચુકા હો, ગુજરા હુવા, વ્યતીત।

ભૂતકાળ (સં.) અતીતકાળ, ગુજરા હુવા જમાના, ગત સમય।

ભૂત ભમવાં (ક્રિ.) સ્વાર્થ સિદ્ધિ કે પીછે પીછે ફિરના।

ભૂતભરાવું (ક્રિ.) પાગળ, હોના, ચિત્ત વિભ્રમ હોના। [ભૂમણ્ડલ।

ભૂતળ (સં.) પૃથ્વીતળ, ધરતી,

ભૂતાવળ (સં.) ભૂતોંકા ઝુંડ, ભૂત ટોલી।

ભૂતિ (સં.) અસ્તિત્વ, જન્મ, ઉત્પત્તિ ઉદ્ભવ, પોશાક, કલ્યાણ, હિત, વિજય, સફલતા, ફતહમન્દી, યશ, સિદ્ધિ, ધન, માલમત્તા, પ્રભુતા, બડપ્પન, શોભા, ગૌરવ, અમાનુષિક-બલ, દૈવીબલ, ઐશ્વર્ય શિવભસ્મ, જાતિ, ઔષધિ વિશેષ।

ભૂપ (સં.) રાજા, બાદશાહ, નૃપ, નરપતિ, નરપાળ, મહિપાલ, એક, પ્રકારકા રાગ।

ભૂપ કલ્યાણ (સં.) કલ્યાણ રાગ કા એક ભેદ વિશેષ।

ભૂભાર (સં.) પૃથ્વી કે ઊપરકા બોઝા, પાપકર્મ, જમીનકે ઊપરકા વજન।

ભૂમા (સં.) જમીનકી છાયા, ભૂછાયા।

ભૂમિકા (સં.) આભાસ, રચના, પ્રસ્તાવના, ઉપક્રમ, વેશાન્તર, પરિગ્રહ, અન્યરૂપ ધારણ, કથા મુખ, દીબાચા, જમીન, કો જગહ નાટ્યશાલા, રંગભૂમિ,

ભૂર (સં.) દેખો ભુરસી (વિ.) પ્રચુર, બહોત, અધિક, ઢેર, બહુ।

ભૂરચના શાસ્ત્ર (સં.) દેખો, ભૂસ્તરવિદ્યા ।
ભૂરિ (વિ.) દેખો ભૂર ।
ભૂરું (વિ.) ભૂરા, એક પ્રકારકા રંગ, લાલ, કાલા ઔર પીલે રંગકા મિશ્રણ, પિંગલવર્ણ, કપિલ, કપિશ ।
ભૂરો (સં.) બાલ, રોમ કેશ ।
ભૂરોભટાક (વિ.) સફેદઝક, બહુત સફેદ ।
ભૂલ (સં.) ચૂક, વિસ્મૃતિ, અજ્ઞાનસે અપરાધ, ત્રુટિ, ગફલત, ચૂક ।
ભૂલચૂક (સં) ગલતી, અપરાધ, દોષ।
ભૂસ્તરવિદ્યા (સં.) પૃથ્વીરચના શાસ્ત્ર, ભૂગોળવિદ્યા, જિઆગ્રફી ।
ભૂસૃષ્ટિવિદ્યા (સં.) પૂર્વવત્ ।
ભૃંગ (સં.) ભ્રમર, અલિ, ભૌંરા, ષટ્પદ ।
ભૃવ (સં.) આંખકી ભૌંહ, પલક ।
ભેંકડો (સં.) બચ્ચા યા બચ્ચેકી તરહ ખૂબ ચિલ્લાકર રોના ।
ભેંકવું (ક્રિ.) ચિલ્લાના રોના ।
ભેંચો (સં.) કુચલન, પોચા ।
ભેંચો ઉરાડવો (ક્રિ.) કુચલ ડાલના, મટિયા મેટ કર ડાલના। રૌંદના । [વિશેષ ।
ભેંસ (સં.) ભૈંસ, મહિષી, પશુ-
ભેંસર (સં.) પાડા, ભોટા, મહિષ ।
ભેંસલો (સં) ગાડી ચલનેસે પડી હુઈ ગડારકે બીચકી જમીન ।
ભેંસાસુર (સં.) ભયંકર બદસૂરત પુરુષ, મોટા કાલા ડરાવના મનુષ્ય ।
ભેકું (સં.) ભૈંસકા કચ્ચા ચમડા ।
ભે (સં.) ભય, ડર, ખૌફ, ખતરા ।
ભેક (સં.) દાદુર, મણ્ડૂક, મેંડક, બેંગ, જન્તુ વિશેષ । [સાધૂ ।
ભેખ (સં.) વેશ, સ્વાંગ, કૃત્રિમવેષ,
ભેખ લેવો (ક્રિ.) સાધુ હોજાના ।
ભેખડ (સં.) મિટ્ટીકા બડા ઢેલા, ઢેલા, લૈંદા, કરારા, ઢાલૂ, જમીન ।
ભેખડાવું (ક્રિ.) મિલના, સમાગમ કરના, લડાઈ કરના, ગડ્ઢેમેં ગિરના । [મિલાન ।
ભેગ (સ.) મેલ, મેળ, મિશ્રણ,
ભેગધારી (સં.) સાધુ, સ્વાંગી ।
ભેગું (ક્રિ. વિ.) ઇકઠ્ઠા, એકત્રિત, સાથ, મિલા હુવા, મિશ્રિત સમ્મિલિત । [સાથ સાથ ।
ભેગા ભેગું (વિ.) સાથ લગા હુવા,
ભેગું કરવું (ક્રિ.) મિલાના, એકત્રિત કરના, ઇકઠ્ઠા કરના ।
ભેગુ થવું (ક્રિ.) મિલના, ઇકઠ્ઠા હોના । [આશ્ચર્યાન્વિત, ભયભીત ।
ભેચક (વિ.) ચકિત, ડરા હુવા,
ભેજો (સં.) જોર, શક્તિ, તાકત ।

ભેજ (સં.) સર્દી, ઠંડ, આર્દ્રતા, વાયુ। [સીલા, ભીગા, આર્દ્ર, સર્દ।

ભેજવાળું (વિ.) ગીલા, ઓદા,

ભેજું (સં.) મગજ, દીમાગ, મસ્તિષ્ક, જ્ઞાનશક્તિ, બુદ્ધિ, અક્ક।

ભેજું ફાટી જવું (ક્રિ.) પાગલ હોના। [અક્ક હૈ।

ભેજું ઠેકાણે છે (ક્રિ.) બુદ્ધ હૈ,

ભેજાનો ભુંજેલો (ક્રિ) ચિંતા-રાહિત, બેફિક્ર। [ઘમણ્ડી હોના।

ભેજામાં બહેરબહારો (ક્રિ.)

ભેજું બગડવું (ક્રિ.) પાગલ હોના, બુદ્ધિ જાના।

ભેજું બાઈ જવું (ક્રિ.) દુઃખ દેના, કષ્ટ પહુંચાના, સિર ખાજાના।

ભેજું ઠેકાણે હોવું (ક્રિ.) ખબર-દાર હોના, અક્ક ટિકાને હોના।

ભેજું ફાટી જવું (ક્રિ.) દીવાના હોના, પાગલ હો જાના, અવિવેકી હોના।

ભેટભેટા-ટ (સં.) હૃદયાલિંગન।

ભેટવું (ક્રિ.) મિલના, મુલાકાત કરના, આલિંગન કરના, ભેટ દેના, અર્પણ કરના।

ભેટાડવું-વવું (ક્રિ.) મિલાના, મેળ કરાના, મિલાપ કરાના।

ભેટિયો (સં.) ભેટ કરનેવાલા, મંદિરકા પુજારી।

ભેટો (સં.) આલિંગન, ભેટ, મુલાકાત।

ભેડ (સં.) મેંઢા, મેષ, લડતે સમય કપડે ન ઉડેં ઇસ લિયે કન્ધે પર લપેટનેકા એક વસ્ત્ર વિશેષ।

ભેડિયો (સં.) હિંસ્રજંતુ વિશેષ, ઢુંડાર, બરગડા, ભેડિયા।

ભેણું (સં.) ઘી ગરમ કરનેકા મિટ્ટીકા બર્તન જિસકા મુંહ ચૌડા હોતા હૈ।

ભેદ (સં.) ભિન્નતા, ગુપ્તકી બાત, પૃથક, દ્વૈધ વિશેષ, વિદારણ, વિવે-ચન, વિચ્છેદ, છુપી બાત, વિવેક, ચાર ગુણોમેંકા એક (સામ, દામ, દંડ, ભેદ) તફાવત, ફરક, અન્તર, જુદાઈ, જાતિ, પ્રકાર, વર્ગ, રીતિ, તરહ, ગુહ્ય, ભ્રમ, મર્મ, કપટ, છળ।

ભેદ લેવો (ક્રિ.) ગુપ્ત બાતકો તલાશ કરના, મનકી પૂંછ લેના।

ભેદ ફોડવો (ક્રિ.) છુપી બાત પ્રકટ કરના, ભાંડા ફોડ કરના, પોલ ખોલના।

ભેદક (વિ.) વિદારક, વિરેચક, ફોડનેવાળા, છેદનેવાલા, તીખા, પૈના।

ભેદવું (ક્રિ.) છેદના, ફોડના, આરપાર છેદ કરના, વેધન, ઔદર ઘુસના।

ભેદિયો (સં.) જાસૂસ, ગુપ્તચર, ભેદુ, જાનકાર, ભેદ રખનેવાલા ।

ભેદું (વિ.) ગુપ્ત રહસ્યકા જ્ઞાતા, જાસૂસ, સાથી, જાનકાર, મર્મજ્ઞ ।

ભેદ્ય (વિ.) ભાજ્ય, વિભાજ્ય, ભાગ હોનેલાયક, જો વેધી જા સકે ।

ભેભટ-૨૮ (સં.) ગરમ રાખ, ભૂમળ ।

ભેર (સં) દેખો ભેરી ।

ભૈરવ (સં.) રાગ વિશેષ, (જો પ્રાતઃકાલ ગાયા જાતા હૈ), મહાદેવજીકા ભયંકર રૂપ, દેવવિશેષ ભૈરવ, ભયંકર, ભીષણ, કરાલ, શિવજીકે ગણોંકા સ્વામી ।

ભેરવજ્વ ખાવો (ક્રિ.) દુર્દશા ગ્રસ્ત હોના, અતિશય દુઃખપાના ।

ભેરવી (સં) ભૈરવ રાગકી પાંચ સ્ત્રિયોં મેંસે એક, રાગની, અવધૂતિની ।

ભેરવવું (ક્રિ.) લગાના, જડના ચસ્પા કરના, ચિપકાના, લપેટના, ઐંઠના, મરોડના, હિલગાના, ઉલઝાના, વસ્ત્ર લપેટકર લટકતા હુવા છોડ દેના ।

ભેરવાવું (ક્રિ.) લગે રહના, તંગી મેં આના, મુસીબતમેં ફંસના ।

ભેરૂ (સં.) દેખો ભૈરવ ।

ભેલાડ (સં.) બિગાડ, નુકસાન, હાનિ ।

ભેલાડવું (ક્રિ.) નુકસાન કરના, બિગાડ કરના, ઉજાડના, નષ્ટ કરના ।

ભેલાવવું (ક્રિ.) પૂર્વવત્ ।

ભેર (સં.) ભેદ, મર્મ, ભીતરી બાત ।

ભેરપતવાર (સં.) ગુરુવાર, બૃહસ્પતિ વાર ।

ભેળ (સં.) મેળ, મિશ્રણ, સંયોગ, પકે હુએ ખેતમેં ઢોરોંકો હાક કર ઉસે ચારા દેના, લૂટ । [મિશ્રણ ।

ભેળવણી (સં.) મિલાન, મેળ,

ભેળવવું (ક્રિ.) મિલાના, એકત્રિત, કરના, ઇકઠ્ઠા કરના, શામિલ કરના ।

ભેળવું (ક્રિ.) સાથ રખના, પૂર્વવત્ ।

ભેળસેળ (સં.) મેળ, મિશ્રણ, સંયોગ ।

ભેળા (ક્રિ.) સાથ, સહિત, સંગમેં ।

ભેળાવું (ક્રિ.) મિલના, સંમ્બધ કરના ।

ભેળું (વિ.) સાથી, મુલાકાતી, સગી, (ક્રિ. વિ.) સાથ સંગમેં ।

ભેળું કરવું (ક્રિ.) એકત્રિત કરના ઇકઠ્ઠા કરના, સંગ્રહ કરના, જમા કરના ।

ભેળેલું (વિ.) એકત્રિત, સંગૃહીત ।

ભેરખી-ડું (સં.) દેખો ભરખી ઔર ભરડું ।

ભેરવું (ક્રિ) દેખો ભરડવું ।

ભોં (સં.) મેરી, શંખ આદિકા શબ્દ વિશેષ, ભૂં ભૂં શબ્દ । ભૂમિ જમીન ।

ભોં કોડી (સં.) જમીન મેં ગઢ્ઢા કરકે ઔર ઉસમેં બારૂદ ભરકે ઉસે ચલાતે હૈ ।

ભોંય (સં.) જમીન, પૃથ્વી, ધરતી માલ, દરદ યા વ્રણ કે ઠીક હોને પર આતી હુઈ નઈ ખાલ ।

ભોંય આવવી (ક્રિ) નઈ ખાલ આના, ઘાવ પૂરના, દર્દ રુકના ।

ભોંય ભરવી (ક્રિ.) દર્દસે ખાલ અધિક દર્દ કરના ।

ભોંય કુટાણી લખવી (ક્રિ.) મરણ સ્થાન નિર્માણ કરના, કહતે હૈં કિ જહાં ભોંય કુટાણી લિખી હોગી વહી મૃત્યુ હોગી ।

ભોંય ખોતરવી (ક્રિ.) લજ્જિત હોના, શર્મિંદા હોના, નીચા દેખના ।

ભોંય નંખાવું (ક્રિ.) ભૂખકે મારે મર જાના ।

ભોંય નાંખ્યા (સં.) સ્ત્રિયાં ક્રોધમેં બાલકોં કો કહા કરતી હૈં ।

ભોંય પર પગ ન મૂકવું (ક્રિ.) ગર્વ મેં ઉન્મત્ત હોના, બહુત હી ઘમણ્ડી હોના ।

ભોંય ભરાભર કરવું (ક્રિ.) જમીં દોસ્ત કરના, મિટ્ટીમેં મિલાના, નષ્ટ કરના, મારતે મારતે જમીનમેં લિટા દેના ।

ભોંય ભરવી (ક્રિ.) ફિસલકર ખાના, ધરમધકે ખાના ।

ભોંય ભારેલુ પડવી (ક્રિ) ભય ઔર ઘબરાહટ કે કારણ ભાગના કઠિન હો જાના ।

ભોંય ભેળું ભેસું કરવું (ક્રિ.) જમીન કે બરાબર કરના ।

ભોંય સુધવી (ક્રિ.) પૃથ્વીપર સોને કી તય્યારી હોના, અન્તસમય કા આના ।

ભોંયમાં ઉગવું (ક્રિ.) થોડી ઉમ્ર કા મનુષ્ય હો ઉસકી ચાલાકી દેખકર યહ કહાવત કહી જાતી હૈ ।

ભોંયમાં પેસતો જાય છે (ક્રિ.) ઠિગના હોતા જાતા હૈ, વામન સ્વરૂપ હૈ ।

ભોંયમાં ભૂળાં છે (ક્રિ.) કપટી હૈ, દૂષિત હૃદયકા હૈ, દિલમેં કુછ ઔરહી હૈ ।

ભોંયમાંથી ભણકો નિકળવો (ક્રિ.) અઘટ ઘટના હોના, અચાનક અનિશ્ચિત યુદ્ધાગ્નિ ભડક ઉઠના ।

ભોંયરાખાં રાખવું (ક્રિ.) ગુપ્त રखना ।

ભોંયે ભેવું] (ક્રિ.) देखो ભોંયે
ભોંયે ઉતારવું] નાખવું.

ભોંયે પડવું (ક્રિ.) मृत्युके समीप होना, मृत्युशय्यापर होना। मृत्यु दशामें होना ।

ભોંયે ઉતારવું (ક્રિ.) मृत्यू होती देखकर खाट अथवा पलंग परसे जमीनपर उतारलेना। [चंपा वृक्ष ।

ભોંય ચંપો (सं.) एक जातिका

ભોંય તળિયું (सं.) घरके बिलकुल नीचेका भाग ।

ભોંય રસો (सं) गायका मूत्र अथवा पानी जमीनपर फैलाकर उसे समेटते हैं और इसे गरम करके सूजनपर लेप करते हैं।

ભોંય રિંગણી (सं.) एक औषधी विशेष ।

ભોંયરું (सं) देखो ભોંયરું ।

ભોંયસીંગ (सं.) एक प्रकारका वनस्पति। [बदाम।

ભોંયભંગ (सं.) मूँगफली, चीनिया

ભોંયતરણું (सं.) वनस्पति विशेष।

ભોંયકોળું (सं.) विदारी कंद, औषधि विशेष।

ભોંયપાતરી (सं.) एक प्रकारकी वनस्पति जिसकी तरकारी बनती है।

ભોંયો (सं) देखो ભોંયિયો शाक्त

ભોંરીભોંરિ (सं) देखो, ભમરી ભમરો।

ભોંસવું (क्रि.) देखो ખુંસવું।

ભો (सं.) भय, डर, खौफ ।

ભોઈ (सं) एक जाति विशेष जो पालखी इत्यादि ले जाते हैं, मछली इत्यादि मारकर बेचते हैं। कहार।

ભોક (सं) छेद छिद्र, सूराख, बेज।

ભોકવું (क्रि.) तेज तीखी पैनी चीज अंदर घुसेडना, जोरसे घुसाना।

ભોકાણ (सं.) खोखळापन, रिक्तता।

ભોગ (सं.) उपभोग दुःखसुखका अनुभव, स्त्री आदिका उपभोग, पालन, भोजन, तिरस्कार, अपमान, नैवेद्य, बलिदान।

ભોગધરાવવો (क्रि.) ठाकुरजी या देवताको नैवेद्य लगाना।

ભોગદરીયળવા (क्रि.) दैव प्रतिकूल होना. दुर्भाग्य होना।

ભોગ ભણવા (क्रि,) खराबी होना बड़ीभारी हानिहोना, दुर्दैव होना।

મ

મ–પચીસવૉ વ્યંજન અક્ષર, ગુજરાતી વર્ણમાળાકા ૩૬ વૉં અક્ષર, (સં.) શિવ, બ્રહ્મા, ચન્દ્ર, કાલ, સમય, જહર, વિષ, (ક્રિ. વિ.) નહીં, ના ।

મઉ (વિ.) નરમ, નમ્ર, કોમળ, મુલાયમ, મધુર, દીન, શાન્ત, સન્તોષી, ગંભીર, ગરીબ, કંગાલ, દરિદ્ર, દયાલુ ।

મઉ કરવું (ક્રિ.) દબના, નમ્ર હોના, દીન હોના, ગરીબ હોના ।

મકનો હાથી (સં.) એક પ્રકારકા શુણ્ડ હીન હાથી, જન્તુવિશેષ, ગેંડા હાથી ।

મકર (સં.) ઠગી, જાળ, ફરેબ, છલભેદ, માયા, બકધ્યાન। મગર, ગ્રાહ, એક ભયાનક જલજન્તુ, મચ્છ, રાશિ વિશેષ, કુબેરકા ભંડારી ।

મકરકેતન (સં.) દેખો મકરધ્વજ ।

મકરબાજ (વિ.) ચાલાક, દગાખોર, કપટી, ધૂર્ત, પ્રપંચી ।

મકરવા (સં.) ગજેકે ટુકડે (બહુ વચન) ।

મકરકુંડલ (સં.) મછલીકે આકારકા બના હુવા કાનોંકા ભૂષણ વિશેષ, મકરાકૃત કુણ્ડલ ।

મકરસંક્રાંતિ (સં.) બહદિન જિસદિન કિ સૂર્ય મકર રાશિપર આતે હૈં । ઉત્તરાયણ । સંક્રાંતિ વિશેષ । [જલનિધિ, અર્ણવ, સાગર ।

મકરાકર (સં.) સમુદ્ર, ઉદધિ,

મકરાકાર (વિ.) મગરકી શકલકા ।

મકલાવું (ક્રિ.) મુસ્કુરાના, મન્દમન્દ હસના, મુદિત હોના, પ્રસન્ન હોના ।

મકસદ (સં.) મતલબ, ભાવાર્થ, હેતુ, ધારણા, ઉપદેશવિચાર, અર્થ, આશય, ઇચ્છા, ઇરાદા ।

મકસુદ (ક્રિ. વિ.) ખાસ, મુખ્ય, સમઝ બૂઝકર, ઇચ્છાનુસાર ।

મકાઈ (સં.) અન્નવિશેષ, મક્કા ।

મકાત (સં.) ખુશ્કી રાસ્તેસે શહરમેં આયે હુએ માલ પર કર, એક પ્રકારકા ટેક્સ ।

મકૈ (સં.) દેખો મકાઈ ।

મકોડી (સં.) ચીંટી, કીડી મકોડી, મકોડેકા સ્ત્રીલિંગશબ્દ ।

મકોડો (સં.) એક બડી ચીંટી, ચીંટા, મકોડા, કીડીકી આકૃતિકા બડા જંતુ ।

મક્કમ (વિ.) દૃઢ, પુરૂતા, મજબૂત, પક્કા, ઠોઠ, નિર્ભર, ધૈર્યવાન, સ્થિર ।

મક્કર (સં.) દેખો મકર ।

મક્તબ (સં.) પાઠશાળા, વિદ્યામંદિર, ગુરુગૃહ, મદરસા, સ્કૂલ, કૉલિજ ।

મક્કું (કિ. વિ.) ચૌડા, વિસ્તૃત, વિસ્તીર્ણ, ફૈલાહુવા, વિશાલ, બડ़ા ।

મક્તેદાર (સં.) ઠેકેદાર, કંટ્રૅક્ટર ।

મક્તો (સં.) કાંટ્રૅક્ટ, ઠેકા, ઇજારા, પ્રતિજ્ઞાપત્ર, કરારનામા ।

મખમલ-મલ (સં) એક પ્રકારકા મુદમુદા ફૂલદાર રેશમી વસ્ત્ર ।

મખમલી (વિ) મખમલકા ।

મખ્ખીચુસ (વિ.) કૃપણ, અતિશય કંજૂસ, બખીળ ।

મખાતર, (સં.) કપટ, બહાના, છળ, ધોકા, ફરેબ, દગા ।

મગ (સં) એક પ્રકારકી મટર, દાલ, મૂંગવિશેષ, માર્ગ, રાહ, (ઉપ૦) તરફ ।

મગને મહેલ ભેગા=ખીચડા, ગપડ़ સપડ़, ઘસડ़ પસડ़ ।

મગદલાર બાદ્યું (સં.) કાષ્ઠે લકડ़ી, લકડ़ી, બલીતા, ઈંધન ।

મગજ (સં.) ખોપડ़ી, ભેજા, મસ્તિષ્ક, ગૂદા, સમઝ, દીમાગ, એક પ્રકારકી મિઠાઈ ।

મગજ ખસી જવું (કિ.) પાગલ હોના, દીવાના હોના, સુધિ ભૂલ જાના, દીમાગ બિગડ़ જાના, ચિત્ત સ્થિર ન રહના ।

મગજ પકી જવું (કિ.) બહુતહીં વ્યાકુલતા હોના, બેચૈની હોના, સિર દુખના ।

મગજ ભમાજવું (કિ.) બુદ્ધિ ઠિકાને ન રહના, અક્ક કામ નહીં દેના । [અક્ક આના, સૂઝ પડ़ના ।

મગજના બારણા ઉઘાડવાં (કિ.)

મગજનો ઢાટેલો (સં.) મિજાજી, મગરૂર, ગર્વિષ્ઠ, હઠી, જિદ્દી ।

મગજમાં આવવું (કિ.) સમઝમેં આના તરંગ ઉઠના, લક્ષ્યમેં આના ।

મગજમાં ઉતરવું (કિ.) પૂર્વવત્ સમઝ જાના, ધ્યાનમેં સમાજાના ।

મગજમાં પવન ભરાવો (કિ.) ઘમંડી હોના, સિરજોરી કરના, જિદ કરના, હઠ કરના, તકરાર કરના ।

મગજમાંથી ખસવું (કિ.) ભૂલના, વિસ્મૃત હોના, યાદ ન રહના ।

મગજી (સં.) સંડ़ાફ, પહિરનેકે વસ્ત્રોંકે બક્સિવા, ગોટ ।

ભગડો (સં.) ગુલબાંસ નામક વૃક્ષનું બીજ, બીજવિશેષ ।
ભગતરું (સં.) એક પ્રકારનું પાંખવાળું કીટ, મચ્છર, ડાંસ, મચ્છડ ।
ભગદળ (સં) મૂંગળના આટે કે લાડુ ।
મુદ્ગર, કસ્સલ, કસરત કે લિયે ઘુમાને વાસ્તે દો લકડી કે સોટે ।
ભગદળિયું (સં.) પૂર્વવત્ ।
ભગણ (સં.) છંદ શાસ્ત્ર મેં વહ ગુણ જિસમેં તીનગુરુ હોતે હૈં
ભગદર (સં.) શક્તિ, બળ, તાકત, સાહસ, હિમ્મત, સામર્થ્ય, કૂવત, જોર, છાતી, શૌર્ય્ય, મર્દુમી, પરાક્રમ, બહાદુરી, જમામર્દી ।
ભગન (વિ.) રાજી, ખુશી પ્રસન્ન, પ્રમુદિત, હર્ષિત, પ્રફુલ્લિત, મગ્ન ।
ભગભારણું (સં.) દેખો ભગદસાર પાડણું, યહ શબ્દ છોટે છોટે બાળકોંકો ગાળી કે રૂપ કે ગ્રામીણ લોગ પ્રાયઃ કહા કરતે હૈં ।
ભગદળી (સં.) મૂંગફળી, ચીનિયા બદામ, એક પ્રકારકા ફળ જો ભૂમિ કે અન્દર સે નિકળતા હૈ ।
ભગભગાટ (વિ.) દેખો ભધભધાટ
ભગરમચ્છ (સં.) ગ્રાહ, મકર, મગર, એક ભયાનક જળજીવ વિશેષ ।

ભ (વિ.) હૃષ્ટ, પુષ્ટ, બલિષ્ઠ, ી, દીર્ઘ, લઠ્ઠ, વિસ્તૃત, ર, બેફિક્ર ।
ભ (વિ.) અભિમાની, ઘ બૈઠ, મસ્ત, ઉન્મત્ત ।
ભગ સં.) અભિમાન, ગર્વ, મદ, દીમાગ, ઘમણ્ડ ।
ભગાવ) મંગવાના, બુલાના, પાસલ યે કહના ।
ભગિયું (એક પ્રકાર કા સ્ત્રિયોં કે કા મૂંગિયા રંગકા અચ્છા વર દાર, મન્ધમય ।
ભધભધતું (પુગન્ધિત, ખુશ-
ભધભધવું (ફૈલના, સુગન્ધ મયહોના, ખુશ જાના ।
ભધભધાટ (વિ.) ક, ખુશબૂ, સૌરભ, સુગંધ, સુવ
ભભાનીઓરણી (સં. નક્ષત્ર મેં બીજબોને કી ક્રિયા, જનવરી ફરવરી મેં)
ભંકોડી–(સં.) દેખો ભકે ।
ભકોડો (સં.) દેખો ભકોડો
ભંભણ (સં.) ભિક્ષુક, યક, મંગતા । [ભૂખ ।
ભંભરો (સં.) પહાડ, પર્વત, શૈ
ભંભરીયું (સં) ભોંરા, રોમવાલા ।

મંગળ (सं.) कल्याण, शुभ, अच्छा, श्रेष्ठ, हित, अभिप्रेत, अर्थसिद्धि, क्षेम, कुशल, ग्रह विशेष, तृतीय ग्रह, वार विशेष (वि.) शुभप्रद, प्रशस्त ।

મંગળસૂત્ર (सं.) वैवाहिकसूत्र ।

મંગળકરો-ઈશ્વર भला करे ।

મંગળા (सं) मंदिरमें प्रातःकाल के समय पहिले दर्शन, हल्दी, दूब, घृत। [प्रकारकी भांवरें ।

મંગળફેરા (सं.) विवाहमें एक

મંગાવવું (कि.) देखो મગાવવું ।

મંગાળો (सं.) पत्थर रखकर काम धंधा करने का बनाया हुवा चूल्हा ।

મંગળિક (वि.) गुणकारक, शुभ।

મંગુસ (सं.) न्योळा, नकुळ, नेवला । [अपसरण ।

મચક (सं.) पश्चाद्गमन, परावृत्ति

મંચક (सं.) पलंग, खाट, तख्त, पीठी ।

મચકી (सं.) बहुजेवर जिसे स्त्रियां कानके अगले भागमें पहिनती है ।

મચકુર (सं.) देखो મળકુર

મચકો (सं.) लचक, स्त्रियों के चलते के समय की अंगभंगी ।

મચકોડ (सं.) प्रतिघात, तिरस्कार, झटका । [मुखमोडना ।

મચકોડવું (कि.) मुंह फेरना,

મચડવું (कि.) दबाकर टेढा तिरछा करडालना ।

મચમચાવવું (कि.) चिढ़वा, खिझाना, छेड़ करना, चिढ़ाना ।

મચવું (कि.) समाना, कार्य में संलग्न होना, घूमना, युद्ध में किसी के सामने डटे रहना, जमाव होना, भीड़ होना, मस्ती में आना ।

મચાવવુ (कि.) मचाना, हिलाना ।

મચિયેર (सं.) एक प्रकारका वृक्ष ।

મચ્છ (सं.) मछली, मच्छी, मीन, आकाशका, इन्द्र धनुष, विष्णु के दस अवतारों में से प्रथम-यथा- "मत्स्य कूर्मोवाराहश्च नरसिंहोथ वामनः रामो रामश्च कृष्णश्च बौद्ध-कल्कीचेतेदशः" ।

મચ્છર (सं.) मशक, मस, मांछड़, डांस, मत्सर, अनदेखाई, उन्माद, आवेश, क्रोध, अहंकार, गर्व, द्वेष, डाह ।

મછવુ (सं.) भोजन के पश्चात् मुंह धोने की क्रिया, कुल्ली, चुल्ल ।

મચ્છું (सं.) मच्छर या उसी प्रकारका कोई दूसरा जन्तु ।

મછવો–ઘુડ્ડો। (સં.) છોટી નૌકા, डोंगी, छोटीसी नाव डोंगा ।
મછન્દર (સં.) चूहा, मूषक, उंदर ।
મંછા (સં.) इच्छा, चाह, ख्वाहिश, इरादा, मनशा ।
મજ (સં.) देखो मुज
મજકૂર (સં.) देखो मज्कूर
મજકુર (સં.) विषय, मतलब, बाबत, ज़िकर, उपरोक्त, हक़ीकत, हवाल, वर्णन ।
મજનુ–ન (વિ.) हौलादिल, दीवाना, पागल, खफ़्त, मूर्ख ।
મજમલ્લે (ક્રિ. વિ.) सब, समस्त, संपूर्ण, तमाम, कुल एकदम ।
મજમુ–મું (સં.) सहयोग, पांती, हिस्सेदारी ।
મજમુદાર (સં.) परगनेका हिसाब, रखनेवालेका ओहदा, हिसाब किताब देखनेवाळा आडीटर, पांतीदार, हिस्सेदार, सहयोगी ।
મજમુદારી (સં.) आडीटरका कामकाज करनेका कार्यालय, हिस्सेदारी । [मुजरे, पेटे ।
મજરે (ક્રિ. વિ.) मांगतमें वसूली,
મજમાં (સર્વ) मुझमें, मेरेमें ।
મજરે આપવું (ક્રિ.) मुजरे देना, हिसाबमें जमा करा देना ।
મજરે લેવું (ક્રિ.) हिसाबमें जो कुछ अपने पास था सो लेना ।
મજરો (સં.) देखो मुजरो ।
મજલ (સં.) मंजिल, कूच, मुकाम, पड़ाव, अमुकस्थान, दो स्थानोंके बीचका फासला, मुसाफिरी, खेप, पंथ, विश्रामस्थान, उतारा ।
મજલસ (સં.) सतह, सभा, दरबार, मीटिंग, एक स्थानमें बहुत मनुष्योंका एकत्र का होना ।
મજલો (સં.) मंजिल, मैड़ी, घरके ऊपरका घर । [चूळ ।
મજ્જા (સં.) देखो मज्जा ।
મજ્જાઝ (સં.) कुव्वत, ताकत, कब्जा,
મજ્જાનું (ક્રિ. વિ.) देखो मज्जानुं ।
મજ્જલ (સં.) शक्ति, ताकत, बल, पुरुषार्थ, हिम्मत, साहस, छाती, योग्यता, कूवत, शौर्य ।
મજ્જિયારૂં–જ્યારૂં (સં.) पांतीवाळा, हिस्सेदारी, सहयोगिता (वि.) संयुक्त, एकत्र, सम्मिलित ।
મજ્જીઠ (સં.) देखो मजीठ ।
મજ્જીઠ (સં.) इस नामकी एक बनस्पति, इसकी जड़ इत्यादि से लाल रंग बनाते हैं । मंजिष्ठ ।
મજીઠિયા (વિ.) लाल रंगका, रक्त वर्णका, राता रंगका ।

મજુર (સં.) મજદૂર, ભારવાહક, હમાલ, બેલદાર, બેગારી, રોજાના પૈસે લેકર કામ કરનેવાલા ।

મજૂરણ-રેણુ (સં.) મજદૂરી કરનેવાલેકી પત્ની, મજદૂરની ।

મજુસ-સ્સ (સં.) મોટી પેટી, બડ઼ા, પિટારા, બડ઼ી સન્દૂક, મંજૂષા ।

મજ્જે (સં.) દેખો મજ્જા ।

મજ્જન (સં.) નહાના, સ્નાન કરના પાની ઇત્યાદિ મેં ડુબકી મારના, અભિષેક, નહાન, ધો ધોકર નહાન ।

મજ્જા-ઝે-ઝો (સં.) આનન્દ, રંગ હર્ષ, ઉલ્લાસ, ગમ્મત, ક્રીડા, દિલ્લગી, તમાશા, સ્વાદ, રસ, રુચિ ભાવ, મજા, ખેલ, વિલાસ ।

મજ્જાનું-ઝેનું (વિ.) આનન્દકારી સુખદ, મનોહર, સુંદર, અચ્છા, રમ્ય, રમણીય, મજેદાર ।

મંચ-ક (સં) તખ્ત, સિંહાસન, પલંગ, કૌચ, ઉચ્ચાસન, ખેતકી રક્ષાકે કરનેકો બૈઠને કે લિયે કિસી વૃક્ષમેં યા લકડિયોં પર ઊંચા બનાઈ હુઈ ઝોંપડી ઊંચા મંડપ, મચાન, ડોજા ।

મંજર (સં.) બિલાવ, બિડાલ, બિલ્લા, માર્જાર, બિલી ।

મંજરી (સં.) પૂર્વવત્ (સ્ત્રીલિંગ)

મંજિકા (સં.) વેશ્યા, રંડી, પાતુર રામજની, વારાંગના, ગણિકા, વાર વધુ ।

મંજીરા (સં.) કાંસ્ય ઔર પીતલ ધાતુ નિર્મિત એક પ્રકારકા તાલ, વાદ્ય, ઝાંઝ, કરતાલ, મંજીરા ।

મંજીઠ (સં.) મજીઠ, એક પ્રકારકી ઔષધિ ।

મંજુર (વિ.) સ્વીકાર, કબૂલ, ઠહરાવ, બહાલ, કાયમ ।

મંજુ-લ્લ (સં.) સુન્દર, મનોહર રમણીય, મનોજ્ઞ, અભીપ્સિત, ઇષ્ટ નરમ, કોમલ, મૃદુલ, મધુર, પ્રિય મંદમંદ ધીમા, (વાયુ) ।

મંજે (સં.) બાલકોંકે ખેલનેકા એક પ્રકારકા ખિલૌના, લટ્ટૂ ।

મંજુરી (સં.) સ્વીકૃતિ, સમ્મતિ અનુમતિ, આજ્ઞા, અનુમોદન ।

મટ (સં.) આરામ, ભાવ, ચેષ્ટા, વિશ્રામ, શાન્તિ, તસલ્લી ।

મટક (સં.) ચોંચલા, હાવભાવ, નખરા, હાવભાવ, અંગભંગી ।

મટક મટક (ક્રિ. વિ.) ઉત્સુકતાસે, અભિલાષાસે, તીક્ષ્ણતાસે ।

મટકાવવું (ક્રિ.) મટકાના, આંખ ચમકાના, કટાક્ષકરના ।

મઠકી (સં.) હાંડી, મૃત્તિકાકા બડા, મૃણ્મય ઘટ, મિટ્ટીકા પાત્ર વિશેષ ।

મઠકું (સં.) પૂર્વવત્ ।

મઠકો (સં.) અંગચેષ્ટા, અંગભંગી, હાવભાવ, ચેષ્ટા, અભિનય, કટાક્ષ ।

મઠવું (ક્રિ.) મિટના, નષ્ટહોના, દૂરહોના, ટલના બરબાદહોના ।

મટમટાવવું (ક્રિ.) આંખે ટમટમાના, આંખ મારના, નેત્રોંકો જલદી જલદી ખોલને ઔર મીંચનેકી ક્રિયા ।

મટાડવું (ક્રિ.) હટાના, સરકાના દૂર કરના, મિટાના, નષ્ટકરના ।

મટીજવું (ક્રિ.) દેખો મટવું ।

મટુકી (સં.) દેખો મટકી ।

મટોડી (સં.) મિટ્ટી, ચિકની મિટ્ટી ।

મટોડું (સં.) કાંચ, મિટ્ટી, કાંચડ ।

મટોડાનું ભગજ (સં.) બુદ્ધિહીન મસ્તિષ્ક, મૂર્ખ, બેવકૂફ દીમાગ ।

મટોડું ફરી વળવું (ક્રિ.) વ્યર્થ જાના, નિષ્ફળ, હોના, નિરર્થક, હોના ।

મઠ (સં.) એક પ્રકારકા અન્ન, મોઠ, મઠ, ગુરદ્વારા, કુટી, એકાન્ત વાસ, આશ્રમ, બૈરાગ બાવા સોસાઈ, સાધુ સંન્યાસી વિ- યાઓં આદિ કે રહનેકા સ્થાન, મંદીર ।

મઠકાવવા (ક્રિ.) નિરુદ્યમી રહના ।

મઠને છાયડે મલ્ય કરવી (ક્રિ.) (મોઠકી છાયા નહીં હોતી ન ઉસકા વૃક્ષ ઇતના બડા હોતા હૈ કિ ઉસકી છાયામેં કોઈ બૈઠ સકે) એક વ્યંગ વાક્ય, મૃગ તૃષ્ણા સે આનન્દિત હોના ।

મઠારવું (ક્રિ.) દેખો મઠેરવું ।

મઠિયા (સં.) દેખો મુઠીયા મોઠકે આટેકી બની નમકીન તીખી પપડિયા, ખાદ્ય પદાર્થ વિશેષ, ચનેકે આટેકા બના હુવા પદાર્થ વિશેષ ।

મઠેરણી (સં.) બઢઈકા રન્દા એક પ્રકારકા ઔજાર ।

મઠેરવું (ક્રિ.) સાફ કરના, છીલ કર ઘિસકર ચિકના કરના, ટીપ ટાપ કરના । સ્ત્રીકે સાથ સમાગમ હોના, (ગ્રામીણ ભાષામેં) ।

મઠો (સં.) છાછ,તક્ર, મહી, મઠા ।

મડ (સં.) હઠ, જિદ, આગહ । ધુન, દૃઢતા, અડ ।

મડદું (સં.) લોથ, લાશ, શવ, પ્રેત, મૃતદેહ, નિર્જીવ પિંડ ।

મઢાના તાણવાઓંકી ઢાઢી બાનારો (સં.) બહુતહી કંબૂલ,

અતિશય, કૃપણ, મહાનલોભી કપ
ન વસીટ, મક્ખીચૂસ, નિર્દય, દુષ્ટ
બાતો ।

મડદાને ભીંડા બાંધવાં (કિ.) બૂઢે ખૂસટકા વિવાહ કરના, વૃદ્ધ પુરુષ કો લડકી દેના ।

મડધો (વિ.) મોટા, પુષ્ટ, લટ્ઠ ।

મડબ (સં.) એક પ્રકારકી વનસ્પતિ એક પ્રકારકી તરકારી । શાક વિશેષ ।

મડમ (સં.) સ્ત્રી, ઔરત, મહાસ્ત્રયા।

મડવું (ક્રિ.) દેખો મરડવું

મડાબાંઠ (સં.) સખ્ત ગાંઠ, કઠોર ગ્રંથિ બહુત ઉલઝન ।

મડિયો (સં.) એક પ્રકારકા કંકર ઓષિસકર ફોડા ફુન્સીપર લેપ કિયા જાતા હૈ । કંકડ,રેત,પથરી ।

મડું (સં.) દેખો મડું

મઢવું (ક્રિ.) મઢના, તોપના, આવરણ કરના, છિપા દેના, તાર કપડા ચમડા આદિ ચઢાના । ચાંદી સોનેકા પત્તર ચઢાના ।

મઢી (સં.) કુટિયા, ઝોંપડી, કુટી મઢૈયા, મંડપ ।

મઢુલી-લી (સં.) પૂર્વવત્

મણ (સં.) તૌલપરિમાણ વિશેષ. મન, ચાલીસસેર ।

મણકો (સં) ગુરિયા, દાના, મનકા, લકડી, યા કાચકા માલા કા દાના ।

મણસ (સં.) ખોજા, થોડા ઉંચ, બાકી ઇચ્છા. ચાહ, ખ્વાહિશ ।

મણિકંઠ (સં) ચાષપક્ષી, નીલ કણ્ઠ પક્ષી વિશેષ ।

મણિકો (સં.) બહપાત્ર જિસમેં એક મણ વજન સમાતા હો । મના, એક મણકા વજન ।

મણિયો ઢીલો કરવો (ક્રિ.) અત્યંત પરિશ્રમ કરાકે હાથ પૈર ઢીલે કરદેના ।

મણિબંધ (સં.) કલાઈ, પહુંચા ।

મણિયાર (સં.) હાથીદાંતકા કામ કરનેવાલા ।

મણીયાડું (સં.) કાચકા ગુરિયા, કાચકા ગોળ માલાકા દાના ।

મંડપ (સં.) મંડવા, જન વિશ્રામ ગૃહ, તૃણાદિનિર્મિત દેવગૃહ,વિવાહ ઉત્સવ કે લિયે બનાયા હુવા ઘર, કુંજ લતાગૃહ ।

મંડવું (ક્રિ.) લગના, ભિડના, પિલના, આરંભકરના, શુરુહોના ।

મંડિયો રહેવું (ક્રિ.) ભિડેરહના, લગેરહના, સંલગ્નરહના ।

મંડળિક (સં.) રાજ્યના એક છોટે ભાગના અધિપતિ, ચક્રવર્તી રાજા માંડલિક ।

મંડળી (સં) સમૂહ, સભા, યૂથ જથા, ઝુંડ, ભીડ સમાજ, બૈઠક, મજલિસ, ટોળી, કમ્પની ।

મંડાઈ-ઇ-ઇણ (સં.) દેખો મંડાઈણી ।

મંડાણ (સં.) આરંભ, શુરુઆત, નીવ, મૂળ, કુવે પરકે વેહ લક્કડ ઇત્યાદિ જિનમેં પાની ખીચનેકા ચાક લગા હોતા હૈ । કૂવેકા ઢાણા, કૂવેકા થાલા, ઢંગ, બાદલોંકા આચ્છાદન । [ચલાના ।

મંડાણણી (સં.) નવીન વહોરાતા

મંડાવવું (ક્રિ.) લિખાના, આરંભ કરાના, શુરુ કરાના, ઢંગ રચાના ।

મંડાવું (ક્રિ.) હોના, વિવાહ હોના, બંધના, ઠિકાના હોના, અચ્છી દશામેં હોના ।

મંડિત (વિ.) ભૂષિત, સજ્જિત, અલંકૃત, વેષ્ટિત, જડિત, શ્રૃંગારિત ।

મંડિલ (સં.) દેખો મન્દિલ

મંડૂર (સં.) લોહકા મૈલ રસાયન વિશેષ ।

મત (સં.) વિચાર, ઇરાદા, અભિપ્રાય, પક્ષ, ધર્મ, મઝહબ, સમ્પ્રદાય, રીતિ, ઢબ, સિદ્ધાન્ત, આશય, મન્તવ્ય, પંથ, સમ્મતિ, અનુમોદન, ફૈસલા, ઇચ્છા ।

મતલબ (સં.) સ્વાર્થ, હેતુ, મુરાદ આશય, કારણ, ઇચ્છા, અર્થ, તાત્પર્ય્ય, ભાવ, સારાંશ ।

મતલબસર (ક્રિ. વિ.) સ્વાર્થસે, હેતુસે, મરજમંદી ।

મતલબી (વિ.) સ્વાર્થી, ખુદગર્ઝી કપટી, દગાબાજ, સ્વાર્થનિષ્ઠ ।

મતવાદ (સં.) અપને મતકે લિયે આગ્રહ જિદ હઠ, આગ્રહ ।

મતવાદી (સં) સ્વમતાગ્રહી, હઠવાદી, જિદ્દી મતાગ્રહી ।

મતવારી-લી-ળું (વિ.) સુન્દર, ભડકીલા, આનન્દી, મૌજી બહરી બહાદુર, ધૈર્ય્યવાન, પ્રતાપી, વ્યભિચારી. છિનાલ, મદમત્ત ।

મતવાલો (વિ.) મજબૂત, દઢ, પુષ્ટ ।

મતસરવણી (સં) એક પ્રકારનું વ્રત વિશેષ જો આષાઢ કૃષ્ણપક્ષમેં હોતા હૈ ।

મતા (સં.) માલ, દૌલત, પૂંજી, દ્રવ્ય, જીવ, દમ, મિલકિયત, દ્રવ્ય । [ખિલ્લી ।

મતાભિમાન (સં.) આત્માભિમાન

મતાદ્ (સં.) અકબરીકા બહા, બહતીર, બહા, સોદા, બહુ, દલ્લા।
મતિર્ (વિ) હઠી, જિદ્દી, અડિયલ।
મતિયો-યો (વિ.) પૂર્વવત્, મનમાની કરનેવાલા, સ્વમત પુષ્ટી કર્તા। [ફલવિશેષ, તરબૂજ।
મતિરા (સ) છોટીકકડી, તોરઈ,
મતું-ત્ (સં.) હસ્તાક્ષર, દસ્તખત।
મતુકરવું (ક્રિ.) હસ્તાક્ષર કરના, દસ્તખત કરના, સહી કરના।
મતાદાર (સં.) સરકારી રુપયોંકો જમા કરનેકા સાક્ષી।
મતિમાન (વિ.) બુદ્ધિવાન સમઝદાર ચતુર, કુશળ દક્ષ।
મથક (સં) મુખ્યસ્થાન, જહાંપર બડા બાજાર હો, બંદર, શહર ઇત્યાદિ, વૃદ્ધસ્થળ વિદ્યાલય, બડી છાવની।
મથન (સં) વિલોવન, લોદન, મંથન, સિરપચ્ચી, પ્રયાસ, પ્રયત્ન કષ્ટ, ઉદ્યોગ, વ્યવસાય, શ્રમ।
મથની (સં.) મહાની, મથનિયા રવિ ઇત્યાદિ મથન કરનેકા પાત્ર વિશેષ।
મથવું (ક્રિ.) મહના, વિલોના, ઘી નિકાલના, મંથનકરના, મંથોડના ચોડના, પરિશ્રમકરના। [ઇન્દ્રીય।
મથાણી (સં) પચડી, પાન,
મથાણું (સં.) ઉપરકા આભ, હેડિંગ, શીર્ષક, દેને લેનેકા નિશ્ચય કરના, પગડો, પાધ, સાફા, ટોપી।
મથેટી (સં.) ગાય ભૈંસ ઇત્યાદિ પશુ।
મથેરું (સં.) મસ્તક પર્યન્ત ગાહરા, છઃ ફુટક માપ। (વિ.) મસ્તક કી ઉંચાઈ કે બરાબર।
મદ (સ) ગર્વ, મદ, મત્તતા, મોહ, માદક દ્રવ્ય, ઉન્માદ, અતિગર્વ, અભિમાન, ઉન્મત્તતા, કામ, મદન, કામ વિકાર, અભિલાષ, રસ, પુષ્પરસ।
મદકલ (વિ.) મદકે કારણ બડબડાહટ।
મદ-મળ (સં.) હાથી, કુંજર, ગયન્દ, વારણ, કરિવર, માતંગ, ગજ।
મદત-ત (સં.) સહાય, પુષ્ટિ, સહારા, આશ્રય, રક્ષા, આધાર, રક્ષણ, ટેકા, બચાવ।
મદતિયું (સં.) સહાયક, આશ્રય દાતા, રક્ષક, મદદગાર, અસિસ્ટેન્ટ।
મદમાર (વિ.) પૂર્વવત્।
મદમીલ (સં.) પૂર્વવત્।

મદનભૂતણું (સં.) અત્યંત ખૂબસૂરત, અત્યંત મનોહર।
મદન ફળ (સં.) દેખો નિકળ।
મદમાતું (વિ.) મદોન્મત્ત, અહંકારી, પ્રફુલ્લિત, અભિમાની, કામાતુર।
મદરેસા (સં.) પાઠશાલા, વિદ્યાલય, કાલેજ, મહાવિદ્યાલય, યુનીવર્સિટી।
મદવિકાર (સં.) મત્સર, ઉન્મત્તતા। નશા, દાન, મદદોષ, હાથી કે મણ્ડ સ્થલમે સે ટપકતા હુવા પાની।
મદાર (સં.) ખાતરી, ભરોસા, વિશ્વાસ, ઉદ્દેશ, હેતુ, મનોરથ, મતલબ, ઇચ્છાકારણ, ધ્યાન, લક્ષ રંડીબાજ, આધિક, મદોન્મત્ત હાથી।
મદારત (સં.) સુશ્રુષા, ખાતિર, અતિથિસત્કાર।
મદારી (સં.) બાજીગર, ઇંદ્રજાલી, સાંપવાલા, નટવર, તમાશા જાદુ બતાનેવાલા, હલ્મી, ઠગ, દગાબોર, ઠોગી।
મદિરાક્ષી (સં.) ખંજન પક્ષી કે નેત્ર કે રંગવાલી, મૃગનયની, અચ્છે નેત્રોવાલી। [ઉન્મત્ત।
મદી (વિ.) મદવાલા ક્રુદ્ધ,
મધ (સં.) પુષ્પમદ, ફૂલોંકે મીતરકા રસ, મધુ, શહદ, પરાગ।
મધ ખાઈને ચાટવું (ક્રિ) શહદ લગા કર ચાટના, (વ્યંગોક્તિ) નિરર્થક રસ છોડના।
મધવાણી બોલ (સં.) ખુશામદ કરનેવાલી વાણી, મિષ્ટભાષી જિહ્વા।
મધમાં ઝેર ભેળાવવો (ક્રિ.) લાલચ દિખાના, મોહમે ફંસાના।
મધમાંસ (સં.) એક પ્રકારકા જિહ્વા રોગ જો બાલકકો હોતા હૈ।
મધપુડો (સં.) શહદકી મક્ખિયોં કા છત્તા, મધુમક્ષિકાઓંકે રહને કા ઘર। એક એક છત્તે મેં દસ હજાર સે લગાકર ૫૦ હજાર તક મક્ખિયાં રહતી હૈ।
મધમાખ-ખી (સં.) મધુમક્ષિકા શહદકી મક્ખી। જન્તુ વિશેષ।
મધભાગ (સં.) બીચકા હિસ્સા, મધ્ય કા ભાગ।
મધરાત સ્ત્રી (સં.) આધી રાત, મધ્ય રાત, રાતકા ૧૨।૧ બજેકા સમય।
મધલાલસ (સં.) અતિઇચ્છા, પ્રબલ ઇચ્છા।
મધવો (વિ.) પુષ્ટ, મોટા, સ્થૂલ।
મધ (સં.) શહદ, પુષ્પરસ, અમૃત, મકરન્દ, મદ્ય, દારૂ, શરાબ, વસન્તઋતુ, (વિ.) મીઠા સ્વાદિષ્ટ।

મધુકર (સં.) ભમર, ભંવરા, અલિ, ભૌંરા, ષટપદ્, મધુપ, મલિન્દ, ।
મધુકોશ (સં.) દેખો મધુપટ્ટ ।
મધુકરી (સં.) ભિક્ષાદ્વારા પ્રાપ્ત અન્ન ।
મધુપ (સં.) દેખો મધુકર ।
મધુપર્ક (સં.) દધિયુક્ત મધુ, શહદ અને દહી, ઘી, દૂધ, દધિ, મધુ, અને શક્કરનો મિશ્રણ । ઇનપાંચ વસ્તુઓંકો કાંસ્યપાત્ર મેં દાન દેનેકી ક્રિયા । [પદાર્થ સેવન ।
મધુપાન (સં.) મદ્યપાન, મિષ્ટ
મધુમક્ષિકાવત્ય (સં.) વહસ્થાન જહાં મધુમાક્ષિકાએ હોં ।
મધુમતિ (સં) યોગશાસ્ત્રવર્ણિત યોગી કી એક ચિત્તવૃત્તિ, કાશ્મીરીવૃક્ષ, ઇસ નામકી એક દેવી નાયિકા ।
મધુર-રું (વિ.) મીઠા, મિષ્ટ, મૃદુ, સ્વાદિષ્ટ, કર્ણસુખદ, પ્રિય, રુચિકર, સુંદર, મનોહર, સુગંધિત ।
મધુરા (સં.) ફલવિશેષ ।
મધુરિપુ-રેવ (સ.) દેખો મધુકર
મધ્યોમધ્ય (ક્રિ. વિ.) બીચોંબીચ, ઠીક મધ્યમેં । [મેં ।
મધ્યે (ક્રિ. વિ.) ભીતર, અન્દર,
મધ્ય (સં.) અન્તરાલ, બીચ, માંઝ ।
મધ્યાર, કટિભાગ ।
મધ્યમા (સં.) બીચકી અંગુલી ।
જવાની પ્રાપ્ત હી, ઋન્દોચ્ચારણકી તીસરીદશા. ફૂલ્લેં કે ગુચ્છે મેં સે બીચ કાપુષ્પ, દશરજસ્કાનારી ।
મધ્યસ્થ (સં.) બીચવાલા, સાક્ષી, નિર્ણયકર્તા, તટસ્થ, પંચ,
મધ્યસ્થળ (સં.) કટિ, કમર ।
મધ્યસ્થી (સં.) દેખો મધ્યસ્થ
મધ્યા (સં.) એક પ્રકારકી ગ્રહ ગતિ ।
મધ્યાન-હ્ન (સં.) દોપહર, મધ્ય દિવસ, દિનકે બારહબજેકા કાળ ।
મધ્યે (ક્રિ. વિ.) બીચમેં ભીતર, અંદર ।

મન (સં.) મન, ચિત્ત, હૃદય, સમજશક્તિ, જ્ઞાનેન્દ્રિય, બુદ્ધિ, દિલ, હિયા, ઇચ્છા, મરજી, વારયા, વિચાર, સ્મરણશક્તિ, અંતઃકરણ ।
મનકરવું-ધવું-ધારવું (ક્રિ.) ઇચ્છા હોના, ઇરાદા હોના ।
મનમાનવું (ક્રિ.) સ્વીકાર કરના, ચિત્ત પ્રસન્ન હોના ।
મનમાર્યું કરવું (ક્રિ.) નારાજ અપ્રસન્ન કરના ।
મનમોરવું (ક્રિ.) પુકડ પુકડ કરના, પશ્ચાંતાપ કરના ।
મનમનાવવું (ક્રિ.) પ્રસન્ન કરના, સમજાના ।

મનમાં આવવું ઉતરવું (ક્રિ.) સમજાના इच्छा होना, इरादा होना।
મનવાળવું (ક્રિ.) आरामलेना, संतोष पूर्वक बैठना।
મન ઊઠવું (ક્રિ.) अप्रीति होना, इच्छा शक्ति नष्ट होना, वैराग्य उत्पन्न होना। [समझना।
મનળેવું (ક્રિ.) दूसरका इरादा
મન બેસવું-બેસાવવું (ક્રિ.) प्रेमहोना अनुरागहोना, जी लगना।
મનધાલવું-ધરવું (ક્રિ) ध्यान देना।
મન ઉંચું થવું (ક્રિ.) नाखुशहोना, अप्रसन्न होना, स्नेहटूटना, असंतोष होना। [यादरखना।
મનમાં લાવવું (ક્રિ.) जीमेंलाना
મનનું મનમાં (ક્રિ. વિ.) जीका जीमें।
મનમોકળું (વિ.) उदार, फय्याजा
મનનું કપટી (સં.) जो ऊपरसे साफ और अंदरसे कपटहो।
મનનું પોચું (વિ.) कमजोर दिलवाला।
મનમાંવિચારવા કરવું (ક્રિ.) मन ही मनमें सोचा करना।
મનમનવવું (ક્રિ.) संतुष्ट करना पूर्ण होना।
મન ખાંળવું (વિ.) कुछ सूझ न पड़े ऐसी स्थितिमें होना।
મનખાટું થવું (ક્રિ.) अप्रसन्न होना, दिल हटजाना, नाराज होना। [कहना।
મનખોલવું (ક્રિ.) जीकी बात
મનચોખ્ખું રાખવું (ક્રિ.) निष्कपट मन रखना।
મનચોંટવું (ક્રિ.) जी लगना, मोहमाया में पड़ना। [होना।
મનનીચું થવું (ક્રિ.) नीच वृत्ति
મનમાનવું (ક્રિ) जी प्रसन्नहोना, संतोषहोना, इच्छा पूर्ण होना।
મનમારવું (ક્રિ) मन वशमें रखना इन्द्रिय दमन करना।
મનમૂકવું (ક્રિ.) भेद अथवा प्रपंच नहीं रखना छळ कपट न रखना। [उठना।
મનવિખરાઈ જવું (ક્રિ.) दिल
મનસાંકડુંથવું (ક્રિ) संकीर्ण हृदय होना।
મનમાંપેસીનિકળવું (સં.) दूसरेके मनकी सबबातें जान लेना।
મનકામના (સં.) मनकी इच्छा मुराद मरजी मनोरथ वाञ्छा, अभिलाष। [मानुष।
મનખ (સં.) मनुष्य इन्सान,
મનખાદેહ (સં.) मानव जीवन मनुष्य शरीर मरदेह।
મનખો (સં.) मनुष्य इन्सानिकता।

મનમનતું (સં.) રુચિકર, સંતોષ પ્રદ, મનોરંજક, પ્રિય, રમ્ય ।

મનમુ (સં.) મન. દિલ, ચિત્ત (કાવ્યમાં)

મનમેર (વિ.) વહ મન જિસમેં કુછ ફેરફાર હો ગયા હો ।

મનભંગ (સં.) ઇચ્છાભંગનિરાશા

મનભાવતું (વિ.) મનમાના, રુચિકર, પસન્દીદ, દિલ પમન્દ ।

મનમથ (સં) કામદેવ, મદન ।

મનમાનતું (વિ.) દેખો મનભાવતું

મનમાન્યું (વિ.) બહુત, અધિક, યુક્કળ ઇચ્છિત, ચાહે ઉતના ।

મનમોહાપી (વિ.) મનોહર, મનભાવના ।

મનવચિયું (વિ) મન મનાનેયોગ્ય ।

મનવર (સં) મનુહાર, સ્વાગત, સુશ્રુષા. અતિથિસત્કાર, સેવા, આતિથ્ય । [મન, ચિત ।

મનવા (સં.) મનુષ્ય, માનવ,

મનવાર (સં.) યુદ્ધકા બડા જહાજ, સૈનિક જલયાન, જંગી જહાજ ।

મનવેગી (વિ.) બહુત જલ્દી, મનકે સમાન અત્યંત વેગવાળા ।

મનશિલા (સં.) એક પ્રકારકી ધાતુ, મેનશિલ, મનઃ શિલા ।

મનસા (ક્રિ. વિ.) મનદ્વારા, ચિત્તસે, (સં.) ઇચ્છા, અભિલાષ, મનોરથ ।

મનસૂબો (સં.) ઇરાદા, ઇચ્છા, વિચાર, યુક્તિ, તદબીર, ઉદ્દેશ, મતલબ, હેતુ, સલાહ, ધારણા ।

મનસબદાર (સં.) સેનાકા અધિકારી વિશેષ ।

મના (સં.) પ્રતિબંધ, રોક, નિષેધ, નિરોધ, અટકાવ, ઇન્કાર ।

મનાઈ (સં.) પૂર્વવત્ ।

મનાઈ (સં.) પૂર્વવત્ ।

મનામણા (સં.) આરાધના, સમ્પ્રીતી, સાંત્વના, ઐક્ય, સમાધાન, સલાહ ।

મનારો (સં.) પત્થર ચૂનેકા બનાયા હુવા ઊંચા ગોળ સ્તંભ, કીર્તિસ્તંભ, મીનાર, સ્મરણસ્તંભ ।

મનાવણું (સં.) દેખો મનામણું ।

મનાવવું (ક્રિ) સમઝાના, મનાના, દિલ મિલાના, મિલાપ કરના, સ્વીકાર કરાના, સત્ય સત્ય કહલાના । [ક્રોધ ઉતારના ।

મનાવું (ક્રિ.) મિત્રતા હોના,

મની (સં.) બિલ્લી, બિડાલ, બિલાવ, માર્જાર, માંજર ।

मनीआर्डर (सं.) रुपये पैसे डाकघर द्वारा भेजनेका आज्ञापत्र, एक जगह डाकघरमें रुपया जमा कर देने पर दूसरे स्थान पर भेजनेकी हुंडी।

मनीआर-मुनीआर (सं.) चूड़ा। चूड़ियां बेचनेवाला, ठखेरा, मनिहारा। [करनेवाला।

मनीआरं (सं.) मनिहारेका धन्धा

मनीश (सं.) मनुष्य, मानव, मनुज।

मनु (सं.) ब्रह्माका पुत्र और मनुष्योंका आदि पुरुष, मन्वंतरका मूल पुरुष, प्रसिद्ध १४ ऋषियोंमेंसे प्रत्येक, (१) स्वयंभू (२) स्वारोचिष (३) उत्तम (४) तामस (५) रैवत (६) चाक्षुष (७) सावर्णि, (८) ऋक्ष सावर्णि (९) देव सावर्णि (१०) ब्रह्मसावर्णि (११) धर्मसावर्णि, (१२) देवसावर्णि (१३) इन्द्रसावर्णि और (१४) चाक्षुष। एक धर्मशास्त्रकर्त्ता ऋषि, चौदहकी संख्याका सूचक।

मनुज (सं.) मानव, मनुष्य, मनुकी संतान, इन्सान, मर्द, आदमी।

मनुहार (सं.) खातिर, आवभगत, आतिथ्य, शुश्रूषा, सेवा।

मने (सं.) देखो मना।

मने (सर्व.) मुझे, मुझको, मेरेको।

मनोगति (सं.) मनकी पहुंच, चित्त की शीघ्र गति।

मनोगम (वि.) रुचिकर, सरस।

मनोज्ञ (सं.) सुंदर, मनोहर, दिल पसन्द, मनमोहक।

मनोज्ञा (सं.) मेनसिल, मनःशिला, जीरक, जीरा, मदिरा, दारू, राजपुत्री। [चित्त धर्म।

मनोधर्म (सं.) मनका धर्म,

मनोभाव (सं.) मनकी इच्छा, इरादा, तात्पर्य्य, मतलब।

मनोभंग (सं.) आनन्द, उल्लास, हर्ष, खुश मिजाज़, संतोष।

मनोमय (सं.) मानसिक, हार्दिक, मनसम्बन्धी।

मनोमयकोश (सं.) पंचकोशोंमें से एककोश, अहं ब्रह्मास्मि पर्यंत ज्ञान

मनोभिराम (वि.) मनोहर, रमणीय, आल्हादक, सुखद, आनंदजनक, रम्य, रुचिकर।

मनोरञ्जन (सं.) मनका परिश्रम, पाठ, अभ्यास, प्रयोग, शिक्षा, सबक।

મન્તર (સં.) દેખો મંત્ર।

મન્તરવું (ક્રિ૰) જાદૂકરના મંત્રિત કરના, મોહિતકરના, વશીકરણ કરના, ટુરકી ડાલના।

મંતરાવવું (ક્રિ.) જાદૂકરાના, ગણ્ડા ડોરા કરાના, જાદૂ કરાના।

મંત્રી (સં.) વઝીર, દીવાન, સલાહકાર, પરામર્શદાતા, સેક્રેટરી, સિકત્તર।

મંત્રિત (વિ૰) મતારાહુવા, મંત્રદ્વારા સંસ્કૃત, જાદૂ કિયા હુવા।

મંથન (સં.) વિલોડન, મથન, મહના, રવઈ, મંથન દણ્ડ।

મંદ (વિ.) ધીમા, ધીરા, અલ્પ, બોડા, શિથિળ, અતીક્ષ્ણ, અધમ, રોગી, સુસ્ત, ઓછા, કમ, મૂર્ખ, કોમળ, મૃદુ।

મંદવાડ (સં.) રોગ, બીમારી, અસ્વસ્થતા, પ્રકૃતિમેં વિકૃતિઉત્પત્તિ।

મંદવાર (સં.) શનિવાર।

મંદહાસ્ય (સં.) મુસ્કુરાહટ, મુસકરાન, સ્મિતહાસ્ય।

મંદાક્ષ (સં.) લાજ, શરમ, લજ્જા, હયા, શર્મ।

મંદાગ્નિ (સં.) કફદ્વારા જઠરાગ્નિ કા નિસ્તેજહોના, અજીર્ણતા, કુપચ કોઠબદ્ધતા, પેટકોષ્ઠતા।

મંદાર (સં.) સ્વર્ગસ્થિત એક વૃક્ષ વિશેષ સ્વર્ગીય પાંચ વૃક્ષોંકે અન્તર્ગત એક વૃક્ષકા નામ, પારિજાત વૃક્ષ।

મંદિર (સં.) ઘર, ભવન, મકાન, દેવાલય, દેવગૃહ, મહલ, દેવરા।

મંદિલ (સં.) જરીતારોંકે કામવાળી પગડી, ઝરીકી પગડી।

મંદી (સં.) નિરાકાર, કમમૂલ્ય (તેજી) મન્દી, વ્યાપારમેં શિથિલ્તા। [થોડા, શિથિલ।

મંદું (વિ.) ધીમા, સુસ્ત, અલ્પ,

મન્વન્તર (સં.) એક મનુકા રાજ્ય કાલ, એક મનુકા સમય, ૩૦૬૭૨૦૦૦ વર્ષોંકા કાલ, કલ્પકા ૧૪ વાં ભાગ।

મપારો (સં) માલ તૌલને વાલા, અન્નકા વ્યાપારી।

મપાવવું (ક્રિ.) તુળવાના, ભરાના।

મપાવું (ક્રિ) તુલાના, ભરાના।

મફત (ક્રિ. વિ૰) મુફ્ત, બે મૂલ્ય, વિના કીમત, ફોકટ અલ્પ, મૂલ્ય।

મફતિયું–તીઉં (વિ.) મુફ્તખોર, ફોકટાનન્દ, હરામકી ખાનેવાલા।

મફલિસ (સં.) દીન, ગરીબ, દરિદ્ર।

મબલખ (વિ.) અતિશય, બહુત, પુષ્કળ, ઘના, વિશાલ।

મબાલા (ક્રિ. વિ.) શાયદ, કિંવદુના, સંભવતઃ દૈવાત્, યોગાત્ ।

મબારખી (સં.) એક પ્રકારકા, રોગ જો બાળકોંકો હોતા હૈ ।

મબમ (વિ.) અસ્પષ્ટ, સંદેહાત્મક, સંદિગ્ધ, દ્વિઅર્થી, અવ્યક્ત, સંશયાત્મક, શંકાજનક । [બચ્ચોંકા ।

મંબ (સં.) સ્વાનિકા સંકેત વિશેષ

મમત (સં.) હઠ, જિદ્, દુરાગ્રહ, અડ, આગ્રહ ।

મમતા (સં.) મોહ, માયા, સ્નેહ, પ્રેમ, મમત્વ, અહંકાર, ગર્વ, હઠ, જિદ, આગ્રહ, અડ ।

મમતી (વિ.) જિદ્દી, હઠી, આગ્રહી ।

મમતીણું (વિ.) પૂર્વવત્ ।

મમતા મમતી (સં.) ચઢાબઢી, દેખાદેખી, ઈર્ષ્યા, સ્પર્દ્ધા, વિરોધ ।

મમરા (સં.) સિકે હુએ ચાવલ, ભુજે હુએ ચાવલ, મુરમુરા ।

મમરેા ભૂકેા (ક્રિ.) પાની ચઢાના, ઉસકાના, રંજકદેના, દો આદમિયોંકો લેસ હો ઐસા બોલના ।

મમળાવવું (ક્રિ.) હોઠોંસે ચબચબ શબ્દ કરના, સ્વાદ લેના, મુખમેં રખકર ઇધર ઉધર હિલાના, મનન કરના, સ્મરણ કરના ।

મમાઇ (સં.) માકી મા, નાની ।

મમાદેા (સં.) માકા બાપ ।

મમાદેવી (સં.) દેવીકા નામ વિશેષ ।

મમેાળે। એક પ્રકારકા જીવ ।

મમ્મેા મમ્મેા(સં) ગાળી અપશબ્દ ।

મય (વિ.) યુક્તવાળેાં ઔર્ ભરપૂર સૂચક પ્રત્યય, યથા--જળમય, આનંદમય ।

મયણુ (સં. દેખેા મદનજી ।

મયત (વિ.) મૃત, મરાહુઆ, જીવહીન ।

મયા (સં.) દયા, માયા, કૃપા, ઇરશાદ, અનુકમ્પા, અનુગ્રહ ।

મયાળી (સં.) એક પ્રકારકી વનસ્પતિ કી બેલે ।

મર (ક્રિ.) મરજા, જાતા રહ (વિસ્મ•) ઐસા હી હો, કુછ પરવાહ નહીં ।

મરકત (સં.) મણિવિશેષ, હરે રંગ કા માણિ, નીલમ, પન્ના ।

મરકલું (વિ.) મન્દહાસ્યવાલા, મુસકાનેવાલા, હંસોકડા, હંસમુખ ।

મરકી (સં.) જિસમેં બહુત મનુષ્ય મરેં, હૈજા, રોગ, મહામારી, મરી, વહ રોગ જિસસે બહુત આદમી મરેં, બેચક, ઇન્ફલ્યૂએન્ઝા । બુખાર વિશેષ, એક પ્રકારકી મિઠાઈ ।

મરજ (સં.) હરિણ, મૃગ, કુરંગ, સારંગ, સાંબર, કૃષ્ણસાર ।

મરજી (સં.) મુર્ગી, કુકડી, પક્ષી વિશેષ । [અરબસ્તાનનો, પક્ષીવિશેષ ।

મરઘો (સં.) મુર્ગો, મુર્ગ, કુકડા,

મરચી (સં.) મિરચનો પેડ ।

મરચું (સં.) મિર્ચ, મિરચ, ચિલી, એક પ્રકારનું ચરપરું ફળ ।

મરચાં ઉઠવાં-લાગવાં (ક્રિ) ક્રોધ કરવા, દિલદુખવા, વ્યાકુલ હોવા, ચિઢવું ।

મરજ (સં.) રોગ, દર્દ, પીડા, વ્યાધિ, વિકાર, આજાર, બિમારી ।

મરજન (સં.) સ્નાન, નહાન, માર્જન ।[સીમા, પ્રતિષ્ઠા, મર્યાદા

મરજાદ-દા (સં.) માન, પત, ટેક,

મરજાદવેલ (સં.) પાની કે કિનારે પેદા હોનેવાલી એક પ્રકારકી બેલિ ।

મરજાદી (વિ.) વલ્લભ સંપ્રદાય મેં પુષ્ટિ માર્ગ, ઔર ઇસકે અનુસાર કાર્ય કરનેવાલા વૈષ્ણવ ।

મરજી (સં.) ઇચ્છા, ખુશી, કામના, મનોરથ, સ્પૃહા, આકાંક્ષા, વાંછા, મનોકામના, વાસના, મિજાજ ।

મરજી રાખવી (ક્રિ) દિલ રખના, ઇચ્છાનુસાર વર્તાવ કરના ।

મરજી રાખુ (વિ.) ખુશામતી, ચાપલૂસ । [નિકાલનેવાલા ।

મરજીવો (સં.) સમુદ્રમેં સે મોતી

મરડ (સં.) મરોડ, ઐંઠ ફેર, ગાંઠ ।

મરડવું (ક્રિ.) ઐંઠના, મરોડના, ટેઢા કરના, ઉલટના, ફેરના ।

મરડાટ (સં) (પ્યારમેં) નારાજ હોના, અન્યોક્તિ, ઉપરોધ, ગુસ્સે વક્ત લટકા, ઐંઠ, મરોડ, ફેર ।

મરડાવું (ક્રિ.) ટેઢા હોના, મુડના, ઝુકના, કામ કરને મેં ઉકતા હોના, શરીર ટેઢા કરકે નખરે કરના ।

મરડાસિંગ (સં.) એક પ્રકારકા વૃક્ષ, ઇસકી ફલિયાં ઐંઠી હુઈ હોતી હૈ; મરોડ ફલી, ઔષધિ વિશેષ ।

મરડો-મેડો (સં.) અતિસાર, પેટ મેં બારબાર દર્દ હોના ઔર શૌચ જાના, પેટ કા દર્દ, દસ્ત લગના ।

મરણકાળ (સં.), અન્તસમય, મૃત્યુસમય, આખિરી વક્ત ।

મરણઘાત (સં.) ઐસાઘાત જિસસે મૃત્યુ હોજાના સંભવ હો [રક્ષણ ।

મરણતરણ (સં.) મૃત્યુ ઔર

મરણતોલ (વિ.) મૃત્યુતુલ્ય, મરણ-સમાન ।

મરણપ્રાપ્ત થવું (ક્રિ.) મરના, મર-જાના, મૌત હોના, દેહાવસાન।

મરણબોધ (સં.) મૃત્યુકે સમય પુકાર। મરેકે નામપર પુકાર।

મરણલાકડાં (સં.) ચિતાકાષ્ઠ, મુર્દેકો ભસ્મ કરનેકે લિએ લકડિયાં। [કાળ।

મરણસંગત (સં.) મૃત્યુસમય, અંત-

મરણિયું (વિ.) મરનેવાલા, મૃત્યુ શય્યાશ્રિત, મરનેસે નહીં ડરનેવાલા, સાહસી જો પ્રાણકી પર્વાહ ન કરે।

મરણું (સં.) મૌત, મૃત્યુ, મીચ, કાળ।

મરતબો (સં.) પદવી, દર્જા, ઓહદા, પ્રભુતા, ગૌરવ, અધિકારૂતબા।

મરતબોસાંચવવો (ક્રિ.) પ્રભુતાસ્થાપિતકરના, ગૌરવાન્વિત હોના।

મરતાંભવતાં (ક્રિ. વિ.) કવચિત, કભી, કિસીદિન, કોઈ સમય।

મરદ (સં.) આદમી, પુરુષ, નર, પુરુષાર્થયુક્ત, પહલવાન, વીરમનુષ્ય।

મરદવું (ક્રિ.) દબાના, મસલના મર્દન કરના।

મરદાઈ (સં.) પૌરુષ, પુંસત્વ, શૌર્ય્ય, પુરુષાર્થ બહાદુરી, સાહસ, મનુષ્યતા, વીરતા।

મરદાનગી (સં.) પૂર્વવત્।

મરદાની (વિ.) મર્દકી, પુરુષકે યોગ્ય, આદમી યોગ્ય (સં.) બહાદુર, શૂર, નિડર, સાહસી દૃઢ

મરદાનો (સં.) દેખો મરદાઈ।

મરદી (સં.) પુંસત્વ, પૌરુષ, માનુષિકશક્તિ, બહાદુરી વીરતા।

મરદુમી (સં) દેખો મરદાઈ.

મરદેઆદમી (સં.) કુલીન, સદ્ગૃહસ્થ, સજન, ઉચ્ચકુલોત્પન્ન, ભલામાનુસ, જેન્ટલમન, બહાદુર।

મરનાર (વિ.) મરનેવાલા, મૃત, પરલોકપ્રાપ્ત, સ્વર્ગપ્રાપ્ત।

મરવત (સં.) મુરવ્વત પ્રેમ, સ્નેહ મુહબ્બત, છોહ, મુરીલ્લત।

મરવું (ક્રિ.) મરના, મૃત્યુપાના, અંતિમ સ્વાસ લેના, દેહત્યાગના, પ્રાણછોડના, ગુજરના, શરીરાન્ત હોના, પરલોકવાસ કરના, સૂખજાના, કુમ્હલાજાના, કષ્ટદેના, દુઃખપાના, કમીહોના, નષ્ટહોના, મરણા, સડના, નુક્સાનસહના, પરિશ્રમકરના, સ્થાનચ્યુતહોના, ભસ્મકરના ફૂંકના, તાકતવર કરના, અધીરહોના વ્યાકુલ હોના

મરવી (ક્રિ.) ચૂરવો, અલગવો ।
મરવો (સં) છોટેનીબૂકે બરાબર કડવી આમકી કેરી, એક પ્રકારકા વૃક્ષ, દેના મરુઆ, ઇસકૂલકે પત્તે અત્યંત સુગંધિત હોતે હૈં ।
મરસીઆ (સં.) કિસીપ્રિયિકે મનુષ્યકે સ્મરણમેં ગાયા જાનેવાલા ગીત । શોક સૂચક ગાયન ।
મરસીયો (સં) પૂર્વવત્ ।
મરહુમ (વિ.) મૃત, મરાહુવા, સ્વર્ગસ્થ ।
મરાઠા-ઠો (સં.) મહારાષ્ટ્ર મેં રહને વાલા આદમી, દાક્ષિણી, મરહટ્ટા ।
મરાઠણ (સં.) મરહટ્ટેકી સ્ત્રી, મરહટન, દક્ષિણી સ્ત્રી ।
મરામત (સં.) મરમ્મત, સુધાર, જીર્ણોદ્ધાર, રિપેઅરી દુરુસ્તી ।
મરાવવું (ક્રિ.) મરાના, કુટાના, પિટાના । [મરાના ।
મરાવું (ક્રિ.) કુટના, પિટના,
મરાળ (સં) એક પ્રકાર કા પક્ષી, રાજહંસ, હંસ ।
મરાળી (સં.) હંસિની, મરાલી ।
મરાસ (સં.) બેપારી, બારાસ, વ્યવસાય । [ખિદારી ।
મરાસગીર (સં.) બારિક, ઉતરા-
મરિ (સં.) કાલીમરચ, સફેદમિર્ચ એક પ્રકારકી ઔષધિ વિશેષ ।
મરીજવું (ક્રિ.) અલગહોના, મૃતુસમાન દુઃખપાના, ઠંડાહોના
મરીમરવું (ક્રિ) મુદ્દતસે અપના સારાબલ્લાના ।
મરીમરવું (ક્રિ.) બડબડ, પૂર્વક કુછ બકતે રહના ।
મરીને મંડાણો બેવાય મરીને રહકર જીવિત રહના અચ્છા કિંતુ ધનવાન હોકર મરના ઠીક નહીં ।
મરી મસાલો (સં.) મિર્ચમસાલા, બઢાકર કહી હુઈ બાત ।
મરી મસાલો ભૂરવો (ક્રિ.) અતિશયોક્તિપૂર્વક કથન, બઢાબઢા કર કહના, નમક મિર્ચ મિલાના ।
મરોડિયો-ડીઓ (સં) ચૂડીવાલા, ચૂડી બેચને ઔર પહિરાનેવાલા, મણિહાર ।
મરોડી-ડી (સં.) પર્ણકુટી, ઝોંપડી, મઢૈયા, પર્ણશાલા, કુટિયા ।
મરોઠી (સં.) મરહટ્ટી ભાષા, મહારાષ્ટ્ર દેશકી લિપિ ઔર ભાષા, એક પ્રકારકા વૃક્ષ, ઔષધિ વિશેષ ।
મરોઠો (સં.) મરહટ્ટા, મહારાષ્ટ્રસ્થ ।
મરેલું (વિ.) મૃત, મરાહુવા, મોમેલું ।

મરેા (સં.) મૃત્યુ સમાન દુઃખ, બુરી હાલત, દુર્દશા, અત્યંત ક્લેશ ।
મરેાડ (સં.) ઐંઠ, વલ, સ્વરૂપ, આકાર, ઢાલ, ઢંગ, ઢાંચા, અકડ ।
મરેાડવું (ક્રિ.) દેખો મરડવું ।
મર્દન (સં.) માર્જન, સ્નાન, નહાન ।
મર્ત્ય (વિ.) નાશવન્ત, કાળવશ, અનિત્ય, મરણાધીન, મરણધર્મા, (સં.) મનુષ્ય, આદમી, માનવ ।
મર્દન (સં.) મલન, રગડન, ઘિસન ।
મર્મ (સં.) રહસ્ય, ભેદ, અભિપ્રાય, આશય, સન્ધિસ્થાન, જીવનસ્થાન, ગુહ્ય, અંતઃકરણ, તાત્પર્ય ।
મર્મજ્ઞ (વિ.) મર્મવેત્તા, રહસ્યજ્ઞ, તાત્પર્ય જ્ઞાતા । [મર્મ, ગુહ્યાર્થ ।
મર્મભેદ (સં.) ગૂઢ અર્થ, ગુપ્ત
મર્માળ–ળુ (વિ.) મહત્વપૂર્ણ, રહસ્યયુક્ત ।
મર્યાદશીલપત (સં.) સુશીલતા, વિનય, લજ્જા, શર્મ, શીલ ।
મલ (સં) દેખો મલ
મલકટ (સં.) અંગિયા યા કંચુકી કા છાતી ઉપર કા ભાગ વિશેષ ।
મલમ (સં.) મલ્હમ, દૂધકે ઉપર મલ્હી કે કારણ જમી હુઈ ઘર ।
મલકવું (ક્રિ.) હસવા, મર્મભેદ હાસ્ય કરના, મુસ્કાના, પ્રફુલ્લિત હોના ।
મલકાવવું (ક્રિ.) હંસાના, ખિલાના, પ્રફુલ્લ કરના, પ્રસન્ન કરના ।
મલકાવું (ક્રિ.) હંસના, મુસ્કરાના, મન્દહાસ્યકરના, મુગ્ધ હોના ।
મલકું (સં.) મટકી (ઝાલકી) ।
મલકું (વિ.) ગર્વ મેં ઔર કિસી હર્ષ મેં ચલતા ફિરતા । ઠાઠમેં કિસી ઉમંગ મેં ચલતા હુવા ।
મલમ (સં.) લેપ, પ્લાસ્ટર, અવલેહ, દરદ પર લેપન કરને કી દવા, મરહમ, મલ્હમ, મલમ ।
મલમપટ્ટો (સં.) મલ્હમપટ્ટી, મલમ લગાકર પટ્ટી બાંધના, ઝાતિર તવજ્જોહ ।
મલયાગર (સં.) માલબાર દેશકા ઉત્તમ ચન્દન કાષ્ઠ ।
મલયાગરૂ (સં.) ચન્દન કી સુગન્ધ, ઉત્તમ મે ઉત્તમ સુગંધ ।
મલાઈ–ઈ (સં.) દૂધ કે ઉપર જમી હુઈ ઘર, સાર, સત્વ, તત્વ ।
મલાજો (સં.) મુંહાજો દેખો ।
મલાવટી (સં.) મિષ્ટ ભાષણ, પ્યારી લગે ઐસા વાર્તાલાપ, ચાપલૂસી ।
મલાવવું (ક્રિ.) દુલારના, પુચ-

कारना, प्रकुपित करना, अतिशयोक्ति करना।

मलावेा-वी। (सं.) अतिशयोक्ति, दुष्कर, पुरुषकार, पूर्ति।

मलिका (सं.) रानी, महारानी, बादशाही, मोगरा, पेड़विशेष।

मलीदा (सं.) मलीदा, चूरमा, एक प्रकारकी मिठाई, खूब घृत और शर्करायुक्त गेहूं के आटे का पदार्थ विशेष, तरमाल।

मलिन (वि.) मैला, धुंधळा, अस्वच्छ, उदास, मलयुक्त वस्तु, मलदूषित, कृष्णवर्ण, पापगर्हित, गंदा, दूषित, साफ नहीं।

मलिनता (सं.) मालिन्य, बिरस्ता अप्रफुल्लता।

मलीन्नाइ (सं.) देखो मलीभाभर।

मलीन्नेइ (सं.) घास लकड़, इत्यादि नदीमें बहना।

मलुइ (सं.) उत्तम, श्रेष्ठ, अच्छा भला, आश्चर्यकारक, मुल्क, देश, वतन। [श्रीमान्, सज्जन पुरुष।

मलेइ (सं.) अमीर, उमराव,

मलै (सं.) देखो मलाई।

मलोथु (सं.) चर्खेमें घुमाते समय माल न सरक आवे इस वास्ते लगाई हुई पोली लकिरां जिन्हें घोड़ा भी कहते हैं।

मल्ल (सं.) पहलवान, कुस्तीबाज पुष्ट बलवान मनुष्य, पट्ठा, अखाड़े। (वि.) मजबूत हृष्टपुष्ट, फुरतीला।

मल्लिका (सं.) छोटे बेर।

मल्हावणु (कि.) समाना, भरना, समाजानेका उद्योग करना।

मल्हारावणु (कि.) पूर्ववत्।

मल्हाइणु (कि) पूर्ववत्।

मस (सं.) बहाना, मिस, निमित्त, मिथ्याकारण प्रदर्शन, छल, कैतव, कपट।

मसक-सा (सं.) पानी भरनेके लिये बनाई हुई बकरे बकरीकी समूची खाल, चमड़ेका वह पात्र जिसे भिश्ती कमरपर रखकर पानी ले जाता आता है। मश्क, कोल।

मसगुल (वि) संलग्न, भिड़ाहुवा लगाहुवा, तल्लीन। [हंसी

मसखरी (सं.) दिल्लगी, मजाक,

मसखरा-री भेा२ (सं) दिल्लगीबाज़ हंसमुख, मजाकी, आनन्दी।

मसरू (सं.) रेशमी जरीदार रंगीन वस्त्र विशेष।

मसहूर (वि.) विख्यात, प्रख्यात, प्रसिद्ध, जाहिर, प्रकट।

મહામત (સં.) મેહનત શ્રમ, પરિશ્રમ, મજૂરી, મજદૂરી, રોજ ।
મહામતી (વિ.) મેહનતી, પરિશ્રમી ।
મહાનુ (સં.) સ્મશાન, મુરદાઘાટ મુર્દે જલાનેકા સ્થાન, મરઘટ ।
મહાબિયા (સં) થોડે ઘીકે લડ્ડૂ, રાજોડિયા લડ્ડૂ ।
મહાબિયા (સં.) પૂર્વવત્ ।
મહાબિયા-ઓ (સં.) મુર્દા ઉઠાકર સ્મશાનભૂમિકો લેજાનેવાલે, ગંદા મનુષ્ય, મ્લેચ્છ મનુષ્ય ।
મહાલ-સાલ (સં) પલીતા, કપડે લપેટકર બનાયાહુવા જલાનેકે લિયે પલીતા, ઉલ્કા ।
મહાલચી-જી (સં.) મસાલ જલાકર પ્રકાશ બતાનેવાલા, પલીતા ઉઠાનેકા કામ કરનેવાલા, હજામ
મહાલી (સ.) પૂર્વવત્
મહાલા (સં.) દેખો મસાલો ।
મહી-સી (સં) કાજળ, મિસ્સી દાંત સાફ કરનેકી દવા । જિસકે રગડ઼નેસે કાળે દાંત હો જાતે હૈં ।
મહીમાઇ (વિ.) દેખો મસિમાઇ ।
મહીજોષ (વિ.) દેખો મસિજોષ ।
મસ (વિ.) અધિક, વિશેષ, જિયાદ, આવશ્યકતાસે બહુત બના (સં.) મસ્યા, ઇચ્છા, માંસગ્રંથિ મિસ, બહાના, છદ્મ, કૈતવ, કપટ
મસકો (સં.) મક્ખન, માખ, નવનીત । ખુશામદ, ચાપલૂસી, । લચ્છો પત્તો ।
મસકો લગાઓ (ક્રિ.) ખુશામદ કરના, મિથ્યા પ્રસંશાદ્વારા પ્રસન્ન કરના, ચાપલૂસી કરના, લચ્છોપત્તો કરના ।
મસકુ (સં.) તાના, ઉપાલંભ, ઉલાહિના, દૂસરેકો ક્રોધ હો ઐસી બાત કહના ।
મસતાન (વિ.) મોટા, નિર્ભિત, પુષ્ટ, મસ્ત, બેપર્વાહ ।
મસતી (સં.) ઘમણ્ડ, ગર્વ, ચાંચલ્ય, બદી, બુરાઈ, નુકસાન ।
મસતી ખોર (વિ.) હાનિપ્રદ, બુરા દુષ્ટ ।
મસનદ (સં.) ગાદી, તલ્પ, સિંહાસન
મસમસાનું (વિ.) અત્યંત સુગન્ધયુક્ત ।
મસમસાવું (ક્રિ.) સુગન્ધ ફૈલના, મહંકના, ખુશબૂ ઉઠના ।
મસહ (સં.) દેખો મશહ ।
મસલત (સં.) સલાહ, વિચાર, ઇરાદા, મનસૂબા, પરામર્શ ।
મસલતીઓ (સં.) મંત્રી, સલાહકાર, પરામર્શદાતા ।
મસવાડા (સં.) ગર્ભસ્થિતિ, ગર્ભકે દિન, માસ, મહીને ।
મસવાડી (સં) એક પ્રકાર કા પશુઓં પરકર, મ્યૂનીસિપલ ટેક્સ વિશેષ ।

મસાણું (સં.) પિછવાડા, ઘરનો પાછેનો ભાગ, ઘરનો પૃષ્ઠભાગ ।

મસાણો (સં.) ગોંદરેના પાછેનો ભાગ ।

મસળવું (વિ.) રગડવું, મસળવું, દબાવું, નિચોડવું, ગોંદવું, ગૂંદવું, મારમારીને અધમરો કરવો, મર્દન કરવું ।ચોળવું, મર્દન કરવું

મસળાવવું (ક્રિ.) રગડાવું, મસળાવું

મસાણ (સં.) સ્મશાન, મરઘટ, મુર્દા બાળવાનું સ્થાન, મસાન ।

મસાણ બોલાવવું (ક્રિ) કોઈ આશ્ચર્યકારક કાર્ય કે જિયે પિશાચ બોલાવવું ।

મસાણમાં જવું (ક્રિ) મરવું સમાપ્ત થવું, અંત્યેષ્ટી સંસ્કાર માં જવું ।

મસાણમાંથી જેમ કાઢેલો (વિ.) મૃત, બિલકુલ અશક્ત, મૃતવત્ ।

મસાણિયો (સં.) જુઓ મશાણિયો

મસાણી (સં.) સ્મશાનવાસી, દુષ્ટ નીચ, સ્મશાન સમ્બન્ધી વસ્તુ વિક્રેતા ।

મસાલો (સં.), મસાલા, વિવિધ વસ્તુઓ, કિસી પદાર્થ કો ઉત્તમ બનાને કે લિયે અન્ય પદાર્થ વિશેષ, મસક વિગેરે ઇ૦ ।

મસાલો કાઢવો (ક્રિ.) કૂટવું, મારવું, કુટાવવું, બનાવવું ।

મસાલો પૂરવો (ક્રિ.) હિલાવું, ઉશ્કેરવું, ઉભાડવું, ચલાવું । દમ્પટી દેવી ।

મસાલો ભભરાવવો (ક્રિ૦) પૂર્વવત્ ।

મસિયાઈ (વિ.) મામાકી બહિનકે, મૌસીકે (પુત્ર પુત્રી ઇ૦)

મસિયેણ (વિ.) મૌસીકી (પુત્રી) મામાકી બહિન કી (બેટી) ।

મસી (સં.) વૃક્ષો પર રહેનેવાલા એક પ્રકાર કા જીવ, ગલોં મેં એક પ્રકાર કા રોગ જિસસે ઉસકે પત્તે કાલે હો જાતે હૈં । કાજલ, મિસ્સી, કાલા દંતમંજન ।

મસીદ (સં.) મસ્જિદ, ખુદાકો સિજ્દા કરનેકા મંદિર, મકબરા, દરગાહ ।

મસો (સં.) મસ, મસ્સા, મસા, દાના, માંસગ્રંથિ, રોગવિશેષ । હરસ, અર્શ, પત્તોંપર ઉઠી હુઈ છોટી ગઠાનેં ।

મસોતું (સં.) ચિથડું, કપડે કે ટુકડે કપડે કે ટુકડે જો ગરમ વસ્તુ ચૂલે પરસે નીચે ઉતારને કે કામ આતે હૈં ।

મસ્કતી (વિ.) મસ્કત બંદર નાદ સે સંબંધ રખનેવાલા ।

મસ્ત (વિ.) મદોન્મત્ત, નશે મેં ઉન્મત્ત, શરીર મેં પુષ્ટ, બલવાન, કામી, રસમસ્ત, પાવક ।

भरतः भूमि डरणी (क्रि.) माथा-फोड़ करना, सिरपच्ची करना, सिर काटकर और देवताको भेट करके पूजन करना ।

भरतवाक्य (वि.) घमण्डी. अहङ्कारी ।

भरताई (सं.) देखो भरती ।

भरतीभोर (वि.) तूफानी, चंचल, मस्तान, उन्मत्त ।

भरतनट (सं) बैठक, तख्त, सिंहासन, तकिया, तोषक्, मसंध, लोटन ।

भरभूप (वि.) मुल्तवी, बन्द, बीच में डालना, थोड़ी देरको ठहराना ।

भरत (वि.) श्रेष्ठ, बड़ा, मान्य, पूज्य, माननीय, श्रद्धेय, भारी ।

भरताश्व (सं.) एक प्रकारकी अतिश बाजी, रुपलावण्ययुक्त स्त्री ।

भरत्व (सं.) बड़ापन, श्रेष्ठता, उच्चता, प्रतिष्ठा, मानमर्य्यादा, महिमा, ऐश्वर्य्य, वैभव, प्रभाव, शोभा, गौरव ।

भरता-ताई (सं.) पूर्ववत् ।

भरभरवुं (क्रि.) महंकना, सुगन्ध आना, खुशबू फलना ।

भरर (सं.) ताना, मर्मवचन, उपालंभ, उलाहिना ।

भरई (सं.) पूर्ववत् ।

भरहर (वि.) मशहूर, प्रख्यात, प्रसिद्ध, नामांकित, विख्यात ।

भरभरी (वि.) महसूल विषयकी करसम्बन्धी । [किराया ।

भरभरुल (सं.) टेक्स, कर,

भरा (वि.) बड़ा, उत्तम, श्रेष्ठ, महान् । माघनामक महीना ।

भराजनिधुं (वि.) बेधनी, छाबा-रिश, अबारा । [माद ।

भराड (सं.) एक प्रकारका राग,

भराल (वि.) पराजित, हाराहुवा, जेलमें पड़हुवा, बंधाहुवा, रुकाहुवा ।

भरालपी (सं.) सप्तपातालोंमें से एक चतुर्थ अधोलोक ।

भरालभ (सं.) उपकारिता, उपयोगिता, प्रसिद्धि, बड़ाई, तारीफ, गुण ।

भरान् (वि.) देखो भरत्

भरानुभाव (सं.) महाशय, प्रसन्नहृदय, विशालहृदय ।

भराभ्रज (सं.) संख्या विशेष, सफेद कमल, स्वेत पद्म ।

भराभाषु (सं.) जो अक्षर कुछ ज़ोर लगानेसे बोले जावें, ख, छ, झ, ठ, ढ, थ, ध, फ, भ, ष, ष, स, ह ।

भराभारत (सं.) इस नामका एक बड़ा वीररस्य पूर्ण काव्य, पांडव

और कौरव के युद्धकी कथा का काव्यग्रंथ, (वि.) कठिन, दुस्तर अपार ।

महाभला (सं.) एक वनस्पति विशेष, आंते वाला नामक एक औषधि ।

महाभीम (सं.) पारद, पारा ।

महाभेा (सं.) वज़न, बोझा, भार ।

महाभाग (सं.) भाग्यशील, भागवान, सदाचारसम्पन्न, खुश-किस्मत ।

महाभूत (सं.) पंचभूत, (१) पृथ्वी, (२) जल, (३) तेज, (४) वायु और (५) आकाश । परमात्मा, ईश्वर ।

महाभोटयुं (सं.) वह रात्र जोव-रात बिदा होते समय पापड़ और बड़ी (मुंगोड़ी) से भरकर भेजा जाता है ।

महामारी (सं.) प्लेग, विशूचिका हैजा, चेचक, इन्फ्लुएंजा, मरी, वह रोग जिसमें लोग बहुत मरें ।

महारथी (सं.) महान् योद्धा, ११००० धनुर्धर योद्धाओंके साथ अकेला युद्ध करनेवाला वीर ।

महाराष्ट्र (सं.) देश विशेष, मरहठोंके रहनेका देश, नर्मदाके दक्षिण तथा कर्नाटकका उत्तरी प्रदेश भाग ।

महाल (सं.) परगना, जिल्हा प्रांत.

महालक्कानी-करी (सं.) जिलेका अधकारी, परगना आफिसर ।

महालवुं (क्रि.) देखो आलवुं ।

महालानिहाल (क्रि. वि.) सारे प्रांतमें ।

महावत (सं.) हाथी हांकनेवाला फीलवान, हस्तिपक, हाथीवान ।

महावश (सं.) पूर्ववत् ।

महावरो (सं.) अभ्यास, टेव, आ-दत, सहवास, व्यवहार, प्रचार, रीति, परिचय, परंपरागत, प्राक्टीस

महावाक्य (स.) ब्रह्म प्रतिपादक वाक्य (उपनिषदमें) ।

महावीर (सं.) हनुमान, वीरयोद्धा गरुड, जैनियोंका अंतिम २४ वां तीर्थंकर । एक जैनसाधु ।

महाशय (वि) उदार अच्छेदिलका उदाराचेता (सं.) दाता, महापुरुष महानुभाव, जनाब, श्रीमान् ।

महिना (सं.) गर्भ, हमल, गर्भ-स्थितिसे प्रसव होनेतकके दिन, दिन, बारह महीनोंका गीत, मास महीना ।

महिना रहेवा (क्रि.) गर्भ रहना दिन चढना, महीने चढना ।

મહિનાદાર (વિ.) પ્રતિમાસ વેતન લેકર નૌકરી કરનેવાલા ।
મહિનાવારી (સં.) હરમહીનેકા ખાંક નિકાલના તથા લિખના ।
મહિનાવાલી (સં.) ગર્ભવતી, સગર્ભા, પેટસે, હમલવાલી ।
મહિનાવાળો (સં.)દેખો મહિનાદાર
મહિનેમહિને (ક્રિ. વિ.) પ્રતિમાસ હરમહીને, માસે માસે ।
મહિનો (સં.) ૩૦ દિનોકા સમય માસ. ૧૨ વાંવર્ષ, દેખો મહિના ।
મહિનોઠરાવવો (ક્રિ.) વેતન નિશ્ચય કરના ।
મહિનારહેવા (ક્રિ.) ગર્ભ રહના, પેટરહના, સગર્ભાહોના, ગ્યાભન હોના ।
મહિનો આવવો-બેસવો (ક્રિ.) ઋતુકાળ પ્રાપ્તહોનેકી અવધિ પૂર્ણ હોના ઋતુમતીહોના, રજોદર્શન હોના, માસિક વેતન મિલના ।
મહિમાવાન (વિ.) યશસ્વી, પ્રતાપી, તેજસ્વી, પ્રશંસનીય ।
મહિયર (સં.) પીહર, સ્ત્રીકે પિતા કા ઘર, મૈકા, કાહુકા જીવ વિશેષ ।
મહિયારી (સં.) દહીંદૂધ બેચને વાલા સ્ત્રી, ગ્વાલિન, ગોપી, ગોવિંદ કુટુમ્બકી પૂજન કરનેવાલી સ્ત્રી ।
મહિયેર (સં.) દેખો મહિયર ।
મહી (સં.) પૃથ્વી, ભૂમિ, ગઉ, ગાય, એક નદીકા નામ, છાસ, દહી, (ક્રિ. વિ.) ઔપર, અન્દર મેં ।
મહીમથનિયું (સં.) દધિ મથન કરનેકી હાંડી યા મટકી ।
મહુડી (સં.) મહુવેકા છોટા પેડ, શરાબ ।
મહુડું (સં.) મહુ એ કા ફૂલ, ઇસકી શરાબ બનતી હૈ ।
મહુડો (સં.) મહુવા વૃક્ષ, એક વૃક્ષ વિશેષ ।
મહુવર-ભાવર (સં.) બાજીગરકી બાંસરી, તુમડીકા બાજા, સાંપ વાલોંકા પૂંગી ।
મહેરામણ (સં.) સમુદ્ર, સિંધુ ।
મહોત્સાહ (સં.) બડ઼ાભારી ઉત્સાહ ।
મહોલ્લો (સં.) ટોલા, પુરા, પાડ઼ા જત્થા, બાજાર, ચકલા, મોહલ્લા ।
મહોર (સં.) સ્વર્ણમુદ્રા, અશર્ફી, પાઉન્ડ, સાવરિન, ગિરની, ૧૫ રૂ. કા એક સિક્કા વિશેષ ।
મળ (સં.) કચરા, કૂડાકર્કટ, મૈલ, ગંદીવસ્તુ, ગૂ, મિટ્ટ, ગંદ, પાખાના, ઇત્યાદિ ।

मळी (सं.) वहावसे बची हुई कीच, मही रेती इत्यादि ।

मळुं (वि.) अत्यंत कीचडयुक्त, जरा मैला (पानी) ।

मळूमळुं (वि.) मैला, गंदला, अस्वच्छ । [चूमेल ।

मळूसिधुं (वि.) जो मळको

मळो (सं.) सहवास, मिळाप, मुलाकात, स्नेहप्रीति ।

मळतर (सं.) पैदायश, आमदनी, लाभ, कमाई, प्राप्ति, नफा, फायदा ।

मळतावडुं (वि.) मेळ मिलापी, मिलनसार, सामाजिक, यारवाश, आनन्दी, हंसमुख ।

मळतियो (सं.) संगी, साथी, सोहबती, मित्र, भाईबंधु, जोडीदार ।

मळतावडो (सं.) एक दूसरेके मिलते हुएग्रह, (ज्योतिषशास्त्रे) ।

मळद्वार (सं.) गुदा, मूलद्वार, विष्ठाद्वार, गांड, पून, पोंद ।

मळमास(सं.)अधिकमास, पुरुषोत्तम मास, प्रत्येक डाई वर्षके पश्चात् आनेवाला महिना, अधिमास, लौंद

मळविकार (सं.) दस्तसाफ न होनेका रोग, मलावरोध, कब्जकुशा ।

मळवाळवुं (क्रि.) भेटने जाना मिळने जाना, दर्शनार्थजाना ।

मळवुं (क्रि.) मिलना, प्राप्तहोना, आमदहोना, लाभहोना, पैदाहोना, पाना, साथहोना, एकत्रहोना, जुडना, एकमतहोना, सम्बंधहोना, प्रेमहोना, स्वभावगुण और विद्यामें समान होना, अंतरमिटना, भेदभाव दूरहोना, अनुकूलहोना, आमनेसामनेहोना,हाथलगना, एकरस होना, तल्लीनहोना ।

मळवाभाधनीप्रीत (सं.) नाममात्रकाप्रेम, मुख देखेकी प्रीति ।

मळतावडो (सं.) मेल, प्रेम, प्रीति ।

मळतीपांती (सं.) मिलाप, संघ, ऐक्य, मिळती जुळती प्रकृति ।

मळशुद्धि (सं.) दस्तसाफ, मलरोग हीनता, पेट सफाई, मैलशुद्धि

मळसुं (सं.) भोर, प्रातःकाल, मिनुसारा, सवेरा, तड़का ।

मळसूत्री (सं.) पेंच, चक्कर, फेर ।

मळसूत्री (सं.) पेचीदा, चक्करदार ।

मळावरोध(सं.) कब्ज, बद्धकोष्ठता, बदहज्मी, उदरमें मलविकार

मळाश्रय (सं.) घर जेसाजगह जहां पर मल रहता है, मलाशय ।

મળિયાગર (સં.) उत्तम प्रकारका चन्दनकापेड, या काष्ट । यह मलयाचल पर्वतपर मालाबार प्रांत में पैदा होताहै।

મળી (स) गाड़ीके पहियेमेंका कीठ, ओंगन, हनुमान भैरव आदिकी मूर्तिपरका कीट, कपड़े भरनेका थैला विशेष।

મળીને (क्रि. वि.) साथ. इकट्ठे, एक मत होकर, मिलकर।

મળીઆવવું (क्रि.) मिळआना, भेट करके आना।

મળીજવું (क्रि.) मिळजाना, इकट्ठा होना, दर्शन करके लौटना, सम्मिळित होना, जुटना।

મળેલ (वि.) पाने योग्य प्राप्त होसिळ करने लायक।

માં (अ.) भीतर, मोंही, अन्दर, मे मध्ये, मंझार, सप्तमी विभक्तिका प्रत्यय, नहीं, ना, मत, न।

માંકટ (सं.) खटमल, स्वेदज जन्तु विशेष, बन्दर, कपि, प्रायः चार पाई और सोने बिछानेके वस्त्रोंमें रहताहै।

માંકડી (सं.) चूल, चर्खामे काठका लगावाहुवा छिद्रयुक्त टुकड़ा, मानो, चर्खामेंकी वह लकड़ी जिसमें कोंला घूमता है, एक प्रकारकाजीव मकड़ी, बँदरिया, बाँदरी, मर्कटी, भूरीभैंस, एक प्रकारका चर्मरोग।

માંકડી કૂકડી (सं.) एक प्रकारका बड़ी पूंछवाला जीव जिसके मूत्रके लगजानेसे सफेद फफोले हो जातेहैं

માંકડું (सं.) लाल मुहं तथा छोटी पूंछवाळा बन्दर, मर्कट, कपि, कीश, वानर, शाखामृग, चूजना।

માંકણ (सं) देखो માંકડ।

માંકણીઉં (सं.) वहकाष्ट जिसमें खटमल घुस बैठते हों।

માંખ (सं.) मक्खी, मक्षिका।

માંગ (वि.) आठके लिये व्यापारियोंका सांकेतिक शब्द। बड़े बड़े नगरोमे किसी अवसरपर कांसीकी थाळीमें दो बालक चित्र बनाते हैं वह। एक नीच जाति के गलेमें कौड़ियां बांधकर भीख मांगती है। बालोंको संवारना। पट्टी करना सिरके बालोंको बीचसे दो भागोंमें बांटना।

માંગણ (सं.) भिक्षुक, भिखारिन, मंगती, देखो भाગણ।

માંગધી (सं.) व्यापारियोंका अठारह संख्याका सांकेतिक शब्द।

भांभस्य (सं.) शुभकार्य, मंगळ ।
भांभलिक (वि) शुभ अवसर, मंगळकारक, शुभप्रद ।
भांभु (सं.) विवाहकी मंगनी (लड़केवालेकी ओरसे ।)
भांभेरी (सं.) मछवा, मछली पकड़नेवाला
भांभ (सं.) खाट, पलंग, चारपाई पर्य्यंक, पीढा, खटोळा, मंच, तख्त, तखत, चौकी ।
भाभ्यडे। (सं.) देखो भांभे। ।
भांभी (सं) छोटी खाट, पीढी, खटिया, खटोला ।
भांभे। (सं.) देखो भांभ ।
भांभ२ (स.) मंजरी, बौर, मुकुळ कली, कोढी, जूतोंमें तलतला, चमड़ोंके टुकड़े जो जूतेमें पैरों के आरामके लिये रखे जाते है। मुर्गेके सिरके ऊपरकी कलगी । जटा, बिल्ली, बिलाव, बिड़ाल ।
भांभर (वि.) बिल्ली कीसी आंखों-वाळा, कुछ पीळी आंखोंवाळा भूरी आंखोंवाळा, छुचा ।
भांभरु (कि.) बिसकर साफ करना, मांजना, मार्जन करना, शुद्ध करना ।
भांभेलु (वि.) उज्ज्वळ किया हुवा, साफ कियाहुवा, मार्जित ।
भांटी (सं.) पति, स्वामी, धनी, वर, पुरुष, भार्विद, खसम ।
भांटीऽा (सं.) पूर्ववत्, मनुष्य, पुरुषवर्ग, लोग ।
भांड (सं.) शोभाके लिये रखेहुए, पात्र । (वि.) मिथ्या व्यर्थ, (कि. वि.) बड़ी कठिनतापूर्वक ।
भांडशु (सं.) गांवके पासका पानी भराहुवा गड्ढा जिसमें भैंस सुअर इत्यादि पशु पड़े रहते हैं ।
भांडणी (सं.) तजवीज, व्यवस्था ।
भांडभांड (कि. वि.) जैसेतैसे, बड़ी कठिनाईसे, सहज ही ।
भांडना मुहूरत (सं.) विवाह संस्कारके लिये मंडप बनानेका शुभ समय ।
भांडलिक (वि.) छोटे छोटे राजा, चक्रवर्ती राजाका अधिकार माननेवाळे राजा, करद राज्य ।
भांडणी (सं.) जकात लेनेकी जगह, घरके आगे बनाई हुई ऊंची बैठक, जहांरात्रिमें घरका गानेके लिये दीपक रखनेकी लक-डीकी रविट । सावर-घर ।

માંડવીનો (સં.) નાકેદાર, સાયર વાલ્વ, ઉકાતલેનેવાળા, કન્યા પક્ષનો મનુષ્ય (વિવાહમે)મંડેતી ।

માંડવું (ક્રિ) આરંભ કરના, શુરુ કરના, રચના, યુક્તિપૂર્વક કરના, લિખના, સ્થાપિત કરના, નામાનિકાલના, શોક પ્રદર્શનાર્થ નાતેરિશ્તેદારોંકો એકત્ર કરના, સુલગાના, ભડકાના, કરના ।

ભોંમાંડવું (ક્રિ.) ધ્યાનપૂર્વક સમઝના, ખાના પગમાંડવા (ક્રિ.) પૈરોં ચલનાઆના માંહમાંડવી(ક્રિ) બૈઠના, કાનમાંડવું (ક્રિ.) સુનના શ્રવણ કરના, વાતમાંડવી (ક્રિ.) બાત પ્રારંભ કરના નામું માંડવું (ક્રિ.) નામે લિખના. દુકાન માંડવી (ક્રિ.) નઈદુકાન ખોલના, વ્યાપાર આરંભ કરના, વેશ્યાવૃત્તિ કરના, (ઔરતોંકો) ભોંઠેમાંડવું (ક્રિ.) મુહંલગાકર પીના. સંસાર માંડવુ (ક્રિ.) ગૃહસ્થાશ્રમમેં પડના।

માંડવો (સં.) માંડવા, મણ્ડપ, મઢવા, લતામવન, આચ્છાદિત ભવન, વિવાહ ઇત્યાદિ ઉત્સવોંપર બૈઠનેકે લિયે બનાઈહુઈ બૈઠક ।

માંડવો ઉભો થવો (ક્રિ.) વિવાહ યોગ્ય લડકી હોના । [પદાર્થ ।

માંઠા (સં.) એક પ્રકારકા ખનિજ

માંડીવાળવું (ક્રિ.) બનાડાલના કરડાલના, દેડાલના, રચના ।

માંધુ (સં) મોયણ, મોવન, કિસી પદાર્થમેં નરમાઈ પૈદા કરનેકે લિયે ઉસકે બનાનેકે પૂર્વ ઉસકે આટેમેં તેલ અથવા ઘૃત મિલાના, ઈખ, જુવાર ઇત્યાદિકા વિષ, સાંઠેકે ઊપરકા ભાગ, અચ્છી તરહ રખે હુવે પાત્ર, પાની ભરનેકા ઘડેસે બડાબર્તન । [અસ્વસ્થતા ।

માંદગી (સં) બીમારી, રોગ, પીડા

માંદુ (વિ.) બીમાર, રોગી, અસ્વસ્થ ।

માનત (સં) દેખો મહત

માંય (ક્રિ. વિ.) ભીતર, અંદરમેં ।

માંસ (સં.) પલલ, અમિષ, ગૂદા, ગોશ્ત, માસ, મિંદી ।

માંહિ-હે (ક્રિ. વિ.) દેખો માંય ।

માંહેલું (વિ.) અંદરકા, ભીતરકા ।

માંહોમાંહે (ક્રિ. વિ) ભીતરહી-ભીતર, ઘરમેં, અન્દર અન્દર ।

માંહ્ય (અ.) તુરંતહી, તત્ક્ષણ, ફૌરન ।

મા (સં.) માતા, જન્મદાત્રુ, જનની। જનેતા, બૂઢી સ્ત્રિયોંકે લિયે માન

सूचक शब्द, बालिदा (कि. वि.) नहीं, ना, मत, न।

भार्ड (सं.) देखो भा।

भाधल (सं.) मील, आधीकोस, ५२८० फुटका माप, ८ फर्लांग।

भाभाजना (वि. मोटी, बडी, महान् बृहत्, दीर्घ।

भाधनो (सं.) भावना, अर्थ, अन्वय, सार, मतलब, टीका।

भाभेनो (सं.) पूर्ववत्।

भाभडंभणुं (वि.) जनना, नामर्द, साहसहीन, रातिसूरत, नाजुक।

भाउ (सं.) देखो भव।

भाऽऽमुंभो (वि.) लालमुहंका, बंदर कीशकका, लंगूरशक्ल।

भाऽऽमुंछो (वि.) बाँकी मूछोंवाळा, टेढी मूछोंवाळा।

भाभ-भी (सं.) मक्खी, मक्षिका, पारदर्शक, पंखवाळा छ पैरोंका एक जीव। [होना।

भाभलिंडवी (कि.) अपशकुन

भाभलेसणुं (सं.) हीन दशामें होना, दंगाली, निर्धनता, दारिद्र्य

भाभमारीने नीचोवणा (कि.) कंजूसीकरना, कृपणता करना, अतिशय दरिद्री अथवा हीन दशामें होना।

भाभोभारथी (कि.) बाळे बैठना, निरुद्योगीहोबैठना, सुस्तहोना।

भाभण (सं.) मक्खन, माखन, नवनीत, ताजा घी, खुशामद,

भाभणिया-यो (वि.) खुशामदी, चापलूस, नरम, पानमें लगानेका उम्दा बेकंकरोंका चूना, मक्खन बेचनेवाला।

भाभणभाऽणुं (कि.) खुशामद, करके प्रसन्न करना, स्वार्थके लिए बेहद चापलूसी करके स्वार्थ सिद्ध करना।

भाभणियो भभत (सं.) मिष्टभाषण द्वारा स्वार्थ साधक, बगुलाभक्त, खुशामदी, मतलबके लिये हदसे अधिक प्रशंसा करनेवाला पुरुष।

भाभण (सं.) पकाहुवा चान्य खाळेयानमें लाकर अंशका तोल होकर सरकारका भाग चुकाना।

भाभीधेणुं (सं.) एकप्रकारका लडूका खेळ, गाळवकर[म] सब लडू रख दिये जाते हैं और जिसके लडूपर मक्खी बैठती है उसके लडूमें सब खेलनेवाले अपने अपने लडूओंकी आरोंसे चोट मारते हैं।

भाभीनोधाप (सं.) एकप्रकारका जीव जो मक्खियोंको पकडताहै।

માખો (સં.) बड़ी हरेरंगकीमक्खी मक्खि, सांड़ ।

માગ (સં.) मार्ग, राह, पथ, पंथ सड़क, रस्ता, बाट, जगह, स्थान, अन्तर, फासला, पैरोंके चिन्होंको देखते हुवे चोरको ढूंढना, खोज ढूंढना ।

માગકાઢવો (ક્રિ.) पैरोंको देख कर चोरी निकालना, चोरके पैरोंके निशानसे चोर पकडना ।

માગણ (સં.) भिक्षुक, भिखारी, याचक, भाटचारण ।

માગણી (સં.) मांग, उगाई, भावमें वृद्धि, लडकीके विवाहके लिये पूछ, ताशके खेलमें मागलेना

માગણીમાટ (સં.) देखो માગણ

માગણું (સ) कर्ज, ऋण, देन, उधार, ।

માગતું (સં.) पूर्ववत्

માગધ (સં.) चारण, भाट, कापटी कत्थक, नकीब, प्रसंशक ।

માગધી (સં.) मगध देशसम्बन्धी एक भाषाजो मगध देशकी है ।

માગણદાર (સં.) लेनदार, अधिकारी, हकदार, मांगनेवाला, भिखारी ।

માગનાર (સં.) पूर्ववत्

માગવું (ક્રિ) दिया हुवा वापिस देने को कहना, याचना, यांचाकरना, चाहना, निवेदन करना, भीख मागना, दान चाहना ।

માગ્યમેહ્યરસવા (ક્રિ.) इच्छित वस्तुमिळना, मनोर्थपूर्ण होना ।

માગીલેવું (ક્રિ.) माँगलेना, ऋण लेना

માગુ (સં.) देखो માગણી

માગુ આવવું (ક્રિ.) कन्यापक्षवालों से विवाह करने के लिये पूछना ।

માગુંઝીલવું (ક્રિ) विवाह करने की स्वीकृति देना ।

માગુમોકલવું (ક્રિ.) विवाह करने को पुछाना । [कार्तिक,माघस्नान,

માઘવટો (સં.) माघमास में करने

માચડો (સં.) देखो માચો

માચી (સં.) देखो માંચી

માચો (સં.) देखो માચડો

માછણ (સં.) मछुहेकी स्त्री, मोई की स्त्री, धीवरी, धींमरी,

માછલું (સં.) मच्छ, मोटी मछली,

માછલેઅંકોડીભરાવું (વિ.) प्राण जाने योग्य ।

માછી (સં.) मछली पकड़ने का धन्धा करनेवाला, मछवाहा, धीमर धीमर

भाजन (सं०) सीमा, हद, अड्डा ।
भाजम (सं.) देखो भाजम
भाजर (सं.) देखो भांजर
भाजरपाट सं.) एक प्रकारका सूतीवस्त्र, नादरपाट [चावल ।
भाजरबेल (सं.) एक प्रकार के
भाजरं (सं.) देखो भांजर
भाजवुं (क्रि.) देखो भांजवुं
भाजी (वि.) पिछला, गत, भूत, विगत, गुजराहुवा, गया, पहिलेका, (सं.) बड़ीमा, दादी वृद्धाजी ।
भाजुफळ (ग.) एकप्रकारकाफळ, औषधि विशेष ।
भाजुभी (वि.) जिसे भाजूनखाने की आदतहो, भाजूम काव्यसनी,
भाजुर (वि.) अन्धा, नेत्रहीन ।
भाजे (सं.) लेही और काच मिलाकर उससे लपेटा हुवा धागाजो पतंगउड़ाने के काम आता है,
भाजम (सं.) एक मादक पदार्थ, भांगको घीमें भूनकर मसाळा इत्यादि डालकर शकर की चाशनी में बनाया हुवा पदार्थ विशेष जिसे खाकर लोग नशेमें उल्लू हो जाते हैं ।
भाजभरात (सं.) घोर अंधेरी रात, तमाच्छन्न रजनी, डरावनी अंधेरी ।

भाजो (सं.) इज्जत, मान, अदब मुलाहेजा, मर्यादा, अन्तर ।
भाट (सं) छाछ, मठा. महीगोरस, एक प्रकारकी भाजी, हांडी, मृत्तिका, कळश, खुराकके लिये मांस (क्रि. वि) वास्ते, लिये ।
भाटरियो (सं.) चूने पत्थर इत्यादिसे नहीं बना हुवा कूवा, कच्चा कूवा ।
भाटली (सं.) मटुका, हंडी, हांडी, मिट्टीका घडा, आषाढ तृतिया के दिन दान विशेष ।
भाटलुं पूरवुं (क्रि.) पापड़बड़ी (मगोड़ी) लग्नका रुपया सुपारी और सवापांचसेर गेहूं जो विवाह के समय देते हैं ।
भाटी (सं.) मिट्टी, मृत्तिका, रज, धूल, पति, स्वामी, बड़ा आदमी, जबर दस्त मनुष्य, मांस, आमिष, गोश्त । [राख होना, मरजाना ।
भाटी थवी (क्रि.) नाश होजाना,
भाटी धांकवी (क्रि.) मिट्टी दबाना, खत गाड़ना, ऐब ढांकना, छुपाना । [डुर, मनुष्य, पुरुषार्थी ।
भाटीडो (सं.) पुरुष, मर्द, बहा-

માટી માણુ (સં.) વહ જદાન જહાં से लीपने के लिये मिट्टी खोदी जाती है। मिट्टी की कान।

માટે (કિ. વિ.) वास्ते, लिये, अर्थ, कारण, सबब, इसलिये।

માઠ (સં.) एक प्रकारकी भाजी। तरकारी विशेष।

માઠી ખબર (સં.) शोक सूचक बनाव, दुष्ट सम्वाद।

માઠું (વિ.) खराब, बुरा, निकम्मा, कुछ कम, कुछ खराब, शोकप्रद।

માઠું લાગવું (ક્રિ) अप्रसन्न होना नाराज होना।

માઠું કરવું (ક્રિ.) बुरा करना, अहित करना। [न्यून।

માઠેરું (વિ.) थोड़ा, कम, अल्प,

માડ (સં.) नारियलका वृक्ष, मोहरा।

માડવું (સં) व्रत उत्सवादिपर स्त्रियों के मोंपर तथा गालोंपर रंग इत्यादि का लेपन, देखो માંડવું।

માડપુત્ર (સં.) गोद लिया हुवा लड़का, दत्तक पुत्र।

માડમાડ (ક્રિ. વિ.) कठिनाईसे, मुश्किलसे।

માંડલિક (સં.) राजपुत्र, राजकुमार, शाहजादा, राजा, समर्थ, बादशाह।

માંડવી (ક્રિ.) देखो માંડવી।

માંડવું (ક્રિ.) देखो માંડવું।

માંડવો (સં.) देखो માંડવો।

માંડા (સં.) ज्वार गेहूंके मिश्रित आटेकी एक प्रकारकी रोटी।

માડી (સં.) मा, माता, अम्मा, जननी, माजी, जनेता, वालिदा।

માડી વાળવું (ક્રિ) कर डालना, निश्चय करना, ठीकठाक करना।

માડો (સં.) रोटीकी पपड़ी, बहुत बड़ी और पतली गेहूंकी रोटी।

માડુઆં (સં.) प्यारेमनुष्य, प्रियजन।

માડુયું (સં.) प्रिय, प्यारा, लाडला।

માણ (સં.) धातुपात्र विशेष जो बाजोंके रूपमें प्रयोग होताहै, जमीर खाई, देखो માણ। हद सीमा।

માણકમાઉ (વિ.) जो कुछ नहीं कमाता हो, आलसी, सुस्त काहिल

માણકી (સં.) एकप्रकारकी घोड़ी, घोड़ीकी जाति विशेष।

માણકોટ (સં.) एकप्रकारका शाद रखकर कथा कहनेवाला व्यक्ति।

માણમાણ (ક્રિ. વિ.) जैसे तैसे, येन केन, देखो માડમાડ।

માણુવું (કિ.) અનુભવ કરવા, પ્રયોગકરીને જોવા, તજુર્બોકરવા।
માણુસ (સં.) મનુષ્ય, માનવ, મનુજ, આદમી, ઇન્સાન, બ્યક્તિ.
માણુસની વર્તુણુકથી નિર્વાહ્યવું (કિ.) વિચિત્ર જીવન નિર્વાહ કરવા, નામર્દહોના, અલફકહોના
માણુસાઇ (સં.) મનુષ્યતા, મનુજતા, ઇન્સાનિયત, ભલમનસાહત, વિવેકદયા, મર્દાઇ।
માણુસજાત (સં.) માનવજાતિ।
માણી (સં) ૧૬ મણનો માપ, તોલ વિશેષ।
માણેકો (સં.) તેલ, ઘા ભરવાનો માટીનો પાત્ર વિશેષ।
માણીઅર (વિ.) વિલાસી, ભોગી, આનંદી, સુખભોગનો ચાહનેવાલા।
માણીતલ (સં.) સુખસ્થાન, શાંતિ ભવન, આરામની જગહ।
માણેક (સં.) રત્ન વિશેષ, માણ, માણિક્ય, રત્ન, લાલ, રત્નમણિ।
માણેકઠારી (સં.) શરદપૂનમ, આશ્વિનશુક્લ ૧૫, શરત્પૌર્ણિમા।
માણો (સં) મોક્ષ આનન્દ।
માત (સં.) મા, માતા, જનની, જોરુ, અમ્મા, અમ્મિ, દેવી મહાત।
માતંગી (સં.) દેવી વિદ્યાની સવારી હાથી છે, હાથિની।
માતબર (વિ.) પૂંજીવાલા, પૈસાવાલા, ધનવાન, શ્રીમાન, પૈસાવાળા।
માતબરી (સં.) ઐશ્વર્ય, આબરૂ, ઇજ્જત, શ્રીમાનતા, બડપ્પન।
માતમ (સં.) મહાસ્મ, ઉપકારિતા, પ્રસિદ્ધી બડાઇ। [સૂત્ર:
માતર (સં.) પેશાબ, મૂતરેલા
માતાંમાવવું (કિ.) શરીરને માતાલાના, કાંપના, હિલવા, ધ્રુજના।
માતાવળાવવું (કિ) વિસે ચૌકી-પર વસ્ત્રસે મંદિર સા બનાકર ઉસમેં જવાહરે ઇ૦ પૂજા સામગ્રી રખકર શુભઅવસર પર માતે બજાતે આકર દેવીકે મંદિરમેં લિયા રખ જાતાંહૈ વહ।
માતાવાવવું (કિ.) ગેહું જૌ ઇત્યાદિ, એક પાત્રમેં બોકર, દેવીકી પૂજા આરંભ કરના।
માતાનોકુકડો (વિ.) બાચાલ બહુત બોલનેવાલા।
માતામહ (સં.) માકા બાપ, નાના।
માતામહી (સં.) માતામહી માકા, નાની। [ચર્ચિત।
માતું (વિ.) મત, મરાહુવા, મુઢ
માતુંતાતું (વિ.) દેખો માતું।

માથેલું (વિ.) ખાનપાન से पुष्ट, देखो माथुंवाधुं । [मदमस्त ।

માથેવો સાંઢ (सं) तूफानी,

માત્રા (सं.) अक्षरोंपर लगाने की रेखायें, स्वर । धातुभस्म जो औषधि के रूपमें काममें लाई जाती है, मोताद, परिमाण, रसायन ।

માત્રાજોણ (सं.) वह हक जोकि साथ रहनेवाले देवर जेठके पाससे बहूके संचित द्रव्यमेंसे खाने पहिरने के लिये विधवा स्त्री मांगती है ।

માત્રાદૂટ (सं.) मांजगड़, सिरपच्ची, व्यर्थ की बकझक ।

માત્રાજોક (सं.) पूर्ववत् ।

માથાદીઠ (अ०) प्रत्येक मनुष्यको, हरेक आदमीको ।

માથાદોક (सं.) देखो માત્રાજોક ।

માથાદુઃખી-ઉં (वि.) खड़े होने पर जिससे सिर फूटे । सिरदर्द ।

માથાનોણ (कि. वि.) समस्त शरीर पर ।

માથા પંધાડું (सं.) वह कपड़ा जिससे पारसी स्त्रियां सिरके बाल बांधती हैं, बांध बांधनेका पट्टा ।

માથાબોલી (वि.) रजस्वला, ऋतु प्राप्ता, मासिकधर्मयुक्त ।

માથાભારી (सं.) सिरमें लगे तेल इ० से साड़ी न बिगड़े इस लिये साड़ी के नीचेकी ओर लगाया हुवा वस्त्र, इस वस्त्रपर तेलसे पड़े हुए धब्बे । आबरू इज्जत, मान ।

માથું (सं.) सिर, मस्तक, ललाट, अग्रभाग, गर्दनसे ऊपरका भाग, कपाल, खोपड़ी, प्रत्येक मनुष्य, मुख्य सरदार, मुख्य स्थान, किसी भी वस्तुका ऊपरी भाग ।

માથા ઉતાર (कि. वि.) सिरसे बोझा उतरने के तुल्य ।

માથા વગરનું (वि.) जिसे अपने सिर की कुछ चिंता न हो, जिसे मृत्युका भी भय न हो । साहसी ।

માથાના કકડા થવા (कि.) अतिशय शिरशूल होना, असह्य सिर दर्द होना ।

માથાના વાગ્યા ખરે જોયું (कि. वि.) बहुत ही बुरा, जो बिलकुल असह्य हो । अत्यंत कड़वी (औषधि) ।

માથાના ભાગ પસાઈ જવા (कि.) बहुत दुःख सहन करना ।

માથાની પૂમડી રહી જવી (कि. वि.) सिरपर भार सहते सहते मजबूत होना,

માથાની માથડી (सं.) अनोखा अगवानी, अगुन्म ।

માથાનું છત્ર (સં.) બાજબહાદુર, બડા, રાવ પુરુષ, બાપજી, પૂર્વજ।

માથાનું મા (સં.) મંત્રાલય ત્રાસ દાયક બાત।

માથાભારે ફરેબી-ઠગિયો (સં.) મન-માના કરનેવાલા, કિસીકા કહા ન માનનેવાલા ઘમણ્ડી ઔર જિદ્દી મનુષ્ય।

માથાનો મુખ્ય-મોભી (સં.) શોભા દેનેવાલા બડા અથવા વૃદ્ધ પુરુષ।

માથાપર (વિ.) સિરપર, બહુત નિકટ।

માથાપર કલેડું ઉંધું પાડ્યું છે-સિરપર હજામત બહુત બઢી હુઈ હૈ।

માથાપર બન બન કરવું (ક્રિ.) સિરજોરી કરના, બહકના, દુઃખ દેના, [ઘૂમના, લટકના।

માથાપર બજવું (ક્રિ) સિરપર

માથામાં ભજ ધાલ્યા છે? (ક્રિ.) મર્દ હો ગયા હૈ, ચમણ્ડ હો ગયા હૈ।

માથામાં ટપલા વાગવા (ક્રિ.) માર ખાના, પિટપિટકર ઠીક હોના।

માથામાં ધુબાકો વાગવો (ક્રિ.) મર્દ બનના, ચમણ્ડ બનના, ઘમંડી બનના।

માથામાં ધુળ ધાલવી (ક્રિ.) કીર્તિ કલંકિત કરના, ઇજ્જત બિગાડના

માથામાં પવન ભરાયો (ક્રિ) ઘમંડી હોના, મિજાજ બઢ જાના।

માથામાં મારવું (ક્રિ.) કોઈ તકાજા કરકે માંગતા હો ઉસે ક્રોધમેં આકર દેદેના, બેચનેવાલેને ચીજ ખરાબ દેદિના હોતો વાપિસ લૌટા આના, બલાત્કાર કરના, જુલ્મકરના।

માથામાં મહેર ભરાવવો (ક્રિ.) બેઅદબી માથામાં પવન ભરાયો

માથાવટી ઉલટી છે (ક્રિ.) પ્રતિષ્ઠા અચ્છી નહીં હૈ।

માથાવટી ઉલટી પડવી (ક્રિ) માન ઘટજાના, ફીકા પડના।

માથાવાઢનેરું (વિ.) બિલકુલહી નિકમ્મા, ઝ્યાકુળતા પેદા કરને-વાલા।

માથાસરસલ્લટપાડે (ક્રિ.) પીછે પડે હૈ, આમરણ સંબંધ હુવા હૈ।

માથું (ક્રિ. વિ.) ઝુકતા નહીં (ક્રોધમેં)

માથાનું (વિ.) જહાં પહુંચ સકે। તારે તે કેવું માથું છે-જો આદમી બહુતદેર તક બોલેહી જાવે ઔર થકે નહીં ઉસે યહ વાક્ય કહતે હૈં જોરે તોને માથા છે-ઇસે ચમણ્ડી

માથું દેવવું (ક્રિ.) ગુલામકરના
માથું બોડવું (ક્રિ.) બિના દેખભાર બન્દે હોજાના।
માથું ભાગવું (ક્રિ.) ગર્વ દૂરકરના નુકસાન કરના, દુઃખદેના।
માથું ખારે થવું (ક્રિ.) મિજાજ બઢજાના, ગર્વસે ફૂલજાના, સિરમેં પીડા હોના, પિટાઈ ચાહના।
માથું બોળમાં ઘાલવું (ક્રિ.) શરમાજોસે સિર નીચાકરના, નીચા દેખના। [સિરમેં ચૂલ નિકાલના।
માંથું રંજવું (ક્રિ.) ચોટમારકર
માંથું વેચણ મુકવું (ક્રિ) મરનેસે નહી ડરના, કિસીકામમેં પ્રાણોંકી પર્વાહ નહી કરના। [જીવ દેના।
માથું સોંપવુ (ક્રિ.) શરણ આના
માંથું હલાવવું (ક્રિ.) હાં યા નાં કહના, સ્વીકાર કરના, સમ્મતિ દેના।
માથે અંકુશ (સં.) દબાવ, બન્ધના
માથે આવવું (ક્રિ) રજસ્વલાહોના, ઋતુવરેહી હોના, ઉત્તરદાયિત્વ હોના, પર્વતકા આકાશમેં ઉડતે સમય કભમભ સિરપર હોના, દૌર આના।
માથે આળ ચઢવી-બેસવી (ક્રિ) તોહમત લગના, કલંક લગના। લોગોંમેં બુરી અફવાહ હોના।

માથે આળ મૂકવી (ક્રિ.) કલંક લગાના, દોષારોપણ કરના।
માથે (ક્રિ. વિ.) સિરપર, ઉપરકે તુલ્ય।
માથે મારવી મૂકી મુકવું (ક્રિ.) બુરી બાતોંમેં અગુવા હોના, બખેડે કામોંમે પડકર મોંઢમગ્ન બનના પંચાયત કરના।
માથે મારવું-નાખવું (ક્રિ) ઉત્તર દાયિત્વપર સૌંપના।
માથે ચઢાવવું (ક્રિ.) સ્વીકાર કરના, મંજૂર કરના, પાલના, પ્રેમકરના।
માથે ચડી બેસવું-વાગવું (ક્રિ.) આજ્ઞા ન માનના, દુઃખ દેના, મર્યાદા ત્યાગના।
માથે મીંઢર ને નરહેવું (ક્રિ.) અત્યંત ગિરી દશામેં પહુંચ જાના।
માથે ચોટવું (ક્રિ.) કલંક લગના કાલિમા-લાંછન આના, દરપ રહના, આશ્રિતહોના, પલ્લે પડના।
માથે છાડવા ચાપવા (ક્રિ.) સિર-પર ચઢજાના, સિરકે બાલ ઉખાડના, દુઃખદેના।
માથે ભાર વપવું (ક્રિ) સારે સિરપર બોઝ બઢજાના, હત્યાકા બઢના।

માંડું ફોડવું (ક્રિ.) ફુલ્લાકરવા
માંડું બોસવું (ક્રિ.) બિલા દેખવાર બનવે દીખાના।
માંડું બાગવું (ક્રિ.) બર્બ દૂરકરના નુકસાન કરના, દુઃખદેના ।
માંડુ ભારે પડું (ક્રિ.) બિમાર પડજાના, પકસે ફૂલજાના, સિરમેં પીડા હોના, પિટાઈ ચાહના ।
માંડું બોરભાં ઘાલવું (ક્રિ.) શર-માનેસે સિર નીચાકરના, નીચા દેખના । [સિરમેં ધૂલ મિલાના ।
માંડું રંબવું (ક્રિ.) ચોટમારકર
માંડું વેગળુ મુકવું (ક્રિ) મરનેસે નહી ડરના, કિસીકામમેં પ્રાણોંકી પર્વાહ નહી કરના । [જીવ દેના ।
માંડું સોંપવુ (ક્રિ.) શરણ આના
માંડુ હલાવવું (ક્રિ) હાં યા નાં કહના, સ્વીકાર કરના, સમ્મતિ દેના ।
માંધે બંધણ (સં.) રબાવ, બન્ધના
માંધે આવવું (ક્રિ) રબસાવહોના, અધીનદેહી હોના, ઉત્તરદાયિત્વ હોના, પતંગકા આકાશમેં ઉડતે સમય લપટના સિરપર હોના હોના આના ।
માંધે બાલ ચઢવી-બેસવી (ક્રિ) ઉદ્દંડપન કરના, ઉપદ્રવ કરના; ઝોળેમેં દુઃખ ઉઠાનેવાલા હોના ।
માંધે બાલ ચઢવી (ક્રિ.) [illegible] કરના, દોસરોંકા [illegible]
માંધે (ક્રિ. વિ.) સિરપર, ઉપરકે તરફ ।
માંધે બાપરી બારી ફુટવું (ક્રિ.) બુરી બાતોંમેં બઢના હોના, ઝગડોંકે કામોંમે પડકર મોંડપર બનના પંચાયત કરના ।
માંધે પાડવું—નાખવું (ક્રિ) ઉપર દાબિલપર સોંપના ।
માંધે ચઢાવવું (ક્રિ.) સ્વીકાર કરના, મંજૂર કરના, પાલના, પ્રેમકરના ।
માંધે બારી બેસવું—બાસવું (ક્રિ.) બાકા ન માનના, દુઃખ દેના, તકલી-ફ દેના ।
માંધે બીંદરૂ બો નરહેવું (ક્રિ.) અસંત ગિરી દશામેં પહુંચ જાના ।
માંધે બોઢવુ (ક્રિ.) કલંક લગના કાલિમા-લાંછન આના, ઉપર રહના, આશ્રિતહોના, પલ્લે પડના ।
માંધે બોઢા બાપવા (ક્રિ) સિર-પર પડજાના, સિરકે બાલ ઉખાડ-ના, દુઃખદેના ।
માંધે બોપું બંધવું (ક્રિ) સારે સિરપર બાલ બઢજાના, દુઃખદા બઢના ।

માથેમારી પુકારી (ક્રિ.) દુકકાન કરના, ગરબી કરના, વિવાદ કરના, વાદકરના।
માથે લેવા નાંખવો (ક્રિ.) મર્યાદા નહીં રખના, શર્મ ન રખના।
માથે લેખા મૂકે એવું (ક્રિ.) સુંદર, ખબસૂરત, રૂપવાન, નયનાભિરામ।
માથે હાથ ઉભવાં બાકી છે (ક્રિ.) અત્યંત દુઃખીમનુષ્ય અનેક વિપત્તિ યોંકો સહેતેહુએ વ્યાકુલ હો કર યહ વાક્ય કહાકરતા હૈ।
માથે તાણી લેવું (ક્રિ) કોઈ કામ અપને ઉત્તરદાયિત્વપર લે લેના।
માથે તાળ પડવી (ક્રિ.) બોઝાઢો તેઢોતે સિરકે બાલ બિખરજાના।
માથે વજ્ર છે=આફત આગઈ હૈ।
માથે વધું (ક્રિ.) ઋતુમતી હોના, માસિક ધર્મ હોના, રજોદર્શનહોના।
માથે દુશ્મન આવ્યો (ક્રિ.) શત્રુ સબલહોના, દુશ્મનકા ડર હોના।
માથે નાંખવું (ક્રિ.) સૌંપના સિપુર્દ કરના, અપને ઉપરસે જબાબ દેહી દૂસરેકે સિર ડાલના।
માથેથી ઉતારી નાંખવું (ક્રિ.) ભાર દૂર કરના, જિમ્મેદારી દૂર કરના, મુકપર બલા હટાના (લોકમેં)
માથે પડવું (ક્રિ.) સિરપડના, જિમ્મેદારીહોના, બેવાદ હોનેપર।
માથેપડી વિપત્તિ (સં) અનિવાર્ય ભોગવિના છુટકારા નહીં।
માથે પાણી ફેરવવું (ક્રિ.) ધૂલમેં મિલના, બિગાડના, નુકસાનકરના ચઢના, ઔર સરલ હોના, મર્મહોના કુછ ન સમઝના। [હોના।
માથે મોઢ હોવો (ક્રિ.) અપમાની
માથે મોત ભમે છે–મરને યોગ્યહુઆ હૈ, સિરપર મૌત ખેલ રહી હૈ।
માથે હાથ (સં.) કૃપા, દયા, મિહરબાની, આશ્રય, આધાર, રહમ।
માથે હાથ દેવો (ક્રિ) નિરાશ હોના, સિરપર હાથ ધરકર બૈઠ જાના।
માથે હાથ મૂકવો–ફેરવવો (ક્રિ) આશીર્વાદ દેના, દુઆ દેના।
માથેથી કલંક ઉતારવો (ક્રિ.) લાંછન દૂર કરના, કલંક કાલિમા હટાના।
માથેથી ટોપલો ઉતારવો (ક્રિ.) અપને સિરપરસે ઉત્તર દાયિત્વ હટાના। [ઘમંડ, ગર્વ।
માદ (સં.) મદ, નશા, અહંકાર-
માદરપાદ (સં) એક પ્રકારનો લાલચટ્ટક, માદરજાદ।

मानसरोवर (वि.) जिसमें मन, एक प्रकारकी मछली।

मानसशास्त्र-शिक्षु (सं.) मनु ऋषि की बोली बनीके आकारका मानुषवंश विशेष, मुसलमान, गोलंदाजीय।

मानसी (सं.) पशुपक्षी इत्यादिमें स्त्रीजाति, जनाना, औरत।

मानसु (सं.) बीमार, रोगी, अस्वस्थ, सुस्त, मन्द, शिथिल।

मानस्तान (सं.) दोपहर, दिनके १२ बजेके लगभगका समय, मध्याह्न।

मानुष्करी (सं.) ब्राह्मणको बनी बनाई रसोईका भोजनदान। बनी बनाई भिक्षापर गुजर करनेवाला।

मानुष्यिक (सं.) एक प्रकारके बौद्ध। [किताब, ओहदा।

मानमंडराभ (सं.) आबरू, पदवी,

मानहरी-हारी (सं.) माननीय पुरुष, गण्यमान्य पुरुष।

मानता (सं.) मानत, प्रण, प्रतिज्ञा, संकट निवारणार्थ अथवा मनोकामना पूरी करनेके लिये देव देवीको अर्पण करनेका प्रण अथवा व्रत। [औरत, लुगाई।

मानती (सं.) अभिमानयुक्त स्त्री,

मानवु (क्रि) मानना, स्वीकार करना, कबूल करना, तावेमें होना, इज्जत देना, सलामत, खैर मनाना, खुश होना, कबूलकुल होना, मनौती मनाना, खैरात निकालना, पूजना, मरोज रखना।

मानसंजुन (सं.) दुलाहुन मनाना, खुशिन्हु, उत्तम कहुन। [चित्त।

मानस (सं.) मन, हृदय, मनसा,

मानसपेज (सं.) सेवापति। [पूज्य।

मानित्तुं (वि.) माननीय, मान्य,

मानी (वि.) अभिमानी, अहंकारी, गर्विष्ठ, मगरूर। [योग्य उत्तर।

मानीयात (सं) स्वीकार करने

मान्यता (सं.) मान, पूजा, स्वीकार, इज्जत, आबरू।

मानुनी (सं.) औरत, स्त्री, लुगाई।

मानुषी (सं.) स्त्री, औरत, लुगाई।

माप (सं.) नाप, तौल, परिमाण, वजन, मान, भार, आबरू, हद्द, सीमा, शक्ति।

मापकरनु (सं.) नाप करनेका गणित, मेन्स्यूरेशन, रेखागणित।

मापणी (सं.) तौल, नाप, परिमाण।

मापणी मापकार (सं.) जमीन नापनेवाला, भूमापक, सीमा स्थिर करनेवाला, सर्वेयर।

मापणी भाषु (सं.) जमीनमापने वालोंका विभाग, सर्वे डिपार्टमेन्ट।

भाणवुं (सं.) जेहुं औरनेवालेके लिये खानेको घरसे भेजा हुवा भोजन ।

भाणवुं (क्रि.) नापना, भरना, तौलना, वजन करना, माप करना

अधीन भाणवी—पैर फिसल जाने से पृथ्वीपर गिर पड़ना, भाग छूटना, सटक जाना ।

भाणु (सं.) माप, अन्न इत्यादि नापने की जगह ।

भाणे (वि.) क्षमाकिया हुवा, छोड़ा हुवा, मुआफ, क्षमित ।

भाणेसर (वि.) योग्य, अनुसार, अनुकूळ, यथोचित, मूजिब, (क्रि. वि.) प्रमाणे ।

भाणेरो भाणजो—अस रहने दीजिये मुझे तो बचने दो बाबा ।

भाणेसरसर (क्रि. वि.) नियमानुसार, रीतिपूर्वक, परिमित ।

भाणे करवुं (क्रि.) क्षमा करना, मुआफ करना ।

भाणे मांगवी (क्रि.) क्षमा चाहना मुआफी मांगना, विनय करना ।

भाणी (सं.) क्षमा, दयादान, मुआफी, मोचन, मुक्ति, अपराधी कोदण्ड न देकर उसे क्षमापूर्वक छोड़ देना, छुट्टी ।

भाणी जमीन (सं.) जिस भूमिपर सरकारी लगान नहीं, दान में या इनाम में दी हुई जमीन ।

भाडो (सं.) मन्दिरकी छतरी के शकलकी गाड़ी, गाड़ी विशेष, वाहन विशेष ।

भाभ (सं.) खानेका कुछ पदार्थ, (बालकों की भाषा में) । ममत धैर्य, हठ, दृढता, आश्चर्य ।

भाभना धांधा (सं.) खाने पीने को नहीं मिळना, अत्यंत दीनता ।

भाभ भाभना धांधा-खांखा (सं.) पूर्ववत् । [सफेद जन्तु, जीव विशेष ।

भाभणभुडो (सं.) एक प्रकारका

भाभडुल (सं) एक प्रकारका फळ ।

भामलत (सं.) कीमत, मूल्य, दम जीव, सत्व, सार, मत्ता, धनमाळ, साहस, नया काम, परगना अर्थात् जिलेकी माल गुजारी की वसूली, लोक रक्षण अथवा व्यवस्थाकार्य ।

भामलतदार (सं.) परगनेकी माळ गुजारी वसूळ करनेवाळा सरकारी आदमी ।

भामलतदारी (सं.) माळ गुजारी वसूळ करने वालेका काम ।

મામલેદાર (હું.) દેખો મામલતદાર ।
મામલો (સં.) કામકાજ, પ્રસંગ, કામ, ફોજદારી મામલૂમ ।
મામલો બુંચ્યો (ક્રિ.) મારી નુકસાન હોવા, માલમિલકિયતની હાનિ હોવા ।
મામામાસીના (સં.) સમ્બન્ધિયોં કા પક્ષપાત, રિશ્તેદારોંકી મુહબ્બત યા તરફદારી, પક્ષપાત ।
મામુલ (સં.) રીતિ, ચાલ, રવૈયા, રસ્મ, રવાજ. (વિ.) સાધારણ, મામૂલી ।
મામુલબ્બાલ્ય (સં.) દેખો મામુલ ।
મામેરું (સં.) પ્રથમ પ્રસવકે સમય પુત્રી ઔર બાલકકે લિયે માતા પિતાકી ઓરસે ભેજી હુઈ વસ્તુએઁ ।
મામો (સં.) મામા, માતાકા ભાઈ ।
મામો સસરો (સં.) વર અથવા વધૂકા મામા, સાસૂકા ભાઈ ।
મામ (સં.) મા, માતા, અમ્મા, અમ્બા, જનની, જનેતૃ, (સર્વ.) મેરા (ક્રિ. વિ.) મેં, અન્દર, માંહી, ભીતર ।
મામનો (સં.) અર્થ, ટીકા, મતલબ, માન, આશય, ભાવના ।
મામનોપદા (સં.) વીરપુરુષ, બહાદુર ।
મામરૂળ-મામુ (સં.) માંસૂફળ, ફલવિશેષ જો ઔષધીમેં કામ આતા હૈ ।
મામરું (સં.) સ્ત્રીકી માતા ઘર, પીહર, પિયર, મૈકા, માતૃગૃહ, દેખો માહેરું
મામા (સં.) કૃપા, મોહ, દયા, સ્નેહ, કરુણા, અનુકમ્પા, છલ, કપટ, ધોકા સમ્પત્તિ, ધન, ધોખા ઐન્દ્રજાલ, મમતા, આદિશક્તિ, પ્રપંચ, છલભેદ, જગતકા રૂપદર્શન નાટક, બુદ્ધદેવકી માતા, લક્ષ્મી, ભાંગ, બિજયા, ભંગ, તમ્બાકૂ, તમ્બાકૂ, બુદ્ધાકૂ, પૂંજી ।
મામામાંસી (સં.) ભંગ, ભાંગ, માદક વનસ્પતિસે તય્યાર કિયા હુવા જલ, જિસે ઠંડાઈભી કહતે હૈં।
મામામમતા (સં.) કરુણા, દયા ।
મામામોસો (સં.) કપટદ્વારા મિથ્યાભાષણ, જૈનિયોંકા ૧૮ વાં પાપ । [માંસૂફળ, ઔષધી વિશેષ।
મામું (સં.) એક પ્રકારકા ફલ
મામો(સં.) માયા, ધન, દ્રવ્ય, પૂંજી ।
માર (સં.) પ્રહાર લડાઈ, તાડન, ઝપાટા, બહુતકામકા બોઝા, દુઃખ વિપત્તિ, આપદા, કામદેવ, સમ્બન્ધ બન્ધન ।

મારણું (વિ.) જેનથી મારનેવાળી ટેવ હોય, મરકણા, ભયાનક, દારુણ હૃદયભેદક, જો તુરંત પ્રભાવ બતાવે.

મારણા (કિ.) નિશાન, ચિન્હ, માર્ક, વિપત્તિ, આફત, સંકટ, દુઃખ. [ટુકના, મારખાના.

મારપીટવું (કિ.) પિટના, કુટના

મારબુ (સં.) મિસલ, ફાઈલ.

મારગ (સં.) માર્ગ, મગ, પંથ, પથ, રાહ, રસ્તા, સડક, બાટ, ન્યાય, ફૈસલા, નિપટારા.

મારગો (સ.) પૂર્વવત્.

મારગી (વિ.) ઇસનામકા એક ધર્મ (કાઠિયાવાડમેં) મુસાફિર, યાત્રી વટોહિ, જેહમાર્ગી સીધી રાહકા યાત્રી.

મારગુ (વિ.) પથિક, રાહગીર, યાત્રી, મુસાફિર, માર્ગ સંબંધી.

મારગ્રુત (સં.) પ્રસ્તુતા, કુટ્ટી, મુસ્તૈદી ચાલાકી, ચુલબ્ધ.

મારગુટ (સં.) મારમાર કરના, (ક્રિ. વિ.) જલ્દીસે, સપાટેસે.

મારગોટ (સં.) પૂર્વવત્.

મારગત (સં.) દ્વારા, મધ્યસ્થતા, સાધનદ્વારે, ઉપાય, દલાલી, જરિયા.

મારતોડું (સં.) મારકરસે ભુરા હુવા, દલાલ, એજન્ટ.

મારતિયો (સં.) દલાલ, મારતિયા, એજન્ટ, મધ્યસ્થ કાર્યકર્તા.

મારધાડનીમઉ (સં) કંગાલ તથા દીન દરિદ્ર નગ્ન મનુષ્ય.

મારવું (ક્રિ.) પીટના, કૂટના, બિગાડના, જોરસે પટકકર દુઃખપહુંચાના, વધકરના, પ્રાણલેના, કિસી પદાર્થકે આધારસે કિસી પદાર્થકો ઉઠાના, ધાતુ ફૂંકના છેદમેં કોઈ વસ્તુ ઘુસેડના, "ડાટા મારના" દૌડના, બાજી જીતના, હરાના, કોલાહલ કરકે લૂટના અથવા બહુમૂલ્ય વસ્તુ ચોરના, જીતના, દમનકરના, શમન કરના, અન્દર ઘુસેડના, બંદ કરના, ફિટકરના, બઢના, વૃક્ષશાખાકે બીચકા ભાગ જમીન મેં ગાડના, આંખે મટકાના ઇશારાકરના, હાથમારવું=વશ કમાના, હાથમારવા=તૈરના, પૈરના (પાનીમેં) માથામાંમારવું =કોઈતકાજાકરે ઉસે બલપૂર્વક ઉસકી વસ્તુ દેદેના, મારવું=એકાધા બડાકામ કરના, હાથમાં તરવાર મારવી=બાજીકેલી જીતી, ઔર કરના ધરના મુકમી નહીં હારમારવું-દેમારવું=ચલ

કરના. પશ્ચાત્તાપ કરના, પ્રાયશ્ચિત્ત કરના. ૯ ~ખાવું-કિસી બડે અપરાધપર ખૂબ પશ્ચાત્તાપ કરના।

મા:વેતો હાથી ને ઘુ:વેતો ભંડાર (સં.) મારનાતો અપનેસે બલવાન કો નિર્બલકો મારનેસે ક્યા લાભ ?

મારીકાઢવું (ક્રિ.) મારકૂટકે ભગાદેના।

મારીખાવું (ક્રિ) ચોરીસે છુપકર રુપયે પૈસે મારલેના-હડપજાના।

મારીને હાથ ન ધોવા (ક્રિ.) અતિશય નિર્દય તથા ક્રૂરહોના।

મારી મૂકવું (ક્રિ.) જોરસે દૌડ़ાના, ખૂબ પ્રાણાન્ત કષ્ટ દેકર છોડ़ના।

મારીષ (સ) નટ। [સ્વયમકા।

મારું (સર્વ.) મેરા, હમારા, ખુદકા,

મારું મારું કરવું (ક્રિ) ઇસ જગતમે જન્મ લેકર તેરા મેરા કરતે રહના।

મારુ (સં.) એક દેશકા નામ, મારવાડ, એક વીર રસાત્મક રાગ।

મારે (સર્વ) મુઝે, મેરેકો, હમકો।

મારેલું (વિ.) મારાહુવા, દમન કિયા હુવા, જલાયા હુવા, ભસ્મીભૂત।

મારો (સર્વ) મેરા, હમારા, મમ, (સં.) માર, પીડ, દુઃખદેકર મારને વાલા, યહ દિશા જિધરસે સોરસે નીચે ચલે, જો મંત્ર પ્રયોગસે મૃત્યુ પાવે।

માર્ચ (સં.) અંગ્રેજી વર્ષકા તીસરા મહીના, ફાલ્ગુન માસ વિશેષ।

માર્જન (સં.) પરિષ્કાર કરણ, શોધન, પ્રક્ષાલન, શુદ્ધિકરણ।

માર્મિક (વિ.) મર્મયુક્ત, સાંકેતિક તાત્પર્ય, મર્મભેદક, પ્રાણઘાતક।

માલ (સં.) સામાન, માલમત્તા, ધન, વિત્ત, મિલ્કિયત, વસ્તુ, દ્રવ્ય, જીવ, દમ, માંવા।

માલકિન (સં.) રાની, રાજાકી ભાર્યા।

માલકાકણી (સં.) એકપ્રકારકે બીજ જો ઔષધિમેં કામ આતે હૈં, માલકાંગની।

માલકી (સં.) પ્રભુત્વ, સત્તા, અધિકાર, હક, માલિકપના।

માલકું (વિ.) ટેઢા, તિરછા।

માલકું જોવું (ક્રિ.) તિરછા દેખના।

માલખું (સં.) બાહિરસે આયે હુએ ચિટ્ઠી પત્ર ઇત્યાદિકો ફાડ़કર કરને કા બાના। એક પ્રકારકા વાદ્ય કા પૂર્જા।

માલખુમ્બર (સં.) ઘર અર્થાત્ મકાન કે નીચ્ચ ભૂમિ, નીચલા પટેલ।

માલખાડી (સં.) ખિસાળ, રખડી, ગુજરી જી, દરામચાડી, બેરખા।
માલખીન (સં.) માલમત્તાની અમાનત રાખવાવાળ વ્યક્તિ।
માલખીનકી (સં.) માલખા-નાનકા દફતર, કાર્યાલય।
માલખીની (સં.) અમાનત, અકદ-અમાનત, પ્રતિભૂ।
માલણ (સં.) માલિન, માલીકી પત્ની, ફૂલ વેચનેવાલી, એક પ્રકારકી ફુન્સી જો નાકકે અન્દર હોજાતી હૈ।
માલદાર (સં.) ધની, દૌલતમન્દ, દ્રવ્યપાત્ર, ધનાઢ્ય, સમ્પન્ન।
માલધણી (સં.) સ્વામી, પ્રભુ, માલિક, અધિપતિ, અધિષ્ઠાતા।
માલપૂડા (સં.) માલપૂવા, પકાન્ન વિશેષ, આટેકો મીઠે પાનીમેં ઘોલ-કર ફિર તેલ યા ઘી મેં તલ લેતે હૈં।
માલમ (સં.) નાવ જહાજ ઇત્યા-દિકા માલ, ઉતરનેચઢ હિસાબ રખનેવાળા, મલ્લાહોંકા સર્દાર, સાથી સંગી, (વિ.) જાનકુવા, વાકિફ, જ્ઞાત।
માલમતા (સં.) રોકડ, માલ, અસબાબ, વસ્તુ, દ્રવ્ય, ધન।
માલમ થવું (ક્રિ.) માલુમ હોના, જ્ઞાત, હોના, વાકિફ હોના।
માલમત્ત (વિ.) ધનકે ગર્વસે ગર્વિત, ધનોન્મત્ત લક્ષ્મીપાત્ર, કુબેર।
માલમિલકત (સં.) દેખો માલમત્તા।
માલવતું (વિ.) તુચ્છ, હલકા, હીન, માલવેકા, માલવી, માલવીય।
માલવની ભાષા (સં.) શબ્દાડંબર હીન ભાષા, માલવ દેશકા। માલવી।
માલવું (સં.) છાલકી હાંડી યા મટકી, (મિટ્ટીકા પાત્ર વિશેષ) (ક્રિ.) ઠાઠ બાઠસે આનંદપૂર્વક યત્રતત્ર ભટકના, બિલકુલ ચિંતા ન હો ઇસ પ્રકાર સુખ ભોગના। નિશ્ચિત ઔર આનંદપૂર્વક જીવન વ્યતીત કરના।
માલિક (સં.) સ્વામી પ્રભુ, પતિ, ધની, સેઠ, અધિપતિ, અધિષ્ઠાતા, (વિ.) ધન સમ્પન્ન।
માલિયાત (સં.) ગન્ના, અદરક લહસુન ઇત્યાદિ ઉંચે દર્જેકા બાગ-બાની પદાર્થ।
માલીયેવું (ક્રિ.), ઝપરે ફેરના, મકાનકે કબેલૂજના।
માલીશ-સ (સં.) મર્દન, રગડ, સાહીસ (ઘોડેકા) સાઈસ।
માલુમ (વિ.) દેખો માલમ।
માલુમાર (સં.) ડેર, ખોખો, ઝુલ્લહા।

आवेड़ (सं.) देखो आविड़ी ।
आवेड़ण्डुं (सं.) देखो आविड़ी ।
आवेष्ठ (सं.) देखो आवीष्ठ ।
आवेस (सं.) देखो आवीस ।
आव (सं.) धनी, स्वामी, पति, भर्तार, खाविन्द, खसम ।
आवज्जत (सं.) संभाळ, देखरेख ध्यान । [वर्षाऋतुके अतिरिक्त वर्षा
आवडुं (सं.) शीतऋतुमें अकड़ाहट
आवडियो (सं.) माताकीही आज्ञामें रहनेवाळा पुत्र ।
आवडी (सं.) मा, (प्यारमें) माता, माके समान प्रेम रखनेवाली स्त्री । [महावत, पीळवान, हाथीवान ।
आवत–५(सं.) हाथी हांकनेवाळा
आवतर-पितर (सं.) मावाप, मातापिता, बाळदैन ।
आवाहार (वि.) गुहादार, बळवान ।
आवुं (क्रि.) भीतर घुस सकना, समाजाना, प्रवेश करना, सीमा में रहना, नदी उभराना ।
आवेतर (सं.) आवतर ।
आवो (सं.) दूधको आगपर गर्मी से उसका पानी उड़ाकर बनाया हुवा गाढ़ा पदार्थ, खोवा, खोया, मावा, सत्व, सार, गूदा ।
आवाना हुसरा (सं.) एक प्रकारकी सिळाई ।
आवेश्य (सं.) प्रीति, स्नेह, माया, ममता, परोपा ।
आशु (सं.) प्यारी स्त्री, प्रिया, वल्लभा, प्रिय, रमण, वल्लभ । (वि.) जिसके वास्ते जो अधिक प्रेममें नियम हो । [आश्विन ।
आस (सं.) महीना, माह, मांस,
आसमेदारी (वि.) जिम्मेदार, जवाबदेह, उत्तरदाता ।
आसमो (सं.) परीक्षा, इम्तहान, परख, उत्तरदायित्व, जवाबदेही ।
आसमो (सं.) नमूना, बानगी, आकार, तरह, ढौल, आकृति, रूप, कसौटी पर कसनेकी क्रिया ।
आमइपी प्राणी (सं) कठोर खालके प्राणी,मुलायम मांसयुक्त जीव ।
आसाश्च (सं.) पतिकी माताकी बहिनका पति । मौसा ।
आसि–सी (सं.) माताकी बहिन ।
आसीसो (सं.) स्वर्गस्थ, मनुष्यकी आत्माकी तुष्टिके लिये एक वर्षपर्य्यन्त मासिक श्राद्धकर्म्म ।
आसेआस (वि.) प्रतिमास, हर-महीने, महीनेके महीने ।
आसो (सं.) मासी कापति, माता की बहिनका पति ।
आस (सं.) मास, महीना, ३० दिनोंकी अवधि, मासमास, (क्रि. वि.) आखिर ।

માહાતમ (सं.) महात्म्य, फख, ऐब, शोक, प्रताप।
માહાડ (सं.) नारेळका पेड़, राग विशेष, माड़ राग, मौंड।
માહાત (सं.) शहमात, शतरंजकी अंतिमचाल, घोड़ी।
માહાતમ (सं.) देखो माहातम, शोक, सदन, चिन्ता, दुःख।
માહાવરો (सं.) अभ्यास, प्रेक्टिस, मुहाविरा, आदत।
માહાસું (सं.) सङ्ख्या, विशेष, दस करोड़, अरब, अर्व।
માહિત (वि.) भिज्ञ, विज्ञ, ज्ञाता, वाकिफ, जानकार, निपुण, दक्ष।
માહિતગાર (वि.) जानकार, होशियार, चतुर, काबिल, योग्य।
માહિતગાર થવું (क्रि) जानना, समझना, वाकिफकार होना।
માહિતગાર કરવું (क्रि.) सुझाना, समझाना, अभिज्ञ करना।
માહિતગારી (सं.) परिचय, जानकारी, अनुभव, तजुर्बा, जान पहिचान, निपुणता, वाकिफकारी।
માહિતી (सं.) पूर्ववत।
માહી (सं.) मच्छी मछली, मीन।
માહીગીર (सं.) मछली खानेवाला।
માહોગીરી (सं.) मछलीवाला, मछुवा, मछवाहा धीवर, ढीमर।
માહ્યું (वि.) दुखी।
માહે (क्रि. वि.) भीतर, अन्दर, माँहि, माँव, विवाह कालमें मृत्तिका के छोटे बड़े पात्र।
માહેર (वि.) देखो माहितगार।
માહેર-માયરું (सं.) वह स्थान जो विवाहके लिये बन वा गढ़ा हो। वर वधूके बैठनेका छोटासा मण्डप।
માહોમાહિ-હે (क्रि वि.) एक दूसरेमें, भीतरही भीतर, आस-पास, आपुस आपुसमें, छुपे छुपे।
માળ (सं) मकानकी मंजिल, पुष्पहार, माला, श्रेणी।
માળકો-ખો (सं.) सूत्र अथवा तारमें फाइल किये हुए कागज, फाइल।
માળખું (सं.) छप्परमें बल्लियां कड़ी गेड़े इत्यादि। मालीकी श्री।
માળખી (वि.) माल देखकर, मालदीय।
માળવું (क्रि.) पासपास बल्लियां रखकर उन्हींके आधारपर छप्पर को रखना। ક્રિ૫ માળવું (क्रि) छपरे कवेलू फेरना, छप्पर छाना।
માળા (सं.) माला, स्मरणी, जपमाला, तसबीह, सुमरनी, मोती अथवा फाल अथवा तुलसीके काष्ठकी माला। श्रेणी।

भगत होवो (क्रि.) सांसारिक बन्धनोंसे मुंह मोड़ लेना। ईश्वर भजन करना। [करना।

भणां हरवी (क्रि.) ईश्वर भजन

भणानेा भेर (सं.) अगुवा, लीडर अग्रेसर मनुष्य, मुखिया।

भणाना भूणना भणाभणीजी गये छनेजी होने होगये दुन्नेजी। छने गई बेटा और न्यो आई खसम।

भणिजे-णुं (स) कामला, मैली, मेलरी, टांड, मचान, मांच, मंच।

भणु (सं.) माली, बागवान फूल हार बनानेवाला, एकजाति विशेष। [विशेष।

भणु (सं.) मेरा साला (गाली

भणे। (सं.) पक्षीका घोंसला, ऊंचा मकान, डौंचा, खेतमें पक्षी आदि हानिप्रद जीवोंसे रक्षित रखनेके लिये एक खेतसे ऊंची अटारी। बड़े घर। [मेाली।

भिभाड (सं.) म्याऊं, बिल्लीकी

भिड़ुं (क्रि.) बन्द करना, मींचना।

भिड़भान (सं.) मेहमान, पाहुना अतिथि।

भिड़भानी (सं.) पहुनाई, मेहमानी, आतिथ्य, उजाणी, विदाकार।

भिड़ाव (सं.) मैंडली, सभा, कचहरी, बैठक, मेल, मजलिस।

भिड़भिड़ा (सं.) फूल, भिड़भिड़ बिवाड़ घूमता है।

भिड़भिड़ं (सं) पूर्ववत्।

भिड़भिड़ (सं) स्वभाव, आदत, प्रकृति, मरजी, इच्छा, तबियत, रंग, आवेश क्रोध, तामस, गर्व, दर्प, घमण्ड।

भिड़भिड़वेा (क्रि.) क्रोध होना।

भिड़भिड़ेाणे न होवेा (क्रि.) रीस चढना, गुस्साआना, घमण्ड करना। [घमण्डी और गर्वित।

भिड़भिड़ुंआंछथु (सं.) अहंकृत

भिड़भिड़ (वि.) घमण्डी, चिड़चिड़ा, नाजुक प्रकृतिवाला, मगरूर

भिड़न (सं.) माप, आकार, अटकल, अन्दाज, ओड़, ओव, शुमार।

भिड़भिड़ (सं.) देखो भिड़भिड़।

भिड़भिड़ी (वि.) देखो भिड़भिड़।

भिड़ (सं.) सब्र, संतोष, तसल्ली, शान्ति, धैर्य, सहनशीलता, आंख कामिलन, आमने सामने एकटक दृष्टिसे अवलोकन।

भिड़ुं (क्रि.) भिड़जाना, बद्ध होना, जातारहना, हटजाना, दूर होना, बेरपड़ना, अच्छे होना, बाज होना।

मिट्टी डालना-डालनी (क्रि.) हैरान होना, इज्जत बिगड़ना, नाशहोना।
मिट्टीमां मिट्टी भळ्यु-थयी (क्रि.) देह पंचतत्वको प्राप्त होजाना, मरजाना।
मिठ्ठं (सं.) बलैया, बलिहारी, आलिंगन, चुम्बन।
मिठ्ठुं (वि.) मिष्ट, मीठा, मधुर, मिष्ट भाषी, प्रियभाषी। [शील।
मिठ्ठाश (सं.) नमककी खाई या
मिठ्ठालोछुं (वि.) मृदुभाषी, मिष्टभाषी।
मिठ्ठुं (सं.) नमक, लवण, (क्रि. वि.) मिष्ट, मीठा, मृदु, प्रिय।
मिठ्ठुं तेल (सं.) तिलीका तेल, देशीतेल।
मिठोनिशा (सं) ताड़ी, शरबत मिली हुई शराब, एक प्रकारका मद।
मिठोभात (सं.) मीठे चावल, केसरिया भात, गुड़ या शक्करमें पकाये हुये चावल।
मिठ्ठो (वि) मोटा और मजबूत पुष्ट और दृढ, मोटा ताजा। (सं.) जासूस, गुप्तचर, हलकारा, कासिद।
मिठ्ठो (सं.) कपाळ के ऊपर गुंथीहुई बालोंके लट, कपालकी वेणी।
मिडिलो (सं.) वह पशु जिसके सींग नीचेकी ओर झुक गये हों।
मिडळ मिंडळ (सं) एक प्रकारका पौधा जो झुम कार्यमें तथा दवामें काम आता है।
मिडीआवण } एक प्रकारका वृक्ष
मिंडिआवण } जिसके पत्ते दवाके काममें आते हैं। स्वर्णतुली।
मिथुकट-ड (सं.) वह कपड़ा जिसपर वार्निश रोगनतेल, इत्यादि लगाया गया हो, मोमकप्पड, मोम पोताहुवा कपड़ा।
मिथुवत्ती (सं.) मोमबत्ती, केन्डल एक प्रकारकी बत्ती जो सूतके धागेके चारों ओर मोमलपेट कर बनाई जाती है। मोमकी बनी हुईबत्ती।
मिथिथुं (सं.) मोमपुता हुवा कपडा, मोमलप्पड़, मोमकप्पड़।
मिथ्थाडं (सं.) छळ, प्रपंच, गर्व, बाळाकी, घमण्ड।
मिथ्थुं (वि.) बोदा बोलनेवाला, धूर्त, कपटी, शठ, गर्विष्ट।
मित (वि.) परिमित, मपाहुवा, तौळा हुवा, नियमित, मपा प्रमाण।
मिती (सं) तिथि, दिन, वार, वासर, महीनेका अनुक्रमदिन, तारीख।

मित्र (सं.) बन्धु, सखा, सुहृद, मीत, हित, स्नेही, प्रेमी, दोस्त यार, दोहती, साथी, आशिक (लौंडा) [मशूक ।

मित्रिका (सं.) सखी, सखना,

मिथुन (सं.) मैथुन, स्त्रीपुरुषका विषय संभोग, दम्पति, स्त्रीपुरुषका जोड़ा, युग्म, द्वन्द, तीसरी राशि, युगल ।

मिथ्या (सं.) असत्य, झूँठ, अयथार्थ, व्यर्थ, निकम्मा, रीता, खाली । [नहीं माननेवाला ।

मिथ्यादृष्टि (सं.) जैन धर्मको

मिथ्यापवाद-दोष (सं.) झूठा दोष, असत्य दोषारोपण, झूठीनिन्दा।

मिथ्याभिमानी (सं.) बड़ाईखोर, घमण्डी, गुमानी, अहंकारी, अभिमानी। [मार्जारी ।

मिनडी (सं.) बिलाई बिल्ली,

मिनर्द्धं (सं.) बिलाव, बिल्ला, मांजार ।

मिनडो (सं.) पूर्ववत् ।

मिनतन्नरी-न्नारी (सं. तक्काजा, हठ, जिद्, गौरव, खानगी, बिनती, मिन्नत ।

मिनमेख (सं.) गड़बड़, फेरफार ।

मिनमेख नथी (कि.) झखझक नहीं है । ठीक है, निश्चित है ।

मिनाइसो (सं.) अनबन, बेदिली, ऊंचानीच, खटपट, विरोध, बैर, द्वेष, खार, अंटस, अदावत, बाद, कीना ।

मिनाकाम (सं.) रँग भरनेका कार्य, जड़नेका काम, कारीगरीका काम ।

मिनाकारी (वि.) रँग भरनेका काम करनेवाला, पच्चीकारी ।

मिनारो (सं.) मीनार, बुर्ज, कंगूरा, प्रासादशृंग, पुम्बज ।

मिनो (सं.) अद्भुत काम, गजब ।

मिया-र्यां (सं.) देखो मीया ।

मियां मशाला पत्थर रखा से (कि.) पैसे नहीं मिले तबतकही सीधा है ।

मियांनडादेवनो जोग (सं)असम्भव ।

मियांनी मिनडी (सं.) नामर्द, पस्त हिम्मत, डरपोक ।

मियान (सं.) देखो म्यान ।

मियानो (सं.) देखो म्यानो ।

मिरज्ज (सं.) मुसलमानोंमें एक उच्च खिताब ।

मिरात (सं.) पूंजी, धन, दौलत ।

मिरास (सं.) दान, हिबा, बपौती जागीर ।

मिरासगीर (सं.) वारिस, उत्तराधिकारी, मृत्युके अधिकारी ।

मिसरत (सं.) दौलत, मक्खन, घनीर, दूंधी, मलाई ।
मिसनसार (वि.) मेली, मिलापी, मिलनेवाला, मिलनसार ।
मिसनसारपन—सारी (सं.) मेल, मिलाप, भलमनसाई, सुशीलता ।
मिसाप (स.) मुलाकात, मेल, मेल, प्रेम, मित्रता, मिताई, संघ ।
मिसापी (वि.) देखो मिसनसार ।
मिसावड़ा (स.) समाज, सभा, मंडली, भीड़, मेला, टोली, झुण्ड ।
मिसी (सं.) मंजन, दांतोंके लगानेका काला मंजन । दंतमंजन ।
मिस-मिस (वि.) मिलित, मिला हुवा, घालमेल, खिचड़ी, ब्राह्मणों की एक पदवी विशेष ।
मिस (सं) बहाना, मिस, बाना, फरेब । निमित्त, सबब, दाग ।
मिस्टापन (स.) मधुरता, मिष्टता ।
मिसहिन (वि.) पामर, दीनहीन, बेचारा, गरीब, निर्दोष ।
मिसखोर (सं.) बहानाखोर, झूठा ।
मिसरी (सं.) मिश्री, खांड, शक्कर ।
मिसल-साल (सं.) रीति, व्यवस्था, युक्ति, तरह, तरफा, दृष्टान्त उदाहरण ।
मिस्तरी (सं.) कारीगर, चतुर मनुष्य, मिस्त्री, कारीगर ।
मिस्सी (सं.) देखो मिसी ।
मिस्सी लगाना (कि.) वेश्याकी लड़कियोंको उमरमें पहुंच लेपर बातोंमें मिस्सी लगाना अर्थात् उसे वेश्याके धन्धेमें प्रवेश कराना ।
मीज (सं) देखो भीज ।
मींड (सं.) देखो भींड ।
मींडरी (स.) बिल्ली, मार्जारी, लंगर जहाज, ठहरानेका मोटा रस्सा ।
मीमान (सं) देखो भान ।
मीम (स.) बीचके भीतरकी गिरी, गर, मावा, मगज, गर्भ, गूदा, आशय ।
मीमपुं (कि) बन्द करना, सिकोड़ना, समेटना, संकोचन करना ।
मीज (सं) देखा भीम ।
मीठ (सं.) दृष्टि, नजर, आंख, नेत्र, त्यौर ।
मीठ देना (क्र.) बलिहारी जाना, न्यौछावर करना, वारना ।
मीठ मंदर (सं.) वह बन्दर गाह जहां नमक पकाया जाता हो ।
मीठी (सं.) अधरचुम्बन, आलिंगन, होंठचूमना । (वि.) मिष्ट, मृदु, प्यारी, रसभरित, प्रेमयुक्त ।

મીઠી કાકા (સં.) વૃદ્ધમાતા, પૂજ્યમાતા તથા ચાચકાકી ।
મીઠી કેરી (ક્રિ.) ચૂસના, ચુમ્બન કરના ।
મીઠી મારવી (ક્રિ.) ખોટ્ટમના ।
મીઠું (સં.) નમક (સમુદ્રી) (વિ.) એક પ્રકારકા સ્વાદ, રસ, ક્ષાર, કટુ, મૃદુ, પ્યારા, પસંદ, સૌમ્ય, કોમળ, પ્રસન્ન, અચ્છા ।
મીઠું મરચું ભભરાવવું (ક્રિ.) નમક મિર્ચ મિલાના, સુંદર બનાના બુરાભલાકરકે પ્રિય કરદેના ।
મીઠું લાગવું (ક્રિ.) ક્રોધ આના, નમક મિર્ચ લગાના । તેજ હોના ।
મીઠું લોહી (વિ.) સહવાસ યોગ્ય પ્રેમ કરને યોગ્ય ।
મીંડું (સં.) શૂન્ય, બિન્દુ, ૦, અનુસ્વાર, કુછભી નહીં, રદ્દી ।
મીંડું ફેરવવું (ક્રિ.) રદ્દ કરના ।
મીંડું થવું (ક્રિ.) રદ્દ હોના, વ્યર્થ હોના । [રદ્દ કર દેના ।
મીંડે મૂકવું (ક્રિ.) નિષ્ફલ દેના,
મીંઢ (વિ.) મક્કાર, ચાલાક, ધિર્રા, ધૂર્ત, બદ્દુર, કપટી ।
મીંદ (સં.) સોમ, મધુ મદ્યોંકે મિશ્રિત કરકે સોલહ પ્રકારકે બનતા હૈ ।
મીંધણો મીંઢી (સં.) સોલા વગેરા ચતુષ્પદ, નિસ્સાર ।
મીંધુ થઈ જવું (ક્રિ.) નિષ્ફલતા, નષ્ટ હોના, વ્યર્થ પડ્જાના ।
મીંધુ મારવું (ક્રિ.) વૃથા ઘૂમના, બેહદ મારના, દૌડાદૌડી કીસી કરના, ખૂબ પરિશ્રમ કરાના, થકાના, તેલ નિકાલના [કરદેના ।
મીંધુનોકરી નાખવું (ક્રિ.) મુલાયમ
મીંધુકપડું-મારકું (સં.) મોમ કપ્પડ, વહકપડાજિસપર મોમ પોતા ગયાહો । [કેનવસ ।
મીંધુબત્તી (સં.) મોમ બત્તી, મેનસ
મીંધુવું (ક્રિ.) ઉડ્જાના, ચુરાના, ક્રોધ ચઢના, નશાચઢના ।
મીંધોયું (સ.) દેખો મીંધુકપડું ।
મીંધ્ય (સં.) મદ, વિષ, જહર, નશા, મતવાલાપન, મસ્તી ।
મીન (સં.) મચ્છી, મછલી, મત્સ્ય, ૧૨ વીં રાશી, વિષ્ણુકા અવતાર વિશેષ, કમજોરી મિટાને વાલી દવા અથવા ચોખા, પક્ષ, વાદ્, ઓર તરફ ।
મીનકા (સં.) મછલી, મચ્છી ।
મીનકોશ (સં.) ચોકાવડા, ચોક્ષા વગૈરા [વિસ્તર ।
મીનાવલી (સં.) વિનતી, પ્રાર્થના,

બીલ્લી (સં.) માર્જારી, બિલ્લી, બિલાઈ।
બીલ્વ (સં.) મરકતમણિ, કાચકે સમાન ચમકદાર વસ્તુ વિશેષ।
બીવા (સં.) બલવન પુરુષ, મુસલમાન પુરુષકે લિયે માનસૂચક શબ્દ।
બીર (સં.) અમીર, સરદાર, રાજા, તાશકે પત્તોંમેં, બાદશાહ, ઉત્તમ, શ્રેષ્ઠ, એક પ્રકારકે ભિક્ષુકોંકી જાતિ। [રક્ષક, દૂત, હરકારા।
બીરબો (સં.) રાજાકા મુકુટ વેહ-
બીરબ્બા (સં.) રાજકુમાર, યુવરાજ।
બીરાસી (સં.) એક જાતિકે ભિખારી।
બીલ (સં.) સૂત કાતને તથા કપડે બુનનેકા કારખાના, પક્ષ, તરફ, દલ।
બીલ બાંધવી (ક્રિ.) પક્ષ તય્યાર કરના, દલ બાંધના, મંડલી બનાના।
બીસી (સં.) દેખો બસી।
બુંબણી (સં.) રાંધે હુએ ચાવલોંમેં નમક મિર્ચ મિલાકર બનાઈ હુઈ રોટી। એક પ્રકારકી રોટી।
બુંબું (વિ.) મૂક, ગૂંગા, અવાક્, ચુપ ચાપ, મૌન, ગુપચુપ।
બુંબો (સં.) દો મૂંછોંકે બીચકા ઓઠકે ઉપરકા ભાગ।
બુંછ (સં.) મૂંછ, મુચ્છ, ઉપરે ઓંઠકે બાલ।
બુંજ (સં.) એક પ્રકારકા ઘાસ મૂંજ, પવિત્ર ઘાસ ઇસકી ડોરી બનાકર જનેઊકે સમય પહિની જાતી હૈ તથા સંધાતી પર ઇસસે મૃતકકો ભી બાંધતે હૈં।
બુંઝેલું (વિ.) મૃત, મરાહુવા, ગત સ્વર્ગલોકસ્થ, પ્રાણહીન।
બુ[illegible] કાલે ઔર શરીરપર સફેદ બાલ હોં ઐસા (બૈલ)
બુંડ્યુ (સં.) દેખો બુડ્ડ।
બુંડવું (ક્રિ.) દેખો બુડવું।
બુંડી (સં.) બાઈમનકા તૌલ, પરિમાણવિશેષ, એક પ્રકારકા તૌલ।
બુંડાવું (ક્રિ.) શિષ્ય હોના, હજામત બનવાના, ઠગે જાના।
બુકટો (સં.) દેખો બુમટો।
બુકદમો (સં.) અભિયોગ, મુકદમા, કેસ, દાવા, કામકાજ।
બુકરર (વિ.) નિશ્ચિત, ઠહરાયા હુવા।
બુકરર કરવું (ક્રિ.) સ્થાપિત કરના, કાયમ કરના, સ્થાનાપન્ન કરના। [લગાના, જડના।
બુકરી જવું (ક્રિ.) નટ જાના, ઇન્કાર કર દેના, અસ્વીકાર કરના, ના કરના।
બુકવું (ક્રિ.) રખના, એક વસ્તુપર દૂસરી વસ્તુ રખના, ઢાંકના, ઓઢના, લગાના, સૌંપના, સિપુર્દ કરના,

मेजणा, ध्यान न देना, बाकी रखना, कमी करना, क्रोध त्यागना ।

मुकाटी (सं.) ठेका, कन्ट्रेक्ट ।

मुकादम (सं.) मुखिया, नायक, अग्रेसर, जमादार, सरदार, दरोगा, ओव्हरसीयर, सुपरिण्टेण्डेंट, सुपरवट, एजेण्ट (बन्दरगाहोंपर) ।

मुकादमी (सं) जमादारी, सरदारी ।

मुकाबला (वि) सादृश्य, समान ।

मुकाम्बेा (सं) तुलना, समानता, सामना, बराबरा, आमनासामना, दृष्टान्त, उपमा, उदाहरण ।

मुकावणें (क्रि.) छुड़ाना, अलग करना. पृथक्करण, हटाना ।

मुकावणें (क्रि.) छूटना, छूट सकना, तुड़ाना, अलग होना, नम्र होना ।

मुकासिवणें (क्रि) देखाळना, छोड़ देना, त्यागदेना, रखदेना ।

मुकुर्रर-र (क्रि. वि.) मुकर्रर, निश्चित, निश्चय, निरसन्देह, अवश्य ।

मुकी (सं.) मुट्ठी, मूठी, मुक्का, घुस्सा घूँसा, मुष्टिका प्रहार ।

मुकेा (सं.) घूंसा, चपेटा, खूब जोरका मुक्का, दूँसा ।

मुक्त (वि.) मुक्त, छूटा, सफल, मुक्तिप्राप्त, मोक्षप्राप्त, बन्ध रहित ।

मुक्ता (सं.) मोती, मौक्तिक, रत्न ।

मुक्ताइ (सं.) मृतपुरुषका वार्षिक श्राद्ध या उत्सव (पारसी आदि में)

मुक्ति (स) दुःखकी अत्यंत निवृत्ति, नित्यसुखकी प्राप्ति, ब्रह्म, कैवल्य, निर्वाण, निःश्रेयस, मोक्ष, अपवर्ग, परित्राण, मोचन, संगति, छुटकारा, स्वतंत्रता, ईश्वर प्राप्ति ।

मुख (सं.) वदन, मुहं, मुखड़ा, खानेका अंग, चेहरा, सिरका सामनेका भाग । जहां नदी समुद्रमें गिरती हो, द्वार, दरवाजा ।

मुखडा (सं.) चूहा, मूसा, ऊँदरा, मूषक ।

मुखदळणा (सं.) मुहंका दिखावा ।

मुखस्तुलानी (क्रि वि.) मुहंसे, मौखिक, मुहंसे, जबानसे । [चेहरा ।

मुखडें (सं.) मुख, वदन, मुहं,

मुखतार (सं.) देखो मुक्ताइ

मुखतेसर (वि.) थोड़ा मुखिसर, सूक्ष्म, संक्षिप्त, परिमित, सार, अल्प ।

मुखत्यार (सं.) प्रतिनिधि, स्वतंत्र, समस्त अधिकारवाला । कर्ता ।

મુખત્યારનામું (સં.) અધિકારપત્ર મુખત્યાર બનાનેકી લિખી હુઈ દસ્તાએવેજ, વકાલતનામા ।

મુખત્યારી (સં.) સમસ્ત અધિકાર, મુખત્યારકાધંધા, વકાલત, સ્વતંત્રતા, સ્વમતાનુગમન, સત્તા છૂટ ।

મુખના ભમોખાં કરવાં (ક્રિ.) મુહં દેખી બાતેં કરના, ઝપરી બાતોં સે ખુશ કરના ।

મુખપાઠ (વિ.) કંઠસ્થ, કંઠાગ્ર, મુખાગ્ર, જિહ્વાગ્ર, મુખસ્થ ।

મુખમાં રામ બગલમાં છુરી-હાથ સુમરની બગલ કતરની ।[રણપત્ર ।

મુખપત્ર (સં.) ટાઇટલપત્ર, આવ-

મુખપરીક્ષા (સં) જબાની ઇમ્તહાન, મુખાગ્ર પરીક્ષા ।

મુખપટો (સં.) મૂર્તિયા સિક્કેકા ચેહરા, આધે શરીરકા ચિત્ર ।

મુખવાસ (સં.) ભોજન કરને કે બાદ પાનસુપારી ઇલાયચીદ્વારા મુખ શુદ્ધીકરણ, ખાનેકી સુગન્ધિત વસ્તુ ।

મુખસંધિ (સં.) વસ્તુકે આરંભમેં ભિન્ન ભિન્ન પ્રકારકે અર્થ ઔર રસ કે સહારે જો દૂસરેકી ઉત્પત્તિ કહી જાવે । ઇસમેં બારહ અંગ હૈં ૧ ઉપન્યાસ, ૨ પરિ..ર, ૩ પરિન્યાસ ૪ વિલોભન, ૫ યુક્તિ, ૬ પ્રાપ્તિ, ૭ સમાધાન, ૮ વિધાન, ૯ પરિભાવના ૧૦ ઉદ્ભેદ ૧૧ ભેદ ઔર ૧૨ કરણ ।

મુખિયું (સં.) કોથલાકા મુહં બન્દ કરનેકી રસ્સી ।

મુખિયો (સ.) ઠાકુરજીકી સેવા કરનેવાલે સેવકોંકા મુખિયા ।

મુખી (સં.) નાયક, પટેલ, મુખ્ય, સર્દાર ।

મુખીઓ (સં.) દેખો મુખિયો

મુખ્યાપ (વિ.) મોરવા શહરકા અનાર યા બેદાના ઇત્યાદિ ।

મુખ્ય (વિ.) શ્રેષ્ઠ, પ્રધાન, મુખિયા, આગેવાન, અગુઆ, ખાસ ।

મુખ્યત્વે-કરીને (ક્રિ. વિ.) સબસે પહિલે, ખાસ કરકે, બહુત કરકે, વિશેષતઃ ।

મુગટ (સં.) મુકુટ, તાજ, કિરીટ, સેહરા, મૌર, મોરપક્ષ, કલગી, શિરબન્ધ, મુકુટ, સિરમૌર, પૂજ્ય, માન્ય ।

મુગટી (સં.) છોટા મુકુટ ।

મુખરો (સં.) દેખો મુકરો=સોલા, પૂજા તથા ભોજનके समय पवित्र परिधानवस्त्र ।

મુખડી (સં.) एक प्रकारका आभूषण जो कानमें पहिना जाता है, तळी हुई पपडी विशेष, खाद्य पक्वान्न विशेष । [मुख्य जाति ।

મુખલ (વિ.) मुसलमानोंकी एक

મુખલાઈ (સં.) मुगलबादशाहों का शासन, भारतका वह समय जिसमें मुगलोंका राज्य रहा, ठाठ बाठ, शान शौकत, भपका, शोभा, ऐश्वर्य्य, अन्यायी तथा स्वेच्छाचारी राज्य, दगाबाजी, ठगी, धूर्तता, बदमाशी ।

મુખલાઇ અખત્યાવવી (ક્રિ.) स्वेच्छाचरण करना, अन्याय पूर्वक बर्ताव करना । [नकी स्त्री, मुसलमानी ।

મુખલાણી (સં.) मुगल मुसलमा-

મુખલાડી (સં) एक प्रकारका रेशमी वस्त्र जिसे स्त्रियां पहिनती हैं।

મુખુ-ગો (સં.) मूक, गूंगा, अवाक् ।

મુખોમાર (વિ.) दिखे नहीं परन्तु बहुत ।

મુખ્ખટ (સં.) देखो મુખટ ।

મુખ્યરોજ્યકરો (સં.) करारनामा, प्रतिज्ञापत्र, वचनपत्र ।

મુખ્યવું (ક્રિ.) रखना, छोड़ना, त्यागना ।

મુખ્ખ (સં.) मूंछ, मुच्छ ।

મુખ્ખાળો (વિ.) मूछोंवाला, बड़ी२ मूछोंवाळा, भूरी मूछावाळा, मर्द, मनुष्य ।

મુજ (સર્વ૰) मेरा, मैं शब्दकी षष्ठी।

મુજ્જુ (સં.) दमेका रोग, हृदयरोग, फेंफड़ेकी बीमारी, श्वास, कास ।

મુજને (ક્રિ. વિ.) मुझे, मेरेको ।

મુજબ (વિ.) अनुसार, तुल्य, समान, सरीखा, जैसा ।

મુજમુદાર (સં.) देखो મજમુદાર ।

મુજરો (ક્રિ વિ) देखो મજરે ।

મુજરો(સં.) नमस्कार, प्रणाम, वन्दन, नमस्ते, सलाम, बन्दगी ।

મુજલામત (સં.) टीका, टिप्पणी, विवरण, चर्चा, विवेचन, छिद्रान्वेषण, आपत्ति, व्याधि, कटकटांट ।

મુજલ્લ (સં.) पदार्थ, वस्तु, सत, मवाद, मतलब, पीव ।

મુજલ્લો (સં.) हिसाब, लेखा, हरकत, दरकार, प्रभाव, जरूरत, गौरव ।

મુજસ્સત (સં.) नम्रता, सुशीलता, सभ्यता, साधुता, भलमन्साई ।

મુજાવર (સં.) કબરકા પુજારી, મસ્જિદકા મેહતર ।

મુજાવરી (સં.) કાર્યાલય, દફ્તર ધન સમ્પત્તિ ઇત્યાદિ મુજાવર કો ।

મુઞ્જિયો (સં.) પવિત્ર ઘાસકા, મૂંજકા, વહ બ્રહ્મચારી, જિસકા યજ્ઞોપવીત સંસ્કાર હુવા હો ।

મુઞ્જણ (સં.) વ્યાકુલતા, બેચૈની, ઘબરાહટ, વ્યગ્રતા, ક્ષોભ, ઉચાટ, ઉદ્વેગ ।

મુઞ્જરો (સં.) એક પ્રકારકા રોગ, એક પ્રકારકા ભયંકર જ્વરવિશેષ ।

મુઞ્જવું (ક્રિ.) ઘબરાના, વ્યાકુલ હોના, બેચૈન હોના, ક્ષુબ્ધ હોના ।

મુઠ (સં.) દેખો મુઠ ।

મુઠિયું (સં.) આટેકો પ નીમેં ગૂંધકર ઉસે મુઠ્ઠીમેં દાબકર તેલ મા ઘૃતમેં ભૂના હુવા પદાર્થ ।

મુઠી (સં.) દેખો મુઠી ।

મુઠી વાળવી (ક્રિ.) મુઠ્ઠી બન્દ કરના, અંગુલિયોંકો હથેલીકે સાથ બન્દ કરના, કુછભી નહીં દેના વિઞ્ચત કરના ।

મુઠીઓ વાળીને નાસવું ક્રિ.) જોરસે ભાગના । સપાટેસે દૌડના ।

મુઠી આપવી (ક્રિ.) નિત્ય નિયમિત અન્ન અથવા ચૂન દાન દેના ।

મુઠીઓર (ક્રિ. વિ.) થોડા, મુઠ્ઠીમેં સમા સકે ઉતના । [ગોલા ।

મુઠ્ઠો (સં.) બડ़ી મુઠ્ઠી । રેશમકા

મુડણ (સં.) હજામત, ક્ષૌર, વપન, બાલોંકા મુંડવા દેના । એક સંસ્કાર જિસમેં પહિલેપહિલ બચ્ચેકે બાલ કાટે જાવે ।

મુડદાર-લ-ળ (વિ.) સૂખા, રૂખા, અસક્ત, નિર્બળ, નિર્જીવ, મરને યોગ્ય, ક્ષીણ, કૃશ, નિરુત્સાહી ।

મુડદાશિંગ (સં.) મુર્દા સીંગી, એક પ્રકારકા ઔષધિ ।

મુડદું (સં.) મૃત, મૃક, પ્રેત, શવ, લાશ, જીવરહિત શરીર ।

મુડન (સં.) દેખો મુડણ ।

મુડવું (ક્રિ.) મુંડના, છુરેયા ઉસ્તરે સે બાલ સાફ કરના । ઠગના । ધોકા દેના, શિષ્ય કરના, હજામત કરના ।

મુડાવું (ક્રિ.) ઠગાના, સાધુકા શિષ્ય હોના । હજામત કરાના ।

મુડિયો (સં.) સિર મુંડાયા હુવા મનુષ્ય ।

મુડી (સં.) દેખો મુડી ।

મુડો (સં.) દેખો મુડા ।

મુણ્ડ (સં.) મસ્તક, માથા, સિર ।

મુણ્ડન (સં.) દેખો મુડણ ।

મુજ્ઞ (વિ.) મૂર્ખ, અવડ, ઠઠ ।
મુતર (સં.) જુઓ મૂતર ।
મુતરવું (ક્રિ.) મૂતવા, પેશાબ કરના, ટિગેંદ્રિયદ્વારા પાની બાહિર નિકાલના ।
મુતર કરવું (ક્રિ.) (પશુકા) પેશાબ કરના ।
મુતર કાઢવું (ક્રિ.) પેશાબ કરનેકા સ્થાન સાફ કરના ।
મુતરી દેવું (ક્રિ) મૂત દેના, ડરના, કાંપના । [યોનિ ।
મુતરાણી (સં.) મૂત્રેન્દ્રિય, લિંગ,
મુતરાણું (વિ.) જિસે મૂતનેકી જરૂરત હો, પેશાબકી હાજતવાળા ।
મુતરાવવું (ક્રિ.) મુતાના, ડરાના, ધમકાના. મૂતે ઐસા કામ કરના ।
મુતરિયું (સં.) પેશાબ કરનેકા પાત્ર, મૂત્રઘર, મૂતદાની ।
મુતલબ–બ (ક્રિ. વિ.) બિલકુલ, જરા, થોડા, અલ્પ, સર્વથા, તમામ ।
મુતલિફ (સં.) એક ઓહદેદાર જો કિ રાજમંત્રીકે નીચે હોતા હૈ ।
મુતાલિક (સં.) નાયબદીવાન । સહાયક મંત્રી ।
મુદ્દલી (સં.) જુઓ મુદ્દલી ।
મુદ્દઈ (સં) વાદી, મુદ્દઈ, શત્રુ, દુશ્મન।
મુદ્દત–દ્ત (સં.) ઠહરાયા હુઆ સમય, મુકર્રર વક્ત, નિયતતિથિ, સમય, વાદા ।
મુદ્દતસર (સં.) નિયત સમયપર ।
મુદ્દલ, દ્લ (સં. વિ.) બિલકુલ, તમામ માત્ર, સમસ્ત ।
મુદા (સં.) ઉલ્લાસ, હર્ષ, આનન્દ, સંતોષ, વિશેષ ।
મુદામ–દ્દામ (ક્રિ. વિ.) ખાસ, વિશેષ, સાફ, સ્પષ્ટ, પ્રકટ, નિશ્ચય, નિસ્સંદેહ । સદા, હમેશ, બહુત સમયકા ।
મુદ્દો (સં.) સબૂત, પ્રમાણ, સાક્ષી, પતા, દાખલા, મૂલ, જડ, ચિન્હ, નામનિશાન, અવશેષ ।
મુદ્રા (સં.) ચિન્હ, નિશાની, મુહર છાપ, સિક્કા, અંગુઠી, છલ્લા, બીંટી વહઅંગૂઠી જિસમેં મુહર હો, જોગિયોંકે કાનોંમેં છલે, ગરમ કરકે લગાયે હુએ હાથોંપર ચિન્હ વિશેષ ટાઈપ, દેવતા વિશેષકી આરાધના કરનેકે સમય અંગુળિયોંકી રચના વિશેષ । ચેહેરેકે ભાવ, આકાર, નમૂના, લક્ષણ, સ્નાનકે બાદ મસ્તકમેં ગોપીચંદન આદિકે ચિન્હ, વિશેષ । સમાધિકે સમય મુદ્રાકી

आकृति। गोचरी, अगोचरी चेचरी ज्ञान, खेचरी, भूचरी अगोचरी अळखी आदि। [छापाहुवा।

मुद्रांकित (वि.) टाइप जोड़कर

मुद्राधारी (वि.) जिसके अंगपर गोपीचंदन आदिके तिलक छापे हों।

मुद्रालेख (सं.) मोटो, कहावत, मसला। [छल्ला, अंगूठी।

मुद्रिका (सं.) निशानी, छाप, सिक्का

मुनक्षा (वि.) मनुष्यका।

मुनशी (सं.) क्लर्क, मुहर्रिर, लेखक कारभारी, सेक्रेटरी, फारसी, अरबी उर्दू आदि यवन भाषाओंका ज्ञाता ग्रंथलेखक।

मुनसफ (सं.) दीवानी कामोंका इन्साफ करनेवाला, देशी ओहदेदार न्याय करनेवाला, इन्साफी।

मुनीम (सं.) सेठोंकी दुकानपर मुख्य कार्य कर्ता मनुष्य, मेनेजर व्यवस्थापक, आढतिया, कारभारी नायक, अधिकारी।

मुने (सर्व.) मुझे, मुझको, मेरेको।

मुन्य (सं.) मौन, मूकभावसंज्ञप्ति,

मुरक्षक (वि.) गरीब, कंगाल, दीन, दरिद्री, दुखी, बेहाल।

मुरक्षसी (सं.) गरीबी, दीनता, दारिद्र्य, कंगाळी, लाचारी, दुर्दशा आपत्ति।

मुरक्षीस (सं.) देखो मुरक्षस।

मुरक्षीसी (सं.) देखो मुरक्षसी।

मुरखेसी पूर्ववत्। [बाहिरगांव।

मुरखीस (सं.) परदेश, विदेश,

मुरारक (वि..) भाग्यशाळी, सुखी आबाद, मंगळ, अनुग्रहकारी, अनुकूळ, मांगळिक, कल्याणप्रद।

मुरारकगिरी–मादी–मी (सं.) धन्य, वाद, बधाई, अभिनन्दन।

मुरती (सं.) कपड़ेका, वह टुकड़ा जिसे जैन साधु अपने मुहपर बांधते हैं।

मुरना (सं.) मुसलमानोंकी एक जाति विशेष। मुसलमानोंकी वह जाति जो हिंदूजातिसे पतित होकर मुसलमान बने हो।

मुरम (सं.) मनुष्यकी चर्बीद्वारा बनाहुआ मल्हम।

मुरख (वि.) देखो मूर्ख।

मुरग (सं.) देखो मृग।

मुरघाणी (सं.) जलमुर्गी, पानीमें रहनेवाला पक्षीविशेष।

मुरधी (सं.) सुर्गी, पक्षीविशेष।

મુરઘી (સં.) મુર્ગી, મુર્ગ, કુક્કુટ
મુરજ (સં.) એક જાતીકા ઢોળ, નગારા વિશેષ ।
મુરત (સં.) પ્રતિમા, મૂર્તિ, આદમી (સાધુ સમાજમેં) સીમંતોન્નયન સંસ્કાર, તીસરા સંસ્કાર, જો બાળકકે ગર્ભ સમયમેંહી કિયા જાતા હૈ, અગરણા મુહૂર્ત, અચ્છા સમય ।
મુરતબરવું-મંડાવું (ક્રિ.) કિસી કાર્યકે આરંભ કરનેકે લિયે શુભ કર્તા સમય નિશ્ચયહોના, આરંભ કરના ।
મુરબ્બી (સ.) કુટુંબમેં બડાઆદમી વયોવૃદ્ધ, બડા, માની પૂજ્ય રક્ષક, આશ્રયદાતા પોષક, મદદ ગાર, હિમાયતી, પાલક ।
મુરબ્બો (સં.) આમકે કચ્ચેફળ, સેવનાસપાતી આંવળે આદિકા ઉબાળકર શકરકી ચાસનીમેં તય્યાર કિયા હુવા પદાર્થ વિશેષ મુરબ્બા ।
મુરમુરા (સં.) દેખો ભમરા ।
મુરવત (સં.) અદબ, મર્યાદા, માન, પૂજ્યબુદ્ધિ, વજન, ભાર ।
મુરસદ (સં.) ધર્મગુરુ, ધર્મશિક્ષક।
મુરશીદ (સં.) પૂર્વવત્ ।
મુરાતબ (સં.) ગૌરવ, પ્રતિષ્ઠા, માન, આવરૂ, બડપ્પન ।
મુરાદ (સં.) ઇચ્છા, ચાહ, આશા, અભિલાષ, વાંછા, ચાહના, ઉમ્મેદ।
મુરીદ (સં.) શિષ્ય, ચેલા, શાગિર્દ ।
મુલ (સં.) દેખો મૂલ ।
મુલક-લુક-મુખ (સં.) દેશ, પ્રદેશ, રાજ્ય, મુલ્ક, રાષ્ટ્ર ।
મુલકગિરી-ખગિરી (સં.) યાત્રા, ભ્રમણ, દેશપર્ય્યટન, દેશાટન, મુસાફરી ।
મુલકી (વિ.) રેવેન્યૂસમ્બંધી, મહસૂલ વિષયક, દેશી, દિસાવરી ।
મુલકી કામદાર (સં.) રેવેન્યૂ ઑફીસર, મામલતદાર ।
મુલકી ખાતું (સં.) રેવેન્યૂકા હિસાબ, મહસૂલકા ખાતા । [પૂરા ।
મુલતવું (ક્રિ. વિ.) બિલકુલ, સબ,
મુલતવી (ક્રિ. વિ.) મૌકૂફ, સ્થગિત, રોકા, ઠહરાવા ।
મુલતવી રાખવું (ક્રિ.) વિચારાધીન રખના, સ્થગિત કરના, ઠહરાના ।
મુલતાની (વિ.) મુલતાન દેશકા (સં.) રાગવિશેષ ।
મુલ્લાર (વિ.) કીમતી મૂલ્યવાન, બેશકીમતી, અધિક મૂલ્યકા ।

મુલ ખડી (વિ.) વ્યાપારમાં વખારકે લિયે સાંકેતિક શબ્દ ।

મુલમ્મો (સં.) રોગન, લેપન, પ્લાસ્ટર, કલઈ ।

મુલવવું (ક્રિ.) કીમત કરના, ભાવ નિકાલના, મૂલ્ય કરના ।

મુલવાન (વિ.) દેખો મૂલ્યવાન ।

મુલાયમ (વિ.) નરમ, કોમલ, મૃદુ ।

મુલાકાત-ાત-ાત (સં.) મેલ, ભેટ, મિલન, સમાગમ, બાતચીત ।

મુલાહેજો (સં.) મર્યાદા, માન, પ્રતિષ્ઠા, વિવેક વિચાર, અદબ ।

મુલામ (સં.) મુલમ્મા, કલઈ, (વિ.) ઉમ્દા, ઉત્તમ, શ્રેષ્ઠ, મુલાયમ, કોમલ ।

મુલામી (વિ.) કોમલતા, મુલાયમી ।

મુલામો (સં.) દેખો મુલમ્મો ।

મુલ્લાં (સં.) મુસલમાનોંકા ધર્મોપદેશક, ન્યાયકર્તા । શિક્ષક, પંડિત

મુલ્હો (સં.) પૂંજી, ધરોહર, મૂલધન ।

મુવાડો (સં.) છોટા, ગાંવ, ગાંવડા ।

મુવાળો (સં.) બાલ, કેશ, કચ, રોમ ।

મુવાં પહેલાં ઘેરૂ મુવાં પહેલાં મહોલાણ	કુછ ભી નહીં હુઆ ઔર તદનુસાર કાર્ય કરના ।

મુવાનહિનેપાછાવખા=જૈસાકા તૈસા । જ્યોંકાત્યોં, એકકા એક ।

મુવું (વિ.) મુર્દા, મરા, મૃત, ઇસ શબ્દકો સ્ત્રિયાં ગાલિયોંમેં પ્રયોગ કરતી હૈં ।

મુવો વરને મણી ખાન=મુઝે કિસ બાતકી ચિન્તા, મુઝે ક્યા દુઃખ, મેરી બલાસે, ચૂલ્હેમેં જાય ભાડમેં નિકલે ।

મુસ્કે બાંધવું (ક્રિ.) દોનોં હાથોંકો પીઠકે પીછે બાંધ દેના ।

મુશ્કેલ (વિ.) કઠિન, ક્લિષ્ટ, ગહન ગૂઢ, વિકટ, અશક્ય, અસંભાવી ।

મુશ્કેલી-યત (સં.) મુસીબત, મિહનત, સંકટ, દુઃખ, કષ્ટ, કઠિનતા ।

મુશળી (સં.) દેખો મુસલ્લુ ।

મુસદ્દી (સં.) લેખક, ક્લર્ક, મુહર્રિર

મુસદ્દો (સં.) મજમૂન, નિબન્ધ, નકશા, આલેખન, નમૂના, રૂપરેખા ।

મુસલમાન (સં.) અપને ઈમાનપર દૃઢ રહનેવાલા મનુષ્ય, યવન, મુહમ્મદ સાહેબકા અનુયાયી (વિ.) ઉદ્ધત, બદમાશ, અચ્છૃંખલ, નીચ, દુષ્ટ ।

મુસલ્લો (સં.) જિસ દરી ફર્શ યા કપડેપર મુસલમાન, નમાજ પઢતે હૈં । (ઓછી બોલીમેં) મુસલમાન ।

मुसळ (सं) देखो मुसळुं ।

मुसळभंडी (सं.) चांवल, तंदुल, धान्य विशेष, चोखा, अक्षत ।

मुसळधार (वि.) भयंकर वृष्टि, मोटी मोटी धाराओंकी महान वर्षा ।

मुसळस्नान (सं.) शरीरपर थोड़ा बहुत पानी डालकर नहा लेना । ऐसा स्नान जिसमे आधा शरीर भीग जावे और आधा सूखा रह जावे । कौवा स्नान ।

मुसळी (सं.) एक प्रकारकी औषधि, यह दो जातिकी होती है । सफेदमूसळी और काळीमूसळी ।

मुसळुं (सं.) मूसल, वत्ता, पदार्थ कूटनेका लोहकाष्ट अथवा पत्थर-कादंड ।

मुसाफर (सं.) पथिक, यात्री, बटोही, प्रवासी, पंथी, राहगीर ।

मुसाभाईने वाघनुं-कोरमकोर छूछा धनमाळहीन हालत ।

मुसाहेब-रेदार-हित (सं.) सेवक, नौकर, भृत्य, चाकर ।

मुसाहेरो (सं.) वेतन, तनख्वाह, मजदूरी, मासिक या वार्षिकवेतन ।

मुसाहिब (सं.) साथी, संगी, मित्र, सौहृदयी, सहवासी ।

मुसी (सं.) एक प्रकारकी मछली ।

मुसीबत (सं.) दुःख, तकलीफ, मेहनत, कठिनाई ।

मुस्तकीन-न (वि.) मजबूत, दृढ, पुख्ता, स्थायी ।

मुहूर्त (सं.) अनुकूल समय, द्वादशक्षण परिमितकाळ, दोघड़ी का समय, ४२ मिनिटका समय । आरंभ, शुरूआत । सीमंत संस्कार ।

मुळ (सं.) देखो मूळ । [बराबर ।

मुळगुं (क्रि. वि.) बिलकुल, ठीक,

मुळजी-ळी (सं.) बहुत भोजन करके तृप्त होना । कष्ट करना, दुखना ।

मुळाप्रथी (सं.) मूलियोंकी गड्डी ।

मुळियुं (सं.) वृक्षकी छोटी जड़, मूळ । [वाळा ।

मूकधारी (वि.) मौन धारण करने

मूगुं (वि.) मूक, गूंगा, वाणी हीन । [के बाल ।

मूछ (सं.) श्मश्रु, मोंछ, ओंठपर

मूछना आंकडा वाळवा (क्रि.) मूछोंपर ताव देना । [प्रिय ।

मूछनोवाळ (सं.) अत्यंत प्यारा,

मूछपरताव-ताव देवो (क्रि.) मूछोंपर हाथ फेरना धिक्कारना ।

મૂછપરહીંણુ રાખવાં (ક્રિ.) શેખી-દિખાना, अकड़ना, गर्व करना ।
મૂછમાંહસવું (ક્રિ.) मुस्कुराना ।
મૂછેલીંખુ છે (ક્રિ.) जिद है, हठ है, टेक है ।
મૂછ હાથે દેવો-દેવવો (ક્રિ) अपनी बात ऊंची रखना ।
મૂજવણ (सं.) बेचैनी, पीड़ा, क्लेश, दुःख ।
મૂઢ (वि.) बिना अक्लका, सूम, ठोठ, जड़, मूर्ख, मतिमन्द, जड़ ।
મૂઠ (स.) दस्ता, बेंट, हत्था, हॅंडळ, हाथकी मुठ्ठीमें पकड़ने का भाग । मारडालने के लिये एक मंत्र प्रयोग । चोट, गिल्लीडंड के खेलमें एक दाव विशेष ।
મૂઠવારવી-ઉતારવી (ક્રિ.) मंत्र प्रयोगकीशांतिकरना ।
મૂઠમારવી (ક્રિ.) मंत्र प्रयोग अजमाना ।
મૂઠી (सं.) मुष्टि, पांचों अंगुळियों को हथेलीसे मिलाने मे जो वस्तु उसके अन्दरहो, मुठ्ठी ।
મૂઠી ઇશારી-ઇસારવી (ક્રિ.) संकेत करना, इशारा करना ।
મૂઠી બંધ થવી (ક્રિ) लेनदेन बन्द होना, देना बन्द करना ।
મૂઠીમોવાણી નાસવું (ક્રિ.) प्राण लेकर भाग छूटना, भयातुर हो भगिना ।
મૂઠીમાં રાખવું (ક્રિ.) अपने अधिकारमें रखना, सत्तामें रखना ।
મૂઠીમાં સમાય એટલાં=थोड़े बहुत ।
મૂડી (सं.) माथा, सिर, मस्तक, चोटी पूंजी, । व्यापारमें लगाया, हुआ धन ।
મૂડી નીચી થઇ જવી (ક્રિ.) इज्जत कम हो जाना । अपमानसे सिर झुक जाना ।
મૂડી મંતરવી (ક્રિ.) उलटासीधा समझाना, फुसलाकर कुछ ले लेना ।
મૂડી મોચન કરવું (ક્રિ) अपमानित करना । मान भंग करना सिर मूँडना । [आधीन होना ।
મૂડી હાથમાં દેવી (ક્રિ.) अपने
મૂડો (सं.) सौ मणका माप । बंबईमें पच्चीस सेर वजन भरनेका पात्र विशेष, तौल परिमाण विशेष ।
મૂઢ (वि.) मूर्ख, अज्ञानी, अपढ, अनभिज्ञ, अज्ञ, मतिमंद, बेवकूफ ।
મૂતખડો (सं.) पथरी नामक रोग ।
મૂતર (सं.) मूत, पेशाब, मूत्र, लघुशंका, वह पानी जो पेठके नीचेकी इन्द्रियमेंसे निकलता है ।

मूतरभानु (सं.) पेशाब करनेकी जगह, मूतघर, पेशाबघर ।

मूतरडी (सं.) पूर्ववत् ।

मूतरबुं (क्रि.) पेशाब करना, मूतना, लघुशंका करना ।

मूतरावुं (वि.) मुताया, जिसे मूतनेकी इच्छा हो ।

मूत्रपथ (सं.) पेशाब आनेकी नली ।

मूत्रपिण्ड (सं.) वह स्थान जहां रक्तसे अलग होकर पेशाब बनता है । यह पिण्ड पेटमें होता है । गुर्दा ।

मूत्राशय (सं.) वह थैली जो पेटके अंदर होती है और जिसमें मूत्र संचय होता है । [योनि ।

मूत्राह (सं.) भैंस अथवा गऊकी

मूर्ख (वि.) मूढ, अज्ञान, अजान अनभिज्ञ, बेवकूफ, शठ, अबोध, मतिहीन ।

मूर्च्छना-मूर्छा (सं.) मोह, कश्मल, संम्मोह, अचेनता, बेहोशी बेसुधि ।

मूर्च्छागत-न्नित (सं.) अचेत, बेहोश, बेसुध, भानरहित । मोहित ।

मूर्छना (सं.) गीतका अंग विशेष, स्वरको एक बार चढाने और उतारनेकी क्रिया विशेष ।

मूर्छी (सं.) एक प्रकारका रोग विशेष ।

मूर्ति (सं.) पत्थर या लकड़ीमें खोदी हुई आकृति विशेष, धातु या मिट्टीका बनाया हुआ आकार विशेष । बनाया हुआ चित्र, प्रतिमा आकार, पुतली, तस्वीर, साधु-पुरुष, संत ।

मूल्य-क्य (सं.) मोल, भाव, दर, दाम, निरख, कीमत, मजदूरी, वेतन, रोजाना वेतन ।

मूल्यदार वि.) कीमती, महंगा, बेश कीमती मूल्यवान ।

मूल्यवान (वि.) पूर्ववत् ।

मूल्री (सं.) मजदूर, श्रमजीवी, मजूर ।

मूस (सं.) धातु गाळनेके लिये बनाई हुई एक प्रकारकी मिट्टीकी कटोरी, विशेष सांचा ।

मूळ (म.) जड़, वृक्षकी वह शाखा जो पृथ्वीमें होती है । उन्नीसवां नक्षत्र, कारण, नींव, आरंभ, आधार, कुल, वंश, जिसपुरुष थीसे वंश विस्तार हुआ हो । पुरखा, पूर्वज, आदि पुरुष, आरंभ उत्पत्ति, शुरुआत, मूळ (पुस्तक

बिना टीकाकी), पूंजी, नदीका स्थान, पांचकी संख्याके लिये संकेत शब्द ।

મૂળઅક્ષર (सं.) प्रथम अक्षर ।

મૂળ ઊડાં છે=उस मनुष्यके लिये यह वाक्य प्रयोग किया जाता है जिसके मनकी और बाहिरकी जानना कठिन हो ।

મૂળ કાંપવું (क्रि.) समूळ नष्ट करना, बिलकुल बरबाद करना ।

મૂળપીઠિકા (सं.) आरंभिक कथन भूमिका मात्रा आदि रहित हो, स्वर, व्यंजन ।

મૂળાડીઉં (सं.) मूळ, जड़ ।

મૂળી (सं.) कोमळ जड़, पतळी जड़ ।

મૂળે (क्रि. वि.) आदिमें, आरंभमें ।

મૂળો (सं.) एक प्रकारकी तरकारी भाजी मूळीकी भाजी, मूरी, मूरई ।

મૂળાંના પાંદડીક્રમજોર, हिम्मतहीन

મૂળાના પતીઆ જેવા ફિયા-गोळ गोळ तथा सुन्दर ।

મૃગ (सं.) हरिण, कुरंग, सांभर; पांचवां नक्षत्र, मृगशिर, इसनक्षत्र में वर्षा होती है ।

મૃગજ (वि.) हरिणसे उत्पन्न (सं.) कस्तूरी, मृगमद, । मृगनाभि ।

મૃગજળ (सं.) भ्रम, मृगमरीचिका. मृगतृष्णा, । वृक्षरहित जंगलोंमें और प्रायः रेतीले मैदानोंमें धूपकी लहरें जलके समान बोध होती है जिन्हें पानी समझ कर हरिण अपनी प्यास बुझानेके लिये वहां जाता है वहजल हीं मृगजल कहाता है ।

મૃગનાભિ-ભ (सं.) कस्तूर, मुश्क

મૃગયા (सं.) शिकार, हिंस्र पशुओंका जंगलमें जाकर वध करना, आखेट ।

મૃગલાંછન (सं) चन्द्रमाका काळा दाग, चांदमें काळा निशान ।

મૃગલી (सं.) हरिणी, मृगी ।

મૃગાંક (सं.) चन्द्रमा, चांद, कपूर ।

મૃગી (सं.) हरिणी, मादाहरिणी । सुन्दरस्त्री ।

મૃણાલ (सं.) कमलनाळ कमलकी जड़ ।

મૃણાલિ (सं) कमळिनी ।

મૃત (वि.) मुवा, मराहुवा, मुर्दा, प्राणरहित, परलोक गत ।

મૃતક (सं.) शव, मुर्दा, लाश, जीव रहित शरीर, शोच (वि.) मरने वालेसे संबंध रखनेवाला ।

મૃતપત્ર (સં.) વસીયતનામા, મૃત લેખ, અધિકાર પત્ર ।

મૃતાશૌચ (સં.) મરજાનેકા સૂતક મૃત્યુકે બાદકી ૧૦ દિનકી અપવિત્રતા ।

મૃદંગ (સં.) એકપ્રકારકા બાજા, યહડોલકકી શકલકા હોતા હૈ ઇસકી આવાજ તબલેકે સમાન હોતી હૈ । પખાવજ । [મધુર ।

મૃદુ (વિ.) નરમ, કોમલ, મીઠા,

મૈં (સર્વ.) મૈ સર્વ, મુઝસે ।

મેંઢક (સં.) દાદુર, મેક, મણ્ડૂક, મેંઢક । [મેંઢા ।

મેંઢા (સં.) મેષ, ગાડર, મેઢા,

મેંઢી (સં.) મેઢી, ભેડ, મેષી ।

મેંઢુ (સં.) મેંઢા યા મેંઢી, ભેડ, મેઢી, મેષ ।

મેંદી (સં.) મેહદી, એકપ્રકારકી પત્તિયાં, જિન્હેં પીસકરઃ હાથ પૈર લગાનેસે લાલ હોજાતે હૈં । પ્રાયઃ સ્ત્રિયાં લગાતી હૈં ।

મેંદો (સં.) ગેહુઓંકા સત્વ, મૈદા, ગેહુઓંકા બારીક ચૂર્ણ, નિશાસ્તા ।

મેંસ (સં.) કજ્જલ, કાજલ, સ્યાહી ।

મેંહના માટા આંખોમેં લગાનેકા કોઈ અધિક કાજલ આંખોમેં લગાતેકા હૈ તબ વહ હંસીકે રૂપ કહતે હૈં

મેંહનો ચાંલ્લો (સં.) અપકીર્તિ, લાંછન, કલંક, કાળાટીકા ।

મે (સં.) મેઘ, મેહ, વર્ષા (કાવ્યમેં) સત્તા, અમલદારી, અધિકાર, અંગ્રેજી પાંચવાં મહીના મઈ ।

મેક્ષણ (સં.) ખોંચા, ચમચા, ચાટ ।

મેખ (સં.) ખૂંટી, કીળ, કીળી,

મેખ (સં.) દેખો મેષ ।

મેખણું (સં.) મોગરી, હથોડા, છોટા બાલક ।

મેખ ઠોકવી (ક્રિ.) કિસી પ્રકારકા અટકાવ કરના, બીચમેં રોકના ।

મેખડીવી (સં.) દેખો મેખણું ।

મેખ મેસવું (ક્રિ.) અટકના, દેરી હોના, બાધાઉપસ્થિત હોના ।

મેખમારવી (ક્રિ.) અત્યંત દુઃખદેના સતાના ।

મેખણ (સં.) લડાઈકા એક પ્રકારકા હથિયાર, કાટિસૂત્ર, તાબડી, કંદોરા મેખલા, કરધની ।

મેખળા (સં.) પૂર્વવત્ ।

મેખળો (સં.) પૂર્વવત્ ।

मेषान्तर (सं.) बहाना, मिस, निमित्त, ढोंग।

मेषिधुं (सं.) अफीम, एकप्रकारका मादक द्रव्य, अमल।

मेषी (सं.) अफीमची, अफीम खानेवाला व्यसनी, अफीमी।

मेषुं (सं.) अफीम, अमच, पोस्त कसूंभा।

मेमनी (सं.) बकरी भेड़ोआदिकी विष्टा, गोलीके रूपमें विष्ठा। [मज

मेमण (सं.) हाथी, कुंजर, करि,

मेघ-णो (सं.) बादळ, मेघ, घन वर्षा, मेंह, बरसात, जळधर।

मेमडुं (सं.) छोटासा बच्चा।

मेज (सं.) टेबल, कुर्सीके आगे रखकर लिखने पढनेका तख्त, भोजनका पट्टा। [होना।

मेजपर चढ़वुं (कि.) काम जोरोंसे

मेजमान (सं.) जिसे भोजनके लिये बुलायाहो, पाहुना मेहमान, अतिथि।

मेजमानी (सं.) मिहमानी, आतिथ्य, पहुनाई, रसोई खिलाना आगत स्वागत।

मेजर (कि.) फौजमें कप्तानसे बड़ा ओहदेदार, कोतवाळ, हकीम बड़ी उमका मनुष्य।

मेजरनामुं (सं.) बहुतसे मनुष्यों का हस्ताक्षर युक्त पत्र, अर्जी, प्रार्थना पत्र।

मेडक (सं.) देखोभेडक

मेडी (सं.) मकान के ऊपरका मकान, अट्टालिका, डागळा।

मेडी ढरवी (कि.) स्त्री पुरुषोंको योग्य अवस्था आनेपर एकान्तमें सुलाना। इसे ओरडी ढरवी भी कहते हैं।

मेडो (सं.) बड़ी अट्टालिका।

मेढ (सं.) एक प्रकारका जीव जो लकड़ीमें पैदा होता है। घुन।

मेढवुं (कि.) मिलाना, समानता करना, मुकाबिला कराना।

मेढी (सं.) मेषी, भेड़ी।

मेढुं (स.) मेढ, गाडर, मेष।

मेढो (सं.) पूर्ववत्।

मेथु (सं) देखो मिथु।

मेथुमेथुं (वि.) अंधेरघुप्प, ऐसा अंधकार जहां कुछभी नहीं सूझे।

मेणुं (सं.) ताना, उलाहिना, उपालंभ, आक्षेप, कठोर वचन, टोक।

मेणुं मारवुं (कि.) ताना देना, उलाहिना देना, उपकारको कहना।

मेतर (सं.) भंगी, चपच, मेहतर, डोम, डेड, झाड़ लगानेवाला।

મેતરી (સં.) મેહતરકી સ્ત્રી ।
મેથિયું–ધીઉ (વિ.) મેથી આદિ મસાલા ભરકર બનાયા હુઆ આચાર ।
મેથી (સં.) એક સાગકા નામ । ઇસકે બીજોંકાભી સાગ હોતા હૈ ।
મેથીના છે=ફાયદા હૈ, લાભ હૈ ।
મેથીપાક (સં.) જાડેકે મૌસિમમેં ઘીશક્કર મેથીકા આટા ઇત્યાદિ ચીજોંકા જો પદાર્થ બનાયા જાતા હૈ વહ । માર, પીટનેકી ધ્વનિ ।
મેથીપાક ૦ભાડવો (ક્રિ.) મારના, ઠોકના, પીટના, કૂટના ।
મેદ (સં.) મજ્જા, વસા, ચર્બી, સત્વ, સાર, મુટાઈ, ગર્ભ ।
મેદની (સં.) સંસાર, લોક, દુનિયા, પૃથ્વી ભીડ, ઠઠ્ઠ, ઝુંડ, જત્થા, સમૂહ, સમુદાય ।
મેદાન (સં.) સીધી વૃક્ષ પર્વત રહિત ભૂમિ । કિલેકી આસપાસકી ખુલી હુઈ જગહ । લડાઈકી ખુલી જગહ, રણભૂમિ, ખેત, ફીલ્ડ, ક્ષેત્ર, ઘાસકા જંગલ, બીહડ ।
મેદાન કરી મૂકવું (ક્રિ.) તોડતાડ કર સપાટ કરના ।
મેદાન મૂકવું (ક્રિ.) ઉખાડા કરના, ખુલા છોડના, પૂર્ણ કરના, ખતમ કરના ।
મેદાન પડવું (ક્રિ.) બાહિર હોના, પ્રગટ હોના, ખુદકે ગુણ અવગુણ લોગોંપર પ્રગટ કરના, પ્રકાશમેં આના, આગે આના ।
મેદાનમા આવવું–પેસવું (ક્રિ.) લડાઈમેં સામને આના, શત્રુકે સામને હોકર યુદ્ધ કરના ।
મેદી (સં.) દેખો મેંદી ।
મેદો (સં.) દેખો મૈદો ।
મેન (સં.) કામદેવ, મદન, કન્દર્પ ।
મેના (સં.) એક જાતિકા સુન્દર પક્ષી, મૈના, સારિકા, તોતેકી તરહ બોલના સહજહીમેં સીખ લેતી હૈ ।
મેનો (સં.) દેખો મ્હાનો ।
મેમણ (સં.) કાઠિયાવાડકી તરફ મુસલમાનોંકી એક જાતિ વિશેષ ।
મેમાન (સં.) મેહમાન, પાહુના, અતિથિ, યાત્રી, મુસાફર ।
મેર (ક્રિ. વિ.) ભલે, મુલમેં, તરફ, ઓર, બાજૂપર, પક્ષપર, (સં.) બાજૂ, કોર, તરફ, દિશા, એક પ્રકારકે લોગ, જાતિ વિશેષ, માલાકા મુખ્ય મનિયા જહાંસે માલાકી ગણના હોતી હૈ, મેરુનામ કા પહાડ, હુક્કેકા નેચા, વહ લકડી જિસપર હુક્કેકી ચિલમ

રખી જાતી છે, એક પ્રકારનું ઝાડ એક પ્રકારનું દારૂ બનાવવાનું તાંબાનું પાત્ર ।

મેર બેઠો=સૂર્યાસ્ત હુઆ ।

મેરાઈ (સં.) દરજી, કપડે સીને વાળા, સૂચીકાર ।

મેરામણ (સં.) વહ દાવજો ખેલકે સમય એક કા દૂસરે કો ફાયદે મેં પડતા હૈ ।

મેરિયું (સ.) એક પ્રકારનું દીપક જો દીપાવળી કો જલાયા જાતા હૈ

મેરી (સં.) સ્ત્રી, ઔરત, પત્ની, નારી ।

મેર (સં.) મિત્ર, સાથી, સંગી, જોડીદાર, એક પર્વત કા નામ ।

મેલ (સં.) મળ, મૈલ, કચરા, કૂડા, કાંટ, કાનકા મૈલ દોષ, ઉચ્છિષ્ટ ।

મેલ કાઢવો (ક્રિ.) મૈલ નિકાળના, સાફ કરના, પવિત્ર કરના ।

મેલ મુકવો (ક્રિ.) મનકા સફાઈ કરના, દિલકા કપટ ભાવ છોડના ।

મેલડી (સં.) ઇસ નામકી એક દેવી ।

મેલવું (ક્રિ.) રખના, સ્થાપિત કરના, પહુંચાના, ભેજના, રોકના, રહને દેના, જમા કરાના, ભોગવના ।

મેલાપ (સં.) મુલાકાત, મુઠભેડ (ગ્રહણ) કદમ, મુકામ, રગ, સ્થાન ।

મેલાપ (સં.) દેખો મિલાપ ।

મેલાવવું (ક્રિ) મિલાના, અલગ કરના, પૃથક કરના, છુડાના ।

મેલીદેવું (ક્રિ.) ધર દેના, રખે દેના, છોડ દેના, ત્યાગના ।

મેલી વિદ્યા (સં.) ભૂત પિશાચ ઉતારને કી તથા મારણ જારણ કી વિદ્યા, કપટ ભરી ચતુરાઈ ।

મેલું (સં.) ભૂત, પ્રેત, રાક્ષસ, પલીત, નર્ક, (વિ.) ગન્દા, મૈલા, કપટી, મૈલા । [લગાના ।

મેલું વળગવું (ક્રિ.) ભૂત પ્રેત

મેલું ઉપાડવું (ક્રિ) પાખાના ઉઠાના, વિષ્ઠા સાફ કરના ।

મેવાસો (સં.) દેખો મેવાસો ।

મેવાસો (સં.) વર્ષા, મેહ, બરસાત । નહીં બરસતા હૈ તબ ભિક્ષુક સ્ત્રિયાં જિસ ગીત કો ગાતી હૈં વહ ગીત, વે એક કે સરપર બરસાત કા પુતલા બનાકર પેડ પર રખતી હૈં ઔર માંગને નિકલતી હૈં તબ લોગ ઉસ પુતલે પર પાની ચઢાતે હૈં ઔર અન્ન દેતે હૈં ।

મેવાડી (સં.) એક પ્રકારની મિઠાઈ.
મેવાડા (સં.) ગુજરાતમેં આયે હુએ મેવાડ રાજ્યકે મનુષ્ય.
મેવાડી (વિ.) મેવાડ દેશકી, ભાષા યા કોઈ વસ્તુ જો મેવાડ સમ્બન્ધી હો.
મેવાડો (સં.) મેવાડા કા એક વચન, એક પ્રકારકા રાગ.
મેવાદાર (વિ.) મેવાસહિત પદાર્થ.
મેવાવાળો (સં.) ફલવચનવાલા, ફલયુક્ત, મેવાસહિત.
મેવાસ (સં.) ઐસી છુપનેકી જગહ યા ઝાડી જહાં ચોર યા ડાકૂકો ગાંવ. [તૂફાની.
મેવાસી (સં.) ચોર, લુટેરા,
મેવો (સં.) ફલ, મેવા, સૂખેફલ.
મેષી (સં.) કંજૂસ, કૃપણ, મકખીચૂસ.
મેષરાશિયું (વિ.) અકામ અમર્દ પોસ્ત.
મેષોન્મેષ (ક્રિ વિ) આંખ ખોલના તથા બન્દ કરના, આંખકી પલક ખોલના ઔર મીંચના, નિમિષ.
મેસ (સં.) કાજળ, મસિ, સ્યાહી, કજ્જલ. [માહેશ્વરી બનિયા.
મેસરી (સં.) વૈશ્યોંમે એક જાતિ,

મેસુર (સં.) ચનેકે આટેમેં ઘી ઔર શક્કર ડાલકર બનાયા હુઆ પદાર્થ.
મેહ (સં.) ઈશ્વર, પરમાત્મા.
મેહ-હુનો (સં.) વર્ષા, બરસાત, પાની.
મેહક (સં.) સુગન્ધિ, ખુશબૂ.
મેહકવું (ક્રિ.) સુગન્ધ આના, ખુશબૂ ફૈલાના, સુવાસ આના.
મેહેકાટ (સ.) દેખો મેહક.
મેહેણું (સં.) કિયા હુઆ ઉપકાર કહ સુનાના, કિસીકો ગુપ્ત બાતકો પ્રકટ કરકે ઉસે દિલકો ચોટ પહુંચાના. [પ્રબન્ધ.
મેહેન્દુજ (વિ.) રાજા, ખુદા
મેહેતર (સં.) ભંગી, ચાંડાલ, ડોમ.
મેહેતરાણી (સ) ભંગન, મહતર કી સ્ત્રી.
મેહેતલ (સ.) અવધિ, સમય, વક્ત, મુદ્દત. મુલ્તવી, દેરી, વિલમ્બ, મુલ્તવી.
મેહેતા (સં.) ગુરુ, અધ્યાપક, શિક્ષક, ઉપાધ્યાય, માસ્ટર સાહેબ આચાર્ય, ટીચર.
મેહેતાણી (સં.) અધ્યાપિકા, ગુરુઆની, શિક્ષિકા, મિસ્ટ્રેસ, સ્ત્રી ગુરુ.
મેહેતાગિરી (સં.) મુહર્રિરકા કામ લેખકકા કર્મ, ક્લર્કશિપ.

મેહેતાબ (સં.) ચન્દ્રમા, ચાંદ ।

મેહેતો (સં.) લેખક, મુનીમ, મુમાસ્તા, નકલ કરનેવાળા, ક્લર્ક, મુહર્રિર, અભિક્ષુક બ્રાહ્મણ ।

મેહેનત (સં.) પરિશ્રમ, શ્રમ, શારીરિક પરિશ્રમ, દુઃખકષ્ટ, કામકા બદલા । મજદૂરી, મિહનતાના । વેતન ।

મેહેનતું (વિ.) પરિશ્રમી, ઉદ્યોગી, ઉદ્યમી, વ્યવસાયી, કાર્યશીલ ।

મેહેમાન (સં.) દેખો મેમાન ।

મેહેમાની (સં.) સેવા, સુશ્રૂષા, આતિથ્ય, પહુનાઈ, મિજમાની ।

મેહેર (સં.) કૃપા, દયા, અનુકંપા ધ્યાન ।

મેહેરનજર (સં.) કૃપાદૃષ્ટિ, દયાદૃષ્ટિ

મેહેરબાન (સં.) દયાલુ, કૃપાલુ, દયાવંત સહાયક ।

મેહેરબાની (સં.) દેખો મેહેર ।

મેહેરબ (વિ.) અત્યંત પ્રિય, સગા, પ્યારા ।

મેહેરાબ (સં.) દો ખંભોંકે બીચમેં ઉપરકી તરફ બનાયા હુઆ ગોલાકાર કારીગરી મુખદ્વાર । કટાવ, ઢબાવ, ધનુષકે આકારકા ।

મેહેરામણ (સં.) સમુદ્ર, સમુદ્રિ ।

મેહેરો (સં.) ડોલી યા પાલકી આદિ ઉઠાનેવાલા, કહાર, ભોઈ ।

મેહેલ (સં) મકાન, હવેલી, રાજભવન, પ્રાસાદ, બંગલા, બહુમજલા ઘર ।

મેહેસુલ (સં.) કર, ટેક્સ, ટિકસ, ભાડા, કિરાયા, ઝકાત ।

મેહેસ્વો (સં.) દેખો મોહોલ્લો ।

મેળ (સં.) રોજનામા, જમાખરચ, બરાબર, ઉચિત, લેખા, ગણના, આશ્રય, રોજનામચા ।

મેળ કાઢવો (ક્રિ.) જમાખર્ચ નિકાળના ।

મેળ મેળવો (ક્રિ) હિસાબ મિલના, રોકડ મિલના, મિલાપ હોના ।

મેળવણ (સ.) મેલ, મિલાન, મિક્સ્ચર, મિશ્રણ ।

મેળવણી (સ.) પૂર્વવત્ । અત્યુક્તિ, અતિશયોક્તિ, તુલના, મુકાબિલા, યોગ, જોડ, સમ્બન્ધ, મેલ ।

મેળવવું (ક્રિ.) જોડના, ઇકટ્ઠા કરના, સંગ્રહ કરના, મિલાના, કમાના, પ્રાપ્ત કરના, બરાબર કરના, તુલ્ય કરના, સુરમિલાના, મુકાબિલા કરના ।

મેળવી આપવું (ક્રિ.) મિલવાના, પરિચય કરાના, જાન પહિચાન કરાના ।

મેળા (સં.) સ્ત્રી, બૌરત, લુગાઈ ।
મેળાપ (સં.) દેખો 'મિલાપ' ।
મેળાવડો (સં.) રંડિયોં કાએક સાથ મિલકર ગાન । મિત્રોંકાએક સાથ મિલકર રાગરંગકા કામ। જમાવ, ઝુંડ, ટોલી, સમુદાય, ઠટ્ઠ ।
મેળાવો (સં) આપસમેં મિલના, પારસ્પરિક મિલન। મેલા, જમાવ ।
મેળ (ક્રિ. વિ.) ખુદ, સ્વયં, આપોંઆપ, અપનીઇચ્છાસે, સ્વેચ્છા-પૂર્વક ।
મેળો (સં.) ટટ્ઠ, જમાવ, ઝુંડ, મેલા, સમૂહ, જનસમુદાય, તમાશા ભેટ ।
મૈથુન (સં.) સ્ત્રીપુરુષકાસંભોગ, સ્ત્રીસંસર્ગ, રતિક્રિયા, સંગમ, પ્રસંગ, લિંગમર્દન, વીર્યપાત ।
મૈયત (સં.) મૌત, મરણ, દેહત્યાગ, મૃત્યુ, સ્વર્ગવાસ, (વિ.) મૃત, મરનેવાલા, મર્ત્ય ।
મૈયતખરચ (સં.) મરેહુવેકેકફન તથા દાહ કર્મ આદિ અન્ત્યેષ્ઠી સંસ્કાર કા વ્યય ।
મૈયર (સં.) મૈકા, માયકા, પીહર, સ્ત્રીકા માતૃગૃહ ।
મૈયા (સં.) માં, માતા, જનની, જનિકા ।
મૈલ (સં.) આધાકોસ, મીલ, ૮ ફર્લંગ ।
મોં (સં.) મુહં, મુખ, વદન ।
મોં ઊપર થાવી રેવી (ક્રિ.) અપમાનહોના ।
મોં ચઢાવવું (ક્રિ.) નીચમનુષ્યકો માન દેના, સિરપર ચઢાના । ગુસ્સાદિલાના । [બિગડાહુઆ ।
મોંઘેથું (છોકરું) (સં.) લાડલેં
મોં ઘોઈ જવું (ક્રિ.) સરકજાના, રો ઉઠના, મૌકા આનેપર ખર્ચ ન કરના । [સપૂત ।
મોં આપું (સં.) આધાર, પ્રમાણ,
મોં ભૂકીને (ક્રિ. વિ.) માન અથવા લજ્જા કી કુછપરવાહ ન કરકે । [યશદાતા ।
મોંતું પાન (સં.) અત્યંત પ્યારા,
મોંનો ઢાળો કરવો (ક્રિ.) મુખ-સામને ન દેખના, ખૂબ અપવ્યય કરના ।
મોંમાં મગ ભરીને રહેવું (ક્રિ.) ચુપહોકર મૌનધારણ કરકે ચુપચાપ બૈઠના ।
મોંમાંમાખ ન બેસે તોજગતું નથી=નિરપરાધી, દોષહીન, નિર્બલ પુરુષ ।
મોંમાં મારું મોતું (મોકરું) (ક્રિ.) કામ મર્યાદા કરક, ઉચિત ।

મોપવારી (સં.) દેખો મોપવારી।
મોપાધ (સં.) માન, લાડ, પ્યાર પ્રેમ।
મોંઘું (વિ-) મહંગા, અધિકકીમતકા, કીમતી, બહુમૂલ્ય, પ્યારા લાડલા।
મોંઘું મોંઘું થવું (ક્રિ.) ઘમણ્ડ હોના, ગર્વ આના, અકડમે રહેના।
મોંલોણું (સં.) મુંહ દિખાઈ, મુંહ દેખકર કુછ દેના, જબકિ સસુરાલમેં પહિલે પહિલ બહૂ આતી તબ મુંહ દેખકર ઉસે કુછ ન દેતે હૈં વહ રીતિ। [પ્રિય।
મોં ભેળું (વિ.) એકહી અત્યંત
મોં માંગ્યું (વિ.) ઇચ્છિત બહુત, જિતના ચાહે ઉતના।
મોંમાર (વિ.) છાતીવાળા સાહસી હિમ્મતવાળા, નિર્લજ્જ, ઉચ્છૃંખલ।
મોંરખું (વિ.) વિનયી, લજ્જાશીલ પક્ષપાતી, એકતરફી। [સામને।
મોંપડ (વિ.) મુંહ આગે, પાસ,
મોં (સર્વ.) અન્દર, ભીતર, માંહી।
મો (ક્રિ. વિ.) નહીં, મત, ન, મા।
મોઈ (સં.) ગિલ્હી, હો, ભલેહી, પરવાહ નહીં।
મોઉમ દેખો મઉમ।
મોઉળવું (ક્રિ.) ભેજના, રવાના કરના, પઠાના, પ્રેષણ।
મોઉળાઈ (સં.) વિશાલતા, બાહુલ્યતા, વિશેષતા, અધિકતા, સ્વતંત્રતા, સરલતા।
મોકળું (વિ.) બહુતબડાસ્થાન, ઉદાર, સફી શુદ્ધ, પ્રકટ, બહુત, વિપુલ, સ્વતંત્ર, સ્વાધીન, વિસ્તૃત, પૃથક।
મોકાણ-કાણુ (સં.) કિસીકે મરનેકા સમાચાર આતા હૈ તબ સ્ત્રિયાં રોતી હૈં ઉસે મુંહપલ્લા કહતે હૈં, શોક પ્રદર્શનાર્થ સમ્મિલિત હોના, અશુભ સમાચાર।
મોકાણુંભાંડવી (ક્રિ.) બહુત નુકસાન હોના યા હોને કીસી દશા હોના।
મોકાણુનાસભાચાર (સં.) અશુભ સમાચાર,કિસીકે મરનેકી ખબર।
મોકાસદાર (સં.) ઇનામ પાઈ હુઈ ભૂમિકા માલિક। [સ્થગિત
મોકુફ (વિ.) મુલ્તવી, બન્દ,
મોકુબ (વિ.) પૂર્વવત્। [યા કણ્ડા।
મોખ (સં.) તમ્બૂકે અંદરકા બાંસ
મોખરે (ક્રિ. વિ.) સબકે આગે, સર્વ પ્રથમ, આગે, સામને, બાહિર।

ભોભરો (सं.) बाहिरकी जगह, सामनेका स्थान, ऊंचा मार्ग ।

ભોમ (सं.) देखो भ्रम ।

ભોમરી (सं.) सेंगरी, सोगरी, मूलीकी फली, साग विशेष, धान आदि कूटनेका काष्ठका, मूसल, लकड़ीकी हथौडी । [बनाया हुवा तेल ।

ભોમરેલ (सं) भोगरेके फूलोंसे

ભોમરો (सं.) पुष्प विशेष, बेला, मोगरा, यह कई प्रकारका होताहै मोगरे के पुष्पकी शकलका एक प्रकारका आभूषण, नाप, हुळास, सुंघनी, दीपक के ऊपरकी जळ के रही हुई बत्ती, चटाटोप, गोळ चक्कर ।

ભોમલ (सं.) मुसलमान, यवन, मुगल जातिका मुसलमान ।

ભોમલાઈ (वि.) देखो भुमलाई ।

ભોમિયો (वि.) हो जैसा, सामान्य, अस्पष्ट, अनिर्णित, अनिश्चित ।

ભોમવારી-ણી (सं.) महँगी, महर्घता, दुर्भिक्ष, काळ, दुष्काळ ।

ભોમું (वि.) महंगा, अधिक मूल्यवाळा, महर्घ, कीमती, दुर्लभ ।

ભોમુક (वि.) छोड़नेवाळा, छुट्टी देनेवाळा ।

ભોમ્યણ (सं.) मोचीकी स्त्री, जूते बनानेवाले चमारकी औरत ।

ભોમ્યાઈવું-વું (कि.) हाथ पैर मुड़कजाना ।

ભોમ્યો (सं.) मूर्तियां बनानेवाळा, चर्मकार, चमार, एक जाति विशेष ।

ભોમ્યોણ (सं.) देखो भोम्यण ।

ભોમ્ર (सं.) आनन्द, हर्ष, खुशी, क्रीड़ा, मजा, हंसी खेळ, इच्छा, रुचि, मर्जी, राजी, उल्लास ।

ભોમ્રડી (सं.) बच्चोंकी नाजुक जूती जोड़ी ।

ભોમ્રું (सं. देखो भोमं, घोड़ा ।

ભોમ્રણી (सं.) खेत या भूमिका माप, नाप, माप, सरवे ।

ભોમ્રણીદાર (वि.) नापनेवाळा, जमीन मापनेवाळा, सरवेयर ।

ભોમ્રમંગળ (सं.) आनन्द मंगळ, हर्षोल्लास, रागरंग ।

ભોમ્રમાણ (वि.) रंगीळा, आनन्दी ।

ભોમ્રવું (कि.) नापना, मापना, सरवे करना, लेना, जानना ।

ભોમ્રં (सं.) हाथ या पैरोंमें अंगुळी इत्यादि ढांकनेकी कपड़ोंकी थैलियां विशेष, मोजे जुराब, दस्ताने, ग्लोव्ज, सोक्स ।

ભોજ (સં.) લહર, તરંગ, ઊર્મિ
ભોજ૨-૩૨ (અ.) ભીતર, અન્દર, में. माहीं ।
ભોજીયું-ળુ (વિ.) મૌજ કરને વાળા, આનન્દી, વિલાસી, લંપટ ।
ભોજું (સં.) એકમોજા, એક જુરાબ । [હાજિર, વર્તમાન, સમક્ષ ।
ભોજુદ (સં.) તય્યાર, उपस्थित,
ભોજે (સં.) ગ્રામ, ગાંવ, ગાંવડા, खेड़ा । [तमाशा, करामात ।
ભોજેજે (સં.) આશ્ચર્ય, કૌતુક,
ભોજો (સં.) લહર, હિલોર, તરંગ ।
ભોજોજું (સં) દેખો ભોજોજું ।
ભોટ (વિ.) દેખો ભોટું
ભોટપ-મ (સં.) બડપ્પન, પ્રતિષ્ઠા, શોભા, બડાઈ, અભિમાન, અહઙ્કાર બૌદાર્ય ।
ભોટપણ (સં.) પૂર્વવત્ । વૃદ્ધિ ।
ભોટલું (સં.) પોટ, ગાંઠ, गठरी, પુટલી ।
ભોટલજો (સં.) પરિશ્રમી, મજદૂર, हम्माल, भारवाहक ।
ભોટાઇ (સં.) ગર્વ, મહિમા, મહત્તા, ઐશ્વર્ય, પ્રભાવ । [(બંબઈ में) :
ભોટિયું (સં.) અન્ન ભરનેકા બૈલા,
ભોટી બાઇ-બેન (સં.) પતિકી બહિન, પતિકી બડી બહિન, નનંદ ।

ભોટું (વિ.) વિસ્તીર્ણ, બડા, દીર્ઘ, વિસ્તૃત, વિશાલ, ભારી, અધિક, બહુત, અનેક, અતિશય, ઘના, પુષ્કલ, વિપુલ, ધ્યાન મેં આને યોગ્ય, પ્રભાવોત્પાદક, ઉચ્ચ, વૃદ્ધ, વયોવૃદ્ધ, બુજુર્ગ, ज़ईफ़, બૂઢા, ઉદાર, મહાશય, મહાત્મા, પ્રતિષ્ઠિત, માની ।
ભોટા બાબતું (ક્રિ.) હરેકબાત મેં આગેહોના, પ્રત્યેક, કાર્ય મેં અપને નામ શાબાશી લનેકો આગે હોના ।
ભોટા છોકરું (સ.) છોટે હોનેપર ભી બડોં કે સમાન આચરણ કરને વાલા વ્યક્તિ (મજાક મેં કહા જાતા હૈ) ।
ભોટી બાટનું માંણસ (સં.) બડે આદમી કે આશ્રય રહનેવાલા । ગર્વિષ્ઠ મગરૂર, તથા મસ્ત મનુષ્ય।
ભોટું મન (સં.) ઉદાર મન, પરોપકાર બુદ્ધિવાલા આદમી ।
ભોટું પેટ (સં.) સહન શીલ, ગંભીર વિચારવાલા, વિચારશીલ ।
ભોટું પેટ (વિ.) લાલચી ।
ભોટું રાખવું મોં (વિ.) નારાજ મુહૈં, ફુલાયાહુઆ મુહૈં, સૂજકર મોટા હુઆ મુખ ।

મોટે પાઠથે મેલાવું (ક્રि.) मान देना, तारीफ करना, प्रशंसा करना, प्रशंसा करके फुलाना।

મોહું પરોઢિયું (सं.) भोर, प्रातःकाल, भिनुसारा, आरंभ, तड़का, पौफटना। [मानी, पूज्य।

મોટું માણસ (सं.) बड़ा आदमी,

મોટેથી (अ.) जोरकी आवाजसे, चिल्ला कर, ललकारकर, हल्ला-चाकर।

મોટે પરોઢિયે (अ.) सूर्योदय पा॰ र, अलस्सुबह, बिलकुल प्रात. काल में।

મોટેરું (वि.) दे॰ मोटु।

મોટો પૈસો (सं.) ढेढ पैसा, ४॥ पाई। [जीमन।

મોઠી (सं.) भोजन, आहार,

મોઠી દાસ (वि.) भोजनभट्ट, खाऊ, भोगी, विलासी, विहारी, चटोरा।

મોઠ (सं) एक प्रकार को घास के तिनकों सेबनायी हुई वस्तुजिसे स्त्रियाँ शुभ कार्य में मस्तकपर बाँधती हैं। या उसपर कपड़ा मँढकर मोती आदि लगाकर बनाती हैं। खेतमें टूटकर गिरी हुई बालें। मजमून, तर्ज, ढंग,। हाव भेरों तथा कमर में कटाई विशेष। हावभाव, नखरा, जिद, हठ, ढील, देर, विलम्ब।

મોઠડી (सं.) कय और दस्त, वमन और अतिसार।

મોઠવું (क्रि.) मरोड़ना, टेढा करना, तोड़ डालना, भगकरना, अपमान करना। (सं.) कन्धो-काढेर, घासकी गंजी।

મોઠડા (स.) गुजरात की ग्रामीण पाठशालाओंमे प्रातःकाल विद्यार्थियोंके आनेपर अनुक्रम पूर्वक नामलखन। रजिस्टर, पत्रक, नामावली, हाजरी।

મોઠામોઠ (अ.) तोड़ामरोड़ी, रूबरू, सन्मुख, समक्ष, आमे सामने। [भी वस्तुका ऊपरीभाग।

મોઠિયું (सं) मुखपरका, किसी

મોડી (सं) छोटा मुंह (तिरस्कार सूचक), मराठी भाषाकी मुख्य लिपि। [समयके बाद।

મોહું (वि.) देर, विलंब, पीछे,

મોઠામોઠ (अ.) रूबरू, सन्मुख समक्ष, आमने सामने।

મોહું (सं.) मुंह, मुख, चेहरा, वदन, मार्ग, राह, रास्ता, छिद्र, नाका, द्वार।

મોઢું મલકાવવું (ક્રિ.) मुस्कुराना मृदुहास्य, ज़राहंसना ।

મોઢાજોવું પડ્યું–जब कुछ अच्छा न किया हो तब यह वाक्य प्रयोग करते हैं ।

મોઢાંમાલવવાં (ક્રિ.) यश मिलना आनन्द होना, खुशबख्ती होना ।

મોઢાની મીઠાસ (વિ.) ऊपरकी चिकनी चुपड़ी बात ।

મોઢાનીખાતો (સં.) खाली बातचीतका जमाखर्च करना कुछ नहीं ।

મોઢાનુ બુટું (વિ.) लबार, बाचाळ, बकवादी, स्पष्टवक्ता।

મોઢાંપરકહેવું (ક્રિ.) बिना किसी शंका और लज्जके सामने कहना ।

મોઢાપર થુકવું (ક્રિ.) धिक्कारना, फटकारना. दुतकारना ।

મોઢાપરથી માંખતો ઉડતી નથી–होश नहीं, हिम्मतनहीं, शक्ति नहीं ।

મોઢાબધી હાથ કરવા (ક્રિ.) खाना, जीमना, भोजन करना ।

મોઢામાંઆંગળીધાલવી (ક્રિ.) आश्चर्य करना, अचंभित होना, विस्मित होना ।

મોઢાંમાં ઘીગોળ પડવા=इसवाक्यका प्रयोग बारम्बार थूकनेवाले मनुष्य के लिये किया जाता है ।

મોઢાંમાં ખીલો ઠોકવો (ક્રિ.) जबान बन्द करना, बोलना रोक देना ।

મોઢાંમાં જીભ ચાલવી (ક્રિ.) बोलते समय अटकना, बन्द होना, चुप रहना ।

મોઢામાં જીભ નથી (ક્રિ.) गुमसुम मूंगा बन बैठना ।

મોઢાંમાં થૂકે એવું तुच्छ, बेकदर ।

મોઢાંમાં દાંત નથી=शाप्य, क्रम, नहीं ।

મોઢાંમાં ધૂળ નાંખવી (ક્રિ.) किसी के भाषण को बुरा बताकर बोलनेमें रोक देना, लज्जित करना ।

મોઢાંમાં લીધું તરણું પાડવું (ક્રિ) अपनी दीनता प्रदर्शित करना ।

મોઢાંમાં સાકર=ईश्वर करे तुम्हारा वाक्य सफल हो ।

મોઢામાંથી દાંત પાડી નાખવા (ક્રિ) हराना, परास्त करना, बोली बन्द करना ।

મોઢું અધણું કરી નાખવું (ક્રિ.) खूब बुरी तरह मारना, बहुत पीटना ।

મોઢું આપવું (ક્રિ.) मुहँ दिखाना ?

મોઢું આવડું થઇ જવું (ક્રિ) मुहँ उतर जाना, मुख फीका होजाना ।

મોઢું આવવું (ક્રિ.) मुखमें छाले पड़ जाना, मुख रोग होना ।

મોઢું ઉપાડવું (क्रि.) बुलाना, कहाना। [कहना।
મોઢું ઊપડવું (क्रि.) बोलना,
મોઢું ઉતરી જવું (क्रि.) मुहं-फीका होजाना। [बकना।
મોઢું ઉપડવું (क्रि.) बे हद
મોઢું ઉપાડવું (क्रि.) गालियां देना।
મોઢું કાળું કરવું-दूरहट, निकलजा।
મોઢું કાળું કરવું (क्रि.) बदनाम होना, कौमको कलंकित करना।
મોઢું કાળું મેશ-પેઠ થઈ જવું (क्रि.) मुहं काला हो जाना।
મોઢું ગંધાવું (क्रि.) गाली देना, मनहीं मन कोसना।
મોઢું ચઢવું (क्रि.) गुस्सा होना।
મોઢું ચાલવું (क्रि.) दिनभर जब देखो तब कुछ न कुछ खाते रहना, हद से अधिक बढ़बढ़ाना।
મોઢું જોવું હોય તો (आवश्यके) मरणासन्न मनुष्य के विषय में किसीको बुलाने के लिये यह वाक्य प्रयोग होता है। [तो आना।
મોઢે થવું (क्रि.) मुहं देखना हो
મોઢું જોઇને રાખવું (क्रि.) मुहं संभाल कर बोलना।
મોઢું તપાસીને (अ.) विवेक पूर्वक, मर्यादासे,इज्जतका ध्यान रख के।
મોઢું પોચું-ભાવ-मुहं धोकर आ, दीनता सीखकर आ।
મોઢું પડવું (क्रि.) मुख फीका पड़ना, होंठ सूखजाना।
મોઢું મરડવું (क्रि.) कुछ देकर समझा देना,रिश्वतदेना,घूंसदेना।
મોઢું ફેરવું (क्रि.) नाराज होकर क्रोधमें पीठ फेरना, विमुख होना।
મોઢું બગાડવું (क्रि.) नाराजी दिखाना। [इच्छा होना।
મોઢું બગડવું (क्रि.) खानेकी
મોઢું ભરાઇ જવું (क्रि.) तृप्तहोना, धापना। [समझा देना।
મોઢું મચકવું (क्रि.) कुछ देकर
મોઢું મોચકું ચડાવવું (क्रि.) नीचा देखना।
મોઢું રહી જવું (क्रि.) बोलते बोलते थकजाना।
મોઢું રાખીને (अ.) शरम रखकर।
મોઢું લઇ જેવું આવવું (क्रि.) योग्यतासे आना।
મોઢું વાયડું છે ને મુદ્દ શિયાળની પેરેખનેમેં बहादुर परन्तु महान डरपोक। [रोना।
મોઢું વાળવું (क्रि.) मुहं ढंककर

મોકું થીધીલેવું (ક્રિ.) चुप रहना
મોકું ઉઘાડવું (ક્રિ.) बोलना कहना। [कहना।
મોકે મહીનેકેહેવું (ક્રિ.) सामने
મોઢાનો છૂટો (વિ.) बकवादी बक्की। [बाला।
મોઢાનો સાચો (વિ.) सचबोलने
મોઢાનો બુરો (વિ.) बुरे वचन बोलने वाळा। [सन्मुख।
મોઢામોઢ (અ.) रूबरू, समक्ष,
મોકું બેવાવું (ક્રિ.) मुहं फीका पड़जाना।
મોઢે કરવું (ક્રિ.) जबानी याद करना, कंठाग्रकरना।
મોઢે ચઢાવવુ (ક્રિ.) अत्यंत प्यार करना। [मौन होना।
મોઢે તાળુદેવું (ક્રિ.) चुप रहना,
મોઢેમાંગ્યું (વિ.) इच्छित, जो चाहा। [निकालना।
મોઢેમાથે ઓઢવું (ક્રિ.) दिवाळा
મોઢે માથે હાથ દઇને (ક્રિ. વિ.) सिरपर हाथ रखकर, निराश होकर, थककर।
મોઢે સાકર પીરસવી (ક્રિ.) मीठी वाणी बोलकर उसे अपने आधीन करलेना।

મોઢ (સં.) ब्राह्मण तथा वैश्योंकी एक जातिविशेष,मोढेरके निवासी।
મોઢિયું (સં.) दीपकपर बिनती लगानेकामुहं जिसमें बत्ती रहती है मुहं बांधनेकी जाळी।
મોણ (સં.) देखो भाजन जिसमें दोचडे पानी समासके इतना बडा मिट्टीका पात्र।
મોંણમોંણ (અ.) धीरे धीरे शनैः शनैः जैसे तैसे करके, जबरदस्ती।
મોણેમોંણકરવું (ક્રિ.) डीलपोल करना, घुसपुस करना।
મોત (સં.) मृत्यु. काळ, मरण।
મોતક્રિયા (સં.) अग्निसंस्कार, प्रेतक्रिया।
મોત ફરી વળવું (ક્રિ.) मौत घेरलेना, अचानक आजाना, अन्त होना।
મોતમાથેમાવવું (ક્રિ.) बहुत थककर मरनेके तुल्य होना।
મોતનેમારણે (અ.) कालके मुखमें यमका अतिथि, मौतका ग्रास।
મોતા(ત્ત)-દ (સં.) खुराक, मात्रा, परिमाण विशेष, जरिया, शक्ति।
મોતાળા (સં.) गुजरातमें ब्राह्मणोंका एक जाति विशेष [धैर्य।
મોતિયું (સં.) बल, पौरुष, हिम्मत

મોતિમાં મરીજવાં (ક્રિ.) હિમ્મત હારના, હોશ ઉડજાના, બલ કમ હોના ।

મોતિયું (સં.) ઓલતી, ઉપરે મેંકા પાડીયા વિશેષ ।

મોતિયો (સં.) એકપ્રકારકા મોગરા, આંખકા મોતી, ફૂલા, શક્તિ બળ, હોશ ।

મોતી (સં.) મુક્તા, મણિ રત્ન, મૌક્તિક રત્ન વિશેષ, સમુદ્રીય રત્ન ।

મોતીચોકપુરવા (ક્રિ.) ઘરકા આંગન સુસાજ્જત કરના, મીઠા બોલના, ઇચ્છા પૂરણ કરના ।

મોતીના પાણી ઉતર્યા તે ઉતર્યા= દુઆસો હુઆ, એકબાર બિગડીકે બિગડી ।

મોતી પરોવવાં (ક્રિ.) કોઈ બારીક કામ કરના, કારીગરી કરના ।

મોતીના ચોક પૂરવા(ક્રિ)બડી બડી ઇચ્છાએં કરના, હવાઈકિલે બનાના, બડેબડે વિચાર બાંધના ।

મોતીનાદાણાજેવા=ગોળ ઔર સુંદર (અક્ષર)

મોતીનામેહપરસેવા (ક્રિ.) આનન્દહોના, ખુશીહોના, હર્ષહોના ।

મોતીચુર (સં.) એકપ્રકારકી મિઠાઈ ।

મોતીયો (સં.) એક પ્રકારકા નેત્ર રોગ, મોતિયા બિન્દ ।

મોથ (સં.) એકપ્રકારકી વાસકી જડ, નાગરમોથા, બલવાન જાનવર ।

મોદ (સં.) આનન્દ, ખુશી, હર્ષ, પ્રસન્નતા, આલ્હાદ, અન્ન આદિ લાનેકે લિયે બહ કપડા જો ગાડીમેં અન્ન ન ગિરનેકે લિયે બિછાયા જાતાહૈ । [હોના ।

મોદવું (ક્રિ) પ્રસન્ન હોના, ખુશ

મોદક (સં) લડુ મિઠાઈકા ગોલા (વિ) સુખદ, રુચિકર, મનોહર, રમ્ય, મનોરંજક, આલ્હાદકારક ।

મોદકભખવા (ક્રિ.) લડ્ડૂખાના, બિજય પ્રાપ્ત કરના, લાભ હોના ।

મોદિક (સં.) લડ્ડુ, એકપ્રકારકી મિઠાઈ ।

મોદિત (વિ.) પ્રસન્ન, ખુશ, મુદિત ।

મોદિયું (સં.) છોટા નાગરમોથા (જડબિશેષ ।)

મોદી (સં.) વ્યાપારી, બનિયા, મહાજન, કોઠારી, કારભારી ।

મોદીખાનું (સં) જિસ દુકાનસે ફૌજકે લિયે સર્બા મિલતા હૈ, કોઠાર, ભંડાર ।

મોનિયું-ણું (વિ.) સંકીર્ણ હૃદય, ઘૂના, કામચ મનકા ।

મોજેત-ઠ (સં.) પારસી જાતિના ધર્મોપદેશક, પારસી ધર્માચાર્ય ।

મોજ-મારો (સં.) ઘરના સઘળે લંબા આડા અને મોટા લક્કડ ।

મોજાઅકુલી (સં.) મૂર્ખ, જડ, મંદમતિ ।

મોજાદાર-વાળુ (વિ.) વજનદાર ભારી, મુલ્ય, પ્રતિષ્ટિત ।

મોજારેમંઝણ (વિ.) અત્યંત દુખદ અવસ્થા ।

મોજી (વિ.) ઘરમેં પ્રબંધ કર્તા, ધારણ, માન્ય ।

મોજ્જો(સં.)વજન, માન, આબરૂ, દરજા, ભાર, બોજ પ્રતિષ્ટા ।

મોજ (સં.) મધુમલ, શહદમેંસ નિકલતા હૈ શહદકી મક્ખીકા ઉલ્ટા પ્રાયઃ સારા મોમકાહી બના હોતા હૈ ।

મોજનો (સં.) મુસલમાન જુલાહા, કપડે બુનનેવાલે, મુસલમાનોકી જાતિ વિશેષ ।

મોજબત્તી (સં.) મોમ લપેટકર બનાઈ હુઈ બત્તી (જલાનેકે લિયે)

મોંજાગ્યું (વિ.) ઇચ્છિત, માંગા-હુઆ ।

મોજડો (સં.) બૈલ ઘોડે ઇત્યાદિકે મુખકે લિયે ચમડે યા રસ્સીકા મોહરા ।

મોજપ (સં.) મંડપ, વિતાન, છપ્પા ।

મોર (સં.) મયૂર, શિખી કેકી, પક્ષી વિશેષ આંબમંજરી. બૌર, (અ.) પેસ્તર, પહિલે, પૂર્વ, સામને પાસ ।

મોરકાંઠો-ખરી (સં.) સમુદ્રકે કિનારેકી ભૂમિ, કોર્ટલેન્ડ ।

મોરખું (વિ.) શરમ રખકર, બોલ નેવાલા ।

મોરચંગ (સં.) એક પ્રકારકા વાદ્ય, મુહ ચંગ, ફૂંકસે બજનેવાળા વાદ્ય વિશેષ । [ઉલટી ।

મોરચી (સં) હેજા, દસ્ત ઔર

મોરચેલ(સં.) શહરકે કોટકા દ્વાર, સેનાકા અગ્રભાગ ધ્વજા, નિશાન ।

મોરચો મારવો (ક્રિ.) વિજયપ્રાપ્ત કરના, જીતના, પરાસ્ત કરના ।

મોરડ (સં.) એકપ્રકારકા ખાદ્ય પદાર્થ, મોરસ, ફલોરી પકૌડી વિશેષ ।

મોરથુથુ (સં.) નીલા થોથા, તુત્થ, ઔષધિ વિશેષ, એકપ્રકારકા ક્ષાર ।

મોરપગલું—પાડ (સં.) મૂલકા ચિન્હ, મોરપંજા મોરકા પાંવ ।

મોરફેર (વિ.) અલગ તરહકા, ભિન્ન પ્રકારકા, બનાવટી, કૃત્રિમ, ખોટી (સિક્કા)

मोरली (सं.) बंसी, बांसरी, मुरली
मोरवण (सं.) आगमुलगानेके लिये दूधेका टुकड़ा,गरसी, दूध जमानेके लिये किसी तरहका खट्टापदार्थ जामन, जमावन।
मोरवणु (क्रि.) दूध जमाना दहि बनाना, दूधमें जामन डालना।
मोरवु (क्रि.) मंजरी आना, बौर आना, फूल आना, लपेटना।
मोरवेल (सं.) एकप्रकारकी बेलि जो दवाके काममें आती है।
मोरस (सं.) समुद्रके किनारे पैदा होनेवाला एक पौधा, इसका साग होता है।
मोराखी (सं.) देखो मोरापी
(वि.) मान रखकर बात कहने वाला, लज्जालु। [नायक।
मोराणी (वि.) मुख्य, प्रधान,
मोराद (सं.) देखो मुराद।
मोरापी (सं.) रानीकी गवाही, खबर लानेवाला, पता बतानेवाला।
मोरिये(सं.) घड़ा, घट, गगरा।
मोरी (सं.) नाळो पनाळा, नाळा, मकानकाजल निकलनेका मार्ग। घटर, नळ, गाय भैंसआदि पशुओंको मुंहसे बांधने के लिये रस्सा मोहरा, मोहरी।
मोरे (अ.) पहिले, आरंभमें शुरूमें।
मोरेा (सं.) सांपके मुंहके अंदर तालुमें होनेवाली मणी विशेष, इसे अहर मोरा नामसे पुकारते हैं. इसे विष दंष्ट्रपर लगानेसे विष चूस लेता है, जिसकर चमक पैदाकर-देना, गायनमें अस्ताई की कड़ी, टेक, धुन, नगारा बजानेकी एक रीति विशेष कुस्तीके आरंभमें इधर उधर भ्रमण, तलवारका घाव।
मोल (सं) पोटा, खेती, अन्नकी उत्पत्ति बहुतसे गांवोंका समूह, पाक उत्पन्न।
मोलद (सं.) किसी अन्य वर्णकी स्त्रीसे उत्पन्न प्रजा, वर्ण संकर, खच्चर।
मोलवी (सं.) मुसलमान वैद्य या न्याय जाननेवाला, हकीम, यवन विद्वान। [नर्म।
मोलायम (वि.) कोमल, मृदु,
मोल्लुं (सं.) राक्षस या भूतको भगानेके लिये जोरसे नगारेका शब्द।
मोल्लेदार (सं.) मोहल्लेकी हिफाजत रखनेवाला सिपाही,चौकीदार।

મોલ્યો (સં.) સિગરેટ, या बीडी, के ढंगका बनाहुवा पटाका, अतिशबाजी विशेष सुर्रू, छुर्रू, छछूंदर, पैरि, मुहल्ला, पुरा, टोळा, स्ट्रीट, पाड़ा, गांवके जुदे जुदे भाग, मोहल्ला ।

મોવડ (સં.) अग्रभाग, पेशानी ।

મોવણ (સં.) मोयन, पक्वान्नको नर्म बनानेके लिये आटे में डाला हुआ घृत या तैल ।

મોવાસો (સં.) एक प्रकारका रोग यह पशुओंके मुखमें होता है ।

મોવાળ (સં.) घरोपा, मेल, प्रीति-सम्बंध, दोस्ती, मैत्री ।

મોવાળવું (ક્રિ.) नित्य सायंकाल को रोना ।

મોવાળો (સં.) बाल, रोम, लोम ।

મોવું (ક્રિ.) दाल इत्यादि पदार्थ को घुन या ईली आदि अन्न जन्तु खराब न करदें इस लिये घी या तेल आदि चिकनाई लगाना । आटेमें थोड़ा दूध या पानी मिलाना, मोहित करना । [समय ।

મોસમ (સં.) ऋतु, अनुकूल,

મોસંબી (સં.) एक जातिकी नारंगी

મોસલ (સં.) सरकारकी आज्ञासे बुलानेके लिये आया हुवा माजिर, सम्मन, दरख्वास्त, आज्ञापत्र ।

મોસાળ (સં.) नानीका घर, ननसार, माताका पीहर । [मनुष्य ।

મોસાળિયું (સં.) ननसारके संबंधी

મોસાળું (સં) विवाह यज्ञोपवीत आदि संस्कारोंमें मामाकी ओरसे जो वस्त्र धन आदि दिया जाता है मामेरा, उस उत्सवके समय गाये जानेवाले गीत, अगरणी आदि उत्सवोंमें उस स्त्रीके पीहरसे आया हुआ धनवस्त्र आदि ।

મોહ (સં.) मूर्च्छा, अज्ञानता, अविद्या, माया, प्रेम, प्यार ।

મોહક (વિ.) मोह पैदा करनेवाला मनोहर, जादुगर आकर्षक, चित्त चोर, मनको मोहित करनेवाला ।

મોહજાળ (સં.) अज्ञानताका पाश प्रेमबंधन, मायाजाळ ।

મોહન (સં.) वशीकरण, जादू, (વિ.) मोहनेवाला, जादूगर ।

મોહનમાળા(સં.) मोटे मोटे दानोंकी माळा, गळेमें पहिरनेका हार विशेष ।

મોહનાસ્ત્ર (સં.) एक प्रकारका हथियार जिसके प्रयोगसे शत्रु मूर्च्छित हो जाता है ।

મોહમાયા (સં.) देखो મોહજાળ ।

मोहगत (सं.) परिचय, पहिचान प्रेम, प्यार, जानकारी । [बाण ।
मोहबाण (सं.) मोहके बाण, प्रेम
मोहरभाउ (सं.) सम्वाद दाताको इनाम, पताजानने वालेके लिये पुरस्कार ।
मोहरभाषी (सं.) अपराधकी खबर देनेवाला, सम्वादवाहक ।
मोहरम (सं.) मुसलमानी वर्षका पहीला महिना, मुहर्रम, (मुहर्रम सफर, रबीउलअव्वल, रबीउल आखीर, जमादिउलअव्वल, जमादि उल आखीर, रज्जब, साबान, रमजान, सवाल, ज़िल्काद और जिलहज) जिसमहीनेमें मुसलमानोंके ताजियोंका त्योहार आता है। मुसलमानोंके पूज्य हसन और हुसैनकी यादगारीमें यह वार्षिक आड़ उनके शोकरूपमें इस महीनेमें मनाते हैं ।
मोहरं (सं.) देखो मोहोरं ।
मोहवुं-मोहुं (क्रि.) मोहित करना, वशमें करना, अपको तेल आदि लगाना । [मूर्छा ।
मोहांध (वि.) अज्ञानांध, निर्बुद्धि
मोहित (वि.) मूर्छित, अचेत, मुग्ध, मोह प्राप्त, आकृष्ट, आसक्त
मोहिनी (सं.) प्रेमपैदा करनेवाली स्त्री, जादूगरनी, आदु (वि.) मनोरंजक मनोहारी, मोहक ।
मोहोटुभ (वि.) बहुत, मोटा, अत्यंत ।
मोहोठिवुं (सं.) सिर, नोक, छोर, अग्र भाग, चोली की अस्तीन का कफ, बन्दूक का मुंहीका (मुंह) ।
मोहोर (सं.) मुहर, ठप्पा, छापा, अशर्फी, निष्क, स्वर्णमुद्रा, गिनी, नामकी मुहर, मुरली, बंसी, बांसरी, वेणी । (वि.) कीमती बहुमूल्य ।
मोहोरुं (वि.) गुण, सौन्दर्य तथा बुद्धिमें विचक्षण पुरुष, सतरंज के खेलमें राजा, वजीर, पैदल, हाथी इत्यादि ।
मोहोल (सं.) राजमंदिर, प्रासाद, महल, हवेली, रहनेका बड़ा तथा उत्तम घर ।
मोण-ण (सं.) उबाली, कप, वमन, छर्दि, पात्र आदि रखनेके लिये कपड़े वा अन्य वस्तुका बनाया हुआ गोल आकार, हंडी, चूलली, मंदी बाजार में मापकी घटी ।
मोणवुं (क्रि.) काटना, बनाना, तराशना (काष्ठपाषाणादिको) तोड़ना ।

મોણાઈ (વિ.) મામાके लड़के, मामाके यहांके, ननसार तरफके ।
મોણાઈ-મોણુ-મોણેન (सं.) मामाकी बेटी बहिन, मातुल पुत्री, भगिनी ,
મોણાઈ ભાઈ (सं.) मामाका बेटा, भाई । [नारी, ज़रीका साफा ।
મોણિયું (सं.) जरीदार कोर, कि-
મોણી (सं.) बेसन (चनेका आटा) का बना हुआ खानेका एक पदार्थ विशेष ।
મોણું (वि.) स्वादहीन, जिलबिला, वह मनुष्य जो रसकी बात नहीं समझे, ठंडा अथवा ढीला पशु ।
મોણેણુ (सं.) मामाकी लड़की, बहिन ।
મૌંજ (सं.) मूंज नामका घासका तीन सूत्रों का बना हुआ कटिसूत्र ।
મૌ (वि.) मृदुल, नरम, कोमल, मुलायम, बहुत दिनोंका भूखा, क्षुधित, दीन, अन्नका भिखारी, कंगाल, (सं.) जड, बुद्धिहीन ।
મૌઠું (वि.) बुभुक्षित । [महप ।
મૌડો (सं.) महुआवृक्ष, वृक्षविशेष,
મૌન (सं.) तूष्णीभाव, अभाषण, अकथन, चुपचाप, मूकभाव, अनालाप ।
મૌક્તિક (सं.) मोती, मुक्ता, मौक्तिक ।
મૌલિ (सं.) सिर, मस्तक, माथा, भाल ।
મ્યાન (सं.) तलवारका घर, खड्ग-कोष । [नमें रखना ।
મ્યાન કરવું (कि.) तलवार म्या-
મ્યાનમાં રાખવું (कि.) कब्जेमें रखना । [नरयान ।
મ્યાનો (सं.) पालकी, डोला,
મ્યૂનીસિપાલિટી (सं.) नगर की सफाई आदिकी प्रबन्ध कारिणी सभा । [मलिन ।
મ્લાન (वि.) खिन्न, उदास, दीन,
મ્લેચ્છ (वि.) अंत्यज, नीच, नास्तिक । विदेशी, अहिन्दू ।

ય

ય=गुजराती वर्णमालाका ३७ वां अक्षर, तालुसे उच्चारण होनेवाला अन्तस्थ अक्षर (सं.) भी, विशेष तदुपरान्त, फिरसे (जबकिसी शब्दके साथ आता है तब यह अर्थ होता है । [प्रस्थान ।
યઃપ્રસ્થાન (सं.) पलायान, कूच,
યકરામ (सं.) मान, इज्जत, प्रतिष्ठा ।
યક્ષ (सं.) देवयोनि विशेष, इनके दलेंका देवता, उपदेव विशेष ये देवता कुबेरके खजाने तथा धन उपवन आदिकी रक्षा करतेहैं कुबेरधनपति ।

यज्ञकी (सं.) यज्ञकी स्त्री ।

यज्ञकृत (सं.) पेटकी दाहिनी ओर मांसखण्ड, जिगर, दिल, कलेजा प्लीहा, तापतिल्ली, उदररोग, पिलही ।

यज्ञगण (सं.) पिंगलशास्त्र कथित आठगणोंमेंसे एक जिसका पहिला अक्षर लघु और शेष दो गुरु हों ऽ

यज्ञन (सं.) होम, हवन, यज्ञ, मेघ, याग, पूजन, यागकरण ।

यज्ञमान (सं.) यज्ञकर्ता, यज्ञानुष्ठानमें दीक्षित, व्रती, याजक, याज्ञिक ।

यज्ञमानियो (सं.) यज्ञब्राह्मण जिसका उदर पोषण यजमानद्वारा होताहो यजमानवृत्ति करनेवाला ब्राह्मण ।

यज्ञमानवृत्ति (सं.) यजमानके यहां किया कर्म कराकर दान दक्षिणा लेनेका धन्दा ।

यज्ञर्यु (कि.) पूजना, सेवा करना, सत्कार करना, भजन करना, हवन करना ।

यज्ञुर्वेद (सं.) स्वयम्भू प्रसिद्ध त्रिवेदभेद । (ऋक्, यजु, साम, और अथर्व) ।

यज्ञुर्वेदी (सं.) यजुर्वेद पढ़ा हुआ, वा तदनुकूल आचरण करनेवाला ।

यज्ञ (सं.) वेदोक्त कर्म विशेष, याग, होम, हवन, मेघ, मख, अध्वर, क्रतु ।

यज्ञकुण्ड (सं.) यज्ञ करनेके लिये चौकोना बना हुआ गर्त, यज्ञके लिये निर्म्मित गड्ढा, दैनिक अग्निहोत्रके लिये बना हुआ १६ अंगुल चौड़ा और उतना ही लम्बा जिसकी पेंदी केवल ४ अंगुल लम्बी चौड़ी रहे ऐसा धातु निर्मित पात्र ।

यज्ञनारायण (सं.) यज्ञपुरुष, विष्णु, अग्नि ।

यज्ञपात्र (सं.) कोई भी वृक्ष जो हवन में समिधा के लिये प्रयोग होता हो । [स्वान ।

यज्ञयाणा (सं.) हवन पूजन करनेका

यज्ञोपवीत (सं.) यज्ञसूत्र, ब्रह्मसूत्र, जनेऊ, उपवीत, द्विजचिन्ह, जिसे पहिने शूद्रवर्ण होता है सूत्रकी बनीहुई विधी पूर्वक तिनुनीकी हुई गले तथा दाहिने हाथ के नीचेसे पहिननेकी ब्राह्मण क्षत्रिय और वैश्य हवन करते धारण करते है ।

यति (सं.) कवितामें विरामका स्थान, वाक्यमें चिन्ह विशेष।

यती (सं.) त्यागी, साधू, संन्यासी, परिव्राजक, जितेन्द्रिय पुरुष।

यतिकिंचित (अ०) थोड़ा, जरा, जो कुछभी, थोड़ाबहुत, लेश।

यत्न (सं) उपाय, उद्योग, श्रम, कोशिश, चेष्टा, जतन।

यथा (अ०) जैसे, जैसा, ज्यों, जिस प्रकार जिस रीति, मस्लन्।

यथाक्रम (अ०) क्रमानुरूप, आनुपूर्विक, क्रमशः, ठौकठाक, क्रमबद्ध, व्यवस्थित, नियमानुसार, वाजिब।

यथातथ्य (अ०) वास्तविक, उचित, सचमुच, जैसा चाहिये वैसा।

यथान्याय (अ०) पक्षपातशून्य, न्याय, धर्मानुकूल, न्यायसंगत, नेक।

यथानुरूप (अ०) वैसाही, उचित, वाजिबी, (सं.) न्यायपरायण।

यथायोग्य (अ०) क्रमोचित, जैसा उचित, चाहिये वैसाही (सं.) प्रणाम, अभिवादन आशिर्वाद इत्यादि (वि.) यथार्थ, वास्तविक, सच्चा, खरा।

यथाराजा तथाप्रजा-जैसा राजा वैसीही प्रजा,-

" राज्ञे धर्मणि धर्मिष्ठा, पापेपापा समेसमाः। प्रजा तदनुवर्तन्ते " यथाराजा तथा प्रजाः " ॥

यथारुचि (अ०) जिसतरह अच्छा लगे, इच्छानुसार, रुचि अनुकूल।

यथार्थ (अ.) ठीक सत्य, उचित, वत्, विधिवत्, यथायोग्य, व्यवस्थाके अनुसार रीतिके अनुसार, बराबर।

यथावकाश (अ.) समयानुसार, फुरसत होनेपर, समय मिलनेपर।

यथाविधि (अ.) यथायोग्य, विधि पूर्वक।

यथाशक्ति (अ.) बलके अनुसार, अपनी ताकतके मुआफिक।

यथास्थित (अ.) पहली स्थितिके अनुसार, पूर्व अवस्थानुसार।

यथोचित (अ०) उचित रीतिसे।

यथामर्यादा (अ.) रूढीके अनुसार, कुल मर्यादाके मुताबिक।

यथाश्रुत (अ.) जैसा सुना वैसा।

यथाशक्ति (अ.) अपनी समझके अनुसार।

यथेच्छ-च्छा-च्छि (अ.) इच्छानुरूप, जैसी इच्छा हो वैसा, प्रचुर, अधिक बहुत।

यथोक्त (अ.) पूर्व कथित, पूर्वोक्त आज्ञानुसार, कहे मुआफिक।

यद्यपि (सं.) जोभी, अगरच यदि, कदापि।

यद्वातद्वा (सं.) ऐसा, वैसा, भला बुरा, अनिश्चित, अनियमित, जैसे तैसे।

यंत्र (सं.) कलपुरजा, साचा, धातुका पत्रा, अथवा कागजपर जिनपर देवदेवीका चित्र या नाम लिखाहो, जिसकी पूजा होती है, अंतर वाद्य, देवताओंका अधिष्ठान, पात्र विशेष मेशीन।

यंत्ररचना (सं.) यंत्रका बनाना, कलपुर्जोंका निर्म्माण, कलकी बनावट।

यंत्रविद्या-द्यायें (सं.) यंत्र विधायक विद्या, मेशीन आदिका ज्ञान।

यंत्रशाली (सं.) कारीगर, शिल्पकार, शिल्पी, यंत्र विद्याका आनंदोवाला।

यम (सं.) यमराज, काल, अंतक सूर्यका पुत्र, मनुष्यकी मृत्युके बाद पापपुण्योंके अनुसार स्वर्ग अथवा नर्कमें ले जानेवाला देवता, जम। (अ) जैसा, जैसे, पूर्ववत्

यमक (सं.) शब्दालंकार विशेष, अनुप्रास. (पिंगल शास्त्रमें)

यमदूत (सं.) यमराजके नौकर, यमके गण, यमका संदेशक, मृत्युका लक्षण, यमके जासूस।

यमदंड (सं) यमराजकी दी हुई सजा, यमराजका शस्त्र विशेष, काळदंड, यमयातना, यम शिक्षा, नर्क भोग।

यमनोदूत (वि.) निर्दय करुणा शून्य, निष्ठुर, कसाई, बेरहम।

यमनोपडेचो (सं.) ऐसा पापी जिसके कार्योंको देख सुन कंप कंपी हो।

यमपुरीनीयातना (सं.) अत्यंत दुःख, सख्त बिमारी, महान कठोर दंड।

यमपुरीमांमोकलवु (क्रि.) मार डालना, वधकरना, यमालयमें भेजना, कैदकरना, जेलमें डालना।

यमल (सं.) रागविशेष, ईमनराग, कल्याणरागका एक भेद।

यमपाश (सं.) यमराजकी फांसी, मृत्युका दुःख, कालपाश । [नर्क ।
यमपुरी (सं.) यमराजका नगर,
यमरूप-रूपी-रूपक (वि.)कालरूप, यम स्वभावका, निंदय, घृणायोग्य पुरुष ।
यमलोक-सदन (सं.) देखो यमपुरी
यमुना (सं.) इसनामसे प्रसिद्ध एक बड़ी नदी ।
यव (सं.) जौ अन्न विशेष ।
यवन (सं.) ग्रीस अथवा यूनान देशका रहनेवाला पुरुष, मुसलमान यवन, अनार्य, अहिन्दु, इस्लाम धर्मका अनुयायी ।
यवागू (सं.) नर्म खिचड़ी ।
यश (सं.) कीर्ति, ख्याति, प्रसिद्धि नामवरी, फतह, जय, विजय, प्रतिष्ठा, नाम ।
यशस्वी (वि.) कीर्तिमान, सुविख्यात लब्ध प्रतिष्ट ।
यशोमति (वि.) जो बुद्धिद्वारा यश प्राप्त करे, कृष्णचंद्रकी माता, यशोदा ।
याचिका (सं.) याचना, मांग ।
या (अ.) अथवा, वा, किंवा ।
याकूत (सं.) माणिक, मांग, मंग ।
याकूती-दी (सं.) पाक, कडदायक पदार्थ विशेष, भांगको घी शक्कर तथा मसालेमें मिलाकर बनाया हुआ पदार्थ । [हवन, यजन ।
याग (सं.) यज्ञ, अध्वर, होम,
याचक (वि.) जाचक, भिक्षुक, मंगता, भिखारी, भीख मांगनेवाला ।
याचकवृत्ति (सं.) भिखारीपना, भिक्षा मांगनेका रोजगार ।
याचना (सं.) भीख, प्रार्थना, अर्जी, विनती, निवेदन, दरख्वास्त, भीख मांगना ।
याचवुं (क्रि.) भीख मांगना, भिक्षा मांगना । इच्छाकरना, प्रार्थन करना ।
याज्ञिक (सं.) याज्ञिक, आत्विक, पुरोहित । पूजा करानेवाला ।
यातिक (सं.) पूर्ववत् ।
यातना (सं.) पीड़ा, दुःख, कष्ट, तीव्रवेदना, अधिक कष्ट ।
यातुधान (सं.) राक्षस, निशाचर, दैत्य असुर, दनुज दानव ।
यात्रा (सं.) तीरथ, कूच, प्रस्थान, मुसाफिरी, गमन, आतरा ।
यात्रालु (वि.) मुसाफिर, यात्री, बटोही ।

अखार्थ (सं.) सचाई, यथार्थता ।
अख (सं.) स्मृति, स्मरण, गोठ, मेलो, यात्री, स्मरणशक्ती ।
अखारी-शिरी (सं.) निशानी, अभिज्ञान, नाम, वर्णन, याद ।
अखास्त (सं.) स्मरणशक्ति, स्मृति, नोटबुक, स्मृतिपत्र ।
अखी (सं.) पूर्ववत् ।
अखेत (अ०) जैसा, अनुसार, मुआफिक ।
अखेोअखु (सं.) जीवजन्तुका समुदाय ।
अान (सं.) वाहन, गाड़ी, असवारी, पालकी, गमन, शत्रुसन्मुख सेना ले जाना, राजनीतिके छः वर्गमेंसे एक (संधि, विग्रह, आसन, यान, संश्रय और द्वैधी भाव)
अाने (अ०) अर्थात्, सारांशकि, तात्पर्यकि, या, अथवा, वा ।
अान्त्रिक (वि.) यंत्रविषयक ।
अाम (सं.) एक प्रहर, तीन घण्टे, ⅛ दिन, विराम, पहर, आठ घड़ी ।
अामनी (सं.) रात, रात्रि, रजनी, निशा । [दक्षिणी पार्श्व ।
अामेाणी (सं.) क्रांतिवृत्तका
अामेाद्दाद्दत्त (सं.) दोपहर, मध्यान्ह, मध्यान्ह रेखा । [पथिक ।
अायी (सं.) मुआफिर, यात्री,
अार (सं.) मित्र, दोस्त, सखा ।
अारी (सं.) मैत्री, दोस्ती, साहाय्य, सखत्व, स्नेह, इश्क, प्यार, प्रेम ।
अाल-ल (सं.) घोंदे आदि पक्षीके सिर तथा वर्हनपरके बाल, अयाल
अाल (सं.) अलक्त रंग, उबाली हुई लाखका लाल रंग ।
अावन्मंद्रदिवाद्दर (सं.) जबतक सूर्य्य और चन्द्र आकाशमें हैं । प्रलय पर्य्यंत । [जब ताईं ।
अावत् (अ.) जबतक, जबलग,
अावनी (वि.) मुसलमानी, यवनसे सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु ।
अाशुदी (वि) जुदिया नामक देशके निवासी । [होकर, मृत्यु पर्य्यंत ।
अाहेाम (अ०) गुस्सेमें, मरणतुल्य
अाहेाम हरयुं (क्रि) किसी आफतके समय पर मृत्युको हाथपर लेकर काम करना ।
युक्त (वि.) विशिष्ट, सहित, समेत, साथ (सं.) उचित, योग्य, यथार्थ ।
युक्ति(सं.) मिलना, मेल, योग्यता, प्रवीणता, चतुराई, चतुरता, हथौटी, विवेचन, कला, तदबीर, उपाय, योजना, रचना, कारीगरी, हिकमत, इलाज, तजवीज, हल, चालाकी, हुनर, गुण ।

युक्तिवान–भान-वंत-वाणुं (वि.) चतुर, होशियार, प्रवीण, सुदक्ष, कसामाती, योग्य, काबिल।

युग (सं.) आर्योंके बनाये हुए चार समय विभागमें से एक। सतयुग या कृत युग, प्रथम युग, इसकी अवधि सत्रह लाख अट्ठाईस हजार वर्ष। त्रेतायुग बारह लाख छियानवे हज़ार वर्षका। द्वापर युगकी अवधि आठ लाख चौसठ हज़ार वर्ष। और कलियुग की अवधि चार लाख बत्तीस हज़ार वर्ष। समय, युग्म, जोड़ा।

युगल (वि.) जोड़ जोड़ी, दो युग्म

युगान्तयुग (अ०) निरन्तर, सदा, आयु पर्य्यंत भवोभव।

युगेयुग (अ.) पूर्ववत्।

युगल-२५ (सं.) द्वय, दो, जोड़ा युग, दंपति, वरवधू।

युत (वि.) मिलित, अपृथग्भूत, एकत्र विशिष्ट, जड़ित, सहित, साथ।

युद्ध (सं.) लड़ाई, संग्राम, समर, विवाद, विग्रह, रण, जंग।

युद्धो (सं.) योद्धा, वीर, लड़ाका, युद्धार्थी, शूर, जंगी।

युनानी (वि.) यूनान देशका।

युरोपियन-पीयन (वि.) योरोप खंडका, अंग्रेज, योरुपवासी।

युवति-ती-वंती (सं.), यौवनवती, तरुणी, युवावस्थाकी स्त्री। १६ और ३० वर्ष के मध्य अवस्थावाली स्त्री।

युवराज (सं.) राजका बड़ा लड़का, राज्यासनका उत्तराधिकारी।

युवा-वान (सं.) जवान, तरुण, यौवन, अवस्थावाळा। १४ और ४० वर्षकी मध्यकी वयवाला पुरुष।

युवावस्था (सं.) जवानी, यौवन, तरुणाई। [जातिविशेष।

यूका (सं.) जूं, चिल्लर, स्वेदज

यूथ (सं.) सजातीय समूह, वृन्द, समूह, झुण्ड, ढोळा, अत्था, समुदाय। [मेल।

यूप (सं.) खूंटाका खंभ, स्तंभ,

ये (अ०) भी, भारसूचक शब्द।

योग (सं.) संगति, युक्ति, चित्तनिरोध, विषयान्तर से मनकी निवृत्ति, मेळ, संयोग, साधन, उपाय, इलाज, संधि, समागम, सांकळ जंजीर, शृंखला, श्रेणी, दवा, ओषधि, दवाई। ज्योतिषशास्त्र वर्णित विष्कुंभादि २७ योग, जोग।

योगमाया (सं.) योगनिद्रा, प्रलयके समय परमात्माका संहार कार्य, प्रगाढ समाधि, दुर्गा, शक्ति, देवी ।

योगरूढ (सं.) जिस शब्दका उसकी धातु प्रत्ययके अनुसार अर्थ उसके व्यवहारिक अर्थके समान हो (व्याकरणशास्त्र में ।)

योगाभ्यास (सं.) समाधि लगाकर ईश्वर चिंतन करनेका अभ्यास। योगविषयक अभ्यास ।

योगायोग (वि.) अनुकूल तथा प्रतिकूल समय, उचित अनुचित ।

योगासन (सं.) योग साधन करते समय की बैठक । योगाभ्यास के समय बैठनेका ढंग विशेष । योग साधन के लिये २४ प्रकार के आसन होते हैं ।

योगिनी (सं) भूतिनी, पिशाचिनी, डाकिनी, दुर्गाद्वारा उत्पन्न उपदेवी, कहते हैं ये संख्यामें छियालीस हैं । वैरागिन, साध्वी, जोगिन ।

योगी (वि.) योगसाधक, तपस्वी, संन्यासी, योगाभ्यासी । जोगी ।

योग्य (वि.) उपयुक्त, उचित, यथार्थ, लायक, अनुकूल, मुनासिक, पात्र, प्रतिष्ठित ।

योग्यता (वि.) निपुणता, प्रवीणता, लायकी, मान, प्रतिष्ठा, पदवी ।

योजक (वि.) योजना करनेवाला, मिलानेवाला, जोड़नेवाला, कारीगर, व्यवस्थापक, प्रबन्धक ।

योजन (सं.) चार कोसका माप, ५ माइलकी लम्बाई ।

योजनगंधा (सं.) मृगमद, कस्तूरी, मुश्क ।

योजना (सं.) व्यवस्था, प्रबन्ध, मिलाप, विन्यास, युक्ति, हिकमत, कल्पना ।

योजना (क्रि.) प्रबन्ध करना, व्यवस्था करना, तदबीर सोचना, जोड़ना, रखना, बिठाना, मिलाना ।

योजित (सं.) व्यवस्थित, योजना किया हुआ ।

योद्धा (सं.) वीर, बहादुर, शूर, लड़ाका, पहिलवान, जंगी, सिपाही सैनिक ।

योनि (सं.) उत्पत्तिस्थान, भग, छेद चिन्ह, औरतकी मूत्रेन्द्रिय, आधार, मूल, कारण, बीज, वंशलता

યૌવન (सं.) जवानी, तारुण्य, यौवनावस्था, तरुणाई। [औरत।

યૌવના (सं.) तरुण स्त्री, जवान

ર

ર=गुजराती वर्णमालाका ३८ वां मूर्द्धन्य अक्षर।

રઈ (सं.) रति, कामदेवकी स्त्री, राई।

રકઝક (सं.) बकझक, कल, तकरार, वाक्युद्ध, विवाद, वाद, भांजगड़, पंचायत, हठ, जिद्, लड़ाई।

રકબો (सं.) खेतका क्षेत्रफल, जमीनका टुकड़ा, गांवके आसपासकी भूमि।

રકમ (सं.) आंकड़ा, अंक, नोटकी हुई एकार्था वस्तु, संख्या, (बही खातेमें) कलम, जोड़, योग, वस्तु, चीज़, पदार्थ।

રકમ ઉપાડવી (क्रि.) रुपये लेना, दाम लेना।

રકમે નામે લખવી (क्रि.) बेची हुई या खरीदी हुई वस्तु कीमत सहित बहीमें जिसने ली हो उसके नाम लिखना, ली हुई वस्तु खातेमें लिखना।

રકમંધ (अ०) इकट्ठी, जुमले, कलपूर्वक कलमकी कलम। एकके बाद एक। [ढंग, चलन।

રકાન (सं.) रीति, रिवाज, रूढि,

રકાબ (सं.) पायदा, घोड़ेपर बैठकर पैर जमाने के लिये बने हुए लोहे या पीतल के पाँवडे, पैडा, पैंडल।

રકાબદાર (सं.) सेवक, टहलुआ, खिदमतगार, भृत्य, चाकर।

રકાબી-કેબી (स)तस्तरी, तसली, छोटीथाली, प्लेट, धातु अथवा काचनिर्म्मित कमगहिरी कटोरी।

રકાર (सं.) बन्दोबस्त, ठहराव, नियम, चिट्ठी, पत्र, परवाना।

રકત (सं.) खून, लोही, शोणित, (वि.) लाल, राता, रक्तवर्ण।

રકતકોઢ (सं.) एक प्रकारका रोग। कोढ रोग विशेष, रक्तकुष्ट।

રકતચંદન (सं.) लाल चन्दन, देवी चन्दन।

રકતપિત્ત (सं.) एक प्रकारका चर्म रोग, रक्तकोढ, लालकोढ, खूनकी बीमारी विशेष।

રકતપ્રમેહ (सं.) पेशाबमें खून आनेका रोग, प्रमेह, रोग विशेष।

रक्तपित्तिनी (सं.) बल, गाड़ी, शिरा ।

रक्तनिष्ठीवी (सं.) खोंखीमें खराबी।

रक्तपीलु (सं.) खटमल, माकड़, एक प्रकारका जीव विशेष जो मनुष्य रक्त चूस कर जीवित रहता है।

रक्तप्रदर (सं.) खूनकी बढ़ती, बेमारीके बाद आराम होनेका समय, धीरे धीरे होनेवाली स्वस्थता ।

रक्तस्राव (सं.) रक्तका बहना, वह रोग जिससे गुदा मार्ग द्वारा खून गिरे ।

रक्षक (सं) रक्षा करनेवाला, पालनेवाला, पालक, उद्धारकर्त्ता, स्वामी, प्रभु, मालिक, हिफ़ाज़त करनेवाला । [सभाळ, बचाव ।

रक्षण (सं.) रक्षा, पालन, पोषण,

रक्षणहारी (वि.) देखो रक्षक

रक्षपाल (सं.) चौकीदार, पहेरेवाला, रखवाला, रक्षक ।

रक्षणु (कि) रक्षा करना, देखरेख करना, सँभाळना हिफाजत करना, पालना ।

रक्षा (सं.) बचाव, हिफ़ाज़त, रखवाली, चौकसी, सँभाल, रक्षण, राखा, अस्त्र, डार, राखी, रक्षा सूत्र ।

रक्षाबंधन (सं.) श्रावण मासकी पौर्णिमाके दिनका उत्सव, राखी, इसदिन ब्रोय विशेष कर ब्राह्मण समुदाय आशीर्वाद तथा श्लोक उच्चारण कर किसीके राखीसूत्र हाथमें बाँधकर दक्षिणा लेते हैं ।

रक्षित (वि.) रखा हुआ, पाळा हुआ, सावधानीसे सँभाळ कर रखा हुआ, सँभाळकर रखा हुआ, रक्षा किया गया

रख (वि.) तीनको संज्ञा । (सं.) रूख, भाव, घटाबढी ।

रखड़-खड़ी-खाटी (स.) भ्रमण, विहार, भटकना, घूमना, धरम धक्का, चक्कर ।

रखड़णु (कि.) इधर उधर भटकते फिरना, धरम धक्के खाते फिरना रोजगार न मिलना, उद्यमहीन होना ।

रखड़ाऊ (वि.) भटकनेवाला, व्यर्थही इधर उधर फिरनेवाला स्वेच्छाचारी, विहारा, मनमौजी ।

रखड़ाट (स.) देखो रखड़-खड़ी ।

रखड़ाभणु (सं.) देखो रखड़ ।

रखड़ावणु (कि.) भटकाना, छोड़ देना, खोलना ।

रखड़ेल (वि.) देखो रखड़ाऊ ।

रखडी (सं.) बज्जा रोग, खाज ।

રખપત (સં.) માનપ્રાપ્તિ ।

રખરખ (સં .) છટપટાહટ, તડફડાહટ । [પટાના, બેચૈન હોના ।

રખરખવું (ક્રિ.) તડફના, છટપટાના ।

રખરખાવટ (સં.) દેખો રખાવટ ।

રખવાળ–ખેવાળ (સં.) રક્ષક, પહિરેદાર, ચૌકીદાર, સંભાળનેવાળા પાળક ।

રખવાળી–ખેવાળી (સં.) રક્ષા, રક્ષણ, ચૌકસી, હિફાજત, પહિરા

રખવાળું (સં.) રક્ષક, પાળક, રખવાલેકા વેતન ।

રખાપત (સં.) દેખો રખાવટ ।

રખાવટ (સં.) પક્ષ, તરફદારી, કિસીકી કાન શર્મ રખકર કુછ ઉચ્ચારણ ।

રખી (સં.) ભંગી, મેહેતર, શ્વપચ, ડોમ, ડેહ, મળમૂત્ર ઉઠાનેવાલી જાતિ । (વિ.) રખનેવાળા ।

રખુ (વિ.) રખનેવાળા, ધારણ કરનેવાળા ।

રખે–રખેને (અ.) કદાપિ, શાયદ, સંભવતઃ નજાને, કદાચિત્ ।

રખેજર–હર (સં.) ભંગી, મેહેતર, ડોમ, શ્વપચ, દેખો રખી ।

રખેલવું (ક્રિ.) રખવાલ કરના, હિફાજતકે લિયે મુકર્રર કરના ।

રખો (સં.) ચૌકીદાર, ગાંવકી રક્ષા કરનેવાળા, ભીલ, રખવાલ્યા ।

રખોટવું (ક્રિ.) દેખો રખોળવું.

રખોપિયો–પી (સં.) દેખો રખો ।

રખોયું (સં.) ચૌકી દારીકા વેતન, રક્ષણ, રખવાળા, ચૌકસી । [ક્ષાર ।

રખ્યા (સં.) રાખ, ધૂળ ભસ્મ,

રગ (સં.) નસ, શિરા, નાડી, ધમની, રક્તવાહિની, ભેદ, મર્મ, ભાવ, યુક્તિ, તબિયત ।

રગઝ (સં.) દેખો રઝઝ ।

રગડ (સં.) સંઘર્ષણ, ઘિસાવ ।

રગડઘગડ (અ.) જૈસે તૈસે, યથાતથા ।

રગડમલ્લ (સં.) કસરતી જવાન ધૃષ્ટ, લઠાપાંડે, જંગલી, ગંવાર બલવાન ।

રગડવું (ક્રિ.) ઘિસના, ઘોટના, પીસના, બાંટના, મસલના, મર્દન કરના, નિચોડ઼ના, ખૂબ પીંટના, અત્યંત પરિશ્રમ લેના, સતાના, હૈરાનકરના, કષ્ટદેના ।

રગડાઝગડી (સં.) કોલાહલ, હોહલ્લા, શોરગુલ, ઓછી બકબક ।

રગડાપટ્ટી (સં.) સખ્તમિહનત, માથાફોડ઼ અત્યંત પરિશ્રમ ।

રગડાવવું (ક્રિ.) મસલાના, મર્દન કરના, રગડ઼વાના, પરિશ્રમ કરાના ।

રબડાવીકેવું (ક્રि.) पूर्ववत् ।

રબડાવું (ક્રि.) पिसाना, कुचलाना, घँटाना, घुटाना, निचुड़ाना मारखाना, दुखी होना हैरान होना परिश्रममें पड़ना ।

રબડો (सं.) गाढा तरळ पदार्थ, तलेटीमें जमा हुआ पदार्थ, तळछट, मैल, शेष, भीड़, खटपट ।

રબડોળવું-ધોળવું (क्रि.) एक वस्तुके पास दूसरी वस्तु अड़ाकर सटाकर रखना, मिट्टीमें मथन करना, मिट्टीमें मिलाना, अत्यंत परिश्रम साध्यकार्यमें भिडाना ।

રબત (सं.) ऐसा शब्द जिसका पहिली और तीसरा अक्षर लघु तथा बीचका अक्षर दीर्घ हो, (" जैसे प्रणाम ") । ऽ ।, (पिंगळशास्त्र वर्णित ।)

રબત (सं.) देखो રબત ।

રબત રેટી (सं.) लश्करी नौकरी सिपाहीगिरी, सेनामें नौकरी, सेनामें नौकरी करनेपर मिळा हुआ पुरस्कार ।

રબત રોહી (सं.) एक प्रकारकी वनस्पति, यह हथियार के हुए घावपर झट रोती है।

રબરબવું (ક્રિ.) चापलूसी करना, निहोरा करना, हा हा खाना ।

રબરબાવવું (ક્રિ.) मुळतवी रखना, स्थगित करना, सताना, पीटना ।

રબવું (ક્રિ.) विनती करना, हाथ जोडना घिघियाना, हाहाकार करना । [वाळा, मंद ठण्डा, सुस्त ।

રબશિયું (वि.) धीरे धीरे चलने-

રબિયું (वि.) हठी, जिद्दी ।

રબિયો (वि.) देखो રબડો ।

રબારબાટ (सं.) जल्दी दौड़भाग, त्वरा, धूम, गड़बड़ ।

રબવાયું (वि.) व्याकुळ, घबराया हुआ । [गरीब ।

રંક (सं.) कंगाळ, दरिद्र, कृपण,

રંભ (सं.) वर्ण, ढौल, रीति, ढंग, रस, शोभा, आनन्द, खुशी, राग, पॅट, नशा, बेहोशी, चिन्ह, निशानी, दिखाव, बहाना, मिस, निमित्त, कसूंबेका पानी, जो होलीमें छिड़का जाता है । इज्जत, नेह, प्रीति, भाव, गंजीफा नामका खेल के पत्तोंका अलग अलग वर्ण, पाठशाला, अखाड़ा, नाटक, (अ०) धन्य, शाबास, वाहवाह, । साधुवाद

रंभक (वि.) विषयी, कामी, कामासक्त, विषयासक्त।

रंभणं (सं.) रंगाई, रंगसाजी, रंगनेका काम।

रंभत (वि.) रंगाहुआ, सुन्दर, सुशोभित, शोभायमान, नकसीदार बेलबूटेवाला। [ताली बजाना।

रंभताळी (सं.) आनन्दके समयमें

रंभदार (वि) रंगवाला, खूबसूरत।

रंभदा (सं.) फिटकरी, औषधि विशेष।

रंभपाणी (सं.) नशापनी, अमलपानी, नशापत्ता, नशा, अमल।

रंभभोग (वि.) विलासी, विषयी, भोगी।

रंभभोग (सं.) मौजमजा, खुशाली, ताश के पत्तोंका एक प्रकारका खेल।

रंभरंगी (वि.) चित्रविचित्र, रंग रंगीला।

रंभभूमी (सं.) नाट्यशाला, भूमिका, नाटक भवन, रंगमंच नाटक खेलनेकी जगह, अखाड़ा, आनन्द करनेकी जगह।

रंभरेर (अ०) खुशीसे, आनन्दपूर्वक, राग रंग सहित।

रंभलोग (सं.) आनन्द प्राप्तिका कार्य, विषयभोग। आनन्दभोग, ऐश।

रंभसंज्ञ (सं.) रंगभूमि, जिसमें रंगोंका काम हुआ हो, नाटकशाला, सभामंडप, अखाड़ा, उत्सवके लिये निर्मित पटभवन।

रंभसेज्ज-सेज-सेल (सं.) सुसज्जित भवन, क्रीड़ाभवन, आनन्दमन्दिर।

रंभरस (सं.) चमन, आनन्द।

रंभराग (सं.) क्रीड़ा तथा खेल, आनन्द, हर्षोल्लास।

रंभरातुं (वि.) रंगीला।

रंभरूप (सं.) सूरतशकल, रंग और शकलकी प्राकृतिक बनावट।

रंगरेखा (सं.) शरीरके ऊपरके चिन्ह।

रंगरेज (सं.) रंगारा, वस्त्र रंगनेवाला, छीपा, रंगनेका धन्धा करनेवाला।

रंभरोळ (सं.) बहुत खुशी, अपार हर्ष

रंभलो (सं.) मशखरा, रंगीला, विदूषक।

रंभवुं (क्रि.) रंगना, रंगीनकरना, चित्रविचित्र करना। किसीको नशा कराके मस्ती में लाना, अतिशयोक्ति करना, ढंकना, दोष छुपाना लज्जित होना. एक शकलसे दूसरी शकलमें बदलना।

रंभाई (सं.) रंगनेकी मजदूरी, धन्धे करमें रंगनेका खर्च।

रंगरेज-जी (सं.) रंगसाजी, रंगरेज रंगनेवाला।

रंगरो (सं.) पानी भरनेका तांबेका एक बड़ा भारी पात्र।

रंगरेलु-लो (सं.) देखो रंगरेल।

रंगरो (सं.) देखो रंगरेज।

रंगवणु (क्रि.) रंगाना, रंगवाना, रंगवाना।

रंगावु (क्रि.) रंग युक्त होना, रंगेजाना। नशा करके आनन्द करना, ठगाना।

रंगी (सं.) आनन्दी, लहरी, रंगीला (सं.) एक प्रकार की लाल मिट्टी सेलागेरू। [किया हुआ।

रंगीत (वि.) रंगाहुआ, रंग

रंगीन (वि.) रंगाहुआ, आनन्द, खुश मिजाज, लहरी।

रंगीमंगी (वि.) पूर्ववत्।

रंगीलु (वि.) पूर्ववत, एक प्रकार का रोग, यह रोग मनुष्योंमें अचानक हो जाता है सन १८७२ में यह रोग यहाँ हुआथा।

रंगेरंगे (अ.) आनन्दसे, खुशीसे, सांगो पांग, बिना उपद्रव के।

रंगेल (वि.) रंगीत देखो

रंगोलिणु-लीणु (सं.) एक प्रकार की स्त्रियों की क्रिया जिसमें मुखल और कपड़ा भरकर जमीन पर खींचने से बेलबूटे दार लकीर बन जाती है।

रंगोली (सं.) भोजन करनेके आसनके चारों ओर बनाई हुई रंगकी रेखाएं। जमीनपर बनाया हुआ चित्र विशेष।

रचना (सं.) बनावट, निर्म्माण, व्यवस्था, क्रम, शोभा, ठाठ, दिखावा।

रचणु (क्रि.) निर्म्माण करना, बनाना, शोभित करना, कविता बनाना, अनुकूल होना, सजाना।

रचनाभत्ती (सं.) रचना करनेकी मजदूरीके परिवर्तनमें दिया हुआ द्रव्य।

रचावणु (क्रि) रचाना, बनवाना।

रचित (वि.) रचा हुआ, निर्म्मित, प्रोथत। [शय, आधिक।

रचुर (वि.) बहुत, पूर्ण, अति-

रज (सं.) धूल, गर्द, पराग, रेणु, परिमाणु, कण, स्त्रीका वीर्य, रक्तला, रजोगुण (अ०) जरा, अल्प, थोड़ा, किंचित्।

रजई (सं.) ओढ़नेकी दोहर, गलेफ, गूदड़ी, खोर, रजाई।

२७६ (सं.) दानापानी, आहार, खुराक, धोबी, कपडे धोनेवाळा ।

२७६५ (सं.) धूळका छोटा परिमाणु, कंकरी । [षां महीना ।

२७७ (सं.) मुसलमानोंका ७

२७८ (सं.) चांदी, रूपा, रौप्य, दुर्वण ।

२७ नांभणी-भभडावी (स.) लिखे हुए पर अक्षर सुखानेके लिये धूळ डालना । [यामिनि ।

२७नी (सं.) रात्रि, रात, निशा,

२७नीच२ (सं.) राक्षस, निशाचर, दैत्य, चोर, भूत, प्रेत ।

२७नुं भर्७ ६२वुं (क्रि.) तुच्छको अत्यंत करके दिखाना, छोटी बातको बडो बनाना । राईका पहाड़ बनाना, बातका बतंगड़ करना ।

२७पूत (सं.) क्षत्रिय, जातिविशेष, राजपूतानेका रहनेवाला, वीर, बहादुर । [क्षत्राणी ।

२७पूताणी (सं.) राजपूत स्त्री ।

२७पूती (सं.) क्षात्र तेज, रजपूतपना, वीरता, बहादुरी ।

२७पूतेडा (सं.) राजपूतोंके रहनेकी जगह, राजस्थान । राजपूताना

२७स्त्रला (सं.) ऋतुमती स्त्री, मासिक धर्मयुक्त स्त्री ।

२७ (सं.) छुट्टी, आज्ञा, हुक्म, अनुमति, इज़ाजत, सम्मति ।

२७ लेवी (क्रि.) परवानगी लेना, हुक्म लेना, छुट्टी लेना ।

२७ आपवी (क्रि.) छुट्टी देना, सम्मति देना, निकाल देना ।

२७६७ (सं.) बीमारी, अस्वस्थता, मृत्यु अचानक कष्ट ।

२७भंडी (सं.) सम्मति, राजी, प्रसन्नता ।

२७ण (सं.) किरण, रश्मि ।

२७णुं (वि.) हलकी जातका कोयला । वह लकड़ी जो जलाने के बाद फौरन बुझ जाता है, निर्लज्ज, बेशर्म, अनजान । नीच ।

२७६ (वि.) लकीरके बराबर, बहुतही छोटा ।

२७धुं (सं.) रेतदानी, गीले अक्षरोंपर डालनेके लिये जिस पात्र में रेत भरते हैं ।

२७ (सं.) रेत, धूळ, रज, गर्द ।

२७ (वि.) जो दृष्टिके सामने हो ।

२७ुभात (सं.) मुकाबिला, अनुसंधान, तजवीज़, जाँच, परिचय, मेळ, मुलाकात, समागम ।

२७ुभात ६२वी (क्रि.) परिचय करना, मिलाना, समागम करना ।

રજુ કરવું (કિ.) सामने आना, पेश करना, मुकाबिला करना, उपस्थित करना ।

રજેરજ (अ.) जराजरा, तमाम, बिलकुल, समस्त, सब, सारा ।

રજો (सं.) देखो રજસ્વલા

રજોગુણ (सं.) प्रकृतिके त्रिविध गुणों में से एक (सतोगुण, रजोगुण, और तमोगुण) इससे विषयवासना, लोभ, गर्व, क्रोध, असत्य, दुःख आदि होते हैं, स्वभाव, प्रवृत्ति [आनंदी ।

રજોગુણી (सं.) तामसी, क्रोधी,

રજોટી (सं.) बारीक धूळकण, रजकण ।

રજોદર્શન (सं.) प्रथम ऋतुधर्म, पहिला मासिकधर्म ।

રજોપટ્ટો (सं.) यांत (साधू) कीलकडीके साथ बांधा हुआ गुच्छा ।

રજ્જુ (सं) रस्सी, डोर, तंतु, सूतली, जेवरी

રજ્જવું (सं.) देखो રજકવું

રજ્જાવવું (कि.) भटकाना भुलाना, चक्करमें डालना, कष्ट देना ।

રંજ-ક (वि.) जरा, थोडा, अल्प, सूक्ष्म, हलका, तुच्छ ।

રંજ (सं.) शोक, चिंता ।

क्लिक, दुःख, खेद, श्रम, मेहनत ।

રંજક (सं.) जिससे कोई वस्तु सुलगउठे, बंदूक अथवा तोप के कानपर रखी हुई बारूद । उसकानेवाला, भडकानेवाला, तकरार करानेवाळा भाषण, (वि.) मनोहर, मोहक, आकर्षक । जरा, थोडासा,

રંજક મૂકવો (कि.) बन्दूक या तोपके कान पर बारूद रखना, उकसाना, भडकाना ।

રંજક ખાઈ જવો (कि.) बन्दूक, या तोप का न चलना, भड़काना निष्फल होना । [मचना ।

રંજાડ ઉડવો (कि.) लड़ाई झगड़ा

રંજાડ મેળવી (कि.) परिश्रम करना, मेहनत करना ।

રંજન (सं प्रसन्न करना, खुश करना, प्रीति, प्रेम ।

રંજવું (कि.) खुशी करना, आनन्द देना, रुचिकर होना पसन्द आना ।

રંજાડ-ઝાડ (सं.) बिगाड़, नुकसान, मस्ती, तोफान ।

રંજાડવું (कि.) घबराना, तकलीफ देना, कष्ट पहुंचाना, पीड़ा पहुंचाना ।

२७८। (वि.) खिन्न हुआ, थक-ग्या हुआ, रिसाया हुआ, क्रुद्ध, ग़मगीन, शोकित, दुखी, मिजाजी।

२८७ (सं.) स्मरण, रातदिन भजन, निरन्तर अभ्यास, परि-भ्रमण, घोषना, एक बातको कई कई बार कहना।

२८७ुं (क्रि.) स्मरण करना, जपना, भजना, बार बार बोलते रहना, कई बार कहना।

२८७ (सं.) खूब भ्रमण, अत्यंत मुसाफिरी, (वि.) नीरस, निक-म्मा, व्यर्थ। [आमह।

२८ (सं.) ध्यान, लय, दृढ,

२८८ुं (वि.) भटकनेवाला, घूमने फिरनेवाला, शोकातुर, खिन्न, दुखी, (सं.) शोक, विलाप, अश्रुपात। [उदासमुहँ।

२८ती मुद्रत (सं.) रोती शकल,

२८५ुं भ८५ुं (वि.) भूलाभटका, भ्रमित। [लगाना।

२८५८ुं (क्रि.) भटकना, चक्कर

२८ुं (क्रि.) रुदन करना, शोक करना, विलाप करना, हायहाय करना, रोना, अश्रुपात करना, हुहूकरके रोना, निराश होना, हारना, ठगाना, अजिजी करना, विनती करना, गोहराना। आवाज देना, पुकारना, बुलाना।

२८ता ४ाऽ (सं.) बहुतबीवाला लड्डू।

२८ती २ाधा (सं.) स्त्रियोंके लिये मजाकमें यह वाक्य उपयोग होता है अर्थात राधाके समान रोनेवाली स्त्री।

२८थुं ओत्र छोडुं (क्रि.) विकल हृदय होना, रात दिन निश्वास छोड़ना।

२८थे। (सं.) यह शब्द स्त्रियां गाळी में प्रयोग करती हैं।

२८थुं भ८थुं (वि.) छिन्नभिन्न, बिखरा हुआ, छूटा हुआ, पृथक पृथक्। भूला भटका, दुखी, भूखा हुआ।

२८ऽ५२ पीट (सं.) व्यर्थपरिश्रम, रोवापीटी। रोदन ताडन।

२८ऽ५२। (सं.) रोवापीटी, रोते हुए छाती मूँड कूटना।

२८ा२८-रोण (सं.) चिल्ला चिल्ला कर रोना।

२८ाव्वुं (क्रि.) थकाना, निराश करना, ठगना, छकना, पीटना।

२८ियल (वि.) रातदिन रोनेवाला, जरा जरासी बात पर रोनेवाला

રડી ઊઠવું (ક્રि.) સ્વપ્નમેં ચિલ્લા ઉઠના, રોદેના, હિમ્મત હારજાના, નિરાશ હોજાના, થકજાના ।

રડી પડવું (ક્રિ.) દુઃખસે ઘબરાકર રોદેના, વિલાપ કરના । દુઃખ પ્રદર્શન કરના ।

રહી રહેવું (ક્રિ.) હાનિકો સહકર રહજાના, રોકર ચુપહો બૈઠના ।

રઢ (સં.) લય, ધ્યાન, લક્ષ્ય, આગ્રહ, હઠ, જિદ્ ।

રઢિયાળ (વિ.) બિનાધની, સ્વામીહીન, બેદાવા, લાવારિશ, (પશુ) સૂના । [સુરૂપ ।

રઢિયાળું (વિ.) સુન્દર, ખૂબસૂરત

રણ (સં.) સંગ્રામ, લડાઈ, યુદ્ધ, સમર, જંગ । રેગિસ્તાની જંગલ, રેતીલા, મૈદાન । કર્જ, ઋણ, ઉધાર । [શબ્દ ।

રણકાર–કો (સં.) ઠોકને કા

રણકાણ (સં.) યુદ્ધકા સમય, લડાઈકા વક્ત ।

રણકો (સં.) દેખો રણકાર

રણક્ષેત્ર-ભૂમિ (સં) લડાઈકા મૈદાન, યુદ્ધ, ક્ષેત્ર, મૈદાને જંગ, રણસ્થળી, રણાંગણ । [સંગ્રામ ।

રણજંગ (સં.) યુદ્ધ, લડાઈ, સમર,

રણજોદ (સં.) ઉનસે યુદ્ધ કરનેવાલા, કૃષ્ણ, વસુદેવકે પુત્ર ગોપાળ । (વિ.) કાયર, કરપોક, ભીરુ । [વન્ત, લડાઈમેં જયશીલ ।

રણજિત (વિ) વિજયી, જયી, જય

રણઝણવું (ક્રિ.) એક પ્રકારકા શબ્દ હોના, (ઘૂંઘરૂ નામક આભૂષણકા ।)

રણડંકા (સં.) લડાઈકા નગારા, યુદ્ધ કે સમય બજનેવાલા બડા ભારી ઢોલ ।

રણતૂર–ભેરી (સં) યુદ્ધ સમય બજાને કી ભેરી, તૂર્ય, તુરહી, રણસીંગા ।

રણસ્તંભ (સં.) દેખો રણસ્તંભ

રણધીર (સ.) વીર, બહાદુર, યોદ્ધા । [યુદ્ધક્ષેત્ર ।

રણભૂમિ (સં.) લડાઈકા મૈદાન,

રણમેડો (સં.) રતીલા મૈદાન, ઊજડ જંગલ, રેગિસ્તાન ।

રણધર્મ (સં.) યુદ્ધ ધર્મ્મ, ક્ષાત્ર ધર્મ્મ ।

રણરાહુ (સં.) ઉત્પાતી, લુટેરા, અન્યાયી, રાજાકે વિરુદ્ધ ઉત્પાત કરકે વૈરકા બદલા ચુકાનેવાલા ।

રણવાસ (સં.) મહલ, રાનિયોંકે રહનેકા મહલ, અંતઃપુર ।

रणडिंडु–मडुं (सं.) रणभेरी रणतूर्य ।

रणडिंभडुंडुंडुं (क्रि.) बात फैला देना, आत्मश्लाघा करना, गुणगान करना । [महायुद्ध भयंकर समर ।

रणसंभाम (सं.) भयानक युद्ध,

रणस्तंभ (सं.) दो सेनाओंके बीचमें गाड़ा हुवा या बनाया हुआ खंभा, जीतकी निशानीके लिये निर्मित चिन्ह ।

रणहाक (सं.) समरस्थलीका कोलाहल, वीरोंकी हुंकार, युद्धकी ललकार ।

रणारण्य (सं.) पूर्वजन्मका सम्बन्ध, पूर्वजन्मका संस्कार ।

रणिमुं (वि.) देनेवाला, कर्जदार ऋणी, आभारी, अनुग्रहीत, उपकृत ।

रणी (सं.) सोनेका टुकड़ा, (आभूषण बनानेके लिये दिया हुआ ।)

रणांगण (सं.) युद्धभूमि, समरक्षेत्र, मैदानेजंग, लड़ाईका मैदान, खेत ।

रंडवो (सं.) बिना स्त्रीका पुरुष, पत्नी रहित, कन्याराशी, नामर्द, विधुर, क्लीब ।

रंडा (सं.) विधवा, पतिहीना, रांड, बेवा, फूहड़ स्त्री, रण्डी, वेश्या ।

रंडापो (सं.) वैधव्य, पतिहीनदशा ।

रंडामणी (वि.) विधवा (स्त्री) ।

रंडामडो (वि.) विधुर, पत्नीहीन पुरुष । [मरना ।

रंडापुं (क्रि.) विधवा होना पति

रंडी (सं.) गणिका, वेश्या, पातर राम जनी, नगरनारी, पतुरिया, व्यभिचारिणी ।

रंडीबाज (सं.) वेश्यागामी, व्यभिचारी, रंडीके साथ कामवासना पूर्ण करनेवाला ।

रंडीबाजी (सं.) वेश्या गमन व्यभिचार, परस्त्री गमन, जारकर्म ।

रंधाड (सं.) तोफान, गड़बड़, धामधूम ।

रत (सं.) ऋतु, मौसिम, समय, वेळा, अनुकूळ समय, संभोग, मैथुन, स्त्रीसंभोग, रतिक्रिया (वि.) लीन, लवलीन । [मणी ।

रतन (सं.) देखो रत्न आंखकी

रतनजोत-ति (सं.) एक वृक्ष विशेष, यह आंखकी बीमारी पर काम आता है ।

रतनाअर (सं.) समुद्र, हिन्दमहासागर, महोदधि, सागर, रत्नों की खानि । [भड़कदार शानदार ।

रतनाळु (वि.) चमकीला, तेजस्वी

रतनाक्षिरोग (सं.) एक प्रकारका रोग ।

रतल (सं.) एक प्रकारका तौल सूरत नगरका एक सेर, एक पौण्ड १६ तोला ।

रतवा (सं.) एक प्रकारका रोग इसरोगमें शरीरपर अलबक हो जाते हैं ।

रतांधु-धुं (सं.) जिसे दिनको दिखे और रातको बिलकुल न दीखे ।

रतांधुी-धी (सं.) लाल चन्दन रक्त चंदन । [णता ।

रताश (स.) लाली, ललाई, अरु-

रताळु (सं.) एक प्रकारका कन्द, लाल आलू ।

रति (सं.) कामदेवकी स्त्री, प्रीति प्रेम, नेह, क्रीड़ा, कामकेलि, स्त्री प्रसङ्ग ।

रतिक्रीी (सं.) संभोग, मेथुन ।

रतिपति (सं.) कामदेव, मदन, अनंग, काम, मार, रतिनाथ, कन्दर्प ।

रतिपुर (वि.) रत्तिकाके समान, रत्ती-भर, थोड़ा, जरा, किंचित् । ½ माशा ।

रतिभार (वि.) पूर्ववत् ।

रतिरस-सुख (सं.) काम सुख, संभोग, मैथुन आनन्द, स्त्रीप्रसंग आदि सुख ।

रती (सं.) परिमाण विशेष, मूल्यवान वस्तु तौलनेके लिये वजन विशेष, रत्ती, आठ यवका तौल ½ माशा, घुंघची ।

रतीभार (वि.) देखो रतिभार ।

रतु (सं.) ऋतु, मौसिम, अनुकूल समय, स्त्रीधर्म, ऋतुधर्म ।

रतुभंड (वि.) कुछ लाली लिये हुए ।

रतोरात-दे (अ.) रातके समय, रातकोही, रातोरात (दिनको नहीं)

रत्न (स.) मणि, हीरक, जवाहिर मूल्यवान पत्थर, मुक्ता, मोती, प्रवाळ, मर्कत, पुखराज, नीलम, वैदुर्य्य । समुद्र मथनके समय, निकले हुए चौदह रत्न १ लक्ष्मी २ कौस्तुभ, ३ पारिजातक, ४ सुरा, ५ धन्वन्तरि, ६ चन्द्रमा, ७ कामधेनु, ८ ऐरावत, ९ रंभा, १० सप्तमुखी अश्व, ११ सुधा, १२ सार्ङ्गधनु, १३ शंख, और १४ हलाहल (विष) । अपनी अपनी जातिमें उत्तम ।

रत्नगर्भा (सं.) वह जिसके उदरमेंसे रत्न निकलते हों, पृथ्वी, भारतवर्ष ।

रत्नजटित (वि.) जिसमें रत्न जड़ेहुए पड़े हों, रत्नोंसे महाहुआ ।

રત્ન પાકવું (કિ.) गुणवान मनुष्य होना।

રત્નાકર (सं.) देखो રત્નાગર।

રત્નાવલી (सं.) रत्नोंकी माला।

રથ (सं.) गाड़ी बहल, चार पहिये और दो गुम्बजकी गाड़ी, प्राचीन राजाओंके बैठनेकी गाड़ी।

રથકાર (सं.) रथ बनानेवाला, कारीगर।

રથયાત્રા (सं.) आषाढ सुदी द्वितीया के दिन वैष्णव मंदिरोंमेंका उत्सव दिवस। उसदिन मूर्तिको रथमें बिठाकर सारे नगरमें घुमाते हैं। (वि.) अस्थिर मनवाला।

રથી (सं.) सवार, रथपर चलने वाला, रथका स्वामी, रथपर सवार होकर युद्ध करनेवाला, योद्धा, महावीर।

રદ્દડ (सं.) दीवारोंपर मिट्टीका मोटा लेपन, छबाई, मोटी लिपाई।

રદ (वि.) निकम्मा समझकर दूर किया हुआ, छेका हुआ, अस्वीकृत (सं.) दांत, दन्त, दसन, हृदय, अंतःकरण।

રદ કરવું (कि.) अमान्य करना, निकाल डालना, अलग करना।

રદ બાતલ (सं.) રદિયો देखो।

રદન (सं) दांत, दसन, दन्त, रोदन, विलाप, अश्रुपात, हृदय, अंतःकरण। [दुःखदेना।

રદન દેવું (कि.) दिल जलाना,

રદબદલી (सं.) हेरफेर, रद्दोबदल, निकम्मी वस्तुका बदलना।

રદિયો (सं.) रद्द जवाब, खंडन, तरदीद, काट, विनाप्रमाण।

રદ્દી (वि.) निकम्मा किया हुआ, अनुपयोगी, खराब, बेकामका।

રનવન (वि.) बिखरा हुआ, अव्यवस्थित, एक यहां तो एक वहां, दुखी।

રનવન થવું (कि.) अस्तव्यस्त होना, बुरी दशामें होना, टूटफूट कर मैदान होना, बरबाद होना, हिम्मत छूट जाना। [शिखी, मयूर।

રનાદ પક્ષી (सं.) मोर, केकी,

રનોડી (वि.) जंगली, वनचर, वन्य, निर्जन, जनशून्य।

રંદો-ધો (सं.) बढ़ईका औजार विशेष, इसको लकड़ी पर रखकर घिसने से लकड़ी साफ हो जाती है, रंदा।

રંધારો (सं.) रसोइया, पाकशाली, बावर्ची, भोजन बनानेवाला।

રેંબામણુ-ણી (સં.) રસોઈ બનાવે કી મજૂરી (ધન) લકડ઼પર રન્દા ફેર કર સાફ કરને કા વેતન ।

રેંબાવું (ક્રિ.) સીઝના, પકના, સમ હોના ।

રેન્બાહેર (સં.) ઉપનયન યા વિવાહ સંસ્કાર કે સમય ટોકિયા મે બોયે હુએ ગેહૂં યા જૌ, (જવારા) સૂરજકી પત્ની, બ્રહ્માકી પટરાની ।

રેપાટી-પેટી (સં.) લમ્બી દૌડ઼, કવડ્ડી ।

રેપાટો (સં.) છોટી દૌડ઼, સપાટા, ચપત, તમાચા, થપ્પડ, ધૌલ, ધપ્પા ।

રેપેટીમાં ઘેવું (ક્રિ.) ખૂબ પરિશ્રમ કરાના, થકાના, લબડ઼ ધક્કા લેના, ખબર લેના । [લપેટા ।

રેપેટો (સં.) ચક્કર, આંટા, ફેરા,

રેપેટો ખાવો (ક્રિ.) ચક્કર ખાના, ફેરા ખાના, આંટા ખાના, લપેટા મારના ।

રેપોટ (સં.) સૂચના, કિમ્વદન્તી, અફવાહ, ઉડ઼તી ખબર, કૈફિયત, નાલિશ, ફરિયાદ, રપટ ।

રેપત (સં.) મુકામિરા, અભ્યાસ, આદત ।

રેપતે રેપતે (અ૰) ધીરે ધીરે, શનૈઃ શનૈઃ, આહિસ્તા આહિસ્તા, થોડ઼ા થોડ઼ા, ક્રમશઃ ।

રેપુ (સં.) બરાબર, કપડ઼ેકે ફટે હુએ ભાગમેં ધાગે કા જાલ બનાકર઼ ઉસે સુધારને કા કાર્ય ।

રેપુ કરવું (ક્રિ.) બરાબર કરના, ફટે હુએ કપડ઼ે કો ઇસ સાવધાની સે સીના કિ વહાં એકાએકી માલુમ હી ન પડ઼ે ।

રેપુચક્કર-ચક્ર (સં.) હાનિ, નુકસાન, શત્રુ કા પેચ યા દાંવ, વ્યૂહ, પ્રપંચ ।

રેપુચક્કર કરી જવું (ક્રિ.) ચુપચાપ ભાગ જાના, સટક જાના, પલાયન કરના । [બર શાંત ।

રેહેદે (અ૰) નષ્ટ, બરબાદ, બરા-

રેશ (સં.) પ્રભુ, ઈશ્વર, પરમાત્મા, સ્વામી ।

રેશ્વર (સં.) એક વૃક્ષકા ગોંદ વિશેષ, રબડ઼, યહ સ્યાહી પેન્સિલ આદિકે લિખે અક્ષર સાફ કરનેકે કામ મેં આતા હૈ । યહ ખીંચને પર લમ્બા ઔર છોડ઼નેપર સિકુડ઼તા હૈ, રબડ । [પરિશ્રમ ।

રેશ્રમ (સં.) થકાન, મેહનત,

રેશ્વત (સં.) દેખો રેશ્વત ।

રબારણ–રેબુ (સં.) गडरिये की स्त्री, बकरी भेड़ चरानेवाली स्त्री ।

રબારી (સં.) गडरिया, भेड़ बकरी पालने या चरानेवाला ।

રબી (સં.) शीत कालकी फसल, वह अन्नकी फसल जो फाल्गुण चैत्र के आसपास आती है ।

રબ (સં.) पति, खाविंद, खसम, स्वामी । [वस्तु जीवित मनुष्य ।

રબકું (સં.) खिलौना, खेलनेकी

રબકું બની રહેવું (ક્રિ.) खिलौना हो रहना, बिलकुल आधीन हो रहना, जैसा नाच नचावे वैसा ही नाचना । [तूफान ।

રબડાટ (સં.) नाश, तकरार,

રબડી (સં.) एक प्रकारकी लाल मिट्टी, सोना गेरू, हिडमची, हिरमच ।

રબનન (સં.) मुसलमानी नवां महीना, इस सारे महीने भर मुसलमान दिनको भोजन करना पाप समझते हैं और रातको खाते हैं जिसे वे रोजा (व्रत) कहते हैं ।

રબારુ (સં.) चित्तविनोद, क्रीड़ा, खेल, विहार, साथियोंके साथ खेल । संभोग, स्वामी, पति, मालिक जीव ।

રબારુભાવ (અ૦) अव्यवस्थित रीतिसे, शृंखलाहीन रूपमें ।

રબારુ (સં.) देखो રબારુી (कवितामें)

રબારુી (સં.) मनोहारिणी स्त्री, सुन्दर स्त्री, ललना, महिला, संभोगनीय ।

રબારુીક (વિ.) मनभावन, मनोहर, सुन्दर, रम्य, रमणकरने योग्य ।

રબારુીય (વિ.) पूर्ववत् । [मैदान ।

રબાણું (સં.) खुली हुई जगह,

રબાણે ચઢવું (ક્રિ.) भड़कना, अस्थिर चित्त होना ।

રબત (સં.) खेल, क्रीड़ा, लीला, मौज ।

રબતરોણું (સં.) भ्रमण, भटकना, धरमधक्के ।

રબતિયાળ (વિ.) खिलाड़ी, जिसकाजी खेलमें लगा हो ।

રબતું (વિ.) खुला हुआ, घूमता हुआ । दृष्टि आने योग्य दशा ।

રબતાં રબતાં (અ૦) सुखपूर्वक, धीरे धीरे, बिना परिश्रमके ।

રબતારામ (સં.) जहांतहां भटकनेवाला, एक जगह स्थिर नहीं रहनेवाला, घूमनेवाला साधु, सर्वव्यापक ।

રબરબાવવું (ક્રિ.) दिल्लगी मजाक करना, जोर से चलना ।

રમવું (ક્રિ.) મનોવિનોદ કરના, બિના પરિશ્રમકા કાર્ય કરના, મનોરંજન કરના, ખેલના, કેલિ કરના, પ્યાર કરના, વ્યર્થ કા કાર્ય કરના, ભટકના, ઘૂમના ।

રમસ્તાન (સં.) કોલાહલ, તૂફાન, ભય, ડર, સર્વનાશ, આક્રમણ ।

રમસ્તાન મચાવવું (ક્રિ) બહુત જોર સે ટૂટ પડના; ઉપદ્રવ કરના ।

રમળ (સં.) પંચરસ ધાતુ કે પાંસે બના કર ભવિષ્ય જાનને કી વિદ્યા, જ્યોતિષ શાસ્ત્રકા અંગ વિશેષ, પ્રશ્ન શાસ્ત્ર ।

રમળી (સં.) રમળકા જ્ઞાતા, પ્રશ્ન કા ઉત્તર દાતા, ભવિષ્ય વક્તા, જ્યોતિષી । [વિષ્ણુ પત્નિ, કમલા ।

રમા (સં.) સ્ત્રી, સુલક્ષણાસ્ત્રી, લક્ષ્મી,

રમાડવું (ક્રિ.) ખિલાના, મનોરંજન કરના, ચલાના, ઉસકાના, મૂર્ખ બનાના । ઠગના, ભુલાના. ફુસલાના । ઘુમાને લે જાના (બાલકકો)

રમાડીવું (ક્રિ.) માર ડાલના, વધ, કરના, જાન લે લેના ।

રમાડો (સં.) ખેલ, ક્રીડા, વિનોદ ।

રમી જવું (ક્રિ.) લીલાકર કે ચલતે બનના, દેહ ત્યાગ દેના ।

રમુજ–જ (સં.) વિનોદ, વિલાસ, ખેલ, તમાશા, મજાક, ઠટ્ઠા ।

રમુજી–જી (વિ.) દિલચસ્પ, મનોરંજક, મજ઼ાકી, વિનોદી, રસિક, નકલી, હાજ઼िર જવાબી ।

રવ (સં.) આલાપ, (ગાયનમેં) ગર્જન, ચુમ્બન (ચૂમા) લેતે સમયકા શબ્દ ।

રંભા (સં.) સ્વર્ગાંગના વિશેષ, એક અપ્સરા કા નામ, પરી, રૂપવતી, કેલા, કદલી ।

રંભાફળ (સં.) કેલા ।

રંભોરૂ (સં.) જિસકી જંઘા કેલે કે વૃક્ષ કે સમાન સુન્દર હો, રૂપ સુંદરી, પરી ।

રમ્ય (વિ.) આનન્દ દાયક, સુખદ, મનોહર, રુચિકર, રમણીય ।

રમ્યા–ણી–ની (સં.) રાત, રાત્રિ, રજની, નિશા, રૈન ।

રવ (સં.) શબ્દ, ધ્વનિ, નાદ, નિનાદ, આહટ, આવાજ, કીર્તિ, પ્રસિદ્ધિ ।

રવ (સં.) રથ, સાથ બનાનેકા ઐક, રથી બનનેકા યોગ્ય દ્રવ્ય ।

२चलैो (सं.) रीति, चलन, प्रचलन, अभ्यास, मुहावेरा।
२चडुं (वि.) भटकाहुआ, भ्रमित।
२चडवुं (क्रि.) भटकना, घूमना, भ्रमण करना, धरम धक्के खाना।
२चढ (सं.) शर्त, होड़।
२चरव (सं.) अकरकरा या वैसी ही कुछ चरपरी वस्तु खाने पर मुंहका चरपराहट।
२चलीपंअ (सं.) पागल, विवेक भ्रष्ट, जिसे पहिनने ओढ़ने चलने आदिका शऊर न हो। व्यतीपात, उपद्रवी।
२चा (सं.) कण, सोने चांदी छोटा टुकड़ा, (वि.) ठीक, उचित, मुनासिब, ठहराव।
२चाभ (सं.) एक प्रकारका बाजा।
२चाहर (वि.) दानेदार, कण सहित।
२चाहारी (सं.) दलाली, छुपी दलाली, पक्षपात, तरफदारी। कृपा। [विदागी, विदेशगमन, भेंट।
२चानगी (सं.) कूच, प्रस्थान,
२चाना करवुं (क्रि.) भेजना, बाहिर भेजना।
२चाना चिट्ठी (सं.) खबर चीठीके माल निकलजानेकी चिट्ठी, पास।
२चाना थवुं (क्रि.) प्रस्थान करना कूच करना, बाहिर निकल जाना।
२चाश (सं.) धाक, डाट, अधिकार।
२चायेो (सं.) देखो २चलैो।
२चाह (सं.) घोड़े बैलआदिकी एक चाल विशेष, न विशेष दौड़ न विशेष मन्दगति, खदड़क खदड़क चाल।
२वि (सं.) सूर्य, सूरज, भास्कर, मार्तण्ड आदित्य, दिवाकर, प्रभाकर दिनकर।
२विमंडळ (सं.) सूर्यका गोळा।
२विवार-२वेड (सं.) सूर्यवार इतिवार, ऐतवार, प्रथमवार।
२बी (सं.) सैनिकोंकी जाँच पड़ताळ, कवायद, सर्दीके दिनोंमें बोईजानेवाळी फसल, रबी।
२वेड (सं.) देखो २विवार।
२वेश (सं.) छज्जा, झरोखा, मकानसे आगे निकळता भाग। रिवाज, चाल, रीति, रस्म, शिरस्ता, दस्तूर।
२वे (सं.) देखो २वड।
२वैयां (सं.) बहुत छोटे तथा गोळ भटे (बैंगन)। शामके बड़ेबड़े टुकड़े जिनमें गरम मसाला भरके बनाते हैं।

रसेरे। (सं.) रीति, चाल, रस्म, रवाज, दस्तूर, बहुत दिनोंसे चला आनेवाला कार्य ।

रसे। (सं) रवा, छोटा छोटा टुकड़ा, चूर, धूल, बालू, छोटा कण ।

रस्मि (सं.) किरण, तेज, कान्ति, मयूख, रास, घोड़ेकी बागडोर, मरीचि ।

रस (सं.) स्वाद, सवाद, अर्क, सार, सत, सत्व, निष्कर्ष, द्रवपदार्थ, एक प्रकारका रोग, जिससे अंड जो लिंगके नीचे होते हैं बड़े हो जाते हैं । छः के लिये सांकेतिक शब्द, पारा, गन्धक, षड्रस (मधुर, खट्टा, खारा, कटु, तीखा, कषाय,) मधुरता, लज्जत, नवरस, (शृंगार, हास्य, करुण, वीर, रौद्र, भयानक, अद्भुत, बीभत्स और शान्त,) कईलोग, दस रस मानते हैं वह दसवाँ वात्सल्य रस है । रक्त, पसीना, अश्रु, वीर्य, कफ, अभ्र, उपज, नफा, कमाई, दूध, कस, आनन्द, मजा, खूबी, ठाठ, गुण ।

रसऊतरबे। (कि.) रसका गज करना, अतिशयोक्ति करना, नियकना ।

रसऊतारबे। (कि.) हाथसे पीट पीट कर ठंडा करना, घरमघरे खाकर लौट आना, बहुत समय तक खड़े रहना, हदसे जियादः बोलना, श्राप देना ।

रसकपूर (सं.) एक प्रकारकी औषधि (इसमें पारा गंधक और लवण होता है) ।

रसकस (सं.) तेजाब, अर्क, सत्व, जिद, हठ तकरार, विरोध, फसाद

रसकेलु (वि) आवेशी, उत्सुक, व्यग्र कोधी, पागल, सिरी ।

रस खाअबे। (कि.) स्वाद लेना, चाखना, जायका लेना ।

रस गअबे। (कि.) आनन्द होना, हर्ष होना, रंगत जमना । [नाटकका]।

रसज्ञ (सं.) रसोंका ज्ञाता (काव्य

रसदाबे। (सं.) झोल चलानेवाला, मुकम्मा करनेवाला, कलई करनेवाला ।

रसतो। (सं.) देखो रस्तो। ।

रसदार-करेबु (वि.) सरस, रसाल, रसयुक्त, स्वादिष्ट, मिष्ट, रुचिकर, मनोहर, चित्तहर्षक ।

રસઘાંચ (સં.) આનન્દ સ્વઠ, (વિ.) મોહક, ચિત્તાકર્ષક ।

રસના (સં.) જબાન, જિવ્હા, જીભ ।

રસનેન્દ્રિય (સં.) પૂર્વવત્ ।

રસ પડવો (ક્રિ.) પ્રસન્ન હોના, મુદિત હોના ।

રસ ભરાવું (ક્રિ.) ઉમાડ઼ના, ઉત્કામા, દમપટ્ટી દેના ।

રસભેર (અ.) આનન્દસે । [રસમય

રસભરસ(વિ.) સરસ, રસાળ,

રસભંગ (સં.) કિસી રસકા નાશ, રંગમેં ભંગ, વિઘ્ન, નૈરાશ્ય ।

રસમ (સં.) પ્રથા, રીતિ, રિવાજ, ચાલ, પ્રણાલી, પરંપરાગત કાર્ય।

રસમય (વિ) આનંદરૂપ, મનોરંજક ।

રસરાગ (સં.) એક પ્રકારકી ઔષધિ, પ્રેમ, પ્યાર, સ્નેહ, મોહબ્બત ।

રસવટ (સં.) વૈર, અદાવટ, દ્વેષ ।

રસવંતી (સં.) એક પ્રકારકી ઔષધિ ।

રસવાદ (સં.) ઈર્ષા, દ્વેષ ।

રસવાળું (વિ.) દેખો રસદાર ।

રસવિકાર (સં.) એક પ્રકારકી બીમારી, બદહજમી રોગ ।

રસવું (ક્રિ.) ઝોલ ચઢાના, મુલમ્મા કરના, કલઈ કરના ।

રસવૃત્તિ (સં.) પ્રેમરોગ, કામજ્વર ।

રસસિંદૂર (સં.) એક પ્રકારકી ઔષધિ, જસ્ત, પારા, નીલા થોથા ઔર ક્ષારસે બના હુઆ પદાર્થ ।

રસળવું (ક્રિ.) દેર લગાના, ઢીલ કરના, નિકમ્મે ઇધર ઉધર ફિરના ।

રસાંજન (સં.) એક પ્રકારકી ઔષધિ, દારુ હલ્દીકે ક્વાથ ઔર બકરીકે મૂત્રસે બનાયા હુઆ ચૂર્ણ ।

રસાતળ (સં.) પૃથ્વીતલ, અધોલોક વિશેષ, સાતવાં અધોલોક, બલિકાલોક ।

રસાતળ ઘાલવું (ક્રિ.) મટિયામેટ કરના, ધ્વંસ કરના, બરબાદ કરના ।

રસાતળ જવું-વળી જવું (ક્રિ.) ટૂટ જાના, નાશ હોના, બરબાદ હોના, નિર્વંશ હોના ।

રસાતળ વાળવું (ક્રિ.) સત્યાનાશ કરના, નષ્ટ કરના, મિટા દેના, બરબાદ કરના ।

રસાયન-ણ (સં.) કીમિયા, રસવિશેષ, પ્રાણ બચાનેવાલે રસ, માયા પદાર્થવિજ્ઞાન । [કીમિયા ।

રસાયનવિદ્યા (સં.) રસશાસ્ત્ર,

રસાયની (सं.) रसायन शास्त्रका पंडित।
રસાલદાર (सं.) घोड़ेकी फौजका आफीसर, अस्वारोहियोंका अधिपति।
રસાલો (सं.) अस्वारोही सेना, घुड़सवार फौज, फौज, सेना, निबंध।
રસાવવું (कि.) कढ़ई करना, शोळ चढाना, मुळम्मा करना।
રસાળ-ળું (वि.) जिसमें रस अधिक हो, सुस्वादु, अन्न पकने योग्य, (भूमि) (सं.) आम, आम्रफळ, कैरी।
રસિક (वि.) रसीला, रसिया, लम्पट, दुराचारी, गुण्डा, रसज्ञ।
રસિયું (वि.) पूर्ववत्।
રસિયો (सं.) स्त्री लम्पट, विलासी, भोगी, कामी, विषयी पुरुष।
રસિલું (वि.) देखो રસિક
રસી (सं.) पीव, रीम, मेवाद, राध, पीप, व्रण के भीतर पीवरक्तादि। रस्सी, डोरी, सुतली।
રસીદ (सं.) पावती, पहुंच, प्राप्ति स्वीकार, प्राप्तिपत्र।
રસેન્દ્રિય (सं.) देखो રસનેન્દ્રિય
રસેલું (वि.) कढ़ई किया हुआ, मुळम्मा किया हुआ, कढ़ई चढाया हुआ।
રસો (सं.) आचार, मुरब्बा सांग भाजी इत्यादिका मसाला सहित रस, पतला शाक, पतली तरकारी, रस्सा। [खुराक।
રસોઈ (सं.) पाक, भोजन, खाना,
રસોઇયો (सं.) रसोई बनानेवाला, पाक, शाली, भोजन तय्यार करनेवाळा, बबर्ची।
રસોડું (सं.) पाक शाळा, भोजनगृह, वह स्थान जहां भोजन बनता है।
રસોયો (सं.) देखो રસોઇયો
રસોળી (सं.) रोग विशेष, गळ गण्ड, गाँठ।
રસ્તો (सं.) सड़क, मार्ग, पथ, पन्थ, राह, बाट, पगदण्डी, रीति, चाळ।
રસ્તો કાપવો (कि.) चलते रहना, मंजल करना, मार्ग क्रमण करना।
રસ્તો દેવો-બતાવવો (कि.) जाने, चळ देना, रस्ता नापना।
રહસ્ય (सं.) गुप्तभेद, गोपनीय, छुपीबात।
રહિત (वि.) वर्जित, हीन, शून्य विना। [(वि.) ठिकानेवाला।
રહિવાસ (सं.) रहने वाला, निवासी

રહીબવું (કિ.) ઠહરજાના, પિ-
છુડ્ડાના, કિસી અંગકો બાદી યા
સકના મારના।

રહી રહીને (અ.) ઠહર ઠહર,
કર, અન્તર, ફાસલા, લમ્બાઈ,
આખિરકાર। [શેષ।

રહ્યું સહ્યું (વિ.) બચા બચાય,

રહેઠાણ (સં.) સ્થાન, મુકામ,
રહનેકી જગહ, નિવાસસ્થાન।

રહેણી (સં.) રહનેકી રીતિ, આ-
ચાર વ્યવહાર, રહન સહન।

રહેમ (સં.) દયા, કૃપા, કરુણા,
મહરબાની। [કૃપાદૃષ્ટિ।

રહેમ નજર (સં.) દયાદૃષ્ટિ,

રહેમિયત (સં.) દેખો રહેમ।

રહેવાસ-શ (સં.) ઘર, ગૃહ,
भवन, मकान, स्थान, वास, નિ-
વાસ। [રહનેવાલા।

રહેવાસી (વિ) નિવાસી, વાસી,

રહેવું (ક્રિ.) રહના બસના, ઠહ-
રના, મુકામ કરના, નિવાસ ક-
રના, વાસ કરના, ટિકના, સ-
માના, સકના, ચૈન હોના, નિભના,
અટકના, અધૂરા રહના, જીના,
દૂર હોના। [કરના, નાશ કરના।

રહેવું (ક્રિ.) કતલ કરના, વધ

રળતર (સં.) ઉત્પત્તિ, કમાઈ,
પ્રાપ્તિ, અર્જન, પૈદા, આમદ, લાભ,
મુનાફા।

રળવું (ક્રિ.) કમાના, પૈદા કરના,
પ્રાપ્ત કરના, ઉદ્યમ કરના, પૈસે
પૈદા કરના।

રળાઉ (વિ.) પૈદા કરનેવાલા,
કમાઉ, લાભકારી, હિતાવહ।

રળિયાત (સં.) પ્રસન્ન, રાજી, ખુશી,
તુષ્ટ। [પ્રસન્ન હોના।

રળિયાત થવું (ક્રિ) ખુશ હોના,

રળિયામણું (વિ.) સુશોભિત,
સુન્દર, રમ્ય, રમણીય।

રળી (સં.) ખુશી, આનન્દ, હર્ષ,
ઉમંગ, ઉત્સાહ, પ્રસન્નતા।

રળીરાજી (અ.) ધીરેસે, શાંતિપૂર્વક,
સુખચૈનમેં, ખુશીસે, નિરુપદ્રવ।

રાંક-કું (વિ.) ગરીબ, નિર્ધન,
દરિદ્ર। પામર, બેચારા, દીન,
કંગાલ, નમ્ર। [મંગતા।

રાંકું (સં.) ભિક્ષુક, ભિખારી,

રાંભ (સં.) શહર પનાહકી ભીંત,
નગર પ્રાચીર, દુર્ગકી એક દિશા।

રાંભરો (સં.) ધીરે ધીરે ચલને-
વાલા।

રંગોળી (સં.) પૃથ્વીપર બનાવે હુએ રંગકે ચિત્ર, સાથિયા, ભોજન કરનેકે સ્થાનમેં ભૂમિપર રેખાએં ખીંચી જાતી હૈં। [પ્રામણિ।

રાંચો (સં.) ગાંજડેકા, ગંવાર,

રાંઝણ (સં.) એક પ્રકારકા રોગ જો પૈરોંમેં હોતા હૈ।

રાંઠ (સં.) બાંક, વક્રતા, ટેઢાઈ, અનબન, દ્વેષ, વિરોધ, મનોમાલિન્યતા।

રાંઠું (વિ.) ટેઢા, તિરછા, બાંકા, વક્ર, ખોટા, અસલ્ય, ઝૂંઠા।

રાંડ (સં.) રંડા વિધવા સ્ત્રી પતિ હીના, વેશ્યા, રણ્ડી, છિનાલ, પુંશ્ચલી।

રાંડ જાત (સં.) સ્ત્રીજાતિ, નારી।

રાંડનાનખરા (સં.) ચોંચલા, સ્ત્રિયોંકા હાવ ભાવ, સ્ત્રીચરિત્ર।

રાંડના પેટનો (સં.) વર્ણ સંકર દોગલા, જિસકે બાપકા પતા નહો।

રાંડનું રાજ (સં.) ઘાઘરેકા રાજ, લહંગેકી અમલદારી, સ્ત્રીકાશાસના

રાંડબાજ (વિ.) વ્યભિચારી, પરસ્ત્રીગામી, સ્ત્રીલમ્પટ, રણ્ડીબાજ।

રાંડબાજી (સં.) વ્યભિચાર, પરસ્ત્રી ગમન, વેશ્યાપ્રસંગ, રણ્ડીબાજી।

રાંડવું (ક્રિ.) રાંડહોના, વિધવા હોના, પતિ મરના, રણ્ડાદિકાના।

રાંઢવો (સં.) જનાના, જનખા, નપુંસક, નામર્દ, રાંડૂકા, કલંબ।

રાંડ્યા પછી ડાહ્યા થવું (સ.) નુકસાન હોનેપરહી બુદ્ધિ આતી હૈ, ઠગાએ ઠાકુર હોતા હૈ।

રાંડીરાંડ (સં.) વિધવા, રાંડ, નિરાશ્રિત સ્ત્રી। [હુઈ સ્ત્રી।

રાંડીછાંડી (સં.) છોડીહુઈ, ત્યાગી

રાંઢવું (સં.) પાની ભરનેકી રસ્સી, ડોરી નેજ, અનારા, દુષ્ટજન, અજ્ઞાન મનુષ્ય।

રાંઢો (સં) દેખો રાંઢો।

રાંદેવ (સં.) જવાર, દેવી ભૈરવ આદિકે પૂજામેં બાયેહુએ જૌ ઔર ગેહું, ભુજરિયાં।

રાંધણછઠ (સં.) શ્રવણ કૃષ્ણા યા કૃષ્ણા ષષ્ઠી, ઇસદિન શીતલા પૂજન કરનેકે લિયે પદાર્થ બનાતે હૈં।

રાંધણિયું (સં.) રસોઈ ઘર, ભોજનશાળા, પાકશાળા, બાવર્ચીખાના, લંગર।

રાંધણિયો (સં.) રસોઇયા, ભોજન બનાનેવાલા, બાવર્ચી, સાંધરી।

રાંધણી (સં.) દેખો રાંધણિયું ।
રાંધણું (સં.) વહજો રાંધનેके लिये हो ।
રાંધવું (સં.) पकाना, उबालना, सिजाना, भोजनबनाना, रसोई करना । [किया हुआ काम ।
રાંધેલી રસોઇ (વિ.) युक्ति, तय्यार
રાંધે ઠોઇ ને જમે ઠોઇ=चूहा खोदे और सांप निवास करे । परिश्रम कोई करे और आनन्द दूसरे भोगें ।
રાંધી રસોઇ રહેવી (ક્રિ.) बना बनाया कामका बीचमेंही रहजाना ।
રાંપ-ડી (સં.) एक प्रकारका औजार जो खेत नींदने तथा गोड़ने के काममें आता है, खुरपा खुरपी राँपी ।
રાંપવું (ક્રિ.) नींदना, गोड़ना, खेत में से घासफूस कचरा आदि निकालना ।
રાંપી (સં.) मोची या चमारका एक औजार जो प्राय; चमड़ा काटनेके काम में आता है ।
રાંભો-રાંભો (સં.) गड्ढा खोदने का औजार, कुदाल, गेंती, खनित्रा, गैंवार, ग्रामीण, गंवडैल ।
-રા (સં.) लक्ष्मी, पैसा, सोना, प्रभु, ईश्वर ।
રાઇ (સં.) सर्षप, सरसों, रजिका, एक प्रकारका सरसों के बराबर तैळ युक्तबीज, यह आचार, रायते आदि में डाली जाती है, (વિ.) अत्यंत छोटा । तुच्छ ।
રાઇ ચઢાવવી (ક્રિ.) उकसाना, उभारना, उत्तेजित करना ।
રાઇ ભરવાં પાઇવાં (ક્રિ.) बल कम होना, देख न सकना, आँख निकली पड़ना ।
રાઇ ભરવાં લાગવા (ક્રિ.) बुरा लगना, अप्रिय मालुम होना ।
રાઇ-ગ (સં) झपका, ठाठ, शोभा, ऐश्वर्य्य ।
રાઇની કેરી-ચીરી (સં.) मसाला भरा हुआ आमका अचार ।
રાઇતું-ચતું (સં.) व्यंजन विशेष, दही में किसी चीजको डालकर राई नमक मिर्ची आदि डालकर बनाया हुआ पदार्थ, रायता, किसी की हानि ।
રાઇતું કરવું (ક્રિ.) किसी की खराबी करना, किसीको हानि पहुँचाना ।
રાઇ મીઠું (સં.) राईनौन, जब किसीको नजर लग जाती है तो उसके ऊपर राई नमक और मिर्ची उसार के आग में डालते हैं । दुखका, ठेसका, क्षिप, देव, ।

२४ित (सं.) बहादुर पुरुष, वीर।
२४ित (वि.) उचित, ठीक, मुनासिब।
२४ेश (सं.) देखो २४५६
२४ा (सं.) कुछ प्रतिपदा युक्त पूर्णिमा, वह तिथि जिसदिन पूर्ण चन्द्र हो। [मयंक।
२४ेश (सं.) विधु, चांद, चन्द्रमा,
२४ाधति (सं.) पूनमका चांद, पूर्ण चन्द्र।
२४क्ष (सं.) निशाचर, भयंकर, निर्दय, दैत्य, दानव, असुर, दनुज, भूत, पिशाच, शैतान, दाना, हिंसक मनुष्य, मांस भोजी, हत्यारा, नीच, दुष्ट।
२४क्षगण (सं.) मनुष्योंके तीन गण होते हैं किसीका देव गण किसीका मनुष्य गण और किसीका राक्षस गण होता है, यह विषय ज्योतिष शास्त्रका है विवाह शादी के समय पुरुष और स्त्रीके गणों-कामी ध्यान रखा जाता है।
२४क्षणी—२४क्षी (सं.) राक्षसकी स्त्री, कुरूप औरत, मैली कुचैली कुरूपा स्त्री।
२४क्षी (वि.) [illegible]

राक्षससे सम्बन्ध युक्त कार्य या वस्तु, राक्षसके समान, भयंकर, विकराल। [प्रेतविद्या।
२४क्षी विद्या (सं.) भूतविद्या,
२४ी (सं.) दोनों तरफके नोंक दार पैने दांत, राक्षसी, निशाचरी, भूतनी।
२४ (सं.) किसी वस्तुके जल-जाने उसकी धूल, खाक, भस्म, रक्षा, न कुछ, धूल, रंडी हुई स्त्री, वेश्या, रंडी।
२४ चोळवी (क्रि.) वैरागी होना, भस्म रमाना, राखको बदन पर, मलना। खराबहोना, बरबाद होना, खाक छानना।
२४ चोळावची (क्रि.) बरबाद करना, दरिद्री करना।
२४ धुग (अ०) कुछभी, न कुछ।
२४ धुण धड ०पु (क्रि) खराबहोना, बिगड़जाना, बरबाद होना।
२४ भाषे धाखणी (क्रि.) किसीभी काममें आने योग्य, न रख काम करना।

રાખડી (સં) વિઘ્ન સંકટ દુઃખ ક્લેસ આદિ ન હો इस लिये हाथ-के पहुंचे पर मंत्र बोळ कर बांधा हुआ डोरा, राखी, रक्षासूत्र, गर्भवती स्त्रीको वह सूत्र जो आशीर्वाद रूपसे उसकी नँनँद पांचवें या सातवे महीनें में बांधती है ।

રાખનાર (સં) संरक्षक, शरणमें, रखने वाला, हिफाजत करने वाला ।

રાખ રખાવટ (સં.) देखो રખાવટ

રાખપત (સં) अपमानसे मान रक्षा, जाती हुई इज्जतकी संभाळ ।

રાખવું (ક્રિ.) रखना धरना, पाळन, करना, पालना, संरक्षण करना, संभाळना, संग्रह करना, यत्न करना अधिकारमें करना. अन्दर रहने देना, बाहिर न निकालना । शेष रखना, रोकना, अटकाना, एकत्र करना, जमाना, प्रण पालना, काममें लाना ।

રાખસ (સં.) देखो રાક્ષસ ।

રાખસી (સં.) देखो રાક્ષસણી ।

રાખસી માયા (સં.) जादू, टोना, मिथ्या प्रपंच, नाचता पूर्वक छळ ।

રાખેલી (સં.) रखी हुई स्त्री, अविवाहिता पत्नी, नातरेसे लाई हुई स्त्री ।

રાખેલીના પેટનો (સં.) वर्णसंकर संतान, दोगळी औलाद ।

રાખોડી (સં. , देखो રાખ ।

રાખોડો (સં.) पूर्ववत् ।

રાગ (સં.) रंग, लाल, क्रोध, अनुराग, प्रेम, नेह, गानस्वर, भैरव, मालकौस, मेघ, श्री दीपक और हिंडोळ, अच्छास्वाद, मधुर ध्वनि, (आवाज़) स्वर सुर रव, लालसा ।

રાગમાવવો (ક્રિ.) बनना ।

રાગમાવો (ક્રિ.) गाना ।

રાગમઢવો (ક્રિ.) गाना ।

રાગડો (સં.) लम्बा गीत ।

રાગડો ખેંચવો (ક્રિ.) गळाफाड़कर रोना (बालकका)

રાગણી (સં) रागकी स्त्री, एक एक रागको पांच पांच लिया हैं, (भैरवकी रागिनी) भैरवी, विभाकरी, गूजरी, गुनकरी और बिलावळ (श्री रागकी) गौरी, गौरा, नीलावति, विहंगडा, विजयंती, और पूरिया (मालकौंसकी) मठहारी, सरस्वती, रूपमंजरी, चहु-

રકતગન્ધી, ઔર કૌશિક નંદિની, (દીપકકી) કાન્હડા, કેદારા, અડાના, મારૂ, વિહાગ, (મેઘકી) સારંગ, ગૌડગિરી, જૈ જૈ વન્તી, ધૂરિયા ઔર સમાવતી, (હિણ્ડોલકી) ટોડી જયશ્રી, આસાવરી બંગાળી ઔર સૈંધવી ।

૨૫૫૫ણા (સં.) કાવ્યમાલા, જિસમેં બહુતસે રાગ સાથસાથ ગાયે જાવેં ઐસી રચના । [દર્પ ।

૨૫૫૨ંભ (સં.) ગીતવાદ્ય, ખેલકૂદ

૨૫૫ી (વિ) જિસે ફૌરન ક્રોધ હો જાવે, પ્રમી સંસારમેં તલ્લીન, ક્રુદ્ધ, કુપિત । [રીતિમેંઆના ।

૨૫૫૫૬વું (ક્રિ.) ઢંગમેં આના,

૨૫૫૫૨વું (ક્રિ.) ક્રુદ્ધ હોના, ગુસ્સાઆના ।

૨૫૫૬વું (ક્રિ.) ગાતે સમય ઊંચે કરના, અલાપના, સ્વર ભરના, સુરલેના ।

૨૫૫૬૨ (સં.) આલાપ, દેખો ૨૫૫૬ ।

૨૫૫ (સં.) એક પ્રકારકા લાલ સોના ।

૨૫૫ (સં.) ઘરમેં કામ આનેવાલા સામાન, વર્તન ભાંડે, કપડેલત્તે ટેબલ, કુર્સી આદિ ઘરકા સામાન

૪૦

૨૫૫૨૫ીલું (સં.) પૂર્વવત્ ।

૨૫૫વું (ક્રિ.) પ્રસન્ન હોના, ખુશી હોના, મુદિત હોના, અચ્છા માલુમ હોના ।

૨૫૫-૫૫ (સં.) દેશ, રાજાકા આધકૃત દેશ, રાષ્ટ્ર, રાજાકા અધિકાર । રાજા, નરેશ, રાજન્! (સમ્બોધન) (વિ.) રાજવિષયક ।

૨૫૫૫૫વું (ક્રિ.) રજસ્રાવ હોના, માસિક ધર્મ હોના । [ઈશ્વરકાકોપ ।

૨૫૫૬ દૈવ (વિ) રાજાકા અથવા

૨૫૫૬-૫૫ (સં.) રાજાકી લડકી, રાજપુત્રી ।

૨૫૫૬૬વિ (સં.) રાજા કા કવિ ।

૨૫૫૬૫૫ (સં.) રાજ્ય સમ્બન્ધી કાર્ય, રાજ નીતિ, રાજા કે કામ ।

૨૫૫૬૨૫ારી (સં.) પ્રધાન, દીવાન વજીર, મુત્સદ્દી, મંત્રી । [સમ્બન્ધી ।

૨૫૫૬ીય (વિ.) રાજાકા, રાજ્ય

૨૫૫૬ુંવર (સં.) રાજાકાપુત્ર, રાજ કુમાર ।

૨૫૫૬ુંવરી (સં.) દેખો ૨૫૫૬-૫૫

૨૫૫૬ુમાર (સં) દેખો ૨૫૫૫ુત્ર

૨૫૫૫૬ (સં.) રાજા કે રહને કા કિલ્લા, દુર્ગ ।

राजगरी (सं०) पहाड़ी, टेकड़ी जहांपर राजा रहताहो, कांदा, प्याज ।

राजगिरा (सं.) एक प्रकारका धान्य जो फलाहार के काम आता है, रजगिरह् ।

राजगादी (सं.) राजासिंहासन, राजा के बैठनेका आसन, राज्यासन । [राजाका कुलगुरु ।

राजगोर (सं.) राजाका पुरोहित,

राजचिन्ह (सं.) ऐसे निशान जिन्हें देखकर यह बोध हो कि अमुक राजा है, छत्र चंवर मुकुट दण्ड आदि, कागज या धातु पर राजाका निशान । सिक्का ।

राजत (सं.) चांदी, रजत, रूपा ।

राजतंत्र (सं.) राज्यका कारभार ।

राजतिलक (सं.) टीका, राजगद्दी, गद्दीपर बिठाकर मस्तक में किया हुआ तिळक, राज्याधिकार ।

राजद्युत (वि.) शोभित, राजित, प्रकाशित । [माऐश्वर्य ।

राजतेज (सं.) राजाका प्रताप

राजबनो (कि.) चिराग, गुल होना, दीपकका बुझना, दीप होना ।

राजदंड (सं.) राजा द्वारा दीहुई सजा, राजाके हाथका दण्डा ।

राजदरबार (सं.) राजसभा कचहरी, कोर्ट, न्यायालय ।

राजदरबारी (सं.) सरकारी, राजा से या राज्यसे सम्बन्ध रखनेवाले ।

राजदूत (सं.) राजाकी तरफसे समाचार लानेवाळा, एलची ।

राजद्रोह (सं.) बलवा, उपद्रव, राजा के विरुद्धाचरण, फितूर ।

राजद्रोही (सं.) राजाया राज्यका विरोधी उपद्रवी, अराजक ।

राजद्वार (सं.) जहां राजा न्याय करता है वह जगह । कचहरी कोर्ट, अदालत ।

राजद्वारी (वि.) राजनीति विषयक ।

राजधर्म (सं.) राजाका प्रजाके प्रति कर्तव्य कार्य, प्रजारक्षण ।

राजधानी (सं.) राजाके रहनेका नगर, मुख्यनगर, पायेतख्त ।

राजन (संबो.) राजा, हे राजा !

राजनगर (सं.) राजधानी ।

राजनीति (सं.) राज्यकरनेकी विद्या, राजाका प्रजाके साथ कर्तव्य धर्म, राजकाज, सरकारी रीतिरस्म ।

राजपाट (सं.) राजगद्दी, राज, सिंहासन ।

राजपद (सं.) राजाकी पदवी ।

राजपत्नी (सं) रानी, राजमहिषी ।

राजसवारी (सं.) सवारी।
राजसुत (सं.) देखो राजकुंवर।
राजसुती (सं.) देखो राजकुंवरी।
राजसेवक (सं.) राजका नौकर, राजकर्मचारी, दीवान, प्रधान, वजीर।
राजप्रतिनिधी (सं.) राजाकीतरफसे कार्य करनेवाला, गवाहसराय, वइालाट। [उत्पन्न।
राजभोज (सं.) राजा के कुलमें
राजभक्ति (सं.) राजाकी भक्ति, प्रजाका कर्तव्य, राजप्रेम, राजाका शुभचिंतन।
राजभोग (सं.) बड़ाभोग, ठाकुरजीको दोपहरका नैवेद्य, देवताका प्रसाद।
राजभ्रष्ट (वि.) राजच्युत, राजगद्दीसे उतारादुआ राजा।
राजमंडल (सं.) दरबारी लोग, हजूरिये, राजसमाज, खुशामदीलोग
राजमंदिर-भवन (सं.) महल, प्रासाद, राजा के रहनेके मकान, राजवाड़ा।
राजमद-मत्सर (सं.) राजाका गर्व, अपने राज्य (शासन) का घमण्ड।
राजमहेल (सं.) देखो राजमंदिर।
राजमाता (सं.) राजाकी माता, राज्यमें।
राजमान्य (वि.) राजाके द्वारा प्रतिष्ठा प्राप्त, नरेशद्वारापूजित, प्रसिद्ध, राज्यमें मुख्य अधिकारी चिट्ठियोंमें यह वाक्य शोभा प्रदर्शनार्थ लिखते हैं। [आनेका रस्ता।
राजमार्ग (सं.) राजाके जाने-
राजमुद्रा (सं.) राजाकी छाप, राजाके हस्ताक्षरोंकी मुहर।
राजयोग (सं.) योगसाधन, विशेष, राजहोनेका ग्रहयोग।
राजरिद्धि (सं.) राज्यकी उन्नति, राष्ट्र वृद्धि, शासनवृद्धि।
राजरेख (सं.) हाथमें राजा होनेकी रेखाएं, शंख, गदा, धनु, चक्र, ध्वज इत्यादि चिन्ह (सामुद्रिक शास्त्र)
राजर्षि (सं.) वह ऋषि जो राज त्यागकर तप करता है, क्षत्रिय ऋषि।
राजलक्ष्मी (सं.) राज्य वैभव, राज्यश्री। वृद्धि, बढती, राजकोष।
राजलेख (सं.) राजाके हस्ताक्षर, राजाकी आज्ञा, छिंडोरा आज्ञापत्र।

રાજવટ-હું (સં.) રાજદરબારી રીતિ રિવાજ ।

રાજવટો (સં.) દેખો રાજભાર્ગ ।

રાજવહિવટ (સં.) રાજ્ય કાર્ય વાહી । [ક્ષત્રિય ।

રાજવંશી (સં.) રાજાકે કુલકા,

રાજવળું (સં.) દરબારી, હજૂરિયા, દરબાર ।

રાજવી (સં.) કિસીકે મરનેકે બાદ છાતી કૂટકર રોનેકી એક રીતિ (ઔરતોંમેં) રોનેકા એક પ્રકારકા ગીત । રાજા, મહારાજ, માન્ય શાળી પુરુષ । શ્રીમંત ।

રાજવું (સં.) શોભિત હોના, સુંદર દૃષ્ટિ આના ।

રાજવૈદ્ય (સં) રાજાકા યા રાજાસે માન પ્રાપ્ત વૈદ્ય, રાજાકા હકીમ । [રાજાકી શોભા, ઠાઠ ।

રાજવૈભવ (સં.) રાજાકા પ્રતાપ,

રાજશ્રીવિરાજિત (વિ.) રાજ શોભાસે શોભિત, બડ઼ેપદસે સમ્માનિત ।

રાજશ્રી-જેશ્રી (સં.) રાજ્યલક્ષ્મી ।

રાજશી (વિ.) દેખો રાજસ ।

રાજસ (વિ.) રજોગુણ પ્રધાન, અહંકાર, ગર્વ ।

રાજસત્તા (સં.) રાજાકા અધિકાર બાદશાહી અમલદારી, હુકૂમત ।

રાજસભા (સં.) રાજદરબાર, કચહરી, કોર્ટ, ન્યાયાલય, રાજાકી સભા ।

રાજસોય (સં.) યજ્ઞવિશેષ રાજાકે કરનેકા યજ્ઞ, રાજસૂયજ્ઞ, ઐસે અનેકોં યજ્ઞ કરકે પ્રાચીન કાલમેં રાજા સમ્રાટપદ પાતે થે ।

રાજસ્તાન-સ્થાન (સં.) રાજપૂતાના ભારતકે દેશી રાજ્ય, દેશી રિયાસતેં ।

રાજહંસ (સં.) પક્ષી વિશેષ ઉત્તમ હંસ । [મારવાડના ।

રાજહત્યા (સં.) રાજવધ, રાજાકો

રાજા (સં.) નરેશ, ભૂપાળ, નૃપતિ, ભુઆલ, અધિપતિ, નાથ, સ્વામી, માલિક, સંરક્ષક, અધિકારી બાદશાહ, અધિરાજ, શ્રેષ્ઠતા પ્રદર્શનાર્થ શબ્દકે સાથસાથ ગાયાજાતા હૈ જૈસે " વૈદ્યરાજ, મુનિરાજ, ગજરાજ । " સ્વતંત્ર પુરુષ, શતરંજકે ખેલમેં મુખ્ય ગોટ, તાશકે ખેલમેં રાજાકા પત્તા । [મોટે મનકા ।

રાજાજોગો (અ.) ઉદારવિચારવાળા,

રાજાસાથે લઢવો (ક્રિ.) સરસ માળખાના ।

રાજને મળતી રાબડી ને ભાલા વીણતી બાણી સફેદ કિન્તુ દૂધ નહીં।

રાજભાગુસ (સં.) જો રાજાके समान गुणमें विद्यामें खर्चमें ऐश्वर्य आदिमें हो।

રાજાધિરાજ (સં.) शाहंशाह, राजाओंका भी राजा, सम्राट, चक्रवर्ती नरेश।

રાજા ભેજ (સં.) उदार पुरुष, हितैषी, परमार्थी, विद्याप्रेमी, न्यायी श्रेष्ठपुरुष। [भेश।

રાજીયો (સં.) शोकका गीत वि-

રાજીવ (વિ.) शोभित, सुन्दर।

રાજી (વિ.) खुश, प्रसन्न, स्वीकार, तैयार।

રાજીકરવું (ક્રિ.) प्रसन्न करना।

રાજીથવું (ક્રિ.) खुश होना।

રાજીખુશીથી (અ૰) प्रसन्नतासे, स्वेच्छासे।

રાજીનામું (સં.) स्वेच्छा पूर्वक लिखाहुवा पत्र, प्रसन्नता प्रदर्शक लेख, इस्तिफा।

રાજીરજામંદીથી (અ.) राजी खुशीसे, बिनाजबरदस्तीसे, इच्छापूर्वक।

રાજીયો (સં.) प्रसन्नता।

રાજીવ (સં.) कमळ, पंकज, पद्म।

રાજીવલોચન (સં.) कमळ नयन, पुंडरीकाक्ष, ईश्वर, परमात्मा, राम, कृष्ण।

રાજેન્દ્ર (સં) राजाओंकाभी राजा, महाराजाधिराज, सम्राट, राजराजेश्वर।

રાજેશ્રી (સં.) देखो રાજશ્રી।

રાજ્ય (સં.) राज, देश, राष्ट्र, राजाका अधिकृतदेश, शासन, हकूमत।

રાજ્યપદ્ધતિ (સં.) राजनीति, राज्य सम्बन्धी कामकाज।

રાજ્યતંત્ર (સં.) राज्यकारबार।

રાજ્યધાની (સં) राजधानी, राजाके रहेनेका नगर, राजनगर।

રાજ્યલેખ (સં.) सनद, राज्यकी ओरसे दस्तावेज, सरकारी कागज।

રાજ્યાભિષેક (સં.) राजगद्दी राजातिलक, राज्याधिकार, समस्तनदियों का जळ, वृक्षपल्लव, समस्तरत्न आदि मंगाकर वैदिक विधिसे किया हुआ राजतिलक, तख्तनशीनी।

રાજ્યાસન (સં.) राजाके बैठनेका आसन, गादी, तख्त, सिंहासन।

રાઠોડ (સં.) રાજપૂત ક્षત્રિયોંકી એક જાતિ વિશેષ, રાઠૌડ્‌નામક જાતિ ।

રાડ (સં.) યુદ્ધ, સંગ્રામ, લડાઈ, ઝગડા, હલ્લા, શોરગુળ, હોહલ્લા ।

રાડું (સં) જ્વારકા ડણ્ડા, ટઠારા, રાડા, જ્વાર મક્કાકા સૂખા હુઆ વૃક્ષદણ્ડ ।

રાઢ (સં.) વાક્‌યુદ્ધ, કલહ, ઝગડા બકબક, તકરાર, ફરિયાદ જુદાઈ, તલાક ।

રાણી (સં.) રાજ્ઞી, રાજપત્ની, રાજમહિષી, રાજકરનેવાળી સ્ત્રી, રાજરાની ।

રાણીનો ઝાણો (સં.) શેખીખોર, અકડવાજ, ઘમંડી, અહંકારી ।

રાણીને ખટખટ (સં.) પૂર્વવત્ ।

રાણીવાસ (સં.) અન્તઃપુર, રનવાસ, રાનિયોંકા રહનેકા મહલ ।

રાણીન્દ્રો (સં.) રાણીકે ગર્ભસે ઉત્પન્ન પુત્ર, રાજપુત્ર, યુવરાજ, રાજ્યાધિકારી ।

રાણોપ (સં.) સલાહ, પરામર્શ, ઐક્ય, રાજીખુશી, પ્રસન્નતા ।

રાણો (સં.) રાજા, રાજપૂત, ક્षત્રિય વિશેષ, રાપૂતરાજા, ચારકરીમેં રહનેકે કારણ યહ શબ્દ ' ગોલા ' કે લિયેભી પ્રયોગ કરતે હૈં જૈસે " ગોલારાણા "

રાણો કરવો (ક્રિ.) ચિરાગ બુઝાના, દીપક ઠંડા કરના ।

રાણો થવો (ક્રિ.) ચિરાગ ગુલહોના, દીપક બુઝના, નષ્ટહોના ।

રાત (સં.) નાઈ, હજ્જામ, નાપિત, નાપિક રાત્રિ, નિશા, રજની, રૈન ।

રાતઆપણુઆપની છે = અગર દિનમેં કામ ન હોસકાતો સારી રાત જાગકર કરેંગે ।

રાતકહેતો રાત ને દહાડો કહેતો દહાડો = જો જૈસા કહાવે વૈસાહી બોલના ।

રાતદહાડાનો ખબર (સં.) સુધિ, હોશ, ખબર, દુનિયાદારીકી ખબર ।

રાતનોરાજા—શો (સં.) ઉલ્લૂ ઘુઘ્ઘુ, ચોર, રાક્ષસ, નિશાચર ।

રાતડા (સં.) લાલિમા, લલાઈ અરુણતા, લાલજ્વાર, ગાજર ।

રાતડાં (સં.) સુહાલી, પપડી, ગેહૂંચને આદિકે આટેકી બની હુઈ ।

રાતડિમાં (સં.) ગાજર ।

રાતડિયો (સં.) જ્વાર, જુવારી (લાલ) ધાન્ય વિશેષ ।

રાતઠી (સં.) દેખો રાત ।
રાત દહાડો (સં.) અહર્નિશિ, નિત્ય, રાતદિન, સદા, હમેશા, શબોરોજ ।
રાતબ (સં.) બંધાની, રોજ કિસી વસ્તુકે આનેકા નિયમ, બંધી, સીધા (આટા દાલ ઘી નમક મિર્ચ આદિ) । [(કવિતામેં)
રાતલડી (સં.) રાત્રિ, રાત
રાતબ (સં.) નિત્યકા આહાર, ખોરાક, પેટ ખર્ચી, ભત્તા વજીફા ।
રાતવરત (અ.) ચાહે કિસ સમય ।
રાતવાસો (સં.) યાત્રામેં કિસી સ્થાનપર રાતભર નિવાસ । રાત કાટના । [પત્નિકે સાથ રહના ।
રાતવું (ક્રિ.) અપને પતિ યા
રાતાશ (સં.) દેખો રતાસ ।
રાતું (વિ.) લાલ, રક્તવર્ણ, ખૂનકા-રંગ, મગ્ન ।
રાતીરાયણજેવું (ક્રિ.) મુસ્તૈદ, પુષ્ટ, મજબૂત । [કોપ કરના ।
રાતુંપીળું થવું (ક્રિ.) ક્રુદ્ધ હોના,
રાતે (અ.) રાત્રિમેં, રાતકે સમય ।
રાતોરાત (સં.) રાતહી રાતમેં સૂર્યોદયકે પૂર્વ ।
રાત્ર–ત્રી (સં.) દેખો રાત ।
રાધા–ધિકા (સં.) કૃષ્ણચન્દ્રકી સ્ત્રી, છિનાલ ઔરત, બાંઝ સ્ત્રી, ભલી સ્ત્રી ।
રાન (સં.) ઝાડી, સઘન વન, જંગલ, વૃક્ષ ઝાડી આદિસે આચ્છન્ન વન આરણ્ય, વિના વૃક્ષોંકા મૈદાન ।
રાનરાન ને પાનપાન થઈજવું (ક્રિ.) બરબાદ હોના ધૂલધાની હોના, દુર્દશામેંહોના ।
રાનવું (વિ.) અસભ્ય, જંગલી, વ્યર્થહી ઘૂમનેવાલા, ગૅંવાર ।
રાની (વિ.) જંગલી, વની, મૂર્ખ, પશુ, નિર્બુદ્ધિ, અશિષ્ટ, બેઢંગ
રાનીકુકડો–મરઘો (સં.) તીતર, પક્ષીવિશેષ । [મધુ ।
રાનીમધ (સં.) શહદ, જંગલી
રાનેરાન–રાનોરાન (અ.) જંગલ જંગલ, એક વનસે દૂસરે વન ।
રાપતો (સં.) રીતિ, રિવાજ રસ્મ
રાફ–ડો (સં.) દીમકકા ઘર, સાંપકે રહનેકા બિલ, વમ્બઈ, વાંબી ।
રાબ (સં.) પાત, ગુડિયાની, આટા ઘીમેં સેક કર ઔર મીઠે પાનીમેં ઓટાકર તય્યર કિયાહુઆ પતલા પદાર્થ ।
રાબડી (સં.) રબ્બડી, કિસી વસ્તુ-કો ઉબાલકર ખાનેકે લિયે બનાયા હુઆ દ્રવ પદાર્થ, બસૌંદી ।

રામકું (સં.) રાવડી (બેપરવાઈસે બનાઈ હુઈ)

રામ (સં) સર્વવ્યાપક ઈશ્વર, દશરથકા બેટા રામચન્દ્ર, દમ, બળ, શક્તિ, પૌરુષ, જમદગ્નીકા પુત્ર પરશુરામ, કૃષ્ણચન્દ્રકા બડાભાઈ બલરામ, વ્યાપારી લોગ વ્યાજકે આનોંકોભી સંકેતાર્થ યહ શબ્દ પ્રયોગ કરતે હૈં । [મકી કસમ ।

રામદુહાઈ (સં.) રામદુહાઈ ,રા-

રામકહાણી (સં.) બડ़ાલમ્બા, ચૌડ़ા, કિસ્સા, લંબીબાત, રામાયણકી કથા ।

રામકલી (સં.) પ્રાતઃકાળ ગાનેકી એક રાગિની વિશેષ ।

રામગી (સં.) સાધુન, બાબી, સંન્યાસિન, યોગિની, જોગન, ફકીરની ।

રામ ગોવાળિયે (સં.) ઇધરઉધર ફિરતે હુવે છોટે છોટે નંગે બચ્ચોંકે લિયે યહ શબ્દ પ્રયોગ હોતા હૈ, બાલગોપાળ ।

રામગ્રી (સં.) એકરાગ વિશેષ ।

રામચંદ્ર (સં.) દુષ્ટોંકા સંહારક, સાતવાં અવતાર, કૈંઈ લોગ ઇન્હેં ઈશ્વર કહતે હૈં ।

રામજણી (સં.) વેશ્યા, રંડી, નર્તકી, ગણિકા, વારનારી ।

રામજયંતિ (સં.) ચૈત્ર શુક્લા નવમી તિથિ ।

રામ ઠાકિયું (વિ.) ટૂટાહુવા, ખંડિત, ભગ્ન, ફૂટાહુઆ, ખોખલા ।

રામડોણી (સં.) મુર્દેકો લેજાનેકી ટટ્ટી, સંગાતી, રથી (મૃતકકી)

રામઢોલ (સં) બડ़ાભારી ઢોલ, નગારા ।

રામદીવો (સં.) કિસી શુભ અવસરપર સિરપરમૌર ધારણકર હાથમેં લટકતાહુવા દીપક રખતાહૈ ।

રામદુવાઈ–દુવાઈ–દુવાઈ (સં.) રામ દુહાઈ, રામચન્દ્રકી સૌગંધ ।

રામદૂત (સં.) હનુમાન, બન્દર, બાનર ।

રામદાસ (સં) રામકા ભક્ત ।

રામદાસિયું (વિ.) ગરીબ, કંગાળ ભિખારી, વિપદગ્રસ્ત ।

રામનવમી–નોમી (સં.) દેખો રામજયંતિ । [ચિંતક ।

રામનામ (સં.) ભજન, ઈશ્વર

રામનામી (સં.) એક અંગૂઠી જિસ પર રામકા નામ અંકિત હો ।

રામનું રાજ (સં.) ઐસા રાજ્ય જિસમેં પ્રજા સબતરહ સ્વતંત્ર ઔર સુખી હો।
("हृष्ट प्रमुदितो लोक तुष्टपुष्टः सुधार्मिकः निरामयोह्य रोगश्च दुर्भिक्ष भयवर्जितः। नचाग्निजमयं किंचित्तापी ज्वरकृतं तथा, नचापि क्षुधभयंतत्र न तस्कर नभयंतथा। नगराणिच राष्ट्रानि धनधान्य युता निच, निसंप्रमुदिता सर्वे यथाकृत युगे तथा"। रामराज्यकी प्रशंसामें उक्त श्लोक महर्षि वाल्मीकिने लिखे हैं) स्वराज्य, सुराज।

રામનું રામાયણ (સં.) મિટ્ટીકાઢેર।

રામભક્રિ (સં.) એકપ્રકારકી ઔષધિ

રામપાત્ર (સં.) એક પ્રકારકા મિટ્ટીકા જલપીનેકે લિયે બર્તન, સકોરા।

રામફળ (સં.) એક પ્રકારકા ફલ।

રામબાણ (વિ.) અચૂક ગુણદાયક અમોઘ, નિષ્ફળ, ગુણદાયક।

રામભૂપુઆઁ (સં.) મિટ્ટીકા મોટા ભારી ઢકના। [પાઠ રામકી કૃપા।

રામરક્ષા (સં.) રામકી સ્તુતિકા

રામરસ (સં.) નમક, લવણ, ક્ષાર।

રામરામ (સં.) દેખો રામનું રામ।

રામરામ (સં.) સલામ, પ્રણામ, અભિવાદનકે લિયે યહ શબ્દ પ્રયોગ હોતા હૈ।

રામરોટી (સં.) સાધુઓંકા ભોજન, મોટી મોટી રોટી, રોટ. ટિકડ।

રામશરણવું (ક્રિ.) મરજાના, સમાપ્ત હોજાના, સ્વર્ગવાસ કરના।

રામરમીજવા (ક્રિ.) પૂર્વવત્।

રામનું નામ દે-યહ બાત છોડદો, કિસીકાભી નિન્દા ન કરના।

રામવગરનું (અ.) બેજાન, બિનાદમકા।

રામનામ જપવા ને પરાય માલ અપના ધર્મકી આડમેં નીચ કાર્ય કરના।

રામ રાખે તેને કોણ મારે=જિસપર ઈશ્વર અનુકૂલ હો ઉસે કૌન માર સકતા હૈ?

રામ નામે પત્થર તરે=ઈશ્વરકી કૃપાસે અસંભવ બાત સંભવ હો જાતી હૈ।

રામને રળવું નહિ ને સીતાને ઢળવું નહિ=નિર્ધન દશામેં હોના।

રામનું સપનું ભરતને ઇલ્યો=(સં.) બિલતો ખોદે ચૂહા ઔર વાસ કરે સાપ।

રામઝરખેએઠકર સબકા મુજરા લેત। જૈસી બાપી ચાકરી વૈસા ઉનકું દેત=જૈસા કરના વૈસા ભરના, કર્માનુસાર ફળ।

રામ આશરે (અ૰) પરમાત્માકે ભરોસે, આશ્રયહીન, દૈવ ઇચ્છાસે।

રામ કહાણી થવી-(ક્રિ.) રામચન્દ્ર કે સમાન સંકટ યા વિપત્તિ આપડના।

રામકૃષ્ણના વારાની (વિ૰) અત્યંત પ્રાચીન, બહુત પુરાની।

રામ કુંડાળું (વિ૰) ગોળ ચક્કર।

રામમલેાલાજેવેા (ક્રિ.) ખૂબ મોટા તાજા, ખા પી કર મસ્ત, અગડબંબ।

રામમાંડિયું (વિ) બેઢબ, બેઢંગા, પાગલ।

રામગેાટીજેાકારવેા (ક્રિ.) ગોલ ગેંદકે સમાન લરેટના। [રોટ।

રામચકર (સં.) મોટી રોટી,

રામનામની (સં.) દેખો રામડાણી।

રામનામનીખાપની (ક્રિ.) માર-મારકર અધમરા કરદેના, મરણ-તુલ્ય પીટના।

રામમેલેાલેાથવેા (ક્રિ) મરજાના, અન્ત હોના, સ્વર્ગવાસી હોના, દેહાન્તકાલહોના।

રામલક્ષ્મણનીજેાડ = ઉમ્દા જોડી, સમાજ રૂપગુણ લક્ષણ સમ્પન્ન પુરુષ।

રામઝરખુંકરવું-પહેાંચાડવું (ક્રિ.) મારના, વધ કરના, માર ડાલના।

રામરખવાળું (વિ.) જિસકા કેવલ ઈશ્વરહી રક્ષકહો ઔર આગે-પીછે કોઈભી નહો।

રામા (સં.) સુન્દર સ્ત્રી, મનોહર સ્ત્રી, વનિતા, માનિની, વામા, મહિલા।

રામાનુજ (સં.) હિન્દુઓંકા એક મત, ઇસ નામકા એક અવૈદિક મતકા પ્રચારક મનુષ્ય દક્ષિણ ભારતમેં આજસે લગભગ ૭૦૦ વર્ષ પૂર્વ હોગયા હૈ। ઇસ મતકે અનુયાયિઓંકા ચિન્હ મસ્તકમેં દો સફેદ લકીરોંકે બીચમેં એક લડી લાલ લકરિકા તિલક હૈ।

રામાયણ (સં.) ત્રેતાયુગમેં ઉત્તરાધ્ય દશરથકે લડકે મહાત્મા રામચંદ્રકે જીવન ચરિત્ર બતાને વાલી પુસ્તક, રામચંદ્રકા ઇતિહાસ, વાલ્મીકિ રામાયણ, અધ્યાત્મ રામાયણ, તુલસીકૃત રામાયણ, અદ્‌ભુત રામાયણ આદિ। બડી વિચિત્ર તથા અસંભવ બાત।

રાખણહેરીનાખવી (ક્રિ.) नुकसान करना, अतिशय दुख पहुचाना।

રાખી (सं.) माळी, बागवान, फूलमाळी।

રાખેલો (वि.) बिना सूंडका चरस (पानी खींचनेका) चड़स, चरसा।

રાખોસી (सं) एक अंगली जाति विशेष, लुटेरोंकी जाति विशेष, चौकीदार, पहिरेवाला, रखवाला।

રાગ (सं.) राजा, धनाढ्य पुरुष

રાગખાખણાં (सं.) आंवरा, आंवला, इस नामसे प्रसिद्ध फल।

રાગડવાળ (सं.) ब्राह्मणोंकी एक जाति विशेष।

રાગડો (सं.) ग्वाळ, चरवाहा, अहीर।

રાગણ (सं.) एक वृक्ष विशेष, एक प्रकारका फळ। [वृक्षका फळ।

રાગણ કેડી-કેાકડી (सं.) रायण

રાગત (सं.) किफायत, कमी, न्यूनता, कृपा दया, मिहरबानी, अनुकम्पा, आराम, विश्राम।

રાગરંક (सं) धनी दरिद्री, किसी पटेल या गाँव के नम्बरदारका लड़का।

રાગણું (वि.) प्रतिष्ठित पुरुष सम्बन्धी।

રાગ (सं.) फरियाद, नालिश, चुगली, राजा, नरेश, भाट, राज कवि. बन्दी।

રાગણ (सं.) भाट तथा स्तुति गायक

રાગભાવી (क्रि) फरियाद करना, चुगली करना, झूंठी बातें पीछे से कहना।

રાગટી (सं.) छोटा तम्बू, छोटी छोलदारी पट भवन (छोटा)

રાગણ (सं.) रावण नामक प्रसिद्ध लंका का राजाजो अनार्य्यथा और जिसे दशरथ के लड़के रामने मारा था। कहते हैं उसके दस सिर तथा बीस हाथथे।

રાગણ જેવું મેાં (सं.) चढा हुआ मुहँ, फूला हुआ मुहँ। क्रुद्ध मुख।

રાગણ થવું (क्रि.) मोटा होना, फूलना।

રાગણ ચઢ ઉતરવું (क्रि.) मुहँ चढाना, मुहँ फूलाना, क्रुद्ध होना।

રાગણિયો (सं) गाँवका चौकीदार छोटेसे गांवड़े का पहिरेवाला।

રાગણું (सं.) राजपूत ठाकुरोंकी सभा। क्षत्रियों की जातीय सभा, चौकीदार अथवा सिपाहियों के रहने की जगह।

२।वणुं (सं.) पूर्ववत्

२।वणुं ३२णुं-णुं ३२णुं (क्रि.) राजपूतों का एक जगह इकट्ठे हो कर अमलपानी नशा करना, माट इत्यादिको कसूंभा नामक नशेदार चीज देना ।

२।वत (सं.) घुड़ सवार, अश्वारोही, अश्वरक्षक, अश्वपाल, साईस, सईस ।

२।वता (सं.) राजाकी रीति, राज कुल की रिवाज, राजत्व ।

२।वलुं (सं.) देखो २।वणुं ।

२।वणिये। (सं.) एक प्रकारकी शूद्र जाति जो प्रायः कपड़े बुनने तथा दातुन बेचने का धन्धा करते हैं ।

२।स (सं.) राशि, बराबर, हिस्से दारी, पांती, सहकार, ढेर, समूह, गधा, गर्दभ, गदहा, रासभ, समान गुण, लगामकी डोरी, रास ।

२।शि (सं.) नक्षत्रों के द्वादशचक्र (मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धन, मकर, कुंभ मीनराशि) समूह, पुंज, ढेर । [रस्सी चांदीकीकण्ठी ।

२।सडी (सं.) डोरी, सुतली,

२।सवा (वि.) डोरीकी लंबाईके बराबर फासला, १६ फुटका माप ।

२।सी (वि.) खराब, हलकी जातिका ।

२।सणी (सं.) औषधि ।

२।ष्ट्र (सं) देश, प्रांत, प्रजा, रैयत ।

२।स (सं.) घोड़ोंके या रथमें जुते हुए किसीभी पशु के चलाने रोकने की रस्सी, गोल चक्करकी नृत्य क्रीड़ा, बारह राशियां (मेष, वृषभ इ०) समानता साझा, पांती सहयोग, ढेर, पुंज, लगाम, मूलधन, पूंजी ।

२।सक्रीडा (सं.) वृन्दावनमें कृष्णका गोपियोंके साथ खेलाहुआ खेल, कृष्णके समान खेल ।

२।सभाव (सं.) साझेदारी, हिस्सेदारी, सहयोगिता, सहकारिता ।

२।सडी (सं.) डोरी, रस्सी, सुतली चांदीकी कंठी ।

२।सडा (सं.) एक प्रकारका राग, एक प्रकारका गरबा, नाच गान, खेल इत्यादि ।

२।सधारी (सं.) कृष्णकी लीलाओंको खेलकर दिखानेवाले, राधाकृष्ण बनकर नाचने वाले लोग ।

રાસભ (સં.) ખર, ગધા, ગર્દભ, ગદ્દા । [खेळनेवाले पुरुष ।
રાસમંડળ-ળી (સં.) રાસક્રીડા
રાસલીલા (સં.) દેખો રાસક્રીડા ।
રાસી (વિ.) ખરાબ, ગડબડયુક્ત, નિરસ ।
રાસો (સં.) ઠેઠા કિસ્સા, અપૂર્વ કહાની, કહાવત, પરંપરાગતગાથા ।
રાસ્ત (સં.) ખરા, સત્ય, ઉચિત, સચ્ચા, વાજિબ, મુનાસિબ યોગ્ય ।
રાસ્તી (વિ.) ન્યાય્ય, ઈમાનદારી, ઔચિત્ય, સત્યતા, વફાદારી ।
રાસ્તુંદો (સં.) અન્ધા નેત્રહીન, અંધ, જિસે રાતको नहीं सूझे, रतौंधका रोगी, रात्रांध रोगवाळा ।
રાહ (સં.) માર્ગ, રાસ્તા, પથ, સડક, રીતિ, તરહ, ઢંગ, ચાલ, તર્જ, ઢીલ, રાહુ, ગ્રહ વિશેષ ।
રાહદારી (સં.) એકસ્થાનસે દૂસરે સ્થાન જાને યા સામાન લે જાનેકા આજ્ઞાપત્ર, માર્ગ, રાસ્તા ।
રાહજોવી (ક્રિ.) ઇંતજાર કરના, માર્ગ નિરીક્ષણ કરના, બાટજોહના ।
રાહમારવો (ક્રિ.) ધૂળધાની કરના, બરબાદ કરના, વિનષ્ટકરના
રાહુ (સં.) એકગ્રહ વિશેષ, ક્રૂરગ્રહ હાનિ પહુંચાનેવાળા નીચ પુરુષ ।
રાળ એક પ્રકારકી ઔષધિ, યહ અગ્નિ સંયોગસે ફૌરન જલ જાતી હૈ । ધૂની, એક પ્રકારકા ગોંદ । એક પ્રકારકા સિક્કા, ડાલર, ઇસકા મૂલ્ય લગભગ ઢાઈ રુપયે કે હોતા હૈ, અમેરિકા જાપાન આદિ દેશોંમેં અબ પ્રચલિત હૈ । [કરના ।
રાળવું (ક્રિ) સાફકરના, શુદ્ધ
રિકઝીક (સં.) વાદાનુવાદ, ઝિક ઝિક, બકબક, શાસ્ત્રાર્થ, વિવાદ ।
રિખવું (ક્રિ.) ઘૂમના ફિરના, ભટકના । [કા વૃક્ષ, ।
રિંગણી (સં.) ભટેકાપેડ, બૈંગન
રિંગણું (સં) ભટે, બૈંગન રાજકુષ્માણ્ડ, વૃંતાક ફલ, સાગકે લિયે ફલ વિશેષ ।
રિઝવું-ઝવું (ક્રિ.) પ્રસન્ન હોના, ખુશ હોના, મુગ્ધ હોના ।
રિઝવણ (સં.) પ્રસન્ન હોનેકા કાર્ય ।
રિત્નાવટ (સં) સમુદ્ર, સાગર, સિંધુ, ઉદધિ ।
રિદ્ધિ (સં.) ઋદ્ધિ, સમ્પત્તિ, વૃદ્ધિ, લક્ષ્મી, દૌલત, વિભૂતિ, ઐશ્વર્ય્ય ઉદય ઉત્કર્ષ સમૃદ્ધિ, ધન, ક્ષેમ, કલ્યાણ ।
રિદ્ધિસિદ્ધિ (સં.) ધન સંપત્તિ, વૈભવ, ગણેશજીકી સ્ત્રિયાં ।

રિષ (સં.) તરહેકી પટ્ટી या घज्जी
રિપુ (સં.) શત્રુ, વૈરી, દ્વેષી, વિરોધી, દુશ્મન, અરિ, જાસૂસ, ભેદુ, ગુપ્તચર ।
રિષવું (ક્રિ.) પીડા પહુંચાના, [કષ્ટ દેના ।
રિષાવું (ક્રિ.) દુખપાતે રહના, બહુત સમયતક તકલીફેં ઉઠાના ।
રિવાજ (સં.) ચાલ, રીતિ, રસ્મ, માર્ગ, આચાર, અભ્યાસ, પદ્ધતિ, આદત, ટેવ મુહાવિરા । [દુખદ ।
રિષ્ટ (વિ.) ખોટા, બુરા, અશુભ,
રિસામણું (સં.) રિસ, કોપ, નારાજી, ખફગી, અપ્રસન્નતા, અસંતુષ્ટતા ।
રિસામણું (વિ.) જો જરાજરાસી-બાતમેં નારાજી પ્રદર્શિત કરનેવાલા ।
રિસાવું (સં.) નારાજ હોના, કુપિત હોના, રૂઠના, ચિઢના, ગુસ્સે હોના ।
રિસામણી (સં.) એક પ્રકારકા વૃક્ષ, લાજવતીકા વૃક્ષ, લજ્જાવંતીકા પેડ ।
રિસાળ (વિ.) દેખો રિસામણું
રીંછ (સં.) ભાલુ, ઋક્ષ, ભલ્લુક । એકવન્ય માંસાહારી જીવ વિશેષ, જંગલી આદમી ।
રીબવું (ક્રિ.) દુખી હોના કષ્ટમેં હોના ।
રીબ-ઝ (સં.) ખુશી, આનન્દ, હર્ષ, સન્તોષ, પ્રસન્નતા, ઉપહાર, ભેટ ।
રીઠ (સં.) દેખો રિષ ।
રીડ-ડ (સં) આવાજ પુકાર, ચિલ્લાહટ, હોહલ્લા, શોર ગુલ, ।
રીઢું (વિ.) અત્યંત પ્રયોગદ્વારા મજબૂત (મિટ્ટીકા પાત્ર) કઠિન, ટિકાઉ, કઠોર, દૃઢ ।
રીત-તી (સં.) ચાલ, ચલન, પ્રકાર, વ્યવહાર, માર્ગ, રાહ, ઢંગ, તરીકા ।
રીતભાંરહેવું (ક્રિ.) લોકાચારસે વિરુદ્ધ કાર્ય ન કરના, ચલનકે અનુસાર વર્તાવ કરના ।
રીતભાંભાવવું (ક્રિ.) સમઝાના, ઠોકરેં ખાકર યોગ્ય કાર્ય કરના ।
રીતપડવી (ક્રિ.) રિવાજ હોના, આદત પડના, ટેવ હોના ।
રીતકરવી (ક્રિ.) જોકુછ કુરીતિ હો ઉસે કરના ।
રીતરાખવી (ક્રિ.) રિવાજકે અનુસાર કામ કરના, મર્યાદ રખના ।

રીતસર (અ.) રીત્યનુસાર, રિવાज़के मुआफिक, यथा विधि ।
રીતભાત (सं.) रस्मरिवाज, रीति, चालचलन, वर्ताव, चालचलन ।
રીતરવેશ (सं.) तर्ज, ढंग, फेशन, तरीका सुहाविरा, सभ्यता ।
રીતિ (सं.) देखो रीत ।
રીધ (सं.) देखो રિદ્ધિ ।
રીપોર્ટ (सं.) बयान, हाल, वर्णन नोट, अफवाह, गप्प, जनवाद, लोकचर्चा, किम्वदन्ती ।
રીમ (सं.) कागजोंके बीस दस्ते, ४८० कागज (के शीट)।[पुकार ।
રીર (सं.) लड़ाई, फसाद, हल्ला,
રીસ (सं.) क्रोध, कोप, रोष, गुस्सा । [होना ।
રીસ ઉતરવી (कि.) क्रोध शांत
રીસ ચડવી–ચઢાવી–ભરાવું (कि.) क्रोध आना, कोप करना, गुस्सा होना,
રૂંવાટી (सं.) रोम, छोटे छोटे, बाल, पशम ।
રૂંવાડું–રૂંવું (सं.) रोंवां, रूँआँ, रोम, लोम ।
રૂંવું (सं.) रोमावली, रोना, विलाप,
રૂંઢો (सं.) दोपहर का भोजन ।
રૂંઢમાલ (सं.) नरशिरमाला, मनुष्यकी खोपड़ियोंका हार, मुंडमाला ।
રૂંઢભાળ (सं.) पूर्ववत् । [बकल ।
રૂંબો (सं.) नरियल के ऊपर का
રૂંવમુંઢ (सं.) गोल मटोल ।
રૂંઢો (सं.) दो पहरोंका भोजन, उपहार । [स्तंभन ।
રૂંધણ (सं.) निरोध अवरोध,
રૂંધવું (कि.) रोकना, अवरोध करना, घेरना, स्तंभन करना, थामना ।
રૂંવાડું (सं.) रोम, लोम, रूआं, पशम ।
રૂંઢવું (सं.) रीष, रिस, रोष, क्रोध, कोप ।
રૂપાળ (सं.) रवाब, मुखाकृति, ढंग,
રૂપિયો (सं.) देखो રૂપો ।
રૂપદાર (वि.) जिसके भीतर रूई भरी हो, रूई सहित, रूई युक्त ।
રૂપાટી (सं.) देखो રૂંવાટી ।
રોગ (सं.) रोग, बीमारी ।
રોકવું (कि.) अटकाना, रोकना, ठहराना । [लिखा हुआ पत्र ।
રોકો (सं.) छोटी चिट्ठी, संक्षेपमें
રોજ (सं.) भाव, मनोवृत्ति, इच्छा रुख ।

રજત (સં.) છુટ્ટી, ઇજાજત, રજા ।
રજત આપવી (ક્રિ.) નિકાલ દેના પૃથક કર દેના, અલગ કરના ।
રજ-ઝું (સં.) પેડ, વૃક્ષ, તરુ, પાદપ, રુંખ, ઝાડ, ગાછ ।
રજસત (સં.) દેખો રજત
રજવું (ક્રિ.) ભાના, અચ્છા લગના મનોહર માલુમ હોના, રુચિકર હોના ।
રજી (સં.) ઇચ્છા, અભિલાષ, મરજી, પ્રસન્નતા, આસક્તિ, ભાવ, સ્પૃહા, મજા, હર્ષ, આનન્દ ।
રજિંદ (વિ.) સુન્દર, મનોહર, રુચિકર રુચિર મધુર ।
રજિંદ આલ્હાદ કારક, સુખદ, મનોરંજક, રમ્ય, હર્ષજનક ।
રજીઆત (સં.) દેખો રજુઆત
રજાવવી-રજવું-રજાવું (ક્રિ.) બંદ હોના, છિદ્ર રુકના, નઈ ચમડી આના, દર્દ મિટના, કાન યા નાક કા છિદ્ર પુરના ।
રજવું (ક્રિ.) નારાજ હોના, રુસના, મચલ જાના, રૂઠના, ખફા હોના, અપ્રસન્ન હોના । [રીતિરિવાજ ।
રજીવાટ (સં.) અચ્છે આચરણ,
રજું (વિ.) ઉત્તમ, ઉમ્દા, ઉત્કૃષ્ટ, સુંદર, યોગ્ય, લાયક, ઉચિત, પ્રાપ્ત, રુચિર ।

રજું જવું (ક્રિ.) સુખમય જીવન કાટના ।
રજું માણસ (સં.) ભલા આદમી, ચતુર મનુષ્ય, સદ્‌ગુણી, ગુણવાન પુરુષ । [રુલાઈ, આંસૂ ડાળના ।
રડન (સં.) રોદન, વિલાપ, રોના,
રડય (સં.) હૃદય, દિલ, અંતઃકરણ, છાતી ।
રડ (સં.) મહાદેવકા નામ, પરમાત્માકા નામ, દ્વાદશરુદ્ર કહાતે હૈં ૧ સોમનાથ, ૨ મલ્લિકાર્જુન, ૩ મહાકાળ, ૪ ઓંકાર, ૫ વૈજનાથ, ૬ ભીમશંકર ૭ રામેશ્વર, ૮ નાગેશ્વર, ૯ વિશ્વેશ્વર, ૧૦ ત્ર્યંબક, ૧૧ કેદાર ઔર ૧૨ ઘુસૃણેશ (વિ.) ગ્યારહકી સંખ્યાકા સંકેત ।
રડતાલ (સં.) રાગશાસ્ત્રમેં તાલ વિશેષ ।
રડાક્ષ (સં.) એક પ્રકારકે વૃક્ષકા બીજ જિસમેં છિદ્ર કરકે માલા બનાકર પહિનતે હૈં, શિવભક્ત ઇસ માલાકો પ્રાયઃ પહિનતે હૈં ।
રડી (સં.) રુદ્રકા સ્તુતિપાઠ, કુછ વેદ મંત્રોંકા સંગ્રહ કરકે શિવમૂર્તિકે સામને પઢતે હૈં વહ રુદ્રી, રુદ્રાષ્ટાધ્યાયી । પુસ્તક વિશેષ ।

રુધિર (સં.) રક્ત, ખૂન, લોહૂ, લોહી, શોણિત, શરીરસ્થ લાલ વર્ણકા રસ। [બંધન।

રુન્ધન (સં.) રોક, આડ, અટકાવ।

રુપાળું (વિ.) ખૂબસૂરત, સુન્દર, રૂપ સમ્પન્ન।

રુપિયો-પૈયો (સં.) ચાંદીકા પ્રસિદ્ધ સિક્કા, ૧૬ આનેકા સિક્કા, રૌપ્ય મુદ્રા વિશેષ, કલદાર। [રુપયા।

રુપિયો રોકડો-ભાગ્ય મેં હો એક

રુપેરી (વિ.) રૂપહરી, ચાંદી કે વર્ણકા ચાંદી કે મુલમ્માવાલા, ચાંદી સમાન।

રુમઝ (સ.) દાંતકી દૂબ્બી।

રુમઝમ (વિ.) મન્દમન્દ જલ વૃષ્ટિ, છુમક છુમક, રુમક ઝુમક, આ ભૂષણ વિશેષ।

રુમડું (સં.) દેખો રુમાંટી

રુમટી (સં.) શરીર મેં સે ખૂન ખીંચ નિકાલને કી નલી। સીંગી, સિંધી।

રુમડી (સં.) પૂર્વવત્। [ફિરના।

રુમવું (ક્રિ.) ઘૂમના, ઇધર ઉધર

રુમાડો (સં.) લોરકોલાહલ, હોહલ્લા।

રુમાલ (સં.) રેશમી યા સૂત અથવા ઊન કે કપડે કા ચૌકોર ટુકડા।

રુમી મસ્તગી (સં.) એક પ્રકારકા ગોંદ, ઔષધિ વિશેષ, રુમી મસ્તંગી।

રુમાંટી (સં.) દેખો રુમડું

રુમાલ (સં.) મુર્દા, શવ, મૃતદેહ, પ્રેત, લાશ। [રુઈદાર।

રુમેલ (વિ.) રૂઈ સે ભરા હુઆ,

રુમો (સં.) વહ લોહેકા ગડ્ઢે યુક્ત ટુકડાજો દ્વાર કે નીચે લગાતે હૈં। [લિખને કી રુમાલી।

રુમાલ (સં.) સ્યાહી, મસિ,

રુશવત (સં.) રિશ્વત, ઘૂંસ, લાલચ કિસી સે કામ નિકાલને કે લિયે દિયા હુઆ પદાર્થ।

રુશવતખોર (વિ.) ઘૂંસલેનેવાલા, રિશ્વત લેનેવાલા, લોભી, લાલચી।

રુસણું (સં.) રૂસના, મચલના, રૂઠના, લાડ મેં નારાજ હોના।

રુ(સં) રૂઈ,કપાસ,તન્તુ વિશેષ,તૂલ।

રુનાસા ભલા જેવું (વિ.) નિર્દોષ, સાફ તથા કોમલસા।

રુબે (અ.)દ્વારા, માર્ફત, જરિયે, સે।

રુકાર (સં.) માનલેના, સમ્મતિ, હાં, સ્વીકૃતિ, હાં કહના।

રુકો (સં.) દેખો રુકો।

રૂપ (સં.) વૃક્ષ, તરુ, પેડ, ઝાડ, મૂળ, જડ, તર્ક, અટકળ, અન્દાજ, અનુમાન, કલ્પના, કયાસ, અજમાયશ, વિચાર, અચ્છા સમય, અભિપ્રાય, ઇચ્છા, હેતુ, ગાળ, ચેહરા, મુખ, શકળ, ઢબ, તર્જ, રુખ, મુખમુદ્રા।

રૂપી (સં.) ઋષિ, મુનિ, સંત, સાધુ, મહાત્મા, તપસ્વી, સિદ્ધ, મુમુક્ષુ।

રૂપ (સં.) દેખો રૂપું। [સમ્મત।

રૂપું (વિ.) લોકપ્રસિદ્ધ, લોક

રૂઢિ (સં.) ઉત્પત્તિ, પ્રસિદ્ધિ, સૃષ્ટિક્રમ, રીતિ, વિધિ, માર્ગ, નિયમ વ્યવહાર, લોકાચાર, જનરીતિ, શિરસ્તા, પદ્ધતિ।

રૂણ (સં.) કર્જ, દેના, ઋણ।

રૂત (સં.) મૌસમ, અનુકૂળ સમય ઋતુ, અવકાશ, અવસર, પ્રસંગ, હવા, જલવાયુ, આબોહવા, દેશપ્રકૃતિ।

રૂતમાવવો (ક્રિ.) ઋતુમતિહોના, (સ્ત્રી) ઝૂનેકીહોના, કપડોંસેહોના ચૌકે બાહિર હોના, માસિક ધર્મ હોના।

રૂતુરાજ (સં.) વસન્ત, ઉત્તમઋતુ।

રૂદય-દે (સં.) હૃદયદિલ (કાવ્યમેં)

રૂપ (સં.) ચેહરા, દિખાવા, શકળ સૂરત, ઢંગ, ઢૌલ, સાંચા, મુહં, મુખ, આકૃતિ, રૂપ રેખા, આકાર, સુંદરતા, ક્રમ, મર્યાદા, નિયમ, રીતિ, પ્રકાર, વિધિ, સૌંદર્ય, ખૂબસૂરતી, કાંતિ, શોભા, સ્વભાવ, ધર્મ, પ્રકૃતિ, ભાવ।

રૂપઅનીભણ્ણી (સં.) અતિશય તેજસ્વી, તથા સુંદર।

રૂપઈગોણી (સં.) રુપયા, કલદાર ચાંદીકા સિક્કા।

રૂપેસીજવું (ક્રિ.) અતિરૂપવાન હોના।

રૂપ (વિ.) સમાન, મિલતાજુળતા અનુરૂપ।

રૂપક (સં.) ઉપમા લક્ષણ, રૂપવર્ણન ઉપમાન, કાવ્યાલંકાર, અભિનયકા પ્રદર્શક દૃશ્ય કાવ્યવિશેષ, નાટક।

રૂપરંગ (સં.) આકૃતિ, ઔરરંગ।

રૂપવતી-વંતી (સં.) રૂપવાળી, સુરૂપા, સુન્દરી, રૂપ લાવણ્ય યુક્તસ્ત્રી।

રૂપવાન-વંતી (સં.) ખૂબસૂરત સુન્દર।

રૂપાખ્યાને (સં.) સંજ્ઞા, ક્રિયા, ઔર અવ્યયકા વર્ણન (વ્યાકરણ શાસ્ત્ર)।

રૂપાવળી (સં.) એક સંસ્કૃત પુસ્તક જિસમેં સંજ્ઞા શબ્દોંકે રૂપ કા વર્ણન હૈ, શબ્દ રૂપાવળી, (વ્યાકરણશાસ્ત્ર)

રૂપાળું (વિ.) ખૂબસૂરત, સુંદર મનોહર।

રૂપી (વિ.) સમાન, સરીખા, જૈસા એક સે મિલતાહુઆ, સમ્બંધી।

રૂપું (સં.) ચાંદી, રૌપ્ય, ધાતુ વિશેષ।

રૂપેરી (વિ.) ચાંદીકે રંગકા, રૌપ્યવર્ણ।

રૂપેરી ધધુટવા (ક્રિ.) મૃત્યુકે નિકટ પહુંચના, નાડિયેં છૂટના, હાથપર ઠંડે હોના।

રૂબરૂ (અ.) સન્મુખ, સમક્ષ, સામને, આમને સામનેં, દૃષ્ટિ સામને।

રૂમાલ (સં.) મુંહ પોંછનેકા ચૌકોના કપડેકા ટુકડા।

રૂલર (સં.) કાગજપર સતરેં ખીંચનેકા સીધા ગોલ દણ્ડા વગૈરઃ।

રૂવું (સં.) રોંઆં, રોમ, લોમ, મુલાયમબાલ।

રૂંવાડું બદલાવું (ક્રિ.) સ્વભાવ બદલના, આદત બદલના, પ્રકૃતિ બદલના।

રૂંવાડું ઊભાં થવાં (ક્રિ.) પ્રેમ અથવા ભયસે રોમાંચ હોના। રોંગટે ખડે હોના।

રૂવેરૂવે જીવ રાખવો (ક્રિ.) અત્યન્ત ફિક્ર રખના, બહુત સંભાલ સાવધાની રખના।

રૂસવા (વિ.) અપમાનિત।

રૂસવાઈ (સં.) અપમાન, માનભંગ, ફજીહત, બદનામી, તોહીન, ધિક્કાર, નિંદા।

રૂહ (સં.) આત્મા, જીવ, પ્રાણ,।

રેંકવું-રેકવું (સં.) એક પ્રકારકી બૈલગાડી, ખૂબ ચિલ્લાકર રોના, રેંકના।

રેંગણ (સં.) બૈંગન, ભટે, રાજકૂષ્માંડ, વૃંતાક।

રેંજીપેજી-જી (સં.) મુર્દા, નિર્બલ અશક્ત, ઢીલા, સિટપિટ્ટુ, નિર્જીવ।

રેંઝિયોપેંઝિયો (વિ.) પૂર્વવત્।

રેંજીપેંજી (વિ.) પૂર્વવત્।

રેંટ (સં.) રહંટ, કુએમેંસે પાની નિકાલનેકા ઘટ માલિકા યંત્ર, (વિ.) દેખો રેંજીપેંજી।

રેંટમાળ (સં.) વહ ઘટ માલાજો રહંટકે ગોલ ચક્કર પર પાની નિકાલનેકે લિયે પડી રહતી હૈ। અસ્તોદય, ઘટા ઘડી, ધૂપ છાંહ, ખાલી ઔર ભરા।

રેંટિયો (સં.) સૂત કાતનેકા ચરખા, રહંટા, ચર્ખા।

રેલ (વિ.) બાહુલ્યતા, પૂર, બાઢ, લોહકી સડક કા માર્ગ, રેલવે, લોહેકી પટરી ।

રેલછેલ (સં.) બાહુલ્યતા, અનાપસનાપ, અનચાહા સમૃદ્ધિ ।

રેલવે (સં.) લોહકી સડક; લોહે કી પટરી ।

રેલવું (સં.) પાનીમેં રહનેવાલા સર્પ, ડીંડુ, પનિયર સાંપ । (ક્રિ.) ફૈલાના, બિખેરના, ઉંડેલના, ઢુલાના, દૂરકરના, નિકાલના । [જાના ।

રેલાવું (સં.) પાનીકી તરહ ફૈલ

રેલિયું (વિ.) રેલ વિષયક ।

રેલો (સં.) કિસી તરલ પદાર્થકા દૂરતક બહના, રેલા, પ્રવાહ, બહાવ, સોતા, ધાવા, આક્રમણ ।

રેવંચી (સં.) એક પ્રકારકી વનસ્પતિકા રસ । [રકા હલુવા ।

રેવંચીનોહલ્વો (સં.) એક પ્રકા-

રેવડી (સં.) તિલ ઔર શક્કર તથા ગુડકી ચાસનીસે બનાયા હુવા પદાર્થ, ફજીહત, બરબાદી ।

રેવડીદાંવણી-કરવી (સં.) ફજીહત કરના, ઇજ્જત બિગાડના ।

રેવડીદાણાદાણખવી (ક્રિ.) અપમાન હોના, કમ ઇજ્જતી હોના ।

રેવડીનાપેંચમાંલેવું (ક્રિ.) ફૌંસના, પંજેમેં લેના, ચક્કરમેં લેના ।

રેવતી (સં.) સત્તાઈસવાં નક્ષત્ર ।

રેવંતી (સં.) અશ્વ, તુરગ, ઘોડા ।

રેવન્યુ (સં.) ઉપજ, વસૂલાત, આય ।

રેવવું (ક્રિ.) ટાંકાલગાના, જોડના, મરમ્મત કરના ।

રેહેમદીલ-નજર (સં.) કૃપાદૃષ્ટિ, દયા, સ્નેહભાવ, પ્રીતિ, કૃપા ।

રેહ (સં.) રજ, કણ, અણુ, સબસે છોટા, જરા, થોડા ।

રેહમ (સં) એક કીડેકે બનાયે હુએ તંતુ જિન્હે વહ અપને ઉપર લપેટતા રહતા હૈ, જબ ઉસકા લપેટના બંદ હો જાતા હૈ તબ લોગ ઉસ રેશમકો પાનેકે લિયે ઉસ કીડેકો ઉબલતે હુએ પાનીમેં છોડકર માર ડાલતે હૈં, ઉસપરસે જો તન્તુ પ્રાપ્ત હોતે હૈં વહ રેશમ કહાતા હૈ । સિલ્ક । [ગાવમૈત્રી ।

રેહમનીજાંઠ (સં.) અત્યંત પ્રેમ,

રેહમનોકીડો (સં.) વહ કીટ જિસસે રેશમ મિલતા હૈ । [મક ।

રેહમી (વિ.) રેશમકા, નર્મ, મુલાયમ

રેહ (સં.) દેખો રેહ્ય ।

રેસ (સં.) એક રુપયેકા ચાર સૌ-વાં ભાગ, ૧/૪૦૦ રુપયા, આધી પાઈસે કુછ કમ, ઇસ સમય જૈસે રુપયે આને ઔર પૈસે ચલ્તે હૈં ઉસી તરહ કુછ વર્ષ પૂર્વ યહાં રુપયે પાવલા ઔર રેસ ચલ્તે થે ।

દેખો રેસ ।

રેસા (સં.) તંતુ, તાર, નસ, ધાગા ।

રેસાદાર (વિ.) તન્તુયુક્ત, ડોરી-દાર ।

રેહેણુ (સં.) જોડ, ટાંકા, સીવન ।

રેહેણી (સં.) દેખો રેણી ।

રેહેણાક (સં.) રહનેકા સ્થાન, દેશ વતન ।

રેહેમ-ત (સં.) દયા, કૃપા, અનુ-કમ્પા, છોહ, માયા, મહરબાની ।

રેહેમદિલ-નજર (સં.) દયાલુ, કૃપાલુ મહરબાન, કૃપા, અનુકમ્પા ।

રેહેવાદેવું (ક્રિ.) પડે રહને દેના, ઠહરાના, રખછોડ઼ના, રહેનેદેના ।

રેહેવાસી (સં.) રહનેવાલા, વાસી ।

રેહેવું (ક્રિ.) રહના, બસના, ઠહ-રના, ટિકના, મુકામ કરના, આ-શ્રિત હોના, છોડ઼ના, ત્યાગના, પડ઼ાવકરના, વાસકરના, નિવાસ કરના।

રેહેસવું (ક્રિ.) કાટના, અલગક-રના, પૃથકકરના, ભિન્નકરના ।

રેઅત-યત (સં.) પ્રજા, લોગ, નિવાસી, મનુષ્ય, રાજાકી સત્તા-માનનેવાલે ।

રેંકવું-ખવું (ક્રિ.) ચિકના કરના સાફ, કરના, રન્દા કરના ।

રેંખણું (સં.) બઢઈકા ઔજાર, વિશેષ જિસસે વહ કાઠકો સાફ કરતા હૈ । રન્દા, રદ્દા રંધા, રુંધા ।

રેંખવું (ક્રિ.) રન્દા ફેરના, ચિ-કના કરના ।

રેંબુ (વિ.) જંગલી, ગ્રામીણ, ગંવડૈલ, વિવેક ચાતુર્ય્યહીન ।

રેટો (સં) તીસરે પહરકા ભોજન, અપરાન્હ કાળકા ભોજન, બ્યાલૂ, ટિફન ।

રેઠ (વિ.) નગદ, કૈશ, રોકડ઼ા, (સં.) અટ્ટક, છેક, આડ, રુકાવ ।

રેઠારેઠ (સં.) હાયહાય, રોઆપી, ટી, વિલાપ, કરુણ, ક્રંદન । [કેશ ।

રેઠક (સં.) નગદ, હાજિર રુપયા,

રેઠકબેળ (સં.) હિસાબ કિતાબ, ક્યૈશ બુક, હિસાબ લિખનેકી કિ-તાબ, જિસમેં આવશ્યકકા લેખા રહતા હૈ ।

રોકડિયું (વિ.) જો ઉધાર નહી, જો તુરત જવાબ દે,હાજિર જવાબ ।

રોકડું (વિ.) નક્દ, નગદ, સિક્કાઓ કે રૂપમેં ધન ।[સૂઝા જવાબ ।

રોકડોજવાબ (સં.) તુરત જવાબ,

રોકથી (સં.) રોક, આડ, અટક, પ્રતિબંધ, પ્રતિકાર, બન્દી ।

રોકવું (ક્રિ.) ઠહરાના, રોકના, અટકાના, ઉલઝાના, આડકરના, અવરોધ કરના, વિઘ્નકરના કામમેં લગાના, નૌકર રખના। [અટકાવ ।

રોકાણ (સં.) આડ, રોક, બન્ધન

રોકાવું (ક્રિ.) રુકના, અટકના, ફંસના, ઉલઝના, ઠહરના ।

રોકાવુંરોકવું (ક્રિ.) પૂર્વવત્ ।

રોકડ (સં.) પૂંજી, મૂલધન, નક્દ, નગદ, રુપયા પૈસા ।

રોખ (વિ.) દેખો રોક (સં.) ઇચ્છા, આકાંક્ષા, મરજી, રુખ, (અ.) અહંકારમેં, અભિમાનમેં ।

રોગઝગડો (સં.) બખેડા, ફિસાદ, ઝગડા ।

રોગ (વિ.) અનુસાર, મુતાબિક, જિતને મૂલ્યકા । (સં.) લક્કડ, ઈંધન, જલાનેકા કાષ્ઠ, બકીતા ।

રોગ (સં.) વ્યાધિ, પીડા, દુઃખ, શારીરિક અસ્વસ્થતા, બીમારી, દર્દ, આજાર, વિકાર, માંદગી, ક્રોધ, ગુસ્સા, સ્પર્દ્ધા । [બોલના ।

રોગભરાવોવું (ક્રિ.) ક્રોધમેં

રોગમઢીનાંખવું (ક્રિ.) ઠિકાને લાના, ક્રોધ શાન્ત કરના ।

રોગચાળો (સં) સંક્રામ રોગ, છૂતકી બીમારી, હવાકે સાથ ફૈલને વાલા રોગ । [પ્રેતાદિ જનિત પીડા ।

રોગરાઈ (સં.) રોગ ઔર ભૂત

રોગાન (સં.) રોગન, વાર્નિશ, મોમ તેલ રાલ આદિસે બના હૂઆ પદાર્થ ।

રોગાનચઢાવો (ક્રિ.) રંગના, ટીપટાપ કરના, મરમ્મત કરના, ઐબ ઢાંકના, દોષ છુપાના ।

રોગાનઉતરવું (ક્રિ.) બિગડના, નુકસાન જાના, ખરાબ હોના ।

રોગિયું (વિ.) બીમાર, રોગી, અસ્વસ્થ ।

રોગિલું (વિ.) પૂર્વવત્ ।

રોગિષ્ટ (વિ.) પૂર્વવત્ ।

રોગી (વિ.) પૂર્વવત્ ।

રોગટ (વિ.) સ્વાદિષ્ટ, પાચક, રુચિકારક, મન ભાવન, મજેદાર ।

રોગી (સં.) વ્યાધિગ્રસ્ત, રોગી, મિથ્યા, બદમાશી, લુચ્ચાઈ ।

રોજ (સં) દિન, વાર, દિવસ, આઠ પ્રહર, ૨૪ ઘંટોંકા સમય । મજદૂરી, મજદૂરીકે એક દિનકી મેહનત । (અ.) સદા, નિત્ય, હમેશ, પ્રતિદિન ।

રોજગારવું (ક્રિ.) રોના આના, દુઃખસે છાતી ફટના, આંસૂ આના ।

રોજદીને (અ.) દૈનિક નિત્ય, હરરોજ ।

રોજગાર (સં.) ઉદ્યમ, ધન્ધા, પેશા, કામ, વ્યવહાર, વૃત્તિ । [મરના ।

રોજમરવા (ક્રિ.) મજૂરીકે દિન

રોજમોરમર (અ.) ઉદ્યમસે, ધન્દેસે ।

રોજમારી (વિ.) ઉદ્યમી, જિસે અપને ઉદરપોષણકેલિયે કામ હો ।

રોજનામું (સં.) દૈનિક હિસાબકી કિતાબ, ડાયરી, દૈનિક પુસ્તક (જિસમેં હિસાબ લિખા જાતા હો ।)

રોજનિશી (સં.) ડાયરી, દૈનિક કૃત્ય પુસ્તક રોજનામચા ।

રોજમેળ (સં.) દેખો રોજનામું ।

રોજરોજ (અ.) દિનપ્રતિ દિન, નિત્ય હમેશ, સદા ।

રોજનદાર (સં.) નિત્ય કામપર આને વાલા મજદૂર, વાઢકણા ।

રોજી (સં.) ધન્ધા રોજગાર, ઉદર પોષણકા ઢંગ, આજીવિકા, ગુજર, પૈદાયશ, આય, આમદ ।

રોજેજાવું (ક્રિ.) મજૂરી જાના, રોજાના મજદૂરીપર જાના ।

રોજેરાખવું (ક્રિ.) દૈનિક મજદૂરી પર રખના । [દિન ।

રોજેરોજમત (સં.) પ્રતિદિન

રોજો (સં.) મુસલમાનોંકા ઉપવાસ વ્રત, મકબરા, કબર ।

રોઝ (સ.) એક પ્રકારકા જંગલી તૃણ ભોજી પશુ, નીલગાઊભી કહતે હૈં ।[રત, જો કુછભી ન સમઝે ।

રોઝનેવો (વિ.) જંગલી, જડભરત, જો કુછભી ન સમઝે ।

રોટલી (સં) રોટી, ફુલકા, ચપતી, ખાનેકા પદાર્થ, ગુજર, નિર્વાહ ।

રોટલો (સં.) મોટી રોટી રોટ, ટિક્કડ, જ્વારયા બાજરેકી રોટી ।

રોટલોખાવોદોવો (ક્રિ.) કામ બિગાડ ડાલના, ગડબડ કર ડાલના ।

રોટલાઉપર—દીપતંગોંકે લડાતે સમય જબ પેંચ હોજાતે હૈં તબ યહ વાક્ય પ્રયોગ કરતે હૈં । [મુફ્ત મિલના ।

રોટલાનેલોટલું (ક્રિ.) સહજમેં

રોટલાટલાનરવું (કિ.) भोजन-के लिये स्नान करना ।
રોટલેરહતી (અ) भूकों मरती ।
રોટલોકરવો (કિ.) खूब पीटना, चूरा करदेना, संहार करना । [रोना ।
રોટલોધોરવો (કિ.) नाम पर-
રોટલોળવો (કિ.) रोजगार जाना, उद्यम रहित होना, गुजारा बंद होना ।
રોટલો ટાળવો (કિ.) चलता रोजगार बन्द होना, पेटपर लात मारना ।
રોટલો તુંટવું (કિ.) रोजगार बन्द होना, चलता धन्धा रुक जाना ।
રોટલો પખાડવું (કિ.) चलता रोजगार खराब करना, हानि पहुंचाना ।
રોઠી (સં.) हलके दर्जेकी सुपारी ।
રોઠું (સં.) ईंटका टुकड़ा, मिट्टी काढेला ।
રોડું (સં.) एक बड़ाकण्डेकी टुकड़ा, मोटा कण्डा, छाणा, ऊपळा ।
રોડો (સં.) पूर्ववत् ।
રોળ (સં.) फिसाद, तूफान, झगड़ा, विवाद, टण्टा, वाक्युद्ध ।
રોવાં-ધોવાં (સં.) दुख की बात, शोक भरी बातें ।
રોવાં રોયાં (કિ.) रोते हुए अपनी दुःख कथा को वर्णन करना ।
રોહન (સં.) देखो ૩૬૯ ।
રોધ (સં.) रोक, रुकावट, विरोध ।
રોધવું (કિ.) रोकना, अटकाना, बन्द करना, विरोध करना ।
રોન (સં.) दोचार सिपाहियोंके साथ रात्रिके समय जांचके लिये निकळना रातका पहिरा । [झपका ।
રોનક (સં.) तेज, कांति, शोभा ।
રોપ (સં.) पौधा, छोटा वृक्ष, जड़, मूळ, मिथ्याडंबर, ठाठ, डौंग, रोब, तेज । [मूळ लेना ।
રોપમાંડવો (કિ.) जड़ेंलेना,
રોપણી (સં.) बोवनी, पेड़ोंको लगाना, पौधोंको बोना या जमाना ।
રોપવું (કિ.) भूमि में अन्न बोना, पौधे की जड़ जमीन में गाड़ना, बीज बोना, नींव डालना, शुरुआत करना, बुनियाद डालना ।
રોપો (સં.) देखो રોપ ।
રોપ (સં.) देखो રોપ ।
રોપી (વિ.) मड़कदार, आडम्बरी, दिखाऊ, शेखी, गर्विष्ठ, वाग्मिक डौंगी ।
રોપ (સં.) मड़क, आडम्बर, डौंग, दबदबा, गर्व शेखी ।

रोमश (वि.) मूर्ख, बुद्धिहीन, गंवार अरसिक, निरानन्द।

रोमशी (सं.) एक प्रकारका आभूषण जिसे स्त्रियां धारण करती हैं।

रोमा (सं) लोम, रुआं, बाल। केश, परम सुकोमल छोटेछोटे बाल।

रोमकूप (सं) रोमकी जड़काशरीरस्थ छिद्र, रुएंकी जड़का, रोमका छिद्र। [पिक, नापित, हज्जाम

रोमकर्तृ (सं.) नाई, नौआ, नारोमहर्ष (सं) पुलक, रोंगटे खड़े होना।

रोमांच (सं.) रोमोंका खड़ा होना, भय आश्चर्य तथा हर्षसे रोंगटे खड़े होना।

रोमांचित (वि.) पुलकित, रोमांच युक्त, भयभीत, प्रसन्न।

रोमावली (सं.) रोमश्रेणी।

रोमंथ (सं.) रोदन, विलाप, रोना।

रोमंथी (सं) लंगर, (जहाज ठहरानेका)।

रोमो (वि.) पिटा, कुटा, रोंवादुआ।

रोग (सं.) जमुहरीबीमारी, चक्कर, सिरघूमना, पित्ता, गोला, रहिस्टर, कैटअप, एक प्रकारका रेशमी, वस्त्र।

रोलु (वि.) मूर्ख, मूढ, मतिमन्द, जड़।

रोलयितुं (कि.) रुलाना, विलपाना।

रोलुं (कि.) रोना, विलाप करना, ठगाना, ठगे जाना।

रोलन (वि.) जाहिर, प्रकट, प्रकाशित, खुला, प्रत्यक्ष।

रोलन पालटुं (कि.) बहुत हानि करना, धूलधानी करना, नष्ट करना।

रोलनथवुं (कि.) प्रकट होना, जाहिर होना, प्रकाशित होना।

रोलनार्क (सं.) मसि, स्याही, रुशाही, चमक, दमक, प्रकाश, कांति।

रोलनी (सं.) प्रकाश, उजाला, तेज दीप्ति, द्युति, दमक, चमक, स्याही।

रोष (सं.) क्रोध, गुस्सा, कोप, रिस, अप्रसन्नता, नाराजी।

रोहिणी (सं.) चतुर्थ नक्षत्र, शकटाकारमें पांच तारोंका समूह।

रोहिताश्व (सं.) अग्नि, आग, हुताशन।

रोग (सं.) घबराहट, हैजा, हेज, शोर, हल्ला, गुलगपाड़ा, अव्यवस्था, बदइन्तजामी, अपनाहक।

રેળમાળવો (કિ.) મહામારી ફેલવા, હૈજાચલના, હેમખાના।
રેળવાળવી (કિ.) આફત ફેલાના રુલાના, અત્યંત હાનિ પહુંચાના।
રેાળવાવું (કિ,) चिढ़ना, गुस्से-होना, खिझना।
રેાળાવું (કિ.) मसलना, निचोडना दबाना, कुचलना, मथना, साफ करना।
રેાળાવું (કિ.) खदडना, नीचे पटककर खूबमारखाना, थकना।
રેાળીકેાળીવેળા (સં.) संधिप्रकाश संध्याकाळ, मन्दप्रकाश. मुखदीख सकने योग्य, प्रकाश, ब्रह्ममुहूर्त।
રેાળેા (સં.) हल्ला, धकधक झकझक भांजगड, पंचायत, कमाई पैदा।
રૌદ્ર (વિ.) भयानक, भयंकर, (સં.) रस विशेष।
રૌદ્રરસ (સં.) नवरसमेंसे एक विशेष (नाटक तथा काव्यमें क्रोधोत्पन्न रस। [कहदामकलकै।
રૌરવ (સં.) नरकविशेष, अत्यंत

૬

ગુજરાતી વર્ણમાળાકા ૨૬ વાં અક્ષર, ૨૮ વાં વ્યંજન અક્ષર, અંતસ્થ અક્ષરોંમેં કા એક।

૬૪ લાવવું (કિ.) ले आना, लाना, प्राप्त करलाना। [करना।
૬૪ લેવું (કિ.) लेजाना, सहन
૬૪ વળવું (કિ.) लेपड़ना, लपेटना, उलझाना, फंसाना, पकड़ना, गिर पड़ना, ऊपर आना।
૬૪ બેસવું (કિ.) लेबैठना, कब्जा करना, अधिकारमें करलेना, आरंभ करना।
૬૪ મુકવું (કિ.) पकड़ना, ले रखना, रखछोड़ना, तय्यार रखना।
૬૪ લેવું (કિ.) लेलेना, वापिस लेना, पकड़ना।
૬૪ળેા (સં.) देखो ક્ષેાભ।
૬૪વેા (સં.) एक प्रकारका रोग, वात रोग विशेष, पक्षाघात, जिस रोगमें कोई अंग बांका होजाता है और जीभको भी तुतलापन आजाता है, अर्धांगवात।
૬૫૨ (સં.) 'ળ' अक्षर "ल" का उच्चारण।
૬૫૨ (સં.) रेखा, धारी, चिन्ह, पंक्ति, पांति, लाइन, सतर, रूल।
૬૫ંદરેા (સં.) रंडीबाज, इश्की, व्यभिचारी, छुछा।[झक्की, कायदा।
૬૫ંબેા (સં.) लाभ, मुनाफा,

લકુટિ (સં.) લકુટ, લકડી, લાઠી, યષ્ટિ ।

લકડ (સં.) કાષ્ટ, કાઠ, લકડી, કુન્દા, ખ્યાલ, શહતીર, ધરણ, ઇમારતી, લકડી ।

લકડકામ (સં.) લકડીકા કામ, સુતારકા કામ, બઢઈકા ધન્ધા ।

લકડકોટ (સં.) લકડીકા બનાયા હુઆ કિલા । વહ બંદર જહાં જહાજમેંસે લકડ઼ ઉતરતે હોં । લકડિયોંસે બનાયા હુઆ બાડા ।

લકડખોદ (સં.) ઇસ નામકા એક પક્ષી હોતા હૈ, જો અપની ચોંચસે લકડ઼કો છેદ કર અપને ખાનેકો કીડા નિકાલ લેતા હૈ । કઠફોડા પક્ષી, ખાતી ચિડા ।

લકડધક્કડ (ક્રિ. વિ.) સપાટે બંદ, ધન ચોર, અગડ઼બંબ ।[લેના ।

લકડપકડજેબું (ક્રિ.) સપાટેમેં

લકડશી (સં.) એક પ્રકારકે લડ્ડૂ, બિના ઘીકે લડ્ડૂ, (વિ.) કઠોર કઠિન, સખ્ત ।

લકડિયું (સં.) વહ કાઠકી સન્દૂક જિસમેં રોજ રસોઈ ખર્ચકા મસાલા પડા રહતા હૈ । કાઠકા વહ પાત્ર જિસમેં ગુડાકૂ ઇત્યાદિ તમાકૂ પડી રહતી હૈ । (વિ.) કઠોર, સખ્ત । [સ્ત્રી એક જાતિ ।

લકડી (સં.) કબૂતર નામકા પ-

લક્ષ (સં.) ધ્યાન, એકાગ્ર દૃષ્ટિ, ચિત્ત, નિશાન, દૃષ્ટિ, નિગાહ, (વિ.) સંખ્યા વિશેષ, લાખ, સૌહજ઼ાર ।

લક્ષણ (સં.) ચિન્હ, પહિચાન, સ્વભાવ, પ્રકાર, રીતિ, ભાંત, છાયા, રૂપક, ચાલ ચલન, આચરણ, વતીવ, ગુણ, દિખાવ, ડૌલ, રૂપ, આરત, વ્યસન ।

લક્ષણયુક્ત (વિ.) શુભ ચિન્હયુક્ત, સુલક્ષણયુક્ત, ગુણી યોગ્ય, કાર્યપટુ, ચતુર, પ્રવીણ, વિચક્ષણ, કાબિલ ।

લક્ષણા (સં.) શબ્દકી શક્તિ વિશેષ, શબ્દાર્થસે સમ્બન્ધ રખને વાલે, અભ્યાહાર, પદન્યૂનતા । [અવશ્ય ।

લક્ષવસા (અ.) જરૂર, નિશ્ચય,

લક્ષવું (ક્રિ.) ધારના, નિશ્ચય કરના, તાકના, નિશાના બાંધના, ઇરાદા કરના, આશા રખના, રાહ દેખના, અંદાજ લગાના, ઢૂંઢના, જાનના ।

લક્ષ્મીપતિ (સં.) લાખ રુપયોંકી સમ્પત્તિ સમ્પન્ન પુરુષ ।

લક્ષાધિપ (સં.) પૂર્વવત્

લક્ષાવધિ (અં૦) લાખો, બહુત, જિનકી સંખ્યા લાખોં કી હો ।

લક્ષી (વિ.) ધ્યાન રખનેવાલા, સાવધાન, ચૌકસ, એકાગ્ર, એકચિત્ત

લક્ષ્મી (સં.) વિષ્ણુપ્રિયા, ઇન્દિરા, કમલા, હરિવલ્લભા, ઐશ્વર્ય્ય, ધન, સમ્પત્તિ, દૌલત, ધનકી અધિષ્ઠાત્રી દેવી, શોભા, ભાગ્યશીલા સ્ત્રી, યહ લક્ષ્મી દસ પ્રકારકી કહાતી હૈ (૧) નકદદ્રવ્ય, (૨) સ્ત્રી, (૩) પુત્ર (૪) બરતન ભાંડે (૫) રહને કા ઘર (૬) ગાય ભૈંસ આદિ (૭) વાહન, (૮) સુખ (૯) જાગીર ઔર, (૧૦) યશ । અથવા ધન, ધાન્ય, પશુ, પુત્ર, ગૃહ, આરોગ્યતા, ઉદ્યમ, યશ, સન્તોષ ઔર જ્ઞાન ।

લક્ષ્મી ચાલ્યે૦ ૪૨૧। આવે ત્યારે ખો૦ ધે.૪ આવ્યું=જબ લાભ હોનેકી આશાકી આવે તબ નિરુદ્યમી બનકર બૈઠ જાના ।

લક્ષ્મીપૂજન (સં.) આશ્વિન કૃષ્ણા ૧૩ કો ધનકી પૂજા લોગ કરતે હૈં । ગુજરાતમેં આશ્વિન ઔર અન્યત્ર ઉસ મહીનેકો કાર્તિક લિખતે હૈં। ગુજરાત ઔર અન્યપ્રાંતીય માસમેં ૧૫ દિનકા અંતર હોતા હૈ અતએવ, દીપમાલિકા, ધનતેરસ, દિવાલી ।

લક્ષ્મીવત-વાન (સં.) ધનાઢ્ય, ધનિક, ધની, દૌલત મન્દ, શ્રીમંત, ધનપાત્ર ।

લક્ષ્ય (વિ.) ધ્યાન દેને યોગ્ય, નિશાના, તાકને લાયક, દેખને યોગ્ય ।

લખ (વિ.) લાખ, લક્ષ (સં.) લત, છંદ, લક્ષ્મી, સૌ હજાર ।

લખણ (સં.) લિખાવુ આ, લક્ષણ, ચિન્હ ।

લખણી (સં.) લિખનેકી ક્રિયા । સૂચી । ટેબો। લખાણ ।

લખત (સં.) સનદ, લેખ, પટ્ટા ।

લખતંગ-ખિતંગ (વિ.) લિખને વાલા । લિખાવટ ।

લખપતી (વિ.) દેખો લક્ષાધીશ ।

લખલખ (અ.) તીક્ષ્ણ, સ્વચ્છ, સાફ ।

લખલખ ઝબ્બાળું (સં.) અત્યંત પ્રકાશ, બિજલીકમેં, ચમકકર દીખના ।

ઝબઝબવું (ક્રિ.) કિરણો કે સાથ પ્રકાશ હોના, જગમગાના, કાંપના, થર્રાના, ધૂજના ।[હોના ।

ઝબઝબવું (ક્રિ.) ફટના, પીડા

ઝબઝબાટ (સં.) જગમગાહટ, ડર, ભય, તેજ ।

ઝબઝબિત (વિ.) ચમકદાર, જગમગાતા હુઆ, પ્રકાશિત, ભપકેદાર।

ઝબઝૂટ (સં.) અધિકતા, બહુતાયત, વિપુળતા ।

ઝબવું (ક્રિ.) લિખના, રચના, જોડના ચિત્ર બનાના, ખોદના, અંકિત કરના, ધ્યાનપૂર્વક દેખના । નકલ કરના ।

ઝબવો (ક્રિ.) દેખો ઝબવો

ઝબાઈ–ઝબુ–ણી (સં.) લિખને કા મેહનતાના, લિખાઈ, લિખનેકી મજદૂરી, લેખકકા વેતન ।

ઝબાણુ–ટ (સં.) લિખાવટ, લિખનેકાઢંગ, ઇબારત, શ્રુતલિપિ, દાખિલા, દસ્તાવેજ, પ્રાર્થના પત્ર, અર્જી, સનદ । [કી સિક સિક ।

ઝબારો (સં.) બકબક, વ્યર્થ-

ઝબાલુ (સં.) દેખો ઝબાલુ ।

ઝબાવવું (સં) લિખના, કૂદપડના, (કાર્યમેં) ઉતરવાના । [હોના ।

ઝબાવું (ક્રિ.) પડના, કમજોર

ઝબિત (સં.) ભાગ્ય, ભાવી, લિખાલેખ, લિખા હુઆ, દસ્તાવેજ, ઠહરા હુઆ । [લેખક ।

ઝબિયંત (વિ.) લિખનેવાલા,

ઝબીઆપવું (ક્રિ.) લિખકર દેના, સનદ દેના, સર્ટીફાય કરના ।

ઝબુંપતઈ (સં.) લિખિત, લેખ, દસ્તાવેજ । [ઝબપતી ।

ઝબેશ્રી–શરી–સરી (વિ.) દેખો

ઝબોઢવું (ક્રિ.) મુલમ્મા કરના, પાલિશ કરના, કલઈ કરના ।

ઝબોટી (સં.) લાખકી બની હુઈ છોટીગોલી ।

ઝબોટો (સં.) લાખકી બડી ગોલી, પ્રાયઃ બચ્ચે ઔર લડકિયાં ઇસસે ખેલા કરતે હૈં । બન્દ કિયાહુઆ યા મુહર ચ પડી કિયા હુઆ કાગજ ।

ઝબ્બાં (દેખો) દેબોઝબત ।

ઝબ્બાબુ (સં.) દેખો ઝબાબુ ।

ઝમ (સં.) સાંવી પતલી લકડી જો છપ્પર બનાતે સમય કામમેં લાઈ જાતી હૈ । (અ.) તક, લૌ, તલક ।

લગડી (સં.) સોનેકી છડ, સ્વર્ણ-કા પાસા ।

લગડું (સં.) गधेके ऊपर बोझा लादनेका थैला, गधे परका बोरा, गदहेके पीठपर चौखूंटा लकड़ीका वजन भरनेका । गधा, गदहा, गर्दभ, रासभ, ख, बोझा, वज़न ।

લગભ (અ.) सीमा , मर्यादा, हद, सूचक शब्द, तक, तलक, लों ।

લગત (સં.) सम्बन्ध, मेळ, आन पहिचान, समीपता, घरोपा, (वि.) देखो લગતું । (અ.) पासही, निकटमें नजदीक ।

લગતી (સં.) पक्ष, तरफ, शर्म, (અ.) अड़कर, सटकर, पास-सेही ।

લગતું (વિ.) सम्बंधी नाते रिश्तेदार, समीपी, प्रेमी, निकट सम्बन्धी ।

લગદી (સં.) लुगदी. लुबदी ।

લગન (સં.) विवाह, शादी, लड़के लड़कियोंका गार्हस्थ सम्बन्ध, प्रेम संबंध, पांच घड़ीका काल, लगभग दोघंटोंका समय, रातदिनमें १२ मुहूर्त होते हैं, प्रेम, पाणिग्रहण, परिणय ।

લગનલેવું (ક્રિ.) विवाहका दिवस निश्चय करना । विवाहका मुहूर्त ठहराना । [तय्यारी करना ।

લગનમાંડવું (ક્રિ.) विवाहकी

લગનકરવું (ક્રિ,) विवाह करना शादी करना ।

લગનલેવું (ક્રિ) वरकन्याकी जन्म पत्री देखकर विवाहका दिन और समय निश्चित करना ।

લગનઘડીયાલેવા (ક્રિ.) जैसे बने तैसे जल्दीसे विवाह करना ।

લગનનાગીત લગનમાં બધાય = हरेक वस्तु मौसिनमेंही मिलती है ।

લગન કરી જુવો ને ઘર ઉઠલી જુવો = कहनेसे करना कठिन है ।

લગને લગનેકું ત્યારા = हरेक बातमें तय्यार ।

લગનગાળો (સં.) वह समय जिसमें कुछ अंतरसे बहुतसे विवाह हों ।

લગનચોઘડિયું–ઘડી (સં.) विवाह के समय की घड़ी (चार घड़ीका एक चौघड़िया होता है) लग्नघटी ।

લગનપત્રો (સં.) रोली, कुंकुम हरिद्रा या अन्यमांगलिक वस्तुका पुड़ा जो वरकी तरफसे विवाहके दिनों में कन्या के यहां भेजा जाता है ।

લગનસરા–સારા (સં.) દેખો લગનગાળો.

લગનિયો (સં.) કન્યાકા કોઈ સમ્બન્ધી જો વર કો બુલાને જાવે, મામા ઇ૦. [યુક્તિ, પ્રબન્ધ.

લગની (સં.) લગ્ન, ધ્યાન, લગાન,

લગભગ (અ૦) આસપાસ, નિકટહી, પ્રાયઃ, કરીબ, અન્દાજન.

લગરીક–રીક (વિ.) થોડા, કુછ, જરાક, કુછેક, તનિક.

લગવાડ (સં.) સમ્બંધ, પ્રેમ, આશિક માશૂકોંકા પ્રેમ, પ્રીતિ, આસક્તિ.

લગાડવું (ક્રિ.) લગાના, છુઆના, ટિકાના, નૌકરી પર કરના, મુલગાના, ચુપડના, અર્થ કરના, ભાષાંતર કરના, સીના, ચિપકાના, ધ્યાન દેના, માનના, મારના, ઠોકના.

લગામ (સં.) ઘોડેકો વશમેં રખને કે લિયે ઉસકે મુહંમેં લગાને કે લિયે કડિયોદાર લોહેકા ટુકડા જિન કડિયોંમેં ચમડેકી રસ્સી યા સૂત સન આદિકી રસ્સી ડાલતે હૈં ઔર જિસે થામકર ઘોડે કો કાબુમેં રખતે હૈં, અંકુશ, મર્યાદા, સત્તા, અધિકાર, બંધન, રોક, અટકાવ. [દીજદેના.

લગામખાપવી (ક્રિ.) છોડના, લગામ છૂટી મૂકવી (ક્રિ.) વશમેં નહીં રખના, સ્વેચ્છાનુસાર ફિરને દેના, સ્વતંત્રતા દેના.

લગામ હાથમાં આવવી (ક્રિ.) અધિકારમેં આના, હાથઆના.

લગામમાં રાખવું (ક્રિ.) અધિકારમેં રખના, મર્યાદામેં રખના.

લગાર–રેક (અ.) થોડાસા, જરા, કુછેક, કુછદૂર, તનિક, અલ્પ.

લગાવવું (ક્રિ.) ચુપડના (દવાઈ), મારના, મિડાના સી સંભોગ કરના, મૈથુન કરના.

લગી (અ.) તક, સમય પર્યંત.

લગે (અ.) પૂર્વવત્ (વિસ્મયા.) યહ શબ્દ સાહસ બઢાનેકે લિયે બોલા જાતા હૈ જૈસે લગે લગે. છૂ લગે છૂ લગે.

લગોલગ (અ.) નજદીક, પાસહી નિકટ, સટકર, એક દૂસરેકે સમીપ.

લગ્ગુ (અ.) જો પાંછ લગાહો પાસ, સમીપ, નિકટ. [સ્તર.

લગ્ગું (અ.) બાદ, પશ્ચાત્, અન-

લગ્ન (સં.) દેખો લગ્ન ।

લગ્નકાર્ય (સં.) વિવાહ કાર્ય ।

લગ્ન કુંડળી (સં.) જન્મપત્રી, જન્મતે સમયપર ગણિત કરકે દ્વાદશ ગૃહોંમેં યથા સ્થાન ગૃહોંકો રખકર એક પત્રી બનાના (જ્યોતિષ વિષય) ।

લગ્ન ઘટિકા (સં.) વહ ઘડી જિસમેં વર કન્યાકા પાણિગ્રહણ હોતા હૈ ।

લગ્નતથ-તથી-તિથિ (સં) વિવાહ દિવસ, પાણિગ્રહણકા દિન ।

લગ્નપત્રિકા (સં. જિસ કાગજ પર વિવાહ કરનેકા શુભ સમય લિખા હો । પોલી ચિઠ્ઠી, લગ્નચિઠ્ઠી ।

લગ્નમંડપ (સં.) એક અસ્થાયી મંડવા જો વિવાહ સંસ્કાર કે સમય બના લિયા જાતા હૈ । વૈવાહિક વિતાન ।

લગ્નમુહૂર્ત (સં.) વિવાહકી ઘડી, ફેરોંકા સમય, પાણિગ્રહણકા વક્ત ।

લઘિમા (સં) લઘુતા, છોટાઈ, છોટાપન, લાઘવ, અષ્ટ સિદ્ધિયોંમેં સે એક ।

લઘુ (વિ.) છોટા, હલકા, હ્રસ્વવર્ણ, અલ્પ, તુચ્છ, સરલ, સુગમ, સહલ, એક માત્રિક સ્વર । ટિગના, નાટા ।

લઘુકોષ્ઠ (સં.) છોટાકોઠા ।

લઘુતા-ર્ત્વ (સં.) છોટાપન, છુટાઈ, નીચતા, નિચાઈ, ઓછાપન ।

લઘુત્વ (સં.) પૂર્વવત્ ।

લઘુનીતિ (સં.) લઘુશંકા, કમલાજ યુક્ત કાર્ય ।

લઘુપાપવી (સં.) પેચીદા તદબીર, પ્રપંચ, પેચ, દાંવ, યુક્તિ, છલછંદ ।

લઘુપૃષ્ઠ (સં.) છોટા ગોલચકર ।

લઘુશંકા (સં.) જિસ કામ મેં કુછ શરમ આતી હૈ, પેશાબ કરના, મૂતના, પ્રસ્રાવ કરના, નાડાછોડ કરના ।

લટકવું (ક્રિ.) ઝૂલના, ટંગના, હિલના, ભૂમિ સે ઊપર કિસી વસ્તુકો પકડકર રહના, ગલે મેં ફાંસી ડાલકર મરના, ગિરને કે યોગ્ય હોના, નીચા ઝુકના, નિરાધાર હોના, ભટકના । લટકના ।

લટકાવવું (ક્રિ.) હિલાના, ઝુલાના, ટાંગના, લટકાના, ફાંસી દેના યા ચઢાના ।

લટકાળુ (વિ.) હાવભાવયુક્ત, નાજ નખરેવાલા, લટકા કરનેવાલા ।

લટકું (સં.) હાવભાવ, અંગમરોડ, નાઝ, નખરા, અદા, બનાવટી ચાલ, લચક ।

લંક (વિ.) ધનાઢ્ય, ધની, શ્રીમંત, તર, પતલી કમર ।

લંક લાગવું (ક્રિ.) ધનવાન હોના, પૈસા હોના ।

લંક લગાડવું (ક્રિ.) ધનવાન બનાના ।

લંકા (સં.) ઇતિહાસપ્રસિદ્ધ રાક્ષસેન્દ્ર રાવણકી રાજધાની, સીલોન, વૃક્ષ, ઘર બન્દર રાક્ષસ ઇત્યાદિ બારૂદકે બનાકર જિસમેં એકદમ આગ લગા દેતે હૈં વહ આતિશબાજી ।

લંકા કરવી (ક્રિ.) સુલગાના, ભડકાના, આગ લગાના ।

લંકા લૂટવી (ક્રિ.) બહુત ધન પ્રાપ્ત કર લેના ।

લંકાની લાડી(=)બહુત દૂરકી કન્યા ।

લંગડ (વિ.) લંગડા, લૂલા, પંગુ, પંગુલા ।

લંગડાવું (ક્રિ.) લંગડાકર ચલના ।

લંગડું (વિ.) દેખો લંગડ ।

લંગર (સં.) જહાજ યા નાવ ઠહરાને કે લિયે લોહેકા બના હુઆ ભારી કાંટા, પૈરોં મેં પહિનને કા એક આભૂષણ વિશેષ । વહ રસ્સીયા ડોરી જિસકે એક સિરે પર કુછ વજન બંધા હો । મલ્લાહ જહાજ ઐસી ડોરિયાં બનાકર લાપરા મેં ફેંકકર, ઉલઝાકર ખેલતે હૈં ।

લંગરવું (ક્રિ.) લંગર ડાલના, જહાજ અથવા નાવ ઠહરાના ।

લંગરી (સં.) બચ્ચોં કે પૈરોં મેં પહિનાને કા ઘુઘરૂદાર આભૂષણ વિશેષ । [કેકી ચાલ ।

લંગાવું (ક્રિ.) લંગડાના, લંગ.

લંગૂર (સં.) વાનર વિશેષ, બડી પૂંછવાલા બન્દર, લઘુલાંગૂલ બન્દર, કાલે મુખ ઔર હાથપાંવકા બન્દર, પૂંછ, પુચ્છ, લાંગૂલ, દુમ ।

લંગૂરિયું (સં.) પૂંછ, પુચ્છ, દુમ, બન્દર, બડી પૂંછવાલા બન્દર, મર્કટ, કપિ વાનર ।

લંબુલ (સં.) પુચ્છ, પૂંછ, દુમ, લાંગૂલ, કપિ, બન્દર, વાનર, મર્કટ, લંગુર કીશ ।

લંગોટ (સં.) કછોટા, લંગોટી, રુમાલી, જાંઘિયા, લિંગ, ઔર ગુદા ઇંદ્રિયોંકે ગોપનાર્થ વસ્ત્ર વિશેષ ।

લંગોટબંધ (વિ.) જિસને સ્ત્રી પ્રસંગ કભીભી નહીં કિયાહો, બ્રહ્મચારી, યતી, જિતેન્દ્રિય, પવિત્ર, નિર્દોષ, સતી ।

ઙંગોટિયો (સં.) बालसखा, बाल-मित्र, बाल्य कालका मित्र, बाबा, फक्कड़, वैरागी, तपस्वी, साधू, फकीर, जोड़ीदार, साथी, यार-आश, समवयस्क। [दोस्त।

ઙંગોટિયોભિત્ર (सं.) बचपनका

ઙંગોટી-ટો (सं.) कमरमें बंधे कटिसूत्रमें अटकाकर लिंगेन्द्रिय ढंके उतनी चौड़ी लम्बी कपड़ेकी चिन्धी। कौपीन, कछनी, करधनी।

ઙંગોટીમારવી (कि.) वैरागी। होना, अपने पासका सब मालम-सालो बैठना। खाली हाथों होना।

ઙંઘન (सं.) लांघना, पार करना, उछाल, कूद, उपवास, अनाहार, फांका संयमन, निवृत्ति परहेज।

ઙંઘવું (कि.) लांघना, फांका, करना, उपवास करना, अनाहार करना, व्रत करना पार करना।

ઙંધી (सं.) रोनेको आनेवाली स्त्रि-यां (कई जातियोंमें रोनेको कि-राये पर स्त्रियां बुलाई आती हैं।)

ઙંધો (सं.) सहनाई बजानेका धन्धा करने वाला मुसलमान।

ઙંધોરૂં (वि.) रूप संपन्न (स्त्री)।

ઙચ (सं.) नवन, झुकाव, लचीला।

ઙચવું (कि.) लचकना, नमना, झुकना लचना, अंग भंगी करना।

ઙચઙચ (अ.) बड़बड़े आव खाकर जल्दी जल्दी (खाना)।

ઙચપચ (सं.) पोचा और ढीला पदार्थ, (वि.) गाढा, ढीला, पोचा, नर्म। [लगाना, लपेटना, पोतना।

ઙચડવું (कि.) चुपड़ना, रगड़ना,

ઙચાંડ-ઙચાંડ (सं) सिर फुटौवल कराने वाला (मनुष्य अथवा का-र्य इ०)।

ઙચપચ (वि.) चिकना, गीला, तर।

ઙચઙચવું (कि.) देखो ઙચવું।

ઙચવું (कि.) बीचमेंसे थोड़ासा झुक जाना, नमना, टेढा होना, लचकना शरण होना, अधिकारमें होना, झुकना।

ઙંછન (सं.) देखो ઙાંછન।

ઙછ (सं.) मांजा, काच पीसकर सरेस या लही इत्यादिमें मिलाकर धागेपर चुपड़ा हुआ धागा, जो पतंग उड़ानेके लिये विशेषतया बनाया जाता है।

ઙજવવું (कि) लज्जित करना, शरमिंदा करना लजाना, शरमाना।

ઙજવાવું (कि.) लज्जित होना, शरमिंदा होना। सिर झुकाना।

લજ્જાવણી (સં.) એક પ્રકારનું વૃક્ષ જિસે પુરુષ અથવા વેશ્યા સ્ત્રીકા સ્પર્શ હોતેહી સારે પત્તે સિમિટ જાતે હૈં, લાજવંતી, લજવંતી, લજ્જાવંતી। જિસસે લજ્જા ઉત્પન્ન હો।

લજ્જાવણું (વિ.) જિસસે લાજ પૈદા હો, લજાનેવાલા।

લજ્જાવવું (ક્રિ.) શરમાના, લજ્જિત કરના, નીચા દિખાના।

લજ્જા (સં.) શર્મ, વ્રીડા, તપ, લાજ, સંકોચ, શીલ, મર્યાદા, વિનય, નમ્રતા, અપકીર્તિ, કલંક, અપમાન।

લજ્જાવાન-વાન (વિ) મર્યાદશીલ, નિરભિમાની, વિનયી, શરમદાર।

લજ્જાળુ (વિ.) લજ્જાવાલા, સંકોચી, લજવંતીકા પૌધા :

લજ્જાશીળ (વિ.) દેખો લજ્જાવાન। [માયા હુઆ।

લજ્જિત (વિ.) વ્રીડિત, શર-

લટ (સં.) લટૂરી કેશ, સિરકેબાલોંકી એક ગુછલી, મસ્તકકે બાલોંકા ઉલઝા હુઆ એક ગુચ્છ। ફંદા, પાશ, જાળ, પેચ ઉલઝન। મોતિયોંકી લડી।

લટક (સં.) ઢંગ, રીતિ, ભાંતિ, પ્રકાર।

લટકણ-ણિયું (સં.) ઝુમર, ઝુમકા, લટકનેવાલી કોઈ વસ્તુ, લટકન।

લટકતીચાલ (સં.) અલબેલી ચાલ, અદાપૂર્ણ ચાલ, લચકદાર ચાલ।

લટકતું (વિ.) લટકતા હુઆ, નિરાધાર, નિરાશ્રય, અધરીચકા, નિરુદ્યમી।

લટકતું મુકવું (ક્રિ.) નિરાધાર, છોડના, મંઝધાર છોડના, ઉદ્યમહીન કરના।

લટકાવવું (ક્રિ.) ફાંસી ચઢાના, લટકા દેના. મુઆત્તિલ કરના ·

લટકો (સં.) નખરા, અદા, હાવભાવ, અંગ ભંગી, ટુટકા, ટોના, જન્તર મંતર।

લટકોઝટકો (સં.) અચાનક, અકસ્માત્ દૈવયોગસે, યોગાત, દૈવાત, પ્રસંગાત્।

લટપટ (વિ.) ચતુરી, ગુણી, ચાલાક, મક્કાર, નટખટ, ચંચલ।

લટપટાઈ (સં.) ગુણ, ચાલાકી, ચાંચલ્ય, મક્કારી, નટખટપન।

ઘટપટ (અં.) यह शब्द तोते के साथ बातचीत करते समय "घट. पट पंछी" कहके प्रयोग करते हैं। झटपट। जल्दी।

ઘટપટ કરવી (क्रि) भूल छुपाने के लिये जल्दी करना, धसड़ पसड़ करना।

ઘટપટિયું (सं.) उस्तरा तेज करने के लिये चमड़ेका टुकड़ा। कोथली, पेटी। (वि.) चंचल, उतावला, जल्दबाज।

ઘટપટિયાંકર—नाईका कामकर।

ઘટર (सं.) पुष्पकी रेखाएँ, फूल में की लकीरें, भटकना।

ઘટવું (क्रि.) लगना, भिड़ना, जुटना, हटना, सरकना, समझ जाना, सकुचाना।

ઘટિયાં (सं.) बहुतसी बालोंकी गुछलियाँ, लटें, उलझे हुए बालों की बस्तियाँ।

ઘટિયાં પિંખવાં-રસવવાં (क्रि.) मार डालना, कुचल डालना।

ઘટિયાં ગુંથવાં (क्रि.) भीतरही भीतर खूब घनिष्ठ सम्बन्ध होना।

ઘટુરી (वि.) लटकती, झूलती, आनंद में मातती हुई।

ઘડું (वि.) मोहित, आसक्त, जो एक ही विषय में फँस रहा हो, तल्लीन, तन्मय, विषयान्ध, पागल, मुग्ध, (सं.) भौंरा, भ्रमर. एक प्रकारका खिलौना। यह गोल काटका होता है नीचे एक छोटी सी नोंकदारकील लगी होती है, इसको रस्सी लपेट कर घुमाते हैं। शांत, चुप. स्तब्ध, शिथिल।

ઘડું થઈ જવું (क्रि.) मुग्ध हो जाना, तल्लीन हो जाना।

ઘડ-ડુ (सं.) लाठी, सोटा, डण्डा, यष्टि, डाँग, लठ्ठांगी। (वि.)मोटा, स्थूल, पुष्ट, बलवान हृष्टपुष्ट।

ઘડિયો (सं.)लठ्ठ,लुच्चा, बदमाश,

ઘડો (सं.) लाठी, सोंटा, लम्बा डण्डा, एक प्रकारका कपड़ा, (मोटा नादरपाट) (वि.) बलवान, भारी, पुष्ट, फिसादी।

ઘડકર્યું (वि.) टंटाखोर, झगड़ालू, फिसादी, तकरारी, लड़ाकू।

ઘડત (सं.) तकरार, फिसाद, झगड़ा, विवाद, मुकद्दमा, लड़ाई।

ઘડવડવું (क्रि.) ठोकर खाना, भूलना, चूकना, आपड़ना, लुढ़काना, ढकेलाना, लड़ खड़ाना, डगमगाना, हिच किचाना।

ઘડથડિયું (સં.) ઠોકર, ચૂક, ચૂક, ઠેસ ।

ઘડિયું (વિ.) બડા (સં.) તોફાની, આવેશી, મોટાતાજા ।

ઘડભડવું (ક્રિ.) ઠોકર ખાકર ગિર પડના ઝૂલના, લટકના ।

ઘડભડિયું (વિ.) ઠોકર ખાકરભી દૌડ પડનેવાળા, હડબડિયા ।

ઘડવાડ (સં.) લડાઈ, તકરાર, ઝગડા ।

ઘડવું-ઢવું (ક્રિ.) લડના, ઝગડના, ફિસાદકરના, કલહકરના, વિવાદ કરના, ટંટા કરના, યુદ્ધ કરના, રણ કરના, સંગ્રામ કરના, સમર કરના, મુકદમા લડના ।

ઘડવૈયો (સં.) ભટ, વીર, યોદ્ધા, અચ્છા લડાકા, બહાદુર, મલ્લ, પહલવાન ।

ઘડસડવું (ક્રિ.) ઝૂલના, લટકના ।

ઘડાઘડ-ઢાઢ (સં.) યુદ્ધ, સંગ્રામ, સંમર, રણ, ઘનઘન, ફિસાદ, ઝગડા, ટંટા, વિવાદ, સંઘર્ષ, મુકદમા, મુઠભેડ ।

ઘડાઘડ પેનાતા પેની (ક્રિ.) દૂસરે કી લડાઈ મેં કૂદકર સ્વયમ્ લડને લગના ।

ઘડાઘડ-ખોર-રો (વિ.) ઝગડાલૂ, ફિસાદી, વિવાદી, લડનેવાળા, તકરારી ।

ઘડાઉ-ધ (વિ.) લડને યોગ્ય, રણધીર, રણશૂર, યોદ્ધા, રણદુર્મદ ।

ઘડાઘડ-ડી (સં.) દેખો ઘડાઘ

ઘડાવવું (ક્રિ.) લડાના, ભિડાના, જુડાના, લડાઈ કરાના ।

ઘડું (સં.) સુનારકે કામકા એક પ્રકારકા તામ્બેકા ઔજાર ।

ઘડું (સં.) દેખો ઘાડું ।

ઘઢ્ય (સં.) રીતિ, ઢંગ, તર્જ, ઢબ, ઢાંચા, આદત, ટેવ ।

ઘઢવું (ક્રિ.) દેખો ઘડવું ।

ઘણ (સં.) દેખો ઘણ ।

ઘણવું (ક્રિ.) કતરના, કાટના, તોડના, છીનના, બાલેંબીનના નીચે પડા હુઆ ઉઠાના, બીનના, ફસલ કાટના, ગુણગ્રહણ કરના, ઋણ ભોગના, જાન લેના, સમઝના ।

ઘણનાર (વિ.) કાટનેવાલા, ફસલ કાટનેવાલા, ભોગનેવાલા, મજદૂર ।

ઘંડ (સં.) પુરુષકી મૂત્રેંદ્રિય, કુત્સા મનુષ્ય, ઠગ, ધૂર્ત, ધૂર્ત, ધૂર્ત

લત (સં.) વાન, અભ્યાસ, બુરી આદત, ટેવ, ચાલ, ધ્યાન, લય, લગન ।

લતા (સં.) વેલિ, વેલ, વલ્લી, વલ્લરી।

લતાકુંજ
લતાગૃહ
લતાભવન
(સં.) કુટીર, મંડવા, કુંજ, વિતાન, પર્ણકુટી, પર્ણશાલા, લતા ભવન ।

લતાડ (સં.) ફટકાર, ધિક્કાર, બહાના, છલ, લાત, પાદપ્રહાર ।

લતાડમારવી (ક્રિ.) બુરે રાસ્તે કરના, હાનિ કરના ।

લતાડખાવી (ક્રિ.) પછાડ ખાના નુકસાન ઉઠાના ।

લતાડખાઈનવું (ક્રિ.) યુક્તિ પૂર્વક બદલ જાના, કુપરિણામ હોતા દેખકર સંભળજાના ।

લતાડવું (ક્રિ.) ખરાબ કરના, બુરી દશા કરના, બિગાડના, હાનિ કરના ।

લત્તાં (સં.) ચિરકુટ, ચિથડા, ફટા પુરાના કપડા, કપડે ।

લત્તાંપેવાઇજવાં (ક્રિ.) છૂટે જાના, છૂટના, નુકસાનમેં પડના, ખબર જાની ।

લત્તો (સં.) ગાંવકી સીમાકા ભાગ, મુહલ્લા, પુરા, વિભાગ, બાડા ।

લથડવું (ક્રિ.) લડથડવું દેખો ।

લથડાવવું (ક્રિ.) દેખો લડથડાવવું ।

લથડીઉં (સં.) અચાનક અથવા રોગસે ચક્કરઆના, મૂર્છા, ચક્કર ।

લથપથ (અ.) લદફદ, પાસપાસ, નિકટ ભેટાંભેટ, ઊપર નીચે ।

લથરપથર (સં.) ખૂબ લિપટા હુઆ।

લદબદ (સં.) ઢીલા પદાર્થ, કિસી તરલ પદાર્થમેં લિપટના, (જૈસા કીચડ) તલ્લીન, મગ્ન ।

લપકારો (સં.) લપલપકી ક્રિયા, ઝટબાહિર આના ઔર અન્દર જાના (જૈસી સાંપકી જીભ) ।

લપ (સં.) ઉપાધિ, પીડા, સંતાપ, આપત્તિ, પાપ, જંજાલ બારબાર કહકર સિરપચાને વાલા મનુષ્ય, વિઘ્ન (અ૰) જલ્દીસે, શીઘ્રતાપૂર્વક ।

લપલપને (અ૰) પૂર્વવત્ ।

લપડો (સં.) સબરકા, મુરકા, ઉલાહિના, ઉપાલમ્ભ, તાના, ટૂના મર્મ વચન । ચિકના ઔર ગાઢા પદાર્થકા ભાગ ।

લપડો ઝપડો (સં.) જો ઝટપટ ઔર સહજહીમેં બન જાવે ।

લપલપ (સં.) ચાલમેલ, ગડબડ સડબડ ચંચલ, ફુર્તીલા, સાવધાન ।

ચપટ (સં.) ચૌ, સુગન્ધ, મહેક, ચપકી, ચપટ, પેંચ. દાવ, ચપાટા (અ૰) તક્લીન મસ ।

ચપટચપટ (સં.) ચીચાતાની, પેચ યુક્ત બાતચીત ।

ચપટવું (ક્રિ.) સટના, મિલના, લગના, લિપટના, ચિપકના, પેચમેં લેના । [ચાના, ફંસાના ।

ચપટાવું (ક્રિ.) લપેટાજાના, લલ-

ચપટું (વિ.) ઢીલા, નરમ, વિ-ચારા હુઆ, લાલચી (મનુષ્ય) ।

ચપડવું (ક્રિ) લપેટના, ચુપડના લેસના, લીપના, લેપન કરના ।

ચપડ્ડ (સં.) થપ્પડ, તમાચા, ચપત, ચપેટીકા, ધોલ, ધપ, ધપ્પા ।

ચપડાક મારવી (ક્રિ.) થપ્પડ મારના, તમાચા મારના, ધપ્પા મારના ।

ચપડાક ખાવી (ક્રિ.) થપ્પડ ખાના, ઠગેજાના, છલેજાના, હાનિ ઉઠાના ।

ચપેડા (સં.) લેપન, પોતના, બે-ષડના ।

ચપડ્ડ (સં.) બાહિર આના ઔર અન્દર જાના, ચપાટાબન્દ, ઝટઝટ, શીઘ્ર, ધપરધપર, ધકધક, ચિક-ચિક, બાચાકતા, જબાની બાત-ચીત । [ધામ, બકવાદ ।

ચપડાટ (સં.) ધડધડ, ધૂમ-

ચપડચિયું (વિ.) વ્યર્થહી અધિક બોલનેવાલા, ચિબ્બી, જબરાજ, અવિચારી ।

ચપતું-પાવું (ક્રિ.) છુપાના, છુ-પાના, દબકાના, દુબાના ।

ચપસણું (સં.) રપટન, ફિસલન, ચિકના, લુબાબદાર ।

ચપસવું (ક્રિ.) ફિસલના, રપટના ગોતા ખાના, ચિસટ પડના, કૂચ કરના ।

ચપાવું (ક્રિ.) છુપાના, લુંકાના ।

ચપાઈ બેસવું (ક્રિ.) છુપ બૈઠના, દબક જાના, ચુપચાપ હો રહના ।

ચપુડ (સં.) લપલપ, ફૈલના તથા સિકુડના ।

ચપુડો (વિ.) ઐસા મનુષ્ય જિસકે પેટમેં બાત ન રહતી હો ઔર બિના પૂછે હી બક દેતા હો । બકવાદી, વાચાલ, બહુત બાતચીત કરનેવાલા, બાતૂની ।

ચપેટવું (ક્રિ.) બૈઠનિયાના, લપે-ટના, પલેટના, વેષ્ટન કરના, ઢકના, સમ્મિલિત કરના, ફાંદેમેં લેના, પકડના । [ઢકે જાના, વેષ્ટિત હોના

ચપેટાવું (ક્રિ.) મિલના, લિપટાના

ચપેટા (સં) આચ્છાદન, આંટા, ઢાંકન, આવરણ ।

ಅಪೋಷಣ (ಸಂ.) ಪೋಷಣೆಯಿಲ್ಲದಿರುವಿಕೆ, ಪೋಷಣೆಯಿಲ್ಲದಿರುವಿಕೆಯಿಂದ ಉಂಟಾಗುವ ಕೃಶತೆ, ಕೃಶತೆಯಿಂದ ಉಂಟಾಗುವ ರೋಗ.

ಅಪೋಷಿತ (ಸಂ.) ಪೋಷಣೆಯಿಲ್ಲದಿರುವ, ಪೋಷಣೆಯಿಲ್ಲದಿರುವಿಕೆಯಿಂದ ಕೃಶವಾಗಿರುವ.

ಅಪೌರುಷೇಯ (ಸಂ.) ಪುರುಷನಿಂದ ಉಂಟಾಗದ, ಪುರುಷನಿಂದ ಹೇಳಲ್ಪಡದ, ಪುರುಷನಿಂದ ಕಲ್ಪಿಸಲ್ಪಡದ, ಪುರುಷನಿಂದ ಸೃಷ್ಟಿಸಲ್ಪಡದ, ಪುರುಷನಿಂದ ಬರೆಯಲ್ಪಡದ.

ಅಪ್ಪ (ಸಂ.) ನೀರು, ಜಲ, ಉದಕ, ಪಾನೀಯ, ಪಾನಕ, ಪಾನಕದ ಪಾತ್ರೆ, ಕಮಂಡಲು, ಕಲಶ, ಕಲಶದ ಪಾತ್ರೆ, ಕಲಶದ ಪಾತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಇಟ್ಟಿರುವ ಪಾನೀಯ, ಕಲಶದ ಪಾತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಇಟ್ಟಿರುವ ಪಾನೀಯವನ್ನು ಕುಡಿಯುವ ಪಾತ್ರೆ, ಕಲಶದ ಪಾತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಇಟ್ಟಿರುವ ಪಾನೀಯವನ್ನು ಕುಡಿಯುವ ಪಾತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಪಾನೀಯವನ್ನು ಕುಡಿಯುವ ಕ್ರಿಯೆ, ಕಲಶದ ಪಾತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಇಟ್ಟಿರುವ ಪಾನೀಯವನ್ನು ಕುಡಿಯುವ ಪಾತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಪಾನೀಯವನ್ನು ಕುಡಿಯುವ ಕ್ರಿಯೆಯಿಂದ ಉಂಟಾಗುವ ಪ್ರಯೋಜನ, ಕಲಶದ ಪಾತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಇಟ್ಟಿರುವ ಪಾನೀಯವನ್ನು ಕುಡಿಯುವ ಪಾತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಪಾನೀಯವನ್ನು ಕುಡಿಯುವ ಕ್ರಿಯೆಯಿಂದ ಉಂಟಾಗುವ ಪ್ರಯೋಜನವನ್ನು ಪಡೆಯುವ ಕ್ರಿಯೆ, ಕಲಶದ ಪಾತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಇಟ್ಟಿರುವ ಪಾನೀಯವನ್ನು ಕುಡಿಯುವ ಪಾತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಪಾನೀಯವನ್ನು ಕುಡಿಯುವ ಕ್ರಿಯೆಯಿಂದ ಉಂಟಾಗುವ ಪ್ರಯೋಜನವನ್ನು ಪಡೆಯುವ ಕ್ರಿಯೆಯಿಂದ ಉಂಟಾಗುವ ಪ್ರಯೋಜನ, ಕಲಶದ ಪಾತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಇಟ್ಟಿರುವ ಪಾನೀಯವನ್ನು ಕುಡಿಯುವ ಪಾತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಪಾನೀಯವನ್ನು ಕುಡಿಯುವ ಕ್ರಿಯೆಯಿಂದ ಉಂಟಾಗುವ ಪ್ರಯೋಜನವನ್ನು ಪಡೆಯುವ ಕ್ರಿಯೆಯಿಂದ ಉಂಟಾಗುವ ಪ್ರಯೋಜನವನ್ನು ಪಡೆಯುವ ಕ್ರಿಯೆಯಿಂದ ಉಂಟಾಗುವ ಪ್ರಯೋಜನ, ಕಲಶದ ಪಾತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಇಟ್ಟಿರುವ ಪಾನೀಯವನ್ನು ಕುಡಿಯುವ ಪಾತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಪಾನೀಯವನ್ನು ಕುಡಿಯುವ ಕ್ರಿಯೆಯಿಂದ ಉಂಟಾಗುವ ಪ್ರಯೋಜನವನ್ನು ಪಡೆಯುವ ಕ್ರಿಯೆಯಿಂದ ಉಂಟಾಗುವ ಪ್ರಯೋಜನವನ್ನು ಪಡೆಯುವ ಕ್ರಿಯೆಯಿಂದ ಉಂಟಾಗುವ ಪ್ರಯೋಜನವನ್ನು ಪಡೆಯುವ ಕ್ರಿಯೆ, ಕಲಶದ ಪಾತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಇಟ್ಟಿರುವ ಪಾನೀಯವನ್ನು ಕುಡಿಯುವ ಪಾತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಪಾನೀಯವನ್ನು ಕುಡಿಯುವ ಕ್ರಿಯೆಯಿಂದ ಉಂಟಾಗುವ ಪ್ರಯೋಜನವನ್ನು ಪಡೆಯುವ ಕ್ರಿಯೆಯಿಂದ ಉಂಟಾಗುವ ಪ್ರಯೋಜನವನ್ನು ಪಡೆಯುವ ಕ್ರಿಯೆಯಿಂದ ಉಂಟಾಗುವ ಪ್ರಯೋಜನವನ್ನು ಪಡೆಯುವ ಕ್ರಿಯೆಯಿಂದ ಉಂಟಾಗುವ ಪ್ರಯೋಜನ, ಕಲಶದ ಪಾತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಇಟ್ಟಿರುವ ಪಾನೀಯವನ್ನು ಕುಡಿಯುವ ಪಾತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಪಾನೀಯವನ್ನು ಕುಡಿಯುವ ಕ್ರಿಯೆಯಿಂದ ಉಂಟಾಗುವ ಪ್ರಯೋಜನವನ್ನು ಪಡೆಯುವ ಕ್ರಿಯೆಯಿಂದ ಉಂಟಾಗುವ ಪ್ರಯೋಜನವನ್ನು ಪಡೆಯುವ ಕ್ರಿಯೆಯಿಂದ ಉಂಟಾಗುವ ಪ್ರಯೋಜನವನ್ನು ಪಡೆಯುವ ಕ್ರಿಯೆಯಿಂದ ಉಂಟಾಗುವ ಪ್ರಯೋಜನವನ್ನು ಪಡೆಯುವ ಕ್ರಿಯೆ, ಕಲಶದ ಪಾತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಇಟ್ಟಿರುವ ಪಾನೀಯವನ್ನು ಕುಡಿಯುವ ಪಾತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಪಾನೀಯವನ್ನು ಕುಡಿಯುವ ಕ್ರಿಯೆಯಿಂದ ಉಂಟಾಗುವ ಪ್ರಯೋಜನವನ್ನು ಪಡೆಯುವ ಕ್ರಿಯೆಯಿಂದ ಉಂಟಾಗುವ ಪ್ರಯೋಜನವನ್ನು ಪಡೆಯುವ ಕ್ರಿಯೆಯಿಂದ ಉಂಟಾಗುವ ಪ್ರಯೋಜನವನ್ನು ಪಡೆಯುವ ಕ್ರಿಯೆಯಿಂದ ಉಂಟಾಗುವ ಪ್ರಯೋಜನವನ್ನು ಪಡೆಯುವ ಕ್ರಿಯೆಯಿಂದ ಉಂಟಾಗುವ ಪ್ರಯೋಜನ, ಕಲಶದ ಪಾತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಇಟ್ಟಿರುವ ಪಾನೀಯವನ್ನು ಕುಡಿಯುವ ಪಾತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಪಾನೀಯವನ್ನು ಕುಡಿಯುವ ಕ್ರಿಯೆಯಿಂದ ಉಂಟಾಗುವ ಪ್ರಯೋಜನವನ್ನು ಪಡೆ

ઢબતઈ (વિ.) પતલા, મુર્દાર, નિર્બલ, કૃશ, ક્ષીણ। [વાલા।

ઢબાચિયો (વિ.) ફટે चिथरों

ઢબાચ્યો (સં.) ફટાવસ્ત્ર, चिथड़ा, જીર્ણવસ્ત્ર, કથરા।

ઢબાડ-ડી (વિ.) મિથ્યા ભાષી, ઝૂટ બોલનેવાલા, લવાર, ગપ્પી, (સં.) અનૃત, અતથ્ય, ઝૂંઠ, અસત્ય।

ઢબોચુ (સં) મુખ, મુહં આનન, વદન, ભીમ, જિવ્હા, બોલી, વાણી, વાચા। [સંપાદિત।

ઢબ્ધ (વિ.) પ્રાપ્ત, ઉપાર્જિત,

ઢબ્ધા (સં.) बालबच्चे, परिजन, કુટુમ્બકે લોગ, કુટુમ્બી।

ઢબ્ધિ (સં.) પ્રાપ્તિ, લાભ, હાથ લગાના, હાથમેં આના।

ઢબ્ધ (વિ.) પ્રાપ્ત કરને યોગ્ય, પ્રાપ્તવ્ય, પ્રાપ્ય, પ્રાપ્તિકે યોગ્ય।

ઢભણું (સં.) કનપટી।

ઢભણુાડીઠવા (ક્રિ.) માઠા ફોડ કરના સિરપચ્ચી કરના।

ઢભોઢાવેઢવા (ક્રિ.) હિમ્મત હારના, આશા ભંગ હોના, સાહસ છોડના।

ઢંઢ (વિ.) દુરાચારી, દુષ્કૃત, ઝૂઠા, અવિશ્વાસી, વિષયી, રંડીબાજ, કામી।

ઢંઢ (વિ.) લમ્બા, દીર્ઘ, વિસ્તીર્ણ, ઊંચા, બડા લંબા, (સં.) સમુદ્રકા પાની નાપનેકા डोरीमें બાંધા હુઆ શીશેકા વજન। લાવલ, પાની નાપનેકા યંત્ર, દીવારકો સૂધી દેખનેકે લિયે डोरीમें બાંધા હુઆ પત્થર યા કિસી ધાતુકા ગોલા।

ઢંઢણું (સં.) ગધેડા, ગધા, ગર્દભ, રાસભ, ખર, (વિ.) લમ્બે કાનવાલા। [કૃતિ।

ઢંઢનેળ (સં.) અંડાકાર, અંડાકૃતિ। [ઊંચાન।

ઢંઢપતુંલ (સં.) દીર્ઘ વર્તુલ, અંડા-

ઢંઢાઈ (સં.) લમ્બાઈ, લમ્બાન,

ઢંઢાણુ (સં.) વિસ્તાર, ફૈલાવ, લંબાઈ। [કરના, પહુંચાના।

ઢંઢાવવું (ક્રિ.) બઢાના, લમ્બા

ઢંઢાવું (ક્રિ.) સોના, શયન કરના, લેટના, લમ્બીતાનના, ચૂદિ-હોના, બહુત ચલના।

ઢંધુસ-સિયો (વિ.) આવશ્યકતાસે અધિકલમ્બા, બહુત ઊંચા, લમ્બડ।

ઢંઢોઢાઈ (સં.) સીધી ઉંચાઈ।

ઢંઢોદર (સં.) ગણપતિ, ગણેશ, મહાદેવકા લડકા (વિ.) મોટે પેટકા।

લય (સં.) નાશ, ધ્વંશ, પ્રલય, વિનાશ, તાલ, સ્વર, લીન, મગ્ન, લવલીન, સંહાર, અચ્છેદ, લય, લગન, એકાગ્રચિત્ત, સમાજાના ।

લયાનત (વિ.) શરમ, લાનત, નામોશી, બદનામી । [ટેકતીં ।

લલકામણ (વિ.) ઝૂલતા, લ-

લલકાર (સં.) હાંક, પુકાર, ડાંક, બઢાવા, પ્રોત્સાહન વાક્ય, હુંકાર ।

લલકારવું (ક્રિ.) આહ્વાન કરના, લલકારના, યુદ્ધાર્થ પુકારના ।

લલચાવવું (ક્રિ.) લુભાના, લહ-કાના, તરસાના, ललचाना, લોભમેં ડાલના, આકર્ષિત કરના, મોહિત કરના ।

લલચાવું (ક્રિ.) લુભના, મોહિત હોના, ललचाना, લાલાયિત હોના ।

લલના (સં.) મહિલા, નારી, કામકળા, સ્ત્રી, પ્રવીણાલી, વામા, કામિની ।

લલાટ (સં.) મસ્તક, સિર, કપાળ, ભાગ્ય, પ્રારબ્ધ, નસીબ, તકદીર ।

લલાટરેખા-લેખ (સં.) વિધાતાકે લેખ, કર્મરેખ, ભાગ્યરેખા ।

લલિત (વિ.) સુન્દર, નાજુક, કોમળ, સરસ, મનોહર, ચંચલ, મનભાવન । રાગવિશેષ જો પ્રાતઃ કાલકે સમય ગાયા જાતા હૈ । માંજી, લહરી ।

લલિતા (સં.) જવાન, મનોહરતા।

લલુતા (સં.) ચાહ, ઇચ્છા, ઇરાદા, આકાંક્ષા ।

લલુપતા (સં.) તૃષ્ણા, લોભ, લા-લચ, લોલુપતા, ચાટુકારી ।

લવ (સં.) અંશ, ભાગ, ક્ષણ, નિ-મેષ, પલ, (અ૦) લેશ, જરાક, અલ્પ, થોડા, ન્યૂન, કમ, કુછેક ।

લવંગ (સં.) વૃક્ષવિશેષકા ફૂલ, ઇસ નામસે પ્રસિદ્ધ, લૌંગ, લૌંગકી આકૃતિકા કાનોમેં પહિનનેકા આભૂષણ વિશેષ ।

લવંગિયું (વિ.) લૌંગકી આકૃતિકા કાનમેં પહિનનેકા ઝેવર વિશેષ ।

લવંગિયુંભરચું (સં.) ગરમ સ્વભાવકા તેજમિજાજ, ચપળ, તીક્ષ્ણ મિરચ।

લવણ (સં.) નમક, નોંન, નૂન, ખારા, ક્ષાર, તેજ, કાંતિ (વિ.) ખારા । [કી બાતેં ।

લવરી (સં.) બકવાદ, બપ્પ, વ્યર્થ-

લવલવ (સં.) પૂર્ણવત્ ।

લવલવવું (ક્રि.) गप्पें मारना बड़बड़ाना ।
લવલવાટ (सं.) देखो लवलव ।
લવલેશ (अ०) ज़राक, थोड़ा, अल्प, लेशमात्र, कुछेक ।
લવવું (क्रि.) अकारण खूब, बोलते रहेना, बकना बड़बड़ाना ।
લવાજ્ય (सं.) लावण्यता, बोलनेकी मिठास ।
લવાજમ (सं.) फांस, वेतन, हक, अलाउंस, लौंस, अधिकार, दस्तूरी । [अमीन ।
લવાદ (सं) पंच, न्यायी, मध्यस्थ
લવાદી (सं.) पंचायत, निर्णय, न्याय ।
લવાર (सं.) लुहार, लोहकार, लोहेकाधंदा करेनेवाळी एक जाति विशेष । [नेका मुहल्ला ।
લવારવાડો (सं) लोहारोंके रह-
લવારી (सं.) देखो लवरी ।
લવારૂ (सं.) नवजातबालक, दूध पीतुंबच्चा, छोटा बछडा या बछिया
લવિંગ (सं.) देखो लवंग ।
લવેંગ (सं.) पूर्ववत् ।
લવ્વો (सं.) मश्करा, दिल्लगीबाज ।
લશ્બ્દ (सं.) शब्द, लफ्ज़, अक्षर समूह ।
લશ્કર (सं.) सेना, फौज, अनी, पलटन, रिजमट, जत्था, समुदाय टोळी ।
લશ્કરના વાળ્યા (अ०) अनियमित ।
લશ્કરી (वि.) फौजी, सैनिक, फौज विषयक (मनुष्यवस्तु इ०)
લસડતું (वि.) चंचळ, अधीर, अस्थिर । [लशुन, लस्सन ।
લસણ (सं०) लहसुन, कंदविशेष
લસણિયું (वि.) लहसन मिलाहुवा ।
લસણિયો (सं.) एक प्रकारका बहुमूल्य पत्थर ।
લસતું (वि.) शोभित, लासित, प्रकाशित, ढीला, नरम, लचलचा ।
લસરકો (सं.) घिस्सा, रगडा ।
લસરિયું (वि.) देखो लासरियुं
લસલસતું (सं.) गाढा, चिकना और चमकदार ।
લસલસવું (क्रि.) गाढा होना, चिकना और चमकदार होना ।
લસલસાટ (वि.) पुष्कळ, खूब, बहुत ।
લસવું (क्रि०) शोभित होना, शोभना, खेलना, फिसलना, रपटना ।
લસોટવું (क्रि.) घोटना, बारीक पीसकर मिलादेना रगडना ।
લહ-જો (सं.) स्वाद, जायका ।

લહરી (સં.) લહર, તરંગ, વીચિ, ઊર્મિ ।

લહવું (ક્રિ.) જાનના, માલુમકરના।

લહાનું (સં.) નફા, લાભ, મુનાફા, પ્રાપ્તિ, આય, ઉત્પત્તિ, આમદ ।

લહાણી (સં.) અચ્છે શુભ કાર્યકે સમય ઉપસ્થિત રહને વાલોંકો એકહી પ્રકારકા ઇનામ દેના ।

લહાવું (ક્રિ.) હિસ્સા કરદેના, બાંટ દેના, ભાગ કરદેના ।

લહિયો (સં.) લેખક, નકલન વીસ, અનુવાદક, પુસ્તક લિખનેવાલા ।

લહી (સં.) લેહી, લાઈ, (આટે યા મૈદાકી બની હુઈ ચિપકાનેકે કામ આતી હૈ) ।

લહે (સં.) સ્વાદ, મજા, લજ્જત ।

લહેકવું (ક્રિ.) લટકમેં ચલના, મચકના । [લટક ।

લહેકો (સં.) લચક, અંગભંગી,

લહેર (સં.) ઝોંકા (પવનકા), લહર પ્રદર્શક કપડેપર આડી ટેઢી રેખાઓંકા ચિત્ર, નિશાની, પ્રભાવ, તર્ક, વિતર્ક, આલસ્ય, નશા, ઉંચ, તરંગ, ઊર્મિ, વીચિ, હિલોર, વિષ ચઢનેકા વર્ણ, કપડે રંગનેકી પ્રક્રિયા ।

લહેરિયાં (સં.) ઝોંકે, તરંગેં, હિલોરેં, વસ્ત્ર પૃથ્વીકાગજ ઇત્યાદિ પર લહર સમાન રેખાએં ।

લહેરિયું (સં.) સ્ત્રિયોંકે પહિનનેકા એક પ્રકારકા આભૂષણ ।

લહેરી (વિ.) મનમૌજી, આનન્દી, તરંગી, મદમસ્ત, નશેબાજ, ઇશ્કી, વિષયી, અસ્થિર, સંદિગ્ધ ।

લહ્યું (ક્રિ.) ધ્યાન પૂર્વક સુનના, ધ્યાનદેના, એકાગ્ર ચિત્ત કરના ।

લળકવું (ક્રિ.) ઉત્કંઠિત હોના, લાલાયિત હોના, ઉમંગસે ઘૂમતે આના ।

લળવું (ક્રિ.) ઝુકના, નમના, નીચા હોના, હારના સ્વાદ લગાના, ભાના । [મોડ ।

લાંક (સં.) લચક, વળ, ટેઢાપન,

લાંગ (સં.) એક પ્રકારકી દાલ ।

લાંઘણ (સં.) ઉપવાસ, વ્રત, લઙ્ઘન, નિરાહાર કાલક્ષેપ ।

લાંબણી (સં.) ગાડીકો સમાન ખડી રખનેકે લિયે દોડકાષ્ઠ, ટેકી, યહ ગાડીકે પાસ બંધે હોતે હૈં જહાં ગાડીકો સીધી ખડી કરની હો વહાં ઇન્હેં લગાદેતે હૈં । ટેમી ।

ઉપવાસ (સં.) બિના ખાનેપીને દિન વ્યતીત કરના। [વાસ કરના।
ઉપવાસવું (ક્રિ.) વ્રત કરના, ઉપવાસ કરના।
ઉપવાસો (સં.) લંઘન, ઉપવાસ, વ્રત, રોઝા।
ઉપ્પ (સં.) ઘૂંસ, પચ્ચર, રિશ્વત।
ઉપ્પ આપવી (ક્રિ.) ઘૂંસ દેના, રિશ્વત દેના, મુઠ્ઠી ગરમ કરના, મુઠ્ઠી ભરના।
ઉપ્પભવાડવી (ક્રિ.) પૂર્વવત્।
ઉપ્પભાવી (ક્રિ.) ઘૂંસ પચ્ચર લેના, રિશ્વત લેના, હાથ મારના, જેબ ગરમ કરના।
ઉપ્પ ખવરાવવી (ક્રિ.) રિશ્વત દેના, ઘૂંસ દેના, દાબના।
ઉપ્પ (સં.) દબાવ, નમન, ભાર।
ઉપ્પખાઉ-ખોર (વિ.) દુષ્ટ, નમક હરામ, રિશ્વતખોર ઘૂંસ લેને વાલા।
ઉપ્પવું (ક્રિ.) દબના, ઝુકના, નમના, રિશ્વત દેના, ઘૂંસ દેના।
ઉપ્પિવું-ણીવું (વિ.) રિશ્વત લેને વાલા ઘૂસ લેના વાલા।
ઉપ્પુ (વિ.) કમ, ઓછા, ન્યૂન।
ઉપ્પુ (સં) લાંછન, ચિહ્ન, દાગ, કલંક નિશાની, ચિન્હ, ઐબ ખોટ।
ઉપ્પે-ઓ (સં.) હરકત, બાધ, રોક।
ઉપ્પ-પિવું (વિ.) ધુરન્ધર, ઢોંગી, ધૂર્ત, શઠ, તુફાની, મસ્ત।
ઉપ્પાર્ણિ (સં.) ધૂર્તતા, શઠતા, છલ, કપટ, છુચ્ચાઈ।
ઉપ્પો (સં.) રખા હુઆ ખસમ, યાર, આશિક।
ઉપ્પુ (સં.) લાભ, ફાયદા।
ઉપ્પો (સં.) દેખો ઉપ્પો।
ઉપ્પ (સં.) લેમ્પ, ચિરાગ, દીવા, દીપક, કન્દીલ, લાલટેન, દીપ, દીયા।
ઉપ્પુ (સં.) લંપૂ, ઘાસકા કાંટા, સૂખાઘાસ, હરા છોટા ગલા હુઆ ઘાસ।
ઉપ્પી-પ્પી (સં.) કાચ જમાનેકા ચિકના પદાર્થ, સફેદા ઔર બેલ તેલકા મિશ્રણ।
ઉપ્પિડાલિવું (વિ.) જિસકી ટાંગે બડી હોં, લમ્બી ટાંગોં વાલા।
ઉપ્પી (સં.) સ્મૃતિ, સ્મરણ, યાદ, સ્મરણ શક્તિ, યાદદાશ્ત।
ઉપ્પાટુંટી (સં.) અમર્યાદ ભાષણ, ગાલી ગુપતા, ગાલી ગલૌજ।
ઉપ્પીનજર (સં.) દીર્ઘ દૃષ્ટિ, દૂર દૃષ્ટિ।

લાંબું (સં.) લમ્બા, દીર્ઘ, ઊંચા, દૂરકા વિસ્તૃત, બડા ।

લાંબોવિચાર (સં.) ભવિષ્યકા વિચાર, દૂરદૃષ્ટિ, ભવિષ્ય દૃષ્ટિ ।

લાંબુકાઢવું (ક્રિ.) બહુતજીના, બહુત વર્ષ જીના ।

લાંબું થઈજવું (ક્રિ.) મરજાના, જમીનપર સોજાના, ઊંચી વસ્તુ લેનેકે લિયે પૈરોંકી અંગુલ્યિોંકે બલ ઊંચે હાથ કરકે ખડે હોના, વ્યાપારમેં બહુત હાનિ હોના ।

લાંબીલેખણે લખવું (ક્રિ.) શક્તિસે અધિક કાર્ય્ય કરના ।

લાંબાળોડે ટુંકાળાય-મરેનહી તો ભાંદોબાય=દેખા દેખી સાધે જોગ, મરેનહી તો વ્યાપે રોગ, બડેકી બરાબરી નહીં કરના ।

લાંબીખેંચવી (ક્રિ.) મરજાના ।

લાંબીછેલાઉંધ (સં.) મૌત, મૃત્યુ, કજા । [કરના ।

લાંબીકાળ ભરવી (ક્રિ.) હિમ્મત

લાંબીસોડે સુંવું (ક્રિ.) મરના ।

લાંબીખેંચવું (ક્રિ.) ઢીલ કરના, અધિક જીના ।

લાંબું પિંજણ કરવું (ક્રિ.) બઢા-બઢાકર કહના, અતિશયોક્તિ કથન ।

લાંબેભાડે સુંવું (ક્રિ.) દિવાલા નિકાલના, મરણ તુલ્ય હોના, અત્યંત દુર્દશામેં હોના, અત્યંત હાનિમેં આના ।

લાંબે સાબરે સુંવું (ક્રિ.) દૂરદૃષ્ટિ રખકર ઇસ તરહકા કાર્ય કરના જિસસે ઠોકર ભી ન ખાના પડે । મૃત્યુ હોના ।

લાંબો હાથ કરવું (ક્રિ.) રિશ્વત લેના, મદદ કરના, હાથ ડાલના, હસ્ત ક્ષેપ કરના, બાધા ડાલના ।

લાંબુકરવુ (ક્રિ.) લંબા કરના, પીટના, ધુનના, ઠોકના । [નસીબ ।

લાંબવું (ક્રિ.) કિસ્મત, પ્રારબ્ધ,

લાખું (સ.) પૂર્વવત્ ।

લા० (સં.) " લિખતમ્ લિખી " કા છોટારૂપ ।

લાખ-ખી (સં.) લેહી, ગેહૂંકે આટે યા મૈદાકા બનાયાહુવા ચિપકાનેકા પદાર્થ, લ્યાહી, અલેહી ।

લાચલાચ (વિ.) નિરુપાય, લાચાર ઉપાયશૂન્ય ।

લાચલશ્કર (સં.) ફૌજફાંટા, સૈન્ય ।

લાચોલાઇ (વિ.) પુત્રહીન, નિપુત્ર, બાંઝ (સ્ત્રી), નિસ્સંતાન ।

લાચેઇ (વિ.) યોગ્ય લાયક ।

લાકડ (સં.) લક્કડ, કાષ્ટ, કાઠ, બલીતા, કાઠી, જલાનેકા કાઠ,

ઈંધન (વિ.) લકડીका, लकड़ी-काचना ।

લાકડુકાટક (સં.) लड़कीके टुकड़े इत्यादि करनेवाला, काठकबाड़ ।

લાકડાપાક-ળી (સં.) एकप्रकारकी मिठाई, एकप्रकार के बेसनके लड्डू (कठोर)

લાકડાંવાળો (સં.) लकड़ीबेचने-वाला, कठियारा, ईंधनबेचनेवाला।

લાકડી (સં.) लकड़ी, छड़ी, सोटी, कमड़ी, कमची, आधार, आश्रय, टेका ।

લાકડીલેવી (ક્રિ) लकड़ी उठाना, मारनेके लिये लकड़ी लेना, बुढापाआना । [कष्ट देना ।

લાકડીકરવી (ક્રિ.) तंग करना,

લાકડું (સં.) लकड़, शहतीर, म्याळ, तीर, ईंधर, काठ, इमा-रतीलकड़ी । [परवाह न करना ।

લાકડાકાપવા (ક્રિ.) नागिनना,

લાકડા લડાવવા (ક્રિ.) झूंटीसच्ची भिडाकर लड़ाई कराना ।

લાકડાં સંકોરવાં (ક્રિ.) उत्तेजना देना, उसकाना, उकसाना, पुण्य कार्य करना । [नेका तरीका ।

લાકડાનીતરવાર (સં.) काम धक्का-

લાક્ષમાં પૈસા ખણવાના નથી खोजनेपर मिलना कठिन है।

લાકડીએ ખાધી સિંચવું (ક્રિ.) असंभव कार्य करना, जो जिसका काम हो उसे न देकर किसी दूसरे को देना ।

લાકડું ખાવું (ક્રિ.) बाधा डालना, चलते हुए कार्यमें अपना स्वार्थ साधन करना ।

લાકડું પેસવું (ક્રિ.) दखल होना रोकहोना, बाधाउपस्थित होना ।

લાકડે માકડું વળગાડવું (ક્રિ.) दोनोंमें जूता चलवाना, दोजनोंको लड़ाना ।

લાક્ષણિક (વિ.) लक्षणयुक्त, लक्षण-वृत्तिसे कथित अर्थ अलंकारिक, स्वभाव दर्शक, सांकेतिक, बोधक व्यंजक, सूचक, द्योतक ।

લાક્ષા (સં.) लाह, जतु, लाख, एक प्रकारका पेड़का गोंद जो आग लगानेसे पिघलकर जड़ उठता है इसकी चूड़ियांभी बनती हैं, जिन्हें स्त्रियां धारण करती हैं।

લાખ (સં.) पूर्ववत्, चपड़ी (वि.) संख्या विशेष, सौ हजार, (सं.) एक प्रकारका जीव जिसके सूखने पर उसमेंसे लालरंग निकाला जाता है पहिले समयकी स्त्रियां मेंहदीकी जगह उसीसे अपने हाथ पैर रंगा करतीथीं ।

લાખરૂપિયાનુંમાણસ (સં) ભલા આદમી, સજ્જન, વિશ્વસ્ત પુરુષ, ભદ્રજન ।

લાખરૂપિયાનીબાત (સં.) બડીહી અચ્છીબાત, નેકસલાહ, લાભપ્રદ કાર્ય ।

લાખાવસુન્દરો (સં.) લાખોં રુપયોંકા લેનદેન કરને વાલા મનુષ્ય ।

લાખજાએ પણ લાખનકશો=ઇજ્જત જાનેકી અપેક્ષા ધનકા ચલાજાના અચ્છા અપમાનસે મરણ ઉત્તમ હૈ ।

લાખના તુટ્યા કોડીએ સંધાયનહીં= સમુદ્રકો એક બૂંદસે નહા ભરાજા સકતા ।

લાખટકાનું-રૂપિયાનું (વિ.) ઉત્તમ બહુમૂલ્ય, લાભપ્રદ, અલભ્ય ।

લાખ પંચોતરી (સં.) મિથ્યા કથન, અતિ-શયવર્ણન, ઊપરી ભડક, આડંબર ।

લાખનો પાલન હાર (સં.) રાજા અમીર, દાની પરમાત્મ દેવ ।

લાખ બાતની એક બાત (અ.) સારાંશકિ, તાત્પર્યકિ, ગરજેકિ, સંક્ષિપ્તમેં, સૌબાતોંકી એક બાત, થોડે શબ્દોંમેં ।

લાખ સેંપાના કરવા (ક્રિ.) શર નિંદા કરકે અનેક તરહસે સમઝાના ।

લાખવું (ક્રિ.) ઢાલના, ગેરના, પટકના, મિઠ્ઠીકે પાત્રપર ચપડી કરના ।

લાખિયું (સં.) લાખકી ચૂડી, સ્ત્રિયાં ચૂડિયોંકે આગે ઇસે પહિનતી હૈં । (વિ.) લાખકા, લાખયુક્ત, ચપડીદાર ।

લાખું (સં.) શરીરકે કિસી ભાગપર જન્મકા કાલા ચિન્હ, દોષ, લાંછન, દાગ ।

લાખેણું (વ.) પ્રતિષ્ઠિત, માની, ઇજ્જતદાર, આબરૂવાલા, ન્યાયી, નેક, સજ્જન, કીમતી, બહુમૂલ્ય, અમૂલ્ય ।

લાખે લેખાં (સં.) લાખ રુપયોંકા જમાખર્ચ, અસંખ્યતા, લાખોંસે ગણના ।

લાખોટું (વિ.) લાખ લગાકર ચમકદાર કિયા હુઆ બરતન, ચપડી કિયાહુવા બરતન ।

લાખોટો (સં.) સુદર ચપડી કિયા હુઆ પત્ર, બન્દલિફાફા ।

લાભ (સં.) યોગ, દૈવી ઘટના, યુક્તિ, દાંવ, ચોટ પ્રસંગ, પકડ, દસ્તા, બેંટા, હત્થા, નક્કુ, આંકડા, આધાર, પાયા, મૂલ ।

લાભલાવવો (સં.) મૌકા આના, યોગ આના ।

લાગમાં આવવું (ક્રि.) દાંવમें आना, पेंचमें आना।

લાગવવો (ક્રि.) अवसर खोना, मौका गंवाना। [सर आना।

લાગમાવવો (ક્રि.) अनुकूल अव-

લાગમેળવો (ક્રि.) मौका ताकना, योग ढूंढना।

લાગતમાવવો (ક્રि.) निर्धारित कार्यके लिये अवसर साधना।

લાગ મેળવવો (ક્રિ.) अनुकूल पड़े वैसाही करना, अनुकूल समय प्राप्त करना।

લાગલેવો (ક્રિ.) समयका सदुपयोग करना, आये समयको हाथसे नहीं जाने देना।

લાગમાંથી જવું (ક્રિ.) किसीके अधिकारमेंसे निकलना।

લાગટ (અ.) सतत, निरन्तर, अविच्छिन्न, अविश्रान्त, एक सरीखा जारी, चालू।

લાગડું (સં.) खराब व्यवहार, अनुचित, सम्बन्ध, बुरावर्ताव।

લાગણી (સં.) दया, करुणा, अनुकंपा, मनोधर्म, चित्तवृत्ति, भाव, ज्ञान, विचार, बोध।

લાગત (સં.) लगी हुई कीमत, असली मूल्य, मोल, दाम, मूल्य, महसूल टैक्स, जकात कर।

લાગતું (વિ.) लागू, सम्बन्धी, विषयक;

લાગતું વળગતું (વિ.) नाते रिश्तेदार, सगा सम्बंधी, बंधुजन, परिजन, कुटुम्बी, नातेदार, बांधव, सगोपी (नातमें) (वि.) देखो लागतुं।

લાગભાગ (સં.) बांटा, साझा, हिस्सा, सम्बन्धसे हक अथवा हिस्सा।

લાગલગટ-લાગટ (અ૦) फौरन, उसी समय, तुरन्त, जल्दी, तावडतोड़ तत्क्षण, तत्काळ, साथही साथ।

લાગલું (અ.) पूर्ववत।

લાગવું (ક્રિ.) लगना, स्पर्श होना, छूना, भासना, आनना, मालूम होना, सहना, बीतना, जरूरत होना, बहुत होना, जारी रहना, सुलगना, धधकना ज्ञात होना।

લાગ્યું ઠેકી લેવું (ક્રિ) सिरपर आई हुई आफत सहन करना, उठाना, सहना।

લાભેલાભેહીવાણી=लाभ हो या हानि हो मैं तो अपनी मनमानी करूंगा।

લાગુ (વિ.) લગાડુઆ, લગને યોગ્ય, જિસકા સમ્પર્ક હો, મિલતાહુઆ પ્રભાવ હોના, અસર હોના, (સં.) હક, કર, સંબંધ।

લાગુ રહેવું (ક્રિ.) અનુકૂલ હોના, ઠીક બૈઠના, ઢબ રહના। અનુયાયી રહના।

લાગુ થવું-પડવું (ક્રિ.) પીછા કરના, સમ્મિલિત હોના, ઉચિત હોના, ઠીક બૈઠના, યોગ્ય ઠહરના।

લાગે લાગ્યું ઘટે યુક્તિયુક્ત કામકો કરનેસે કઠિનભી સહલ બન જાતા હૈ।

લાગેલું (વિ.) લગાહુઆ, શરીરકે લગાહુઆ, ઇશ્કસે પુરુષ સ્ત્રીસે યા સ્ત્રી પુરુષસે લગી હુઈ।

લાગો (સં.) અખ્તયાર, અધિકાર, સત્તા, દાવા, હક, પ્રભુત્વ, સમ્બન્ધ, કર, ટૈક્સ, પૈંઠ, જકાત, લગાન, નાતા।

લાગોલાગ (અ.) બરાબર, ઠીક, ચાહિયે ઉતનાહી।

લાચાર (વિ) વિવશ, અશક્ત, નિરુપાય, નિરાશ, ગરીબ, પામર, દીન। [દીનતા।

લાચારી (સં.) વિવશતા, નૈરાશ્ય,

લાજ (સં.) રોગ વિશેષમેં (અજીર્ણમેં) નીમકે પત્તોંકો ક્ષારમેં મિલાકર હવેલી ઔર તુલ્ય પર ફેરી જાનેવાલી ઔષધિ વિશેષ।

લાજો (સં.) રેશમકી બડી આંટી, લચ્છા, ગુચ્છા, રેશમકા સૂત્ર સમૂહ।

લાજ (સં.) લજ્જા, શરમ, સં. કોચ, વ્રીડા, ત્રપા શર્મ, હયા, અદબ, મર્યાદા, ઇજ્જત, ટેક, માન, આબરૂ।

લાજ લાગવી (ક્રિ.) લજ્જા આના, સંકોચ હોના, શર્મ આના।

લાજ રાખવી (ક્રિ.) અદબ કરના, માન રખના, સંકોચ રખના।

લાજમ (વિ.) ઉચિત, યોગ્ય, મુનાસિબ, ઉપયુક્ત, લાયક।

લાજ મર્યાદા (સં.) સંકોચ ઔર વિનય, મર્યાદા ઔર શીલ, માન ઔર લજ્જા।

લાજવાળું (વિ.) નમ્ર, સુશીલ, વિનયી, લજ્જાશીલ, શરમદાર, લજ્જાલુ।

લાજવું (ક્રિ.) શરમાના, લજા જાના, સંકોચ કરના, ત્રોપા હોના, ઝેંપના।

લાલ (सं.) चांदसोंदी लीली, सेकडर फुलवे हुए चांवल, चांवलोंकी धानी, लावा, लीला, खोई, चावलका लावा।

-લાલગી (सं.) देखो लल्लभट्टी।

-લાલિમ (वि.) देखो लाल्य।

-લાલ્યો (सं.) देखो लल्लभट्टी।

લાલવું (सं.) पूर्ववत् (वि.) देखो लाल्याणुं।

લાલ્લુલાડી (सं.) देखो लल्लभट्टी।

લાવ-ઠ (सं.) प्राचीन कालमें एक प्रदेश विशेष सूत कातनेकी मशीनका धुरा विशेष, गाडीका धुरा, तेल निकालनेकी घानीका लंबा खड़ा हुवा लकड़, लकडी डण्डा, सोटा, लठ, लहर, तरंग, हिस्सा, भाग।

લાવણ્ય (सं.) अधिक परिमाणमें विशेष रूपमें, अत्यंत।

લાવાનુપ્રાસ (सं.) एक प्रकारका शब्दालंकार, वाक्यमें बारबार उसी शब्द या अक्षरकी वही अथवा दूसरा अर्थ बताते हुए पुनरुक्ति, चमक।

લાવી (सं.) जहां जलानेका काष्ठ बिकताहै, लकडियोंका टाल, बखाड़ा।

લાવી (सं.) देखो लावी, गोरी लड़की बछेरुडा, लडेरा, लडेरूं।

લાવ (सं.) प्यार, प्रेम, दुलार, लोड।

લાવલાવવું (कि.) खिलाना, मनोरंजन करना, प्रेम प्रदर्शन करना, दुलारना। [विशेष]

લાવ (वि.) बेरवोंकी एक जाति,

લાવકું-કું-વાયું (वि.) प्यारा, दुलारा, लाडला, प्रिय।

લાવકાલાડ (सं.) यज्ञोपवीत अथवा विवाह संस्कार आदिमें नातेरिस्तेदारोंकी तरफसे जो मिठाई के लिये नकद दाम जो वर कन्या को भेट होते हैं।

લાવકું (वि.) देखो लावकुं।

લાવધેલું (वि.) लाडके कारण उन्मत्त, लाड़प्यारसे बिगड़ाहुआ।

લાવધેલું (वि) पूर्ववत्।

લાવલાવવું (कि.) प्रेम करना, दुलारना, प्रीति पूर्वक खिलाना।

લાવડી (सं.) लाडमें रखीहुई, प्यारी, दुलारी।

લાવવાયું (वि.) देखो लावकुं।

લાવવું (कि.) प्यारकरना दुलारना।

લાવવો (सं.) लड्डू; मोदक, मिठाई विशेष।

લાડી (સં.) પ્યારી, લાડલી, દુલ્હિન, નવવધૂ, વહૂ, કન્યા ।

લાડીલે-ડીલે (વિ.) પ્યારમેં બિગડાહુઆ લડકા યા પુરુષ ।

લાડુ (સં.) લડ્ડૂ, મિઠાઈ વિશેષ મોદક, લાભ, ફાયદા, અંગિયાપર રેશમ કિનારીકી ગોલાકૃતિ ।

લાડો (સં.) વર, બીંદ, દુલ્હા, લાડા, પ્યારા, નૌસા, અનેક પ્રકારકે સાંસારિક સુખભોગનેવાળા પુરુષ ।

લાણી (સં.) કાટની (ફસલ), ગીત ગાનેવાલી સ્ત્રિયોંકો પુરસ્કાર વિશેષ ।

લાત (સં.) પદાઘાત, પૈરકામાર, ઠોકર, ચોટ, કિક ।

લાતખાવી (ક્રિ.) ઠોકર સહના, સહન કરના ।

લાતમારવી (ક્રિ.) ઠોકર મારના, ઠગના, હાની પહુંચાના, ધિક્કરના

લાદી (સં.) કોઠી, ફેક્ટરી, ગોદામ સ્ટોર, ભંડાર કોઠાગાર ।

લાદ (સં. લીદ. હાથી ઘોડે ઔર, ગદંભ આદિ પશુઓંકા વિષ્ટા ।

લાદવું (ક્રિ.) ભરના, બોઝના, ભારભરના, લાદના ।

લાદી (સં.) ફર્શબંધી, ભૂમિપર જમાયે હુએ સમાન પત્થર ।

લાધવું (ક્રિ.) ભાર લાદના, વજન રખના, હોના, ઉત્પન્ન હોના, તૈરતે હુએ જલ્યાનકા પાની થોડા હોનેકી જગહ ભૂમિમેં લગજાના, ટકરાના, ઠહરાના, હાથ લગના ।

લાનત (સં.) ધિક્કાર, શર્મ અપમાન, નફરત । [ખોલ, તમાચા ।

લાપટ (સં.) થપ્પડ, ચપત,

લાપડું (વિ.) ઢીલા, લચપચા ।

લાપન (સં.) રચનાકા પદચ્છેદ કરકે સમઝાના, અર્થકા જ્ઞાન કરના, રચના ।

લાપસી-પ્સી (સં.) સિકા હુઆ આટા જિસમેં ઘી ઔર શક્કર મિલા હુઆ હો, મિષ્ટાન્ન વિશેષ, કસાર, લાપસી, કમ ઘીકા પતલા હલુવા, થૂલી ।

લાપી (સં) કાચ જમાનેકા મસાલા વિશેષ, તેલ ઔર સંખ્યાકા મિશ્રણ ।

લાપોટ (સં) દેખો લાપટ ।

લાપ્રિયું (સં) ઐસા ગુમડા (ફોડા) જિસસ ગાલ સૂજ આવે ।

લાલાલાલ (સં.) ફુજૂલ ખર્ચી, બરબાદી, અપરિમિત વ્યય, ઉડાઉપના ।

आहोवेऽा (सं.) पूर्ववत् ।
आड़ो (सं) अतिव्ययी, फ़ज़ूल खर्च करने वाला व्यक्ति, द्वारया खिड़की बन्द रखनेके लिये आड़ी लकड़ी, रोक, आड़ आगल ।
आणड़ी (सं.) देखो आवरी ।
आणरूं (वि.) नाजुक, सुकुमार, कोमल ।
आणुं (सं.) पत्ता विशेष ।
आभ (सं.) प्राप्ति, नफा, मुनाफा, फायदा, पाना मिलना, सूद ।
आभ आपवो (क्रि.) बदला देना, लाभ देना ।
आभ लेवो (क्रि.) मुनाफा, उठाना, फायदा उठाना । [लाभप्रद ।
आभकारी (वि.) फायदे मन्द,
आभपांचम (सं) कार्तिक शुक्ला पंचमी, सौभाग्य पंचमी ।
आभवुं (क्रि) फायदा होना, मिलना, लाभदेना, प्राप्त होना ।
आभालाभ (सं) हानि-लाभ, नफा नुकसान, फिजूल खर्ची, अपव्ययता ।
आभेछालाभ (सं.) गणना करते समय शुभसूचक रूपमें एकके लिये यह वाक्य प्रयोग करते हैं । रामा हैजी रामा है । वरकत्तकी वरकत्त ।
आभ्यु दीयो (सं.) एक प्रकारका दीपक जिसे विवाह समय वरकेकी माता अपने हाथमें लेकर सब स्त्रियोंके आगे आगे चलती है ।
आभ (सं.) आगकी लपट, ज्वाला, लौ, एक प्रकारका रेशमी वस्त्र, चाटना ।
आभक (वि.) योग्य उचित, सुनासिब, पात्र, काबिल, उपयुक्त । घटित, तदनुसार । शक्ति संपन्न ।
आभकी (सं.) योग्यता, काबिलियत, औचित्य, शक्ति, गुण ।
आभकी वाणुं (वि.) विनयी, नम्र, सुशील, सुपात्र सुयोग्य ।
आभरी (सं.) शेखी, गर्व, दंभ, घमण्ड, अकड़, अहंकार, आत्मश्लाघा, हेकड़ी, बड़ाई ।
आभरेषा (सं.) काठिनाई, दिक्कत । [कठिनतासे ।
आभ लेपाठवी (अ.) मुश्किलसे,
आर (सं.) कतार पंक्ति, लाईन ।
आरी(सं.) रक्षा गाड़ी, ठेला गाड़ी ।
आरूं (सं.) कंटीली झाड़ी, झाड़, जंजाल, झोल, जटा, झुकाव, झुंड ।

आरे (अ.) पीछे, बाद, संग, लगातार।

आरेा-ऱ्या (सं.) चमकता हुआ अंगारा, अंगारा (आगका) ।

आल (सं.) रंगीला, बांका, इश्की, छैल, लाल रंगका पक्षी विशेष, गोसाईंजीका लड़का । रत्नविशेष, मूल्यवान लाल पत्थर, लालमणि, (वि.) रक्तवर्ण, लाल रंगका ।

आलच (सं.) लोभ, तृष्णा, चाह, इच्छा, अभिलाष, लालसा, आकर्षण ।

आलच धरणी (क्रि.) इच्छा करना, आश करना, लोभ करना ।

आलच आवणी (क्रि.) लोभ देना, लुभाना ।

आलचट्ट (वि.) अत्यंत लाल, सुरखुर्ख, कसुंमेके वर्णका ।

आलचु (वि.) लोभी, लालची, पेटू ।

आलजोण (वि.) देखो आलचट्ट ।

आलजी (सं.) कृष्णके बाल रूपकी धातु निर्मित मूर्ति, बालकृष्णकी प्रतिमा ।

आलन (सं.) प्रेमपूर्वक पालना, पोसना, पालन करना, पोषण करना ।

आलनार्थ धरणी (क्रि.) जगाना, आग लगाना, धिक्कारना ।

आलभलाल (वि.) गाढ़ेरालाल, रक्तवर्णका, चित्त तथा नेत्ररंजक ।

आलसा (सं.) इच्छा, मनोरथ, अभिलाष, तृष्णा, इच्छित, लोभ ।

आला (सं.) एक प्रकारका पौधा, पुष्प विशेष, बांका, छैला, अलबेला ।

आलाई (सं.) छैलापन, शेखी ।

आलाजी (सं.) देखो आलजी ।

आलाश (सं.) ललाई, अरुणता ।

आलित्य (सं.) सुंदरता, मनोहरता, रमणीयता ।

आलिये। (सं.) भंगी, नीच, शूद्र ।

आली (सं.) ललाई, सुर्ख़ी, रक्तिमा, घंटीके बीचका लटकन ।

आव (सं.) देखो आवे। [आवश्य ।

आवश्यता-ताई (सं.) नम्रता देखो

आवणी (सं.) एक प्रकारकी काव्य रचना, छन्दविशेष ।

आवणीपत्र (सं.) चालू वर्षका आसामीवार लेनेकी सूची ।

आवश्य (स.) सुन्दरता, शरीरकी स्वाभाविक प्रभा जिससे सुन्दरता पैदा होती है, पानीका माधुर्य्य सफाई ।

आवरी (सं.) एक प्रकारका पक्षी ।

आवरं (सं.) कुत्तेका भूसना, क्रोधयुक्त शब्दोंका उच्चारण, कुत्तेका गर्ज्जन ।

ઢાવણાર (સં.) ફૌજદાર, સૈન્ય।
ઢાવવું (ક્રિ.) ખાના, પાસકેખાના। બન્દ કરના। [કોની।
ઢાવી મુકવું (ક્રિ.) ઉચિતસ્થાનસે
ઢાવું (સં.) અચ્છે અવસરપર અપની જાતિકે સમસ્ત લોગોંકો સમાન કીમતકી ઔર એકસી વસ્તુ ભેટ કરના। હર્ષ ઉપલક્ષમેં સબોંકે એકસી વસ્તુ દેના।
ઢાવો (સં.) ઇચ્છા, વાંછા, મનોરથ ઇચ્છિત આનંદકરી ભોગ।
ઢાસ-શ (સં.) મુર્દા, શવ, લોથ, પ્રેત, પ્રાણહીન શરીર।
ઢાહબવું (ક્રિ.) ખરાબ હોના, નષ્ટ હોના, પૈમાલ હોના, ધ્વંશ હોના।
ઢાસ (વિ.) પહિલા, અવ્વલ, નુકસાનમેં પડા હુઆ।
ઢાસરિયું (વિ.) જો અપના કહા પૂરા નહીં કરે, ચંચલ, અધીર, બે ઠિકાના।
ઢાહ-ગ (સં.) આગ, અગ્નિ, શોલા, અંગાર, ચિંગારી। ભૂખ, ક્ષુધા, કડાકેકી ભૂખ રેશમી વસ્ત્ર વિશેષ।
ઢાહાણી-ણું (સં.) વસ્તુઓંકા બંજારા, વાહના, લાવના।
ઢાહડ (સં.) ડીક, વિક્રમ।
ઢાહરિયો (વિ.) ડીકા આવશ્યક કરને વાલા, મુસ્તૈ।
ઢાહર (સં.) કતાર, પાંતિ, પંક્તિ।
ઢાહારો-રી(સં.)ચમકતા અંગાર।
ઢાહી (સં.) લેહી, સ્યાહી, આટે અથવા મૈદાકો પાની મેં પકાકર બનાયા હુઆ, ચિપકના પદાર્થ।
ઢાહે-ગ (સં.) દેખો ઢાહ।
ઢાહેરી (સં.) લેખી, ઢોંગ, દંભ, પાખંડ।
ઢાળ (સં.) લાર, લાલ, રાલ, મુહકા ચિકના થૂક।
ઢાળગળવી-પાડવી (ક્રિ.) લાર પડના, લાર ટપકના, મુહ મેં પાની ભરના।
ઢાળિયું (વિ.) જિસ કે મુહસે લાર ટપકા કરતી હો। એક પ્રકાર કા કીડા। પહિને હુએ કપડે લાર સેન બિગડને પાવેં ઇસ લિયે બાલક કે ગલે મેં બાંધા હુઆ એક કપડે કા ટુકડા। [બાન કી બોલ।
ઢાણી (સં.) કાનકા બીચકા ભાગ,
ઢાણો (સં.) આગકા ધધકતા હુઆ અંગારા।
ઢિંડી (સં.) ડેંડી, ચૂહા બકરી આદિકી બિષ્ઠા, મેંગન, મેંગની, કઠોરમલ।

लिंबडा (सं.) नीम, नीमका पेड़, यह दो प्रकार का होता है कड़वा और मीठा, मीठे नीम के पत्ते कढ़ी में डाले जाते है ।

लिंबु (सं) निम्बू, नींबू एक प्रकारका खट्टा गुणदायक फळ ।

लिंबुडी (सं.) नीबूका पेड़ ।

लिंबोड (सं.) पूर्ववत् ।

लिंबोडी-णी (सं.) निमोळी, नीमवृक्ष का फळ, एक प्रकार का तांबे का पात्र, स्वर्णाभूषण विशेष।

लिंबियुं (वि.) लीखें निकालने का छोटा कंघा विशेष, जू के अंडो को सिर के बालों में से खींच निकालने का एक प्रकारका कंघा ।

लिंग (सं.) चिन्ह, निशान, व्याकरण शास्त्र वर्णित पुल्लिंग स्त्रीलिंग और नपुंसकलिंग, महादेवकी गोल मूर्ति, सूक्ष्मता. सूक्ष्मदर्शत्व, पुरुष की मूत्रेंद्रिय, लंड, लौंड़ा ।

लिंगदेह (सं.) जीवात्माका सूक्ष्म शरीर, इस पार्थिव स्थूल शरीर से निकलकर जीव जिस शरीर में प्रविष्ट होता है वह शरीर, दश इंद्रिय पाँच प्राण मन और बुद्धि इनतत्वों से कल्पित जीव का सूक्ष्म शरीर ।

लिंगवासना (सं.) सैभोगकी इच्छा, मैथुन करने की चाह ।

लिंगायत-यती (सं.) एक धार्मिक पंथ विशेष, शिवलिंग चिन्ह धारी सम्प्रदाय विशेष ।

लिंटियुं (वि.) जिस के नाक से रात दिन रेंट बहता हो ।

लिथोग्राफ (सं.) शिलाछापखाना ।

लिथोग्राफी (सं.) शिळापर लिख कर मुद्रण करने की विद्या ।

लिपण (सं.) लीपने की रीति, वह जो कि लीपा हुआ हो । [पुता ।

लिप्त (वि.) लीपा हुआ, लिपा,

लिप्सा(स)इच्छा. चाह, ख्वाहिश ।

लिपवुं (कि.) लेपन करना, पोतना, लीपकर बिगाड़ देना ।

लिपि (स.) लेख, हस्त लेख, हस्ताक्षर, अक्षर, मूळाक्षर, दस्त खत, वर्ण चिन्ह, हुरुफ ।

लिपिधारा (सं.) लिपिका ज्ञान करानेवाळी पुस्तक, स्पेलिंग बुक ।

लिबास (सं) देखो लेबास

लिमडी-डो (सं.) नीम, निम्बवृक्ष, नीमका एक जाति विशेष ।

लिसोत्सव (सं.) चैत्र शुक्ला प्रति पदा के दिन शालिवाहन शक के नये वर्ष के प्रथम दिन नीमका रस पीना महत्सव में गिना जाता है ।

लिपाइत (सं.) बेगवत्ता, काम लिपत, तर्राज, हौसिला, बुद्धि ।

लिलछौंहुं (वि.) नीलता लिये, हरित वर्ण ।

लिलजभुं (सं.) देखो लिलामु

लिलम (सं) नीलम, कीमती पत्थर विशेष । [कपाल, पेशानी, मस्तक ।

लिलाट (सं.) ललाट, भाल,

लिलारा (सं.) बीज विशेष ।

लिलनेथु (सं.) एक प्रकारका घास जिसकी डलियाँ (टोकनी) बनती हैं ।

लिलरो (सं) आंखकी पुतलि में जरा बाहर दिखता हुआ लम्बा गोल चमड़ी का भाग, टना, बीज विशेष । [का पानी, मोया ।

लिलांपाणी (स.) हरापानी, भंग

लिलाभु (सं.) ऐसा मैदान जहाँ हरीघास उगीरहती हो, हरामैदान ।

लिलाम (सं) नीलाम, जो अधिक मूल्य दे वही मोलले सके ऐसा बेचने का ढंग विशेष ।

लिलाभुं (सं) चकत्ता, चिन्ह, चाबकी निशानी, दाग, हराचिन्ह ।

लिलालहेर-मेहेर (सं.) पूर्णसुख, पूर्ण आनन्द, महान समृद्धि, पर आनन्द ।

लिलावती (सं.) मणित विशेष, कामातुरा स्त्री, छिनाळ औरत, मस्त स्त्री, चिल बुली औरत ।

लिलाश्रस्ताश्र (वि.) मृत, मुर्दा, निर्जीव, अस्वस्थ, रुग्ण ।

लिलीधोडी (सं.) भंग, भाँग, बूटी (पौनेकी)

लिलीचाह-रे (सं.) एक प्रकारकी घास, हरीचाह (पेयपदार्थ)

लिलुंछम (वि.) गहराहरा, अत्यंत हरा, अतिशय हरितवर्ण ।

लिलुंभुं (सं.) अवनति और उन्नति, (वि.) हरा, (सूखी हुई) कठोरवस्तु, बुरे भले होनेका ।

लिलोकाळ (सं.) अति वृष्टि के कारण दुर्भिक्ष, पनिया काळ ।

लिलोतरी-नी (सं.) पृथ्वीपर हरे पौदे, वृक्ष आदि, शाक भाजी । हरी तरकारी ।

लिलोमेवो (सं.) हरा मेवा, ऐसे फलजो सूखे नहीं, हरेफल ।

लिसोटी (सं.) छोटालकीर, छेक ने कीलकीर, टिक मार्क ।

लिसोटो (सं.) बड़ी लकीर, छेका ।

लिस्ट (सं.) सूची, अनुक्रमणिका, टीप, याद ।

લીંટ (સં.) રેંટ, રીઠ, નાકકા ચમાદ ।

લીંપણ (સં.) દેખો લિપ

લીંપણું (ક્રિ.) દેખો લિપવું

લીટ (સં.) રેખા, ચિન્હ, પગદન્ડી, લકીર, હદ ।

લીખ (સં.) સિર કે બાળોં કી છોટી જૂઁ, જૂઁ નામક જીવ કે અણ્ડે ।

લીટ (સં.) દેખો લીંટ

લીટી (સં.) લાઇન, સતર, રેખા, લકીર પંક્તિ, પંગત, પાઁતિ, ચરણ (કાવ્યે) ચવન્ની કા સાંકેતિક શબ્દ, પાવ રુપયા ।

લીટી ખેંચવી (ક્રિ.) લકીર ખીંચના, રદ કરના, હદ ટહરના, નિશ્ચય કરના ।

લીટીદોરવી (ક્રિ.) પૂર્વવત્ ।

લીટો (સં.) બડ઼ી લકીર, લમ્બી મોટી રેખા ।

લીડી-લીંડી (સં.) મેંગન, મેંગની, શુષ્ક વિષ્ઠા, બકરી ચૂહે આદિકી વિષ્ઠા ।

લીડીપીંપર (સં.) લમ્બી પીપલ, ઔષધિ વિશેષ, છોટી પીપલ ।

લીડું-લીંડું (સં.) વિષ્ઠા, કઠોર મલ, કુત્તા ગધે ઇ॰ કા ગૂ ।

લીઢ (સં.) દેખો લીઢ

લીધું (ક્રિ.) લિયા, પ્રાપ્ત કિયા, હાસિલ ।

લીધે (અં॰) લિયે, અતઃ, અતએવ, એતદર્થ, ઇસ લિયે, ઇસવાસ્તે, ઇસ કારણ ।

લીન (વિ.) તન્મય, તત્પર, આસક્ત, ડૂબા હુઆ, મગ્ન । [વિશેષ ।

લીબું (સં.) નિમ્બૂ, નીબૂ, ફલ

લીમ-ડો (સં.) દેખો લિંબડો

લીમડે લાગવું (ક્રિ.) અસદ્ગતિ પાના ।

લીલ (સં.) કાઈ, સિવાલ, પાની કી હરી હરી રપટની કીચડ઼, કર્દમ ।

લીલપરણી (ક્રિ.) પહિલી લડ઼કી કો મરે એક વર્ષભી નહી હુઆ હો ઔર ઇસી બીચ દૂસરા વિવાહ કરના ।

લીલવણી (ક્રિ.) ધૂલધાની કરના, બિગાડ઼ ડાલના, ખરાબ કરના ।

લીલકંઠ (સં.) નાચ પક્ષી, નીલ કંઠ નામક પક્ષી, પક્ષી વિશેષ, શિવ, મહાદેવ । [બેહયા ।

લીલજ (વિ.) નિર્લજ્જ, બેશર્મ,

લીલજેવડો (સં.) નિર્લજ્જતા, બેશર્મી । [ઇત્યાદિ ।

લીલવણ (સં.) હરીયાલ તરકારી

લીલાવન (સં.) બચપન, લડકપન, બાલ્યાવસ્થા, શૈશવકાલ ।

લીલા (સં.) ક્રીડા, વિહાર, ખેલ, કૌતુક, વિનોદ, તમાશા, ઠાઠ, ચાલ, અવતાર, અવતારી કે કાર્ય, વિલાસ ચેષ્ટા. અનુકરણ ।

લીલાવસ્તારી (સં.) મરગચે, લાલ-મહો ગજે, લીલા સંવરણ ।

લીલાવ્હેર (સં.) દેખો લિલાવ્હેર

લીલીપીઠ (સં.) શાક બજાર, ભાજી બાજાર, વહ બાજાર જહાઁ શાક ભાજી બિકતા હૈ ।

લીલું (વિ.) હરા હરિત, ભીગા, ગીલા, તર, તાજા, સરસ, રસીલા।

લીલું કરવું (ક્રિ.) નયા કરના, ઉજાલના । [હરા ।

લીલુંછમ (વિ.) હરાકચ, બહુત

લીલાલાડતળેલું ભેજરે જેવું આળસી, સુસ્ત, કાહિલ, પરમુખાપેક્ષી ।

લીલાંપાણી (સં.) ભગ, ભાઁગ, માયા ।

લીલા સુકાનો વિચાર (સં.) જિસે લાભાલાભ, ધર્માધર્મ માન મર્ય્યાદા આદિકા ધ્યાન ન હો ।

લીલીબેાડી (સં.) હરીભંગ, ભાંગ, માજા, માદક પદાર્થ, નશેદાર વનસ્પતિ ।

લીલી મેાજ્યુ (સં.) ચલતાવસ્થા, તાજા કારબાર ।

લીલીવાડી (સં.) જવાની, યૌવનાવસ્થા, તારુણ્ય ।[લાભ કરના ।

લીલું કરવું (ક્રિ.) અચ્છા કરના,

લીલુંધડચણું (સં.) શોકીન ચુકાના ।

લીલું પીળું થવું (ક્રિ.) ક્રુદ્ધ હોના, બડા ભારી ગુસ્સા કરના ।

લીલું વાળવું (ક્રિ.) ફાયદા કરના

લીલે તેારલે (અં૦) આયે વૈસે હી, નિષ્ફલતા યુક્ત ।

લીલેા દુકાળ (સં.) અતિ વૃષ્ટિજનિત દુર્ભિક્ષ, પનિયાકાલ

લીસું (વિ.) ચિકના, સ્વચ્છ, સાફ, ચેપદાર, કોમલ, મીઠા, મધુર, ગપ્પી, અવિશ્વસ્ત ।

લીહ–ી (સં.) લાઇન, રેખા, લકીર, સીમા, હદ, હદ ।

લુંબી (સં.) વહ વસ્ત્ર જિસે નાપિત ક્ષૌર કારકે સમય ગોદીમેં બિછાતા હૈ । હજામત બનવાતે સમય, વહ કપડા જિસે નાઈ ગોદ મેં બિછાતા હૈ ।

લુંબી (સં.) પીછે લૌટના ।

લુંટ (સં.) લૂટ, અપહરણ, અપહાર, ડકૈતી, ડાકા, ચોરી ।

लुंटणु (कि.) देखो लुटणु ।
लुंटणिये (स.) डाकू, ठग, चोर लुटेरा ।
लुंड (स) पति, स्वामी, धनी, खसम (वि.) भारी, जबरा बलवान ।
लुंडो (स.) पूर्ववत् ।
लुंडी (सं.) लौंडा, दासी, बांदी, सेवक (स्त्री) गृहकार्य के लिये मोलली हुई (स्त्री) [पिण्ड ।
लुंडो (स.) लौंदा, लला, घोंघा,
लुंभ (स.) झब्बा, गुच्छा, झुमका लम ।
लुअ (स) आटेका गोला विशेष, लु।
लुअो (सं.) गेहु या बाजरा के आटे का बनाया हुआ गोला विशेष, लोआ, औरत की छाती ।
लुअ-अ (सं.) गरम हवाका झोंका ल, लूलगजाने की बीमारी ।
लुअरी लुअस (सं.) खुजली,खाज, रोग, विशेष । [हीका हुक्का ।
लुअिणु (सं.) एक प्रकारका मि-
लुअ्अु-लुअु (वि.) बिना चुपड़ा हुआ, रूखा, शुष्क, रुक्ष, चिकनाई रहित, शाक भाजी बिना भोजन, तेज कांतिहीन मुख, धनहीन, द्रव्य शून्य ।

लुअडा (सं.) वस्त्र, पोशाक, कपड़े ।
लुअडालत्तां (सं.) कपड़ेलत्ते ।
लुअडु (सं.) कपड़ा, वस्त्र, वसन, लूघड़ा, ओढनी, फरिया, चीर, साड़ी, (स्त्रियोंका) आच्छादन वस्त्र ।
लुअडी (सं.) गीलोगोली, लुच्ची ।
लुअन (सं.) कोष, भण्डार, डिक्शनेरी ।
लुअ्आइ (सं.) बदमाशी, कुकर्म, अन्याय, दुराचार दुष्टता ।
लुअ्अु (सं.) कुकर्मी, लुच्चा, पाजी, उच्छृखल दुष्ट, चालाक, ठग, छली ।
लुअछिअु (स.) रुमाल, तौलिया, साफी, अंगोछा, अंग इत्यादि पोंछनेका वस्त्र ।
लुअणु (कि.) कपड़ेसे रगड़ मसल कर साफ करना । ठगना, छिनना निकाल देना ।
लुअपुअ (सं) तोड़ फोड़ करके लूटना छीनाझपटी, लूट खसोट । धामधूमकी लूट ।
लुअणु (कि.) बलात्कार पूर्वक छीनना, बल से अपहरण करना, जबरदस्ती से ले लेना । लूटना, ठगना, डाँका मारना, चोरी करके आनंद लेना ।

ખુટાણે (વિ.) ક્ષુધા દુખા, લટને ચોગ્ય, બિના માલિકકા માલ।

ખુટારો (સં.) લૂટનેવાલા, લુટેરા ઠગ।

ખુટાખુટ (સં.) ઇધરસે ઉધર લૂટમાર, નિર્ભયતા પૂર્વક લૂટ ખસોટ।

ખુટાવવું (ક્રિ.) લુટાના, ગંવાના, ખોના, ઉડાના, દે દેના, બરબાદ કરના।[કે માલમત્તા છીન લેના।

ખુટવું ખસાડવું (ક્રિ.) લૂટમાર

ખુણ (સં.) નમક, લવણ, નોંન, નિમક, ખારા, ક્ષાર, ક્ષાર, ઉપકાર, અહસાન, અનુકમ્પા।

ખુણોતારવું (ક્રિ.) રાઈનોન કરના નજર ઇત્યાદિ ઉતારને કે લિયે ખોરાહે કી મિટ્ટી, રાઈ, નમક ઔર મિર્ચી રોગી વ્યક્તિ કે સિર પર સે ઉસાર કે અગ્નિમેં ડાલના। ખકડી કા અગ્ર ભાગ ખરા કાટકર ઉસ મેં ગડ્ઢે કરકે ઉસ કાટે હુએ ભાગ સે ઘિસકર ઝાગ પૈદા કરકે ઉસ કા પિત્ત નિકાલના।

ખુણ્યાં (સં.) ખકડી મેં નમક ઇત્યાદિ મિલાકર બનાયા હુઆ પદાર્થ વિશેષ।

ખુણહરામ (વિ.) નમક હરામ, કૃતઘ્ન, અનુપકારી, નીચ, દુષ્ટજન।

ખુણહરામી (સં.) કૃતઘ્નતા, નમક હરામી।

ખુણી (સં.) એક પ્રકાર કી હરી ભાજી, તરકારી વિશેષ। શાક વિશેષ। [સે ક્ષુ નિકલતા હૈ।

ખુણો (સં.) વહક્ષાર જો દીવારોં

ખુણો લાગવો (ક્રિ.) દીવારોં પર ક્ષાર દૃષ્ટિ આના।

ખુપ્ત (વિ.) નષ્ટ, વિધ્વસ્ત, આંખોં કી ઓટ, અદર્શન, બીચમેં સે કાટા હુઆ (અક્ષર, શબ્દ ઇત્યાદિ)

ખુપ્તોપમ (સં.) અલંકાર વિશેષ

ખુબ્ધ (વિ.) લોભી, સ્વાર્થી, સતૃષ્ણ, તૃષ્ણાયુક્ત, અભિલાષી, લોલુપ, ધનાર્થી, ઇપ્સુ, લંપટ।

ખુબ્ધક (સં.) શિકારી, વ્યાધ, બહેલિયા, મૃગયાર્થી।

ખુબ્ધાવું (ક્રિ.) લુભાના, મોહિત હોના, ચલચમેં પડના, તૃષિત હોના। [ક્ષુમકા।

ખુભ-ખુભ (સં.) ચબ્બા, ગુચ્છા,

ખુભો-ખો (સં.) પૂર્વવત્, લાભ। ફાયદા, મુનાફા।[લૌંડી, બાંદી।

ખુલરી (સં.) દાસી, ટહલની।

ખુલી (સં.) જીભ, જિહ્વા, જબાન।

ખુવાણી (સં.) રાજપૂત જાતિ વિશેષ કી સ્ત્રી।

लुचाई (सं.) राजपूतों की एक जाति विशेष। [निर्बल।
लुंजु (वि.) लंगड़ा, लूला, पंगु,
लुहार (सं.) लोहेका काम करने वाले लोग, लोहकार, लुहार, लोहार, जाति विशेष, पक्षीविशेष।
लुआ (सं.) देखो लुअो। [खाना।
लुक लुक (अ०) जल्दी जल्दी में
लुअ (वि.) थका, श्रमित, श्रान्त, ढीला।
लू (सं.) गरम वायुका झोंका, ग्रीष्म ऋतुकी तप्त हवा। लू से आया हुआ ज्वर।
लूट (सं.) चोरी, अपहरण, अपहार, डकैती, डांका,।
लूटणु (क्रि.) उलट पुलट करना, गड़बड़ करना।
लूण (सं.) देखो लुण।
लूली (सं.) देखो लुली।
लूलु (वि.) देखो लुलु ।[पत्तो।
लूलुपता (सं.) खुशामद, लल्लो-
लेंबणु (क्रि.) लटकना, टंगना, झूलना। [लना।
लेंबावणु (क्रि.) (स्वर) मि-
लेंबो (सं.) लटक, लचकनेकी रीति।

लेखणु (क्रि.) कुछ लंगड़ाना, लचकर चलना, लंगड़ाकर चलना। [लेखो।
लेंघो (सं.) छोटा पजामा (व-
लेंघो (सं.) बड़ा पायजामा, सूथन सूतना, पजामा।
लेंभी (सं.) गेहूं की पतली रोटी, चपाती, फुलका, एक प्रकार की अच्छी रोटी।
ले (सं.) देखो लेह [मगर।
लेकीन (अ०) परन्तु, पर, किंतु,
लेख (सं.) लिखन, लिखित, प्रबंध लिखतंग, रचना, लिखावट, करार भाग्य, किस्मत, हस्ताक्षर।
लेखक (सं.) लिखनेवाला मनुष्य, लिपिकर, ग्रंथकर्ता, नकल नवीस।
लेखणु—नी (सं.) कलम, लिखने का साधन।[लिखावट, लिखना।
लेखन (सं.) लिपि, लिखाई,
लेखनकला (सं.) लिखनेकी विद्या, लिपि विद्या।
लेखन पद्धति (सं.) लिखनेका ढंग, लिखनेकी रीति।
लेखपत्र (सं.) इकरारनामा, हस्तलेख, पतिज्ञापत्र, हस्तलेख।

લેખ પ્રમાણ (સં.) લિખા હુવા સુબૂત, લિપિબદ્ધ પ્રમાણ ।

લેખવવું–વું (ક્રિ.) ગિનના, માનના સમઝના, પરવાહ કરના, હિસાબ મેં લેના, લેખા કરના । [પંક્તિ ।

લેખા (સં.) રેખા, સતર, લકીર,

લેખા વઢિયો (સં.) ગણિત, જોશા, ગણક, હિસાબી, ગણિતજ્ઞ ।

લેખિની (સં.) કલમ, પેન ।

લેખું (સં.) ગિનતી, હિસાબ, લેખા પ્રમાણ, લેખ, લિખિત ।

લેખે (અ॰) હિસાબસે, રીતિ સે, પ્રમાણપૂર્વક, અનુસાર, મેં, પર, સે, ઓર ।

લેખે લાગવું (ક્રિ.) હિસાબ મે આના, ગિનતી મેં આના, કામ મેં આના ।

લેગત–ગ્ત (સં.) દેખો લેહેગ્ત

લેગ્ને (સં) દેખો લેહેગ્ને

લેગ્મ (સં.) એક પ્રકારકા જંજીર યુક્ત ધનુષ જો કસરતિયોં કી કસરત કે કામ મેં આતા હૈ ।

લેટવું (ક્રિ.) લેટના, સોના, શયન કરના, આરામ કરના, વિશ્રામ લેના, સૂતના, નીચે સોનાના ।

લેણ (સં.) લેના, લેને યોગ્ય, ઉધાર કર્જ (દિયા હુવા લેના) ચિઠ્ઠી ઉપ્પે કે લેખમેં એક પ્રકારકા ભાવ । (વિ.) લેનેવાલા ।

લેણદેણ (અ॰) વ્યવહાર, વ્યાપાર ।

લેણદાર (સં.) લેનેવાલા, ઋણદિયા હુવા વાપિસ લેનેવાલા, દેને લેનેકા વ્યાપાર કરનેવાલા ।

લેણદેણી (સં.) લેનદેન, વ્યવહાર, વ્યાપાર, ઋણાનુબંધ, પ્રીતિભાવ ।

લેણિયાત (સં.) માંગનેવાલા, કર્જ દેનેવાલા, સાહૂકાર ।

લેણું (સં.) લેના, ઋણદિયા હુવા દ્રવ્ય પીછા લૌટાના, સુખ કારક સમ્બન્ધ પ્રીતિ, ગણના ।

લેપ (સં. પોતનેકી વસ્તુ, મરહમ, મલ્હમ, ચોપડ, પલસ્તર ।

લેપડી (સં.) દરદપર બાંધનેકી કિસી વસ્તુકી ઢુગડી, પુલટિસ ।

લેપન (સં.) લેપ કરના, પોતના, ચુપડન પલસ્તર કરના ।

લેપવું (ક્રિ.) લેપના, પોતના, ચુપડના, લેપન કરના, ઢાંકના ।

લેપો (સં.)લગાહુઆ કીચડ, લિપટી હુઈ કીચ, (પૈરોં યા જૂતો ઇ. કા)

લેબાસ (સં.) પહિરાવા, પોશાક, લિબાસ, પહિનને ઓઢનેકા વસ્ત્ર ।

લેભાડુ (વિ.) ઇધરઉધરસે ઠુકરા-કર અપના કહકર બતાને વાલા, દૌડ ધૂપ કરનેવાલા, લેકર ભાગ જાનેવાલા ।

લેમેલ (સં.) મૃત્યુકી તય્યારી, પૃથ્વીપર ઉતાર લેના, જિસકે પ્રાણ નિકલનેકી તય્યારી હોતી હૈ ઉસે ચારપાઈ પરસે ભૂમિપર ઉતારના, જલ્દી તય્યારી । [ફલોંકા ગુચ્છા ।

લેરખું (સં.) વૃક્ષપર લટકતે હુએ

લેલાટ-ટ્ટ (સં.) કપાલ, ખોપડી, માથા, માળ, કલાટ ।

લેલાડ (સં.) પૂર્વવત્ ।

લેલાર (વિ.) બહુત, અધિક, અતિશય, વિશેશ, અત્યંત ।[પક્ષી ।

લેલા (સં.) એક જાતકા નીલા

લેલુદ (વિ.) બહુત, પુષ્કળ, ઘના ।

લેલુસ (સં.) જલ્દી, ઉતાવળ, શીઘ્રતા ।

લેલૂર (સં.) દેખો લેલાર ।

લેલે મલવું (વિ.) દુર્બલ, નિર્બલ, બેહાલ । [વિશેષ ।

લેલો (સં.) એક પ્રકારકા ઔજાર

લેવટા-ટી (સં.) છોટી મછલિયાં ।

લેવડ (સં.) વ્યવહાર, સમ્બન્ધ, લેન દેન, દિયા હુઆ ઋણ વસૂલ કરના ।

લેવડદેવડ (સં.) દેખો લેવડલેવ ।

લેવડિયા (વિ.) છિનાલ, વ્યભિચારી, લંપટ, પરપુરુષગામિની ।

લેવાઈવું-લેવાવું (ક્રિ.) શરમાના, ઝુકજાના નમના ।

લેવાદેવા (સં.) લેન દેન, વ્યાપાર, વ્યવહાર, સમ્બન્ધ ।

લેવાવું (ક્રિ.) સેંપના, શરમાના લજ્જિત હોના, અપમાન હોના, દુર્બલ હોના, અધિકાર મેં રખના ।

લેવું (ક્રિ.) લેના, ગ્રહણકરના, અધિકારમેં કરના, પકડના, પ્રાપ્ત કરના, સ્વીકારના, અન્દરલેના, મિલાના, ખાના, પીના, પ્રાશન કરના, ખેંચના, ભાવ ઠહરના, ગિનના, ગણના કરના, ધારણ કરના, લગના, બુલા જાના, હરના, રહિત કરના, નાશ કરના, ખરીદના, પાસ લાના, ધમકાના, લિખના, નોટ કરના, લેજાના, બોલના, ઉચ્ચારણ કરના, આરંભ કરના, મિલાના । [રાના ।

લેવું મેલવું (ક્રિ.) ઢેરના, બચ-

લેવું લેવું (ક્રિ.) અપનેપાસ રખના, સંગ્રહ કરના ।

દેખવું (ક્રि.) કે માગના કુબ-દેખના ।
દેને ગઈ પુતને ખેલ આવી આસમા-પીવેકી ગયે કુમ્ભેકી હોને રહ ગયે કુમ્ભેકી, બેટા દેને ગઈ પરંતુ કસ-મમી દે આઈ ।
દેનેકુ હાહા ને દેનેકુ પત્થર-દેનેકો હાં હાં ઔર દેનેકો ઈતશ્રી ।
દેવુદેવું (સં.) દેવદેવ દેખો ।
દેવ (સં.) અલ્પ, લઘુ, થોડા, સ્વલ્પ, અલ્પલ્પ, લવ, માત્રા, કુછ, (અ.) થોડાક, બિલકુલહી ।
દેવમાત્ર (અ૦) થોડાહી, જરાસાહી ।
દેવ (સં.) ચાટના, ચટની પ્રીતિ, લય, ધ્યાન ।
દેવેડાવવું ' સં.) બઢાના, ચઢાના, (સ્વર) । [હવા, મંદ, મંદવાયુ ।
દેવેડી (સં.) હલ્કી યા ધીમી
દેવેડા (સં.) ચાલ, ઢંગ, હરકત, ગતિ ।
દેવેન્નત (સં.) રસ, મજા, આનન્દ ।
દેવેન્ને (સં.) લવ, પલ, ક્ષણ, નિમેષ, લહમા, સેકણ્ડ ।
દેવેષું (સં.) ઇચ્છિત, ચાહી, ધન, દેય ।
દેવેરું (વિ.) ધીમા, મંદવાયુ ।
દેવેલીન (વિ.) લીન, તન્મય ।
દેવેવાવું (ક્રિ.) બતાના, સમઝાના ।
દેવેવું (ક્રિ.) સમઝ ચારના, સમ-ઝના, જાનના, માલૂમ કરના ।
દેવેા (સં.) દેખો દેવેા ।
દેવેડી (સં.) ભેમડી, ભેમા, એક જંગલી જાનવર વિશેષ ।
દેવું (વિ.) ધનવાન, પૈસેવાલા ।
દેવેા (સં.) દૃઢકદ્ર, બલવાન, તગડા, મજબૂત, બલવાન, વીર, પતિ, ખસમ, સ્વામી, હોસિયાર, ચાલાક ।
દેવેી (સં) દાસી, ચાકરી, નૌકરની ।
દેવેા (સં.) દાસ, સેવક, ગુલામ, મોલ લિયા હુઆ પુરુષ ।
દેવેીપુત્રેા (સં.) લૌંડીસે ઉત્પન્ન પુત્ર, દાસીપુત્ર ।
દેવેા (સં.) પિણ્ડા, મિટ્ટી આદિકા પિંડા, ઢેલા, લુગદા, ધોંધા, પિ-ડોળા, ગોળા, ગીલે પદાર્થકી બડી લુગદી । (વિ.) ઢીલા, નર્મ ।
દેવેરી (સં.) ઝલકા બહુમૂલ્ય વસ્ત્ર ।
દેવેક (સં.) ભુવન, દ્વીપ, મનુ-ષ્યોંકા વાસ સ્થાન, કૌમ, પ્રજા, જાતિ, લેાગ, જન, મનુષ્ય, ખલકત વર્ગ, મંડળી, જગત, દુનિયા ।
દેવેકકથા (સં.) દન્તકથા, ગપ્પપુ-રાણ, અજાની બાતચીત, બે પ્રમાણ બાત ।

લોકચર્ચા (સં.) બાજારૂ ગપ્પ, સાધારણ વાત, અફવાહ, કિમ્વદન્તિ । [વર્ણ (કવિતામેં) ।

લોકડિમાં (સં.) સાધારણ લોગોંકા

લોકપ્રસિદ્ધ (વિ.) વિખ્યાત, મશહૂર, પ્રગટ, જગત્ પ્રસિદ્ધ । [પ્રિય ।

લોકપ્રિય (વિ.) સર્વપ્રિય, જગત

લોકપરંપરા (સં.) રૂઢિ, રીતિ, રસ્મ, લોકપરંપરા ।

લોકમત-વાણી (સં.) લોગોંકે વિચાર, કહાવત, મિસાલ ।

લોકરૂઢિ (સં.) લોક વ્યવહાર, સાંસારિક વર્તાવ, પ્રચલિત રીતે ।

લોકલાજ (સં.) જનતામેં શર્મ, સંસારકા શર્મ, આબરૂ । [કથા ।

લોકવાયકા (સં.) જનકથા, દંત-

લોક વ્યવહાર (સં.) લોકરૂઢિ, લોકાચાર, રીતિ રિવાજ ।

લોકાંતર (સં.) અંતર, વૈચિત્ર્ય, ભેદ, પરાયાપના, અન્યત્વ ।

લોકાચાર (સં.) દેખો લોકવ્યવહાર ।

લોકાપવાદ (સં.) નિંદા, બુરાઈ, અપવાદ ।

લોકાંતિક (સં.) કિસીકે મૃત્યુ સમય-પર ઉસકે કુટુમ્બિયોંકે સાથ શોક પ્રદર્શિત કરનેકે લિયે જાના ।

લોકાલોકી (અ.) મુહંસે, અફવાહી । [વાદી ।

લોકોત્તમત (વિ.) નાસ્તિક, અનીશ્વર

લોકોત્તર (વિ.) સાધારણ લોગોંકે વિચારોંસેભી પરે, બહુત ઊંચ, બહુત સરસ, પરલોક ।

લોકોપકાર (સં.) કલ્યાણ, દૂસરોંકી ભલાઈ, પરકલ્યાણ, દૂસરોંકા ઉપકાર । [વિશેષ ।

લોખંડ (સં.) લોહ, લોહા, ધાતુ

લોખંડી (સં.) લોહ નિર્મ્મિત, લોહેકા બનાહુઆ । [બોલે ।

લોચક (સં.) સ્તન, થન, કુચ,

લોચ (સં.) અપને હાથોં અપને બાલ ઉખાડ઼ના (જૈનધર્મ) ।

લોચન (સ.) મોચન, ઉખાડ઼ના, દૂરકરના, નોંચના, છૂટ, છૂટના, આંખ, નેત્ર, નયન, ચક્ષુ, જ્ઞાન ।

લોચના (સં.) બેચૈની, વ્યાકુલતા, ચાંચલ્ય, નિદ્રા, તકલીફ, કષ્ટ, ક્લેશ । [ચાહના, ભટકના ।

લોચવું (ક્રિ.) આતુરતા પૂર્વક

લોચો (સં.) ઝગ્ગદ, લુગદા, ઢેર, ઉલટાસીધા, ગડબડ, હુકલના, તુતલના । તકરાર ।

બોબાવું (ક્રિ.) લિપટના, ચપ-રાના ।

બોર (સં.) આટા, ચૂન, ચૂર્ણ, (વિ) આટેકે સમાન બારીક ।

બોરડો (સં.) મટ્ટીકા બર્તન વિ-શેષ ।

બોરસુ (સં.) એક પ્રકારકા કબૂ-તર પક્ષી, કપોત વિશેષ, એક પ-ક્ષીકા એક જાતિ । [સલટા સીધા ।

બોરપોટ (વિ.) તડફન, પટકર,

બોરવું (ક્રિ) લોટના, લુડકના, તડ-ફના, છટપટાના, પટકના, પટકન ખાના, ગુલાંચખાના, સોના, દુર્બ્ય-સનમેં લિપ્ત હોના, નશહોના, આ-ધીન હોના ।

બોરિયો (સં.) બોહરા, મુસલમા-નોંકી એક જાતિ વિશેષ, (વિ.) સિરમુંડા હુઆ ।

બોરી (સં.) પાની પીનેકા છોટા પાત્ર વિશેષ, છોટા લોટા, છટિયા, ચપ્પી, ગડવી । [ગડવા ।

બોરો (સં.) લોટા, પાત્ર વિશેષ,

બોલ (સં.) ઝુલ્લા, હિંડોલા, તરંગ, લહર, તરગર ।

બોલવું (ક્રિ.) બોટના (કપાસ) કપાસમેંસે રૂઈ ઔર બિનોલે કિસી યંત્ર વિશેષ દ્વારા નિકાલના ।

બોલ (સં.) બોલ બાજુકે ઔજાર ।

બોલાની સડક (સં.) બોલકી પ-ટરી દાર સડક, રેલ્વે ।

બોલી (સં.) કઢાઈ, બોલકા તવા ।

બોલું (સં.) બોલ, છોલા, બાલ વિશેષ, ઉસ્તરા, ક્ષુર, છુરા ।

બોલ (વિ.) નિર્જીવ, નિસ્તેજ, ખરાબ, સુસ્ત, સુર્દા, મૂર્ખ, ઠઠ, અશક્ત, થકા, નિર્બલ, રસહીન, શવ, લાશ, મૃતદેહ, ઐસા મનુષ્ય જિસે ઉઠાના કઠિનહો, ચાર પાઈ, રથી ઠઠરી, સંગાતી । શવમાન ।

બોલપોલ (વિ.) થક કરકે ગીર પડા હુઆ ।

બોલડી (સં.) ભૂમલ અર્થાત્ ગર્મ રાખમેં સેકકર બનાઈ હુઈ રોટી ।

બોલવું (ક્રિ.) છટપટાના, તડફના ।

બોલારી (સં.) લંગર, નાવ યા જહાજકો ઠહરાનેકે લિયે વજન યુક્ત જંજીર ।

બોલિયું (વિ.) નિકમ્મા, વ્યર્થ, ખરાબ, ગયાબીતા, નિર્જીવ, નિર્બલ

બોલવું (ક્રિ.) ગૂંથના, માંડના, સાનના, ગૂંદના ।

ओघट (सं.) लोह नामक औषधि, एक वृक्ष विशेष और उसकी छाल, तेल इत्यादि डालकर सेंका हुआ गेहूंका आटा ।

ओघ (सं.) अदृश्य, अदर्शन, माया, विध्वंश, अगोचर, गुप्त ।

ओघपुं (क्रि.) उल्लंघन करना, नमानना, अवज्ञा करना, मिटाना, गायब करना । [दाश्त ।

ओघ्न (सं.) स्मरणशक्ति, याद-

ओंघरी (स.) कामली, कम्बल, लोही ।

ओघान (सं.) सुगन्ध युक्त द्रव्य विशेष जो धूपके लिये जलाया जाता है । एक वृक्षका गोंद विशेष, औषधि विशेष ।

ओघल (सं.) तृष्णा, लालच, इच्छा, ईप्सा, चाह, कांक्षा ।

ओघालपुं (क्रि.) लुभाना, सतृष्ण होना, ललचाना ।

ओघिलु-ळिष्ट, ओघी (वि.) लोभी, लालची इच्छुक ।

ओघ (सं.) रोम, रोंआं, रुंगटा, रोंगटा, पद्म, लोम ।

ओघ विघाघ (वि.) घसड़ पसड़ युक्त, संकल्प विकल्प वाला ।

ओघल (सं.) गोल चक्करमें होनी हाथ फैलाकर घूमना, गोल घूमि ।

ओघलट (सं.) झूमका, करन फूल, लटकन । [इप्सु ।

ओघलपी (वि.) लालची, लोभी,

ओघलशी (सं.) मनोहर चालवाली स्त्री ।

ओघा (सं.) जंभ, जिव्हा, जबान ।

ओघियुं-णियुं (सं.) बाल, ऊंची, गेहुके तर्जकी बाळें सिरेवा भुट्टे ।

ओघुप (वि.) मग्न, डूबा हुआ ।

ओघुं (क्रि.) देखो धुओघुं ।

ओघ (सं.) लोहा, धातु विशेष, लौह, लोष्ट सार ।

ओघ क्षांत (सं.) लोहके भेळसे बनी हुई औषधि, औषधि विशेष ।

ओघचुंबक (सं.) लोहको आकर्षण करनेवाली धातु विशेष, अयस्कांत । [लोह चूर ।

ओघ चूर्ण (सं.) लोहका चूरा,

ओघ भस्म (सं.) लोहेकी खाक, औषधि विशेष, वंगभस्म ।

ओघर-रियो (वि.) बहुत मोटा और बलवान मनुष्य, प्रामीण ।

ओघलुं (क्रि.) निर्मल करना, स्वच्छ करना, पोंछना हटाना ।

લોહિ ખાવ-ળું (વિ.) રક્ત મિ-શ્રિત, ખૂન से लथपथ, ओतप्रोत ।

લોહિયું (સં) કવાઈ, લોહીથી ભરેલા પાત્ર વિશેષ ।

લોહિ લોહાણ (વિ.) ખૂનમેં ત-રોતર, खूनमखून ।

લોહી (સં.) રુધિર, શોણિત, રક્ત, અસૃ, લોહૂ, ખૂન, કુળ, સ-મ્બન્ધ, વંશ, નાતા, રિશ્તા ।

લોહી પડવું (ક્રિ.) શરીરસ્થ કિસી ઇન્દ્રિયસે, રક્ત પ્રવાહ હોના ।

લોહી ભાવવું (ક્રિ.) શરીરમેં નયા રક્ત ઉત્પન્ન હોના ।

લોહીનું તરસ્યું (વિ.) ખૂનકા પ્યાસા, રક્તપાત કરનેકે લિયે આતુર શત્રુ ।

લોહી ઉકળવું (ક્રિ.) ક્રોધ આના, ક્રોધમેં જલ ઉઠના ।

લોહી ઉકળે। બ્રહ્યે। (ક્રિ.) ક્રો-ધમેં હોના, ગરમ હોના, આવેશમેં આના ।

લોહી ઠંડી જવું (ક્રિ.) સુસ્તી-આતી રહના, ઝોંકા પડના, નિ-સ્તેજ હોના । [જમ કરના ।

લોહી ખાવું (ક્રિ.) ક્રોધમેં મો-

લોહી ગરમ થવું (ક્રિ.) ક્રોધ કમ હોના, સન્તોષ હોના, ગરમી ઉતારના । [ચઢના ।

લોહી ગરમ થવું (ક્રિ.) ક્રોધ

લોહી ચૂસવું (ક્રિ.) ચૂસના, ક-ઐસા સતાના, વિત્ત હરણ કરના, સતાના । [શક્તિ ચઢના ।

લોહી ચળવું (ક્રિ.) વિતણે

લોહી બાળવું (ક્રિ.) અતિ સંતા-પિત કરના ।

લોહીનું પાણી થવું (ક્રિ.) ખૂન બિગાડના, કમ ઘોરી આના, પ-સીના બહાકર શીતોષ્ણ સિહરના કરના ।

લોહીને ભાંસ એક થવું (ક્રિ.) અત્યંત કઠિન પરિશ્રમ કરકે શ-રીરકો ક્લાન્ત કરડાલના ।

લોહીનેા કોળિયેા (સં.) મૃત્યુકે દિનોંમેં ભોજન કરના, શોકકે દિનોંમેં ભોજન કરના ।

લોળિયું (સં.) સ્ત્રિયોંકે કાનમેં પહિનનેકા એક આભૂષણ વિશેષ ।

લોળેા (સં.) જબાન, જિહ્વા, જીભ ।

લોલ (સં.) દેખો લોહિયું ।

લોલેા (સં.) રાજાકી સવારી કક-હરીમેં પલાસ્કિકા દિશાસૂચક આ-દમી । વિદૂષક, મસખરા, હાસ્ય-રસવાન, ભાંડ, નકલચી, વૈહાસિક ।

લૌકિક (વિ.) લોક સમ્બન્ધી, લોક વિષયક, સાંસારિક, ઇસ લોકકા, ઇસ લોકમેં રહને વાલા। (સં) કીર્તિ. યશ, નામવરી, દુનિયા દારી, સાંસારિક કામ કાજ।

લૌકિકરીતે (અ.) વંશ પરંપરા રૂઢિકે અનુસાર, લોગ દિખાઉ ઢંગસે, દિખલા વટી, જગત રીતિસે।

લ્યાનત (સં.) લાનત, ધિક્કાર।

વ

વ = વર્ણ માલકા ૪૦ વાં અક્ષર, ૨૯ વાં વ્યંજન। (અ.) ઔર, તથા।

વંશ (સં.) કુળ, પરિવાર, કુટુમ્બ, સન્તતિ, સન્તાન, પ્રજા, ઔલાદ, બાંસ, વૃક્ષ વિશેષ।

વંશચરિત્ર (સં.) વંશાવલી, કુળ, પીઢી, પુશ્ત, વંશપરંપરા। [ક્ષય।

વંશનાશ (સં.) કુળનાશ, પ્રજા-

વંશજ (સં.) વંશમેં ઉત્પન્ન હુઆ, સંતાન, ઔલાદ, અપત્ય।

વંશપત (સં.) કુળ કીર્તિ, જિસસે કુળ પહિચાના જાવે।

વંશપરંપરા (સં.) કુળ ક્રમાગત, કુળ પરંપરા, પીઢી ઉત્તર।

વંશાવળી (સં.) પીઢી, વંશોત્પન્ન મનુષ્યોંકી નામાવળી।

વંશવૃક્ષ (સં.) વંશ વિસ્તાર ચક્રાકાર વૃક્ષાકાર રચના।

વંશી (સં.) વંશ સમ્બન્ધી, કુળ વિષયક, મુરલી, બાંસરી, વેણુ વાદ્ય વિશેષ, બસરી।

વઃ૨ (સં.) ભાર, વજન, બોઝા।

વઃરવું-ઃરીબ્વું (ક્રિ.) બાંકાહોના તિરછાહોના, છિટકના, ફિરજાના, હાથસેજાના, સામનેહોના, ફટના, હદસે બાહિર હોના।

વઃરો (સં) બિકરી, બિક્રી, રોકડ વસ્તુકે બિકજાનેકા મૂલ્ય।

વઃારવું (ક્રિ.) ઉસ્કાના, ઉભારના, દમ્પટી દેના, ભડ્કાના, બઢાના।

વઃાલત (સં.) વકીલકા ધન્ધા।

વઃાલતનામું (સં.) વકીલપત્ર, મુક્ત્યારનામા, વકીલકો અપના મુકદ્દમા સૌંપનેકા અધિકારપત્ર।

વઃાસ (સં.) પ્રકાશ ઉદ્ભેદ, સ્ફુટરહઃ, અવકાશ, ખિલના।

વઃાસવું (ક્રિ.) અંભાઈ લેના, અંગડાઈતોડના, અમુહાઈ લેના, મુખફાડના, ઉદ્ઘાટના, ખિલના, ખુલના, પ્રકાશિતહોના।

વઃિયાત (સં.) દેખો વઃાલત।

વઃી (સં.) આજ્ઞા, ઉદ્ભેદ, ભાર।

वंशीवट (सं.) एकथी, प्रतिनिधि, दूत, अपनी ओरसे जिसे काम करनेका अधिकार दिया गया हो उसेवर, पंच, मुनास्ता, एजण्ट, मुख्त्यार।

वंशीवात (सं.) देखो वंशवात आवत, एकन्टी, दलाली।

वंश्य-श (सं.) समझ, अक्ल, ज्ञान, वाकिफ़यत, सावधानी, मति।

वंश्यो (सं.) पूर्ववत्।

वंश्यवान्‌ (वि.) बुद्धिमान, चतुर, दक्ष, प्रवीण, सावधान, होशियार।

वक्ष्य (वि.) ओरावर, वजनदार, तोफानी, वजन, भार, बोझ डंग, योग्यता।

वक्ता (वि.) बोलनेवाला, कहनेवाला, व्याख्याता, बेक्चरार, कथकड़। [नेका ढंग, भाषण।

वक्तृत्व (सं.) वाक्चातुर्य्य, बोल-

वक्त्र (सं.) मुख, वदन, मुहं, मोंढ़ा, आनन।

वक्त्राम्बुज (सं.) मुखकमल, कमलके तुल्य मुहं।

वक्र (वि.) टेढ़ा, आड़ा, तिरछा, बांका, क्रूर, (मङ्गादि)

वक्रगति (सं.) टेढ़ीचाल, उलटीगति

वक्रतुंड (सं.) तोता, पक्षी विशेष।

वक्रता (सं.) टिढ़ाई, बांक, क्रूरता।

वक्रतुंड-मुख (सं.) टेढ़ेमुहंवाला, गणेश, गजपति, तोता पक्षी।

वक्रदृष्टि (सं.) टेढ़ी नजर, तिरछी, निगाह, द्वेषीविचार, कुदृन।

वक्री (वि.) बांकी गतिवाला, वह विशेषकी गति विशेष, वक्रदृष्टिसे देखनेवाला।

वक्रोक्ति (सं.) अलंकार विशेष, कुटिलोक्ति, काकूक्ति, टेढ़ावचन, शब्दालङ्कार भेद।

वक्षस्थल (सं.) सीना, छाती, हृदय, उरस्थल, कलेजा।

वक्ष्यमाण (वि.) जो कहाजावेगा, कथन योग्य, भविष्यमें जो कहा जावे, कथनीय विषय।[हलाहल।

वख (सं.) विष, जहर, गरल,

वखवख (स.) अत्यंत भूख, क्षुधा।

वखाणवुं (क्रि.) प्रशंसितहोना, स्तुत्य बनना, कहाना।

वखत (सं.) समय, काल, अवसर ऋतु, इतिफाक, मौका, मेळा, प्रसंग, योग, अवतार, बद किस्मती, संकट, विपत्ति, फुरसत, जिसी उसमेंके खेलमें एक दाव, देर।

वखतसेवखत (अ.) किसीभी समय, अनिश्चित समयपर।

વખતસર (વિ.) સમયપર, નિર્દિષ્ટ સમયમેં, ઉચિત પ્રસંગપર, કદાપિ, કદાચિત્ ।

વખતે-વખતે (અ.) મૌકેપર મૌકે, સમય સમયપર, યથા સમયે, વાર વાર ।

વખતોવખત (અ.) પૂર્વવત્ ।

વખવખવું (ક્રિ.) પ્યાસે હોના, છટપટાના, તડફડાના ।

વખવાદ (સં.) ઝગડા, વિવાદ, બકબક, ટપ્પા, બોલ ચાલ ।

વખાણ (સં.) તારીફ, સ્તુતિ, ગુણ ગાથા, પ્રશંસા, શાબાસી ।

વખાણવું (ક્રિ.) તારીફ કરના, યશોગાન કરના, સ્તુતિ કરના, ગુણ ગાના ।

વખાણેલું (વિ.) પ્રશંસિત, સ્તુત્ય ।

વખાર (સં.) કોઠાર, ભંડાર, ગોદામ, કોઠી, દુકાન, જહાં બેચનેકા માલ ભરા હો ।

વખારદાર (સં.) કોઠારી, ભંડારી, ગોદામકા સ્વામી, સ્ટોરકીપર ।

વખારિયો (સં.) પૂર્વવત્ ।

વખારી (સં.) પૂર્વવત્ ।

વખારેનાખવું (ક્રિ.) દૂરકરના ।

વખુ (સં.) પક્ષ, આશય, કારણ, (અ૰) આદરાર્થક, બડા, બરાબ દ્યોતક ।

વખુંડું (વિ.) સાથસે મલ્યા હુઆ જો સંગસે પૃથક હોગયાહો ।

વખેરવું (ક્રિ.) વિકેરના, ફૈલાના જુદાજુદા કરના ।

વખેરાવું (ક્રિ૰) ફૈલના, બિખરના ।

વખો (સં.) દુર્દિન, પૃથકતા, જુદાઈ, દુઃખ, આપત્તિ દુર્દિન ।

વખોડવું (ક્રિ.) દોષ નિકાલના, ભૂલબતાના, નિંદા કરના, ધિક્કારના ચુગલી કરના ।

વખોરિયો (સં.) દુકાની, પેટી, બન, ઘર. દ્વાર, પાનસુપારી ઇત્યાદિ રખનેકી છોટીસી સંદૂક ।

વગ (સં.) જગહ, ઠિકાના, પરિચય, પહિચાન, જાનપહિચાન, મેલમુલાકાત, અનુકૂલ સમય, મૌકા અવસર, પક્ષ, તરફ, સત્તા, આશ્રય ।

વગડવું (વિ.) યુક્તિપૂર્વક રખાહુઆ

વગલાગવું (ક્રિ.) સિદ્ધિરિત હોના કામ બનના। [સમય આના ।

વગવાવવો (ક્રિ.) અવસરલાના,

વગહવું (ક્રિ.) બજના, શબ્દહોના ।

વગાડવું (ક્રિ.) બજાના, શબ્દ કરના ।

વગાડવું (ક્રિ.) વજાવવું, વાદ્ય કરવું ; [મુખ્ય મેદાન, મોરચો ।

વગેડો (સં.) જંગલ વન, અરણ્ય,

વગોટિયું (સં.) આશ્રયદાતા, સહાયક, પક્ષપાતી, તરફદાર ।

વગર (અ૦) વિના, સિવાય, અતિરિક્ત ।

વગરપાણીએ નાવ વગાડવું (ક્રિ.) વિના સાધનકે કામ કરના, અદ્‌ભુત રીતિસે કામ કરના ।

વગરભાડાની ઉતારી (સં.) ઉતરડાણા, કરાવાસ, બન્દીગૃહ ।

વગવસીલો (સં.) જરિયા, વસીલા, બડે મનુષ્યોંકી સંરક્ષા વ સહાયતા ।

વગવાળું (સં૦) પ્રભાવોત્પાદક, અસર કરનેવાલા ।

વગસગ (સં.) સમાવેશ હોને યોગ્ય સ્થાન, જરિયા, વસીલા, કારણ ।

વગર્યા (સં.) મેલ, મિશ્રણ, ભગ્ન ઘંકર, ભ્રષ્ટ, પતિત, કપટ, છલ ।

વગાડવું (ક્રિ.) બજાના, શબ્દ કરના, ઠોકના, પીટના, ધ્વનિત કરના ।

વગિયું—યું (વિ.) પરિચિત, જાનકાર, પહિચાનવાલા (સં.) પક્ષપાત, તરફદારી, ।

વગોવણ કરવી (ક્રિ.) પક્ષપાત કરના, તરફદારી કરના ।

વગુસી (વિ.) કુલટા (સ્ત્રી), કુલટા, વ્યભિચારિણી ।

વગુસવું (ક્રિ.) ઘુસના, પ્રવેશ હોના, ઘુટના, લગના, પ્રવેશ કરના ।

વગૂ—ચે (સં.) તરફ, ઓર ।

વગેરે (અ.) પ્રભૃતિ, આદિ, ઇત્યાદિ, ઔર, વગૈરહ ।

વગો (સં.) કિસી એક ઓરકી હદ, નગર યા ગાંવકે એક ઓરકી સીમા । [બુરાઈ, ફજીહત ।

વગોણું (સં.) નિન્દા, અપકીર્તિ,

વગોવવું (ક્રિ.) નિન્દા કરના, ફજીહત કરના ।

વગોળવું (ક્રિ.) વિચારના, પાગુર કરના, જુગાલી કરના, જબાલ કરના । [ખલલ ।

વઘરણું (સં.) વિગ્રહ, વિઘ્ન, હાનિ ।

વઘરો (સં.) ઝગડા, અનબન, ફિસાદ, ખરાબ હોનેકી તય્યારી હોના ।

વઘાર (સં.) બઘાર, ઝૌંક, ઘી યા તેલમેં જીરા હીંગ રાઈ હલદી મસાલા ડાલકર પકાકર ઉસમેં કિસી વસ્તુકો ડાલકર પકાના । મરમ્મત, બનાવ, બઢાવ ।

વધાર મૂકવો (કિ.) મપકી દેના, उसकाना, ढकसाना, बढ़ावा देना।
વધારી ખાવું (કિ.) शाक बनाना, तलकर खाजाना।
વધારણી (सं.) हींग, हिंगु, औषधि विशेष। [देना।
વધારવું (કિ.) सौंकना, बघार
વધારિયું (वि.) बघारा हुआ।
વધેડું (वि.) लाल रंगके छिलका युक्त धान, चावल (छिलके सहित)।
વંકાવું (કિ.) बांके होना, टेढे होना, तिरछे होना, मन मुटाना।
વંકાઈ (सं.) बांक, टेढापन।
વચ (सं.) वाक्य, वचन।
વચક-કો (सं.) भय, डर, खौफ़।
વચકું-ચકું (सं.) बांका आड़ा, तिरछा।
વચકવું (કિ.) गुस्सा होना, सरकना, खसकना, गिर पड़ना।
વચકણવું (કિ) छूटना नरम होना, कमहोना।
વચકાવું (કિ.) देखो વચકવું।
વચકેલું (वि.) आड़ा, क्रुद्ध, कुपित, टेढा। [बेदिली होना।
વચકો (सं.) तकरार, फ़िसाद,
વચમાંથી (अ.) बीचमें, मध्यमें, दरमियानमें।
વચમાળો (सं.) मध्य, वहम, भ्रांति, शक, झगड़ा, फसाद, उपद्रव। [लेना।
વચકવું (કિ) झपट लेना, छीन-
વચન (सं.) उक्ति, कथन, वाक्य शब्द, वाणी बोल, प्रतिज्ञा, कौल, इकरार, भाषण, कथित शब्द।
વચનમાપવું (કિ.) वचन देना, प्रतिज्ञा करना, क़रार करना।
વચનકાઢવું (કિ.) बोलना, खराब शब्दबोलना।
વચનતોડવું (કિ.) वचनभंग, करना प्रतिज्ञा पूर्ण न करना वादा खिलाफी करना।
વચનદેવું (કિ.) प्रतिज्ञा करना, प्रण करना, कौल करना।
વચનમાપવું (કિ.) वचन देना प्रणकरना। कौल करना प्रतिज्ञा करना।
વચનિકા (सं.) प्रमाण, (ग्रंथसे)।
વચની (वि.) अपने कहेको पूरा करनेवाला, वचन पालनेवाला, सत्यवादी, विश्वस्त।
વચમાં (अ.) बीचमें, मध्यमें।

વચ્ચમાવું (ક્રિ.) જુઓ વચ્ચળવું
વચ્ચલાવાંધાનું–વાંધેનું (વિ.) બીચકે દરજેકા, મધ્યમ શ્રેણીકા, न અધિક उत्तमही और न खराबही।
વચ્ચલું (વિ.) બીચકા, મંઝલા, મધ્યકા। [બડબડ।
વચ્ચવચ્ચ–ચાટ (સં.) બકબક,
વચ્ચળવું (ક્રિ.) ભંગહોના, વિઘ્ન આપડના, પાગલ હોના, વિચલિતહોના।
વચ્ચળેલ (વિ.) વ્યભિચારી, લંપટ વિષયી, ભ્રમિત, પાગલ, સિરી, વિચલિત। [કેસરી।
વંચાર (સં.) શેર, સિંહ, શાર્દૂલ
વંચાવચ્ચેવું (વિ.) પઢાજાને યોગ્ય, સાફ જો પઢાયકે, પાઠ્ય।
વચ્ચાળું (વિ.) બાકા, તેઢા, તિરછા, બીચકા, મધ્યકા। [મંઝલા।
વચ્ચેટ (વિ.) બીચુકા, મધ્યકા,
વચ્ચે (અ૦) બિચમેં, મધ્યમેં, મધ્યભાગમેં, દરમિયાનમેં, કિસી चालूकाममें, मैदानमें।
વચ્ચેપડવું (ક્રિ.) હસ્તક્ષેપ કરના બીચમેં પડના। [ઠીક મધ્યમેં।
વચ્ચોવચ્ચ (અ૦) બીચોંબીચ,
વચ્છ (સં.) બછડા, વત્સ (ગૌકા) કેરડા, બચ્છા, બાલા।
વચ્છનાગ–ગનાગ (સં.) એક પ્રકારકી વિષૈલી ઔષધિ।
વછિયાત (સં.) કિસી સ્થાનસે કુછદિન રહનેકે લિયે આયાહુઆ અકેલા વ્યક્તિ, કિસીકી તરફસે માલ લેને યા બેચનેકો આયાહુઆ મનુષ્ય, આઢતિયા।
વછુટવું (ક્રિ.) બિછુડના, વિયોગ હોના, અલગહોના, છૂટના।
વછુટું (વિ.) ભિન્ન, નિરાળા, જુદા, બિછુડાહુઆ, વિયોગી, છૂટાહુઆ।
વછેરી (સં.) છોટીઘોડી, ઘોડીકી બચ્ચી, છોટી લડકી।
વછેરો (સં.) છોટા ઘોડા, ઘોડકિ બચ્ચા, બૈલ, જવાન નાદાન પુરુષ।
વછો (સં.) બિછોહ, જુદાઈ, પૃથકતા, ફૂટ, ભેદ, વિયોગ।
વછોડવું (ક્રિ.) અલગ કરના, પૃથક કરના, બિછોહ કરના, છુડાના। [બિછુડાહુઆ।
વછોયું (વિ.) વિયોગી, ભિન્ન,
વજન (સં.) ભાર, બોઝ, તૌલ, જોખ, માન, ગૌરવ, પ્રભાવ, રોબ, કદર।
વજનવવું (ક્રિ.) તૌલના, દેખના, જાંચના, જોખના।

વજનદાર (વિ.) ભારો, બોજવાલ, પ્રતિષ્ઠિત, પ્રભાવ શાલી । [વાલા ।

વજન્તર–વાજન્તર (સં.) વાદ્ય,

વજનસર (વિ.) બોજકે અનુસાર, કુછ હલકા, થોડા , મધ્યમ ।

વજર કાઁ (વિ.) કુછ સફેદ (ગેંહૂં) ।

વજરબટ્ટુ (સં.) એક વૃક્ષ તથા ઉસકા ફળ વિશેષ, યહ બચ્ચોંકો ગલેમેં પહિનાયા જાતા હૈ ।

વજરના (સં.) અત્યંત ચાહના, મહાન ઇચ્છા ।

વજર (સં.) બુદ્ધિ, વિચાર શક્તિ, સમઝ શક્તિ, રુચ, ઇચ્છા, લક્ષ્ય, ઝુકાવ, ઢલાવ, અભિપ્રાય, પ્રવૃત્તિ, તાત્પર્ય ।

વજરાવું (ક્રિ.) દેખો વજાવું ।

વજરદાર (સં.) જાગીરદાર, નમ્બરદાર, પેન્શનર, જિસે સરકારકી ઓરસે કુછ વૃત્તિ મિલતી હો ।

વજરી (સં.) જાગીર, પેન્શન, અલાઉંસ, ઇનામમેં સરકારકી ઓરસે મિલી હુઈ જમીન ઇત્યાદિ ।

વજર (સં.) મંત્રી, પ્રધાન, રાજાકો ઉચિત સલાહ દેને વાલા । શતરંજકે ખેલમેં એક ગોટ વિશેષ ।

વજરાત (સં.) મંત્રિપદ ।

વજરી (સં.) પૂર્વવત્ ।

વજુ (સં.) નમાજ પઢનેકે પૂર્વ હાથ મુંહ પૈર ઇત્યાદિ ધોનેકી ક્રિયા વિશેષ । [અદ્ ।

વજુદ (સં.) આદિ, નિકાસ, ઉદ્ગમ,

વજે (સં.) ચુકૌતા, ભુગતાન, માલ ગુજારી, રોકદ્યુ ।

વજરદાર (વિ.) કઠોર, કઠિન, કર્રા, સખ્ત, (સં) વજ્ર, કુલિશ ।

વજરદારમાથું (વિ.) ઐસા મૂર્ખ જિસપર કુછભી પ્રભાવ ન પડે ।

વજર (સં.) કુલિશ, ઇન્દ્રકા આયુધ વિશેષ, બિજલી, । હીરા હીરક, રત્ન વિશેષ ।

વજરછાતી (સં.) કઠોર હૃદય, પાષાણ હૃદય, દયા ઔર ભયશુન્ય હૃદય । [મૂષક ।

વજરદંત (સં.) મજબૂત દાંત, ચૂહા,

વજરદેહ (સં.) બલિષ્ઠ ઔર દૃઢ દેહ, બલવાન ઔર કઠોર અંગ ।

વજરપાત (સં.) કડ઼ક, (બિજલીકી) ।

વજરમુખ (સં.) ગેંડા, એક હાથીકે સમાન છોટી સૂંડવાલા પશુ ।

વજરછાતી (સં.) કઠોર હૃદય, પાષાણ દિલ (વિ.) નિર્દય, નિર્ભય, કરોર ।

વજ્રપાણિ (સં.) ગણેશ, ગણપતિ ।
વજ્રપિંજર (સં.) કઠોર પિંજરા ।
વજ્રબાહુ (સં.) વીર, બહાદુર, શૂર, મલ્લ, પહલવાન ।
વજ્રાગ્નિ (સં.) વિદ્યુત્, બિજલી ।
વંચક (સં.) ઠગ, છલિયા, વાંચનેકી શક્તિવાલા, પઢનેવાલા ।
વંચવું (ક્રિ.) બચના, અલગ રહના, રક્ષાપાના । [બચાના ।
વંચાવવું (ક્રિ.) પઢવાના, બ-
વંચાવું (ક્રિ.) પઢાજાના, વાંચ-જાના, સર્વત્ર ફજીહતી હોના ।
વંચાળો (સં.) ખાલી જગહ, રિક્ત સ્થાન ।
વંઝા (સં.) બાંઝ ઔરત, સંતાન હીના સ્ત્રી, બંધ્યા, બાંઝડી ।
વટ (સં.) બરગદ, બડ઼કા વૃક્ષ, ટેક, પ્રણ, આત્મ સમ્માન, ધૈર્ય ।
વટ (સં.) એક વસ્તુ દેકર દૂ-સરી વસ્તુ લેનેકે લિયે કુછ વિશેષ દિયા હુઆ દ્રવ્યયા પદાર્થ, બટ્ટા, બદલા, ચોટ, નુકસાની ।
વટ વાળવી (ક્રિ.) બદલા કરના, ચોટ ફેર કરના । બદલ દેના ।
વટકવું (ક્રિ.) સટકના, સટક જાના, ખિસકના ।
વટકાવવું (ક્રિ) અટક જાના ઔર ઘૂમ ન નિકલને દેના, ઘૂમ જાના, (માત્ર મૈલ ઇત્યાદિ પુદ્ગલ રૂપ વસ્તુ) ।
વટકાવું–વાવું (ક્રિ.) પતિત હોના, ભ્રષ્ટ હોના , ધર્મચ્યુત હોના ।
વટકાવવું (ક્રિ.) પતિત કરના, ભ્રષ્ટ કરના, એક વર્ણ યા ધર્મસે કિસી દૂસરે વર્ણ યા ધર્મમેં સમ્મિ-લિત કરના ।
વટકેલ (વિ.) ભ્રષ્ટ, પતિત, ચ્યુત ।
વટકોર્ડ (સં.) તાંબેકા પાનીકા પાત્ર વિશેષ, એક પ્રકારકે બર્તનકા નામ ।
વટવું (ક્રિ.) હો ચુકના, નિકલ જાના, દૂર ચલેજાના, ભાગખૂટના, પીછે હઠના, આગેપીછે હોકર સતાના । [લિખાહુઆ આજ્ઞાપત્ર ।
વટકૃત્ય (સં.) સભી સંબંધિયોંકો
વટાણુ (સં.) મટર, અન્ન વિશેષ ।
વટાણુપાવવા (ક્રિ.) ભાગખૂટના, નિકલભાગના રફૂચક્કર હોના ।
વટાણું (સં.) ઘૂઠ ડાલકર લિખ-નેકી પટ્ટીપર લિખનેકી કલમ ।
વટાણો (સં.) અન્ન વિશેષ ।

વટાવ (सं.) छूट, बट्टा किसी कारणसे निश्चित वस्तुमेंसे कुछ कम देना, खोटे रुपये या वस्तु आदिके लिये कुछ विशेष द्रव्य लेकर उसकी पूर्ति करना, लाभ, मुनाफा नफा ।

વટાવવું (क्रि.) तुड़ाना, भुनाना (रुपया प्रभृति सिक्का) फैलाना, छोड़ना, पीछे रखना, सरसहोना, बढ़ना, बेचना, चूर्ण कराना, पिसवाना । [देना, छलना ।

વટાવખાવું (क्रि.) ठगना, त्रास-

વટાવું (क्रि.) चूर्णहोना, पिसना, कुचलेजाना ।

વટાળ(सं.)भ्रष्टता, जिससे पतितहो ।

વટાળવું (क्रि.) पतित करना, अपने धर्म या वर्णमें मिलाना, भ्रष्टकरना ।

વટાળો (सं.) भ्रष्टता ।

વટીઓ (अ०) भी ।

વટી (वि.) प्रणवाळा मनुष्य, अपनी टेक निबाहनेवाळा, हटी, जिद्दी, धंधा करनेवाला ।

વટીજવું (क्रि.) निकलजाना, गुजरना ।

વટું (सं.) काम, धन्धा, कार्य ।

વટુકાર (सं.) झुर्दि, ढंग, होसिला तमीज ।

વટેણું (सं.) देखो વટોણું ।

વટેમારગુ– ગું(वि.) वटोही पथिक पांथ, मुसाफिर, राहगीर, प्रवासी

વડ (सं.) वट, बरगद, वृक्ष विशेष, बर, महानता और वयोवृद्धता सूचक प्रत्यय विशेष ।

વડકણું (वि.) लड़ाका झगड़ालू, फसादी, टंटाखोर, बकवादी,

વડકરું (वि.) पूर्ववत् ।

વડકાવવું (क्रि.) चिढ़ाना, खिझाना झिड़काना, डांटना, मलामत करना, घुडकना, धमकाना ।

વડગીરૂ (सं.) टोलीया झुंडकानेता (खेळमें) बड़ा भीडू ।

વડવઈ–વાઈ (सं.) बरगद वृक्षकी जटा, बड़के पेटकी वे पत्रहनि डालियां, जो भूमिकी तरफ लटकती हैं ।

વડવા (सं.) दादा, बापकाबाप बाबा पितामह, मामाके पिता, नाना, घोड़ी, अश्व स्त्री ।

વડવાગોળ (सं.) चमगिधड़, एक पक्षी, विशेष जो टांगोंके बल नीचे सिरकी डालियोंमें लटका करता है और सायंकालको सूर्यास्तके बाद उड़ा करता है बामल, चामचिड़े चामचिड़, बड़ी चमगादर ।

વડવાગ્નિ (સં.) સમુદ્રસ્થ અગ્નિ, પ્રચંડ આગ, સમુદ્રકી આગ ।
વડવાઢ (સં.) ઝગડા, વિવાદ, ફિસાદ
વડવાગ્નિ (સં.) પક્ષી વિશેષ ।
વડવાનલ (સં.) દેખો વડવાગ્નિ ।
વડવું (ક્રિ.) ચિઢના, નારાજી હોના, લાંછનઆના, બદ્દાઆના ।
વડેરો (સં.) દાદા, બાબા, નાના, પિતામહ, માતાકા બાપ, બાપકા બાપ, માતામહ ।
વડસસરો (સં.) સાસૂકા પિતા, નાની સુસરા, શ્વશુરકા પિતા ।
વડસાવિત્રી (સં.) જેઠસુદી પૂર્ણિમાકે દિનકા વહ ત્યોહાર જિસમેં નવ વિવાહિત વધૂ પૂજા કરતે હૈ ।
વડસાસુ (સં.) નાનીસાસૂ, સાસૂકી માતા યા શ્વશુકી માતા ।
વડેવ (વિ.) મજબૂત, દૃઢ, પુષ્ટ ।
વડાઈ (સં.) કીર્તિ, બડપ્પન, ખ્યાતિ પ્રશંસા, માન, ઇજ્જત, આબરૂ, મહત્વ, પ્રશંસા, ઉચ્ચતા, વિશાલતા અભિમાન, ગર્વ, શેખી, ઘમણ્ડ, મહત્તા ।
વડાઈકરવી (ક્રિ.) પ્રશંસા કરના, શેખીમારના, આત્મશ્લાઘાકરના ।
વડાગ્રહ્યું-ખીજું (સં.) એકપ્રકારકા નમક, ક્ષાર વિશેષ ।

વડાવડી (સં.) લડાલડી, આમનેસામનેકા યુદ્ધ, ઝિંગાઝિંગી ।
વડારણ (સં.) દાસપુત્રી, દાસીકી લડકી, દાસી ।
વડાવા (સં.) કુલમેં બડેવૃદ્ધ, અતિવૃદ્ધ પુરુષ, બૂઢાપુરુષ ।
વડિયાઈ (સં) નાની માતામહી, માકીમા, બાપકી મા, દાદી ।
વડિયો (સં.) પ્રતિસ્પર્ધી, પ્રતિપક્ષી, પ્રતિદ્વંદ્વી, સામના કરનેવાલા
વડિલોપાર્જીત (વિ.) પૂર્વજોંકા સંગૃહીત, બડે લોગોંકા કમાયાહુવા ।
વડી (સં.) મંગોડી, મુંગોડી, દાલ કોપીસકર ઔર સુખાકર બનાઈ હુઈ ગોલિયાં । [બિગડકાના ।
વડીખાધેવડીજાય (ક્રિ.) કામ
વડીનીતિ (સં.) દીર્ઘ, પખાના શૌચ મલત્યાગન, મલોત્સર્જન, અંગક, દિશા, (શ્રાવક ધર્મમેં)
વડીલ (વિ.) પૂજ્ય, માન્ય, બડો વૃદ્ધ, જ્યેષ્ઠ, મુખ્ય, ઉચ્ચમેં પદમેં ઉચ્ચ, (સં.) અગ્રજ, પૂર્વજ, પુરુષ, બાપદાદા ।
વડીલપરંપરાગત (અ૦) કુલરીતિ, વંશવ્યવહાર, બાપદાદોંકી રીતિ ।
વડીલોપારજીત (વિ.) દેખો વડિલોપારજીત

पकुं (वि.) बड़ा, भारी, दीर्घ, विस्तृत, अग्रज, बहुत, अति, वयोवृद्ध, (सं.) उड़द या मूंगकी दालको भिगोकर पीसकर तेल या घृतमें तलकर बनाया हुआ पदार्थ, मंगोड़ा, भजिया, पकौड़ा फलौरी।

पकुंअरवुं (क्रि.) रद्द करना, बुझाना (दीपक) दीवा करना।

पकें (अ.) द्वारा, मारफतसे साधन।

पकेा (वि.) बड़ा, दीर्घ, मुख्य, प्रधान, उम्रमें पदमें बड़ा, महान।

पकेाअरवेा (क्रि.) चिराग़ गुल करना, दीपक बुझाना, निर्वाण करना।

पकेानिवाणीयेा (सं.) वर्गमें सबसे प्रथम या मुखिया विद्यार्थी।

पकेापा (सं.) बापके बापके बाप, प्रपितामह, पड़दादा।

पकेाबुं (वि.) झगड़ालू, बकवादी, फसादी, विवादी, बड़बड़ाने वाला।

पकेाबुं (वि.) पूर्ववत्।

पकेाबे-ड (सं.) झगड़ा, विवाद, बकवाद, झगड़ा, मारा मारी, बोला बोली।

पकेबुं (क्रि.) लड़ना, झगड़ना, विवाद करना, बोलचाल करना।

पकेाबुं (क्रि.) उलझाना, व्याकुल करना।

पकेु (सं.) कपासका पेड़, रुईका वृक्ष, बिनौलेका दरख्त। (अ.) बिना, बग़ैर, सिवा, अतिरिक्त, सिवाय, अलावह।

पकुओेा (वि.) निराश्रय, बेमदद, बेसहारा (सं.) जुलाहा, कपड़ा बिनने वाला। [जुलाहा।

पकुअर (सं.) वस्त्र बनाने वाला,

पकुअरी (सं.) जुलाहेका वेतन, वस्त्र बनाने वालेका मेहनताना।

पकुअुटे (अ.) समाप्त होनेके पहिले, बिना कमती हुए।

पकुछेा (सं.) वृक्षकी छाया रहे उतनी जगह, वृक्षकी छायादार जगह।

पकुज (सं.) धंधा, व्यापार, रोजगार, लेन देन, तिजारत, वाणिज्य।

पकुज्जर (सं.) व्यापारियोंका झुंड, बनजारोंका माल भरा हुआ टांडा, क़ाफ़िला।

पकुज्जर (वि.) बनजारोंसे संबंध रखनेवाला, बंजारी, नीच जातिका।

पकुज्जरेा (सं.) एक घूमता फिरता व्यापारी जो बैलों आदि जन्तु बहु ओपर लाद लादकर घूमता है। राज विशेष। जाति विशेष।

પણુતર (સં.) બુનાવટ, બિનનેકી રીતિ, પોત ।

પણવું (ક્રિ.) બટના, બિનના, બુનના, ગુથના, ખરાબ હિસ્સા નિકાલ દેના, બેલના, ચુનના, તોડના, ઉઠાના, બીનના, સબસે ઉત્તમ છાંટલેના, બઢા કર કહના ।

પણસવું (ક્રિ.) નાશહોના, નષ્ટહોના, ધ્વંશહોના, બરબાદ હોના, તેમાલ હોના, બિગડના, ખરાબહોના । [બૈઠના,મગ્નહોના ।

પણસાઈજવું (ક્રિ.) ડૂબના, પૈદે

પણસાડ (સં.) નાશ, બિગાડ, ક્ષય, બરબાદી, લય, બિનાશ ।

પણસાડવું (ક્રિ.) બિગડના ખરાબ કરના, બરબાદ કરના, નાશ કરના । [બનેકા મિદ્દનતાના ।

પણાઈ (સં.) બુનનેકા બેતન, ગૂ-

પણાટ (સં.) દેખો પણતર ।

પણાવવું (ક્રિ.) દૂસરેસે તય્યાર કરાના ।

પણિઆ (સં.) વાણિજ્ય વ્યાપાર કરને વાલે મનુષ્ય, બનિયા, વ્યાપારી, વૈશ્ય ।

પણિયર-યેર (સં.) ચાહે જૈસે મુહંવાલા બિલ્લીસે કુછ બડા ચૌપાયા જાનવર (ઇસે ગુડ બહુત અચ્છા લગતા હૈ) બિજ્જૂ ।

પણીનાંખવું (ક્રિ.) નાશ કરના, તોડ મરોડ ડાલના, બિધ્વંસ કરના । [હિંસા, બુરાઈ, દુરાદા ।

પંછા (સં.) ઇચ્છા, ચાહ, ખ્વા-

પંજ (સં.) પક્ષિકી સપક્ષિયોંકા સમૂહ । [(સી) ।

પંઝા (સં.) બંધ્યા, બાંઝ, બાંઝકી

પંટોળ-ળિયો (સં.) બવૂલા, પવનકા ગોલ ચક્કર, વાયુ ચક્ર ।

પંટોળ ચઢવું (ક્રિ.) અસ્થિર ચિત્ત હોના, પાગલ હોના, લહરમેં આના ।

પંડ (સં.) શરીરમેં વાયુગોલા આના ।

પંડવું (ક્રિ.) હદમે બહિર હોના, હાથસે જાના, બિગડના, ફટના, બહના । [ખરાબહોના ।

પંડીજવું (ક્રિ.) બિગડજાના,

પંડેલ (વિ.) બિગડાહુઆ, ખોટ દુરાચારી, બિગડાહુઆ ।

પંડલ (સં.) નપુંસક, હિજડા, નામર્દ, અનડા, ક્લીબ ।

પંડી-ડો (સં.) બહાતા, ખુલ્લીહુઈ જમીન કે આસપાસ મિટ્ટીકી ભીતકા ઘેરા, કમ્પાઉન્ડ ।

વંડી ૭ાવી (ક્રિ.) વર્ષાઋતુમેં ભીંગનેસે બચને કે લિયે દીવારોંપર રખીહુઆ ઘાસફૂસ જો મિટ્ટીસે દબાહુઆ હોતા હૈ ।

વત (અ.) જૈસે, મસલન, સમાન માનિન્દ, અનુરૂપ, માનો।

વતડવું (ક્રિ.) નોંચના, ખુતરના, કુરેદના ।

વતન (સં.) દેશ, માતૃભૂમિ, સ્વદેશ અન્મભૂમિ, બાપદાદાકે રહનેકા સ્થાન, જાગીર, જાયદાદ ।

વતનદાર (સં.) જાગીરદાર, દેશી ।

વતનવાડી (સં.) સ્થાઈ પૂંજી, સ્થાઈ જાગીર, જાયદાદ ।

વતની (વિ.) દેશી, સ્વદેશી, એક-દેશીય, હમવતની।

વતરણું (સં.) બરતના, સ્લેટ-પેંસિલ, પટ્ટીપર લિખનેકી લેખની ।

વતરેક (અ૰) વિના, બગૈર, સિવાય અતિરિક્ત, અલાવહ ।

વતરેમ-મે (અ૰) પૂર્વવત ।

વતારુ (સં.) મજદૂર, મેહનતી।

વતાડવું (ક્રિ.) સતાના, કષ્ટદેના દુઃખ પહુંચાના ।

વતાવવું (ક્રિ.) દેખો વિતાડવું ખિજાના, સતાના ।

વતિપાત (સં.) (જ્યોતિષશાસ્ત્રમેં) સત્રહવાંયોગ ।

વતીખાત-તિયું (વિ.) બદમાશ, નટ ખટ, ઉચ્છૃંખલ, દુષ્કર્મી ।

વતી (અ૰) બજાય, લિયે, વાસ્તે સ્થાનમે, બદલેમેં, જગહમેં ।

વતું (સં.) સફાઈ, ક્ષૌર, હજામત ।

વંતુકરવું (ક્રિ.) હજામત બનાના મૂંડના, ક્ષૌર કાર્ય કરના ।

વતે (અ૰) મારફત, દ્વારા, જરિયેસે ।

વતેસર (સં.) બહુતહી બઢાયા હુઆ । [જલી ।

વતૈક (સં.) ખાજ, ખુજાલ, ખુ-

વધું (અ.) અધિક, જ્યાદઃ, બઢતી । [ઘના ।

વધુંઓછું (વિ.) કમજ્યાદઃ થોડા

વત્સ (સં) બાલક, છોકરા, બચ્ચા, બછડા, બચ્છા ।

વત્સરસ (સં.) વાત્સલ્ય પ્રેમ, માતા પિતા ઔર પુત્રકા સ્નેહ ।

વત્સર (સં.) વર્ષ, સાલ, સંવત્ ।

વત્સલ (વિ.) સ્નિગ્ધ, સ્નેહયુક્ત, પ્રેમી ।

વત્સલતા (સં.) મમતા, સ્નેહ, પ્રેમ ।

વદ (સં,) કૃષ્ણપક્ષ, બદી, બુદી, અંધેરીરાત્રિકે પન્દ્રહદિન ।

વદાંતી (સં.) વાણી, વાત, કહાવત
વદન (સં.) મુખ, મુહં, વક્ત્ર, આનન, ચેહરા, મુખડા, ।
વદન કમલ (સં.) કમળમુખ, મુખપંકજ, મુખારવિન્દ ।
વદવું (ક્રિ.) બોલના, કહના, ઉચ્ચારણ કરના, કથન કરના, સ્વીકાર કરના, અંગીકાર કરના ।
વદા (વિ) વિદા, રવાના, કૂચ ।
વદાઈ (સં.) વિદાઈ, રવાનગી, આજ્ઞા પ્રાપ્ત કરકે ગમન ।
વદાઈગિરી-ગિરી (સં.) વિદાહોતે સમય દિયાહુઆધન, ભેટ ।
વદાઉ (સં.) વાદા, વચન, વાયદા પ્રણ, પ્રતિજ્ઞા, કરાર, કૌલ, નિયત સમય, અવધિ, મુદ્દત ।
વદાય (વિ.) દેખો વદાઈ ।
વદાય કરવું (ક્રિ.) આજ્ઞાદેના, રવાના કરના, નિકાળ દેના, ચલતે કરના ।
વદાયથવું (ક્રિ.) જાના, વિદાહોના ।
વદાર (સં.) દેખો વદાઉ ।
વદિતા (સં.) આવાજ, ધ્વનિ ।
વદી (સં.) દેખો વદ ।
વધાન (સં.) પાખંડ, કપટ, ઢોંગ ।
વધ (સં.) હિંસ, હનન, વિનાશ, ફરલ, ભેટ, બલિ, પ્રાણ હરણ, વૃદ્ધિ, બઢતી, બઢાવ ।
વધઘટ (સં.) ઘટાવઢી, કમબધિક ।
વધતું (વિ) અધિક, જ્યાદા બહુત । [કરના ।
વધરાવવું (ક્રિ) બઢાના, વૃદ્ધિ-
વધરાવણ (સં.) અંડવૃદ્ધિ, ફોતે બઢના, આંડબઢના ।
વધવું (ક્રિ.) બઢના વૃદ્ધિપાના । અધિકહોના, આગેહોના, બઢાહોના, ઉપર હોના, બાકી રહના, શેષ રહના, નીળામમેં દૂસરેસે અધિક બોલી બોલના, ચઢના, ઉગના, લાભ હોના ।
વધાઈ (સં.) દેખો વધામણું ।
વધામણાં (સં.) બધાવા, વૃદ્ધિ, તથા મંગલસૂચક ગાન અથવા દેવી પૂજા ।
વધામણી (સં.) મુબારકબાદી, બધાઈ ધન્યવાદ, અભિનન્દન, વૃદ્ધિસ્વાગત, શુભસંવાદ લાનેવાલે-કો પુરસ્કાર ।
વધારવું (ક્રિ.) બઢાના, વૃદ્ધિ કરના, બઢાકરના, અધિક કરના ચઢાના । [જ્યાદા, બહુત, વિપુલ ।
વધારે (વિ.) વિશેષ, અધિક,
વધારો (સં) બઢાવા, વૃદ્ધિ, યોગ, પૈદાયશ, લાભ, નફા બાકી શેષ, ફાલતૂ, ચઢતી ।

વધાવવું–વીવું (ક્રि.) स्वागत करना, सत्कार करना, आतिथ्य करना, भक्ति अथवा प्रेमके कारण पुष्प या अक्षत फेंकना।
વધામણું (सं.) दुल्हा अथवा दुल्हिनके लिये भेट।
વધુ (वि.) अधिक बड़ा, ज्यादः भारी, (सं.) दुलहिन, पत्नी, विवाहित स्त्री, बहू, बेटेकी भार्या
વધેરવું (क्रि.) भोगदेना, बलिदान देना, तोड़फोड़कर या काटकर किसी देवताको भेट करना, काटना, तोड़ना, कुचलना।
વધ્ય (वि.) वधाई, वध करने योग्य, मारने योग्य।
વન (सं.) कानन, विपिन, आरण्य, जंगल, कुंज, झाड़ी जल।
વનકેળી (सं.) जंगली केलेका वृक्ष।
વનકુળ (सं.) वल्कल वसन, वृक्ष के पत्तों और छालके कपड़े।
વનકોળી (सं.) जंगली बेर (वृक्ष)
વનક્રીડા (सं.) वनविहार, जंगली खेल।
વનચર (सं.) बनैला पशु, जंगली जानवर, जंगली लोग, वनमानुष।
વનદેવતા (सं.) जंगलका अधिष्ठाता, देव वनदेव।
વનપ્રિય (सं.) कोयल, कोकिल, पक्षी विशेष।
વનપતિ (सं.) वनका स्वामी।
વનપાલ (सं.) जंगलका रखवाला
વનભટ્ટી (सं.) जंगली भोगरा।
વનમાલા (सं.) घुटनोंतक लटकने वाली पुष्पमाला
વનમાલી (सं.) श्रीकृष्ण, वसुदेव के पुत्र जो द्वापरमें पैदा हुएथे।
વનરાજ (सं.) जंगलमेंका कोई एक मुख्यवृक्ष, सिंह, शेर।
વનવાગળુ–ગોળ (सं.) चमगादिड़ (बड़ी) बागल, पंजोंके बलनीचेसर लटकायेहुए लटकनेवाला एक पक्षी विशेष। [जंगलमें रहना।
વનવાસ (सं.) जंगलमें निवास,
વનવાસી (सं) जंगलमें रहनेवाला अरण्य वासी (वि.) त्यागी।
વનવિહાર (सं.) देखो વનક્રીડા।
વનસ્પતિ (सं.) ऐसी बूटियां अथवा पौदेजो औषधिके काम आवें। वह वृक्ष जिसपर बिना फूलके फल आते हों। [वृक्षविद्या।
વનસ્પતિવિદ્યા (सं.) उद्भिदविद्या,
વના (अ०) सिवाय, बिना, बगैर।
વનિતા (सं.) स्त्री, प्रेम करनेवाली स्त्री।

વનેચર (વિ.) દેખો વનચર ।

વનેચા (સં.) પીડા, દુઃખ, ત્રાસ, કષ્ટ । [બેચૈની, કૈફટ ।

વનેડા (સં.) ઘબરાહટ, વ્યાકુલતા,

વનેા (સં.) વિનય, વિવેક ।

વન્ત (વિ.) યુક્ત, વાલા યા વાન્ ઇત્યાદિ અર્થ સૂચક પ્રત્યય ।

વન્તરી (સં.) રાક્ષસી, ભૂતની, ડાકિની ।

વન્તાક-ળા (સં.) બેંગન, ભટા, રીંગણા, શાકવિશેષ ।

વંદક (વિ.) પૂજક, ઉપાસક ।

વંદન-ના (સં.) નમન, પ્રણામ, સ્તુતિ ।

વંદવું (ક્રિ.) પ્રણામ કરના, સ્તુતિ કરના, નમન કરના ।

વંદનિય (વિ.) પૂજ્ય, માન્ય, પ્રણામાર્હ, તારીફકે યોગ્ય ।

વંદિત (વિ.) પૂજિત, પ્રશંસિત ।

વંદેા (સં.) એક પ્રકારકા ઉડને-વાલા પ્રાણીવિશેષ ।

વન્ધ્યા (સં.) વાંઝ સ્ત્રી, ઐસી સ્ત્રી જિસકે સન્તાન ન હોતી હો ।

વપત (સં.) આપદ, વિપદા, દુઃખ દુર્ગતિ, વિપત્તિ । [દૌરદૈવ ।

વપન (સં.) મુંડન, હજામત,

વપની (સં.) ઉસ્તરા, ક્ષુર, અ-સ્તુરા, મુંડનશાસ્ત્ર, ક્ષૌરપટ્ટ ।

વપરાવું (ક્રિ.) કામમેં આના, પ્રયોગ કરના, ખર્ચ હોના, કમ પડના ।

વપરાશ (સં.) પ્રયોગ, ઉપયોગ ।

વપુષ (સં.) આશ્ચર્ય, વિસ્મય, તાજ્જુબ ।

વપુ (સં.) શરીર, દેહ, કાયા, બદન ।

વફા-દારી (સં.) કૃતજ્ઞતા, નમક-હલાલી, વફાયા, ઈમાનદારી ।

વફાદાર (વિ.) વિશ્વસ્ત, વિશ્વ-સનીય, કૃતજ્ઞ, નમક હલાલ, અનુ-રક્ત, ઈમાનદાર, સત્યવાદી ।

વફાદારી (સં.) ઈમાન, વચન, અનુરાગ, પ્રભુભક્તિ ।

વબાદુ (સં.) દુઃખ, પીડા, આપત્તિ ।

વભે। (સં.) વૈભવ, ઠાઠ, સાહિબી, ઐશ્વર્ય, સમ્પત્તિ, ધન, સમ્પદા ।

વમન (સં.) કય, ઉલટી, છર્દિ, રદ, કે, મુંહકે દ્વારા પેટકી વસ્તુ કા બાહિર હોના, રોગવિશેષ ।

વમળ (સં.) (જલમેં) ભંવર, આવર્ત, ચક્રાકાર, ભૌંર ।

વભાસવું (ક્રિ.) સોચ વિચારમેં પડ़ના, વિચારના, નિર્ધારિત કરના, દૂરકી સોચના, પછતાના, શોક કરના, મનન કરના, ચિન્તન કરના ।

વમેલું (વિ.) છાદા હુઆ, ઉગલા હુઆ, ઉલટી કિયા હુઆ, પતિત ।

વય (સં.) જન્મસે વર્તમાન સમય તકકા કાળ, ઉમ્ર, ગતઆયુ, પક્ષીગણ । યૌવન, યુવાકાલ ।

વયણ (સં.) વચન, બૈન, બોળી, વાણી ।

વયવર (વિ.) ઉમ્રવાળા, જીવિત ।

વયસ્યા (સં.) સખી, સહેલી ।

વયી (વિ.) ઉમ્રકા, સમવયસ્ક ।

વયોવસ્થા (સં.) ઉમ્રકા પ્રતિષ્ઠા, જીવનલીલા ।

વર (સં.) દૂલ્હા, બીંદ, દુલહા, પતિ, ભરતાર, સ્વામી, આશીર્વાદ, વરદાન, (વિ.) શ્રેષ્ઠ, ઉત્તમ, ઉમદા ।

વરક (સં.) સોને યા ચાંદીકે પતલે પત્ર, વર્ક, પૃષ્ઠ, પન્ના, સફા, પેજ ।

વરકન્યા (સં) દૂલ્હા દુલ્હિન, વરવધૂ, વિવાહિત સ્ત્રીપુરુષ ।

વરખ (સં.) દેખો વરક–રાશિ, વૃષભ, બારહ રાશિયોંમેંસે દૂસરી રાશિ, (જ્યોતિષ શાસ્ત્ર) વૃક્ષ, પાદપ, ગુલ્મ, પેડ, દરખ્ત ।

વરખાસન (સં.) દેખો વર્ષાસન ।

વરખે (અ.) વર્ષમેં, સાલમેં, સંવતમેં ।

વરગ (સં.) દેખો વરક–વર્ગ, સમાન જાતિકા સમૂહ ।

વરગણી (સં.) ચન્દા, અરગની વિલગની, કપડે રખને યા સુખાને કે લિયે બાંધી હુઈ ડોરી ।

વરઘેટ–ર (સં.) કન્યા પક્ષકે થોડેસે લોગ જો વરકો બુલાને આવેં, બરાતકો રોક રખનેવાલા ।

વરઘોડો (સં.) દૂલ્હાકે બૈઠનેકા ઘોડા, નિકાસી, સરકસ, સવારી, બનોરી, બિદોરી, ફજીહત ।

વરઘોડાની વાડી (સં.) વ્યર્થ, મિથ્યા, આડમ્બર, ચાર દિનકી ચાંદની ।

વરઘોડો ચઢવું (ક્રિ.) ફજીહત હોના, દુર્દશા હોના, ખરાબી હોના ।

વરચવું (ક્રિ.) ઘબરાના, પરેશાન કરના ।

વરચાવું (ક્રિ.) બોલના, કહના ।

વરચસ (સં.) ગુસ્સેમેં સિર કૂંટના ઇત્યાદિ કાર્ય ।

વરસંગ (સં.) વડીભારી લડાઈ, મહાન યુદ્ધ ।
વરસવું (ક્રિ.) દેખો, વર્ષવું ।
વરસેખ (વિ.) વિવાહ યોગ્ય ।
વરસોલો (સં.) ફિક, ચિંતા, ફજીહત, દેખો વરસોડો ।
વરહવું (ક્રિ.) નાચના, ખુજાળના કુરેદના, ખુજલાના ।
વરહું (સં.) હ્રસ્વ તથા દીર્ઘ ઉ ऊ કી માત્રા, ુ, ૂ, અંકુર, બીજમેંસે તત્કાળકા ફૂટાહુવા અંકુર ।
વરહુ (સં.) જાતિ, વર્ણ, ક્ષાતિ, જાત, પદવી, ગણના, લેખા, અક્ષર, રંગ, પ્રથમઅક્ષર, પાની, જળ ।
વરહુસંકર (વિ.) દોગળા, અલગ, અલગવર્ણોંકા મિશ્રણ, યા કિસીકી અન્ય જાતિકી ઔર યા કિસી અન્ય જાતિકા ઉનસે ઉત્પન્ન સંતાન, ઔર ધર્મસે ઉત્પન્ન, અસવર્ણ સ્ત્રી યા પુરુષકી ઔલાદ, હરામજાદા ।
વરહુસિયું (વિ.) દંભી, છળી, કપટી, ઢોંગી, ઐયાશ, છૈલા, દસ્કી ।
વરહુસી (સં.) ઠીપટાપ, ઊપરી મઢક, છૈલાપન, આડમ્બર ભપકા ।
વરહુવરહી (સં.) જાતિપાંત ।
વરત (સં.) ઉપવાસ, અનાહાર, વ્રત, સંકલ્પ, પ્રતિજ્ઞા, નિયમ, પ્રણ માનના, ચમડેકી રસ્સી ।
વરતડી (સં.) છોટી દોરી ।
વરતણિયો-ણીયો (સં.) નગરરક્ષક, ચૌકીદાર. રખવાળા, પહેરેદાર, મુસાફિરકો એક જગહસે દૂસરી જગહ પહુંચાનેવાળા ।
વરતવું (ક્રિ) આચરણ કરના, ચલના, રહના, વર્તાવ કરના, બનના, હોના, જાનના, પરખના, પહિચાનના, મિલના, પ્રાપ્ત હોના ।
વરતારો (સં.) જ્યોતિષી, ગ્રહનક્ષત્ર, આદિ બનાનેવાળા, ગ્રહચન્દ્રસૂર્ય ઇત્યાદિકા ગણિત, ભવિષ્યકથન ।
વરતાવવું (ક્રિ.) ફૈલાના, પ્રચાર કરના, રોજગાર ધન્ધે લગાના । બરતાના ।
વરતાવું (ક્રિ.) ખરના, પરખાના, પ્રચરાના, હોના, ફૈલના ।
વરતાંબો (સં.) ગ્રહગણિત ।
વરતિજો (સં.) દેખો વરતારો ।
વરતિત-ચો (સં.) સરસવિયેંકા બતી । [પીછેસે । (સં.) ઉક્તિ ।
વરતી (અ૰) પીછે, હોનેકે બાદ,

વરદ-દાર્ક-દાકી (વિ.) વર દેનેવાલા, આશીર્વાદ દેનેવાલા, કૃપાલુ।

વરદાન (સં.) અભીષ્ટ, વચન, પ્રસાદ, આશીર્વાદ, શુભવચન।

વરદી (સં.) કહાવત, ખબર, સન્દેસા, આજ્ઞા, ચુટ્ટી, હુક્મ।

વરધ (સં.) વિવાહોત્સવમેં મંડપ મુહૂર્ત ઔર લગ્ન ઇનકે બીચકે દિન।

વરધ બરની (કિ.) વિવાહોત્સવમેં પૂજાકે લિયે લાયા હુઆ પાની, એક ઘડેમેં પાની હોતા હૈ ઔર ઉસ પર નારિયળ રખા હુઆ હોતા હૈ।

વરધસુતાણું (સં.) વૃદ્ધિસૂતક, જનનઅશૌચ, બચ્ચેકે ઉત્પન્ન હોનેકા સૂતક।

વરધ સોકણી (સં.) વહ ગંડા યા ડોરા જો કિ જિયાઁ બચ્ચે ન જીવેં તબ ઐસી એક સ્ત્રી કે હાથ સે જિસ કા કિ એક ભી બાળક નહીં મરા હો બનવાકર (સોના યા ચાઁદીકા) અપને નવ જાત બાળકકો પહેનાતી હૈં।

વરધ (સ.) સૂજન, સોજા, ચોટ યા બાદી ઇત્યાદિ રોગ કે કારણ શરીરકે કિસી ભાગ કા ફૂલ આના

વરમાળ-ળા (સં.) સ્વયંવર મેં કન્યા જિસે અપના પતિ સ્વીકાર કરતી હૈ ઉસ કે ગલે મેં તબ વહ માલા પહિના દેતી હૈ ઉસે વરમાલ કહતે હૈં।

વરરાજા (સં.) રાજા કે સમાન ઠાઠ બાઠ બનાકર વિવાહ કરને કે લિયે આનેવાલા પુરુષ, દુલ્હા, બીંદ। [સ્ત્રી પુરુષ।

વરવધૂ (સં.) વરવધૂ, વરકન્યા,

વરવું (ક્રિ.) નિર્મંત્રિત કરના, વરણ કરના, નિયોજિત કરના, પસન્દ કરના, અનુષ્ઠાન કે લિયે બ્રાહ્મણોંકો બિઠાના। (અ.) વિવાહ કરના, શાદી કરના, કામ મેં આના, પૂર્ણ હોના (વિ.) બદસૂરત, કુરૂપ, બે ડૌલ, નિકમ્મા હલકા। [બનાઓ, માતબિર।

વરવેલ (વિ.) ભારી, ઉત્તમ,

વરસ-સ (સં.) સાલ, વર્ષ, સંવત્, વાર્ષિક વેતન, સાલાના તનખાહ।

વરસગાંઠ (સં.) જન્મતિથિ, જન્મ ગાઁઠ, જન્મ દિવસ, વાર્ષિક દિવસ।

વરસહસાડો। (સં.) પૂરા વર્ષ, ૩૬૦ યા ૩૬૫ દિન કી અવધિ।

વરસહસાડાનોહસાડો। (સં.) ઐસા દુર્લભ દિન જો સાલમેં એકહી બાર આતા હો।

વરસનાં વરસ (सं.) बहुतसे वर्ष, मुद्दत, वर्षों, बहुत साल ।

વરસફલ (सं.) वर्षके आरंभमें ज्योतिषीद्वारा कहा गया सारे वर्षका वर्णन, किसी व्यक्तिके वर्ष कैसा गुजरेगा इसके लिये ज्योतिषशास्त्रसे तय्यार की हुई एक वर्षकी जन्मपत्री ।

વરસવું (कि.) वर्षा होना, पानी बरसना, वृष्टि होना, ऊपरसे गिरना, अचानक अच्छी तरहसे आकर मिल जाना, कुरबान होना, प्रसन्न होना, अच्छी तरह देना ।

વરસ સુંવાળું (सं.) देखो વરસ સુંવાણું । [वेतन इत्यादि ।

વરસાઉ (सं.) वार्षिक, सालाना

વરસાદ (सं.) वृष्टि, मेघ, बौछार, वर्षा, बरसात, ऊपरसे पतन ।

વરસાદ વરસાવવો (कि.) खूब देना या खूब बिखेरना, वृष्टि करना ।

વરસાદની પેઠે બાદ જોવી (कि.) अत्यंत आतुरतापूर्वक मार्गप्रतीक्षा करना, राह देखना ।

વરસાવવું (कि.) वृष्टि करना, अच्छी तरह देना ।

વરસી (सं.) वार्षिक श्राद्ध, मृत पुरुषके मृत्यु तिथिके बाद ठीक एक वर्ष पर कुछ श्राद्ध इत्यादि, मृत्युतिथि मरे हुएके नाम पर प्रथम वर्ष कुछ दान पुण्य इत्यादि ।

વરસુંડી (सं.) कंठमाल नामक रोग, यह कंठमें चारों ओर गठानोंके रूपमें होता है गलगंड रोग ।

વરસેવરસ (अ०) प्रतिवर्ष, हरसाल, सदैव, सालकीसाल ।

વરસોંત–ધ (सं.) वार्षिक भेट, प्रतिवर्ष प्राप्त होनेवाला हक़ ।

વરસોડી (सं.) वार्षिक कर, सालना टेक्स, वार्षिक चंदा ।

વરસોવરસ (अ०) देखो વરસે વરસ ।

વરસોળી (सं.) एक प्रकारका रोग जो गांठके रूपमें शरीरके बाहिर फोड़े के रूपमें रहता है, रसोळी ।

વર્ષ (सं.) वक्त, समय, काळ, वेळा, वार, टाइम ।

વર્ષણા (सं.) सुन्दर स्त्री, वेश्या रण्डी, वारनारी ।

વરાંગી (वि.) सुन्दर अंगवाळी, खूबसूरत (स्त्री)

વરાંસવું (कि.) पछताना, अफ़सोस करना, पश्चात्ताप करना, ठमाना ।

વર્ષસે (सं.) भरोसे विश्वासकरके निर्धारित करके, समझमें ।

વરાંસો (અ०) ભરોસા, વિશ્વાસ ।
વરાક (વિ.) અધમ, નીચ, દીન, નમ્ર ।
વરાભડું (સં.) દેખો વરાભરું ।
વરાટી (સં.) કૌડી, છોટા શંખ ।
વરાડ-ક (સં.) ભાગ, હિસ્સા, બોઅર, બાંટા, લડાઈ ઝગડા ।
વરાડવું (ક્રિ.) લડાના, ઝગડ઼ પૈદા કરાના, તકરાર કરાના ।
વરાડા (સં.) લડ઼ાકા, ફ઼સાદી, ઝગડાળૂ, યોદ્ધા ।
વરાડિયો (સં.) એક પ્રકારકા વૃક્ષ ઔર ઉસકા ફૂલ ।
વરાણિએ (અ०) સે દ્વારા, જરિયે ।
વરાધ (સં.) એકપ્રકારકા ઉદર સમ્બન્ધી રોગ, (બચ્ચોંકો)
વરાપે (અ.) બહાનેસે, મિસસે છલસે, કપટસે, મિષસે ।
વરાપ (સં.) ઇચ્છા, આતુરતા, ચાહ, લાલસા, લિપ્સા, અભિલાષા અવકાશ, ફુરસત ।
વરાવવું (ક્રિ.) વિવાહના, પસન્દ કરાના, વરણકરના, પ્રદાન દેના, ખર્ચ કરના ।
વરાવું (ક્રિ.) નિમંત્રિત હોના, કિસી અનુષ્ઠાન કે લિયે નિયોજિત હોકર આના ।
વરાહ (સં.) સુઅર, શૂકર, સૂવર, કોલ, વિષ્ણુકા તીસરા અવતાર ભી વરાહઅવતાર હુઆથા (પુરાણોંમેં)
વરાળ (સં.) ભાપ, વાષ્પ, ગેસ । ઉચ્ચારણ, બોલ, દિલકી જલન ।
વરાળયંત્ર (સ.) વાષ્પયંત્ર, ભાપ કે દ્વારા ચલનેવાલી કલ ।
વરાળકાઢવી (ક્રિ०) દિલકી નિકાલના, દુઃખોદ્ગાર પ્રકટ કરના ।
વરાળિયું (વિ.) વાષ્પ યુક્ત, ભાપ (બાફ) નિકલને કી જગહ ।
વરિયાળી (સં.) સૌંફ, સુગન્ધિત બીજ વિશેષ ।
વરિયાળીદાણા (સં.) સૌંફ પર શકર કી ચાશની ચઢાકર બનાયે હુએ ગોલ ગોળ દાને ।
વરિષ્ઠ (વિ.) શ્રેષ્ઠ, ઉત્તમ, સર્વોત્તમ, પ્રધાન, મુખ્ય ।
વરી (સં.) દો મહીનોં મેં પકને વાલા એક પ્રકાર કા ધાન્ય (અ०) ફિરસે, દુબારા । [હુઆ કૂઆ ।
વરીઆ (સં.) તાલાબમેં ખોદા
વરુ (સં.) ભેડિયા, એક કુત્તેકે બરાબર માસભોજી ભયાનક જંગલી જાનવર ।
વરુણ (સં.) જલકા અધિપતિ દેવ, પશ્ચિમ દિશાકા સ્વામી, જલદેવ ।

વરણી (સં.) વરણ કરનેકી ક્રિયા, બ્રાહ્મણકો કિસી અનુષ્ઠાન પર નિયોજન કરના । શિક્ષા, દંડ, માર, ફંસના, રુકના, પસંદગી ।

વરે । (અ૦) સાથ, સંગ, સહિત ।

વરેડી–ભરેડી (સ.) ઉપનયન અથવા વિવાહ સસ્કારકે ઉપલક્ષ્ય મેં જાતિભોજન ।

વરેડું (સં.) સુતલી, રસ્સી, ડોરા ।

વરે પડવું (ક્રિ.) કામમેં આના, પ્રયોગ હોના ।

વરે। (સં.) ભોજન, જાતિભોજન, જેવનાર, શુભ અશુભ કાર્યમે જાતિ ભોજ, ખર્ચ, ખરચ ।

વરેાડેા (સં.) ગોલ આકારકા પત્થર, પત્થરકા બેલન, પત્થરકા રૂઠ । [રસ્સી ।

વરેાત (સં.) બડ઼ા રસ્સા, ભારી

વરેાલ (સં.) ભ્રમર, ભૌંરા, આલિ, મલિન્દ જન્તુવિશેષ ।

વરેાલા (સં.) મક્ખી, માક્ષિકા, ભ્રમરી, ભૌંરી, કીટવિશેષ ।

વરેાળ (સં.) વંધ્યાપના, વાંઝપન, તિલ્લી, તાપતિલ્લી ।

વરેાળવું (ક્રિ.) દેખો વલેાવવું ।

વર્ગ (સં.) જાતિ, જ્ઞાતિ, મંડલ, સંસ્થા, સમુદાય, ભાગ, વિભાગ, પ્રકરણ, દર્જા, ક્લાસ ।

વર્ગમૂળ (સં.) વહ અંક જિસકા વર્ગ કિયા ગયા હો (જૈસે ૬૪ વર્ગ ઔર મૂળ ૮ હોતા હૈ(૮×૮= ૬૪ ગણિતવિષય) ।

વર્ગસમીકરણ (સં.) એક પ્રકાર કા ગણિત, (બીજગણિતમેં) ।

વર્ગીય (વિ.) જાતિકા, વર્ણકા, વર્ગ સમ્બન્ધી ।

વર્જ (વિ.) છોડ઼ા હુઆ, ત્યાગા હુઆ, વર્જિત, રદ્ કિયાહુવા, મના કિયા હુઆ ।

વર્જવું (ક્રિ.) તજના, રોકના, મના કરના, છોડ઼ના ।

વર્જિત (વિ) દેખો વર્જ, ત્યાગ કરનેયોગ્ય, ત્યાજ્ય ।

વર્ણ (સં.) જાતિ, બ્રાહ્મણ આદિ ચાર વર્ણ, રંગ, અક્ષરમાળા, મૂલાક્ષર, હુરૂફ, અક્ષર, ભેદ, યશ, વર્ણન । [બખાન ।

વર્ણન (સં.) શંસન, ગુણકથન,

વર્ણનીય (વિ.) કથનીય, પ્રશસ્ય, કહને યોગ્ય કાબિલતારીફ ।

વર્ણસંકર (સં.) વિભિન્ન જાતિકે, માતા પિતાઓંસે ઉત્પન્ન । દોગલા, અસવર્ણ, દૂકાની, ઉપછંગલ ।

વર્ણસમાધિ (સં.) અનુપ્રાસ, ઐસા વાક્ય જિસમેં એકહી અક્ષર લૌટ લૌટ કર આયા હો ।[અક્ષરમાલા ।

વર્ણમાળા (સં.) મૂલાક્ષર, ભાષાકી

વર્ણવિચાર (સં.) અક્ષરવિચાર । (વ્યાકરણમેં પ્રથમ પાઠ) ।

વર્ણવિપર્યય (સં.) અક્ષરકા આધા પીછે હોજાના ।

વર્ણવું (ક્રિ.) વર્ણન કરના, કહના, બયાન કરના, કથન કરના

વર્ણવૃત્ત (સં.) વહ પદ્ય જિસ કે પ્રત્યેક ચરણ મેં લઘુ ગુરુ કા ક્રમ એક સમાન રહતા હો, ગણવૃત્ત ।

વર્ણસંધિ (સં.) અક્ષર સન્ધિ ।

વર્ણવર્ણ (વિ.) વર્ણ ઔર અવર્ણ કા મિશ્રણ, ઉચ્ચ નીચ કા મેલ ।

વર્ણાનુક્રમણિકા (સં.) અકારાદિ વર્ણક્રમ પૂર્વક સૂચી ।

વર્ણાનુપ્રાસ (સં.) યમક, યતિ, વર્ણ કા અનુપ્રાસ (છન્દ શાસ્ત્ર મેં)

વર્ણાશ્રમ (સં.) બ્રાહ્મણ, ક્ષત્રિય વૈશ્ય ઔર શૂદ્ર વર્ણ તથા, બ્રહ્મચર્ય, ગૃહસ્થ વાનપ્રસ્થ ઔર સંન્યાસ આદિ આશ્રમ ।

વર્ણિત (વિ.) કથિત, બયાન કિયા હુઆ । કહા હુઆ ।

વર્ણોચ્ચાર (સં.) અક્ષરકા ઉચ્ચારણ ।

વર્તણૂક (સં.) ચાલ, રસ્મ, આચરણ બર્તાવ કરને કી રીતિ । ચાલચલન, વ્યવહાર, ચરિત્ર ।

વર્તન (સં.) આચાર, રીતિ, બર્તાવ અખબાર, ચાલહાલ ।

વર્તમાન (સ.) સમાચાર, ખબર, સમાચાર પત્ર, અખબાર, (વિ.) આધુનિક મૌજૂદા, વિદ્યમાન ।

વર્તમાનકાળ (સં.) જો સમય ચલ રહા હો, મૌજૂદાવક્ત ।

વર્તમાનપત્ર (સં.) સમાચારપત્ર, ગજટ, અખબાર, ન્યૂઝ પેપર ।

વર્તવું (ક્રિ.) આચરણ કરના, ચલના, રહના, બનના, હોના, જાના, પરખના, દેખના ।

વર્તારો (સં.) દેખો વરતારો

વર્તાવવું (ક્રિ.) દેખો વરતાવવું

વર્તિક (સં.) જૈન સામ્પ્રદાયિક યતિ, શ્રાવક ધર્માનુયાયી સાધુ ।

વર્તી (વિ.) રહનેવાલા, હોનેવાલા ।

વર્તુળ–ળા (વિ.) ગોલાકાર, ગોલ વસ્તુ, મણ્ડલ, ગોળ ।

વર્ધક (વિ.) વૃદ્ધિકર્તા, બઢાને વાલા, અધિકતા દેનેવાલા ।

વર્ધમાન (વિ.) વર્ધિત, બઢતા હુઆ, પ્રવૃદ્ધપ્રાપ્ત, ઉદિત, પ્રબલ સમ્પત્તિ મેં વૃદ્ધિગત ।

વર્મ (સં.) કવચ, શરીર ત્રાણ, લોહમયવસ્ત્ર, બખ્તર ।

વર્ય (વિ.) શ્રેષ્ઠ, મુખ્ય, ખાસ, પસન્દ કિયા હુઆ, પ્રવર, વર, શિરોમણિ ।

વર્ષ (સં.) સાલ, સંવત, બારહ મહીને અથવા ૩૬૦ યા ૩૬૫ દિનોં કા અવાંધિકાલ, વત્સર ।

વર્ષફલ (સં.) સંવત કા ફલ એક વર્ષભરકા ભવિષ્ય કથન, (જ્યોતિષ શાસ્ત્રદ્વારા) ગ્રહ ગણિત દ્વારા વર્ષ ભર કે સુખ દુખ કી જન્મત્રિકા ।

વર્ષા-ઋતુ-ઋતુ (સં.) વૃષ્ટિ, બારિશ, બરસાત, પ્રાવૃટ્‌કાલ, પાની બરસના, ઊપર સે ગિરના ।

વર્ષાસન (સં.) વાર્ષિક વેતન, સાલના તનખ્વાહ યા પુરસ્કાર ।

વર્ષોવર્ષ (સં.) પ્રતિવર્ષ, હરસાલ, પ્રતિ સંવત્સર, વાર્ષિક ।

વલખાં (સં.) વ્યર્થ ઉદ્યોગ, વ્યર્થ પરિશ્રમ, મિથ્યા પ્રયત્ન ।

વલખાડુપી (સં.) ભટકા હુઆ, ઘુમાઊકી, ફીરા હુઆ ।

વલણ (સં.) ઢબ, રહ, ભાવના, રુચિ, મતિ, આકાર, વલોણા (જ્યારકે બંધન) ચાલ, મોડ, સ્વરૂપ, ઢોલ, ઢંગ, મરોડ, ટેઢાપન, વ્યૌહારમેં ટોટેનકેકા મદ્દા, વેલન । [મેં રખી હુઈ જમીન ।

વલદાઉણાં (સં) રુપયોંકે બદલે

વલદે-ડે (સં.) વત્સ, પુત્ર, લડકા ।

વલંદો (સં.) યૂરોપ ખંડકે હાલેન્ડ દેશકાનિવાસી, ડચ, હાલેંડર્સ ।

વલંબાવું (ક્રિ.) લગરહના, સંલગ્ન હોના । [હાથકી ચૂડી ।

વલય (સં.) હાથકા કંકણ, કંગન,

વલવલ (સં.) ચાહિયે ઉસસે અધિક ચંચલતા, બેચૈની ઘબરાહટ । [પટ્ટી, ચંચલ ।

વલવલતું (વિ.) બેચૈન, ઘબ-

વલવલવું (ક્રિ.) ચંચલતા કરના, ઘબરાહટ કરના, બેચૈની કરના ।

વલવલાટ (સં.) દેખો વલોપાત ।

વલવલિયું (વિ.) ચંચલ, ઘબરાહટ. ચપલ, ઉદ્દંડ, ઉચ્છૃંખલ ।

વલી (સં.) ફકીર, (મુસલમાન) સાધુ, ઈશ્વરભક્ત ।

વલ્લ (સં.) પુટ, તહ, પર ।

વલ્લું-ળું (વિ.) ઢગા હુઆ, દિયા હુઆ, કાકપર્મે પંજાબકા ।

વલંઘવું (ક્રિ.) હિलना, लगना, पकना, लालचमें एकबार सफलता पाकर बार बार उसकी इच्छा करना । [खुजाळ ।

વલુર–ળ (सं.) खुजली, खाज,

વલુરવું (ક્રિ.) नोंचना, खुजलाना, खोरना, कुरेदना, खुरचना ।

વલે (सं.) स्थिति, दशा, हालत, अवस्था, दुर्दशा, उपाय । [दिन ।

વલોઅવાર (अ०) तीसरे चौथे

વલોણું (सं.) मथनी, बिलोनेका बरतन, बिलोवनी, मंथनदण्ड, रवई, रई, दही आदि मथनेका दण्ड अथवा पात्र ।

વલોપાત (सं.) बेचैनी, व्याकुलता, तोफान, गड़बड, हायहाय, रुदन, विलाप ।

વલોપાતિયું (वि.) तूफानी, उपद्रवी, बेचैन, व्याकुळ, व्यथित ।

વલોવવું (ક્રિ.) इधर उधर हिलाना, मथना, दूध दही आदि पदार्थोंका मंथनदण्ड द्वारा मथना । बिलोना ।

વલ્કલ (सं.) छाळ, त्वक्, बकला, वृक्षोंका ढाल, वृक्षकी भीतरी छाळ, वृक्षकी छालके वस्त्र ।

વલ્લભ (सं.) पति, स्वामी, नाथ, कंत, खसम, आशिक, परकीय प्रीतम, (वि.) प्रिय, प्यारा, दुलारा । [प्रिया,माशूक,प्रियतमा ।

વલ્લભા (सं.) स्त्री, भार्या, पत्नी,

વલ્લભાચાર્ય (सं.) वल्लभ संप्रदायका आदि प्रवर्तक, वल्लभ भट्ट ।

વલ્લભી (वि.) वल्लभाचार्य सम्बन्धी

વલ્લરી (सं.) बेल, लता, बेलि ।

વલ્લી–ડિ (सं) दीमक, बिम्बोट, दीमककी बनाया हुआ मिट्टीका घर ।

વલ્લવ (सं.) ग्वाला, ग्वाल, गऊ पालक मनुष्य ।

વલ્લિકા (सं.) देखो વલ્લરી ।

વલ્લી (सं.) पूर्ववत्

વલ્લી (सं.) पूर्ववत्

વલ્લું (वि.) ढीला, चौड़ा खुला हुआ, जुदाजुदा ।

વલ્લું ચાલવું (ક્રિ.) टेढ़ा चलना तिरछा चलना । [धामा ।

વવરાવું (ક્રિ.) ठहराया, रोका,

વવરાવું (ક્રિ.) काम में आना, खर्च होना, प्रयोग होना ।

વવળવું (अ०) खुजाळ आना, खुज लाना । [चुल, खुजाल ।

વવળાટ (सं.) खाज, खुजलाहट,

વશવું (ક્રि.) ઠગાવું, છેતરાવું ।
વશે (સં.) વિવેક, જ્ઞાન, સમજ શક્તિ ।
વશ (અ॰) સ્વાધીન, તાબે, મોહિત, આધીન, અધિકૃત, અધિકાર યુક્ત, અધિકાર પ્રભુત્વ । (વિ.) તાબેદાર, વશ વર્તી ।
વશા (સં.) વંધ્યા, વાંઝ ઔરત, પુત્રી, નનંદ (પતિ કી બહિન) હથિની, હસ્તિની, હાથી કી માદા ।
વશાત્ (અ॰) કબજે, જોરસે, અધીનતા પૂર્વક ।
વશાત (સં.) કીમત, મૂલ્ય, પૂંજી ।
વશિયર (સં.) સર્પ, સાંપ, ભુજંગ, અહિ, પન્નગ, ઉરગ, વિષધર, વિષ, જહર, હળાહળ ।
વશીકરણ (સં.) આધીન કરને કી પ્રક્રિયા, વશ કરને કે લિયે તંત્ર, મંત્ર અથવા યંત્ર આદિ, વશ મેં કરનેકા મન્ત્ર-પ્રયોગ-આદ્ ।
વશેષ (અ॰) વિશેષ, અધિક, જ્યાદઃ ।
વશ્ય (વિ.) વશીભૂત, અધીની ભૂત ।
વસ્કાળું (સં.) મનોરથ વિચાર, પ્રસ્તાવ, મેળ, તજવીજ, ઠઠે હુએ કો સમજાના, દેખભાલ, ખિયાલ ।
વસ્કારો (સં.) ખિયાલ કરને વાલા । [લોગ ।
વસ્કાયેલું (વિ.) બિગડા હુવા,
વસ્તિ–સ્તી (સં.) બસ્તી, વાસ, રહનેવાલે લોગોંકી સંખ્યા । બસી હુઈ જગહ ।
વસ્તીવાડી (સં.) બાલ બચ્ચે ।
વસ્તેવ (સં.) અગ્નિ, આગ, અનલ ।
વસ્ત્ર (સં.) દેખો ૦વસ્ત્ર પહિરને કે વસ્ત્ર, પોષાક, કપડે લત્ત, વાસ, નિવાસ ।
વસ્ત્રી (વિ.) દેખો ૦વસ્ત્રી
વસંત (સં.) ઋતુ વિશેષ, ઋતુરાજ ફાલ્ગુન ઔર ચૈત્ર કા મહિના, મીન ઔર મેષ રાશિપર જબ તક સૂર્ય રહતા હૈ તબ તકકા કાલ, રાગ વિશેષ ।
વસન્ત તિલકા (સં.) માત્રિક વૃત્ત વિશેષ । યહ છન્દ તગણ, ભગણ, દો જગણ ઔર દો ગુરુકા હોતા હૈ (પિંગળ શાસ્ત્ર) [પંચમી ।
વસંતપંચમી (સં.) માઘ સુદ
વસંતપૂજા (સં.) બ્રાહ્મણો કો બુલાકર વસન્તકા પૂજન કરાને કી પ્રક્રિયા ।

वसंतियुं (सं.) वसंती, एकेद वस्त्रपर कुसुंभे के रंग के छींटे डाल कर स्त्रियों के ओढने का वस्त्र बना या जाता है इसे स्त्रियां वसन्त ऋतु में ओढती हैं ।

वसन्ती (वि.)वीका वसन्तसम्बन्धी ।

वसन्तोत्सव (सं.) वसंत ऋतुका उत्सव, होलिकोत्सव ।

वसमुं (वि.) सख्त, कठिन, कठोर, कर्रा मुश्किल, खराब, खोटा, बांका, आड़ाटेढा ।

वसल (सं.) सम्बन्ध, मेळ, मिलाप ।

वसलो (सं.) टुकड़ा, खण्ड, भाग, गुह, प्रबन्ध, तदबीर ।

वसवलो (सं.) बारदाना, टाट, बोरी, बोरा, थैला, जाळा ।

वसवसो (सं.) अन्देशा, खतरा, भय, सन्देह, वहम, शक ।

वसवा (सं.) भाग, जमीनका टुकड़ा ।

वसवायुं (सं.) शिल्पकारियोंकी जाति, जैसे बढई, लुहार, मोची, कुंभार, सुनार, नाई, धोबी बस्ती का काम करनेवाले ।

वसवायुं (सं.) बराबरी, चढाऊडी, स्पर्धा ।

वसवुं (कि.) रहना, वास करना, निवास करना, बसना, मनमें आना, दिलमें जंचना, विषय होना, ठसना, मुकाम करना ।

वसती ऽरवी (कि.) बन्द करना, रोकना, ठहराना, अटकाना ।

वसाणुं (सं.) अत्तारके यहां मिलनेवाली वस्तु, औषधि, दवा, जड़ी बूटी ।

वसात (सं.) कीमत, मूल्य, पूंजी ।

वसावबुं (कि.) बसाना, बस्ती करना, लाकर बसाना, खरीद करना, नये स्थानपर बसाना ।

वसावुं (सं.) कोल भीलों द्वारा ग्राम रक्षा ।

वसावेो (सं.) चौकीदार, रक्षक, पहिरेवाला, नगर रखवाला ।

वसिअत (सं.) जागीर, जायदाद, उत्तराधिकारपत्र ।

वसिअतनामुं (सं.) मृत्युके बाद अपनी जायदाद जागीरका अधिकारपत्र, वसीयतनामा ।

वसिआ (सं.) वास, निवासस्थान, रहनेका स्थान ।

वसिणे-सीणे (सं.) अरिवा, बदन, मारफट, द्वार, बोल ।

વસુ (સં.) અગ્નિ, દેવતાવિશેષ, ઘર, દ્રવ્ય, લોભ, વિષ્ણુ, અગ્નિ, જળ, પ્રત્યૂષ અને પ્રભાસ એ આઠ વસુ નામથી પ્રસિદ્ધ દેવતા છે। પૈસા, ધન, દ્રવ્ય, ધૂલ, સૂર્ય, અગ્નિ।

વસુકવું-ઈવું (ક્રિ.) દૂધ દેતે દેતે બંધ હોના, ગાય ભૈંસ ઇત્યાદિકા દૂધ દેને સે હટ જાના।

વસુધા (સં.) પૃથ્વી, ભૂમિ।

વસુમતિ (સં.) પૂર્વવત્।

વસુલ-સૂલ (સં.) પ્રાપ્ત, જમા, આમદની, આવ।

વસુલ કરવી (ક્રિ.) પ્રાપ્ત કરના, આમદની સંગ્રહ કરના।

વસુલ થવું (ક્રિ.) પ્રાપ્ત હોના, આમદની મિલના, ઋણ આદિ પ્રાપ્ત હોના।

વસુલદાર (સં.) વસૂલ કરનેવાલા, વસૂલી કરનેવાલા, ઉઘાનેવાલા।

વસુલપાઈ (સં.) આમદની દેકર જો ધનવાકી રહે, ગણિતવિશેષ।

વસુલાત (સં.) મહસૂલ, આમદંથી, વસૂલી ભરના, પ્રાપ્તિ।

વસે (સં.) હાથ બીઘા, બિસ્વા, બીસ બિસ્વાંકી, સવા પાંચ હાથ, સાડે સાત ગજ, ભૂમિ આપનેકા પરિમાણવિશેષ, અન્દાજ, અટકલ, આવક।

વસ્ત (સં.) દેખો વસ્તુ।

વસ્તાર (સં.) દેખો વિસ્તાર।

વસ્તારિયુ (વિ.) બડે કુટુમ્બવાલી।

વસ્તારી (વિ.) બડે કુનબેવાલા, બડા ગૃહસ્થ, કુટુમ્બયુક્ત।

વસ્તીપત્રક (સં.) ગામ શહર ઇત્યાદિકી મનુષ્યગણના। જન-સંખ્યા।

વસ્તીવાળું (વિ.) બડે કુટુમ્બવાલા

વસ્તી (સં.) બસ્તી, લોગ, જન, મનુષ્ય, આબાદી।

વસ્તુ (સં.) પદાર્થ, દ્રવ્ય, સામગ્રી, ચીજ, મૂલ સ્વભાવ, ગુણ, ધર્મ। મૂલ ઉદ્દેશ, ભાવ, તાત્પર્ય, અર્થ, નાટક ઇત્યાદિકા વિષય।

વસ્તુગત્યા (અ૰) વાસ્તવિક, દર અસ્લ, સચ્ચી દૃષ્ટિસે દેખનેપર।

વસ્તુતઃ (અ૰) સચમુચ, દર અસ્લ, નિશ્ચયરૂપ।

વસ્તેવ (સં.) અગ્નિ, આગ, અનલ।

વસ્ત્ર (સં.) બસન, કપડા, ચીર, પટ, પોશાક।

વસ્ત્રહરણ (સં.) ચીરહરણ, વસ્ત્રોંકી લૂટ, લસોટ।

વસ્ત્રાલંકાર (સં.) કપડે લત્તે ઔર ગહને, વસ્ત્રાભૂષણ, ज़ेवर तथा कपड़े।

વસ્ત્રું (વિ.) देखो વસ્ત્રું।

વહન (સં.) અગ્નિ, વહ્નિ, आग, अनल; (સં.) वाहन, सवारी (ક્રિ.) खेआना, वहन करना।

વહવાવું (ક્રિ.) ठगाना, छलेजाना।

વહાડ (સં.) बाढ, धार, काट-डालनेकी शक्तिवाली धार, धाव, जखम, गन्नेके खेतकी कटती, कटनी (फसल या खेतकी)

વહાડકાપ (સં.) काटातराशीका धंदा, (डाक्टरका)

વહાડ કુટિયો (સં.) झगड़ालू, झंझटगड़ करनेवाला, तकरारी।

વહાડવું (ક્રિ.) देखो વાઢવું।

વહાડવું (સં.) खजूरका कोयला पिंडखजूरका थैला, बरिया।

વહાડી (સં.) घीभरनेका पात्र विशेष।

વહાડીઓ (સં.) देखो પાડિઓ।

વહાણ (સં.) नाव, नौका, जलयान, पोत, जहाज।

વહાણપ (સં.) खड़ाऊं, पादुका, पावड़ी।

વહાણવટી (સં.) नाविक, मल्लाह, खलासी, जहाजोंमें माल भरकर जलमार्ग द्वारा व्यापार करनेवाला बड़ा व्यापारी।

વહાણવટું (સં.) समुद्रयात्रा, जल-यात्रा, सफर, समुद्रयान, नाव, अथवा जहाज़ चलानेका धन्धा।

વહાણું (સં.) प्रभात, मिनुसारा, भोर, सुबह, प्रातःकाल।

વહાણેલું (સં.) पूर्ववत् (ऊपरमें)

વહાર (સં.) किसीकी सहायता, हुक्म, मदद, फरियाद, सहायताके लिये प्रार्थना, किसीकी रक्षाके लिये भेजीहुई सेना। [प्रेम, लाड, प्यार।

વહાલ (સં.) हेत, प्रीति, स्नेह

વહાલપ (સં.) हेत, प्रेम, आसक्ति, माया, प्यार।

વહાલું (વિ.) प्रिय, प्यारा, दुलारा, लाड़ला, योग्य, उचित, रुचिकर, जिससे प्रेम उत्पन्न हो।

વહાલેસરી (સં.) हितेच्छु, शुभ-चिंतक, शुभेच्छु।

વહાવું (ક્રિ.) ठगाना, छलेजाना छलना, फुसलाना, बहकाना, पोदना, ठगाना।

વહિવટદાર (સં.) मबदूरी।

વહિવટ-ત્ર (સં) શ્રમ, મિહનત, પરિશ્રમ, આયાસ, મજદૂરી, અંગ-મુહનત કામ, મજૂરી, મેહેનતાના, મેહનતકરનેવાલા, બેલદાર, બદલેમેં કુછ લેકર કિયા હુવા કામ ।

વહિવતરો (સં.) મજદૂર, મજૂર, બેલદાર ।

વહિવટ (સં.) પ્રથા, ચાલ, રિવાજ, વ્યવહાર, શિરસ્તા, વ્યવસ્થા, પ્રબંધ લેન, દેન, સંબંધ, પ્રસંગ ।

વહી (સં.) હિસાબ લિખનેકી કિતાબ, વંશાવલીકી પુસ્તક ।

વહીપુજન (સં.) દિવાળીકે દિન હિસાબકી નઈ કિતાબેં ચાલૂકી જાતી હૈં ઔર ઉનકા પૂજન હોતા હૈ ।

વહીવટી (સં.) પ્રથા ચલાનેવાલા, રીતિ ડાલનેવાલા । [વાળા ભાટ ।

વહીવંચો (સં.) વંશાવળી પઢને

વહિવટદાર (સં.) વ્યવસ્થાપક, પ્રબન્ધક, કારભારી ।

વહુ (સં.) વધૂ, બહૂ, પત્ની, ભાર્યા, ઔરત, જુમાઈ, દારા, પ્રિયા, કાન્તા, ગૃહિણી, અર્ધાંગી, ઘટક, પુત્રવધૂ. સ્ત્રુષા, સ્ત્રીકે નામકેસાથ ગુજરાતમેં ઇસશબ્દકો પ્રયોગ કરતે હૈં । [સ્ત્રી પુરુષ ।

વહુવર (સં.) પતિપત્ની, વરવધૂ,

વહુવરુ (વિ.) જ્ઞાન વિનાહિતલબી

વહેંચણ (સં.) બંટવારા, બાંટ, વિભાગ, વર્ગીકરણ, હિસ્સા ભાગ ।

વહેંચવું (ક્રિ.) હિસ્સેકરના, ભાગકરના, વિભાગકરના, અલગ અલગકરના, મતભેદ હોના, ફૂટ હોના ।

વહેંચીલેવું (ક્રિ.) લડાઈકરના ।

વહેંચાવું (ક્રિ.) ભાગહોના, હિસ્સા હોના, પૃથક ૨ રહના, મિત્રતા છૂટના, ફૂટહોના । [ચાલૂ ।

વહેતું (વિ.) પ્રવાહિત, બહતાહુઆ,

વહેંતીનીકે બગડેવો (ક્રિ.) ચાલૂ કાર્યમેં વિઘ્ન ઉપસ્થિત કરના, ખલલ કરના ।

વહેતીનંબા-સેર (સં.) ચાલૂઆમ દની યા રોજગાર ધન્ધા ।

વહેતુમૂંકવું (ક્રિ) દૂરકરના, અલગ રખદેના, મટકાના, ધ્યાનમેં નલેના, કુછ પરવાહ ન કરના ।

વહેમ (સં.) શક, સન્દેહ, સુંવાહી ભ્રમ, ભ્રાંતિ, સંશય, અન્દેશા, અવિશ્વાસ, વિતર્ક, દુષ્ટભાવ, કુકલ્પના, અન્ધ વિશ્વાસ ।

વહેમી (વિ.) શંકિત, અવિશ્વસ્ત શકી, તરંગી, ઝહરી, કચે કાનોંકા સંશયી ।

વહેમીલું વહુ (સં.) અસંતસંશયી, બહુત સંદેહ કરનેવાલા વ્યક્તિ।

વહેર (સં.) તરાશને અથવા ચેદ કરનેસે નિકલાહુવા બૂરા, બુરાદા ચૂર।

વહેરવું (ક્રિ) કાટના તરાશના, ચેરના, ચીરના (લકડી ઇત્યાદિ)

વહેરણ (સં.) આરી, કરવત, આરા, કરૌંત, તરાશને અથવા ચીરનેકા ચેતન।

વહેરણીઓ (સં.) ચીરનેવાલા, તરાશનેવાલા, આરાકશ, બઢઈ।

વહેરાઈ-ભત્ત (સં.) તરાશને યા ચીરનેકા ચેતન। [ફાસલ્ક।

વહેરો (સં.) અન્તર, ભેદ, ફર્ક,

વહેલ (સં.) ગાડી, વાહન, સવારી।

વહેલું (વિ.) ઉતાવલા, જલ્દબાજ (અ૦) જલ્દીસે, શીઘ્રતાસે, તેજીસે, થોડીહી દેરમેં, તુરન્ત, સરલતાસે, બિના પરિશ્રમ, ખુશીસે।

વહેવડાવવું-રાવવું (ક્રિ.) બહકાના, બહાર નિકાલના, ઠગાના, નિકાલના, ફુસલાના। [કમાના।

વહેવરાવવું (ક્રિ.) નકાપાના

વહેવહ-ભાઇ (સં.) લડકે યા ભત્રીજેકી સાસૂ, ભ્રાયન।

વહેવાર (સં.) બરકરારકા કામ, (આપસમેં)

વહેવાર (સં.) વ્યવહાર, સમ્બન્ધ, નાતા, બરોબા, પરિચય, સમાગમ, વ્યાપાર।

વહેવારિયો (સં.) સાહૂકાર વ્યાપારી।

વહેવારિયું (વિ.) સાધારણ, મધ્યમ જિસસે વ્યવહાર ચલે।

વહેવારૂ (વિ.) સાધારણ, મધ્યમ।

વહેવું (ક્રિ.) બહના, પ્રવાહહોના ચૂના, ટપકના, ઝરના, પૂરાહોના, દરવાજિરજાના, બહકના, ફટના, ઉદ્ગમહોના, નિકલના, અમર્યાદ હોના, ઉઠાના, તાનના, સહક કરના નિભાના।

વહ્નિ (સં.) અગ્નિ, આગ, પાવક।

વહ્યું જવું (ક્રિ.) ચલેજાના, જાતે રહના, બહજાના, નિકલજાના।

વહ્યો જા (અ૦) ચલાજા, નિકલજા।

વહેંગો (સં.) દેખો વેહંગો।

વહોળું (સં.) બિના, બગૈર।

વહોન (સં.) દેખો વહન।

વહોરત (સં.) દેખો વોરત।

વહોરતીઓ (સં.) દેખો વોરતીઓ।

વહોરો (સં.) બોહરા, મુસલમાન વ્યાપારી જાતિ વિશેષ।

વળ (સં.) બલ, બટ, ઐંઠન, મોડ મરોડ, સામર્થ્ય, શક્તિ, તાકત, આંટા, બનાવટ, રચના, યુક્તિ, કલા, કરામત, પેચ, ભ્રમ, ફાંદા દાવ, અનુકૂલતા, દ્વેષકાંના, કાઢ, બંટણ, બલન ।

વળાવળ (સં.) અનુકૂલતા और પ્રતિકૂલતા, હાનિલાભ ।

વળો (સં.) મનકીશાંતિ, સહાનુભૂતોકમહોના ।

વળગણ (સં.) સમ્બન્ધ, નિરબત, પ્યાર, ભૂતપ્રેતસે કષ્ટપાના, પરકીય સ્ત્રી પુરુષકાપ્યાર, કબ્જા માલિક, ભૂત પ્રેત ઇત્યાદિ ।

વળગણી (સં.) અરગની, વિલગની, બંધા હુઆ રસ્સીકા ટુકડા જિસ પર કપડે લટે રખે જાતે હૈં ।

વળગવું (ક્રિ.) લગના, ચિપટના । પકડના, રસ્તા રોકના, જબરદસ્તીસે લેના, મિલના, આલિંગન કરના, લડાઈ કરના, ઝગડા કરના, ટંટા ફસાદ કરના । રોગકી સોહબત હોના ।

વળગાડ (સં.) ભૂત ઇત્યાદિકે સ્વધિન હોના, ભૂતપ્રેત ઇત્યા० ।

વળગાવવું (ક્રિ.) લગાના, ચિપટાના, મિલાના, ભેટ કરાના ।

વળગી પડવું (ક્રિ.) આલિંગન દેના, ચિપટ જાના । [કરના ।

વળગીને ભેટવું (ક્રિ.) આગ્રહ

વળ ચઢાવવું (ક્રિ.) ઉકસાના, દમ્પટી દેના, બઢાના, બલ દેના ।

વળચું (સં.) દેખો વલચું ।

વળતર (સં.) બદલા, એવજ ।

વળતાં (અ.) પીછે લૌટતે, વાપિસ હોતે ।

વળતાં પાણી (સં.) શાંતિ, બુઢાપે મેં નરમ હોતા હુઆ શોચ, ઓરતી કમી, વર્ષા હોનેકા ચિન્હ ।

વળતી કળા (સં.) બીમાર મનુષ્ય કો ધીરે ધીરે નીરોગતા પ્રાપ્ત હોના ।

વળતી દશા-દશાઓ (સં.) ભાગ્યોદય, અચ્છી દશાકા આગમન ।

વળતી (અ.) પીછે, પીછેસે, બાદમેં ।

વળદાર (વિ.) ઐંઠા હુઆ, આંટેદાર, પેચદાર, બટા હુઆ ।

વળ ચાડવો (ક્રિ.) બલ દેના, બઢના, મરોડના, ઐંઠના ।

વળવળ (સં.) ચટપટ, બેચૈની, અસ્વસ્થતા । ઘબરાહટ ।

વાંકું (કિ) વાંકા હોના, टेढा होना, तिरछा होना, ऐंठना, बलना, फिरना, मुड़ना, ऐंटना, गोल फिरना, दूर जाना, क्रम होना, पक्ष लेना, सीधी राह छोड़कर दूसरी राह जाना, कटाना, कम होना, शरीरकी जुदी जुदी स्थिति करना ।

વાંકા કીધવો (કિ.) दिलमें वाह रखना, चिपट रहना ।

વાંકાવવું (કિ.) विदा करना, कुछ दूर तक जाकर पहुंचाना, साफ कराना, लड़कीको ससुराळ में पहुंचाना, वापिस लौटाना, समझाना ।

વાંકાવું (કિ.) यात्रामें भयानक स्थानोंमें किसी रक्षकको साथ रखना, रक्षकको पैसे देना, साथ साथ आकर मार्ग दिखाना ।

વાંકાવો (સં.) रक्षक, रखवाळा, रास्तेमें संभाल रखनेवाळा ।

વાંકી (અ.) फिरसे, पुनर्वार, दुबारा, तदुपरान्त, भी, (सं.) लड़केके मुंह पर मजबूती के लिये लगाया हुआ किसी धातुका छल्ला, स्याम ।

વાંકી જવું (કિ.) मुड़ना, झुकना, लौटना, छूटना, वापिस होना ।

વાંકું (સં.) टोली, मंडळी, जमात, पलीका, जरिया, कुआ खोदते समय पृथ्वीसे निकलनेवाले अलग अलग पड़-तह । वह शस्त्र जो भूमिके खोदनेसे निकले लोहेके पतरेका खोल, जमीनका थोड़ासा हिस्सा, कपड़ेपर पसीनेका दाग, मेहूंकी रोटी ।

વાંકું કરવું (કિ.) लगाना, प्रेम करना ।

વાંકું (અ.) से लिये, वास्ते, कारण । [एज्यूकेशन ।

વાંકું (સં.) शिक्षा, शिक्षण,

વાંકોટ (સં.) मरोड़, ढंग, ढांचा, सूरत ।

વાંકોટ (સં.) देखो વાંકું ।

વાંકોટવું (કિ.) श्रेष्ठ होना, उत्तम होना, बढिया होना ।

વાંક (સં.) टेढापन, टेढाई, बंकता, तिरछापन, स्त्रियोंके हाथमें पहिरनेका सोना या चांदीका आभूषणविशेष, गुनाह, अपराध, भूलचूक, दोष, बल, मरोड़, ऐंठन ।

વાંકોડેવું (વિ.) आड़ाटेढा, बांका टेढा, आड़ातिरछा ।

વાંક કાઢવો (કિ.) दोष निकालना, अपराध ढूंढना, बांक बताना ।

વાંકડી (વિ.) ઉત્તમ જાતિના બળદો કિસનકા, વાંક, ચોર।
વાંકડું (સં.) વક્રતા, ટેડાપન, આભૂષણવિશેષ, અંગુલિઓમેં પહિનેકા એક ગેવર વિશેષ, ઘોડા, અશ્વ, (વિ.) વાંકા, ટેડા, તિરછા, આડા।
વાંકડે (સં.) વરકો દેનેકા દહેજ।
વાંકલું (વિ.) દેખો વાંકું।
વાંકાઈ-ઇ (સં.) ટેડાપન, તિરછાપન, વક્રતા, વાંક।
વાંકા બોલું (વિ.) ટેડા બોલનેવાલા।
વાંકી ચાલ (સં.) કુચાલ, બદચલની। [નારાજી, અસન્તુષ્ટતા।
વાંકી નજર (સં.) અવકૃપા,
વાંકી પાવડી મુકવી (ક્રિ.) દિવાલા નિકાલના, દરિદ્રતા દિખાના।
વાંકું (વિ.) વક્ર, આડા અવળા, તિરછા, ટેડા, વાંકા, કુરે રાસ્તે જાનેવાલા, દુષ્ટિલ, ખોટા, ઠૂંઠા, યુક્તિયુક્ત, છેલા, રંગીલા, છુપા, અકડૈત, અનબન, વક્રતા, નારાજી।
વાંકું ઘુકું (વિ.) આડાટેડા, ઉલટા સીધા। [વ્યવહાર કરના।
વાંકું ચાલવું (ક્રિ.) કુટકરના,
વાંકું તેડ (વિ.) બિલકુલ ટેડા, બહુતહી વાંકા।
વાંકુંકરીને (સં.) દુર્દૈવ, દુરદૈવ।
વાંકીનજરેજોવું (ક્રિ.) ચુપચાપ દેખના; ક્રોધપૂર્વક દેખના, પ્રેમદૃષ્ટિસે દેખના, કુદૃષ્ટિ।
વાંકું પડવું (ક્રિ) બુરા લગના, દુઃખ હોના। [બાલા નિકાલના।
વાંકી પાંવડી મૂકવી (ક્રિ,) દિ-
વાંકું બોલવું (ક્રિ.) કટુ બોલના, નિન્દા કરના, કટુ ભાષણ કરના।
વાંકું મોં કરવું (ક્રિ.) મુખ મોડ઼ના, તિરછા દેખના, ગુસ્સે હોના, મુંહ બનાના, અપ્રસન્ન હોના।
વાંકું વળવું (ક્રિ.) નીચા ઝુકના, નમના, ઝુકના નમ્રહોના।
વાંકું વરાણું (સં.) ટેઢા ફકડ।
વાંકું વાળવું (ક્રિ) નીચાકરના ઔંધા કરના, ઉંઢેલના, નરમ કરના, અધિકારમેં લેના।
વાંકું વસકું (વિ.) અનબન, નારાજ વિપરીત વિવાદ।
વાંકા (વિ.) ટેડા, આડા, વક્ર તિરછા। [વિનાઅક્કલકે કટ।
વાંકા-ખા (સં.) પાકાકડી,
વાંકું-ખુ (સં) કન્દરા, ગુફા, ગર, ગાંદ, બિલ, ઘર, ગુહા,

પઈસ (સં.) પૂર્વવત્, વર્ગ પંક્તિ. સ્થિતિ, બાત, કિસ્મત ।

પઢન (સં.) પઠન, અધ્યયન વિદ્યાભ્યાસ ।

પઢનપાઠ (સં.) સબક, પાઠ ।

પઢનમાળા (સં.) પુસ્તકમાલા । ગ્રંથમાલા ।

પઢવું (ક્રિ.) પઢના, લિખેહુ એકા ઉચ્ચારણકરના, સમઝના, જાનના અધ્યયન કરના, લક્ષમેં રખના, પારંગતહોના, અભ્યાસ કરના, બચના, ઇચ્છાકરના, ચાહના ।

પઢીહાડવું ક્રિ.) શીઘ્રતાસે પઢ-જાના, લિખાહુ આપૂરાતરહસે પઢ-ડાલના । [પઢના ।

પઢીબંધવું (ક્રિ) ધ્યાન પૂર્વક

પઢ્યું (વિ.) ઠગાહુવા, છલાહુવા ।

પઢંના (સં.) ઇચ્છા, મનોરથ, અભિલાશ, વાઞ્છા । [બુરાઈ ।

પઢિયાન (સં.) નિન્દા, અપકીર્તિ ।

પઢંસ (વિ.) વન્ધ્યા, અપ્રસૂતા, નિસ્સંતાન સ્ત્રી ।

પઢંસણી (સં) બાંઝ ઔરત, વન્ધ્યા સ્ત્રી, એકપ્રકારકી ગાળ ।

પઢિયાપાડ (સં.) એકકા એક પુત્ર, નિસ્સન્તાન ગૃહ, (વિ.) અત્યંત પ્યારા, અકેલાહી ।

પઢિયું (વિ.) જિસકે સંતાન ન હોતી હો, જિસ કુટુંબમેં બાલ બચ્ચે ન હોતે હોં, પુત્રરહિત, બેઔલાદ.

પઢિયાપાડવું (ક્રિ.) વંશ ચલનેકે લિયે પુત્રકી પ્રાપ્તિ, વંશ તન્તુકપમેં પુત્રોત્પત્ત હોના ।

પઢિયાનાપાડવું (વિ.) એકમાત્ર બહુત અધિકમૂલ્યકા । [પ્રસાદ ।

પઢ (સં.) ભાગ, અંશ, હિસ્સા,

પઢવું (ક્રિ.) બાટના, ભાગકરના, પ્રસાદ દેના, બેચના, હિસ્સે કરના ।

પઢો (સં.) બાંટા, હિસ્સા, ભાગ, બટવારા ।

પઢો (સં.) કુંવારા, બેવ્યાહા, અવિવાહિત (પુરુષ) રંડુઆ ।

પઢવું (ક્રિ) કાટના, કતરના ।

પાતર (સં.) ખેતમેં હલસેત કીર કરના, સીતા, ખેતમેં હલદ્વારાકી હુઈ રેખા ।

પાતરવું (ક્રિ.) ગન્નેકે બીજકે વાસ્તે સાઠેકે ટુકડે કરના ।

પાંતરી (સં) અજકા એક પ્રકારકા જંતુ વિશેષ, ઈલી, પુન, વહ કીડે જો રેશમ તથા ઉનમેં ઉત્પન્ન હોકર ઉન્હેં ખા જાતે હૈં ।

પાંદર (સં.) બન્દર, કપિ, મર્કટ, બાનર, લંગૂર, નીલ બંદર (વિ.) દુષ્ટાની, બુરા, દુષ્ટ ।

વાંકસંતું ખૂતવીતું પડેલું (કિ.] ન કરવા યોગ્ય, કામ કરવા પડતા હૈ, દુઃખ સહવા ।

વાંકાને સળી કરે એવું (કિ.) વંચક, બદમાશ, ઉદ્ધત, ઉચ્છૃંખળ । [વિશેષ ।

વાંકિ (સં.) બંદરકી એક જાતિ

વાંકિચેષ્ટા (સં.) ઉદ્ધતતા, બદમાશી, ચાંચલ્ય, તોફાન ।

વાંકી (સં.) બંદરિયા, બંદરકી માદા બંદરી વાનરી ।

વાંકિરો (સં.) બન્દર, કપિ, મર્કટ વાનર, વજન ઉઠાનેકા યંત્ર વિશેષ કેન ।

વાંકિ (સં.) એક લાલરંગકા પંખવાલા જંતુ વિશેષ, હવા આનેકે લિયે છિદ્ર, અથવા ખિડકી, બદ્ધપિઠ આદિ વૃક્ષોપર દૂસરા વૃક્ષ (યહ કિસી પક્ષીકે વિષ્ટાસે આંદિ પુરાને યા ખોકલે વૃક્ષમેં કરદેતા હૈ ઉત્પન્ન હોતા હૈ ।)

વાંકુર (વિ.) બૈલકો બધિયા કરતે સમય એકાધ નસ રહજાનેસે જિસકે અંડકોષ બઢ ગયેહો (બૈલ)

વાંધો (સં.) મતભેદ, તકરાર, શક, વહમ, સન્દેહ, બન્ધન, રુકાવટ, આડ ।

વાંધોરો (કિ.) વિચાર કરના, ઝગડા કરના, રુકાવટ કરના, બાંધા ડાલના, રોકના, અસ્વીકાર કરના ,.

વાન (સં.) રંગ, વર્ણ ।

વાંઝણ (વિ.) મુફ્ત, ખાલી, વ્યર્થ, તત્ત્વહીન, મૂર્ખતાયુક્ત ।

વાંઝણાઈ (સં.) ઉદ્રાકપન, મૂર્ખતા, નિસ્સારતા, અસારતા ।

વાંસ (સં.) વૃક્ષવિશેષ, બંસવૃક્ષ, દસફુટકા માપ વિશેષ, ઈંટે વગૈરહ તરાશનેકા ઔજાર વિશેષ ।

વાંસલોચન (સં.) વંશલોચન, ઔષધિ વિશેષ (યહ નરમ પદાર્થ વાંસમેંસે નિકલતા હૈ)

વાંસલો (કિ.) કુછનહીં, નહીં ।

વાંસળળ (સં.) દેખો વાંસલોચન ।

વાંસડો (સં.) વાંસ, બૈસ, વૃક્ષ વિશેષ ।

વાંસળી (સં.) રુપયે ભરનેવાલી લમ્બી થૈલી (ઇસેલોગપ્રાયઃકમરમેં બાંધતે હૈં) ન્યોલી ।

વાંસ ફરવો (કિ.) બાંધ, ચૂનેકા યોગ્ય જગહ હોના, ઊબડખાબડ હોના ।

વાંસફોડો (સં.) વાંસકો ચીરકર ઉસસે ટોકરા પંખે ચટાઈ ઇત્યાદિ બનાનેવાલી જાતિ ।

વાંસળીવાળો ( ) यह एक गाळीके रूपमें प्रयोग होता है जिसका अर्थ यह होता है कि "ईश्वर करे तू मरजावे।

વાંસળી (सं.) वंशी, मुरली, वेणु, बांसरी, बसुरी, बंसरी।

વાંસલો (सं) बसूला, बढ़ईका लकड़ी छीलने के काममें आनेवाला एक औजार विशेष।

વાંસળી (सं.) देखो વાંસળી। और વાંસળું।

વાંસી (सं.) हथियार विशेष, (बांसपर लोहेका, फलजड़ा होता है)

વાંસે (अ०) बादमें, पीछे, पश्चात अनुपस्थितिमें, गैर हाजिरीमें।

વાંસો (सं.) शरीरका पीछेका भाग, पीठ, पृष्ट वंश, पीठकी खड़ी हड्डी।

વાંસોઆરેવવો (कि.) घमण्ड होना गर्व होना, मारमारकर दुरुस्त करनेकी आवश्यकता पड़ना, मिजाज बढ़ना।

વાં (अ०) शाबाश, ठीक, वाहवाह वाच्य, उचित, अथवा, या, किंवा

વા (सं.) वजन, हवा, वायु, समीर, वात, रोग, तरंग, इच्छा।

વાઆવવો (कि.) तरंगआना, लहरआना, इच्छाहोना।

વાઈ (स.) बादी, वातरोग, बाई, एकरोग विशेष जिसमे दांतबन्द होजातेहैं मुहंसे फेन गिरने लगती है और शरीर ठंढ़ा पड़जाता है।

વાઈ (सं.) बिवाई, पैरोंके तलुओं में एड़ियोंमें, सर्दीके कारण दरारें होजाना, रोगविशेष (वि०) उद्दंड, बेठौर ठिकानेका, विकृत मस्तिष्कका, बेवकूफ, मूर्ख।

વાએક (सं.) देखो વાયુ।

વાએઉડવું (कि.) फैलना एक कानसे दूसरेकानपर जाना।

વાએચડવું (कि.) प्रकट होना, लहरमें आना, दांवानाहोना।

વાએજવું (कि.) अभाव होना, (लोगोंका) यह वाक्य विशेष असभ्य लोगो के लिये काममें लाते है।

વાકોડીનાખવું (कि.) मारना,मारते मारते खूब दुरुस्त करदेना, उतार डालना, मानभंग करना।

વાખાતું કરવું (कि०) परवाह न करना, गणिनना, पतन करना।

વાગોતોરવો (कि.) इधर उधर भटकते रहना, हवा खाता रहना।

વાઘાવો (ક્રિ.) સિકમી રહના, ઠહરા રહના।
વાઘુવવુ (ક્રિ.) ઘબરાજાના।
વાઘીજીજવો (ક્રિ.) મરજાના મરનેકે સમાન કષ્ટ હોના।
વાઘુઇલું (વિ.) બાદીસે ફૂલાહુવા શરીર।
વાઘરજવું (ક્રિ.) ઇતરજાના, મનમોજી હોના।
વાઘાજાવવું (ક્રિ.) તરંગમેંઆના મનમોદકબનાના।
વાવાઘરોવાવો (ક્રિ.) અચ્છી બુરી, બાત ફૈલના, ગુણદોષ લગના પ્રભાવહોના,(સંગતિકા)
વાસાથે વઢે એવું (ક્રિ.) જો જરાસી બાતોમે તકરાર કરતા હો
વાઘ (સં.) વાણી, વચન, ભાષા, બોલ, આકાર, દમ, જીવ, સાર, બલ, પાની।
વાઘ-ખ (સં.) તાડવૃક્ષકે ડણ્ડે કે રેસે, જિસકી રસ્સિયાં બનતી હૈં
વાઘરવું (વિ.) કુછકટુતામુક્ત, કડુઆ, પવન લગનેસે કડુઆ વિશેષ।
વાઘચાતુરી (સં.) વાચન પટુતા બોલનેકા તરીકા, વાક્પટુતા, ભાષણમેં ચાતુર્ય।
વાઘડે (વિ.) જાનકાર, વેત્તા, અભિજ્ઞ, પ્રવીણ।
વાઘડખાર (વિ.) જાનનેવાલા વિજ્ઞ પ્રવીણ અભિજ્ઞ।
વાઘડખારી (સં.) પ્રવીણતા, નૈપુણ્ય, જાનકારી, વજ્ઞતા।
વાઘણો (સં.) નાલ:।
વાઘત (સં.) વાણી, શબ્દ, ક્રિકરા, કથન, બોલ, શબ્દરચના, વચન, બોલ, સૂત્ર, પ્રંથપ્રમાણ, કહાવત, મસલ। [ઉત્તર।
વાઘખંડન (સં.) વાક્યકા
વાઘદોષ (સં.) શબ્દરચના મેં મૂલ, વાક્ય મેં કિસી પ્રકારકા અવગુણ।
વાઘપદ્ધતિ-રચના-વિચાર (સં.) જિસમેં વાક્ય રચના અથવા વાક્યોંકા વિચાર હો।
વાઘભાગ (સં.) વાક્યકા ભાગ।
વાઘાર્થ (સં.) વાક્યકા તાત્પર્ય, વાક્યકા અર્થ।
વાઘાલંકાર (સં.) પાદપૂરણાર્થ શબ્દ, વાક્યકી શોભા બઢાનેકે લિયે અચ્છે અચ્છે શબ્દોં કા પ્રયોગ।
વાઘિવદગ્ધા (સં.) સાંકેતિક ભાષા બોલનેવાલી એક સ્ત્રી, નાયિકાવિશેષ।

વાખરો (સં.) પરચૂની સામાન, આટા, દાળ ની શકર ગુડ નમક ઇત્યાદિ સામાન, ચુકર સામાન ।

વાખા (સં.) આપતિ, આપદા, કષ્ટદશા, દુઃખ, ભૂખો મરના, દુર્દિન, ઉજડી, કયદરત, હૈજા, કાલરા ।

વાખડ (સં.) એક પ્રકારકા નેત્ર રોગ, જિસસે બાલ ખિર જાતે હૈં ।

વાખાડું (વિ.) ઉખાડા, બિના ઢંગ, હવા લગતા હુવા ।

વાખો (સં.) દેખો વાખા ।

વાગ્ (સં.) વાણી, ભાષા, જબાન,

વાગ્દાન (સં.) વચન, પ્રદાન, વાયદા, વચન દેના ।

વાગ્દેવતા (સં.) સરસ્વતી, શારદા ।

વાગ્બાણ (સં.) તાના, ઉલાહિના, ઉપાલંભ, કટુવાક્ય, બાણકી તરહ ચુભનેવાલે વાક્ય ।

વાગ્યુદ્ધ (સં.) કલહ, જબાની લડાઈ, ગાલી ગલોજ, તૂ તૂ મૈં મૈં ।

વાગ (સં.) લગામ, બાગડોર ।

વાગતાં (અ૰). ઠીક સમયપર, બરાબર વક્તપર । [કરતા હુંવા ।

વાગતું (વિ.) બજતા હુવા, શબ્દ

વાગતો ધંટ (સં.), આલસકારી, બેપરવાહ, બદૂની, અકર્મા, નપ્પી ।

વાગધિયું (વિ.) સાવધ રહેનેવાલા, બાગવાની, સિપાહીકે પહિરનેકી પોશાક વિશેષ ।

વાગબું (સં.) દેખો વાગોળ ।

વાગવું (ક્રિ.) આવાજ હોના, શબ્દ હોના, ધ્વનિ હોના, બજના, શબ્દ કરના, લગના ।

વાગીશ (સં.) બૃહસ્પતિ, દેવગુરુ ।

વાગેશ્વરી (સં.) સરસ્વતી દેવી, ગુરુ પત્નિ, દેવી વિશેષ ।

વાઘો (સં.) અંગા, જામા, ઘુટનોંતક પહિરનેકા કપડા, ચોગા, તેલ સિન્દૂરકા લેપન । ચોલા, પોશાક ।

વાગોલ-ળ (સં.) ચમગાદડ, પક્ષી વિશેષ, બાગલ, ઉગાલ, પાગુર, ચબાકર ફિર નિકાલા હુવા

વાગોળવું (ક્રિ.) ઉગાલના, પાગુર કરના, ખાયા હુવા ઉગલકર ફિર ચુભલકર (ચબાકર) ખાના । મનન કરના, ચિન્તન કરના ।

વાઘ (સં.) વ્યાઘ્ર, શેર, નાહર, સિંહ, ક્રૂરમનુષ્ય, ખૂનખ્વાર, મર્દકર, ભેડ બકરિયોંકા ઝુંડ, વ્યાઘ્ર પ્રકૃતિ કા મનુષ્ય, ગહિને રખના, ગિરવી ।

વાઘ કરવો (ક્રि.) પ્રથમ વર્ગી સ્ત્રીને પુનર્ભિવાહિત કરવા.

વાઘ જેવડી બાહોશ (સં.) અત્યંત બાલસ્ત્ર.

વાઘણ (સં.) વાઘિન, વ્યાઘ્રી, બીલી, સિંહણી, શેરની, ભયંકર સ્ત્રી, વીર સ્ત્રી.

વાઘબારસ (સં.) આશ્વિન માસના કૃષ્ણ પક્ષની દ્વાદશી તિથિ, (આ દિન દ્વાર પર વ્યાઘ્રનું ચિત્ર બનાવે છે)

વાઘ બકરી (સં.) એક પ્રકારની રમત (આ કંકરોથી રમવા જાય છે)

વાઘરણી બાલી (સં.) બિલ્લી, માર્જાર, બિલાઈ, પશુવિશેષ, બિડાલ.

વાંકવું બાંધવું વાળવું (ક્રિ.) અત્યંત કઠિન કાર્ય કરવું.

વાઘ મારવો (ક્રિ.) બહાદુરી કામ કરવું, પરાક્રમ દેખાવું.

વાઘમાર (વિ.) શૂર, વીર, સાહસી, બહાદુર, શેરમાર.

વાઘરણ (સં.) વાઘરી જાતિની સ્ત્રી, ડુંગરી સ્ત્રી, એવી સ્ત્રી જેના શિરના વાળ વિખરાયેલા રહેતા હોય.

વાઘરી (સં.) એક જંગલી જાતિ વિશેષ, વ્યાધ્ર, પારધી, પક્ષી પાડીને પકડનારા ધંધા કરનારી એક જંગલી જાતિ.

વાઘા (સં.) જુઓ વાઘો.

વાઘામ્બર (સં.) શેરની ચામડી, વ્યાઘ્રામ્બર, સિંહનું ચામડું.

વાઘેર (સં.) એક જાતિના લુટેરા લુટેરાઓની જાતિવિશેષ.

વાઘેલો (સં.) રાજપૂતોની એક જાતિવિશેષ.

વાઘેશ્વરી (સં.) દેવી, સિંહવાહિની દેવી, દુર્ગા, ભવાની, અમ્બિકા.

વાચ (સં.) વાચા, વાણી, બોલી, ભાષા.

વાચક (વિ.) બોલતા હોય તે, વાચનેવાળા, બોધદાતા, કહેનેવાલા, બોલનેવાલા. [નેની રીતિ.

વાચન (સં.) પઠન, કથન, વાંચ.

વાચનશક્તિ (સં.) પઢનેની તાકત, કહેનેની શક્તિ, વાંચનેનું બળ.

વાચસ્પતિ (સં.) બૃહસ્પતિ, દેવાચાર્ય, પુષ્ય નક્ષત્ર.

વાચા (સં.) વાણી, બોલી, ભાષા, વાક્, વચન, વેદ, શબ્દ, જબાન, ઉચ્ચારણ, બોલનેની શક્તિ, વાદા.

વાચાલ (સં.) વક્તા, બોલકણ કરનેવાલા.

વાચાળ (વિ.) સ્પષ્ટ, સરસ અને સુંદર બોલનેવાલા, બહુ ભાષી, બકી, જલ્દ બોલનેવાલા, બહુત બોલનેવાલા ।

વાચાળપણું (સં.) બહુ ભાષણ, અધિક ભાષણ, બાચાળતા, મુખરતા,

વાચિક (વિ.) જિહ્વા સમ્બન્ધી, વાણી વિષયક, જબાન ।

વાચ્ય (વિ,) વક્તવ્ય, બોલને યોગ્ય, બોલ્ય, બોલા હુઆ, કહા હુઆ ।

વાચ્યાર્થ (સં.) બોલનેકા ખુલાસા મતલબ ।

વાછટ-છંટ (સં.) પવનસે ઉડેહુએ વર્ષાકે છીંટે, બૌછાર, ફુંહાર ।

વાછંટિયું (વિ.) બૌછાર રોકને કે લિયે છાર અથવા ખિડકીપર ઝુંકવા લગાયા હુવા તખ્તા પતરા યા શિલા, છજ્જા ।

વાછરડી (સં.) બછડી, બછિયા, બચ્છી, બાછી, ગઉ (એકબાર બ્યાઈહુઈ)

વાછરડું (સં.) બચ્છા, બછડા, વત્સ, ગાયકા બચ્ચા ।

વાછરડો (સં.) છોટા બૈલ, કમઉમ્રકા બૈલ વૃષભ ।

વાછડું (સં.) વત્સ, બચ્છા, દૂધ પીતહુવાબચ્ચા ।

વાછલ્ય (સં.) કરુણા, અનુકમ્પા । સ્નેહ ।

વાછૂટ (સં.) ઉપોવાયુ, પાદ, ગુદા માર્ગદ્વારા, હવાકા નિકલના ।

વાજ (સં.) વ્યાધિ પીડા, તોબાહ ઉપદેશ, ધર્મસમ્બન્ધી ચર્ચા ।

વાજવાપવું) ક્રિ.) કાયર હોના થકના, કષ્ટમેં ફંસના ।

વાજતેગાજતે (અ૦) અચ્છીદશામેં

વાજબી (વિ.) ઠીક, ઉચિતમુનાસિબ, લાયક, યોગ્ય ખરા, અનુકૂળ, બરાબર, શોભિત ।

વાજબીપણું (સં.) ઔચિત્ય ।

વાજવું (ક્રિ.) બજના, શબ્દહોના ધ્વનિહોના ।

વાજવાળો (સં.) બાજે બજાનેવાલા, ઢોલ નગારે તાશે આદિ વાદ્યોંકો બજાકર ઉદર ભરનેવાલા ।

વાજિત્ર (સં.) વાદ્ય, બાજા ।

વાજિયા (સં.) પાની પિલાકર ઉગાયેહુએ ગેહું, સીંચકે ગેહું ।

વાજી (સં.) તુરગ, ઘોડા, અશ્વ, હય, બાજ, તીર, શર, અડૂસેકાવૃક્ષ વૃક્ષ વિશેષ ।

વાજીકરણ (સં.) વલવર્ધક, પુષ્ટિકારક, વીર્ય વર્ધક, બાજી ।

વાઢવિદ્યા (सं.) जादू, मंतर, इल्म। [मंत्र, मेडली, जमाव ।
વાણુ (सं.) बाजा, वाद्य, बाजा,
વાઢું-ઝાઢું (सं.) दुकान। [हिंस ।
વાંછના (सं.) इच्छा, चाह, वां-
વાંછવું (कि.) इच्छाकरना, चाहना
વાંછિત (वि.) इच्छित, चाहाहुआ अभीप्सित ।
વાટ (सं.) सड़क, राह, पथ, पंथ मार्ग, रास्ता, बत्ती, दीवट, बघारी हुईदाल, चने इत्यादिका पानीमें घोलाहुवा चून, पाईयों के ऊपर लोहेका गोल चक्कर, पटा, पाट, धर्वा ।
વાટઊથવી (कि.) बिगड़जाना, खराबहोना, बरबादहोना, विनाश होना। [विशेष ।
વાટકી (सं.) कटोरी, कौल, पात्र,
વાટખર્ચી (सं.) मार्गव्यय, रास्ता खर्च, परलोकके लिये इसलोकमें किवाहुवा दानपुण्य ।
વાટજોવી (कि.) राह देखना, मार्ग प्रतीक्षा करना, इंतजारकरना।
વાટણિયો (सं.) पीसनेवाला, कोंडा, बांटने पीसने कोटनेका पत्थर।
વાંટણી (सं.) भाग, बांट, हिस्सा, विभाग।

વાટનોવાટમાર્ગ (वि.) रास्ते चलने वाला, अवधान, सपरिचित ।
વાટપડવી (कि.) मार्गबंदहोना, सन्धाकालहोना, मार्ग होना।
વાટપાડવી (कि.) लूटना, रास्ता करना ।
વાટપાડુ (वि.) रस्तेमें रोककर लूटनेवाला, नयारस्ता खोजनेवाला अग्रेसर ।
વાટભાંગવું (कि.) व्यर्थहो बरबाद होजाना, भागजाना, चम्पत होना।
વાટમાર (वि) मार्ग आतेहुये लोगोंको मारकूटकर उनका माल मत्ता छीननेवाला, मुसाफिरोंका लुटेरा। [हटाना, रास्ता करना।
વાટમૂકાવવી (कि.) हराना पीछे
વાટવું (कि.) कूटना। कुचलना बाटना, पीसना, हिस्सेकरना, भागकरना, निंदाकरना, खराब करना ।
વાટો (सं.) बटुआ, पानसुपारी इत्यादि रखनेकी गोल कारचोबवाली थैली।
વાટસું (सं.) यात्री, मुसाफिर, पथिक, पांथ, बटोही, प्रवासी ।

વાડિકા ફુલવાડી, બગીચા, આરામ, છોટાસપદન। [મોલેકા આધાભાગ।

વાડી (સં.) નરિયલકમેંસે નિકલેહુએ

વાડું (સં.) પાત્રવિશેષ ।

વાડેરું (સં.) દેખો વડસરું।

વાડો (સં.) છુરી, સિકુડન, પાડા પટા, ઘવા, પહિયેપરકા લોહેકા ગોલપટ્ટા, ચૂનેકા ઘર, પેડકેબળ, (રેખાઈ)

વાડ (સં.) મુહલ્લા, વાડા, ઘેરા હાતા, બોગદ, ગઢી, ગન્નેકા જેતા ગન્ના પેલનેકા પ્રેસ, ધાર, ઘાવ, જખમ, કદ, કોઠા, કુમડા, ફલવિશેષ ।

વાડતેવોવેકો (ન) ' યથારાજા તથા પ્રજા,'' જૈસા રાજા વૈસી પ્રજા ।

વાડવખર વેકો ન અડે (ન) વિના સહાયતાકે કાર્ય નહીં હો સકતા, બેવકૂફ આદમી તરક્કી નહી કરસકતા ।

વાડ સાંભળે વાડનો કાંટો સાંભળે (ન) દીવારકોભી કાન હોતે હૈં।

વાડ વેલાને ખાય ત્યારે કરીબાદ કોને ? (ન) રક્ષકહી ભક્ષક બનજાવે તો કૈસે બચે ! રક્ષક ખુદહી હરામજોરી કરે તો રક્ષા કૈસે હો ?

વાડબાંધવી (ક્રિ.) ઘિરજાના, ચારોં તરફ ભીડહોના ।

વાંડી (સં.) વડોરી, કચોળી, પ્યાલી, પાત્ર વિશેષ, છોટાકટોરા ।

વાડુ (સં.) બડી કટોરી, પ્યાલા, કટોરા, પાત્ર વિશેષ । [પ્યાલા ।

વાડો (સં.) બડાકટોરા, બડા-

વાડવ (સં.) બ્રાહ્મણ, વિપ્ર, દ્વિજ ।

વાડિયું (સં.) સુહારે-પિંડખજૂર ભરનેકા થેલા । [લાલસા ।

વાડિયો (સં.) અતિશય ઇચ્છા

વાડી (સં) વાટિકા, બાગ, પુષ્પ, મસ્તકમેં ગુથેહુએ ફૂલ, ગુંથેહુએ ફૂલ, બીચમેં ઘર ઔર આસપાસ વૃક્ષલતાયુક્તભૂમિ । [ગૂંથના ।

વાડીભરવી (ક્રિ.) બાલોમેં ફૂલ

વાડીવુંટાઈજવી (ક્રિ.) બિગડના બિખરજાના, ધૂલધાણીહોના ।

વાડીસોકુકવી (ક્રિ.) અચ્છી નિપજ હોના ।

વાડીનોવરવોડો(સં.) ઝખરીઠાઠ બાઠ, મકકીકામનુષ્ય ।

વાડીખું (સં.) વાટિકાકે આસ-પાસકી ભૂમિ ।

વાડો (સં.) વાડા, ઘરની પાછળનો ખુલ્લો હવાસ્થાન, કમ્પાઉન્ડ, જેમાં પશુ બાંધે જાતે હોં, ઘણીવાર મોટા મકાન, મોહલ્લા, ખાડા, ખાઈ, પાયાના, સોનાગાર, ઇંટો, સંડાસ, પક્ષ, તરફદારી, વાડામાં જવું (ક્રિ.) શૌચ જાના, પાખાને જાના, ઝાડે જાના ।

વાડોબિંધું (સં.) વહ મોટી જગહ જોકિ કાંટે આદિ ઝાડ લગાકર બનાઈ ગઈહો વૃક્ષ આદિકે ચારોં ઓરલગઈહુઈ ઝાડ (રક્ષાકોલિયે)

વાઢ (સં) દેખો વઢાઉ ધાર, ધાર. અન્ન ।

વાઢ ચઢાવવો (ક્રિ.) ધાર ચઢાના, શાન ચઢાના, તેજ કરના ।

વાઢ મૂકવો (ક્રિ.) કાટનેકે લિયે નિશાન કરના ।

વાઢકાપનો ધંધો (સ.) ડાક્ટરી કામ, ચીર ફાડકા ધન્ધા ।

વાઢકૂટિયો (સં.) ચીરફાડ કરનેવાલા, ડાક્ટર, સર્જન ।

વાઢવું (ક્રિ.) કાટના, ચીરના, હિસ્સા કરના, ફાડના ।[વિશેષ ।

વાડી (સં.) ચી મરનેકા પાત્ર

વાડો (સં.) કુતાર, વડઈ, તરફ ।

વાણ (સં.) રાની, બોલી, વચન, વચન, ખજૂરકે પત્તોંકો ઉકાલકર બનાઈ હુઈ રસ્સી । મિટ્ટીકે ટુકડોંકો કૂટકર રેશે નિકાલ કર ઉસકો બટકર બનાઈ હુઈ રસ્સી । (અ૦) વિના, બગૈર, (કવિતામેં) (સં.) તગી, આવશ્યકતા ।

વાણિજ્ય (સં.) વ્યાપાર, લેનદેન ।

વાણુવણ્ણ—વણ્ણ (સં.) વૈશ્યકી સ્ત્રી, બનિયાની, બૈનની, વૈશ્યા ।

વાણિયાઢાઢી (સં.) ચલટ ચુલ્બ, ચિકચિક, ચુસ્ત પકડ, ઢીલશેઢા

વાણિયો (સં.) બનિયા, અષ્ટક્ષત્રિય અથવા વૈશ્યકી સંકરજાતિ । વ્યાપારી, વૈશ્ય, તૃતીયવર્ણ, એક પ્રકારકા જીવ । (વિ.) રાગીયુક્ત ।

વાણિયા થઈ જવું (ક્રિ.) રાજા દેખકર નમ્રતા કરને લગના, ગરીબ બન જાના ।

વાણિયા વિદ્યા કરવી (ક્રિ.) કપટ પૂર્વક આડાટેડા સમઝાના । સમય દેખકર અપના કામ કઢ લેના ।

વાણિયાના કાળજા જેવો (વિ.) ચમકતી હુઈ આગ, કઠોરહૃદય ।

વાણી (સં.) વાત, બોલી, શબ્દ, વચન, જબાન, આવાજ, રાગ, વાક્ શક્તિ, દેવી સરસ્વતી, પ્રકટ-વિચાર। [ઔર, મિનુગારા, પ્રાત।

વાણું-વેણું (સં.) પ્રભાત, સવેરા,

વાણો (સં.) વુનતે સમય આડે ડોરોંકો બાના કહતે હૈં (ઔર ઉધિ ડોરોંકો તાના કહતે હૈં)।

વાણોતાણો (સં.) કપડા બુનનેકે લિયે આડેટેડે ફૈલાયે હુએ ધાગે। તાના બાના।

વણોતર (સં.) ગુમાસ્તા, બહી-ખાતા લિખનેવાલા, ક્લર્ક નૌકર।

વાણું ભરાવું (ક્રિ.) પ્રથમ ગર્ભા સ્ત્રીકો ભોજન કરાના, અમ-રણીકી રાત્રિકો રસ્સી બાંધનેકે બાદ નાતેરિશ્તેદાર તથા ઇષ્ટમિત્રોં કો જિમાના।

વાત (સં.) પવન, હવા, સમીર, વાયુ। રોગવિશેષ, અર્ધાંગવાત, લકવા, હકીકત, બાત, બાતેં, ઇતિહાસ, તવારીખ, આખ્યાન, ગાથા, કિસ્સા, કહાની, સમાચાર, ખબર, લોકવાર્તા, કિમ્વદન્તી, ગપ્પ, અફવાહ, વિષય, સૂચના, સ્થિતિ, રીતિ, વ્યવહાર।

વાત ઉડાવવી (ક્રિ.) ચલતે હુએ ઝિક્કો હટાના, બાત ટુકાના।

વાત ઉંચાડવી (ક્રિ.) સબી ઝૂઠી બાત લોગોંમેં ફૈલાના, ગપ્પ ઉડાના।

વાત કરવી (ક્રિ.) બોલના, કહના।

વાત કરવાનું ઠેકાણું (સં.) મનકે અચ્છે અથવા બુરે વિચાર નિકા-લનેકા સ્થાન।

વાત ચાલવી (ક્રિ.) ઝિક્ર હોના, ગપ્પ ઉડના, અફવાહ, ફૈલના।

વાત પામવી (ક્રિ.) ભેદ સમઝ જાના। મતલબ જાન લેના।

વાત ફાટવી (ક્રિ.) બાત ફૈલના, ગુપ્ત રહસ્ય પ્રકટ હોના।

વાત બનાવવી (ક્રિ.) બાત બનાના, નઈ બાત ઘડકર તય્યાર કરના, ગઢંત કરના।

વાત ભારે કરવી (ક્રિ.) છોટી બા-તકો બઢા કર બડી કરના।

વાતે ભારે થવી (ક્રિ.) ઘમંડ હોના, ગર્વ હોના, પરિસ્થિતિસે અધિક હોના। [કબૂલ કરના।

વાત મળવી (ક્રિ.) સ્વીકાર કરના,

વાતમાં લાગવું (ક્રિ.) કિસીકે સાથ બાતેં કરતે સમય ઉસમેં તલ્લીન હો જાના।

વાત બારી બની (ક્રિ.) વાત બિગડ़ना, काम व्यर्थ होना, बात निष्फल होना ।

વાતનું વતેસર–વતીં ભણુ કરી મૂકવું (ક્રિ.) बातका बतंगड करना, रुकका गज करना । राईका पहाड़ करना । [करनेवाला, गप्पी ।

વાતભરૂ (વિ.) बातूनी, खूब बातें

વાતચિત (सं.) वार्तालाप, संभाषण ।

વાતડ (सं.) लंबी और बुरी बात ।

વાતાયન (सं.) खिड़की, बारी, द्वार ।

વાતી (सं.) अगरबत्ती, बत्ती ।

વાતુંડું–તોડું (वि.) वाचाल, गप्पी, बातूनी, लफंगा ।

વાતૂલ (सं.) वायुका समूह (वि.) बादी, वातप्रकृति (शरीर) ।

વાતોડું (वि.) देखो वातुंडु ।

વાત્સલ્ય (सं.) प्रेम, स्नेह, पुत्रवत् स्नेह ।

વાદ (सं.) विवाद वाक्कलह, शास्त्र चर्चा, संभाषण, आलाप, तकरार, झगड़ा, चर्चा, थोड़ा, बहुत जानकर उसपरसे अन्दाजलगाना

વાદવિવાદ (सं.) तकरार संभाषण, झगड़ा, जबानी बकबक ।

વાદળ (सं.) बादल, मेघ, घन । आंधी, झंझावात, आकाश छाया ।

વાદળછાયું (क्रि.) सूर्यका उठना, आंधीआना, बादल घुमड़ना ।

વાદળતુટી પડવું (क्रि.) दुःख आजाना, आफत आना, अचानक कोई आपत्ति आगिरना ।

વાદળવડવું (क्रि.) अत्यंत दुःखआना, सेनाचढना, बादल चढना ।

વાદળી (सं.) छोटाबादल, पानी चूसलेनेवाला एक पदार्थ, स्पंज समुद्र सोख (वि.) बादलके रंगका अस्मानी भूरा । [हुवा, अशान्त ।

વાદળીયો (वि.) भ्रमित, भटकता

વાદળું (सं.) बादल, मेघ, घन ।

વાદી (सं.) सरकारमें नालिशकरने वाला, मुद्दई, बाजीगर, मंत्रतंत्र-द्वारा खेलकरनेवाला, लड़ाकामनुष्य झगड़ालू, किसीमत अथवा ज्ञानका अनुयायी ।

વાદીગર (सं-) बाजीगर, मदारी सपेरा, सांपवाला, ऐंद्रजालिक, कार्य करनेवाला ।

વાદીલું (वि.) फसादी, तकरारी झगड़ालू, कृपित, गर्व ।

વાદોવાદી (सं.) स्पर्धा, बराबरी, देखादेखी, होड़ाहोड़ ।

વાધ (सं.) बाजा, वाद्ययन्त्र ।

વાંસણ-ણી (सं.) रोके हुए स्वास को ठहर ठहर कर आवाजके साथ बाहिर निकालना। हिचकी।
વાંસરી (सं) ताजे चमड़ेकी पट्टी, बद्धी, तस्मा।
વાંસવું (क्रि.) आगे होना बढ़ना, वृद्धि पाना, उन्नत होना।
वान् (स.) वाला और युक्तसूचक प्रत्यय। जिस शब्दके आगे यह होता है उसका अर्थ वाला होजाता है जैसे गुण+वान=गुणवान।
વાન (सं.) रंग, शरीर, देह, वर्ण, ठंडसे उखड़ा हुआ चमड़ा।
વાનગી (सं.) नमूना, आदर्श, दृष्टान्त, थोड़ीसी कोई उत्तम अथवा नई चीज़।
વાનપ્રસ્થ (सं.) तीसरा आश्रम, तीसरे आश्रममें रहनेवाला, तपस्वी। एकान्तवासी, वनवासी।
વાનર (सं.) बन्दर, कपि, लंगूर, मर्कट, बांदरा, काले मुंहका बन्दर।
વાનરચેષ્ટા (सं.) बन्दर समान हरकत।
વાનરદોષ્ટ (सं.) बन्दर कीसी बिगाड़। देखरेख, जांच, पड़ताल।
વાનવું (क्रि.) बंगला, बनैला।
વાના (सं.) जाति, प्रकार, चीज़। वस्तु। [समझाना।
વાનાં કરવાં (क्रि.) बहुत तरहसे
વાની (सं.) एक प्रकारकी उड़द, धान्यविशेष, जाति प्रकार, अन्न-विशेष, मुरदेकी राख, भस्म, मृतक भस्म।
વાનું (सं.) शब्द, सामग्री, अंग, शकल, ढंग, रीति, रूप, रीति-प्रकार, बात। [निश्चित पदार्थ।
વાનો (सं.) एक प्रकारका सुग-
વાનો પાડવું (क्रि.) उबटन लगा-नेका मुहूर्त। [छर्दि, छरदना।
વાન્તિ (सं.) कय, उलटी, वमन,
વાપર (सं.) उपयोग, प्रयोग, व्यवहारमें लाना, काममें लाना, उपभोग, सेवन, खर्च।
વાપરવું (क्रि.) काममें लेना, प्रयोग करना, खर्च करना, सेवन करना, रोकना, कब्जा करना, उपभोग करना। [बदलेमें।
વાપરે (अ०) पीछा, वापिस,
વાપી (सं.) बावली, बावड़ी, सी-ढिवाँदार कुआ।
વાપો (सं.) बाड़ीका बरसूआ।
વાપરવું (वि.) सम्बन्धी, लगा।

વામાદ્દં (સં) દ્વાર આનેકા બડા છેદ । ઝરોખા, વાતાયન, બારી, ખિડકી ।

વામ (સં.) છઃ કુટકા માપ, ફેંકના, (વિ.) બાયાં, વામ, અધમ, આડા, ઉલ્ટા, બાંકા, વિરોધ (સં.) વામા, સ્ત્રી, ઔરત ।

વામકુક્ષિ (સં.) બાંઈબગલ ।

વામણું (વિ) ઠિગના, નાટા, છોટે કદકા, બૌના, છોટે શરીરકા ।

વામતા-વામતાર્ઇ (સં.) અધમતા, હઠ જિદ ।

વામન (વિ.) ઠિગના, નાટા, બૌના, ખર્વ, છોટે કદકા (સં.) ઠગ, લુચ્ચા, છલી, વિષ્ણુકા પાંચવાં અવતાર ઇસને રાજા બલિકો ઠગા થા ।

વામન દ્વાદશી (સં) ભાદ્રપદ માસકે શુક્લ પક્ષકી દ્વાદશી તિથિ । યહ વહી દિન હૈ, જિસ દિન કિ વામનને રાજા બલીકો ઠગા થા ।

વામમાર્ગી (વિ.) મદ્યમાંસાદિ સેવી, એક મતાવલમ્બી જો શક્તિ કી ઉપાસના કરતા હો, નાસ્તિક, અનૈદિક, ઉલ્ટે માર્ગપર ચલનેવાલા, મંત્રસાધક વિશેષ દેવીકી પૂજા કરનેવાલા, વે પાંચ પ્રકારકી અપના જીવનોદ્દેશ માનતે હૈં વે યે હૈં । " ૧ મદ્ય ૨ માંસ ૩ મીન ૪ મુદ્રા ૫ મૈથુન મેવચ "

વામવું (ક્રિ.) અન્દરકા બલગ કમ કરનેકે લિયે બાહિર નિકાલના, કમ કરના, નિકાલના, દૂર કરના, કહના, વિચાર પ્રકટ કરના । ઓછા હોના, ઘટના, જાના ।

વામાંટામાં (સં.) ટાલ્બૂલ, જાનાજાની, પક્ષોપેક્ષ, શક, સંદેહ ।

વામા (સં.) સ્ત્રી, ગૌરી, લક્ષ્મી, સરસ્વતી, સ્ત્રીમાત્ર ।

વામી (વિ.) દેખો વામમાર્ગી ।

વામોરૂ (વિ.) સુન્દર, અબાવાલી સ્ત્રી । [(અ૰) હાય !; હા !

વાય (સં.) જીત, જય, વિજય,

વાયઃ (સં.) વાણી, શબ્દ, વચ , બોલી ।

વાયજ્ઞ-જી (સં.) ધર્મસમ્બન્ધી વ્યાખ્યાન, ઉપદેશ, બોધ ।

વાયડું (વિ.) જિસકે ખાનેસે પેટમેં ગડબડ્હો, બાધા કરનેવાલા, ગુરુપાક, હઠી, જિદ્દી ।

વાયડું થવું (ક્રિ.) હઠીહોના, જિદ્દીહોના, જો સમઝાનેસે ન સમઝે ઐસા હોના ।

વાયડું ચડવું (ક્રિ.) બાદીહોના, બાંવહોના, બુરાલગના।

વાયદાસર (અ०) નિયત સમયપર, કરારપર, પ્રતિજ્ઞાત સમયપર।

વાયદો (સં.) પ્રતિજ્ઞા, કરાર, મુદ્દત, કૌળ, વચન બોલી, સંકેત વાદા। [કરારકરના, વાદાકરના।

વાયદોકરવો (ક્રિ.) પ્રતિજ્ઞાકરના

વાયદોભાંગવો (ક્રિ.) પ્રતિજ્ઞાભંગ કરના, કરાર પૂરા ન કરના, અગસ્તનાવાયદા (સં.) ઝૂઠી પ્રતિજ્ઞા, અતિશય લંબાવાદા।

વાયન (સં.) રોળી ફળ, ઇત્યાદિ એકપાત્રમેં રખકર બ્રાહ્મણકો દેનેકી ક્રિયા, બાયના, લાયના, લૈના।

વાયનદાન (સં.) બાયનેકાદાન, લાયનાદેના। [કમી હો।

વાયરં (સં) વહવર્ષ જિસમેં વર્ષાકી

વાયરો (સં.) હવા, પવન, વાયુ।

વાયલી (સં.) બેવકૂફ, મૂર્ખ, જિસકા ઠૌર ઠિકાના ન હો, હવા પવન, વાયુ। [વિશેષ।

વાયવડંગ (સં.) વાયવિડંગ, ઔષધિ

વાયવ્ય-વાવ્ય (સં.) ઉત્તર ઔર પશ્ચિમ દિશા કે બીચકા કોના (વિ.) વાયવ્ય કોન સંબંધી।

વાયસ (સં.) કૌઆ, કાગ, કાગા, કાક।

વાયું (સં.) હવાકે ઝોંકેસે દીપક ન બુઝે ઇસલિયે મિટ્ટીકા ઘર વિશેષ લાલટેન, (પુરાને સમયમેં) દીપ મંદિર।

વાયુ (સં.) હવા, પવન, સમીર, પ્રાણ, વાયુદેવ, (શરીરમેંકે પાંચ વાયું) ૧ પ્રાણ, ૨ વ્યાન, ૩ અપાન, ૪ ઉદાન ઔર ૫ સમાન, પાંચ ભૂતોંમેંસે એક, બાદી, એક પ્રકારકા રોગ।

વાયુમંડલ (સં.) વાતાવરણ, વાયુમંડળ

વાયુમંડલવિદ્યા (સં.) નમોવિદ્યા, મિટીઓરોલોજી, આકાશોદ્ભવ વસ્તુવિદ્યા।

વાયુચર (સં.) પક્ષી, પરિંદ, ચિડિયા, આકાશગામી, પંછી।

વાયુપુત્ર (સં.) હનુમાન, ભીમસેન।

વાયુપ્રતિબંધક (સં.) હવાકોભી રોકનેવાલા। [હવાકા ચપાટા।

વાયુપ્રવાહ (સં.) પવનકા ઝોંકા,

વાયુમય (વિ.) હવાદાર, બાદીવાલા।

વાયુમાપકયંત્ર (સં.) હવાકા વજન ઔર હવાવના નાપનેકા યંત્ર, બેરોમીટર।

वारंवार (वि.) हमासतीक, पचन-तुल्य ।

वार (सं.) गज, तीन फुटका माप, १६ गिरहका माप, दिन, दिवस, पक्ष, समय, देरी, ढील, पानी, जल, वारि, मदद, सहायता, उपालंभ, उलाहिना, फरियाद, (अ०) अनुसार, मुआफिक, बमूजिब, प्रमाणे ।

वार लगाउणी (क्रि०) देरी करना, बहुत वक्त लेना ।

वारण (स) हाथी, हस्ती, मातंग, रोकना, निषेध करना, धारण करना, विघ्न निवारण करके सुख प्राप्त करना ।

वारणें (सं.) बलिजाना, न्यौछावर होना, वारी जाना ।

वारंट (सं.) अपराधीको पकड़ने के लिये सरकारी लिखित आज्ञा पत्र, वारंट ।

वारता (सं.) बात, वार्ता, कहना, समाचार, बातचीत, पूर्व दिवस ।

वारतेहवार (सं.) त्यौहारका दिन,

वारंवार (अ०) बारबार, फिर फिर बारम्बार, पुनर्पुनः, सदैव, हरवखत ।

वारणें (क्रि.) रोकना, अटकाना, मना करना, निवारण करना, बलि जाना, वारी जाना, न्यौछावर होना, दूसरेका दुःख स्वयं अपने ऊपर झेलना, सिरपरसे घुमाकर फेंक देना ।

वारस (सं.) वारिश, अधिकारी, उत्तराधिकारी, स्वामी, मालिक ।

वारसनामु (सं.) वसीयतनामा, अधिकारपत्र ।

वारसो (सं.) मरनेके पश्चात् उस मृत व्यक्ति की जागीर जायदाद उसके उत्तराधिकारीको मिलना, वतन, जागीर, जायदाद, पूंजी, मिलकियत ।

वारांगना (सं.) वेश्या, रंडी, छिनाळ, बारनारी, तवायफ़ ।

वाराणसी (सं.) काशीनगरी, बनारस, यह नगर युक्त प्रदेश भारतमें है, सप्त पुरियोंमेंसे एक ।

वारावरती (अ०) एकके बाद एक, क्रमशः, नम्बरसे, क्रमानुसार, बारी बारीसे ।

वारि (सं.) जल, पानी, तोय ।

वारिल्हें (क्रि.) बलिजाऊं, बलिहारी जाऊं, कुरबान होऊं, न्यौछावर हो जाऊं ।

વારિધિ-વારિનિધિ (સં.) સમુદ્ર, સાગર, દરિયા। [વિશેષ, સમુદ્ર।

વારિપ્લવ (સં.) ઘટ, ઘડા, પાત્ર

વારી (સં.) દેખો વારેા। પાળી, ક્ષેપ, નમ્બર, અવસર, સમય, બદલા, ઘોડા, અશ્વ, તુરંગ, હય।

વારૂ (વિ.) ઠીક, ઉચિત, મુનાસિબ, અચ્છા, યોગ્ય, હાં, સ્વીકાર।

વારૂણી (સં.) શરાબ, મદિરા, દારૂ, પશ્ચિમદિશા। [પુનઃ પુનઃ।

વારેવડીએ (અ૰) બારમ્બાર,

વારેદાર (સં.) નમ્બરવાળા, જિસકી પારી હો, કર સંગ્રહ કરનેવાળા।

વારે વારે (અ૰) દેખો વારમવાર।

વારેા (સં.) પારી, ક્ષેપ, નમ્બર, પાળી, અવસર, સમય, ફાયદા, દાંવ, નિશ્ચિતસમય, લાભ, કમગત હોના। [ફાયદાહોના।

વારેાવઢવેા (ક્રિ.) લાભહોના,

વાર્તા (સં.) દેખો વાર્તા।

વાર્તિક (સં.) ટીકા સંબંધી નિયમ વિશેષ, ટીકા, ગુપ્તચર, દૂત સમ્વાદ લેજાનેવાલા। [બારમાસી।

વાર્ષિક (વિ.) પ્રતિવર્ષકા, સાલગા

વાર્ષ્ણેય (સં.) વસુદેવકા પુત્ર શ્રીકૃષ્ણ।

વાલ (સં.) એકપ્રકારકી દાળ, તોલ વિશેષ, એકતોલેકા ૬૪ વાં ભાગ, ૨ રત્તિ। [નાપિક।

વાલંદ (સં.) નાઈ, નાપિત, હજ્જામ

વાલપાપડી (સં.) ફલી વિશેષ।

વાલભ (સં.) સ્વામી, પતિ, કંત, માલિક, ધની, સસમ, પ્યારાપુરુષ।

વાલિશ (સં.) ઘોડેપર ગોગીર, જીન, ઇત્યાદિ બાંધનેકી ડોરી।

વાલી (સં.) રક્ષક, આશ્રયદાતા, સહાયક, પક્ષકર્તા, હિમાયતી, સ્વામી, માલિક, સેઠ, સાહેબ।

વાલીવારસ (સં.) રક્ષક સખા, અધિકારી, ઉત્તરાધિકારી।

વાલીધેાડેા (સં.) મજબૂત ઘોડા, વહઘોડા જો ઘોડીપર છોડને કે લિયે રખાજાવેા।

વાલુકા (સં.) રેતી, બાલૂ, ધૂલિકણ।

વાલુકાયંત્ર (સં.) રેતઘડી, રેતીકા બનાહુઆ વહ યંત્ર જિસસે સમય માલૂમ કિયા જાતા હો।

વાલેાળ (સં. એક પ્રકારકી ફલી, (ઇસકી ભાજી તરકારી બનતીહૈ)

વાવેલો (સં.) સોને અથવા ચાંદી કો પતલે તારકી વાળી (દેવી કે ચઢાનેકે લિયે ।

વાવ (સં.) વાવડી, વાવળી, સીઢિયોદારકુવા, બિવાઈ, પ્યાઉ રોગ વિશેષ, સર્દીકે દિનોંમે હાથ પૈરોંકા ચમડા ફટજાતા હૈ જિસસે બડાહી દર્દ હોતા હૈ ।

વાવડાંડી–વાવડાવડી (સં.) ધ્વજા-લગાનેકી લકડી, ધ્વજદણ્ડ ।

વાવટો (સ.) ઝંડા, ધ્વજા,નિશાન ફરહરા, પતાકા ।[બિજયી હોના ।

વાવટો મેળવો (ક્રિ.) જીત હોના

વાવટો ઉડવો (ક્રિ.) જયપ્રાપ્ત કરના, યશ ફૈલના, ફતહયાબ હોના ।

વાવડ (સ.) સમ્બાદ, ખબર, પતા સમાચાર, રોગ, મર્જ એકહી તરહકા રોગ બહુતોંકો ।

વાવડી (સં.) સીઢિયોંદાર છોટા કૂવા, વાવડી, વાવળી,કૂપવિશેષ ।

વાવણિયો (સં.) ખેતમેં અનાજકે બોની નલી, બોના બોરના, કરના ।

વાવણી (સં.) ખેતમેં અન્ન આદિ બોનેકી ક્રિયા, બોની, બોવની, બોરની, (વિ.) આરંભ, શુરુ ।

વાવણિયું (સં.) હવાકા ઝોંકા ।

વાવર (સં.) પ્રયોગ, ખર્ચ, ખપત, રોગ, મર્જ । દેખો વાવડ ।

વાવરવું (ક્રિ) ખર્ચ કરના, પ્રયોગ કરના, કામમે લાના, ખરચના ।

વાવરી નાખવું (ક્રિ.) ખરચ કર ડાલના, ઉડા દેના ।

વાવણાં (સં.) નૌકરીકે બદલે મેંદી હુઈ જમીન, મુઆફી જમીન ।

વાવલું (સં.) આગમેંકી ફૂમી ।

વાવલવું (ક્રિ.) પિલ્લોડના, ઝડ-કના, પકડના, સૂપ ઇલાદિસે ફટકના ।

વાવવું (ક્રિ.) બોના, બીજ ડા-લના, રોપના, લગાના, બીજ બખેરના । [મજેકા, વાહ વાહ ।

વાવા (અ૦) અચ્છા, સરસ,

વાવાઝોડું–વાઝરું (સં.) તૂફાન, આંધી, ઉદ્દણ્ડવાયુ, સંબાદ ।

વાવાદળ (સં.) હવા, ઔર બાદલ, સંકટ, આફત ।

વાવું (ક્રિ.) આંધી ચલના, જોર સે હવા ચલના, શરીરકો હવા લગના, ચલચાના, ચમકાના, ઠગના, છલના, ધોકાદેના, ખિ-ચના, ખ્યાના, પ્રસવ કરના, હવાકે ચલાના, ફૂંકસે બજાના ।

वासेतर (सं.) बोई हुई जमीन, वह जमीन जिसमें बीज बो दिया हो बोया हुआ।

वासूल (सं.) वायुगोला, पेटमें वादीका रोग विशेष।

वास (सं.) रहनेका स्थान, निवास, आश्रम, मकान, घर, मोहल्ला, बस्ती, स्थिति, ठिकाना, अगह, पौशाक, वस्त्र, गंध, बू, महक, सौरभ, सुवास, बास, निशानी, अंश, चिन्ह, श्राद्धके दिनोंमें बनायेहुए पदार्थकी काकबली। [अडूसा नामक वृक्ष।

वासक (सं.) एकपौधा विशेष

वासकुट (सं.) वेस्टकोट, कब्जा, फतवी, बंडी, जाकट।

वासकसज्जा (सं.) अष्टनायिका-ओंमेंसे एक, १ प्रोषित पतिका, २ खंडिता, ३ कळहांतरिता, ४ विप्र लब्धा, ५ उत्कंठिता, ६ वासिकसज्जा, ७ स्वाधीनपतिका और अभिसारिका।

वासकसज्जा (सं.) अष्ट नायिकाओंमेंसे एक, भोगविलासकी सामग्री तय्यार करके जो स्त्री अपने पतिकी राह देखती हो।

वासण (सं.) पात्र, भाण्ड, बासन, बरतन।

वासणकुसण (सं.) बरतन, भांडे, विविध भांतिके पात्र, भाण्ड।

वासना (सं.) इच्छा, चाह, भावना, रुचि, बास, गंध, प्रकृति।

वासपूजा (सं.) नये घरमें बास करनेके पूर्व उस घरमें पूजन हवन इत्यादि किया, गृहप्रवेश।

वासभुरत (सं.) पूर्ववत्।

वासर (सं.) दिन, दिवस, वार, दिवा, तिथि, तारीख।

वासभुहूर्त (सं.) देखो वासभुरत।

वासरभणि (सं.) सूर्य, सूरज, मार्तंड।

वासव (सं.) इन्द्र, सुरपति, देवराज

वासवुं (क्रि.) बन्द करना, ढांकना, देना, अटकाना, मुर्गेका बोलना, बिगाड़ना, बसाना, देना, रहना, दुर्गन्ध आना, बदबू आना, सड़ना, खराब होना।

वासित (वि.) सुगन्धित, खुशबूदार, सुवासित।

वासिहुं (सं.) घरका कचरा कूड़ा, ढोर डंगरका मलमूत्र। कूड़ा करकट।

વાસિદું ૬૬૧ુંન્વાળવું (ક્રિ.) झाड़ना, बुहारना, साफ करना।
વાસી (વિ.) रहनेवाला, निवासी, वास करनेवाला, सड़ा हुआ, जो ताजा न हो, कुम्हलाया हुआ।
વાસુ (सं.) खेतका रखवाला, खेतीका पहिरेदार।
વાસુકિ (सं.) नागराज, सर्पराज।
વાસુદેવ (सं.) श्रीकृष्णचन्द्र, वसुदेवका पुत्र, श्रवण नक्षत्र।
વાસુધિયો (सं.) देखो વાસુ।
વાસુપી-પ્યોપી (सं.) पूर्ववत्।
વાસુલ (सं.) आंकड़ा, कील, हुक।
વાસેલ (सं.) एकाद वर्ष खेतको बिना बोये इसलिये रखनाकि उसकी मिट्टीमें ताकत आ जावे।
વાસો (सं.) वास, निवास, दिन, दिवस, मुकाम।
વાસોતી (सं.) सीमामें रातभर रहनेवाला, खेतमें रातको रहनेवाला
વાસ્તવિક (वि.) यथार्थ, निश्चय, ठीक, सत्य, वाजिबी, खरा, शुद्ध।
વાસ્તવ્ય (वि.) रहनेलायक, वास करनेयोग्य, रहनेयोग्य।
વાસ્તુ (सं.) नये घरमें रहनेके पूर्व हवन पाठ इत्यादि, नूतन गृह प्रवेश, घर, वासस्थळ।
વાસ્તુદેવતા (सं.) घरकी रक्षा करनेवाला, गृहपति, गृहस्वामी।
વાસ્તુપૂજા-શાન્તિ (सं.) नये घरमें प्रवेश करते समय हवन पूजन शांतिपाठ इत्यादि कर्म।
વાસ્તુવિદ્યા (सं.) शिल्प, मकान बनानेका हुनर।
વાસ્તે (अ०) लिये, कारण, अर्थ।
વાહ (अ०) वाहवा !, शो हो।
વાહક (वि.) ले जानेवाला, उठाकर लेजानेवाला, वहन करनेवाला।
વાહન (सं.) सवारी, असवारी, जिसमें या जिसपर चढ़कर कहीं जावे। [वायु।
વાહર (सं.) हवा, पवन, बयार,
વાહરવું (क्रि.) पादना, गुदामार्गसे हवा निकालना, अधोवायु छोड़ना, हवादार। [धोका देना, पीठना।
વાહવું (क्रि.) ठगना, छलना,
વાહાણ (सं.) नौका, जहाज, जल यान, किस्ती, नाव, जलपोत।
વાહાણના દોરડું (सं.) जहाज, या नावकी रस्सी।
વાહાણવટી (सं.) मल्लाह, खलासी, नाव चलानेवाला, जहाजका स्वामी।
વાહાણું (सं.) भोर, सवेरा, पौफट, प्रातःकाल, सुबह।

વાહાર (सं.) सहायता, मदद, साहाय्य, योग।

વાહાર કરવી (क्रि.) मदद करना, सहायता देना, साथ देना योग देना।

વાહારે ચઢવું (क्रि.) पूर्ववत्।

વાહાલ (सं.) प्रेम, प्यार, स्नेह, मुहब्बत, प्रीति।

વાહાલમજી (सं.) प्रेमी पुरुष, स्नेही प्यारा, दुलारा, मालिक, स्वामी।

વાહાલું (सं.) प्यारा, दुलारा, प्रेमी, स्नेही, हितैषी।

વાહાલેસરી (सं) शुभचिंतक, हितवादी, शुभेच्छु।

વાહાવું (क्रि.) देखो વાહવું।

વાહિની (वि.) बहनेवाली, प्रवाहित

વાંકી (वि) देखो વાહ।

વાહ્ય (वि.) बाहिरी, बाहिरका

વાળ (सं.) बाल, केश, रोम, लोम

વાળછો (सं.) एक प्रकारकी विष नाशक औषधि.

વાળંદ (सं.) नाई, नापिक, हज्जाम

વાળવું (क्रि.) साफकरना, कचरा निकालना, झाड़ना, बुहारना, बिखरे हुये बालोंको बांधना, संवारना, बलपूर्वक गांठ बांधना, मरोड़ना, ऐंठना, बल लगाना, बंद करना, नीचा करना, लपेटना, चढ़ी करना, ढंकना, छुपाना, पानी जानेके लिये मार्ग करना, बाहिर जाता हुआ रोककर नलके द्वारा भीतर लेना, मुख डांककर रोना, वापिस लौटाना, समाप्त करना, उतारना, कमजोर करना, टुटका करना, टोना-जादू-मंत्र करना, दे देना, बिगाड़ना, खराब करना, उलटा करना, बलवान तथा पुष्ट करना, शान्त करना, धैर्य्य देना, गोलाकार लपेटना, जवाब देना।

વાળા (अ०) कानमें पहिरनेकी बड़ी बालियां, मोती, आभूषण विशेष।

વાળાકૂંચી (स.) जेवर इत्यादि साफ करनेके लिये बालोंकी कूंची, ब्रश, बुरुस, बुरश।

વાંકી (अ०) फिरसे, पुनः (सं.) बाली कानमें पहिरनेकी बाळी, रिंग, नाकमें पहिननेकी बाळी। आभूषण विशेष।

વાળું-ળુ (वि.) युक्त, सहित, पूर्ण, सम्बंधी आदि अर्थ प्रदर्शित करनेवाला प्रत्यय, (सं.) संध्याकालीन भोजन, ब्यालू, बयारू, रेती, रेत, धूलिकण, कंकरी।

બાંધું કરવું (ક્રि.) સાર્વજનિકનો ભોગવ કરવો, ખ્વાહ કરવો.

બાંધો (સં.) એક પ્રકારની સુગંધિત ઘાસ, ખસ, એક પ્રકારનો ક્રીડા, છોડેલ હુએ મંત્રનો નિષ્ફળ કરનેકા ઉપાય, ઉતાર.

બિંદુ (સં.) બીજ બિન્દા, બાંધા, ૨૮૪½ ગજ, ભૂમિકા માપ વિશેષ.

બિંધોટી (સં.) પ્રતિ બાંધેપર સરકારી કર.

બિંબી (સં.) બિમ્બુ, બિમ્બર જન્તુ વિશેષ પૃથિક. [બિમ્બના.

બિંબણું (સં.) પંખા, વ્યજન,

બિંબણો નાંખવો (ક્રિ.) પંખા કરવા,, હવા કરવા, બંબર ફુરાવા.

બિંબવું (ક્રિ.) પૂર્વવત્.

બિંટવું (ક્રિ.) લપેટવા, વેરવું.

બિંટી (સં.) દેખો બીંટી.

બિંટો (સં.) ગોલ વસ્તુક, કિસી વાસકા લપેટ કર બનાયા હુવા ગોલ પુલિન્દા. [બિલ.

બિંધ (સં.) બિલ, છેદ, સૂરાક,

બિંધણું (સં.) છેદ કરનેકા ઔજાર. બર્મા ઔજાર વિશેષ જિસસે છેદ કિયા જાતા હૈ.

બિંધવું (ક્રિ.) છેદ કરવા, ફૂરાક કરવા, છેદવા, વેધવા, બિલ કરવા. ખુરેદવા, ઘાવ કરવા, અસર કરવા.

બિંધારો (સં.) છેદનેવાલા, મોતિયોંમેં સૂરાક કરનેવાલા, કાન છેદનેવાલા, વેધક.

બિંધાવું (ક્રિ.) છેદેજાવા, બિંધવા બિંધહોવા, સૂરાકપડવા.

બિંદું (સં.) દેખો બિંદ.

બિ (અ૰) ઉપસર્ગ વિશેષ જો શબ્દકે પહિલે લગાયા જાતા હૈ, વિયોગ, વિક્રય, નિશ્ચય, ઈષત્, થોડા અવલંબન, જ્ઞાન, ગતિ; પાલન, નિગ્રહ, ન સહના, હેતુ, શુદ્ધિ, પરિભવ, આલસ્ય, વિજ્ઞાન, અભ્યાપ્તિ, આલભ, (વિશેષકર યહ યહ, ધાતુ ઔર સંજ્ઞાવાચક શબ્દોંકે પૂર્વ પ્રયુક્ત હોતા હૈ ઔર ઉસકે અર્થમેં વ્યત્યય કરા દેતા હૈ જૈસે ક્રય=ખરીદના, ઔર વિ+ક્રય=બેચના ઇ૰)

બિબાઅ (સં.) વ્યાજ, સૂદ, કૈતવ.

બિબાણુ (વિ.) વ્યાજવિષયક, સૂદી.

બિબાવું (ક્રિ.) જનના, પ્રસવકરના પેદા હોના, જન્મ દેના, બ્યાના.

विकट (वि.) भयानक, भयंकर, क्रूर, मुश्किल, कठिन।

विकराल (वि) अतिशय भयानक घोर भयंकर, डरावना, भयजनक भयप्रद।

विकल्प (सं.) शकसन्देह, दुभा, संशय, भ्रांति, अनिश्चय, वितर्क वहम।

विकसणुं (क्रि.) खिलना, फूलना, फैलना; विकासित होना, प्रफुल्लित होना।

विकळ (वि.) विह्वळ, उद्विग्न, व्याकुळ, अधूरा, असम्पूर्ण, बेचैन घबरायाहुआ।

विकळा (सं) कलाका साठवांभाग वेळ वला सेकण्ड $\frac{१}{६०}$ घड़ी, क्षण पळ, रजस्वला,

विकसित (वि.) प्रफुल्लित, खिला, हुआ, फूलाहुआ, खुलाहुआ।

विकस्वर (वि.) चमकताहुवा, प्रकाशित, प्रकटित, विकसित।

विकार (सं.) विकृति, परिवर्तन, परिवृत्ति, उलटफेर, बदलाव रोग, व्याधि, बीमारी आवेश, जोश, आकुलता, स्वभावका अन्यथा होजाना;

विकास (सं.) प्रकाश, उद्भेद, विकाश, रहः, विकच, स्फुट।

विकासवुं (क्रि.) खिलना, फूलना, प्रफुल्लितहोना, विकसितहोना, एक टक दृष्टिसे देखते रहना, कोलम्ब मुहंकरना, मुहंफाड़ना।

विकासी (वि.) खिलताहुआ फूलताहुआ वा, प्रफुल्लित।

विकीर्ण (वि.) फेंकाहुआ, बिखेरा फैलाहुवा, बिखराहुआ।

विकृत (वि.) विकारयुक्त, विरूप, अस्वच्छ, मलिन, रोगी, परिवर्तित, विचित्र (सं.) विकार, रोग, बिगाड़, परिवर्तन।

विकृति (सं.) अन्यथाभाव, विकार, परिवर्तन, गति।

विक्रम (सं,) कदम, पैर, पांव, बल, पराक्रम, शक्ति, सामर्थ्य, शूरता, वीरता, प्रभुता वीर्य, शौर्य, इस नामका उज्जैन, नगरीका एक राजा आजसे लगभग दो हजार वर्ष पूर्व हो गया है।

विक्रमसंवत (सं.) उज्जैनके राजा विक्रमके नामसे चला हुआ संवत्। इसवी सन् से ५६ वर्ष पूर्व। विक्रमीय संवत्।

विक्रय (सं.) बिक्री, बिकरी, बेचना, माल खपाना ।

विक्रिया (सं.) विकार, विकृति ।

विक्षेप (सं.) व्याघात, बाधा, व्याकुलता, फेंकना, दूर करना, छोड़ना, त्यागना ।

विख (सं.) विष, ज़हर, गरल, हलाहल, कालकूट, माहुर ।

विखु (सं.) पूर्ववत् (कवितामें)

विखम (वि.) अयुग्म, अनमेल, असमान, अतुल्य, बराबर नहीं ।

विखरणु (क्रि.) बिखरना, फैलना, इधर उधर होना ।

विखराणु (क्रि.) फैलाना, बिछाना, बिखेरना ।

विखवाणु (सं.) कटु भाषण, ज़हरके समान भाषण ।

विखवाद (सं.) झगड़ा, लड़ाई, वाक् युद्ध, कलह, ज़बानी लड़ाई ।

विखिड़ु (क्रि.) क्रोधके आवेशमें आकर फाड़तोड़ डालना ।

विखिया (सं.) स्त्री, औरत, रांड

विखे (अ०) वास्ते, लिये, विषयमें, बाबत, कारण ।

विखेरणु (क्रि.) फैलाना, बिखेरना, अलग करना, बिछाना ।

विख्यात (वि.) प्रसिद्ध, ख्यातिप्राप्त, कीर्तिमान, यशस्वी, मशहूर ।

विख्याति (सं.) कीर्ति, यश, प्रसिद्धि ।

विगत (सं.) तफ़सील, विस्तार, हकीकत, वर्णन । (वि.) मृत, गया हुआ, बीता हुआ, व्यतीत ।

विगतवार (अ०) तफ़सीलके मुताफिक, विस्तारपूर्वक । पूर्णतासे ।

विगते-तेथी (अ०) पूर्ववत् ।

विगेरे (अ०) इत्यादि, आदि, प्रभृति वगैरह, आदि लेकर ।

विग्रह (सं०) विरोध, लड़ाई, युद्ध, संग्राम, संगर, द्वेष, देह, अंग, शरीर, फैलाव, समास तथा उनके शब्दोंको अलग अलग करके समझाना (व्याकरणशास्त्र)

विग्रहणु (क्रि.) पिघलना, पानी होना, द्रवीभूत होना, रस होना, अलग होना, नरम होना, मुलायम होना, पोचा होना, घबराना, व्याकुल होना, नाउम्मेद होना, फीका पड़ना, उड़ जाना (रंग)

विग्रहाणु-ઽળવું (क्रि.) पिघलना, ठिघलना, द्रवीभूत होना ।

विग्रहो (सं.) विग्रह, द्वेष, लड़ाई ठंठा, झगड़ा, युद्ध ।

विघात (सं.) नाश, संहार, विघ्न अड़चन, रुकावट, बिगाड़।

विघुं (सं.) बीघा, भूमि का माप विशेष, बीसविस्वा=एक बीघा।

विघ्न (सं.) बीघा, अटकाव, रुकावट, संकट।

विघ्ननाश (सं.) गणेशजी, गणपति, संकटका नाश करनेवाला।

विघ्नहारी (सं.) पूर्ववत्।

विच (अ०) बीचमें, मध्ये, (कविताओंमें)

विचक्षण (वि.) बुद्धिमान, चतुर, प्रवीण, निपुण, होशियार।

विचरवुं (क्रि.) घूमना, भ्रमण करना, प्रवासकरना, यात्राकरना, पर्यटन करना, बाहिरजाना, प्रवेश होना, घुसना।

विचार (सं.) ध्यान, सोच, अनुमान, तत्व निर्णय, मानसिक अभिप्राय, समझ मनन, ज्ञानशक्तिद्वारा अनुभव, निश्चय, अभिप्राय, मत, मन, आशय, हेतु, मनोरथ उद्देश विवेक, कल्पना, संकल्प, मनसूबा तरंग, तर्क, लक्ष्य, फिक्र, पछतावा पश्चात्ताप।

विचार चलावबो।-दोडावबो।-हरबो। पडेंचाडवबो (क्रि.) सोचना, विचार ना, ध्यान देना, खयाल दौड़ाना।

विचारपूर्वक (अ०) ध्यानसे, विचारसे, सोच समझकर।

विचारवंत-वान-शील विचारी (सं.) विचार करनेवाला, विवेकी, सयाना, गंभीर सोचसे समझनेवाला।

विचारवुं (क्रि.) सोचना, विचारना, निश्चय करना, सार असार समझना, पूछना, मननकरना, ध्यानदेना।

विचारश्रेणी (सं.) विचारमाला, विचारोंकासांता, खयालोंका सिलसिला।

विचित्र (वि.) रंगबरंगा, अनेक रंगका, अद्भुत, अजीब, अपूर्व, नवीन, जो देखा नहो।

विछां (सं.) मौज, आनंद, कल्लोल।

विचे (अ०) बीचमें, मध्यमें, मध्ये।

विचेतन (वि.) चेतनाशून्य, मूर्च्छित।

विछेद (सं.) वियोग, पार्थक्य, भेद, अन्तर, विभाग, भाग, जुदाई।

विछडवुं (क्रि.) वियोगहोना, बिछुड़ना, जुदा होना।

विछणुं (क्रि.) धोना, पानीसे साफ करना शुद्धकरना।

विछुआ-छुवा (सं.) नूपुर, बीछूकी पैरोंकी अंगुलियोंपर पहिरनेका चांदीका आभूषण विशेष (स्त्रियोंके लिए ।)

विछोहना (कि.) नाशहोना, नष्ट होना, (श्रावक धर्ममें)

विछोह (सं.) जुदाई, वियोग ।

विजनपाना (सं.) पंखेसे हवा करना, हवाकरना ।

विजना-अना (सं.) पंखा, व्यजन बीजना, हवा करनेका साधन ।

विजन (वि.) निर्जन, शून्य, वीरान, एकान्त, जनहीन ।

विजय (सं.) जय, जीत, फतह, इसनामसे प्रसिद्ध विष्णुका एक द्वारपाळ ।

विजया (सं.) भंग, भांग, माया, मादक पत्तीविशेष, पार्वति, दुर्गा ।

विजयादशमी (सं.) दशहरा, आश्विन शुक्लाकी दशमी तिथि ।

विजयानंद (सं.) विजयोल्लास, जीतकाहर्ष, फतहकी खुशी ।

विजयी (वि.) विजेता, जयशील यशस्वी, जयी, फतहमंद ।

विजली (सं.) आकाशमें बादलों के घर्षणद्वारा उत्पन्न प्रकाश विद्युत, चपला, चंचला, तडित सौदामिनी, शक्ति, गर्मी, ताप ।

विजयाडोढा (सं.) बालकोंका खेल विशेष ।

विजाति, (वि.) दूसरी कौमका, अन्य जातिका, नीच वर्ण निम्न जाति । [अलग ।

विजाती (सं.) पूर्ववत् नवीन,

विजारा (सं.) छुटकारा मुक्ति ।

विजारी (सं.) व्यभिचार, छिनाळा, जादू, हाथसफाई ।

विजित (वि.) जीताहुवा, जयी, जयप्राप्त, फतहयाब । [विरह ।

विजोग (सं.) जुदाई, वियोग,

विजोगी (वि.) विरही, निराळा, पृथक, वियोगी, बिछुड़ाहुआ ।

विज्ञप्ति (सं.) अर्ज, प्रार्थना, विनय ।

विज्ञान (सं.) शिल्प और शास्त्र विषयक ज्ञान, संवात्मकज्ञान, अनुभवज्ञान, केवळज्ञान ।

विज्ञापना देखो विज्ञप्ति [चारिणि ।

विटंबा (सं.) छिनाळ, व्यभि-

विट (सं.) भीट, विष्ठा, मळ, हगार, गू, ढेंडी । [ढोंग फैल ।

विडंब (सं.) पाखण्ड, फरेब, छळ

विडंबा (सं.) सिरपच्ची, वाद विवाद, (वि,) पाखंडी, ढोंगी, फैली ।

विटंबणा (सं.) सिरकबी, दुःख, संताप, कलीहत ।
विटप (वि.) सुशोभित, सुन्दर ।
विटप (सं.) मूर्ख, बुद्धिभ्रष्ट, बेवकूफ, ।[एक प्रकारका आभूषण।
विटला (सं.) कानोंमें पहिरनेका
विटवुं (क्रि.) गोळलपेटना, घेरलेना ।
विटवावुं (क्रि.) घिरजाना, लपेटे जाना, कैदहोना, बन्दहोना ।
विटाळवुं (क्रि.) घेरना, लपेटना
विटाळो (सं.) देखो विटो ।
विडंबना (सं.) दुखदायक, दुःख तिरस्कार, अपमान अनुकरण ।
विठ्ठल (सं.) प्रभु, परमेश्वर, देव (दक्षिण भारतमें विठ्ठल नामक अवतार हुवा हैं)
विडारवुं (क्रि.) मारना, वध करना विदीर्णकरेना, काटना, फाड़ना ।
विण (अ०) विना, वगैर, सिवा ।
विणवुं (क्रि.) निकालडालना, साफकरना, ढूंढना, चुनना, पसंद करना, उठाना, बीनना, बहुतमेंसे थोड़ा अलग निकालना ।
विणाशुद्धा (सं.) व्याकुलता, आकुलता, अशांति, बेचैनी, व्यग्रता ।
विणाभणु (सं.) शोधन अनाजमेंसे कंकर इत्यादि निकालना, बीननेकी मजदूरी, शोधनका मिहनताना, चुनना, छांटना ।
वितक-वित (वि.) अनुभूत, बीता हुवा, गुजराहुआ, (सं.) विपत्ति संकट, दुःख ।
वितकवार्ता (सं) संकटावस्था ।
वितण्डवाद (सं.) मिथ्यावाद, वाक्प्रपंच, व्यर्थका झगड़ा ।
वितण्डा (सं.) देखो विटंडा ।
वितथ (वि.) व्यर्थ, तथ्यहीन, निस्सार, मुफ्त, फिजूल, ।
वितनु (सं) अनंग, कामदेव, कंदर्प नाजुक, सुन्दर, सुकुमार ।
वितर्क (सं.) अनुमान, विचार, तर्क, व्यर्थ कल्पना, अटकल, कयास, वहम, शक, सन्देह ।
वितवुं (क्रि.) बीतना, गुजरना, जाना, व्यतीतहोना, अनुभवहोना आपड़ना ।
वितल-ळ (सं.) सप्त अधोलोकोंमेंसे एक, पाताल विशेष ।
वितावुं (क्रि.) दुःख देना, हैरान करना, खिझाना ।

विच (सं.) शक्ति, बल, कूवत, धन, ऐश्वर्य, विभव, रस, रूप, सार, जीव, माळ, पैसा ।

विचभाग (सं.) कुबेर इसका खजानची, धनपति ।

विचक्षण (वि.) होशियार, चतुर, दक्ष, काबिल, बुद्धिमान, (वि.) बहुत जळाहुआ, बहुत सिकाहुआ जोजळभुनके अस्महोगयाहो, अधजळा, कच्चा पक्का ।

विचक्षणा (स) होशियार स्त्री, चतुर नायिका, बुद्धिमान औरत ।

विचण (सं.) ऐसामूळ जिसके अलग अलगरेशेहों ।

विचय (स.) देखो विद्या ।

विचयकरणु (क्रि.) रवाना करना, विदाकरना, सन्मानपूर्वक वापिस भेजना, निकालना ।

विचयगिरी (सं.) देखो वद्यागिरी ।

विचारणु (स.) फाड़ना, चीरना, काटना छेदना । [छेदना ।

विचारवुं (क्रि.) फाड़ना, चीरना,

विचित (वि.) ज्ञात, आनाहुआ, सूझाहुआ, मालूम, प्रकट ।

विचुर (वि.) बुद्धिमान, समझदार, सयाना, चतुर, कुण्डोदरीपावन, व्यासके औरससे और विचित्र वीर्यकी स्त्री अम्बिकाकी दासीके गर्भसे इसनामका एकमहान ज्ञानी पुरुष भरतवंशमें द्वापरके अंतमें था ।

विदूषक (सं.) मसखरा, विदूषकराज भांड, रंगीला, राजाकेसाथ रहनेवाला हंसमुख और वाकचतुर व्यक्ति ।

विदेश (सं.) परदेश, अन्यदेश, भिन्नदेश, अपने देशसे पराया देश, बलायत ।

विदेशी (वि.) परदेशी, अन्यदेशका विलायती, प्रवासी ।

विदेही (वि.) मायापाशसे मुक्त, सांसारिक होकरभी ब्रह्मज्ञानी, जीवन्मुक्त, कैवल्य मुक्तिप्राप्त ।

विद्ध (वि.) छिदाहुआ, छिदयुक्त वेधाहुआ क्षिप्त, छिदित ।

विद्धपोनि (सं) पतिसाथ स्त्री, सासुराळमें रहनेवाली स्त्री ।

विद्यमान (वि.) वर्तमान, मौजूद जीवित, स्थित, सन्निहित, उपस्थित, हाजिर, समक्ष ।

विद्या (सं.) ज्ञान, यथार्थज्ञान, शिक्षा, विद्यापढो, हुनर, इल्म, शास्त्र मोक्षविषयक बुद्धि, वेद चौदह अंग, १ शिक्षा, २ कल्प, ३ व्याकरण, ४ निरुक्त, ५ छंद,

६ ज्योतिष, ७ मीमांसा, ८ न्याय ९ धर्म, १० पुराण, ११-१४ चारोंवेद,] चौदह विद्या [१ ब्रह्म ज्ञान, २ रसायण, ३ शुल्तिक्या, ४ वैद्यक, ५ ज्योतिष, ६ व्याकरण ७ धनुर्विद्या, ८ जलमें तैरना, ९ संगीत, १० नाटक, ११ घोड़े-की सवारी, १२ कोकशास्त्र, १३ चोरी और १३ चातुर्य ।

विद्या पढ़ना भाषनी नथी(=) पढ़े उसकी विद्या ।

विद्यागुरु (सं.) विद्या पढ़ानेवाला आचार्य, शिक्षागुरु, अध्यापक, उपाध्याय, शिक्षक, पाठक, उस्ताद मास्तर साहेब, टीचर, आचार्य ।

विद्याधन (सं.) विद्यारूपी महान द्रव्य । [किंवाआनंद ।

विद्यानंद (सं.) विद्याद्वारा प्राप्तसुख,

विद्याभ्यास (सं.) अध्ययन, शिक्षण, पठन, विद्या प्राप्तिकेलिये अभ्यास ।

विद्यालय (सं.)पाठशाळा, पढ़ने का स्थान, विद्यामंदिर, स्कूल, कालिज ।

विद्यार्थी (सं.) ताल्लिबइल्म, जो विद्या प्राप्तिके लिये यत्नवान हो, छात्र, पाठी, पढ़नेवाला, अध्ययन कर्ता, सीखनेवाला, स्वाध्यायी, शिष्ट, स्टुडेन्ट ।

विद्वत्तंत-वान (वि.), पंडित, विद्वान, गुणी, शिक्षित, पठित ।

विद्यालाळा (सं.) देखो विद्यालय

विद्युत (सं.) बिजली, तड़ित, सौदामिनी, चपला, दामिळी, शक्ति, ताप, गर्मी, बिजुळी

विद्युल्लता (सं.) बिजलीका प्रकाश

विद्रुम (सं.) मूंगा, प्रवाळ,रत्नविशेष वृक्ष विशेष मूंगेका वृक्ष,रत्नवृक्ष ।

विद्वज्जन (सं.) पंडित, विद्वान, ज्ञानी, साक्षर, दार्शनिक, फिलासफर । [हल्लियत, योग्यता ।

विद्वत्ता (सं.) पांडित्य,विद्वानपन

विद्वान (वि.) विद्यावान, पंडित पढ़ा, प्राज्ञ, आत्मज्ञान युक्त ।

विध (सं.) विधि, रीति, प्रकार, ढब, ढांचा, जाति. तरह ।

विधाणु (सं.) देखो विधाणुं ।

विधवा (सं) रण्डा, रांड, पति-हीना ।

विधविध (वि.) विविध भांतिके, बहुत प्रकारके, तरह तरहके ।

विधाता-त्री (सं.) भाग्यनिर्माण करनेवाली ईश्वरीय शक्ति । ब्रह्मके दिन भाग्यमें लेख लिखानेवाली

देवी (ऐसा लोगोंका अनुमान है) वज्रपांजल, औषधि विशेष, ब्रह्मा, सृष्टि रचनेवाला.

विधान (सं.) विधि, रीति, शास्त्रोक्त रीति, उपाय, ओढ़ना, काम, हाथीके वास्ते बनाया हुआ लहू ।

विधि (सं.) व्यवस्था विधान, भाग्य, प्रारब्ध, कर्म, सिलसिला, काल, समय, नियम, विधान, औषधिकल्प, नियोग, विष्णु, ब्रह्मा, हस्तोंका भक्ष्याभक्ष्य, वैद्य, व्याकरणमें सूत्रविशेष, नीति, कानून, आज्ञा ।

विधिपूर्वक (अ.) शास्त्रानुमोदित, शास्त्रके अनुसार, विधिके अनुसार ।

विधिपूर्वक-वत (अ.) पूर्ववत् ।

विधु (सं.) चन्द्रमा, चांद ब्रह्मा, शंकर, कपूर, काफूर, पवन ।

विधुमंडल (सं,) चन्द्रमण्डल, नक्षत्र ।

विधुर (वि.) रंडवा, स्त्रीहीन-पुरुष, (वि.) वियोगी, विरही, विकल ।

विधुरा (वि.) वियोगी, विरही ।

विधुरं (वि.) व्याकुल, व्यथित, घबराया हुआ, आकुल ।

विधुमुखी (वि.) चन्द्रवदनी (स्त्री) चन्द्रानना, चन्द्रमुखी ।

विध्यर्थ (सं.) आज्ञार्थसूचक क्रियापदका रूप (व्याकरण शास्त्र)

विधुक्षय (सं) अमावस्या, जिस दिन चन्द्रमाका क्षय हो । [तबाही]

विध्वंश (सं.) नाश, अधःपति,

विनत (वि.) नम्र, विनयी, सुशील ।

विनता (सं.) वनिता, स्त्री ।

विनति-नंति (सं.) अर्ज, प्रार्थना आजिजी, नम्रता, विनय, निवेदन, विनती, अनुनय ।

विनय (सं.) विनती, शिष्टता, सभ्यता, नम्रता, शिष्टाचार, विवेक

विनयणुं (क्रि,) प्रार्थना करना, अर्जकरना, प्रार्थना करना, आजिजी करना, समझाना, उसकाना ।

विना (अं.) सिवाय, बिना, बगैर ।

विनायक (सं.) गणेशजी, देवविशेष ।

विनाश (वि.) ध्वंश, नाश, संहार, मरण, अदर्शन, खराबी, बिगाड़ ।

विनाशक (वि.) नाशकारक, संहार करनेवाला, विनाशकर्त्ता ।

विनाशी (वि.) पूर्ववत् ।

विनिपात (सं.) पतन दैवादिसे प्राप्तहुआ व्यसन, अपमान, तिरस्कार, नाश, आफत ।

विनिमय (सं.) प्रतिदान, बदलेका दान. अदलाबदली, अमानत, एक वस्तुको देकर तरह दूसरी वस्तुलेना, परिवर्तन, लेनदेन।

विनियोग (सं.) आयोग, प्रतिबंध।

विनीत (वि.) नम्र, सुशील, शांत ठंडेस्वभावका, विनयान्वित।

विने (सं.) देखो विनय।

विनोद (सं.) कौतुहल, तमाशा, क्रीड़ा, उत्सव, प्रमोद, हर्ष, आनन्द, खेल।

विनोदी (वि.) आनन्दी, हंसमुख, ठट्ठाबाज, रंगीला, मजाकी, हास्यजनक।

विन्यास (सं.) स्थापन, रचना, रखना, विचारयुक्त, समूह, निश्चय।

विपत (सं.) दुःख, आपदा, दुर्दशा।

विपत्ति (सं.) संकट, दुःख, आपत्ति, विपदा, कष्ट, मुसीबत।

विपरित (वि.) उलटा, वाम, विरोधी, शत्रु, विरुद्ध, प्रतिकूल, गलत, झूठ, असुविधाजनक, अशुभ।

विपर्यय (सं.) विरोध, विरुद्ध घटना, अभाव, नाश, प्रलय, तबादला, गलती, मुसीबत।

विपर्यास (सं.) विपरीत, विरोधिता, बदहिम्मती, भ्रांति।

विपल (वि.) पलका ६० वां भाग, विपळ, काळ परिमाणविशेष। ३ सेकण्ड।

विपाक (सं.) पाचन, परिपक्वता, फळ, परिणाम, रसान्तर, जायका, कठिनता। [वृक्षसमूह, विराम।

विपिन (सं.) वन, जंगल, अरण्य,

विपुल-ळ (वि.) बहुत, अधिक, अतिशय, विस्तृत, गहन, विशाळ, अगाध, ऊंड़ा।

विपुश (सं.) हाथी, हस्ती, मातंग।

विप्र (सं.) ब्राह्मण, विद्वान, द्विज।

विप्रयोग (सं.) अलहदगी, जुदाई, वियोग, विरह।

विप्रलब्धा (सं.) वह नायक जो नायिकाका संकेत न जान सका हो।

विप्रलंभ (सं.) ठगई, धोका, भुलावा, झगड़ा, वियोग।

विप्रलाप (सं.) व्यर्थ बातचीत, झगड़ा, प्रतिज्ञा भंग।

विप्लव (सं.) उपद्रव, चढाई, बलवा, विग्रह, क्लेश, दूसरे राजाके राज्यादिसे भय। [निद्रा खोना।

विरमणे (क्रि.) गतिरोध होना

विहग (वि.) निष्फल, निरर्थक, निष्पत्ति ।
विहगेश (सं.) देव, सुर, अमर, पंडित ।
विहेड (सं.) ज्ञान, विचार ।
विहत (वि.) बंटाहुआ, अंशीकृत, जुदा, पृथक्कृत ।
विहित (सं.) व्याकरणमें सुप्तिङादि प्रत्यय, कारकोंके चिन्ह ।
विहव (सं.) ऐश्वर्य, धन, मोक्ष, वैभव, साठ संवत्सरोंमेंसे एक का नाम ।
विहा (सं.) किरण, शोभा, प्रकाश ।
विहाकर (सं.) सूर्य, भास्कर, रवि ।
विहाग (सं.) हिस्सा, टुकड़ा, अंश, अभ्यत्य, भाग, बांट ।
विहाव (सं.) प्रकाश, उजेला । रसको उत्पन्न करनेवाला कारण रूप मूल वस्तु तथा उद्दीपन सादिस्व (रस शास्त्रमें), परिचय ।
विहावना (सं.) अर्थालंकार विशेष, धारणा, मानो.....,शायद.. ...., यदि...,(ऐसा संशयार्थक भाव)।
विहावु (कि.) प्रकाशित होना, शोभित होना, मशहूर होना ।
विहु (सं.) स्वामि, प्रभु, (वि.) सर्वव्यापक, नित्य, सर्वत्रव्यापी ।
विहुदहु (सं.) दुख, विपत्ति, आफत ।
विहुता (सं.) व्यापकत्व, सर्वव्यापकता, नित्यता, स्वामित्व ।
विहूत-ति (सं.) राख, भस्म, खाक, वशमस्म, पवित्र राख, ऐश्वर्य, प्रसाद, वैभव, धन, शक्ति, बड़प्पन, अभ्युदय, शोभा ।
विहूषहु (सं.) आभूषण, जेवर, भूषण, शृंगार, अलंकार, शोभा ।
विहूषित (वि.) अलंकृत, सुसज्जित, आभूषण युक्त ।
विहोभी (वि.) गृहस्थी, भोगी ।
विभ्रम (सं.) वहम, भ्रांति, भ्रम घबराहट, व्याकुलता, सन्देह ।
विभ्रान्त (वि.) संशयान्वित, अशुद्ध
विभल (वि.) निर्मल, शुद्ध, पवित्र, साफ, सुथरा, मलरहित ।
विभाजिठी (सं.) बीमा कराई हुई चिट्ठी, बीमाकी दस्तावेज ।
विभान (सं.) यान, वायुयान, आकशयान, वाहन, रथ, बेड़ून । देवयानविशेष । (वि.) अपमान, मानभंग । [वाला ।
विभाजणो (सं.) बीमा उतारने
विभाजुस (सं.) पछतावा, पश्चात्ताप ।
विभाजवु (कि.) पछताना, विचारना, पश्चात्ताप करना ।

विमुख (वि.) पराङ्मुख, फिराहुआ उल्टा, विरोधी।
विमो (सं.) बीमा, इन्स्यूरन्स।
विमो (सं.) पानीसूखजाने पर तालाब या नदीमें खोदा हुआ कूप, कुआ।
विमत (सं.) ब्यानेवाली, प्रसवकरने वाली, उत्पन्नकरने वाली।
विमान (सं.) आकाश, नभ, अस्मान।
विमानुं (क्रि.) उत्पन्न करना, ब्याना, प्रसव करना, जनना।
वियोग (सं.) विच्छेद, विरह, विछोह, बिछुडना, जुदाई।
वियोगी (सं.) विरही, बिछडा हुआ
विरक्त (वि.) जुदा, हटाहुआ, बेमुहब्बत, वैराग्य, वीतराग, वासनाशून्य। [विधि।
विरंची (सं.) ब्रह्मा, ब्रह्मदेव,
विरज (सं.) सुगंधियुक्त, खुशबूदार
विराम (सं.) विराम, निवृत्ति, शान्ति, त्याग, निस्पृहता।
विरमवुं (क्रि.) अटकाना, रोकना, विराम, करना।
विरल (वि.) कोमळ, नाजुक, कोई, एकाध, विरला।
विरलुं (वि,) असाधारण, बहुतों में थोडाक, दुर्लभ, क्वचित।
विरवळु (सं.) एक प्रकारका बाद्य।
विरस (वि.) रसहीन, नीरस।
विरह (सं.) विच्छेद, वियोग, जुदाई, बिछुडन।
विरह ज्वर (सं.) किसी प्रेमीकी जुदाई के कारण बुखारका होना।
विरहाऽ(सं.) युद्ध करते समयबोद्धाओंका शब्द। हुंकार (योद्धाकी)
विरहाग्नि (सं.) वियोगाग्नि, बिछुडनेका संताप, विरहानल।
विरहानळ (सं.) पूर्ववत्।
विरहिणी (सं.) पतिप्रेमसे वंचिता, वियोगिनि, दुखी (स्त्री)।
विरही (सं.) वियोगी पुरुष, अपनी प्रेमिणं से बिछुडा हुआ। (वि.) वियोगी, विरह युक्त।
विराग (सं.) रागका अभाव, मुहब्बतकानहोना, विरक्ति, संसारमें आसक्तिका त्याग, ममता त्याग
विरागी (सं.) त्यागी, वैराग्य युक्त, राग शून्य, ममता रहित।
विराजमान (वि.) शोभित, प्रकाशित, सोहता हुआ, शोभायमान।
विराजवुं (क्रि.) शोभायाना, प्रकाशमान होना, बैठना (सम्मान सूचक वाक्य)। [क्षित।
विराजित (वि.) शोभित, प्रका-

विराट (सं.) ब्रह्माण्ड, चतुर्दश भुवन रूप ईश्वरका आकार । (वि.) विशाल, विस्तार, विकराळ, बड़ा, भारी (सं.) इसनामसे प्रसिद्ध एक प्राचीन नगर ।

विराम (सं.) निवृत्ति, विश्राम, शान्ति, अन्त, अवसान, समाप्ति, फुरसत, वाक्य पूरा होने के लिये लगाया हुआ एक चिन्ह विशेष (, ;)प्रकरण,भाग,सर्ग,अध्याय ।

विरामवुं (क्रि.) अटकाना, ठहराना, रोकना, बन्द करना ।

विरुद्ध (वि.) विपरीत, वाम, प्रतिकूळ, खिळाफ, उलटा ।

विरूप (वि.) बद सूरत, कुरूप, सौन्दर्य हीन, बद शकळ, परित्यक्त रूप, । [होनेकी औषधि ।

विरेचन (सं.) जुळाब, दस्त

विरोध (सं.) वैर, शत्रुता, दुश्मनी, द्वेष, विरुद्धभाव, अंटस, अनबन, प्रतिकार, वारण, अवरोध, विपरीतता, विपर्यय, लड़ाई ।

विरोधी (वि.) विरोध करने वाळा, ईर्ष्यालु, द्वेषी, शत्रु ।

विलक्षण (वि.) अजीब, विशेष लक्षण युक्त, अद्भुत, अनूप, आश्चर्यमय, अलौकिक ।

विलपवुं (क्रि.) रोना, विलाप करना, क्रन्दन करना, विळखना, विलाना ।

विलंब (सं.) देरी, ढील, अधिक समय ।

विलय (सं.) नाश, क्षय, बरबादी, प्रलय, विनाश, लय ।

विलंपट (वि.) इन्द्रियप्रिय, चघळ, ढीठ, अवारा, लम्पट, कामातुर ।

विलात (सं.) देश, जन्मभूमि, इंगलेण्ड, विदेश, परदेश, दूरदेश ।

विलाती (वि.) अंग्रेजोंके देशका, दूरदेशीय, विदेशी, शेखीखोर ।

विलाप (सं.) रुदन, रोना, क्रन्दन, क्रन्दन, विलाना, दुःख करना ।

विलायती भोंइं (सं.) विलायती औषधि विशेष, क्षार विशेष, सल्फेट आफ मेगनेशिया ।

विलावुं (क्रि.) गळना, पिघळना, टिघळना, नाश होना ।

विलास (सं.) खेळ, क्रीड़ा, कौतुक, भोग, सुख, आनन्द, उपभोग क्रीड़ा, रंगबाजी ।

विलासी (वि.) विषयी, लंपट, दुराचारी, भोगी, आनन्दी ।

विलिखुं (सं.) आठ आंकड़ा संकेत, आधे रुपयेका संकेत शब्द ।

વિલુબ્ધ (વિ.) આસક્ત, મોહિત, લુભાયા હુઆ, આકર્ષિત ।
વિલોકણી (સં.) અવલોકન, દેખનેકા ઢંગ । [દૃષ્ટિ ।
વિલોકન (સં.) અવલોકન, નજર ।
વિલોકવું (ક્રિ.) દેખના, જાનના, પહિચાનના, નિહારના, ઘૂરના ।
વિલોચન (સં.) આંખ, નેત્ર, ચક્ષુ, નયન । [રના, દૃષ્ટિ ડાલના ।
વિલોચવું (ક્રિ..) દેખના, નિહા-
વિલોવાલ-વિલ (અ॰) આધોઆધ, ઠીક આધા, (સંકેતાર્થ)
વિવક્ષા (સં.) બોલનેકી ઇચ્છા, અભિપ્રાય, ઇચ્છા, અર્થ, ઇરાદા ।
વિવક્ષિત (વિ.) ઇચ્છિત, અભિપ્રેત, ઈપ્સિત, અમુક ।
વિવર (સં.) ગુફા, કન્દરા, ગુદા, પોલી જગહ, છિદ્ર, છેદ, બિલ ।
વિવરણ (સં.) વ્યાખ્યાન, સ્પષ્ટીકરણ, બ્યૌરા, બયાન, ટીકા, વ્યાખ્યા । [રંગકા, મહા ।
વિવર્ણ (વિ.) દેખો વિરૂપ, બુરે
વિવર્તન (સં.) ફિરના, લૌટના ।
વિવર્ધિત (વિ.) બઢાહુઆ, વૃદ્ધિગત, ઉન્નત, સમૃદ્ધ ।
વિવશ (વિ.) પરતંત્ર, પરાધીન, પરાવલમ્બી, અવશ, લાચિર ।
વિવાદ (સં.) ઝગડા, તકરાર, ફિસાદ, અદાલી, લડાઈ, વાક્યુદ્ધ ।
વિવાદી (સં.) ઝગડાલૂ, ફિસાદી, પ્રતિવાદી, વાદી, મુદ્દઈ ।
વિવાહ (સં.) બ્યાહ, શાદી, પાણિગ્રહણ, સગાઈ, લગન, પરિણય, માંડા, બિવાહ ।
વિવાહ કરવો (ક્રિ.) સગાઈ કરના, સમ્બન્ધ જોડના (લડકા લડકીકા) મંગની કરના ।
વિવાહ માંડવો (ક્રિ.) બિવાહી પહલેસે તય્યારિયાં કરના ।
વિવાહ તોડવો-ફોડ કરવો (ક્રિ.) બિવાહ કરનેસે ઇન્કાર કરના, સગાઈ છોડના, સમ્બન્ધ ત્યાગના ।
વિવાહના ગીત વિવાહે જ્ઞાપ(ન) હોક બાત સમયપર હી પ્યારી માલૂમ હોતી હૈ ।
વિવાહ પહેલાં માંડવો (ક્રિ.) મરનેકે પહિલેહી કબ્ર ખોદના ।
વિવાહ માંડી જુઓને ઘેર છોકરી જુઓ-બિવાહમેં ઔર ઘર બનાનેમેં સોચે હુએ ધનસે અધિક અર્થ હો જાતા હૈ ।
વિવાહ કિયો ને માંડ બાળવે (ન) ફોડા ફૂટા ઔર વેષ બેરી બના " તુલસી મંદિરકે પરેં નહી સિરા દુત મીર " ।

विवाह विलो नेगेंबाभलेो=विवाह हुआकी फिर नेगचार लेने वाळे के लिये मुहँ चढा ।

विवाह वाजन (सं.) विवाह शादी के वक्तके बाजे वगैरह ।

विविध (वि.) नाना प्रकार, भाँति भाँतिका, अनेक तरहका ।

विवेक (स.) ज्ञान, समझ शक्ति, विचार, निर्णयात्मिका, बुद्धि ।

विवेक बुद्धि (सं.) सद्विचार, श्रेष्ठ बुद्धि, सयानापने, चातुर्य ।

विवेक युक्त (वि.) विवेक, युक्ति युक्त, ठीक, उचित, मुनासिब ।

विवेकी वि.) तत्ववेत्ता, जज, मुंसिफ, ज्ञानी, विचार शील, सभ्य, न्याय कर्त्ता, विचार कर्त्ता ।

विवेचन (सं.) विचार, जाच, पड़ताळ, बहस, टीका, भाष्य ।

विशद (वि.) विस्तृत, विस्तार युक्त, विशाळ, निर्मळ ।

विशाख (सं.) विशाना ताकते समय धनुष धारी को खड़े रहने की एक स्थिति विशेष, शिव, भिक्षुक ।

विशाखा (सं.) सोळहवां नक्षत्र ।

विशाल (सं.) विस्तृत, बड़ा, चौड़ा, बृहत् विस्तीर्ण, तेजस्वी ।

विशुद्धि (सं.) पवित्रता, सफाई, अशुद्धि राहित्य, निर्मळता ।

विशे-पे (अ०) में, बाबतमें, सम्बंधमें, विषयपर, बारेमें ।

विशेष-विशेष (वि.) खास, बहुत, मुख्य, अधिक, ज्यादः प्रधान, अमुक, फलाना, किसी खासगुण के कारण अन्योंसे अधिक ।

विशेषनाम (सं.) नामका एक प्रकार (व्याकरण शास्त्रमें) ।

विशेषण (सं.) ऐसा शब्द जो किसा संज्ञा [विशेष] की विशेषता गुण अथवा लक्षणका द्योतक हो (व्याकरण शास्त्र) ।

विशेष करीने (अ०) मुख्यतया, प्रधानतः खासकर, अधिकांशमें ।

विशेषतः (अ०) पूर्ववत् ।

विशेष्य (सं.) वह संज्ञा जिसकी किसी विशेषण द्वारा विशेषता दिखाई जावे, (व्याकरण शास्त्रे) ।

विश्रब्ध (सं.) विश्वस्त, शान्त, मजबूत, निश्चिन्त, काबिल ऐतबार ।

विश्रांति (सं.) आराम, विश्राम ।

विश्राम (सं.) पूर्ववत् ।

विश्रामणु (कि.) आराम करना, विश्राम करना, रखना ।

विश्व (सं.) सृष्टि, जगत, दुनिया, ब्रह्माण्ड, संसार, सकल (वि.) सब, समस्त, तमाम, कुल, समग्र ।

विश्वकर्मा (सं.) देवताओंका शिल्पी ।

विश्वजनक (सं.) ईश्वर, परमात्मा, जगतपिता, परमपिता ।

विश्वनाथ (सं.) ईश्वर, जगन्नाथ, जगत स्वामी ।

विश्वंभर (सं.) विश्वका भरण-पोषणकर्त्ता, सर्वशक्तिमान ईश्वर । इंद्र, विष्णु, सुरपति ।

विश्वंभरा (सं.) पृथ्वी, भूमि ।

विश्वंभु (सं.) ईश्वर, परमात्मा ।

विश्वव्यापक (सं.) सर्वव्यापी, ईश्वर ।

विश्वव्यापक (सं.) सर्वव्यापक, ईश्वर । [रूप, ईश्वर, परमात्मा ।

विश्वाधार (सं.) संसारका आधार

विश्वात्मा (सं.) विश्वकी आत्मा, ब्रह्म ।

विश्वास (सं.) यकीन, भरोसा, पत, ऐतबार, श्रद्धा, अस्तिक्य ।

विश्वासघात (सं.) कपट, धोका, ठगी, धूर्तता, भरोसा बंधाकर पूरा न करना । दगाबाजी ।

विश्वासघाती (सं.) कपटी, दगाबाज, धूर्त, ठग, नमकहराम ।

विश्वासी-सु (वि.) विश्वास योग्य, भरोसेपर रहनेवाला, विश्वस्त, भोला, श्रद्धालु, कच्चे कानका ।

विश्वेश-श्वर (सं.) जगन्नाथ, ईश्वर । द्वादश ज्योतिर्लिंगोंमेंसे एक जो काशी में है, द्वेष, ईर्षा, वैर ।

विष (सं.) जहर, हलाहल, माहुर, गरळ, कालकूट ।

विषधर (सं.) सर्प, सांप, भुजंग ।

विषम (वि.) असुगम, अगमेळ, असमान, अतुल्य, बराबर नहीं, कठिन, कठोर, भयंकर, ऊंचा नीचा, अनियमित अद्वितीय, अलंकार विशेष । दारुण ।

विषम ज्वर (सं.) एक प्रकारका बुखार, तेजबुखार ।

विषय (सं.) इन्द्रियादिकसे जाने गये शब्दादि, इन्द्रियार्थ वस्तु, भोग विलास, लिये, निमित्त, अर्थ, देश, काम, कार्य, व्यापार, इश्कबाजी, प्रकरण, बाबत, प्रस्ताव, उद्देशकारण, प्रयोजन, हेतु, माळ, सामान ।

विषयानंद (सं.) विषयभोगका आनंद, इन्द्रियोंद्वारा प्राप्त आनंद ।

विषयान्तर (सं.) अलही बात, चालु कार्यसे निराळही ।

विषयिन् (सं०) कामान्ध, कामोन्मत्त, भोगेच्छामें तल्लीन ।

विषयी (वि.) विलासी, भोगी, संसारी, कामी, लीलंपट, कामाभिलाषी । [विषयपर ।

विषये (अ.) संबन्धमें, बारमें,

विषाद (सं.) शोक, दुःख, क्लेश, खेद, उदासी, वैर, द्वेष, नाउम्मेदी

विषुव (सं.) वह समय जबकि रातदिन बराबर होते हैं ।

विषुवद्वृत्त (सं.) पृथ्वीके गोलेके ऊपर ठीक बीचोंबीच कल्पित रेखा, वह जहां रातदिन बराबर होते हैं, भूमध्य रेखा, विषुवत् ।

विषूचिका (सं.) रोगविशेष, हैजा, शीतला, चेचक, महामारी ।

विष्टि (सं.) अशुभ समय, भद्रा, (ज्योतिषशास्त्रे) शिष्टता ।

विष्ठा (सं.) मल, गुदामार्गद्वारा निकलनेवाला शारीरिक मल, गू, पाखाना, बीट, नर्क ।

विष्णु (सं.) व्यापक ईश्वर, पौराणिकोंके त्रिदेव मेंसे दूसरे नम्बर का देव जिसका काम संसार को पालनेका है, सत्वगुण स्वरूप ।

विष्णु पुराण (सं.) अठारह पुराणों मेंसे एक पुराणका नाम ।

विष्णुवु (कि.) ठंडाहोजाना, प्रथम सर्वांशोंके अमरणा दरसवके दिन उसकी झोळीकी समस्त वस्तुएं उसकी माताका अपनी झोळीमें लेनेकी क्रिया ।

विसर भोळु (सं.) भूलने स्वभावका, भोळा, गाफिल, स्मरण शक्ति हीन ।

विसरवु (कि.) भूलना, याद न रखना, विस्मरण होना ।

विसर्ग (सं.) स्वरके पीछे दो बिन्दु (:) त्याग, छोड़ना, मोक्ष ।

विसर्जन (सं.) त्याग, देना, छोड़ना, विदाकरना, बरखास्त ।

विसवासी (सं.) विस्वेका बीसवां हिस्सा ५% बीघा विस्वांसी, ईसाई, क्रिश्चियन, ईसू क्रीस्ट के मतका अनुयायी, (वि.) विश्वस्त, विश्वासी ।

विसात (सं.) जीव, दम, दौलत, माल, मूल्य, क़ीमत ।

विश्राम (सं.) पड़ाव, ठहराव, ठहरने की जगह, आराम गाह, निश्चेत मुर्दे को जलाने अथवा गाड़ने के लिये लेजाते समय जिस जगह रास्ते में उतारते हैं वह जगह । विश्वास, भरोसा, यकीन ।

વિસાર–રો (સં.) ભૂલ, ચૂક,
વિસારવું (ક્રિ.) ભૂલના, યાદન રખના ધ્યાન મેં ન રખના ।
વિસારે મુકવું (ક્રિ.) પૂર્વવત્ ।
વિસ્તરવું (ક્રિ.) બઢના, વૃદ્ધિ-પાના, ફૈલાના, વિસ્તારપાના, બઢાના, ફૈલાના, વિસ્તાર કરના ।
વિસ્તાર (સં.) ફૈલાવ, વૃદ્ધિ, ચૌ-ડાઈ, વિશાલતા, ભૂમિકા ક્ષેત્રફળ ।
વિસ્તારવું (ક્રિ.) બઢાના, ફૈલાના' લંબાકરના, અધિક કરના, વિસ્તૃત કરના ।
વિસ્તીર્ણ (વિ.) બઢાહુઆ, ફૈલા હુઆ, પ્રસારિત, વિપુલ, વિશાળ ।
વિસ્તૃત (વિ.) ફૈલાહુઆ, ચૌડા, બહુત, પ્રફુલ્લ ।
વિસ્ફોટક (સં.) શીતલા, નામક રોગ, ચેચક, રક્તવિકાર વિશેષ ।
વિસ્મય (સં.) આશ્ચર્ય, અચંભા, તઅજ્જુબ, અદ્‌ભુત, અજીબ ।
વિસ્મરણ (સં.) ભૂલ, યાદન રહના, વિસરના, [ન્વિત, અચંભિત ।
વિસ્મિત (વિ.) ચકિત, આશ્ચર્યા-
વિસ્મૃતિ (સં.) વિસ્મરણ, ભૂલ,
વિહંગ (સં.) પક્ષી, ચિડિયા, પરિન્દ, નભચર, રાગ વિશેષ, પક્ષેરુ ।
વિહંગમ (સં.) પૂર્વવત્ ।
વિહરવું (ક્રિ.) વિચરણ કરના, ઘૂમના, ઇધર ઉધર જાના, આનંદ કરના ।
વિહાણવું (ક્રિ.) સમાપ્ત હોના, પૂર્ણ હોના, ગુજરના, બીતના ।
વિહાર (સં.) ક્રીડા, ખેલ, આનન્દ કે લિયે ઇધર ઉધર ઘૂમના, મઠ, સંન્યાસી કે રહને કા એકાંત સ્થાન બૌદ્ધોંકા ઉપાસના સ્થાન, બૌદ્ધ મન્દિર, વિશેષ ।
વિહારી (સં.) આનંદી, વિહાર કરનેવાલા, ખિલાડી, શ્રીકૃષ્ણ ।
વિહીણ (વિ.) વિના, રહિત, શૂન્ય, બગૈર ।
વિહીત (વિ.) ઢાંકા હુઆ, આ-વરણાદિત, કથિત, નિર્ણીત, ઉચિત ।
વિહીલું (વિ.) અકેલા, પીકા, કમ, હલકા ।
વિહીલું પડવું (ક્રિ.) અકેલે રહના ।
વિહુણું (વિ) વિના, બગૈર, રહિત ।
વિહોણું (વિ.) દેખો વિહુણું ।
વિહ્વળ (વિ.) વ્યાકુલ, ઘબરાયા હુઆ, ઉદ્વિગ્ન, ચંચલ ।
વિહ્વળતા (સં.) ઘબરાહટ, વ્યા-કુલતા, ઉદ્વિગ્નતા ।

વિદ્યમાન (સં.) મૂર્ખ, બેવકૂફ, બાવકા ।
વી૦ (વિ.) વિદ્યમાનકા સંક્ષિપ્ત રૂપ ।
વીષ (સં.) ઝહર, વિષ, કાલકૂટ, માહુર, ગરલ ।
વીઘુ (સં.) બીઘા, ૨૦ બિસ્વા, ભૂમિ માપનેકા પરિમાણવિશેષ ।
વીઘ (વિ.) વ્યગ્ર, બાવળા ।
વીઘાવું (ક્રિ.) બંદ હોના, મુંદના, મિચના ।
વીછળામણ (સ.) બરતનકો સાફ કિયા હુઆ પાની, ધોવન ।[વિશેષ ।
વીછી (સ.) વિચ્છૂ, જહરીલાજન્તુ
વીજ (સ.) બિજલી, વિદ્યુત, તડિત ।
વીંટી (સં.) અગૂઠી, મુદ્રિકા, છલ્લા ।
વીંટીમા જડવા જેવું (ક્રિ.) નગ, નગીના, રત્ન, ગુણવાન ।
વીંટો (સં.) બંડલ, ગોલ પુલિન્દા, લપેટી હુઈ ગોલ ગઠરી ।
વીંઝણવું (ક્રિ.) સાથ લિયે ફિરના, ફિમાના, ચલાના, ભકાના ।
વીજન (વિ.) જનશૂન્ય, નિર્જન, બીરાન, ઉજડ, જંગલ, (સં.) પંખા, બીજના, વ્યજન ।
વીણ (અ.) બિના, બગૈર, સિવાય, અતિરિક્ત, અલાવહ ।

વીણા (સં.) તંતુવાદ્યવિશેષ, સિતાર, તમ્બૂરા, તાનપૂરા, બીન ।
વીણાપાણી (સં.) વહ જો હાથમેં બીના કા પ્રેમી હો, નારદ, સરસ્વતી । [દુઈ બાત ।
વીતક (સં.) પડા હુઆ દુઃખ, બની
વીતવું (ક્રિ.) વ્યતીત હોના, ગુજરના, જાના, હોના, પૂરા હોના, ખર્ચ હોના, દુઃખ પડના ।
વીતરાગ (વિ.) શાન્ત, રાગશૂન્ય, (સં.) જૈન તીર્થંકર, જૈનઅર્હંત ।
વીતાડવું (ક્રિ.) વ્યતીત કરના, ખોના, ગુમાના, ખર્ચ કરના, નષ્ટ કરના, વ્યર્થ ખોના, દુઃખ દેના ।
વીધ (સ.) વિધિ, પ્રકાર, રીતિ, તરહ, જાતિ ।
વીમાવાળો (સં.) જો બીમા કરાવે ।
વીમો (સં.) ઓલિમ, હુણ્ડી, એક પ્રકારકી રાજકીય વ્યવસ્થા । અમુક સમયમેં અમુક પ્રકારકી આફતસે નુકસાન હોતો ઇતના અધિક દામ દેનેસે ઉસકી જિમ્મેદારી લેના, જિમ્મેદારી ખરીદના । ઇન્સ્યૂરેન્સ ।
વીમો ઉતારવો (ક્રિ.) બીમા કરના, ઓલિમ લેના, હુણ્ડી કરના ।

वीर (सं.) बलवान, योद्धा, लड़ाका, शूर, पहलवान, बहादुर, भाईबन्धु, देव भूत पिशाच आदि।

वीर भूलना (क्रि.) मंत्रसे भूत इत्यादि किसी को किसीके शरीरमें बुलाना।

वीररस (सं.) नवरसों मेंसे एक रस, जिसमें वीरताका वर्णन हो।

वीरविद्या (सं.) भूत प्रेत इत्यादि को वश करने की विद्या।

वीरश्री (सं.) वीर पुरुषका यश।

वीर साधना (क्रि.) भूत इत्यादि वश करना।

वीरहाक (सं.) वीरोंकी हुंकार, सिंह गर्जन, युद्धमें भयंकर-चीत्कार।

वीरुध (सं) एक प्रकारकी बेलि, लताविशेष, फैली हुई बेल।

वीरा (सं.) भाई, बन्धु, सहोदर।

वीर्य (सं.) शुक्र, धातु, धात, बीज, रज, बल, शक्ति, कूवत, पुरुष शरीरका सत्व।

वील (सं.) आधे रुपये का संकेत बकीयत, बारिशनामा। भरती, बहाव, मृतलेख, जहाज उतार।

वीवा (सं.) पक्षी विशेष।

वीहुं-व्हीहुं (वि.) अकेला, एकाकी, डीला, फीका, शर्मिंदा। शब्दका एक वचन।

वीस-स (वि.) बीस, २०, विंश।

वीसवसा (वि.) पूर्ण, पूरा, बीसोंबिस्वा।

वीसी (सं) बीसबीसकी गणना, होटल, ढाबा, मेस, पैसे देने पर जहाँ भोजन इत्यादि सुखसामग्री प्राप्त होती हों, सराय, धर्मशाळ।

वीसी भाषुस (सं.) विश्वस्त पुरुष, काबिल ऐतबार व्यक्ति।

वीसी भावीसी (वि.) फेरफार, सुखदुःख, हेरफेर।

वुज्जु (सं.) प्रार्थना-नमाज के पहिले हाथ मुहं कान इत्यादिके धोनेकी क्रिया, वजू।

वुज्जुद (सं.) अर्क, स्वत्व, सत्व, सत तत्व, सार, स्थिति, जीवन।

वुठ्ठुं (क्रि.) बरसना, दया करना झड़ी लगाना, प्रसन्न होना।

वुढ्ढुं (क्रि.) जाना।

वृक (सं.) भेड़िया, मांसभोजी खूंखवार, जंतुविशेष।

वृकोदर (सं.) भीमसेन, द्वितीय पांडव।

वृक्ष (सं.) पेड़, तरु, पादप, दरख्त, रूख, तरवर, झाड़ ।

वृषभ (सं.) बैल, सांड, वृषभ, बळद, नाटा, बछड़ा ।

वृत्त (सं.) घेरा, मंडळ, मण्डलाकार, गोळ, चालचलन, रीति, बनाव, छन्द, काव्य रचना विशेष ।

वृत्तान्त (सं.) समाचार, हाळ, खबर, सम्वाद, बात, वार्ता, वर्णन, हकीकत, इतिहास ।

वृत्ति (स.) अंतःकरणका परिणाम विशेष, व्यवहार, वर्ताव, चाल चलन, स्वभावका आचरण, धंधा, रोजगार, आजीविका ।

वृत्यनुप्रास (स.) एक प्रकारका अलंकार विशेष, वाक्य अथवा चरणमें एक अक्षरकी बहुतबार आवृत्ति होना, (पिंगळ)

वृथा (अ०) व्यर्थ, बेकाम, निष्फळ निकम्मा, बेफायदा, निरर्थक ।

वृद्ध (वि.) बूढ़ा, पुराना, प्राचीन, जीर्ण, अईफ़, चतुर, निपुण, (स.) बापदादा, पूज्य पुरुष ।

वृद्धपरंपरा (अ०) बापदादोंके वक्तसे चलाआताहुआ, पीढ़ीदरपीढ़ी ।

वृद्धा (सं.) बूढ़ी, दादी, बजुर्ग (स्त्री)

वृद्धावस्था (सं.) बुढ़ापा, जर्री, अईफ़ी, चौथी अवस्था । [रचना ।

वृद्धाचार (सं.) बड़ेबूढ़ोंकी रीति

वृद्धि (सं.) बढ़ती, अभ्युदय, तरक्की विस्तार, आबादी, बढ़ोतरी ।

वृद्धिंगत (वि.) बढ़ाहुआ, उन्नत विस्तृत, आबाद ।

वृंद (सं.) समूह, समुदाय, झुंड, टोला, दल, यूथ, जथा ।

वृंदा (सं) तुळसीका वृक्ष, राधिका ।

वृंदारक (वि.) मनोहर, सरस, (स) मुखिया, नायक, अगुआ ।

वृंदावन (सं.) तुळसीकानन, अपने नामसे प्रसिद्ध मथुराके समीप तीर्थ विशेष, व्रज, नगर विशेष ।

वृश्चिक (सं.) बिच्छू, बीछू, कीट विशेष ।

वृषण (सं.) फोते, अण्डकोष, पेळड़े

वृषभ (सं.) सांड, बैल, बळद, इसनामसे प्रसिद्ध एक जैनसाधु, राशिविशेष, वृष ।

वृषलि (वि.) धर्मभ्रष्ट, शूद्र ।

वेंभळ (सं.) भटे, रींगने, फल विशेष ।

वेंभळी (सं.) बैंगनका पौधा

વેચવું (ક્રિ.) વેચના, બિક્રય કરના, સબકો થોડા અથવા હિસ્સો કે અનુસાર અલગ કરદેના।
વેંચણી (સં.) ભાગ, હિસ્સા, બાંટા।
વેંત (સં.) બાલિશ્ત, નાપનેકા પરિમાણ વિશેષ, બિલસ્ત કે હાથ, નૌ અંગુલ।
વેંત જોઈ સુઝતી નથી=બિલકુલ ન દિખાના, કઠિનતામેં ફંસજાના।
વેંતવું (વિ.) બાલિશ્તભર, બહુતહી છોટા, ઠિંગના।
વે (સં.) બય, ઉમ્ર, અવસ્થા, વહ, રો, છેદ, છિદ્ર, સૂરાખ, વધ।
વેખ (સં.) વેષ, ભેષ, બેસ। [ધોબી
વેખણ (સં.) એક પ્રકારકી ઔ-
વેખધારી (વિ.) વેષધારી, સ્વાંગી।
વેખતી (સં.) અટ્ટહાસકરકે હંસને વાલા, તુરંત હંસદેનેવાલા।
વેગ (સં.) ગતિ, ચાલકા જોશ, દૌડ, ધક્કા, જોર, તાપ, ત્રાસ, તેજી પ્રવાહ, શીઘ્રત, જડ, મૂર્ખ।
વેગરવું (ક્રિ.) ભુગતના, સહના, ભોગના, સ્વીકારના। [ફાસલ।
વેગળાઈ (સં.) છેટી, અંતર,
વેગળું (અ૦) દૂર, પૃથક, જુદા।
વેગળું થવું (ક્રિ) અદૃશ્યહોના ગયબ હોના, દૂરજાના, ઋતુમતી હોના।
વેગળું રહેવું (ક્રિ.) દૂરરહના।
વેગળું વેસવું (ક્રિ.) અલગ બૈઠના ઋતુસ્નાતા હોના, માસિક ધર્મસે હોના।
વેણી (સં.) ચોટી, સ્ત્રિયોંકી ચોટી, કિવાડ મેં લગાયા હુઆ લકડી કા ખડા તખ્તા।
વેણું (સં.) પાની ભરનેકી ગાડી।
વેણું-ળા (સં.) વંશી, બાંસરી, મુરલી। [હોના।
વેણુ ફવાવું (ક્રિ.) પ્રાતઃકાળ
વેત (સં.) તજવીજ, ઢંગ, સાંચા।
વેતન (સં.) તનખાહ, મજૂરી, ભાડા।
વેતર (સં.) બ્યોંત, ઉત્પન્ન કરના, જન્મ દેના, એક એક બચ્ચકા બચ્ચા ઉત્પન્ન કરના, (ઢોર)
વેતરણ (સં.) યુક્તિ, તજવીજ, ઢંગ, ઉપાય, સ્કીમ।
વેતરવું (ક્રિ.) બ્યૌંતના, નાપકર કપડે કો કાટના, નાપના(કપડા) કુછમી કામ નિશ્ચય કરના।
વેતરી આવવું (ક્રિ.) બનેજો કર આના।
વેતા (સં.) સમઝ, હોશિયારી, જ્ઞાન।
વેત્તા (વિ.) જ્ઞાતા, જાનનેવાલા।

वैताल (सं.) भूतोंकी जातिविशेष।
वेत्र (सं.) बेत, छड़ी, राजदंड चोब।
वेत्रवती (सं.) छड़ीदार चोपदार बेतवाला, नकीब, हलकारा।
वेत्रलता (सं.) बड़का वृक्ष, बेतका पेड़, वेत्रवृक्ष, छड़ी, आश्रमहारीके हाथका दण्ड।
वेत्रासन (सं.) बेतका बनाहुवा आसन, बेतकी बनीहुई कुर्सी।
वेद (सं.) ज्ञान, ईश्वरीयज्ञान, आर्य लोगोंका मूल धर्मग्रंथ, हिंदुओंका आदिग्रंथ, ऋग्वेद, यजुर्वेद सामवेद, अथर्ववेद, (वि.) समग्र परिचय, ज्ञान।
वेदना (सं.) पीड़ा, दुख, मिहनत कष्ट, यातना, कलेश।
वेदभूति (वि.) वेदोंकाज्ञान, ब्राह्मण ब्रह्मज्ञ ब्राह्मण।
वेदांत (सं.) ब्रह्मका प्रतिपादन करनेवाला शास्त्रविशेष, वेदका ज्ञानकाण्ड, उपनिषद विशेष।
वेदी (सं.) वेदिका, स्थण्डिल, हवन स्थान विशेष।
वेदीय (वि.) वेदका, वैदिक।
वेदोक्त (वि.) वेदमें कहाहुआ, वेदविहित, वैदिक।
वेध (सं.) छिद्र, छेद, सूराख बल, सूर्यचन्द्रका ग्रहण, राहु, बाधा, दुःख, कष्ट।
वेधनी (सं.) कानमें पहिरनेका अलंकार विशेष।
वेधवुं (कि.) छेदना, भोंकना, घुसेड़ना, छेदकरना, सूराखकरना, मनमें प्रभाव करना।
वेधशाला (सं.) खगोल विषयक बातें जाननेके लिये बनायाहुआ स्थान
वेधी (वि.) छेदनेवाला, छिद्रित।
वेन (सं.) वाहन, गाड़ी, यान, पंक्ति, हार, विभव, वैभव।
वेपथु (सं.) थर्राहट, कम्प।
वेपार (सं.) व्यापार, लेनदेन, धंधा रोजगार, व्यापार, माल बेचकर बदलेमें लेनादेना।
वेपारी (सं.) व्यापार करनेवाला।
वेभार्ध (सं.) पैसा, धन, नकद द्रव्य। [लिया हुआ, बिकनेवाला।
वेयतु-यातुं (वि.) मूल्य देकर
वेयवुं (कि.) बेचना, मोलदेना, विक्रयकरना, मूल्यलेकरदेना।
वेयाड (वि.) बिकाऊ, बिकनेवाला बेचनेके लिये रक्खा हुआ।

वेसाणु (सं.) बिक्री, बिकरी, बिकना, विक्रय ।
वेसाणुपत्त (सं.) बेनामा, बेचने-की दस्तावेज, वाहन, हुवाई ।
वेसाणियुं (वि.) बिकीत, बेचा हुआ, इनाममें प्राप्त भूमि । [होना ।
वेसाववुं (कि.) बिकना, बिक्रय
वेसुं (सं.) धरमधक्का, इधर उधर, व्यर्थही भटकना ।
वेस्स (सं.) निशान, दुख, हरकत ।
वेस्सणुं (सं.) आड, रोक, बाँध, पानी रोकनेके लिये बांधी हुई आड ।
वेह (सं.) बेगार, बलात् परिश्रम, ऐसी मिहनत जिसके बदलेमें कुछ भी नहीं मिले । व्यर्थ ही कष्ट सहना मिरपची, परिश्रम ।
वेहवुं (कि.) सिरआई आदि-का झेलना, सहनकरना ।
वेहिवाउ (सं.) व्यर्थ
हुआ, बेकाम, व्यर्थ ।
वेहियो (सं.) बेगारी, बेगार लेने वाला, बिना टके कौडी कामोंवर ।
वेऽ-ढ (सं.) अंगुलियोंमें पहिनेनेकी सोने या चाँदीकी अंगूठी, जोट, मुद्रिका विशेष, छल्ला, अंगुलीका पोरवा, आरीके दांते, करौत के दांते ।
वेहेवुं (कि.) उडादेना, गमाना व्यर्थही खर्च करडालना ।
वेहवुं (कि.) तोड़ना, चुनना, डालना, उंडेलना (पानी)
वेडी (सं.) आम इत्यादि फल तोडनेका बांस (जिसके अग्रभाग पर जाळी या कपड़ा इस लिये बांधा होता है कि फळ, आदि पृथ्वी पर गिरकर खराब न हों और उस जालीमेंही गिरते रहें)
वेडांग (सं.) घोडा, अश्व, हय तुरग.
वेंडुर (वि.) सुन्दर, शोभित ।
वेडो (सं.) तोड़नेवाला (आम इत्यादि फळोंका)
वेढनी (सं.) सांटो रोटी, कचौरी, पूरनपूरी ।
वेढवुं (कि.) सामना करना मुकाबिलाकरना, मिलना ।
वेढो (सं.) पैरकी अंगुलीका तीसरा संड अंगुलीका पोर, हथेलीका मोटा गोल टुकड़ा, (मक्केकी) गनेरी ।
वेणु (सं.) प्रवाह, बहाव, वेग-युक्त, वचन, वयन, बांसरी, जैसी मुरली, वेणु, पानीकी छोटी नाली धोरा, छोटी नहर कपासका वृक्ष, दो, पूर्ण, सम, जो दोसे भाग देने पर पूरा हो । युग्म, पूरा, जोडी ।

वेणु (सं.) बाद्यविशेष, तम्बूरा, तानपूरा, बीन । [दुःख ।
वेणुमुंडा (सं.) भूलेसे होनेवाला
वैर (सं.) बैर, द्वेष, शत्रुता, अदावट ।
वेरशु (स.) शत्रु, दुश्मन, बैरी ।
वेरशुभेरशु (वि.) इधर उधर, पड़ाहुवा, बिखराहुआ ।
वेरशिये (सं.) छेदनेवाला, छिद्र करनेवाला । [बैर ।
वेरभाव (स.) शत्रुता, दुश्मनी,
वेरवुं (क्रि.) इधरउधर पटकना बिखेरना, फैलाना, बिछाना, उड़ाना, काममेंलाना ।
वेरावुंजिवुं (क्रि.) बिखरना, खलखिलाकर हंसना ।
वैराग (स.) विषयत्याग, विषय उदासीनता, निस्पृहता, बैराग्य ।
वैरागशु (सं.) बाबी, साधु, बैरागी, (स्त्री) साधुन ।
वैरागी (सं.) साधु, सन्त, त्यागी, जोगी, निर्लोभी ।
वैराडी (सं.) एकप्रकारका राग ।
वैराशु (वि.) जंगल, वन, निर्जन, अरण्य, बीरान, ऊजड़ । [हुआ ।
वेरुतुं (वि.) बिखराहुवा, फैला
वेरी (सं.) शत्रु, दुश्मन, प्रतिद्वंदी ।
वेरे (अ०) साथमें, संगमें ।
वेरो (सं.) सरकारी कर विशेष, महसूल, जकात, अंतर, भेद, फर्क ।
वेल (सं.) बेलि, बेल, लता, कपड़ेपर बेलके ढंगकी छापा बग्घी वाहन, सवारी, रथ, वंश, परिवार कुटुंबके लिये एक गांवसे दूसरे गांव अन्योन्य लड्डू रोटी इ० भेजते हैं एकलड़की दूसरेके यहां दूसरेकी तीसरेके यहां और तीसरेकी पहिलेके यहां इसतरहका देनेलेनेका सम्बन्ध ।
वेलशु (सं.) रोटी पूरी इत्यादि बेलनेका बेलन, बिलना, रोटी बेलनेके लिये लकड़ीका साधन ।
वेलशिवुं (वि.) बेलन सरीखा, (सं.) बेलन, बिलना, रोलर ।
वेलशुंटी (सं.) बेलबूटा, फूलपत्ती ।
वेला (सं.) आपत्ति, विपत्ति, आफत, दुःख, वक्त, घड़ी, समय, वाणी, बोली ।
वेलातोऽपरसाद (सं.) उत्तर दिशाकी पवनके साथ पानीकी वृष्टि (जिससे बेली सूखजाती है)
वेल्लिवुं (सं.) आधा रुपया आठआने ।

वेली (सं.) छोटी वेल, लता, बेली।
वेळो (सं.) वनस्पतिकी एक जाति वह जमीनपर पर फैलता है और आश्रयसे चढता है।
वेव (सं.) एक प्रकारकी वनस्पति।
वेवइ (सं.) श्यायन, लड़केकी या लड़कीकी सास्।
वेवशाश्चु (सं.) नफा, लाभ, लहा, मिलना, ठगाई।
वेवशावुं (क्रि.) ठगेजाना, छले जाना, भुलाना, पीटेजाना।
वेवसावुं (क्रि.) बहकाना।
वेवलां (सं.) इधरउधर भटकना, भरमचक्कर।
वेवलुं (वि.) जंगली, बदतमीज मूर्ख, सिरी, जिसे ओढने पहिरने बोलने चालनेका ढंग न हो।
वेवाळ, ळे (सं.) विवाह, लग्न, शादी। [वाला।
वेवीहाणोवो (सं.) विवाह करने
वेश-ष (सं.) आकार, परिच्छेद, सजावट, सांग, रूप, लिबास, परिधान, अलंकार, आभरण, सुहागिन स्त्रीका कपड़े लत्ते पहिरनेका ढंग, नाटकका पात्र।
वेशधरवो (क्रि.) सांगलेना रूप बना, वेष बदलना, वचन भंग करना।
वेशपलटवो (क्रि.) जैसा भेष होना चाहिये वैसा ठीक ठीक बनाकर करके बतादेना।
वेशविन्यासवो (क्रि.) बनावटी रूप उतारदेना, शृंगार त्यागना।
वेश्या (सं.) पतुरिया, गणिका, रंडी, वारनारी, वारांगना, छिनाळ।
वेश्याचारज (सं.) रंडीका भडुवा, उस्तादजी (रंडीके)
वेश्यावाडो (सं.) वेश्यालय, रंडियोंके रहनेका घर, वेश्याओंके रहनेका मुहल्ला, चकला (रंडियोंका)
वेषधारी (वि.) सांग धारण करने वाला, नकली, शकलसदृश्य नेवाला ढोंगी, ठग, छुपा।
वेष्टन (सं.) लपेटन, वेटन, ढांकन।
वेसण (सं.) चनेकी दालका चूर्ण।
वेसर (सं.) नथ, नाकमें पहिरनेका स्त्रियोंका आभूषण विशेष। घोडा, खच्चर, खिच्चर।
वेसरी (सं.) नाकवाली, नथ।
वेसवाळ (सं.) कन्यादान, सगाई, विवाह, कन्यादानके लिये वचन।
वेहेंचवुं (क्रि.) बेचना, बांटना, देना।
वेहेलूं (सं.) प्रातकाल, सवेरा, सुबह, प्रभात, झिलमिला, भोर।

વેહેરો (સં.) અંતર, જુદાઈ, ફારકત ।

વેહેલું (અ.) જલ્દીસે શીઘ્રતાસે ।

વેહેવરાવું (ક્રિ.) નફામિળના, કમાના, લાભપ્રાપ્ત કરના ।

વેહેવારિયો (સં.) સાહૂકાર, વ્યાપારી । [મામૂલી.

વેહેવારિયું (વિ.) સાધારણ, મધ્યમ

વેહેવું (ક્રિ.) સહનકરના, નિભાના, ભારઉઠાના, બોઝાઝેલના, બહના, પ્રવાહ ચલના, હદ બાહિર હોના, ફટના । [પ્રવાહ, બહાવ ।

વેહેળો (સં.) છોટી નદી, ઝરના,

વેળ (સં.) આગ્રહ, ખેંચ, હઠ,

વેળા (સં.) સમય, વક્ત, ઘડી, ટહના, સન્ધિ ।

વેળાએ ભળે તે। કેળાંન્સમયપર મિલે વહી સ્વર્ગ ।

વેળાસર (અ.) વક્તપર, સમયપર, ઐન મૌકેપર, ઠીકવક્તપર ।

વેળિયું (સં.) સોનેકે પતલે તારકા છલ્લા–અંગૂઠી ।

વેળું (સં.) રેતી, કણ, ધૂલિકણ ।

વે (સં.) વાયુ, પવન, હવા, વાદી રોગ। ચૂહે અથવા ઘૂંસ પકડનેકા ફન્દા (અ.) નિશ્ચય પુખ્તા દૃઢ ।

વેઅદ (વિ.) પાગલ, મૂર્ખ, બુરા, દુષ્ટ, નિર્બળ, બેઇજ્જતીકા ।

વેકુંઠ (સં.) લોક વિશેષ, વિષ્ણુકા ધામ । વેકુંઠવાસ (સં.) પૂર્વવત્,

વેકુંઠવાસી (વિ.) મૃત, મરાહુઆ, સ્વર્ગીય, સ્વર્ગસ્થ ।

વેઠ (સં.) અમીરકી એકપદ્ધતી ।

વૈખરી (સં.) શબ્દોચ્ચારણ, વાણી કી ચૌથી સ્થિતિ, સ્પષ્ટ ઉચ્ચારણ ।

વૈચિત્ર્ય (સં.)વિચિત્રતા,વિલક્ષણતા ।

વૈજયંત (સં.) ઇન્દ્રકી ધ્વજા ।

વૈજયંતિક (સં.) ઝંડેવાલા ।

વૈજયંતી (સં.) કાલી તુલસીકા વૃક્ષ, માળા, શ્રેણી ।

વૈજયંતીમાળ (સં.) નીલમ, મોતી, માણિક પુખરાજ ઔર હીરેકી માળા ।

વૈદૂર્ય (સં.) એકપ્રકારકા હીરા, લાલ, મૂંગા, વૈદૂર્ય ।

વૈણુવ (સં.) બાંસકાવન । [વાલા।

વૈતનિક (સં.) મજદૂર તનખ્વાહ

વૈતરણી (સં.) યમપુરી કે માર્ગમેં એકનદી ઇસનામકી હૈ ઐસા લોગ કહતે હૈં ઔર પુરાણોંમેં ભી લિખા હૈ ।

વૈદ્ય (સં.) વૈદ્ય, હકીમ, ચિકિત્સક રોગકો પહિચાનકર ઔષધિ દેને વાલા, દુઃખમિટાનેવાલા ડાક્ટર ;

वैद्य (सं.) वैद्यक, हिकमत, डाक्टरी, आयुर्वेदशास्त्र।
वैद्यराई (सं.) औषधोपचार इलाज।
वैद्याणी (सं.) वैद्य (स्त्री), हकीमन, वैद्यकी स्त्री।
वैदिक (वि.) वेदसम्बन्धी, वेदज्ञ।
वैधृत (सं.) वैधृति, २७ वां योग (ज्योतिष शास्त्र)
वैधव्य (सं.) रंडापा, पतिवियोग।
वैनीतक (सं.) पालकी, डोली, यान विशेष (इसे मनुष्य उठातेहैं)
वैभव (सं.) ऐश्वर्य, सम्पत्ति, विभूति, अतिशय, प्रताप, कीर्ति।
वैभवी (सं.) ऐश्वर्ययुक्त, प्रतापी, कीर्तिमान, अमीर।
वैमानआवनुं (क्रि.) ईश्वर ने-कका मृत्युसमय आना। [शगीरी।
वैयोम (सं.) साहिबी, टा-,
वैयाकरणु (वि.) व्याकरण संबंधी (सं., व्याकरण शास्त्रका ज्ञाता।
वैयावत्य (सं.) सेवा, टहल, बन्दगी। [द्वेषबुद्धि।
वैरभाव (सं.) लड़ाई, झगड़ा,
वैरस्य (वि.) फीका, नीरस, रूखा रस, बेस्वाद, बदजायका।
वैराग्य (सं.) विषयत्याग, विषयतृष्णाहीनता, निस्पृहता।
वैराट (वि.) विराट संबंधी, बड़ा (ब्रह्माण्ड)
वैवर्ण्य (सं.) फीकापन, कालुष्य, बदसूरती, विवर्णता।
वैशाख (सं.) मासविशेष, चैत्रके बादका महिना।
वैशम्पायन (सं.) व्यासदेवका शिष्य एक मुनि, द्वापरयुगके अंतमें कृष्णद्वैपायन नामसे प्रसिद्ध २८ वें व्यासके चार शिष्योंमेंसे दूसरे, इन्होंने जन्मेजयको "महाभारत" ग्रंथ सुनायाथा।
वैशाखनंदन (सं.) गदहा, गधा, गर्दभ, खर, (वि.) मूर्ख, हठ।
वैश्य (सं.) वर्ण विशेष, तीसरा वर्ण, व्यापार धंधा करनेवाली एक एक जाति विशेष।
वैश्वदेव (सं.) नित्यके पंच महायज्ञोंमेंसे एक यज्ञ विशेष, भोजनके पूर्व अग्निमें अन्नकी कुछआहुतिदेना।
वैश्वदेवियुं (सं.) वैश्वदेव यज्ञ करनेका कुंड विशेष।
वैश्वानर (सं.) अग्नि, आग, पावक।
वैष्णव (क्रि.) विष्णुसंबंधी, वैष्णव धर्मका अनुयायी, विष्णुभक्त संप्रदाय विशेष।
वैष्णवी (सं.) लक्ष्मी, रमा, कमला।

वो (सं.) पानीका बहाव, प्रवाह, (सर्व.) वह, अन्यपुरुष।
वोअरी (सं.) छोटी भैंस।
वोण्ण (सं.) पानीका भराहुआ छोटासा गड्ढा।
वोत्तरावेदुं (कि) छोड़ना, त्यागना, तजना, (जैनियोंमें)
वोहेाणुं (वि.) बिनाका, बगैरका।
वोहेारण (सं.) खरीद, बेच, लेन देन, क्रयविक्रय, जोखिम।
वोहेारनियेा (सं.) खरीदनेवाला, ग्राहक, गाहेकदार, मोललेनेवाला
वोहेारवुं (कि.) खरीदना, मूल्य देकर लेना, बिकताहुवालेना, संग्रह करना, एकत्र करना, अपने लिखलेना, घरघरसे भिक्षा मांगना (श्रावक धर्ममें)
वोहेारे (सं.) मतभेदमें मुसलमानोंसे अलग किन्तु मुसलमानके धर्मको माननेवाली एक जाति विशेष।
वोहेारिया (सं.) धरमधक्के, इधर उधर व्यर्थही भटकना।
वोहेारिवां वाळवा=इधरउधर मारे मारे फिरना, धरमधक्केखाना।
व्यक्त (वि.) प्रकटित, जाहिर, साफ देखने योग्य, खुला, उघाड़ा (सं.) विष्णु, त्रिदेवमेंका दूसरा देव। [एकवस्तु, जन, मनुष्य।
व्यक्ति (सं.) मनुष्य, एकजन,
व्यग्र (वि.) व्याकुल, घबराया हुआ, संभ्रम, उद्विग्न, विकल।
व्यंग्य (सं.) वाक्यके अर्थमें छुपाहुआ दूसराभाव, ध्वनि, वक्रोक्ति ताना, मजाक, कटाक्ष, (वि.) अंगहीन, विकलांग।
व्यंजन (सं.) अर्द्ध मात्रिक अक्षर, स्वरहीन अक्षर, स्वरहीन वर्ण 'क' से 'ह' तक, चिन्ह, निशान, तरकारी, शाक, अवयव, लिंगेन्द्रिय, गुप्तअंग।
व्यंढळ (सं.) नपुंसक, हिजड़ा, क्लीब, पुरुषार्थ हीन।
व्यजन (सं) बीजना, पंखा, बना, वेलिना, हवा करनेका साधन।
व्यतिरेक (वि.) अभाव, सिवाय, बिना, अलग। [क्लेश।
व्यथा (सं.) दुःख, पीड़ा, कष्ट,
व्यभिचार (सं) भ्रष्टाचार, दुराचार, न्यायमें हेतुका दोष विशेष। परस्त्री या परपुरुष संगम, निन्दित कार्य।
व्यभिचारिणी (वि.) छिनाळ, बेरवा, परपुरुष गामिणी स्त्री।

व्यभिचारी (सं.) कुमार्गगामी पुरुष, विषयासक्त, लंपट, कुमार्गी।

व्यभिचारी भाव (सं.) रसको सहाय्य करनेवाला भाव, (अलंकार शास्त्रमें ३३ प्रकारके भाव माने हैं आलस्य, असूया, हर्ष, अमर्ष, विषाद, गर्व, स्मृति, धृति, मति, सुप्ति, ग्लानि, निर्वेद, श्रम, शंका, निद्रा, व्याधि, विबोध, वितर्क, व्रीड़ा, आवेग, मरण, मोह, मद, उन्माद, अविहत्थ, अपस्मार, उग्रता, औत्सुक्य, त्रास, दैन्य, चिन्ता, चंचलता और जड़ता)

व्यय (सं.) धनत्याग, खर्च, गमन, विनाश, क्षय, उपभोग।

व्यर्थ (अ०) वृथा, निरर्थक, निकम्मा, बिना कामका, निष्फल, फिजूल।

व्यतीपात (सं.) इस नामका योग विशेष, (ज्योतिष शास्त्रे)

व्यवसाय (सं.) व्यवहार, लेन-देन, उद्योग, रोजगार, आजीविका।

व्यवस्था (सं.) उपाय, प्रक्रिया, रीति, धर्मनिर्णय, प्रबन्ध, बन्दोबस्त। [मेनेजर।

व्यवस्थापक (सं.) प्रबन्धकर्ता,

व्यवस्थित (वि.) अचल, अटल, निश्चय, व्यवस्थापित।

व्यवहार (सं.) देखो बेहेवार।

व्यवहारिक (वि.) व्यवहारविषयक, सांसारिक, व्यवहारके योग्य।

व्यसन (सं.) आसक्ति, अभ्यास, खोटी आदत, लत, टेव मुहाविरा।

व्यसनी (वि.) व्यसनवाला (दुराचार), अभ्यासी, खादी।

व्यस्त (वि.) उलटा, विपरीत, बांटा हुआ, व्याकुल, घबराया हुआ, अस्त होना, छुपा हुआ।

व्याकरण (सं.) वेदका वह अंग विशेष जिसके द्वारा अर्थसंबंधसे शब्दोंकी सिद्धि की जाती है। पाणिनि मुनिप्रणीत अष्टाध्यायी प्रभृति शास्त्र, भाषाके नियम बांधने और उसीके अनुसार बोलने तथा लिखनेकी रीति।

व्याकरणी (सं.) व्याकरणका ज्ञाता।

व्याकुल (वि.) घबराया हुआ, किंकर्तव्यके ज्ञानसे शून्य, उद्विग्न, व्यग्र

व्याख्या (सं.) वर्णन, टीका, विवृति, अधिक बयान, विवरण, सविस्तर वर्णन।

व्याख्यान (सं.) वर्णन, भाषण, उपदेश, वक्तृता, लेक्चर । [गीता ।
व्याघ्र (सं.) बाघ, शेर, नाहर,
व्याज (सं.) बहाना, मिष, छळ, कपट, कैतव, सूद, लाभ ।
व्याजभोगी-भोगू-भोजी (सं.) व्याजपर रुपया ऋणदेनेवाला, सूदखोर, सूदलेनेवाला ।
व्याजभोग (सं.) रुपये पड़े रहनेसे व्याज न आनेका नुकसान ।
व्याजबट्टा (सं.) व्याजबट्टा, शराँफका धन्धा । [करनेवाला ।
व्याजबट्टी (सं.) व्याजसेही गुजर
व्याजमूळ (सं.) अधिकव्याज, अन्याय व्याज, व्याज और बट्टा ।
व्याजवळी (सं.) साहुकारकी तरह व्याज निकालनेकी रीती ।
व्याजू (वि.) व्याजपर किये हुए, सूदपरदिये हुए ।
व्याजूमिठी (सं.) व्याजू रुपये लेनेकी शर्तोंका लिखितपत्र ।
व्याध (सं.) पारधी, बहेलिया शिकारी, अहेरिया ।
व्याधि (सं.) रोग, मरज, दर्द, बीमारी, दुःख क्लेश,
व्याप्त (वि.) विद्ध, सर्वत्र, विस्तृत, व्याप्त, सर्वत्रमें रहनेवाला ।
व्याप्तुं (क्रि.) फैलना, सर्वत्र होजाना, व्यापना, व्याप्तहोना ।
व्यापार (सं.) रोजगार, कामधन्धा, व्यवसाय, व्यवहार, लेनदेन, श्रम, मेहनत, काम ।
व्याप्त (वि.) सम्पूर्ण, छक, व्याप्त, भराहुआ, फैलाहुआ । पूर्ण ।
व्यायाम (सं.) परिश्रम, कसरत, शारीरिक काम, एक्सरसाइज ।
व्याल (सं.) साँप, सर्प, नाग, भुजंग, व्याघ्र, शेर, चीता, सिंह ।
व्याळुं (क्रि.) बियाना, प्रसव करना, जनना, संतान पैदा करना ।
व्यास (सं.) विस्तार, गोळके मध्यकी रेखा, पाराशर पुत्र, वेदव्यास, पुराण पाठक, ब्राह्मण ।
व्युत्पत्ति (सं.) शास्त्रीय ज्ञानमें अभिनिवेष, बोध, शक्तिज्ञान, संस्कार, लपन, शब्दविन्यास ।
व्युत्पन्न (वि.) व्युत्पत्तियुक्त, पंडित, विज्ञ, जानकार, समझदार ।
व्यूह (सं.) सेनाकी रचना विशेष ।
व्योम (सं.) नभ, आकाश, आस्मान । [नभचर ।
व्योमचर (सं.) पक्षी, पखेरू,
व्रज (सं.) मथुराके चारों ओरका देश, केवल ग्वालोंके रहनेका नगर ।

ગમવું (क्रि.) जाना, गमन करना।
ગત (सं.) पुण्यतिथिका उपवास, नियम, अनुष्ठान, निराहारका प्रण।
ગતાળ (वि.) व्रतवाळा, उपवास-वाळा।
ગબ્બુ (सं.) घाव, फोड़ा, क्षत, जख्म। [लज्जा।
ગીહા (सं.) लाज, शर्म, हया।
ગીહિ (सं.) चाँवळ, धान्यमात्र।
ગેહ (स.) विरह, वियोग, विछुड़नेका शोक।
ગોહાર (सं.) मदद, सहायता।
ગોહેલ (सं.) व्हेळ नामसे प्रसिद्ध एक बड़ी भारी समुद्री मछळी। गाड़ी, वाहन।

ઘ

ઘ=गुजराती वर्णमाळाका इकता-लीसवाँ अक्षर, तीसवाँ व्यंजनवर्ण, इसका उच्चारण स्थान तालु होनेके कारण इसे ताळव्य कहते हैं।

ઘ (सं.) कल्याण, मंगळ, शुभ।
ઘઇ (सं.) संशय, सन्देह, वहम, भ्रांति, विकल्प, अस्थिर विचार।
ઘઇ કેવો (क्रि.) भ्रांतहोना, संशयापन्न होजाना। [वहमहोना।
ઘઇ પડવો (क्रि.) भ्रांतिहोना,
ઘક (सं.) जयकी छाप, प्रमाण, किसीविजयके स्मरणार्थ विजयी पुरुषके जन्म अथवा विजय काळ से प्रत्येक वर्षकी गणना। एक जंगली लड़ाकू जाति विशेष।
ઘકટ (सं.) रथ, गाड़ी, छकड़ा, बैल गाड़ी, भारकस।
ઘકેચો-ળો (सं.) दबानेका यंत्र।
ઘકન (सं.) सगुन, शुभ सूचक चिन्ह, मंगळगान, पक्षी विशेष,
ઘકરો (सं.) एक प्रकारका पक्षी, बाज़, चंचळबुद्धिका मनुष्य, शिकरा। [पक्षी, (वि.) चंचल।
ઘકરોળાજ (सं.) बाज नामक
ઘકવું (क्रि.) होना, सकना, शक्तिमान होना, यह शब्दक्रिया-पदके साथ सहायक रूपमें लगाया जाता है।
ઘકુન (सं.) देखो ઘકન।
ઘકુંત (सं.) मोर।
ઘકુન (सं.) गिद्ध, गीध, शकुनि नामक पक्षीविशेष।
ઘક (अ०) शक शाके, शालि-वाहनका सम्वत। जाने न जाने।
ઘકોરું (सं.) मिट्टीका पात्राविशेष, मृत्तिकाका बड़ा दीपक, मटका।

शत्रु (सं.) दुश्मन, वैरी, अरि ।
शत्रुता (सं.) वैर, शत्रुता, रिपुता ।
शनि (सं.) सातवां ग्रह, सूर्य पुत्र, रत्न विशेष, नीलम (वि.) मन्द, धीमा, धीरा ।
शनिवार (सं.) सातवां दिन, वार विशेष, दिनका नाम विशेष ।
शक्ति, [illegible] कृत, सत्ता, प्रभाव, असर, बल, सत्व, सार, जीव, दम, देवी, माता, जोगिनी, योगिनी, आधार, आश्रय, सहारा, टेका, मजबूती, योग्यता, अस्त्रविशेष, भाला, बर्छी, त्रिशूल, इन्द्राणीवैष्णवी आदि आठ शक्तियां, वसिष्ठ ऋषिका बड़ा लड़का ।
शक्तिमान (वि.) पुरुषार्थी, पराक्रमी, समर्थ, जोरावर, धनवान ।
शक्य (वि.) संभव, होसकनेलायक, सम्पादन होने योग्य ।
शक्यार्थ-क्रियार्थ (वि.) क्रियापद का एक रूपभेद जिसमें होनेका अर्थ हो, (व्याकरण शास्त्र)
शक्र (सं.) इन्द्र, सुरपति ।
शख्स-ख्स (सं.) व्यक्ति, एक मनुष्य, अमुक आदमी ।
शब्दालंकार (सं.) शब्दोंकी ऐसी रचना जो प्रिय मालूम हो ।
शम (सं.) शान्ति, निग्रह, इन्द्रिय वशीकार, इन्द्रिय दमन ।
शमता-ताई (सं.) शान्ति, धैर्य, क्षमा । (वि.)
शमन (सं.) शान्ति क्रोध, मोचन, रोग विशेष ।
शर्माना (कि.) सन्देहमें पड़ना, संकोच करना, शरमाना ।
शंका (सं.) शक, सन्देह, वहम, अंदेशा, अविश्वास, भ्रम, संशय, त्रास, डर, भय ।
शंकाशील (कि.) संशय होना, मलया मूत्रकी हाजत होना
शंकाना (कि.) सन्देहमें होना, शंकित होना ।
शंकु (सं.) नोकदारवस्तु, दीपककी लौके आकारकी वस्तु, छाया देखकर समय जाननेका बारह अंगुलका लम्बा हाथी दांत, पीतळ, लकड़ी आदिका तुर्कीली यंत्र विशेष । सूर्य यंत्र, जमीन मापनेका साधन, सूईकी नोक, शिखर, चोटी, अप्रभाग, दस महापद्म, संख्याविशेष ।

મવવું (ક્રિ.) जाना, गमन करना।
મત (सं.) पुण्यतिथिका उपवास, नियम, अनुष्ठान, निराहारका व्रत।
મતાળ (वि.) व्रतवाळा, उपवासक।
મંખો) घाव, फोड़ा, क्षत, होना, रहना। [लज्जा। ...ज. शर्म, हया।
મંખમાડવું (क्रि.) दिवाला
મંખળેવો (वि.) मूर्ख, बुद्धिशून्य निरक्षर, जंगली।
મંખોવાચ (वि) कुछभी नहीं।
મંખનારામણ (वि.) जिसके पास कुछभी नहीं हो।
મંખકુંકવો (क्रि.) दिवाला निकालना, घबराकर कामको अधूरा छोड़ना। [हट, बेढंगा।
મંખાકથી (वि.) मूर्ख, बेवकूफ
મંખાઈ (सं.) औषध विशेष।
મંખણી (सं.) एक प्रकारकी स्त्री, कामशास्त्र वर्णित चार प्रकारकी स्त्रियोंमेंसे एक प्रकारकी स्त्री, उंची लम्बेबालवाली काम पीडिता और चिड़चिड़े स्वभावकी स्त्री, लड़ाका स्त्री, झगड़ालू, कर्कशा स्त्री, निर्लज्जा स्त्री।
મદ (सं.) मदकी छाप, प्रभाव, किसीविजयके स्मरणार्थ विजयी पुरुषके जन्म अथवा विजय कालसे प्रत्येक वर्षकी गणना। एक जंगली लड़ाकू जाति विशेष।
મદ્ર (सं.) रथ, गाड़ी, छकड़ा, बैल गाड़ी, भारकस।
મદ્રંયો-ત્રો (सं.) दबानेका यंत्र।
न पड़े इस रीतिसे गुप्त भेद प्रपंच करनेवाला (नायक)।
મધુ (सं.) सन, पाट, तृण, विशेष, जिसके छालकी रस्सी बोरे आदि बनते हैं।
મધુમદ (सं.) सख्त गांठ, मजबूत गांठ।
મધુયો (सं.) देखो મધુયો।
મધુમિંડી (सं.) एक प्रकारका वृक्ष, (इसकी छालके कपड़े भी बनते हैं)।
મધુવું (क्रि.) सुनाना, समझाना।
મધ્યું (सं.) सनका (वस्त्रादि)।
મપટલી (सं.) साड़ी।
મત (वि.) सौ, १००, एकसौ।
મતક (सं.) जिसमें सौहों।
મતાબી (सं.) जल्दी, शीघ्रता, त्वरा।
મતાવરી (सं.) औषधि विशेष।

शत्रु (सं.) दुश्मन, बैरी, अरि ।
शत्रुघ्न (सं.) वैर, शत्रुत्व, रिपुता ।
शनि (सं.) सातवां ग्रह, सूर्य पुत्र, रत्न विशेष, नीलम (वि.) मन्द. धीमा, धीरा ।
शनिवार (सं.) सातवां दिन, वार विशेष, दिनका नाम विशेष ।
शनिश्चर (स.) ग्रह विशेष, शनि ग्रह, जहरीला आदमी रत्नविशेष ।
शपथ (सं.) कसम, सौगन्ध, सौंह, प्रतिज्ञा प्रण वचन ।
शहरी (सं.) मछली, मच्छी, मीन ।
शव (सं.) मुर्दा, मृतक, प्रेत, लाश, मृत शरीर ।
शब्द (सं.) ध्वनि, निनाद, बोली, आवाज, घोष, स्वर, वचन, वाणी, अक्षरसमूह ।
शब्द कोश (सं.) अर्थ सहित शब्दोंका भंडार, डिक्सनरी ।
शब्दयोनी+अव्यय (सं.) अव्यय रूप शब्द, पूरे शब्दके सम्बन्धमें अर्थका निश्चय करनेवाला ।
शब्दरचना (सं.) शब्द योजना, लेखन पद्धति ।
शब्दविचार (सं.) वर्णज्ञान, ध्वनि विषयक विचार, छंद लेखन विधा ।
शब्दालंकार (सं.) शब्दोंकी ऐसी रचना जो प्रिय मालूम हो ।
शम (सं.) शान्ति, निग्रह, इन्द्रिय वशीकार, इन्द्रिय दमन ।
शमता-ताई (सं.) स्थिरता, शान्ति, धैर्य, क्षमा ।
शमन (सं.) शान्ति, सांत्वन क्रोध, मोचन ।
शमनपात्र (सं.) मरने वालेको मरते समय जो लड्डू दिये जाते हैं । पिंड ।
शमवुं (क्रि.) मरना, शान्तहोना, स्थिर होना, चुपहोना, मन्दहोना, बुझना, अदृश्यहोना ।
शमशमाट (वि.) स्थिर, शांत ।
शमशेर (सं.) एक प्रकारका हथियार जो सिंहके नख सरीखा होता है : तलवार, खड्ग, असि, कृपाण, गंजीफा खेलका रंग विशेष ।
शमशेरबहादुर (सं.) खिलाड़ विशेष, होशियार, वीर, बहादुर, खड्ग धारी ।
शमी (सं.) वृक्ष विशेष ।
शंभूमेळो (सं.) मिश्रित, खिचड़ा ।
शयन (सं.) सोना, निद्रा, पलंग, खाट ।

શરમા (સં.) સેજ, બિછોના, પથારી
શર (સં.) બાણ, તીર, સાયક, વિશિખ.
શરણ (સં.) રક્ષા, ઉદ્ધાર, ઘર, મકાન, આશ્રય, બચાવ, છત્ર.
શરણાગત (વિ.) આશ્રિત, શરણાર્થી.
શરણું (સં.) મદદ, આશ્રય.
શરત (સં.) શર્ત, ઠહરાવ, વચન.
શરદ (સં.) ઋતુ વિશેષ, કુંઆર અને કાર્તિકનો મહીનો.
શરદી (સં.) ઠંડ, સર્દી, રોગ વિશેષ જિસસે શરીર ઠંડા હો જાવે.
શરધિ (સં.) તરકસ, તૂણ, ભાથા.
શરબત (સં.) મીઠા ઔર સુગન્ધિતપાની, બનાયા હુઆ પેય પદાર્થ વિશેષ. [એક પક્ષુ વિશેષ.
શરભ (સં.) સિંહસેભી બલવાન
શરમ (સં.) સંકોચ, લાજ, હયા, આબરૂ ટેક. સુખ, ખુશી, આનન્દ.
શરમાળ (વિ.) નમ્ર, લજ્જાશીલ, શર્મવાળા, અદબરખનેવાલા.
શરમાવવું (ક્રિ.) લજ્જિત કરના, ક્ષેપના.
શરમિંદગી (સં.) લાજ, શર્મ, ગૈરત.
શરમો (સં.) સાંઠેકા ટુકડા, ગન્નેકી પેરી.
શરવડું (વિ.) થોડાસા ફટકારા
શરવું (ક્રિ.) સ્વાદિષ્ટ, અચ્છી શ્રવણશક્તિવાળા.
શરાધિયાં (સં.) શ્રાદ્ધ દિવસ, પિતૃપક્ષ, કનાગત.
શરાપ (સં.) આક્રોશ, બુરા વાક્ય કહના, બદ દુઆ. [મદ્ય, દારૂનિ.
શરાબ (સં.) મદ, મદિરા, દારુ,
શરાવણું (સં.) મિટ્ટીકા પાત્ર વિશેષ.
શરાસન (સં.) ધનુષ, કોદણ્ડ, ચાપ.
શરી (સં.) મિઠાસ, સ્વાદ, લજ્જત.
શરીક (વિ.) સાથી, ભાગી, હિસ્સેદાર. [અંગ, ગાત્ર, ડોળ, જિસ્મ.
શરીર (સં.) દેહ, બદન, કાય,
શરીર ભરાવું (ક્રિ.) જ્વર આના બુખાર કે ચિન્હ હોના.
શરીરવાળવું (ક્રિ.) શરીરકા સંગઠન કરના.
શરીરભારેખવું-ભરાવું-ભરાઈજવું (ક્રિ.) અકડ હોજાના.
શરીરસમ્પત્તિ (સં.) આરોગ્યતા, સ્વાસ્થ્ય, તન્દુરસ્તી. [ચાલૂ.
શરૂ (વિ.) આરંભ, પ્રારંભ, જારી
શરૂઓ (સં.) તેજકાનકા, જલ્દી સુનનેવાલા.

अइरो (सं.) यज्ञके समय अग्निमें घृताहुति देनेका पात्र विशेष स्रुव, यज्ञियचमस पात्र ।

अउ (सं.) मुसलमानी क़ायदा ।

अउरेह (सं.) मुसलमानी कानूनोंको व्याख्यान ।

अकरा (सं.) शक्कर, खांड, चीनी ।

अकर्ष (सं.) सुख, आनंद, खुशी, शान्ति ।

अकर्षरी (सं.) रात, रात्री, निशा ।

अकर्षी (वि.) तीव्र, चंचळ । [साधु ।

अकाइपुइप (सं.) जैनियोंके ६३

अकंथ (सं.) बाण, कांटा, कण्टक ।

अकंथा (सं.) शिळा, पत्थरकी पट्टी ।

अकथान (सं.) ठठरी, सँघाती, मुर्दा लेजानेकी टट्टी ।

अकथ (वि.) विचित्र, बहुरंगी ।

अकसान (सं.) मरघट, स्मशान, मुर्दा जलाने या गाड़नेकी जगह, यात्री, मुसाफिर ।

अकस (सं.) खरगोश, खरहा, चांद मेंका काळा दाग (मृगरूप)

अकि (सं.) चांद, चन्द्रमा, मयंक ।

अकथ (सं.) हथियार, आयुध, तलवार, प्रभृति, जोहा, वह हथियार जो फेंका न जावे और हाथसे पकड़े हुए ही काममें लाया जावे (जो फेंका जाता है उसे अस्त्र कहते हैं ।

अकथेइ (सं.) शस्त्रचिकित्सक, चीराफाड़ी फोड़े फुन्सी, घाव आदिका इलाज करनेवाला, सर्जन जर्राह ।

अकथेइं (सं.) शस्त्रचिकित्सा, चीर-फाड़ द्वारा आरामकरनेकी क्रिया, सर्जरी, जर्राही, शस्त्र वैद्यक ।

अकेर (सं.) नगर, बड़ा गांव, ग्राम, पुर, पत्तन ।

अकण (सं.) शिळा, पत्थरकी पट्टी, सल, सलवट, रेखा चिन्ह ।

अकणी (सं.) शलाका, घास, बांस आदिका पतला और लम्बा भाग ५। ६० का संकेत, नाईकी सिट्ठी ।

अकांरी (वि.) शंकर मतके, शैव ।

अकांवुं (क्रि.) जाना, पालना रखना ।

अका (सं.) शाहका अपभ्रंश शब्द ।

अका (सर्व.) क्यों, किस ।

अकाइ (सं.) भाजी, तरकारी, साग, भोजन करनेके समय फलपत्र आदिको नमक मिर्चादि मसाला मिलाकर पकाया हुवा पदार्थ ।

अकाउमाउ (वि.) निरर्थका, नकुछ ।

શાકિની–ણી (સં.) શાકિની નિ-મ્નવર્ણકી દેવી પિશાચિની ।[વર્ષમેં ।

શાકે (અ૦) શાલિવાહન કે શક

શાક્ત (વિ.) દેવીકે ઉપાસક, શક્તિકી ઉપાસના કરનેવાલે ।

શાક્ય (સં.) બૌદ્ધધર્મકા સંસ્થા-પક, બુદ્ધ શાક્યમુનિ ।

શાખ (સં.) કુળનામ, પદવી ગવાહી, સ્વીકૃતિ, સમ્મતિ, આ-બરૂ, ઉચિત વ્યવહાર, પત, ગાર કેરી, વૃક્ષપર પકાહુઆ આમકા ફળ ।

શાખા (સં.) ડાળો, વગાડ, પ્રકરણ, ગ્રંથકા પરિચ્છેદ, વેદમંત્ર પઢને ઔર પઢાનેકી રીતિ, (ઋગ્વેદકી આઠ શાખાએ હૈં) ટહની ગ્રંથભેદ, સમીપ, પ્રકાર, રહટ ।

શાખિયું (સં.) પકન યોગ્ય કેરી (આમ) [ચેલા સીખનેવાલા ।

શાગરિત (સં.) શિષ્ય, શાગિર્દ,

શાણ (સં.) ચાર માશેકે બરાબર વજન, હથિયાર ઔર ઔજારોંકો ધાર કરનેકા યંત્ર ।

શાણું (સં.) મિઠાઈકા પાત્ર વિશેષ શિકોરા, માળસા ।

શાણું ઓપવું (ક્રિ.) મીઠાંગંગાના।

શાણપણ (સં.) હોશિયારી, સા-વધાની, સભ્યતા, શિષ્ટાચાર, અક્ક મન્દી ।

શાણું (વિ.) સયાના, વિવેકી, સમઝદાર, શાણીશિયાણ=દેખનેમેં સીધી કિન્તુ બદમાશ ઔરત, શા-ણાને શાન ને ગધેડાને કટણું= ચતુર મનુષ્યકો ઇશારા ઔર મૂર્ખકો માર, (સં.) સ્વપ્ન સપના ।

શાણું ભણું (વિ.) સ્વાર્થ સાધક

શાતા (સં.) શાંતિ, સુખવૃત્તિ, આનંદ ।

શાતામાં રહેવું(=)રાજીખુશી રહના ।

શાદી (સં.) લગ્ન, વિવાહ, પરિણય ।

શાન (સં.) દેખાવ, શૃંગારકી છટા ।

શાનદાર (વિ.) શોભિત, છટાયુક્ત ।

શાનશોકત (સં.) છેલાઈ, ફકડપણ ભપકેદાર પોશાક । [કિસલિયે ।

શાને (અ૦) કિસવાસ્તે, કયોં,

શાંત (વિ.) સ્થિર અક્ષુબ્ધ, અચં-ચલ, ચુપચાપ ।

શાતકીફળ (સં.) ફળ વિશેષ, મિલકી તુરઈકી એક જાતિ વિશેષ।

શાંતિ (સં.) સ્થિરતા, ચૈન, ઠમ્મક આરામ, દુર્ગા । [રહનેવાલા ઠગ ।

શાંતિબગા (સં.) ચુપચાપ બૈઠ]

आभान (सं.) मुसलमानी वर्षका आठवां महीना [वाहवाह, धन्य ।
आभार (अ०) भले, ठीकठिकाना,
आभारी (सं.) प्रशंसा, तारीफ, कदर, वाहवाही ।
आभित-भेत-ती (वि०) मजबूत पक्का, दृढ़, प्रमाणसिद्ध कियाहुआ स्थापित, खरा नक्की । [सुबूत ।
आभिती-भेती (सं.) प्रमाण
आभुती (सं.) मजबूती, पुख्तगी दृढता, ठिकाऊ ।
आम (वि.) काला, गहरा, अस्मानी, रंगवाला, (सं.) मेघ बादळ, धतूरा, प्रयागतीर्थस्थवट, कोयल, (पक्षी विशेष) [वर्णही ।
आमगोपाल (वि.) जिसका श्याम
आमळुं (वि.) काला, श्याम, गहरा, खाकीरंग, घननीळ ।
आमळाछ (सं.) श्रीकृष्ण चंद्र ।
आमिल-भेले (वि,) जुड़ाहुवा, मिलाहुआ, मिश्रित, साथी, जोड़-दार, लगाहुआ ।
आमो (सं.) बिनाकूटाहुआ एक भांतिका अन्न (जिसे उपवास विशेष के दिन खाते हैं)
आयडी (सं.) एकप्रकारका औजार जिससे लकडी या जोहेमें छेद किया जाता है ।
आयडीथीआरपुं (कि.) तानेदेना, कठोर वचन बोलकर दिल दुखाना तकलीफ पहुंचाना ।
आयर (सं.) कवि, भाट ।
आयी (वि.) सोनेवाला, शयन करनेवाला । [वेत्र ।
आर (सं.) छिद्र, छेद, सूराख,
आरपुं (कि.) छिद्रकरना, छेदना
आरीर (वि) शरीर विषयक, रोग सम्बन्धी, (सं.) वैद्यकशास्त्र ।
आरीरिक (वि) शरीरसम्बन्धी, वैद्यक सम्बन्धी, जिस्मानी, दैहिक ।
आर्दूल (सं.) व्याघ्र, बाघ बघेरा ।
आर्दूलविक्रीडित (सं) वार्णिकवृत्त विशेष (पिंगलशास्त्रमें)
आल (सं.) ऊनका बनाहुआ कीमती वस्त्र जो ओढा जाताहै (दोशाल मिलनेके कारण दुशाला कहाता है) [सिरोपाव ।
आलइआळो (सं.) पगड़ी, दुपट्टा,
आला (सं.) घर, भवन, स्थान ।
आलिआम (सं.) गोलगोल एक नदी विशेषका काला पत्थर जो विष्णु नामसे पूजा जाताहै । विष्णुकी मूर्ति विशेष ।

शालिवाहन (स.) एक राजा जो विक्रमादित्यका शत्रु और शक सम्वतका प्रवर्त्तक कहा जाताहै ।

शावक (सं.) श्रावक, जैनमतानुयायी, बच्चा, बालक' छौना ।

शाखरी (सं.) एक प्रकारकी विद्या, कौंचका वृक्ष ।

शाश्वत (वि.) नित्य, हमेशा, सतत, निरन्तर, प्रमाण, निश्चय, विश्वास ।

शासन (सं.) सजा, दंड, आज्ञा, हुक्म, बोध, शास्त्र, शिक्षा ।

शास्त्र (सं.) हितोपदेशक ग्रंथ, पुस्तक, निदेश, धर्मग्रंथ ।

शास्त्रार्थ (सं.) शास्त्रोंमेंसे लिखा हुआ प्रमाण, शास्त्रानुमोदित वादविवाद, धर्मशास्त्रके वचनका अर्थ ।

शास्त्री (सं.) एकाध शास्त्रका ज्ञाता, शास्त्रज्ञ, शास्त्रोंका मनन करनेवाला, संस्कृतकी एक परीक्षा विशेष (वर्त्तमानकालमें)

शास्त्रीय (वि.) शास्त्रविषयक, शास्त्र प्रतिपादित, शास्त्रवर्णित ।

शास्त्रोक्त (वि.) शास्त्रमें कहा हुआ ।

शाह (सं.) मुसलमान राजा, बादशाह, सराफ, विश्वस्त पुरुष, व्यवहारमें ईमानदार, चोर (दिल्लगीमें)।

शाहजादी (सं.) राजपुत्री, राजकुमारी, बादशाहकी लड़की, कुंवरी ।

शाहजादो (सं.) राजपुत्र, राजकुमार ।

शाहजीरं (सं.) काळाजीरा, औषधि विशेष ।

शाहतेज (वि.) लानेवालेको रुपये दिलानेवाली (हुंडी), नियमानुसार ।

शाहपन (सं.) बुद्धिमानी, होशियारी, चतुरता, अक्लमंदी ।[चतुर ।

शाहरूं (वि.) सयाना, होशियार,

शाहवट (सं.) प्रमाणिकता, साहूकारी ।

साही (सं.) स्याही, रोशनाई ।

शाहूकार(सं)अच्छा व्यवहार करनेवाला, अधिकरूपमें लेनदेनकरनेवाला

शाहूकारी (सं.) साहूकारका कार्य, सचाई, विश्वस्तता, प्रमाणिकता ।

शाहेद (सं.) गवाह, साक्षी ।

शाहेदी (सं.) गवाही, साक्षी, जबानी

शाहेदी भरणी (क्रि.) प्रमाणदेना, गवाही देना, साक्षी देना ।

शाहेर (सं.) कवि, शायर, भाट ।

शाहेरी (सं.) कविता, कविका कार्य, शायरी ।

शाळ(सं.)चावल आदि धान्य विशेष ।

शाळिधुं (सं.) एक जातिके चांवळ ।

शालोपयोगी (वि.) पाठशालाके योग्य, विद्यालयके उपयुक्त ।

શિંગ (સં.) સીંગ, શૃંગ, વિષાણ, રણશિંગા, શૃંગવાદ્યવિશેષ । ફળી, ફળવિશેષ, સેમ ।

શિંગડી (સં.) છોટા સીંગ નયા નિકલા હુઆ સીંગ । બંદૂકકા બારૂદ ભરનેકી શૃંગાકાર નલિકાવિશેષ ।

શિંગડું (સં.) સીંગ, શૃંગવાદ્યવિશેષ, રણસીંગા, બારૂદ ભરનેકી નળી ।

શિંગડાં ઉભરા આવી છે (=) મૂર્ખ બતાનેકે લિયે ઉપાલમ્ભ રૂપમેં યહ વાક્ય પ્રયોગ કિયા જાતા હૈ ।

શિંગડા ભાંડવા (ક્રિ.) સિરજોરી કરના, જબરદસ્તી સિર દેના, આબૈલ મુઝેમાર કરના ।

શિંગિયો વછનાગ (સં.) ઔષધિ વિશેષ યહ બડી જહરીલી વસ્તુ હોતી હૈ ।

શિંગી (સં.) દેખો શિંગડી ।

શિંગોટી (સં.) સીંગ નિકલનેકા સ્થાન, સીંગમેં પહિનાનેકા ઝેવર ।

શિંગોડું (સં.) શૃંગાટક, સિંઘાડા, પુરુષ યા સ્ત્રીકે મસ્તક પર હિંગળૂ યા રોળીકા સિંચનેકી શક્લકા ચિન્હ ।

શિંગોડીનો વેલો (સં.) બહુકુટુમ્બી ।

શિંચોડું તાણવું (ક્રિ.) સીંચાતાનો કરના । (મજાકમેં)

શિંદું (સં.) નકુલ તુચ્છ ।

શિંદાળવું (સં.) મૂરા । [મૈસિમ ।

શિંદાળો (સં.) શીતકાળ, ઠંડકા

શિકસ્ત (વિ.) હારમાનાહુવા, પરજિત, પરાસ્ત (સં.) હાર પરાજય ।

શિંકા (સં.) વહ મોતિયોંકા ઝુમકા, જિસે સ્ત્રિયાં મસ્તકપર ધારણ કરતી હૈં, આભૂષણવિશેષ ।

શિકલ (સં.) મુહં, સૂરત, ચેહરા, દિખાવા, બનાવટ ।

શિકાકાઈ (સં.) શિર ધોનેકે કામમેં આનેવાળી, એકવનસ્પતિ વિશેષ ।

શિકાર (સં) મૃગયા, આખેટ, ખુરાક, ભક્ષ્ય, હરણ કરના, દનેસે વસ્તુકા લેના (વિ.) સરસ, ઉત્તમ શ્રેષ્ઠ ।

શિકારવું (ક્રિ.) દેના, (રુપયા વગૈરેઃ) પરવાના ।

શિકારી (સં.) શિકાર કરનેવાલા, વ્યાધા, પારધી, મૃગયાર્થી, (વિ.) શિકાર સંબંધી, બહાદુર ।

શિકે (અ૰) સાહિત, સાથ, યુક્તની ।

શિકોતર (સં૰) નીચ જાતિકી મૃતકી ।

शिरोत्तर (सं.) निम्न भूमिका भूत ।
शिरोइ (सं.) मिठाई पात्र विशेष ।
शिक्षक (सं.) शिक्षादेनेवाला, सिखानेवाला, मास्टर, गुरु, टीचर, पाठक । [सिखानेका ढंग ।
शिक्षण (सं.) शिक्षा, सीख,
शिक्षा (सं.) बोध, नसीहत, विद्या ज्ञान, अभ्यास, सीखना, सज़ा, दण्ड, सीख, सलाई । [सीखना ।
शिक्षादेवी (क्रि.) नसीहतलेना
शिक्षाकरवी (क्रि.) मारना, सजा देना, पीटना, दण्डविधान करना ।
शिक्षित (वि.) सीखाहुआ, पठित सुधराहुवा, निपुण, अभिज्ञ ।
शिख (सं.) छुट्टी, विदागी, शिक्षा, रजा, जाते समय किसीको कुछ देना ।
शिखंड (स.) एक मिष्ट अवलेह विशेष, (दहीको मोटे कपड़ेमें कई घंटों बांधकर पानी निकालाहुआ, और उसमें शक्कर मेवा आदि डालकर मथन कियाहुवा पदार्थ) श्रीखंड
शिखंडी (सं.) मोर, मयूर, नील कंठ, पक्षी विशेष, द्रुपदराजाकापुत्र ।
शिखर (सं.) सिर, सिरा, अन्त, नोक, चोटी, अन्तिम भाग (उंचाई)
शिखरिणी (सं.) छन्दोभेद, पिंगळ शास्त्र वर्णित छन्द विशेष ।
शिखवणी (सं.) चेतावनी, सलाह, सम्मति, उत्तेजना, मंत्रणा ।
शिखवणु (क्रि.) सिखाना, ज्ञान देना, पढाना, चेताना, उत्तेजित करना ।
शिखणु (क्रि.) सीखना, पढना, ज्ञान लेना, समझना, अनुभव करना ।
शिखा (सं.) चोटी, सिरपरके सबसे लम्बेबाळ, चोंदी, टेम, फन, कलगी, दीपककी लौ ।
शिखाउ (क्रि.) अनजान, अज्ञानी, नया सीखनेवाला, अबोध ।
शिखाडणु (क्रि.) पढ़ाना, सिखाना समझाना ।
शिखामणु (सं.) सलाह, सम्मति, शिक्षा, बोध, उपदेश, चेतावनी, सूचना ।
शिखी (सं.) मोर, मयूर, पक्षीविशेष (वि.) चोटीवाळा, कलगीवाळा ।
शिखंडो (सं.) शमीवृक्ष, खेजड़ाका वृक्ष, वृक्षविशेष ।
शितला (सं.) देवीविशेष, विस्फोटक रोग को शांत करनेवाली देवी, रोगविशेष ।
शितलाना पाडने मरणु (क्रि.) अपयश मिलना, बदनामी उठाना, फजीहत होना ।

शिताब (वि.) जल्दी, शीघ्रता, उतावळ, (सं.) शुक्लविशेष।
शिथल (वि.) ढीला, आळसी, मन्द।
शिथो (सं.) मांग सिरके बीचमें बालोंको दो भागोंसें विभक्त करने-पर बीचमें बनी हुई रेखा।
शिफारस (सं.) सिफारिश, गुण-प्रशंसा, अनुग्रह कारण, गुणवर्णन।
शिबिका (सं) खुली पालकी डोली।
शिबिर (सं.) छावनी, पड़ाव, सेना सन्निवेश, सेनाके रहनेका स्थान। तम्बू, केम्प।
शिय्यळ (सं) पातिव्रत धर्म, अपने पतिपर पूज्यबुद्धि युक्त महान भक्ति।
शियालिया (वि.) शरमिंदा, घब-राया हुआ, व्याकुळ, लज्जित।
शियाळ (सं.) गीदड़, शृगाळ, अम्बुक, लड़ेवा, स्यार।
शियाळ ताळे सीम भणीने कुतरो ताळे भाम भणी (भ) अपना फायदा सब कोई देखे।
शियाळु (सं.) ठंडके मौसिममें पकनेवाला धान्य। [काळ।
शियाळो (सं.) ठंड, जाड़ा, शीत-
शिर (सं.) माथा, सिर, मस्तक, मुंह मुंड, अग्रभाग।
शिर आपवुं (क्रि.) चाहे जैसा कठिन काम करनेका वचन दे देना।
शिर कापवुं (क्रि.) नमकहराम होना, धोका करना, बदमाशी करना।
शिर उपर लेवुं (क्रि) अपनी जिम्मेवारी करना, भार ग्रहण करना।
शिरसलामतते। पगडियां पछेातेरी सजियेंगे नरतो बसावेंगे घर।
शिरछेद (सं.) सिरका काटना।
शिरछत्र (सं.) पूज्य तथा वृद्ध पुरुष।
शिरजोर (सं,) माथापची, करने-वाला व्यक्ति, जबरदस्त।
शिरजोरी (सं.) माथापची, जबरदस्ती।
शिरताज (सं.) सिरमौर, पूज्य मान्य।
शिरनामुं (सं.) पता, (कार्ड लिफाफे वगैरःपर) सरनामा।
शिरपाव (सं.) इनाम पुरस्कार भेट, पगड़ी, दुपट्टा इत्यादि।
शिरबंदी (सं.) किला अथवा नगरकी रक्षाकेलिये नियुक्त सेना।
शिरस्तेदार (सं.) अदालतके एक मुख्य कार्य कर्ता, (मुहर्रिर) पद विशेष।

शिरस्तो (सं.) रीति, रस्म, रिवाज
शिरा (सं.) रग, नस, रक्तवाहिनी नाड़ी, धमनी, नब्ज, नाड़ी।
शिराधु (सं.) तकिया, सिरके नीचे लगानेका, उपधान।
शिराभक्षु (सं.) कलेवा, प्रातःकालका भोजन, नास्ता।
शिरावधु (क्रि.) कलेवा करना।
शिरी (सं.) मिठास, मधुरता।
शिरीन (सं.) मीठा, मधुर, मिष्ट।
शिरो (सं.) शीरा, हलुआ, मोहन भोग, मिठाई विशेष, गुड़ कोपतला करके उबालकर तम्बाकूमें मिलानेके लिये बनायाहुवा पदार्थ।
शिरोभूषि (सं.) एकप्रकारका ज़ेवर, शिरकाआभूषण, उत्तम, श्रेष्ट, पूज्य, मान्य, सिरताज, सर्वोत्तम।
शिला (सं.) सिल, चट्टान, पत्थर।
शिलाछाप (सं.) पत्थरकी छाप, लेथोग्राफ, लिखाहुवा पत्थरपर उतारकर फिर कागजपर उतारलेनेकी क्रिया।
शिलाजित (सं.) शिलारस, शैलज शिलाजीत नामसे प्रसिद्ध पर्वतका गोंद विशेष।
शिलारस (सं.) एकप्रकारका गोंद जो लेप और धूपके काम आताहै।
शिलालेख (सं.) पत्थरपर खुदा हुवा लेख। [शर।
शिलिमुख (सं.) बाण, तीर, बिछिया
शिलेषानुं (सं.) शस्त्रागार, तोपखाना
शिल्प (सं.) हाथ अथवा यंत्रद्वाराकी हुई कारीगरी, हुनर, विद्या गुन, कारकार्य, दस्तकारी। [गुनी।
शिल्पकार (सं.) कारीगर, हुनरी,
शिल्पशास्त्र (सं.) कारीगरी सिखानेका ग्रंथ।
शिल्पशास्त्री (सं.) शिल्पकार, शिल्प विद्याका पारदर्शी, दस्तकार।
शिल्पशाला (सं.) कलाभवन, कारीगरीका घर, कारखाना।
शिल्पी (सं.) कारीगर, शिल्पकार।
शिव (सं.) महादेव, शंकर, कल्याण करनेवाला, मंगल कर्ता।
शिवनिर्माल्य (सं.) शिवमूर्तिको अर्पित द्रव्य, किसीके काममें न आने योग्य। [शिक्का(तांबेका)
शिवरुद (सं.) शिवाजीके समयका
शिवरात-त्रि (सं.) प्रत्येक महीनेके चतुर्दशी तिथिकी रात्रि, फाल्गुन महिनेके कृष्णपक्षकी चौदस।

शिवा (सं.) पार्वती, गौरी, गिरिजा चौपाड़िया पौनेचार घड़ी, गोदक।
शिवाजी–प (अ०) बिना, बगैर, अतिरिक्त, अलावह।
शिवालय (सं.) शिवमन्दिर, शिवका स्थान।
शिशिर (सं.) ऋतुविशेष, जाड़ा, पाला, हिम, सर्दी, माघ और पौषका महिना, शीतकाळ।
शिशु (सं.) बालक, बच्चा, सद्योजातबालक, बाल।
शिश्न–इन्द्रिय (सं.) पुरुषकी इन्द्रिय, लिंग, मूत्रेन्द्रिय, उपस्थेन्द्रिय।
शिष्यो (सं.) शिष्य, शागिर्द, चेला।
शिष्ट (वि.) सदाचारी, प्रतिष्ठित, शिक्षित, पठित, शरीफ़, बुद्धिमान।
शिष्टता (सं.) शिष्टता, सुव्यवहार।
शिष्टाचार (सं.) आदर, सत्कार, सुव्यवहार। [उचित।
शिस्त (वि.) योग्य, लायक, ठीक,
शिळिसातम (सं.) शीतला सप्तमी, सावन महिनेकी सुधी या बुदी सप्तमीको जिसदिन लोग ठंडा भोजन करते हैं।
शी (सर्व०) क्या, कैसी।
शीअर (सं.) फौजार, पानीकी बारीक धार या फुहारा।
शींकुं–शींकुं (सं.) कीका, रस्सी या तारका बनाहुआ फन्दासा, (जिसपर बर्तन वगैरः रखते हैं)
शीख (सं.) शिक्षा, नसीहत, सज़ा, नोकदार लोहेका सरिया, बोरेमेंसे अन्न निकालनेका पोला लोहेका टुकड़ा, परखी, सिक्ख, धर्मविशेष खालसा पंथ।
शीग्राम (सं.) गाड़ी।
शीघ्र (वि.) तेज, तीव्र, जल्द, (अ०) जल्दीसे, शीघ्रता पूर्वक।
शीघ्रकविता (सं.) तुरंत बनाया काव्य।
शीघ्रकवि (सं.) आशुकवि, जल्दी छन्दबनानेवाला।
शीघ्रबोध (सं.) गांजा, गांजेकीदम
शीड्युं (क्रि.) पूरना, मूंदना, बंद करना, डाटना।
शीत (वि.) ठंडा, सर्द, शीतळ, (सं.) रांधेहुएचावलोंके पृथ्वीपर गिरेहुए दाने, ठंड, सर्दी।
शीतकटिबंध (सं.) पृथ्वीकी वह रेखा जहांपर बहुत सर्दी पड़तीहो।
शीतकाळ (सं.) हेमन्तऋतु, जाड़ा, सर्दीका मौसिम।
शीतळ (वि.) ठंडा, सर्द।
शीतळो (सं.) कांटे वगैरः खानेका साधन।

शीह (क्रि. वि.) कहां ?
शीहने (अ०) क्यों, किसवास्ते।
शीहण (सं.) नरियल, श्रीफल।
शीर्ष (सं.) सिर, माथा, मस्तक।
शील (सं.) स्वभाव, आदत, प्रकृति, चालचलन, आचरण, अच्छी आदत, खुशमिज़ाज़।
शीशी-सी (सं.) छोटीबोतल, तेल, अर्क वगैरःभरनेका कांचका पात्र।
शीशीनेटाड (=) तुरंतही परिणाम।
शीशो-सो (सं.) बोतल, दवा इत्यादि भरनेका कांचकापात्र विशेष।
शीणी (सं.) शीतळा, रोग विशेष चेचक, विस्फोटक।
शीणुं-णो (सं.) छांह, साया, छांयां, ठंडक, (वि.) ठंडा, बासी शीतळतायुक्त, शिथिल, सुस्त, मन्द
शुं (सर्व०) क्या, क्यों, किसलिये, (वि.) समानता सूचक प्रत्यय, (अ०) साथ, से। [अदरक।
शुंठ (सं.) सौंठ, शुंठी, सूखी
शुंड (सं.) सूंड, हाथीकाकर।
शुंडमुंड (अ०) चुपचाप, गुमसुम।
शुंडवुं (क्रि) जाना, चलना।
शुक (सं.) तोता, सुग्गा, पक्षी विशेष, व्यासजीका पुत्र शुकदेव।
शुकराना (सं.) क्षय, कल्याण।
शुक्ल (सं.) ब्राह्मणोंकी जाति विशेष, (वि.) सफेद, श्वेत।
शुक्र (सं.) इसनामसे प्रसिद्ध एक ग्रह, दैत्याचार्य, प्रताप [जुम्मा।
शुक्रवार (सं.) सप्ताहका छटा दिन
शुक्रवारथवो-वणवो (क्रि.) लाभ होना, भाग्योदयहोना, (शुक्रवार मुसलमान लोगोंका पवित्र दिन माना जाता है, कहते हैं इसीदिन आदमका जन्महुवाथा, ज्योतिष-शास्त्रमेंभी शुक्रको शुभमानाहै, अमेरिकादेशमेंभी शुक्रवार भाग्य-शालीदिन माना जाताहै, स्काटलैंडमें भी यहदिन अत्यंत शुभमाना गया है, इन्हींकारणोंसे उक्तवाक्य की रचना हुई है।
शुक्राचार्य (सं.) दैत्योंके गुरु, काणा आदमी, एकाक्ष (के लिये व्यंगोक्ति) [विशेष।
शुडो (सं.) तोता, सुग्गा, पक्षी
शुद (सं.) शुक्लपक्ष, चांदनी रात।
शुचि (वि.) पवित्र, शुद्ध, निर्मल

शुद्ध (सं.) खबर, समाचार सुधि (वि.) साफ, सुथरा, पवित्र, स्वच्छ करा, निर्दोष भान, सुधि, होश, चेत।

शुद्धांत (सं.) जनानखाना।

शुद्धि (सं.) पवित्रता, शोधन, सफाई शुचिता, सुधि, चेत, भान, होश।

शुद्धिआवणी (क्रि.) होशआना, चेत होना, मूर्च्छाभंग होना।

शुद्धिपत्र (सं.) ग्रंथकी गलतियोंका सूचक पत्र, शोधन पत्र।

शुधसुध (सं.) होश हवास, खबर सुरत, चैतन्यता और ज्ञान।

शुनसान (सं.) सुनसान, जहां कुछभी नहो और कुछभी शब्द न हो ऐसी जगह, शून्य स्थान, सूना

शुनी (सं.) कुत्ती, कुतिया।

शुबरात (सं.) मुसलमानोंके आठवें महिनेकी अठारहवीं तारीखके दिनका उत्सव। [निर्मल।

शुभ (वि.) सफेद, श्वेत, साफ,

शुभ (वि.) मंगल, कल्याण, अच्छा भला, भद्र, सुन्दर।

शुभेच्छु (वि.) कल्याणकर्ता, अच्छी इच्छा करनेवाला, हितवादी।

शुमार (सं.) संख्या, गिनती, गणना, अंदाज, अनुमान, अटकल विचार, कूत। [सहारे।

शुमारे (अ०) आसरे, भरोसे,

शुरू (वि.) प्रारंभ, आरंभ।

शुष्क (वि.) सूखा, रसहीन, नीरस बकाहुआ, निरर्थक, बेबुनियाद।

शूअर (सं.) सुअर, बाराह, वराह, उपकारमानना, आभार मानना, शुकर, अच्छा, भाग्य।

शूद्र (सं.) चतुर्थवर्ण, अन्तिमवर्ण पादज, निम्नजाति।

शून्य—न (सं.) खाली, रिक्त, असम्पूर्ण, असमस्त, बिन्दु, सिफर (वि.) रीता, शरीरके किसीभाग, को लकवा मारजानेपर निर्जीव अंगकी दशा।

शून्यवादी (सं.) बौद्ध विशेष, नास्तिक, अनीश्वर वादी, जैनी।

शून्यहृदय (वि.) शठ, मूर्ख, निर्दय घातकी, प्रभावशून्य।

शूर—रा (सं.) योद्धा, लड़ाका, वीर, उत्साही, बलवान; बहादुर। (वि.) हिम्मतवाला, साहसिक गुस्सेवाला, (सं.) गुस्सा, आवेश, बहादुरी, हिम्मत। [बहादुरी।

शूरपणुं (सं.) वीरता, शूरता,

शूरवीर (वि.) बहादुर, हिम्मतवाला।

शूरातीरपणुं (सं) बहादुरी, हिम्मत।
शूरातन (सं.) पूर्ववत्।
शूल-णी (सं.) बड़ाकांटा, लोहेका एक प्रकारका कांटा, अस्त्र विशेष, कील, वह रोग जिससे पेटमें सुई के चुभनेकासा दर्द होता है, दर्द।
शूली (सं.) देहांत दण्ड देने लिये लोहेके बड़े कीलेवाला तख्ता, फांसी
शूलीओभडावबुं (क्रि.) मृत्यु दंड देना, फांसी लटकाना।
शृंखला (सं.) जंज़ीर, सांकळ, बेडी, सिकरी, लौह रज्जू।
शृंग (सं.) सींग, विषाण, शिखर चोटी।
शृंगार (सं.) सजावट, शोभा, पोशाक, जेवर, अलंकार, स्त्रीपुरुषका प्रेम, प्यार, प्रथमरस।
शृंगारस (सं.) काव्यके नौ रसों मेंसे एक रस विशेष, प्रथमरस।
शृंगारी (वि.) शृंगार प्रेमी, हरक बाजीमें निपुण, शृंगारशास्त्रमें कुशल।
शृगाल (सं.) गीदड़, जम्बुक, स्यार, लेंया।
शे (अ०) किसलिये, क्यों?
शेंडो (सं.) सौ, सौकी संख्या, शताब्दि, सदी। [आली।
शेंडी (सं) बैलके मुखपर बांधनेकी
शे (अ.) किसवास्ते, किस लिये, क्यों।
शेक (सं.) सिंकाई, सेक, सिकताव, अग्निद्वारा अंगके किसी भागको सेकना।
शेकवुं (क्रि.) सेकना, पकाना, आगपर सेकना, भूनना, आग देना, सताना।
शेकेलो भांग्यो पग्यु भांगतो नथी (व) बिलकुल निर्बल, बेहद कमजोर।
शेडा नाखवुं (क्रि.) सताना, दिल जलाना, दुःख देते रहना।
शेख (सं.) मुसलमानोंका कि. रका विशेष, अबी लोगोंका सरदार।
शेखी (सं.) शेखी, घमण्ड, गर्व, दंभ।
शेखचल्ली-सखी (सं.) ऊटपटांग, तर्क करनेवाला, मनके लड्डू बनानेवाला, पागल सा।
शेखसल्लिना विचार (सं.) कभी न हो सकें ऐसे बड़े बड़े इरादे।
शेखादार (सं.) कार्कविशेष, मुहर्रिर (कमासदारका)।
शेखर (सं.) फूलोंकी माला जो मुकुट पर धारण की जाती है, भूषणविशेष, सिरपर पहिननेका हार।

शेखी (सं.) ठठवाठ, ढोंग, पाखंड, घमण्ड, गर्व, दंभ, भड़क ।

शेखीखोर (वि.) घमण्डी, गर्वी, ढोंगी, आत्मश्लाघी, ढोंगी ।

शेज (सं.) शय्या, सोनेका बिछौना, पलंग, चारपाई, खाट, पर्य्यङ्क ।

शेठ (सं.) स्वामी, मालिक, पति, महाशय, धनिक, रुपये पैसेवाला, गृहस्थ, श्रीमन्त, साहूकार, धनाढ्य ।

शेठाई (सं.) सेटजीका पद, सत्ता, सेठपना, बड़प्पन ।

शेठिया (सं.) पैसेवाला साहूकार। गृहस्थ, अगुआ, नेता, लीडर, बहत्तैल जिसका सिर सफेदहो ।

शेढा (सं.) खेतके पास छोड़ीहुई थोड़ीसी जगह, सीमा, मार्ग, रस्ता

शेणु (वि.) सयाना, चतुर, समझदार

शेणे (अ०) किसकारण, किससे ?

शेतरंज (सं.) शतरंज, खेल विशेष, बत्तीस गोटी, बादशाह वजीर, ऊंट घोड़ा, हाथी पैदल नामसे पुकारीजाती हैं और उनसे खेला जानेवाला खेल विशेष ।

शेतरंजी (सं) दरी, कई रंगोंमें रंगाहुआ बिछानेका मोटा वस्त्र विशेष, सतरंजी, शतरंजी ।

शेतरंजी गोळाभरी (कि.) खूब निकाललेना, (मोंचकर बाकुरेदकर)

शेतान (सं.) अघोर दुष्ट कर्म करनेवाला ईश्वरकादूत (मुसल-मानोंके धर्ममें) राक्षस, भयंकर पुरुष, भूत, जिन्द, पिशाच, दुष्ट पुरुष, (वि.) बदमाश, अधर्मी, छंचा ।

शेतुर (सं.) वृक्ष विशेष और उसके फल, शहतूत, (इसवृक्षके पत्तोंको खाकर रेशमके कीड़े रेशम बनाते हैं)

शेन (सं.) शयन, निद्रा, सोना ।

शेनवाटवां (कि.) सोजाना, नींद-लेना ।

शेर (सं.) सिंह, व्याघ्र, बघेरा, बाघ, तौल विशेष, मणका चालीसवां भाग, (इसका कोई निश्चित परिमाण नहीं कहीं ४० तोलेका, कहीं २८ तोलेका कहीं ८० तोले-का, और कहीं कहीं १०० तोले तककाभी शेर होता है)

शेरथवुं (कि.) सिरजोरी करना ।

शेरशोहीचढवुं (कि.) आनन्दमें मस्तहोना, खुशीमें होना ।

शेरसुद्धाहोईतो (अ) यदी बल होता, यदि हिम्मत होती ।

शेरडी (सं.) गन्ना, ईख, सांठा, इक्षुदण्ड, मीठागन्ना, पौंड़ा ।
शेरडो (सं.) मार्ग, रास्ता, पथ, पगडण्डी, पैरोंसे बनाहुवा मार्ग ।
शेरीषु (सं.) एकशेर वज़नका ।
शेरी (सं.) सकड़ीगली, मोहल्ला, ग्वाड़ी । [सुगन्धित गोंद ।
शेरीलेोभान (सं.) एक प्रकारका
शेरे (सं.) अर्जी, प्रार्थनापत्र, हुण्डीकी सकार ।
शेली (सं.) चकमक पत्थर द्वारा, आग पैदा करनेकी डोरी—सुतली ।
शेलु (सं.) वृक्ष विशेष ।
शेवो (सं.) गायको दुहते समय उसके पिछले पैरोंको बांधी जानेवाली रस्सी ।
शेवेात (सं.) जमींदारकी तरफसे गांवोंकी वसूली लेनेवाला व्यक्ति ।
शेवट (सं.) अन्त, आखिर, फल, परिणाम, नतीजा ।
शेवडी (सं.) स्त्रीसाधु जैनधर्ममें, दूंढियां पंथकी, स्त्री ।
शेवडेा (सं.) जैनसाधु, मुहबन्धे साधु एक प्रकारका गोसाईं, सेवड़ा ।
शेवाल (सं.) कंजी, पानीमेंकी काई, सेवाल, जलोत्पन्नद्रव्य विशेष अम्बाळ, सिवार, जलमल ।
शेष (वि.) अवशिष्ट, बाकी, बचा हुवा सर्पोंका राजा अनन्त, नाग
शेषकाळ (सं.) मृत्युसमय, अन्त समय । [(विष्णु) ।
शेषशायी (सं.) सर्पपर सोनेवाले
शेष (सं.) रोक, अटकाव, बन्धेज ।
शेषेवर्ष (सं.) पारसियोंका छठा महीना, (१ फवरदीन, २ अरदी बे हशत, ३ खुरदाद, ४ तीर, ५ अमरदाद, ६ शहेरवर, ७ मेहर, ८ आबां, ९ आदर, १० दे, ११ बेहमन और १२ सफदारमंद ।
शेषु (सं.) गुप्त सलाह करनेवाला ।
शेहेन्शेह (सं.) जबरदस्त, बळवान ।
शेहेन्शेही (सं.) जबरदस्ती, शक्ति ताकत, बळ, पुरुषार्थ ।
शेहेनशाह (सं.) सम्राट, चक्रवर्ती राजा, राजाधिराज, राजराजेश्वर ।
शेहेर (सं.) नगर, बड़ागांव, पत्तन पुर, बड़ीबस्ती । [सम्बन्धी ।
शेहेरी (वि.) नागरिक, शहर
शै (सं.) अन्नकापरिमाण, माप विशेष, (काठियावाड़में) सिकड़ा ।
शैडा (सं.) सखी, शताब्दि, सैंका
शैल (सं.) पर्वत, पहाड़, गिरी, शिलाजीत, सेलज ।
शैलेश (सं.) श्रीकृष्ण, गिरिधर ।

शैली (सं.) संकेत, नियम, रीति, परिपाटी, रिवाज, ढंग, तरह, व्याकरण सूत्रका, संक्षिप्त वर्णन।

शैव—वी (सं.) शिवभक्त, शिव-सम्बन्धी।

शोकयु (क्रि.) जाना, मरजाना।

शो (वि.) सौ, शतक १०० एक सौ, (स.) सुई, सुई, सूची, सूची, (अ०) कैसा, किसप्रकारका

शोक (सं.) दुःख, कष्ट, मानसिक वेदना, सोच, चिन्ता, खेद, पश्चात्ताप, पछतावा, क्लेश, संताप, मनोव्यथा, विलाप।

शोकदायक (वि) दुःखदायी, कष्ट-प्रद, खिन्न, शोकातुर।

शोकवस्त्र (सं.) शोकसमय पहिनने के वस्त्र, शोकसूचक वस्त्र (वि.) शोचनीय, शोकातुर. शोकविषयक।

शोकन (सं.) अपने पतिकी दूसरी पत्नी, सौत, सौतन, सौक।

शोख (सं.) इच्छा, चाह, शौक, आनन्द, इत्यादिश।

शोखी—खीयुं (वि.) शौकीन, आनन्दी, इच्छुक, मौजी।

शोच (सं.) खेद, दुःख, फिक्र, चिंता, पछतावा, विचार।

शोचनीय (वि.) विचारणीय, चिन्तनीय, क्षणिक अफसोस।[लोहू।

शोणित (सं.) रक्त, खून, रुधिर,

शोध (सं.) खोज, अनुसंधान, शुद्धि, ऋण परिष्कार, सफाई, अन्वेषण, तजवीज, तलाश, निरीक्षण, ढूंढभाल।

शोधक (वि.) खोजी, अन्वेषक, पता लगानेवाला, शुद्ध करनेवाला।

शोधक (सं.) दूत, चर, संदेश-वाहक, अनुसन्धान कर्ता।

शोधन (सं.) सफाई, गलतियोंका शुद्ध करना, फ़ज़की अदायगी। परीक्षा, खोज, ढूंढ, तलाश।

शोधयुं (क्रि.) शुद्ध करना, ढूंढना, तलाश करना, खोजना, परीक्षा करना, अनुसन्धान करना। मैल कचरा साफ करना, जांचना।

शोधशोध (सं.) ढूंढमाळ, खोज पडताळ।

शोधित (वि.) शुद्ध, पवित्र, ढूंढा हुआ, सुधारा हुआ, साफ।

शोधन (सं.) एक प्रकारकी औषधि।

शोभन (वि.) सुन्दर, अच्छा, मनोहर, शुभ, मंगल, नयनाभिराम, भद्र।

शोभवुं (क्रि.) शोभापाना, अच्छा मालूम होना, मनोहर लगना ।

शोभतुं (वि.) लायक, योग्य, उचित, अनुकूळ, ठीक ।

शोभा (सं.) सुन्दरता, प्रभा, चमक, कान्ति, दीप्ति, छवि, मनोहरता । मान, लाज, प्रतिष्ठा, खूबी, ठाठ, गुण, लावण्यता, खूब सूरती । [चारु, शोभित, मनोहर ।

शोभायमान (वि.) सुन्दर, भव्य,

शोर (सं.) हल्ला, गुल गपाड़ा । कोलाहल, होहल्ला ।

शोरशराबो (सं.) गड़बड़, धांधल, कचकच, हायतोबा, कोलाहल ।

शोष (सं.) तृषा, प्यास, पिपासा, मुरझाना, सूखापन, रुक्षता ।

शोषण (सं.) सोखना, चूसना, सुखाव ।

शोषवुं (क्रि.) चूसना, भीतर खींचना, शोषण करना, रस खींचना ।[आना,सूखना,शुष्कहोना ।

शोषाबुं (क्रि.) सूखना, सार चला

शौच (सं.) शुचिता, पवित्रता, स्वच्छता, शुद्धता, सफाई, पाखाना, विष्ठा ।

शौचजवुं (क्रि.) पाखाने आना, मलोत्सर्ग करना, मलपरित्याग करना ।

शौरि (सं.) ब्रह्मा, ईश्वर ।

शौर्य (सं.) बहादुरी, पराक्रम, शूरता, छाती, प्रताप, साहस, धैर्य्य, सामर्थ्य, शक्ति, वीरता ।

शौर्यवान (वि.) साहसी, हिम्मतवाळा, बहादुर, धृष्ट, वीर, शूरतायुक्त ।

श्मशान (सं.) मुर्दघाट, मरघट, मसान, मुर्दा जलानेकी जगह, कबरस्तान, मुर्दा दफनानेकी जगह ।

श्मशानवैराग्य (सं.) कुछ देरके लिये संसारसे विरक्तता, क्षणिक वैराग्य ।

श्याम (सं.) कृष्ण, पति, वर (वि.) काळा, कृष्णवर्ण, गहरा आस्मानी रंगवाळा ।

श्यामकर्ण (सं.) सारा सफेद और पूँछ तथा काले कानवाळा, घोड़ा, सुन्दर घोड़ा ।

श्यामकल्याण (सं.) कल्याण नामक रागका एक भेद विशेष ।

श्यामवर्ण (वि.) काले रंगका, काला, कृष्ण वर्ण।
श्यामा (सं.) सोलह वर्षके कम उमरकी स्त्री, षोडश वयस्का स्त्री।
श्यालक (सं) साला, पत्नीका भाई।
श्यालक (सं.) साहूकारी।
श्येनी (सं.) मादाबाज़, पक्षीविशेष।
श्रद्धा (सं.) भरोसा, विश्वास, यक़ीन, आदरपूर्वक प्रेम, सम्मान, आस्तिकय बुद्धि, आस्था, भक्ति, ऐतबार। [श्रद्धावान, भावनायुक्त।
श्रद्धालु (वि.) श्रद्धायुक्त, विश्वस्त,
श्रम (सं.) परिश्रम, मेहनत, उद्योग, यत्न, थकान, दुःख, तप कष्ट, वेदना, तकलीफ़, प्रयास।
श्रमित (वि.) थकाहुआ, व्याथत, श्रान्त, थका मादा।
श्रवण (स.) कान, कर्ण, कर्णेन्द्रिय, सुनना, बाईसवां नक्षत्र।
श्रवणा (क्रि.) चूना, टपकना, झरना, बूंद बूंद-धीरे धीरे निकलना।
श्रव्य (वि.) सुननेयोग्य, कर्णप्रिय।
श्राद्ध (सं.) श्रद्धापूर्वक किया हुआ कर्म, श्रद्धापूर्वक पितरोंकी सेवा, सुश्रूषा तथा भोजनादि द्वारा उनकी तृप्ति।
श्राद्धसरावो भाप देखाड=दोनोंमेंसे एक बात कर। कुछभी कर।
श्राप (सं) शाप, बददुआ, गाली, अशुभ चिंतन, अनिष्ट चिंतन।
श्रापणु (क्रि.) शाप देना, बद दुआ देना, कोसना, बुरा चीतवा।
श्रावक (सं.) बौद्धसाधु, जैनी सराबगी, जैनधर्मानुयायी, कौआ, काक, कागा, पक्षीविशेष।
श्रावण (सं.) हिन्दसम्वत्का पांचवां महीना (जो कार्तिकसे वर्ष मानते है) हिन्दू सम्वत्का ५ वा महीना। जो चैत्रसे वर्ष गणना करते हैं।
श्रावणु आदरवो पडवो (क्रि.) खूब आसू गिरते हुए रोना।
श्रावणी (स.) श्रावण मासकी एकादशी, पौर्णिमा अथवा जिस-दिन श्रवण नक्षत्र हो उसदिन किया जानेवाला एक वैदिक कृत्य।
श्राविका (स.) जैनधर्म पालने वाली स्त्री, सरावगिन।
श्री (स.) सम्पत्ति, धन, दौलत, शोभा, सुन्दरता, लक्ष्मी, शृंगार, प्रतिभा, धर्म, अर्थकाम और मोक्ष समुच्चय, कमळ, सरस्वती, सर्प, वाणी, यज्ञ, प्रतिष्ठावाचक शब्द, महिमा, कीर्ति, विष्णु।

श्रीहार (वि.) उत्तम, श्रेष्ठ ।
श्रीखंड (सं.) चन्दन, गन्ध, सिखंड ।
श्रीगणेशाय नमः करना (कि.) आरंभ करना, शुरूआत करना, चालु करना, आगे बढना ।
श्रीधर, श्रीपति (सं.) विष्णु ।
श्रीयात (सं.) संन्यासी, त्यागी, वानप्रस्थी, यति, जितेन्द्रिय ।
श्रीवृक्ष (सं.) वृक्षविशेष, पारिजातक ।
श्रीफल (सं.) नारियळ, नारिकेळ ।
श्रीफल लगाना (कि.) छुट्टी देना, विदा करना, रवाना करना ।
श्रीमंत (सं) देखो श्रीमंत (वि) धनेवाळा, धनी, मालदार, मान्य ।
श्रीमंताई (सं.) बड़ाई, कीर्ति, वैभव्य ।
श्रीमान (वि.) यशस्वी, धनसम्पन्न
श्रीमुख (सं.) कीर्तिवान-यशस्वी मुख ।
श्रीरंग (सं.) विष्णु ।
श्रीराग (सं.) रागविशेष ।
श्रीराम श्रीराम (सं.) मुर्देको लेजाते समय लोग इसे मिलकर बोलते हैं । रामनाम सत्य है ।
श्रीवत्स (सं.) विष्णु, विष्णुकी छातीपरका चिन्ह विशेष ।
श्रीहस्ते (अ०) खुदके हाथों, स्वयम् ।
श्रुत (वि.) सुनाहुआ, कर्णगत, कर्णगोचर, अवगत, सीखाहुआ ।
श्रुति (सं.) कान, कर्ण, कर्णेन्द्रिय, वेद । [कठोर ।
श्रुतिकटु (वि.) कर्णकटु, सुननेमें
श्रेणी (सं.) पंक्ति, पांति, कतार, लकीर, हार, समूह, आहव ।
श्रेढी (सं.) आगे बढना ।
श्रेय (सं.) मंगळ, कल्याण, शुभ, सौभाग्य, मुक्ति ।
श्रेयस्कर (वि.) शुभ, मंगलकर ।
श्रेष्ठ (वि.) उत्तम, प्रधान, बड़ा, माननीय, सर्वोत्तम, अत्युत्तम ।
श्रेष्ठी (सं.) बड़ा, प्रसिद्ध व्यापारी ।
श्रोणि-णी (सं.) नितंब, चूतड़, कमर, कूल्हा ।
श्रोता (सं.) सुननेवाला, समझनेवाला । ध्यान देनेवाला ।
श्रोत्र (सं.) कान, कर्ण, कर्णेन्द्रिय ।
श्रोत्री (सं.) वेदोक्त धर्म पालनेवाला ब्राह्मण, वेदज्ञ, वेदपाठी ब्राह्मण ।
श्रौत (सं.) वेदोक्तकर्म, वेदविहित कार्य, (वि.) वेदार्थ सम्बन्धी ।
श्लिष्ट (वि.) द्विअर्थी, मिलाहुआ जुड़ हुआ ।

શ્લેષ (સં.) એકાક્ષરી શબ્દ જેમાં બે યા વધારે અર્થ હોય એવી રચના, અલંકાર, વિશેષ ।

શ્લોક (સં.) પદ્ય, કાવ્યનિર્મિત ચાર પદોંવાળા વાક્ય વિશેષ, છન્દ, અનુષ્ટુપછન્દ, યશ। [ધાતુના ।

શ્લોકબદ્ધ (વિ.) છન્દોબદ્ધ, પદ્યમાં

શ્વપચ (સં.) ચાંડાળ, ડોમ, ભંગી, ઉદ્દેતર નીચ પુરુષ ।

શ્વશુર (સં.) પત્નીનો પિતા, સસુર, સસરા, પતિકા પિતા ।

શ્વશુરપક્ષ (સં.) સાસરા, સસુરાળ ।

શ્વશ્રૂ (સં.) સાસૂ, પતિ યા પત્નીકી માતા, સાસ ।

શ્વાન (સં.) કુત્તા, કુક્કર કૂકરા।

શ્વાનનિદ્રા (સં.) અલ્પ નિદ્રા, કુત્તેકીસી ચમક નીંદ ।

શ્વાસ (સં.) સાંસ, પ્રાણ, વાયુ, દમ, સાંસકારોગ, દમા।

શ્વાસમાલવો (ક્રિ.) મૃત્યુકે નિકટ પહુંચના।

શ્વાસરોધીનાંખવો (ક્રિ.) થકાના અધમરા કરના, મરણતુલ્ય કરના

શ્વાસહરનાંખવો (ક્રિ.) દુઃખદેના પ્રાણખાના, દિલદુખાના ।

શ્વાસોચ્છ્વાસ (સં.) સાંસલેના, ઔર છોડના, દમ।

શ્વેત (વિ.) સફેદ, શુક્લવર્ણ, પલક ગોરા, પકાહુવા, પક્ષ ।

શ્વેતાંબર (સં.) જૈનસાધુઓંકી એક જાતિ-(યે લોગશ્વેત=સફેદ અમ્બર=વસ્ત્ર પહિનતે હૈં)

ષ

ષ= વ્યંજનકા ઇકતીસવાં વર્ણ, યહ વર્ણ મૂર્ધન્ય હૈ, ગુજરાતી વર્ણમાલાકા બયાલીસવાં અક્ષર ।

ષટ્ (વિ.) છ, ૬, સંખ્યા વિશેષ

ષટ્કર્મ (સં) તંત્રશાસ્ત્ર પ્રસિદ્ધ છઃ કાર્ય, શાન્તિ, વશીકરણ, સ્તંભન, વિદ્વેષ ઉચ્ચાટણ ઔર મારણ, બ્રાહ્મણોંકે છઃ કર્મ, પઢના, પઢાના, યજન, યાજન, દાન, ઔર પ્રતિગ્રહ, હઠયોગકે છઃ કર્મ ધૌતિ, બસ્તિ, નેતિ, નૌલિ, ત્રાટક, ઔર આસન ।

ષટ્કોણ (સં.) છકોન, એકપ્રતિકા તંત્ર, વજ્ર, છઃકોનેકી આકૃતિ ।

ષટ્ત્રિંશત (વિ.) છત્તીસ ૩૬ ।

ષટ્પદ (વિ.) છઃપૈરવાલા, (સં.) ઝુંમકડી, ટીડી, મચ્છર, ભ્રમર, છપ્પય, (પિંગલશાસ્ત્ર વર્ણિત છન્દ વિશેષ)

ષટ્પદી (સં.) છન્દવિશેષ, ભ્રમરી ।

षड्दर्शन (सं.) छः शास्त्र, अर्थात् छः शास्त्र यथा, सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा और वेदान्त।

षड् (वि.) छ, छः, संख्या विशेष।

षड्गुण (सं.) छ गुण—यथा धर्म, ऐश्वर्य, यश, श्री, ज्ञान और वैराग्य। राजनीतिके छ गुण, यथा—संधि, विग्रह, यान, आसनद्विधाभाव और समाश्रय।

षड्ऋतु (सं.) छ ऋतुएँ, छ तरह के मौसिम, वसंत, ग्रीष्म, वर्षा, शरत्, हिम और शिशिर।

षडंग (सं.) छ, अंग, दो हाथ दो पैर मस्तक और कटि। वेदोंके छ अंग, शिक्षा, कल्प, व्याकरण निरुक्त और छन्द शास्त्र। (वि.) छ भागवाला।

षड्दर्शन (सं.) देखो षट्शास्त्र

षडानन (सं.) कार्तिक स्वामी, कार्तिकेय, (वि.) वक्तवदन, छ मुखवाला।

षड्रस (सं.) छः प्रकारके रस, मीठा, खारा, खट्टा, कडवा, तीखा और तूरा।

षड्रिपु (सं.) छः शत्रु, काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद और मत्सर।

षडैश्वर्य (सं.) छः तरहका ऐश्वर्य। [ऐश्वर्य।

षडैश्वर्य (सं.) छः प्रकारका

षड्विकृति (सं.) छः तरहकी विकृति, (जैनग्रंथोंमें) दही, दूध, घी, तेल, गुड़ और शक्कर ये छः विकृतियां जनी मानते हैं। छः विकार।

षंढ-क (पुं.) हिजडा, नामर्द, पुंसत्वहीन, नपुंसक, बैल।

षंढतिल (वि.) पूर्ववत्

षण्मास (सं.) छः महिना।

षष्ठांश (सं.) छठा भाग, ६, छवा हिस्सा।

षष्टि (वि.) साठ, ६०, संख्याविशेष।

षोडश (वि.) सोलह, १६ संख्या विशेष, न्यायशास्त्रवर्णित १६ पदार्थ, यथा, प्रमाण, प्रमेय, संशय, प्रयोजन, दृष्टान्त, सिद्धांत, अवयव, तर्क, निर्णय, वाद, जल्प, वितंडा, हेत्वाभास, छळ, जाति और निग्रहस्थान।

षोडशोपचार (सं) पूजाके सोलह, उपचार, आवाहन, आसन, पाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान, वस्त्र, यज्ञोपवीत, गंध, पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य, दक्षिणा, प्रदक्षिणा, और मंत्रपुष्पांजलि।

षोडशसंस्कार (सं.) सोलह संस्कार गर्भाधान, पुंसवन, सीमन्तोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन चूडाकर्म, कर्ण वेध, उपनयन, वेदारंभ, समावर्तन, विवाह, वानप्रस्थ संन्यास, और अंत्येष्टि।

स

स=दन्तोसष्ठ्य व्यंजनवर्ण, इसका उच्चारण स्थान दन्त है। गुजराती वर्णमाळाका ४३ वां अक्षर।

संक्षिप्त (वि.) न्यून, अल्प, थोड़ा, घटायाहुआ, कम किया हुआ। [सारगर्भ।

संक्षेप (सं.) न्यूनता, अल्पता,

संज्ञा (सं.) नाम, आख्या, अभिधान धेय, बुद्धिचेतनता

संहारणु (क्रि.) संहरण करना, नाश करना, संहार करना, नष्ट करना।

संयम (सं.) बंधन, इन्द्रियादि निग्रह, रोक, अवरोध, नियम।

संयमन (सं.) संयम, नेम, नियम व्रत, इंद्रिय निग्रह।

संयुक्त (वि.) सम्बन्धयुक्त, मिला हुआ, सटाहुआ, जुड़ा हुआ, संयोगाश्रय।

संयुत (वि.) संयोगप्राप्त, मिलाहुआ।

संयोग (सं.) मेल, मिलाप, सम्बन्ध विशेष, अवाप्तकी प्राप्ति, मेळन, जोड़ना, सन्धि, स्त्रीपुरुषों का विलास संयोग, ऐक्य, मेल।

संयोगीकरणु (सं.) मिलाना, मिश्रण करना, जोड़ना।

संयोगीजल (सं.) वह जलधी जो दो समुद्रोंको मिलाती हो।

संयोगीभूमी (सं.) वह सकड़ी जमीन जो दोबड़े प्रदेशोंको मिलाती हो। [संयुक्त।

संयोजित (वि.) जोड़ा हुआ,

संरक्षणु (सं.) पाळन, रक्षा, बचाव, आश्रय, आधार, ओट, छांह। [हुआ।

संरक्षित (वि.) रक्षित, बचाया

संलग्न (वि) संयुक्त, योगप्राप्त, घटित, मिलाहुआ, लगाहुआ।

संवत (सं.) साळ, वर्ष, सन्, विक्रमीय वर्ष।

संवत्सर (सं.) वर्ष, संवत् बरस ये ६० हैं, प्रभव, विभव, शुक्ल, प्रमोद, प्रजापति अंगिर, श्रीमुख, भाव, धातु, ईश्वर, बहु धान्य, प्रमाथी, विक्रम, वृष, चित्रभानु, सुभानु, तारण, पार्थिव, अव्यय,

સર્વજિત, સર્વધારિ, વિરોધી, વિકૃતિ, ખર, નન્દન, વિજય, જય મન્મથ, દુર્મુખ, હેમલમ્બ, વિલમ્બ વિકારી, શાર્વરી, પ્લવ, શુભકૃત, શોભન, ક્રોધી, વિશ્વાવસુ, પરાભવ પ્લવંગ, કિલક, સૌમ્ય, સાધારણ, વિરોધકૃત, પરિધાવી, પ્રમાદી, આનન્દ, રાક્ષસ, નળ, પિંગળ, કાળયુક્ત, સિદ્ધાર્થ, રૌદ્ર, દુર્મતિ, દુંદુભિ, રુધિરોદ્‌ગારી, રક્તાક્ષ, ક્રોધન, અને ક્ષય ।

સંવરવું (ક્રિ.) ઢાંકવું, આચ્છાદિત કરવું, સમેટવું, આવરણ કરવું । [વૃદ્ધિંગત ।

સંવર્દ્ધિત (વિ.) વધારેલું, વર્દ્ધિત

સંવૃદ્ધિ (સં.) બાહુલ્યતા, પુષ્કળતા, આબાદી । [ચીત, સંભાષણ ।

સંવાદ (સં.) સન્દેશ, ચર્ચા, બાત-

સંશય (સં.) સન્દેહ, ચિન્તા, ભય, શક, અનિર્ણય, વહેમ, અન્દેશા ।

સંશયાત્મક (વિ.) વહેમી, શકી ।

સંશુદ્ધિ (વિ.) સ્વચ્છતા, પવિત્રતા ।

સંશ્રય (સં.) આશ્રય, સહારો, આધાર, ટેકો । [આધારયુક્ત ।

સંશ્રિત-શ્રૃત (વિ.) પુષ્ટિવાળા,

સંશોધન (સં.) પરિમાર્જન, પ્રક્ષાલન, શુદ્ધિકરણ, સફાઈ ।

સંસર્ગ (સં.) સ્પર્શ, સંયોગ, જુડવું, નિકટ સમ્બન્ધ, સંગત, મૈત્રી ।

સંસર્ગી (વિ.) વ્યવહાર રાખનેવાળો, મિત્ર, સાથી, સમ્બન્ધી ।

સંસાર (સં.) જગત્, જમ, ગમનાગમનસ્થાન, મિથ્યાસે ઉત્પન્ન વાસના, વહ અદૃષ્ટ જો દેહકે આરંભ કરનેમેં હેતુ હૈ, વિશ્વ, દુનિયા, પૃથ્વી, આલમ, મનુષ્યસૃષ્ટિ, દુનિયાદારી, સ્ત્રીપુત્રાદિ, જન્મમરણાદિ, ગૃહસ્થ, આવાગમન ।

સંસાર માંડવો (ક્રિ.) વિવાહ કરવો, માયા જાલમેં ફંસના ।

સંસાર તરવો (ક્રિ.) સાંસારિક કાર્યોંકો અચ્છી તરહ ચલાના ઔર ઈશ્વરકો જાનના ।

સંસારસાગરમાં ડુબવું (ક્રિ.) પાપી હોના, ભવસાગરમેં ડૂબના, સાંસારિક, ભ્રમજાલમેં ફંસે રહના ।

સંસાર તરવો (ક્રિ.) સુખદુઃખકા અનુભવ હોના ।

સાંસારિક (વિ.) લૌકિક, ઐહિક, સાંસારિક, સંસાર સમ્બન્ધી ।

संसारी (वि.) चरवाही, खदस्थी, संसार सम्बन्धी, संसारका।

संस्कार (सं.) वह क्रिया जिसके करनेसे मनुष्य शुद्ध होकर उच्चत्व पाता है, धर्मविधि, अनुभव जन्य आत्माका गुण विशेष, आत्मा अथवा उत्पन्न ज्ञान, धर्माधानादि क्रिया समूह, प्रतियत्न विशेषयोग उत्सर्ग अभिषेक, संकट, दुःख, कष्ट, शुद्धता।

संस्कारी (वि.) पवित्र, पावन, श्रेष्ठ।

संस्कृत (सं.) आदिभाषा, व्याकरणादि संस्कार प्राप्त आर्यभाषा, निर्वाण भाषा, पाणिन्यादिकृत व्याकरण के सूत्रद्वारा निष्पन्न शुद्धशब्द (वि.) संस्कारप्राप्त, पकाहुवा, शोधित, साफ कियाहुवा।

संस्था (सं.) मंडल, समाज, व्यक्ति, अंत, आखिर।

संस्थान (सं.) पाशका प्रदेश, राज्य, मुल्क, राजधानी।

संस्थापक (वि.) स्थापित करनेवाला कायम करनेवाला।

संस्थापन (सं.) स्थापन, कायम करना, जमाना, बैठाना।

संस्थापित (वि.) बैठायाहुवा, कायम कियाहुवा स्थापित।

संहार (सं.) नाश, प्रलय, विनाश अन्त, क्षय, उच्छेद, अभाव, संग्रह, वधा, कतल।

संहारना (क्रि.) नाशकरना, कतल करना, बर्बाद करना, मिटाना।

संहिता (सं.) सामीप्य, निकटता, संसर्ग, कर्मकाण्ड प्रतिपादक वेद का एक भाग विशेष, सूत्रवा श्लोक का क्रमपूर्वक एकी करण, वेदकी शाखाओंके शब्दोंको सन्धि के नियमानुसार मिलानेका नाम, वेदकीशाखा, वैदिक प्रकरण, किसी विषयका संग्रह।

संहृत (वि.) खेंचा हुआ, तावा हुआ, आक्रान्त, एकत्रित।

स (अ.) साथ, सह, (वि.) अच्छा, उत्तम, ठीक, (सं.) स्व, खुदका, अपना।

सई (सं.) दरजी, दर्जी, कपड़ा सीनेवाला, कबूल, मंजूर, स्वीकार, (वि.) तरहका, ढंगका, तर्जका, अनुरूप। [मित्र।

सखा (सं.) सखी, (स्त्री) सकल (वि.) सभी, सब, सारा, समस्त, सर्व, सम्पूर्ण, समग्र।

सकेलना (क्रि.) खींचके बांधना, जकड़ना, कसना।

સકન (સં.) કાંઠાવિશેષ, (ગાડીમેં) ઢાકુન, બોલી, શબ્દ, વાણી।

સકરકન્દરીયાં (સં.) કન્દવિશેષ, મીઠા જમીકન્દવિશેષ, શકરકંદી।

સકરવું (વિ.) અવયવયુક્ત।

સકરણું (વિ.) દયાળુ, કરુણાયુક્ત।

સકરાઈ (સં.) હુંડી સ્વીકાર કી ઉસકે દામોંકા ઠહરાવ, સિકરાઈ।

સકરમી (વિ.) ભાગ્યવાન, ભાગ્યશાળી, સુકર્મી। [હો, ક્રિયાયુક્ત।

સકર્મક (વિ.) જિસ ક્રિયાકે કર્મ

સકલ (વિ.) સારા, સમસ્ત, સમૂચા, પૂરા, સબ, સમ્પૂર્ણ।

સકલાત (સં.) એક પ્રકારકા ઊની પતલા કપડા।

સકળગુણસમ્પન્ન (વિ.) સર્વગુણાગાર ગુણરાશિ, ગુણનિધિ।

સકામ (વિ.) ઇચ્છાયુક્ત, કામના સહિત, ફળદાન। [રસ્મ।

સકાર (સં.) ઢંગ, રીતિ, તર્જ,

સકાર પડવા (ક્રિ.) માન રહના, ટેક રહના, ઇજ્જત રહના।

સકાર પળવા (ક્રિ.) વિવેક હોના, જ્ઞાન હોના, ચતુરાઈ આના।

સકારો (સં.) તારકો સીધા રખને કે લિયે તાનેકે અન્દર ડાલી હુઈ લકડીકી ચીપટ।

સકારણ (વિ.) કારણયુક્ત, કામના સહિત।

સકાળ (સં.) બહુતહી સવેરે, તડકે, જલ્દી, અત્યન્ત મિનુસારે, સુકાળ, અચ્છા સમય।

સકૃત (અ.) એકબાર।

સકોમળ (વિ.) બહુતહી નાજુક, સુકુમાર, અત્યંત કોમળ।

સકોરણું (સં.) ઉત્તેજના, ઉસ્કાના।

સકોરું (સં.) મિઠાઈકા પાત્ર વિશેષ।

સકોપ (સં.) ગુસ્સેવાલા, ક્રોધી।

સક્કક (વિ.) નયા, ઔર ઉમ્દા, સરસ, મજેદાર, અચ્છે સિક્કેકા, લોહેકી એક જાતિ।

સક્કર (સં.) ખાંડ, ચીની, શર્કરા।

સક્કરખોર (સં.) શક્કર ખાનેવાલા।

સક્કરટેટી (સં.) ખરબૂજા, ફળ વિશેષ ખરબૂજ।

સક્કરપારો (સં.) આટેકી મીઠી ચૌખૂંટી જો ઘી યા તેલમેં પકતીહૈ।

સક્કસ (વિ.) દૃઢ, કઠિન, કઠોર મજબૂત। [ચેહરા, શક્લ।

સક્કો (સં.) સિકા, મુહર, છાપ,

સખ (સં.) સુખ, આનંદ।

સખણું (વિ.) સયાના, સમઝદાર।

સખત (વિ,) કાઠિન, કઠોર, દૃઢ, મજબૂત, મુશ્કિલ, મરાહુવા, નિર્દય ઝાલિમ, કરાં।

સખ્તી (સં.) કઠિનાઈ, કઠોરતા, જુલ્મ, દબદા ।

સખા (સં.) સ્નેહી, સાથી, દોસ્ત, મિત્ર, બન્ધુ, સંગી ।

સખાવત (સં.) ઉદારતા ।

સખી (સં.) સહેલી, સંગિની, વયસ્યા, આલી, મિત્ર, (સ્ત્રા) (વિ.) ઉદાર દાનશીલ ।

સખીનોલાલ (સં.) ઉદાર પુરુષ. ભલાઆદમી ।

સખીભાવ (સં.) સ્ત્રી રૂપસે કૃષ્ણ ઉપાસના; ઔરતપના ।

સખુન(સં.) વાણી, ભાષણ. શકુન વિજય, અર્જ. સ્વીકૃતિ । [દોસ્તી ।

સખ્ય (સં.) ભાઈબંદી, મિત્રતા,

સખો (સં.) ભાઈબન્દ. મિત્ર, દોસ્ત, સ્નેહી ।

સગટો (સં.) સ્ત્રિયોંકે બગલમેં ખોસનેકા સાડી યા લૂગડેકા પલ્લા ।

સગ (સં.) દીપકકી ગર્મી, અગ્નિ ।

સગડ (સં.) પતા, ખબર, ચિન્હ, પૈર, ખોજ, ગંધ ।

સગડી (સં.) સિગડી, બરોસી, આગ રખનેકા પાત્ર વિશેષ ।

સગડીસળગાવવી (ક્રિ.) આગ સુલગાના ।

સગર્ભ (સં.) ગેહૂંકા આટા પૂર્ણ ।

સગણ (સં.) છન્દશાસ્ત્ર વર્ણિત ગણ વિશેષ, દો લઘુ ઔર એક ગુરુ અક્ષર, ।।ऽ, પીછા, પોઠ ।[નાતા ।

સગપણ (સં.) સગાઈ, સમ્બન્ધ,

સગન (સં.) હલમેં લગી હુઈ કીલ વિશેષ ।

સગરામ (સં.) દો બૈલ યા દો ઘોડોં કી છાયાદાર ગાડી વિશેષ ।

સગભગિમ્મારસ (સં.) દેવોત્થાપિની એકાદશી, ભાદવા સુદી ૧૧ ડોલ ગ્યારસ, રથયાત્રા એકાદશી, જલઝૂલની એકાદશી ।

સગવડ (સં.) અનુકૂલતા, અવકાશ, સમય, ફુરસત, જગહ, સ્થાન ।

સગર (વિ.) જહરયુક્ત, જહરીલા, (સં.) ઇસનામકા સૂર્યવંશી રાજા ।

સગરણ (સં.) મૌકા, અવસર ।

સગર્ભ (વિ.) ગર્ભયુક્ત, ગાભિન । પેટસે, (સં.) સહોદર ભાઈબહિન વિગેરઃ એકમાજાયે ।

સગા (વિ.) સમ્બન્ધી, નાતેદાર ।

સગાઇ (સં.) સમ્બન્ધ, પ્રતિસમ્બન્ધ, વિવાહ, વિવાહકા પૂર્વ સમ્બન્ધ ।

સગીર (સં.) અલ્પ વયસ્ક, બાલક, કમઉમ્રકા આદમી, નાદાન ।

સગું (વિ.) સહોદર, એક ઉદરથી થયેલા કુટુંબી, નાતેરિશ્તેદાર। (સં.) એક ખૂનના સમ્બન્ધમાંથી કોઈપણ। [નાતેરિશ્તેદાર।

સગુંસાગવું (ક્રિ.) મિત્ર સંબંધી

સગુણ (વિ.) ગુણસહિત, ગુણવિશેષ

સગુણભક્તિ (સં.) આકાર વગેરે ગુણવાલે ઈશ્વરની ભક્તિ।

સગુણોપાસના (સં.) ઈશ્વરને સાકાર માનીને તેની ઉપાસના।

સગોત્ર (વિ.) એકજ ગોત્રના, સમ્બન્ધી, કુટુંબી, એકજ વંશમાં ઉત્પન્ન।

સઘન (વિ.) ઘના, સાન્દ્ર, નિબિડ મિલાયલું, ખૂબ સટાયલું।

સઘળું (વિ.) સારા, સમસ્ત, સંપૂર્ણ

સંકટ (સં.) કષ્ટ, વિઘ્ન, દુઃખ, ખેંચ, વિપત્તિ, આપદ, ભીડ।

સંકડામણ (વિ.) જગ્યાની કોતાઈ।

સંકડાવવું (ક્રિ.) ભિંચવું, દબવું જગ્યાની તંગીમાં હોવું।

સંકર (સં.) વર્ણોનો નિયમ વિરુદ્ધ મિલન, મિશ્રણ, એ નામથી પ્રસિદ્ધ એક અર્થાલંકાર।

સંકર્ષણ (સં.) ખેંચ, તાન, બલરામ શેષનાગ।

સંકરી (સં.) નઈ બિગડીયલી કન્યા દૂષિતા સ્ત્રી।

સંકલન-ના (સં.) એકીકરણ, સંગ્રહણ, એકઠા કરવા, જોડવા, જોડ।

સંકલ્પ (સં.) ઇચ્છા, ઇરાદા, ખ્યાલ, માનસિક કર્મ, ચાહ, અભિલાષ, મનસૂબા, ઇરાદા, મનનો ઉદ્દેશ।

સંકલ્પવિકલ્પ (સં.) મનની અસ્થિર દશા, ચિત્તનો ડાંવા ડોલપણ।

સંકાશ (વિ.) સરીખા, સમાન, તુલ્ય, તદ્રૂપ, સમીપ।

સંકીર્ણ (વિ.) મિલાયલું, મિશ્રિત સકડા, તંગ, સંકેત, નિબિડ, ઘન।

સંકીર્તન (સં.) સ્તુતિ, બખાન, પ્રશંસા દેવગુણ વર્ણન।

સંકુચિત (વિ.) સંકોચિત, પીછે હટાયલું, સિકુડાયલું, મુર્ઝાયલું, લજ્જિત, સુસ્ત, ઓછા ઝોટા।

સંકેત (વિ.) ઇશારા, ચિન્હ, ધોતન, વાયદા, સૈન, ઇંગિત।

સંકેતરૂપ-તાર્થ (વિ.) ઇશારેના લિયે, ચિન્હરૂપ।

સંકેતસ્થાન (વિ.) નિર્દિષ્ટસ્થાન, ઇશારાની જગ્યા, ગુપ્તસ્થાન।

સંકેલવું (ક્રિ.) ઢાંકવું, બંદ કરવું, રોકવું, એકત્ર કરવું।

સંકોચ (સં.) લાજ, શરમ, સિવડ સહમ, શિથલ, ભય, પાછે હઠના, ઓલાઈ, ભીડ, સકરાઈ ।

સંકોચન (સં.) સિકુડાનેકી ક્રિયા, કમકરનેકી ક્રિયા ।

સંકોચાવું (ક્રિ.) સકુચાના ,કમ હોના, ઘિરજાના, શરમાના, ચઢજાના । [કરના ।

સંકોચવું (ક્રિ.) મૂંદના, ઇકઠા-

સંકોરવું (ક્રિ.) આગૂત કરના, ભડકાના, ઉકસાના, ઉત્તેજિત કરના ।

સંકોરીનેવેભણારહેવું (ક્રિ.) લડાઈ કરકે ખુદ અલગ હોજાના। આગ લગાકે દૂર ભાગજાના ।

સંકોરણી (સં.) ઉત્તેજના ।

સંક્રમણ (સં.) ગ્રહોંકા એક રાશિસે દૂસરી રાશિમેં ગમન, પરિવર્તન ।

સંક્રાંત (સં.) ઉત્તરાયણ, સૂર્ય જિસદિન મકર રાશિમેં પ્રવેશ કરતા હૈ, ઉચ્છિષ્ટ, સાદુકારી ।

સંક્રાંતિ (સં) મેળ, ગ્રહોંકા એક રાશિસે દૂસરી રાશિપર જાના ।

સંખારો (સં) પાની છાનને કે બાદ કપડેમેં રહાહુઆ કચરાકૂડા બીજ ઇત્યાદિ ।

સંખાવું (ક્રિ.) શંકિત હોના, ડરના । [શર્મ, લાજ, શંકા ।

સંખાવો (સં.) જરૂરત, હાજત,

સંખ્ય (વિ.) ગિનતી લાયકે ।

સંક્ષિપ્ત (વિ.) કમકિયાહુવા, મુખ્તસર ગૃહીત, કમ, થોડા ।

સંક્ષેપ (સં.) થોડા, અલ્પ, છોટાઈ ।

સંખ્યા (સ.) ગિનતી, ગણના, અંક, જોડ, પરિણામ, (વિ.) અંક સૂચક, (સં.) ઘૃણા નફરત ।

સંખ્યાવાચક (વિ.) સરુવા સૂચક, સંખ્યાગિનતીબતાનેવાલા ।[વિશેષણ ।

સંખ્યાવિશેષણ (સં.) સંખ્યારૂપ

સંગ (સં.) સાથ, સંયોગ, મેલ, સ્પર્શ, મિત્રતા, પ્રેમ, લગાવ, સંસર્ગ સમાગમ, ગ્રેપ, સંભોગ, (સ્ત્રીસે) યોગ, ભેટ । [ભોગ કરના ।

સંગઠવો (ક્રિ.) મેળકરના, સં-

સંગભૂકવો (ક્રિ.) દોસ્તીછોડના, સાથ છોડના ।

સંગમ (સં) મિશ્રણ, મેળ, મેલ ।

સંગત (સં.) દોસ્તી, મોહબત, સંગતિ, પ્રેમ, મિલાપ, મેલ, મેળુક મુલાકાત, (વિ.) સાહસ્તી ।

સંગદિલ (સં.) વજ્રહૃદય, પાહન હૃદય, પત્થર કે સમાન કઠોર દિલ, કઠોર, નિર્દય ।

સંગમ (સં.) દો યા ઇસસે અધિક કા મેળ મિલાપ, સન્ધિ, ભીડ, ઠટ્ઠ, ભેંટ, પ્રેમપૂર્વક મિલન ।

સંગાત–થ (સં.) સાથ, સંગ, સોહબત, મેળ, માર્ગમેં એક દૂસરેકા સાથ ।

સંગાતી (સં.) સોહબતી, સાથી, મિત્ર, સંગકરનેવાલા, સ્નેહી ।

સંગીત (સં.) બહુતસે મનુષ્યોંકા મિલકર ગાયન, ગાનાબજાના ઔર નાચના, " गीतंवाद्यं तथानृत्यं त्रयं संगीत मुच्यते " (વિ.) પત્થર સમાન કઠોર, મજબૂત, દૃઢ, જોરાવર ।

સંગે (અ૦) સાથમેં, સંગમેં ।

સંગેનરમર (સં.) પત્થર વિશેષ, સફેદ જાતિકા પત્થર વિશેષ ।

સંગ્રહ (સં.) ઇકટ્ઠા કરના, સંચય, સમૂહ, સમુદાય, એકત્રિત ।

સંગ્રહણી–ધરણી (સં.) અતિસાર નામક રોગ, દસ્તોંકા રોગ ।

સંગ્રહસ્થાન (સં.) જિસ જગહ દેશ દેશકે પદાર્થોંકા સંગ્રહ હો, સંગ્રહાલય, પ્રદર્શનીકા સ્થાન, કોષ સ્ટોર ।

સંગ્રામ (સં.) યુદ્ધ, લડાઈ ।

સંઘ (સં.) જથ્થા, ટોળા. સમુદાય જમાવ, સમૂહ, યાત્રા કરનેવાલોંકા ટોલા, કાફિલા ।

સંઘકાઢવો (ક્રિ.) આગે હોકર લોગોંકો યાત્રાકે લિયે લેજાના ।

સંઘટ (વિ.) ભીડમેં આયાહુવા, મિલાહુવા, મજબૂત, દૃઢ ।

સંઘરવું (ક્રિ.) ઇકટ્ઠાકરના, સંગ્રહ કરના, યત્ન પૂર્વક રખના, દાખિલ કરના, આદર પૂર્વક રખના ।

સંઘરા (સં.) ફસ્ત ખુલવાના, ખૂન નિકલવાના, (રોગ વિનાશાર્થ)

સંઘવી (સં.) સંઘકા મુખિયા, સંઘ નિકાલને વાલા ।

સંઘાડો (સં.) ચર્ખ, ખરાદ, યંત્ર, જૈન મતાનુસાર સાધુકી આજ્ઞા કે મુતાબિક ચલનેવાલા સાધુ તથા સાધ્વીકા સમુદાય ।

સંઘાત (સં.) સમૂહ, જત્થા, સાથ ।

સંઘાતવેવો (ક્રિ.) અચ્છી સંગતિ કરના ।

સંઘાતનીભારી સાસરેઅદ્ધ ને ૨૯મો જાણી ઉબીરડી (=) વ્યર્થકા પરિશ્રમ કરના ।

સંઘાથી(વિ.)સાથી, સંગી, સોહબતી।

સંઘાથે–તે (અ૦) સાથમેં, સંગમેં ।

સચરાચર (વિ.) સર્વત્ર, સ્થાવર, ઔર જંગમ સહિત।

સચરાચરેઉદરવું (ક્રિ.) બિનાકિસી વિઘ્નબાધાકે કામ પૂરા પડના।

સચરાચરબ્યાપવું (ક્રિ.) આરપાર ઉતર જાના, પ્રવેશ હોના, સર્વત્ર ફૈલજાના।

સચિ (સં.) ઇંદ્રાણી, ઇન્દ્રકી સ્ત્રી।

સચિવ (સં.) પ્રધાન, મંત્રી, વઝીર અમાત્ય, સલાહકાર।

સચેતન (વિ.) ચેતના યુક્ત, સાવધાન, જાગૃત, જ્ઞાનવાન (સં.) જીવ।

સચૈલ (સં.) વસ્ત્રસહિત, કપડોંકે સાથ। [નહાના।

સચૈલસ્નાન (સં.) વસ્ત્ર સહિત

સચ્ચોટ (અ૦) આબાદ, પ્રમાણિકતા પક્કા, દૃઢ।

સચ્ચોહું (વિ.) સમસ્ત, સારા, પૂરા, સબ, તમામ, સમ્પૂર્ણ (અ૦) બિલકુલ। [ચલનવાલા।

સચ્ચરિત-ત્ર (વિ.) અચ્છે ચાલ

સચ્ચિદાનંદ (સં. નિત્ય જ્ઞાન સ્વરૂપ ઔર સુખમય બ્રહ્મ। [દૃઢ, સંત્ય।

સચ્ચું (વિ.) સચ્ચા, ખરા, પક્કા,

સજ (વિ.) તૈયાર, કટિબદ્ધ; રાયત।

સજક (વિ.) સાવધાન, જાગૃત; હોશિયાર, સચેત।

સજગ (વિ.) મજબૂત, દૃઢ, ભારી, પાસપાસ, નિકટ, ઉઠબૈઠ ન સકે ઐસા, મરીહુઆ, પક્કા, પારપડને લાયક।

સજઠમાર (સં.) સખ્તમાર।

સજડઝાલવું (ક્રિ.) મજબૂત પક્ક દૃઢા।

સજડમઈજવું (ક્રિ.) મરજાના, દબજાના।

સજડમેવું (ક્રિ.) ધમકાના।

સજ્જનતા (સં.) ભલમંસા, સજ્જનતા સુજનતા।

સજ્જનાઈ (સં.) પૂર્વવત્।

સજ્જની (સં.) સખી, આલ્લી, પ્યારી, પ્રિયા, કાન્તા, ભાયળી।

સજ્જવું (ક્રિ.) સજના; ઇંદ્રિયા બન્દ હોના, શૃંગાર કરના, ધાર કરના, શાન પર ચઢાના, તૈયાર હોના।

સજ્જળ (વિ.) જળયુક્ત, ગીલા, આર્દ્ર

સજ્જલનેત્ર (સં.) અશ્રુયુક્ત નેત્ર, પાનીસે ડબડબાઈ હુઈ આંખેં।

સજ્જા (સં.) શિક્ષા, શાસન, દણ્ડ, નસીહત।

સજ્જાઈ (સં.) તય્યારી। [કુબ્જેસ્વર।

સજ્જાત (વિ.) કુલીન, ઉચ્ચ

સજ્જાતિ-તીય (વિ.) અપની જાતિ-વાલા, સમાન જાતિકી ।

સજ્જપો (સં.) તન્દુરુસ્તી, આરોગ્યતા । [હત, હિદાયત ।

સજ્જમ-ગ્રાય (સં.) શિક્ષા, નસી-

સજ્જરો (સં.) અસ્તુરા, ઉસ્તરા, છુરા ।

સજ્જવવું (ક્રિ.) સજ્જિત કરના, શૃંગાર કરના, અલંકૃત કરના, યાર કરના । [કાબિલ ।

સજ્જવાર (વિ.) યોગ્ય, લાયક,

સજ્જિત (વિ.) સજ્જિત, સજા હુઆ, અલંકૃત, સજ્જન ।

સજ્જીવ (વિ.) જીવિત જીવયુક્ત, પ્રાણી ।

સજ્જીવન (સં.) પુનર્જીવન, (વિ.) જીવદાતા, પુનર્જીવિત ।

સજ્જીવનપાણી (સં.) ઐસા જલ જિસકા કભી અંત ન આવે ।

સજ્જીવન કરવું (ક્રિ.) જીવિત કરના, જિન્દા કરના ।

સજ્જીવન ઔષધી (સં.) ઐસી બૂટી જો કાટને પરભી જીવિત રહે ।

સજ્જીવારોપણ (સં.) નિર્જીવ વસ્તુમે સજીવ વસ્તુકે ગુણોંકી કલ્પના કરના, ચૈતન્યત્વ રૂપક ।

સજ્જીવની (સં.) સંજીવની વિદ્યાવિશેષ ।

સજ્જુતા (વિ.) સંયુક્ત મિલા હુઆ ।

સજ્જોડ (વિ.) જોડાસહિત, (સ્ત્રી પુરુષ) ।

સજ્જોડું (સં.) પતિપત્ની, સ્ત્રીપુરુષ ।

સજ્જ-જિલ્લત (વિ.) સજા હુઆ, કટિબદ્ધ, ઉદ્યત ।

સજ્જન (વિ.) સભ્ય, કુલીન, ખાનદાની, સુપક્ક, સદાચારી (સં.) કુલવાન પુરુષ, સદાચારી પુરુષ, પ્રિયજન । શૃંગાર ।

સજ્જનતા-ઈ (સં.) સાધુતા, કુલીનતા, શિષ્ટતા, સભ્યતા ।

સજ્જા (સં.) સેજ, પલંગ, પર્યંક, શય્યા, મૃત પુરુષકે નામપર ઉસકી મૃત્યુકે તેરહવેં દિન ખાટ બિછૌને આદિકા દાન વિશેષ ।

સંચ (સં.) પ્રબન્ધ, યુક્તિ, તજ-બીજ, સાંચા, ડિઝાઇન ।

સંચય (સં.) સંગ્રહ, ઢેર, ઢકટ્ઠા, એકત્રિત, સ્ટૉક, બડ઼ી સંસ્થા ।

સંચરવું (ક્રિ.) ભીતર પ્રવેશ હોના, રસ છોડ઼ના, ઉપર રખના, સીંચના, મકાનકે ઉપરકે ઢાંક કરના, ભ્રમણ કરના ।

સંચળ (સં.) એક પ્રકારકા ક્ષાર ।

સંચાર (સં.) રાસ્તા, સંચરણ, इधर उधर फिरना, घुसकर फैलना, प्रवेश, गमन, भ्रमण, पर्यटन।

સંચારવું (ક્રિ.) डालना, उँडेलना, बरेक कवेलू ઉપરે ઠીક કરના।

સંચારિકા (સં.) दूती, दलालिन, कुटनी, सन्देश हरण करनेवाली।

સંચારી (વિ.) चंचळ, क्षणिक, क्षणभंगुर, अस्थिर, भ्रामक, गतिशील।

સંચિત (વિ.) संगृहीत, एकत्रित इकट्ठा किया हुआ, बटोरा हुवा (सं.) पूर्वजन्ममें भोगनेसे बचा हुआ कर्म।

સંચો (સં.) सांचा, यंत्र।

સંચોરો (સં.) क्षार विशेष, यह पापड़ोंमें और दाल वगैरःमें डाला जाता है।

સંજમ (સં.) दीक्षा, वैराग्य, बोध।

સંજ-જ્યા (સં.) सांझ, संध्याकाल, सायंकाळ। [मगजी (बड़ी)।

સંજપ-ખ (સં.) संझाफ, झल्ल,

સંજભી (સં.) एक जातिका साधु।

સંજીવની (સં.) एक प्रकारकी औषधि।

સંજોગ (સં.) संधि, दैवयोग, दैवी घटना, होनहार, भावी, इत्तिफाक, मेळ, मिलाप, योग, संयोग।

સંજોગી (સં.) घरबारी साधु, गृहस्थ साधु, साधुओंकी जाति-विशेष।

સંજોરી (સં.) एक प्रकारका गेहूंका मिष्ट पदार्थ, मीठी मठड़ी।

સઠ (સં.) सेठ, गंज, समूह, एक वस्तुमें एक समाजवे ऐसा समूह। (અ૦) झटपट, देखतेही देखते।

સઠકવું (ક્રિ.) चल देना, ढरक जाना, अदृश्य होना, निकल जाना।

સઠકી જવું (ક્રિ.) भाग जाना, निकल जाना।

સઠકાવવું (ક્રિ.) मारना, ठोकना, पीटना, (सूईसे) डोरे डालना, चीरना। [ऐसी गांठ, छोटी चुहिया

સઠકિયું (સં.) झट खुल जावे

સઠો (સં.) लकड़ीविशेष।

સઠસઠ (અ૦) गड़बड़ सड़बड़, उलट सुलट, इधरउधर, जहां तहां, गड़बड़ घोटाळा।

સઠલ (વિ.) निश्चित, ठीक।

સઠવું (ક્રિ.) भिड़ना, भागना।

સટાક (सं.) कोड़े, हंटर वगैरः की मारका शब्द।
સટાકભેર (अ०) झट, एकदम।
સટીક (वि.) टीकासहित, व्याख्या-युक्त, अर्थसहित।
સટોરિયો (सं.) सट्टा करनेवाला।
સટોસટ (अ०) फ़ौरन, तुरन्त, एकके बाद एक, नीचे ऊपरी।
સટ્ટો (सं.) सट्टेका धन्धा, एक प्रकारका जुआ। चोरी, बदमाशी द्वारा हरण। [शिथिल।
સઢ (वि.) ढीला, नरम, पोचा,
સઢ (अ०) झटपसे, (वि.) स्थिर, अचल ठहरा हुआ, बन्द (सं.) देखो સઢ।
સડક (सं.) मार्ग रास्ता, सीधा बनाया हुआ पथ, रोड। (वि.) स्थिर, स्तंभित, निस्तब्ध।
સડકો (सं.) पतले पदार्थको खाते वक्तका शब्द, सुरड़का, सबड़का।
સડકોટ (वि.) डाई, डाईका संदेश, (व्यापारियोंमें)
સડકોડ (सं.) अपनी बातको दुराग्रह पूर्वक न छोड़नेवाला।
સડવું (कि.) गलना, सड़जाना, खराब होना, गीली वस्तुका क्षय होना।
સડસડાવું (कि.) रबलना, उकलना।
સડસડાટ (अ०) जल्दीसे, झपाटेसे।
સડસેટ-ક (वि.) सड़सठ, ६७, संख्याविशेष। [झट, शीघ्र।
સડાક (अ०) जल्दीसे, फ़ौरन,
સડાકેદું (अ०) झटपट लेकर।
સડાકો (सं.) वायुकी आवाज, पवन के चलनेका शब्द।
સડો (सं.) बिगाड़ा, बिगड़नेका कारण, अड़ोसी पड़ौसी, परोस।
સઢ (सं.) पाल, बादबान, (ज़हाज़का) (वि.) जड़, स्थिर, चुप। [गति विशेष, दुःख।
સણકો (सं.) नाकके श्वासकी
સણગટ (सं.) घूंघट, पटओट, छेड़ा, औरतोंके मुखकी ओढ़ उनकी ही साड़ीसे।
સણગારવું (कि०) शृंगारकरना, अलंकार पहिनना, शोभितहोना।
સણગાર (सं.) शृंगार, गहना, शृंगार सोलह हैं, मज्जन, सिन्दूर, अंगशुचि, दिव्यवस्त्र, महावर, केशविन्यास, ठोड़ीपर तिल, माथे पर बिन्दी, मेंहदी अरगजालेपन, भूषण, सुगन्ध, मुखराग, दंतराग, अधरराग और काजल।

सनसनाना (क्रि) सनसन शब्द होना, शोभित करना, बेवर कपड़े पहिनना

सनसनी (सं.) बीजांकुर, अंकुर।

सनसंग (सं.) सुरंग, बिवर, (वि.) अंकुरयुक्त। [सन सनाहट।

सनसन (सं.) सनसन शब्द,

सनसनाना (क्रि.) सनसनाना, सन सन शब्द करना।

सनसनाहट (सं.) सनसनाहट, तेजी वा गतिका सूचक शब्द।

सनसनाना (क्रि.) घोड़ा या बैल को चलानेके लिये रस्सीको खींचना ढीलीदेना प्रभृति। इशारा करना, संकेतकरना, सैनकरना।

सनसनी (सं.) इंगित, इशारा, सैन, संकेत, चिन्ह।

सनिया (वि.) सनकाबनाहुआ वस्त्र, पाटवस्त्र, सनया कपड़ा। (वि.) सावधान, चतुर, होशियार।

सनी (सं) माता, मा, जननी।

सनीचे (सं.) पिता, बाप, जनक।

सनीस (सं.) पाखाना, शौच कूप, टट्टी, शौचगृह।

सत (वि.) सच्चा, असली, वास्तविक, अच्छा, पूज्य, श्रेष्ठ, उत्तम, शुद्ध। (सं.) सत्य, सचाईसार, रस।

सतचढ़ना (क्रि.) सती होनेके लिये स्त्रीको सतचढ़ना।

सतजुग (सं) कृतयुग, प्रथमयुग।

सतत (अ०) निरन्तर, हमेशा, सदाकाल, सदैव, सर्वदा।

सतभ (सं.) जुल्म, त्रास, पराकाष्ठा, सितम।

सतभगुलरना (क्रि.) जुल्मकरना

सतभी (सं.) बीजक, चालन, इनव्हाइस।

सतर (सं.) लकीर, रेखा, लहर।

सतार (सं.) सितार, बीन वाद्यविशेष, तारवाद्य।

सतारे (सं.) ग्रह, नभीच भास्य।

सताइना (क्रि.) सताना, कष्ट देना, चिढ़ाना, खिझाना।

सतिये (सं.) सत्यवादी, प्रमाणिक।

सती (सं.) पतिव्रता, साध्वी, पतिको देवसमान माननेवाली स्त्री, गायत्री, पार्वती, दक्षप्रजापतिकी पुत्री।

सतीत्व (क्रि.) सती होना, अपने पतिके मरनेपर उसके साथही एक चितामें जीवितही जलना।

सदु (वि.) सच्चा, सत्य, प्रकट, जाहिर, मौजूद। [वे पहिचान।

सदोसती७ (वि.) बे ठौर ठिकानेका

सद्धर्म (सं.) अच्छा काम, उत्तम काम, पुण्यकार्य।

सद्धार (सं.) पूजा, सम्मान, आदर आगत-स्वागत विवेक।

सद्धारवुं (क्रि.) मानकरना, इज्जत करना, स्वागतकरना।

सद्धालक्षेप (सं.) अच्छे कामके करनेमें अपना समय गंवाना।

सद्धिप (सं.) अच्छे काम, सदाचरण, आदर, सम्मान, आतिथ्य।

सद्धम (वि.) अतिउत्तम, अतिशय श्रेष्ठ, उम्दा।

सद्धर (वि.) सत्रह, १७ संख्या विशेष, उत्तम, ठीक, उचित, इच्छानुसार, सर्वोत्तम।

सद्धरागवुवा (क्रि.) भागजाना, छूटजाना, छू होना।

सद्धा (सं.) अस्तित्व, पराक्रम, विद्यमानता, बल, हकीमी अधिकार, अमल, धन, पैसा।

सद्धाआपवी (क्रि.) ताकतआना अधिकार मिलना।

सद्धाआपवी (क्रि.) अधिकारदेना।

सद्धाभलवी (क्रि.) अधिकार मिलना।

सद्धाभलावबी (क्रि.) हुकम चलाना।

सद्धाणुं (वि.) सत्यानवे, ९७, संख्याविशेष, तीनका संकेत, बीचमेंसे ढीला न हो ऐसा, सख्त, तनाहुवा, तंग।

सद्धाणुंपणा (वि.) बेदर्दपना।

सद्धाधारी-धीश (वि.) अधिकारी राजा, बलवान। [५७ सद्धावन।

सद्धापन (सं.) संख्या विशेष,

सद्धावीस (वि.) सत्ताईस, २७।

सद्धे (अ.) सातवें दिन।

सद्धो (सं.) ताशके पत्तोंमेंसे ७ चिन्ह युक्त किसीभी रंगका पत्ता।

सत्व (सं.) मायाके तीन गुणोंमेंसे एक गुण विशेष, यह गुण विशेष जिससे शान्ति, क्षमा, दया, सत्यज्ञान और नीतिकी वृद्धि होतीहै सुखका हेतु प्रकाशक ज्ञान।

सत्वगुण (सं) सात्विक गुण, प्रकृतिका एक गुण विशेष।

सत्य (सं.) सच्चा, यथार्थ, ठीक, निश्चय, मिथ्यानहीं, असल खरा, ईश्वर, सतयुग।

सत्यता (सं.) सचाई, सच्चापन।

सत्ययुग (सं.) प्रथम युग; कृतयुग, सत्रह लाख अठ्ठाइ हजार वर्षका प्रथम काल (सृष्टि आरंभसे)।

સત્યલોક (સં.) ઉપરી સાતલોકોમેં સબસે ઉપરકા લોક, બ્રહ્મ લોક ।[ઈમાનદાર, વિશ્વાસુ ।

સત્યવાદી (વિ.) સચબોલને વાલા,

સત્યશીલ (વિ.) જિસકી આદત હી હમેશા સત્ય ભાષણ કરનેકી હો ।

સત્યસ્વરૂપ (સં.) ઈશ્વર, પરમાત્મા ।

સત્યાનાશ (સ.) નાશ, વિનાશ, બરબાદ । [બાદી, દુર્દિન ।

સત્યાનાશીપાદી (સં.) બર-

સત્યાર્થ (વિ.) ખરા, સચ્ચા, ઠીક ।

સત્યાશી (વિ.) સંખ્યા વિશેષ, સતાસી ૮૭ ।

સત્યાશીયું (વિ.) સત્તાસીકે માલસે સમ્બન્ધ રખનેવાલા ।

સત્ર (સં.) યજ્ઞ, દેવ, સ્તુતિજ્ઞાન, દાન, સદાદાન, સદાવર્ત્ત । [સૂબા ।

સત્રપ (સં.) બડે રાજ્યકા કોઈ

સત્રશાળા (સં) અન્ન દાન કરનેકા સ્થાન, સદાવરત બટનેકી જગહ ।

સત્વર (અ૰) જલ્દીસે, શીઘ્રતાસે।

સત્સંગ (સં.) સાધુ સમાગમ, અચ્છી સંગતિ, સુસંગતિ ।

સત્સંમતિ (સં.) અચ્છી સોહબત ।

સત્સંગી (વિ.) અચ્છે સંગવાલા ।

સથરપથર (અ૰) ઇધરઉધર બિખરાહુઆ, ઉલટપુલટ, તિતર બિતર ।

સથરાવું (સં.) ઇધર ઉધર ફેલનેકી સ્થિતિ, સેનાકા વધ ।

સથરાશથું (સં.) શાન્તિ, અમન ।

સથરાશથું ખેરાવી (ક્રિ.) ઘબરાહટ હોના ।[આકી ટોળે, કાફલા ।

સથવારો (સં.) સાથ, સંગ, સા-

સદ્ (વિ) " સત્ " કા રૂપ વિશેષ । દૂસરે શબ્દો કે સાથ પ્રાયઃ મિલને પર ત્—દ્ હો જાતા હૈ=જૈસે સત્+ગતિ=સદ્ગતિ ।

સદ્ભાવું (ક્રિ.) માનના, સ્વીકાર કરના, કબૂલકરના ।

સદન (સં.) ગૃહ, ઘર, મકાન, મંદિર, વાસસ્થાન, ધામ, ભવન, કેતન ।

સદય (વિ.) દયાયુક્ત, કૃપાલુ, મૃદુક, કારુણિક । [બડા, ખાસ ।

સદર (વિ) મુખ્ય, ઊંચા, સબસે

સદર અમીન (સં) પહિલી શ્રેણીકા દેશી અમલદાર ।

સદર પરવાનગી (સં.) આમ મુખ્તારી, આમ ઇજાજત, છૂટ ।

સદર બજાર (સં.) છાવનીકા બાજાર, ફૌજી બાજાર ।

સદરહુ-હું (વિ.) પૂર્વોક્ત, ઉક્ત, અર્ધ લિખિત, મજકૂર । [વસ્ત્ર વિશેષ ।
સદરો (સં.) છોટી બાંહોંકા એક
સદવું (ક્રિ.) અનુકૂળ આવા, સહના, માફક આના ।
સદળ (વિ.) મોટા, બળદાર, દળ સહિત, સેનાસહિત ।
સદા (અ૦) હમેશા, નિરન્તર, નિત્ય, રોજ, સતત, સર્વદા ।
સદાકાળ (અ૦) પૂર્વવત ।
સદાચરણ (સં.) શુદ્ધ આચરણ, નેક ચાલચલન । [ઈશ્વર ।
સદાનંદ (સં.) સર્વદા આનન્દ,
સદાનર્ત (સં.) ખંજન નામ્નો ચિડિયા, પક્ષી વિશેષ ।
સદાબ્રૂં (અ૦) સારા, પૂરા, સબ ।
સદારદા (અ૦) મહજહીમે, અકારણ, યુંહી ।
સદાવહું (અ૦) સબ, સારા, સમ્પૂર્ણ, હમેશા, નિત્ય, રોજ ।
સદાવરત (સં.) અનાથાલય, ભૂખોંકો અન્નદાન-સ્થાન ।
સદાશિવ (સં.) શંકર, મહાદેવ ।
સદા સર્વદા (વિ.) હમેશા, નિત્ય, રોજમર્રહ, જબતબ ।
સદી (સં.) સૌ વર્ષકા સમય, શતાબ્દિ, સૈકડા, શતસંવત્સરી ।
સદીસા (અ૦) સમયપર, વખતપર, જિતને સમયમેં હોના ચાહિયે ઉતનેહી સમયમેં ।
સદૈવ (અ૦) સદા, સર્વદા, હમેશા, નિરંતર, નિત્ય, રોજ ।
સદોદિત (વિ.) દેખો સદૈવ ।
સદ્ગતિ (સં.) મોક્ષ, ઉદ્ધાર, નિસ્તાર, ત્રાણ, ઉત્તમગતિ, છુટકારા ।
સદ્ગુણ (સં.) અચ્છાગુણ ।
સદ્ગુણસમ્પન્ન (વિ.) સદ્ગુણી ।
સદ્ગુણી (વિ.) અચ્છે ગુણોંસે યુક્ત ।
સદ્ધર્મ (સં.) શ્રેષ્ઠ ધર્મ, સત્ય ધર્મ નીતિયુક્ત માર્ગ, સદાચાર ।
સદ્બુદ્ધિ (સં.) સુન્દર બુદ્ધિ, અચ્છી અક્કલ ।
સદ્ભાવ (સં.) અચ્છી ઇચ્છા, અચ્છા ભાવ । [મકાન, જગહ ।
સદ્મ (સં.) ઘર, ગૃહ, નિવાસસ્થાન,
સદ્ય (અ૦) ઝટ, તત્ક્ષણ, સપાદિ, ફૌરન, તુરન્ત ઉસી વક્ત ।
સદ્વર્તન (સં.) અચ્છા વર્તાવ ।
સદ્વસ્તુ (સં.) અચ્છી ચીજ ।
સદ્વાસના (સં) અચ્છી, ઇચ્છા ।
સધર (વિ.) બળવાન, શક્તિસમ્પન્ન, ધનાઢ્ય । [હોના, ઠીકહોના ।
સધરવું (ક્રિ.) સુધરના, બનના,

સદ્ગત (સં.) બીજાત્માનું મૃત્યુ-સ્થાન, સ્વર્ગલોક।

સધર્મિણિ (વિ.) એક ધર્મ પાળનારી (સં.) પત્ની, બાયડી, ઔરત।

સધર્મી (વિ.) એક ધર્મનો, આપણે ધર્મનો માનનેવાલા।

સધવા (સં.) સુહાગિન, સુભગા, પતિયુક્ત (સ્ત્રી)।

સધાવવું (ક્રિ) જાવા, વિદા હોના, રવાના હોના, સુધારના।

સધાવવું (ક્રિ.) જાના, કૂચ કરના, સટકના, વિદાહોના।

સન (સં.) વર્ષ, સાલ, સંવત્, (યહ હિજરી ઔર ઈસ્વી સંવતકે લિયે લગાયા જાત હૈ)

સનદ (સં.) ફરમાન, પટ્ટા, હુક્મ, પરવાના, અસ્તિયારનામા। અધિકારપત્ર।

સનદી (વિ.) જિસે સનદ મિલી હો સનદવાલા, યા સનદ સંબંધી।

સનમના (સં.) શોક, ચિંતા, ઉદાસી, વ્યાકુળતા, બે ચૈની।

સનસ (સં.) ઇચ્છા, લોભ, લાલચ ચાહ, સ્પૃહા।

સનમાર્જની (સં.) બુહારી, ઝાડૂ।

સનાતન (વિ.) નિત્ય અનાદિ, સદાકા, પ્રાચીન, નિશ્ચલ।

સનાથ (સં.) સ્વામિયુક્ત, જિસકા માલિકહો, વાલવ યુક્ત।

સનાદ (વિ.) નાદયુક્ત, શબ્દવાલા।

સનાદે (અ.) પાસમેં, નજદીક।

સનાન (સં.) સ્નાન, મરનેવાલે કે નામપર નહાના, નહાવ।

સનાન ભાંડવા (ક્રિ.) બુરી હાલત હોના।

સનાન સુતક આવવું (ક્રિ.) સમ્બન્ધ હોના, લેનદેન હોના।

સનાન પાણી આવવું (ક્રિ.) ભારી હાનિમેં આજાના।

સનાનના સમાચાર (સં.) અશુભ, સમાચાર, બુરી ખબર।

સનાનિયું (વિ.) કિસીકે મરનેકી ખબર લાનેવાલા।

સનિપાત (સં) મિલના, નીચે ગિરના, એક જ્વર જિસમેં વાતપિત્ત ઔર કફાત્મક તીનોં દોષ બિગડ કર એકત્ર હોજાતે હૈં, ત્રિદોષ, નાસ।

સની (સં.) શનિ, ગ્રહવિશેષ।

સનેઉ (અ૰) શનિવારકે દિન।

સનેડા (સં.) સ્નેહ, પ્યાર, પ્રેમ, પ્રીતિ।

સંત (સં.) સાધુ, સજ્જન, ઉત્તમ મનુષ્ય, ધાર્મિક, ધર્મી, ત્યાગી।

સંતત (અ૦) હમેશા, નિત્ય, સર્વદા।
સંતતિ (સં.) વિસ્તાર, ઔલાદ, પોત્રવૃદ્ધિ, બાળ બચ્ચે ।
સંતરૂં (સં.) નારંગીની જાતિનું એક ફલવિશેષ, સન્તરા ।
સંતલસ (સં.) નીચ કાર્ય કરનેનો વિચાર, પરામર્શ, સલાહ ।
સંતાકુકડી–કૂકડું–કૂકડો (સં.) બાલકોંનો ખેલ વિશેષ ।
સંતાડવો (ક્રિ.) પૂર્વવત્ ।
સંતાડવું (ક્રિ.) છુપાવું, ઢાંકવું, ગુપ્ત રખવું, છુપાવું ।
સંતાન (સં.) વંશ, સંતતિ, અપત્ય, વિસ્તાર, બાળબચ્ચે ।
સંતાનિકા (સં.) મલાઈ, દૂધની થર।
સંતાપ (સં.) કષ્ટ, પીડા, દુઃખ, તકલીફ, ક્લેશ, ગુસ્સા, પછતાવા ।
સંતાપવું (ક્રિ.) દુઃખ દેવું, ચિંતાવું, ખિજાવું, વ્યાકુલ કરવું ।
સંતાવું (ક્રિ.) છુપવું, છુપવું, દબવું, ઘુસવું, ચુપ રહેવું ।
સંતુષ્ટ (વિ.) પ્રસન્ન, તૃપ્ત, શાંત, સંતોષપ્રાપ્ત, ખુશ ।
સંતોષ (સં.) સંતોષ, તૃપ્તિ, ખુશી ।
સંતોષવું (ક્રિ.) પ્રસન્નકરવું, તૃપ્ત કરવું, તસલ્લી કરવી ।
સંતોષો (સં) વારણાને સહિત વચન યા તોલ ।
સંતોષકારક (વિ.) સંતોષ દેનેવાલા, સંશય હટાનેવાલા, મનમાના
સંતોષપૂર્વક (અ૦) સંતોષસહિત, પ્રસન્નતાપૂર્વક, રાજીખુશીસે ।
સંતોષવૃત્તિ (સં.) તૃપ્તિ, ચિત્ત સમાધાન ।
સંતોષવું (ક્રિ.) રાજી કરવું, પ્રસન્ન કરવું, ખુશ કરવું ।
સંન્યાસ(સં.) મૃત્યુ સમય નિકટ જાનકર શરીર ઇન્દ્રિય આદિકરમે મમતા ત્યાગનેકે સંકલ્પપૂર્વક, શયન કરવું, સંસ્તાર વ્રત ।
સંપાવું (ક્રિ.) રુકવાના, ઘિરજાના, વિવાહ હોના, ફંસ જાના ।
સંદર્ભ (સં.) રચના, ગ્રન્થન, ગૂંથના, પ્રબન્ધ, ગૂઢાર્થ પ્રકાશન, સારવચન । [ખબર, વૃત્તાન્ત ।
સંદેશો (સં.) સમાચાર, સમ્વાદ,
સંદીપન (સં.) ઉત્તેજન, પ્રજ્વલન, સુલગના, વૃદ્ધિ ।
સંદુક (સં.) પેટી, તિજોરી, મંજૂષા, કન્થા, પિટારા, ટિપારા ।
સંદેહ (સં.) શક, સંશય, શંકા, ભ્રમ, દુવિધા, અનિશ્ચિત જ્ઞાન ।

संधान (सं.) मेळ, अन्वेषण, ढूंढ, खोज, पताळगामा, अनुसंधान शोध, समज, मौका, विचारणा, मन ताकना, अनुकूळ ।

संधानी (सं.) मौका देखनेवाला, ढूंढनेवाळा, खोजी । [जोड़नेवाळा ।

संधारी (सं.) फूटेहुवे पात्रको

संधि (सं) मेळ, संयोग, मिलाप, दरार, अक्षरोंका मेळ, (व्याकरण शास्त्र) अनुकूल समय, अवसर ।

संधिवा (सं.) सन्धिवात, रोग विशेष शरीरके जोड़ोंमें वादीकी बिमारी ।

संधिविग्रह (सं.) लड़ाई और सलाह, युद्ध और शांति ।

संधिविग्रहिक (सं) जिसका लड़ाई और सन्धिकरानेका काम हो वह, एलची, प्रतिनिधि, दरबार वकील । [संपूर्ण ।

संधु (वि.) सब, सारा, समूचा

संधुक्ष्य (सं.) चुगळी, यहांकी बात वहां, और वहांकी यहां करना ।

संधे (सं.) सर्वत्र, सब जगहोंपर

(सं.) सन्देह, संशय, शक ।

संध्या (सं.) सूर्यास्तका समय सूर्योदयका वक्त, सायंकाळ, दिनका अंत, रात दिनका अंत, रात दिनके संधिसमय, सन्ध्या वंदन, सन्ध्या समय की जानेवाली द्विजोंकी ईश्वरोपासना ।

संध्याकाळ (सं.) सायंकाळ, चिराग़, बत्तीका समय ।

संध्यावन्दन (सं.) सन्धिसमयकी प्रभुवन्दना, सन्ध्योपासना ।

सन्नाह (सं.) फौजी पोषाक, सैनिक वस्त्र, कवच, बखतर, वर्म्म जिरह । [सामने, निकट ।

सन्निध (अ०) पास, नजदीक,

सन्निधान (सं.) सामीप्य, निकटता, (अ.) पूर्ववत् ।

सन्यस्त (सं.) संन्यासी होना, संन्यास आश्रमस्थित, संसार त्याग, काम्यकर्मोंका त्याग, चतुर्थाश्रम ।

संन्यास (सं.) पूर्ववत् ।

संन्यासी (सं.) संन्यासयुक्त, चौथे आश्रमवाळा पुरुष, परिव्राट ।

सन्मान (सं.) आदर, सरकार, इज्जत, सम्मान ।

सन्मार्ग (सं.) अच्छामार्ग, सुपथ सत्पथ, न्यायानुमोदित पथ ।

सन्मित्र (सं.) सच्चादोस्त, पक्का साथी, उत्तम मित्र ।

सन्मुख (अ०) मुहं व मुहं रूबरू, मुहं आगे, सामने, पासमें, समक्ष, प्रत्युत्तरमें, जवाबमें ।

સન્મુખ થવું (ક્રિ.) સામનેજાના।
સપ્તાહ (સં.) સમ્બન્ધ, સગાઈ, સગપન, નાતા। [મહીના।
સપ્ટેમ્બર (સં.) અંગ્રેજી નવાં
સપ્તાવવું (ક્રિ.) બન્દકરના, રોકના, અટકાના।
સપ્તડાવવું (ક્રિ.) ફંસાના, પકડના, ફન્દેમેં લેના, દાંવમેં લેના ધમકાના, ઘબરાના।
સપ્તડાવું (ક્રિ) દાંવમે આના, ફંસના, હૈરાન હોના, પિટના।
સપત (સં.) સૌગંધ, કસમ, સૌંહ, સૌગન, શપથ।
સપનું (સં.) સ્વપ્ન, નિદ્રાકે સમય વિચારમેં આઈ હુઈ બાતેં, સપના।
સપરમો (વિ) હર્ષકા, ખુશીકા, પ્રસન્નતાકા (દિન)।
સપરાણવું (ક્રિ.) તય્યાર હોના।
સપત્ન (સં.) સૌક, સૌત, પતિ કી દૂસરી સ્ત્રી, સપત્ની।
સપરાણું (વિ.) સબ, સારા, સમ્પૂર્ણ, સર્વસ્વ, અનુકૂલ।
સપરિવાર (વિ.) પરિવારસહિત, સહકુટુમ્બ, બાલબચ્ચોંસહિત।
સપસપ (અ૦) ઝટપટ।
સપાટ (વિ.) સીધા, ચપટે આકારકા (જિસમેં ઊંચાઈ નિચાઈ ન હો) પૂરમ્પૂર, ઠીક, સારા। (સં.) બિના એડીકે જૂતે, સ્લીપર, ચપ્પલ।
સપાટાબંધ (અ૦) જોરસે, વેગપૂર્વક, ઝપાટેદાર।
સપાડિયું (વિ.) બાંસ યા બરૂંકી ચીપ-ખપચ્ચી।
સપાટી (સં.) કિસી વસ્તુકે ઉપરકા ચપટા ભાગ।
સપાટો (સં.) સપાટા, ઝપાટા, ઝડપ, ફટકાર, માર, ચોટ, દૌડ, ચાલાકી। [રના, ધમકાના।
સપાટો કાઢી નાખવો (ક્રિ.) મા-
સપાડું (સં.) અહસાન, અનુગ્રહ, કૃપા, ઉપકાર, આભાર।
સપારે (અ૦) ઠીક, દુરુસ્ત, બરાબર।
સપુરું (અ૦) સારા, સમસ્ત, પૂરા, તમામ, સબ, સમ્પૂર્ણ।
સપુરત (સં.) સિપુર્દ સૌંપના, હવાલે કરના, અધિકારમેં દેના।
સપૂત (સં.) અચ્છા પુત્ર, સુપુત્ર।
સપેત (વિ.) ધવલ, શ્વેત, સફેદ।
સપ્ત (વિ.) સાતકી સંખ્યા, ૭।
સપ્તઋષિ (સં.) સાત વૈદિક મહાત્મા પુરુષ-કશ્યપ, અત્રિ, ભરદ્વાજ, વિશ્વામિત્ર, ગૌતમ જમદગ્નિ ઔર વશિષ્ઠ। આકાશસ્થ સાત તારે

सप्तद्वीप (सं.) सातद्वीप-जम्बु, कुश, क्रौंच, शाल्मली, कैवा, शाक और पुष्कर । [जहाँ तें, (गोळ)

सप्तद्वीपी (सं.) सातद्वीपे दार

सप्तधातु (सं.) शरीरस्थ सात धातु यथा-रस, रक्त, मांस, मेद, अस्थि, मज्जा, और शुक्र । पार्थिव धातु-यथा, सोना, चांदी, शीशा, तांबा, कासी, लोहा और रांगा ।

सप्तमी (सं.) (व्याकरणमें विभक्ति) सप्तमी, तिथिविशेष, सातें, सातम, सातवीं ।

सप्तराशी (सं.) (गणितमें) सप्तराशिक ।

सप्तस्वर (सं.) सातस्वर, यथा,-षड्ज, ऋषभ, गन्धार, मध्यम, पंचम, धैवत, और निषाद इनके आद्य अक्षर सा री,ग,म,प,ध,नी ।

सप्ताह (सं.) हफ्ता, समस्त वारोंकी एक गणना, सात दिनकी अवधि, भागवत आदी पुस्तकका सात दिनमें पठन ।

सप्पट (वि.) संकुचता, फसता, तंग कसा हुआ ।

सप्रेम (अ०) प्रेमपूर्वक, प्यारसे ।

सफ (सं.) लकीर, सतर, पांत, पंक्ति, कॉलम ।

सफर (सं.) यात्रा, प्रवास, मुसाफिरी, नाव चलानेका धंधा । मुसलमानोंका दूसरा महीना ।

सफर भारणी (क्रि.) समुद्र किनारे फिरने, टहलने जाना ।

सफरे जणुं (क्रि.) (समुद्र) यात्रा करना ।

सफरजन (सं.) एक प्रकारका फळ ।

सफरी (वि.) प्रवासी, यात्री (जलका) (सं.) खलासी, नाव चलानेवाला, (वि.) बड़ा, उदार, खर्चीला, मुक्त हस्त । [प्रमाणरूप ।

सफल (वि.) फलयुक्त, सिद्ध,

सफा (वि.) साफ, स्वच्छ ।

सफाई (सं.) स्वच्छता, पवित्रता, उत्तमता, सुघडता, चालाकी, छटा ।

सफाई भारणी (क्रि.) बड़ाई हांकना, तारीफ मारना, सफाईकी बातें मारना ।

सफाईदार (वि.) साफाईवाला, साफ ।

सफाणुं (वि.) एकदम, अचानक ।

सफीत (सं.) बालकोंका खेलविशेष, गोमिंडुनामक खेल ।

સરીલ (સં.) ઘરની હદકે પાસની આસપાસની જમીન, બે ઘરોંકો અલગ અલગ દિખાનેવાલી ઊંચી દીવાર ।

સરીહદાર (સં.) એક ઘરસે લગી હુઈ દૂસરી ઝમીન યા દીવારકા માલિક ; [પેઝ ।

સર્યું (સં.) પૃષ્ઠ, વર્ક, સફા, પન્ના,

સરેત (વિ.) ધવલ, શ્વેત, ઉજ્જ્વલ ।

સરેતી (સં.) ચપલતા, સફેદી, નિર્મળતા, શ્વેતતા । [ચૂર્ણવિશેષ ।

સરેતો (સં.) સફેદા, સફેદ રંગકા

સવ (સં.) મુર્દા, લાશ, શવ, મૃત-શરીર, (વિ.) સારા, સમસ્ત, તમામ, કુલ ।

સવક (સં.) પાઠ, શિક્ષા, અધ્યાય ।

સવજી (સં.) ઠરાપાની, ભંગ ભંગકા પાની । [બૂદાર વૃક્ષ ।

સવલો (સં.) એક પ્રકારકા ખુશ-

સવડકો (સં.) તરલ પદાર્થકે ચૂસનેકા શબ્દ ।

સવડકો ભારવો (ક્રિ.) ખૂબ ખાના ।

સવડવું (ક્રિ.) પતલે પદાર્થકો પાંચોં અંગુલિયોંમેં લેકર ચૂસના ।

સવડાક (સં.) પતલે પદાર્થકો ખાનેકા શબ્દવિશેષ ।

સવડાવવું (ક્રિ.) પ્રવાહી પદાર્થકો મુહમેં રખકર ચૂસના ।

સવધું (વિ.) મજબૂત, દઢ ।

સવબ (સં.) હેતુ, કારણ, ઉદ્દેશ । (અ૦) ઇસ વાસ્તે, ઇસલિયે, અતએવ । [નિકાલના ।

સવબ કાઢવો (ક્રિ.) બહાના,

સવર (સં.) સબ્ર, સંતોષ, તસલ્લી ।

સવરસ (સં.) નમક, લવણ, નોન, રામરસ, ક્ષારવિશેષ ।

સવળ-સવળું (વિ.) બલવાન, તાકતવર, મજબૂત, સગુણ ।

સવી (સં.) છવિ, કાન્તિ, શોભા, ચિત્ર, તસ્વીર ।

સવુદ્ધ (સં.) સુબુદ્ધિ, ઉત્તમ બુદ્ધિ, (અ૦) બુદ્ધિદ્વારા, અક્લસે ।

સબુર-રી (સં.) સબ્ર, ધૈર્ય, સંતોષ ।

સબુર (અ૦) આડ, રોક, અટક ।

સબુરી પકડવી (ક્રિ) સંતોષ કરના ।

સબુરીનો બદલો ઈશ્વર આપશે (ઉ) ધૈર્યકા ફલ સદા ઉત્તમ હોત હૈ ।

સભર (વિ.) ભરપૂર ।

સભરે (અ૦) ભરપૂર, સબ, બિલકુલ ।

સભા (સં.) મંડલી, સમાજ, બહુતસે લોગોંકા જમાવ, વિદ્વત્સમુદાય, સમ્મેલન, મીટિંગ, પંચાયત ।

સભાસદ (સ.) મંડળીનો એક મનુષ્ય, સભ્ય, સભામાં બેઠનેવાલા, સભાકા મેમ્બર ।

સભાગ્ય (વિ.) ભાગ્યવાળી, પ્રારબ્ધી ।

સભાધ્યક્ષ-પતિ (સં.) સભાકા મુખ્ય, સભાકા સ્વામી, પ્રેસીડેન્ટ ।

સભ્ભર (વિ.) ભરપૂર, પૈસેવાલા, તાકતવાલા, ગર્ભવતી ઘોડી ।

સભ્ય (વિ.) સભ્યકેયોગ્ય, નાગરિક, ભદ્ર, ભલા, સભાકા મેમ્બર, શિષ્ટ, નમ્ર, વિનયી ।

સભ્યતા (સં.) વિવેક, જ્ઞાન, નાગરિકતા, શિષ્ટતા, નમ્રતા, ભલમંસી, શરાફત, કુલીનતા, યોગ્યતા ।

સમ (સં.) સંગ સાથ સૂચક ઉપસર્ગ, સુંદર, અચ્છા, અત્યંત, જ્યાદા; (વિ.) બરાબર, સમાન, અનુસાર, બરાબર, ચૌરસ, સપાટ, પૂર્ણ સંખ્યાવાળા, નિષ્પક્ષપાતી (સં.) કસમ, સૌગંધ, શપથ ।

સમજાવવા (ક્રિ.) કસમ દેના ।

સમજવા (ક્રિ.) પૂર્વવત્ ।

સમજાવાનથી (ક્રિ.) બિલકુલ [નહીં ।

સમજાપૂર્ણા (સં.) અપૂર્ણાંક કી એક જાતિ, (ગણિતમેં)

સમઠ (સં.) પીતલકા દીપક, પીલ્લોત, પીતલકી દીવટ ।

સમક્ષણી (વિ.) એકહી સમવયસ્ક, સમકાલીન ।

સમક્ષ (અ૦) રૂબરૂ, સામને, પાસ નજદીક, મુહં સામને ।

સમગ્ર (વિ.) તમામ, સારા, સબ ।

સમચોરસ (વિ.) જિસકે ચારોં કોને સમાન હોં ।

સમછિદ્ર (વિ.) સમાન છિદ્રવાલા ।

સમહિત (સં.) ધર્મકા સચ્ચા માર્ગ ।

સમજ (સં.) અક્ક, બુદ્ધિ, સમઝ, ટીકા, વ્યાખ્યા, કારણ, જ્ઞાન, શોધક બુદ્ધિ ।

સમજનાપરમાત્મવું (ક્રિ.) ઉક્ત પાના, બાલિગ હોના, (સં.) સલાહ સયાનાપન ।

સમજદાર (વિ.) સમઝદાર, સ્યાના હોશિયાર, ચતુર, બાલિગ ।

સમજદાર (વિ.) પૂર્વવત્ ।

સમજવું (ક્રિ.) સમઝના, બાલિગ હોના, મનમેં તુલના, વિચારકરના, સલાહ હોના, મિલના, અંદરહી અંદર સમાધાન હોના ।

સમજાવવું(ક્રિ.)સમઝાના,બુઝાના,સુલાહ કરના,ઠંડાકરના શાન્ત કરના, ઠગના, પોટના, મનમેં ઉતારના ।

સમજુ-ઝ (વિ.) સમઝદાર, સયાના, હોશિયાર, ચતુર ।

સમજુત–તી (સં.) સમઝોતા, સલાહ, સંધિ, ઐક્ય, સુલહ, સમાધાન, નિપટારા, વિરોધશાંતિ, ટીકા, વ્યાખ્યા.

સમડી (સં.) એક જાતિકા પક્ષી.

સમડો (સં.) સમડીકા નર પક્ષી શમી વૃક્ષ.

સમણુ (સં.) જિતના સમાસકે ઉતના, અધિક ગર્મ જલકો કુછ ઠણ્ડા જલ ડાલકર આવશ્યકતાનુસાર ઠંડા કરનેકે લિયે શીતલ જલ.

સમણું (સં.) સપના, સ્વપ્ન.

સમણ્ણી–ણ્ણી (સં.) સુનારકા એક ઔજાર વિશેષ. [સમાન.

સમતલ (સં.) ચૌરસ, સપાટ,

સમતલપ્રુષ્ઠ (સં.) પૂર્વવત્.

સમતા (સં.) બરાબરી, સમાનતા, શાંતિ, મનપર અંકુશ.

સમતોલ (વિ.) સમાન વજનવાલા, બરાબર, વજનમેં સમાન.

સમદર્શી (વિ.) બેલાગ, પક્ષપાતશૂન્ય, સમાન દૃષ્ટિવાલા.

સમદુઃખી (વિ.) સમાન દુઃખવાલા,

સમદૃષ્ટિ (સં.) સમાન દૃષ્ટિ, એક નજર. [રંગકા ચમડા.

સમદો (સં.) તાજા ઔર બિના

સમધાત (વિ.) ઐસી ઔષધિ જો ન ગર્મ હો ઔર ન ઠંડી હો, આદિક.

સમન (સં.) સમ્મન, સરકારકી ઓરસે હાજિર હોનેકે લિયે બુલાવેકા કાગજ. [લતા વિશેષ.

સમંદરસોખ (સં.) એક પ્રકારકી

સમંધ (સં.) સમ્બન્ધ, નાતા, યોગ. [સગા,(અ૰)વિવાહ. લિયે.

સમંધી (સં.) સમ્બંધી, રિશ્તેદાર,

સમખાણુ–ચોખુણ (સં.) ચૌરસ.

સમખાણુ–ત્રિકોણ (સં.) ઐસા ત્રિકોણ જો તીનોં ઓરસે સમાનહૈ.

સમભાગ (સં.) બરાબર હિસ્સા, સમાન ભાગ.

સમભાવ (સં.) સમાન પ્રેમ, એકસી ભાવના, સમતા, સામ્ય, તુલ્યતા, સમાનતાબુદ્ધિ.

સમય (સં.) વક્ત, કાલ, બેલા, અવસર, ઋતુ, મૌસિમ, યોગ, પ્રસંગ, અવકાશ.

સમય વર્તવો (ક્રિ.) સમય દેખના, બાત સમઝના.

સમય વર્તે સાવધાન (ક્રિ.) સમયાનુસાર બર્તાવ કરના.

સમય ભરાઈ જવો (ક્રિ.) વક્ત પૂરા હોજાના.

સમયસૂચકતા (સં.) સમયચાતુરી, સમયાનુસાર બર્તાવ તથા ભાષણ.

अभंगुसार (अ०) असंगसुसार, सबके सुखाधिक ।

अभर (सं.) युद्ध, लड़ाई, रण, कामदेव पंचशर, सात संख्याका सूचक संकेत, (कि.) वादकर, स्मर्णकर । [स्मृतिवाद ।

अभरणु (सं.) स्मरण, सुधि, चेत,

अभरली (सं.) माला, तसबीह ।

अभरथ (वि.) समर्थ, सामर्थ्य-युक्त, बळवान ।

अभरपणु (सं.) समर्पण, सौंप, स्थान, अर्पण, दान ।

अभरपणी (वि.) स्नान करके अपने हाथसेही भोजन बनाकर खानेवाला ।

अभरणुं (कि.) स्मर्ण करना, याद करना, सुधि लेना, सुधरना ठीक होना, दुरुस्त होना ।

अभरांगणु (सं.) युद्धक्षेत्र, लड़ाईका मैदान, रण-भूमि, मैदानेजंग ।

अभरावणुं (कि.) ठीक कराना, दुरुस्त कराना, सुधराना ।

अभरावुं (कि.) ठीक होना, सुधरना । [छोटा, अल्प, थोड़ा ।

अभरी (सं.) संक्षेप, सार, (वि.)

अभर्थ (वि.) अशिक्षित, मूर्ख, अशिक्षणीय, अनाड़ी, बेसमझ ।

अभर्पणा (वि.) समर्पणदीक्षा लेनेवाला, जिसने अपना मतके पुष्टि मार्गके अनुसार समर्पणकी दीक्षा ली हो ।

अभर्पणुं (कि.) अर्पण करना, भक्तिपूर्वक भेट करना, देना, पूजन करना, समर्पण करना ।

अभरो (सं.) मुसलमानी ढंगकी टोपी विशेष ।

अभवयी (वि.) समान उम्रवाला, समवयस्क, जोड़ीदार, बराबरीका ।

अभवाय (सं.) संग्रह, समूह, सम्बंध ।

अभवित (वि.) समान जाननेवाला ।

अभविषम (वि.) कमज्यादः ऊँचानीचा । [ऊँच नीच ।

अभविषमता (सं.) न्यूनाधिक्य,

अभवुं (कि.) समाना, बराबर भराना, ठीक बैठना, समाजाना ।

अभशेर (सं.) तलवार, खड्ग, कृपाण ।

अभशेर भहादुर (सं.) योद्धा, वीर, इस नामसे एक पदविशेष ।

अभष्टि (सं.) निपट, समूह, सम्मेलन, सम्यग्ज्ञप्ति, समस्तपन ।

अभसभाहार (सं.) सूरज, दिनेश ।

समशानीय (वि.) मुर्देके साथ श्मशानतक जानेवाला, अग्निसंस्कार में शामिल होनेवाला, श्मशान सम्बन्धी, मसानका ।

समस्त (वि.) सारा, सब, तमाम, कुल, सम्पूर्ण, बिलकुल ।

समस्या (सं.) संकेत, इशारा, निशानी, श्लोकके एक पादसे शेष तीन पादोंकी पूर्ति, किसी छन्दका एक अन्तिम पाद । संकेत करना ।

समागम (सं.) संगति, मिलाप, सोहबत, साथ, पहिचान, सम्मिलन, आगमन, संभाषण ।

समाचार (सं.) खबर, संवाद, संदेश, वृत्त ।

समाज (सं.) सभा, जातीय संस्था, समूह, समुदाय, मीटिंग ।

समाजु (सं.) जितना समावे उतना (वि.) समान, बराबरीका ।

समाजुं (वि.) पूर्ववत् ।

समाजी (सं.) सुनारका एक औज़ारविशेष, सुहागी (औज़ार)

समाजी (सं.) पूर्ववत् ।

समाधि (सं.) संस्कार, मृतकके अग्नेष्टि संस्कारके स्थानपर बना हुआ चबूतरा या छत्री । मठ ।

समाधान (सं.) उत्तर, शंकाका निराकरण, निपटारा, शांति ।

समाधानी (सं.) शान्ति, निवृत्ति, शंकाकी निवृत्ति, चैन, तसल्ली, खुशी ।

समाधि (सं.) ध्यान, योगकी क्रियाविशेष, मनःसंयोग । योगका आठवां अंग । [ध्यानमग्नित ।

समाधिस्थ (वि.) समाधिकी दशामें,

समान (वि.) तुल्य, एकसा, सरीखा, बराबर, सम, सीधा, सपाट, जैसा ।

समानता (सं.) बराबरी, तुल्यता ।

समानप्रकृति (सं.) जिसकी सदा एक सरीखी हालत रहती हो ।

समानवृत्ति (सं.) पूर्ववत् । [(शब्द)

समानार्थ (वि.) एकही अर्थके

समान्तर (वि.) समान दूरीपर ।

समाप्त (वि.) होचुका, पूर्ण, सिद्ध, आखीर, अन्त, खत्म, अच्छे प्रकार प्राप्तहुवा ।

समाधिस्थ (सं.) अपने इष्ट देवका स्मर्ण (जैसी लोगोंमें हो चुकी तक भजन करते बैठते हैं वह),

समाधान (सं.) अपने इष्टदेवका स्मरण (जैनी लोगोंमें दोघड़ी तक भजन करने बैठते हैं) वह ।

समारंभ (सं.) शुरूआत, ठठवाठ से कार्यारंभ, धूमधाम ।

समार (सं.) पटेला, (खेतीमें) आशरा, आश्रय, सहारा ।

समारणुं (कि.) सुधारना, दुरुस्त करना, संभालना, काटछीलकर तय्यार करना (रसोईकेलिये) ठीकठाक करना, अवश्यकतानुसार हेरफेर करना, शृंगार करना, काटना, तराशना, मारना ।

समाखणुं (कि.) समालना, बचाना रक्षाकरना, अनुसन्धान करना, जांचना, देखभाल करना ।

समावे (सं.) जगह, खालीस्थान, समान लायक स्थान ।

समावणुं (कि.) समाना, घुसाना, जगह करना, प्रवेश कराना, दबाना नरम करना, शांत करना, शमन करना, मनकी मनमें रखना ।

समावुं (कि.) माना, जगहहोना, घुसना, प्रविष्ट होना, गुस्सा नरम होना, हिलमेलके रहना ।

समावेश (सं.) पैसार, मिलाव, प्रवेश, जगह, स्थान, द्वार ।

समास (सं.) समानेकी जगह, खाली स्थान, ससुरालमें रहती हुई स्त्रीके कष्टोंको दूर करके उसका वास करना, व्याकरणकी एक प्रक्रिया, पदोंका योग, अलग अलग अर्थ के दो शब्दोंका मिलकर एक अर्थवाची शब्दका बनना ।

समास-त (वि) प्यारसे रहना,संयुक्त मिलित, मिलाहुआ, फंसा हुआ ।

समाहार (सं.) समुच्चय, इकट्ठा करना, संक्षेप । [वेद ।

समी (सं) शमीवृक्ष, खेजड़ेका

समीकरण (सं) जो बराबर न हो उसे बराबर करना बीज गणितकी वह क्रिया जिसके द्वारा अज्ञात संख्या जानी जाती है ।

समीप (अ०) पास, निकट, नजदीक, नगीच । [हवा ।

समीर (सं.) पवन, वायु, मरुत,

समीरण (सं) पूर्ववत् ।

समीशीये (अ०) बिना हरकत के बिना आंच या गर्मीके ।

समीसांझ(सं.)सन्ध्यासमय, दीपक जलनेके समय, दिनान्त ।

समुं (वि.) सारा, पूरा, अखंड सरा, बराबर, ठीक, दुरुस्त, सम्पूर्ण, तन्दुरुस्त, स्वस्थ, सरीखा समान, बराबरका ।

સમુંકરવું (ક્રિ.) દુરસ્ત કરના, સુધારના, સાબિત કરના, પૂર્ણ કરના ।

સમુચ્ચય (સં) જત્થા, એકચિત્ત, સમુદાય, સમાહાર, પરસ્પર નિરપેક્ષ બહુતસે શબ્દોંકા એકત્ર હોના

સમુદાય (સં.) સમૂહ, ઝુંડ, સબ, ઢગ્ગા, ભીડ, ઢગ, ઢેર ।

સમુદ્ર (સં) સાગર, ઉદધિ, પયોધિ ।

સમુદ્રકાંઠો (સં.) સમુદ્રતટ, દરિયાકા કિનારા ।

સમુદ્રવની (સ.) દો બડે સમુદ્રોંકો મિલાનેવાલા છોટા ઔર પતલા જલભાગ ।

સમુદ્રફળ (સં.) એક પ્રકારકી વનસ્પતિ, ફલ વિશેષ, યહ ઔષધિયોં મેં કામ આતા હૈ [ઝાડ સમુદ્રફેન ।

સમુદ્રજીવ (સ.) સમુદ્રકે જલકે

સમુહૂર્ત (સં.) સુમુહૂર્ત, અચ્છા સમય ।

સમુળું–ળું (વિ.) સારા, સબ, તમામ, (અ૦) કુલમી, જરા, થોડાભી નહીં ।

સમૂહ (સં.) દલ, યૂથ, સમુદાય ઢેર, થોક ભીડ, સંગ્રહ ।

સમૃદ્ધ (વિ.) વર્દ્ધિત, અભ્યુદયિત, ધનવાન, ધનવાલા, સૌભાગ્યવાન્ ।

સમૃદ્ધિ (સં.) અભ્યુદય, મંગલ, સંપત્તિ, શક્તિ, ઉત્કર્ષ ।

સમે (અ૦) વક્તપર, ઠીકસમયપર, સમયપર ।

સમેટવું (ક્રિ.) એકત્રિત કરના, સમેટના, ઇકટ્ઠા કરના, બટોરના, સંકલન કરના, સંગ્રહ કરના ।

સમેત (અ૦) સહિત, યુક્ત, સાથ

સમેતની–(સં.) દેખો સમર્થ ।

સમૈયો (સં.) કિસીભી ધર્મકે મનુષ્યોં કા સમ્મેલન, ધર્મ કે મનુષ્યોંકે ઇકટ્ઠે હોનેકા દિન, પર્વદિન

સમો (સં.) સમય, વક્ત, કાળ, ઋતુ,–મૌસિમ, દાવ, લાગ, સંધિ ।

સમો–સારિ–છે (ક્રિ.) દિનનાજુક હૈ, વક્ત ખરાબ હૈ । [પ્રસંગ આના ।

સમો–આવવો (ક્રિ.) મૌકાઆના

સમો–જોવો (ક્રિ.) અવસર દેખના, મૌકા તાકના ।

સમો–સામ કાર્યું તેમ બરું (ન) જો વક્તપર બનજાવે, વહી ઠીક ।

સમોતી (સં.) સાથ રહનેસે મિલને યોગ્ય સુખ ઔર શાન્તિ ।[સાથહી ।

સમોવડ (વિ.) એકહી તાર, સબ

સમોવડ–ડી (સં.) સમાનતા,

अभोवड़ा-डी (वि.) सरीखा, समान, तुल्य, बराबरीका।
अभोवड़ाई (सं.) समानता, बराबरी, तुल्यता।
अभोर (अ०) सामने, सन्मुख, समक्ष, आगे, दृष्टिके सामने।
अभोल (सं.) सामळ, सेल, बैल के कंधेपरके जुएके दोनों छेदोंमें जो दोनों सिरोंपर होते हैं, डालने की दो मेखें।
अंप (सं.) ऐक्य, एका, संघ, हिलमिलकर कामका करना।
संपत (सं.) सम्पत्ति, धन, दौलत, वैभव, सुभाग, समृद्धि, वैभव।
संपत्ति (सं.) पूर्ववत्।
संपन्न (वि.) परिपूर्ण, धनाढ्य, पूरा, सिद्ध, युक्त, सहित।
संपसंपी (अ०) मिलजुलकर, हिलमिलकर।
संपर्क (सं.) साथ, सम्बन्ध, लगाव, संसर्ग, मिलाप, संयोग।
संपादन (सं.) निरूपण, कथन, समाप्ति, निष्पादन, संगठन, प्राप्ति, खर्च, निर्माण।
संपादणुं (क्रि.) संपादन करना, निर्माण करना, बनाना, काम निकालना।
संपीणुं (वि.) एकमत, एकरिख।
संपुट (सं.) डब्बा, डबिया, गर्त, गहरास्थान, टोकरी, बकस, जैसा एक नीचे वैसाही एक ऊपर जिनके रखनेसे बीचमें पोळ रहती हो। (वि.) जोड़ा हुआ। [पूरा।
संपूर्ण (वि.) समस्त, परिपूर्ण,
संप्रदान (सं) चतुर्थीकारक, (व्याकरणमें) सम्यक रूपसेदान।
संप्रदाय (सं) रस्म, रीति, रिवाज, चाल, धर्मपथ, मत, पंथ, वर्ण, जाति।
संबंध (सं) लगाव, नाता, संयुक्त, रिश्ता, बंधुत्व, सगाई।
संबंधी (वि) विषयक, सम्बन्ध रखनेवाला, नातेदार नैतेत।
संबंधीसर्वनाम (सं.) परस्पर संबंध रखनेवाले (व्याकरणमें)
संबोधन (सं.) कारक विशेष, सन्मुखीकरण, हाक, पुकार, ओ, अरे, हे, रे आदिशब्द संबोधन शब्द।
संबोधणुं (क्रि.) कहना, बुलाना, पुकारना, आवाज देना, मेल, अन्य प्रमाण।
संभव (सं.) योग्यता, होने योग्य होनाहार, अविरुद्ध, सिलसिला।

સંભવવું (ક્રિ.) होना, बनना, मुमकिन होना ।
સંભવિત (વિ.) शक्य बननेयोग्य ।
સંભળાવવું (ક્રિ.) संभालना, बताना, ज़ाहिर करना ।
સંભાર (સં.) मसाला, सामान, सामग्री, रसद ।
સંભારણું (સં.) नाम रखनेके उपलक्ष्यमें दिया हुआ पुरस्कार, जिससे स्मरण रहे ।
સંભારવું (ક્રિ.) याद करना स्मरण करना, याद कराना, कहना ।
સંભારવું (વિ.) मसालेदार, सामग्री साहित ।
સંભાવના (સં.) संभव, दुविधा, संदेह, अनिश्चित, इस नामका एक अलंकार, (साहित्यमें) ।
સંભાવિત (વિ.) प्रतिष्ठित, लायक, योग्य, इज्जतदार ।
સંભાષણ (સં.) बातचीत, परस्पर भाषण, बोलचाल ।
સંભાળ (સં.) देखरेख, रक्षा, चौकसी, तलाश, अनुसंधान, आश्रय, सहारा, आसरा ।
સંભાળવું (ક્રિ.) रक्षा करना, पालनपालन करना ।
સંમે (વિ.) सब, सारा, तमाम ।
સંભોગ (સં.) स्त्रीप्रसंग, मैथुन, आनन्द, इस्तेमाल ।
સંભોગી (વિ) भोगनेवाला, विलासी, इस्तेमाल करनेवाला ।
સંભ્રમ (સં.) आदर, सन्मान, घबराहट, भय, डर, त्रास, भ्रांति, व्याकुलता ।
સમ્મત (વિ.) अनुमत, स्वीकृत, ईप्सित, अभिमत, अनुमोदित, संमति, सलाह, राजीनामा, इच्छा, स्वीकार । [परामर्श, स्वीकृत ।
સમ્મતિ (સં) सलाह, मंत्रणा,
સમ્મર્દ (સં.) लड़ाई, झगड़ा, टंटा, फ़साद, घमसान लड़ाई, मारकाट ।
સમ્માર્જની (સં.) झाड़ू, कूंची, बुहारी । [रूबरू, मुखके सामने ।
સમ્મુખ (વિ.) सामने, सम्मुख,
સમ્યક્ (અ૦) अच्छी प्रकारसे, बराबर । (વિ) अच्छा, उत्तम, श्रेष्ठ ।
સંયમ (સં.) निग्रह, प्रत्याख्यान ।
સમ (વિ.) सौ, शत, १०० ।
સર (સં.) ताल, तालाब, तड़ाग, डोरा, धागा, मस्तक, सिर, माथा, शेखर, हिस्सा, भाग, आंक (वि.) ऊंची, मुख्य, (અ૦) अनुसार, प्रमाणसे ।

સરનામદ (વિ.) નાયકના જેવી પદ, નાયકને ઉચ્ચ કર્મચારી ।

સરસુબો (સં.) સૂબાસે ઉપર કામ કરનેવાલા, કલેક્ટર ।

સર કરવું (ક્રિ.) જીતના, ફતહ, કરના, અધિકારમેં કરના, કબ્જેમેં કરના ।

સરબતિયો (સં.) સુગન્ધિત દ્રવ્ય બેચનેવાલા, ગન્ધી, ઇત્રફરોશ ।

સરબદ (સં.) વૃક્ષવિશેષ, લકડિયોંકા મઠ્ઠા, માર્લ ।

સરબંધ (સં.) નાથ, લગામ, નકેલ ।

સરબાંધું (વિ.) સરકનેવાલા, ફિસલનેવાલા, રપટનેવાલા ।

સરબો (સં.) ગોલ, કુંડલ, વૃત્ત ।

સરબ્બવું (ક્રિ.) સરકના, હિલના, હટના, ખસકના, જાના, ઘુસના ।

સરભસ (સં.) બનોરી, બાના, જુલૂસ, ધુડદૌડકા ખેલ ।

સરભાંધું (વિ.) દેખો સરબાંધું ।

સરમાર (સં.) રાજા, શાસક, પતિ, સ્વામી, માલિક રખી હુઈ સ્ત્રી ।

સરમારી (વિ.) સરકારસે સંબંધિત, રાજ્ય સમ્બંધી, પ્રકટ ।

સરમારી રસ્તો (સં.) આમરસ્તા, સબ લોગોંકે ચલને જાનેકા માર્ગ ।

સરમારી માણસ (સં.) અમલદાર, રાજ્યસે સમ્બન્ધ રખનેવાલા વ્યક્તિ ।

સરમારે ઇસ્તારે ચઢવું (ક્રિ.) દાવા કરના, નાલિશ કરના, કચહરી દરબારમેં જાના આના ।

સરમાવવું (ક્રિ.) સરકાના, થોડા સા આગે બઢાના, ધીરેસે હિલના ।

સરમો (સં.) સિરકા, અત્યંત ખટ્ટા પદાર્થ જો ફલ આદિકો સડાકર બનાયા જાતા હૈ ।

સરમુખત્યાર (સં.) સર્વત્ર ફૈલનેકે લિયે નિકાલી હુઈ સરકારી આજ્ઞા ।

સરમાવવું (ક્રિ.) મિલાન કરના, મુકાબિલા કરના ।

સરમામણી (સં.) મુકાબિલા, મિલાન ।

સરખું (વિ.) સમાન, બરાબર, સરીખા, મિલતાજુલતા, એકસા, એકરૂપ, સદૃશ, યોગ્ય લાયકી ।

સરખેસરખું (વિ.) બિલકુલ, મિલતાજુલતા, બરાબરીકા ।

સરગ (સં.) સ્વર્ગ, વૈકુંઠ, ઇંદ્રલોક ।

સરગવો (સં.) એક પ્રકારકા વૃક્ષ ।

સરઘસ-ધસ (સં.) બનોરી, બાના, જલૂસ, પ્રોશેસન ।

સરઘસે ચઢવું (ક્રિ.) ફજીહત હોના, ચર્ચા હોના, જલૂસ નિકલના ।

સરંગ (સં.) મુખ્ય નાયિક, વડા ખલાસી, જહાજના કપ્તાન। અંકુરિત દાલ તથા અન્ન। [રચના।

સરજણ-ન (સં.) સૃજન, નિર્માણ,

સરજણહાર (સં.) પૈદા કરનેવાલા, નિર્માતા, સૃષ્ટિકર્ત્તા, વિધાતા।

સરજવું (ક્રિ.) ઉત્પન્ન કરના, પૈદા કરના, જન્મદેના।

સરજાવવું-વવું (ક્રિ.) પૈદા કરના, બનાના, ઉત્પન્નકરના।

સરજોરી (સં.) જબરદસ્તી, બલાત્કાર, જુલ્મ, જોર, તોફાન, સિરપચ્ચી, સામને હોના।

સરંજામ (સં.) સામગ્રી, સામાન, સરકારકી ઓરસે દી ગઈ ઇનામ, જમીન, વાહન, વસ્ત્રાદિ।

સરઠવું (ક્રિ.) ડોરીસે બાંસરી ચપ્પલ, યા કમખી વગૈરહ બાંધના

સરડો (સં.) જંતુ વિશેષ ગિરગટ।

સરણાઈ (સં.) સહનાઈ, મુહસે બજાનેકા વાદ્ય।

સરત (સં.) દેખો સુરત યાદ, સ્મરણ, ધ્યાન, નજર, ચિત્ત, દૃષ્ટિ, હોડ, બોલી, કરાર, કૌલ।

સરતા (સં.) મુરતિ, ધ્યાન, સ્મર્ણ।

સરદાર (સં.) અગુઆ, લીડર, નેતા, મુખ્ય, સેનાનાયક, જાગીરદાર અમીર, ધનિક।

સરદારી (સં.) અગુઆપન, લીડર શિપ, અમીરી, મુખ્યતા, નેતૃત્વ।

સરદે (વિ.) કૃપાલુ, દયાલુ, કારુણિક।

સરનશીન (વિ.) મુખ્ય, સરતાજ, શિરોમણિ, (સં.) મુખિયા, સ્વામી।

સરનામું (સં.) ચિઠ્ઠીપરપતા, શ્રીનામા। [ઈંધન।

સરપણ (સં.) જલાનેકા લકડી,

સરપંખો (સં.) એક પ્રકારકી ઔષધિ।

સરપાવ (સં.) ઇનામ, બક્શીસ, પુરસ્કાર, ઉપહાર, સિરોપાવ।

સરપંચ (સં.) મુખ્યપંચ, પંચોંમેં માન્ય વ્યક્તિ।

સરપરાજી (સં.) સ્તુતિ, પ્રશંસા, કીર્તિસ્તવન પદયા વેતનવૃદ્ધિ।

સરપરાવ (વિ.) નામાંકિત, પ્રસિદ્ધ પદવી પ્રાપ્ત।

સરભર (વિ.) સમાન, બરાબર, સદૃશ, તુલ્ય, પૂરમ્પૂર।

સરભરા (સં.) આદર, સત્કાર, માન, સેવા બન્દગી।

સરમિયો (સં.) છોટાકીડા, ક્ષુદ્ર કૃમિ, ચુરને, ગૂદામાર્ગસે નિકલનેવાલા છોટાસા કીડા।

अरर (सं.) वृक्ष विशेष, यह वृक्ष सोचा ऊंचा जाता है।

अररडिंभ (सं.) थोड़ी थोड़ी जल वृष्टि, फुहार, हुहार।

अरलु (सं.) पूर्ववत्—सारस के समान पक्षी विशेष, कुंज।

अरवंश (सं) अश्वीसवा, नक्षत्र, श्रवण नक्षत्र विशेष, इस नामसे प्रसिद्ध ब्राह्मण बालक जो अपने अंधे माता पिताका भक्त था और अंतमें महाराजा दशरथके बाण-द्वारा भूलसे मारागया, कावाडया ब्राह्मण, साधु, गुसई, जलजन्तु विशेष। [श्रीमत।

अरवुल्लु (वि.) भटकता हुआ

अरवस (सं) सर्वस्व, सबकुछ, सब, समस्त, तमाम, कुल।

अरवा (सं.) वर्षाऋतुकी फुंहार।

अरवायु (सं.) हानिलाभका हिसाब, बचत का हिसाब, जमा खर्चका कागज़, वार्षिक हिसाब।

अरवाखे (अ०) अन्तमें, आखिरकार।

अरवाखें. (सं.) जोड़ योग, बहुतसी रकमोंका एकी करण।

अरवु (क्रि.) अटना, सरकना, फिरना, टपकना, सफल होना, बीतना, (वि.) जो अच्छी तरह सरक सके, तीव्र, उच्चस्वरसे भाषण।

अरवे (वि.) सब, समस्त, सारे, तमाम, (सं.) भूमिका माप, खेतोंका माप, सर्वे करनेवाला।

अरवेयर (सं.) मापनेवाला, सर्वे-

अरवे (सं.) श्रुव, हवनमें घी छोड़नेका चम्मच, वशीय चमस, खूब सुननेवाला, तेज कानवाला, व्यक्ति, उदार, पात्रविशेष, सराई, मालसा।

अरस (वि.) उत्तम, श्रेष्ठ, उम्दा, असल, रसयुक्त, सुन्दर। (सं.) सरेस, एक चिपकनेवाला द्रव्य। एक प्रकारका वृक्षविशेष।

अरसदेशी (सं.) सुखद समाचार।

अरसर (अ०) झटसे निकल जानेवाला, (सं.) बच्चोंका एक खेल विशेष। [सरसों।

अरसव (सं.) एक प्रकारका धान्य,

अरसाई (सं.) चढाचढी, बराबरी। खींचातानी।

अरसामान (सं.) अटर सटर घरका सामान।

अरसासरसी (सं.) देखो अरसाई।

अरसिषु (सं.) सरसोंका तेल, केंचुआ, गिंडोल, वर्षा ऋतुमें मिट्टीमें उत्पन्न होनेवाले सांप सदृशे जानवर।

સરસીધું (સં.) ખાને પીનેકે લિયે આટા દાલ ઘી નમક વગૈરઃ સામાન । સીધા, રસદ ।

સરસું (અ॰) નજદીક, પાસમેં, (વિ.) ઇચ્છિત, મનચાહા, (વિ) સરસ, બઢિયા ।

સરસુબો (સં) સૂબાસે બડા, એક સરકારી ઉચ્ચ કર્મચારી ।

સરસ્વતી (સં.) વાણી, ભારતી, વાગ્ દેવતા, શારદા, વાગીશ્વરી, ભાષા, બ્રહ્માકી પુત્રી ।

સરસ્વતીપૂજન (સં.) ગ્રંથપૂજન, પુસ્તકપૂજન, શારદાપૂજન ।

સરસ્વતીસદન (સં.) પાઠશાલા, વિદ્યાલય, સ્કૂલ મદરસા ।

સરળ (વિ.) સાંધા સાદા, સહજ, ઉદાર, સચ્ચા, ઈમાનદાર, નિષ્કપટ, છલશૂન્ય, દ્રવિત, પતલા ।

સરળરીતે (અ॰) સહજહીમેં, સાધારણતયા, સરલ રીતિસે ।

સરળસ્વભાવ । સં. અચ્છા સ્વભાવ, સીધા મિજાજ, સીધે સ્વભાવવાલા ।

સરળ રસ્તો (સં.) સુગમ માર્ગ, સીધી રાહ । [ઉદારતા ।

સરળતા (સં.) સિધાઈ, સાદગી,

સરહદ (સં.) અંતિમસીમા, રાજ્યકી, હદ, સીમા ।

સરસૂઠી (સં.) કપાસ વૃક્ષકે ડંડલ, કાજર ।

સરા (સં.) મોહલ્લા, પૌર, ધર્મશાલા, ગામ, ઘર, સરાય, મોહાલ્લા । ઋતુ, સમયકાલ, પ્રવાહ, જલકી ધારા ।

સરાઉ(સં)ફાંસ,(લકડી યા બાંસકી)

સરાટ—સ (સં.) કિસી પદાર્થકે સૂંઘને યા ખાનેસે જીભ યા નાકમેં હોનેવાલા અસર ।

સરાડે (અ॰) સીધે રાસ્તે ।

સરાડે ચાડવું—ચઢાવવું (ક્રિ.) રાસ્તે લગાના, ચલતા કરના ।

સરાડે ચઢવું (ક્રિ.) રાસ્તે લગના, ચલત બનના ।

સરાણ (સં.) શાણ, સાન, અસ્ત્ર શસ્ત્રોંપર ધાર કરનેકા ગોલ પત્થરકા યંત્રવિશેષ, સિકલ ।

સરાણ ઉપર ઘસવું (ક્રિ.) ધાર ચઢાના, વાઢ કરના ।

સરાણે ચઢાવવું (ક્રિ.) ગુસ્સા ત કર દેના, પાર પડના ।[સિકલીગર ।

સરાણિયો (સં.) ધાર ચઢાનેવાલા

સરાપરા (અ॰) આવિસે અંતતક, અવહસે, આદ્યંત ।

સરાધિયાં (સં.) બાદકે દિન ।

સરાફ (સં.) સાહૂકાર, સર્રાફ, હુંડી રુપયા પૈસા વગૈરકા વ્યાપારી ।

सर्राफी (सं.) साहूकारी, सर्राफी ; (वि.) व्यापार सम्बन्धी, व्यापार, ठीक।

सर्राब (स.) दारू, मदिरा, वारुणि।

सर्राबखुं (सं.) चाव।

सर्राह (अ०) ठेठ।

सराव्यु (सं.) सरावं, मिट्टीका दीपक मृण्मय पात्रविशेष।

सराववुं (क्रि.) श्राद्ध कराना। वर्मासे छिद्र करना, बींधनेसे देखना। अंजना, आंखमें लगवाना। कालना, पकना (अन्न)।

सरावुं (क्रि.) अंजाना, खुशी होना, आनन्द पाना।

सराहर-री (अ०) अंदाजन, लगभग, प्रायः। (सं.) एवरेज, औसत, अन्दाज़, अनुमान।

सराह(सं.) प्रशंसा, तारीफ, सराहना।

सराहवुं (क्रि.) प्रशंसा करना, तारीफ करना, चलना, फुलाना।

सराही (वि.) प्रशंसाके योग्य, सुन्दर, काव्य, मनोहर, सुशोभित।

सरिअत (सं.) साथी, मददगार, सहायक।

सरिता (सं.) नदी, धोता, स्रोत।

सरिश्त (सं.) देखो सरश्त।

सरिश्तु (वि.) सीधा, अच्छा, सब लोगोंके योग्य, प्रगट।

सरिश्म (सं.) प्रगट, जाहिर, सरेआम, सब लोगोंके लिये ; सीधा जाना हुआ, खुला।

सरिस्य (सं.) सलाका, ज्वारवाले रेके सिरे-मुंहे।

सरीहार (वि.) श्रीकार।

सरु (वि.) सराहिटवाला, (सं.) बंभेपर रखाव नेवाला गोल चित्रित लकड़ीका टुकड़ा।

सरु (सं.) वृक्ष विशेष, (अ०) शुरू आरंभ, प्रारंभ।

सरूप (सं.) सुरूप, सुन्दरवेश, स्वरूप, शकल, सूरत, (वि.) एकही सूरतका, मिलती जुलती शक्लका, समान, सरीखा।

सरूपता (सं.) समानता, सादृश्य बराबरी, चारप्रकारकी मुक्तिमेंसे एक मुक्ति विशेष।

सरेबाजार (अ.) खुलमखुला, प्रकट रीतिसे, सरे मैदान। [सूबाही।

सरेशाह (अ०) एक सरीखा

सरेश (सं०) देखो सरेश।

सरेश (सं.) सुगन्धित द्रव्य बेचने वाला, गन्धी।

सरोज (सं) कमल, पद्म, पंकज।

सरोवु (क्रि.) पशु आदि न जावें इसवास्ते दो पशुओंको एक दूसरे के गलेसे एकही रस्सेसे बांधना।
सरोड़ (सं.) ज्वार बाजरेके पौधे का डंठल-बर्कट।
सरोतरी (वि.) वाजिबी, उचित, न्यायानुमोदित।
सरोदो (सं.) स्वरोदय, नाकके श्वासकी गतिको देखकर भूत भविष्य जाननेकी विद्या, दोनो नथनोंमें समान सांस रखनेकी साधना, एक प्रकारका तार वाद्य विशेष, सारंगी, सरोता, सुपारी काटनेका औज़ार विशेष।
सरोवर (सं.) देखो सरोवर [तड़ाग।
सरोवर (सं.) ताल, सर, तलाब,
सरोष (वि.) क्रुद्ध, कुपित, गुस्से वाला, क्रोधी। [ग्रंथभाग, रचना।
सर्ग (सं.) सृष्टि उत्पत्ति, अध्याय,
सर्प (सं.) सांप, भुजंग, अहि, (अ०) जल्दीसे, शीघ्रतापूर्वक।
सर्पणु (क्रि.) दौड़ जाना, सांपकी तरह झटपट निकल जाना।
सर्व (वि.) सब, सारा, समस्त, संपूर्ण।
सर्वज्ञ (वि.) सर्ववेत्ता, (सं.) ईश्वर ज्ञानी।
सर्वज्ञता (सं.) सबकुछजानन, ईश्वरत्व, ज्ञानीपन।
सर्वविधी (सं.) आद्यकी क्रिया विशेष।
सर्वतोभद्र (सं.) यज्ञकी प्रधान वेदी, मण्डल विशेष, एक प्रकारकी सैन्य रचना।
सर्वत्र (अ०) सबजगह, चारोओर।
सर्वथा (अ०) सबप्रकार, सबतरहसे।
सर्वदा (अ०) हमेशा, नित्य, रोज।
सर्वनाम (सं.) कुछशब्द जिनका प्रयोग अन्यशब्दोंके अर्थोंमें किया जासके।
सर्वप्रिय (वि.) सबकाप्यारा।
सर्वभक्षी (वि.) सबकुछ खानेवाला, (सं.) कौआ, बकरा, अग्नि।
सर्वमान्य (वि.) सबोंका मानाहुआ।
सर्वरी (सं.) रात्रि, रात, निशा, शब।
सर्वव्यापक (वि.) सब जगहका रहनेवाला, घटघट वासी।
सर्वस्व (सं.) अपना सबकुछ।
सर्वशक्तिमान (सं.) ईश्वर, प्रभु, परमात्मा।
सर्वांग (सं.) सारा अंग, सबशरीर।
सर्वातीत (वि.) सबसे अलग, न्यारा।

सर्वानुमते (अ०) सर्व सम्मतिसे सर्वोंकी अनुमतिद्वारा ।
सर्वेश (सं.) सर्वपति ईश्वर ।
सर्वो (सं.) यज्ञीयचमस, हवनमें घृत छोड़नेका पात्र विशेष श्रुवा ।
सर्वोत्कृष्ट (वि.) सबसे अच्छा, सर्वोत्तम ।
सर्ष (सं.) शिला, चौरस पत्थर ।
सलक्षणुं-ण्युं (वि.) सुलक्षण युक्त, सयाना, अच्छे लक्षणवाला, चतुर ।
सलंग (वि.) साथहीसाथ, सब ।
सलज्ज (वि.) लज्जायुक्त, मर्यादा युक्त, शर्मवाला ।
सलतनत (सं.) राज्य, शासन ।
सलपी (सं.) एकजातिकी मछली ।
सलपेा-हेा (सं.) दम, मादक पदार्थ, गांजा, फेरा, चक्कर, समय ।
सलाट (सं.) शिल्पवट, पत्थर चढ़नेवाला, शिल्पी (पत्थरका)
सलाडी (सं.) मोची और चमारों का वह पत्थर जिसपर वे जूतीको रखकर सीते हैं, धार करनेका पत्थर ।
सलाडुं (सं.) शिला, पत्थर, पाषाण, चमारोंके औजारोंपर धार करनेका पत्थर ।
सलाम सं.) इज्जत, मान, प्रणाम अभिवादन ।
सलामत (वि.) क्षेम, आरोग्य, कुशल कायम, बरकरार, स्थित ।
सलामती (सं.) शांति, सलामी आदर सरकार सूचक तोप या बन्दूकोंका शब्द ।
सलामी (सं.) तोप या बन्दूक चलाकर नंगी तलवारसे अथवा ध्वजा वगैरःसे सत्कार सूचक संकेत, जागीरकी आमदनीमेंसे थोड़ासा हिस्सा सरकारको देना ।
सलाह (सं.) मैत्रता, सम्मति, शांति, मेळ, मत, दोस्ती, सम्बन्ध शिक्षा, मसलहत ।
सलिता (सं.) देखो सरिता ।
सलिल (सं.) पानी, जल, तोय ।
सलुक (सं.) सलाह, मेळ, संग, दोस्ती, चाल, आचरण, भलमन्सी व्यवहार ।
सलुकाइ (सं.) अच्छी रीति, रिवाज ।
सलुणुं (वि.) सलौना, रसयुक्त, मनोरंजक, मनोहर, कांतिमय, सुकुमार ।
सलुडुं (वि.) एकको दूसरेको कह कर लड़ाई झगड़ा करानेवाला ।
सलेखुं (सं.) देखो सलुणुं ।

સલેટ (સં.) સ્લેટ, પટ્ટી, પત્થરની પટી (લિખનેની) પ્રસ્તર પટ્ટિકા

સલોકતા (સં.) એક પ્રકારની મુક્તિ ।

સલોકાં (સં.) શ્લોક, વિવાહ કે સમય વરકન્યાકા આપસમેં બોલનેકે શ્લોક બદ્ધવચન ।

સલ્લ (સં.) વહન, શક, સન્દેહ, અંદેશા, અધૈર્ય્ય ।

સવ (વિ.) દેખો સ૮૫ વામકંધેપર યજ્ઞોપવીત ધારણ ।

સવઈ (સં.) દેખો સવૈ. પુલિસકા બિના ક્રાઉનકા સાક્ષા ।

સવડ (સં.) સગાઈ, સમ્બન્ધ, નાતેદારી । [સહિત ।

સવત્સ–ત્સા(વિ.)બચ્ચાવાલી, બચ્ચે

સવર્ણ (વિ.) એકવર્ણકા, એકરંગકા, સરીખા, એકજાતિ ।

સવળવું (ક્રિ.) કુલકુલ હિલના, પાસપાસકે પૌધોંકો ઉખડના ।

સવળું વિ.) સીધા, સૂધા, સુલટા, ઉચિત, ચાહિયે જૈસા, મનમાના ।

સવળાપાસા પડવા (ક્રિ.) સફલતા મિલના, મનચાહાકામ હોના ।

સવળે હાથે પૂજ્યા હશે (ક્રિ.) વિધિપૂર્વક પૂજન કિયા હોગા ।

સવા (વિ.) ઠીક, અનુકૂલ ।

સવા૩વા (સં.) એક પ્રકારકા જીવ જો આચારમેં યા પાપડોંમેં હોતા હૈ (વિ.) અકસ્માત્, એક ઔર ચતુર્થાંશ, ૧।, ૧ૂ ।

સવાગણી ૭૮ી (સં.)કપટ, પ્રપંચ ।

સવાર્ધ (સં.) સવાયા, અધિક ।

સવાર્ધ ચો (સં.) તાંબેકા સિક્કાવિશેષ ।

સવાકો સવાણો (સં.) પૂર્વ ત્ ।

સવાસ્થ (સં.) અચ્છા, આરોગ્યતા, તન્દુરસ્તી, જાનવરોંકો મસ્તી ।

સવાણે આવવું (ક્રિ.) મસ્તીમેં આના, કામ પીડિત હોના ।

સવાદ (સં.) સ્વાદ, મજા, ઝાયકા, લજ્જત ।

સવાદદાર (વિ.) સ્વાદુ, મજેદાર, ઝાયકેમન્દ, લજ્જતદાર ।

સવાદિયું (વિ.) રસવાલા, સ્વાદયુક્ત ।

સવાબ (સં.) પરોપકાર, ધર્મ, પુણ્ય ।

સવાયા (સં.) સવૈયા (પૌ પહાડા)

સવાયું (વિ.) સવાયા, અધિક ઉપાદાન ।

સવાર (સં.) સવેરા, પ્રાતઃકાલ, ભોર, (સં.) ઘુડસવાર, સવારી કરનેવાલા, ચઢૈયા, ઘુડચઢા ।

સવારી (સં.) યાન, વાહન, કૂચ, મુકામ, પ્રોયેશન, જુલૂસ, આના જાના (કિસી માન્ય પુરુષકા)

સવારું (અ૦) જલ્દી, સવેરેહી સમયાનુકૂલ, સમયપર ।

सवाल (सं.) प्रश्न, जवाबकी मांग, अर्ज प्रार्थना ।

सवाल हरवो-भंभरवो (कि.) मांगना, अर्ज करना । [बातचीत ।

सवालजवाब (सं.) प्रश्नोत्तर

सवालभी-भुं (वि.) मूल्यवान, कीमती, बेशकीमती, अधिक मूल्यवाला ।

सवालचिन्ह (सं.) प्रश्नचिन्ह, ? ।

सवयुं (कि.) गाभिन होना, गर्भ युक्त होना, पकड़ाना, चैन होना ।

सवासणुं-धुं (सं.) शुभेच्छा, आशीर्वाद, मिष्टभाषण, आजिजी नम्रता ।

सवासो (सं.) सौ और पच्चीस एकसौ पच्चीस १२५ ।

सवि (वि.) सब, सारा, तमाम ।

सविता (सं.) सूर्य, सूरज, रवि, उदय करनेवाला ।

सवितार्च (सं.) प्रकाश, तेज, शौर्य ।

सविस्तर (वि.) विस्तार पूर्वक ।

सवे (अ०) जगहपर, स्थानमें, लाभप्रद, (वि.) अच्छा, उत्तम श्रेष्ठ ।

सवेसवुं (कि.) उचित जगहपर होना, चुप बैठना, चाहे जैसा होना

सवेरा (अ०) समयपर जल्दी ।

सवेली (वि.) विस्तारवाला ।

सवैनी चिठ्ठी (सं.) एकका सवा दूंगा इस प्रकारका प्रतिज्ञा पत्र ।

सवैनो धंधो (सं.) एक देकर सवा लेनेका धंधा । [उलटा ।

सव्य (वि.) बांया, वाम, विरुद्ध,

सव्यसाची (सं.) बांये हाथसे बाण मारनेवाला, अर्जुन ।

सव्यअपसव्यहरवुं (कि.) तकलीफ देना, सताना ।

सशक्त (वि.) मजबूत, ताकतवर ।

ससडवुं (कि) उबलना, खौलना ।

ससखी (सं.) एक रोग, जिसके कारण गलेमें सांसका आने जानेका रोग होता है (बच्चोंको) अधिक मिठाई खानेसे होता है ।

ससतुं (वि) सस्ता, अल्प मूल्यका, स्वल्प मूल्य ।

ससरो (सं.) श्वसुर, ससुरा, पतिया पत्निका पिता । [शशक ।

ससलुं (सं.) खरगोश, खरहा,

ससवुं (कि.) सूखना, पचकना ।

ससुभाई (सं.) एक प्रकारका जलचर प्राणी । [समेत ।

सह (अ०) साथ, सहित, संग,

सहकार (सं.) आम्र, आम, रसाल ।

सहकार-री (वि.) मददगार, सहायक, सहयोगी, असिस्टेन्ट।
सहगमन (सं.) साथजाना, सती-होना। [मित्र, संगी, साथी।
सहचर (सं.) साथसाथ चलनेवाला,
सहचरी (सं.) दासी, सखी, भार्या स्त्री।
सहज (वि.) साथ पैदाहुआ, जो जन्मसे साथ रहाहो, स्वाभाविक, कुदरती, सहल, सरळ, आसान, (अ०) थोड़ा, बिनाकारण, झट, थोड़ीसी देरमें, स्वाभाविक रीतिसे
सहजसाजमा (अ०) सहजहीमें ज़राज़रासी बातमें।
सहजानंद (सं.) स्वामीनारायण मत के आदि प्रवर्तक, ब्रह्म, स्वाभाविक आनंद। [धैर्य्य।
सहन (सं.) क्षमा सहिष्णुता,
सहनता (सं.) धैर्य्य, धीरज।
सहनशील (वि.) सहनेवाला, सहिष्णु, शांत, धीर।
सहपाठी (सं.) साथ पढनेवाला, एक जमातमें पढनेवाला। [होना।
सहरावुं (क्रि.) आनन्दपाना, खुशी
सहवर्त्तमान (अ०) साथमें, संगमें।
सहवास (सं.) एकत्रस्थिति, स्नेह, परिचय, अभ्यास, मुहाविरा।
सहसा (अ०) विचारकियेबिना, अकस्मात्, झटपट, अकाण्ड, अतर्कित, अधीरतापूर्वक
सहस्र (वि.) हज़ार, संख्याविशेष।
सहस्राक्ष (सं.) इन्द्र, सुरपति।
सहस्रांशु (सं.) अंशुमाली, सूर्य।
सहस्रानन (सं.) शेष, नागविशेष।
सहाध्यायी (सं.)सहपाठी।
सहाय (सं.) मदद, सहारा, आश्रय, कृपा, महरबानी, सहायक, साथी, मददगार।
सहायता (सं.)मदद,सहाय,आश्रय।
सहायी (वि.) सहायक, मददगार।
सहारो (सं.) मदद, सहरा, आश्रय।
सहित (अ०) साथ, युक्त, समेत, संग।
सहियर (सं.) सखी, आली, संगिनी।
सहियारं (सं.) भागीपना, साथीपन।
सहिष्ण (वि.) बहुतही मन्द, सहनशील।
सहिष्णु (वि.) सहन करनेवाला, क्षमावान, सहनशील, शांत।
सही (अ०) स्वीकार, मंजूर, ठीक, सिद्ध, शुद्ध, विजय (सं.) स्याही, रोशनाई, अक्षि, सखी, आली, मित्र (स्त्री)

સહીસલામત (અ૦) વિના નુકસાન કે, જેવાકા તેવા, જ્યોં का त्यों ।

સહુ (અ૦) સર્વ, સબ, પ્રત્યેક ।

સહેરો (સં.) સેહરા, પચડી, મંદલિ મૌર ।

સહેલ (સં.) મૌજ, મજા, સૈલસપાટે, પર્યટન, ભ્રમન, વાયુસેવન ।

સહેલ મારવી (ક્રિ.) મનમાના ઘૂમના, ફિરના ।

સહેલગા (સં.) મૌજ, આનન્દકા સ્થળ, ઘૂમને ફિરનેકી જગહ ।

સહેલાણી (વિ.) સૈલાની, આનન્દી, મૌજી ।

સહેલું (વિ.) સરળ, સીધા, સૂધા ।

સહેવું (ક્રિ.) સહના, ભુગતના, ભોગના, સહન કરના ।

સહોદર (વિ.) સહજ, સગા, એક માતાસે ઉત્પન્ન (સં.) ભાઈ, બહિન ।

સહ્ય (વિ.) સહનેયોગ્ય, સહાઉ । જો સહા જા સકે । સહનીય ।

સળ (સ.) ચાબુક યા બેંત કે મારકા ચિન્હ, કાગજપર મોડ કરકી હુઈ નિશાની । બળ, સળ, સળવટ । [રેખા હોના ।

સળ પડવો (ક્રિ.) નિશાની હોના,

સળ મારવો (ક્રિ.) હાસિયા છોડના, માર્જિન છોડના ।[દર્દ ।

સળક (સં.) શૂળ, દર્દ, પસુલીકા

સળકડી (સં.) છોટી શલાકા, સલાઈ ।

સળકડી કરવી (ક્રિ.) ઉસકાના, ઉત્તેજના દેના, છેડના, મઝાક કરના । [ઇચ્છા હોના ।

સળકવી (ક્રિ.) ખાનેકે લિયે

સળકવું (ક્રિ.) ઇધર ઉધર હિલના ।

સળકાવવું (ક્રિ.) જલ્દી ચલના, દૌડના । [બૌજાર, બેરી જેલી ।

સળકું (સં.) કાંટે વગૈરહ ઉઠાનેકા

સળકો (સં.) દુઃખ, ચીસ, ચમક, દર્દ, ઇચ્છા, મન ।

સળગવું (ક્રિ.) જલના, સુલગના, ભડકના, લડાઈ શુરૂ હોના ।

સળગાવવું (ક્રિ.) સુલગાના, ભડકાના, જલાના, પ્રજ્જ્વલિત કરના, આગ લગાના, મનમુટાવ કરાના ।

સલંગ (વિ.) પાસ, મિલાહુઆ, સટાહુઆ, નજીક, ભિડાહુઆ ।

સળવસળ (વિ.) સમવિષમ ।

સળવળ (અ૦) બેચૈન ।

સળવળવું (ક્રિ.) બેચૈન હોના, વ્યાકુલ હોના, ઘબરાના ।

સણવું (કિ.) સડ़ना, सुळना, खराब होना) घुनना, दुधारू पशुओंको बहुत दिनतक नहीं दुहनेसे थनों में गांठ बंधजाना।

સણિયો (सं.) छड़, शलाका डंका, दण्डा, बन्दूकका गज़।

સણી (सं.) छोटीशलाका, सलाई

સણી આપવી (कि.) उत्तेजना देना, उकसाना।

સણી કરવી (कि,) अंगुली करना, छेड़ छाड़ करना, उसकाना।

સણી સંચો (सं.) युक्ति प्रयुक्ति

સણી સંચો કરવો (कि.) प्रेरणा करना, उकसाकर ऊंचा करना।

સણેકમ-ખમ (सं.) जुकाम के कारण नाक टपकना, जुकाम.

સણેકડું (सं.) देखो सणी।

સણેકડું કરવું (कि.) छेड़छाड़ करना।

સણો (सं.) सुळनेका रेग, घुनने बीधने अथवा सडनेका आरंभ, अव्यवस्था, फूट, अनबन।

સાંઈ (सं.) प्रभु, भगवान, स्वामी, मुसलमानोंका फ़क़ीर।

સાંઈમૌલા (सं.) ताज़ियोंके दिनोंमें पागल फकीर का वेष।

સાંકડું (सं.) कुशल, कल्याण, क्षेम, भेट, आलिंगन।

સાંકી કહેવું (कि.) खबर पूछलेना, राजी खुशी पूछना।

સાંકડ (सं.) मुसबित, संकट, कष्ट।

સાંકડું (वि.) सकड़ा, कमचौड़ा, सकरा, संकीर्ण, ओछा, थोड़ा।

સાંકડે આવવું (कि.) संकटमें फंसना, मुसीबतमें मुब्तिला होना।

સાંકડે માંકડે સમાસ કરવો (कि) थोड़ेसेस्थानमें गुज़र करना।

સાંકડો સંબંધ (सं) निकटका सम्बन्ध, पासका नाता [देखना।

સાંકવું (कि.) नपना, मापना,

સાંકળ (सं) शृंखळा, सिकली, संकळ, नापनेका १०० फुटका परिमाण विशेष जंजीर।

સાંકળ પાડવી (कि.) बीचमें गड़बड़ पैदा करना, खरकशा पैदा करना। [संकलन करना।

સાંકળવું (कि.) जोड़ना, मिलाना

સાંકળિયું (सं.) अनुक्रमणिका, सूची पत्र।

સાંકળી (सं.) पतली और बारीक सांकळ, जंजीर, घड़ीकी चेन।

सांकलु (सं.) सोने का गलेका आभूषण विशेष, सांकला ।[बंधान ।
सांकेा (सं.) तौल या माप का
सांखणु (क्रि.) सहन करना, क्षमा करना, मापना, मापना ।
सखि (सं.) नाप तौल।
सांगेा (सं.) एकका संकेत (व्यापारमें)
सांग (सं.) बर्छी, सेल, भाला, एक प्रकारका अस्त्र, शक्ति, एकका सांकेतिक शब्द, (वि.) सारा सब, पूरम्पूर ।
सांगरी (सं.) सेंगरी, मोगरी, एक वृक्ष विशेष की फलियां ।
सांगलु (सं.) बच्चोंको पहिराने का ज़ेवर विशेष ।[साथ लगा रहे ।
सांगणु (क्रि.) ऐसा बांधना जो
सांगाचांगी (सं.) पीछा, पीछो, छोटीसी खटिया ।
सांगी (सं.) मंदिरमें ठाकुरजी के आगे पूरा हुवा रंग मंडप, रथकी धुरी के पासका भाग विशेष ।
सांगेापांग (वि.) पूर्ण सब, सारा ।
सांघरणु (क्रि.) आना, विदाहोना संचित करना, इकट्ठा करना ।
सांघणु (क्रि.) संचय करना, इकट्ठा होना, एकत्र करना ।

सांचेा (सं.) यंत्र, सांचा, किसी-चीज़ के ढालनेका वस्तु ।
सांझ (सं.) सांझ, संध्याकाल, सूर्यास्त का समय ।
सांझपड़णी (क्रि.) रात होना, चिरग़ बत्तीका समय होना ।
सांझपाड़णी (क्रि.) जानबूझकर देर करना । समय बिताना ।
सांझपड़े (अ०) दीपक जलने के वक्त, सूर्यास्त समयें ।
सांझ (सं.) सांझ समय गाने के गीत विशेष ।
सांझे (सं.) खाद्य पदार्थ विशेष।
सांठा (सं.) ईखु दंड, ईख, गन्ना, सांठा, ज्वार मक्का आदिका डंठल ।
सांढ-ढ (सं.) दागाहुवा बैल, बिना बधिया कियाहुआ बैल, मस्त बैल, आकेला, ऊंट, निरंकुश व्यक्ति ।
सांढणी (सं.) ऊंटिनी, ऊंची जाति का ऊंट । [आना, तेज़ आना ।
सांढ़णु (क्रि.) जल्दी आना, शीघ्र
सांढिये (सं.) देखो सांढ ।
सांधुसी-सेा (सं.) संसी, संडासी, किसी गरम वस्तु को उठानेका यंत्र विशेष ।

સાંતરું (સં.) રસોઈનો સામાન, સીધા સદ્દ. (વિ.) શરીરસે નાજુક, તૈયાર, તત્પર, ઉદ્યત ।

સાંતવું (ક્રિ.) સતાના, કષ્ટદેના, છુપાના, ઊપર રખના, પૂરે હોના ।

સાંતળવું (ક્રિ.) ઘી યા તેલમેં સેકના, તળના, ભૂનના ।

સાંતી-તીડું (સં.) હળ, એક હળસે જુત સકનેવાલી જમીન । [ટિક્સ ।

સાંતીયેરો (વિ.) હળનીકે કર

સાંતેલી (સં.) લડકોંકા એક ખેલ વિશેષ । [જમીનકા ઠેકા ।

સાંધ (સં.) જમીનકા ભાડા.

સાંધવું (ક્રિ) ભાડેપર જમીન જોતને કે લિયે દેના ।

સાંધેરો (સં.) બાજરે કે આટે સે બનાઈ હુઈ એક પ્રકારકી મિઠાઈ ।

સાંથીડો (સં.) બારહ મહીનેકે લિયે રખા હુઆ નૌકર । [કડકન ।

સાંધ (સં.) સંધિ, ચીર, ફાંટ,

સાંધણ (સં.) જોડ, સીવન ।

સાંધવું (ક્રિ.) જોડના, સીના, ચિપકાના, સામિલ કરના, પૈવન્દ લગાના, થેગલી લગાના ।

સાંધો (સં.) ચીર, ફાડ, સાન્ધ, શરીરકા જોડ । [ઠૂંઠા ।

સાંધે સાંધે ખુટો (=) બિલકુલહી

સાંધો ખાવો (ક્રિ.) ઇચ્છા પૂર્ણ હોના ।

સાંપટ (સં.) સમ્પુટ ।

સાંપડવું (ક્રિ.) પ્રાપ્ત હોના, મિલના, હાથ આના, જન્મ દેના ।

સાંપ્રત (વિ.) તૈયાર, ઉદ્યત, મૌજૂદ ।

સાંપ્રેલ (સં.) જુએકે દોનોં ઓરકે સિરોંમેં લગનેવાલે કપડે સેલ ।

સાંબેલું (સં.) મૂસલ, મૂસળી, મૂસર, (ધાન્ય વગેરે કૂટને કા) ।

સાંભરવું (ક્રિ.) વિસ્મરે હુએકો ઇકટ્ઠા કરના, સંભાળના ।

સાંભળવું (ક્રિ.) સુનના, શ્રવણ કરના, ધ્યાન દેના, માનના, કથનાનુસાર કરના ।

સાંસણી (સં.) ગુપ્ત સલાહ, ગુપ્તમંત્રણા ।

સાંસત (સં.) ઢીલા, મન્થ ।

સાંસતું (અ૦) મન્દ, ઢીલા, શાન્ત ।

સાંસતા (સં.) ધૈર્ય્ય, ધીરજ, શાંતિ ।

સાંસા (સં) ફિક્ર, ચિંતા, તંગી, સંશય, શક ।

સાંસા પડવાં (ક્રિ.) તંગ હાલત હોના, દુર્દશામેં પડના ।

સાંસારિક (વિ.) સંસારકા, દુનિયાદારીકા, સંસાર વ્યવહાર સંબંધી ।

સાંસો (સં.) દેખો સાંસા સંશય ।

સાંસોઽ (અ૰) સીધા, સૂધા ।
સા (અ૰) વહ, उसकी ।
સાઽડી-ડી (સં.) સાબૂનકી પતલી शलाएं, पतली वत्तियां । [चीनी ।
સાઽર (સં.) शक्कर, शर्करा, खांड
સાઽર પીરસવી (ક્રિ.) मीठा बोलकर मन प्रसन्न करना, मिष्ट भाषण खुशामद करना । [करना ।
સાઽર વાટવી (ક્રિ.) खुशामद
સાઽરવું સાલ કાઽવું (ક્રિ.) बिलकुल अन्यायी होना, सख्त होना, बारीक परीक्षा करना ।
સાઽરવું (ક્રિ) बुलाना, आवाज देना, हल्लामचाना । [मृदु मधुर ।
સાઽરીયા (વિ.) सक्कर, सरीखा,
સાક્ષર (વિ.) पंडित विद्वान, शिक्षित । [आंखों के आगे, प्रकट ।
સાક્ષાત (અ૰) प्रत्यक्ष, सामने,
સાક્ષી (સં.) आंखों देखनेवाला, गवाह, गवाही, शहादत ।
સાક્ષીઽરવી (ક્રિ.) गवाह के रूपमें अपने हस्ताक्षर करना ।
સાક્ષીઆપવી-પુરવી (ક્રિ.) शहादत देना, गवाही देना, गवाही देना, स्वीकार करना ।
સાક્ષીદાર (સં.) गवाह, साक्षी ।
સાખ (સં.) साक्षी, गवाही, साख, टेक, इज्जत ।
સાખ-ખિયું (સં.) छाजा, काळ, डगाळ, वृक्षपर पकाहुआ फल, आमपर या घरमें पकी हुई कठोर कैरी ।
સાખી (સં.) प्रमाणरूप छोटीसी कविता, गज़ल या पदके बीचमेंके दोहे ।
સાખો (સં.) लड़ाई, झगड़ा, फसाद
સાખો કરવો (ક્રિ.) चिल्ला चिल्लाकर लड़ाई करना ।
સાગ (સ.) एक प्रकारका वृक्ष, विशेष जिसकी लकडियां घर बनानेके काममें आती है, फांस चीरें ।
સાગર (સં.) समुद्र, उदधि, दरिया ।
સાગરજા (સં.) लक्ष्मी, विष्णुप्रिया ।
સાગવાન (સં.) सागौन वृक्ष विशेष
સાગવું (સં.) सम्बन्ध, नाता, रिश्ता, सगाई ।
સાગોળ (સં.) छानाहुवा चूना ।
સાંકેતિક (વિ.) इशारेवाला, संकेत सूचक । [दर्शन शास्त्र ।
સાંખ્ય (સં.) कपिलमुनि प्रणीत
સાચ (સં.) सत्य, खरा, सच्चा ।
સાચભાચ (વિ.) सचमुच, सत्य सत्य ।

સાચવટ (સં) સત્યતા, સચ્ચાઈ, પ્રમાણિકતા । [સચય કરના ।

સાચવણ–ણી (સં.) સંભાળ, યત્ન

સાચવવું (ક્રિ.) રક્ષાકરના, સંચય કરના, સંભાળના, બન્દકરના(દ્વાર)

સાચાઈ (સં.) દેખો સાચવટ ।

સાચું (વિ.) ખરા, સચ્ચા, સત્ય, ઈમાન્દાર, વિશ્વસ્ત, પ્રમાણિક, વફાદાર, મુક્ત (સં.) સત્ય ।

સાચે (અ૦) ઠીક, સચ, વાજિબી રીતિસે । [ઠીક ।

સાચેસાચું (અ૦) જૈસા હો તૈસા

સાચાં જુઠાં (સં.) ખરા ખોટા, ઉચિત અનુચિત ।

સાચાંજુઠાં કરવાં (ક્રિ.) ઇધરકી ઉધર કહના, કાનભરના, સચકો ઝૂંઠ ઔર ઝૂટકો સત્ય બનાના ।

સાચાબોલું (વિ.) સત્યવાદી, સચ બોલનેવાલા, ખરી કહનેવાલા ।

સાજ (સં.) સામગ્રી, સજાનેકા સામાન, શૃંગાર, વસ્ત્રાભૂષણ, સાહિત્ય

સાજેલું (વિ.) શૃંગાર કિયાહુઆ, સજ્જિત ।

સાજન (સં.) પ્રતિષ્ઠિત તથા સભ્ય મનુષ્યોંકા સમુદાય જો જુલૂસ કે આગે આગે ચલતા હૈ ।

સાજનું (સં.) પંચાયતી, આદરણીય લોગોંકા કિસી બાતકા નિપટારા કરને કે લિયે સમ્મેલન ।

સાજવું (ક્રિ.) ઘિસકર સાફ કરના, માંજના, સાફકરના, શોભા દેના ।

સાજસરંજામ (સં.) સામાન, સામગ્રી, સાજબાજ, તૈયારી ।

સાજિન્દો (સં.) નાચનેવાલે કે પીછે બજાનેવાલા, સારંગી તબલે આદિ બાયકા બજંત્રી ।

સાજીખાર (સં.) ક્ષાર વિશેષ ।

સાજું (વિ.) સારા, સંપૂર્ણ, અક્ષત અખંડિત, સ્વસ્થ, તંદુરસ્ત ।

સાજું તાજું સમું (વિ.) નિરોગી ઔર પુષ્ટ, હટ્ટાકટ્ટા, પક્કા, પૂરા, સબ ।

સાજ્ય (સં.) સહાયતા, મદદ, આશ્રય ।

સાટ (સં.) પીટકી હડ્ડી, રીઢ ।

સાટકો (સં.) ચાબુક, દંટા, લકડીયા ચાબુકકી માર ।

સાટભાર (સં.) વહ માલ જો હાથી સે કુસ્તી લડતે સમય હાથી કો ભાલા મારકર ગિરાતા હૈ ।

સાટભારી (સં.) હાથીકી લડાઈ, હાથી ઔર મલ્લકીકુસ્તી ।

સાટવું (ક્રિ.) કીમત કરવા, મૂલ્ય ઠહરાના।

સાટી (સં.) ગાડી કા વહ ભાગ જિસમેં મનુષ્ય બૈઠતે હૈં।

સાટીઆંખસું-ડીઆંખસું (સં.) કામ મરના, ઉલટા સીધા સમઝાના।

સાટીન (સં.) એક પ્રકારકા રેશમી વસ્ત્ર।

સાટું (સં.) બદલા, માલકી કીમતમેં રુપયા ન દેકર કોઈ વસ્તુ દેના, પરિવર્તન, કન્યાકે બદલે મેં કન્યા લેના, મૂલ્ય ઠહરાના, ઐસા એકસચેંજ, કરાર, વાદા, બોલી, વચન।

સાટુંતેમટું (સં.) જિસકી કન્યા લી હો ઉસે કન્યા દેના યા અપને સમ્બંધી અથવા મિત્રકી કન્યા દિલાના-હસવિષયકા કરાર।

સાટે (અ.) બદલેમેં, એવજમેં।

સાટાખત (સં.) બદલા, યા કરારકી દસ્તાવેજ।

સાટુક (સં.) ચંચક, ઠગ, ધુર્ત।

સાઠો (સં.) ગાડીકા વહ માર્ગ જિસમેં બોઝ-વજન ભરા જાતા હૈ। ધોયા હુઆ ઘી, ચૌ મિલાહુવા આટા।

સાઠ (વિ.) સાઠ ૬૦ સંખ્યા વિશેષ, (સં.) વડાવૃક્ષ।

સાઠી (સં.) સાઠ વર્ષકી વય, બુઢાપા, સાઠ દિનમેં પૈદા હોનેવાલી એક પ્રકારકી જ્વાર (અન્ન)

સાઠી વાદા સમાઠમું (ક્રિ.) લડાઈ પૈદા કરનેકા ઢંગ રચના।

સાઠતીસ-ત્રીસ (વિ.) ૩૭, સૈંતીસ, સંખ્યા વિશેષ।

સાડલો (સં.) ઔરતોંકે પહિરને કા લુગડા, વસ્ત્ર વિશેષ।

સાડા (વિ.) આધા અધિક બતાને વાલા પ્રત્યય શબ્દ, સાઢે સાઈ।

સાડાત્રણ ઘડીનું રાજ (સં.) અધિક સુખ।

સાડાત્રણપાપ (વિ.) [illegible] કા, બેડંગા, અસ્થિર સ્વભાવકા।

સાડાબાર ભેવડી જવું (ક્રિ.) ભાગજાના, છૂહોના, રફૂહોના, સટકજાના।

સાડાસાતનો ફેરો (સં.) બડી ભારી આપત્તિ, કઠિન દુઃખ।

સાડાસાત ભણની સંભળાવવી (ક્રિ.) બહુતહી ભારી ગાળી દેના।

સાડાસાતવાર (વિ.) બહુત બેર કઈ સમય, બારમ્બાર।

સાડાસાતી આવવી (ક્રિ.) બડી, ભારી આફત આના, આપત્તિઆના।

સાડી (સ.) સારી, સ્ત્રિયોં કે પહિરનેકી ધોતી, લૂગડા, કરિયા ।

સાડીગપતાલીસ (વિ.) અનિશ્ચિત સંખ્યા હો તબ યહ વાક્ય કહ દેતે હૈં ।

સાડી ચુવેાતેરનેાઅંક (સં.) પત્ર પર સાડે ચૌહત્તર (૭૪॥) કા અંક ઉન્હીં પત્રોંપર લિખા જાતા હૈ જિન્હેં ઉસકા પ્રાપ્ત કરનેવાલાહી પડે, ચિતોડ કે યુદ્ધમે જબકિ હિન્દુ મુસલમાનોંકા યુદ્ધ હુવાથા તબ મૃત વીરો કે યજ્ઞોપવીતકા વજન ૭૪॥ મણ ઉતરાથા તબસે યહ સખ્યા લિખી જાતી હૈ, કુછ વિદ્વાનોંકા કથનહૈ કિ યહ ૭૪॥ કા અંક "શ્રી" કા બિગડા રૂપ હૈ ।

સાડીત્રણુપાસણીતું (વિ.) અસ્થિર ચિત્તવાલા, આધાપાગલ મિર્ગી ।

સાડીસાર (સં.) પર્વાહ, ચિંતા, દરકાર ।

સાડીસાતી (સં.) સાડે સાત વર્ષ રહનેવાલી શનિ (ગ્રહ) કી દશા ।

સાઢુ-ઢુ(સં.) પત્નીકી બહિનકા પતિ ।

સાણકું (સં.) સકોરા, મિટ્ટીકા પાત્ર વિશેષ ।

સાણુપણુ (સં.) સમાયપના, દયાનાપન, વિવેક, જ્ઞાન, સમજ, ચતુરતા ।

સાણસેા (સ.) ચિમટા, ચમીટા, મુશ્કિલ, કઠિનાઈ, દિક્કત ।

સાણસામાં આવ્યું (ક્રિ.) હાથમેં આના ।

સાણું (સં.) સ્વપ્ન, સપના, નિદ્રાવસ્થાકે વિચાર, ખ્વાબ, ઠઠ્ઠ, છેદ કાઢનાર, મીઠા (વિ.) ચતુર, સયાના, સ્યાના, સમઝદાર ।

સાત (વિ.) સાત સખ્યા વિશેષ ૭ ।

સાત નામાનેાનામેા (વિ.) બહુતહી બદમાશ, ઉદ્દણ્ડ ।

સાતગણેમાણવું (ક્રિ.) ખૂબ સોચના, તુલના કરકે અચ્છા ગ્રહણ કરના, ઔર બુરા ત્યાગ દેના ।

સાત ગાઉથી નમસ્કાર કરવા (ક્રિ.) દૂર રહના, અલગ રહના ।

સાતઘર ભણવા (ક્રિ.) ઘરઘર ભટકતે હુએ ફિરના, વ્યર્થ ઘૂમના।

સાતતાડ ઉંચેા (વિ.) અધિક લમ્બા, ઊચાઈમેં બડા ।

સાતપાણીથવી (ક્રિ.) સિરપર્વત વિપત્તિહોના, આપત્તિમે પડના, અસમઝસમે પંડના ।

સાત પાસની ચિંતા છે (કિ.) બહુત તરહકી ચિંતા है।

સાત પેઢીના ચોપડા ઉથલાવવા (કિ.) સાત પીઢીકી નિંદા करना।

સાત સાંધતાં તેર તૂટવા (કિ.) આમદનીસે खर्च अधिक होना, आय व्ययका मेल नहीं मिलना।

સાતબલુ મે સવાસેરનું (વિ.) બહુતही कठोर छाती, वज्रतुल्य हृदय, बहुतही होशियार।

સાતમે આસમાને ચઢવું–ઝવું–ઈ-ઠેંચવું (કિ.) બહુતही घमंड करना, अति पर पहुंचना।

સાતમે ચોકે (અ૦) एक कोनेमें, कोई न जान सके या देख सके ऐसे स्थानमें।

સાતમે પડે (અ૦) बिलकुल एकान्तमें, अत्यन्त गुप्त जगहमें।

સાતમે પાતાળે (અ૦) बहुतही नीचे, ऐसी जगहमें जहां पताही न लगे।

સાતે ખોડે સાથે મહાદેવ (ઉ) ये सब काम एकही साथ हो।

સાતે પાડે વસનો (કિ.) ईश्वर करे और कुटुम्ब बढे, बढ़े हो।

સાતેસાત (સં.) सातका अंक, ७, कुछभी नहीं, भूकधानी, पूर्ण, असफल्यता। [सात आम हो।

સાતપડી (સં.) ऐसी खाट जिसके सातपडી (સં.) जिसकी सात तहें हों, सात पड़वाली (रोटी)

સાતપડો (સં.) पैरकी या हाथकी अंगुलीपरका सूजन, औरो, घिनही।

સાતમ–તેમ (સં.) सप्तमी, तिथि विशेष, पक्षका सातवां दिन।

સાતમું (વિ.) सातवां, सप्तम।

સાતરા (વિ.) शृंगार करके तय्यार किया हुआ। (સં.) पृथ्वीपर बिछौना।

સાતરા પાડવા (કિ.) पतंगको आसमानसे नीचे उतारते समय धागेको दूर दूर इस लिये फैलाना कि वह चरखी पर लपेटते समय उलझ न जावे।

સાતવો (સં.) सत्तू, सिके हुए अन्नका आटा। सतुआ।

સાતા (સં.) आराम, करार, सुख, संतोष, शान्ति।

સાતાવળપી (કિ.) आराम होना, शान्ति होना, सुख होना।

સાત્વિક (વિ.) सत्वगुणयुक्त, सत्व गुणविशिष्ट, साधु, विवेकी।

સાથ (સં.) સંગ, સંગતિ, મૈત્રી, સોબત (અ૦) સાથમાં, સંગમાં ।

સાથરિયો (સ.) ચાહે જિસ સમય ચાહે જહાં બૈઠકર પરચૂરણ સામાન બેચનેવાલા ।

સાથરી (સં.) નદી કિનારે સપ્તર્ષિયોંકે ટટ્ટેપર વસ્ત્ર ડાલકર રખા હુઆ બ્રહ્મણકા સામાન ।

સાથરો (સં.) સોનેકે લિયે બિછાયી હુઈ ઘાસ । મૃત શરીરકો સુલાનેકે લિયે લીપી હુઈ જમીન । ચૌકા । કુશાસન, ડાભકી ચટાઈ ।

સાથરે સુવાડવું (ક્રિ.) માર ડાલના ।

સાથરો કરવો (ક્રિ.) સંહાર કરના, મુર્દા કરના ।

સાથિયો (સં.) સાથિયા, શુભસૂચક ચિન્હવિશેષ ।

સાથી (સં.) સંગી, દોસ્ત, સહાયક । ગાડીવાન, સારથી, નૌકર, હાલી, બારહ મહીનેકે લિયે રખા હુઆ નૌકર । (અ૦) કિસ કારણ, કિસ લિયે, ક્યોં ।

સાથે (અ૦) સાથમેં, સંગમેં, સંગતિમેં ।

સાથેસાથ (અ૦) ઇકટ્ઠા, સાથહી સાથ ।

સાદ(સં.)અવાજ,શબ્દ, બોલ, સ્વર ।

સાદ કરવો (ક્રિ.) બિલાના, જોરસે આવાજ મારના, હાક કરના ।

સાદ કાઢવો (ક્રિ.) જોરસે બોલના ।

સાદ દેવો (ક્રિ.) જવાબ દેના ।

સાદ પાડવો (ક્રિ.) ઢિંઢોરા ફિરાના, દુહોરા પિટાના, મુનાદી કરાના, ઢૌંડો પિટાના ।

સાદ બેસવો (ક્રિ.) આવાજ મન્દ હોના, ગલા બૈઠ જાના, સ્વર મંદ હોના ।

સાદડ (સં.) એક પ્રકારકા વૃક્ષ ।

સાદકુંવર (સં.) મર્યાદા ખર્ચ કે લિયે વહ ધન જો ગ્રામ કે લોગ ઇકટ્ઠા કરકે સરકારી દેકરેખ દ્વારા ખર્ચ કરને કો દે દેતે હૈં ।

સાદડી (સં.) દેખો સાદ(કવિતામેં) (સં.) ચટાઈ સાદરી, ઘાસ અથવા ખજૂરકે પત્તોંકા બનાહુઆ આસન–બિછૌના ।

સાદડું (સં.) ફટી ટૂટી ચટાઈ ।

સાદડો (સં.) એક પ્રકારકા વૃક્ષ ।

સાદર (વિ.) આદર સહિત, માનપૂર્વક, સન્માન યુક્ત, પ્રકટ, પૂજ્ય આપહુંચાહુઆ, ગર્ભવતી સ્ત્રી કી ઇચ્છા પૂર્તિ ।

સાદાઈ (સં.) સાદગી, સાદાપન ।

साहु (वि.) सदा, अकृत्रिम, प्राकृतिक, सरल, साधारण।
साहस्य (सं.) समानता, बराबरी।
साधु (वि.) साधु, सज्जन, संत, (सं.) स्वाधीन, स्वतंत्र।
साधक (वि.) साधन करनेवाला अनुष्ठान करनेवाला, अभ्यासी, (सं.) सहायक, मददगार भक्त।
साधन (सं.) उपाय, बल, उद्योग चेष्टा, अभ्यास, अनुष्ठान, युक्ति, औजार विशेष।
साधनी (सं.) औजार, विशेष।
साधना (सं.) साधन अनुष्ठान, तपस्या, सिद्ध करना, अभ्यास करना, आदत डालना, साधन करना।
साधनिका (सं.) पदच्छेद (व्याकरण)
साधर्म्य (सं.) समानता, एक सरीखा। [वती स्त्री।
साधवी (सं.) साध्वी, सौभाग्य-
साधवुं (क्रि.) साधन करना, मनमें सोचाहुआ काम करना, मतलब निकालना, वशमें करना।
साधारण (वि.) सामान्य, सहज सरल, आम, मामूली, जनसमाज।
साधारणधर्मात्मा (सं.) धर्मोपकारता।
साधारणधर्म (सं.) ऐसा धर्म जो बहुतसे मनुष्योंके अनुकूल हो।
साधारणपक्ष (सं.) मध्यम पक्ष।
साधित (वि.) साधाहुआ साधन किया हुआ, सिद्ध, बनाहुआ।
साधु (सं.) संत, सज्जन, परोपकारी व्यक्ति, महाजन, जितेन्द्रिय रहकर ईश्वर स्मरण करनेवाला ज्ञानी विरागी, सत्यवादी, (वि.) धर्मी, विश्वस्त, शुद्ध निर्मल।
साधुसमागम (सं.) सज्जन पुरुषों की, संगति, संतोंका मेलमिलाप।
साधुसन्त (सं.) भक्त तथा ज्ञानी व्यक्ति।
साध्य (वि.) जो साधन किया जा सके, साधन करने योग्य, वशमें करने लायक, पारपड़ने लायक।
साध्वी (सं.) साधुवृत्तिवाली स्त्री, पतिव्रता सती।
सान (सं.) संकेत, इशारा, चिन्ह एवज, छटा, गहने रखना, सैन, समस्या, आंकका इशारा, समझ, बुद्धि, अक्ल, धरोहर।
सानआपवी (क्रि.) अक्लआना।
सानड (सं.) छोटी रकाबी, मिट्टी की थाली-पात्र विशेष।

સાનંદ (વિ.) આનન્દ સહિત, આસ્વાદયુક્ત, હર્ષાન્વિત, હૃષ્ટ (અ.) આનન્દમાં હર્ષમાં ।

સાનંદાશ્ચર્ય (સ.) ખુશીકે સાથ તઅજ્જુબ, હર્ષકે સાથ અચંભા ।

સાનશુપ (સં.) ચેત, માન, દોષ ।

સાની (સં.) કોલ્હૂ ધાની મેં તેલ નિકાલતે સમય ઉસકા કચરા યા ભૂસી, ખલી, ખળ, ખર ।

સાનુકૂલ (વિ.) મદદગાર, અનુકૂળ પ્રસન્ન, ખુશ ।

સાનુનય (વિ.) મરીબ : [અક્ષર

સાનુસ્વાર (વિ.) અનુસ્વાર યુક્ત

સાન્ત્વન (સં.) ઢાઢસ, ધૈર્ય, સમઝાના, બુઝાના । [(વ્યાકરણ)

સાન્વય (વિ.) સાન્વય સહિત

સાન્નિધ્ય (સં.) સમક્ષ સમીપ, પાસ, નિકટતા, સામીપ્ય, ઉપસ્થિત ।

સાપ (સં.) સર્પ, અહિ, ભુજંગ, વ્યાલ, નાગ, સાંપ, (વિ.) નમક હરામ, દુષ્ટ, જહરીલા, ક્રોધી, કાલા ।

સાપની કાંચળી (સં.) સર્પકી કેંચુક, સાંપકે શરીરકી ખોળી ।

સાપલે કે ધો છે ? (=) બિના જાને કિસી કઠિન કામમેં હાથ નહીં ડાલના ચાહિયે અર્થ ચોલકવાક્ય ।

સાપના ધોના બહુવચન (ક્રિ.) બહુત પ્રકાર સે સમઝાના, શિક્ષા દેના ।

સાપનોભારો (સં.) ભયપ્રદ, સ્થાન, યા પાત્ર, અવિશ્વસ્ત, રાંડ અથવા કન્યા કાળ બીતી હુઇ તરુણ સ્ત્રી, અત્યંત જહરીલા, દ્વેષી ।

સાપને ધો જે નિપજે તે ખરૂં (ક્રિ.) ભાગ્ય પરીક્ષા કરના ।

સાપના પગ સાપ જાણે (અ૰) ચોરકી ગતિ ચોરહી જાને, " ખગ જાને ખગહીકી ભાષા "

સાપનેઘેર સાપ પરોણો (વિ.) સાંપકે સાંપ મેહેમાન, દોનોં એક સરીખે ।

સાપનો કરડેલો દોરડીથી બીએ (અ૰) દૂધકાજલ્યા છાકકોભી ફૂંકકર પીતા હૈ ।

સાપલ્યું (સં.) સાર્પિણી, નાગિન ।

સાપભાભણી (સં.) એક જીવધારી વિશેષ ।

સાપેમન્યુંછુંદર (=) " ભઈ ગતિ સાંપ છછુંદર કેરી " સાંપ જબ છછુંદરકો ખા લેતા હૈ તો ઉસકી બડીહી દુર્દશા હૈ ક્યોંકિ ખાતા હૈ તો મરતા હૈ ઔર બાપસ નિકાલતા હૈ તો અંધા હોજાતા હૈ, ઇધર ગઢતા ઔર ઉધર આવ તો કુઆ ।

सापेख (सं.) सर्पिन, नागिन, सर्पिणी, वह अथवा मनुष्यके शरीर पर चिन्ह विशेष। [अत्यंत दुष्टा।

सापेखुनेखी (वि.) बहुतही चालाक

सापोलिउं (सं.) सांपका बच्चा, सपला, छोटा सांप।

साफ (वि.) स्वच्छ, पवित्र, निर्मळ शुद्ध, ठीक, सूधा, सीधा, सपाट निष्कपट, प्रगट, स्पष्ट (अ०) बिलकुल, रगड़कर।

साबी (सं.) भांग वगैरः छाननेका वस्त्र चिलम के नीचे लगानेका कपड़ा (पीते समय)

साबीमारवी (क्रि.) तारीफ मारना, शेखी करना, घमंडी बनना।

साबुं (वि.) सारा, समस्त, सम्पूर्ण, ज़राजरा, बिलकुल, तमाम।

साभर (सं.) सांभर, पशु विशेष।

साभरसिंभहु-सिंगुं (सं.) बारह सिंगा नामक पशुका सींग।

साभरी (सं.) बारा सिंगा (मादा) पशु विशेष। [वस्त्र विशेष।

साभलिओ (सं.) अत्यंत महीन

साभित (वि.) प्रमाणित, सबूत दिखाहुवा।

साभु (सं.) साबुन, साबू, चिकनाहट तथा मैल साफ करनेका पदार्थ विशेष।

साभुनोसभाभरेो (वि.) साफ शफ, सौंदर्य दिखानेवाला।

साभूनोगोो (सं.) साबुनका गोळा एक प्रकारकी मिठाई, ठिगने कदका मोटा ताज़ा आदमी।

साभुरोभा (सं.) साबूदाना, साग़ूदाना, वृक्षका रस, विशेष जिसे चलानियों में छानकर गोळ गोळ दाने बना लिये जाते हैं।

साभुत (वि.) पूरा पूर्ण, अक्षत।

साभेभो (सं.) (वैवाहिक) वर के जुळूस में सुसज्जित बालक।

साभ (सं.) वेद विशेष, सामवेद, पति, स्वामि (काव्य में) किसी काठकी वस्तुको फटनेसे बचाने के लिये लोह वगैरः धातुकी बनाकर लगाई हुई चंगड़ी स्वाम।

साभभी (सं.) सामान, चीज, वस्तु, उपकरण, असबाब, साहित्य।

साभळुं (अ०) एकही बार, सब, सारा, साथही, इकट्ठा।

साभतराज (सं.) करद राजा, मंडराजा, अत्यंत बलवान योद्धा, सरदार, सेनानी।

સામન (સં.) સામાન, સામગ્રી, સટપટ, માલ, રસોઇનું બધું ।[સામના ।

સામનો (સં.) લડાઈ, વિરુદ્ધતા ।

સામંત (સં.) દેખો સામદ (વિ.) પાસનો, પડોસનો, નિકટસ્થ ।

સામર (સં.) એક પ્રકારનું વૃક્ષ ।

સામરથ (સં.) શક્તિ, બલ, પરાક્રમ યોગ્યતા, તાકત, કૂવ્વત ।

સામવેદી (વિ.) સામવેદનો જ્ઞાતા ।

સામસામું (વિ.) આમને સામને, એક બીજાના મુખના આગળ ।

સામળું (વિ.) શ્યામળ, કાળોરંગનો

સામળિયો (સં.) કૃષ્ણ ।[રસીદ ।

સામાદ્રસહત (સં.) પહોંચ, ચિઠ્ઠી

સામાન (સં.) ચીજ વસ્તુ, સામાન, સામગ્રી, સાહિત્ય, અવિવાહિતા, પત્ની, માશૂકા ।

સામાનનાંખવો (ક્રિ.) ઘોડેપર કાઠી વગેરે કસવા ।

સામાત (સં.) સાધારણ ।

સામાન્યનામ (સં.) વિશેષ નામસે ઉલટાનામ, (વ્યાકરણમેં) [ગણિકા ।

સામાન્યા (સં.) વેશ્યા, રંડી,

સામાપંચમ (સં.) ઋષિપંચમી, ઉત્સવ વિશેષ, ભાદ્રપદ શુક્લા ૫ ।

સામાવળિયો (સં.) શત્રુ, દુશ્મન,

સામાવાળો (વિ.) વિરુદ્ધ પક્ષનો, (સં.) શત્રુ, દુશ્મન અરિ ।

સામાસામી (અ૦) આમને સામને ખબર, (સં.) શત્રુતા, દુશ્મની ।

સામામીઆવવું (ક્રિ.) લડવા ।

સામીલ (વિ.) શામિલ, મિલાહુવા, જુડાહુઆ, મિશ્રિત, અમિશ્ર ।

સામું–મે (અ૦) સામને, દૃષ્ટિ આગે, મુહકે આગે, ખબર, ઉલટા, પ્રત્યુત્તરમેં, જવાબ મેં, (વિ.) ઉલટા ।

સામું થવું (ક્રિ.) મારનેકે લિયે તૈયાર હોના, જવાબ દેના ।[હોના ।

સામુપડવુ (ક્રિ.) વિરુદ્ધ પક્ષમેં

સામું જવું (ક્રિ.) બુલાયેજાના ।

સામું જાવવું (ક્રિ.) બુલાનેકે લિયે સામને આના, સ્વાગતાર્થ આના ।

સામુદ્ર (વિ.) સમુદ્ર સમ્બન્ધી, સમુદ્રી, દરિયાઈ ।

સામુદ્રધુની (સં.) દો બડે સમુદ્રોંકે જોડનેવાલી ખાડી ।

સામુદ્રિક (સં.) હાથ દેખનેકી વિદ્યા, શરીરકે ચિન્હ અથવા રેખા દેખકર જીવન કે ભૂત ભવિષ્ય કાર્યોકો કહનેકી વિદ્યા, (વિ.) સમુદ્ર સમ્બંધી ।

सामे (अ०) सामने, रूबरू, विरुद्ध पक्षमें, आंखों आगे।

सामेल (वि.) देखो सामील (सं.) संग, दोमेंसे जो बैलोंके जुएके दोनों सिरोंपर छिद्रोंमें लगती है)

सामेलु (सं.) मूसर, अन्नादि कूटनेका साधनविशेष।

सामैनु (सं.) अगवानी, किसी को गाते बजाते आकर आगेसे ले आना, आतिथ्य, स्वागत।

सामो (सं.) धान्यविशेष।

सामोपचार (सं.) मिष्ट भाषण-द्वारा शांति।

साम्राज्य (सं.) राज्य, चक्रवर्ती राज्य, सल्तनत।

सांप्रत (अ०) आधुनिक, वर्तमान समयका, मौजूद, तय्यार।

सांब (सं.) पार्वतीसहित शंकर।

साम्य (सं.) समानता, समावस्था, सादृश्य, एकसांपन।

सायंप्रातर (सं.) सांझ, सुबह।

सायक (सं.) बाण, तीर, (वि.) सहायक, मददगार।

सायंकाल (सं.) संध्यासमय, सांझका वक्त।[मिहरबान, मेहरबान।

सायबान (सं.) साहिब, खाविंद,

सायर (सं.) खराब वगैरःका कर, टेक्स, कर, सागर, समुद्र, सिंधु, दरिया।

सायरी (सं.) कविता, काव्यविद्या।

सायुज्य (सं.) मुक्तिका भेद विशेष।

सायो (सं.) मदद, आश्रय, सहारा।

सार (सं.) रस, कस, सत्व, अंश, तत्व, वस्तुका उत्तम भाग। मूल, उद्देश, मुख्य शिक्षा, मतलब, लाभ, फल, कृपा, मदद, छिद्र (वि.) अच्छा (कवितामें) (सं.) सार संभाल।

सारक (वि.) रेचक।

सारंग (सं.) रागविशेष, हरिण, मृग, हाथी, सिंह, हंस, चातक, मोर, कोकिल, बिच्छू, भ्रमर, कमल, पुष्प, धनुष, शंख, सारंगी, मद्य, केश, चंदन, कपूर, स्वर्ण, रत्न, पृथ्वी, प्रकाश, रात्रि विविध रंग, कामदेव, सांप, वृक्ष, जल।

सारंगपाणी (सं) विष्णु।

सारंगी (सं.) एक प्रकारका तंतु-वाद्य। इस नामसे प्रसिद्ध स्वरवाद्य।

सारंगीवाला (सं.) सारंगी बजाने-वाला।

सारडी (सं.) छिद्र करनेका यंत्र-ईका औजार, बरमा, सार।

સારણ (સં.) નદીકે બહનેકી તરહ બહનેવાલા કુઆ । કુએમેંસે આઈ હુઈ નહર ।

સારણગાંઠ (સં.) અંત્રવૃદ્ધિકા રોગ ।

સારણગાંઠનો પટો (સં.) અંત્રવૃદ્ધિરોગકો દબાનેકે લિયે કમરમેં બાંધા હુઆ પટ્ટા ।

સારથી (સં) રથ હાંકનેવાલા, ગાડીવાન, કોચવાન રથવાહ ।

સારમંડળ (સં.) એક પ્રકારકા બત્તીસ તારવાલા બાજા ।

સારંભ (સં) ધનધાન્ય વગૈરહ. શિકારી કુત્તા ।

સારવા (સં.) અચ્છી જમીન, ઉત્તમ ભૂમિ । [હાંકનેવાલા ।

સારવાન (સં.) ઊંટવાળા, ઊંટ

સારવું (ક્રિ.) શ્રાદ્ધકરના, તર્પણ કરના, ડોરીસે બરમાકો ઘુમાકર છેદ કરના, છિદ્રકરના, દુઃખદેના, ધાગાપિરોના, પહેરના, શૃંગાર કરના, ટપકાના, ડાલના, પૂર્ણ કરના. કામ બજાના, સાંજના, લગાના, ચુપડના ।

સારસ (સં.) જલચર પક્ષી વિશેષ ।

સારસ્વત (સં.) એક પ્રકારકે શૂદ્ર જાતિકે લોગ ।

સારાંવાનાં (સં.) ઉત્તમ, સૌન્દર્ય, શ્રેષ્ઠ, ઉત્તમ ।

સારાંશ (સં.) તાત્પર્ય્ય, અભિપ્રાય, ભાવાર્થ, મતલબ, નતીજા, પરિણામ સારભાગ ।

સારાઇ (સં.) ભલાઈ, સજ્જનતા,

સારાસાર (સં.) ભલાબુરા, ખોટા, ખરા ।

સારાસારી (સં.) મૈત્રી, દોસ્તી ।

સારિકા (સં.) મૈના પક્ષી વિશેષ ।

સારીગમ (સં.) સરગમ ।

સારીપેઠે-પેઠે (અ૦) સ્વસ્થ, તન્દુરુસ્ત, આરોગ્ય બહુત, વિકલ, ધ્વંસસે । [સમ્પૂર્ણ, તમામ ।

સારી-૩-રે (વિ.) સબ, સમસ્ત,

સારીયા (સં) ઔષધિ, દવા, ભેષજ ।

સારૂ (વિ.) સુન્દર, અચ્છા, શોભિત, ઉત્તમ, મનોહર, લાભદાયક, સુખદાયક જૈસાકા તૈસા । સુબદ્ધ, શુભચિંતક. ઉદાર, પક્કા, ટિકાઉ, ઈમાનદાર, ભલા, સૂધા. શાન્ત, સાધારણ । (અ૦)લિયે,વાસ્તે,કારણ ।

સારૂ કરવું (ક્રિ.) રોગ મિટાના, ભલા કરના, ચંગા કરના ।

સારૂં થવું (ક્રિ.) નિરોગી હોના, સ્વસ્થ હોના ।

सालेहुं (सं.) चावलके आटेके पापड़ ।

सालो (सं.) वार्षिक रिपोर्ट । साल भरका सिंहावलोकन ।

सार्थ (वि.) अर्थसहित, टीकासहित ।

सार्थक (सं.) अर्थसहित, अर्थयुक्त, सफल, कृतार्थ । [सब लोगोंका ।

सार्वजनिक (व.) लोकोपयोगी,

सार्वभौम (सं.) राजा, महाराजा, चक्रवर्तीराजा, शहनशाह ।

सार्दुल (सं.) व्याघ्र, बाघ, बबर ।

साल (सं.) वर्ष, बत्सर, बरस । (सं.) हरकत, फिट बैठनेवाला जोड़, गिल्लीडंडका खेल । देखो शाल ।

सालगिरी (सं) सालगिरह, वर्षगांठ, जन्मादेवस ।

सालगुदस्त (सं.) गतवर्ष, गुज़रा हुआ वर्ष, पिछलावर्ष ।

सालभ (सं.) एक प्रकारका पुष्टिकारक कन्द, सालममिश्री ।

सालभपाक आपवो (कि.) मारना, कूटना, ठोकनापीटना ।

सालभिश्री (सं.) देखो सालभ ।

सालवुं (कि.) खटकना, छेदना, सूराखकरना, संभोग करना ।

सालवार (अ०) वर्षानुकूल, सालके बाद साल । [प्रतिवर्ष, वार्षिक ।

सालवारी (सं.) हर सालका,

सालवी (सं.) बढ़ई, तक्षक, खाती ।

सालवुं (कि.) खटकना, चुभना, दुःख होना ।

सालस (वि.) भला, सीधा, निष्कपट, शान्त, विवेकी, विश्वस्त ।

सालसहचो (सं) गुप्त परामर्श, पोशीदा-सलाह ।

सालसाइ (सं.) भलमनसाई, विवेक, विश्वस्तता ।

सालातालो (सं) आजिज़ी, खुशामद ।

सालातुंपुं (वि.) बेढंगढौंलका, भला, अनसमझ, भोला ।

सालिया (स.) बैलगाड़ीके दोनों ओर गाड़ीमें रखी हुई वस्तुएं न गिरनेके लिये खड़े किये हुए डंडे ।

सालियाणु-णुं (सं.) वार्षिकटेक्स, कर या चन्दा ।

सालोक्य (सं.)मुक्ति विशेष, सलोकता ।

सालो (सं.) स्त्रियोंके वस्त्रविशेष, साड़ी, साड़ी ।

सालो पहेरावबो (कि.) नामर्द होना, ज़नाना होना, नपुंसक बनना ।

साव (अ०) सब, बिलकुल, संपूर्ण ।

सावक (सं.)श्रावक, सराक, सनी ।

सावधूं (वि.) एक पितासें किन्तु अलग अलग मातासें उत्पन्न भाई बहिन । [भान, जाएत, संचत ।

सावधेत (वि.) होशियार, सावधानी

सावधेती (सं.) होशियारी, सावधानी जागृति, चेतावनी ।

सावन (स.) बाघ, मूर्ख, बुद्धिहीन, (वि.) जंगली, वन्य ।

सावध (वि.) सावधान, होशियार ।

सावधान (वि.) पूर्ववत् (स.) विवाह संस्कारमें समय पाणिग्रहण के समय वह शब्द बोलते हैं ।

सावरणी (सं.) झाड़ू, बुहारी, झश ।

सावरणी फेरवणी (क्रि.) चूलधानी करना, बरबाद करना ।

सावरणो (सं.) बड़ी झाड़ू बड़ी बुहारी, बुहारा ।

सावरियुं (सं.) सासरा, श्वसुरालय ।

सावलुं (सं.) मिट्ठेका पात्रविशेष ।

सावित्री (सं.) सूर्यकी किरणें, ब्रह्माकी स्त्री, गायित्री ।

सावुं (क्रि.) पकड़ना, ग्रहण करना ।

साश्चर्य (अ०) अंचेभेत तथाज्जुबसे ।

साष्टांग (सं.) प्रणाम, आठ अंगों द्वारा प्रणाम । (वि.) आठों अंगोंद्वारा ।

सास (सं.) श्वास, शोष, शव, जीव, प्राण, हंस ।

सासऽभासो (सं.) लड़कीको ससुराल भेजनेके समय वस्त्राभूषण की भेट । [मनुष्य, श्वसुरपक्ष ।

सासरवेऽ-ष (सं.) ससुरालके

सासस्थिां (सं.) पूर्ववत् ।

सासरी-३ (सं.) ससुराळ, पतिका पत्नीके मातापिताका स्थान ।

सासु (सं.) पतिका पत्नीकी माता ।

सासुडी (सं.) पूर्ववत् ।

सासोट (अ०) हांपता हुआ, जिसका दम भरा हुआ हो, सपाटेबंद दौड़ता हुआ । दम फूला हुआ ।

साहजिक (वि.) स्वाभाविक, प्राकृतिक, कुदरती, नेचरल । जो बिना प्रयासके प्राप्त हो सके ।

साहस (सं.) उद्योग, उत्साह, वीरता, कार्य-तत्परता, हार्ड्स ।

साहसिक (वि.) साहसी, साहस करनेवाला, बहादुर, हिम्मतवाला, अविचारी, उद्योगी, निर्भीक, निडर ।

साहाय्-य्य (सं.) सहायता, उपकार, सहारा, मदद, पुष्टि ।

साहावुं (क्रि.) पकड़ना, ग्रहण करना ।

साहित्य-त्य (सं.) उपकरण, सामान, सामग्री, विद्याविशेष, काव्य अलंकार आदि ।

साही (सं.) स्याही, रोशनाई, मसि, पानीमें घुला हुआ काला रंग ।

साहु (वि.) साधु, प्रामाणिक, सीधा, (व्यवहारमें) ।

साहुकार (सं.) व्यवहारी, साधु पुरुष, रुपये पैसेकी लेनदेन करनेवाला, शरीफ ।

साहुकारी (स.) सचाई, प्रामाणिकता, साहूकारका धंधा, शरीफा, (वि.) साहूकार सम्बन्धी, बाजिबा, खरा ।

साहुडी (सं.) एक प्रकारका वस्त्र ।

साहेत (अ.) तुरंतही, उसीबीचमें,

साहेद-दी(सं.) गवाही, साक्षी ।

साहेब (स.) स्वामी, मालिक धनी, पति, महाशय, सद्गृहस्थ, पदद्योतक प्रत्यय, आजकल अंग्रेज जातिके लोगोंके लिये भी यह शब्द प्रयोग होता है, महेरबान ।

साहेबी (सं.) वैभव, प्रभुता, सज्जनता, दयालुता । [बढिया ।

साहेबभली (वि.) अच्छा और

साहेबो (सं.) धनी, स्वामी, मालिक ।

साहेर (सं.) कवि, शायर, शाअर ।

साहेली (सं.) सखी, आली, मायली, चमेली की जातिका एक पौधा ।

साहेस (सं.) सहायता, मदद, पुष्टि ।

साह्य (वि.) मददगार ।

साह्यता (सं.) मदद, सहायता, पुष्टि ।

साळ (सं.) कपड़ा बुनने का हाथसे या पैर से चलने का यंत्र, लूम, हेण्डलूम । जुलाहोंके बिनने का यंत्र । [जुलाहा, कोरी ।

साळवी (सं.) कपड़ा बुनने वाला

साळवेणी (सं.) सालेकी औरत ।

साळिधु (स) छिलके युक्त चांवल ।

साळी (सं.) पत्नीकी बहिन, साली ।

साळुं (सं) साला, पत्निकाभाई इसशब्दको गाळी गलोजके समय भी काममें लाते हैं ।

साळो (सं) पत्नीका भाई, साला ।

सिंग (सं.) फली, दानेदार लम्बे पतले फळ । [सींग ।

सिंगडी (सं.) छोटा सींग, शृंग,

सिंगडुं (सं.) पूर्ववत्, बड़ासींग ।

सिंगारा (सं.)एक प्रकारकी मछली ।

सिंगोटी (सं.) सींगपीड़े कर देखो शिंगोटी । [निकालनेका रस्सी ।

सिंचणिधु (सं.) कुएमेंसे पानी

सिंचणुं (क्रि.) पानी छींटना, सींचना, सिंचनकरना, पानी देना ।

સિંચાણો (સં.) એક પ્રકારનો પક્ષી, બાજ, શ્યેન ।

સિંદરી (સં.) ગુચ્છા ।

સિંધોથ (સં.) સેંધાનમક, સેંધવ ક્ષાર, લવણ વિશેષ ।

સિંહ (સં.) શેર, શાર્દૂલ, સિંધ, યોદ્ધા, લડાકા, શૂર, બહાદુર, રાશિ વિશેષ । [જીત ।

સિંહ કે સિયાળ (સ) હારહુદે યા

સિંહકટી (વિ.) સિંહ સરીખી પતલી કમર, કૃષોદર ।

સિંહણી (સં.) શેરની. સિંહકીમાદા ।

સિંહસ્થ (સં.) સિંહ રાશિનો બૃહસ્પતિ, યહ યોગ બારહ વર્ષમેં એક બાર આતા હૈ । [સમાન ધ્વનિ ।

સિંહનાદ (સં.) સિંહ ગર્જના, શેરકે

સિંહાવલોકી (વિ.) પહિલે ચરણ કે અંતિમ અક્ષરોંસે આરંભ હોને-વાલા દૂસરા ચરણહો ઐસા શ્લોક ।

સિંહાસન (સં.) ઐસા આસન જિસકે આસપાસ દોનોં ઓરસિંહકી મૂર્તિયાં બની હોં, રાજ ગદ્દી ।

સિંહિકા (સં.) શેરની, સિંહની ।

સિંહિકાસુત (સં.) શેર સિંહ, રાહુ ।

સિકતા (સં.) રેતી, ધૂલી ।

સિકંદર (વિ.) વિજયી, જયો ફતહ મંદ, આબાદ, (સં.) ઇસ નામકા એક મુસલમાન રાજા હો ગયા હૈ, (વિ.) લુચ્ચા, બદમાશ ।

સિકલ (સં.) ચેહરા, સૂરત, શક્લ, મુહેં, દિખાવ, ડૌલ, રૌનક, તેજ ।

સિકલીગર (સં.) હથિયાર સાફ કરનેવાલા, ઔઝાર ઔર હથિ-યારોંપર ધાર ચઢાનેવાલા ।

સિકારવું (ક્રિ.) સ્વીકાર કરના, મંજૂર કરના, કબૂલ કરના ।

સિકદાદાર (વિ.) સુન્દર, દિસ-નેમેં ખૂબસૂરત, મનોહર ।

સિકબંધ (વિ.) ઐસી વસ્તુ જિ-સકો બન્દ કરકે ઊપર છાપ લગાઈ ગઈ હો, અમાનત, ધરોહર કામમેં નહીં લાયા હુઆ । અક્ષતા ।

સિક્કેદાર (સં.) રાજાકે ખડ્ગકા ચિન્હ, છાપ ।

સિક્કો (સં) છાપ, મુહર, રુપયા પૈસા, શકલ, સૂરત, ચેહરા, જય-ચિન્હ, ડંકા, ધૌંસા, ખેલનેકા પત્થરકા પાસા વિશેષ ।

સિચાણો (સં.) બાજ, શ્યેન, એક જાતિકા પક્ષી ।

सिजवुं–ઝવું (क्रि.) सींजना, गर्मीसे ढीला होना, बफ़ाना, रंधना, उबलना, पारपड़ना, सिद्ध-होना, दुखी होना।

सिजवुं–ઝવવું (क्रि.) सिजाना, उबालना, रांधना, पारपटकना, शान्तकरना, ठंडाकरना।

सिटी–ટી (सं.), सीटी, चीत्कार शब्द विशेष गांजेकी दम।

सिढी (सं.) सीढी, नसेनी, निश्रेणी पैड़े, सीढियां। [ठंडा, शीतल।

सित (वि.) सफेत, धवल, श्वेत.

सिताफळ (सं.) सीताफळ, शरीफ़ा फलविशेष। [वृक्षविशेष।

सिताफळी (सं.) सीताफलका पेड़

सितारो (सं.) ग्रह, तारा, योग, नसीब भाग्य।

सितारो पांक्षरो (क्रि.) भाग्य, अनुकूल ह, दिन अच्छे हैं, योग उत्तम है।

सितासी (वि.) सतासी, ८७, संख्या विशेष, (संवत १६८७ में बड़ा भारी दुर्भिक्ष पड़ाथा, उस-परसे) भूखे मरते हुवेको जब अन्न मिलजावे तब कहते है।

सित्तेर (वि.) सत्तर, ७०, संख्या विशेष।

सित्तोतेर (वि.) सतत्तर, सतह-त्तर, ७७, संख्या विशेष।

सिदाखुवुं (क्रि.) दुखी होना।

सिद्ध (वि.) सिद्धिप्राप्त, पूरा, साबित कियाहुआ, पक्क, बनाहुआ तैय्यार, निश्चित, साधु विशेष, अनुभव प्राप्त पुरुष, मंत्र इत्यादिका साधक, योगी, जादुगर, योगका २१ वां भाग।

सिद्धरवुं (क्रि.) साबितकरना।

सिद्धता (सं.) साबिती, प्रमाण।

सिद्धसाधक (सं.) कपट से किसी कामको करनेवाले दो मनुष्य, एक सिद्ध और दूसरा साधन करनेवाला।

सिद्धाई (सं.) बड़प्पन, सिद्धता, प्रामाणिकता।

सिद्धांत (सं.) दृढानिश्चय, निष्पन्न अर्थ, ठहराव, प्रमेय, अनुमान।

सिद्धांती (वि.) मीमांसक, विचा-रक, वाद विवादसे सिद्ध किंवा हुआ मत।

सिद्धि (सं.) मंत्र प्रसादि, जय, फतह, अद्भुत सामर्थ्य, दुर्गा, योग विशेष, निष्पत्ति, मोक्ष, वृद्धि, सिद्धि आठ है यथा " अणिमा, महिमा चैव लघिमा प्राप्तिरेवच। प्राकाम्यंच तथेशित्वं वशित्वंच तथापरम्। छुटकारा।

सिद्धावरथु (सं.) प्रारंभिक पाठ, अक्षराभ्यास, प्रथमपाठ। [होना।
सिधपुं (क्रि.) पूरा होना, सिद्ध-
सिधवो (सं.) बैलगाड़ी के पीछे लगानेका टेका। [जाना, बिदा होना।
सिधारवुं-धावुं (क्रि.) जाना, दूर,
सिधी (सं.) हबशी, नागिरो, ऐबी-सीनियन।
सिंदरी (सं.) रस्सी, गुच्छ, झुमका।
सिंदुरिया (वि.) सिन्दूरके रंग-वाला, सिन्दूरवाला।
सिंदुरी (सं) विधवा स्त्रियों के पहिननेका सिन्दूरी रंगका वस्त्र (वि.) सिन्दूरी रंगका।
सिंदूर (सं.) उपधातु विशेष, सिन्दूर नामसे प्रसिद्ध एक रंग, एक जातिका राग।
सिंदूरेरवुं (क्रि.) धूलमें मिल ना नष्ट करना, बरबाद करना।
सिंधभैरवी (सं.) भैरवी नामक रागिनीका एक भेद विशेष।
सिंधव (सं.) नमक विशेष, सेंधानोन, सेंधवनमक।
सिन्धु (सं.) समुद्र, सागर, दरिया इस नामसे प्रसिद्ध नदी, एक राग विशेष जो युद्ध के समय गाया जाता है।
सिन्धुर (वि.) समुद्री, दरियाई, समुद्र सम्बन्धी।
सिन्धुडो (सं.) राग विशेष।
सिंधवुं (क्रि.) सींचना, पानी उंडेलना, पानी देना। [सिंचाई।
सिंधणी (सं.) पानी सींचनेका कार्य
सिपाई (सं.) सिपाही, सैनिक, रक्षाके लिये नियुक्त किया हुआ व्यक्ति, चौकीदार, योद्धा।
सिपाईगीरी (सं.) सैनिक कार्य, फौजी धंदा, सिपाहीका काम।
सिपात (सं.) संन्यासी, श्रीपाद।
सिफत (सं.) गुण, युक्ति, हिकमत, करामात, स्तुति, तारीफ, छटा, आदत। [विचित्र।
सिफ्लु (वि.) ढंग चाल रहित,
सिफारिशी (वि.) छातीवाला, हिम्मतवाला, बहादुर, सीनाजोर।
सिफारस (सं.) गुणवर्णन, प्रशंसा, अनुग्रहकारण, शिफारिश।
सिमन्दी (सं.) मुख्य राजाके आवश्यकता आपड़नेपर करद राजाओंका सेना वगैरः देना, करद राज्योंमें उन्हीं सामन्तों के खर्च से रखीहुई सेना।

સિસમો (સં.) વૃક્ષવિશેષ, સેમલ નામસે પ્રસિદ્ધ વૃક્ષ ।

સિસમો (સં.) ગાંવસે લગીહુઈ ભૂમિકા અંત, ગ્રામ સીમા, અંત, આસીર, હદ, સીમ ।

સિસિટ (સં.) એક પ્રકારકી બહુત હી ચિકની કૃત્રિમ મિટ્ટી ।[જમ્બુક ।

સિસિયા (સં.) ગીદડ, સ્યાર લડૈયા

સિર (સં.) મસ્તક, માથા. મોલ, શિખર, શૃંગ, સિરા ।

સિરજોરી (સં.) જબરદસ્તી, માથા ફોડ, સિરપચ્ચી, બલાત્કાર ।

સિરતાજ (સં.) મુકુટ, મસ્તક ધારણ કરનેકા આભૂષણ ।

સિરપેચ (સં.) પગડીઉપર બાંધનેકા મોતીઆદિ બહુમૂલ્ય પદાર્થોંસે જડાહુઆ પટકા ।

સિરમંદી (સં.) દેખો સિમંદી

સિરસ (સં.) એક પ્રકારકા ચર્મ્મરોગ ।

સિરસ્તેદાર (સં.) કચહરીકા મુખ્ય ક્લર્ક, કોર્ટકા હેડ ક્લર્ક । [ધન્ધા ।

સિરસ્તેદારી (સં.) શિરસ્તેદારકા

સિરસ્તો(સં.)રિવાજ,ચાલ ચલાઆતા કામ, રસ્મ, નિયમ, સદાકી રીતિ ।

સિરોઈ (સં.) લમ્બે ગલે તથા મોટે પેટકા પાત્રવિશેષ ।

સિલક (સં.) શેષ, રકમ, બાકી ।

સિલગ (સં.) બત્તી, ચિરાગ, દીપક ।

સિલકી (વિ.) બાકી રહા હુઆ, શેષ, બચા હુઆ, અવશિષ્ટ ।

સિલસિલાબંદ (અ૦) સિલસિલે વાર, અનુક્રમપૂર્વક, ક્રમાનુસાર ।

સિલાઈ (સં) સીનેકી મજદૂરી ।

સિલાજિત (સં.) શિલાજીત, પત્થરકા મદ યા સાર । [સૈનિક ।

સિલેદાર (સં.) ઘુડસવાર, અશ્વારોહી

સિવડામણ—ણી (સં.) દેખો સિલાઈ ।

સિવડાવવું (ક્રિ) સીના, સૂઈ ઔર ધાગેસે કપડે કે ટુકડે જોડના ।

સિવણ—ણી (સં.) સીનેકી રીતિ, સિલાઇ, સિયાહુઆ ।

સિવવું (ક્રિ.) સીના, ટાંકામારના, ડોરેડાલના, સૌમના, (વસ્ત્ર)

સિવાએ—ય (અ૦) અતિરિક્ત, અલાવહ, બિના, બગૈર ।

સિસમ (સં.) શીશમ, કાષ્ઠવિશેષ ।

સિસમજેવું (વિ.) પક્કા મજબૂત ઔર વજનદાર । [કાલે રંગકી ।

સિસમનીપુતળી (વિ.) બિલકુલ

સિસોટા (સં) એક પ્રકારકા વૃક્ષ ।

સિસોટી (સં.) સીટી, ધ્વનિવિશેષ ।

સિસોટીમારવી (ક્રિ.) ચિતાના, ઇશારા કરના સાવધાનકરના ।

सिसोणीयुं (सं.) एक जानवर के शरीरपर के कांटे, लंके शूल ।
सिहाविहा (वि.)शर्मिन्दा, लाजत ।
सीक (सं.) लीक, शलाका, तिनका मांस सेकनेकी लोहेकी छड़, (वि.) बीमार, अस्वस्थ, रुग्ण ।
सीकु (स.) छींका, बरतन, वस्तु लटकानेका साधन । [चुकाना ।
सीकवुं (क्रि०) बन्दकरना, देदालना,
सीडी (सं.) पैडे सीढी, नसेनी ।
सीडी छेल्ले पगथीअेथी (अ०) शुरूसे आखारतक, आदिसे अंततक ।
सीत (सं.) हलकी फाल, (वि.) देखो सीत ।
सीतकार (स.) ठंडसे कंप होनेका शब्द, कंप कंपकं आवाज ।
सीदावुं (क्रि,) दुखी होना ।
सीढी-धी (सं.) हबशी, शिद्दी, नीग्रो ।
सीधुं (वि) सीधी, सुधा, प्रमाणिक रांधकर खानेके लिये अन्न ।
सीधुलेखवुं (क्रि.) मारना, कूटना पीटना, ठोकना ।
सीधुसामान (सं.) भोजन बनानेका सामान, सामग्री (भोजनकी)
सीनो (सं.) छाती, सीना ।
सीप (सं.) सीप, जिसमें मोती होते हैं सीपी ।
सीपनुंमोती (सं.) बढिया मोती, बहुमूल्य मोती ।
सीमा (सं.) हद्द, सीमा, अंत ।
सीमेाडथ(अ०) बिलकुल, तमाम सब ।
सीमंत (सं.) संस्कार विशेष, अगरणी, गर्भावस्थाका संस्कार विशेष ।
सीमाडो (सं.) देखो सीम । [चिन्ह ,
सीमासुत्र (स.) ग्राम, सीमाका
सीयम (वि.) हलकी जातिका, निम्न दर्जेका, हलका तीसरे दर्जेका
सीरी (सं.) मिठास, मधुरता, लज्जत । [पात्र विशेष ।
सीसी (सं.) छोटी बोतल, काच
सीसु (स.) धातु विशेष, सीसा ।
सीसेा (सं.) बडी शीशी, बोतल ।
सीमाभां उतारवुं (क्रि.) वशमें करना, अधिकारमें करना, आधीन करना ।
सीळी (सं.) शीतला, देवी विशेष ।
सीळुं (वि.) ठंडा, (सं.) छांह, साया ।
सुं (अ०) " अच्छा " अर्थकी वृद्धि करनेवाला प्रत्यय, उत्तमता बोधक । [में बाक बनवाना ।
सुंआणुं-वाणुं (सं.) मृत्युसूचक

સુંભસ–ળ (સં.) ઘાસ અથવા ગેહૂંનું ઉંઠળનું પતલા ભાગ.

સુંઘવું (ક્રિ.) વાસલેના, સંઘલેના સુંઘના, શ્વાસ લેના. [અદરક.

સુંઠ (સં.) સૌંઠ, શુંઠી, સૂખીહુઇ

સુંઢકુંઢવી (ક્રિ.) કાન મરના, મરકાના, ઉકસાના, ઉત્તેજિત કરના.

સુંઢનો સ્વાદ બગાડવો (ક્રિ.) આટે દાલકા ભાવ બતાના,મારના.

સુંઢ–ઢ (સં.) સૂંઢ, હાથીકા નાક શુંડ, હાથીકા હાથ. [સી ટોકરી.

સુંડલી (સં.) ઝોંટી ડલિયા, છોટી.

સુંડલો (સં.) ઉલા, છાબડા, બડી ભારી ડલિયા, ડાલ.

સુંથિયું (સં.) કપડે યા ઘાસકા ગોળ કુંડલ.

સુંદિયું (સં.) હલકી જાતિકી જ્વાર, ખરાબ કિસ્મકી જ્વારી (અન્ન)

સુંદિયોકોશ (સં.) સૂંડવાર ચમડસ પાની સીંચનેકા ચમડે વગૈરકા સૂંડવાર સાધન.

સુંદર (વિ.) ખૂબસૂરત મનોહર.

સુંદરરીતે (અ૦) અચ્છી પ્રકાર સે મની ભાંતિસે.

સુંદરિ (સં.) ખૂબસૂરત સ્ત્રી, પત્નિ.

સુંભળી (સં.) એક પ્રકારકી સૂખી ટિકલિયાં (ખાદ્ય પદાર્થ)

સુવાળી (સં.) ગેહૂંકે આટેકી તલી હુઇ શુષ્ક પૂરી (ખાદ્ય પદાર્થ).

સુંવાળું (વિ.) નરમ, મુલાયમ, કોમલ, (સં.) અન્ન સૂતક, વૃદ્ધિ સૂતક, સ્થાવર.

સુ (અ૦) ઉત્તમતા સૂચક પ્રત્યય.

સુઇણી (સં.) દાઈ, બચ્ચોંકે ઉત્પન્ન હોતે સમય જાકર ઉસકે પૈદા કરનેમે સહાયતા કરનેવાલી સ્ત્રી.

સુકન (સં.) શકુન, શુભચિન્હ.

સુકલકડા (વિ) લમ્બા ઔર દુબલા.

સુકવણી (સં.) સૂકના, શુષ્કહોના.

સુકવણું (સં.) સારી વર્ષા ઋતુમે જળ ન બરસને પર સૂખા સૂખા.

સુકવવું (ક્રિ.) સુખાના, શુષ્ક કરના, ગર્મી પહુંચાના.

સુકવું (ક્રિ.) સૂખના, શુષ્કહોના,

સુકાન (સં.) પતવાર, દાંડ, નાવ ચલાનેકા દણ્ડ, ચાવી, કુંજી.

સુકાની (સં.) પતવાર ચલાનેવાલા દાંડ ખેનવાલા વ્યક્તિ.

સુકાવું (ક્રિ.) સૂખના, શુષ્કહોના, હવાજાના, ગીલાપન હટના, દુર્બલ હોના, કૃશશરીર હોના, મુરઝાના, કુમ્હલાના.

સુકાળ (સં.) સુભિક્ષ, અન્નજળ કી વિપુલતા, અધિકતા ।
સુકીર્ત્તિ (સં.) અચ્છો, ખ્યાતિ, ઇજ્જત ।
સુકુમાર (વિ.) અત્યંત નાજુક, અતિશય કોમલ ।
સુકોમળ (વિ) અત્યંત કોમલ ।
સુકૃત (સં) પુણ્ય, ઉત્તમ કાર્ય, ધર્મ, સદ્ધર્મ, (વિ) પુણ્યજનક, અચ્છા, ઉત્તમ ।
સુક્કર (સં.) શુક્રવાર, જુમ્મા ।
સુક્કો (સં) તમાકુ, તમ્બાકૂ । (વિ.) ખાળી, ખોટા નિરમ્મા, વ્યર્થ, જિસકે પાસ પૈસા ન હો ।
સુખ (સં.) આરામ, ચળ, શાંતિ, ઇન્દ્રિયોંકી તૃપ્તિ, સ્વસ્થતા, ચૈન, સન્તોષ, હર્ષ, આનંદ, મૌજ, શોક ।
સુખકર-કારક-રી (ત્રિ.) સુખ દેનેવાલા, આનંદપ્રદ, સુખદ ।
સુખચેન (સં.) શાંતિ, ચૈન ।
સુખડ (સં) ચન્દન, શ્રીખંડ ।
સુખડિયો (સં.) હલવાઈ, મિઠાઈ બનાનેવાલા । [દુખા અન્ન ।
સુખડી (સં.) મિઠાઈ, બિના રાંધા
સુખડી બનાવની (ક્રિ.) પિટાઈ કરના ।
સુખતળી (સં.) ચૂલોંમેં ડાલનેકી તકિયાં ચમડે આદિકી ।
સુખદ-દાઈ-દાયક (વિ-) સુખ દેનેવાલા ।
સુખધાની (સં.) શય્યા, સેજ, પલંગ ।
સુખન (સં.) શબ્દ, ઉચ્ચારણ, વચન ।
સુખપાલ (સં.) એક પ્રકારકી પાલકી યાનવિશેષ ।[એક, ખુશ્બૂદાર ।
સુખબાસ (સં.) તીન નાડિયોંમેંસે
સુખમા (સ.) શોભા ।
સુખરાશિ-શિ (વિ) બહુતહી સુખકા દેનેવાલા, અત્યંત સુખી ।
સુખરૂપ (વિ.) આરોગ્ય, તન્દુરુસ્ત, ક્ષેમ, સુખી, (અ૦) સુખમેં ।
સુખલા (સં.) ગેહૂંકા મોટા આટા ।
સુખવેલ (સં.) બઢિયા ચાંવલ ।
સુખસેજ્યા (સં.) ઐસા શય્યા જિસપર સોનેસે સુખ હો । ભોગ-વિલાસકે લિયે પલંગ ।
સુખસાતા (સં.) શાંતિ, ચૈન, સુખ, સન્તોષ, ધૈર્ય્ય ।
સુખાકારી (સં.) તન્દુરસ્તી, આરોગ્યતા, સુખકી દશા ।
સુખાસ્વાદ (સં.) સુખકા ભોગ, આનન્દ ભોગ ।
સુખાળું (વિ.) સુખી, સુખ પ્રાપ્ત ।
સુખાળુ થવું (ક્રિ.) સોના, પૌઢના, શયન કરના ।
સુખિયું (વિ.) સુખી, આનન્દયુક્ત ।

સુખી (વિ.) સુખ કરનેવાલા, આનંદી, અચ્છી દશામેં ।
સુગંધ (સં) ખુશબૂ, અચ્છી ગંધ, મહેકે, સુવાસ, સોમન ।
સુગંધિદાર (વિ.) ખુશબૂવાલા, અચ્છી વાસવાલા ।
સુગમ (વિ.) સહજ, સરલ, સુકર, અલ્પ પરિશ્રમસે કરનેયોગ્ય, સહલ, અનુકૂલ । [બયા નામક પક્ષી ।
સુગરી (સં.) એક પ્રકારકા પક્ષી ।
સુગરીનો ભાળો (સં.) ઉલઝા હુઆ, તંતુ પદાર્થ યા બાલ વગૈરહ ।
સુગરૂ (સં.) બયાકા ઘોંસલા, (વિ) ચાલાક, ચતુર ।
સુગરો (સં.) બયા, પક્ષી (નર) ।
સુગાભણું (વિ.) ઘિનૌના, ઘૃણા પૈદા કરનેવાલા, સૂગલા ।
સુગાવું (ક્રિ.) નફરત પૈદા હોના, ઘૃણા હોના, સૂગ આના ।
સુગાળ (વિ.) જિસે ઝટ ઘૃણા પૈદા હોતી હો ।
સુઘડ (વિ.) સુન્દર, મનોહર, સુડૌલ, સ્વચ્છ, ચતુર, વિવેકી । ચતુર, સભ્ય ।
સુઘડતા(સં.)સ્વચ્છતા,સફાઈ,ચાતુર્ય, મનોહરતા । [દુર્ગકા વર્ણન ।
સુચરિત(સં.) અચ્છા ચરિત્ર, બહા-
સુચવવું (ક્રિ.) બતલાના, સૂચિત કરના, ઇશારા કરના ।
સુજન (સં.) સાધુજન, ભલા માનસ, સદાચારી, પરોપકારી ।
સુજનતા (સં.) ભલાઈ, સાધુતા, પરોપકારિતા, ભલમંસી ।
સુજની (સં.) રજાઈ, સૌર, રૂઈ ભરકર ઓઢનેકે લિયે બનાયા હુઆ વસ્ત્ર । [સૂજન આના ।
સુજવું (ક્રિ.) સૂજના, ફૂલના,
સુજશ (સં.) યશ, સુન્દરયશ, કીર્તિ ।
સુજાણ (વિ.) ચતુર, હોશિયાર, પ્રવીણ, દક્ષ જાનકાર ।
સુજાત (વિ.) અચ્છી જાતિકા,કુલીન, ભલા, વરવર્ણ । [તહી સૂજના ।
સુજ્યે થાંભલો થવું (ક્રિ.) બહુ-
સુઝવું–સૂઝવું (ક્રિ.) દિખાઈ, પડ઼ના, દિખના, નજર આના, દાષ્ટ આના । મનમેં ભાસ હોના ।
સુઝાડવું (ક્રિ.) દિખાના, સુઝાના ।
સુડતાળીસ (વિ.) સૈંતાલીસ, ૪૭, સંખ્યાવિશેષ ।
સુડતાળો (સં.) સંવત્ ૧૮૪૭ મેં ઘોર દુર્ભિક્ષ પડ઼ા થા ઇસ લિયે મહંગીકે સમય સૂચનાર્થ યહ શબ્દકા પ્રયોગ કરતે હૈં । દુર્ભિક્ષ-સમ, દુષ્કાળ ।

सुअणुं (क्रि.) ज्वारके खेतमेंसे ज्वारके वृक्षको जड़से काटना।

सुडी-सूडी (सं.) सरौता, सरौती, सुपारी काटनेका यंत्र विशेष।

सुडो-सूडो (सं.) तोता, सुग्गा शुक, पक्षीविशेष। (सं.) बड़ा सरौता, कैंची कड़ा।

सुणणुं (क्रि.) सुनना, श्रवण करना फूलना, सूजना, सोजन आना।

सुणावणी (सं.) सुनाई, सुनवाई, पेशी।

सुणावणुं (क्रि.) जतलाना, सुनाना।

सुत (स.) बेटा, पुत्र, लड़का, तनय। सारथी, गाड़ीवान, कोच-वान। क्षत्रियद्वारा ब्राह्मणीके गर्भसे उत्पन्न बालक।

सुतनुं (वि.) नाजुक, कोमल, सुंदर शरीरवाला, पतला। (सं.) सुन्दर स्त्री।

सुतक-सूतर (सं.) प्रसव और मर-णकी अशुद्धि, अशौच।

सुतर (सं.) डोरा, सूत्र, सूत, धागा, तागा।

सुतरने तांतणे बंधायेलुं (वि.) निरंतर स्नेहका भूखा, ताबेदार, शरण गया हुआ।

सुतर-३ (वि.) सहज, सरल, सुगम।

सुतरउ-उ (वि.) रूईका बना हुआ, कपासका बना हुआ, सूती।

सुतरफेणी (स.) एक प्रकारकी मिठाई।

सुतरसाळ (सं.) एक तरहके चावल

सुतरियो (सं.) सूतका व्यापारी।

सुतळी (वि.) सप्त पातालोंमेंसे तीसरा पाताल। संकलन करना।

सुतळणुं (क्रि.) जाड़ना, बाधना,

सुतळी (सं.) सुतली, डोरी, सूत्र वा सनका रस्सा (पतली जूतोंमें लगनेका सुखतले।

सुता (सं.) बेटी, पुत्री, तनया, दुहिता, लड़की, आत्मजा।

सुतार (स) बढ़ई, तक्षक, खाती।

सुतारकाम (सं.) लकड़ी घड़नेका काम, काष्ठशिल्प। [सम्बन्धी।

सुतारी (वि.) बढ़ईका खातीका, तक्षक।

सुत्रामा (सं.) इन्द्र, सुरपति।

सुथाडियो (सं.) एक प्रकारका मोटा घास।

सुदर्शन (सं.) विष्णुका चक्रायुध, सुन्दरदर्शन, अच्छा दिखावा : खूबसूरती।

सुधमत (अ०) सलामत, क्षेम, अच्छी परिस्थितिमें।

सुदामा (सं.) कृष्णका एक दरिद्र ब्राह्मण सहपाठी मित्र ।

सुदामापुरी (सं) गरीबग्राम, जहां कुछभी नहीं मिलसके ऐसा नगर ।

सुदामानी झुपडी (सं.) गरीब आदमीका मकान, टूटाफूटा घर ।

सुदामाना तांदुल (सं.) तुच्छभेट, न कुछ नजराना ।

सुदिन (स.) अच्छादिन, त्यौहार, पर्वदिवस, उत्सवदिन, उत्सवादन ।

सुदी (वि.) शुक्लपक्ष, चांदनीरात ।

सुदृढ (वि.) मजबूत, कठोर सख्त, कड़ा, अटल ।[बूझ, होशहवास ।

सुधबुध (सं.) समझ, चेत, ज्ञान.

सुधबुध उडी जवी (क्रि.) होश नहीं रहना, बेसुध होना, हतचेत होना ।

सुधरवुं (क्रि.) शुद्धहोना ठीकहोना, सुधरना, दुरुस्तहोना ।

सुधराई (सं.) सुधार, अच्छोदशा ।

सुधा (सं.) अमृत, अमी, पीयूष, रस, गंगा, हरें, मधु, हरीतकी ।

सुधाकर (सं.) चन्द्रमा, चांद ।

सुधारक (सं.) सुधार करनेवाला, रिफार्मर, सुधारनेवाला ।

सुधारवुं (क्रि.) सुधारना, ठीक करना, ढंग देना, तराशना, (शाकमाजी) ।

सुधारस (सं.) अमृत, सुधा, पीयूष ।

सुधारावाळुं (वि.) सुधारा हुआ, नई रोशनीके अनुसार चलनेवाला ।

सुधारो (सं.) सुनार ।

सुधी (सं) पंडित, अच्छी बुद्धि-वाला व्यक्ति, (वि.) सीधा, सूधा, खरा, ठीक ।

सुधीर (वि.) दृढ, बड़ादिल, बहादुर ।

सुधां (अ०) सायमे, संगमे, सहित ।

सुनकार (सं.) देखो शुनकार ।

सुनत–ता (सं.) सुन्नत, मुसल-मान बननेका एक संस्कार लिंगे-न्द्रियके अग्र भागकी थोड़ी सीच ।

सुनमुन (अ०) दिग्मूढ, बेसुध, मूर्च्छित, सुनसान ।

सुनी–न्नी (सं.) मुसलमानोंके दो धर्मोंमेंसे एक, यावनी पंथविशेष ।

सुनेरी (वि.) सुनहरी, सोनेके रंगकी ।

सुंदर (वि.) खूबसूरत, अच्छा, सुरूप, रूपवान मनहर ।

सुंदरी (सं.) सुरूपा, रूपवती स्त्री ।

सुपडी (सं.) छोटासूप, छोटाछाप । सूर्प, रूप, गाड़ीके पहिये परका तख्ता, या लोहेका पत्रा, मडगार्ड ।

સુપડો (સં.) સૂપ, સૂર્પ, છાજ, અન્ન ફટકનેકા સાધન, પાની વંડેલનેકા સૂપ સરીખા પાત્રાવિશેષ ।

સુપડે આવવું (ક્રિ.) ઋતુમતી હોના, રજસ્રાવ હોના, કપડો હોના ।

સુપડે ને ટોપલે ઉભરાવું (ક્રિ.) જમાવ હોના, મંડ્ હોના ।

સુપતી (સં.)પરથર ફોડ્નેકા હથોડા

સુપન (સં.)સ્વપ્ન, સપના, ખ્વાબ ।

સુપાત્ર (વિ.) યોગ્ય, લાયક, કુલીન, સજ્ઞાન, ઉત્તમજન, ખાનદાની ।

સુપુત્ર (સ.) અચ્છાપુત્ર, સુપૂત, સપૂત । [હવાલે કરના, દના ।

સુપુરત (સં.) સિપુર્દ, સૌંપના,

સુપ્ત (વિ.) સૂતાહુઆ, સોતાહુઆ, ઊંઘતાહુઆ । [ઇચ્છા, પ્રવીણતા ।

સુબુદ્ધિ (સં.) અચ્છી બુદ્ધિ, અચ્છી

સુબેદાર (સં.) પરગનેકા હાકિમ, ફૌજમેંકા એક પદ ।

સુબેદારી (સં.) સૂબેદારીકા કામ ।

સુબો (સં.) પરગનેકા હાકિમ, સૂબા ।

સુબોધ (સં.) સદ્જ્ઞાન, અચ્છી સલાહ, સહજહીમેં સમઝા સકે ઐસા જ્ઞાન ।

સુભગ (વિ.) ભાગ્યશાળી. ખુશકિસ્મત ।

સુભગા (વિ.) સૌભાગ્યવતી, સધવા ।

સુભટ (સં.) યોદ્ધા, લડાકા, વીર ।

સુભાગ્ય (સં.) અચ્છા ભાગ. અચ્છી તકદીર અચ્છા નસીબ ।

સુભાષિત (વિ.) અચ્છી વાણીકા સુન્દર ભાષામેં વર્ણિત ।

સુમતિ (સં.) સુબુદ્ધિ, ભલમન્સી, અચ્છી બુદ્ધિ, અચ્છી અક્ક ।[પ્રસૂન ।

સુમન (સં.) પુષ્પ, ફૂલ, કુસુમ,

સુમનશૈયા (સં.) ફૂલોંકા સેજ ।

સુમસામ (વિ.) ચુપચાપ, મૌન, ગુમસુમ, સુનસાન ।

સુમાર (સં.) આસરા, અદસટ્ટા, અટકળ, અન્દાજ, અનુમાન ગણના રંગ, નશા, માપ, તૌલ ।

સુમારે (અ૦) અન્દાજસે,અનુમાનતઃ ।

સુંભ (વિ.) કદર્ય, કંજૂસ, ચુપ, ગૂગા, મૂક, કૃપણ ।

સુયાણી (સં.) દાઈ, દાયન, બચ્ચા પૈદા કરાનેવાલી સ્ત્રી ।

સુર (સં) દેવ, દેવતા, અજર, સ્વર, આવાજ, રાગ, ધ્વનિ ।

સુરખી (સં.) લાલી, રક્તિમા, તેજ, ચમક, શોભા, પ્રભાવ, તેજી ।

સુરંગ (સં.) પરથર ફોડ્ને કે લિયે અથવા શત્રુવિનાશ કે લિયે પૃથ્વીકે ભીતર ગઢ્ઢા ખોદકર બારુદ ભરકે ઉડા દેનેકી ક્રિયા જમીનકે ભીતર કા માર્ગ, સેંધ ।

सुरावट (सं.) आवाज निकालनेकी रीति, स्वरको टीपमें जानेका ढंग।
सुरीनर देव, और मनुष्य।[मोहक।
सुरेभ (वि.) सुन्दर, मनोहर,
सुरूप (वि.) खूबसूरत, रूपवान।
सुरेश(सं.)देवराज, इन्द्र, सुरपति।
सुरोभार (सं.) एक प्रकारका क्षार।
सुलटावणुं (क्रि.) सूधाकरा, चित-करना, सुलझाना।
सुलटुं (वि.) सूधा, सीधा, चित, ठीक चाहिये जैसा।
सुलतान (सं.) बादशाह।
सुलतानी (वि.) बादशाही।
सुलभ (वि.) सहज, सुगम, आसान सहल, जो बिना कष्टके प्राप्त हो सके।
सुललित (वि.) मनोहर, बहुतही सुंदर।
सुलाभ (सं.) सुराख, छिद्र, सिक्के मे अथवा आभूषणमें परीक्षार्थ कियाहुआ छिद्र।
सुलक्षण (सं.)शुभलक्षण, शुभचिन्ह
सुलुह-ख (सं.) समझौता, सुलह, मेळ मिलाप, प्रेम, मिलनसारी।
सुलेह (सं.) शांति. सुलह, सन्धि।
सुलेहाधिकारी (सं.) सन्धिकराने के लिये मध्यस्त पंच, अस्टिस आफ पीपोस।
सुवर (सं.) सुअर, शूकर, सूवर, बाराह, पशुविशेष।
सुवर्ण (सं.)सोना, कनक, हेमकंगच, स्वर्ण, धातु विशेष (वि) वरवर्ण, अच्छे रंगका।
सुवाणु (सं.) आराम, चैन, तबियतका परिवर्तन, तबियत सुधरना।
सुवा (सं.) एक प्रकारकी फलियां ये औषधि के काममें आती हैं। सुगन्धित वनस्पति विशेष, सूआ।
सुवांग (सं.) वेश, सांग, स्वांग, पोशाक, पहिनावा। (वि.) निजका, खुदका।
सुवाक्य (सं.) उत्तम भाषण, अच्छी, बोली, सुवचन।
सुवारोग (सं.) स्त्रीको प्रसवके दिनोंमें होजानेवाला एक रोग विशेष।
सुवावड (सं.) बालक उत्पन्न होने के सवामहीने बादका समय।
सुवावडी (सं.) जच्चा, ऐसी स्त्री जिसने कुछ दिन पूर्वही बालक प्रसव किया हो।
सुवासु (सं.) सुगन्धि, उत्तम बास।
सुवासित (वि.) अच्छी गन्ध-वाला, खुशबूदार, सुगन्धयुक्त।

સુરંગ (સં.) અચ્છે રંગકા ઘોડા।
સુરંગી (વિ) શોભિત, ઉત્તમ રંગકા, વિવિધ રંગકા।
સુરજ (સં.) સૂર્ય, સૂરજ, રવિ, ભાનુ।
સુરજ ચાલી કળાએ હોવો (ક્રિ.) અચ્છે દિનોંકા આગમન। ભાગ્ય ચેતના।
સુરજ ચઢતો છે (ક્રિ.) દિન અચ્છે હૈં, ભાગ્ય ચમકતા હુઆ હૈ।
સુરજ તપે છે (ક્રિ.) બડે ભાગ્ય હૈ। દિન અચ્છે હૈં।
સુરજ માથે આવવો (ક્રિ.) અચ્છી દશાકો પ્રાપ્ત હોના।
સુરજમુખ (સં.) એક પુષ્પ વિશેષ જો પ્રાતઃકાલ ખુલતા હૈ ઔર જિસ ઓર સૂર્ય હોતા હૈ ઉસી તરફ મુહ કિયે રહતા હૈં।
સુરજમુખી (સં.) પુષ્પવિશેષ, જિસમેં સૂર્યકા ચિન્હ હો।
સુરજ વંશિ (વિ.) સૂર્યકે વંશકા રાજ્ય, (સૂર્યવંશ ઔર ચંદ્રવંશકે કિસી પ્રાચીન સમય મેં બડે ભારી પ્રતાપી રાજા હો ગયે હૈં।)
સુરણ (સં.) એક પ્રકારકા કંદ।
સુરણનારવાદવેવા (ક્રિ.) અચ્છા અચ્છા ખાનેકા મન હોના।
સુરત (સં.) સૂરત, શુક્ર, ચેહેરા, મુખાકૃતિ, સ્મૃતિ, યાદ, મૈથુન, સ્ત્રી પુરૂષકા સંભોગ, સુકૃત્ત, અચ્છી મૌસિમ।
સુરતરૂ (સં.) કલ્પવૃક્ષ, દેવવૃક્ષ।
સુરતા (સં.) સ્મૃતિ, યાદ, ધ્યાન, ખ્યાલ। [મોહ।
સુરતિ (સં.) પ્યાર, સ્નેહ, પ્રેમ,
સુરતી (વિ.) સૂરત શુક્રકા, દિખાવટી। [પ્રીતિ।
સુરતીસગાઇ (સં.) મુખ દેખકી
સુરતીબાઇછે (ક્રિ.) નામમાત્રકા માઈ હૈ।
સુરદાસ (સં.) અંધા, નેત્રહીન, અંધ।
સુરદ્રુમ (સં.) સુરતરુ, કલ્પવૃક્ષ।
સુરધન (સ.) પૂર્વજ, અગ્રજ, પુરુષા।
સુરપતિ (સં.) ઇન્દ્ર, દેવરાજ।
સુરધેનુ (સં.) દેવતાઓંકી ગઉ, કામધેનુ, કામદુધા।
સુરફાક્તા (સં.) એક પ્રકારકા તાલ, વિશેષ (ગાયનમેં)
સુરભી (સં.) દેખો સુરધેનુ।
સુરમો (સં.) સુરમા એક પ્રકારકી ધાતુ, નેત્રાંજન, આંખોંકા અંજન।
સુરવાલ-ળ (સં.) પજામાં સૂથના। ચુસના, પાયજામા, પતલૂન।

सुरसुरी (सं.) गंगा नामसे प्रसिद्ध नदी।
सुरसौध (सं.) स्वर्ग, देवलोक।
सुरा (सं.) दारू मदिरा, शराब।
सुराख (स.) छिद्र. छेद, बेध, सूराख।
सुरांगना (सं.) अप्सरा, देवांगना, देवताओंकी स्त्री, परी।
सुरपात्र (सं.) मद्यपात्र. शराब पीनेका बर्तन। [खोरी।
सुरापान (सं.) मद्यपान, शराब
सुरारि (सं.) राक्षस, दानव, दैत्य।
सुवासिनी (सं.) सुहागिन, सधवा पतियुक्ता।
सुवुं (कि.) सोना पड़रहना, ऊंघना लेटना, निद्रा लेना।
सुशिक्षित (वि.) अच्छी शिक्षा पायाहुवा, पठित, साक्षर।
सुशील (वि.) उत्तम स्वभाववाळा, साधु, सुस्वभाव।
सुशोभित (वि.) सुन्दर, बहुतही शोभा युक्त, अच्छे दिखावका।
सुश्रुषा (सं.) सेवा, चाकरी, आदर, सत्कार।
सुषुप्ति (सं.) अवस्था विशेष, घोरनिद्रा,खरीटेकीनींद,गहरीनींद।
सुषुम्ना (सं.) देखो सुषमणा।
सुसवाट–टो (सं.) सूसूशब्द, फुंकार, फुत्कार।
सुसवाऽ–ळ (सं.) एक प्रकारका मगर, जळजन्तु विशेष।
सुस्त (वि.) आळसी, धीमा, मंदा काहिल, ठंडा। [आळस्य।
सुस्ती (सं.) आळस, काहिली,
सुस्नातु (वि.) नहाधोकर, स्नान करके।
सुस्वर (वि.) अच्छी अवाज, मीठा स्वर, मीठी ध्वनि।
सुहागणु(वि.)प्यारी,लाडिली,मान्य, सधवा। [पाना, चैन होना।
सुहावुं (क्रि.) सुहाना, शोभा
सुहृद (सं.) दोस्त, मित्र, सखा, भाईबन्धु (वि.) परमप्रिय, परम स्नेही।
सुहृद्जन (वि.) भावयुक्त, अच्छे हृदयवाळा (सं.)शुभचिंतकामेम्र।
सुळ (सं.) शूळ, दर्द।
सुळदंत (सं.) लम्बे पैने दांत।
सुअर (सं.) शूकर, सूअर, बाराह।
सुकुं (वि.) जलहीन, शुष्क, सूखा दुबला, कृष, पतला।
सुहो (सं.) पीनेकी तम्बाकू, तमाखू, सूको फूंकवो।
सुहो फुंकवो (क्रि.) तमाखूपीना, चिलमपीना।
सुक्त (सं.) सुन्दरकथन, वेदमें यथास्थाप्र मंत्रोंका समुदाय।

(वि.) अच्छी तरह कहा हुआ, अच्छा।

सूक्त (सं.) उत्तम भाषण।

सूक्ष्म (वि.) थोड़ा, अल्प, बारीक, तीक्ष्ण। पतला, छोटा।

सूक्ष्मदर्शक (वि.) छोटी वस्तु जिससे बड़ी दृष्टि आवे ऐसा यंत्र-साधन।

सूक्ष्मदर्शी (वि.) बहुतही बारीकीसे देखनेवाला, तेज़ नजरका।

सूक्ष्मदेह (सं.) जीवात्माका दूसरा शरीर (वेदान्तमें जीवात्माके चार देह माने हैं १ स्थूल, २ सूक्ष्म, ३ कारण, ४ महाकारण।

सूग (सं.) घृणा, नफ़रत, कंपकपी।

सूचक (वि.) बोधक बतानेवाला, जतानेवाला।

सूचना (सं.) जनाना, चेतावनी, विज्ञापन, इत्तला, इशारा, चिन्ह, संकेत, खबर देना।

सूचित (वि.) जताया गया, विज्ञापन दिया हुआ, विदित, कहा हुआ।

सूची (सं.) फेहरिस्त, (वि.) सूचना करनेवाला, दर्शक बनानेवाला

सूचीपत्र (सं.) फेहरिस्त, प्रस्तावना, यादके लिखा हुआ कागज़।

सूज (सं.) समझ, दृष्टि, निरख, परख। [अशुद्धि, अशौच।

सूतक (सं.) प्रसव, और मरणकी

सूतकी (वि.) जिसे सूतककी अशुद्धि हो, अपवित्र। [ब्याई हुई स्त्री।

सूतिका (सं.) जच्चा, प्रसूतिस्त्री,

सूत्र (सं.) डोरा, सूत, धागा, तंतु, नियम, पद्धति, मत, कळा, (वि.) सुधा, सीधा, ठीक।

सूत्रधार (सं.) नाटकका मुख्य कार्यकर्ता, बढ़ई, तक्षक, खात्ती।

सूद-दी (सं.) सुदी, शुक्ल पक्ष, उजियाला पखवाड़ा।

सूध (सं.) सुधि, सुध, खबर, होश, सज्ञा, चेत।

सूध आवनी (क्रि.) चेतहोना, होश आना, सुधि आना।

सूधी (सं.) तक, पर्यंत, तलक।

सूधुं (वि.) सीधा, सुधा, फैला हुआ, बिछा हुआ।

सूनभूत (वि.) मूर्च्छित, बेहोश, बेखबर, अचेत।

सूनुं (वि.) शून्य, निर्जन, एकान्त, जहां कोईभी नहो, सुनसान।

सूप (सं.) छनके बरा।

सूम (वि.) कृपण, कंजूस।

सूर्य (सं.) स्वर्ग, आकाशमें रहने वाला ईश्वर, आकाश, अग्नि, शब्द। सौर्य, सूर, सूरज, सूर्य।

सूरि (सं.) विद्वान, पंडित, धर्मगुरु, जैनसाधु। [(गति)।

सूरिणु (वि.) शौर्य चढानेवाला,

सूरी (सं.) सती, साध्वी, पतिके साथ प्राणकी बली देनेवाली स्त्री।

सूरो (स.) बहादुर, शूर, वीरपुरुष।

सूर्य (सं) सूरज, भानु, आफ़ताब।

सूर्यकांत (सं.) एक प्रकारका चमकताहुआ पत्थर, स्फटिकमणि।

सूर्यग्रहण (सं.) सूरजका ग्रहण, सूर्य और पृथ्वीके मध्यमें चंद्रमाके आजाने से सूर्य बिम्बका जितना भाग छाया पड़कर काला होजाता है वह।

सूर्यपुट (सं.) ऐसी औषधि जो सूर्यकी धूपमें रखकर तैयार की जाती हो।

सूर्यमणि (सं.) एक प्रकारका पत्थर।

सूर्यमंडल (सं.) सूर्यबिम्ब, सूरज के आसपास फिरनेवाले ग्रह।

सूर्यवंश (सं.) सूर्यसे चलाहुआ कुल, इक्ष्वाकु वंश।

सूर्योदय (सं.) सूर्यका अस्तोन्मुख गमन, सूरजका डूबना।

सूर्योदय (सं.) सूरजका उगना।

सूसवुं (क्रि.) सूखजाना।

सूसवुं (क्रि.) उत्पन्न करना, पैदा करना, जन्म देना।

सृष्टि (सं.) उत्पत्ति, जन्म, उद्भव, संसारकी रचना।

सृष्टिक्रम (सं.) प्रकृतिकाक्रम, कुदरतकी चाल, दुनियाका रीति रिवाज़।

सृष्टिनियंता (सं.) ईश्वर, परमात्मा।

सृष्टिरचना (सं.) जगरचना।

सृष्टिसौन्दर्य (सं.) सृष्टिलीला, प्रकृतिकी शोभा।

सें (वि.) सौ, शत, (अ०) क्यों, किसलिये, किसकारण?

सेंकडे (अ०) सौ ऊपर, शताधिक।

सेकडो (सं.) सैकड़ा।

सेंतड (वि.) पुष्कळ, घना, अधिक।

सेंतडो (सं.) कांटेउठाने के लिये दुफंकी लकड़ी विशेष, जेली, जेती।

सेंती-थी (सं.) भांग, बाजोंमें बनाई हुई रेखा विशेष।

सेंतो-थो (सं.) पूर्ववत्।

से (सं.) सहनशक्ति, आदत, अभ्यास, रिवाज, चाल।

સેરડો (સં.) એક કિસમકા વૃક્ષ ।
સેરબ (સં.) સિંચાઈ પાની દેના, સિંચન, સીંચના ।
સેર્જ (સં.) બિછૌના, શય્યા, સોને કે લિયે પલંગ વગૈરહ, રુદન, રોના, વિલાપ, (અ॰) સહજ મેં, સાધારણ તયા (વિ.) થોડાસા જરાસા । [અંશ, થોડાસાભાગ ।
સેજ્જર (સં.) ભાપ, વાષ્પ, વાફ,
સેજ્જરત (અ॰) સહજમેં ।
સેજ્જિયું (વિ.) કિનારી રહિત ધોતી, પંચા, વિના કોરકી ધોતી ।
સેજ્જુ (સં.) અસર, પ્રભાવ, હાડ, ગાત્ર, બદન ।
સેજ્જે (અ॰)સહજમેં વિનાપરિશ્રમકે ।
સેજ્જુઠી (વિ.) જો ચોરીકરે ।
સેઢ (સં.) પક્ષ, જોર, બલ ।
સેઢો–ઢો (સં.) સીમા, હદ, સીંવ, પગદણ્ડી, રાસ્તા ।
સેણ્ણુ (સં.) સન, જૂટ, (વિ.) સજ્જન, સદ્‌ગુણી, સયાના, ચતુર ।
સેણ્ણી (સં.) સહનતા ।
સેત (સં.) પુલ, સેતુ ।
સેતરંજ (સં.) દેખો સેતરંજ ।
સેતુ (સં.) બાંધ, પુલ, પાલ ।
સેતાન (સં.) શૈતાન, બદમાશ, દુષ્ટ ।
સેતાન જેહિયું (વિ.) શૈતાની, દુષ્ટ ।
સેતૂર (સં.) દેખો સેતુર ।
સેન (સં.) ફૌજ, સૈન્ય, સ્યાન ।
સેના (સં.) ફૌજ, સૈન્ય ।
સેનાભાસખેલ (સં.) ગાયકવાડ રાજાઓંકા એક ખિતાબ ।
સેનાની (સં.) સેનાપતિ, સેનાધ્યક્ષ ।
સેનાપતિ (સં.) પૂર્વવત્ ।
સેનું (અ॰) કિસલિયે, કિસ કારણસે, કૈસા કિસ તરહકા ।
સેનો (સં.) એક પ્રકારકા સૂતી વસ્ત્ર ।
સેપ–પ (સં)સેવ નામસે પ્રસિદ્ધ ફલ ।
સેર (સ.) સૈર, હવાખોરી, ચહલ-કદમી, મૌજમઝા । વ્યંજનવિશેષ, ૨½ મણ, શિરા, નસ, નાડી, વહ ડોરા જિસમેં મોતી વગૈરહ પિરોયે ગયે હોં ।
સેરડી (સં.) દેખો સેરડી ।
સેરડો (સં.) આનેજાનેસે બના હુઆ માર્ગ, પગદણ્ડી, બહુતઠંડા યા બહુત ગર્મ પાનેસે કલેજેમેં ઠંડસે જો માલૂમ હોતા હૈ વહ ।
સેરભાઈ (સં.) એક પ્રકારકી તૂંબી ।
સેરવું (ક્રિ.) સરકાના, ખીંચના ।
સેરવો (સં.) સોરવા, નાંદમેં ગરમકર બનાયા હુઆ રસ ।

सेविङ्ग (सं.) सेर भर सवाले हेला खाए।
सेसी (सं.) चक्की नथी, मोदक।
सेसीसोनान (सं.) एक जातिका गोंद। एक प्रकारका खुशबूदार गोंद।
सेस (सं.) मौज मजा, आनन्द। शिला, चपटा पत्थर। (अ०) सहल, आसान, सहज।
सेसइसी (सं.) न तो पागलही और न चतुरही ऐसी स्त्री।
सेसडुं-डं (स.) पुष्पविशेष।
सेसाणी (सं.) शैल, सलानी।
सेसारी (सं.) स्त्रियोंके पहिननेका वस्त्रविशेष।
सेसासाही (सं.) स्त्रियोंके पहिननेका लालपीली धारियोंका वस्त्रविशेष।
सेसी (सं.) राख, भस्म, (मुहेंकी)
सेसा सं.) दूध निकालते समय गऊके पिछले पैरोंमें बांधनेकी रस्सी, म्हाना।
सेस (सं.) देखो सेव और सेवा।
सेसक (सं.) नौकर, चाकर, अफ, दास, सेवा करनेवाला मनुष्य।
सेसकाई (सं.) सेवा करनेकी रीति।
सेसट (सं.) देखो सेसक।
सेसडी (सं.) जैन धर्मावलम्बिनी स्त्री (मुहपत्ति बांधे)।
सेसडा (सं.) जैन मतानुयायी साधु जो सिरपर बाल बढ़ाते हैं। जादूगर, कारीगर।
सेसती (सं.) एक प्रकारका पुष्प।
सेसन (सं.) उपयोगमें लेना, काममें लाना, प्रयोग, उपयोग। सेवा, चाकरी, अंडोंपर पंख फैलाकर बैठना (पक्षियोंमें)
सेसपत्रं (सं.) सुपारीकी एक किस्म।
सेसपर्णन (सं.)ऊंची जातिकी सुपारी।
सेसना (सं.) स्वामिभक्तियुक्त सेवा, ईमानदारीसे टहलचाकरी।
सेसवु (क्रि.) सेवा करना, टहल करना, सेवन करना, काममें लेना, अंडोंपर पंख फैलाकर बैठकर गर्मी पहुंचाना।
सेसा (सं.) नौकरी, चाकरी, टहल। खातिर, स्नेहके लिये काम करना।
सेसाण (सं.) देखो सेवाण।
सेसुं (क्रि.) सहन करना, सेवन करना, पचाना, बहुत देरतक ठहरना, अनुकूल होना।
सेसे-सेसे (सं.) सिमई, सिवई, मैदाके बनाये हुए लम्बे लम्बे तारसे। एक प्रकारका खाद्य पदार्थ। खेव, खेसनका बना हुआ खेल या घीमें तला हुआ पदार्थ।

सेव्य (वि.) सेवा करनेयोग्य ।
सेव्यसेवक (सं.) सेठ और मुसाहब ।
सेसफूल (सं.) एक प्रकारका आभूषण जिसे स्त्रियां सिरमें पहिनती हैं ।
सेसवा (सं.) भिगोकर तेल या घीमें भूने हुए नमक मिर्च मिले चने ।
सेह (सं.) सहनशक्ति, आदत, रीति, नियम, रिवाज, अटकाव, रोक ।
सेहेल (वि.) सरल, सहल, थोड़ा, अच्छा, जरा, सुगम । खून, रक्त, लेज, रुधिर ।
सेहेनशाह (सं.) बादशाह, सम्राट, चक्रवर्ती राजा, बड़ा राजा ।
सेहेल (सं.) मौज, आनन्द, सैर, (वि.) आसान, सुगम, सरल ।
सेहेलाखी (सं.) सैलानी, मौजी, आनन्दी, घुमक्कड़ ।
सैंभाला (सं.) मुसलमान, फ़कीर ।
सै (सं.) दर्जी, सिंह, मन, सहेली सखी, आली ।
सैंकड़ा (सं.) सैकड़ा, सदी, शताब्दि ।
सैंकलिंग (सं.) बालकोंका एक खेल विशेष, ज्यों ज्यों खिंचे त्यों त्यों उलझती जानेवाली गांठ ।
सैंकलु (सं.) छप्परमें बल्लियोंके ऊपर खपच्चियां बांधनेकी, कोरी, पंच ।
सैंकलुं (क्रि.) छप्परमें खपच्चियां बांधना ।
सैनिक (वि.) सेना सम्बन्धी, फौजी, (सं.) सिपाही, योद्धा, फौजका आदमी । [लश्कर ।
सैन्य (सं.) सेना, फ़ौज, दल,
सैन्यघण (सं.) बड़ी भारी फौज ।
सैन्यधिपति (सं.) देखो सेनापति
सैन्धव (सं.) एक प्रकारका क्षार, सेंधानमक, घोड़ा, अश्व, हय ।
सैन्धव (सं.) सांतलारोग, सेचककी बिमारी, विस्फोटक ।
सैयद (सं.) मोहम्मद नामके प्रसिद्ध पैगम्बर के वंशज, मुसलमानों के चार फिरकों मेंसे एक ।
सैयर (सं.) सखी, सहेली, आली ।
सैयाद (सं.) भागी, हिस्सेदार, पांतीदार, (वि.) मिलाहुआ, मिश्रित आम, साधारण ।
सोंग (सं.) स्वांग, नवरूप धारण, खाली मपका, वेश, सांग ।
सोंघवारी (सं.) सुकाळ, ऐसा समय जिसमें वस्तुएं सस्ती मिलें ।
सोंघुं (वि.) सस्ता, थोड़े मूल्यकी अधिकमाल, सहंगा ।

સોહું-ભોહું-ઘડું (ક્રિ.) ખુશામદ કરના, આજીજી કરના, વિનતી કરના।

સોંઘુ (ક્રિ.) સસ્તા હોના, વિદા હોના, જાના।

સોંતાણું (ક્રિ.) બોઝા બહુત તળના મૂજના (ઘી યા તેલમેં)।

સોંધ (સં.) એક સુગન્ધિત પદાર્થ।

સોંપડવું (ક્રિ.) મિલના, હાથમાના પૈદા હોના, જન્મહોના।

સોંપવુ (સં.) સિપુર્દની, હવાલે કરના, સમર્પણ કરના।

સોંપ્યું (ક્રિ.) સિપુર્દકરના, હવાલે કરના, દેના, સૌંપના, સમર્પણ કરના।

સોંસરું (અ૦) આરપાર, ઇધરસે ઉધર, એક સિરેસે દૂસરે સિરેતક।

સોંસરું નીકળું (ક્રિ) આરપાર નિકલજાના।

સોંહ (સં.) ચેત, હોશ, ભાન, સુધિ, બુદ્ધિ, સમજ, અક્કલ।

સો (વિ.) સત, સૌ, એકસૌ।

સોનાસાઠરવા (ક્રિ.) નુકસાન ઉઠના, હાનિ ઉઠાના।

સોભવુ રનો તહાડ સોસવું (ક્રિ.) સિકુડ કર હાથ પૈર સોના, સુખચૈનસે રહના।

સોપરું પુરંપરા (ક્રિ) દૂર આરહના, અંતઆના, આખિરી આના।

સોબતનાખાવેમોવેરો (વિ.) બડાઈ બદમાશ, અતિશય તુચ્છ।

સોવખત માણીને પાણીપીવું (ક્રિ.) બહુતહી સમઝકર સાવધાનીસે વર્તાવ કરના।

સોસગાનુંસગુ (સ.) અત્યત પ્યારા નાતેદાર। [અંધેર, અધાધુંધ।

સોભધુતેલે અંધાર (વિ.) બહુતહી

સોદહાડા સાસુના તો એકહાડો વ-હુનો (–) સૌ સુનારકી એક લોહા-રકી, ચલતી ફિરતી છાઇ, આજ તુમ્હારા તો કલ હમારા।

સોતારા રાખદુહાઇને એકભાઇ ઉદુ (–) તુમ્હારી સારોહા ઔર મેરી એક નાહી।

સો દવાને એક હવા (–) સ્વચ્છ હવા સબ ઔષધિયોંસે શ્રેષ્ઠ હૈ।

સોઇ (સ.) દરજી, દર્જી, કપડે સીનેવાલા, પ્રબન્ધ, બંદોબસ્ત।

સોઇણી (સં.) વહ સ્ત્રી જો બચ્ચે પૈદા કરાનેવાલી હોતી હૈ, દાયન।

સોકસો (સં.) મોટી સુઈ, બડીસુઈ, ટુકા, સૂતા સુદના।

સોડ (સં.–સડી સં.) સૌત, એક પતિકી દો સ્ત્રીયોંકા આપસમેં નાતા, પતિ કી દૂસરી સ્ત્રી।

સોગઠી–ઠી (સં.) દેખો સોગઠું

સોગઠું–ઠું (સં.) પાસા, સાર, ખેલનેકે લિયે કાઠકા યા હાથીદાંતકા ચૌપહલૂ રંગબિરંગા સાંચા, ચકમક પત્થરસે આગ બનાકર સુલગાઈ જાનેવાલી ડોરી ।

સોગટીભરવી (ક્રિ.) કાયદાદેઠાના, જયપ્રાપ્ત કરના ।

સોગટીમારવી (ક્રિ.) પૂર્વવત્ ।

સોગટીવાગવી (ક્રિ.) નિશાન લગના, જય હોના, ઇચ્છા પૂર્ણ હોના ।

સોગન (સં.) કસમ, સપથ, સૌગન્ધ ।

સોગાત (સં.) ભેટ, ઇનામ, પુરસ્કાર બક્શીસ ।

સોચ્ય (સં.) શોક ચિંતા, ફિક્ર, દુઃખ, તપાસ, શોધ, જાંચ, અનુસંધાન ।

સોજ (સં.) લક્ષણ, ચાલ, વર્તાવ ।

સોજિયું (વિ.) અચ્છે લક્ષણયુક્ત ।

સોજું (વિ.) અચ્છા, સાફ, સ્વચ્છ ।

સોજ્જે (સં.) સોજન, અંગકા ફૂલના । [શાખા, ડાલી ।

સોટી (સં.) બેત, વૃક્ષકી પતલી

સોટોડુબ્બો (અ૰) અકેલા, ઇકા, એકાકી ।

સોટો (સં.) દંડા, દણ્ડ, મોટી લકડી, લાઠી ।

સોડ (સં.) તરફ, બાજૂ, બગ, સ્વર્ગકી રજાઈ, સોડ, સૌર, ચૂંઘટ, ઓઢા, લાજકે લિયે સ્ત્રિયોંકે મુંહપર સાડી, સુગન્ધ, સુવાસ, સુગંધી ।

સોડતાણીનેસુવું (ક્રિ.) અંગ તાનકર સોના, આલસી હોકર પડે રહના । [ઢાંકકર સોના ।

સોડવાળીનેસુવું (ક્રિ.) મુખ

સોડમાં ભરાવું (ક્રિ.) આશ્રયમેં જાના, શરણજાના ।

સોડ પ્રમાણે સાદરો (સં.) સોંડકે અનુસ૨ રૂની બિછૌના । [મહંક ।

સોડમ (સં.) સુગન્ધ, સુવાસ,

સોડવણ (સં.) સોડ–રજાઈકે નીચે બિછાનેકા મુલાયમ કપડા ।

સોડવું (ક્રિ.) સુગન્ધઆના, ખુશબૂઆના ।

સોડિયું (સં.) સ્ત્રિયોં કે પહિનને કી સાડી, લટકતાહુવા ભાગ ।

સોડે (અ૰) પાસ, નજદીક, સમીપ અનુસાર, મુઆફિક ।

સોડો (સં.) સહાયક મદદગાર ।

સોણ (સં.) કાંસ, મેસ, કાચર ।

સોણું (સં.) સ્વપ્ન, સપના, સુપના

સોત–તું (અ૰) સાથ, સહિત, સમેત ।

સોદાઈ (સં.) ક્રયવિક્રય, લેવડદેવડ વગેરેથી ।

સોદાગર (સં.) સૌદા કરનેવાલા, વ્યાપારી, ખરીદ ફરોક્ત કરનેવાલા, ઊંચે સમાનકા બેપારી ।

સોદાગિરી (સં.) ઊંચેમાલકા વ્યાપાર, સૌદાગરકા ધન્ધા, વ્યાપાર (વિ.) સૌદાગર સમ્બંધી, વ્યાપાર વિષયક ।

સોંદુ (વિ.) બદમાશ, લુચ્ચા, હરામી ।

સોદો (સં.) વ્યાપાર, લેનદેન, સૌદા, વ્યવહાર, સામાન ।

સોધાસોધ (સં.) ઢૂંઢભાળ, ખોજ, તલાશ, અનુસન્ધાન ।

સોનાપાણી (સં.) જિસકો છૂલેનેસે સ્નાન કરના પડે ઉસ પર સ્વર્ણસે છુવાકર શુદ્ધિકે લિયે દિયે હુએ પાનીકે છીંટે ।

સોનાગેરૂ (સં.) એક પ્રકારકા ગેરૂ, એક તરહકી લાલ મિટ્ટી ।

સોનાભક્ષી–ખુખી (સં.) એક વૃક્ષકે પત્તે વિશેષ જિન્હેં ખાનેસે જુલાબ લગ જાતી હૈ ।

સોનાર (સં.) સુનાર, સ્વર્ણકાર, સોને ચાંદીકા ગહના બનાનેવાલા ।

સોનારણ (સં.) સુનારકી ભાર્યા ।

સોની (સં.) દેખો સોનાર ।

સોનું (સં.) કાંચન, સ્વર્ણ, સુવર્ણ, સોના, બહુમૂલ્ય ધાતુ વિશેષ ।

સોનાભોઠરનેવું (કિ.) અચ્છા, સાસા ।

સોનાનાનળિયાઠરવા (કિ.) ખૂબ ધન પૈદાકરના ।

સોનાનીલ્લળ પાણીમાંનાંખવી (કિ.) અપકૃત્યદ્વારા પ્રાણત્યાગના, આત્મ હત્યા કરના । [સમજી ।

સોનાનીતાઠ–ખળ (સં.) બહુમૂલ્ય

સોનેરીકાયદો (સ.) બહુતહી ધ્યાનમેં રખને યોગ્ય નિયમ ।

સોનાનીલંકાલુટાવી (કિ.) બહુમૂલ્ય વસ્તુકા ચલાજાના ।

સોનાનો કાળીઓ (વિ.) બહુતહી મહંગા ઔર ઉત્તમ ।

સોનાનો ભરસાદભરસવો (કિ.) અસંખ્ય ધનકા આગમન ।

સોનાનોસુરજ ઊગવો (કિ.) બહુમૂલ્ય સુખ દિવસ પ્રાપ્ત હોના ।

સોનાથી દાંત ઘસવા (કિ.) ધન દૌલતકા ખૂબ ઉપભોગ કરના ।

સોનુંદેખી મુનિવરચલે (–) દ્રવ્યકો દેખકર સબકા મન ચલાયમાન હોતા હૈ ।

सोमाभरतावळभरतोंडुं (–) डकेली चुडिया और उसकी चूंडसुडाईका समया।
सोनाने श्यामतावळने नहि(–) सांवळे सोनेका, सस्ता सलाही है।
सोनेरी (वि.) सुनहरी, सुनहला, सोने के रंगका।
सोनेरीझां (सं.) एक प्रकार के केले—(फल विशेष)
सोनेरूं (सं.) सोनेका सिक्का, निष्क।
सोपान (सं.) सीढी, निसेनी, नसैनी निश्रेणी, पैड़ी, चढाव।
सोपारी (सं.) सुपारी, पूगी फल।
सोप (सं.) सांस, दम, हाफनी, शरीरका फूलना।
सोपवा (सं.) शोथवायु, रोगविशेष, जिससे शरीर फूल जाता है।
सोबत (सं.) सोहबत, संगति, संग, सहवास, स्त्रीपुरुषका मेळ।
सोबती (सं.) साथी, दोस्त, जोड़ीदार।
सोभ (सं.) विवाह हो चुकने बाद बरबधूके देवताओंके आगे बिठाकर गाये जानेवाले गीत।
सोभाग (सं.) सुहाग, अहिवात।
सोभागवती-वंती (सं.) सुहागिन, सधवा, पतिवुक्ता स्त्री।
सोभासंभवमी (सं.) आश्वयुजी, कार्तिक शुक्लपंचमी।
सोम (सं.) चन्द्र, सोमवार, चंद्रवार, सोमलता। (वि.) शांत, शीतल।
सोमनाथा (अ०) सोमवारमें पूर्णाहुतिका स्नान। शांति हुई। झगड़ा निपटा।
सोमभाग–मज्ञ (सं.) यज्ञविशेष जिसमें सोमरस होमा जाता है।
सोमराजा (सं.) ऐसा राजा जिसने राजसूययज्ञ किया हो।
सोमल (सं.) एक जातिका क्षार।
सोमवती (सं.) वह अमावस्या तिथि जिस दिन सोमवार हो।
सोमवती ने मुक्तस्नान(अ०)कुछभी।
सोमवल्ली (सं.) लताविशेष, सोमलता।
सोमवार (सं.) चन्द्रवार, वारविशेष।
सोय (सं.) सुई, सूई, सूची, वह, (कवितामें) सब, सारा, समस्त।
सोयणी(सं.)रात्रिनी विशेष, रोहिणी।
सोयम (वि.) तीसरा, तृतीय श्रेणी।
सोयलुं (वि.) सहजका सहाता।
सोयो (सं.) बड़ी सुई, सुवा, सुइया।
सोरंजी (सं.) एक प्रकारकी वनस्पति, जिसके रंगसे साधुलोक अपने वस्त्र रंगते हैं।

સોરઠ (સં.) કાઠિયાવાડનો એક પ્રાંત, રાગિની વિશેષ।

સોરઠો (સં.) છન્દ વિશેષ, દોહેમાં ઉથલા કરવે સે સોરઠા બન જાતા હૈ, કાઠિયાવાડમેં ગાનેકી રાગિની વિશેષ।

સોરટી-ટી(સં.)ઝાટકી,ચિઠ્ઠી ડાકના।

સોરભ (સં.) ગન્ધ, વાસ, સૌરભ। સુગન્ધ।

સોરંભ (સં.) પૂર્વવત્।[શાન્તિ હોના।

સોરવવું (ક્રિ.) ચૈન પડના।

સોરવું (ક્રિ.) દાંતસે ફાડ ખાના, ઉપર ઉપરસે મોટા હિસ્સા ઇટાના। સાફ કરના, સમેટના।

સોરાવવું (ક્રિ.)ગાલિયાં દેના,કોસના।

સોરાવું (ક્રિ.) પૂર્વવત્।

સોરાવું (ક્રિ.) ચમડી છુલ જાવે ઐસા કરના, ઘસીટના।

સોરાસોર (સં.) હલ્લા, ગુલબપાડા, ઘોરગુલ, ઐલગલ, ધૂંધલાહ।

સોરુ (સં.)ઘાર આનેસે ચિંતાતુર હોના, ઘબરાહટ, વ્યાકુલતા।

સોરુવવું (ક્રિ.)લોમિત કરના।

સોરો (સં.) ચોકસ, ખાલસા, શુદ્ધ, ઠીક, ઐસા।

સોરી (સં.) છુટ્ટિ, છોડ, ઐન, માન। જ્વારકે પૂર્વોંકો સુકાનેકે લિયે ખડેહી રહને દેના। છોકરી, લડકી, બેટી, પુત્રી।

સોરૂં (અ૰) સમયમેં, વક્તમેં।

સોવસા (અ૰) જૈસે હો તૈસે, અધિકતયા, વિશેષતર।

સોવાસણ (સં) સુહાગિન, સધવા, સૌભાગ્યવતી, પતિયુક્તા સ્ત્રી।

સોવું (ક્રિ.) સૂપમેં મહ ડાલકર હિલાના, ફટકના, પિછોરના।

સોસ (સં.)તૃષા, પ્યાસ, પિપાસ।

સોસવાટ-ળ (સ.) મગર, મચ્છ, ગ્રાહ, મકર।

સોસવાવું (ક્રિ.) સૂકના, શુષ્ક, હોના, રૂક્ષ હોના, રુખા હોના।

સોસવું (ક્રિ.) ચૂસના, સોખના, ખેંચલેના, ગુહાના।

સોહણી(સં.)લોભા,કાંતિ,[સૌન્દર્ય।

સોહવું (વિ.) સ્વચ્છ, સફેદ, સફાદ।

સોહમ (સં.) વેદાન્તી પુરુષોંદ્વારા આસકે લેને ઔર છોડનેકી ક્રિયા માન।

સોહવું (વિ.) અચ્છા, સ્વચ્છ, સાફ, આનન્દ, મૌજ, ખેરાફદ।

સોહવું (ક્રિ.) સોભાવવા, સોભિત હોના ।

સોહામ (સં.) અચ્છા ભાગ્ય, શોભિત ।

સોહાગણ (વિ.) સૌભાગ્યવતી સ્ત્રી, સધવા, સુહાગિન, જિસકા પતિ જીવિત હો । [રંગીલા ।

સોહાગી (વિ.) મૌજી, આનન્દી,

સોહામણું (વિ.) સુહાવના, સુન્દર ।

સોહાવું (ક્રિ.) શોભિત હોના ।

સોહાસણ (સ.) દેખો સોહાગણ ।

સોહિની (સં.) રૂપવતી સ્ત્રી ।

સોહેણી (સં.) ઇસ નામકી એક રાગિણી, સોહિની (રાતકે સમય ગાઈ જાતી હૈ) ।[કાર્ય કા સમારંભ

સોહોણો (સં.) ઉત્સવ, શુભ

સોહોવું (ક્રિ.) ભાના, પસન્દ આના, રુચિ કર હોના ।

સોળ (સં.) દેખો સળ (વિ.) સોલહ સંખ્યાવિશેષ, ૧૬ ।

સોળ વાલ ને એક રતી(વિ.)બિલકુલ, ઠીક, પૂરમ્પૂર, ઉત્તમ, અચ્છા ।

સોળભી ઘડી બાકી (ક્રિ.) ઘબરા જાના, આફત આજાના ।

સોળશને મહાર વારે (અ૦) કભી ભી નહીં, ઉમર ભુદી પૂજન ।

સોળ સંસ્કાર વર્ષ ચુકવા (ક્રિ.) ભલી બુરી અવસ્થા ભોગના ।

સોળ સોળથી કાચી છે (અ૦) અભી તો બહુત કમ ચાલી હૈ ।

સોળ સોળવા (અ૦) સબ બરાબર ।

સોળું (સં.) અલ્પવયકે સમય પહેનનેકા રેશમી યા સૂતી વસ્ત્ર વિશેષ ।

સોળે સોળ આની (વિ.) પૂરમ્પૂર, ચાહિયે જિતના ।

સોળે સણગાર સજીને (અ૦)વસ્ત્રાભૂષણસે અલંકૃત ।

સોળો (સં.) સોલહ હાથ લમ્બી લકડી (લકડ્ડી) ।

સૌ (વિ૦) સબ સમસ્ત, તમામ ।

સૌ સૌના ગીત ગાય (–) સબ અપની અપના કહેં । [નઝાકત ।

સૌકુમાર્ય (વિ.) સુકુમારતા,

સૌખ્ય (સં.) સુખ,આનન્દ,પ્રસન્નતા ।

સૌજન્ય (સં.) સુજનતા, મલાઈ ।

સૌદામિની (સં.) બિજલી, વિદ્યુત્, તાવિત્, ચપલ । [શો ા, ખૂબસૂરતી ।

સૌન્દર્ય (સં. સુન્દરતા, કાન્તિ,

સૌભાગ્ય (સં.) અચ્છા ભાગ્ય, કિસ્મત, નસીબ ।

સૌભાગ્યવતી (વિ.) દેખો સોહાગણ ।

સૌભાગ્યવર્ધક (વિ.) અચ્છા ભાગ્ય બઢાનેવાલા ।

સૌમ્ય (વિ.) શાંત, ભલા, આનંદી ।

स्कंध (सं.) कांध, कंधा, शरीरका बड़ा, बड़ा अध्याय, बड़ा प्रकरण।

स्खलन (सं.) मुकाम, रेलगाड़ी ठहरा कर चढ़ाने उतारनेकी जगह।

स्तन (सं.) पयोधर, चूंची, थन, बोबा, मादाकी छातियां। आंचल, बोबे। [लेकर, चूसनेकी क्रिया।

स्तनपान (सं.) मुखमें थन-चूंची

स्तब्ध (वि.) कुंठित, हक्काबक्का, रुका हुआ, चुप, शांत।

स्तंभस्थंभ (सं.) खंभा, थम्भा, अटकाव, रुकाव।

स्तंभन (सं) रोक, आड, रोकना, दबादेना, कामशास्त्रकी क्रिया विशेष। [गुणपाठ, स्तोत्र।

स्तवन (सं) गुणवर्णन, स्तुति,

स्तवना (क्रि.) स्तुति करना प्रशंसा करना, गुण गाना, तारीफ करना।[सराहना,भजन,तारीफ।

स्तुति (सं.) बखान, स्तव, प्रशंसा

स्तुतिपाठक (सं.) भाट, चारण, मागध, बन्दी, सूत, कापडी, करपक। [तारीफ के लायक।

स्तुतिपात्र (वि.) स्तुतिकरनेयोग्य

स्तुत्य (वि.) प्रशंसाके योग्य, प्रशंसित, अधिक तारीफ, स्तवनीय।

स्तोत्र (सं.) स्तव, स्तुति, सराहना, देवकी प्रशंसाका ग्रंथ।

स्तोम (सं.) स्तुति मंत्रोंका समुदाय, प्रशंसा, स्तुति।

स्त्री (सं.) नारी, लुगाई, औरत, भार्या, पत्नी, मादा।

स्त्रीकेसर (सं.) फूलमेंके तंतु विशेष।

स्त्रीचरित्र (सं.) स्त्री जातिकी चतुराई, स्त्रियोंका छलकपट।

स्त्रीधन (सं.) ऐसा धन जिसपर स्त्री का ही अधिकार हो।[औरत।

स्त्रीजाति-त (सं.) नारी, जाति,

स्त्रीपुरुष सं.) नरनारी, पतिपत्नी, वरवधु, मर्द औरत, लोगलुगाई।

स्त्रीधर्म (सं) स्त्रीका धर्म, पतिसेवा ऋतुधर्म, मासिकधर्म, रजोदर्शन।

स्त्रीजित (वि.) स्त्रीके वशीभूत।

स्त्रीपुरुषनोधर्म (सं.) पतिपत्नीका फर्ज। [सिका मरुक,विलासी,क्रीमा।

स्त्रीलंपट (सं.) विषयी, स्त्रीजा-

स्त्रीलिंग (सं.) नारी जाति (व्याकरणमें) [दोष।

स्त्रीहत्या (सं.) स्त्रीवधका भारी

स्त्रीहरण (सं.) जबरदस्ती औरत को भगालेजाना, बलपूर्वक स्त्रीका लेजाना।

स्थ (वि) थामनेवाला, रखनेवाला ठहरनेवाला, रहनेवाला।

स्थल (सं.) जगह, स्थान, थल।

स्थलांतर (सं.) दूसरी जगह अन्यस्थान।[दूसरी रास्ता,भूमार्ग।

स्थलमार्ग (सं.) जमीनका रस्ता.

स्थविर (सं.) योगी बाबा, भिकारी।

स्थाणु (सं.) खंभा, स्तंभ, थाम, टेका। (वि.) स्थिर, निश्चल, अचल।

स्थान (सं.) ठौर, ठाम. ठिकाना, घर, जगह, अधिकार, पद, दरजा, प्रसंग, अवसर, निवासस्थान, बैठक।

स्थानक (सं.) देखो स्थान।

स्थानभ्रष्ट (सं.) पदभ्रष्ट, जगहसे नीचा। [स्थानीय।

स्थानिक (सं.) घरका, जगहका,

स्थापक (वि.) स्थापना करनेवाला, नियुक्त करनेवाला, मुकर्रर करनेवाला, बिठानेवाला, स्थिर करनेवाला।

स्थापना (सं.) प्रतिष्ठा, स्थिति।

स्थापणें (क्रि.) मुकर्रर करना, स्थापित करना, साबित करना।

स्थापित (भि.) प्रतिष्ठा किया हुआ, रखा गया।

स्थायी (वि.) बहुत समयतक ठहरनेवाला, टिकाऊ,पुख्ता,मजबूत।

स्थावर (वि.) अचल, नहीं चलनेवाला। [ठहराव।

स्थिति (सं.) स्थान, टिकाव,

स्थितिस्थापक (वि.) अपनी पहिली स्थितिसे कायम रखनेवाला।

स्थिर (वि.) देखो स्थावर।

स्थिरता (सं.) अचलता, ठहरी हुई हालत, शांति, धैर्य।

स्थूल (वि.) मोटा, पथिर,तोंदिल, बड़ा, फूला हुआ, बड़ा।

स्थूलदेह (सं.) दीर्घशरीर, स्थूलकाय, बड़ा लंबाचौड़ा शरीर, मोटा बदन। [मोटे विचार।

स्थूलदृष्टि (सं.) साधारण विचार,

स्नात (सं.) स्नान किया हुआ, नहाया हुआ। [अवगाहन।

स्नान (सं.) नहाना, नहाव,

स्नायु (सं.) रग, रक्तवाहिनी नाड़ी, नस। [औरत।

स्नुषा (सं.) बहू, पुत्रवधू बेटेकी

स्नेह (सं.) सनेह, प्रेम, प्यार, अनुराग, वात्सल्य, चिकनाई, चिकनाहट।

स्नेहल (सं.) चिकनाया गया.

स्नेहाकर्षण (सं.) स्नेहके कारण खिंचाव। [कृपालु।
स्नेहार्द्र (सं.) प्रेममें भीगा हुआ,
स्नेहाल (वि.) प्रेमी, कृपालु, दयालु, स्नेह युक्त।
स्नेही (सं.) मित्र, दोस्त, भाईबन्धु।
स्पर्धा (सं.) रश्क, बराबरी, हिर्स, डाह, अकल, दूसरेकी उन्नतिसे दुखी होना। [आलिंगन।
स्पर्श (स.) छूना, छुहावट, ग्रहण,
स्पर्श क्रिया (स.) ग्रहणकी गड़बात।
स्पर्शकरना (क्रि.) छूना।
स्पर्शेन्द्रिय (सं.) चमड़ा, त्वगिन्द्रिय, त्वचा, चाम, खाल।
स्पष्ट (वि.) साफ, प्रकाश, सहज, व्यक्त, जाहिर, प्रकट।
स्पष्टवक्ता (सं.) वे साफ खरेटकी कहनेवाला, साफ साफ कहनेवाला
स्पष्टीकरण (सं.) खुलासा, वर्णन।
स्पृहा (स.) इच्छा, अभिलाष, लालसा, तृष्णा, गरज, दरकार।
स्फटिक (सं.) बिल्लौरपत्थर, स्वच्छ पाषाण विशेष, काच, मणि विशेष।
स्फाटिक (वि.) स्फटिक सम्बन्धी।
स्फुट (वि.) खिला, फूलाहुआ, प्रकट, फूपक, अलग, खुलाहुआ।
स्फुरण (सं.) आन्दोलन, कम्प, फड़कना, ईषत्चलन, अंकुर फूटना, अचानक याद आना।
स्फुरना (क्रि.) अंकुर फूटना, प्रकट होना, स्मरण आना, फुरना।
स्फोट (सं.) कामदेव, अंग।
स्मरण (सं.) सुध, चेत, स्मृति, याद, मनन, यादगीरी।
स्मरणी (सं.) छोटीसी माला, ईश्वरभजन करनेकी काष्ठादिमाला।
स्मरणीय (वि.) यादकरनेके लिये बातें लिखलेनेकी किताब, नोटबुक यादी, डायरी। [स्मरण रखने योग्य।
स्मरणोपयोगी (सं) यादकरने योग्य
स्मरना (क्रि.) स्मरण करना, याद करना।
स्मश्रु (स) दाढ़ी, डाढी।
स्मारक (वि.) यादकरानेवाला, सूचित करनेवाला, जतानेवाला।
स्मार्त (वि.) स्मृतियोंकी आज्ञाके अनुसार चलनेवाला, स्मृति-सम्बन्धी।
स्मित (वि.) आश्चर्ययुक्त, हैरान, खिलाहुआ, मुसकान, मन्दहास।
स्मृति (सं.) स्मरण, याद, मनु आदि रचित धर्मग्रंथ।

स्वकृत (सं.) स्व, वात विशेष ।
स्राव (सं.) टपकना, चूना, बहुत-स्राव, मासिकधर्म, रजो दर्शन ।
स्लेट (सं.) पट्टी, पत्थरकी पट्टी ।
स्व (वि.) आत्मीय, अपना, खुद ।
स्वकल्पित (वि.) अपनी कल्पनाका ।
स्वकीय (वि.) खुदका, निजका, अपना । [स्त्री, पत्नी, भार्या ।
स्वकीया (सं.) अपनी विवाहिता
स्वच्छ (वि.) साफ, शुद्ध, पवित्र, निर्मळ, सुज्ज्वळ, निष्कलंक ।
स्वच्छता (सं.) सफाई, पवित्रता, शुद्धि ।
स्वच्छन्द (सं.) स्वेच्छानुसार, स्वाधीन, मनमौजी, यथेच्छाचारी ।
स्वच्छन्दी (वि.) हठीला, जिद्दी, स्वतंत्र । [बन्धु, मित्र, कुटुम्बी ।
स्वजन (सं.) अपनेलोग, नतैत,
स्वजाति (सं.) अपनी जाति, निजजातिका ।
स्वतः (अ०) अपनेसे, स्वभावतः, स्वाभाविक, खुद, जन्मसेही ।
स्वतःसिद्ध (वि.) स्वयंभू, अकृत्रिम स्वतंत्र, स्वयम्, जन्मसिद्ध ।
स्वतंत्र (वि.) स्वाधीन, निरंकुश । स्वयम्, खुदमुख्तार ।
स्वदेश (सं.)जन्मभूमि, अपनादेश ।
स्वदेशहितैषी (वि.) देशाभिमान, अपने देशका भला चाहनेवाला ।
स्वदेशाभिमानी (सं.) देशभक्त ।
स्वदेशाभिमान (सं.) अपने देशका गर्व । [देशीय ।
स्वदेशी (वि.) अपने देशका निज
स्वधर्म (सं.) अपना धर्म, कुळ-रीति, अपनाकर्म, खासियत ।
स्वधा (सं.) माया, पितृगणकी पत्नी, आत्मकी स्त्री । [ठिकाना ।
स्वधाम (सं.) स्वर्ग, अपना
स्वधामप्रयाण (कि.) मरना ।
स्वप्न (सं.) सपना, ख्वाब, नींदमें विचार ।[स्वप्नावस्थामें दिखता है ।
स्वप्नदर्शन (सं.) जो कुछभी दृश्य
स्वप्नवत (वि.) मिथ्या, स्वप्नस-मान, कम टिकाऊ ।
स्वप्नांतर (सं.) वहस्थिति जिसमें स्वप्न आरहाहो ।
स्वभाव (सं.) प्रकृति, टेव, बान, आदत, धर्म, गुण, प्रकृति, खासियत ।
स्वभाविक (वि.) स्वाभाविक, स्वभावसिद्ध,स्वतःसिद्ध, कुदरती ।
स्वभाषा (सं.) मातृभाषा, जन्म भाषा ।

स्वयुधि (वै.) स्वदेव, पतव ।
स्वयेअ (अ०) खुद, अपनी इच्छासे आप, आपनेतईं। [उत्पन्न।
स्वयंभत (सं.) स्वयम्भू, स्वतः
स्वयंभो (सं.) अपनेवास्ते अपने हाथों बनाईहुई रसोई ।
स्वयंप्रकाश (सं.) अपने तेजसे प्रकाशित, खुदप्रकाश ।
स्वयंभू (सं) ब्रह्मा, विष्णु, शिव, अयोनिज, स्वयम् जात, (वि.) स्वयम् उत्पन्न, स्वतःसिद्ध ।
स्वयंवर (सं.) सभामें कन्याका अपने लिये वरचुनना, आपही वरना, एक प्रकारका विवाह, जो स्वेच्छानुसार किया जाता है ।
स्वयंवह (सं.) जो खुद आपही आप चल सके (यंत्र) ।
स्वर (सं.) अवाज, धनी, शब्द, घोष, वाणी, बोली, नाद, अक्षरोंकी १६ अक्षर, सांस, श्वास, कंठ, गला, आकाश, गगन, स्वर्ग, देवलोक। [हिफाजत, बचाव ।
स्वररक्षण (सं.) आत्मरक्षा, खुदकी
स्वरलंघन-लंघ (सं.) खुदमुख्तारी, स्वेच्छाचरणनिषेध, होशहवास, स्वतंत्र आसन, अपने हाथों अपना प्रबंध।
स्वरिष्ट (वि.) उच्चारण विशेष, अधिक उच्च स्वर, उदात्तादित्रय ।
स्वरूप (सं.) प्रकृतिरूप, आकार आकृति; मौज, शक्ल, चेहरा, मुहं।
स्वरूपवान (वि.) खूबसूरत, रूपवान सुशोभित ।
स्वरोदय (सं.) नाकद्वारा सांसलेकर शुभाशुभ जाननेकी विद्या ।
स्वर्ग (सं.) देवलोक, इंद्रलोक, अंतरिक्ष, दिव्य लोक, पुण्यलोक, सुखधाम ।
स्वर्गमेंआंगणआछे (कि.) स्वर्ग सुखभोगनेका समय नजदीकहोहै।
स्वर्गनिवासीहोवे। (क्रि) मरजाना ।
स्वर्गभिंडलरोपवी (क्रि.) अखण्ड कीर्ति प्राप्तकरना ।
स्वर्गभिंगा (सं.) आकाशगंगा, सुरनदी, देवपथ, स्वच्छ आकाशके बीचकी सफेदी ।
स्वर्गवास (सं.) मरण, मृत्यु, मौत ।
स्वर्गवास करो (क्रि) मरना, देहान्त होना ।
स्वर्गवासी (वि.) स्वर्गमें रहनेवाला, परलोकवासी ।
स्वर्गीय (वि.) पारलौकिक, आकाशीय, स्वर्गसम्बन्धी ।

સ્વલ્પ (વિ.) અલ્પ થોડા, થોડું, ન્યૂન, બહુજ કમ ।

સ્વવશ (વિ.) અપને આધીન, સ્વતંત્ર, સ્વાધીન, નિરંકુશ ।

સ્વશુર (સં) સસુર, પતિના, પત્નીકા પિતા । સુસરા, શ્વશુર ।

સ્વસા (સં.) બહિન, ભગિની ।

સ્વસ્તિ (સ.) કલ્યાણ મંગળ, ભલાઈ, તથાસ્તુ, ક્ષેમ, આશીષ, અંગીકાર, વચન ।

સ્વસ્તિક (સ.) સાથીયા, સંગી ।

સ્વસ્તિક્ષેમ (સ.) આનન્દમંગળ, ક્ષેમકુશળ, ખેરિયત । આબાદી (અ૦) સુખપૂર્વક, સુખીદશામે, સહીસલામતીસે ।

સ્વસ્તિવચન (સં.) કિસી યજ્ઞ અથવા સંસ્કારકે પહિલે મંગલદાયક વેદ મન્ત્રોંકા પાઠ, શુભ વચન । આશિર્વચન ।

સ્વસ્તિશ્રી (વિ.) પત્રોંકે આરમ્ભમેં શુભ વાક્ય (બરાબરવાલેકો)

સ્વસ્થ (વિ.) અપને આપેમેં સ્થિત, સાવધાન, તન્દુરુસ્ત, નીરોગ ।

સ્વસ્થતા (સં.) શાંતિ, સ્થિરતા, સાવધાની, તન્દુરુસ્તી, નૈરોગ્ય।

સ્વસ્થાન (સં.) અપની જગહ, અપના ઘર, ખાસ મુકામ ।

સ્વાંગ (સં.) નકલ, અનુકરણ, બાહેતી, સાંગ ।

સ્વાગત-તા (સં.) આદર, સત્કાર, સન્માન, હાવભાવ, માન, અભિનન્દન, ઇજ્જત । છન્દવિશેષ ।

સ્વાતિ (સ.) ઇસ નામસે પ્રસિદ્ધ નક્ષત્ર, સૂર્યપત્નિ ।

સ્વાત્માનુભવ (સં) અપના અનુભવ,ખુદકા તજુરબા । આત્મદર્શન ।

સ્વાદ (સં.) મઝા, સવાદ, રસ, ચાટ,લજ્જત, ઝાયકા, અભિરુચિ ।

સ્વાદલેવો (ક્રિ.) ચાખના, સ્વદના, અનુભવકરના ।

સ્વાદચાખવો (ક્રિ.) મજાચખના ।

સ્વાદ ચખાડવો (ક્રિ.) મારના, પીટના । [દાર, ચટકર ।

સ્વાદિષ્ટ (વિ.) સ્વાદયુક્ત, લજ્જત-

સ્વાદીલુ (વિ.) સ્વાદી, સ્વાદ કરનેવાલા, અચ્છા અચ્છા ખાને વાલા ।

સ્વાધીન (વિ.) સ્વતંત્ર, સ્વચ્છન્દ, અપરાધીન, આત્મવશ ।

સ્વાધીન કરવું (ક્રિ.) સૌંપના, દેદેના ।

સ્વાધિન લેવું (ક્રિ.) અપને અધિકારમેં કરના ।

स्वाधीनपतिका (सं.) वह स्त्री जो अपने पतिको अपने अधिकारमें रखती है।

स्वाभिमान (वि.) आत्माभिमान, अपने गुण गौरवका ध्यान, [दर।

स्वामि (सं.) स्वामि, पति, मालिक,

स्वामिनी (सं.) सेठानी, मालकिन।

स्वामित्व-ई-त्व (सं.) प्रभुत्व, स्वामित्व। [बेहमानी, राजद्रोह।

स्वाभिद्रोह (सं.) नमक हरामी,

स्वामी (सं.) पति, वर, मालिक, राजा, देव, गुरु, साधु, मुनि।

स्वार (सं.) सवार चढैया।

स्वारथ-र्थ (स.) अपना अर्थ, अभिलाष, अपनाकाम, मतलब, आत्महित, लोभ।

स्वारी (सं.) देखो सवारी।

स्वारथियुं-स्वार्थी (वि.) मतलबी, स्वार्थी, आपापंथी, खुदगर्जी।

स्वाहा (स.) देवताओंको हवि देनेका मंत्र, भस्म, खाक, राख, जल जाना, अग्निकी स्त्री। वौषट्।

स्वाहा थवुं (क्रि.) खाजाना, हजम करजाना, डकारजाना, नष्ट करना। [बरबाद होना।

स्वाहा थई जवुं (क्रि) जलजाना।

स्वीकार (सं.) मंजूर, कबूल, अंगीकार, इनकार, मानना।

स्वीकारवुं (क्रि.) मंजूर करना, कबूल करना, मानना, अंगीकार करना।

स्वीय (वि.) खुदका, निजका, अपना, निजी, निज सम्बन्धी।

स्वीया (सं.) अपनी स्त्री, भार्या, पत्नि।

स्वेच्छ (अ०) अपने इरादेके मुआफिक, अपनी इच्छानुसार। (वि.) जो अपना इच्छानुसार हो। (सं.) अपनी इच्छा, खुदकी मर्जी।

स्वेच्छाचार (सं.) जिद्द, हठ, अपनी इच्छाके अनुसार आचरण।

स्वेच्छाचारी (वि.) हठीला, जिद्दी, स्वच्छन्दी, बिना किसीकी सलाहके काम करनेवाला।

स्वेच्छाप्रारब्ध (सं.) जो इच्छाके अनुसार होजावे।

स्वेद (सं.) पसीना, पसेव, उष्णताके कारण शरीरसे जो पानी निकलता है, श्रमबिन्दु।

स्वेदज (वि.) पसीनेसे उत्पन्न हुआ, जूं, पसीनेसे उत्पन्न कीट।

સ્વૈર (વિ.) નિરંકુશ, ઉચ્છૃંખલ, ઉદ્દણ્ડ, મટકાહુઆ । લમ્પટ, દુરાચારી । [વ્યભિચારિણી ।

સ્વૈરિણી (સ.) સ્વેચ્છાચારિણી સ્ત્રી,

સ્વોપાર્જિત (વિ.) ખુદકા કમાયા હુઆ, અપને હાથોં પૈદા કિયા હુઆ ।

હ.

હ— તેતાલીસવાં વ્યંજન, ગુજરાતા વર્ણમાળાકા ચવાલીસવાં અક્ષર, કણ્ઠસ્થાનસે ઉચ્ચારણ હોનેકે કારણ ઇસકો કણ્ઠ્ય કહતે હૈં ।

હં (અ૦) હાં, અર્થસૂચક, આશ્ચર્યસૂચક અવ્યય ।

હંસ (સં.) અપને નામસે પ્રસિદ્ધ એક પક્ષી, (કહતે હૈં યહ પક્ષી કેવળ માન સરોવરમેંહી રહતા હૈ.) બદકકી જાતિકા પક્ષીવિશેષ, જીવ, આત્મા, પ્રાણ ।

હંસગામિની (સં.) હંસકી તરહ સુંદર ચાલ ચલનેવાલી સ્ત્રી, મરાલી ।

હંસણી–હંસી (સં.) હંસ પક્ષીકી માદા ।

હંહં (અ૦) આશ્ચર્યસૂચક અવ્યય ।

હક્ક (સં.) અધિકાર, દાવા, સત્તા, માંગ, આજ્ઞા, ફીસ, દસ્તૂરી, (અ૦) વાજિબી, ઠીક, સચ્ચા ।

હકમવું (ક્રિ) મરજાના ।

હકીકત (સં.) પરમાત્મા, ખુદા, ઇસ વિશ્વકા સ્વામી ।

હકદાર (વિ.) અધિકારી, દાવાદાર, વાજિબી, ઠીક, સચ્ચા ।

હકનાહક (અ૦) વિનાકારણ, અકારણ, નાહક, બેપરવાહીસે સામોલ્વાહ ।

હકસાઈ–હકાઈ (સં.) દસ્તૂરી, દલાલી, કમીશન, ફીસ ।

હકાર (સં.) "હ", હ અક્ષરકા ઉચ્ચારણ, અચ્છાપન ।

હકારવું (ક્રિ.) ચલાના, શુરૂકરના, હાંકના ।

હકારો (સં.) નિમંત્રણ દેનેવાલા, ન્યૌતા દેનેવાલા, હેડા દેનવાલા ।

હકાલવું (ક્રિ,) ભગાના, નિકાલના, હાંકના ।

હકીકત–ગત (સં.) સમાચાર, પ્રસંગ, ખબર, બાત, હાલ, વખાન ।

હકીમ (સં.) વૈદ્ય, ઔષધોપચાર, કરનેવાલા, ચિકિત્સક, વૈદ, ડાક્ટર મુસલ્માન વૈદ્ય ।

હકીમી (સં.) વૈદ્યકા ધંધા, ચિકિત્સકા, ડાક્ટરી, દવા, ઔષધિ ।

હકુમત–હુકૂમત (સં.) રાજ્ય, હાકિમી અમલ, સત્તા, અધિકાર ।

હુકમત્યલાવવી (ક્રિ.) हुक्मचलाना, आज्ञा करना।
હંખળાંખળ (અ૦) डाँवाडोल, भंभोड़ाहुआ, डगमग।
હગડો (सं.) दस्त और कय, उलटी, और दस्त, कालरेकी बीमारी, हैजा।
હગણ (सं.) अपना स्वार्थ साधन के लिये कटिबद्ध रहना।
હગણગવું (क्रि.) ध्यानधरना, ताकना, धैर्य छूटना।
હગણટપર (सं.) बिनामात्रा के अक्षर, मोड़ी अक्षर।
હગવું (क्रि.) मलोत्सर्ग करना, दस्तजाना, टट्टीफिरना, पाखाना जाना, पुरीष त्यागना।
હગાણ (स.) घबराहट,व्याकुलता।
હગાણપટાણ (सं.) बहुतही व्याकुलता, बड़ी बेचैनी (भयसे)
હગાર (सं.) विष्टा, मळ, पुरीष, पाखाना, गू, बीट, गोबर।
હગીદેવું-પડવું (क्रि.) भयसे अत्यंत भयभीत होजाना, गुप्तमात कहदेना।
હંકાઈ-ભથ્થુ-ભણી (सं.) हांकनेकी मजदूरी, हांकनेके बदलेकी मजूरी।
હંકાર (सं.) अहंकार, गर्व, घमण्ड।
હંકારવું (क्रि.) हांकना, गाड़ी चलाना, चलता करना।
હંકાવું (क्रि) चालू होना, चलतू होना, घेरना, निकालदेना।
હંખારવું (क्रि.) स्वच्छ करना, साफ करना।
હંખારો (सं.) कचरा, मळ, मैल।
હંગામ (सं.) मौका, अवसर, वक्त, समय, ऋतु, मौसिम, धूमधाम गड़बड़, तूफान।
હંગામી (सं.) ऐसानौकर जो काम तकके लिये रखागया हो, मौसिमी।
હંગામો (सं.) धूमधाम, गड़बड़, मस्ती, तूफान, हुल्लड़, दंगा, ऋतु, मौसिम, अवसर, मौका।
હચમચવું (क्रि.) डगमगाना, हिलना।
હચમચાટ (सं.) डगमग, डांवाडोल, अस्थिर, उथलपथल।
હચમચાવવું (क्रि.) इधर उधर, हिलाना, डुलाना, अव्यवस्थित करना, हिलाना।
હચડચાવવું (क्रि.) पूर्ववत्।
હજ (सं.) मक्काकी यात्रा, (मक्का मुसलमानोंका तीर्थस्थान है।)
હજમ (वि.) पचाहुआ, मचाहुआ।

હજમ કરવું (ક્રિ.) पचाना, हज्म करना सहन करना, सहना, सहना।
હજમવું (ક્રિ.) पचना, जीर्ण होना, गलना।
હજમિયત (સં.) पाचन क्रिया, हाज़मा, भोजनका पचना।
હજરત (સં.) उपपद संबोधक शब्द श्रीमंत, श्रीमान।
હજરતભરવી (ક્રિ.) बड़े आदमियोंकी मंडली बुलाना। एक योगविद्या विशेष।
હજામ (સં.) नाई, नापिक, खवास, हजामत बनानेवाला।
હજામનું કરવું (ક્રિ.) सिर मूंडनेका धंधा करना।
હજામપટ્ટી કરવી (ક્રિ.) पूर्ववत्।
હજામડી (સં.) नाइन, नाईकी औरत। [हज्जाम।
હજામડો (સં.) नाई, नापिक,
હજામત (સં.) मुंडन, क्षौरकार्य, क्षौर, केशवपन, नाईका कार्य।
હજામતકરવી (ક્રિ.) ठोकपीटकर दुरस्त करना, मद उतारना।
હજાર (સં.) दससौ, १०००, सहस्र, संख्या विशेष। [घना।
હજારગાઢ (વિ.) बहुत, अधिक,
હજારહાથનોધણી (સં.) सर्व शक्तिमान, ईश्वर।
હજારી (વિ.) हजारवाला, बहुत सी पखुरियोंका फूल।
હજી (અ૰) आजतक, अभीतक, अबतक। [मकबरा।
હજીરો (સં.) कबर, रोज़ा, मनिार,
હજુ (અ૰) अद्यावधि, अभीतक अबतक, अभीतलक।
હજુર (સં.) मालिक आगे हाजिर होना खुद स्वयम्। [वाले नौकर।
હજુરિયો-રી (સં.) हजूरमें रहने-
હટ (અ૰) सरक, दूर, अलगहो।
હટકટ (સં.) खटका, डर, भय, दुःख। [करना, हठकरना।
હઠલેવી (ક્રિ.) दुराग्रहकरना, जिद
હઠપકડવી (ક્રિ.) जिद करना, हठ करना।
હઠવવું (ક્રિ.) पूर्ववत्,
હઠાંબાવવું (સં.) जिद्दी होना, हठी होना।
હઠયોગ (સં.) देह कष्टके योगकी एक क्रिया, श्वास धारणाद्वारा योग साधन, चित्तवृत्ति निरोधार्थ प्राणायामादियोग।
હઠવું (ક્રિ.) हटना, पीछे सरकना, हारना, विरक्त होना, छोड़ना, फिरना, मुंहकीखाना।

હઠીલાઈ (સં.) હઠ, જિદ, અડ, મચરાઈ, આગ્રહ, બલાત્કાર ।
હઠીલું (વિ.) જિદી, અડિયલ, હઠી, આગ્રહી, હઠધર્મી ।
હઠીલોહનખાન (સં) બહુ હઠી જિદી આદમી, અત્યંત આગ્રહી ।
હઠ (સં.) આગ્રહ, બલાત્કાર, જિદ ।
હડવા-ખવા (સં.) બકવાને કા રોગ, રોગવિશેષ જિસમેં કાટને કી દૌડતા હૈ, ચિડચિડાપન ।
હડવાઈખવો (ક્રિ.) ચિડ ચિડે ઔર અકડ સ્વભાવકા બનના ।
હડવાયું-યું (વિ.) પાગલ, બકવાદુવા, ચિડનેવાલા ચિઢનેવાલા ।
હડખું (વિ.) ઉન્મત્ત, હડકવા, પાગલ કુત્તે યા ગીદડસે કાટનેપર હો જાનેવાલી દશાસે ગ્રસ્ત મનુષ્ય ।
હડતાલ-ળી હરિતાળ (સં.) એક પ્રકાર કા પીલે રંગકા રસ, હરતાલ । બાજાર તથા કામ કાજ બંદ ।
હડતાલભારવી (ક્રિ.) લિખાદુવા કાટ દેના નષ્ટ કરના, બર્બાદ કરના । [રખા હુવા, અમાનત,
હડપ-ફ (સં.) અમાનત કે બસમેં

હડપ (સં.) ટુકી, ઝોંકી, ચિકુચ, દાબી ।
હડપચી (સં.) નિકમ્મા, મુફ્તિયા ।
હડપો (સં.) ઝપટ, ઝરપટ, ઝેટ, ઝપાટા, ફટકર ।
હડબડવું (ક્રિ.) ઘબરાજાના, વ્યાકુલ હોજાના, નિરાશ હોના ।
હડસાંકળ (સં.) એક પ્રકારકી ચાંદીકી સાંકલ ।
હડસેલવું (ક્રિ.) ધકામારના, જોરસે ધકેલના, હટાના ।
હડસેલો (સં.) ધક્કા ।
હડહડ (અ૦) કુત્તા ભગાનેકે લિયે યહ વાક્ય પ્રયોગ કરતે હૈં ।(સં.) પ્રતિઘાત । તિરસ્કારપૂર્વક દૂર કરના । [બિલકુલ, સાફ, સ્પષ્ટ ।
હડહડતું (અ૦) ચુસ્ત, તલીન,
હડહડવું (ક્રિ.) ગુસ્સેમેં બોલના, બડબડાના । [ગર્જના, ગૂંજ, મેલ ।
હડાકો (સં.) પ્રતિધ્વનિ, પ્રતિ-
હડિયો (સં.) ગલેકા ટેટુવા ।
હડી (સં.) મડબડ, દૌડધૂપ, મગદડ, (વિ.) બરાબર, સમાન ।
હડીબડોટ (સં) દૌડમાગ, ભાગ દૌડ, ઇધર ઉધર અબી અબી આના જાના ।
હડીયાપટી (સં.) માણકીલ ।

હીંગાપાટીકરવી (ક્રि.) ઉપદ્રવ મસ્તી કરવા, ધુમ્મસ મચાવવા।
હું (અ૦) દેખો હું હું।
હુંકાટ (સં.) પેટમાં વાયુદ્વારા ગડબડ।
હુંકું (અ૦) એકદમ સપાટેસે।
હુંકો (સં.) પાંચોસ, પરાંસ પચોસ, બૈલગાડી કા અગ્ર ભાગ વિશેષ જહાં જુઆ બંધતા હૈ।
હુંકોખાવું (સં.) હાં, યા ના, ઝરા ખોટા કહના।
હુંખવું (ક્રિ.) નાશ કરના, નષ્ટ કરના, બરબાદ કરના, મારના, પ્રાણ લેના।
હુંહુંકોખાવું (સં.) દેખો હુંહુંકોખાવું।
હુંહુંખવું (સં.) હિન હિનાના। (ઘોડે ઘોડીકા શબ્દ)
હુંહુંખાટ (સં.) હિન હિનાહટ,
હુંચિયું (સં.) ગાડી ચલાને વાલેકે બૈઠનેકી પટ્ટી, કોચવાનકી બૈઠક।
હું (અ૦) ઢોરકો ભગાને કે લિયે યહ શબ્દ કામમેં આતે હૈ। દુત્કાર।
હું (વિ.) મારાહુઆ, વધ કિયા હુઆ।
હુંદેવ (વિ.) અભાગા કમબખ્ત।
હુંભાગી (વિ.) ભાગ્યહીન બદ-કિસ્મત।
હુંભાગ્ય (સં.) દુર્ભાગ્ય, દુર્દૈવ કમ-નસીબ।
હુંવું (ક્રિ.) નાશ કરના, મારના, વધ કરના, નષ્ટ કરના।
હું (અ૦) યા।
હું નહોતું થઈ જવું (ક્રિ.) મર જાના, પૈદા હોકર ફૌત હોજાના, લોપ હોના, અંતર્ધ્યાન હોના ગાયબ હોના।
હુંત્યા (સં) વધ, ઘાત, માર, હિંસા, ખૂન, હનન, વધકા પાપ।
હુંત્યા વહોરવી (ક્રિ.) વ્યર્થકી દખલ અપને સિરલેના।[લગાના।
હુંત્યા ચોંટવી (ક્રિ.) વધકા પાપ
હુંત્યારો (સં) પાપી, ખૂની, ઘાતક।
હુંથરોટા (સં.) ભુજબંધ, બાજૂબન્દ, એક પ્રકારકા ઝેવર।
હુંથવાર (સં.) જો એક આદમીકે વશમેં રહે, ઐસા જાનવર જો એક આદમીકે દ્વારાહી દુહા જાવે (દૂધ)।
હુંથિયાર (સં.) લોહાર, કલકાટા, ઔજાર, આયુધ, અસ્ત્ર, શસ્ત્ર હથિયાર।
હુંથિયાર બાંધું છે (અ૦) પક્ષ મજબૂત હૈ, આધાર બલવાન હૈ।
હુંથિયાર બાંધવો (ક્રિ.) લડનેકે લિયે તય્યાર હોના, શસ્ત્ર ગ્રહણ કરના।

હથિયાર ઉગામવાં (ક્રિ.) મારવેકે લિયે હથિયાર उठाना ।

હથિયાર સજવાં (ક્રિ.) युद्धके लिये तय्यार होना ।

હથિયારબંધ (વિ.) अस्त्र शस्त्रोंसे सुसज्जित, सशस्त्र ।

હથુ-થ્થુ (અ૰)हस्ते, द्वारा, मारफत ।

હથેલી (સં) हस्ततल, हाथका बीचका स्थान, करतल, हाथका अंगुली और कलाईके बीचका चपटा भाग ।

હથેલીમાં પૃથ્વી આવવી (ક્રિ.) बड़ा भारी संकट आपड़ना, घोर आपत्तिमें पड़ना ।

હથેલીમાં સ્વર્ગ બતાવવુ (ક્રિ,) लालच दिखाना, बहकाना ठगना ।

હથેલીમાં શીરા બતાવવા (ક્રિ.) बड़ी बड़ी आशायें बंधाना जो कभी पूरी नहीं । ठगना, पोंदना ।

હથોટી (સં૰) हाथकी निपुणता, हथौड़ी, चतुराई, निपुणता, बनावट ।

હથોડી (સં.) हथौड़ी, मोगरी ।

હથોડો (સં.) हथौड़ा, घन, बड़ा मातौल ।

હથોડાને ચીપિયા લઇને મંડવું(વું) आतुरतापूर्वक किसी कार्यमें लग जाना ।

હદ-દ (સં.) सीमा, हद्द, अवधि, आखिर, अंत, मर्यादा । (અ૰) पराकाष्ठा, बहुतही ।

હનન સં,)आनाकानी, संदेह, शक ।

હનુમાન (સં.) मारुति, रामदूत, बन्दर । [उपवास करते हैं ।

હનુમાન હાડિયે ઠાઢે છે (-) चूहे

હન્તા (વિ.) मारनेवाला, खूनी, घातक, हत्यारा ।

હપતો-હતો (સં.) सप्ताह, हफ्ता, ठहराहुआ समय, किस्त, सौ सौ रुपये, रुपया पैसा देनेका ठहराया हुआ समय । [उचित ।

હપરે (અ૰) बराबर, ठीक, सही ।

હપુસ (સં.) एक प्रकारका कलमी आम । [हौलदिल ।

હબક (સં.) दहशत, चमक,

હબકવું (ક્રિ.) चमकना, चौंकना, दहशत खाना ।

હબકી જવું (ક્રિ.) अचंभेसे चमक जाना ।

હબકાવવું (ક્રિ,) चमकाना, डराना, चौंकाना, अचानक भयोत्पादन करना ।

હબ્બું (વિ.) मजबूत ।

હમણાં-ણી (સં.) एकोत्तीसनिक्षत्र, हिंदी, बीचो. मूल, अंगली ।

હમીરપટ્ટ (સં.) ફૂટાઈ ન ફૂટે એવી મૂઠ.
હમ્મીર (સં.) દુષ્ટોની ઔરત.
હમ્મીર (સં.) આવાજ, ધ્વનિ, શબ્દ.
હમ્મી (સં.) એક અગરણી નામક સંસ્કારના સમય સ્ત્રિઓના ગોલ કુંડાલના રૂપમાં ઊભા હોકર ગીત ગાના.
હમ્મી (સં.) અહંકાર, ગર્વ, મગરૂરી.
હમ્મું-મ્મે (અ૦) વર્તમાન સમયમાં, હસ્યક્ત, સાંપ્રત, અબી, હાલમાં.
હમામખાનુ (સં.) સ્નાનાગાર, નહાનેની જગહ.
હમામદસ્તો (સં.) હમામદસ્તા, કૂટનેકે લિયે લોહેકી ઉખલમૂસલ.
હમાલ (સં.) બોઝા ઉઠાનેવાલા, મનુષ્ય, મારવાહી, મજદૂર, હમ્માલ.
હમિયાણી (સં.) પૂંજી, મૂલ ધન, દૌલત, દ્રવ્ય, ધન, ભંડાર, ન્યોછાવર, રૂપયોંકે ભરનેકી થૈલી.
હમ્મીર (સં.) આમિનગિરી, રૂબરૂ.
હમીલદાર (ફા.) આમિન અમાનતદાર, હાંકનેવાલા. [વિશેષ.
હમીર (સં.) કલ્યાન રાગકા ભેદ
હમેલ (ફા.) ગર્ભ, ગ્યાભ, હમલ, ગલ, ગર્ભાધાન.

હમેશ-મ્મેશ (અ૦) હમેશા, નિત્ય, રોજ, સદા, નિરન્તર, સર્વદા.
હમેશગી (સં.) અવિરામ, હમેશા હોતો, નિત્યતા, અવિચ્છેદ, યાવચ્ચન્દ્રદિવાકર, ચિરસ્થાયિત્વ.
હમેશાં-મ્મેશાં (અ૦) દેખો હમેશ.
હય (સં.) અશ્વ, ઘોડા, તુરગ, વાજી.
હયમોચન (સં.) ઘોડેકોછોડના, છોડના.
હયશાળા (સં.) ઘોડેકે બંધનેકા સ્થાન, તબેલા, ઘોડોંકા ઠાન.
હયાત (વિ.) જીવિત, જાનદાર.
હયાતી (સં.) જીવન, જિન્દગી.
હર (સં.) મહાદેવ, શંકર, (વિ.) હરણ કરનેવાલા, લે જાનેવાલા, પ્રત્યેક.
હરએક (વિ.) કોઈભી એક, પ્રત્યેક.
હરકોઈ (વિ.) હરકોઈ.
હરખ (સં.) હર્ષ, આનંદ, ઉલ્લાસ, પ્રસન્નતા, ખુશી, સન્તોષ.
હરખભર્યું (સં.) અત્યાનન્દકે લિયે પાગલ હોના.
હરખેલું (વિ.) હર્ષકે લિયે પાગલ બના હુઆ.
હરખાવું (સં.) હર્ષોન્માદ, અત્યાનન્દકા પાગલપન.

હરખું-ખાડું (ક્રિ.) પ્રસન્ન હોવા, ખુશ હોવા, મુદિત હોવા.

હરગીજ-સ (અ.) કદી, કિસી દિન, કિસી કારણ, કિસીભી તરહ.

હરદી (અ.) બારમ્બાર, સદા, સર્વદા, હમેશા, ઘડીઘડી.

હરદું (વિ.) પાસકા, નજદીકકા, સમીપ, સમ્બન્ધી, દુરસ્ત.

હરડ (સં.) હર્ર, એક પ્રકારકા ફળ, હરીતકી, અમૃતા.

હરડે (સં.) પૂર્વવત્.

હરણ (સં.) મૃગ, હરિણ, સાબર, કૃષ્ણસાર, દૂર કરના, લેજાના, ચોરી.

હરણી (સં.) હરિણી, મૃગી.

હરણો (સં.) હરિણ, કાલા ઔર બડા ટોળ કા મુખિયા મૃગ.

હરતાલ (સં.) સદા રહકર માનનમેં કથા કહનેવાલા.

હરનીસ (સં.) રાતદિન, સર્વોરોગ અહર્નિશિ, બારમ્બાર, હમેશા.

હરફ (સં.) અક્ષર, દુરુફ, શબ્દ, બોલ, ઉચ્ચારણ, વર્ણ.

હરફર (સં.) બારમ્બાર આના-જાના, હેરફેર, હેરફેરી બૈઠપકટ.

હરભરવું (ક્રિ.) ભરના, ભીંજના, ખચરા જાના, ખચરના.

હરમરવું (ક્રિ.) ખચરના, ખ્યાકુલ કરના. [મરોડના.

હરમાવું (ક્રિ) ખચરના,

હરહરવું (વિ.) ચક્કર ખાતા ફિરના, તન્દુરસ્તીમેં ખરાબી ખૂમતા ટહલના.

હરાવું (વિ.) હલકીકે સ્વાદવાલા

હરોજ (અ.) પ્રતિદિન રોજમર્રહ.

હરવખત (અ.) હરઘડી હમેશ.

હરવર (સં.) બાદ સ્મરણ.

હરવરસ (સં.) પ્રતિવર્ષ, હરસાલ.

હરવાયું (વિ.) સુસ્ત, કાહિલ.

હરવું (વિ.) હર, તાજા, હરણ કરના, છિના લેના, લીનના, ચોરના, ઘટાના હારના, પરાજિત હોના, ઇધર ઉધર ફિરના.

હરવું ફરવું (ક્રિ.) ઘૂમના ફિરના ચક્કર કાટના, ટહલના, હવા ખોરી કરના.

હરસ (સં.) અર્શરોગ, ગુદરોગ વિશેષ બવાસીર, મસ્સેકા રોગ.

હરસકુમ્ભ (સં.) બવાસીર મેંસે ગુદ ટપકના.

હરસાલ (અ.) દેખો હરવરસ.

હરહરમહાદેવ (સં.) શત્રુપર આક્રમણ કરતે સમય તથા સ્નાન કરતે સમય હિન્દુ લોગ ઇસ વાક્યકા ઉચ્ચારણ કરતે હૈં.

હરકુન્નર (सं.) प्रत्येक हुनर, हरेक कारीगरी।

હરજ (सं.) घोड़े बाँधनेका रस्सा, बेर नामक वृक्षका काँटा।

હરજાદ (वि.) नीलामद्वारा बिका हुआ, माँगके साथ बिका हुआ।

હરજી (सं.) नक्शिम, तल उप रकी माँग।

હરઠ (वि.) अठारह, अठारह, १८।

હરડું (वि.) हराया, भटकता हुआ, परास्तकिया, मचलाहुआ, अड़ियल, हठी, निरंकुश।

હરણ (वि.) धर्म और नीति-विरुद्ध अन्यायका, खोटा ना ...सब।

હરણખોર (वि.) नमक हराम, अपने फर्जों (फरायज) को नहीं जाननेवाला, कृतघ्नी दुष्ट।

હરણખોરી (सं) कृतघ्नता, नमक हरामी, दुष्टता, छुच्चाई, ठगी।

હરણગરુડ (सं.) मुफ्त काखानेकी देव।

હરણગરું (वि.) बर्बेसंकर, ऐसे गर्मसे उत्पन्न, जिसके बापका कुछ पता नहीं। बारह।

હરણી (वि.) उचक्की, दूकानी, बदमाश, धूर्त, छुच्चा, दगाबाज। (सं.) हरामखोरी, छुच्चाई।

હરત (अ०.) जरूर, ठीक, निश्चय।

હરિ (सं.) ईश्वर, परमात्मा, प्रभु। विष्णु, इंद्र, साँप, मेंढक, सिंह, घोड़ा, सूर्य चन्द्रमा, सुग्गा, तोता, बानर, यमराज, हंस, अग्नि, कपूर, वरुण, मोर, ब्रह्मा, शिव, हरारंग, इन्द्रका, घोड़ा, किरण, रश्मि।

હરિક (सं) नीले और पीले रंगका घोड़ा।

હરિકેલીય (सं.) बंगाल प्रान्त।

હરિકેશ (सं.) शिव, इस नामका एक यक्ष।

હરિગીત (सं.) छन्दविशेष, अठाईस मात्राका मात्रिक छन्द विशेष।

હરિચંદન (सं.) केसर, एक प्रकारका चन्दन, चाँदका उजाला।

હરિજન (सं.) हरिभक्त, भगत।

હરિત (सं.) देखो हरण, शिव, विष्णु, हंस, सफेद और पीला रंग।

હરિયાળી (सं.) मृगलोचनि, एक प्रकारका सुगन्धित द्रव्य।

हरित (वि.) हरा, हरा और पीला मिला हुआ। हरिण, हल्दी, दिशा, सिंह, सूर्यका घोड़ा।

हरितालो (सं.) भूव, आकाशरेखा।

हरिद्रा (सं.) हल्दी, हरदी।

हरिद्रु (सं.) दारुहल्दी, औषधि विशेष।

हरिनयनी-नेत्री (वि.) मृगलोचनि।

हरिनेत्र (सं.) सफेद कमल।

हरिपरायण (वि.) प्रभुप्रीत्यर्थ, ईश्वर के नाम पर।

हरिपर्णी (सं.) मूली, शाकविशेष।

हरिप्रिय (सं.) शिव, कदम्बवृक्ष, वादी प्रकृतिका आदमी, शाल, पीला रंग। (वृक्ष विशेष)।

हरिप्रिया (सं.) तुलसी, लक्ष्मी, पृथ्वी, (वि.) हरिको प्यारी।

हरिया (सं.) आम, आम्र, रसाल, (कुम्हार गधोंको हांकते समय यह शब्द करता है)

हरियाणी (सं.) नवपल्लवता, ताजा वनस्पतिकी शोभा, हराव।

हरियाणु (वि.) हरा हरित वर्ण।

हरिवल्ली (वि.) चन्द्रमुखी, सुंदर मुंहवाली।

हरिवल्लभा (सं.) देखो हरिप्रिया।

हरिसेवा (सं.) ईश्वर भक्ति।

हरीअप (सं) भावी नाक (जैन धर्मावलम्बियोंका शब्द)

हरीफ (सं) शत्रु, दुश्मन, प्रतिपक्षी, प्रतिवादी, वादी, प्रतिस्पर्द्धी, ईर्ष्यालु।

हरीफाई (सं.) शत्रुता, दुश्मनी, स्पर्द्धा, ईर्ष्या।

हरीहरीने (अ०) इधर, या उधर।

हरे (अ०) यहाँ यहीं। (वि.) हरा, ताजा, गीला, (वनस्पति)

हरेंपरें (अ०) इधर उधर, आस पास इलाके।

हरेक (वि.) प्रत्येक, हरकोई, कोई भी एक।

हरेड़ी-ड़ी (सं.) किसीका पीछा करना, खोज, मालूमी।

हरेंड़-ड़ (सं.) फलविशेष।

हरेरे (सं.) वृक्षविशेष।

हरोल (वि.) सेनाका पिछला भाग, फौजके पीछेकी टुकड़ी। अगाऊ, पहिले, आगेसे, एकबांस हार, पंक्ति।

हर्ता (सं.) हरनेवाला, लेनेवाला, नाश करनेवाला, दूरकरनेवाला, चोर।

ઉપુ (સં.) હરા સબ્જ, તાજા ।
ઉપ્પિસુ (વિ.) હર્ષોન્મત્ત, હર્ષમેં-પાગલ । [આનન્દ કા વિચાર ।
ઉપ્પિતરંગ (સં.) આનન્દ કી
ઉપ્પિનાદ (સં.) આનન્દધ્વનિ, જયઘોષ, જયજયકાર, આનન્દ-સૂચક શબ્દ ।
ઉપ્પિત (વિ.) પ્રસન્ન મુદિત, આનન્દિત આનન્દપ્રિય ।
ઉપ્પુ (સં.) આવાજ, કંઠ, સાઁસ, સુર ।
ઉપ્પુઽ (વિ.) નીચા, હલકા.
ઉપ્પુતન (સં.) હલકાપના, નિચાઈ લઘુતા । [ઘોર શબ્દ ।
ઉપ્પુરવ (સં.) બડી આવાજ,
ઉપ્પુરવુ (ક્રિ.) જોરસે બોલના, હાંકના, ફટકારના, નારાજ હોના બલાના ।
ઉપ્પુરિ (સં.) દૂત, સમ્વાદવાહક, જાસૂર, કાસિદ ।
ઉપ્પુ (વિ.) વજનમેં થોડા હલકા, ફુલકા, સહજ લઘુ, સુગમ, સુદ્ર, તુચ્છ, છોટા, અલ્પ નીચા ઉત્તમ, કમજાત, પાની, ફીકા ।
ઉપ્પુમરવુ (ક્રિ.) મારના, પીટના । ચમકાના, ઇજ્જત-ક્ષય કરના ।
ઉપ્પુંડુ (વિ.) ફુલકે સમાન હલકા । [કમીના આદમી, ।
ઉપ્પું પેઠી (સં.)) નીચવૃત્તિ,
ઉપ્પું પેઠી ઉપ્પુમરવુ નીચોંકા મારા જાના ।
ઉપ્પું પડુ (ક્રિ.) ઇજ્જત કમહોના ।
ઉપ્પું પ્રમ (સં.) થોડા કામ, નીચ કાર્ય ।
ઉપ્પુ (વિ.) ઊંચા, બડા હુઆ, વૃદ્ધિગત ।
ઉપ્પુપડુ (ક્રિ.) છટપટાના, તડ-ફડાના, તલફના, ઉત્તેજિત હોના ।
ઉપ્પુમરુ (સં.) હોહલ્લા, શોરગુલ, ચખરાહટમેં શબ્દવિશેષ ।
ઉપ્પુવા (સં.) એક પ્રકારકી મછલી ।
ઉપ્પુવાઽ (સં.) મિઠાઈ બેચનેવાલા, મિઠિયા ।
ઉપ્પુવાન (સં.) સાબસે કમકીમ-તકા ઉબીવન (જો ખોદનેકે કામમેં આતા હૈ ।
ઉપ્પુ (વિ.) હલકા, કમવજનદાર ।
ઉપ્પુરિ (સં.) એક પ્રકારકી મિઠાઈ, રસુલા, મોહનભોગ, સીરા, હલુવા ।
ઉપ્પુરો (સં.) વાદ્ય, કાઠકા, ચમચા ।
ઉપ્પુ-ઉપ્પુ (સં.) ચટાઈ, આચ્છાદન ।
ઉપ્પુ (સં.) બારહમેં જિનોંકે લિયે સમ્બોધન, સખી, બહિન, આલી, પૂજ્યા ।

૬૯૬૬ (वि.) हैरान, दुखी, व्यथित।
૬૯૬૭ (सं.) परिश्रम, माथाफोड़, दुःख, खीझ, तंगी।
૬૯૬૮ (सं.) खेत जोतना।
૬૯૬૯ (सं.) खेत जोतनेकी मजदूरीके पैसे।
૬૯૭૦ (वि.) वाजिब, उचित, योग्य, धर्म और नीतिके अनुसार, हलाल (अ०) नियमानुसार, खरा, विधिपूर्वक मारा हुआ।
૬૯૭૧ ૬૨૫ (क्रि.) मारना, वध करना। [अपच।
૬૯૭૨ (सं.) भंगी, मेहतर,
૬૯૭૩ (सं.) स्वामिभक्ति, अनुराग, आसक्ति, प्रेम।
૬૯૭૪ (क्रि.) हिलाना, डुलाना, कंपाना, डगमगाना, भुलाना, आपूत करना, उत्तेजित करना।
૬૯૭૫ (वि.) जीवन विषयक बातोंसे अनभिज्ञता, धीमा, मन्द, सुस्त। [लकड़ीका चमचा।
૬૯૭૬-૬૯૭૭ (सं.) चाटू,
૬૯૭૮ (सं.) वैभव, ठाठबाठ, धूम, धूंम। [धन शब्दविशेष।
૬૯૭૯ (अ०) मित्रके लिये शब्दो-
૬૯૮૦ (सं.) आकाश, खाना, हमल, चढ़ाई, नुकसान, धंधा, कामकाज।
૬૯૮૧ (सं.) हव्यकव्य, देव और पितृकार्यके लिये बलि। युक्ति प्रयुक्ति, दांवपेच।
૬૯૮૨ (वि.) अछूता, जिसे किसीने भी काममें नहीं लिया हो।
૬૯૮૩ (सं.) चलते फिरते आनन्द करना, सहज, सरल। [इसीक्षण।
૬૯૮૪ (अ०) अभी, इसीवक्त,
૬૯૮૫ (सं.) होम, अग्निमें घृतादि पदार्थोंकी आहुति।
૬૯૮૫૬ (सं.) होमके काममें आनेवाली सामग्रीकी पुड़िया।
૬૯૮૭ (सं.) तृष्णा, हविस, लोभ, कामअभिलाष, प्रबल इच्छा।
૬૯૮૮-૬૯૮૯ (सं.) देखो ૬૯૮૫।
૬૯૯૦ (सं.) सामान रखनेके लिये दरबारमें लगाया हुआ तख्ता, आलमारी। प्रसवके दिनोंमें प्रसूताके खिलानेका पदार्थविशेष।
૬૯૯૧ (अ०) अभी, इसीसमय, अब।
૬૯૯૨ (सं.) पवन, वायु, मरुत, ठंडक, शीतलता, आकाश, आसमान।

હવાખાવી-જેવી (ક્રિ.) હટલ્યા, घूमना, फिरना, चहलकदमी करना, हवाखाना ।

હવાફેર કરવી (ક્રિ.) तन्दुरस्ती ठीक करनेके लिये अच्छा हवाहो वहां जाकर रहना ।

હવામાં ઉડી જવું (ક્રિ.) गायब होना, अदृश्य होना, व्यर्थजाना ।

હવામાંમાચડાભરવા (ક્રિ.) मिथ्या प्रवास करना ।

હવામાંમારવું (ક્રિ.) पूर्ववत् ।

હવામાં હિંચકામાવા (ક્રિ.) निराधार रहना, बेसहारे लटकते रहना ।

હવાઈ કિલ્લા બાંધવા (ક્રિ.) शेख चिल्लीके से विचार करना, मनके लड्डू बनाना, खयाली पुलाव बनाना ।

હવાબબૂચવી(ક્રિ.) अफवाह फैलना किम्वदन्ती फैलना ।

હવાઇ (सं.) एक प्रकारकी, आतिशबाज़ी, जो आकाशमें उड़ती है ।

હવાટ (वि.) शीतलता, सर्दी, ठंढ ।

હવાડું (सं.) दूध देनेवाले पशुके बर्तनका वह भाग जिसमें दूध भरा होता है, थौंडी ।

હવાડો (सं.) पशुओं के पानी पीनेके लिये चूनेका बनायाहुआ पक्का गड्ढा, खेळ, होज़, हौदी ।

હવાદેવું--યવું (वि.) शीतलता युक्त, सर्द, ठंढगार।[गति, हर्कीकृत

હવાલ (सं.) हालत, दशा, स्थिति,

હવાલદાર (सं.) पुलीस अथवा सेनाके नौकरोंका पद विशेष ।

હવાલદારી (सं.) हवालदारकाकाम ।

હવાલો (सं.) सत्ता, अख्तियार, कब्जा, रक्षा, पालन, देखरेख, आटा छानने के लिये कपड़ेकी चलनी, तस्वीर उपमोग ।

હવાલેલેવું (ક્રિ.) कब्जेमें लेना ।

હવાલેકરવું (ક્રિ.) सौंपना देना ।

હવાલેથવું (ક્રિ.) अधिकारमेंहोना ।

હવાલોઆપવો (ક્રિ.) अमानत देना ।

હવિ (अ०) अब, इससमय, यहांसे (कवितामें) [बलि देने योग्य ।

હવિષ્ય (वि.) भोग चढानें योग्य

હવિષ્યાન્ન (सं.) देवान्न, ऐसे अन्न जो देव और पितृकार्यमें काममें लाये जासकें । मूग, तील, जौ, चावल, उड़द, इत्यादि ।

હવિસ (सं.) घी, घृत, हवनमें डालने योग्य द्रव्य

હવું (અ૦) હોવા, થવારના ।
હવે (અ૦) અબ, કિરસે, ઉસકે યા ઇસકે બાદ, ઇન દિનોં, ઇસ સમય ।
હવેજ (સં.) હરતી, હરિદ્રા, હલદ ।
હવેથી (અ૦) આજસે, અબસે, ઇસકે બાદ, આયન્દા ।
હવેરૂં (વિ) ઘબરાયાહુઆ, વ્યાકુલ ।
હવેલી ઊંચા બડા મકાન, અટ્ટાલિકા-વાળા મકાન, વૈષ્ણવ લોગોંકા મંદિર । [વાહ નહીં ।
હશે (અ૦) હોગા, કુછનહીં, પર-
હસેતસે (અ૦) બારમ્બાર, ઘડી ઘડી, ઠહરઠહરકર, હરેકકામમેં ।
હસણી (સં.) હંસનેકી રીતિ, મન્દમન્દ હંસી, મુસ્કાના, મુસ્કુરાના ।
હસતાન-ખરાન-હતાન (સં.) દસ્ત, ખત, હસ્તાક્ષર ।
હસદ (સં.) ડાહ, ઈર્ષા, સ્પર્ધા, વૈર ।
હસદખોર (વિ.) ઈર્ષાલુ, દેખકર કુઢનેવાલા ।
હસમુખું (વિ.) જો સદા પ્રસન્ન રહે, ખુશમિજાજ, હંસમુખ ।
હસવું (ક્રિ.) હંસના, ખુશીજાહિર કરના, મુસ્કુરાના, દાંત નિકાલના દિલ્લગી કરના, મઝાક કરના, મશ્કરી કરના, મસ્કરી કરના, (સં.) હાસ્ય, હંસી, મઝાક, ઠટ્ઠા ।
હસતાક્ષ (સં.) કમ પીકે બને લહૂ ।
હસતુપક્ષી (સં.) હંસમુખપક્ષિ ।
હસતો સ્વીલ (સં.) ઠગ, ઉઠાઈગીરા ।
હસતો માર (સં.) ખુશામદકી ચોટ, મુખસે ઐસે સુન્દર વચન બોલના જો સુનનેમેં પ્રિયહોં કિન્તુ મર્મ-સ્પર્શીહોં । [નેવાલા ।
હસામણું (વિ.) જો હંસાવે, હંસા-
હસારત-થ (સં.) હંસી, મશ્કરી, દિલ્લગી, મઝાક, ઠટ્ઠા । [કરના ।
હસાવવું (ક્રિ.) હંસાના, પ્રસન્ન
હસી-સુ-ડું (સં.) હાંસી, હાસ્ય, ઉપહાસ, ફબ્તીહસ ।
હસીલ (વિ.) ભલા, સીધા, નિષ્કપટ, શાન્ત, ભીમા, મન્દ ।
હસ્ત (સં.) હાથ, કર, પાણિ, તેરહવાં નક્ષત્ર । [માર્ફત, જરીયે ।
હસ્તક (અ૦) હસ્તે, દ્વારા,
હસ્તકૃત (વિ.) હાથકા બનાયા હુઆ, મનુષ્યકૃત, કૃત્રિમ અપ્રાકૃતિક । [ચતુરાઈ, હોશિયારી ।
હસ્તકૌશલ્ય (સં.) હાથકારીગરી,
હસ્તક્રિયા (સં.) હાથસે કિયા હુઆ કામ (યંત્રદ્વારા નહીં ।)

હસ્તગત (વિ.) અધિકારમેં યા હુઆ, હાથમેં પહુંચા હુઆ।
હસ્તદોષ (સં.) લિખતે સમયકી ભૂલ।
હસ્તમેલાપ (સં.) વિવાહકે સંસ્કારકે સમય વરવધૂકા હાથ મિલાના।
હસ્તાક્ષરયુક્તત્વા (વિ.) હસ્તાક્ષરદ્વારા દિયા હુઆ।
હસ્તામળ (સં.) હાથમેં રખા હુઆ આમલેકા ફલ। હાથમેં રખાહુઆ, સબ તરફસે દિખતાહુઆ।
હસ્તિ (સં.) હાથી, હાથીદાંત।
હસ્તિની (સં.) હથિની, હાથી, (માદી) સ્ત્રિયોં કે ચાર ભેદોંમેંસે એક વિશેષ।
હસ્તિનખ (સં.) શહર, ગાંવ, ઇત્યાદિ કે દ્વારકે પાસ તય્યાર કિયાહુઆ બડા મિઠાઈકા ઢેર।
હસ્તિનાપુર (સં.) દિલ્લી, દેહલી નામસે પ્રસિદ્ધ ભારતીય શહર।
હસ્તિમદ (સં.) ગજમદ, હાથી કે ગંડસ્થલસે ચૂનેવાલા રસ।
હસ્તિ (સં.) હાથી, ગજ, કુંજર, વારણ, ઉપસ્થિતિ, મૌજૂદગી।
હસ્તું (વિ.) હંસતાહુઆ, મુસ્કરાતાહુઆ, પ્રસન્ન, મુદિત।
હસ્તે (અ૦) હાથદ્વારા, હાથસે, હાથોંમેં।
હા (સં.) હલ, ફાલ, ખેતી, હર, નાંગલ, જમીન ખોદનેકા મૌજ વિશેષ।
હાકવું (ક્રિ.) ફૂલના, હિલના।
હાકુ-ર (સં.) હલ્દી, હરિદ્રા, હરદ। [ચલાના।
હાકવું (અ૦) ઉત્તેજિત કરનેમેં
હાખટ (સં.) ખેતી, કૃષિકા કર્મ।
હાખવું (ક્રિ.) મિલનસારહોના, મિલજાના, દોસ્તી હોના, ફલના, (વિ.) ધીરા, ધીમા, મન્દા, હલકા, નરમ, પોચા, મુલાયમ।
હાખે (અ૦) ધીરેસે, આહિસ્તગીસે સબ્રકેસાથ, સન્તોષ પૂર્વક।
હાખેરહીને (અ૦) બહુતહી ધીરેસે આહિસ્તાસે, વિનયપૂર્વક, નમ્રતાદ્વારા, બહુતહી નર્મ હાથસે।
હાહળ (સં.) ભયંકર વિષ, ઝહર ગરલ, વિષ, માહુર, મહાવિષ।
હાળિયું (સં.) છોટાહલ।
હાળુ-હાળુ-હાળુ (અ૦) ધીરેધીરે આહિસ્તેસે, શનૈઃશનૈઃ।
હોતરાં (સં.) ભૂમિકો પહિલી હી વર્ષામેં જોતના।
હાં (અ૦) હાં, ઠીક, સમ્મતિ, અચ્છા, ઐસા! ઐસાક્યા! હા।
હાંઉં (અ૦) બસ, હુઆ, રહને દો।

હાંક (સં.) આવાજ, અવાજશબ્દ, આમંત્રણ, બુલાવા । [આવાજ દેના
હાંકમારવી (ક્રિ.) બુલાવા,
હાંકવી (સં.) હાંકવાની રીતિ।
હાંકનાર (સં.) ચલાવનેવાલા, હાંકનેવાલા, ડ્રાઇવર ।
હાંકવું (ક્રિ) હાંકના, ચલાના, દૂર કરના, દુત્કાર કરના, ધકેલના મર્મ્મે મારના, અતિશયોક્તિ કરના ।
હાંકુ (સં.) સારથી, ગાડીવાન, કોચવાન, ગાડી હાંકનેવાલા ।
હાંલ્ય (સં.) ગાત્ર, શરીરકી શક્તિ, ગતિ, હિમ્મત, આશા ।
હાંલ્યમાંહીલ્યા (ક્રિ.) આશા અથવાહિમ્મતતૂટજાના।[છોડના ।
હાંલ્યમારવા (ક્રિ.) હિમ્મત
હાંજી (અ૦) અચ્છી બાત હૈ, જી હાં, ઠીક હૈ સાહેબ ।
હાંડલી (સં) છોટી હાંડી મટકી।
હાંડલું (સં.) મટકા, હાંડી, મિટ્ટીકા પાત્રવિશેષ ।
હાંડી (સં.) હંડી, તાંબે વા પીતલકા કાચકા દીપક વિશેષ, અટકતા હુવા પક્ષિક ।
હાંડીવાસો (સં.) બર્તન કરનેવાલા નૌકર ।

હાંડો (સં.) હંડા, તાંબીલા, પીતલ બડા બર્તન, ચરી, દેગ, આટે વગૈરહ કા બનાવા હુવા એક પ્રકારકા કાચ પદાર્થ મૂર્ણ્મપાત્રિ ।
હાંડ્યું (ક્રિ) કોઠીમેંસે અન્ન વગૈરહ નિકાલને કે લિયે ઉસકે નીચેકે ભાગમેં રખા હુવા છિદ્ર ।
હાંફ—ફ્ય (સં૦) હાંપની, સાંસ કા જલ્દી જલ્દી આવાગમન, કંપ, સ્ફુરણ ।
હાંફળું (વિ.) વ્યાકુળ, વ્યગ્ર, જિસકા સાંસ જલ્દી જલ્દી ચલ રહા હો ।
હાંફળું—ફાંફળું (વિ.) પૂર્વવત્।
હાંફવું (ક્રિ.) હાંફના જલ્દી જલ્દી સાંસ છોડના ઔર લેના ઘબરાના ।
હાંલ્લી (સં.) દેખો હાંડલી ।
હાંલ્લું (સં.) દેખો હાંડલું ।
હાંલ્લાં કુસ્તી કરે છે(—)ઘરમેં આને તકકો નહીં હૈ, ચૂહે મત કરતે હૈં ।
હાંલ્લાં ખખેરી કઢાવીશ () ભાડેકા ઘર ખાલી કરાઉંગા ।
હાંલ્લાં કેાઢવાં(ક્રિ) ઝગડા કરના, ઝગડા પૈદા કરના ।
હાંલ્લું કેાડી નાંખ્યું (ક્રિ.) સિર ઉઠા દેના, માથા ફોડ ડાલના ।

હાંસ (કે.) હાંસ, ઘાસ, દમ, ઇચ્છા, ખાદ, હવિસ ।

હાંસ ઉડી જવા (ક્રિ) ઘબરા જાના, સાંસ મૂલ ન જા ।

હાંસાહાંસ (સં.) હૃદયની ધડકન ।

હાંસડી (સં.) ગલેમેં પહિનનેકા એક આભૂષણવિશેષ । ગલેકી નીચેકી હડ્ડી । ઘોડેકે ગલેમેં પહિનનેકા સામાન વિશેષ ।

હાંસલ (સં.) નફા, ફલ, ફાયદા, કર, મહસૂલ, ટેક્સ, પરિણામ, નતીજા ।

હાંસિયા (સં.) કુદાળી, મિટ્ટી ખોદનેકા એક સાધન ।

હાંસિયામર્દ (સં.) ઊંચી કિસ્મકે અચ્છે સફેદ ઔર મોટે ગેહૂં ।

હાંસિયે (સં.) કોર, કિનારે, કાગજકા વહ ભાગ જો મોડકર છોડ દિયા જાતા હૈ ઔર જિસપર કોઈ લિખા જાતા, હાશિયા, માર્જિન ।

હાંસી (સં.) હંસી, ઉપહાસ, દિલ્લગી, ફજીહત, મસખરી, ચેષ્ટા ।

હાંસીલ (સં.) દેખો હાંસલ ।

હા (અ૦) દેખો હાં ।

હાઉ (સં.) હૌવા બચ્ચોં કે ડરાનેકે લિયે એકશબ્દ વિશેષ ।

હાઉ (સં.) શબ્દ, આવાજ, હલ્લા, ધ્વનિ, પ્રલાપ, વૃથાકામવ ।

હાઉમાઉની (ક્રિ.) આવાજ દેના બુલાના । [ધમકાના ।

હાઉહેમાઉની (ક્રિ.) ડરવાના,

હાઉમાનની (ક્રિ.) ડરમાનના, ભયમાનના । [ડારમેં હોના ।

હાઉમાઉની (ક્રિ.) ડરસે અધિ-

હાઉદેની (ક્રિ.) ડરાના, મારનેકી ધમકી દેના, ભયવતાના ।

હાઉહાઉનું (ક્રિ.) ધમકાના, ડરાના ।

હાઉનું (ક્રિ.) ખૂબ પુકાર કર બોલના, ચિલ્લાના, જોરસે ઉત્તર દેના ।

હાઉહાઉનું-હોઉનું (ક્રિ.) દેખો હાઉનું ।

હાકેમ-કેમ (સં.) નવાબ, સૂબા, રાજા, શાસક, અફસર ।

હાકેમી (સં.) હાકિમકી સત્તા હકૂમત ।

હાકોટા-કોટા (સં.) ગોટા અવાજ જોરકી ધ્વનિ, હલ્લા ।

હાજત (સં.) જરૂરત, આવશ્યકતા, પાખાનેકી જરૂરત । [જરૂરત હોના ।

હાજતહાજની (ક્રિ.) પાખાનેકી

હાજતપડની (ક્રિ.) આવત પડના ।

હાજર (વિ.) મૌજૂદ, ઉપસ્થિત, હજર, સમક્ષ, પાસ, નજદીક, વિદ્યમાન, તૈયાર, હાજિર ।

હાજરજવાબ (સં.) હાજરજવાબી, હમવખતસૂઝી આવે જવાબ દેનેવાલા વ્યક્તિ। [દેનેકી હોશિયારી।

હાજરજવાબી (સં.) તત્કાલ ઉત્તર

હાજરબાશિન (સં) અપરાધીકે સામને ઉપસ્થિત કરનેકે લિયે તૈયાર જમાનત દેનેવાલા। [ક્રિયા વિશેષ।

હાજરાત (સં.) જાદૂ મંત્રકી એક

હાજરાહજુર (વિ.) ઉપસ્થિત, પ્રત્યક્ષ, સન્મુખ, સામને, સાક્ષાત।

હાજરી (સં.) હાજિર હોના, ઉપસ્થિતિ, મૌજૂદગી, હાજિર ઔર ગૈર હાજિર આનેકા રજિસ્ટર, કલેવા, અલ્પભોજન, પ્રાતઃકાલીન ભોજન।

હાજરીલેવી (ક્રિ.) ખબર લેના, મારને કી અથવા નુકસાન પહુંચાનેકી તજવીજ કરના।

હાજરીપત્રક (સં.) હાજિર હૈ યા નહીં ઇસબાતકા સૂચક રજિસ્ટર।

હાજરીલેવી (ક્રિ.) ખોજના, ઢૂંઢના।

હાજરીભરવા (ક્રિ.) હાજિર હોના યારહના, હાજિરી રજિસ્ટરમેં લિખના।

હાજરું (ક્રિ.) અદ્દરહના, લગારહના।

હાજિરિયો (સં.) પ્રત્યેક બાતમેં "જીહુજરૂ" કહનેવાલા, ખુશામદી, ચાપલૂસ।

હાજી (અ૰) દેખો હાજ।

હાજીહાજીકરવું (ક્રિ.) હરેક બાતમેં હાં હાં કરના, ખુશામદ કરના।

હાટ (સં.) દુકાન, બાજાર, પેઠ, હદ, લેનદેનકી જગહ, ચૌક।

હાટમાંડવી (ક્રિ.) દૂકાન લગાના।

હાટક (સં) સુવર્ણ, સોના, હેમ, કંચન।

હાટકવું (ક્રિ.) ગર્જના કરના, હુંકાર સિંહનાદ કરના।

હાટડું (સં.) છોટી દુકાન, ભંડારિયા, દવિ રખેકા તાક જિસકો કિવાડ વગૈરઃ લગે હોં।

હાટું (અ૰) વાસ્તે લિયે।

હાડ (સ.) હડ્ડી, અસ્થિ, હૃદય, જિગર, શરીરકે ભીતરકી કઠોરવસ્તુ (અ૰) બહુતહી, અતિશય।

હાડકવું (ક્રિ) બહકજાના, અસ્કે રૂ। પ્રકટ હોના।

હાડભાંગવું (ક્રિ.) શરીરસે અશક્ત કરના, મારમારના, બહુત દુઃખદેના।

હાડવર (સં.) ઐસા જ્વર જો શરીરમેં જમમયાહો, હડજ્વર।

હાડહળવું (ક્રિ.) સૂખના કૃશહોના દુર્બળ હોના।

હાડહળવું (ક્રિ.) તન્દુરસ્ત હોના।

હાડહરિયો (સં.) દેખો હાડવર।

હાડકી (સં.) છોટી હડ્ડી ।
હાડકું (સં.) દેખો હાડ ।
હાડકાંપાંસળાં ભરાંડવવાં (ક્રિ.) मारमार के दुरुस्त करना, अधमरा करना ।
હાડકાં પાંસળાં ભાંગવાં (ક્રિ.) दुर्बल होना, दुबले होना ।
હાડકાં રંભવાં (ક્રિ.) इतना मारना कि खून निकल आवे ।
હાડકાં રઝળાવવાં (ક્રિ.) मेर बाद अस्थियोंकी योग्य क्रिया न हो ऐसा प्रयत्न करना ।
હાડકાં વાળવાં (ક્રિ.) शरीरका संगठन करना(व्यायाम वगैरः से)
હાડકાં શેકવાં (ક્રિ.) दुःख देना ।
હાડકાનો ભાંગ્યો (વિ.) आलसी, सुस्त ।
હાડકાનો ભાંગ્યો (વિ.) पूर्ववत् ।
હાડકાનો માળો (સં.) अस्थिपंजर, रक्तमांसरहित शरीर ।
હાડધોક (સં.) तिरस्कार, फटकार ।
હાડભાર (સં.) पूर्ववत् ।
હાડવેર–વૈર (સં.) पक्की शत्रुता, सख्त दुश्मनी ।
હાડવૈદ (સં.) टूटे हुए अस्थि भागको ठीक करनेवाला वैद्य ।
હાડવું (ક્રિ.) दौरेको चराने जाना ।
હાડિયાપાડું (સં.) कड़ोंका एक प्रकारका खेल ।
હાડિયું (વિ.) हाड सम्बन्धी, अस्थिविषयक, हाडका ।
હાડિયું ઝરસાદ (સં.) एक प्रकारका वर्षाऋतुमें उत्पन्न होनेवाला वृक्ष ।
હાડેયો (સં.) कौआ, काग, काक, वायस ।
હાઠી (વિ.) देखो હાડિયું, मजबूत, दृढ, पुष्ट, हठीला, परिश्रमी, शारीरिक कष्ट सहनेवाला ।
હાણ (સં.) हानि, नुकसान ।
હાથ (સં.) कर, हस्त, पाणि, कंधेसे लगाकर अंगुलियों तक शरीर से अलग लटकते हुए भाग । दस्त । आधा गज, मापविशेष, कोहनीसे अंगुलीके अग्र भाग तक की लंबाई । बाजू, भुजा, पक्ष, तरफ, ओर, सत्ता, अधिकार, शक्ति, बुद्धि, चातुर्य्य, मदद, सम्बन्ध, साथी, सहायक, कृपा, दया, रहम, महरबानी । दांव, पाणिग्रहण, विवाह, सगाई, (अ०) खुद, स्वयम्, आप ।
હાથ આપવો (ક્રિ.) मदद देना, सहायता करना ।

હાથ ઉઠાવવો (કિ.) અધિકાર છોડવા।
હાથ ઉપાડવો (કિ.) પીડનેકા ઇંતજામ કરના।
હાથ કાપી આપવા (કિ.) દસ્ત ખત કર દેના, દસ્તાખત કરના।
હાથકાળો કરવા (કિ) કલંક લેના।
હાથખંખેરવા (કિ.) આશા છોડ દેના।
હાથકરવું (કિ.) અધિકારમેં કરના।
હાથખળખળવા (કિ) મારનેકે ઇચ્છુક હોના। [ફિજૂલ ખર્ચ।
હાથનું છુટું (વિ.) મુક્ત હસ્ત,
હાથ ઠોકવો (કિ.) શર્તકરના, હોડ બદના।
હાથતાસવા (કિ) પશ્ચાત્તાપ કરના।
હાથદાઝવા (કિ.) ભૂખોં મરના।
હાથ ધોઈનેપવિત્ર હોવો (કિ.) પવિત્ર, શુદ્ધ હોના।
હાથપોળવા (કિ.) પછતાના।
હાથભાગવા (કિ.) નિરાધાર હોના, હિમ્મત હારજાના।
હાથલેવા (કિ.) દયા ચાહના, નમ્રતા પ્રદર્શિત કરના।
હાથલેવો (કિ.) સાક્ષાત્ દેખના, હાથુપળકી પરીક્ષા કરના।
હાથલેખરાવવો (કિ.) ભવિષ્ય કહાના। [વિવાહ કરના।
હાથઝાલવો (કિ.) મદદ કરના,
હાથઠરવો (કિ.) પૂર્ણ અનુભવ હોના।
હાથ દાબવો (કિ.) ઘૂસ દેના, રિશ્વત દેના।
હાથધોવા (કિ.) નિરાશ હોના।
હાથનાપાકહોવા (કિ.) રજસ્વલા હોના। [રાગ હોના।
હાથનીચા-હેઠાપડવા (કિ.) નિ-
હાથદેખાડવો (કિ.) બળદિખાના।
હાથધરવો (કિ.) માંગના।
હાથપગ (વિ.) કર્તાહર્તા, મુખ્ય આધાર। [તંગ આના।
હાંજનીકમાંહોવું (કિ.) જીવસે
હોઠપરવેરું (કિ.) પીડા ઔચની નિશ્ચય કરના।
હાંજનીકરામાત (સં.) ખુદકાકામ।
હાથપીળાકરવા (કિ.) વિવાહ-} કરના।
હોથદેરનીજવું (કિ.) ચોરી કરકે લે જાના।
હાથબાંધવા (કિ) કામકો રોક દેના।
હાથભારવા (કિ) તૈરના, પૈરના।
હાથમારવો (કિ.) ચોરી કરના।

હાથભાવે મુકનો (ક્રિ.) आशीर्वाद देना ।
હાથલાગવો (ક્રિ.) पहुँचना ।
હાથહાલ્યાં સેવાં (ક્રિ.) महा कठिन दशामें आना ।
હાથનું પોલું (વિ.) उड़ाऊ, खाऊ ।
હાથેવાળોમેળવવો (ક્રિ.) पाणि-ग्रहण करना ।
હાથપોલો તો બ્રહ્મપોલો (—) दाम कर काम बाँधी करे सलाम, जर चाहे सोकर । [करना वैसा भरना ।
હાથના કર્યા હૈયાવાગ્યાં (—) जैसा
હાથઉછીનું (વિ.) हाथउधार, थोड़ी देर के लिये ऋण ।
હાથકડી (સં.) हथकड़ी ।
હાથણી (સં.) हस्तिनी, हाथिनी, हाथी (मादा) [का रोग ।
હાથપોણું (સં.) अतिसार, दस्तों-
હાથપોચિયું (સં.) कलाईपर पहिननेका आभूषण विशेष ।
હાથરસ (સં.) हस्तक्रिया, हथलस ।
હાથા (સં.) कुंकुमादि मंगल द्रव्य में सानकर हाथके छापे (चिन्ह)
હાથિયો (સં.) हस्त नामक नक्षत्र, बैल घोड़ेके बाल साफ करने के लिये हाथमें पहिननेका बेली ।
હાથી (સં.) हस्ती, वारण, वन्य, कुंजर ।
હાથીપુલ્યા (સં.) धनवान होना ।
હાથીનોપગ (સં.) ऐसा मनुष्य जिसके पीछे बहुतसे लोगोंका उदर पोषण होता हो ।
હાથીનોબાપ હાથીજ દિયાડે (अ०) खानदान तो खानदानहीं ।
હાથીપાછળ ધણુએ કુત્તરા બસે છે (—) सूरजपर धूळ फेंकने से उल्टी उसीपर गिरती है ।
હાથી દરબારેજસોભે (अ०) पुरी मजुरालमेंही शोभा पाता है ।
હાથીનાભોગ્યાબળથીપુગેનેવો (क्रि.) अति दुष्कर काम करना ।
હાથીનાદાંતુ—ણ બહારનીદેખ્યા-દે નીદેખ્યા (—) बोला हुआ वचन बाहिर होगया ।
હાથીના દાંત ખાવવાનાજીદા ને-બતાવવાના જીદા (—) कहनेका कुछऔर तथा करनेका कुछ और ही ।
હાથેલી (સં.) हथेली, करतळ ।
હાથેવાળો (સં.) वन्य विवाह, पाणि ग्रहण संस्कार । [बेंदा ।
હાથો (સં.) दस्ता, मूठ, हेन्डल ।

ગાયોડાવવો (કિ.) હોડ બદવા, શર્ત કરવા, કુંકુમાદિકે સાથે હાથ કા છાપા દેના, પક્ષ ।

ગાયોગ્યા (અ०) રૂબરૂ, જિસે દેના હો उसीके हाथमें, एकके बाद दूसरेको हिलमिलकर, पास पास आकर, जल्दीसे, झट ।

ગાર (सं) बाधा, हानि, नुकसान, घटी, खराबी, नाश, धक्का, विपत्ति, तंगी, कष्ट, मानता ।

ગારનિવારક (वि.) नुकसान करने वाला, अहितकारी, नाशक, संहारक ।

ગારિકા (सं.) जँभाई, उबासी ।

ગાર્યું (वि.) सब, तमाम, समस्त सारा । [उद्यत होना ।

ગાર્યું થવું (कि.) तय्यार होना,

ગાર્ય (सं.) हिम्मत, साहस, पराक्रम, शौर्य, बहादुरी ।

ગાર્યો કરવી (कि.) साहस करना ।

ગાર્યા ગાર્યો ગાર્યો (—) व्यापारमें हिम्मत चाहिये और अच्छी जगह चाहिये ।

ગાર્યા કરતાં (अ०) हाँ ना करते हुए, आखीरमें, अन्ततोगत्वा ।

ગાર્યો (सं.) अमानत ।

ગાર્યોદાર (सं.) अमानतदार ।

ગાય (अ०) दुःखद्योतक शब्द, साँस खींचने, थकने, सत्ता, छाप, बाप, बदबूका [दुःख, रंज, खेद ।

ગાયપરાણ (सं.) शोक, मनस्ताप,

ગાર (सं.) पराजय, पराभव, शिकस्त, पंक्ति, श्रेणी, लाइन, समान, माला, पुष्पमाला, चाँवलका मांड कलफ, कलप, चुराक ।

ગારપવું (कि.) चलना, आरंभ होना ।

ગારબીનારવો (कि.) नरम करना ।

ગારક (वि.) हरण करनेवाला ।

ગારજિત (सं.) जय पराजय फतह शिकस्त ।

ગારડો (सं.) बड़ी पुष्पमाला, मोटे दानोंकी माळा, मिठाईका हार (होली के दिनोंमें बनता है)

ગારબુ (वि.) कायर, हाराहुआ, पराजित ।

ગારદ (सं.) मनकाभाव, मतलब, इच्छा, रहस्य, आंतरिक बात, भावार्थ, अर्थांश, हृदय ।

ગારદોર (अ०) एकही पंक्तिमें, एकही लाईनमें ।

ગારબંક (अ०) पूर्ववत् ।

ઢારવું (કિ.) ગુમાના, खोना, भगाना, नुकसान उठाना, मारखाना, थकना, कमजोर होना, हारना।

ઢારિયું (वि.) समान, साथी, एक पंक्तिका, एक मार्गका, एक तर्जका।

ઢારી (कि.) देखो ઢારવું।

ઢારીલું (सं.) एक प्रकारका पक्षी, (कहते हैं यह पक्षी जन्मसे मरण पर्यंत पैरमें एक लकडी रखता है)

ઢારે (अ०) साथमें, संगमें।

ઢારેલું (वि.) तूफानी बदमाश, मस्ती करनेवाला, पाखण्डी।

ઢારો (सं.) सात मणका वज़न

ઢારોડી (सं.) हार, माळ।

ઢારોદોર (सं.) देखो ઢારદોર।

ઢારોઢોર (सं.) पूर्ववत्।

ઢાઈ (सं.) देखो ઢારદ।

ઢાલ (सं.) दशा, हवाल, मुसीबत, आपदा, कष्ट, (अ०) अभी, इसी समय।

ઢાલ ખાય ઢાલ ખાય પણ બદેશ ખાલખાય (—) जिनेक स्वभाव पड़ गया वे मरनेपरही मिटेंगे।

ઢાલઢુલ (सं.) गड़बड़ तूफान।

ઢાલચાલ (सं.) रीतिरिवाज, हेरफेर, आवागमन।

ઢાલત (सं.) स्थिति, दशा, अवस्था हाल, अहवाल, ढेर।

ઢાલતેહિંબડે (अ०) तन्दुरुस्तीमें, अच्छी दशामें।

ઢાલું (वि.) ढलवाहुआ।

ઢાલપોળ (वि.) सड़ाहुआ, गला-हुआ, बिगड़ाहुआ, खराब।

ઢાલભાલ (वि.) देखो ઢાલમલ।

ઢાલમસ્ત (वि.) अलमस्त, निश्चिंत कंगाल किन्तु गर्विष्ठ।

ઢાલરું-રૂં (सं.) बच्चोंको पालनेमें सुलाकर गाया जानेवाला गीत, लोरी, समुदाय, अथा, अक्षरपदसे निकालनेकी गरजसे बैलोंसे उसे गुंथवाना।

ઢાલવું (कि.) हिलना, चलायमान होना, चलना, जाना, दूरहोना, कांपना, वर्षाना। [हानि।

ઢાલસો (सं.) धक्का, नुकसान,

ઢાલહવાલ (सं.) दुर्दशा, आपत्ति।

ઢાલહાલ (अ०) अभी अभी, तुरंत, तत्काळ।

ઢાલી (सं.) लोळी, लोरी।

ઢાલીજોરી (सं.) देखो ઢાલરું।

ઢાલીમુવાલી (सं.) लोळे मनुष्य।

હાકો (અ૰) નજરોનજરે હુકમો ચલાવવા બોલવા અધિકારવા શબ્દ ।

હાજ (સં.) નજરો, ચોંચલા ભાવ, હાવભાવ, ઇચ્છા, શૃંગારચેષ્ટા, નખરા ।

હાવભાવ (સં.) નખરા, લટકા, અદા, ચેષ્ટા, આકર્ષ, ચોંચલા, દુલ્લર ।

હાવરું (વિ.) અસન્તોષી, આકાતુર, અતિલોભી ।

હાવરો (સં.) હુકારકે બાદકી ભૂખ ।

હાવાં (અ૰) અબ, અભી, ઇસસમય ।

હાશ–સ (સં.) કિસી બાતસે સન્તોષ હોનેપર યહ શબ્દ કામમેં લાયા જાતા હૈ । [ઠઠ્ઠા, હાસ્ય ।

હાંસી–હાસ્ય (સં.) દિલગી, મઝાક,

હાસ્યકારક (વિ.) જો હંસી કરાવે, ઉપહાસાસ્પદ । [સ્પાદક ।

હાસ્યજનક (વિ.) વિનોદી, હાસ્યી

હાસ્યરસ (સં.) નવરસમેંસે એક રસ વિશેષ ।

હાસ્યરસપ્રધાન (વિ.) જિસમેં હાસ્ય રસકી પ્રધાનતાહો, જો હંસાવે ।

હાસ્યવદન (સં.) હંસમુખ, સુખદિલ, (વિ.) આનન્દી, હંસતે હુએ મુંહ વાલા ।

હાસ્યવિનોદ (સં.) મઝાક, દિલગી ઠઠ્ઠાહાસ, વિલાસ ।

હાહાકાર (સં.) હાયહાય કી ધ્વનિ, શોક સૂચક શબ્દ ।

હાહો (સં.) કોલાહલ, હોહલ્લા, ધૂમધામ ।

હાળી (સં.) પુરુષ, મર્દ, હલકારહ।

હિંયાં (અ૰) યહાં, ઇસજગહ ।

હિંગ (સં.) હીંગ, એક ઇસકા ગોંદવિશેષ, હિંગુ, ગન્ધદ્રવ્ય, વાસના।

હિંગોટા હલકે દરજેકા હીંગ ।

હિંગળો–ક (સં.) હિંગુર, સિંગરફ, સિન્દૂર ।

હિંગળોહિંગું (સં.) હિંગલુ મરેનકો

હિંગ્વી (વિ.) હિંગુરકે રંગકા ।

હિંગાભ (સં.) દેખો હિંગાભ ।

હિંગોટ (સં.) એક પ્રકારકા ફલ, હિંગોટ ।

હિંચકો (સં.) ઝોકા, ઝોટા, મચકા, ઝૂલતે હુએકો ધક્કા, હિંડોળા, ઝૂલા । [ઝોકા ખાના ।

હિંચવું (ક્રિ.) ઝૂલના, લટકના,

હિંચાવવું (ક્રિ.) ઝુલાના ।

હિંચોળવું (ક્રિ.) ઝુલના ।

હિંડવું (સં.) ઘૂમના, ફિરના, ભટકના, કદમરસાના, જાના, ચલના ।

હિંડોલ (સં.) રાગવિશેષ ।

હિંડોળાખાટ (સં.) ઝૂલે-હિંડોલેદાર પલંગ । પલના ।

हिंडोला (सं.) झूला, हिंडोळा, पलना।
हिंसक (वि.) हिंसा करनेवाला, पापी, कसाई, घातिक, खूनी, घाती।
हिंसवु (कि.) प्रसन्नहोना, खुशी होना।
हिंसा (सं.) मारना, वध, घात, नुकसान, निरपराधीका वध करना।
हिंसारवुं (सं.) हिनहिनाहट, गर्जना। [भक्षक।
हिंसारी (वि.) मांस भोजी, मांस
हिंस्र (सं.) हिचकी, दम, पसुळीका दर्द, चीख, सांस।
हिकमत (सं.) युक्ति, करामात, रचना, योजना, कळा, कारीगरी यंत्र, तदबीर, इलाज, उपाय, बुद्धि।
हिकमती (वि.) हिम्मतवाळा, करामती, युक्तिवाळा, योजक, शोधक।
हिकरोछ (सं.) हल्ला, कोलाहल।
हिकायत (सं.) बात, वार्त्ता, कहानी, किस्सा, इतिहास। [ठंड।
हिक्कळ (सं.) वर्षाके कारण अत्यंत
हिक्कानाद(सं)अव्यक्त, शब्द प्रतिध्वनि, हृदय के धाड़कनका शब्द।
हिजडुं (वि.) नामर्द, हिजड़ा।
हिजोर (सं.) देखो हिज्डे।
हिजडो (सं.) नपुंसक, नामर्द, जनाना, क्लीव, बेहिम्मत, भयभीत व्यक्ति।
हिजरावुं (कि.) कुढ़ना, बेहदकरना मनहीमनमें स्पर्धा करना।
हिजरी (सं.) मुसलमानी सम्वत् (इस्वी सनसे ६२२ वर्ष बाद)
हिंसुछभाउ (वि.) जो हलचल नहीं पैदा करता हो।
हिंसुपत (सं.) हलिस्त, अपयश, अपमान, लज्जा शर्म, बदनामी।
हिंसुवर(सं.) पतिसे छोटा पति, छोटा कंथ, अयोग्य वर।
हिंसुवडं (सं.) बेमेळ जोड़ा।[करना।
हिंसुवुं (कि.) धिक्कारना, निन्दा-
हित (सं.)उपकार, भलाई, लाभ फायदा, कल्याण, स्वार्थ, योग्य मसलब, वाजिबी।

हितउर
हितकर्ता
हितकारी
हितकारक
(वि.) हितकरनेवाला, उपकारी, गुणकारी, लाभदायक, सुखद।

हितशत्रु (सं.) अहितचिंतक, दुःख होवा यह समझ कर उचित शिक्षा नहीं देनेवाला।[जनके वास्ते
हितार्थ (अ०) फायदेके लिये।

हित (वि.) मित्र, हितकारी, हितेच्छु, शुभचिंतक, स्नेही, कल्याणेच्छु। [हितैषी।

हितेच्छु–हितैषी (वि.) शुभचिंतक,

हितोपदेश (सं.) शुभशिक्षा, अच्छा उपदेश, उत्तमपरामर्श।

हिन्दवाणी (सं.) हिन्दूकी।

हिन्दवी (वि.) हिन्दसम्बन्धी, भारतीय, हिन्दी नागरीभाषा।

हिन्दी (वि.) पूर्ववत्।

हिन्दू (सं.) वैदिक धर्मके मानने वाला भारतवासी।

हिन्दुस्तानी–स्थानी (सं.) उत्तर भारतका निवासी, भारतीय मनुष्य उर्दूभाषा, (वि.) भारत सम्बन्धी।

हिम (सं.) शीत, पाला, तुषार, ओस, चन्दन, मोती, ताजामक्खन, हेम, स्वर्ण। [कर्पूर।

हिमकर (सं.) चन्द्र, चन्द्रमा,

हिमजा–जु (सं.) छोटीहरें, हर्र, हरीतकी।

हिमजीरे (सं.) पूर्ववत्।

हिमट (सं.) एक प्रकारका रेशमके ढंगका कपड़ा।

हिमायत (सं.) मदद, सहायता, आधार, सिफारिश, पक्ष।

हिमायती (सं.) सहायक, मददगार, पक्षपाती।

हिमालु (वि.) ठंडसे गला हुआ (वृक्ष) क्षीण, ठंडसे व्यथित।

हिमालु (कि.) अत्यंत ठंडसे गल जाना, सूखना, क्षीण होना, मनही मनमें जलना।

हिमाळु (वि.) अतिशय ठंडा, हिमालय पर्वत संम्बधी।

हिमांशु (सं.) चाँद, चन्द्र, शशि।

हिम्मत (सं.) देखो हाम।

हिम्मतवान (वि). शूर, बहादुर, साहसी, पक्की छातीका। [(बल)।

हिरोरी (सं.) रेशमी किनारेदार

हिरण्य (सं.) सोना, स्वर्ण, कनक, कंचन। [ईश्वर।

हिरण्यगर्भ (सं.) ब्रम्हा, प्रजापति,

हिराकणी (सं.) हीरेका छोटासा टुकडा।

हिराकंठी (सं.) हिरेसरीखे मणियोंकी माला।

हिराकसी–सी (सं.) धातुशोधक, रंगके काममें आनेवाला क्षार विशेष।

हिरण्मय (वि.) रेशमी।

हिरामोळ (सं.) एक प्रकारका गोंद।

हीराबन्धन (सं.) एक प्रकारकी औषधि।

हिसाब (सं.) एक प्रकारका पक्षी।
हिसाबेदार (वि.) होशियार चालाक।
हिसाब्बास (सं.) हालचाल, रीति रिवाज कामकाज आनाजाना।
हिसवु (क्रि.) हिलना, इधर उधर आना जाना सरकना चलित होना।
हिसोबो (स.) मौज, आनन्द, उल्लास। [चक्का।
हिस्सो (सं.) हानि, नुकसान।
हिसवुं (क्रि.) प्रसन्न होना, रिझना, खुश होना, आतुर होना।
हिसाब (सं.) अंक वगैरः गिनने की विद्या, गणित, लेन देन लिखा पढ़ी जमाखर्च, खाता, चुकासा, जवाब, भाव, दर, जोखिम, गणना, गिनती, मेळ, अन्दाज, योजना, आजमायश, खयाळ, आश्रय।
हिसाब्बाप्पवाळवु (क्रि.) मरजाना।
हिसाब्बनहोवो (क्रि.) महत्व न समझना। [काटना।
हिसाब्बसछनाब्बवो (क्रि.) धमकाना,
हिसाबठिताब (सं.) लेन देनका जमाखर्च।
हिसाबी (सं.) सुखदमान सौरमंडल वर्ष विशेष, (इस वर्षके ३५४ दिन आठ घंटे ४८ मिनिट और चौंतीस सेकण्ड होते हैं) (वि.) गणित सम्बन्धी, गणित विद्यामें प्रवीण, खरा, ठीक।
हिसारव—रो (सं.) हिन हिनाट, गर्जना। [साथी।
हिस्सेदार (सं.) भागी, जातीदार
हिस्सो (सं.) भाग, पांती, बांडा। अंश।
हीक (सं) देखो हेक। [समय)
हीका (सं.) हिचकियाँ (मरते
हीट (सं.) रेशम। देखो हीर।
हीणु—न(वि.) अधम, नीच, हीन, रहित, दीन, रंक, कम, खोटा हुआ, तुच्छ, खोटा पात्र, कमजात। [क्षुद्रता।
हीणुपणु—वुं (सं.) नीचता,
हीणुपत—पद (सं.) हलकापना, हीनता। [अभाग।
हीणुभागी—गि (वि.) कमनशीब
हीणुं (वि.) नीच, हलका, खुद्र, तुच्छ, नीरस। [खाना।
हीनता (सं.) न्यूनता, घटी, कमी,
हीनवादी (सं.) मूक गूंगा।

हीरा (सं) हिम, एक प्रकारकी औषधि।
हीरा (सं.) एक प्रकारका पक्षी।
हीर (सं.) रेशम, तेजकांति, शोभा, सत्व, मानी, गुण, खानि-यत, शक्ति, रहम, दया, प्यार, प्रेम, हिम्मत।
हीरश्रेष्ठ (सं.) मूल्यवान रत्न।
हीरनीर (सं) पानी, जल, हिम्मत। साहस।
हीरामण (सं.) रेशमी।होशियार।
हीरावेध (वि.) चतुर, चालाक।
हीरा (सं.) हीरक, हीरा, रत्न-विशेष, प्यारी वस्तु, सबसे उत्तम वस्तु।
हीरा पटावणा (क्रि.) रुपये लेकर कन्या देवना। कन्याविक्रय करना।
हीरो (सं.) धक्का, धचका, झटका, हानि नुकसान।
हुं (अ०) प्रथमपुरुष सर्वनाम, मैं, खुद, हां, शीघ्रताद्योतक शब्द।
हुंकरणु (क्रि.) तड़पना, छटपटाना, जल्दी से पूरा करना।
हुंकार-रो (सं.) पुकार, ललकार, गर्जन।
हुंकी (वि.) तुकानी, घाघंली, अहंकार।
हुंकुं (सं.) घासका फुन्दा।
हुंकेरो (सं.) शेषनाग, बड़ी कविता बनाने
हुंडियामणु (सं.) लूट, बिल-हुंडी पर ब्याज वगैरः।
हुंडी (सं.) रुपयोंकी चिट्ठी, बिल।
हुंडी पाड़णी (क्रि.) हुंडीके पैसे देने-लेने का समय होना।
हुंडी स्वीकारणी (क्रि.) हुंडीके पैसे देना, हुंडी सिकारना।
हुंडीनुं पोथुं (सं.) हुंडीके सिकरने के बादका कागज़।
हुंडे (अ०) सब मिलाकर, कुलजोड़।
हुंडियुं (सं.) हारी, मिट्टीके पात्रोंके गोल पेंदेके नीचे घास रस्सी इत्यादिका बनाकर लगाया हुआ कुंडल सा जिससे वह लुढकने न पावे।
हुंपणु-पद-हुं (सं.) आत्मश्लाघा, अहंकार, आत्मस्तुति, अपनी प्रशंसा।
हुंफ (सं.) गर्मी, सहायता, मदद।
हुंफामणुं (वि.) कुछ कुछ गर्म, कुनकुना।
हुंफाळुं (वि.) गर्म, जो गर्मी पहुंचावे।
हुंस (वि.) हविस, इच्छा, लालसा।
हुंसाहुंसी (सं.) खलबली, ऊहापोह और मूसळ।
हुंसी (वि.) इच्छुक, संभरयुक्त (बैल)
हुंसे (अ०) होशियारीसे, साव-धानीसे, बेतकल्लुफीसे।

હુઈ (ક્રિ.) હુવા, બના।
હુએો (ક્રિ) હુવા।
હુકમ (સં.) આજ્ઞા, ઇજાજત, શા-સન, સત્તા, ફૈસલા, કાનૂન, નિયમ। તાશકે પત્તોંમેં સબસે બડા પત્તા।
હુકમ કરવો (ક્રિ.) આજ્ઞા કરના।
હુકમ માનવો-હુકમ ઉઠાવવો (ક્રિ) આજ્ઞાનુસાર ચલના।
હુકમનામો (સં) આજ્ઞાપત્ર, ફૈસલા।
હુકૂમત (સં.) સત્તા, આધિપત્ય, પ્રભુત્વ।
હુક્કો-ઠ્ઠો (સ.) તમ્બાકૂ પીનેકા પાની ચિલમ અગ્નિકા નર્ઢાર યંત્ર વિશેષ। હુક્કા।
હુજ્જત (સં.) તકરાર, ફિસાદ, લડાઈ, હઠ, જિદ્, આગ્રહ।
હુજ્જતિયો-હુજ્જતી (વિ.) જિદ્દી, ફસાદી, હઠી।
હુજ્જરો (સં.) દેખો હુજરો, ખટોંચ, ખર્રાટ।
હુતાવવું (ક્રિ.) હુલ્કારના, ફટ કારના, ધમકા દેના ન કુછ ગિનના।
હુદ્દો (અ.) ઓહદા, મંજાક।
હુદ્દો (સં.) વે પક્ષી જો દલ બાંધ-કર ખેતમેંકા અન્ન ખાનેકો ટૂટ પડતે હૈ।
હુદ્દુક (સં.) મેઢોંકી લડાઈ, મેઢોંકી મુઠમેઢ।
હુબકું (ક્રિ.) ફૂકના (ચલમ)
હુત (વિ.) હોમાહુવા, હવનમેં ડાલા હુવા. અર્પિત કિયા હુવા।
હુતભુક (સં.) હોમ, હવન, યજ્ઞ।
હુતદ્રવ્ય (સં.) હવનમેં-અગ્નિમેં ડાલનેકી વસ્તુએં। વે વસ્તુ જો હોમી જાવેં।
હુતાશન (સં.) અગ્નિ, વહ્નિ, વૈશ્વાનર।
હુતાશની (સં.) હોલી, હોલીમેં આગ લગાનેકે લિયે અલગ સુલગાઈ હુઈ અગ્નિ। [સ્ત્રીપુરુષ।
હુતેાને હુતી (સં.) પતિપત્ની,
હુનર-નર (સં.) કારીગરી, કલા, કરામાત, યુક્તિ, ઇલાજ, તજવીજ, ઉપાય, ઇલ્મ, તદબીર, વિદ્યા।
હુનરી-નારી (વિ.) ચતુર, નિપુણ દક્ષ, પ્રવીણ, કારીગર।
હુન્નાળો (સં.) ગ્રીષ્મકાળ, ગ્રીષ્મ-ઋતુ, ગર્મીકા મૌસિમ।
હુનું (વિ) ગર્મ ઉષ્ણ।
હુપકો-પ્પો (સં.) હડ્ડી, કય, વમન, કર્દિ, ઉલ્ટી।
હુમેહુમ-હુમ (વિ.) બરાબર, સિલતા, જુલતા, બરાબર।

हुमसो (सं.) चढ़ाई, आक्रमण, हमला, धावा ।

हुमायु (सं.) एक प्रकारका पक्षी विशेष । [प्रतिष्ठा ।

हुरमत (सं.) आबरू, इज्ज़त,

हुरियो-हुरे (सं.) हुर्रा, आनन्द सूचक शब्द, जयजयकार दुर्दशा ।

हुरदु (सं.) उत्पात, भय, उपद्रव उल्कापात ।

हुरहु-हुरहु (सं.) ऊधम, शूकाम, दंगा, उपद्रव, शान्तिभंग ।

हुरहुमेहर-हुरहुडी (वि.) स्वामिद्रोही, राजद्रोही, उपद्रवी, ऊधमी शूकामी ।

हुरहरावणुं (क्रि.) बालकको गोदमें लेकर हिलाना-खेलाना ।

हुरबुं (क्रि.) बन्द होना, पल्ला आनेसे ढकना । [हुलराना ।

हुलाभणुं (सं.) प्यारमें खुशीसे

हुलावणुं (क्रि.) देखो हुलरावणुं ।

हुलावुं (क्रि.) समझाना, सम्मति देना । [हर्ष ।

हुलास (सं.) उल्लास, आनन्द,

हुलहुल (वि.) अविचारी, अविवेकी, विनाविचारे बीचमें बोलने वाला ।

हुशियार (वि) देखो होशियार ।

हुसन (सं.) खैरात, रूप, दिखावा, कान्ति, शोभा, हुस्न ।

हुसहुस (अ०) जल्दीसे, शीघ्रतासे ।

हुहु (सं.) शूल, आंकड़ा, हुक्का, बन्दरकी आवाज ।

हुहुवुं (क्रि.) हुहुकरना, शब्द विशेष करना बन्दरका बोलना ।

हूप (सं.) बानरी बोली ।

हूरी (सं.) अप्सरा, परी ।

हूं (अ०) हिष्ट, धुत्, छिट्, तिरस्कार, सूचक वाक्य विशेष ।

हृदय (सं.) छाती, उर, वक्ष, अंतःकरण, कलेजा, जिगर, मन, पेट, रत्नाशय, गुप्तार्थ ।

हृदय पिगळवुं (क्रि.) दया आना, चित्तपर प्रभाव होना ।

हृदयकमळ (सं.) हृदयरूपी कमळ ।

हृदयभेदक (वि) हृदयको विद्ध करने वाला, मर्मभेदक ।

हृदयशून्य (वि.) निर्दय, क्रूर, पाषाण हृदयी, मूर्ख । [कंत ।

हृदयेश (सं.) स्वामी, नाथ, पति,

हृदयेश्वरी (सं.) पत्नि, भार्या, प्रिया ।

हृषीकेश (सं.) सब इन्द्रियोंके प्रवर्तक विष्णु ।

હટ્ટપુષ્ટ (વિ.) મોટા તાજા, પ્રસન્ન, ઔર શરીરસે ભી સ્વસ્થ ।

હૈં (અ॰) ઐં વિસ્મયાર્થ સૂચક શબ્દ ।

હૈંકવું (ક્રિ.) તંગીમેં આના ।

હૈંકાર (સં.) અહંકાર ગર્વ અભિમાન

હૈંકારી (વિ.) ઘમંડી, ગર્વિષ્ઠ, અહંકારી ।

હૈંડવું (ક્રિ.) આના, ચલના ।

હે (અ॰) વિવેકસૂચક સમ્બોધન શબ્દ, રે, અરે, (સં.) ધૈર્ય, હિમ્મત ।

હેજ (સં,) હેતુ, પ્રેમ, સ્નેહ, પ્યાર । શીતલતા, ઠંડાઈ ।

હેઠ (અ॰) નીચે, તળે નીચેકા ભાગ ।

હેઠલાખુ (સં.) અધો ભાગ ।

હેઠળ-ળાં-ળું (અ॰) દેખો હેઠ ।

હેઠાણું (સં.) નીચેવાલી જગહ, હલકા, નીચા, નિમ્ન ।

હેઠે (અ॰) તળે, નીચે, ઉતરતા હુઆ, નીરસ ।

હેડ (સં) કડા, પૈર ફંસાનેકા લકડીકા સાધન, કાઠ, કૈદીખાના, જેલ । બૈલોંકા ઝુંડ (બિક્રીકે લિયે)

હેડકી (સં.) મૃત્યુ સમયકે અંતિમ શ્વાસ । જોરકા શ્વાસ ।

હેડંબા (સં.) ઘંટી ઔર ભીમકી રાજા કી, રાક્ષસી જો પાંડુ પુત્ર ભીમસેનકી પત્ની હુઈ થી ।

હેડિયો (સં.) બૈલોંકે ટોળેંકા રક્ષક, (વિ.) બૈલોંકે ઝુંડવાલા ।

હેડી (સં) બૈલોંકે બૈલોંકા ઝુંડ । (વિ.) બરાબર, બરોબા, સમાન ।

હેત (સં.) પ્યાર, સ્નેહ, માયા, પ્રેમ ।

હેત્વુ (સં.) બિલૌના, ગુડ્ડો, તોડક, ગુડ્ડા ।

હેત (સં.) પ્રીતિ, પ્રેમ, સ્નેહ, પ્યાર ।

હેતકુંવું (સં.) ગાડા, બૈલગાડી ।

હેતપ્રીત (સં.) પ્યાર, મોહબ્બત, કૃપા, મેહરબાન ।

હેતસ્વી (વિ.) હિતેચ્છુ, શુભેચ્છુ ।

હેતાળ (વિ) દયાલુ, કૃપાલુ, પ્રેમી ।

હેતુ (સં.) સબબ, કારણ, નિયમ, ઉદ્દેશ, ઇચ્છા, મનોરથ, મતલબ, અર્થ ।

હેતેસરી-શ્વરી (વિ.) હિતેચ્છુ, હિત ચિંતક, કલ્યાણ ચાહને વાલા ।

હેદલ (સં.) યુદ્ધસવારોંકી ફૌજ, અશ્વસેના ।

હેબક (સં.) ડર, ભય, ત્રાસ ।

હેબકવું (ક્રિ.) ડરના, ભય-ભીત હોના ।

हेम (सं.) सोना, स्वर्ण, कांचन, नागकेसर, बर्फ, हिम ।

हेमक (वि.) बेवकूफ, मूर्ख, ठठ, अज्ञान, नासमझ, डर, भय ।

हेमकूट (सं.) पर्वतविशेष ।

हेमखेम(सं.)हर्षआनंद,सहीसलामत ।

हेमगौर (वि.) बर्फ और मोगरेके समान सफेद ।

हेमन्त (सं.) हिमऋतु, सर्दीका मौसिम ।

हेरक (सं.) भेदू भेदिया, जासूस, गुप्त दूत, नौकर ।

हेरण्ड (सं.) ऐरण्ड, लोहेका चौकूंटा मोटा टुकड़ा जो किसी वस्तुको रखकर हथौड़े से कूटनेके काममें आता है ।

हेरफेर (सं.) चोरदृष्टि, गुप्त अवलोकन, निरीक्षण, ढूंढना, देखना ।

हेरफेर (सं.) अदलबदल, लौटपलट, अन्तर, फर्क, विरुद्धता । (वि.) बदलाहुआ, लौटाफेरा ।

हेरना (कि.) सुरतकी करना ।

हेरना (कि.) छुपके देखना, गुप्त दृष्टि रखना ।

हेरान (वि.) दुखी, पीडित, घबराया हुआ, व्यग्र, आकुलव्याकुल ।

हेरानगति (सं.) पीड़ा, दुःख, कष्ट, नुकसान, हानि ।

हेरापुं (कि.) प्यारसे देखना ।

हेराबु (कि.) जंगलमें जाना ।

हेरिअं (सं.) गुप्त रीतिसे देखना, शोक, फटकारा ।

हेरं (सं.) ढूंढ माळ, तलाश, गुप्त रीतिसे देखना, सांप, भेदू, भेदिया ।

हेरा (सं.) भेदू, भेदिया, छुपी बातोंका ज्ञाता ।

हेरेहेरा (सं.) आनाजाना, आवागमन, देखने के इरादेसे चक्कर ।

हेल (सं.) बोझा, भार, सीके साथपर पानी के पात्र । बेचने के लिये गाडीमें भरा हुआ घास, मजदूरी, हमाली, कविताके अंतमें ।

हेलहरी (सं.) मजदूर, बोझा उठाने वाला, हमाल, भारवाही ।

हेलना (सं.) तिरस्कार, अवज्ञा, अनादर ।

हेलफेरा (सं.) व्यर्थका चक्कर, मजदूरी, मेहनत, परिश्रम ।

हेलमेलपुं (कि.) हिलमिल के रहना, मिलजाना, मिळजुकर रहना ।

हेला (सं.) युद्ध, विग्रह, क्रीड़ा ।

हेलाभां (अ.) एक समयमें, फौरन्, तत्काल ।

हेवाली (सं.) मुसलमान लोगोंका ३५४ दिनका वर्षविशेष।
हेवि (सं.) सूर्य, सूरज, रवि।
हेवी (सं.) झड़ी, लगातार वृष्टि, सहेली, सखी, आली। राख, मसम (मुर्देकी), बगल, खलपत्र, गीतविशेष। [धक्का, झटपट।
हेसो (सं.) झपाटा, दबका, हानि,
हेस्सो (स.) गाड़ी के बैठने वालोंको गाड़ी के किसी गड्ढे में या परपरसे टकरानेका धक्का।
हेवा (सं.) अभ्यास, मुहावरा, टेव, आदत, प्रेक्टिस, महावास।
हेवातन (सं.) सौभाग्य, अहि वात, सुहाग।
हेवान (सं.) पशु, ढोर, जानवर।
हेवा निश्त (सं.) पशुता, मूर्खता, असभ्यता, अज्ञानता।
हेवाल (स.) हाल, वर्णन, आख्यान, कथा, प्रबंध, अवस्था, स्थिति, हालत। [लत।
हेश (सं.) आदत, टेव, अभ्यास
हेसं (सं.) देखो हृदय।
हेसिपो—ओ (सं.) मृगशिर, नक्षत्रके तारे, हिरणी नामसे प्रसिद्ध छः तारे।
हेसाहुड (सं.) अतीव्र।
हेसाहोसो (सं.) दुःखसे हृदयकी वेदना।
हेसाहसुं (क्रि.) घबड़ाहिम्मत होना।
हेसात (सं.) देखो हसात।
हेसाती (सं.) देखो हसाती।
हेसातोड (सं.) अत्यंत शोक, हृदयका फटना (वि.) जीतोड़, छातीको तोड़ने वाला, अत्यंत कठिन। [चित्त समाधान।
हेसा धारसु (सं.) संतोष, तृप्ति,
हेसा फाट (सं.) पुरुषत्व, शूर, हृदय फट जावे इतना (रोना)।
हेसा हुडं (वि.) मूर्ख, बेवकूफ, पागल, बुद्धिशून्य, अबुध।
हेसारखी (सं.) हार्तिक चुनी हुई दिवार।
हेसारखुं (वि.) दिलका मैला, मनमें ओट रखनेवाला धूना, घुना।
हेसालुं (वि) मूर्ख, मूढ, भूलने स्वभावका।
हेसुं (सं.) छाती, दिल, हृदय, हिया, मन, अंतःकरण, स्मरण-शक्ति, बावदाहत, हिम्मत, धैर्य, साहस, आंतरिक गुप्त चिंता।
हेसानी होली (सं.)आंतरिक चिंतनी जलन।

હૈયું પડવું (કિ.) કિસે કુછ भी न सूझे और न कुछ स्मरण रहे। मूर्छा।

હૈયાનું વેરું (सं.) दिलका मैला, दिलका पता न लगने देने वाला।

હૈયાનો હાર (सं.) बहुतही प्यारा।

હૈયામાં અંગારા ઊઠવા (कि.) कलेजा जलना, छाती जलना।

હૈયામાં અજ્ઞની ઝાલ છે (—) बहुतही वैर है (मनमें)।

હૈયામાં ભોંયરો હોવો (कि.) मनकी बात किसीपर प्रकट न होने देना। [रखना।

હૈયામાં હળી રાખવું (कि.) याद

હૈયામાં હાથ ખૂપેલો હોય તો ઠારે। ઝટ નિકળે (—) पेटमें कुछ कपटही नहीं है।

હૈયા મધ્યે કોટ બાંધી છે (—) रातदिन हृदय जलता रहता है।

હૈયું ઝપૂક ઝરતી નથી (—) साहस नहीं होता।

હૈયું ખાલી કરવું (कि) मन के उद्गारों को प्रकटकरके हृदयको शांतकरना।

હૈયું ભરાઈ આવવું (कि.) जी भर आना। रोने की इच्छा हो आना।

હૈયું હાલવું (कि.) जो कोई बात रातदिन दिलमें खटकती हो उसे अपने प्रेमीसे कहकर कलेजा ठंडाकरना।

હૈયું પડવું (कि.) आदत होना, टेव पड़ना।

હૈયું ફૂટી જવું (कि.) कम अक्ल होना, अचेत होना, बेसुध होना।

હૈયે ધરવું (कि.) ध्यान देना, लक्ष्य करना।

હૈયે હાથ રાખવો (कि.) धैर्य रखना, शान्ति धारण करना।

હૈયે તેવું હોઠે (अ०) जैसा दिलमें वैसाही मुँहमें।

હૈયે હાલવું (कि.) छातीसे लगाना।

હોંસ (सं.) इच्छा, उत्साह, हौंस, चाह।

હોંસાતોંસી (सं.) बढ़ाचढ़ी, प्रतिस्पर्द्धा।

હોંસીલું (वि.) इच्छुक, उत्साही, उमंगी।

હો (अ०) अच्छा, ठीक, बस, हुआ, ओ, अरे, रे, ए।

હોડ્યાં (सं.) भोजनोपरान्त, तृप्तिसूचक डकार।

હોડ્યાં ખરવું (कि.) हजम करना, अनधिकार वस्तुको पचा जाना।

હોકાયંત્ર (સં.) રસ્તા બતાવવાને સારૂ માર્ગસૂચક યંત્ર, મત્સ્યયંત્ર, દિશાસૂચકયંત્ર ।

હોકારો (સં) હાં, હું, હુંકારો, સુનને યા સમજાને કી સ્વીકૃતિકા સૂચક । સ્વીકૃતિ, સમ્મતિ, હુંકાર ।

હોકારો કરવો (ક્રિ.) ધમકાના, ડાટના ।

હોકારો(સં.)મોટી આવાજ, ચિલ્લાના ।

હોકો (સં.) હુક્કા, દેખો હોકાયંત્ર ।

હોજ (સં.) હોજ, ટંકા, પાની ભરનેકા કુંડ, હૌદ, હૌદી, । ખેલ, ખેલી ।

હોજાટ (સં.) લગના, પ્રવેશ, ધપ્પલ, તમાચા, ચાંટા । પટેલ ઔર ગાંવકે લોગોંકે બીચકા વાર્ષિક હિસાબ ।

હોજરી (સં.) જઠરાગ્નિ, ઉદર, પેટ ।

હોઠ (સં.) ઓંઠ, ઓષ્ઠ, પેટ ।

હોઠ ફફડાવવો (ક્રિ.) બડબડના ।

હોઠમાં ને હોઠમાં (અ૦) ધીરેસે, આહિસ્તેસે, હોઠહી હોઠોંમેં ।

હોડ (સં.) શર્ત, પણ, વચન, દાંવ, પેચ ।

હોડ મારવી (ક્રિ.) શર્ત બદના ।

હોડ પડવી (ક્રિ.) શર્ત હોના ।

હોડું (સં.) છોટી નાવ, ડોંગી ।

હોડવું (ક્રિ.) ગન્ધ આના, મન્દ મન્દ સુગંધ આના, મહેંકના, । ઓઢના ।

હોડણિયું (સં.) સ્ત્રિયોંકે ઓઢનેકા વસ્ત્રવિશેષ ।

હોડી (સં.) નાવ, ડોંગી, બોટા ।

હોડો (સં.) ઉકાન, આચ્છાદન ।

હોત્રુ (સં.) હસવર્ષ, વર્તમાનસાલ ।

હોતા (સં.) યજ્ઞમેં ઋગ્વેદકે મંત્ર બોલને વાળા, હવનમેં મુખ્ય બ્રાહ્મણ । હોમ કરનેવાલા ।

હોદ્દેદાર (સં.) ઓહદેવાળા, અધિકારી પદવીપ્રાપ્ત ।

હોદ્દો (સં.) ઓહદા, પદ, પદવી, સત્તા, અમલ, અધિકાર, હુકૂમત ।

હોદ્દો (વિ.) હૌદા, અંબારી, હાથી કે ઉપર કી બૈઠક । [સિક્કા ।

હોન (સં.) એક પ્રકારકા સોનેકા

હોનાર (સં.) હોનહાર, ભવિષ્ય, હોનેવાલા । [હોનહાર ।

હોનારત (સં.) બનાવ, ભવિષ્ય,

હોય (સં.) ભય, ડર, ત્રાસ, બીક ।

હોશિયારી(સં.) ફઝીલત, આહિસ્તગી ।

होम (सं.) हवन, यज्ञ, मंत्रपूर्वक अग्निमें आहुति देना। देवयज्ञ, आहुति, बलिदान।

होमकुंड (सं.) हवन करनेका गड्ढा, यज्ञकुंड, बलिदानका कुंड।

होमशाला (सं.) यज्ञशाला, हवन करनेका स्थान।

होमना (क्रि.) अर्पण करना, हवन करना, बलिदान करना, जलाना।

होमाना (क्रि) होमना, जलना।

होय (अ०) बेपरवाही में हाँका प्रयोग। होगा, खैर, चलताही है, मकता है।

होय होय (अ०) हायहाय।

होरपना (क्रि.) ठंडी होना, शांत होना।

होरना (क्रि.) बिकता हुआ लेना दुही होना, सोरना, समेटना लौटना।

होरा (सं.) एक घंटा, लग्न, दाहं घड़ीका समय, भविष्य, रेखा-विशेष।

होराभय (सं.) दुख, त्रास, कष्ट, पीड़ा, व्याकुलता। [विशेष।

होरिल (सं.) होली खिलौना बालक

होल (सं.) जमीन में गड्ढा खोदकर बनाया हुआ चूल्हा, भव, बर।

होलवन्हु (सं) देखो होलाग्नि, अग्नि का बुझना।

होलवना (क्रि, बुझाना, गुल करना, नाश करना शांत करना, ठंडा करना समझाना, सान्त्वन देना।

होलाग्नि (वि.) कूए के पास की ढाल जमीन जिसमें बैल पानी खींचत समय चलते हैं। गान गोंड।

होली (स) पर्व विशेष, फाल्गुन (माघ) पुड़कलिया।

होलेहिय (वि) हृदय, शून्य, उड़े दिलवाला, भ्रमित चित्तवाला।

होलो (सं.) पुड़कल, फाल्गुन, मोढ़ी, कमेड़ी, पक्षी विशेष। चूल्हे के आकारका छोटा चूल्हा आदि।

होवा (सं.) गड़बड़, हल्ला होहल्ला।

होवाना (सं.) बदहाल में इधर उधर दौड़ना, चैन पड़ना, शांति होना।

होवुं (क्रि) होना, बनना।

होने (क्रि.) हां वेशक, हकीकतमें, वास्तवमें।

હોશ (સં.) બુધિ, ભાન, ચેત ।

હોશિયાર (વિ.) સાવધાન, ચતુર ચાલાક, વિચક્ષણ, કાબિલ, કુશલ, પ્રવીણ દક્ષ ।

હોશિયારી (સં.) સાવધાની, ચાલાકી, ચતુરાઈ, ખબરદારી, કાબિલિયત, બુદ્ધિ, અક્ક ।

હોરી (અ૰) દેખો હુરી ।

હોસાન (સં.) દેખો હુસન ।

હોહેળાઈ (સ.) આલસ્ય, સુસ્તી ।

હોહેળાવું (સં.) સુખાના, શુષ્ક કરના ।

હોહેળુ (સં.) આલસી, સુસ્ત, કાહિલ ।

હોહો (સં.) હલ્લા, હોહલ્લા, શોરગુલ, ગડબડ, ધામધૂમ, પૂછતાછ, ખટપટ ।

હોળવું (ક્રિ.) સાફ કરના, વાળના, કેસ સંવારના, બિખરે હુએ બાળોંકે કંઘેસે ઓળના । કંઘા કરના ।

હોળાણા (સં.) હોળીમેં ડાલને કે લિયે બનાયે હુએ ગોબર કે પદાર્થ ।

હોળાષ્ટમી (સં.) પૂર્ણ, સબ દિખાને કા ચિન્હ વિશેષ, બકાર, (યહ ચિન્હ બપચો પૈસોં પર બનાતા હૈ)

હોળાષ્ટમો (સં.) દેખો હોળાષ્ટમી ।

હોળાયો (સં.) હોળીમેં બનેલે ગીત ગાનેવાલા હોળીકા સંબંધ ।

હોળી (સં.) ફાલ્ગુન માસ કા ઉત્સવ વિશેષ, ફાગ કે દિન, ફાલ્ગુન મહિને કી પૂનમ, ફાગુન સુદી ૧૫ ફાલ્ગુન માસકી પૌર્ણિમાકે દિન લકડી કપ્પે આદિ ઇકટ્ઠે કરકે ઉસમેં આગ લગાનેકી ક્રિયા । ગાયન વિશેષ, હોરી ।

હોળી વાળવી (ક્રિ.) ખરાબી કરના, ધૂળધાની કરના, બરબાદ કરના ।

હોળીનું નાળિયેર (સં.) મહાકઠિન કાર્યમેં સબસે પહિલે કૂદ પડનેવાલા વ્યક્તિ ।

હોળિયો (સં.) દેખો હોળાષ્ટમો, ઔર હોળિયો સોલહ હાથ લંબા બાંસ યા બડી-લકડી ।

હોજ (સં.) પાનીકા ગૌડા ગડ્ઢા । જલાશય, કુંડ, અગાધ જલાશય ।

હોસ્ટ (વિ.) એક માત્રિક સ્વર, કમ આવાજવાલા, લઘુ, છોટા વર્ણ ।

હોહ્સ (સં.) નાદ, શબ્દ, આવાજ, શબ્દ, અવાજ, ધીરે ધીરે આવાજ ।

क्षीम (अ०) लक्ष्मीका बीजमंत्र, शक्ति बीजोंका मूलमंत्र।

क्षीर (सं.) घी, घृत, आज्य।

क्ष

क्ष (क्ष) गुजराती वर्णमालाका ४५ वाँ अक्षर, यह अक्षर गुजराती भाषाकी प्राचीन पुस्तकोंमें "ल" अक्षरकी जगह काममें लाया गया है, इस अक्षरसे आरंभ होनेवाला एक भी शब्द नहीं है।

क्ष

क्ष (सं.) गुजराती वर्णमालाका ४६ वाँ अक्षर। यह संयुक्ताक्षर है। यह क और ष के संयोग से बना है। [का चतुःपंचमांश।

क्षण (सं.) पल, लहमा, सेकण्ड

क्षणभंगुर (वि.) अस्थिरबुद्धि, जिसके विचारोंमें स्थिरता नहीं।

क्षणभंगुर (वि.) क्षणभरमें नाश होनेवाला, नाशवान, अस्थिर।

क्षणभर (अ०) पलभर, थोड़ी सी देर।

क्षणिक (वि.) क्षणभरका, एक क्षणका, अल्पकाली, अनित्य।

क्षणबुद्धि (वि.) देखो क्षणभुद्धि।

क्षणे क्षणे (अ०) पल पलमें, बारम्बार।

क्षत (सं.) घाव, जख्म, क्षय, चोट। (वि.) घायल, फाड़ा हुआ, तोड़ा हुआ, जख्मी।

क्षति (सं.) हानि, नुकसान।

क्षतोद्भव (सं.) एक प्रकारका रोग जो पेटमें होता है।

क्षत्राणि(सं.)क्षत्रियाणी क्षत्रिय (स्त्री)

क्षत्रावणी (सं) देखो क्षत्रीपट।

क्षत्रीपट (सं.) क्षात्रधर्म, क्षत्रिय जातिका स्वाभिमान।

क्षत्रिय (सं.) द्वितीय वर्णका पुरुष, योद्धा, क्षत्री।

क्षपण (सं.) उपवास, व्रत।

क्षपा (सं) रात्रि, रात, निशा।

क्षम (वि.) शक्तिसम्पन्न, काबिल।

क्षमा (सं.) सबर, बरदाश्त, मुआफी। सहनशीलता, शांति, यम, तितिक्षा, माफी, पृथ्वी, धैर्य, रात्रि, रात, कृपा, दया।

क्षमापात्र (वि.) मुआफ करनेयोग्य, क्षम्य, क्षमायोग्य।

क्षमावान (सं.) मुआफ करनेवाला, धैर्यवान, दयालु, कृपालु, सहनशील, धैर्यी।

क्षमावंत (वि.) पूर्ववत् ।
क्षमाक्षमु (सं.) पंचांग नमस्कार ।
क्षमाशील (वि.) जो क्षमा स्वभाव वाला हो, बरदाश्त करनेवाला ।
क्षय (सं.) हानि, नाश, सड़न, कम होना, बिखाव, अन्त, प्रलय, राजयक्ष्मा, रोगविशेष, संवत्सरका नाम विशेष ।
क्षयतिथि (सं.) टूटी हुई तिथि मासिक तथा वार्षिक ।
क्षयवृद्धि (सं.) घटाबढ़ी ।
क्षयी (वि.) रोगविष, राजरोग ।
क्षयोपक्षम (सं.) नाश, अन्त, हानि ।
क्षर (वि.) नाशवान् घटनेवाला ।
क्षात्र (वि.) क्षत्रिय सम्बन्धी क्षत्रिय वर्ण विषयक, क्षत्रिय जातिका ।
क्षात्रधर्म (सं.) क्षत्रियोंका काम, (प्रजाकी रक्षा, दान, यज्ञ करना, वेदोंका स्वाध्याय, इंद्रिय दमन) ।
क्षार (सं.) खार, नमक, लवण, नोन, राख, भस्म, खाक ।
क्षारण (सं.) तंत्रद्वारा सत्व खींचना, स्वर्ण रौप्यः धातुकी भस्म ।
क्षारभूमि (सं) खनुर के पासकी भूमि, खारयुक्त भूमि ।
क्षालक (वि.) धोनेवाला, स्वच्छ करनेवाला । [छिड़कना ।
क्षालन (सं.) धोना, साफ करना,
क्षिति (सं.) भूमि, पृथ्वी, हानि, नुकसान, प्रलयकाल ।
क्षितिज (सं.) दृष्टि, मर्यादा, पृथ्वीके चित्रकी एक सिरेसे दूसरे सिरेतककी रेखा । दिगंत, आकाश और भूमि मिलते दिखते हैं, रेखा । [नरनाथ, भूप ।
क्षितिनाथ (सं) राजा, भूपाल,
क्षितिधर (सं.) शेषनाग, पृथ्वीको धारण करनेवाला कूर्म ।
क्षितिमंडल (सं.) पृथ्वीका गोला, भूगोल [फेंका हुआ ।
क्षिप्त (वि.) त्यागा हुआ,
क्षिप्र (वि.) तुरत करनी शीघ्र, ।
क्षिप्रा (सं.) खीर, दूधपाक खिचड़ी, एक नदीका नाम ।
क्षीण (वि.) पतला, दुबला, कमजोर, गरीब, शक्तिहीन कम वाला, खर्च किया हुआ, मृत, शत ।
क्षीणता (सं.) कमजोरी, कमजोरी निर्बलता, दुर्बलता, क्षुद्रिमांद्य ।

क्षीर (सं.) दूध, दुग्ध, पय, वृक्षरस, पानी, जल ।

क्षीरोदक (सं.) जिसमेंसे पहिननेका एक रेशमी बहुमूल्य वस्त्र ।

क्षुद्र (वि.) छोटा कमीना क्रूर, गरीब, तुच्छ, कंजूस नाचीज, निर्दय ।

क्षुद्रघंटाणी (सं) देखो क्षुद्रघंटिका ।

क्षुद्रघंटिका (सं) छोटे घुघरोंवाली तागड़ी, कंदोरा, काटेसूत्र ।

क्षुद्रता (सं.) हलकापन, नीचता, कमीनापन, अधमता, ओछापन ।

क्षुधा (सं.) भूख, खाद्य पदार्थ, बुभुक्षा, अभीप्सा, लोभ, आकांक्षा लालसा, उत्कंठा ।

क्षुधित (वि.) भूखा, बुभुक्षित ।

क्षुधा (सं.) भूखा, बुभुक्षित ।

क्षुर (सं.) छुरा, अस्तुरा, अस्तरा, खुर, सुम, खुरी ।

क्षुद्र (वि.) थोड़ा ज़रा हलका, नीच, तुच्छ, निर्जीव, अधम, क्षुद्र ।

क्षेत्र (सं.) जमीन, भूमि, खेत, तीर्थस्थान, पवित्र जगह, शरीर, देह, स्त्री, इन्द्रिय समूह, मन, घर, बाड़ा उर्वरा, भूमि, मार्ग ।

क्षेत्रज(सं.)बारह प्रकारके पुत्रोंमेंसे एक, नियोग द्वारा उत्पन्न संतान ।

क्षेत्रज्ञ (सं.) ज्ञाता, जानी, आत्मा, जीव, (वि.) सयाना, चतुर, होशियार, किसान ।

क्षेत्रपति (सं.) कृषक, किसान जमीनका मालिक, जीव ।

क्षेत्रपाल (सं.) पुरीकी रक्षा करनेवाला, रक्षपाल देवदेवीविशेष ।

क्षेत्रफल (सं.) क्षेत्रका परिमाण, क्षेत्रकी लंबाई चौड़ाईको गुणा करनेसे जो गुणन फल आता है । रकबा किसीभी व्यापारसे फलप्राप्ति ।

क्षेत्रस्थ (वि.) पुण्य भूमिमें रहनेवाला

क्षेप (सं.) प्रेरण, व्यर्थ खोना, फेंकना, अपमान, निन्दा, देरी, लांघना ।

क्षेपक (सं.) प्रक्षिप्त वाक्य, ग्रंथकर्ताके अतिरिक्त किसी अन्य के वाक्यका बढ़ाया हुआ भाग ।

क्षेपण (सं.) निन्दा स्वाय प्रेषण, बिताना गुजरना । अपवाद ।

क्षेपणी (सं.) मछली पकड़नेका जाल । नौकादण्ड ।

क्षेम (सं.) कुशल, राजी खुशी, जीते आजिवत, रक्षा, मुक्ति, दुनियाद, मंगल, आत्मलाभ कल्याण ।

क्षेमकर (वि.) कल्याण कर्त्ता आनंद कर्त्ता, सुखी करनेवाला ।

क्षेत्री (सं.) पृथ्वी, भूमि अलोहिनी ।

क्षोभ (सं.) व्याकुलता, उद्वेग । कम्प, थरथराहट, कांपना, भड़काव ।

क्षोभित (वि.) क्रुद्ध, व्याकुल, क्षुभित । [आना ।

क्षोभवुं (क्रि.) क्रुद्ध होना, गुस्सेमें

क्षौर (सं.) हजामत, मुंडन, बाल बनवाना ।

क्षौरी (सं) क्षुर, उस्तरा, अस्तुरा ।

क्ष्मा (सं.) पृथ्वी, भूमि, एक की : क्षमा ।

त्र

त्र (सं.) गुजराती वर्ण माला का ४७ वां अक्षर । यह संयुक्ताक्षर है । यह त और र के मिलानेसे बना है । त+र=त्र ।

नोट—

इस अक्षर के शब्द " त " में देखिये वहाँ लिखे गये हैं ।

ज्ञ

ज्ञ (सं.) गुजराती वर्णमाला का ४८ वां अक्षर, । यह भी संयुक्ताक्षर है । यह ज और ञ के संयोग से बना है । (वि.) ज्ञाता, ज्ञानी, जानकार, (सं.) जाननेवाला, वेदान्ती, ब्रह्मदेव, चंद्र, बुध, ग्रह, पंडित ।

ज्ञप्ति (सं.) समझ शक्ति, ज्ञान, बुद्धि, अक्कल, स्तुति जानना, समझना, अपमान करना, प्रतिज्ञा करना, अंगीकार करना स्वीकार करना, हुक्म करना, आज्ञा करना ।

ज्ञात (वि.) समझा हुआ जाना हुआ ज्ञान प्राप्त, देखो ज्ञाति ।

ज्ञातयौवना-भुज्या (सं.) जिसको नव यौवन आता है ऐसा जागी हुई स्त्री, (काव्य शास्त्रमें) ।

ज्ञातव्य (वि.) समझने योग्य जानने के लायक, ज्ञान प्राप्त करने योग्य ।

ज्ञातसिद्धांत (सं.) शास्त्रवेत्ता ।

ज्ञाती (वि.) जानकार, समझदार, बुद्धिवान, चतुर, दक्ष, प्रवीण ।

ज्ञाति (सं.) जात, जाति, कौम, वर्ण सगोत्रज, एकवंशी, भिन्नाही ।

ज्ञान (सं.) जानना, बुद्धि, समझ, जानकारी, माहिती अधिकता विकास।

ज्ञानकला (सं.) बुद्धिप्रकाश, समझ।

ज्ञानकांड (सं.) वेदके कांडों में से एक कांड, (कर्म कांड, उपासना काण्ड, और, ज्ञान कांड), ब्रह्मज्ञान, प्रत्येक वेदका भाग।

ज्ञानघन (सं.) ज्ञानका भरपूर ज्ञानसे भरा हुआ।

ज्ञानचक्षु (स.) विचार चक्षु, चर्म-नेत्र नहीं किन्तु ज्ञान नेत्र, बुद्धि।

ज्ञानतंतु (स.) बुद्धितंतु, मास्तिष्क में की वह नस जो बुद्धिसे संबंध रखती है।

ज्ञानदृष्टि (सं.) ज्ञानरूपी दर्पण।

ज्ञानदीप—क (सं.) बुद्धिका प्रकाश ज्ञानका उजियाला।

ज्ञानदृष्टा (सं.) ज्ञानकी दृष्टि, समदृष्टि, बुद्धिपूर्वक अवलोकन।

ज्ञानपरंपरा (सं.) एकसे दूसरा और दूसरेसे तीसरा इस प्रकार तर्कद्वारा निश्चित ज्ञान।

ज्ञानप्रसारक (वि.) ज्ञान फैलाने वाला बुद्धिके विकास देनेवाला

ज्ञानमय (वि.) ज्ञानयुक्त, ज्ञानवाला, (सं.) ईश्वर, परमात्मा।

ज्ञानमार्ग (सं.) ज्ञानका रस्ता, बुद्धिमार्ग।

ज्ञानभाषा—का (सं) अनेक विषयके अनेक ज्ञान। ज्ञान विषयक पुस्तक।

ज्ञानयोग (स.) ब्रह्मप्राप्तिके लिये ज्ञान के अर्थकी एकनिष्ठा।

ज्ञानलक्षण (कि) प्रत्यक्ष साधन सन्निकर्षका एक भेद।

ज्ञानरज्जु (सं.) ज्ञानतंतु, ज्ञान का सिलसिला।

ज्ञानवल्ली (सं.) जिस लता विशेषके खानेसे ज्ञानवृद्धि हो, सोमरस, भंगेडी लोग भाँगको ज्ञानवल्लि क ते हैं।

ज्ञानवान (सं.) ज्ञानी बुद्धिमान।

ज्ञानविज्ञान (सं.) ईश्वर तथा पंचतत्व विषयक ज्ञान इह लौकिक और पारलौकिक ज्ञान। धर्माधर्म का ज्ञान। सृष्टिके पदार्थोंका धर्म सम्बन्धी सामान्य और विशेष ज्ञान।

ज्ञानाभिलाषा—षी (सं) ज्ञानकी इच्छा, जिज्ञासा, ज्ञानकी इच्छा वाला।

ज्ञानी (वि.) देवज्ञ, जाननेवाला, तत्वज्ञानी, ज्योतिषी, समझदार। विवेकी, चतुर, बोधी। शेख।

ज्ञानीश्वर (सं.) ज्ञानी पुरुषोंमें
ज्ञानेन्द्रिय (सं.) जिनइंद्रियोंद्वारा पदार्थका बोध होता है, आँख, कान, नाक, जीभ, और त्वचा।
ज्ञानोदय (सं.) ज्ञानका विकास, बुद्धिका उदय—बुद्धि। [सदुपदेश।
ज्ञानोपदेश (सं.) ज्ञानका उपदेश,
ज्ञानोपासना (सं.) वेदविहित उपासना, वैदिक उपासना।
ज्ञापक (वि.) बतानेवाला, जनी, बोधक, गुरु, शिक्षक, ज्ञान देनेवाला, (सं) अनुशासन, विधान।
ज्ञापन (सं.) शिक्षा, बोधन, जनाना, बताना अवगत।
ज्ञेय (वि.) जानने योग्य ज्ञातव्य।

" रहो देश अभिमानमें नित्य फूलो।
सदा आर्य गौरव बढाओ बढाओ।
हिन्दी तुम्हारी अहै मातृ—भाषा।
इसे राष्ट्र—भाषा बनाओ बनाओ।

(शब्दरात्रि)
इति शम्

वैदिक विज्ञान ग्रन्थमाला

लेखकः—राज्यरत्न आत्मारामजी व्याख्यानवाचस्पति

एज्युकेशनल इन्स्पेक्टर बड़ोदा।

अपने ढंग की अपूर्व वैज्ञानिक सचित्र पुस्तकें

सृष्टिविज्ञानः—यह आर्यजगत् में प्रसिद्ध पुस्तक आर्यजगत् के प्रसिद्ध विद्वान राज्यरत्न श्री. आत्मारामजी (अमृतसरी) एज्युकेशनल इन्स्पेक्टर बड़ोदा ने लिखी है। इसमें वैदिक प्रमाणों से यह दर्शाया गया है कि सृष्टि उत्पत्तिसम्बन्धी जो वर्णन पुरुषसूक्त में दिया गया है वही यथार्थ और वैज्ञानिक है। ग्रन्थ छः अध्यायों में विभक्त है। इसमें डारविन मत आलोचना तथा सत्यसनातनवैदिक सिद्धान्तों का मंडन है, वेदउत्पत्ति, ईश्वरसत्ता, जीवसत्ता आदिअभेद्यनि ऐसे ऐसे अनेक विषयों पर जो आशंकाएं की जाती थीं उनके उत्तर युक्ति तथा प्रमाण के अतिरिक्त पश्चिमी विज्ञानदृष्टि से भी दिये गये हैं। एक नास्तिक भी इसे पढ़कर आस्तिक हो सकता है, विकासवाद का युक्तियुक्त खंडन है, विकासवाद जिसका प्रचार नास्तिकता के रूप में भारत में भी प्रचलित होता जाता है, इस अवैदिक लहर को रोकने के लिये यह पुस्तक रचकर ईश्वरवाद का सुदृढ़ मंडन किया गया है। यह पुस्तक उत्तम कागज़ पर छपी है और लगभग ३०० पृष्ठों की है इसमें पुरातत्व सम्बन्धी तीन चित्र भी दिये हैं। यह पुस्तक अपने ढंग की पहिली है। मूल्य केवल दो रुपये।

समालोचनाओं का सार

सरस्वती लेखकों ने बड़ी खोज और बड़ा श्रम किया है यह पुस्तक अवश्य पढ़ने योग्य है।

माडर्न रिव्यु " यह डारविन के विकासवाद की विद्वत्ता पूर्ण आलोचना है। ग्रन्थकार ने बहुतसी अंग्रेजी पुस्तकों की तथा हमारे प्राचीन संस्कृत साहित्य की सहायता ली है। उद्धृत वाक्य प्रकरणानुकूल हैं और ग्रन्थकार की युक्तियें प्रायः बहुत प्रबल हैं। निःसन्देह पुस्तक पढ़ने योग्य है।"

आर्य मित्र " प्रत्येक सत्यान्वेषी को इसे अवश्य खरीद कर पढ़ना चाहिए।"

" भास्कर इस पुस्तक के प्रकाशन से आर्य समाज के साहित्य में एक बहुत उपयोगी पुस्तक का समावेश हुआ है।"

वेद प्रकाश " पुस्तक बहुत अच्छी, वैदिक धर्मकी प्रतिष्ठा बढ़ाने वाली है। **ललिता** " पुस्तक मनन करने योग्य है।"

आर्यगजट " यह वैदिक सिद्धान्तों की पुष्टि के लिये बड़े मार्के की किताब है यह आर्य भाषा में अपनी किस्म की पहिली किताब है, जिस के पढ़ने से वैदिक सिद्धान्तों के दुश्मन भी दोस्त बन सकते हैं"

विद्यार्थी " यह पुस्तक अपने ढंगकी अद्वितीय रची है। इसमें वैज्ञानिक रीति पर वैदिक प्रमाणों और प्रबल युक्तियों से यह सिद्ध किया है कि मनुष्यजाति का पिता मनुष्य था बन्दर नहीं। बड़े परिश्रम से पूर्वीय और पश्चिमीय विद्वानों के मतों को उद्धृतकर उन पर बड़ी गंभीरता से विचार किया गया है। जिनके हृदयमें वेदों की कुछ भी प्रतिष्ठा बाकी है, उनके लिये यह पुस्तक बड़े कामकी है"।

MODERN REVIEW This is an elaborate criticism of Darwin's theory of evolution. The author has taken the help of many English books

as also of our own ancient Sanskrit literature. There are some very apt quotations and the author's reasonings are often very convincing. The book certainly requires perusal.

प्रकाश (उर्दू) " सृष्टिविज्ञान आर्य भाषा में यह किताब मास्टर आत्मारामजी अमृतसरी व महाशय एम. ए. दुदानी ने लिखी है। यह किताब उन चन्द किताबों में से एक है जो किसी साहित्य की शोभा हो सकती है। यह वेद के पुरुषसूक्त के आदिसृष्टि तथा वेदोत्पत्ति सम्बन्धी मंत्रों की वैज्ञानिक व्याख्या है किताब निहायत मेहनत व योग्यता से लिखी गई है और काबिल मुसन्निफान के लिये खुद बखुद दिल से तारीफ निकलती है। हम ज़बरदस्त सिफारिश करेंगे कि प्रत्येक आर्य पुरुष इस पुस्तक की एक प्रति खरीद करे। किताब की छपाई कागज़, ज़ाहिरी सूरत निहायत खूबसूरत है।

मर्यादा " हिन्दी में यह अपने ढंग की नई पुस्तक है। इसमें लेखकों ने सुप्रसिद्ध यूरोपीय विद्वान डारविन के विकासवाद का खण्डन करके सृष्टिसंबंधी वैदिक सिद्धान्त को प्रतिपादन किया है। पुस्तक अवश्य पढ़नी चाहिये "

सृष्टिविज्ञान पर विद्वानों की सम्मतियां

श्री. नारायणस्वामीजी भू. पू. श्री नारायणप्रसादजी मुख्याधिष्ठाता गुरुकुल वृन्दावन " सृष्टिविज्ञान " नामक पुस्तक लिखकर श्रीमान् मास्टर आत्मारामजी ने आर्यभाषा के साहित्य का बड़ा उपकार किया है। पुस्तक में डारविन के विकासवाद का प्रतिवाद बड़ी मनन करने योग्य तर्कों से करते हुए पुरुषसूक्त के मंत्रों की उत्तम व्याख्या मास्टरजी ने की है। पुस्तक संग्रह करने योग्य है। "

रायबहादुर रायसाहेब ठाकुरदत्तजी अवन रिटायर्ड डिस्ट्रिक्ट जज लाहौर आनरेरी मैजिस्ट्रेट वेप इत्यादिकलाल

" I find it full of instruction and varied information. It is a book for the English educated well versed in ' Hindi. '

रायसाहब डाक्टर श्यामस्वरूपजी बरेली—" सृष्टिविज्ञान बादलील पुस्तक है, डारविन मत-समीक्षा अच्छी तरह होगई है सबाई को बहुत लाभ हुआ।

श्री. नन्दनाथ केदारनाथ दीक्षित बी. ए. M. C. P. विद्याधिकारी बड़ोदा राज्य बड़ोदा—

" It aims at giving a scientific exposition of the Purshasukta in easy, chaste Hindi. Your interpretaion of the Vedic texts bearing on the subject of creation and evolution will be read by all with pleasure and profit. I have not the slightest hesitation in saying that your attempt at handling such a weighty and noble subject has been highly successful, your manner of presenting your point of view is at once winning and convincing, I wish every success to your publication.

श्री रघुनन्दन शर्माजी रचियता 'अक्षरविज्ञान' कानपुर

"सृष्टिविज्ञान " पुस्तक मिला, क्या कहना है, पुस्तक जिस गवेषक बुद्धि से लिखी गई है उस बात को वही जानते हैं जिनको ऐसे विषयों से प्रेम है, आपने इस पुस्तक द्वारा वैदिक संसार का जो उपकार किया है

इस बात को भी वही जान सकते हैं जिनको वेदों से प्रेम है, वेदोंकी जिन्दगी ही आर्यों की ज़िन्दगी है, वेदों की ज़िंदगी अपौरुषेयता है। अपौरुषेयता की ज़िन्दगी विकासवाद का खण्डन है। आपने वही किया है जो अत्यन्त आवश्यक सामग्री और उचित था। पुस्तक में एक भी अकरी विषय नहीं छूटा और ऐसा भी विषय नहीं लिखा गया जिस में युक्ति प्रमाण की खाली न हो।"

श्री भागीरथप्रसाद दीक्षित मुख्याध्यापक नार्मल स्कूल कोटा राज्य कोटा- 'आपकी 'सृष्टिविज्ञान' पढ़ी अत्युत्तम निकली है"

श्रीयुत मुन्शी नारायण कृष्णजी गुजराती:-
"सृष्टिविज्ञान मैंने अवल से आखीर तक पढ़ा। बाकै यह पुस्तक बड़ा भारी तथा गुप्त और वैदिक धर्मियों के लिये अपूर्व रत्न है। इसका एक एक लेख सकड़ों धन्यवाद के योग्य है"।

उपदेशक श्री स्वामी विश्वेश्वरानंदजी सरस्वती "आपकी पुस्तक प्रत्येक आर्य विद्वान् के पढ़ने तथा मनन करने योग्य है। डारविन मत के उन विचारों से जो वैदिक धर्म के विरोध में हैं। आपने बड़ा परिश्रम कर के उनकी उत्तम समालोचना की है"

श्री डाक्टर कल्याणदास जे. देसाई बी. ए एल. एम. एन्ड. एस. फिजीशन तथा सर्जन मंत्री आर्यसभा बम्बई। 'इस पुस्तक के प्रकाशित करने से आपने आर्यसमाज के सोशिअल लिटरेचर के बढ़ाने में बड़ा भारी प्रशंसनीय काम किया है। प्रत्येक आस्तिक को यह पुस्तक देखनी चाहिये।"

वैदिक विज्ञान ग्रन्थमाला की द्वितीय सचित्र पुस्तक शरीरविज्ञान अर्थात् शरीर संबंधी ऋग्वेद अष्टक ४ अध्याय ९५ के मंत्रों का स्वाध्याय इसमें दर्शाया गया है कि सब विद्याओं का आदि मूल वेद में है और भारतवर्षि

ही इसके आदि प्रचारक हुए हैं ऋषियों के पञ्चभूत तथा वातपित्त कफ के सिद्धांत की सत्यता दिखाकर यूरोप साइन्स के अन्तव्यों को अमान्य ठहराया है। पठनीय उत्तम छपी पुस्तक का मूल्य ।=)

THE STAR "The masterly way in which the author seems to have handled the subject shows his wide reading and sincere love of the ancient literature of the country. The book is interesting and valuable. It is moreover an acquisition to the Hindi literature."

विद्यार्थी–"पुस्तक सब के देखने योग्य है"

ललिता–"आर्यों की चिकित्सा तथा शल्यकर्म सम्बन्धी उन्नति के विषय में बहुतसी गवेषणात्मक बातें लिखी हैं। पुस्तक पढ़ने योग्य है।"

प्रताप–"पुस्तक उपयोगी है।"

आर्य्यगज़ट "शरीर विज्ञान" यह एक किताब का नाम है जो श्री पंडित आत्मारामजीएजुकेशनल इन्सपेक्टर बड़ोदा ने तसनीफ की है और महाशय जयदेव ग्रन्थमाला बड़ोदा ने आर्य्यभाषा में प्रकाशित की है। यह पुस्तक पहले बलप्राप्ति के नाम से उर्दू में छपी थी। अबी विज्ञान में जो नया दीवाचा पंडित आत्मारामजी ने लिखा है वह बहुत अद्भुत है इसमें साबित किया गया है कि जिसमें के मुताल्लिक जो वाकफियत दुनिया को अबतक हुई है या होगी उसका मूलवेद भगवान है चुनाचे किताब में यजुर्वेद अध्याय २५ के पहले नौ मंत्रों की बड़ी खूबी से व्याख्या की गई है जिससे जाहिर होता है कि एनाटोमी और फिजिओलोजी के तमाम असूल उनके अन्दर पाये जाते हैं और कीड़ेमकोड़ों अस्थानी बनावट और नाड़ियों वगैरह का हाल वह सब वेद से जाहिर होता है।

इन मन्त्रों में से सातवें मन्त्र के मुताबिक एक तस्वीर भी किताब में दी गई है जो इन्सानी जिस्मकी अन्दरूनी दुनियां का बखूबी हाल ज़ाहिर करती है।

किताब बहुत दिलचस्प और मुफीद है इससे पहिले पंडितजी ने सृष्टिविज्ञान लिखकर आर्य व हिंदु जनता पर बड़ा एहसान किया था और अब इस किताब के दुबारा छपवाने में और बढ़कर काम किया है जिसके मुताल्लासे वेदों की अजमत का सिक्का दिल पर बैठ जाता है। कीमत सात आना है।"

आत्मस्थान विज्ञान मू०) वैदिक विज्ञान ग्रन्थमाला की तृतीय पुस्तक है।

ब्रह्मचर्य:—लेखक राज्यरत्न आत्मारामजी.

अर्थात वैदिक स्तुति, प्रार्थना और उपासना की फिलोसोफी। यह प्रसिद्ध पुस्तक है जिसका उर्दू, गुजराती तथा बंगाली में अनुवाद हो चुका है इसमें अनेक शंकाओं के उत्तर ही नहीं दिये गये किन्तु वैदिक उपासना की पुष्टि में यूनान देश के तत्ववेत्ताओं पाइथागोरस, अफलातून के सिद्धान्तों का सार देते हुवे वर्तमान काल के विद्वानों के प्रमाण भी दिये हैं। जो संध्या करना चाहते हैं उनको संध्या की मीमांसा जानने के लिये यह ग्रन्थ अवश्य पढ़ना चाहिये। बढ़िया कागज़ के १७६ पृष्ठों पर मनोहर टाइप में छपी हुई पुस्तक का मूल्य बारह आने।

आर्यमित्र—" आर्यसमाज के उक्त विद्वान् ने यह पुस्तक प्रथमवार विक्रमाब्द १९५१ में छपाई थी। उसी पुस्तक को भी शांतिप्रियजी ने संशोधन कर दुबारा छपने के योग्य कर दिया है। पुस्तक की उपादेयता अन्त के भी मुख्तसर्जी के जीवन चरित्र से और भी बढ़ गई है।

ब्रह्मयज्ञ वा सन्ध्या प्रार्थना स्तुति और उपासना का महत्व दार्शनिक रीति से अच्छे प्रकार सिद्ध किया है। हर्ष की बात है कि मास्टरजी की पुस्तकें अब फिर 'अनवेद अदर्श' द्वारा संशोधित संस्करणोंमें प्रकाशित होने लगी हैं।"

आर्यसेवक—"ब्रह्मयज्ञ—इस पुस्तक का द्वितीय संस्करण हमारे सामने उपस्थित है। आर्यों की स्तुति प्रार्थनोपासना को वैदिक सिद्धान्तानुकूल दर्शाने में रचयिता ने विशेष परिश्रम किया है। यूरुप देशनिवासी फिलासफरों के सिद्धांत और वैदिक फिलासफी की श्रेष्टता दर्शाने में किसी प्रकार की कमी नहीं की है। प्रत्येक आर्य्य सद्गृहस्थ को उचित है, इस पुस्तक को अवश्य मंगा कर तदनुकूल कर्तव्य पालन करे, मूल्य केवल ।॥)"

भारतोदय—"ब्रह्मयज्ञ इस परमोपकारी पुस्तक में ब्रह्मयज्ञ अर्थात् ईश्वर की स्तुति प्रार्थना का संक्षिप्त अच्छी रीति पर किया है इसमें यूरोप के विद्वानों की सम्मतियां अधिकता के साथ उद्धृत की गई हैं जिससे आजकल के शिक्षित समुदाय का मन ईश्वरभक्ति की ओर अधिक आकृष्ट हो सकता है।"

वेदप्रकाश—"मास्टर आत्मारामजी अमृतसरी आर्य समाज के सुलेखक सुवक्तृक का लिखा है, यह पुस्तक सुंदर सुलक्षरों में छपा प्राप्त हुआ, सब देशों सब जातियों के ईश्वराराधन की चर्चा दिखाकर आर्यों के ब्रह्मयज्ञ की उत्तमता इसमें दिखाई है।"

मास्कर—"ब्रह्मयज्ञ—यह पुस्तक श्रीयुत आत्माराम (अमृतसरी) एण्युकेशनल इन्स्पेक्टर बड़ौदा की रची हुई है। इस पुस्तक का यह द्वितीय संस्करण चिकने, दर्शीज कागज पर मनोहर ढंग से प्रस्तुत किया है इसमें वैदिक ब्रह्मयज्ञ की व्याख्या नहीं किन्तु समालोचना की गई है

और अनेक विदेशियों की सम्मति से भी उसका स्पष्टरूप प्रतिपादन किया है। ब्रह्मविद्यार्थियों के पुस्तक पढ़ने योग्य है।

संस्कार चन्द्रिका—आर्य जगत् में प्रसिद्ध पुस्तक तृतीयवार छपकर तय्यार है। पृ० सं० ८५० मू० ३॥)

श्री सयाजी साहित्यमाला.

१ तुलनात्मक धर्मविचार अनुवादक राज्य रत्न व्याख्यानवाचस्पति आत्मारामजी इन्स्पेक्टर बड़ौदा मू. १) अंग्रेज़ी तथा यूरोप की भिन्न भिन्न भाषाओं में विविध देशों की भाषा, धर्म्म भावना, संसार घटना, पुराणकथा इत्यादि के अनेक ग्रन्थ तुलनात्मक परीक्षा करने वाले हैं परंतु खेद है की हमारी भाषाओंमें ऐसी तुलनात्मक पुस्तकों का एकदम अभाव ही है। अतः हमारा इस ओर प्रयत्न करना नवीन साहित्य तय्यार करना है तथा यह प्रथम प्रयास ही है। इस तुलनात्मक ढंग पर लिखी गई पुस्तक में यज्ञ, जादु, पितृपूजा, भावी जीवन, द्वंद्ववाद, बौद्धधर्म, ऐकेश्वरवाद, पर विवेचन किया गया है तथा अनुवादक महोदय ने अपनी भूमिका में विद्वत्तापूर्ण विचार प्रकट किए हैं जिससे कि प्रत्येक मनुष्य को विदेशीय विचारों के साथ साथ अपने धर्म विचार क्या हैं यह सहज में मालूम हो जाता है। सुन्दर सजिल्द पुस्तक का मूल्य १)

आर्यमित्र "हर्ष की बात है की इस समय हिन्दी साहित्य में भी तुलनात्मक पुस्तकें निकलने लगी हैं। हम अनुवादक के इस प्रयत्न को सर्वथा सराहनीय समझते हैं। इस पुस्तक में यज्ञ, जादु, पितृपूजा, भावी जीवन, द्वंद्ववाद, बौद्धधर्म तथा एकेश्वरवाद पर विवेचन किया गया है। इस पुस्तक से प्रत्येक मनुष्य को विदेशीय विचारों के साथ २ अपने धर्म विचार भी सहज में ही मालूम हो जाते हैं। पुस्तक सब दृष्टियों से

अच्छी है. जिल्द बंधी हुई है तथा छपाभी अच्छाहै इससे पुस्तक की उपादेयता और बढ़ जाती है।

माडर्नरिव्यु "The cause of useful literature in Hindi is being furthered by the Gaekwar of Baroda who has inspired zeal for the uplift of vernacular literature. Both the translation and get up of the book under notice are praiseworthy. This book is a valuable addition to Hindi religious literature."

माधुरी—"विषय नाम से ही स्पष्ट है। यह कंपेरेटिव रिलीजन पुस्तक का बढ़िया अनुवाद है। इसमें प्रायः संसार के सभी धर्मों के विचारोंकी संक्षिप्त रूप से तुलना की गई है। पुस्तक उपादेय और पढ़ने योग्य है। आशा है इसका भी यथोचित आदर होगा। कागज़ उत्तम चिकना, छपाई सफाई और जिल्द बढ़िया।"

२ "**अवतार रहस्य,**"—अर्थात् भारतीय तथा यूरोपीय पुराण कथाओं की तुलनात्मक समीक्षा मू० ।।।) यह एक दूसरी गवेषणात्मक अपने ढंग की अनूठी पुस्तक है। अनुवादक श्री शांतिप्रिय आत्माराम जी। इसमें निम्नलिखित विषय हैं। भाषाशास्त्र की उत्पत्ति, आर्य्यकुल और उसका आदि निवासस्थान, कूट प्रश्न और उसका समाधान, युगलक्षण तथा तज्जनित अनुमान, हिन्दू तथा पारसियों के पूर्वजों का सार्विध्य वस्तु विभाग, यूरोप की पूर्वकालीन तथा वेदकालीन कथायें, विश्वोत्पत्ति द्यौष्पितर, वरुण, इन्द्र, अग्नि, सूर्य, सोम, उषस, यम, वायु, अश्विनौ, हिन्दुओं के पुराण, पुराणोक्त विश्वोत्पत्ति, देवताओं की उत्पत्ति, ब्रह्मा, वरुण इन्द्र, अग्नि, सूर्य, विष्णु, मत्स्य, कूर्म, वराह, नृसिंह, वामन,

परशुराम, राम रामायण तथा हलियक, कृष्ण, बुद्ध, कल्कि, चन्द्र, वंश, वायु, अग्निनो, प्रकीर्ण उपसंहार विषयान्वित, सुंदर छपी पुस्तक का मूल्य ॥=) बिना जिल्द ॥)

Modern Review " The work is interesting and the introduction by the translator illuminating.

३ " **समुद्रगुप्त** "–भारतीय सम्राट् समुद्रगुप्त के इतिहास का वर्णन मू ॥=) अनुवादक श्री रविशंकर छाया बी. ए. एस. टी. सी. डी.

माधुरी— ' कागज, चिकना और छपाई उत्तम। इस पुस्तक का विषय ऐतिहासिक है। इसमें आर्यों के प्राचीन देश भारत के प्राचीन इतिहास के साधन, प्रारम्भ के वंश आदि विषयों का वर्णन करके गुप्तवंश के अन्तर्गत महाराज समुद्रगुप्त से सम्बन्ध रखनेवाली प्रायः सभी बातों का समावेश बड़ी योग्यता से किया गया है। तीन चित्रभी हैं। जिनसे पुस्तक की उपादेयता बढ़ गई है। यह जयाजी साहित्यमाला की हिन्दी में पांचवीं पुस्तक है। हर्ष की बात है यह पुस्तकमाला ऐसी ही उत्तमोत्तम पुस्तकें निकाल कर हिन्दी का बड़ा उपकार कर रही है। हिन्दीप्रेमियों और पुस्तकालयों को इस उपादेय पुस्तक की एक एक प्रति अवश्य मंगा-कर रखनी चाहिये.

Modern Review.

" This is another publication of the above meutioned series and contains the description of the gupta emperor besides a detailed historical perspective. The several appendices which are reproductions and illustrations of inscriptions, coins & pillars etc are useful in forming an idea of the times described.

४ नीतिविवेचन अनुवादक श्री कांतिलाल एम. ए. हैं। इसमें छः प्रकरण हैं, जो नीतिशास्त्र की भिन्न भिन्न पद्धतियों तथा सामान्य स्वरूप, पाश्चात्य नीतिशास्त्र, हिन्दू आर्य, चार्वाक, जैन, बौद्ध नीति, नैतिक जीवन, आज्ञापालन, स्वाधीनता उद्यम, साहस इत्यादि महत्वपूर्ण विषयों से पूर्ण २०० पृष्ठ की पुस्तक है मू० १।) तथा १।=)

सरस्वती—"श्रीमान् महाराजा गायकवाड़ ने साहित्य-सेवा के निमित्त दो लाख रुपये प्रदान किये हैं। उसके व्याज से 'श्री सयाजी साहित्यमाला' के द्वारा अनेक विषयों के ग्रन्थ प्रकाशित किये जाते हैं। खुशी की बात है इस ग्रन्थमाला में हिन्दी की भी उत्तमोत्तम पुस्तकें प्रकाशित की जाती हैं इस पुस्तक में हमारे शास्त्रों द्वारा बताये गये कर्म तथा नीति के साथ पाश्चात्य देशों के नियमों का तुलनात्मक विचार किया गया है। इसमें आर्यनीति, जैननीति, पाश्चात्यनीति नैतिकजीवन, आदि विषयों पर अच्छी विवेचना की गई है। पुस्तक अच्छे ढंग से लिखी गई है। अच्छी विवेचना की गई है। छपाई और सफाई उत्तम है"

श्री सयाजी बाल ज्ञानमाला

५ "कोष की कथा"—ले० श्री शान्तिप्रिय आत्मारामजी, सचित्र वैज्ञानिक पुस्तक कोष cell का पूर्ण परिचय देती है। जीवकोष क्या क्या कार्य शुरु से अन्ततक करता है, यह इस पुस्तक में भली प्रकार दर्शाया है। आजतक हिन्दी भाषामें इस प्रकारकी कोई भी पुस्तक नहीं यह पहिली ही पुस्तक है। पुस्तक बड़ी उपयोगी है मूल्य ॥) मार्डन रिव्यु की सम्मति इस प्रकार है

Kosh ki Katha "The munificence and far sightedness of maharaja Sayajirao Gaekwar of Baroda have instituted a very most useful and fascinating work in the shape of a seriesof juvenile

booklets called the Sayaji Bal gnana Mala. The booklet under notice is the sotry of the cell told most plainly. The illustrations will add to the utility of the work, and the glossary of technical terms is most helpful. The get up gives credit to the publishers."

श्रीयुत पुरोहित हरिनारायणजी शर्म्मा बी. ए. विद्याभूषण जयपुर कोषकी कथा की बड़ाई से मेरा विश्वास बढ़ा है मेरा खयाल है की इस सम्बन्ध में पुस्तक रूपेण कोई चेष्टा नहीं हुई।

आर्यमित्र "कोषकी कथा यह एक सुयोग्य लेखक की पुस्तक का अनुवाद है इस पुस्तक में यह दर्शाने का यत्न किया गया है की cell और कोष एक ही बात है प्राणिशास्त्र के विषय पर हिन्दी भाषा में ऐसी सरल पुस्तक निकलना अच्छी बात है यह पुस्तक प्राणिशास्त्र के छात्रों के लिये बड़ी सहायक होगी यूरोप के विद्वानों के विचारों का समावेश भी इसमें किया गया है। छपाई तथा कागज अच्छा है। मू॰ ॥)

ज्योति-"कोषकी कथा" प्राणविद्या में सेल cell शब्द कई बार प्रयोग होता है। आजकल के वैज्ञानिकों के मत में किसी भी जीवित वस्तु में उसका सब से सूक्ष्म भाग सेल अर्थात कोष है। इन्हीं अगणित कोषों के मेल से जीव जन्तु वनस्पति इत्यादि बनते हैं। इस पुस्तक में इसी कोषकी कथा दी गई है। कोष क्या है यह किस प्रकार जीवित शरीर में अपनी क्रिया करता है और किस प्रकार शरीर की भिन्न अवस्थाओं पर अपना प्रभाव डालता है और इनसे प्रभावित होता है यह बातें मनोरंजक भाषा में वर्णन की गई हैं, पुस्तक का विषय वैज्ञानिक है। यह हिन्दी भाषा के सौभाग्य की बात है कि अब इस में विज्ञान

सम्बन्धी पुस्तकों का निकलना भी आरंभ हो गया है। इस ओर ध्यान देने के लिए प्रकाशक हमारे धन्यवाद के पात्र हैं।"

सौरभ–"कोषों के क्रमिक विकास का नाम ही संसार है, इस पुस्तक में इस कोष की कथा का ही सरल भाषा में मनोरंजक वर्णन है। पुस्तक उपादेय है, एकबार अवश्य पढ़ें।"

६ **श्री हर्ष**–अनुवादक श्री आनन्दाप्रियजी बी. ए. एल एल बी. इसमें निम्नोल्लेखित विषय हैं। हर्ष के पूर्वज, पुष्यभूति प्रभाकर वर्धन, मौखरिवंश हर्षका जन्मकाल, प्रभाकर की मृत्यु, ग्रहवर्मा, राज्य वर्धन की मृत्यु हर्ष का दिग्विजय निमित्त कूच, राज्यश्री की खोज हर्ष का राज्याभिषेक उस के दया धर्म के कार्य तथा मृत्यू हर्ष के समय के राजे आदि। यह पुस्तकें बड़ोदा और इन्दौर तथा मध्य प्रदेश और बरार के विद्याधिकारियों के द्वारा पाठशालाओं में इनाम तथा पुस्तकालयों के लिए मंजूर की गई हैं।

(Modern Review).

Sri Harsha This is another publication of the above named series. The history of the Emperor Harshavardhana is presented in this nicely got up little book. The autograph signature of the emperor and the two appendices which give Madhuvana and the Bansakhera inscriptions have enhanced the charm and utility of the work. Thus the book will be found useful not only by a little advanced students but also the general public."

आर्यमित्र–" श्री हर्ष इस छोटी सी पुस्तक के पढ़ने से मालूम होजाता है कि भारत के प्राचीन इतिहास की सामग्री किस प्रकार संस्कृत साहित्य में भरी पड़ी है। इस पुस्तक के पढ़ने से बहुत सी ऐतिहासिक बातें मालूम होजाती हैं। पुस्तकालयों के लिए लिखी गई है पर इस से सभी लाभ उठा सकते हैं। कागज़ तथा छपाई अच्छी है। मू० ॥) "

श्रीयुत पुरोहित हरिनारायणजी शास्त्री बी. ए. विद्याभूषण जयपुर से लिखते हैं:–" श्री हर्ष को पढ़कर अतीव हर्ष हुआ। यह पुरातत्व में बड़े काम की पोथी हुई है। इस प्रकार की किताबों से हमारी ज़रूरतें पूरी होंगी। "

ज्योति–" हर्ष वर्धन भारत का अन्तिम आर्यसम्राट हुआ है, आदित्य जीवन, प्रखर प्रताप तथा समृद्धिशाली राज्य का वर्णन कविराज ने अपने श्रीहर्ष नामक काव्य में बड़ी ओजस्विनी और मधुर भाषा में किया है यह पुस्तक बाण की संस्कृत पुस्तक और चीनी यात्री हुयेनत्सङ्ग के विवरण तथा इसी प्रकार इधर उधर फैली हुई अन्य सामग्री के आधार पर लिखी गई है। पुस्तक के पाठ से एक बार हर्ष के समय का चित्र आंखों के सामने खिंच आता है। पुस्तक का विषय ऐतिहासिक है और अनुसंधान पूर्वक लिखा गई है। इसके पाठ से हिन्दी भाषा जानने वालों को उस समय के इतिहासका बड़ा अच्छा ज्ञान हो सकता है। "

हिन्दी जेकब्स–" इस पुस्तक में महाराज और महाकवि श्री हर्ष का जीवन वृत्तान्त है और ऐतिहासिक दृष्टि से लिखे जाने के कारण पुस्तक का महत्व बहुत बढ़गया है। इससे उस समय के इतिहास पर अच्छा प्रकाश पड़ता है और लेखक के अनुकरणीय अध्ययन का पता चलता है इतिहास प्रेमियों के लिये पुस्तक बहुत ही उपयोगी है। विषयक्रम व्यवस्थित और भेद शैली उत्कृष्ट है हम लेखक के इस प्रयास का हृदय से सराहना करते हैं "

माधुरी–" श्री हर्ष काव्य उत्तम छपाई सफाई मनोहर, बालबोधी लिखी श्रीहर्ष चरित पुस्तक और हिएनसांग तथा अन्य ऐतिहासिकों की एतद्संबंधी गवेषणा के आधार पर यह पुस्तक लिखी गई है। इसमें निपुण कवि श्रीहर्ष का वृत्तांत सर्वस्तर सप्रमाण वर्णित है। पुस्तक बालकों के लिए लिखी जाने पर भी बहुतसी बड़ों के काम की है"

सौरभ–" पुस्तक ऐतिहासिक तत्वों से पूर्ण और सुबोध्य है इसकी वर्णन शैली उत्तम और सारगर्भित है। इसमें महाराज श्री हर्ष का जीवन वृत्तांत है जो कि प्रत्येक भारतवासी के पढ़ने योग्य है। पुस्तक मुख्यतः बालकों के लिए लिखी गई है परन्तु इससे अनेक युवा और वृद्ध भी लाभ उठा सकते हैं।"

सब प्रकार की हिन्दीसाहित्य की उत्तमोत्तम पुस्तकें मिलनेका पता,

जयदेव ब्रदर्स बड़ोदा.

UNIQUE PUBLICATIONS.

HOW TO GROW RICHES	0– 8–0
Openings for youngmen	1– 0–0
Industrial Encyclopoedia	1– 8–0
Choice Expressions	0– 2–0
Everybody his own Doctor	0–10–0
Students Noble path	0– 2–0
Mail Order Business	0– 8–0

Jaideva Bros BARODA.

સ્વદેશ લખાણોથી પંકાયલું અને મુંબઇ તેમજ
દરેક શહેરે શહેર બહોળો ફેલાવો
પામેલું પત્ર.

"ધી મોડલ."

જે આખા હિંદુસ્તાનનું પહેલુંજ અઠવાડિક છે અને દર રવિવારે સાંજે તાજા સમાચારો તથા ભરપુર વિવિધ લખાણો સાથે નિયમીત જહાર પડે છે.

વાર્ષિક લવાજમઃ—મુંબઇ ૩ ૫) દેશાવર ૩. ૬) પરદેશ ૩. ૯).

જાહેરખબરો તેમજ વધુ વિગતો નીચલે સરનામે લખ્યે યા મળે મળી શકશે.

એચ. ફરદુનજી.
અધિપતિ,
૮૨ મેડો સ્ટ્રીટ, કોટ,
મુંબઇ.

लक्ष्य, प्रचार, प्रभाव, सर्वोपयोगिता, आदि सभी
दृष्टियों से सर्व श्रेष्ठ राष्ट्रवादी
हिन्दी दैनिक।

'आज'

संसार भरके ताजेसे ताजे और विस्तृत विशद तथा विश्वसनीय समाचारों, विद्वान बहुज्ञ संवाददाताओं द्वारा भेजी हुई जर्मनी, जापान, अमरीका आदिकी चिट्ठियों, सामयिक समस्याओं, अन्तर्राष्ट्रीय पहेलियों और कूट नीतिकी चालोंको समझानेवाले लेखों, व्यापारव्यवसाय उद्योग धंधोंके विशेष उपयोगी समाचारों तथा सम्मतियों, बढ़िया सामयिक कहानियों, कविताओं हास्यविनोद, साहित्य, विज्ञान, स्वास्थ्य, अर्थनीति, समाजनीति आदि आदि आदि सभी लोकोपयोगी विषयोंकी चर्चा तथा निष्पक्ष आलोचनाओं, निर्भीक किन्तु गंभीर सम्पादकीय लेखों, टिप्पणियों तथा समय समय पर चित्रों से समन्वित और एक मात्र राष्ट्रहितकी दृष्टिसे प्रकाशित विज्ञापन दाताओं के लिए सबसे अच्छा साधन।

बड़े आकार के आठ पृष्ठ.

वार्षिक मूल्य बारह रुपये; एक प्रतिका मूल्य दो पैसा।

व्यवस्थापक 'आज',
ज्ञान मण्डल, काशी।

वैदिक धर्म प्रचारमाला

इस ग्रन्थमाला में सस्ते मूल्य की पुस्तकें प्रकाशित होती हैं जो कि सब के पढ़ने योग्य हैं।

१ मज़हबे इस्लामपर एक नज़र =)

२ ऋषि पूजा की वैदिक विधि =)

३ श्वेतपक्षीनु शंभ =)

प्राप्ति स्थान:—

महेन्द्र प्रताप कंपनी—बडोदा.

Printer's and Stationer's Annual and Directory of Asia.

A General Review of The Year's Industry and Commerce. Of Interest to the Printers, Stationers and the Allied Traders of Asia.

Articles of interest to the particular trades, useful information and reference tables calendar of important events, complete diary and an exhaustive directory are the main features. This reference book being the best of its kind in the East finds a permanent place on every businessman's desk.

Further particulars from the Publishers

CAMA, NORTON & COMPANY,

Post Box 888 Bombay. (India).

ADVERTISERS' BEST MEDIA.

THE ADVERTISER BARODA.

ADVERTISE
AND
INCREASE YOUR BUSINESS.

THE Advantages of PUBLICITY in Commercial Business is now universally recognised as the essential of all successful enterprise. Without it a Proprietor of a big firm can never expect to leave a prosperous concern and amass a large fortune. The late Sir Alfred Bird M. P. we are told belonged to that enterprising generation of business men who first grasped the potentialities of the modern Press as a means of bringing their wares to the notice of the general public. He not only had foresight but good sound practical imagination and possessed the gift of insight into the popular mind to such a degree that he was able to realise the next need before it occurred to anybody else. In India merchants are handicapped by the limited number of suitable mediums which are available for advertising and they have necessarily to exercise great care in deciding which publications will give the most publicity. But why worry over this when The ADVERTISING CALENDAR & The ADVERTISER BARODA offer the the Best mediums it is possible to get. Both have very large circulations and the advertising rates are very moderate.

For terms apply Advt. Manager Jaideva Bros BARODA.

विज्ञापन दाताओं के लिए हिन्दी गुजराती मराठी English भाषामें विज्ञापन देनेका सर्वोत्तम साधन है मगुना मुफ्त मिलता.

मैनेजर विज्ञापक बडोदा.

वि ज्ञा प क व डो दा रा.